KALKI AVATAR INTERNATIONAL · BHAVISHYA MALIKA

ॐ

Bhavishya Malika

Guidance & Questions Answered

Answers by Pandit Dr. Shri Kashinath Mishra, in his own words

Compiled from the live question-and-answer sessions of the Bhavishya Malika official channel

3,322
questions

196
sessions

Edition · September 2026
kalkiabatara.org/qa

About this book

Every answer in this book was spoken by Pujya Pandit Dr. Shri Kashinath Mishra during his live question-and-answer sessions, and has been transcribed and translated by the Kalki Avatar International team. Nothing has been added; where an answer was shortened for the page, the linked video carries his complete words.

Each answer ends with a link that opens the exact moment in the recording where Pandit ji gives that answer, so you can always hear him directly.

The same collection can be searched online, in Hindi and English, at kalkiabatara.org/qa.

> Spiritual preparation. According to Bhavishya Malika, sincere seekers are encouraged to practise Madhava Naam Jaap, observe Trisandhya, study the Srimad Bhagwat Mahapuran, follow a strictly vegetarian lifestyle, avoid intoxicants and maintain purity in thought, speech and conduct.

Official websites

Bhavishya Malika Official Website
https://www.bhavishyamalika.com

Kalki Avatar International
https://www.kalkiabatara.org

Trisandhya, Downloads and Important Updates
https://kalkiabatara.org/resources.html#downloads

Bhavishya Malika Trisandhya Information
https://www.bhavishyamalika.com/trisandhya

Jai Jagannath · Jai Shree Madhav

Contents

1	L1 - भविष्य मालिका में कलियुग, LIVE by pandit kashinath Mishra	30 May 2021	Questions 1–16
2	L2 मनुष्य समाज को सत्य युग में जाने का मार्ग, LIVE by pandit kashinath Mishra	06 June 2021	Questions 17–32
3	L3 कलियुग के अंत का संकेत देवी - देवताओं के मंदिरों से, LIVE by pandit kashinath Mishra	13 June 2021	Questions 33–60
4	L4 कल्कि भगवान के साथ भेट करने का मार्ग, LIVE by pandit kashinath Mishra	19 June 2021	Questions 61–95
5	L5 कलियुग अंत के बाद प्रकृति, पंचभूत, संत समाज में क्या बदलाव आएगा? LIVE by pandit kashinath Mishra	20 June 2021	Questions 96–121
6	L6 विश्व में आद्य सत्य युग का, प्रजा शासन धारा और धर्म का विचार कैसे रहेगा? LIVE	27 June 2021	Questions 122–141
7	L7 महाविनाशक परमाणु बम से रक्षा पाने का उपाय। #kashinathmishra	04 July 2021	Questions 142–143
8	L8 महाविनाशक परमाणु बम से रक्षा पाने का उपाय, #kashinathmishra	04 July 2021	Questions 144–161
9	L9 विश्व के सभी भक्तों के बारे में (पद्म कल्प टीका ग्रंथ) भविष्य मालिका में वर्णन है।	11 July 2021	Questions 162–190
10	L10 चारों धाम से कलियुग अंत के संकेत , Pandit Kashinath Mishra	18 July 2021	Questions 191–212
11	L11 वैष्णव धर्मी भक्तों के लिए मालिका में क्या चेतावनी है? Pandit Kashinath Mishra |	25 July 2021	Questions 213–229
12	L12 सारे विश्व मे जल प्रलय के तांडव होने का कारण क्या है? Pandit Kashinath Mishra	01 August 2021	Questions 230–246
13	L13 भविष्य मालिका ओड़िआ भाषा में क्यों लिखा गया? Pandit Kashinath Mishra	08 August 2021	Questions 247–269
14	L14 सारे विश्व के भक्त कैसे और कहाँ एकत्रीकरण होंगे ? Pandit Kashinath Mishra	15 August 2021	Questions 270–289
15	L15 कलियुग के बीच में ही सत्य युग का आगमन होगा। Pandit Kashinath Mishra	22 August 2021	Questions 290–309
16	L16.1 सुधर्मा महा महासंघ के आभिमुख्य और विश्व सनातन धर्म की प्रतिष्ठा	29 August 2021	Questions 310–340
17	L16.2 सुधर्मा महा महासंघ के आभिमुख्य और विश्व सनातन धर्म की प्रतिष्ठा	29 August 2021	Questions 341–354
18	L17 भक्तों का एकत्रीकरण कहां होगा? और कल्कि भगवान के साथ कैसे भेट होगा?	05 September 2021	Questions 355–385
19	L18 पंचसखा रचित-भविष्य मालिका, रचना का उदेश्य क्या है I LIVE	12 September 2021	Questions 386–407
20	L19 कलियुग - अंत के बारे में विस्तृत वर्णन | Detail Description about 'END OF KALIYUG''. LIVE	19 September 2021	Questions 408–430
21	L20 विश्व में 64 प्रकार की बीमारी आएगी। मनुष्य लोगों के मुख से खून निकलेगा . LIVE	26 September 2021	Questions 431–453
22	L21 तृतीय विश्व युद्ध मे भारत के साथ कौन कौन देश रहेंगे? LIVE	03 October 2021	Questions 454–475
23	L22 कल्कि भगवान को कैसे पहचानेंगे? How to identify Sri KALKI Bhagavan. LIVE	17 October 2021	Questions 476–488
24	L23 भक्ति के माध्यम से कल्कि भगवान का दर्शन मिलेगा	31 October 2021	Questions 489–513
25	L24.2 सम्पूर्ण विश्व को भूकंप ग्रास करेगा LIVE	07 November 2021	Questions 514–529
26	L24.1 सम्पूर्ण विश्व को भूकंप ग्रास करेगा LIVE	07 November 2021	Questions 530–531
27	L25 वर्तमान के समय में बच्चे लोग को पिता-माता को क्या शिक्षा प्रदान करना जरूरी है? LIVE	14 November 2021	Questions 532–561
28	L26 राजा का शासन धर्म कैसा होना चाहिए? LIVE	21 November 2021	Questions 562–587

29	L27 कल्कि भगवान सभी भक्तों को "अमर कटक" में दर्शन देंगे LIVE	28 November 2021	Questions 588–614
30	L28 महामारी से उद्धार का रास्ता The way to get divinity from this PANDEMIC -- LIVE	05 December 2021	Questions 615–633
31	L29 सम्भूत सम्बल ग्राम कहां है? जहा कल्कि भगवान जन्म लिए हैं? GOOGLE MEET #Kalkiavatar #LIVE	09 December 2021	Questions 634–654
32	L30 तुर्की, पाकिस्तान के साथ मिलके भारत के विरुद्ध युद्ध करेगा---GOOGLE MEET---- #Kalkiavtar #LIVE	12 December 2021	Questions 655–671
33	L31 श्री जग्गनाथ जी छत्तिया बट्ट जाएंगे	16 December 2021	Questions 672–685
34	L32 सत्य में रहने वाले भक्तो को निंदा-अपमान मिलेगा-- विष्णु भगवान संहार के लिए कल्कि रूप धारण करेंगे	19 December 2021	Questions 686–714
35	L33 कलियुग के साधु - संत लोग कैसे चरित्र के होंगे?	23 December 2021	Questions 715–727
36	L34 जब बार-बार एक दिन में संक्रांति और अमावस्या एक साथ पड़ेगा, तब महाप्रलय आएगा।	26 December 2021	Questions 728–753
37	L35 नया साल, पिछले साल से और भी विनाश लाएगा। उद्धार पाने का मार्ग क्या है ? LIVE	30 December 2021	Questions 754–773
38	L36 वैष्णो देवी मंदिर से अशुभ की सूचना LIVE	02 January 2022	Questions 774–779
39	L37 मृत्यु से विजय का रास्ता क्या है-- LIVE	06 January 2022	Questions 780–818
40	L38 - सत्संग की धारा क्या है?	09 January 2022	Questions 819–827
41	L39 कलियुग से सत्य युग जाने का मार्ग । How to go SATYA YUG LIVE	13 January 2022	Questions 828–846
42	L40 इन्द्र देव अन्याय करेंगे, तेज वर्षा होगी-- LIVE	16 January 2022	Questions 847–857
43	L41 सत्य-न्याय के पुनः उद्धार के लिए, कल्कि भगवान धरावतरण कर चुके हैं। LIVE	20 January 2022	Questions 858–879
44	L42 राजा बहुत अन्याय करेंगे, बहुत लोगों की मौत होगी। --कलियुग अंत के प्रमाण-- LIVE	23 January 2022	Questions 880–898
45	L43 कलियुग अंत होने के 13 प्रमुख कारण, 13 main reasons for the end of Kali Yuga,-- LIVE	30 January 2022	Questions 899–921
46	L44 नीम के पेड़ से निरंतर दूध निकलना, कलियुग अंत की प्रमुख सूचना।-- LIVE	03 February 2022	Questions 922–965
47	L45.2 आगे आने वाले भूकंप के बारे में भविष्य मालिका में क्या वर्णित है? -- LIVE	06 February 2022	Questions 966–966
48	L46 Google meet with Pujya Pandit KASHINATH Misra ji ,-- LIVE	02 October 2022	Questions 967–982
49	L47 Google meet with Pujya Pandit KASHINATH Misra ji ,-- LIVE	09 October 2022	Questions 983–994
50	L48 Today's Google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagwat Mahatamya part -1	13 October 2022	Questions 995–1002
51	L49 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Part- 2	16 October 2022	Questions 1003–1018
52	L50 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagwat Mahatamya Part -3	20 October 2022	Questions 1019–1025
53	L51 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagbat Mahatamya part -4	23 October 2022	Questions 1026–1040
54	L52 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagabat Mahatamya Part -5	27 October 2022	Questions 1041–1050
55	L53 Bhagawat Mahatmya Part -6 " भगवान व्यास-नारद संवाद, भागवत रचना का कारण" #live #malika	30 October 2022	Questions 1051–1068

56	L54 - जोशीमठ, बद्रीधाम और उत्तराखंड के बारे में भविष्य मालिका में क्या वर्णन है?	19 January 2023	Questions 1069–1083
57	L55.2 - भविष्य मालिका के अनुसार एशिया, अमेरिका और खाड़ी देशों के विनाश का समय आ रहा है।	22 January 2023	Questions 1084–1095
58	L55.1 - भविष्य मालिका के अनुसार एशिया, अमेरिका और खाड़ी देशों के विनाश का समय आ रहा है।	22 January 2023	Questions 1096–1096
59	L56 - राजस्थान जैसा रेगिस्तान अंचल में होने वाले परिवर्तन पर भविष्यवाणी | पं. काशीनाथ मिश्र जी	26 January 2023	Questions 1097–1114
60	L57 - भविष्य मालिका की प्रचार धारा से भक्त लोग सत्य युग को जाएंगे और धर्मसंस्थापना होगा।	29 January 2023	Questions 1115–1116
61	L58 - जलवायु परिवर्तन का संकेत कलियुग की समाप्ति का प्रमाण।	02 February 2023	Questions 1117–1133
62	L59.2 - श्रीमद् भागवत में कलियुग - अंत का प्रमाण | पं. श्री काशीनाथ मिश्र	19 February 2023	Questions 1134–1146
63	L59.1 - श्रीमद् भागवत में कलियुग - अंत का प्रमाण | पं. श्री काशीनाथ मिश्र	19 February 2023	Questions 1147–1147
64	L60 - विश्व के किन देशों में खाद्य का अभाव होगा | पं. काशीनाथ मिश्र के संग	23 February 2023	Questions 1148–1163
65	L61 - 16 मण्डल गठन एवं भक्तों का उद्धार कैसे होगा? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	26 February 2023	Questions 1164–1175
66	L62 - घर में शांति कैसे आएगी? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	03 March 2023	Questions 1176–1191
67	L63 - Google Meet पं. काशीनाथ मिश्र जी	05 March 2023	Questions 1192–1205
68	L64.1 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	09 March 2023	Questions 1206–1226
69	L64.4 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	12 March 2023	Questions 1227–1231
70	L64.3 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	12 March 2023	Questions 1232–1240
71	L65 - विश्व सनातन धर्म का तृतीय महासत्संग (सूरत सभा) | पं. काशीनाथ मिश्र जी	07 May 2023	Questions 1241–1253
72	L66 - 'माधव' नाम कैसे पापों से रक्षा करता है? | पं. काशीनाथ मिश्र जी	11 May 2023	Questions 1254–1271
73	L67 - कलियुग अंत एवं सत्ययुग आगमन पर विचार | पं. काशीनाथ मिश्र जी	01 June 2023	Questions 1272–1284
74	L68 - Google Meet | With Param Pujya Kashinath Mishra Ji | पं. काशीनाथ मिश्र जी	04 June 2023	Questions 1285–1297
75	L69 - Google Meet | With Param Pujya Kashinath Mishra Ji | पं. काशीनाथ मिश्र जी	08 June 2023	Questions 1298–1308
76	L70 - मालिका में पुरी के राजा का वर्णन | पं. काशीनाथ मिश्र जी	11 June 2023	Questions 1309–1320
77	L71 - प्रेम - मंदिर में आग लगना एवं द्वारकाधीश मंदिर का ध्वज फटना | पं. काशीनाथ मिश्र जी	15 June 2023	Questions 1321–1349
78	L72 - चारों धाम से सत्ययुग आगमन के संकेत | पं. काशीनाथ मिश्र जी	18 June 2023	Questions 1350–1360
79	L73 - श्री जगन्नाथ जी और तुलसीदास जी | पं. काशीनाथ मिश्र जी	22 June 2023	Questions 1361–1381
80	L74 - श्री जगन्नाथ क्षेत्र से कलियुग अंत का प्रमाण | पं. काशीनाथ मिश्र जी	25 June 2023	Questions 1382–1391
81	L75 - कल्कि भगवान का स्वरूप कैसा होगा ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी	30 June 2023	Questions 1392–1398
82	L80 - सत्ययुग का ध्वज पंचरंगी ही क्यों ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी	09 July 2023	Questions 1399–1417
83	L79 - LIVE | भक्त और भगवान का मिलन | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी एवं आचार्य सलिल जी	09 July 2023	Questions 1418–1429
84	L85 - क्या मालिका में चन्द्रयान का वर्णन है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी	24 July 2023	Questions 1430–1447
85	L86 - कल्कि अवतार का श्री द्वारिकाधीश मंडल ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी	27 July 2023	Questions 1448–1459

86	L87 - द्वारकाधीश का ध्वजादंड टूटा	यह किस बात का संकेत है ?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	30 July 2023	Questions 1460–1470
87	L92 - विश्व युद्ध में भारत का क्या होगा?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	18 August 2023	Questions 1471–1482
88	L93 - धर्म - संस्थापना के समय में मनुष्य क्यों अनजान है ?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	20 August 2023	Questions 1483–1487
89	L94 - सत्ययुग में नए सूर्य एवं चन्द्र की स्थापना	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	20 August 2023	Questions 1488–1515
90	L97 - तृतीय विश्व युद्ध के बाद राजतंत्र स्थापित होगा ?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	03 September 2023	Questions 1516–1530
91	L96 - सनातन धर्म का तत्त्व क्या है ?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	03 September 2023	Questions 1531–1555
92	L98 - श्री अच्युतानंद दास जी के 13 अवतार?	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	26 September 2023	Questions 1556–1568
93	L99 - मालिका पुस्तक के साथ कल्कि अवतार के प्रमाण	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	30 September 2023	Questions 1569–1573
94	L100 - भगवान कल्कि के अवतार बिरजा क्षेत्र में मालिका में प्रत्यक्ष प्रमाण	पंडित काशीनाथ मिश्र जी	01 October 2023	Questions 1574–1581
95	L101 - भक्तों के साथ के खंडगिरि में कल्कि लीला प्रकाश होगा। पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	03 October 2023	Questions 1582–1590
96	L102 - शून्य में धूमकेतु का दृश्य होगा	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	05 October 2023	Questions 1591–1603
97	L103 - शून्य में धूमकेतु का दृश्य होगा भाग - 2| पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	06 October 2023	Questions 1604–1627
98	L104 -श्री कल्कि एवं सुधर्मा महा महा संघ के बारे में तेर जनम शरण में प्रमाण |पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	07 October 2023	Questions 1628–1646
99	L105 - छतिया बट एवं जाजपुर में कल्कि भगवान का लीला प्रकाश होगा	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	08 October 2023	Questions 1647–1667
100	L106 - जगन्नाथ जी का 'छतिया बट' में स्थानांतरण (रूस देश के द्वारा)	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	08 October 2023	Questions 1668–1694
101	L107 - भविष्य मालिका में लिखा जा चुका था पं० श्री काशीनाथ मिश्र जी का नाम	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	09 October 2023	Questions 1695–1717
102	L108 - जाजनगर में कल्कि जी का जन्म पट्टा मड़ाण में प्रमाण	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	10 October 2023	Questions 1718–1735
103	L109 - "कलि आगत भविष्यांत" में कल्कि जी के जन्म स्थान का वर्णन	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	11 October 2023	Questions 1736–1773
104	L110 - यशवंत दास मालिका में कल्कि जी के जन्म नाभि मंडल, जाजनग्र में होगा	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	13 October 2023	Questions 1774–1821
105	L111 - मालिका में एवं तत्त्वबोधिनी में कल्कि जी के जन्मस्थान का प्रमाण	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	14 October 2023	Questions 1822–1847
106	L113 - सम्बल ग्राम में 10,000 ब्राह्मणों के द्वारा 7 अश्वमेध यज्ञ हुआ था	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	15 October 2023	Questions 1848–1873
107	L112 - बलराम दास मालिका में कल्कि जी के जन्मस्थान का प्रमाण	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	15 October 2023	Questions 1874–1904
108	L114 - एकाम्र वन खंडगिरि में कल्कि लीला का प्रकाश होगा	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	16 October 2023	Questions 1905–1935
109	L115 - देवी मां और योगिनी गण का संहार	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	18 October 2023	Questions 1936–1963
110	L116 - बार बार भूकंप आना किस आपदा का संकेत है ?	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	24 October 2023	Questions 1964–1985
111	L117 - श्री जगन्नाथ संस्कृति की उत्पत्ति ?	पण्डित काशीनाथ मिश्र जी	30 October 2023	Questions 1986–2011

112	L119 - विश्व के लिए 2024 कैसा होगा? | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी	02 January 2024	Questions 2012–2041
113	L120 - भक्तों के लिए 2024 कैसा होगा? | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी	16 January 2024	Questions 2042–2064
114	L121 - तृतीय विश्व युद्ध की तैयारी | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी	03 March 2024	Questions 2065–2098
115	L122 - त्रिकाल संध्या का तत्त्व | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी	04 March 2024	Questions 2099–2136
116	L124- 2024 का राष्ट्रीय निर्वाचन धर्म की जीत	07 April 2024	Questions 2137–2159
117	L125- 2025 के मीन - शनि के योग बारे में मालिका में पहले से प्रकाश था | पंडित काशीनाथ मिश्रा	11 April 2024	Questions 2160–2186
118	L127- 2025 में बृहस्पति देव के अतिचारी गति से विश्व में धर्म का प्रकाश होगा | पंडित काशीनाथ मिश्रा	19 April 2024	Questions 2187–2210
119	L128 - विश्व में क्या परमाणु युद्ध होने वाला है? कब? | पंडित काशीनाथ मिश्रा	22 April 2024	Questions 2211–2227
120	L130 - ईरान और यूक्रेन में युद्ध रुकेगा या तीव्र होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्रा	28 April 2024	Questions 2228–2265
121	L131: क्या अमेरिका और चीन मिलकर भारत के विरुद्ध समझौता करेंगे? भविष्य मालिका में क्या लिखा हुआ है।	02 May 2024	Questions 2266–2288
122	L132: ज्यादा धूप और सऊदी में बारिश का कारण क्या है? | पंडित काशीनाथ मिश्र	05 May 2024	Questions 2289–2321
123	L133: क्या परमाणु युद्ध में धरती का संपूर्ण विनाश होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	10 May 2024	Questions 2322–2338
124	L134: आगे उत्तर मेरु में बर्फीला प्रलय होगा | पंडित काशीनाथ मिश्र	13 May 2024	Questions 2339–2369
125	L135: महा बीमारी से उद्धार का मार्ग - त्रिकाल संध्या | पंडित काशीनाथ मिश्र	16 May 2024	Questions 2370–2394
126	L136: सुधर्मा महा महा संघ सारे विश्व में धर्म संस्थापना का कार्य करेगा। | पंडित काशीनाथ मिश्र	19 May 2024	Questions 2395–2419
127	L137: धरती पर आगे भूकंप का प्रभाव आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	23 May 2024	Questions 2420–2441
128	L138: क्या कल्कि अवतार का जन्म हो गया है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र	03 June 2024	Questions 2442–2460
129	L139: क्या भगवान कल्कि की लीला शुरू हो चुकी है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र	06 June 2024	Questions 2461–2494
130	L140: सम्बल ग्राम में भगवान कल्कि | पंडित काशीनाथ मिश्र	10 June 2024	Questions 2495–2516
131	L142: मीन शनि चलन समय में भारत, चीन, और पाकिस्तान का महा युद्ध होगा | पंडित काशीनाथ मिश्र	20 June 2024	Questions 2517–2545
132	L144: विश्व में एटॉमिक वार का खतरा 600 साल पहले लिख दिया गया था। | पंडित काशीनाथ मिश्र	04 July 2024	Questions 2546–2563
133	L146: द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को जगन्नाथ जी के रत्न भंडार के बारे में क्या बताए थें?	14 July 2024	Questions 2564–2584
134	L147: 13 दिन के पक्ष में 'रथ यात्रा', मानवों के लिए अमंगल का संकेत! | पंडित काशीनाथ मिश्र	19 July 2024	Questions 2585–2595
135	L148: Internet Apocalypse कंप्यूटर सिस्टम अचल होने का कारण क्या है? | पंडित काशीनाथ मिश्र	21 July 2024	Questions 2596–2613
136	L149: मोदी जी का अंतिम समय जाजनग्र (जाजपुर) में बीतेगा: मालिका में प्रमाण | पंडित काशीनाथ मिश्र	26 July 2024	Questions 2614–2630
137	L150: भगवान बलभद्र और श्री कृष्ण एक ही शरीर में कल्कि रूप धारण करेंगे | पंडित काशीनाथ मिश्र	28 July 2024	Questions 2631–2642
138	L152: क्या मालिका में लिखा है पंडित काशीनाथ मिश्र जी का नाम? | पंडित काशीनाथ मिश्र	05 August 2024	Questions 2643–2661
139	L153: भारत के पड़ोसी देशों के साथ आगे युद्ध की स्थिति बनेगी | पंडित काशीनाथ मिश्र	08 August 2024	Questions 2662–2675
140	L154: विश्व में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ेगा | पंडित काशीनाथ मिश्र	11 August 2024	Questions 2676–2689
141	L155: माता और कन्याओं के ऊपर अत्याचार क्यों हो रहा है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र	18 August 2024	Questions 2690–2702

142	L156: भगवान कल्कि करेंगे परमाणु से सुरक्षा | पंडित काशीनाथ मिश्र	23 August 2024	Questions 2703–2708
143	L158: विश्व साधु संत महा महासभा - श्री जगन्नाथ पुरी | पंडित काशीनाथ मिश्र	19 September 2024	Questions 2709–2715
144	L159:अब बचने का एक ही उपाय - हर घर भागवत, हर घर त्रिसंध्या पाठ | पंडित काशीनाथ मिश्र	10 October 2024	Questions 2716–2738
145	L160 : युग अंत का समय | पंडित काशीनाथ मिश्र	20 October 2024	Questions 2739–2753
146	L161 : मीन शनि योग - महापरिवर्तन का समय! | केवल 48 दिन | पंडित काशीनाथ मिश्र	09 February 2025	Questions 2754–2760
147	L163 : नीलचक्र से ध्वजा गिरना | आगामी विनाश का संकेत? | पंडित काशीनाथ मिश्र	16 February 2025	Questions 2761–2769
148	L164 : Earthquake | भूमि पर प्रलय | मानव समाज के लिए चेतावनी | पंडित काशीनाथ मिश्र	17 February 2025	Questions 2770–2774
149	L165 : Maha Kumbh | महाकुंभ - सत्ययुग आगमन का पहला चरण। | पंडित काशीनाथ मिश्र	21 February 2025	Questions 2775–2786
150	L166 : कलियुग से सत्ययुग कैसे आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	23 February 2025	Questions 2787–2799
151	L167: MAHASHIVRATRI | महाशिवरात्री लिंगराज तथा जगन्नाथ क्षेत्र से अशुभ संकेत ! | पंडित काशीनाथ मिश्र	27 February 2025	Questions 2800–2809
152	L168: EARTHQUAKE | नेपाल-बिहार में भूकंप का असली कारण? | पंडित काशीनाथ मिश्र	28 February 2025	Questions 2810–2815
153	L169: ASTEROID IMPACT | क्या पृथ्वी पर ऐस्टरॉइड गिरने वाला है? | पंडित काशीनाथ मिश्र	03 March 2025	Questions 2816–2827
154	L170: Ukraine-Russia War | यूक्रेन रूस के युद्ध का नतीजा क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	07 March 2025	Questions 2828–2841
155	L171: NATO's Future | नाटो (NATO) का भविष्य क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	09 March 2025	Questions 2842–2857
156	L172: पश्चिम दिशा में सूर्य उदित होंगे वो भी मध्य रात्रि में | पंडित काशीनाथ मिश्र	13 March 2025	Questions 2858–2873
157	L173: WW3 | तीसरे विश्व युद्ध का परिणाम क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	17 March 2025	Questions 2874–2878
158	L174: Bhavishya Malika Volume 2 | भविष्य मालिका पुराण पार्ट 2 कब आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र	20 March 2025	Questions 2879–2885
159	L175: धर्म एकमात्र रास्ता है | अभी भी समय है मानव सभ्यता के लिए | पंडित काशीनाथ मिश्र	26 March 2025	Questions 2886–2920
160	L176: बस ! 48 घंटे और फिर ... | मीन - शनि संयोग | 48 Hours later | पंडित काशीनाथ मिश्र	28 March 2025	Questions 2921–2927
161	L177: भविष्य मलिका की वाणी सत्य हो रही है! | पंडित काशीनाथ मिश्र	10 April 2025	Questions 2928–2932
162	L178: जगन्नाथ क्षेत्र से धर्म संस्थापना का एक और संकेत! | पंडित काशीनाथ मिश्र	15 April 2025	Questions 2933–2938
163	L179: इस साल विश्व में FOOD CRISIS देखने मिलेगा! | पंडित काशीनाथ मिश्र	20 April 2025	Questions 2939–2947
164	L180: America का U-TURN! | अमेरिका पाकिस्तान और चीन का साथ देगा! | Pandit Kashinath Mishra	29 April 2025	Questions 2948–2956
165	L181: WORLD WAR 3 की आहट और भविष्य मालिका | Pandit Kashinath Mishra	02 May 2025	Questions 2957–2964
166	L182: भारत पाकिस्तान युद्ध में विजेता कौन होगा? | मालिका में क्या लिखा है? | Pandit Kashinath Mishra	05 May 2025	Questions 2965–2977
167	L183: OPERATION SINDOOR के बाद क्या युद्ध होने वाला है ? | Pandit Kashinath Mishra	07 May 2025	Questions 2978–2986
168	L184: तृतीय विश्व युद्ध के बारे में मालिका में क्या लिखा है? | Pandit Kashinath Mishra	09 May 2025	Questions 2987–2992
169	L185: विश्व युद्ध एवं पंचभूत प्रलय में रक्षा पाने के उपाय? | Pandit Kashinath Mishra	12 May 2025	Questions 2993–3005
170	L186: 64 प्रकार की महामारी | त्रिकाल संध्या निदान | Pandit Kashinath Mishra	22 May 2025	Questions 3006–3020

171	L187: IRAN and AMERICA | ईरान अमेरिका का सम्बन्ध कैसा रहेगा आगे जाके ?| Pandit Kashinath Mishra	22 June 2025	Questions 3021–3034
172	L188: वर्ल्ड वार की स्थिति क्या होगी? | 13 इस्लामिक देशों की गुप्त बातचीत | Pandit Kashinath Mishra	26 June 2025	Questions 3035–3058
173	L189: जगन्नाथ पुरी में सबसे बड़ा विनाश का संकेत। Rath Yatra Massacre | Dr Pandit Kashinath Mishra	30 June 2025	Questions 3059–3067
174	L190: अमेरिका में भूकंप और अमेरिका का भविष्य। Future of US | Dr Pandit Kashinath Mishra	18 July 2025	Questions 3068–3073
175	L191: विश्व में प्रजा आंदोलन तथा नेपाल का भविष्य। Nepal Protests | Pandit Dr Kashinath Mishra	12 September 2025	Questions 3074–3078
176	L192: India-Pakistan के बीच War कभी भी हो सकता है। कारण क्या होगा? | Pandit Dr Kashinath Mishra	15 September 2025	Questions 3079–3099
177	L193: 2026 में वैश्विक संकट और प्राकृतिक आपदाएँ | India Pakistan War | Pandit Dr Kashinath Mishra	10 January 2026	Questions 3100–3111
178	L194: आज के समय में मनुष्य को क्या करना चाहिए ? | Pandit Dr Kashinath Mishra	19 February 2026	Questions 3112–3131
179	L195: JAGANNATH मंदिर से मिला और एक नया संकेत! | Bhavishya Malika | Pandit Dr Kashinath Mishra	25 February 2026	Questions 3132–3149
180	L196: वर्तमान युद्ध से मानवता को क्या सीखना चाहिए? | Bhavishya Malika Puran | Pt Dr Kashinath Mishra	08 March 2026	Questions 3150–3174
181	L197: भविष्य मालिका से नया संकेत? | Bhavishya Malika Puran | Pt Dr Kashinath Mishra	30 March 2026	Questions 3175–3195
182	L198: 30 मार्च 2026 - जगन्नाथ मंदिर ध्वज पर फिर चील का बैठना - अशुभ संकेत? | Pt Dr Kashinath Mishra	31 March 2026	Questions 3196–3207
183	L199: परमाणु महाविनाश से मानव का रक्षा सूत्र क्या है? | Bhavishya Malika | Pt Dr Kashinath Mishra	03 April 2026	Questions 3208–3224
184	L200: बड़ा संकेत! जगन्नाथ मंदिर पर चील, श्री मंदिर के ऊपर लाल आसमान 😱 | Pt Dr Kashinath Mishra	15 April 2026	Questions 3225–3235
185	L201: Iran–America Ceasefire फेल = भारत–पाक युद्ध की शुरुआत? 😨 | Pt Dr Kashinath Mishra	19 April 2026	Questions 3236–3244
186	L202: बंगाल में बड़ा परिवर्तन! आध्यात्मिक बदलाव का स्पष्ट प्रमाण😨 | Pt Dr Kashinath Mishra	07 May 2026	Questions 3245–3251
187	L203: भविष्य मालिका का जो गलत प्रचार हो रहा है, उस पर स्पष्टीकरण | Pt. Dr. Kashinath Mishra	07 May 2026	Questions 3252–3260
188	L204: गौ माता और अन्य जीवों की रक्षा अभी क्यों ज़रूरी है? Pt. Dr. Kashinath Mishra	18 May 2026	Questions 3261–3264
189	L205: 2026-27 Important Prediction: कितना हुआ सच? अब आगे क्या होगा | Pt. Dr. Kashinath Mishra	24 May 2026	Questions 3265–3274
190	L206: 2026–32 में छात्र और नौजवानों का जीवन कैसे रहेगा सुरक्षित और शांतिमय? | Pt. Kashinath Mishra	27 May 2026	Questions 3275–3280
191	L207: क्या सभी मनुष्य त्रिकाल संध्या करके जा सकते हैं सत्ययुग ? Pt. Kashinath Mishra	29 May 2026	Questions 3281–3286

192	L208: अमावस्या-संक्रांति योग बना खतरा? 15 जून के योग के बाद सूखा और तबाही | Pt. Kashinath Mishra	19 June 2026	Questions 3287–3300
193	L209: VENEZUELA में भूकंप का तांडव , क्या अब भारत की बारी? | Pt. Kashinath Mishra	27 June 2026	Questions 3301–3308
194	L210: पवित्र स्नान पूर्णिमा महोत्सव | Special Google Meet | Pt. Kashinath Mishra	30 June 2026	Questions 3309–3314
195	L211: क्या होगा भारत का भविष्य ? Bhavishya Malika Puran | Pt. Kashinath Mishra	26 July 2026	Questions 3315–3319
196	L212: 13 देशों का मिलन, NATO का विभाजन शुरू ! Bhavishya Malika Puran | Pt. Kashinath Mishra	24 August 2026	Questions 3320–3322

SESSION 1 · QUESTIONS 1–16

L1 - भविष्य मालिका में कलियुग, LIVE by pandit kashinath Mishra

Date: 30 May 2021 · Watch the full session ↗

Q_1 I read in the Malika that eight goddesses have been tasked with protecting the devotees. But the numbers mentioned are very small, like 5,000, 2,000, 7,000. So how will the rest of the devotees be protected? The numbers add up to less than 50,000, but there are many more devotees than that.

Answer: What you've said is correct. The number of devotees involved in the program to establish Satyayuga is around 70,000 to 80,000. In total, across India and the world, there will be 33 crore devotees, who are gods and goddesses born in human bodies, and another 31 crore human devotees. The total population of the world will be 64 crore. The responsibility given to the goddesses for establishing Dharma, specifically the Ashta Chandi and Ashta Durga (the eight forms of Yogamaya like Kali, Durga, Varahi, etc.), is to directly appear to those 70,000 special devotees and engage them in the Lord's work. The remaining devotees will also be saved, but they will have to endure many hardships before they finally reach the Lord. They will not be directly involved in the administrative work of establishing Dharma in the new age. The goddesses will protect these special devotees and bring them to the Lord's refuge. This will happen both secretly and openly. For instance, you might find yourself in a situation where death seems certain, but at that moment, someone will come and save you. Then you will realize who saved you. The Malika says that the divine feminine powers will go from village to village to establish Dharma, and this is happening even today. The other devotees will be saved, but only after facing a lot of trouble will they reach the Lord. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:45 · 30 May 2021

Q_2 I am a devotee of Ananta Madhav ji and I want to become like Meera ji. So please tell me, will Meera ji also be reborn?

Answer: That's a very good question. We see Meera ji as a form of Radha. The Mother has many forms, and so does the Lord. Meera ji's body merged into the Lord's. Your desire to be like Meera is wonderful. Through Meera, the Lord proved that a devotee is greater than God. A devotee like Shabari is in no way different or less pure than Meera; think of how many ages she waited. If you have that motherly power and devotion, and you surrender to the Lord, you too can become Meera, you can become Radha. This human birth is a chance where one can become Dhruva, Prahlada, Narada, or Indra. We must make this sacred human body so pure by immersing ourselves in the ocean of the Lord's love and bliss that you can emerge as a devotee even greater than Meera Bai. But only God knows the extent of your faith and power. God fulfills such desires of the heart. So, remain in the Lord's refuge. Read the Srimad Bhagavatam daily and constantly chant the Lord's name. A true devotee is not concerned with what is happening in society. Their connection is only with the Brahman (the ultimate reality) and the Atman (the soul). Meditate with such focus. I respect your devotion and pray that God gives you the strength to fulfill your desire. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:43 · 30 May 2021

Q 3 Pandit ji, someone is saying that the Kali demon is yet to be born. I saw a video today where they were saying that the Kali demon has just been born in human form. They say Lord Kalki's incarnation hasn't happened yet, but the Kali demon's has.

Answer: Again, 'A scholar is one who just talks big.' These spiritual guides speak incorrectly. They have no connection with the Malika. The demon Kali was given five places to reside: gold, women, gambling, land, and sin. The Kali demon has many forms; he will never be born as a single human. In this age, there are crores of Kali demons, crores of Ravanas, crores of Kamsas. The 'Mlecchas' are those who are always immersed in these five things: women, land, wealth, violence, and sin. They are the Mlecchas, and they will be destroyed. A separate Kali demon will not be born. I don't know where people get these ideas. No scripture ever says this. The Srimad Bhagavatam says that at the end of Kali Yuga, when rulers become like dacoits, plundering the people, Lord Kalki, son of Vishnu Yash, will appear as the lord of the universe to destroy these demon-like kings and rulers. It never says a single Kali demon will come whom he will destroy. This is a confusing path created by people who have become saints for their livelihood. There is nothing like this in our Hindu Sanatana Dharma. The Lord will come to destroy the Mlecchas. Out of 800 crore people in the world, only 64 crore will remain. All those who perish are Mlecchas, who embody the form of Kali by holding onto those five things. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:00 · 30 May 2021

Q 4 Sir, how many years are left for this to happen?

Answer: All of this will happen by 2029.

► Watch this answer · 50:38 · 30 May 2021

Q 5 What will be the reason for the war between India and Pakistan? What will cause the war to break out?

Answer: A war is already going on, a cold war. The Malika says that India and Pakistan will first fight playfully, meaning Pakistan will initiate small-scale conflicts. After that, it will join forces with China to gather its strength, and then a great, terrible war will happen. That time is not far away. It can start anytime from 2023 onwards. So, wait for that time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:24 · 30 May 2021

Q 6 India's Prime Minister, Narendra Modi, is he good for India? There are claims against him that he is wrong and not doing anything for the country. Is he right? How is he?

Answer: Look, we are not in politics, and we do not like politics. We are in the path of Dharma and prefer righteousness. First, in a country where cow slaughter and animal slaughter happen, where there is unrighteousness, where the mother cow who nourished us with her milk is killed, I cannot call anyone good. I know nothing but Dharma. Whatever is righteous is good. We have no connection with any political person. Lord Kalki will judge what politicians do. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 54:36 · 30 May 2021

Q.7 Is he the last prime minister of India?

Answer: What will you gain from this? Look, to prove the Malika's prophecies, it is written that the last ruler of India will be a 'Jogi' (ascetic). The Gupta Malika by Mahapurush Achyutananda wrote this. And during the middle of his rule, there will be a military emergency. This is written in the Malika so that it can be proven. I don't believe in anyone's qualifications or purity. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 55:42 · 30 May 2021

Q.8 Pandit ji, I have a question. Since animals, like cows, are used and killed to make vaccines, should we take the vaccine? Will we become participants in that sin by taking it? Because if we take the vaccine, we are in a way accepting the killing of an animal.

Answer: Look, India is a public welfare nation, and its constitution is always written for the benefit of human society. As we are in a democracy, it is the duty of a saint and every citizen to follow the rules and discipline of the government. It is very important for all of us to follow the government's policies and maintain discipline, especially given the current crisis the world is facing. The steps our government is taking are for the welfare of human society. As disciplined citizens of India, we have to obey the order of the government; we are bound to obey the order of the government. About this, I will only say this much: follow the government's discipline. And follow the path of Dharma that I am showing you. God will save you. The reason we are meeting is to find out how human society and devotees can be saved. If devotees suffer, what will the Lord do? He has come for his devotees. So, follow the Lord's path. Read the Bhagavatam as a vaccine. Eat vegetarian food. Do not indulge in slander, covet others' women or wealth, or chase after wrong things. Always follow the path of truth, peace, compassion, and forgiveness. Lord Jagannath will protect you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 56:43 · 30 May 2021

Q.9 Pandit ji, I wanted to ask, good people are moving towards goodness, and bad people are being destroyed. How long will this continue, and by when will Lord Kalki finish everything?

Answer: A river's stream flows to the ocean, and a sewer's stream flows to the drain. A devotee's stream flows to God. In every age, demons have never abandoned their ways. As it is said, 'Whenever there is a decline in righteousness and the arrogant demons rise, the Lord takes various forms to protect the virtuous.' When sin, arrogance, pride, and animal slaughter increase in the world, people think their wealth will save them, but I see that wealth cannot protect anyone. Only Dharma can. There are many types of people in society. We don't condemn people, we condemn their actions. No one is inherently bad, but the environment of the modern world makes them bad. Through satsang, people can change. It is our duty to spread the message of God and the Malika. Those who change will be saved; those who don't will be lost. Their fate is up to God. A time is coming when everyone will meet, just like in Vrindavan, and the Lord's divine play (leela) will unfold. We will meet like brothers and family. It will be a very joyous time, like Vrindavan's leela starting again. We can all participate in that leela if we stay on the right path and keep a watch on our karma.

► Watch this answer · 59:38 · 30 May 2021

Q.10 I just want to ask, when the Kalki avatar comes, for how long will the Lord stay on Earth? A few weeks, a few months, or a few days?

Answer: Mother, listen. The Srimad Bhagavatam says that after 5,000 years of Kali Yuga, Mother Ganga leaves the Earth. It is now 5,126 years, which means Mother Ganga had already left the Earth according to the scriptures. But after Lord Kalki's incarnation, Mother Ganga has descended on Earth again. The cloudburst that happened in Kedarnath, which the government talks about, was the second descent of the Ganga. She returned to Earth, flowing over Lord Kedarnath's head, because the Lord has come. When the Lord comes, Mother Ganga also comes. History shows Ganga descended on Shiva's head only once when Bhagirath called her. This recent event is unprecedented. Mother Ganga has returned, and you can see she is being cleaned and her purity is increasing. This is proof that the Kalki avatar is on Earth. Understand this and explain it to others, or they will lose their way with no one to guide them.

► Watch this answer · 01:03:46 · 30 May 2021

Q.11 Pandit ji, how can we learn to write the Odia language?

Answer: It is not necessary for you to learn Odia. Our national language will be Devanagari, which will be a mix of Hindi, Odia, Bhojpuri, Kannada, Tamil, French, and English. That will be the language. When Kalki's rule is established over the world, Devanagari will be used. You all will receive such divine power that you will learn everything easily, as if recalling a past memory. It will come to you through God's grace. It is not necessary to learn Odia. Hindi is our national language, and that will also work.

► Watch this answer · 01:06:35 · 30 May 2021

Q.12 Namaskar, this Bhavishya Malika... where can its translation be obtained?

Answer: Listen, there is no translation. The way the Malika is written is a mix of Hindi, English, and Sanskrit. Odia is also mixed in, but the script is Odia. The language contains Sanskrit and very old languages like Devanagari. To understand the Malika, nothing but God's grace is needed. The reason I can speak on the Malika today is due to the Lord's grace. When I was a child, I couldn't understand it, but I was interested. Now, I can understand it. This is God's grace. Many have requested me to write the Malika in Hindi, and I did, but I did not publish it because I feared it would be commercialized. Editors would take it, publish it in all languages, and it would become a business. The Lord's precious words would fall into the hands of demons, those who slaughter cows and commit sins. That's why this is a secret. With the power God has given me, I explain it in my episodes. Watch all of them, there are over 100. Understand the Malika from there. I recite the original Odia text and then explain its meaning. Following that is the best way. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:08:06 · 30 May 2021

Q.13 By which year can Lord Kalki come?

Answer: Look, brother, Lord Kalki has already descended on Earth. According to what is written in the Malika, Lord Kalki is now 14 years old. When Lord Kalki turned 13, the first phase of establishing Dharma began. Everything the Malika predicted for his 13th year has already happened. After the message of the Malika spreads, 120,000 devotees will gather across India. After that, the 'Khanda Pralay' (partial dissolution) and establishment of Dharma will proceed. Major earthquakes are coming, along with disease, social violence, war, natural calamities, floods, and fire. This time is coming. Lord Kalki can do all this while sitting in his home. It is not necessary for him to reveal himself and tell everyone, 'I am Kalki, surrender to me, and I will start a new age.' It has never happened like that and never will. As the establishment of Dharma progresses and the influence of devotees grows, the devotees themselves will reveal the Lord. And some very good devotees will have the darshan of Lord Kalki, but not everyone.

► Watch this answer · 01:10:42 · 30 May 2021

Q.14 No, no, as you mentioned earlier that a 'pralay' (dissolution/cataclysm) is going to happen before Kalki... I mean, the beginning of the end has started. In how many places has this started to happen?

Answer: Look, mother, human society is receiving repeated warnings. The first strain [of the virus] was a warning for society to turn towards Dharma. But people did not understand and continued to run after fish, meat, alcohol, women, and sin. Then the second one came. This is the second warning. Warnings will keep coming. This will not end so quickly. But the alert and cultured devotees, those who were actually with Lord Krishna in Vrindavan, will understand. The ignorant will not. Our message of the Malika is only for devotees, not for everyone. Those who eat fish and meat have no place in the Malika, unless they give it up from today. This 'khanda pralay' (partial dissolution) is ongoing. A few days ago, a tornado hit Odisha and caused great destruction. This happens every year. A time will come when it will happen twice a year, then four times, then five times, then every month. God is giving warnings: 'Change, reform, come towards Dharma. If you don't, who will protect you?' I will not strike from behind; I will strike from the front, after giving a warning. Just as Lord Krishna repeatedly warned Kansa. But the Ravanas of Kali Yuga are crueler than the original Ravana. Live a simple life. In a simple life, the light of truth shines. Eat as much as you need and share any extra food with the poor and with animals. This is Dharma for us.

► Watch this answer · 01:13:16 · 30 May 2021

Q.15 So, should we get the vaccine or not? I mean... should we take it?

Answer: Look, brother, our country is a public welfare nation. It always works in the interest of the country. All citizens must follow its constitutional rules and regulations. I am also included in this, and so are you. It is our greatest duty to protect the country and obey the laws of the government. For those who are connected with our satsang, with the Malika, who are eager for Satyayuga, who are the 'Gopis, Tapis, and Kapis' (devotees), for them I speak the language of Dharma. Follow that language. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:18:30 · 30 May 2021

Q 16 Pandit ji, I am speaking from Odisha. It is written in the Malika that the Samaleswari temple will be struck by lightning. Has that already happened?

Answer: In 2018, the flag of the Jagannath temple was struck by lightning and burned. In 2018, the flag on top of the Mother Samaleswari temple was also struck by lightning and it burned. The flag of the Mother Tarini Devi temple in Odisha, a form of Vaishno Devi's power, also burned. That same year, the trident at Baba Akhandalamani's temple fell after being struck by lightning. And the flag of the Lord Neel Madhav temple in Odisha also burned. So yes, the flag of the Mother Samaleswari temple has already burned. Furthermore, four days ago, a fire broke out in the Mother's temple. Do you know? A day after that, the State Bank of India's Sambalpur branch caught fire. Do you know? This is a sign of the establishment of Dharma. When the Mother begins her act of destruction, she manifests as fire. The day Mother Vaishno Devi left Trikuta, a fire broke out on the Trikuta mountain. Do you know about the fire on Trikuta mountain in 2018? This is the proof. The flag on the Jagannath temple burned. How can lightning strike a place where the Sudarshan Chakra is present, which is brighter than crores of suns? This is a sign of destruction. Human society should understand this. Hold on to Dharma. Dharma is the greatest wealth.

► Watch this answer · 01:19:40 · 30 May 2021

SESSION 2 · QUESTIONS 17–32

L2 मनुष्य समाज को सत्य युग में जाने का मार्ग, LIVE by pandit kashinath Mishra

Date: 06 June 2021 · Watch the full session ↗

Q 17 You had said that when the Kali Yuga ends and human society enters the Satya Yuga, will the internet exist then or not? Will people's houses and buildings remain? How will they eat and drink? Will phones exist or not? And how will human society be able to connect with each other?

Answer: Look, whatever development and technology exists in this Kali Yuga, the Satya Yuga will have means that are crores of times more advanced. In Satya Yuga, the sun and moon provide light to the entire universe through the power of truth (Satya). The power will be spiritual. In Satya Yuga, the rulers will be spiritual rulers. Spiritual power is the most potent force in the universe. In the Srimad Bhagavatam, it is written that when Lord Krishna was traveling from Dwarka to Hastinapur, his family traveled by road, but the sages traveled through the sky in their divine aircraft (vimanas). In this age, only a few among crores have an airplane, and even that is dangerous. But in that age, all devotees will be able to travel anywhere they wish in a Pushpaka Viman. Regarding electronics, in Kali Yuga, the sun's rays are harsh and the moon's rays are dim. But in Satya Yuga, the sun's rays will be like the moon's rays are now, so people will be able to do their daily work and farming joyfully without feeling the heat. At night, the moonlight will be brighter than our current electric lights, and it will be cool and pleasant. People will be able to travel at night without any electricity. As for the internet, humans will have so much spiritual power that they will know what is happening in all the realms—heaven, earth, and the netherworld. Just as we talk on the phone now, through spiritual power, a person will be able to get news from the entire universe, the infinite cosmic eggs (Brahmanda). Through their power of meditation and divine energy, they will have all the means they need. Their food, drink, and housing will be like that of kings, and people will have no troubles. Most importantly, there will be brotherhood, friendship, and purity among all devotees. There will be no need for medicine as there will be no diseases. People will have 'iccha mrityu' (the ability to choose the time of their death), and they will live according to their will, performing righteous actions as described in the Srimad Bhagavatam. The scriptures say that in Satya Yuga, gods and devotees would come in their Pushpaka Vimanas to play in the river Ganga. That time will come again. The things people will receive will be thousands of times better than the artificial things of Kali Yuga. Everyone will become a saint.

▶ Watch this answer · 13:13 · 06 June 2021

Q 18 We adults can perform worship, chanting, and penance, but how should we prepare our small children, who are one or two years old, for the coming age?

Answer: Jai Jagannath. The environment gives a person everything. If a child goes to the market, he sees the market's environment. If he sits in a satsang (spiritual gathering), he hears the kirtan and bhajans. So, for your children, in your busy life, wake up as early as possible, around 4:30 or 5:00 AM. This is the first step to eradicating disease. Second, have your dinner as early as possible in the evening, by 7:00 or 8:00 PM, and go to bed by 9:30 or 10:00 PM. Teach your children this as well, because this will be the way of life for those who enter Satya Yuga. All humans will eat by 8:00-8:30 PM, go to bed by 10:00 PM, and wake up early to chant the Lord's name. Teach your children this routine. Wake them up at the prescribed time, between 4:30 and 5:00 AM, which is the Brahma Muhurta, and sit with them to chant the name of Lord

Madhava. When you do your kirtan or read the Srimad Bhagavatam, have your child sit with you. Even if the child cannot say much, just teach them to say 'Madhava, Madhava.' Gradually, they will start chanting, and by following your actions, they will also be guided onto the right path. The whole family will do satsang, stay at home, and become worthy of Satya Yuga. Read the Srimad Bhagavatam at home, do not harm any living beings, and after having children, stay away from marital physical relations. Keep your family away from modern films, theater, and the negative things on YouTube. By doing this, we can easily overcome the problems in today's society and move towards Satya Yuga. Nothing can stop us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:22 · 06 June 2021

Q_19 Sir, my question is that technology is advancing rapidly. Work that used to take us four or five hours can now be done in 20 to 40 minutes. Big companies are focusing on artificial intelligence to automate things, reducing manual intervention and using more machines. What are your thoughts on this? Is this truly leading us towards progress, or is it causing the downfall of human civilization?

Answer: Look, when an age changes, people do everything for their own self-interest. The sage Achyutananda has written about this in the Malika. He wrote that first, the farmers will be destroyed; they will lose their lives and commit suicide, which you have been seeing for many years. After that, the wealthy people, the big company owners who have looted the poor and worked for their own selfish interests instead of the welfare of society—their companies will shut down. Just wait, the time is very near when the companies of the world's biggest wealthy people will close. The effect is already beginning, and it will happen gradually. But a time will come when it will all be meaningless. The technology and facilities in society should be for all humans. In the current Kali Yuga, a few people have the power, authority, and money. All this will be digitized, and everyone will get equal rights. Such a time is coming. We must follow the path of righteousness, religion, and purity. Completely oppose the killing of living beings, meat, and fish. Otherwise, entering Satya Yuga will be difficult for human society. If one kills and eats meat and fish, facing the coming times will be very difficult. There will be equal laws and a constitution for all in the assembly of dharma, but we have to wait for some time and some events to pass. Wait and see what happens. Jai Jagannath ji.

► Watch this answer · 25:44 · 06 June 2021

Q_20 I heard about 'jiv hatya' (killing of living beings) last time. In this context, what about pests in the house, like small insects that appear during the rainy season and damage our belongings, or spiders and ants? If they are killed, is that also a sin? Sometimes, it becomes necessary to kill them, Pandit ji.

Answer: Jai Jagannath. Actually, this is a consequence of Kali Yuga. Due to the pollution in the air, these insects have increased everywhere, including in agriculture. This is happening because of the pollution of Kali Yuga. This will continue for a few more years until the establishment of dharma is complete, then it will change. For now, in the current Kali Yuga, I will not say much about this. But try your best to ensure that no sin is committed through you. Avoid actions that lead to sin and its consequences. Jai Jagannath ji.

► Watch this answer · 28:56 · 06 June 2021

Q_21 Sir, I have another question. Nowadays, whenever I meet people or interact on social media, I see that most people don't worship God. They'll watch other things, but when it comes to worship, they avoid it. Why don't they remember God, even once a year? Why don't my friends or juniors remember God? Also, another point is that cartoons about God used to be shown on channels like Cartoon Network, which gave knowledge to children. Why isn't that happening today? Why aren't cartoons about God shown to children so they can learn about their religion, spirituality, and live a righteous life? Because I believe religion teaches you the right way to live.

Answer: When the system of Kali Yuga is in power and human society becomes sinful, there is nothing left to teach society. Due to the influence of Kali Yuga, people today do not implement your pure ideology. But in the coming age, it will happen. In the next age, the eighteen Puranas will be read in every house. The one who is ahead in scriptural knowledge will be revered in society and will receive high positions and respect. As Kali Yuga is going on, the rights of our Sanatana Dharma, the rights of our new generation, have been snatched away by our so-called guardians, and they are repeatedly taken away. Their rule and their will shall not last long. A time will come when schools will be based on our Vedic principles, like ashrams, where everyone will study the scriptures. They will gain so much knowledge that they will not need to focus on just employment and marketing, in which people are solely interested today. The fact that cartoons about Lord Krishna and other devotional channels that used to air are no longer there is a sign of Kali Yuga's influence and its end. This will not last long. By 2030, the light of Satya Yuga will be fully manifest, and from then on, people will live according to the principles of Sanatana Dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:27 · 06 June 2021

Q_22 You just said that Corona will be gone in July, but...

Answer: Regarding your first question, that I said Corona will be gone in July—neither is it written in the scriptures, nor have I ever said it. In my previous episodes, you can listen, I have said that this disease is not going to go away. It will keep coming back, and to bear it, the power of dharma is needed. That's the first point. Furthermore, I have said what the great sage Achyutananda has written: 'Mala mala daka sapta thara heba,' meaning seven times, major diseases will strike the world, and the sound of death will echo across the world seven times. We do not see any change happening in society so quickly. However, we can counter it through the power of dharma.

► Watch this answer · 36:35 · 06 June 2021

Q_23 Ever since I've heard about the Kalki avatar from you and started chanting, I feel a strange sensation and a deep desire to see him. What should I do?

Answer: While living in the world, performing your duties, and thinking about your family, spend half an hour a day in the pursuit of divine knowledge. Secondly, you can contact the number provided on our YouTube channel. The Lord's name cannot be given to everyone. It is given only to those who do not eat meat or fish, who read the Srimad Bhagavatam daily in their homes, and who are free from sin, violence, and malice. The Mahamantra of Lord Kalki will be given by selecting such people. It is not for everyone. Please listen, this is not a commercial organization. I want to make it very clear to you, I have never earned a single paisa from the spiritual path in my life. We have never taken a single paisa from anyone through our discourses. I do not want to have any such financial relationship with pure souls like you. I want to have a

relationship with you like a brother, like family, just as the gopas and gopis lived with brotherhood in Vrindavan. We will maintain that connection and spread the Lord's name. After you contact the number, the Lord's name will be given after six months. Chant that name. As for your desire to have a darshan (vision) of Lord Kalki, when the time comes, you will. This is not a shop where I can just give you the mantra. This is not a business. The Mahapurushas wrote this 500 years ago, selecting devotees for this purpose. It is repeatedly mentioned that this secret mantra of the Lord should not be given to any sinner, unjust person, or corrupt individual.

► Watch this answer · 38:17 · 06 June 2021

Q_24 We have spoken on WhatsApp. I told you about this feeling in my heart, and you replied on WhatsApp telling me to chant a 'Malwa mantra'. I replied that I already chant 'Radhe Radhe' from the moment I wake up, it never stops. Is that sufficient?

Answer: If I have given you a mantra on WhatsApp, then you should chant that one. That is the most powerful mantra. Chant it, and you will receive everything. Just try it and see the power of this mantra. But one thing is, you must keep your body pure, wake up during the Brahma Muhurta, and follow the path I have described. You should read the Srimad Bhagavatam daily and consider your husband as God. I am not saying this just for you, but for all women. In Satya Yuga, the husband is considered God, and the wife should be his devoted partner. In Kali Yuga, only those who change will be able to follow this path, not everyone. Since I have given you the mantra, follow it, and everything will be fine.

► Watch this answer · 41:50 · 06 June 2021

Q_25 Guruji, regarding the earlier question about people who are abroad... it's 1:30 AM here, but we are listening to you. We live abroad. What does the Malika say for us? What should we do so that at the end of the age, we can go to a good place?

Answer: It is a great joy. See, Lord Jagannath's blessings are with you. You are following the Malika. It is written in the Malika that only those upon whom I have my blessings, who leave behind their past karmas and join the path of truth, will be able to experience the Malika. You are one of those pure souls who are following the Malika. Those who experience the Malika were devotees of Lord Krishna in all four yugas, and you must be one of them. That is why you are connected with the Malika. A person without such a background can never connect with us or the Malika. If you are connected, you are such a pure soul. Secondly, you live abroad. A person can live anywhere, but their inherent nature should remain with them. I will tell you three things. Since you live abroad, chant the Lord's name three times a day: in the morning, evening, and at night. Second, get a copy of the Srimad Bhagavatam and read it once a day. Third, eat a vegetarian diet and stay connected with our satsang. Listen to what is said and implement it in your life. By following this path, we will meet in Satya Yuga, and when the time comes, you may even have a darshan (vision) of Lord Kalki. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:36 · 06 June 2021

Q_26 Pandit ji, I want to know, you say that Satya Yuga is coming. After Satya Yuga, will Treta Yuga, Dvapara Yuga, and then Kali Yuga come again? Will this cycle continue?

Answer: See, regarding this, our ideology is... yes, the universe God created... yes, this is true, this cycle continues. However, at this particular time, a 'kalpa' (a cosmic aeon) will come to an end. When Tulsidas was born, he wrote in the Ramcharitmanas that this creation will be dissolved. All devotees will attain Vaikuntha (the celestial abode). The three realms—heaven, earth, and the netherworld—along with the fourteen worlds, will be submerged in water. Then, Lord Brahma will begin a new creation. Lord Vishnu will place the seeds of the new creation with Lord Satyadev. The sun and moon will also be new. The Malika says that in Satya Yuga, a new sun and moon will be created every day, which will be conducive to the age of truth. The sun's rays will be cool, and the moonlight will be very bright, like daylight, so no electricity will be needed. The Pancha-sakhas (five friends of Chaitanya Mahaprabhu) have written that to escape the great dissolution, the Srimad Bhagavatam is the greatest refuge.

► Watch this answer · 46:48 · 06 June 2021

Q_27 In this Kali Yuga, we have so many big temples like the Jagannath temple, Konark temple, and other structures like the Taj Mahal. What will happen to them after the yuga ends? What will be their fate?

Answer: In Satya Yuga, when Lord Ram was king, Ayodhya was built. Many kings came and went, and their capitals changed. When the yuga changes, three places remain: Badrinath, Vrindavan, and Jagannath Dham. However, Jagannath Dham will be submerged in water, but Vrindavan and Badrinath will remain. Some signs of our spiritual centers will also remain. When the Lord comes as Kalki, he will restore them. But when the great dissolution (pralaya) of the universe happens, the entire world will be transformed.

► Watch this answer · 51:28 · 06 June 2021

Q_28 A little while ago, I said that religion teaches a person how to live. I want to add that any religion teaches you the way of life. We shouldn't judge a person by their religion, because religion is different from the individual. One should read any religious book, be it the Bhagavad Gita or the Bible. We shouldn't judge anyone based on their religion. This is my belief.

Answer: Look, son, what you say is right. I'll tell you, a person is never bad. We condemn the wrong actions done by a person, but we love the person. We have affection for all of humanity. But the problem is their sinful actions. We condemn those actions. Those who do not rise above those actions and perform good deeds are not in our company. Secondly, all religions are connected. In the coming Satya Yuga, there will be only one religion. This war that will happen in Kali Yuga will be a religious war, a war of caste and creed. Kali has divided human society so they fight amongst themselves. But when Satya Yuga begins, there will be one religion. It is wonderful that you read the Bhagavad Gita. The Srimad Bhagavatam is the supreme scripture of Hinduism. Read the Bhagavatam, take refuge in the Lord, and together we will start the Satya Yuga with good traditions and help Lord Kalki establish dharma in the world.

► Watch this answer · 01:06:05 · 06 June 2021

Q_29 Pandit ji, I feel a strong inclination towards the service of Lord Vishnu and feel a connection to the Sudarshan Chakra. I feel an inner guidance to perform penance and contribute to the establishment of righteousness (dharma). It feels like the Pancha Pandavas have already taken birth. I just want to ask, have all the deities and Lord Kalki already taken birth, or is it yet to happen? And in how many years will the Lord reveal himself?

Answer: All the deities have taken avatar on Earth, according to our Malika. The Pancha Pandavas and all other gods and goddesses have taken birth. Lord Kalki will reveal his divine power between 2025 and 2027. With that divine power, he can conquer a country like America in a single day. I will tell you to follow the Malika, read the Srimad Bhagavatam, and remain in a state of meditation while taking care of your family. Stay away from meat, fish, and violence. The time has come for us to spread dharma, not just for show, but to protect ourselves and to manifest Sanatana Dharma throughout the world. This is the essential work of this time. A time will come when all devotees will unite, and everyone will attain peace. Follow the path of dharma.

► Watch this answer · 01:08:40 · 06 June 2021

Q_30 Pandit ji, I am from Uttar Pradesh. I have been on the spiritual path for 13 years. I see things in my meditation. After listening to your Bhavishya Malika, I feel it's all true. Please give me a mantra. I follow your Malika's path, I don't eat meat or drink alcohol, I am a pure vegetarian.

Answer: Okay, see, the number that is on our WhatsApp, call our devotees on that phone number. They will talk to you about the mantra.

► Watch this answer · 01:12:24 · 06 June 2021

Q_31 I am asking, I chant the mantra for an hour daily. You say Delhi will be destroyed by an earthquake. So, when the earthquake happens and buildings fall, will something fall on me? Or since I am a devotee of God, will I not die? Will my whole family be saved?

Answer: Look, son. Different souls have come to this earth and formed families. We don't know how righteous each person is. But the thing is, if all devotees and all families board the boat of dharma, then it is written in the Malika that those who chant the Lord's name will not be affected by any disease, natural disaster, or even an atomic war. Nothing will happen to them. This is repeatedly mentioned in the Malika. Have faith in it. For example, if five people are traveling in a car and it has an accident, four might die and one might survive. Why did one survive and four die? Only God knows. But according to the Malika, those who take refuge in God will be saved. God will save them. This is God's will. Spirituality is based on faith, devotion, and most importantly, patience. Wait for the right time, and you will experience everything.

► Watch this answer · 01:14:09 · 06 June 2021

Q 32 Before you go, please tell the devotees, what divine plays (leelas) is Lord Kalki performing right now? Because it is only through your vision that devotees like us can know about his powers and activities. Please kindly tell us.

Answer: Look, only a devotee knows the Lord's leelas. What can I say about this? You are devotees, you experience his leelas. I will only say this: when the Lord comes to Earth, he calls his devotees. It is written in the Malika that when the Malika is propagated, all the devotees will come to know about the Lord, and after that, the Lord and his devotees will meet. When all the devotees have gathered, the destruction of the Kali Yuga will begin. We are currently in that phase. The process will intensify day by day, and gradually you will all come to understand everything. There is no need for me to say it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:16:15 · 06 June 2021

SESSION 3 · QUESTIONS 33–60

L3 कलियुग के अंत का संकेत देवी - देवताओं के मंदिरों से, LIVE by pandit kashinath Mishra

Date: 13 June 2021 · Watch the full session ↗

Q 33 Some people and gentlemen have this question: if a great destruction (pralaya) is coming, then what is the need for a job? What is the need for employment? What is the need for saving money? And what is the need to get married in this world?

Answer: I will tell you one thing: the sun continuously rises and sets. During the Mahabharata war, those who were fighting were also eating and then fighting again. The establishment of Dharma will proceed on its own path, but the flow of karma in human society, according to the Vedas and societal norms, cannot be stopped by anyone. Fulfill your personal, familial, and social duties (karma) properly. But I am adding one thing: the spiritual karma will now begin. So, until that time comes, do your work, do your job, do whatever is necessary according to the norms of this Kaliyuga society. Fulfill them well and do not have any doubts in your duties. Do your work. Do not neglect your social duties like employment, education, and family bonds. And be a little wary of excessive modernity.

► Watch this answer · 07:39 · 13 June 2021

Q 34 I have a question, I am Abhijit from Kolkata. The vaccine that the government is giving now... we are devotees. If we don't take this vaccine, will God save the devotees from this disease?

Answer: The Malika says that whoever takes refuge in God, follows a vegetarian diet, and follows the path of dharma, for them, this disease is nothing. Follow the government's rules; there is no problem with that.

► Watch this answer · 27:00 · 13 June 2021

Q 35 I heard in a discourse, perhaps from you or another Pandit ji, that in the year there are four eclipses, a world war will happen. It will either be at its peak or it will begin. I want to know, according to astrological calculations, which year is that?

Answer: Look, we speak according to the Malika. The Malika says that there will be a solar and a lunar eclipse on the same day, a solar and lunar eclipse within the same fortnight, and four or five solar and lunar eclipses in a single year. Eclipses will occur on new moon and full moon days. These signs will appear at the time of the change of an era (Yuga Parivartan). When there are four eclipses in a month, it will be a symptom of the end of Kaliyuga. The world war will happen by God's will. It is written in one place that the day 12,000 devotees of Kalki gather, the work of destruction will intensify. It is also written in the Malika that the day 13 Muslim countries unite, the world war will happen. So, wait for that time.

► Watch this answer · 27:53 · 13 June 2021

Q 36 Will there be such a big impact on Kolkata? Will it be wiped off the map?

Answer: There will be no problem for the devotees of the Lord, those who are connected to Lord Kalki. They will face no issues. However, follow the rules of the government. God has no objection to this. God says, 'Walk the path of spirituality and perform good deeds.' Both are necessary for us. And also perform your social and worldly duties.

► Watch this answer · 31:19 · 13 June 2021

Q 37 Prabhu ji, as we believe according to the Malika that Corona is a form of God's wrath, but the world believes that China started it. So, was it man-made?

Answer: The country of China invites its own troubles. It is written in the Malika that China will face great destruction because of its own karma. No disease can spread without a reason; it happens through some medium. But regarding China, I will tell you what is in the Malika and what is Lord Kalki's directive: there will be such a massive earthquake in China, and the five elements of nature will wreak such havoc, that China will be completely devastated.

► Watch this answer · 31:58 · 13 June 2021

Q 38 I am from Ahmedabad, Gujarat. Three years ago, I went to Dwarka and had a spiritual experience. I felt the presence of Satchidananda, saw the deity's idol outside the temple with my eyes closed, and received Tulsi garlands from a mysterious lady just as I wished for them. What is the meaning behind this experience?

Answer: Look, this was a sign from God to bring you to the Malika. Without such blessings from God, why would you connect with the Malika? The devotees who were the Gopis and Gopas are the ones who experience such divine phenomena, and they are the ones who will come to the Malika, work for Sanatana Dharma, and connect with Lord Kalki. This experience you had was God reminding you of your past life's culture and good deeds. It is because of that past connection that you are now associated with us. This is the fruit of your karma and the good deeds from your previous life.

► Watch this answer · 33:51 · 13 June 2021

Q 39 Pandit ji, we are connected with you, following the Malika, and chanting God's name. But how should we try to connect our loved ones, friends, and family to this path? In today's time, many people are not interested in religious activities and are deeply entangled in the worldly and monetary illusions of Kaliyuga. How do we connect them?

Answer: Our greatest relative is God. The Malika says that not everyone in a family will become a devotee of Lord Kalki. Only those who seek and take refuge will become devotees. Those who don't, won't. Not everyone will survive. 75% of the world's population will perish; only 25% will remain. Therefore, continue your worldly duties, and for those who wish to come, try to bring them to the Lord's refuge with faith and devotion.

► Watch this answer · 36:34 · 13 June 2021

Q 40 Pandit ji, in your YouTube channel videos, we have received information about 7-8 mandals (regions/circles) out of the total 16. Could you please provide information about all 16 mandals for the new people who have joined?

Answer: There will be 16 mandals. Three will be in Odisha: the Jagannath temple area, the Lingaraj temple area in Bhubaneswar (the capital of Odisha), and the Biraja temple area. The fourth will be in Kolkata, centered around the Kali temple. Others include Rameshwaram Dham, Vrindavan-Mathura, Ujjain, Kashi, Dwarkadhish in Gujarat (Lord Krishna's land of pastimes), Kamakhya temple, and Ratanpur. There will also be a mandal comprising Delhi, Haryana, Punjab, and Rajasthan. Satchidananda has written that these 16 mandals will be established on Earth, and they will carry out the work of establishing dharma.

► Watch this answer · 39:11 · 13 June 2021

Q 41 Pandit ji, can I ask something in Odia?

Answer: (Implicitly grants permission as the person proceeds to ask in Odia).

► Watch this answer · 41:35 · 13 June 2021

Q 42 (In Odia, translated) I want to ask about Mahapurusha Achyutananda Das and Ramachandra Das. Are their writings and kirtans authentic?

Answer: (In Odia, translated) I do not know the dates of their time. They have written the Bhagavata. You should read the Bhagavata; it is very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:50 · 13 June 2021

Q 43 What should we do to take refuge in Lord Kalki?

Answer: First, you must follow the path of the Malika. Every member in every household should read it. Eat a vegetarian diet. Follow Lord Kalki. By following the Malika, you will face no problems because the Malika is the only scripture in the world that is the medium to reach God. Follow it, and slowly you will reach God. You won't need me.

► Watch this answer · 43:41 · 13 June 2021

Q 44 Hare Krishna, Pandit ji. How did you get involved in this divine work of Bhavishya Malika and Lord Kalki? Please tell us about it.

Answer: Just as no one knows the path a river will take, no one knows how a person's path unfolds. I received my Guru mantra at the age of 19. I am doing this work today with my Guru's blessings and inspiration. The instructions from God are internal. I tried to propagate the Malika on YouTube 10 years ago but was unsuccessful. When I started again two years ago, the day we began the YouTube work, my associate and I fell so ill it felt like life was leaving our bodies. After several such obstacles, we are now propagating the Malika by the Lord's command. The Malika is like the life-giving herb 'Mritasanjivani.' If you follow its path, even a 90-year-old person can come out of a ventilator.

► Watch this answer · 44:38 · 13 June 2021

Q 45 Pandit ji, you mentioned Chaitanya Mahaprabhu, who gave the Hare Krishna mahamantra. I want to ask, in the establishment of dharma, will ISKCON also have a role? What will be their role?

Answer: ISKCON (International Society for Krishna Consciousness) propagates the message of Lord Sri Krishna. However, I see one problem, and this is my personal view. The 12th Canto of the Odia Bhagavata and the Sanskrit Bhagavata explicitly mention the Kalki avatar. But the version of the Bhagavata that ISKCON uses does not contain this. Therefore, I do not know if their followers can reach Lord Kalki or not. But one thing is certain: by chanting the name of Krishna, they will surely take refuge in God.

► Watch this answer · 49:47 · 13 June 2021

Q 46 (In Bengali/Hindi) I read in the Malika about a prophecy of a train engine at Sealdah station in Kolkata that will travel to a place called 'Chhatia Dham'. What is this prophecy?

Answer: When the British built the first steam engine, one of them at Sealdah station would run on its own without a driver. So they chained it up there. A time will come when devotees from the 16 mandals gather, and Lord Kalki will also be there. After that, when Muslims attack the Jagannath temple, the deities will need to be moved. At that moment, the train engine at Sealdah will break its chains on its own and travel to the Jagannath temple area, as a direct railway line has now been established. The deities of Jagannath, Balabhadra, and Subhadra will be placed on it, and it will travel towards a place called 'Chhatia'. Before a station called 'Bainchi', the engine will break down. From there, devotees will carry the deities on their shoulders to Chhatia. During this time, Lord Kalki in his human form will be in the Biraja Kshetra (Jajpur).

► Watch this answer · 53:41 · 13 June 2021

Q 47 Hello, regarding the vaccine that the government is giving, should we take it or not? If we don't, will God save the devotees from this disease?

Answer: The Malika says that whoever takes refuge in God, follows a vegetarian diet, and follows the path of dharma, for them, this disease is nothing. Follow the government's rules; there is no problem with that.

► Watch this answer · 59:05 · 13 June 2021

Q 48 I want to ask, regarding the train prophecy, how was this written in the Malika 500 years ago when the train engine had not even been built and the railway line did not exist?

Answer: The Malika is based on truth and is the word of Lord Sri Krishna. Just watch, every word of the Malika is coming true. It had written about Corona, and it has also written about seven more diseases that are to come. These diseases will also affect people. But for the devotees, the solution is to chant God's name and remain on the path of righteousness. For humanity, follow the Malika. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:00:01 · 13 June 2021

Q 49 Pandit ji, how exactly should we remember and chant the name of Lord Kalki?

Answer: First, you must follow the Malika. Second, read the Srimad Bhagavatam. And propagate the message of Lord Kalki and the Malika in the world—this is the greatest dharma. There are some devotees who conduct satsangs (spiritual gatherings) in India and across the world; join them and work together. Everything will be fine.

► Watch this answer · 01:01:33 · 13 June 2021

Q 50 I am from Jaunpur, UP. I have been on the path of devotion since I was 13. I am asking, which mandals (regions) will be in UP? Also, temples and monasteries are being demolished; what is the effect of this?

Answer: Look, the demolition of temples and monasteries is a sign of the end of Kaliyuga. Kali will not allow the truth to remain, so this situation is prevalent all over the world. As for Uttar Pradesh, it is a very large and divine land. The Mathura-Vrindavan mandal is in UP. Ayodhya will also definitely be a mandal.

► Watch this answer · 01:02:17 · 13 June 2021

Q 51 What will be the role of the Suryavanshi king Maru and Devapi in the new era?

Answer: When Lord Kalki rules the world, he will give the kingdoms to two kings who have been in penance since the Treta and Dvapara yugas. King Maru will be given the throne of Ayodhya, and King Devapi will be given the throne of Hastinapur (Delhi).

► Watch this answer · 01:04:06 · 13 June 2021

Q 52 Pandit ji, for a long time, I have been wanting to become a complete vegetarian and give up non-veg food. But whenever it is in front of me, I am unable to control myself and end up eating it. What should I do to get rid of this habit?

Answer: Read the Srimad Bhagavatam. And before you start the Bhagavatam, first read the 'Gopi Leela' (the divine pastimes of the Gopis). After reading that, you will not feel the desire to eat it. That's what I would say.

► Watch this answer · 01:04:59 · 13 June 2021

Q 53 Pandit ji, I am from Indore. I have a good friend who believes in God but argues a lot. He sometimes drinks alcohol and eats eggs and fish, arguing that eggs are not non-vegetarian and alcohol is made from barley, so there's no harm in it, claiming even Lord Bhairav consumes it. How can we bring such people to the right path?

Answer: Eggs are non-vegetarian; it is a sin. It is written that a true devotee will change after hearing this just once. One who does not change is not a devotee; they have a demonic nature. It is not necessary to tell them repeatedly. A true devotee will feel a vibration in their body upon hearing the Malika. Those who have no faith, who argue, and who ask counter-questions have no place in the Malika.

► Watch this answer · 01:05:58 · 13 June 2021

Q 54 Jai Jagannath, Pandit ji. I was saying that Yogi Adityanath ji and Modi ji are not some divine souls, are they?

Answer: No, no, it's nothing like that. When Dharma is established, Sanatana Dharma will be established all over the world. When Lord Kalki takes charge of ruling, two kings, Maru and Devapi, who are currently in penance, will fight against China for India. After the war, Lord Kalki will establish them as the rulers of Ayodhya and Hastinapur, respectively.

► Watch this answer · 01:07:35 · 13 June 2021

Q 55 I want to ask a question. In the Malika, a sign is given that in a certain month, a major event (like a world war) will happen. Which month is being talked about?

Answer: Look, it is believed that the establishment of dharma will begin around 2026. This work will continue from 2023 to 2031. During this period, there will be a world war, calamities, and epidemics. All of this will happen. You are already seeing it happen. The exact timing will be decided by God. Some timings are mentioned in the Malika, but it is not right for me to reveal them in advance because it is God's plan.

► Watch this answer · 01:10:23 · 13 June 2021

Q 56 Pandit ji, I am studying computer science. In the future, everything is going to be destroyed. So, should I continue this education, or should I study something else?

Answer: Chant God's name internally. Read the Srimad Bhagavatam for at least one hour. Do God's work and also do your own work (karma). Just as we eat, drink, and perform our daily chores, education is also a part of life in this age. You have to get an education. So, continue your studies, and at the same time, follow the path I am telling you about. This will be useful in the times to come.

► Watch this answer · 01:11:55 · 13 June 2021

Q 57 According to the Malika, what will be the contribution of Hanuman ji and the other Chiranjeevis (immortals) like Vibhishana and Ashwatthama?

Answer: The Malika mentions Vibhishana, Hanuman, and Ashwatthama. Hanuman will be present on Lord Kalki's chariot. During the partial destruction (Khanda Pralaya), Hanuman ji will be responsible for saving the devotees in the region from Badrinath to the banks of the Ganga in Kolkata. He will act on Lord Kalki's instructions. After the establishment of dharma, Hanuman and the others will merge into the body of Lord Vishnu (Kalki). This is what is written.

► Watch this answer · 01:12:36 · 13 June 2021

Q 58 Should tea also be considered an intoxicant?

Answer: Yes, that is true. Tea will not be consumed [in Satyayuga]. You can drink it now, but without spices (masala). The kind of herbal tea that is offered in temples can be had. But the commercial tea that is available is not good for you. The Pandavas also used to consume a certain drink as an intoxicant.

► Watch this answer · 01:13:51 · 13 June 2021

Q 59 Pandit ji, when Satyayuga (the Age of Truth) comes, what will be people's profession or job? When there is no technology, what will people do to earn a living?

Answer: Technology will be far more developed and peaceful. It will be a time of bliss and happiness, much better than now. There will be no harmful things. Technology will be so advanced, based on the power of mantras, that humans will be able to travel even to the sun, or anywhere in the universe—heaven, earth, the netherworld. People will work for one month, and the harvest of rice and wheat will be so abundant that it will be difficult to consume it all. It is written in the Malika that within 30 days, the crops will be ready and the earth will yield so much that it will be hard to eat it all. There will be no poverty, no rich or poor. Everyone will have good houses, food, clothes, and a good environment. There will be no need for doctors or hospitals. It will be a time of great joy.

► Watch this answer · 01:14:54 · 13 June 2021

Q 60 Pandit ji, it is said that one gets heaven (Swarga) or hell (Naraka) based on their karma. Where are these places located?

Answer: Above the Earth's equator (Vaisuva Mandala) is Svargapuri (heaven). Below is Martya (the mortal realm), and below that is Patala (the netherworld). These are the three realms: Swarga, Martya, and Patala. One goes to heaven by performing good deeds and to hell by performing bad deeds. By becoming very close to God, like the Gopis, one can attain the Lord's supreme abode.

► Watch this answer · 01:17:07 · 13 June 2021

SESSION 4 · QUESTIONS 61–95

L4 **कल्कि भगवान के साथ भेट करने का मार्ग**, LIVE by pandit kashinath Mishra

Date: 19 June 2021 · Watch the full session ↗

Q_61 What is God's form like?

Answer: It's a blessing from God for a small child to see him. It's very good, Baba. To have a vision of God in such a short time, you are very fortunate. It is God's grace.

► Watch this answer · 15:56 · 19 June 2021

Q_62 Pandit ji, this is Ram Kumar Sharma. I have quit eating non-vegetarian food. Could you please guide my wife on this path as well?

Answer: You should support your husband in his dharma (righteous path). It is a wife's duty to follow her husband's path of dharma and principles. You should also follow this path. It will be for your own good because the age (Yuga) is ending, and there is nothing greater than dharma at this time. If you want to save your family and progress spiritually, you should become a ruler of your senses, read the Srimad Bhagavatam daily, and follow both your husband and the Malika.

► Watch this answer · 19:47 · 19 June 2021

Q_63 This is Shubham Tiwari. Can you tell us about Lord Kalki's book or scriptures?

Answer: Lord Vyasa wrote about the Kalki avatar in the Sanskrit Bhagavata Purana. It states that Lord Kalki will appear when the rulers of the world act like robbers, exploiting their people, when rulers live in luxury while the people suffer, and when sorrow and disease spread. When the rule of kings becomes corrupt, unjust, and full of looting, then Kalki will incarnate. This is the situation in the world today, so the Lord has already incarnated. The Srimad Bhagavatam wrote about this in advance. In this era, Mahapurush Achyutananda, who was Lord Krishna's friend Sudama, has written the Bhavishya Malika about Lord Kalki. When the Malika is propagated throughout the world, the devotees will recognize the Lord and receive his message.

► Watch this answer · 21:33 · 19 June 2021

Q 64 Pandit ji, my question is about the Sundar Kand of Ramcharitmanas. Recently, people have started finding a small hair inside the pages. This didn't happen before; it started around the time Corona began in India and when the flag on the Jagannath temple was torn. What does this sign mean? Is it a sign of the end of Kali Yuga or of destruction?

Answer: This is a very good and sacred sign. Lord Ram will come as Kalki Ram; this is written in the Malika. The name 'Ram' will be associated with his name when he becomes the head of state. The scripture by Saint Tulsidas is our holy text, and this sign appearing in it is a sign of the establishment of dharma and the end of the age. This is the biggest sign, and I am very happy to hear it. Tulsidas ji also wrote about the signs of the end of Kali Yuga, stating that brothers will violate the sanctity of their relationship with sisters, people will kill each other over small matters, and unrighteousness will prevail. He wrote this on the orders of Lord Hanuman and Lord Ram. The sign appearing in his scripture today is a sign of destruction, telling people to be aware. All devotees of Ram in India should become alert because Lord Ram is giving this sacred sign: 'Look, change yourselves. I have taken incarnation on earth for the establishment of our Hindu dharma.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:01 · 19 June 2021

Q 65 What is written about Hanuman ji in the Malika?

Answer: The Malika says that during the great destruction by the five elements (earth, water, fire, air, ether), Lord Hanuman will lift the devotees from the region stretching from Gangotri-Yamunotri down to Kolkata and bring them before Lord Kalki. The core 12,000 devotees will reach Lord Kalki first. However, the other devotees who are left behind during the cataclysms—earthquakes, floods, fire from the sky—will be protected by chanting the Lord's name. Hanuman ji will save all these devotees and bring them to the Sudharma Sabha (divine assembly). In that assembly, all the gods, sages, and eternal devotees will be present, and Lord Kalki will establish the eternal rules. Hanuman ji will also assist in the destruction of evil forces, burning enemy armies to ash with the fire from his eyes. He will fully assist Lord Kalki in establishing dharma and saving the devotees.

► Watch this answer · 29:33 · 19 June 2021

Q 66 This is Ashish from Bengaluru. You mentioned the names of places in North India for the 16 safe zones (mandalas). Will there be any in South India?

Answer: Yes, the place where Lord Ram established Rameshwaram will be the mandala that controls the South. Just as India has states, there will be 16 mandalas. Their central point, like a United Nations, will be in the Jajpur area of Odisha, which will be the center of the entire world. The Rameshwaram mandala will control the South. In that era, there will be no need for television or networks. Devotees will have divine vision and spiritual power. A time will come when, by pleasing the Lord, people will be able to fly and travel in celestial vehicles (vimanas). As spirituality increases, human power will also increase. There are many devotees in both the North and South, and they will all meet with the Lord's devotees.

► Watch this answer · 33:56 · 19 June 2021

Q 67 My question is about the timeline. At the end of Kali Yuga, there will be the time of Kalki. Before Satya Yuga starts, there is something called Kalki's 'Ananta Yuga'. What is the time difference and what is written about this?

Answer: After 5,000 years of Kali Yuga, its 'Sandhya' (twilight) period begins, during which Lord Kalki takes incarnation. After the establishment of dharma, Lord Kalki, as Kalki-Ram, will establish 'Ramrajya' (the righteous kingdom of Ram) and rule the world for 1,009 years. This period is the 'Ananta Yuga' or 'Sangam Yuga' (Confluence Age). After these 1,009 years, the Ananta Yuga will end, and the proper Satya Yuga will begin. We don't know how long this Satya Yuga will last; the Lord will decide. The Ananta Yuga will last for 1,009 years, and the lifespan of all the devotees with Lord Kalki, as well as the 640 million people who survive the great destruction, will be 1,009 years.

► Watch this answer · 37:20 · 19 June 2021

Q 68 Namaste, Pandit ji. I want to ask, will Lord Kalki get married?

Answer: Yes, when the Lord comes as an avatar, he follows worldly customs. In this age, Lord Kalki will have one wife. She will be a combined incarnation of the power of Mother Lakshmi and Mother Vaishno Devi. He will marry her and will have only one wife, as he is Lord Ram. As for children, some things are mentioned in the scriptures, but ultimately, some decisions are taken by the Lord himself. It is not within our capacity to speak definitively on this matter.

► Watch this answer · 40:38 · 19 June 2021

Q 69 I am Shweta from Uttar Pradesh. For a few years, my family has been moving towards a more spiritual and religious life. Is this a good sign? Secondly, how should we conduct ourselves in the future? We are pure vegetarians but still consume onion and garlic. Please guide us.

Answer: Firstly, regarding onion and garlic, eating them is not equivalent to killing a living being as they are produced by Mother Earth. However, they are considered 'exciting' foods that create heat in the body, though not strictly tamasic (impure). As long as Kali Yuga persists, if you cannot give them up, it is not a major issue; this habit will end with the age itself. Secondly, it is an excellent sign that your family is moving towards dharma. In this world, the greatest wealth is dharma. The one who possesses dharma is the happiest. I advise everyone to serve the cow mother, feed small creatures, donate to the poor, read the Srimad Bhagavatam, remain vegetarian, and take refuge in Lord Kalki by chanting his name. This will make your life immortal and save you. You are very fortunate that your family is united in this righteous path.

► Watch this answer · 42:08 · 19 June 2021

Q 70 I had a terrifying experience last night. I saw a vision of a very fierce goddess in a corridor. Her body was black, her bones were visible, and her hair was down to her waist. I was very scared and got goosebumps. What was that?

Answer: You had a vision of Mother Mahamaya, who is a form of Mother Kali. The establishment of dharma that is happening behind the scenes is being led by the Divine Mother, Mahamaya. Achyutananda has written about her fierce form. Since you are a devotee of Lord Kalki, she will not harm you. She is currently visiting every house, choosing which ones to destroy in the coming time. It is written that she will enter human bodies as disease, and no one will have control. However, those who are in the refuge of the Lord, who chant his name and listen to the Malika, will be protected. You are fortunate to have had this vision. Bow down to the Mother and offer the smoke from burning coconut husk in her name as a sign of respect.

► Watch this answer · 45:21 · 19 June 2021

Q 71 Pandit ji, please bless me. I have a wish that the Lord gives me his darshan (divine vision) in four different forms very soon.

Answer: Mother, listen to the Malika and follow its authority. If you do, you will not just get the darshan of four forms, but of all the avatars. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 49:40 · 19 June 2021

Q 72 When and what kind of destruction will happen in Kolkata?

Answer: Mahapurush Achyutananda has written that in Kali Yuga, Kolkata will be heavily impacted by war. However, nothing will happen to the houses of the devotees. There will be communal problems, epidemics, and destruction by the five elements (storms, floods, earthquakes, etc.). There is a Kali Mandala (a spiritual circle of power of Goddess Kali) in Kolkata. Those who are connected with it and are devotees of Lord Kalki will not be harmed. The Malika is being propagated to unite these devotees. A great destruction will occur in Kolkata, primarily by fire from warfare and also from natural calamities.

► Watch this answer · 50:26 · 19 June 2021

Q 73 You mentioned that 13 Muslim nations will attack. You named a few. Which other countries will be involved?

Answer: The Malika mentions that Turkey will play a major role, along with Iran and Pakistan. Saudi Arabia and China will also be involved. Iraq's name is also mentioned. Furthermore, the term 'Mishra-Africa' is used, indicating that some African nations will also be part of this coalition.

► Watch this answer · 52:40 · 19 June 2021

Q_74 And Pandit ji, whose side will Israel be on?

Answer: From the scriptures we have read, there is no specific mention of which side Israel will take. It is written that there will be a war between Jews and Muslims. However, the countries that will side with India are clearly mentioned: Russia, Japan, and Germany will be with India. And America will betray India. I am telling you this for a fact, this is how it will be.

► Watch this answer · 54:48 · 19 June 2021

Q_75 Is there anything written about Italy? And how will Russia support India?

Answer: It is written about Italy that the Lord has already saved his devotees there. It's possible that, similar to their alliance in World War II, Germany, Italy, and Japan might support India in this war. The text says there are devotees of Lord Kalki in Italy, and the Lord will save them and establish Sanatana Dharma there. Regarding the Muslim nations, many will unite to attack. This is part of the divine plan, similar to how Lord Krishna allowed Jarasandha to gather all evil kings in one place so they could all be destroyed at once. When these nations unite to attack, the Lord will destroy them.

► Watch this answer · 55:49 · 19 June 2021

Q_76 Why will all these Muslim countries attack Odisha specifically? Will they know that Lord Kalki has incarnated there and unite to attack him?

Answer: You make a good point. The war will not start in Odisha. First, there will be a war with Pakistan, and the conflict will begin from the Delhi side and then move towards Odisha. However, all these Muslim countries, and even America, are aware that Lord Kalki is the avatar. Just as the demon Kansa knew his end would come from Krishna, these anti-Sanatana forces know that Kalki will come to destroy them. They know from our scriptures that he will incarnate in Odisha and begin his mission of destruction from there. So, they will definitely come to Odisha. The Malika states that one day, 1.4 million Muslim soldiers will gather in Odisha. Lord Kalki will then use his Sudarshana Chakra and destroy them, and from there, his great war of destruction will begin.

► Watch this answer · 57:38 · 19 June 2021

Q_77 Pandit ji, I want to know, can we get the Bhavishya Malika in Hindi?

Answer: We can, and we have even tried to publish it in Hindi. However, this is the nectar-like word of God for the devotees. I do not wish for it to become a commercial product, for people to publish it in Hindi or English and do business with it. Nectar is meant to be distributed, not sold. That is why I have stopped the process. Unless I receive a direct command from the Lord, I will not proceed with it.

► Watch this answer · 01:00:55 · 19 June 2021

Q 78 I want to ask a question. Whenever I get sick, I drink water offered to the Lord and I get well. But in my dreams, the Lord just stands there. This has happened many times. What sign does he want to give me?

Answer: I cannot reveal your personal spiritual secrets in front of everyone, as I know you have a prior connection with the Lord. However, I can tell you this: there is a satsang (spiritual gathering) that is due to be held at your house. That is why the Lord is giving you this signal. You should arrange for it. Prepare prasad (blessed food) and distribute it to the poor.

► Watch this answer · 01:02:39 · 19 June 2021

Q 79 A YouTube channel was saying that there will be a war between a demon named Kali and the Kalki avatar. Is Kali Yuga a demon?

Answer: Do not get confused by such things. Understand this properly: Kali Yuga is the current age. The people who indulge in sin, violence, alcohol, gambling, and murder are possessed by the influence of Kali. These people are called 'Mlecchas'. Lord Kalki has incarnated to destroy these Mlecchas. There is no separate demon named Kali. The sinfulness within humanity is Kali. The Lord will destroy them through various means: war, epidemics, communal violence, natural disasters, and finally, by personally eliminating the main evil leaders. He has come to destroy this unrighteousness.

► Watch this answer · 01:07:04 · 19 June 2021

Q 80 You mentioned a flag and a name for the members of the Sudharma Mahasangh. How can we join and receive that?

Answer: The Sudharma Mahasangh consists of Lord Kalki's devotees. The propagation of the Malika is for establishing the Vishwa Sanatan Dharma (Universal Eternal Righteousness). A devotee who truly follows this path, the path of the Vedas and Lord Kalki, will be brought into the Sudharma Sangha. There is no financial transaction involved. This work is being done on the Lord's command, not for money. It is a program for protecting dharma and people. Devotees who have joined our system and live according to the Lord's principles will be considered for the Sudharma Mahasangh, but it requires the Lord's permission. We first observe a person's devotion and steadfastness before they are included. After being accepted, they can put the flag and the Lord's name in front of their house.

► Watch this answer · 01:09:45 · 19 June 2021

Q 81 Pandit ji, if a world war happens, which will be the safest place in all of India?

Answer: The Lord says, 'I reside where my devotees sing my glories.' The safest place is wherever the devotees are. The entire world will be a battlefield, but the devotees who are connected to Sanatana Dharma, wherever you may be, the Lord will protect you with his divine power. Nothing will happen to you. After the destruction of sinners, the Lord will establish his devotees. Therefore, taking refuge in the Lord is the safest place. There is no specific geographical location that is safe.

► Watch this answer · 01:12:15 · 19 June 2021

Q_82 Pandit ji, if we are building a house or investing in property, and if everything is going to be destroyed, then what is the use of it?

Answer: Do you not eat food every day? If we eat, we also need a place to live. The flow of social life—employment, investment, family—cannot be stopped and will continue. There is nothing to fear. You should continue to do your work, but stay in the Lord's refuge, follow the Malika, and live by the principles of Sanatana Dharma to prove yourself worthy of the Sudharma Sangha. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:13:34 · 19 June 2021

Q_83 Regarding what was said earlier, some sources say that Kali is a specific demon, a 'Kali Purush', who will fight Lord Kalki and is the main villain of this age. Is this correct?

Answer: I don't want to argue, but listen: humanity has already crossed all limits of sin. Sons are killing fathers, raping mothers; brothers are killing brothers. What adharma is left? What more can a separate demon do? The sinfulness that has entered humanity is the real Kali. There is no separate demon. The Lord has come to destroy this very sinfulness. When a 2-3 year old child is raped, is this not the peak of sin? If this continues, the world cannot survive. This is what the Lord has come to end.

► Watch this answer · 01:14:50 · 19 June 2021

Q_84 Is the Kalki avatar currently 13 years old and in human form in Odisha?

Answer: The Lord always takes a human form when he incarnates to relieve the earth's burden. It is written in the Malika that the Lord will reveal his form when Jupiter enters the Pisces constellation. He takes a human body to carry out his mission. The establishment of dharma is not a short process; it will take 30 years through the Sudharma Sangha, after which his rule will be established. This is not possible in a child's form. Therefore, he has to take a mature human body, and this is mentioned in the scriptures.

► Watch this answer · 01:21:28 · 19 June 2021

Q_85 My question is, when the 'Mlecchas' (sinful people) are destroyed, what will happen to their souls? Will they be reborn?

Answer: The asuras (demons), after their karma ends, are born again and continue their cycle of karma. In this age, the people who are committing atrocities will not receive a respectful departure. They will continue their evil tendencies in their next lives and will remain as ghosts and tormented spirits (bhoot-pret).

► Watch this answer · 01:22:58 · 19 June 2021

Q_86 What about Rahul Gandhi?

Answer: In this world, I have seen that dharma is not on everyone's side. Those who have dharma are the dearest to the Lord. I do not think it is appropriate for me to comment on the person you have named. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:24:44 · 19 June 2021

Q 87 You have said that a great war will happen this year. Can you elaborate?

Answer: The destruction by Lord Kalki is a multi-phased process. It happens through war, epidemics, communal violence, earthquakes, floods, and a general decline in behavior. This process of destruction is already ongoing and will continue. On one side, there is destruction; on the other, the devotees of the Lord are gathering. When the 16 mandalas are formed, the destruction will intensify, leading to the final, great destruction.

► Watch this answer · 01:25:47 · 19 June 2021

Q 88 I've heard that the Jagannath temple holds the heart of Sri Krishna, which has immense power. What is the connection between this and Lord Kalki?

Answer: Lord Jagannath is the formless Lord, just as Sri Krishna is. The one who is Krishna is Jagannath. The divine play he performed in Vrindavan, he is still performing. Achyutananda has written that when Lord Jagannath takes the Kalki avatar, he will leave the temple for some time and go to a hidden place. Lord Jagannath will take a human body. The Lord has already been born in a human body. The fact that the Jagannath temple is now closed to devotees is a sign of the Kalki avatar's manifestation.

► Watch this answer · 01:27:05 · 19 June 2021

Q 89 Is there anything written about Subhas Chandra Bose in the Malika?

Answer: What is the need to talk about souls who have already departed? Our focus should be on protecting our own bodies and souls. The Lord's promise is 'Paritranaya sadhunam' (For the protection of the righteous). If we become righteous, the Lord will protect us. People are alive today and dead tomorrow. We must remember and follow the Lord to protect ourselves and our families. What will you gain by discussing those who have passed away? The priority is to save the devotees, because if the devotees survive, the world survives.

► Watch this answer · 01:33:15 · 19 June 2021

Q 90 This is Bharat from Noida. Can we reach Satya Yuga through the path of knowledge (gyan marg) or meditation?

Answer: See, paths like Gyan Yoga (path of knowledge) are not necessary now. This is because the Lord himself has incarnated. Therefore, the only path is to remember the Lord, take refuge in him, chant his name, and work for the establishment of Sanatana Dharma throughout the world. This is your highest duty now. Fulfill it, and everything will be fine.

► Watch this answer · 01:34:52 · 19 June 2021

Q 91 What is the current age of Lord Kalki? And where has his divine consort been born?

Answer: The Lord's divine consort, a combined form of Mahalakshmi and Vaishno Devi, has already taken birth, but details about her are secret and cannot be revealed. As for Lord Kalki's age, it is an insult to the Vedas for a human to count the Lord's age. You should just know that the Lord has taken incarnation and is now in his youth. If you have his blessings, you will meet him.

► Watch this answer · 01:38:27 · 19 June 2021

Q 92 I am from near Badrinath Dham in Uttarakhand. There is a local belief that the Nar and Narayan mountains will merge, and the current Badrinath temple will shift to a new location called Bhavishya Badri. Will the current Badrinath Dham cease to exist?

Answer: Badrinath Dham existed in Satya Yuga, Treta Yuga, and Dvapara Yuga. Lord Ram also visited it. So why would it change in Kali Yuga? Ultimately, the Lord will provide the answer. But my feeling is that if Badrinath has been a sacred place in every age, as the Lord himself has stated, it will remain. I do not wish to say anything conclusive on this matter.

► Watch this answer · 01:42:42 · 19 June 2021

Q 93 I work with computers in Rajasthan. Will I be safe?

Answer: Listen, I will say one thing. Whoever surrenders to Lord Kalki, nothing will happen to them. Those who do not listen, who argue and doubt, they will be destroyed. So, even if you are in the middle of a war, surrounded by bullets, or even under the sea, the Lord will save you. This is our firm belief, and it has been proven.

► Watch this answer · 01:46:27 · 19 June 2021

Q 94 Can you tell us about the 'Kaal Bhairavi' sound that is prophesied to occur before the great destruction?

Answer: Yes, before the seven days of darkness and the great war, a sound called 'Kaal Bhairavi' will emanate from the Lingaraj temple area in Bhubaneswar. It will be heard by everyone across the world—north, south, east, and west. The devotees will not hear this sound. However, when the sinners hear it, some will have their chests burst, some will bleed from the mouth, some will fall unconscious, and some will die. Nothing will happen to the devotees; they will remain safe.

► Watch this answer · 01:47:34 · 19 June 2021

Q 95 What must I do to meet Madhav (the Lord)?

Answer: Are you part of the Sudharma Sangha? If you are, then you should speak with the people who manage your group, who are your point of contact. That would be the best course of action. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:51:10 · 19 June 2021

SESSION 5 · QUESTIONS 96–121

L5 कलियुग अंत के बाद प्रकृति, पंचभूत, संत समाज में क्या बदलाव आएगा? LIVE by pandit kashinath Mishra

Date: 20 June 2021 · Watch the full session ↗

Q 96 I am Saroj Kumar Nanda. I have a bit of confusion in my mind regarding karma (action) and bhagya (destiny). Please guide me a little. In the world, in Kali Yuga, is karma greater or is destiny greater? Which one should we focus on to move forward? Should we enhance our karma or our destiny? Please guide me.

Answer: Look, destiny is 'prarabdha' (the results of past actions). For instance, one child is born into a home with a golden cradle to play in, while another child is born to a mother who doesn't even have a small cloth to cover them. This is destiny. Because of destiny, a person gets a good family, a good home, a good caste, and a good religious establishment. But in every age, God has given importance to karma. There is 'sukarma' (good action) and 'kukarma' (bad action). It is written that one who does good deeds is fortunate. With God's blessings and by keeping the five senses in check, one should perform good deeds. See, it is very difficult to perform righteous deeds, but it is very easy to commit sins. Anyone can easily commit a sin, steal, or rob. But to follow the path of dharma for an entire lifetime, from birth till death, is difficult. If in between, a person commits a sin, their righteous merits are nullified. So, karma is the greatest thing in this world. But at this time of 'dharma sansthapana' (establishment of righteousness), my humble request to you is to read the Srimad Bhagavatam at home. Continue with your worldly duties, whatever they may be; we have no connection with that, it should be the law of the world. But read the Srimad Bhagavatam daily, read the ten avatars of God, meditate for 16 minutes, become a vegetarian, and in society, help the poor and the sad. Reduce your own meal for a day and share it with someone, be it an animal, a sad person, or a poor person. Give them something. Practice peace and truth. And all of you should take refuge in Lord Kalki, because time is running out. I don't say this to scare you, but people will yearn for this time. So I am telling you this much: remain in the refuge of God and accept Lord Kalki as your guru. This will be the guru dharma for Kali Yuga, and we will find fulfillment in our lives in this world, because we have to see God in this lifetime. At this time, God has also come for us.

► Watch this answer · 29:43 · 20 June 2021

Q 97 Jai Jagannath, Guruji. My question is, how can we make ourselves aware of the infinite power? And what is the contribution of this 'samay mandal' (era/time cycle) in a person's life? My question is how can we make ourselves aware of the infinite power and what is the contribution of this 'samay mandal' in our lives?

Answer: The 'mandal' of infinite power... the sages and saints who are the fathers of truth... In Satya Yuga, Treta, Dvapara, and Kali Yuga—in Satya Yuga, this formless penance was necessary for those who performed austerities. To awaken the infinite power, they could perform penance for many ages. After Satya Yuga came Treta Yuga. In Treta Yuga, people attained liberation through yajnas (sacrificial rituals), japa (chanting), and tapas (austerities). Then came Dvapara Yuga, and people found liberation by chanting the name of Lord Krishna. The dharma of love was propagated, and purity and cleanliness were illuminated in human society. But for Kali Yuga, Lord Buddha and Mahapurush Achyutananda have

clearly written that only the name of God, the 'Nama Brahma', is the path. Chanting the Lord's name continuously in your heart... See, in the current situation, no one can perform penance for a long time, and it is also not possible. You are a woman; for a woman to go out of the village, into a forest, and perform penance alone is absolutely not possible in this sinful society. So, do what God has prescribed for this path. Chant the name of Lord Kalki, the 'Madhav' name. Read the Srimad Bhagavatam. And always see the Lord in all beings, and share the Lord's name and virtues. Implement the principles of truth, peace, and compassion in your own life. That is enough to reach God. The other paths have become obsolete. In the next 10 years, who knows what changes the world will see. And God has also arrived. I am telling you with certainty, God has come, and the 'Kalki Leela' (divine play of Kalki) is being revealed across the world. The Kalki Leela is happening. Mahapurush has written that Yogamaya will take a form... and in that form, she will not be under anyone's control. I won't state it explicitly, but understand this much... this control... I don't want to use the full language, but through the power of Yogamaya, disease will spread throughout the world. This is a part of the Kalki Leela. Mahapurush Satchidananda wrote this. In what form will Yogamaya come? She will spread through the air and on the earth, in various forms of disease. In the form of a pandemic, she will destroy. So, there is no time for austerities. This japa, tapa, yoga that saints talk about—meditate, do japa—none of it is needed in Kali Yuga. Only 'Naam Bhajan' (chanting the name), practicing truth, peace, and compassion. Do not sin. That's all. The people of Kali Yuga cannot do more. And definitely read the Bhagavatam. By reading the Srimad Bhagavatam, your lifespan will increase, discord in the family will end, and diseases and ailments will also be cured. It is such an important text. When the great destruction happens, it will awaken the divine power within us. And in Kali Yuga, the greatest dharma is to continuously chant the Lord's name. And the name 'Madhav Keshav Madhav' is the most sacred name for the end of Kali Yuga. It is written in the Malika that by chanting the name 'Madhav', there is no power in the world that can stop you. You can test it and see. But you must also follow the path of dharma that is prescribed. There is no time for other things now. When the time comes, we will do them. Not now.

► Watch this answer · 33:13 · 20 June 2021

Q_98 We want to know... it is said that there will be destruction first. I want to know, how can people be saved from this? How can they be protected and take refuge in the Lord?

Answer: In the Malika, there is mention of the destruction of Kshatriyas. Mahapurush Satchidananda has written about the destruction of Kshatriyas. The Kshatriyas were created from the arms of the Lord. After Ravana, the Kshatriyas are respected. There is no mention of destroying them. It is written that only those who are sinful and demonic, who cause suffering to the world, who kill living beings, who commit atrocities and corruption—they will be destroyed. And Mahapurush has written that first, there will be great pressure on the farmers in the world. They will commit suicide due to crop loss, which is already happening. And farmers will not get the proper price for their produce. The 'chasi' (farmers), as we call them in our language, the agriculturists, will face many natural calamities from the five elements. And the very wealthy people of the world, the factory owners, big moneyed people, high officials—they will be destroyed. Their wealth will be destroyed. And many big people will also die. I present this thought, observe today's society, understand and analyze what I am saying. After that, the government employees will not receive their salaries for months. That time is also coming. Gradually, such signs will appear, which are already becoming visible. As for the Kshatriyas, those who remain in the refuge of God, the true Kshatriyas... if they consume meat, fish, alcohol, and commit sins, then God will decide their fate. But there is nothing specific like that. My request is, watch my videos, read the Srimad Bhagavatam, become a vegetarian, and remain in the remembrance of Lord Kalki. A very bad time is coming. If you all do not come to this path,

then you yourselves will understand what will happen. It is my duty to tell the world this because this was written for the devotees. And by propagating this, the devotees will be safe. So, follow this message, and practice truth, peace, compassion, and forgiveness. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:47 · 20 June 2021

Q 99 Do we have to read the Bhagavata Mahapurana or the Bhagavad Gita?

Answer: Read the Srimad Bhagavatam.

► Watch this answer · 42:43 · 20 June 2021

Q 100 Will it be okay if we listen to it on TV? There are programs on the Bhagavatam on TV. If we listen to or watch those, will that suffice? Like Ramanand Sagar's Ramayan?

Answer: Look, son, it is good to watch these. Many scriptures are broadcasted, on video, on music systems. That is all fine. But our body, our Aryan tradition, involves practices like offering water to the sun god, chanting the Gayatri mantra, and chanting the name of the Mother. This is necessary because it is our own spiritual practice (sadhana). Listening is enjoyable, but you have to do something yourself. Do that. It's fine.

► Watch this answer · 43:01 · 20 June 2021

Q 101 I want to ask, I have received seven mantras in my experience. What should I do with them?

Answer: Look, you have mantras, and you chant them with a mala. But with the change of time, the name of God also changes. In Kali Yuga, people worshipped Lord Vishnu. In Treta Yuga, it was the name of Lord Ram. No guru's word is false. Continue doing what you are doing. But for Kali Yuga, the most important name is 'Madhav'. Mahapurush Achyutananda has written this. We should take refuge in the Lord and respect the avatar of the current yuga. We should take refuge in him. This is according to the Malika.

► Watch this answer · 44:17 · 20 June 2021

Q 102 I am speaking from Assam. Do you know Assamese?

Answer: I can understand if you speak.

► Watch this answer · 46:30 · 20 June 2021

Q_103 What should be done for salvation?

Answer: Look, there are living beings in the house. Our Srimad Bhagavatam talks about 'Vaisya Dharma'. Especially the mother, the dogs, the small creatures that are dependent on humans—feeding them is our duty. So, as much as you can, do charity and chant the 'Madhav' name. This is what you should do. I am not a guru with any mantra; I am an ordinary man. I only say, chant God's name, practice dharma in the world with as much self-control as possible, and spread the Lord's name in the world. Awaken the devotees who have gone astray. This is my request to you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:38 · 20 June 2021

Q_104 Will there be a great flood in Assam? What will happen to the devotees?

Answer: The Jagannath temple... there is no problem. Hold on to dharma and do your work. The principles I am explaining according to the Malika, follow the Bhavishya Malika completely. You all will be saved. Jai.

► Watch this answer · 49:54 · 20 June 2021

Q_105 In my life, I have made many mistakes. I was also a non-vegetarian. I am coming to this path now. With all the mistakes I have made in my life, how can I come onto this path?

Answer: You have spoken well, Chakravarti. Jai Jagannath. It's a good thing. Look, every person makes mistakes in their life. It happens due to circumstances. Tulsidas wrote in the Ramcharitmanas that even a good person can become bad due to their environment. But when the time comes, their heart is illuminated. Just as a snake has a gem but is not affected by its poison, and the gem's light remains, similarly, every person makes mistakes in life. The fact that you are talking to me today... I will tell you one thing: if you make any mistake from today onwards, you will not be forgiven. Surrender all the mistakes you have made to Lord Madhav with devotion, ask for forgiveness, and perform good deeds. And secondly, read the Srimad Bhagavatam. Read it daily. Chant the name of Lord Madhav. Become a vegetarian. Help the poor and needy as much as your capacity allows. For instance, if we eat ten times, we can skip one meal and distribute it. Live with this principle. And follow the Malika, because by following the Malika, one can become a servant of Lord Kalki. And with the Lord's grace, one can attain the greatest power in the world. So, start working for it from now on. Do what is righteous. And when the yagya happens, if you are brought in the right way, you can surely be present at the yagya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 52:52 · 20 June 2021

Q_106 As an advocate, my work might not always align with this path. So, what should we do? What work should we do now?

Answer: Of course, as a lawyer, you meet many people. Look, do good deeds. My path is one of truth, peace, compassion, and forgiveness. When the yuga changes, one must follow the dharma and principles of that yuga. And the path we are on, you all must follow it too. Because at the end of the yuga, where there is truth, peace, compassion, friendship, and purity, one must follow that. Read the Bhagavatam, go to the temple, and carry out your profession well, but try to be truthful.

► Watch this answer · 55:31 · 20 June 2021

Q_107 Can we invite others, like an American family, to this path?

Answer: You can speak to good and pure people.

► Watch this answer · 56:51 · 20 June 2021

Q_108 Pandit ji, my question is that 432,000 years of Kali Yuga are still remaining. And you are saying that Lord Kalki will come—no, that he has already come. My question is, everyone knows that 432,000 years are left, and they are all wearing those 'glasses' of belief. So how do we make them aware or tell them that he has already arrived?

Answer: Look, son, Jagannath, what you are saying... the age of Kali Yuga is 432,000 years, but out of those 432,000 years, Kali Yuga will only last for 5,000 years. For example, if a person's horoscope says they will live a long life, but that person commits sins and debauchery, they may die at a young age in a car accident or from a disease. Their life ends. Similarly, Brahma Dev and Manu decided on 432,000 years for Kali Yuga, but due to the immense increase in sin in Kali Yuga—cow slaughter, Brahmin slaughter, infanticide, feticide, matricide, patricide, deceit, falsehood, etc.—due to all these sins, the age of Kali Yuga has been cut short. Our episode on this is available; you can watch the previous episode. So, it has been reduced from 432,000 to only 5,000 years for Kali Yuga to exist. This is why the Malika was written. The Malika was written because people would not know, and saints would create confusion by saying such things. The Malika was written to awaken people.

► Watch this answer · 57:12 · 20 June 2021

Q_109 The current storytellers (kathavachaks) also know and say that 432,000 years are remaining. Can we say that they don't have the truth or are unable to know it, even though they preach about the yugas?

Answer: The scriptures and Vedas state that one should not take money for spreading God's name or the scriptures. That is the most important thing. Nowadays, in society, the propagation of this message has become highly commercialized. There is a lot of pomp and show. God resides in the service of the poor, the needy, and the destitute. But when the scriptures are sold, their truthfulness should also be examined. What will those who sell the scriptures know? Secondly, this is why the Malika was written in Odisha. It was written that all these people will mislead everyone and even declare themselves as God. This is also a problem. The Malika has clearly written that when 5,000 years of Kali Yuga are about to end, a pandemic will come, and at that time, Lord Kalki will be 13 years old. All of this has already started, son. The principles of dharma that I am telling you, follow that path. The time has come. We don't have time. Just surrender to God.

► Watch this answer · 59:36 · 20 June 2021

Q 110 The Malika was written 500 years ago, right? So if it was written 500 years ago that this will happen after 5,000 years, then only 500 years have passed. Doesn't that mean there are still 4,500 years left according to the Malika's timeline?

Answer: No, no, no. Mahapurush Achyutananda wrote 500 years ago, that is correct. But he wrote that the total lifespan of Kali Yuga, out of 432,000 years, will be reduced to only 5,000 years due to sin. Today, in Odisha, according to the Jagannath Panjika, Mata Biraja Devi Panjika, Kohinoor Panjika, and your Panjika that is used in North and South India—according to the Odia Panjika, the age of Kali Yuga is 5,126 years. And according to your Panjika, it is 5,123 years. It is ongoing.

► Watch this answer · 01:01:30 · 20 June 2021

Q 111 In 1918, many people died, 30-40 lakh people. The Bhavishya Malika says a pandemic will come, but there was a pandemic in 1918 (Spanish Flu) and also in 1818. When the 1818 one happened, Sai Baba had taken birth. How is the current one different?

Answer: Look, the Malika has written about 1818, about 1916, and about all world events. From India's independence, to the system of governance, to how long certain people will rule, to how America will become poor, arrogant, and egotistical—all this is written in the Malika. It was written about all these things, and it is also written about today's pandemic. The end of Kali Yuga will happen after 5,000 years. 5,000 years have passed. And from the Jagannath temple, repeated signs are being received. Let me tell you one thing about the Jagannath temple. Satchidananda has written that when the flag on the temple spire falls repeatedly, at that very time, the Lord will have taken the Kalki avatar and will be performing his divine play. Those who are asleep will remain asleep. The flag on the spire will fall repeatedly, and at that time, Lord Jagannath will take his avatar.

► Watch this answer · 01:05:50 · 20 June 2021

Q 112 Yesterday you said that Vaishno Devi and Mata Lakshmi will be his one Shakti (power). But at the Kalki Vatika in Delhi, the people who run the organization said that Lakshmi (Ramapati) and Vaishno Devi will be his two wives. They said they will get married, have children, and then the work of establishing dharma will begin. But you said they will be his Shakti. Please clear this confusion.

Answer: Look, son, the Malika is the original and fundamental scripture regarding the Kalki avatar, the establishment of dharma, the 16 mandals, gathering the devotees, the Sudharma Sangha, and bringing about Satya Yuga. The Malika contains the core principles and is the word of God. I propagate that; it is not my own word, and I do not make any mistakes in it. The Malika states that Lord Kalki Dev will go to Mata Vaishno Devi and absorb her power. The power of Mata Vaishno Devi will manifest in the body of Mata Mahalakshmi. Then, the Lord's marriage will take place. Before the Sudharma Sabha, Brahma Dev and Mahadev themselves will come and conduct Lord Kalki's wedding under a banyan tree in his ashram. This is what is written. And God has said this. So, according to what is written in the Malika, I follow that. I respect what other saints and gurus say, but I follow what is in the Malika. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:09:13 · 20 June 2021

Q_113 My deep understanding is that our karma is supreme, and dharma arises from karma. Is this correct?

Answer: There is 'kukarma' (bad action) and 'sukarma' (good action). Someone steals, someone loots, someone is corrupt—that does not fall under dharma; that is called karma. And the karma that is 'sukarma'—doing service, being pure, and spreading dharma—the one who does this karma, in their body, the power of dharma is generated. In their destiny, in their life, the path of dharma takes them to a certain point. The karma that illuminates dharma... first is not dharma, first is karma. And by performing karma, dharma arises. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:11:35 · 20 June 2021

Q_114 How does one perform Trisandhya (prayers at the three junctures of the day)?

Answer: By sitting and chanting God's name, the 'Madhav' name. If you read the Srimad Bhagavatam, that is Trisandhya. Sandhya is the time of juncture. In a day, there are three junctures. One is in the morning when the night ends and the day begins. The second is when the morning ends and the afternoon begins. The third is the evening time. If someone is in service or has a job and doesn't have time, they can just chant mentally wherever they are. But if they are at home, it is better to bathe and sit in meditation. In Satya Yuga, human society will follow this path. For now, do as much as you can. At the very least, read the Srimad Bhagavatam, be a vegetarian, and chant the 'Madhav' name. That is the essence of worship. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:12:49 · 20 June 2021

Q_115 I recite the Srimad Bhagavad Gita daily. But you are saying to recite the Srimad Bhagavatam. Are they different?

Answer: In the Bhagavad Gita, Lord Krishna explained the path of karma to reduce its effects in the world, so that man can understand the soul and attain liberation from the cycle of birth and death. The path to liberation that God showed is in the Srimad Bhagavad Gita. The Srimad Bhagavatam shows how to be saved. Reading the Srimad Bhagavad Gita is a very sacred and necessary thing. But according to our Malika, it is necessary for every devotee to read the Srimad Bhagavatam.

► Watch this answer · 01:14:12 · 20 June 2021

Q_116 Which Srimad Bhagavatam, Guruji? Do you mean the Srimad Bhagavata Mahapurana?

Answer: Yes, the Mahapurana. Say Mahapurana. The Srimad Bhagavata Mahapurana.

► Watch this answer · 01:15:16 · 20 June 2021

Q_117 Pandit ji, forced vaccination is happening all over the world. What is your view on that?

Answer: Follow the Malika. Be a vegetarian and take refuge in God. The Government of India has its own laws. We are in a democratic government. It is good for all citizens to follow the policies and rules of the government, and it is necessary. Because, what is to happen in the future will happen. That time is coming. The government does its duty for the citizens. As a nation, the work that is done should be supported by everyone. I am explaining the path of dharma, the path of the Malika. Follow that. But as a citizen of the Government of India, you have to follow all the rules and regulations.

► Watch this answer · 01:15:49 · 20 June 2021

Q_118 Pandit ji, my question is, I watch and follow all your videos. My mind gets disturbed about the future. What you are saying is true, but looking at the current environment in society and the world, everyone is running after their own goals, trying to stabilize themselves. And then there is this other path of dharma and spreading Lord Kalki's message. My mind gets very disturbed about which path to follow. Please guide me.

Answer: Look, son, today in the world, all people, the entire world, is aimless. Whatever their goal was, they have lost sight of it. And there are many obstacles for people to move forward. From students to governments, from companies to all the institutions in the world, they are not capable of fulfilling their objectives. Everyone has become aimless, living in disappointment and problems. The problem will come, and time will tell. But a wise person is one who understands the times. It's not been one year, not two years, it's still going on. And what's next... For example, a fire breaks out in a hospital. If there's a short circuit in a hospital, in big malls, it's not due to a short circuit. A fire starts in a building, in an ambulance, even a motorcycle catches fire. In my life, I read the newspaper daily, but for the past year, I have not been able to reach any conclusion. I am also hearing and following this, and I am experiencing that for the last year and a half, it's all fires, fights, accidents, someone dying... the situation is getting worse. And my mind gets disturbed by this. The thing is, I am not able to focus on my own goals. What should I do? And your path is a very good path. Listen, I'll tell you frankly and correctly. The Malika says that the devotee who follows this path will be saved. To reform them, many gods and goddesses have been given a place, so that human society can be reformed. And those who listen to the Malika and follow it, they will be the devotees of Satya Yuga, Dvapara, and Kali. So listen, follow the instructions, become a vegetarian, chant from the Srimad Bhagavatam, and watch our satsangs on YouTube. Stay connected with Sanatana Dharma, propagate Sanatana Dharma. This is what is good for us. There is no expense in this, no give and take. It is a path of dharma.

► Watch this answer · 01:17:11 · 20 June 2021

Q 119 I had a vision of the four-armed, golden form of Lord Vishnu in 2018. What is the significance of this?

Answer: Alright, mother. You saw Lord Vishnu. Lord Vishnu himself has taken the Kalki avatar and come in a human body. You are very fortunate. You had a divine vision that even gods find rare. But now, try to have the darshan of that human form, because Lord Kalki's avatar has already happened. He has taken his avatar, and the Lord has also started the work of establishing dharma. Join Lord Kalki's dharma and spread the Lord's name throughout the world. Work for Sanatana Dharma. Because God himself gave you his darshan. I don't want to say more, but join the work that God is going to do in the future. Involve yourself in it.

► Watch this answer · 01:21:43 · 20 June 2021

Q 120 The Puranas state the age of the yuga is 432,000 years, but many of these scriptures have been changed and modified. So how can we believe them? It's possible that the numbers were changed by the force of Kali so that his reign continues. Is this why the Bhavishya Malika had to be written on palm leaves?

Answer: You have spoken correctly. The scriptures have been repeatedly modified. People have written them according to their own agendas, completely modifying them. That is why what is necessary for Kali Yuga is written in the Malika. And mother, look, you are fortunate. You are a divine, holy soul, a sage or saint who has come to earth. You are a pure soul to whom God reveals things. So, follow the Malika. This is our ultimate scripture for the people, for the devotees. By following it, we will go from Kali Yuga to Satya Yuga.

► Watch this answer · 01:25:07 · 20 June 2021

Q 121 How can we join the 'Sudama Sangha'?

Answer: First, join the current stream of Sanatana Dharma that is flowing. Get the number and come. The saints and devotees who are managing it, come and join them. After staying with them for some time, those who come fully into the stream of God will be inducted into the Sudama Sangha. Alright.

► Watch this answer · 01:28:47 · 20 June 2021

SESSION 6 · QUESTIONS 122–141

L6 विश्व में आद्य सत्य युग का, प्रजा शासन धारा और धर्म का विचार कैसे रहेगा? LIVE

Date: 27 June 2021 · Watch the full session ↗

Q_122 It is written in the Malika that there will be a world war. Will this world war happen in 2024? How long will it last, and what will be its outcome? Is anything written about this?

Answer: Look, son, a world war will definitely happen. The Malika states this, and it is mentioned in many scriptures. I have been saying from the beginning that 75% of the world's population is heading towards destruction. I am talking about the entire world. However, there is still time. If human society returns to the path of truth, dharma, justice, righteousness, generosity, and humility, and takes refuge in God, following the path shown in the Malika, then there will be no danger to human life. The war will happen, and it could be in 2023 or 2024. The preparations have already begun. On one side, Muslim nations are forming their own alliance. On another, NATO is undergoing disintegration and reconstruction. And from a third side, a third power will emerge from India, with several allied nations. Before this happens, just as the Pandavas and Kauravas gathered their allies, the world will be 100% divided into factions. Along with the war, there will be a great flood. Imagine we are sitting in one place, and suddenly a cloudburst causes a massive flood. There will also be earthquakes and fire calamities. All this will happen through the five elements. The more we fight with nature, the more its ferocity will increase next year. The war will completely change the map of the world. Some parts of India will remain safe, but other parts will see great devastation. There will be floods and pandemics. This will continue. The establishment of dharma will happen through floods, fire, earthquakes, pandemics, diseases, communal violence, and war. The war is certain. So, I want to say one thing: come towards the path of dharma. Whether it happens in '23 or '24, it will surely happen. Until 12,000 devotees take refuge in God and the 16 Mandals (divine circles) are established, the process of establishing dharma will continue. The greatest path for humanity to be saved is the one I am telling you from the Malika: read the Srimad Bhagavatam, become a vegetarian (don't eat meat, fish, or eggs), and practice charity by feeding small creatures like cows and other animals. This will advance dharma.

► Watch this answer · 16:14 · 27 June 2021

Q_123 You had said that the Maha Sudharma Mahasangh has been formed, so please tell us about its current status. You also mentioned that you have received directives to propagate the Malika; please tell us about those directives. What I mean to ask is, have you met God? I don't know if I've asked correctly.

Answer: Look, daughter, Jai Jagannath. Just as you are following the Malika, anyone who discusses dharma, considers its principles, and brings the scriptures to devotees across the world also earns merit. We are doing this work for the liberation of our own lives. Regarding your question about the directives I received, that is a secret matter and cannot be made public. But I will say this simply, with God's blessings: this Malika was written 600 years ago. Why is it being propagated now? There are many knowledgeable saints in India, but this responsibility was given to someone specific. The one it was given to is propagating it. Consider the propagation of the Malika itself as God's blessing. Secondly, regarding the Sudharma Sangh you asked about, for the establishment of Sanatana Dharma in India and the world, 64 crore people will be transformed into saints. It doesn't matter which religious institution they belong to or what their religion is; people

from all faiths will come to Sanatana Dharma. Just as Vibhishana came to take refuge in Lord Rama, he first approached Hanuman. By taking refuge in Rama, he became a saint and immortal. Similarly, those in the world who do not follow Sanatana Dharma will come to it. And those in India who do not follow Sanatana Dharma will have to come. If they don't, God will deal with them; it is not right for us to comment on that. The work of Sanatana Dharma will happen first, and the Sudharma Sangh has already been formed. To join the Sudharma Sangh, connect with the phone number that has been provided and speak with them. The Malika clearly states that those who were with Lord Vishnu in his various avatars —as gopis in Vrindavan, during the Rama avatar, the Buddha avatar, the Chaitanya avatar, or those who reside with him in Vaikuntha—have already taken birth on Earth. Only they will form the Sudharma Mahasangh; not everyone can. Only those who are destined, who have taken birth for this purpose, will join the Sudharma Sangh. Those who join will work according to Lord Kalki's command throughout the world. Those who remain in Sanatana Dharma and practice its principles in their lives will live safely and transition from Ram Rajya to Satya Yuga. This is the great path. Follow this path, follow the Malika. The time is very grave, but there is a way out, a way to be saved. The path we are showing through the Malika is not our path; we are ordinary humans, not saints. We work in the refuge of God, and you should too. We don't need any honor.

► Watch this answer · 22:31 · 27 June 2021

Q_124 I had a dream a week ago that I was in the time of Luv and Kush, during the rule of the Raghu dynasty, the Ikshvaku dynasty of Lord Rama. What is the meaning of this?

Answer: There are people like you to follow the Malika. The Malika is written for this very purpose: to come to the refuge of God. With the propagation of the Malika, all such devotees will come forward. So, if you are seeing such things, then follow the Malika. Through the Malika, the purpose for which we have come to this Earth will be fulfilled. Okay, mother. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:13 · 27 June 2021

Q_125 Maharaj ji, what will be the next major event? I mean, this year or next year, just as Corona was a big event, what is the next big event to come?

Answer: I have said it before. A verse from the Malika says, 'Mala mala dharani heba, shunya heba desha, kahari mukhe na sphuriba, Ishwaranka nama.' This means the land will be filled with corpses, nations will become empty, and the name of God will not be on anyone's lips. Death will be rampant across the world, and people will cry out in distress. No power can stop the establishment of Dharma. When humanity violates the path of Vedas, Dharma, and God for its own selfishness and pleasure, sacrificing the entire world, then to protect Dharma and save the Earth—otherwise the Earth will not survive, as Mother Earth is weeping—this process will continue. No one can stop it; it will only intensify. Many events will unfold. Even if I don't say it, you can understand. Things will get worse. People's employment will decline. Education will decline. The development that is happening in the world will decline. Inflation will keep increasing until it becomes rampant. After that, there will be no point in living. The greatest thing is to follow the path of Dharma.

► Watch this answer · 29:37 · 27 June 2021

Q_126 So, should we quit our jobs and stop doing everything?

Answer: No, son. As long as the world exists, keep working and chant the name of God. And follow the path I am telling you, the simple vegetarian path, in your life. Don't chase after lust and desire. Mahaprabhu wrote, 'Martye manabanka buddhi pruthwi byapiba, kamaasakta purusanka sankhya badhijiba,' meaning the world will be filled with people driven by lust. The world is full of it. People do anything for lust. Don't go down that path. Those who commit sins will receive the fruits of their actions. When a person is righteous, follow that righteous path. Continue your education, son, but do not forget the path of Dharma. When the time comes, you will understand what to do. For now, study and also follow the path of Dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:56 · 27 June 2021

Q_127 When Lord Kalki comes, will people be short in stature? Please shed some light on this.

Answer: In the Srimad Bhagavatam, it is written that at the final moment of Kali Yuga, the stature of human beings will decrease. The stature of mother cow will also decrease. When you see this, know that the end of Kali Yuga is near. The Srimad Bhagavatam also lists other signs: men will marry men, women will marry women, brothers will marry sisters, rulers will loot their subjects, and the tax burden will become so great that people will find it difficult to bear. It will not rain at the proper time; there will be floods in the off-season and droughts during the season. The Earth will hide its potency. In human society, everyone will chase after lustful desires, and selfishness will be the most prominent trait. People will run after wealth, and no one will possess compassion or forgiveness. All these signs are manifesting one by one in the world. Regarding stature, our ancestors—our grandfathers and great-grandfathers—were taller than we are. Our height has already decreased. Secondly, if you go to villages in India and see the native Indian cows, not the hybrid ones, you will see their stature has become very small. While this may not be visible everywhere, the signs are appearing in some places. The greatest evidence is the Malika, and what was written in it is happening one by one. This is the time for the establishment of Dharma. During this time, we must follow the path of the Malika with self-control.

► Watch this answer · 33:26 · 27 June 2021

Q_128 In this flow of righteousness (Dharma) and unrighteousness (Adharma), what will happen? When truth, compassion, and forgiveness are absent in the world, how will Dharma be victorious?

Answer: What will happen is that even when truth, compassion, and forgiveness are absent in the world, Dharma will be completely victorious. Secondly, regarding this, Mahapurush Achyutananda has written in his Bhavishya Malika, 'Kainphula bije hebe eka gupta sthana, puri kholi dekhaile heba darashana.' This means the Lord of Lords, Mahadev, will be present in a secret place. Below him, many yogis will perform penance. Then they will receive Lord Kalki. The path has been opened, and victory to the devotees of God.

► Watch this answer · 36:39 · 27 June 2021

Q 129 How can we be certain to receive God's grace and stay on the right path?

Answer: It is God's miracle, son. He can change all human beings. If we stay on the path of Dharma, we will have God's blessings. The main thing is to stay on the path of Dharma, not to chase after lust and desire. Follow the path of truth, dharma, and justice. Do righteous deeds (karma). Have faith and devotion towards God. If you follow this path in Odisha, you will surely receive God's grace.

► Watch this answer · 38:04 · 27 June 2021

Q 130 In one of your videos, you mentioned that the total duration of the four Yugas is about 12,000 years, with Kali Yuga being longer. Could you please explain the calculation and duration of the four Yugas and why Kali Yuga has a longer lifespan?

Answer: A gentleman from Ranchi asked this question. According to the scriptures, specifically the Surya Siddhanta, it is written: 'Tat dwadasha sahasrani chaturyugam udahrutam,' meaning the four yugas together comprise 12,000 divine years. The duration of a yuga is inversely proportional to the presence of dharma. The more dharma declines, the longer the yuga's duration becomes. In Satya Yuga, dharma stood on four pillars, so it lasted for 1200 years. In Treta Yuga, one pillar of dharma was lost, so its duration doubled to 2400 years. In Dvapara Yuga, another pillar was lost, so its duration tripled to 3600 years. In Kali Yuga, dharma stands on only one pillar, so its duration is four times, or 4800 years. The total of these is 12,000 divine years for one cycle of four yugas. According to the Malika, the lifespan of Kali Yuga is 5,000 years. According to Manu Smriti, it is 4,800 years. According to Garg Samhita, it is 4,800 years. According to Nirnaya Sindhu, it is also 4,800 years. The Malika states that when 5,000 years of Kali Yuga are complete, many signs will appear from the region of Jagannath Puri, a pandemic will spread across the world, and at that time, for the establishment of dharma, the Lord will incarnate and the devotees will gather.

► Watch this answer · 39:34 · 27 June 2021

Q 131 Pandit ji, how many devotees have joined the Sudharma Sangh so far?

Answer: Look, according to the Malika, 12,000 devotees from around the world will join the Sudharma Mahasangh. So far, about 850 people have been identified. But there is no register for this. There is no membership... there are no boundaries or restrictions. Those who are connected to Dharma through their penance come to the Sudharma Mahasangh on their own. Time will tell who is coming. The Malika says that with the propagation of the Malika and Sanatana Dharma, those who are meant to come to the Sudharma Sangh will come on their own. There is no special rule for this; they will come by themselves. Our duty is to propagate the Malika, and your duty is to follow its path. This is our humble request. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:41 · 27 June 2021

Q_132 Pandit ji, my question is, what will be the role of the Sharada Peeth in Karnataka in the coming times?

Answer: The Malika has written about many devotees from South India. The establishment of Dharma will have contributions from all of India—South, North, East, and West. The Malika is a vast text of 150,000 verses. In what we have read, we have seen that Mahapurush has written about devotees from all over India. It is surely written about Karnataka, but I have not personally come across that specific part, for which I apologize. But it is written about every district and every village of India. There is no doubt about this. The propagation of the Malika is for all of India and its devotees. People from Karnataka, Tamil Nadu, Rameshwaram, and Andhra Pradesh will all be part of the 16 Mandals (divine circles) that will be formed.

► Watch this answer · 43:35 · 27 June 2021

Q_133 I have a question. A few nights ago, I had a dream that Lord Shiva came to my house and called me outside. He asked me to walk with him, telling me to walk ahead while he followed. I went with him to the Himalayan mountains. He asked me to climb, and I did, reaching a great height. There, I saw a very large statue of Lord Vishnu. He told me to pass under it. When I looked back, I saw Lord Shiva and Lord Hanuman standing there. I went under the statue and found a small temple with a priest who said he had been waiting for me for a long time. That's all I saw. Also, I sometimes get matted hair on my head since childhood. What does this dream mean?

Answer: Regarding your dream, understand that the 33 crore deities have taken human birth on Earth. Their divine nature will be revealed in the Sudharma Sabha. Just as the Pandavas received divine power during the Rajasuya Yagya, all the deities and saints in human form will receive their powers in the Sudharma Sabha. The Malika states that Lord Mahadev will come from Kailash. This dream is a sign of your past life's spiritual merits. The main message of the dream is that you must come to the surrender of Lord Kalki. Your divinity and powers will be activated at the time of the Sudharma Sabha, not before. Until then, what you appear to be to society does not matter. Don't think about performing miracles. Just continue your spiritual practice and follow the path of God. This is what is good for you.

► Watch this answer · 45:32 · 27 June 2021

Q_134 What is the role of the deities and temples in Odisha, such as the Madhavananda temple and Goddess Biraja, in the coming events?

Answer: The Madhavananda temple in Odisha is very ancient. The Sun and Moon are witnesses. Mother Bhagavati... at the Biraja temple, the Sun and Moon are the doorkeepers of her chariot. All the deities of Odisha will receive their power and will work for the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 50:38 · 27 June 2021

Q 135 Pandit ji, could you please explain your previous answer in Hindi for the benefit of everyone?

Answer: A devotee from Odisha had called and asked about Goddess Biraja. I told him that during the annual chariot festival of Goddess Biraja, the Sun and Moon act as the doorkeepers of her chariot. Mother Biraja Devi is a Vaishnavi and a Vaishnavite power. She is the primordial mother, Yogamaya. Yogamaya and Lord Kalki will together establish Dharma. The eight Durgas are different, and Yogamaya is different. This is what I explained to him.

► Watch this answer · 53:09 · 27 June 2021

Q 136 With Corona and other calamities happening, are the devotees who follow the Malika and are in God's refuge also being affected?

Answer: Look, among all the people I am connected with who follow the Malika and have taken refuge in God, those who truly have devotion have not been affected, no matter what happens, be it pandemics or anything else. However, for those who are not destined to witness God's leela, who have not performed their dharma, what happens to them during the establishment of dharma depends on God. The Malika is written to show the path to all devotees. If devotees stray from this path, their fate depends on God. But if one holds onto the name of God that is being propagated, it is not impossible to be saved.

► Watch this answer · 54:29 · 27 June 2021

Q 137 In a previous episode, you said that Buddha was the ninth avatar. But it's not established that he was the ninth avatar. In my opinion, Sai Baba was the ninth avatar. Please tell us what the Malika says about this, as it describes everything.

Answer: Son, I respect your opinion, as we respect everyone's wishes. However, as a Sanatani Hindu who follows the Malika, I must refer to our primary scriptures. The Srimad Bhagavatam clearly states in Sanskrit: 'Tatah kalau sampravrutte sammohaya sura-dwisham, buddho namnanjana-sutah kikateshu bhavishyati.' This means that when the age of Kali begins, to delude the enemies of the gods, the Lord will be born as Buddha, the son of Anjana, in the province of Kikat (Gaya). Furthermore, the poet Jayadeva, a great devotee of Lord Jagannath, wrote the Gita Govinda under the Lord's direction. In his Dashavatara Stotra, he wrote about Lord Buddha: 'Nindasi yajna-vidher ahaha shruti-jatam, sadaya-hridaya darshita-pashu-ghatam, keshava dhrita-buddha-sharira jaya jagadisha hare.' This means, 'O Keshava! O Lord of the universe! O Lord Hari, who have assumed the form of Buddha! All glories to You! O Buddha of compassionate heart, you decry the slaughtering of poor animals performed according to the rites of Vedic sacrifices.' Both of these are from our Sanatana Dharma. Regarding Sai Baba, the Malika does mention him. However, if I were to tell you what is written, you would not like it. Therefore, with all humility, I apologize but I cannot speak about it.

► Watch this answer · 56:40 · 27 June 2021

Q 138 I have two questions. First, a researcher has calculated the dates of the Ramayana and Mahabharata using astrological and geological data. Is his dating correct? Second, to prevent the wrong propagation of the Malika, can't we get it printed in Hindi and other languages and distribute it?

Answer: Regarding your first question about dates, our dharma is eternal. Before the Matsya avatar, Lord Vishnu instructed King Satyavrata to collect all the Vedas, Puranas, and herbs because a great flood was coming. After the flood, all these scriptures were revealed again. Dharma exists in every yuga. Places from past yugas still exist today. Vrindavan from Dvapara Yuga, which was over 5,000 years ago, is still here. The Sarayu river from the time of Lord Rama in Treta Yuga is still here. These are not just historical events; they are part of an eternal reality. We respect historians, but the scriptures follow their own eternal flow. Regarding your second question, that's a good point. We can propagate the Malika, but if we publish it as a book in Hindi, people will create Hindi and English editions and turn it into a business. That's why we don't publish it as an edition. Instead, propagate the message of the Malika. Look, son, time is very short. A cyclonic change is coming to the world by 2029. In this critical time, follow the path of the Malika to save yourself. Then, we can all work together in the Sudharma Sabha. Right now, the most important thing is how you and your family can remain safe. Follow that path. If you see a good person, guide them towards the Malika's path and this satsang. Continue your spiritual work.

► Watch this answer · 01:02:19 · 27 June 2021

Q 139 I have a question. Is there any mention of Shri Ramakrishna Paramahansa in the Malika?

Answer: Yes, it is written about the devotees. Mahapurush Achyutananda has written about Ramakrishna Paramahansa and Vivekananda. They were also connected to the Panchasakha tradition. It is clearly written about Vivekananda. It is also written about Anukulchandra Baba. The Malika describes which saints will incarnate on Earth. Everything is written about them.

► Watch this answer · 01:07:41 · 27 June 2021

Q 140 On this auspicious occasion of Ganesh Chaturthi, please tell us: does the Malika describe the role of Lord Ganesha in the transformation of the Yuga?

Answer: Lord Ganesha is the supreme deity, the first to be worshipped. The Malika states that during the establishment of Dharma, all 33 crore deities will be present on Earth in their physical forms. Those who are part of the Sudharma Sabha will be able to see them all at that time.

► Watch this answer · 01:08:52 · 27 June 2021

Q 141 Jai Jagannath, Pandit ji. There is a place in Odisha's Bhadrak district called Gora Tikiri. It is said that the weapons of the Pandavas are stored there. Is this a secret truth?

Answer: Yes, it is in the Bhadrak district, and at Gora Tikiri, there is a storehouse of the Pandavas' weapons. This is a secret element. I do not reveal old secrets.

► Watch this answer · 01:10:01 · 27 June 2021

SESSION 7 · QUESTIONS 142–143

L7 महाविनाशक परमाणु बम से रक्षा पाने का उपाय। #kashinathmishra

Date: 04 July 2021 · Watch the full session ↗

Q 142 Why is it that a devotee of God suffers so much, while someone who is not a devotee lives their life happily?

Answer: The speaker explains this by referencing a conversation between Yudhishthira and Lord Krishna in the Srimad Bhagavatam. Lord Krishna himself said that those who worship Brahma, Mahadev, or the Goddess receive good results in this very life. For instance, one who worships Mahadev, in a short time, Mahalakshmi fills their home with abundance and prosperity. But for those who worship me (Lord Krishna/Vishnu), suffering comes to them because I absorb their karma. I take on their karma from many past lives to make them pure, virtuous, and beautiful human beings, trying to bring them to Vaikuntha (the celestial abode). That is why a devotee of Vishnu certainly faces hardships in this life. However, at the time of death, they go to Vaikuntha and attain eternal bliss. In the stream of human life, those who take refuge in Lord Vishnu attain liberation (mukti). They do not face torment, are not born into a lower caste, and receive infinite happiness. Therefore, God's devotees are sorrowful in this life. But to end all these sorrows, Lord Kalki will gather the devotees of the four yugas in this Ananta Yuga and give them infinite happiness. A time of happiness is coming for the devotees, and a time of destruction is coming for the sinners.

► Watch this answer · 16:45 · 04 July 2021

Q 143 You were saying that when the great deluge happens, many people will die. Will their last rites be performed, and will their souls find peace?

Answer: The speaker explains that just as in the world, people who die untimely or accidental deaths often do not have their last rites performed. This is because of their past karma. They become ghosts and spirits and wander for many ages. Similarly, for the people who will die in the coming destruction, whether in India or across the world, there will be no one left to perform their final rites. This is a result of the terrible karma they have accumulated in their past lives. Their rites will not be performed, and they will become ghosts and wandering souls, suffering for many yugas. This is the sorrowful fate that awaits them.

► Watch this answer · 20:59 · 04 July 2021

SESSION 8 · QUESTIONS 144–161

L8 महाविनाशक परमाणु बम से रक्षा पाने का उपाय, #kashinathmishra

Date: 04 July 2021 · Watch the full session ↗

Q 144 I have already taken initiation from a Guru and I chant that mantra. But now, as you are preaching, and I came in contact through WhatsApp and other devotees, they told me to chant the name 'Madhav'. How can I reconcile both? That previous mantra is deeply ingrained within me. How should I chant this new one? Please guide me, Pandit ji.

Answer: This choice is necessary for social life. It is essential for human life to come under God's refuge to get liberation from the cycle of birth and death. The most important thing is that at this time, God's avatar has already arrived on Earth, and the establishment of dharma is underway. So, it is necessary for us to take refuge in God because there is no one greater than God in this world. Whatever happens in the world, it is necessary to take refuge in God. The name of Lord Madhav, which I repeatedly mention in our Sanatana Dharma... join the group we have for Sanatana Dharma, you will be told there, and I am also telling you now: continuously chant the name 'Madhav'. As for the other Guru mantra you have received, use that mantra during your worship (puja). And during the puja, you can also chant Lord Kalki's name, 'Madhav'. Apart from the time of worship, for the rest of the time you are awake during the day and night, take refuge in the Lord by chanting His name. This will be the best course of action.

► Watch this answer · 02:26 · 04 July 2021

Q 145 Pandit ji, the third wave has started. Along with chanting the Satnam (True Name), I have taken two doses of the vaccine. Should we also observe fasts?

Answer: I do not forbid anyone. For those who have an illness, some weakness, or are elderly, it is not necessary to keep a fast. Those who are able to fast, who won't face any trouble during the year by fasting, should keep the fast. Others should just take refuge in the Lord and get involved in the work of propagating Sanatana Dharma. This is my request to all of you.

► Watch this answer · 05:05 · 04 July 2021

Q 146 This war that will happen, when will it take place and for how long? And when will the establishment of dharma happen?

Answer: The establishment of dharma is already underway. It's happening through various means like diseases, pandemics, communal violence, and world war. As the population of wrongdoers decreases and humanity is established, that is when we can say dharma is being established. The destruction of the wicked is part of establishing dharma, because it is humans who violate dharma in this world. When the number of righteous people increases according to the scriptures, dharma is established. Currently, the world's population is many thousand times greater than it was in all four yugas combined. Secondly, humans have become corrupt and have violated the Vedic principles. Thirdly, the time of Kali Yuga has also ended. So, the work of establishing dharma is ongoing. You see, there are COVID patients, houses catching fire, bikes catching fire on the road, forest fires, and houses suddenly catching fire for no reason. And there are recurring cyclones year after year, which are a great source of sorrow for human society. The oppressive rule of governments, which burden the people so much that it's difficult for the poor and middle class to survive, is also a sign of dharma's establishment. The war

for this is near and will last for at least six years. In between the war, for the establishment of dharma, there will be great fires, intense heat, and massive earthquakes. It will happen in all regions. You are already seeing floods, unseasonal rains, and frequent landslides. This is the time of dharma's establishment. Greater calamities are yet to come. But stay in the refuge of the Lord. Everything will be fine.

► Watch this answer · 06:43 · 04 July 2021

Q_147 I listen to your Malika every day, and it feels as if I have been waiting for many lifetimes. So, Lord Kalki has arrived, but how can we meet him? Can you tell us something about this?

Answer: The answer to this question is that those who join Sanatana Dharma... see, I am not saying this on my own, I am preaching according to the words of the Malika. The Vishwa Sanatan Dharma organization will become strong, and people of all religions will join it. From this Vishwa Sanatan Dharma organization, the devotees will go and meet Lord Kalki. This is the way described in the Malika. The purpose is to uplift the devotees and destroy the sinners. This is the establishment of dharma.

► Watch this answer · 09:40 · 04 July 2021

Q_148 My second question is, I don't know if I'm correct, but it is said in your Malika that the Kohinoor diamond will be brought back by Lord Kalki. Is that right?

Answer: See, what rightfully belongs to India... the priceless artifacts of India were taken by foreigners. Lord Kalki will not need any man-made objects for his power. The palace of Lord Kalki will be built by Vishwakarma in 24 hours. The Peacock Throne, which was ours, was taken away by foreigners. So, the Lord will travel the entire world, riding on Garuda. He will go to places like England. Lord Kalki will bring back the Kaustubha Mani, which we call the Kohinoor, and also the Peacock Throne. He will have them surrendered to whoever sits on the throne of Delhi. The Lord himself will not take anything. He will restore the honor of India.

► Watch this answer · 10:12 · 04 July 2021

Q_149 Will Lord Kalki and Lord Balaram be two separate entities, or will they operate as one?

Answer: In most Malikas, it is written about Lord Kalki. There might be a misunderstanding or a mistake in my explanation that has caused confusion. For that, I ask for forgiveness. But the fact is that all Malikas state the same thing: Lord Kalki will establish dharma. The second point is whether Lord Balaram will be with Lord Kalki in this yuga. In the Krishna avatar, Balaram was present. In the Rama avatar, Lakshman, Shatrughna, and Bharat were there. Similarly, in this Kali Yuga, only the Kalki avatar will come. The powers of Lord Balaram, Krishna, and Maa Subhadra will also merge into him. In one powerful form, Kalki will take the Maharudra avatar and be born on earth. He will first come in a human body, born from a mother's womb. When he turns thirteen, the Kalki leela will be revealed. He will be born in a human body and give the world a vision of his 'satchidananda' form. But when the time comes for the great war, the nuclear war, he will assume a divine form to protect the world. At that time, his radiance will be like that of crores of suns.

► Watch this answer · 13:36 · 04 July 2021

Q 150 Pandit ji, you have forbidden the killing of living beings. I am a vegetarian, but during the rainy season, many mosquitoes and other pests enter our house, and we have to use pesticides. When we use them, the pests die. Will this be considered the sin of killing?

Answer: Look, this is a very difficult question; you have put me in a moral dilemma. How will you protect your house from mosquitoes? If you use repellent, they will die. If you don't, you will get sick. To protect oneself is also a form of dharma. Use a mosquito net; that would be good. A sense of guilt does arise in the mind that one is committing a sin when using pesticides. This is a karma, and we will have to account for it. To counteract this bad karma, do some good karma. For example, start feeding ants. Designate a fixed place and put some food for them. This will benefit you and reduce the sin.

► Watch this answer · 22:42 · 04 July 2021

Q 151 Will Vrindavan also be destroyed in the coming cataclysm?

Answer: It will not be destroyed even a little. The divine 'leela' will happen there, it definitely will. But you will see its dangerous form. You will see it in the river... (The gist is that the holy place will be preserved).

► Watch this answer · 25:54 · 04 July 2021

Q 152 I saw in a vision that a throne is being prepared for Lord Kalki, with stones and other materials laid out. Is this happening?

Answer: Hello, they have started their work. That work is in progress. The deities of India have also started their work. Along with the establishment of dharma, the creation of the new era and the necessary work for the Lord has also begun. So, what you saw is correct.

► Watch this answer · 26:56 · 04 July 2021

Q 153 Jai Jagannath, Prabhu ji. I found a Shaligram two years ago under a banana tree on a Thursday. Is this a sign of something?

Answer: Devotees from all realms, including Naga Loka, Gandharva Loka, Patala Loka, and even from Vaikuntha and Goloka, have come to Earth. The Shaligram that you found was given to you by God himself; you did not just acquire it. The banana tree is a very sacred tree. The Shaligram, which is a form of the Lord, was found under such a sacred tree. As Lord Kalki is coming, you are finding a Shaligram. So, follow the Malika, mother, become a vegetarian, read the Srimad Bhagavatam, and join the Vishwa Sanatan Dharma group to work for Sanatana Dharma. This is the greatest duty for us at this time.

► Watch this answer · 27:55 · 04 July 2021

Q_154 Prabhu ji, I frequently dream of snakes, continuously since 2005. What does this mean?

Answer: It's not necessary to say this, but I will. See, from Naga Loka (Serpent realm), Gandharva Loka, Patala Loka, Bhuloka, and even from Vaikuntha and Goloka, all devotees have come to Earth. So, you can understand from this context what your dream means. Secondly, the Shaligram that you found... it was given to you by God himself. As Lord Kalki is coming, you are finding a Shaligram. So, follow the Malika, become a vegetarian, read the Srimad Bhagavatam, and join the Vishwa Sanatan Dharma group to work for Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 28:24 · 04 July 2021

Q_155 How can a new devotee understand that they are indeed a devotee?

Answer: Regarding your question, 'How do we know we are devotees?' See, we read the names of devotees from all four yugas. In this age, a true devotee is one who feels a pull, a fragrance from the Malika. They will have a desire to see Lord Kalki. They will constantly follow the Lord's path and yearn to come under His refuge, wondering, 'Where is my Lord?' This is a true devotee. One who does not search for the Lord is not a devotee. The scriptures and Puranas cannot grant you God. The Gopis and Gopas were devotees of the Lord. They will feel the pull, 'My Lord has come,' and they will come to His refuge. We will understand who is a devotee. If they are not searching, they are not a devotee.

► Watch this answer · 30:17 · 04 July 2021

Q_156 You mentioned earlier about the sage's bone that will be used for Kalki's weapon. Can you elaborate on where it is?

Answer: The weapon of Kalki will be made from the bone of a sage. He gave up his life in penance. It is written where it is... under a 'saadei' tree, that is where the sage's bone is.

► Watch this answer · 30:26 · 04 July 2021

Q_157 Guruji, since coming under the refuge of the Malika, I feel a strong desire to start observing the Ekadashi fast, starting with Yogini Ekadashi tomorrow, even though I have never done it before. Can I start this fast? Will I make any mistakes in its rules?

Answer: If you want to observe the Yogini Ekadashi fast, that's fine. All fasts are sacred. If your body is healthy and can handle it, then please keep the fast. But if you have physical ailments, do not keep the fast. I say this because in Kali Yuga, just by chanting the Lord's name with devotion, we get the fruit of all yajnas, japas, and tapas. So if you are well and your body has no issues, then observe the Ekadashi fast, there is no problem. You can eat fruits. Even if you eat prasad offered to the Lord, it doesn't break the fast. So, if you can, do it. Otherwise, just chant the Lord's name and associate with the Srimad Bhagavatam.

► Watch this answer · 34:36 · 04 July 2021

Q 158 Why do people get sick so often? Is it due to past karma?

Answer: Illness is one thing, a pandemic is another. A pandemic is a rule of the gods. But 'vyadhi' (disease) and 'bimari' (illness) are due to our 'prarabdha' from past lives. The karma we did in our past lives is the reason we suffer from diseases. To deal with this, there is one solution: by continuously chanting the Lord's name and reading the Srimad Bhagavatam, all this can be overcome. It has happened for many people. I will just say this: chant the Lord's name and follow the path shown. You will surely get well. The illness will come, but it won't be able to defeat you or confine you to bed. When your good karma is strong, and you practice charity and dharma—give food to creatures, donate to a cow, and do some japa—your dharma will increase. As your dharma increases, diseases will gradually diminish. This is the solution prescribed by our scriptures.

► Watch this answer · 36:13 · 04 July 2021

Q 159 You mentioned there will be military action. Will this happen during Modi ji's time or later?

Answer: It will happen during Modi ji's time.

► Watch this answer · 39:18 · 04 July 2021

Q 160 What does the Malika say about the future of Nepal?

Answer: About Nepal, it is written that Nepal is a staunch follower of Hindu dharma. Many devotees have been born there, and they will all connect with Lord Kalki. Lord Kalki will also go to that place. The Malika was created to connect devotees with God and grant them salvation. But look, it is written in the Malika that there will be a very big earthquake in Nepal. There will also be floods on the mountains. Many people will perish. It is also written that those who follow Sanatana Dharma and the Malika will be saved and will find liberation. This is a firm prediction. There will be great devastation, and the earthquake in Nepal will also affect the land of Bihar. Bihar will also be affected. So, follow the Malika and join the WhatsApp group to understand what is necessary for Sanatana Dharma. Follow that path.

► Watch this answer · 40:30 · 04 July 2021

Q 161 Pandit ji, what will happen in Balasore, Odisha?

Answer: It is written... in Chandipur... Mahapurush Achyutananda wrote 500 years ago that a missile base would be in Chandipur and a great war would happen there. It is written about this. And the districts of Balasore and Khurda, according to the Malika, will be greatly damaged in the war. The extent of the damage will be unimaginable. The districts of Khurda and Balasore will be the most affected.

► Watch this answer · 43:22 · 04 July 2021

SESSION 9 · QUESTIONS 162–190

L9 विश्व के सभी भक्तों के बारे में (पद्म कल्प टीका ग्रंथ) भविष्य मालिका में वर्णन है।

Date: 11 July 2021 · Watch the full session ↗

Q 162 So the question is, where is this secret scripture?

Answer: The great sage Sachidananda wrote about this in the Bhavishya Malika. He wrote 150,000 scriptures, of which 300 are Bhavishya Malika. Lord Brahma, Lord Vishnu himself, and Lord Mahadev, along with the 33 crore deities, listened to it and kept the scripture hidden. The scripture contains information about devotees from all over the world. It is not possible to describe it from just one text. This sacred scripture is about the devotees of Lord Shiva and Lord Brahma. The name of the scripture is not revealed, but it is brought out at the end of each era when the Sudharma Sabha (the great righteous assembly) convenes.

► Watch this answer · 05:37 · 11 July 2021

Q 163 I had a Satyanarayan Katha (a ritual prayer) performed by a priest, and he used sulfur and yellow/black mustard seeds in the havan (fire ritual). After that, my husband's and my children's work has stopped. I feel like he performed the ritual incorrectly. What should I do?

Answer: Listen, mother, this is the end of an era. A time will come when everyone will become unemployed, but that time has not fully arrived yet. I suggest that your entire family, if you are all on the same page, should stop eating meat, fish, and eggs. Read the Srimad Bhagavatam at home every day and chant the name of the Lord, Shri Satyananda. Everything will be fine, and you yourself will see the change. Even if you don't have money for a priest, just chant the Lord's name. That is the most important thing.

► Watch this answer · 21:57 · 11 July 2021

Q 164 I am from Punjab. What will be the contribution of our Punjab and Sikhism in the change of the era and the establishment of dharma?

Answer: Jains, Buddhists, Hindus, and all followers of Sanatan Dharma are one and the same. Sikhism is also a part of our Hindu dharma; there is no difference. The great Guru Nanak was a supreme devotee of the Lord. He himself came to the Jagannath Kshetra, had a vision of Lord Jagannath, and to this day, Guru Nanak Dev's monastery and ashram are in Puri. We are all one; we are all Hindus. Many devotees of Lord Kalki are from the Sikh community in Punjab, Haryana, Delhi, and in every corner of India. Guru Nanak himself mentioned the Kalki avatar in his sacred texts. This means that the entire Sikh community should follow this. If your Guru described the Kalki avatar, you should contemplate it and follow it for your own good. Follow the path of the Lord and your Guru, and propagate Sanatan Dharma.

► Watch this answer · 26:01 · 11 July 2021

Q_165 I am Suraj from Bhawanipatna. My question is, in the Kalki Purana, there is a mention of a horse named Chitragriva and another named Devadatta. Is this true? Also, in the Malika, there is a verse about a horse; could you please explain it?

Answer: The Malika says, 'Ghoda kudiba, ghoda kudiba, ghoda ku hada naahi, Raja mandale kapi dekhi...' which means 'The horse will leap, the horse will leap, the horse has no bones, seeing the monkey in the king's circle...'. This is not about a literal horse but refers to the flag on the Lord's temple. The flag has an image of a monkey (Lord Hanuman) on it, and this will be a sign in the future.

► Watch this answer · 32:03 · 11 July 2021

Q_166 How can one practice devotion to Madhav (a name for Lord Krishna)?

Answer: Sit in one place and repeatedly chant His name. Visualize the form of Lord Krishna in front of you. He himself will manifest. When devotion deepens, it will be difficult to even speak. Just sit in one place and continuously chant the Lord's name, thinking there is no one else in the world but you and Madhav. Close your eyes, keep Krishna's form before you, and chant His name. Devotion will surely come. If possible, read the 'Gopi Leela' (the divine play of the Gopis) from the Srimad Bhagavatam. So much devotion will arise that you will sit and weep, and you will automatically attain divine knowledge (Brahma Gyan). You will experience a happiness that is not found anywhere else in this world.

► Watch this answer · 33:40 · 11 July 2021

Q_167 My wife had a dream about Kolkata. She saw that the city was on fire, with a large trench of fire into which people were falling. The people falling in were shouting 'Save me!' My wife told them to chant the Lord's name. Those who chanted 'Jai Shri Madhav' came out, but those who didn't, fell in. How should I understand this dream?

Answer: The answer to your question is in the Bhavishya Malika, where the great sage Sachidananda wrote, 'Kolkata sahar jali podi hoibo khyara,' meaning the city of Kolkata will burn to ashes. There will be such a devastating war initiated by China that the destruction will be unstoppable. I will speak more about West Bengal later, as Chaitanya Mahaprabhu also wrote about it. The demonic people there will be destroyed. But the devotees who chant the name of Madhav will be saved, no matter how much fire, flood, or disease there is. People will realize the power of the name 'Madhav' when the time comes. What your wife saw in the dream is what is going to happen. The destruction by fire will be many crores of times worse than any flood. This is the word from Lord Kalki's heart; see it as something that is bound to happen.

► Watch this answer · 35:10 · 11 July 2021

Q_168 Which name should we chant? We already chant a name, should we adopt 'Jai Shri Madhav'?

Answer: I have said this before. First, every person in every household should read the Srimad Bhagavatam. Second, become completely vegetarian. This means no meat, fish, or even intoxicants like gutkha, paan, or bidi. Third, chant the name of Shri Madhav, the name of Satyananda. If you want to come to the Lord and survive the great destruction that is coming, following this path will save you. Just do this much.

► Watch this answer · 40:26 · 11 July 2021

Q_169 How authentic is the Vishnu Purana? It says that the Kali Yuga is 400,000 years long. But only about 5,000 years of Kali Yuga have passed. So how is it ending now?

Answer: Look, mother, it's like this: a person's horoscope might show a lifespan of 100 years, but they might die in an accident or from an illness at 40. We must then analyze why they died so young. Similarly, when the burden of sin increases, the lifespan of the era decreases. The great sage Sachidananda wrote in the Bhavishya Malika that due to the immense weight of sin, the Kali Yuga's lifespan of 432,000 years will be reduced to only 5,000 years. Sins like matricide, feticide, cow slaughter, and infanticide are rampant. How much sin is there? People drink the milk of mother cow as children and then slaughter her when they grow up. Is this dharma? Because of such sins, the age of Kali Yuga is being cut short and it will be destroyed.

► Watch this answer · 41:28 · 11 July 2021

Q_170 You mentioned that the Malika predicted Corona as a respiratory disease where people would wear masks. You also said it mentions 'speaking of death seven times'. Can you shed some light on the other diseases that are to come, as per the Malika?

Answer: The Malika states that humans will kill and eat dogs and other creatures, and even birds will not find their food. This is happening in China, where they eat dogs and bats, thereby inviting diseases. The Malika also mentioned that people would wear a 'kavach' (cover/mask) on their faces, which has come true. Regarding the seven great pandemics, Corona is continuously changing its form. A pandemic will come where people will fall down and die while talking. Blood will ooze from their mouths and they will die. There will be another disease similar to 'Neel Jaundice' (a type of severe jaundice), and many will die from it. There will be many airborne diseases. But for the devotees, there is nothing to fear. They have the name of Madhav. What can any disease do to them?

► Watch this answer · 45:42 · 11 July 2021

Q_171 I am Devansh, calling from Maharashtra. What is written in the Malika about Maharashtra?

Answer: It is written that many people in Maharashtra will worship Lord Ganesha, and through this, they will attain the Lord. Maharashtra has many educated people. There will be no major problems there.

► Watch this answer · 49:13 · 11 July 2021

Q 172 I live and work in Scotland. I am a vegetarian, but I care for people who eat meat. As part of my nursing job, I have to cook it for them and sometimes feed them with my own hands. What karmic effect will this have on me?

Answer: You have to do it for your livelihood, but you yourself do not eat meat or fish. Look for another, better job, mother. Chant the name of Lord Madhav, and you will find one. Since it is difficult to find a job now because of Corona, pray to the Lord that you do not face any trouble in your current situation.

► Watch this answer · 50:24 · 11 July 2021

Q 173 In one of your videos, you said that boys will become girls and girls will become boys. I didn't understand this.

Answer: I was talking about transgenders. Due to changes in the climate, many people's gender changes. This was written in the Malika, and it is happening in our society today.

► Watch this answer · 53:04 · 11 July 2021

Q 174 In India, there were many great people who worshipped Shakti (the divine feminine), like Ramakrishna Paramahamsa, and they used to consume meat. So why is it considered wrong for us?

Answer: There are three categories of devotees. One category, the 'Jaduvanshi,' came from the celestial realms due to their past karma, and they used to consume meat. In the Kali Yuga, some great saints may have consumed meat, I don't know about them. But according to the Malika, those who will be with Lord Kalki and Lord Vishnu will have to be strictly vegetarian. They will not be able to stay with Him otherwise. The Srimad Bhagavatam and all other scriptures advocate for vegetarianism. The message of Lord Kalki, which is now reaching you through the Malika, is for all devotees to become vegetarian. Those who are not vegetarian will be destroyed. That's all.

► Watch this answer · 54:22 · 11 July 2021

Q 175 I just joined. My son is 12, turning 13, but he cannot stand, sit, walk, or talk. Someone told me that by coming to your refuge, something might happen for him.

Answer: Lord Kalki will cure such illnesses. That time is coming very near. Please follow the path. When the Satya Yuga (Age of Truth) begins, which is very close, all the sorrows and illnesses of the devotees will be cured. If you remain on this path and follow its principles, everything will be fine when the time comes. Until then, follow the stream of the Malika and the satsang (spiritual discourse). I also urge you to join our WhatsApp group, 'Vishwa Sanatan Dharma,' so you can stay informed.

► Watch this answer · 56:57 · 11 July 2021

Q_176 We worship Radha and Krishna. You say we should chant the name of Kalki. Can you please shed some light on this?

Answer: Chanting any name of the Lord is very good. However, according to the dharma of the current era (Yuga Dharma), it is necessary to honor the avatar of this specific era. Therefore, chanting Lord Kalki's name, which is Lord Satyananda's name, is also correct. There is no problem. The name is one, the Lord is one.

► Watch this answer · 58:13 · 11 July 2021

Q_177 I am calling from Lucknow. What is written about Lucknow? It was founded by Lakshman. What will happen there? Will there be an earthquake?

Answer: Disasters will happen everywhere. It will be a difficult time. The five elements—earth, water, fire, air, and ether—will cause destruction through floods, fires, cyclones, and earthquakes. However, the devotees will be safe, while the sinners will be destroyed. Only 33% of the population will remain. In India, only about 13 crore (130 million) people will survive, and worldwide, about 300 crore (3 billion) will remain. We must consider the population in that proportion.

► Watch this answer · 59:30 · 11 July 2021

Q_178 What will be the form of Shri Madhav ji (Lord Kalki)? What is described in the Malika about his appearance?

Answer: The Malika describes that Lord Kalki will be tall, and his face will have the radiance of the moon. His complexion will be fair, like Lord Vishnu's in heaven. He will be as beautiful as Lord Krishna was. To establish dharma, he will assume the Kalki avatar, and his aura will be as bright as a billion suns. At that time, no one will be able to go near him. After the great destruction, he will perform penance for a few days to pacify his anger. After that, he will assume a peaceful form and establish Ram Rajya (the righteous kingdom of Lord Rama).

► Watch this answer · 01:01:07 · 11 July 2021

Q_179 I am Yogesh Kumar from Jaipur. You say the time of 'pralaya' (dissolution) is near and the era is changing. How much time is left? Is there any prediction in years?

Answer: The process of 'pralaya' is already underway. This pandemic is a part of it. Look at the signs: it's raining in the desert of Rajasthan, and there are floods in Saudi Arabia. This is a sign of the changing era. This process of establishing dharma will continue for about the next 10 years. During this period, a time will come when communication will fail because computers, networks, and electricity will all fail.

► Watch this answer · 01:03:08 · 11 July 2021

Q 180 My question is about Gandhiji. What is written in the Bhavishya Malika about him for this current era?

Answer: I did a special episode on Mahatma Gandhi. It was written that a person named Mohan would be born in Gujarat. Chanting the name of Ram, he would lead India's independence movement. It was also written that he would die from a bullet fired by Nathuram Godse and Narayan Apte. Regarding this current era, nothing is written about him. The text only covers his birth in Gujarat and his role in the freedom struggle.

► Watch this answer · 01:05:23 · 11 July 2021

Q 181 What does the Bhavishya Malika say about Patna, Bihar, and Buxar?

Answer: The Malika states that there will be tears in the eyes of Bihar. There will be a massive earthquake and floods. Also, the influence of dharma among the people there will continue to decrease.

► Watch this answer · 01:07:38 · 11 July 2021

Q 182 As you have said, the Lord is now 14 years old. This means his 'leela' (divine play) has already begun. Could you please tell us something about his childhood 'leela'?

Answer: It is very good that you ask. Just as he did in his previous incarnation, the Lord is very fond of butter in this birth as well. What you can do is, in our YouTube description, there is the number of a devotee named Mohan who helps start the satsang. You can contact him to join our Sanatan Dharma WhatsApp group.

► Watch this answer · 01:08:47 · 11 July 2021

Q 183 Can you tell us about Jharkhand? What will be the effect of this era change in Jharkhand?

Answer: The Malika mentions that the Lord, in his childhood, had gone to Jharkhand. There are many devotees there. There will be a group of devotees in Jharkhand, and they will all be blessed by the Lord. During the period of destruction, Jharkhand will be affected by earthquakes. This is also written.

► Watch this answer · 01:09:55 · 11 July 2021

Q 184 Will the Lord also come on Instagram and Facebook?

Answer: Why are you asking such a frivolous question? People are worried about their livelihood, whether they will have a job or not, and you are asking this. This is not important. If we follow the path of the Lord, what is the need for all this?

► Watch this answer · 01:10:52 · 11 July 2021

Q_185 My question was left in the middle. You said boys will become girls and girls will become boys. Please explain this.

Answer: When the climate changes, changes occur in the body. Due to these climatic shifts, a boy of 10-12 years might have his gender change, and a girl of 10-11 might have her gender change. This will happen automatically. This is what is written in the Malika, and we are already seeing such things in our society.

► Watch this answer · 01:11:54 · 11 July 2021

Q_186 Lord Krishna was recognized by only a few people, while others couldn't understand him. How will we, the devotees, be able to recognize that this is Lord Kalki?

Answer: The great sage has written about this. He wrote that even great scholars and authorities of Sanatan Dharma will not be able to recognize him. So how will an ordinary person recognize him? The Malika provides the answer: The one who follows the Malika, who understands the essence of the Vedas, Shastras, and Puranas, will be able to recognize him.

► Watch this answer · 01:12:38 · 11 July 2021

Q_187 I have a question. Could you tell me what is written about Delhi?

Answer: King Yudhishthira, who is currently performing penance in the Himalayas, will come and sit on the throne of Delhi. He will rule on the orders of Lord Hanuman. According to the Malika, Delhi is referred to as Hastinapur. The ascetic Yudhishthira, who is from the Somavanshi (lunar) dynasty, will take charge of Delhi's rule, and everyone will receive justice at that time.

► Watch this answer · 01:15:22 · 11 July 2021

Q_188 The Brahma Kumaris organization has said that the Satya Yuga (Age of Truth) will arrive by 2036. What does the Malika say about this?

Answer: We respectfully bow to all religious institutions. They propagate the words of their Gurus, and we respect that. However, I will tell you the words of the Malika. According to the Malika, the Satya Yuga has already begun in the year 2000.

► Watch this answer · 01:18:02 · 11 July 2021

Q_189 Narendra Modi is doing some work for the establishment of dharma, like the Ram Mandir. Does he have any connection or contribution to this divine plan?

Answer: I prefer not to speak about any political person, as it is not appropriate in the context of Sanatan Dharma. However, I will say this: if any person does good work, promotes Sanatan Dharma, and builds temples, then that person is venerable and worthy of our respect. I will always offer my salutations to such a person.

► Watch this answer · 01:20:00 · 11 July 2021

Q 190 What is written about Chhattisgarh?

Answer: A 'Koshala Mandal' (Koshala region) will be formed, which will include parts of Odisha's Sambalpur and Chhattisgarh. This will be the land of Lord Kalki's incarnation, and devotees will gather there. This is what is written.

► Watch this answer · 01:21:11 · 11 July 2021

SESSION 10 · QUESTIONS 191–212

L10 चारों धाम से कलियुग अंत के संकेत , Pandit Kashinath Mishra

Date: 18 July 2021 · Watch the full session ↗

Q_191 I told some people about this, and they liked it very much, but they say they don't have access to it. How can we get it to them? How will they know about it?

Answer: For those who don't have it, you should provide it to them. You can help them and have them listen to this. If they like it, you can tell them about this Satsang (spiritual discourse) over the phone. Okay, ma'am.

► Watch this answer · 15:29 · 18 July 2021

Q_192 Pandit ji, what is written about Koraput?

Answer: Regarding that, it is written that for the establishment of divine dharma, it will spread within Odisha, and even animals and creatures will be affected. Okay, that is the answer. Jai Jagannath. Please, go ahead with the next question.

► Watch this answer · 17:20 · 18 July 2021

Q_193 Pandit ji, I had a dream three or four days ago. I crossed a river, and its water turned green. Then I reached a very beautiful mountain. What does this dream mean?

Answer: Ma'am, this means that when the establishment of dharma happens in the coming days, only about seven or eight people will be left in each village; not everyone will survive. Those who remain will be saved by God in this way. You have been saved. If you stay on this path, you will be fine. Okay, Jai Ganesh.

► Watch this answer · 18:04 · 18 July 2021

Q_194 My question is, is there a description of Ahmedabad city in the Malika Purana?

Answer: Look, Gujarat is mentioned in the Malika. It is written about the Dwarkadhish region and that devotees should do their work there. It is also written that many saints and devotees will be there. The establishment of dharma will happen everywhere in the world—in Gujarat, across the country, and in Odisha. The five elements will cause destruction everywhere. But for the people of India to be saved, you must follow the path of the Malika. The devotees will do what is necessary. This is most important. Follow the path I describe, and it will be good for you. Jai Shri Prabhu, Shri Jagannath.

► Watch this answer · 19:56 · 18 July 2021

Q 195 Pandit ji, I had a dream a month ago. I found a beautiful child with curly hair and was carrying him. I saw the Yamuna river flowing fiercely, but I crossed it. Then I reached my house, crossed a mountain and some kind of attack, and finally reached your house, but the child had disappeared. What does this dream mean?

Answer: Son, this means that when the great flood (jal pralay) occurs, God will save you. That is the meaning of your dream. Okay. Jagannath, please continue.

► Watch this answer · 21:03 · 18 July 2021

Q 196 I had a vision of the Mother Goddess, and she was asking for a mantra. I told her that I don't take anything from anyone. What should I do?

Answer: Take refuge in God, and the Mother Goddess will be pleased. The Goddess herself is in refuge of the Lord. So, come to the Lord's refuge, ma'am, and the Mother will also be happy. There will be no problem. Just do this. Pranam. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:35 · 18 July 2021

Q 197 I had a dream while I was praying. I saw a man in white clothes and a turban. He gave me something, but I couldn't see what it was, and he asked me to fix it. I don't understand who he was or what the dream means.

Answer: Saints and devotees are there to help you. You should continue your worship. The desires in your mind are not just from this life's karma but are rooted in your past lives. It's difficult to say more, but the more you remain devoted to God, the better. You have received a divine vision (darshan), so continue on your path. Everything comes from God.

► Watch this answer · 25:46 · 18 July 2021

Q 198 I haven't studied Sanskrit, but I listen to some prayers from the Samaveda. Is this path correct for me?

Answer: The most sacred path is the Vedic tradition. The dharma that upholds the universe is Sanatana Dharma. It has existed for crores of years and still exists today. History itself, with its concept of 'BC' (Before Christ), proves that Sanatana Dharma existed before. It is the foremost path. Due to the current age (Kali Yuga), many religions have emerged, but when the next age (Satya Yuga) comes, only one dharma will remain: Sanatana Dharma. At the end of this cycle, only our Vedic Sanatana Dharma will prevail. Okay, ma'am. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:23 · 18 July 2021

Q_199 Pandit ji, you mentioned a war between India and China. In which year will that happen, for instance, 2024 or 2025?

Answer: I have discussed this before in our Satsang and on the Kalki Avatar YouTube channel. The process of establishing dharma began in 2020 and will last for about 10 years. India's first war will be with Pakistan, and China will join them. Thirteen Muslim countries will fight against us. America will not help India, and five of our neighboring countries will also betray us. This process started in 2020 and will intensify with extreme weather events like torrential rains causing floods and intense heatwaves—look at the temperatures in America and Canada. The time is near. It will happen when God wills it, possibly between 2020 and 2028. The war with Pakistan is certain, but God will decide the exact time. The Malika states that Lord Kalki will decide when the war will happen after he appears. I don't want to elaborate on the war with China. The war with Pakistan was about to happen once, but Lord Kalki stopped it because his devotees had not yet gathered. Until they are united, the establishment of dharma will be delayed. However, this process, including the war of the five elements, will continue. Keep watching; everything will become clear. The words of the Malika are unchangeable and will come to pass. The time is near. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:53 · 18 July 2021

Q_200 Pranam, Pandit ji. I am from Basti, near Ayodhya. Is there anything written about our area in the 'Parikalpana' scripture? How can we know?

Answer: A 'Gyanmandal' (circle of knowledge) for Lord Kalki will be established in Ayodhya. The Malika mentions 100 such circles worldwide, and the Ayodhya circle will be one of them. It will host several thousand devotees who come through the Malika, and they will work to establish dharma in Ayodhya and the surrounding regions of Uttar Pradesh. As I've said before, the future ruler of Ayodhya will be a Suryavanshi king, currently performing penance in Kalapa Grama in the Himalayas, whom Lord Kalki will enthrone. A lot is set to happen there. Lord Kalki visited Ayodhya in his childhood and has been there again since. You already know about the purification that took place. Two years ago, Lord Kalki visited Ayodhya for two days, and that's when we knew something good was about to happen. Okay, son. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:33 · 18 July 2021

Q_201 Lightning struck near the temple, but the temple itself was unharmed. What is the reason for this, and what does it signify?

Answer: The lightning strike on the deity's temple is a sign from the gods themselves, indicating that they have begun the process of establishing dharma. Devotees must understand this. The Malika clearly predicts that lightning will strike temples. This is like changing a kingdom's flag to mark the beginning of a new era. To end the age of Kali Yuga and begin Satya Yuga, the flag at the Dwarkadhish temple tore last year and again this year, and now this lightning strike has occurred. This is a message for the devotees from the Malika. If we fail to understand it now, a time will come when we will regret it, saying, 'Pandit ji warned us, but we didn't listen, and now we are facing the difficult consequences of our mistake.'

► Watch this answer · 35:30 · 18 July 2021

Q_202 Pandit ji, how can we join the Sudharma Mahasangh?

Answer: I repeatedly tell you in these sessions to first join the 'Vishwa Sanatan Dharma'. There is a contact number for it. You should speak with the saints and devotees involved in this work. After connecting with them and achieving a certain level of purity, you can then join the Sudharma Mahasangh. This is not a business; it is the propagation of Sanatana Dharma. Before God's full manifestation, He sends His devotees to spread His message. This promotion of the Malika is the promotion of Lord Kalki, who has already arrived. Devotees who understand this should all join. Together, we will celebrate the Malika and work towards establishing dharma. Therefore, I urge you to join the Sanatan Dharma WhatsApp group, understand and follow its principles and the Satsang, and then you can join the Dharmasangh. Okay, son. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:09 · 18 July 2021

Q_203 I am a devotee of Nitai-Gauranga and Radha-Krishna. You say that Lord Kalki has already arrived. One must worship a single form of God, so I am confused. If we are to take refuge in Lord Kalki, how can we continue to worship Radha-Krishna? Please clarify this.

Answer: When the era (yuga) changes, the form of God also changes. Devotees follow the specific incarnation of God for that particular era. During the time of Lord Rama, people worshipped Rama. During the time of Lord Krishna, they worshipped Krishna. Our scriptures mention 24 primary incarnations and many others. In Sanatana Dharma, when Lord Kalki arrives, we must follow him, chant his name, and adhere to his principles. A true devotee recognizes all of the Lord's incarnations. For example, Hanuman, who was devoted to Lord Rama, also understood and revered Lord Krishna. A good devotee will always recognize the current incarnation of the Lord. Please understand this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:52 · 18 July 2021

Q_204 Pandit ji, will there be electricity in the future?

Answer: Okay, son. There will be a much better form of electricity. It will be a kind that doesn't cause death or electric shocks and doesn't generate heat. God will create this type of electricity, which will be cool and available to everyone for free. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:05 · 18 July 2021

Q_205 Pandit ji, I saw a video where you mentioned that for 31 days, there would be no worship or food offerings for Lord Jagannath. Could you please explain this?

Answer: This is a very profound and secret matter, and I do not wish to reveal it. Discussing it could create problems for the administration and for me, so I cannot elaborate. It is written that for 21 days, no food offerings will be made in the Lord's temple. As for when or how this will happen, only the Lord truly knows. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:38 · 18 July 2021

Q_206 My elder son had a dream two years ago where he, his father, and his uncle climbed a mountain while 'Om' was being chanted. At the top, they saw Lord Hanuman sitting in a bright light, feeding fruits to animals and birds. What does this dream signify?

Answer: Ma'am, this is an excellent dream, and it is confirmed by the Malika. In the coming establishment of dharma, my spiritual master, Lord Hanuman, will play a key role. He will take full responsibility for Lord Kalki's mission, saving devotees from Badrinath to Odisha. To end hunger, the Malika mentions that the leaves of a specific plant will provide nourishment for everyone. This is absolutely true. Currently, Lord Hanuman is in deep penance on a mountain, meditating for this purpose.

► Watch this answer · 48:24 · 18 July 2021

Q_207 Pandit ji, during the world war, what will be the impact of the war and major earthquakes on Vrindavan?

Answer: Ma'am, I bow to the holy land of Vrindavan. The impact of earthquakes in Vrindavan will not be severe. However, there will be diseases and pandemics. Despite this, Vrindavan will remain safe. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 51:10 · 18 July 2021

Q_208 Pandit ji, how can we surrender to the Lord and take refuge in him? Also, how can we distinguish between the guidance of our mind and the guidance of our soul?

Answer: Son, in this age of Kali Yuga, the greatest path to surrender is chanting the Lord's holy name. There is no other way. Chanting the name is the ultimate form of surrender. Follow the teachings of the Srimad Bhagavatam, adopt a vegetarian diet, and perform acts of charity for all living beings, including animals and humans. By following this true path, you will achieve surrender to God. Additionally, you should join the dharma organization and contribute to its work.

► Watch this answer · 52:15 · 18 July 2021

Q_209 Pandit ji, the WhatsApp group is full, and we are unable to join.

Answer: Okay, there is a contact number available, including one for a saint named Narendra. You should speak with the saints and find a way. The purpose of the Malika is to unite all devotees. Our mission is to bring everyone together under Sanatana Dharma. You should also participate in this work. Find people who genuinely want to take refuge in God and bring them into the Sanatana Dharma organization. We will all proceed together on this path.

► Watch this answer · 53:51 · 18 July 2021

Q_210 I am from Punjab. Can you tell us about Lord Kalki's visit to Ayodhya in 2018?

Answer: Yes, he was there. He stayed in Ayodhya for two days and visited the Ram Janmabhoomi site. He told the devotees that the remaining work would be completed in the future. It is not appropriate to discuss this in great detail. Son, these are divine secrets and shouldn't be revealed to everyone. You ask, and I answer, but the most important thing is to follow the Malika and the path I have shown. Take refuge in God. No one knows what the next moment holds; the world can change in an instant. This path is what will save us and our families. So, spread the message of the Malika and follow its principles. It is not right to speak openly about all of the Lord's secrets, and for that, I apologize. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 55:01 · 18 July 2021

Q_211 I am from Maharashtra. Is there anything written in the Malika about Mumbai, our economic capital?

Answer: Yes, the Malika writes about destruction in Mumbai. The city will be damaged by a combination of floods, earthquakes, and pandemics. However, I want to make it clear that those who follow the path of the Malika, remember the Lord, and perform their spiritual duties will remain unharmed. A very difficult time is approaching, with specific dangers for large buildings, but it is not appropriate for me to speak about this openly. There are many challenges ahead. If I were to reveal everything, it would cause widespread fear. It is better to be cautious in advance. Follow the path: first, read the Srimad Bhagavatam; second, follow the Malika; and third, spread the Lord's name. I can only give this much advice. The times are bad, so please be careful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 56:50 · 18 July 2021

Q_212 I heard in one of your videos that the Lord will descend on Earth with approximately 74,000-75,000 devotees. Has this already happened, or is it yet to occur?

Answer: I will answer this question. All the devotees have already taken birth. All the gods, goddesses, Yakshas, Gandharvas, and Nagas who are destined to assist in the Lord's mission have also taken birth and are already engaged in their respective tasks. The Malika serves as the medium to find and unite these devotees, because without its knowledge, they cannot learn about the Lord or the events to come. The path of the Malika is meant to save these devotees. Everyone has been born, and they will all be united.

► Watch this answer · 59:29 · 18 July 2021

SESSION 11 · QUESTIONS 213–229

L11 वैष्णव धर्मी भक्तों के लिए मालिका में क्या चेतावनी है? Pandit Kashinath Mishra |

Date: 25 July 2021 · Watch the full session ↗

Q_213 What does the Malika say about the 13-day cycle? You mentioned something about a 13-day 'paksha' (lunar fortnight). Did a 13-day paksha also occur before the Mahabharata? And how many 13-day pakshas will there be at the end of Kali Yuga? Please provide some information on this.

Answer: According to the Malika, the number 13 is significant. It refers to a 13-day paksha, 13 days of rule, a union of 13 political parties, and a union of 13 Muslim countries. The Malika states, 'A 13-day paksha will cause a war, creating great concern.' When this happens, Lord Kalki will think that the time to establish dharma has arrived. There will be a conflict over the establishment of dharma for 13 years. 13 Muslim countries will unite, and 13 political parties will unite to attack India. The unification of Muslim countries has already happened. Lord Kalki will establish dharma in the Kali Yuga. Keep in mind certain dates like the 13th, 27th, 7th, and 17th. On these dates, there will be great destruction in the world, and major works of establishing dharma will be carried out through the Lord.

▶ Watch this answer · 20:38 · 25 July 2021

Q_214 I have a few questions. Firstly, by God's grace, we have connected with you and this spiritual path. How will we know if we have become pure enough to join the Sudharma Mahasangh and participate in the establishment of dharma? Secondly, what about those of us who are on this path and are trying our best, but face obstacles like uncooperative family members? How will God fully accept us, and what can we do? Thirdly, I am a South Indian Tamilian from the Sri Vaishnava tradition, so we are already vegetarian. However, my relatives do not know Hindi and cannot connect with this stream. What about them? Lastly, you mentioned an organization in Rameswaram. How can we practically get involved and work for the establishment of dharma there?

Answer: I am very happy to hear you read the Vishnu Sahasranama. A devotee of Lord Vishnu is a medium to reach God. To answer your questions: In this Kali Yuga, Lord Kalki will travel to every country, and devotees from all over the world will connect with the Sudharma Sangh through the Malika. Lord Kalki will travel abroad to establish Sanatana Dharma, and his devotees there will be given full responsibility. So, the Malika will be preached worldwide. You should join the Sanatana Dharma WhatsApp group. When the time comes, you will be included in the Lord's 'near connection examination.' For now, follow the path we are showing. Read the Srimad Bhagavatam at home every day. Do not force your family members; if they join with faith, that is good. Perform Trisandhya—prayers at the three junctures of the day (morning, noon, and evening). If possible, offer respects to the Sun God, as this is part of our Sanatana Dharma. Regarding Rameswaram, there will be a 'mandal' (center) of Lord Kalki there. Devotees will gradually gather and join the Lord. Those devotees will then work to spread dharma throughout the South. Just as sages spread Lord Rama's name, in this age, devotees will spread Lord Kalki's message through the Malika. Regarding the language barrier, it is not a problem

that your relatives don't understand Hindi. The saints who manage this satsang can speak with them in English, and I can as well. The language of Satya Yuga will be Sanskrit and Devanagari, but all other languages like English, Russian, Tamil, and Telugu will merge into it. They can contact the number provided and speak in English. Finally, a time is coming when events we have never seen, heard, or imagined will occur—great floods, fire from the sky, earthquakes. Chant the name of Lord Madhav for salvation. Follow the path shown in the group, and you will be fine.

► Watch this answer · 23:37 · 25 July 2021

Q_215 People say the final battle will take place in Israel. Is there any mention of Israel in the Malika regarding this?

Answer: I am preaching the Malika as written by Mahapurush Achyutananda for the devotees. According to the Malika, initially, Israel will be allied with India against a common enemy. However, during the World War, the entire equation will change. Israel will side with America, along with Pakistan, China, England, and Africa. On the other side, Germany, France, Japan, and Russia will be with India. The Malika does not state that the final war will be in Israel. The final, decisive war will take place in Odisha, with Lord Kalki. A coalition of thirteen Muslim countries, China, and Turkey will advance towards Odisha's capital, Bhubaneswar, through the holy land of Jagannath Puri. They will realize that Lord Kalki is controlling the world, and they will attempt to defeat him to establish their own rule. At that moment, Lord Kalki will summon his Sudarshan Chakra and annihilate millions of foreign soldiers on that very spot. He will then assume a fierce form, as radiant as a comet, mount his horse, and begin the work of destruction across the entire world.

► Watch this answer · 31:00 · 25 July 2021

Q_216 Is it true that Lord Kalki will come to Punjab and pay his respects at the Harmandir Sahib (Golden Temple) in Amritsar?

Answer: Definitely, yes. It is a matter of the Guru tradition. When the time comes for him to visit the Golden Temple, he will go, but no one will know. He will be in a human body, and no one will be able to recognize him. He will not reveal his identity to anyone. But he will surely come. In every yuga, the Lord has visited every holy site and pilgrimage center. Lord Kalki will also go. The virtuous devotees of the Sikh community, who are devoted to Lord Vishnu, will join him. Guru Nanak Dev himself wrote about the Kalki avatar, thereby giving a sign to the Sikh community that Lord Kalki is coming. The Sikh community will also join Lord Kalki in the establishment of dharma. He will certainly visit the Golden Temple, but he will go secretly, have his darshan, and return. No one will be able to recognize him.

► Watch this answer · 33:43 · 25 July 2021

Q_217 What does the Malika say about the Saraswati river?

Answer: The Malika states that all the rivers that existed in Satya Yuga, Treta Yuga, and Dvapara Yuga will reappear in India. The holy and sacred Saraswati river, along with other rivers that have disappeared or gone underground, will all manifest again. The waters of all rivers will become pure and sweet, which will be a source of joy for humanity. People will be able to practice agriculture, and they will live in peace and happiness. The climate will become cool; the intense heat will not be there. All the lost rivers in India and across the world will re-emerge, and the Saraswati river will surely manifest.

► Watch this answer · 36:47 · 25 July 2021

Q_218 You once mentioned that a war between India and Pakistan was about to happen but was stopped. Could you please shed some light on why it was stopped, given that it was destined to occur?

Answer: According to the Malika, that war will definitely happen. The Lord postponed it at that time for a specific reason: the devotees had not yet gathered. The Malika states that the great war will begin, starting with India and Pakistan, only when all the devotees have assembled. It was not the Lord's will for it to happen then because the required number of devotees for the Sudharma Mahasangh had not yet been reached. So, we have to wait. On one side, the process of gathering the devotees is underway, and on the other side, the process of the world's destruction is also proceeding.

► Watch this answer · 37:50 · 25 July 2021

Q_219 Please tell us what the Malika says about Singapore. I have been following you since 2016. We are vegetarian; only about 4-5% of the population here is. Will we have a place in the 'mandal' (spiritual circle)?

Answer: The entire world is divided into 16 mandals. For example, there is an Africa Mandal. Mahapurush Achyutananda wrote in the Bhavishya Malika that devotees who follow the Malika can join any mandal they wish. So, even if you are in Singapore, you can join the Delhi-Haryana-Punjab-Rajasthan mandal, or the Vrindavan mandal, or the Ayodhya mandal. You can join any of them. I also advise you to join the 'Vishwa Sanatan Dharma' WhatsApp group. Now, regarding the future: The eastern and southern regions of the world will be completely submerged in water. Very little of the east will remain. Only those who live the life of saints and follow the Malika will survive to become the seeds for the new Satya Yuga. Indonesia, Thailand, Hong Kong, Singapore, Japan, and half of China will be inundated by floods. The destruction from water will be far greater than the destruction from war. A time will come when a celestial body from the sun will break into three pieces and fall into the world's oceans. The water level will rise by 1200 to over 2000 feet. Even small places will experience floods and cyclones. However, the water will not touch the devotees. Lord Hanuman and Lord Balaram themselves will save the devotees from the water. If you are connected to the Malika, remain in dharma, and follow the path shown, such as reading the Srimad Bhagavatam, no harm will come to you.

► Watch this answer · 39:15 · 25 July 2021

Q_220 You said that most people in India will perish. How will we know if we will be saved or not? Is everything predetermined?

Answer: Listen carefully. Mahapurush has written in the Malika that only those devotees who are connected with the Malika will go to Satya Yuga. If you have faith in the Malika, follow its prescribed path, and work within the Sudharma Mahasangh, then you are on the right path to be saved. Some people will go to Satya Yuga in their next life. In India, 33 crore people will remain, and out of them, 72,000 people will directly come to the Sudharma Mahasangh. This is all part of the Lord's work and his decision.

► Watch this answer · 43:11 · 25 July 2021

Q_221 I feel that the great event will happen next year in the month of Bhadrapada. My heart has completely changed, and I feel detached from worldly illusions and attachments. What should I do?

Answer: No, if you are married and have two children, you must take care of them. Fulfill your duties and responsibilities towards them properly. Continue to uphold your family dharma; do not stop. Continue with the Lord's bhajan (devotional singing) and kirtan (chanting).

► Watch this answer · 45:05 · 25 July 2021

Q_222 What is written in the Malika about Maharashtra? Also, everyone has a job and must perform their karma. Recently, a leopard entered our village. Is this a sign of the times described in the scriptures and the coming of the Kalki avatar?

Answer: In the final phase of Kali Yuga, all wild animals will enter populated areas and villages, causing great harm to humans. This signifies that just as humans no longer follow any rules, animals will also break their natural laws. They are meant to live in the jungle, but they will leave it and enter human settlements, causing destruction. This is indeed a sign that the time of destruction is near. Many devotees have been born in Maharashtra; they will join the Lord, participate in satsang, and work for the establishment of dharma. There are many devotees all over India, and they will all work together. The 'mandals' (groups) will have a single name but may encompass two or three states.

► Watch this answer · 47:17 · 25 July 2021

Q_223 What is written in the Malika for Bengaluru and the entire state of Karnataka? Also, how can we join the Sudharma Sangh? I haven't even joined your WhatsApp group yet. What is the process?

Answer: To join, the contact number is provided in the description of our YouTube videos. Please contact that number to join the Vishwa Sanatan Dharma group. We invite all good, saintly people to join the Sudharma Sangh and Sanatana Dharma. Regarding Bengaluru and Karnataka, you must understand that devotees and sinners exist everywhere, in every corner of India and the world. The coming destruction will be worldwide. The Malika specifically mentions that the southern region has many devotees. It also names major cities like Delhi, Mumbai, Kolkata, and Madras, describing the immense destruction that will occur there. I don't want to describe it in full detail to avoid creating fear. However, the work of establishing dharma will happen everywhere. In Bengaluru, Karnataka, Andhra Pradesh, and all other states, there will be floods, fire, earthquakes, and pandemics. Everything will happen. The pandemic will be the most widespread. No place will be spared because the entire world needs to be cleansed. The demonic people must be destroyed, and the saintly people must be saved. Therefore, follow the path of dharma. Do not worry about what happens to others. If we remain in dharma, God will protect us.

► Watch this answer · 49:35 · 25 July 2021

Q_224 Pandit ji, when will the period of Saturn in Pisces (Meena Shani) arrive?

Answer: According to our astrological calculations, Saturn is expected to enter the sign of Pisces between the years 2024 and 2025. The Malika states that when Saturn enters Pisces, the work of establishing dharma will greatly accelerate. It is set to happen in 2025. But before we reach that, we have to navigate through the remaining years. It is not that easy.

► Watch this answer · 53:05 · 25 July 2021

Q_225 You have said somewhere that according to the Malika, when Kali (the personification of the dark age) enters among the 16 Sardars (chiefs), a great flood will occur. Could you please elaborate on this?

Answer: There are 256 types of devotion, and within them, there will be 16 'mandals' (spiritual regions or groups). To control and manage these 16 mandals, there will be a 'Senapati' (commander or chief) for each one, who will be referred to as a 'Sardar'. These 16 Sardars will work for the establishment of dharma. When the 16 mandals are fully formed, the Lord himself will appoint a representative or head for each of these places. This decision rests entirely with the Lord. We must wait for that time to come.

► Watch this answer · 55:13 · 25 July 2021

Q_226 Have you had a direct vision (darshan) of the Lord himself?

Answer: It is not appropriate to reveal such things. If one were to reveal it, some people in the world would accept it with great devotion and surrender, but this is a very secret and sacred matter. It is not right for me, or for the sanctity of the Malika, to speak of it in a public forum. However, Mahapurush Achyutananda has written this: those souls who were sages in Satya Yuga, who were part of the monkey army in Treta Yuga, who participated in the divine play with the Lord in Vrindavan during Dvapara Yuga, and who have taken birth again in Kali Yuga—they surely know about this. It is they who are granted the Lord's darshan.

► Watch this answer · 56:36 · 25 July 2021

Q_227 I want to ask about Ramdev Pir in Rajasthan. Please tell us about him.

Answer: Look, I work for Sanatana Dharma, which is the greatest dharma of all. The Srimad Bhagavatam describes the 24 avatars of Lord Vishnu. The Bhavishya Malika states that there will be three avatars of Lord Krishna in this age. One was Sri Buddha Dev, who appeared in the middle era. The second avatar, as described by Mahamuni Vyasdev in the Srimad Bhagavatam, is the avatar of Sri Guru Dev. And the third is the Kalki avatar. When we study the scriptures, there is no greater or more authoritative text for Sanatana Dharma than the Srimad Bhagavatam. In that holy book, this is what I have read. I respect what you are asking and offer my salutations, but regarding the Lord's avatars, this is the extent of my knowledge from my studies.

► Watch this answer · 58:12 · 25 July 2021

Q_228 We worship the Lord in the morning and evening, but we are not 100% pure in our thoughts and words. What will happen to people like us who perform worship, but lies still escape our minds, and we sometimes speak harsh words to others? What is going to happen to us, and how can we change ourselves so that Lord Ram may forgive us?

Answer: Let me ask you, do you read the Srimad Bhagavatam? According to the path of the Malika, every single person who is destined to go to Satya Yuga will definitely read the Bhagavatam. One who does not read the Bhagavatam will never see Satya Yuga. This is the first principle of the Malika. It is fine that you read the Gita, but by reading the Srimad Bhagavatam, the anger you feel and the lack of control over your five senses will be brought into check. The Srimad Bhagavatam has immense power. So, start reading the Srimad Bhagavatam, and gradually, your sins will be cleansed. Follow the path that we are showing you; that will be good for you.

► Watch this answer · 01:01:07 · 25 July 2021

Q_229 I am from Rajasthan and I need guidance. Who should I talk to in order to join the 'mandal' (group) that will be formed for Rajasthan?

Answer: You should contact the numbers of the saints that are provided in our YouTube video descriptions. They will guide you with everything. Our desire is that you all at least follow the path and perform your religious duties and programs. There are many so-called saints in India who are busy preaching their own version of dharma for business. What will happen when the time for the true establishment of dharma is at our doorstep? We don't know what will happen to society tomorrow. But if you are connected to the true dharma, it won't matter what happens to the world; it will not affect you. At the very least, the good people who wish to change should change now. This is the will of God.

► Watch this answer · 01:06:42 · 25 July 2021

SESSION 12 · QUESTIONS 230–246

L12 सारे विश्व मे जल प्रलय के तांडव होने का कारण क्या है? Pandit Kashinath Mishra

Date: 01 August 2021 · Watch the full session ↗

Q_230 The 13-day 'paksha' (lunar fortnight) is starting this September. What will be its effect?

Answer: Look, it was written in the Malika that a 13-day fortnight will occur repeatedly. In one month, in one fortnight, there will be a full moon, new moon, and Sankranti. And in the same fortnight, a lunar eclipse, solar eclipse, new moon, and Sankranti will occur together. This will happen repeatedly in the world. This 13-day period will come again and again, not just once. It has happened before. According to the scriptures of the Malika, when Lord Kalki turns 13, a 13-day fortnight will come, which is now approaching. It is written in the Malika that when the 13-day fortnight occurs, devotees will gather, and on the other hand, Lord Kalki will think about moving forward with the establishment of Dharma. The Lord has already turned 13, and the establishment of Dharma has also begun. Remember, the 13-day fortnight has come before and is coming again. This is a good sign for the devotees for the establishment of Dharma, but for the sinners, it is a sign of destruction. Jai Jagannath, pranam.

► Watch this answer · 16:28 · 01 August 2021

Q_231 My question is, in every era, demons first appear before us, and then God manifests. So in this era, will Kali (the demon) appear in a human body, and then the Kalki avatar will appear?

Answer: Look, son, I have already explained this. Kali resides in five places: where there is gambling, falsehood, intoxication, greed for gold, and illicit relations. Those who enjoy these things for their own pleasure are the people of Kali. They will be considered the demons of Kali. To destroy these demons, Lord Kalki will take avatar, as written in the scriptures. So, the people who believe in and follow these five elements in their social lives are the demons of Kali. Lord Kalki will not go around with weapons in his hands to destroy all these people. He will use the five elements (Panchabhoota) - through floods, earthquakes, diseases, pandemics, and conflicts, they will gradually be destroyed. Kali will not come as a single demon. All those in society who practice these five vices are the demons, and they will be the ones who are destroyed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:18 · 01 August 2021

Q_232 I am from Kharagpur. Will something happen here or not? Can you tell me?

Answer: Everything will happen in Kolkata and West Bengal too. A time will come in the world when only 50% of the people in India will remain, and in the world, only one out of four. We will see this establishment of Dharma. Right now, only small things have started. A time will come when only 4-5 people will be left in a village. This is also written in the Malika. This is the word of Brahma; no one can avert it. At that time, even what we are doing now might not be possible. The path I am showing may not feel good now, but when the time comes, there will be no one to manage the situation. So, whoever follows this sacred path will be saved. Whoever doesn't will be destroyed by their own will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:21 · 01 August 2021

Q_233 My father has not given up eating meat. What should I do?

Answer: Okay, I see. Look, if your father hasn't given it up... our path is very simple and stable. We cannot force or compel anyone. Whether someone changes or not is their choice. But you have to come to this purity and take refuge in God. See, we came alone, and we will go alone. We have a family in this world, so live with them in a disciplined way and also show them your Dharma. Everyone has a right to their own religion. Tell them to follow their own Dharma and read the Srimad Bhagavatam. If your father doesn't agree, do one thing: read the 'Gopi Leela' from the Srimad Bhagavatam to your father. He might understand. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:16 · 01 August 2021

Q_234 It is written in my horoscope... a pandit told me that there is no need to earn money, and after 40 years, whatever is meant to be mine will be mine. Also, when I go to the temple, they say that I will become a great man. What do you say about this?

Answer: Look, the greatest purity of this era is humility, hard work, and action (karma). Keep doing your work. A being should do what is required at the right time. It's fine that it's written in your birth chart, there's no problem with that. But my view is that all humans should perform their karma. Earn with your own hands through hard work, feed your family, and do something for the world. In this world, everyone is great with God's blessings. So if it's written in your horoscope, then wait for it, but continue to do your work.

► Watch this answer · 25:18 · 01 August 2021

Q_235 What will happen in Gujarat, and how can we reduce our sins?

Answer: Village after village will be destroyed by pandemics and buried. Along with that, there will be floods, cyclones, and conflicts. In all this, 70% of humanity will be lost, and there will be a great change in nature and the five elements. The demons will be destroyed—those who are sinners, who sin daily, and who sin after deliberation. To reduce the effect of this sin, it is first necessary to change yourself. Afterwards, our surroundings and the people who live with us will change. If we do it together, there will be some gradual change in the whole world. Those who change will survive, and those who don't, won't.

► Watch this answer · 26:55 · 01 August 2021

Q_236 What does the Malika say about Patna, Bihar? Also, regarding the Hindi version of the Bhavishya Malika, people find it very difficult to understand and cannot derive the correct meaning. What should be done?

Answer: What is written in the Malika is that in Bihar, there will be more floods and earthquakes, which will cause great destruction and pandemics. But the devotees will be saved; this is written. As for the Hindi version of the Bhavishya Malika, it is indeed very difficult to understand. People will not be able to derive the correct meaning and will get confused. Therefore, there is no need for the book. Just follow the teachings as they are explained.

► Watch this answer · 29:06 · 01 August 2021

Q_237 Greetings, Panditji. Could you say a few words about the 'Mandal'? I don't understand what it is. Also, you mentioned the use of the five elements, and it's very frightening. How can we protect ourselves and our families?

Answer: There is no problem for those who follow the path. Join the 'Vishwa Sanatan Dharma' group. Teach the Srimad Bhagavatam to all your family members. Follow the path of Dharma and righteousness, the principles of 'Satya Karma Dharma'. This is the greatest path to relief. That is what you can do. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:26 · 01 August 2021

Q_238 My question is, as you are saying, a very terrible deluge (pralaya) will come. So how can one survive it?

Answer: I am spreading this message for you all. I am telling you how human society can be saved and live joyfully. Join our 'Vishwa Sanatan Dharma' group, join the WhatsApp group, and stay in the flow of teachings. I am telling you, in the end, you will be saved only by following this path. Right now, this may seem bitter to people, but when the time comes, there will be no time to think. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:02 · 01 August 2021

Q_239 What is the connection between the King of Puri (Gajapati) and Lord Kalki?

Answer: God belongs only to the devotees. The king has come to this earth with blessings from a past life and is a devotee in this life too. His connection with Lord Kalki will happen when the time comes. See, Lord Kalki will not reveal his identity to everyone. When the time comes, the king will come to the refuge of God. It is written about this in the Malika. We must wait for that time. I don't know how many people will be there then or what will happen. At that time, there won't even be a network. But the devotees will experience this through their inner perception and their knowledge of the scriptures. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:21 · 01 August 2021

Q_240 What will be the role of the ISKCON organization, which was established by Srila Prabhupada to spread Krishna consciousness, in the establishment of Dharma?

Answer: He brought about a great change in the entire world. I bow to him millions of times because he spread the name of Lord Sri Krishna throughout the world. It is our good fortune that such a divine soul was born in India. There are many devotees of Lord Sri Krishna in the world. But among them, not all will be saved. Only those who follow the Malika will be saved. Those who criticize the Malika and do not follow the word of God, God himself will decide their fate. It is written in the Malika that only the one who follows the path of the Malika and applies its principles in their social life is a true devotee, and only they will be saved.

► Watch this answer · 35:26 · 01 August 2021

Q_241 About 500 years ago, a pandit named Devayat Pandit prophesied that a day will come with a great war and disease, and then Sri Krishna will come from the north and kill the enemies with his sword. Is this true?

Answer: Many people have written about this. He knew about the Bhavishya Malika because he had divine powers. So, what he wrote is correct. That time is now upon us. According to that, follow the Malika. It will be good for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:30 · 01 August 2021

Q_242 Which name or mantra should be chanted for salvation in this age?

Answer: In Satya Yuga, the name of Lord Vishnu was chanted. In Treta Yuga, devotees attained salvation by chanting the name of Ram. In Dvapara Yuga, they chanted the name of Lord Sri Krishna. Similarly, in Kali Yuga, those who chant the name of Jagannath will attain liberation. Now, Kali Yuga is ending, and Satya Yuga is coming. In this transitional period, the name to be chanted is 'Madhav'. The great saint Satchidananda has written about this. Chanting 'Madhav Madhav' constantly is the greatest path to salvation.

► Watch this answer · 40:38 · 01 August 2021

Q_243 Which temple in Uttar Pradesh will be safe? Will Vrindavan and the Mathura region in Uttar Pradesh be safe?

Answer: Join the Satya Sanatan Dharma group, and the people in the group will connect you with the Sri Vrindavan Mathura Mandal.

► Watch this answer · 44:58 · 01 August 2021

Q_244 Will computers and the internet stop working? With the arrival of the Kalki avatar, will internet access be reduced or completely finished?

Answer: First, according to the scriptures, the incarnation of Lord Kalki has already happened. After his incarnation, there will be many disruptions in the five elements and scientific technologies of the world. Because Kalki holds the key to the entire world, he can start things and stop them. So when the Lord has arrived, all modern technology and infrastructure will see a decline. But this is good for the devotees. The Lord has come to grant salvation. His name is 'Taranhaar' (The Savior). This is a message of happiness and peace for the world. It is very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:56 · 01 August 2021

Q_245 Are Kalki and Imam Mahdi the same person or different? And will there be a fight between them?

Answer: According to the Srimad Bhagavatam and the path of Lord Kalki, Lord Kalki is the avatar. In the world, all religions will merge into one religion, Sanatana Dharma. Lord Kalki will not fight with specific people. He has come to cleanse the earth, free it from the flow of sin, and protect its balance. People from all religions—Hindu, Sanatana, Muslim—who follow Dharma will be saved by Lord Kalki. That is what will happen.

► Watch this answer · 47:58 · 01 August 2021

Q_246 You said that in 2018, Vaishno Devi and Lord Kalki met. In 2018, there was a big dust storm. Is it written in the Malika that this was a sign of their meeting?

Answer: This is my own realization. The day the fire broke out on the Trikuta hills... it is written in the Malika that when a god or goddess leaves their abode, you will see fire in that region. Then you will know that the deity has left. In 2018, there was a fire on the Trikuta hills, people know about it. So, we consider that day as the day Mother Vaishno Devi left her abode. Following the Malika and its words, we say that was the day the Mother left her place for the establishment of Dharma and for the salvation of devotees all over the world.

► Watch this answer · 48:54 · 01 August 2021

SESSION 13 · QUESTIONS 247–269

L13 भविष्य मालिका ओड़िआ भाषा में क्यों लिखा गया? Pandit Kashinath Mishra

Date: 08 August 2021 · Watch the full session ↗

Q_247 In the Dvapara Yuga, at the time of Lord Krishna, there was a false Narayan named Paundraka. In the coming times, will we also encounter such false Kalkis, and what is the way to protect ourselves from them?

Answer: In every era, the Lord performs his divine play to save the devotees. For instance, the Shrimad Bhagavat mentioned that Lord Vishnu would be born to Vasudeva and Devaki, yet in that same era, some people gave Paundraka Vasudeva the status of God. Similarly, in this era, those who are true and righteous will come to the Lord. The Malika states that at the end of the Kali Yuga, 12 individuals will declare themselves as God, propagate their own version of dharma, gather devotees, build large organizations, and present themselves as God through grand speeches, spreading their name across India and the world. However, the true Lord's name will not be spread everywhere because he will work in secret. He will not propagate himself but will handpick his devotees. The Malika says that 12 individuals will declare themselves as God and will not follow the path of Sanatan Dharma. People, in their ignorance, will become their disciples. Many such people have already been exposed in India. Does God ever promote himself or make disciples? In which scripture is it written that God made disciples or gave a Guru Mantra? God comes to make friends, companions, and family. He treats devotees like his own family; they play with him, eat with him, and even share leftover food with him. The Lord performs his 'leela' (divine play), he doesn't come to create disciples or build organizations. But in the Kali Yuga, those who promote themselves, criticize the Malika, secretly make rich people their disciples, create trusts, and live a life of royalty are the false ones. Tulsidas wrote about this in the Ramcharitmanas, yet people don't understand. He wrote that in the Kali Yuga, so-called saints will amass great wealth and build grand ashrams, while householders will become poor due to their sins. What need does a true ascetic have for wealth? They are supposed to be renunciates. Yet, people run after them because God is not in their destiny. Those who have God in their destiny will find their way to Him, while others will take refuge in false prophets like Paundraka and lead their lives towards hell. The Malika clearly states that 12 false Kalkis or Gods will manifest themselves in India.

► Watch this answer · 24:40 · 08 August 2021

Q_248 A friend told me that around 2025, all the Muslim countries, along with China, will attack India and there will be a massacre of Hindus, Pandits, and Rajputs. In such a situation, why won't Lord Kalki save them beforehand? Why will he save them only after the destruction? This is my doubt.

Answer: This is a very good and relevant question for everyone, especially for all the devotees connected to the land of India. It's a valid question: why won't God save human society from the atrocities in India? But look, Baba, many atrocities happen within India as well. The people who do wrong things, what are they? They are also demons. The Lord needs a medium to eliminate all these people at once. Their destruction will happen through some medium, whether it's war or communal violence. But one thing is certain, and it is as solid as the Himalayas: the Pandits (the righteous devotees) are eternal. No one has been born on this earth who can even bend a single hair on a devotee's head. Lord Kalki will definitely save them; this is also written in the Malika.

► Watch this answer · 31:50 · 08 August 2021

Q_249 Pandit ji, a small question. Our ancestors have always worshipped Lord Rama, Lord Krishna, and Mata Rani. Should we now stop worshipping them and only worship Lord Kalki? I have this doubt.

Answer: We are in the Kali Yuga. We worship Lord Rama, Lord Krishna, and the many other incarnations of God. Worshipping any form of God does not violate any scriptural principles. It is necessary for us, and we should do it. There is no fault or confusion in this. However, when God is present on Earth in a physical form, it is also necessary to worship and honor that form. If we don't, it becomes the Lord's 'leela' (divine play). When Lord Krishna was performing his leela in Vrindavan, the gopis called out to him, but the Brahmins could not recognize him. When they finally did, they could no longer get his 'darshan' (divine sight). This is written in the scriptures.

► Watch this answer · 33:57 · 08 August 2021

Q_250 I read somewhere that Lord Kalki will reveal himself when he is 17 years old. According to you, what is his age now, and in which year does the Malika indicate he will manifest?

Answer: Look, Baba, sages and saints perform penance for many eras just to get a glimpse of the Lord. In the Dvapara Yuga, not everyone could recognize Lord Krishna. It was only after the establishment of dharma, when he eliminated Kansa and many other demons, that society recognized him as God. Right now, the process of gathering the devotees for the establishment of dharma is underway. When all the devotees are gathered and meet Lord Kalki, the Malika will be the medium; it will show the way. The Malika says that the Lord will perform his 'leela' in secret. The devotees will know, but he will not give 'darshan' (a divine appearance) to everyone. He will not roam from village to village showing himself to everyone. People will receive the fruits of their karma; those who have done good deeds will connect with the Lord. Therefore, this question I see on YouTube, 'When will Kalki manifest?', is not the right one. Who are these worthy people, performing penance, for whom God should manifest? Will he manifest for the sinners to give them salvation? That is not God's work. In this age too, saints will come to see the Lord and will participate in the establishment of dharma. But not everyone will get this opportunity. The Lord will not appear on media channels for all to see, like the false prophets who declare themselves as God. Lord Kalki will establish dharma through the Malika, gathering devotees just as we are all

connected now. Only the devotees who are working in secret will get his 'darshan'. Not everyone will be permitted to come to his ashram, no matter how rich or powerful they are. The Lord will work in secret, gathering devotees from all over India and the world through his 'yogamaya' (divine power). Only the devotees will know; not everyone will. There will be no public appearance or manifestation.

► Watch this answer · 35:58 · 08 August 2021

Q_251 When will Kalki manifest?

Answer: Who are these worthy people performing penance for whom God should manifest? Will God appear for the many sinners in society, give them a vision, and grant them salvation? Is that God's work? In this age, saints will come to have a vision of the Lord and will remain for the establishment of dharma; they are immortal. But not everyone will get this facility. In Lanka, not all demons saw Lord Rama. Similarly, in this age, the Lord will not come on media channels for everyone to see, unlike the false prophets who declare themselves God. That will not happen. The Malika says Lord Kalki will establish dharma through the Malika, gathering devotees. He will work in secret, and only the devotees will know him.

► Watch this answer · 37:42 · 08 August 2021

Q_252 News reports say Xi Jinping went to Tibet and stated that China will choose the next Dalai Lama. Is there any connection between the incarnation of Lord Kalki and the Lama, especially since the Dalai Lama has taken refuge in India? Please shed some light on this.

Answer: When an era ends, people go astray and do not follow the scriptures. When someone gets power, they enter God's temple wearing shoes. This is a sign of 'vinashakale viparita buddhi'—at the time of destruction, one's intellect becomes corrupted. Many devotees from Buddhism will also be saved; this is written in the Malika. But look, China's geography will be completely changed. Lord Kalki once mentioned this. One day, China made a comment about changing India's history. In response to a devotee's question, the Lord said, 'I will change China's geography on the world map and will cause destruction in their own country with the things they have created.' We are seeing this happen today. I am talking about something that was said 10 years ago, not recently. Those who do such things are inviting their own doom. Many Buddhists will also be saved. Let them do what they are doing; there isn't much time left. Within about 10 years, everything will become clear. The situation will become so difficult to handle, and every year you will see more destruction, and China will see it too. The Malika is the word of salvation for the devotees.

► Watch this answer · 40:25 · 08 August 2021

Q_253 I live near Jajpur in Bengal, which is mentioned in the Malika. Can you tell me when the event there will happen? Can I go and attend it so that I can see the Lord and be saved?

Answer: This is a very good and sacred question. The Bhavishya Malika has clearly described this. It says that when Lord Kalki forms the 16 Mandals (groups of devotees), they will go to Jajpur. The 16 Mandals of devotees will gather there and perform a yagna (fire ritual). This will be the final yagna, where all the gods and human devotees who are part of the establishment of dharma will gather. Lord Kalki will also go there in his human body. People will see his extremely beautiful form and might think he is the son of a wealthy man, not God. This is also written in the Malika. The Lord will stay there for some time and then return; he will not stay for the entire duration. After the events at Jajpur, the work of establishing dharma will accelerate across the world. It is wonderful that your home is near Jajpur. When the time comes, you will surely meet the Lord. For now, join the Vishwa Sanatan Dharma's WhatsApp group and start the work of establishing dharma from Jajpur, because the Lord is destined to go there.

► Watch this answer · 44:18 · 08 August 2021

Q_254 Which Mandal (group) will I be in? Which Mandal should I join?

Answer: Join the Kalika Mandal. The smaller states like Bengal, Bihar, and Assam will be combined to form the Kalika Mandal. The Malika has given precedence to the Kalika Mandal. The devotees in the land of Goddess Kali should join the Vishwa Sanatan Dharma. Talk to the saints mentioned in the description who are engaged in this work of establishing dharma, and join the Kalika Mandal. That will be good.

► Watch this answer · 46:35 · 08 August 2021

Q_255 Pandit ji, which Mandal will we be in? (From Uttar Pradesh, Lucknow/Ayodhya)

Answer: There will be a significant 'leela' (divine play) of Lord Kalki in Ayodhya because it is his previous birthplace. Uttar Pradesh is a large state with Mathura, Vrindavan, and Ayodhya. To connect with the devotees there, join the groups mentioned in the description. The people there are working on this satsang. Join them and work for Vishwa Sanatan Dharma. That is good.

► Watch this answer · 47:48 · 08 August 2021

Q_256 We respect all gods and goddesses, but which name of God is most sacred and should be chanted in this era for salvation?

Answer: In this era, I will chant the name 'Madhav'. You can worship Lord Vishnu, Lord Krishna, or the Mother Goddess —worship anyone. However, the name of Lord Madhav is especially benevolent. The states of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh will be part of the same zone.

► Watch this answer · 49:08 · 08 August 2021

Q_257 Which Mandal will Jharkhand be a part of? Will it be with Odisha?

Answer: Jharkhand will be with Odisha's Biraja Mandal. You can connect with the devotees from Odisha. Alternatively, since you are Hindi-speaking, you can join and work with the Mathura-Vrindavan or Kalika Mandals. It doesn't matter where we are; we are all working for God and Sanatan Dharma. Every devotee is needed, and there is no difference. All the people of India will eventually be part of these 16 Mandals.

► Watch this answer · 50:00 · 08 August 2021

Q_258 Pandit ji, you said that 64 crore (640 million) people will survive in the world. Is it necessary for the Malika to reach all these 64 crore people for them to be protected?

Answer: This is an excellent question, a primary question for all devotees who are listening. When the end of Kali Yuga comes, the Malika will be propagated. As the establishment of dharma draws near, the Malika itself may not reach all 64 crore people, but the name 'Madhav' will definitely reach them. They will be saved simply by chanting the name 'Madhav'. They may not get to see the Lord or participate in these discussions as we are doing today, but through the name 'Madhav', salvation will reach all 64 crore people across the world. The great saint Achyutananda wrote about this, saying that just by chanting 'Madhav, Madhav', people will be saved.

► Watch this answer · 51:01 · 08 August 2021

Q_259 According to the 'Bhakta Nirupan Tika' (A Treatise on the Identification of Devotees), what path should a devotee choose to be able to have a vision of the Lord?

Answer: Lord Rama said, 'The one with a pure heart finds me.' This means a person who sees no difference between any living being—from an ant or a dog to any human, even an enemy. They do not consider anyone in the world their enemy. They see the divine (Brahman) everywhere; they see God's form in everything. Therefore, they have no violence or anger within them. A key characteristic of a devotee is compassion for all beings in the universe, from inanimate objects to insects. They respect all of God's creation and see the divine in everything. They are simple-hearted. If someone says something to them, they don't over-analyze or criticize it. If it's good, they feel happy; if it's bad, they simply leave that place. And they have faith in God without any evidence or proof. Just by hearing His name, tears flow from their eyes. Their faith is absolute. In this Kali Yuga, the main paths are: being vegetarian, having blind faith in God and the Malika, and accepting the words of the Malika directly without any proof. This is the mark of a devotee. Anyone who opposes, argues, questions, or criticizes the Malika is not on the path of a devotee.

► Watch this answer · 52:45 · 08 August 2021

Q_260 We observe the Navratri fast and have recently brought the Shrimad Bhagavat home to read. What is the proper way to conduct this reading?

Answer: According to the scriptures, every person in every household should read the Shrimad Bhagavat. Reading the Shrimad Bhagavat repeatedly increases one's lifespan. It is a great practice. It's good that people organize readings, but I suggest that all members of your family should read it themselves. Those who will be connected with Lord Kalki will all be Brahmins and will all read the Shrimad Bhagavat. Read it yourself, and you will gradually understand it. Also, since this is the time for the establishment of dharma, if you have time, propagate Sanatan Dharma and the Malika. This will be the greatest service. The Lord has begun his work, and our primary goal should be to help pure souls like you, who are devoted to the Bhagavat, to spread the message of Sanatan Dharma across the world. During this Navratri, if all family members sit together and read the Shrimad Bhagavat, it will be excellent and will purify the earth. If a hundred people sit together and read it, it becomes even more sacred. Also, do some service for poor and destitute Hindus.

► Watch this answer · 56:20 · 08 August 2021

Q_261 The small children in the house cannot read, but if everyone sits in one place and one person reads it aloud while everyone else listens, is that acceptable?

Answer: That is very good. When the entire family sits together for the Lord's bhajan (devotional song/praise), that itself is absolute devotion. If the children cannot read, have them listen. Today in the world, parents don't have their children listen to the Bhagavat or recite the Hanuman Chalisa. As a result, the children go astray, disrespect their parents, and destroy their character by chasing desires. The house where everyone—the elderly, the old, the children—gathers to read the Bhagavat will become a great source of merit. Even those who cannot read should be made to sit and listen. Their lifespan will increase, and they will be saved during the establishment of dharma. This is a great life-giving elixir for us. It's excellent, please do this.

► Watch this answer · 59:51 · 08 August 2021

Q_262 Should we not harbor feelings of enmity even towards the 'Mlechhas' (barbarians/sinners)?

Answer: A devotee's characteristic is to reflect on their own actions. We should think about how we can improve our karma, what good we did in a day, and what bad we did. This thought should always be with us so we can reform ourselves. The Mlechhas will be destroyed; their destruction is certain and inevitable. This is the scriptural law in every era. But it is not the characteristic of a saint to waste time thinking about them. A saint's characteristic is to always be immersed in the Lord's name, glory, bhajan, kirtan, and divine play. They repeatedly analyze their own actions, whether good or bad. God brought us to this world to improve our karma and then return to the divine abode. Once, Uddhava asked Lord Krishna what humans should do in this world. Lord Krishna told him that in this mortal realm, everyone from the heavenly planets to the earthly ones, even Lord Brahma and Mahadev, must one day leave their bodies. Death is certain for all. Therefore, humans should focus on good karma. Do work like Narada, who was born in an ordinary family but became the son of Brahma through his service. The Mlechhas will be destroyed, but that is not our responsibility. Our responsibility is to change the world. Even the dacoit Ratnakar became the great sage Valmiki. So, saints like us who work in the refuge of the Lord, our duty is to bring change and transformation to the world, to save people from sin. We have little time to think about others. Correct your own karma, chant the Lord's name, and see God in the entire world. Pray for the world to have good sense. That is all.

► Watch this answer · 01:01:28 · 08 August 2021

Q_263 No one can build a temple for God, but how have people kept him captive in Mecca-Medina? How will he be freed from there?

Answer: I have uploaded several episodes on YouTube about this. The Malika states that Mecca-Medina was once under Brahmin rule; it was a land of Brahmins. They were performing great deeds there. Over time, a Muslim came seeking refuge and a place to stay. The Brahmins gave him a place. Gradually, he worked to destroy the Brahmins and established Mecca-Medina there. It is a holy site for Muslims, but a time will come when Brahmin rule will be re-established in Mecca-Medina; this is written in the Malika. Lord Jagannath's Rath Yatra (chariot festival) will also take place there. A time will come when Lord Mahadev (Shiva) himself will manifest there and destroy the sinners of the world. This is also in the Malika. The Lord manifests only when sin reaches its peak. Just as Lord Krishna forgave Shishupala a hundred times before finally ending him, the Lord is giving society many chances—pandemics, diseases, wars—yet humanity does not understand and continues to sin. So, the Lord has come, and the establishment of dharma will happen. The Malika says a temple of Lord Jagannath will be built again in Mecca-Medina.

► Watch this answer · 01:05:13 · 08 August 2021

Q_264 There are some people who are vegetarian but do not believe in the Malika. What is written in the Malika for them?

Answer: Those who do not believe in the Malika have no place. They will go their own way. The Malika is for devotees. Those who are not devotees will not believe it; this is written in the Malika. So, just understand this much: there is no need to speak about the Malika in front of those who do not believe. This is not a commercial enterprise; it is the establishment of dharma. It is for the devotees, so only the devotees will listen. It is not necessary for others.

► Watch this answer · 01:07:41 · 08 August 2021

Q_265 I listen to the Bhagavat Purana on YouTube, but I don't read the physical book. Is listening on YouTube sufficient according to our Sanatan Dharma?

Answer: There is no doubt that one gets merit from listening. However, do one thing. Whenever you get time during the day, sit in a quiet place, light a lamp and incense, offer praises to the Lord, and then read the Shrimad Bhagavat. This is our tradition.

► Watch this answer · 01:08:44 · 08 August 2021

Q_266 Is there anything written in the Malika about Kota, Rajasthan?

Answer: The Malika has written about all states. The great saint has written in the Malika about which states in India will have wars on their borders.

► Watch this answer · 01:09:32 · 08 August 2021

Q_267 In every incarnation of Lord Vishnu, Goddess Lakshmi also incarnates with him. In the Kalki avatar, where is she? Is it Vaishno Devi?

Answer: Vaishno Devi, as a form of Lakshmi, will be attained by the Lord and will be Lord Kalki's wife. Just as in the Ram avatar, Lord Rama established Ram Rajya with Sita, Lord Kalki will establish a global Ram Rajya. Mata Mahalakshmi, in the form of Mata Vaishno Devi, will take refuge with the Lord. Mata Vaishno Devi has already left her abode. She has already left and has come to Earth in a human body. Lord Kalki has also established his place in Sambhal village, where he was born.

► Watch this answer · 01:10:31 · 08 August 2021

Q_268 When will the union of Goddess Lakshmi (in the form of Vaishno Devi) and Lord Kalki happen?

Answer: Their union happened once when Lord Kalki went to have a 'darshan' (divine vision) of Mata Vaishno Devi. The Malika also says that Mata Mahalakshmi has already taken birth in a human body in Jagannath Puri. The work of Lord Jagannath, Goddess Parvati, and Goddess Lakshmi has begun.

► Watch this answer · 01:14:59 · 08 August 2021

Q_269 There are some people who believe in the Malika, read the Bhagavat, and follow the path, but they are unable to quit smoking cigarettes. When I tell them, they say, 'What's the big deal if I smoke one cigarette? I follow everything else.' What is the solution for them?

Answer: Do the gods smoke cigarettes? No. I humbly request those people to quit these habits. This body is a divine temple, and such habits disrespect it. The devotees of Lord Kalki will need divine power. How will this body become pure and powerful? The devotees will have to fight against nuclear weapons. They will have to face hunger and thirst. This requires divine power and a pure body, because the gods will enter the human body. If the body is not pure, how will they receive the divine power that God will grant? That is why I humbly tell you all that if we do not keep our bodies pure, we will not be able to face the coming calamities. Then we will say, 'Pandit ji told us about the Malika's path, we followed it, but what happened to us?' I still request you to quit these things. Explain this to them. They are devotees, their minds are pure, and they have faith. Explain it to them a little, and bring about a change. Keep working on it; they will gradually change through satsang (spiritual discourse).

► Watch this answer · 01:23:21 · 08 August 2021

SESSION 14 · QUESTIONS 270–289

L14 सारे विश्व के भक्त कैसे और कहाँ एकत्रीकरण होंगे ? Pandit Kashinath Mishra

Date: 15 August 2021 · Watch the full session ↗

Q_270 How can I meet the Lord?

Answer: First, where are you speaking from? (The caller says Deoghar, Jharkhand). The Malika has written about Jharkhand. To meet the Lord, you need His permission; I cannot do anything. I advise you to join the Sanatan Dharma organization that is being formed, as it will lead the entire world. People may not believe this now, but it is the word of God. Continue your spiritual practices, such as chanting the name of Madhav and reading the Srimad Bhagavatam. You must read the Bhagavatam daily, no matter what problems you face. Join our organization and contribute to the work. That is the path.

► Watch this answer · 18:17 · 15 August 2021

Q_271 Our great mantra is 'Om Shri Satya Ananta Madhavaya Namah.' I want to ask, can we chant it while wearing slippers, whether sitting or standing?

Answer: Look, if it's convenient, it is better to chant the name after taking off your slippers. However, if you are in a situation or place where that's not possible, you can mentally take a dip in the holy Ganga and then chant the name. There is no issue with that.

► Watch this answer · 23:31 · 15 August 2021

Q_272 I have one more question. I am initiated into a certain spiritual path where we worship the form of Krishna. I also chant this great mantra ('Om Shri Satya Ananta Madhavaya Namah'). Can I do both? Is there any problem with this?

Answer: Look, the divine play (leela) of Lord Shri Krishna that was left incomplete will now be continued in this Ananta Yuga. So, you have already held onto Krishna, which is excellent. Chant Lord Krishna's name as much as you like; it brings joy. Continue doing it, there is no problem at all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:10 · 15 August 2021

Q_273 My question is about the Kalki avatar. Has he already incarnated, or is he yet to come?

Answer: According to our scriptures, the Lord's incarnation has already taken place on Earth. The Lord and His devotees will meet, and the Malika is the only scripture in the entire world that facilitates this union. Through the Malika, devotees will connect with the Lord. After they connect, the establishment of dharma will move forward, and the devotees will be reformed. This is what is written in the scriptures, and the time for it has arrived. I advise you to join the Vishwa Sanatan Group and work for dharma from your home.

► Watch this answer · 25:27 · 15 August 2021

Q 274 You have said that the Kali Yuga has ended, but wrongdoing and sin are increasing in the world. How can we say that the Kali Yuga is over?

Answer: Look, when a lamp is about to be extinguished, it burns its brightest. Similarly, as the age of Kali is ending, its influence flares up. When someone commits more sins, their life force diminishes, and they may die in an accident or from disease. As Kali leaves the universe, its influence expands and it fights back, causing turmoil and mental distress. The Malika scripture states that after 5,000 years, the afflictions of Kali will end. This is foretold, just as the Srimad Bhagavatam foretold the birth of Lord Krishna.

► Watch this answer · 28:08 · 15 August 2021

Q 275 My second question is, you say that Satya Yuga will come after Kali Yuga, but in one video, I heard you say that after this, the Ananta Yuga will last for 1,009 years. Could you please clarify whether Ananta Yuga or Satya Yuga will come next?

Answer: The Ananta Yuga that I speak of is the beginning of the Satya Yuga. In the Ananta Yuga, for 1,009 years, the devotees will survive. The Lord will make them kings and leaders, and that will be the complete and absolute Satya Yuga, during which the population will increase.

► Watch this answer · 28:21 · 15 August 2021

Q 276 So, does this mean that the Ananta Yuga is a part of the Satya Yuga?

Answer: Those who are refined during the Ananta Yuga, who become humans worthy of the Satya Yuga, they are the ones who will establish true happiness and create the full Satya Yuga.

► Watch this answer · 31:41 · 15 August 2021

Q 277 You said that according to the Malika, the sun will not rise for seven days. In that case, where will electricity come from?

Answer: The Malika is the path for the salvation of devotees. All the devotees will remain, while the sinners will be destroyed. There will be darkness for seven days and seven nights. After this period, the formless Lord will establish a new sun and a new moon in the universe. The new sun will bring peace to humanity with its cool rays, and the moonlight will be as bright as the sun at night. This is the nature of Satya Yuga. Furthermore, the devotees will not experience this darkness. The Malika says that Lord Kalki will give those who are with him an object to apply to their eyes, which will grant them divine light, making them unaffected by the darkness.

► Watch this answer · 32:27 · 15 August 2021

Q_278 Seeing the injustices faced by figures like Mother Sati and Sita, and other women who have suffered, will women receive justice and equal rights in the Ananta Yuga?

Answer: Through a combination of modern science and mantras, humanity will become a thousand times more advanced. In the shelter of the Lord, everyone will have equal rights, just as in Rama Rajya. Lord Kalki will uphold the highest code of conduct (maryada), and justice will prevail. The Lord will make one lakh devotees the rulers of the world. There will be no problems with food, housing, or basic needs. The celestial architect Vishwakarma will build new cities. People will live in a state of supreme bliss, free from duality, greed, or conflict. Everyone will love one another.

► Watch this answer · 34:33 · 15 August 2021

Q_279 In Satya Yuga, all four pillars of dharma are intact, meaning there is no unrighteousness (adharma). If that's the case, why did the Satya Yuga end?

Answer: It ended because of pride and arrogance. Sages would incinerate someone with a word, curse others, control nature at will, and impose the death penalty for minor issues. It was this darkness of pride that led to the destruction of the Satya Yuga. There is no other reason.

► Watch this answer · 36:23 · 15 August 2021

Q_280 Will an organization be formed in Chhattisgarh? What will happen there?

Answer: All devotees from across the world are gathering. You should join the main organization that is being formed, the Sudharma Mahasangh. All devotees, including those from Chhattisgarh, should join the Sudharma Mahasangh and the Shri Sanatan Group. Lord Kalki himself will decide who will be in charge. The important thing is to follow the path laid out by our scriptures.

► Watch this answer · 37:56 · 15 August 2021

Q_281 What will be the future of other countries, and what about the devotees who live abroad?

Answer: According to the Malika, many European countries will become smaller islands, but the five oceans will remain. Countries like England, America, and Germany will exist as small islands. The devotees there will be saved by chanting the name of Madhav. Lord Kalki himself will go to those countries and give the responsibility of governance to the devotees. If you work for the Vishwa Sanatan Dharma Group and it is in your destiny, you will join the Sudharma Mahasangh, meet the Lord, and continue this work.

► Watch this answer · 40:11 · 15 August 2021

Q_282 What is written about Rajasthan in the Malika?

Answer: For the sake of dharma, Lord Hanuman is waiting there for the Lord. Rajasthan is the land of Hanuman ji, a symbol of his presence. Hanuman ji is there and will help the devotees.

► Watch this answer · 41:41 · 15 August 2021

Q_283 I want to know why Lord Vishnu's incarnations are in Brahmin or Kshatriya families, but not in Shudra families?

Answer: Listen, Mother. In Satya Yuga, Brahmins rule. In Treta Yuga, Kshatriyas rule. In Dvapara Yuga, Vaishyas rule, and in Kali Yuga, Shudras rule. When Satya Yuga comes, according to the scriptures and Vedic law, it is the era of Brahmin governance. Therefore, the Lord incarnates in a Brahmin body. He has also taken avatars as animals and in all three classes —Brahmin, Kshatriya, and Vaishya—in different ages. Since the coming age is Satya Yuga, he incarnates as a Brahmin in accordance with the laws of that era.

► Watch this answer · 43:44 · 15 August 2021

Q_284 Will Lord Kalki play the flute like Lord Krishna?

Answer: The Lord's divine play is different in every age. In this age, Lord Kalki's main tasks are to destroy demons, establish dharma, and reward his devotees by making them kings and giving them happiness. However, if a devotee with immense devotion connects with him, he will surely play the flute for them. For such a devotee, he will grant a vision of his form as Krishna. A devotee sees the Lord in the form that they worship.

► Watch this answer · 45:11 · 15 August 2021

Q_285 I have been a devotee of Lord Vishnu for a long time. Recently, while chanting his name, I felt something enter me, and a tingling sensation started in my head. What was this?

Answer: You are a pure soul at the feet of Lord Vishnu. The vibration and sensation you feel in your body come from divine power. All true devotees will receive this divine power; some will experience it sooner, some later. This light of divine energy will manifest in every devotee who has a pure body, a pure mind, and has taken refuge in the Lord. This is a very good sign.

► Watch this answer · 46:14 · 15 August 2021

Q_286 When we read a holy book like the Bhagavad Gita or the Puranas, once we finish it, should we start reading it again from the beginning?

Answer: Yes, start it again with ease. Once you finish it, begin it a second time. You should continue reading it in a constant, uninterrupted flow. Let the practice continue.

► Watch this answer · 48:10 · 15 August 2021

Q_287 I am a teacher, and sometimes my friends or others say things that are discouraging or mock these beliefs. How should I handle this?

Answer: Do not argue with such people. If you encounter them, just say, 'Very well, brother,' and walk away. It is not necessary to engage with someone who does not want to listen to the Lord's words. The Malika also says that a sinner or an unbeliever will not appreciate these teachings. So, I say with humility, if someone lacks the willpower or devotion to listen, do not speak to them about these things. That is all you need to do.

► Watch this answer · 49:52 · 15 August 2021

Q_288 When will the Lord come to Mathura?

Answer: The Lord has already come and passed through Mathura.

► Watch this answer · 50:57 · 15 August 2021

Q_289 What should women who read the Bhagavatam do during their menstrual period?

Answer: During that time, they should not physically touch the holy book. Instead, they should chant the Lord's name mentally. This period of abstaining from touching the scripture lasts for about seven days.

► Watch this answer · 51:32 · 15 August 2021

SESSION 15 · QUESTIONS 290–309

L15 कलियुग के बीच में ही सत्य युग का आगमन होगा। Pandit Kashinath Mishra

Date: 22 August 2021 · Watch the full session ↗

Q_290 Pandit ji, my question is, will Lord Kalki be born on Janmashtami?

Answer: Regarding Lord Kalki's birth, the scriptures have provided complete proof. It will be during the Shukla Paksha (the waxing phase of the moon). At that time, all the planets and constellations will be aligned in one place. It will be just like when Lord Ramachandra was born at 12 noon. The scriptures say the time was neither too cold nor too hot, a pleasant period for the welfare of the world. It was exactly 12 noon. All the planets and constellations were in one place; at that time, Lord Ram was born on earth. And Lord Kalki will also be born at a similar time, as stated in the scriptures. As for Janmashtami, we celebrate the Lord's birth because he took an avatar at that time in a previous age. In this current era, the Lord will also be fierce, meaning he will be a destroyer and will also cause annihilation. At the same time, he will uplift his devotees. Accordingly, the scriptures have written that the Lord will be present at that specific time, and his birth has already taken place on earth in accordance with that.

► Watch this answer · 19:53 · 22 August 2021

Q_291 I have nothing, so what should I do?

Answer: The most important thing is your mind. If there is any conflict, any question, or any thought in your mind, it is necessary to renounce everything and donate first. It is also essential to forget what has been donated. The thought that 'I donated this once' or 'I donated that once' should not remain in your mind. It is not necessary to hold onto it. If it remains in the mind, the effect of the righteous act can diminish.

► Watch this answer · 22:28 · 22 August 2021

Q_292 What should be donated?

Answer: Look, son, in this world, you should donate whatever you have, according to your capacity. Someone can donate a single fruit. Someone can donate gold. Someone can donate a cow. Someone can donate land and property. There is no fixed rule for donation—no specific quantity, limitation, or value. Even a donation of one or five paise counts as a donation. If someone donates even a single fruit to someone with a sincere heart—to an animal, a beggar, or a poor person—it is acknowledged by the Lord. On the other hand, a person might have crores of rupees but donates with conflict in their mind, just for show. So, the donation... I tell the children... please mute... I say this, among the categories for donation are the poor, the destitute, the helpless, and also the dogs, cows, and other creatures that are part of our world. You can donate something to them.

► Watch this answer · 23:20 · 22 August 2021

Q_293 What is the Lord's role in the events in Afghanistan? And what is the belief regarding Rajasthan?

Answer: The Lord... leave that. He has abandoned them because those who associate with them will be destroyed. Lord Kalki's establishment of dharma (righteousness) is for those who are suffering. I am talking about the whole world, where people are fighting amongst themselves. The energy of Kalki will have an effect on them. In this way, the sinners will be destroyed all over the world. The demons who have grown in Afghanistan, the smaller demons, and many others in the world... we are not concerned with them. But the point is, those who live righteously in Afghanistan, the Lord will surely protect them. Those who live in sin will be destroyed. A time will come, you all will see, and only dharma will be illuminated. Second, regarding the Indian government's policy... The second point is about the belief in India regarding Rajasthan. It is said that there will be many wars and tribal conflicts on the borders of Rajasthan. The Lord will save the devotees. Hanuman will save them on the Lord's instruction, and many great warriors will be with Lord Kalki in the 16 Mandals (regions). And in Rajasthan, there will be floods, earthquakes, and diseases. To be protected from these, one must follow the path of the Lord, the path of the Malika. Jai Jagannath. Please present the next question.

► Watch this answer · 25:00 · 22 August 2021

Q_294 The Taliban has taken over Afghanistan, and China is supporting them. Is this the beginning of the rise of adharma (unrighteousness)?

Answer: In the world, those who wear the mask of truth to mislead society and the world, their true form will be revealed. So, this time is a test of dharma. I will say only this much: this establishment of dharma will happen all over the world. A time will come in every country... what is happening in Afghanistan today will not be limited to one country; it will happen in every country. So, the Lord... follow the path of dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:37 · 22 August 2021

Q_295 What does the Malika say about Bargarh?

Answer: Bargarh is in the Sambalpur district of Odisha. It is a divine region. Its name is Maa Samaleshwari Mandal, and it will be established there. Chhattisgarh, Madhya Pradesh, and many other regions will be part of this Mandal. And it is written in the Malika... [recites a verse]... A flag will be hoisted at the mother's temple... and its... this sign has already appeared. It is visible from the temple. So, this is a sign of the establishment of dharma from the mother's temple. Follow it, open the Malika.

► Watch this answer · 29:11 · 22 August 2021

Q_296 Please tell us about Ghatotkacha and the significance of Sambhal.

Answer: According to the scriptures, he was the son of Bhima. He did his work on the instructions of the Lord, and he had the Lord's blessing to make it a pilgrimage site. For our Hindus, it is a very important and the greatest pilgrimage site for devotees. And Ghatotkacha, on the instructions of the Lord and based on what he had asked for, the Lord made it a pilgrimage site. Now, Ghatotkacha will come again and meet Lord Kalki and will fight alongside India against all the countries of the world because his purpose was not completed... He will be with the Lord... and all of them will be with India... our Lord. There is no doubt about this.

► Watch this answer · 31:30 · 22 August 2021

Q_297 I want to do the Lord's work. How can I do it?

Answer: First, I will address this. Work for the Ajay Mandal, do some work for Sanatana Dharma. Join the Vishwa Sanatan Dharma group... become a member... there is a number, contact that number to get added to the list. And after that, work for Sanatana Dharma for the whole world. So, the devotees who will work... please wait, I am speaking... Please wait, I will answer.

► Watch this answer · 34:12 · 22 August 2021

Q_298 We have heard in the videos of Muslim clerics that Ghazwa-e-Hind will happen. During Ghazwa-e-Hind, no temple in India will be safe, they will convert Hindus to Muslims, there will be a lot of bloodshed, and they will break the idols in all the temples. Is this possible?

Answer: Regarding your second question... all the religions of the world... I am not talking about any one religion... [recites a verse]... meaning only one dharma will remain in the entire world. In this world... at the beginning of creation, there was Sanatana, and in the end, Sanatana will remain. In every era, Sanatana will remain. There is no scripture that says any religion other than Sanatana will have a place on earth. This Kali Yuga is ongoing, and people will quarrel, have conflicts, and fight amongst themselves. That is why there are many troubles and religions in the world. When Satya Yuga arrives, there will be only one caste, one religion, and one flag. Look, in India... I had mentioned this in the previous satsang as well... people are committing sins in India, and in every country of the world. The sinful people will fight amongst themselves, but nothing can be done to the righteous people. And another thing, nothing can happen to the devotees of Lord Kalki who are in the stream of the Malika. This is written in our scriptures. And those who stay with Lord Kalki's righteous association, in Sanatana Dharma, the Lord will protect them. The sinners, whether in India or anywhere in the world, will fight amongst themselves and die. This is how the battle will happen and the churning for dharma will take place. So, what they say has no meaning, no purpose. They present their views, but the scriptures and the one who created the world will establish Sanatana Dharma, and no other religion will remain on earth. Everyone should listen to this with open ears.

► Watch this answer · 34:19 · 22 August 2021

Q_299 When calamities like earthquakes happen, how will the devotees be saved?

Answer: It is written that the Lord will command Mother Earth, Mother Vasuki, to lift her head. When she lifts it, there will be earthquakes all over the world. At that time, wherever the devotees are, the earth will become like a mountain for them. Water, wind, and the five elements will not be able to touch them, and the devotees will be saved while the sinners will die. The second thing is, the Lord has come to save the devotees, hasn't he? He is the savior. Chant the name of Madhav. There is so much power in this name that it can crush a computer... it can neutralize atomic bombs. This is the power of the name. In the universe, this name... no matter how big the trouble, by chanting this name, one can be saved from floods, fire, earthquakes, and the five elements. The third thing is, we should also follow the path of righteousness. If we are not on the path of dharma, if we are unrighteous, the name will not work. Just as plastic has no electrical connection with iron, similarly, for a person of dharma who chants the name with truth, compassion, forgiveness, and purity, nothing will happen to them. Six districts of Odisha will sink into the sea, but the devotees will survive.

► Watch this answer · 42:52 · 22 August 2021

Q_300 I want to know, when will Lord Kalki go to the Padmanabhaswamy temple in Thiruvananthapuram to open the door that has never been opened?

Answer: Mother, you have asked a good question. Lord Kalki... the Swaminathan temple, which is a temple of Narayana... when will its door open? Look, mother, I will tell you one thing. If the Lord goes in his own form, in a human body, and opens it, then the entire south and all the countries in the south, all the people there will come to the Lord's refuge. And dharma will increase, and all sinners will also be saved. But the Lord has said he is here to save the righteous, to save the Gopis. In this process, both Gopis and sinners would be saved. So, what you have said... look, mother, I will tell you one thing. The temple of Lord Narayana, the Swaminathan temple, its door will open, and it is a direct path to Patal Lok (the netherworld). What will you get? Do you want to go to Patal? No, no, no. Then you will get... So, those who need to come from there will come, and the Lord will arrange for it. It is in the Lord's hands. The second thing is, the Lord will definitely go to the Padmanabhaswamy temple. Lord Krishna had also toured his region. That is the Lord's domain. And when the Lord goes, no one will know. Even if we find out, we will not tell because the Lord goes in secret. The Lord does not reveal his identity to everyone. He goes for darshan where there is devotion and glory. He does not give darshan to everyone; it is very secret. He will surely go, we also know that. But the day he goes, he will go like an ordinary human, and no one will be able to recognize him. But you follow the path of the Malika. And work for Sanatana Dharma. If you are a Gopi, a Kapi (monkey devotee), if your heart is pure and you think, 'Yes, I will be part of the establishment of dharma by Lord Kalki and Sanatana Dharma,' then work for it. The Lord will one day give you the fruit of your actions and purity. Wait for that time.

► Watch this answer · 45:43 · 22 August 2021

Q 301 Now, Krishna Janmashtami is approaching. Since the Lord himself has incarnated, how should we celebrate his birthday this time so that he may grant us his darshan soon?

Answer: For your second question about Krishna Janmashtami, thank you. In this life, along with the name of Lord Krishna, chant the name 'Madhav'. This is the most sacred name. Because Mother Bhagavati gave this name to Lord Krishna when he was born. First, Mother Bhagavati named him Madhav. But Garga Muni came and named the Lord Shri Krishna. This saddened the Mother. Mother Bhagavati asked the Lord, 'Prabhu, I named you Madhav, but your name has changed.' The Lord replied, 'Mother, I have kept this name for the salvation of devotees at the end of Kali Yuga.' Therefore... 'Shri Krishna' will be my name at the end of Kali Yuga and the beginning of Satya Yuga, and by chanting that name, devotees will be saved. So, celebrate his birthday, chant the name of Krishna. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:01 · 22 August 2021

Q 302 I don't understand this experience I had. What message does the Lord want to convey through it?

Answer: Look, meeting a pure devotee like you has filled my heart with emotion too. Tears are coming to my eyes as well. This is very good. This is a union of purity on earth, and I also feel great joy. And the most important thing, see, the residents of Mathura are the Lord's family. And you are... so in every era, you have met the Lord, and you will meet him in this era too. There is no question about it. See, the Lord's childhood leela (divine play) is going on right now. The Lord is Bal Govind (child Krishna). That is why the Lord is giving you darshan in the form of Bal Govind. He is conveying, 'In this form, this time I will fight with a bow, I will wage war, and I don't have a flute in my hand.' So, through the power of your purity and devotion... in this, the Lord is saying, 'See, I am working in this form, and you people should do my work. Work for the establishment of dharma. Explain to many people. Try to bring purity and sanctity to the earth.' And from you... this is the Lord's message. Jai. Jai Maa. Jai Jai Maa.

► Watch this answer · 51:54 · 22 August 2021

Q 303 Pandit ji, I want to know something about Chhatia Bata. In Puri, the deities are Jagannath, Balabhadra, and Subhadra. But in Chhatia Bata, Subhadra is not in the middle. What is the reason behind this?

Answer: Look, mother. In Chhatia Bata, the idols of Jagannath, Balabhadra, and Subhadra... they are on the samadhi (tomb) of Haridas Maharaj and later, Raghuvar Das and another saint who came. First, the idol of Jagannath Mahaprabhu was made over Haridas's samadhi. Later, the idols of those who passed away were made. So... the reason behind it... Look, Lord Kalki will not go to Chhatia Bata. The wooden forms of Jagannath, Balabhadra, and Subhadra will go to Chhatia Bata. A new temple will be built. The Rath Yatra (chariot festival) will happen there. The king and queen of Rutchi will organize the Rath Yatra of Jagannath there. But Lord Kalki will go to Barchana. [Recites verses from Malika]... Mahapurush Achyutananda has written this. The four-fold idols of Jagannath will be at Chhatia Bata. At that time, at Dashashani... understand this well... Dashashani is where the Baitarani river is. At Dashashani Ghat, ten thousand Brahmins had performed a yajna... that is why it is called Dashashwamedh Ghat, on the banks of the Baitarani river. And when Lord Jagannath comes from his kshetra (domain) to Chhatia Bata, at that time the devotees... the devotees will carry Lord Kalki on their shoulders to the village of Barchana. After the worship, the Lord will say... Mahapurush Achyutananda has written this... near Barchana, the Lord will say, 'I will stay here.' Why won't he go? The Lord will say,

'Jagannath, Balabhadra, and Subhadra are being worshipped there. Out of respect for them and the devotees' sentiments, I will not cast my shadow there today. I will stay in Barchana.' And from Jajpur to Barchana and from Haridaspur to Barchana, it will become a sea, and a huge gathering will take place there, where lakhs of devotees will eat. And from that time, Lord Kalki, as Nand Kishor, Anand Kishor, will establish dharma in the world. He has also mentioned this. So, Lord Kalki will stay there. The festival will be at Barchana, not at Chhatia Bata. The Lord will meet with his devotees in Barchana and will do the work of establishing dharma. And some people will... okay, mother?

► Watch this answer · 54:04 · 22 August 2021

Q_304 I am a great devotee of Sai Baba. What is written about him in the Malika?

Answer: Listen. India is the land of gods, the land of saints. And many saints, thousands of saints, have incarnated on this earth and have done their work. [Recites a verse]... In this world, people... and for them, the Lord is Jagannath, Vishnu, Ram, Krishna. Besides them, there is no other. According to the tradition of our Hindu dharma, according to the Srimad Bhagavatam, the Lord's incarnations are for establishing dharma. And in Kali Yuga, there are three incarnations. The first incarnation of the Lord, the second is Lord Buddha, and the third is Lord Kalki. Besides this, nothing else is written in the scriptures. And whatever else is written... I won't take the name you mentioned because taking names also violates our dharma and tradition. So, I respect all saints and sadhus in the world. I respect your words and your feelings as well. But mother, in this world, there is no one besides the Lord who can grant salvation. That's the first thing. The second thing is, what is written about them... if I say it, you will not like it. Someone had asked this question. If I say what is written, you will not feel happy. You will feel, 'Why is he saying this?' So, what is bad and what people will not like, I do not say. But it is written. If you say so, I will send you a copy. I will tell my people, and you can analyze what is written. Okay, mother?

► Watch this answer · 59:47 · 22 August 2021

Q_305 My question is, can we meet Lord Kalki by chanting the Hare Krishna Mahamantra?

Answer: To purify the mind, chant the Hare Krishna mantra, and also chant the name 'Madhav' for some time. This is necessary. He is one form, one avatar, but the names are different. 'Hari is infinite, his stories are infinite.' He is one form, but has infinite names. The name 'Krishna' will also remain, but 'Madhav' is necessary for this era. So, for this era, chant the name 'Madhav'. Do this work.

► Watch this answer · 01:02:58 · 22 August 2021

Q_306 Where will the center of dharma be established in Rajasthan? You mentioned earlier that Hanuman ji will establish one in Rajasthan.

Answer: First, I will answer the first question. Look, many of Lord Kalki's devotees are in every corner of Rajasthan. It is a pure and sacred land, and it also has the blessings of Hanuman ji. When dharma is established, Hanuman ji will go to protect the Lord's devotees. He will save the devotees who are trapped. And the remaining devotees will be brought to Lord Kalki for surrender. It is a sacred land, every particle is pure, and the people are also very good.

► Watch this answer · 01:03:46 · 22 August 2021

Q 307 I work in the IT industry and interact with foreigners. I was thinking about how I could propagate this Malika in English, perhaps by creating a website. How can I be helped in this work?

Answer: Look, son. We propagate the Malika in Hindi. It is not propagated in English. We can also speak English, but there is no instruction from the Lord to propagate it in English. I had spoken to the Lord about this. He said that some people who are pure will be saved. But the sinners who kill cows daily... there is no other way but to propagate in India. Cow slaughter happens in India too. Sin happens in India too. But we have no choice. If it is not propagated in Hindi, how will the devotees know? The sinners will also listen. But we are not propagating for the sinners; we are propagating for the righteous. If it is propagated in English, it will directly reach the cow-killers. Because they are emotional, many people might change. So, if there is someone who is a saint, a gentleman, someone pure, who wants to become a vegetarian... if you are completely confident that they will become vegetarian and follow our path, then there is a way for them. Do that much and work for Sanatana Dharma. Because all the countries in the world will become small islands. Some devotees will remain there. But India will remain Akhand Bharat (undivided India). The India that will remain will include China, Pakistan, Afghanistan, Baluchistan, and Sri Lanka, forming a very large, undivided India. And other countries will be small islands. So, follow the path of the Malika. For the devotees and saints in India who follow Lord Krishna, it is important to reach them as much as possible, because Krishna is Kalki. It is necessary to reach them because India is a divine land, and there are many devotees in India who are unaware or are trapped with gurus on the wrong path. Save them. That will be better. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:03:58 · 22 August 2021

Q 308 The prophecies say that one should not eat non-vegetarian food, meat, alcohol, etc. Is there anything similar written about onion and garlic?

Answer: There are three types of food: Rajasic (passionate), Tamasic (ignorant), and Sattvic (pure). Onion and garlic are not considered Sattvic; they are Rajasic. They create heat in the body. They are not used in offerings to the Lord. They are completely Rajasic. And the food that is made with ghee and other rich ingredients, which kings used to eat, is also Rajasic. Tamasic food is that which involves the killing of living beings. So, you can eat onion and garlic when you are outside, son, there is no problem. It comes from Mother Earth; it is not from any animal. But it is stimulating and is not used in our temples. It is not used in pure monasteries and temples. It will not be used in Satya Yuga. But for now, if there is a problem, you can eat it. But do the work of dharma. Read the Bhagavatam daily. To be saved, this is the biggest medicine for devotees to get deliverance from sin and the coming destruction of Kali Yuga. The Srimad Bhagavatam is the first path. Second, perform Trisandhya (prayers at three junctures of the day), chant the name of Madhav. Chant the Dashavatara Stotra. And always donate something to the poor, the sad, and animals, every day. It is necessary. Whether it's 10 rupees or 5 rupees, or donate something from your own food. And make one person a vegetarian. It is written in the scriptures that if a person makes one person a vegetarian, they get the fruit of ten yajnas (sacrificial rituals). A person cannot perform ten yajnas in their life because it requires a lot of money, you won't find good Brahmins, good ghee, or such a pure environment. It takes a lot of effort. But by making one person a vegetarian, you get the fruit of ten yajnas in your own home.

► Watch this answer · 01:07:54 · 22 August 2021

Q 309 I am associated with the Gayatri Parivar, founded by Pandit Shriram Sharma Acharya. What is their role, and will they meet Lord Kalki?

Answer: This is very good. See, we also chant the Gayatri mantra daily. The Gayatri mantra is the primary stream of Hindu Sanatana Dharma. Before reading the Srimad Bhagavatam or any scripture, we invoke Mother Gayatri. This is the first stream of Sanatana Dharma, and it is necessary for all devotees. However, in the Gayatri organization, only the chosen devotees, those who were Gopis, will meet Lord Kalki, not everyone. Because there are also people with desires, selfish people, curious people, and argumentative people. And we don't know who is doing what good work. It is only written in the Malika that from every dharma, every path of purity... Gayatri dharma is a part of our Sanatana Dharma. There is nothing wrong with it. But the point is, not everyone will meet the Lord because not everyone is entitled to it. Those who are entitled will have to follow the path. You will have to follow the Vedic stream and the Malika, the formless words given by Lord Kalki, to go to Satya Yuga. You can chant the Gayatri mantra, perform Gayatri yajnas, it is good for the world. But the position we are heading towards, they will have to work accordingly.

► Watch this answer · 01:10:58 · 22 August 2021

SESSION 16 · QUESTIONS 310–340

L16.1 सुधर्मा महा महासंघ के आभिमुख्य और विश्व सनातन धर्म की प्रतिष्ठा

Date: 29 August 2021 · Watch the full session ↗

Q 310 You had mentioned that Muslim countries will unite to fight and bombs will explode. Is what is happening now in Kabul, Afghanistan, the beginning of that?

Answer: I did not say that; it is written in the Malika. Yes, what is happening now is the beginning, the start of the establishment of Dharma (Dharma Sansthapana). And in the end, the sinners will be destroyed. Those who commit sins and injustice will be destroyed. This is a warning for all countries, for the entire world.

► Watch this answer · 01:54 · 29 August 2021

Q 311 You had mentioned that the Lord was not born in 2005. So, did he come alone, or did he come with his sister Subhadra and brother Balabhadra? And will he perform his functions at this age?

Answer: That is a very good question. In this era, according to our Srimad Bhagavatam, Mahabharata, all scriptures, and especially the Malika, the power of Balabhadra will reside within the body of Lord Kalki. Both Lord Balabhadra and Lord Jagannath will come in one body in the Kalki avatar.

► Watch this answer · 03:14 · 29 August 2021

Q 312 Is there any way to meet him? I have joined the Vishwa Sanatan Dharma to meet him.

Answer: Yes, we are here. It is your good fortune to be in Sanatan Dharma. Stay connected. When the time comes, and when the instruction is given for you to meet him, it will happen.

► Watch this answer · 04:01 · 29 August 2021

Q 313 At what age will Lord Kalki begin the establishment of Dharma?

Answer: The great sage Achyutananda has written in the Bhavishya Malika that when Lord Kalki turns 13, he will begin to think about establishing Dharma in the entire world. From the age of 13 to 25, he will complete this work. I can tell you that, according to the scriptures, the Lord turned 13 in the year 2020. The great sage Achyutananda wrote that when the Lord turns 13, many problems and a war-like situation will arise in the world. This will be the sign that the Lord's work of establishing Dharma has begun.

► Watch this answer · 04:33 · 29 August 2021

Q_314 Is this work related to Patna?

Answer: Look, it will involve the entire world, not just Patna. It will be with Bihar, with Akhand Bihar (undivided Bihar), and with the whole world. Lord Kalki will be the one ruler; he will rule the entire world. And in every state, his devotees will become kings. The monarchy will be restored.

► Watch this answer · 05:41 · 29 August 2021

Q_315 In the Srimad Bhagavatam, when Uddhava visits the Gopis, all their names are mentioned, but Radha Rani's name is not. Why is that?

Answer: Your question is about a very sacred text. Maharani (Radha Rani) was a part of God, created from the essence of both Prakriti (nature) and Purusha (consciousness). When Uddhava, a devotee of the Lord, came to meet the Gopis, all their names were mentioned, but Mother's name was not. This is because Mother is always with the Lord in his divine plays (leela) in Vrindavan every day. There was no need for her to come separately. Their connection is inseparable and eternal. There is no doubt about it. That is why her name was not mentioned in that context.

► Watch this answer · 06:39 · 29 August 2021

Q_316 When I read the Bhagavatam, I feel like I am remembering a past life. What does this mean?

Answer: This is the stream of your devotion, and this feeling you have is a sign of the highest purity. We bow to that feeling. It is very good that you are connected with God in this way, in your mind and heart. You will receive the Lord's blessings, there will be satsang (spiritual discourse), and after reaching the Satya Yuga (Age of Truth), the Lord will begin his work. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 08:17 · 29 August 2021

Q_317 How can one gain personal experience of these spiritual truths, beyond just reading about them in the scriptures?

Answer: This is your own experience within your devotion. Only those who know can truly understand this. The scriptures are proof, and everything is written in them. But until we have a personal experience, we cannot completely surrender in the Lord's remembrance and faith. Those who have deep devotion and have been with the Lord in their own experience have felt this many times. If you also follow this path continuously, you too can have this experience. This stream of devotion doesn't come from just speaking; it comes from one's own inner feeling. So, follow it, and when the time comes, you will also have such feelings and you will also know. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:25 · 29 August 2021

Q_318 In what form is Radha Rani present in this age?

Answer: In nature, Mother Radha Rani, who is Yogmaya (divine illusory power), is also Mahalakshmi, Mahakali, and Mother Saraswati. In this birth, she is an aspect of Mata Vaishno Devi. In the form of Mahalakshmi, she will perform her divine play (leela) with Lord Kalki. In the Dvapara Yuga, she was Radha Rani, and in the Kali Yuga, she is Mother Mahalakshmi, who will be with Kalki. Okay, son. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:01 · 29 August 2021

Q_319 How can one join the Sudharma Mahasankha (the great assembly of dharma) and be with the Lord?

Answer: Look, son, we propagate Sanatana Dharma, and devotees join our organization. Coming to the Lord is very easy, but staying with the Lord is very difficult. Those who endure and remain in faith and devotion will be able to become members of the Sudharma Mahasankha. This will happen when the time comes, and you can reach that place through your own devotion. It depends entirely on you, not on us. Jai Jagdamba.

► Watch this answer · 11:46 · 29 August 2021

Q_320 Has the incarnation of Radha Rani already happened, or is it yet to happen in India?

Answer: In the form of Mother Radha Rani, as Mother Mahalakshmi, it is written in the Malika that she will be born in the Jagannath Kshetra (the region of Jagannath Puri), and this has already happened.

► Watch this answer · 13:41 · 29 August 2021

Q_321 Since Radha Rani, who is Mother Lakshmi, has been born, what is her name now?

Answer: The great sage Achyutananda has written her name as Mata Mahalakshmi, and it will remain Mahalakshmi. This is because the Lord who is coming this time is Lord Vishnu himself, the resident of Vaikuntha. There will be a union of Vishnu and Mahalakshmi, and her name will be Mahalakshmi.

► Watch this answer · 14:08 · 29 August 2021

Q_322 The people who are destined to meet Lord Kalki, will they start meeting him in a few years?

Answer: I do not know the exact timing, but it is certain that one day, you all will meet the Lord.

► Watch this answer · 15:00 · 29 August 2021

Q_323 Could you please extend the duration of this satsang (spiritual discourse) to be a little longer than one hour?

Answer: I will try. I respect your wish and will do my best. If God is merciful, we can extend it.

► Watch this answer · 16:06 · 29 August 2021

Q_324 Can you tell us something about celebrating the Lord's birthday?

Answer: About the Lord's birthday... Look, mother, you should continue your work in the Vishwa Sanatan Dharma and communicate with the Lord silently in your heart. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:53 · 29 August 2021

Q_325 When will the great yagya (fire sacrifice) take place?

Answer: Look, son, the time for the great yagya has been written by the great sage Achyutananda in his text 'Neelkanth'. This event will take place between the years 2020 and 2029. For some events, the great sage did not specify the exact time, but this yagya is known to happen during the period of the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 17:52 · 29 August 2021

Q_326 I don't know how to read Hindi. You advised reading the Srimad Bhagavatam, so how can I do that?

Answer: Keep the name of Madhav in your mind and chant it. The Srimad Bhagavatam is available in many languages. It is written in English, Hindi, and many other regional languages. You should find and get a copy in your language. It is necessary to read it; it will be very beneficial for you. You will find it. If not, we can connect you with some people who can help you get a copy.

► Watch this answer · 19:04 · 29 August 2021

Q_327 Who will be the Lord's guru in this lifetime?

Answer: In this birth, the Lord's guru will be Parashuram ji.

► Watch this answer · 20:39 · 29 August 2021

Q_328 How will we or anyone in the world know about his guru, Parashuram?

Answer: Look, Lord Parashuram currently resides in a human body on the Mahendrachal mountain. However, it is not easy for you or anyone else to have his darshan (divine sight). If anyone were to see him, they would not survive, because it is impossible for an ordinary human to behold his divine body. But, when the Sudharma Sabha (Assembly of Dharma) is established with Lord Kalki, he will grant divinity to his devotees. Then, you will also be able to have Parashuram's darshan.

► Watch this answer · 21:13 · 29 August 2021

Q_329 Will Lord Kalki get married to Mahalakshmi?

Answer: Yes, the marriage with Madhav (Kalki) will definitely happen. In a previous era, Lord Ram had promised Mata Vaishno Devi he would accept her if she could recognize him in his next incarnation, but she was unable to due to his divine illusion, as her role in the Kali Yuga was still pending. Before the Sudharma Sabha is formally seated, Lord Brahma himself will come to the Lord's ashram and initiate the wedding ceremony. Lord Mahadev and Goddess Durga will also be present, along with a few chosen devotees. This is written in the Malika.

► Watch this answer · 22:21 · 29 August 2021

Q_330 We celebrate Janmashtami as Lord Krishna's birthday, and since Lord Kalki is the same as Lord Krishna, will devotees also celebrate Lord Kalki's birthday?

Answer: Yes, devotees will celebrate Lord Kalki's birthday. After the Sudharma Mahasabha (great assembly) is established, the Lord's birthday will be celebrated throughout the entire world. Now is not the time, as devotees have not yet fully joined with the Lord. But when the time comes, son, it will be celebrated all over the world.

► Watch this answer · 24:03 · 29 August 2021

Q_331 What is the Lord's favorite food?

Answer: Regarding the Lord's food, it is written in the Srimad Bhagavatam that whatever you offer with devotion is accepted. If someone offers a grand feast with millions of dishes, the Lord accepts it. And if a devotee offers just a flower and some water with love, the Lord accepts it like nectar. So, what can we truly offer Him? If you give even a little something with devotion, that becomes the best food for him. He has no particular favorite. What is truly dear to him is when a true devotee surrenders something to him with devotion. The Lord becomes eager to accept that offering. That is the main point.

► Watch this answer · 25:30 · 29 August 2021

Q_332 You have said that many of the current spiritual storytellers and gurus are using the Vedas and Puranas to sell dreams and build empires. How can we identify who is genuine among them?

Answer: Look, son, Tulsidas Maharaj wrote in his Ramcharitmanas that in the Kali Yuga, many so-called saints will appear. They will not be real saints but people disguised as them. They will spend a lot of money to create their own version of religion and will be engrossed in worldly desires, while telling others to be detached. What is the true sign of a saint? It is to live righteously. As for the many saints in the world today, Lord Kalki himself will judge who is good and who is bad when the time comes. It is not right for us to comment on this, as it is not within our authority.

► Watch this answer · 26:35 · 29 August 2021

Q 333 Should we donate to anyone, for instance, to gaushalas (cowsheds) or other causes run by people who seem to be very wealthy themselves?

Answer: Oh son, the one who takes donations for cowsheds drives a Mercedes car worth 10-15 million rupees. They use expensive phones and glasses, spending lavishly. What can I say? How can people who drive cars worth millions be called saints?

► Watch this answer · 28:48 · 29 August 2021

Q 334 Will I get to meet the Lord?

Answer: You will meet him through your devotion, mother. Remain in devotion, stay in Sanatana Dharma, and when the time comes, if you are a good and true devotee, you will surely meet him. To wait patiently for the right time is the greatest duty. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:41 · 29 August 2021

Q 335 Does performing spiritual practices at a specific time, place, and posture yield greater benefits?

Answer: Look, your question pertains to a specific guru's tradition, so I will not comment on that directly. But I will say this: God is omnipresent and manifests through love. He has said, 'My devotee can be anywhere—under a tree, in a secluded place—if they worship me with devotion, I manifest and come to their aid.' For God, there is no specific vessel or time; His nature is infinite. The Lord is attained through devotion. You will receive the Lord's darshan and a place with him according to the purity of your devotion. However, if you follow a guru's tradition, you should continue to honor it. I will not speak further on that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:22 · 29 August 2021

Q 336 As you suggested, I have started reading the Bengali translation of the Bhagavata Mahapurana. It is written in the text that by reading it, all of one's sins are washed away. Is this true?

Answer: That is a very good thing. This transformation will make you all into saints and great souls. But the key is this: from the day you start reading the Srimad Bhagavatam with all your heart, you must ensure that you do not knowingly commit any act that violates dharma. Maintain that resolve. The text you are reading is the most sacred. If you read it with the purity and truthfulness that I am describing, your life will become meaningful. You can even reach the Satya Yuga, and in the end, you will attain a very good destination. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:51 · 29 August 2021

Q 337 How does God choose His devotees? If a human were to choose, they would have certain criteria, but it is said God's ways are different and He accepts everyone, even those who might seem unworthy by human standards. How should we understand this?

Answer: God does not choose based on a human mindset. If we think like humans, we will be mistaken. The Malika says, 'What is day, what is night, what is my business? I have crores and crores of such devotees.' One must abandon their ego. The sin of killing and eating meat can be absolved through the combination of knowledge (gyana) and devotion (bhakti). The Lord's considerations are based on this, and He is the one who makes the devotee.

► Watch this answer · 33:39 · 29 August 2021

Q 338 Will the Lord come to Kangra district in Himachal Pradesh?

Answer: The Lord already traveled to Himachal in 2018. I don't know exactly how many places he visited, but he has already been there and will probably not go again. He might go during the establishment of Dharma, but if he goes at that time, you will only see fire; you will not be able to see his divine form. If you are seated in the Sudharma Mahasankha (great assembly), you can connect with Lord Kalki through it and have the darshan of his divine body.

► Watch this answer · 35:44 · 29 August 2021

Q 339 How can I meet the Lord? You say to chant his name, but how should I do it properly?

Answer: You should stay connected with the Sudharma Mahasankha, in the true Sanatana Dharma. When the time comes... I always say this: whoever was a devotee of the Lord in the Satya or Dvapara Yugas, if they are that same soul, they will surely meet the Lord and work in the establishment of Dharma. If you are such a person, you will surely get the opportunity. Chant the name of Krishna, and chant the name of Madhav during the trisandhya (three times a day: dawn, noon, dusk). Always chant his name internally.

► Watch this answer · 36:41 · 29 August 2021

Q 340 Can we get the Lord's bhajans (devotional songs) on WhatsApp?

Answer: The bhajans are written in Odia. You can also write bhajans yourself in Hindi with the name 'Madhav'. You can write them and listen to them. You see, the Lord's work is not widely publicized; the establishment of Dharma is happening in secret, so there won't be much publicity like with modern saints. This is the Lord's work, and it will be done secretly with his devotees. Just follow the path I am showing you. If you want the bhajans on WhatsApp, speak with Mohit, whose number you have. He can provide you with the Odia bhajans or even write them for you in Hindi so you can sing them.

► Watch this answer · 38:29 · 29 August 2021

SESSION 17 · QUESTIONS 341–354

L16.2 सुधर्मा महा महासंघ के आभिमुख्य और विश्व सनातन धर्म की प्रतिष्ठा

Date: 29 August 2021 · Watch the full session ↗

Q_341 Why was the Sudharma Mahasangha created? What is its purpose?

Answer: This is described by Mahapurush Achyutananda in the Bhavishya Malika. When Lord Kalki takes his avatar on earth, the first thing he will do is establish the Sudharma Mahasangha. He will entrust his devotees with the responsibility of propagating its message and gathering true devotees. Unlike other religions and sects where founders preach themselves, the Lord will not preach directly. Instead, he will do so through his devotees and according to the Malika scriptures. The Sudharma Mahasangha will be formed two years after the Lord's incarnation to unite all his devotees across the world. Its purpose will be to gather devotees from all over India and the world and to propagate the principles of truth, peace, compassion, forgiveness, and the path of the Satya Yuga (Age of Truth). All of Lord Kalki's devotees will be connected through the Sudharma Mahasangha. This assembly existed in previous eras like the Dvapara, Treta, and Satya yugas, and it will be established again in this era.

► Watch this answer · 02:23 · 29 August 2021

Q_342 What is the qualification to become a member of the Sudharma Mahasangha?

Answer: The single greatest qualification is devotion (bhakti). People who are wealthy, knowledgeable, powerful, or hold high positions will not be made members simply on that basis. The sole purpose of the Sudharma Mahasangha is to unite the Lord's devotees from all over the world; it has no other motive. Mahapurush Achyutananda has written about the number of these devotees. Out of the world's 8.4 billion people, only 3,000 devotees will become direct representatives of the Sudharma Mahasangha. These 3,000 will be the ones who follow Lord Kalki's orders and carry forward the work of establishing dharma (righteousness) in India and the world.

► Watch this answer · 07:27 · 29 August 2021

Q_343 So, who will attain the Lord? Who will meet the Lord?

Answer: Mahapurush Achyutananda has written that those who were devotees of the Lord in the previous eras of Satya, Treta, and Dvapara will get an inner calling or a 'scent' (feeling) that the Lord has arrived and His organization is being formed, and that they must join it. This urge will arise from within their own hearts, and they will join on their own accord; they will not need to be persuaded or brought in. The Sudharma Mahasangha has already been formed. All devotees should join the Vishwa Sanatan Dharma, and those who perform good deeds and are deemed worthy by the Lord will then be inducted into the Sudharma Mahasangha.

► Watch this answer · 11:39 · 29 August 2021

Q 344 Many people ask: Since death is certain and inevitable, what actions must we perform before we die so that we can reach Vaikuntha (the Lord's abode) and make our lives meaningful?

Answer: In the coming times, there will be great calamities. The sea will cross its shores and kill many people, there will be tsunamis, earthquakes, pandemics, famines, and droughts. The effects of the five elements will intensify. During such a time, there is no other option for us but to take refuge in the Lord. Therefore, the purpose of propagating the message of the Malika is for the salvation of the saints, the good people, and those who love the Lord. It is for them, so that they may be saved, understand the message of the Malika, and through it, be able to reach the Lord's abode.

► Watch this answer · 13:02 · 29 August 2021

Q 345 You mentioned that the events in Kabul, where leaders are becoming uncontrollable, are a beginning. Is this truly the beginning?

Answer: Yes, this is the beginning. It is the beginning of the establishment of dharma (righteousness). And in the end, the sinners will also be destroyed. Those people who commit sins and injustice will be destroyed. This is a warning for all countries, for the entire world.

► Watch this answer · 15:29 · 29 August 2021

Q 346 You mentioned that the Lord will not come alone but will be accompanied by his sister Subhadra and brother Balabhadra in this era. Could you elaborate on this?

Answer: That's a very good question. In this era, according to our Shrimad Bhagavatam, Mahabharata, all scriptures, and especially the Malika, the power of Balabhadra will reside within Lord Kalki's body. Both Shri Balabhadra and Shri Jagannath (Krishna) will come in one single body in the Kalki avatar.

► Watch this answer · 16:31 · 29 August 2021

Q 347 Is there any way to meet the Lord?

Answer: To meet the Lord, you should join the Vishwa Sanatan Dharma. You must join. When the time comes, you will receive His grace. We have to wait for the right time, because when the Lord gives the command, then you all will be able to meet Him.

► Watch this answer · 17:18 · 29 August 2021

Q 348 When will Lord Kalki begin his mission of establishing dharma?

Answer: Mahapurush Achyutananda has written in the Bhavishya Malika that when Lord Kalki turns 13 years old, he will think about revealing himself to the entire world. From the age of 13 to 25, he will complete the work of establishing dharma. I have stated that according to the scriptures, the Lord turned 13 in the year 2020. And as Mahapurush Achyutananda wrote, when the Lord turns 13, many problems and a war-like situation will arise across the world. This will be the sign that the Lord has begun his work of establishing dharma.

► Watch this answer · 18:01 · 29 August 2021

Q 349 Will Lord Kalki have any connection with Patna?

Answer: Look, he will have a connection with the entire world, not just with Patna or Bihar. Lord Kalki will be the ruler of the entire world. He will govern the whole world, and in every state, his devotees will become the kings. The system of monarchy will return.

► Watch this answer · 19:08 · 29 August 2021

Q 350 In the Shrimad Bhagavatam, when Uddhava comes to meet the Gopis, the names of all the Gopis are mentioned, but Radha Rani's name is not. Why is that?

Answer: Look, your question is very sacred. Mother Radha Rani was an aspect of the Lord himself. She emerged from the infinite essence of both Prakriti (nature) and Purusha (consciousness). Uddhava was a devotee of the Lord. When he came to meet the Gopis, all their names were mentioned, but the Mother's name was not. This is because the Mother is always with the Lord in his divine play (leela) in Shri Vrindavan. What was the need for her to come to Uddhava? There was no need, because the connection between the Mother and the Lord is indivisible and eternal. There is no doubt about it. That is why her name was not mentioned.

► Watch this answer · 20:06 · 29 August 2021

Q 351 (The questioner shares a personal spiritual feeling or experience related to the Lord.)

Answer: Yes, this is the stream of your devotion, and this feeling that you are having is the highest form of purity. We bow to that as well. It is very good. Continue to be connected with the Lord in this way in your mind and heart. You will have his company in satsang (spiritual gathering), and upon reaching the Satya Yuga, you will again be engaged in the Lord's work. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:43 · 29 August 2021

Q 352 You speak of these things, but how can we believe them? While the scriptures provide proof, how does one gain personal experience and conviction?

Answer: What you are saying is very good. But see, this is about one's own devotion and personal experience. Only those who truly know can understand these things. The scriptures and Puranas have written everything, and proof can be found there. But until we have devotion and personal experience, we cannot completely take refuge in the Lord with full faith. Those who have devotion and experience, who have been with the truth in their own realization, have already experienced this. If you also follow this path continuously, you can also gain that experience. This is a stream of devotional feeling; it won't happen just by talking about it. It comes from one's own realization and personal feeling. So, follow the path, and when the time comes, you too will have this realization and will be able to know. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:31 · 29 August 2021

Q 353 What is Radha Rani's form or role in this current age (Kaliyuga) with Lord Kalki?

Answer: That's a very good question. Look, Mother Radha Rani is Yogamaya (the divine creative power). She is also Mahalakshmi, Mahakali, and Mahasaraswati. In this birth, she, as an aspect of Mata Vaishno Devi and in the form of Mahalakshmi, will perform her divine play (leela) with Lord Kalki. In the Dvapara Yuga, she was Radha Rani, and in the Kaliyuga, she will be Mata Mahalakshmi with Kalki. Okay, son. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:31 · 29 August 2021

Q 354 We are involved in propagating Sanatan Dharma. How can we become members of the Sudharma Mahasangha?

Answer: Look, Baba, we propagate Sanatan Dharma, and devotees join this organization. Coming to the Lord is one thing, but staying with the Lord is very difficult. Those who remain, who stay steadfast in their faith and devotion, they can go on to become members of the Sudharma Mahasangha. But this will happen only when the time comes, and you can reach there through your devotion.

► Watch this answer · 25:15 · 29 August 2021

SESSION 18 · QUESTIONS 355–385

L17 भक्तों का एकत्रीकरण कहां होगा? और कल्कि भगवान के साथ कैसे भेट होगा?

Date: 05 September 2021 · Watch the full session ↗

Q 355 Guruji, I wanted to ask, you said the great cataclysm (pralay) will come. Will it also affect the devotees in Jammu and Kashmir?

Answer: Look, son, whether it's Jammu and Kashmir, Mount Abu, Badrinath, or any other landmass in the world, the effect of the cataclysm will be felt everywhere. Specifically in the Kashmir region, there will be the impact of communal violence, earthquakes, war, and floods. So, don't worry. Follow the Malika and chant the Lord's name. This is the most important thing for us at this time. Okay?

► Watch this answer · 12:52 · 05 September 2021

Q 356 My family members don't believe. When I tell them they should perform prayers and worship, nobody listens. What should I do?

Answer: If no one listens, it is not necessary to tell them, because not everyone is destined to receive this nectar (amrit). This nectar is only for a few people. So, do not tell them. Focus on improving your own stream of karma. If someone doesn't listen, it's not necessary to tell them, as this violates the principles of our Malika. So never tell those people. Do what you need to do, there is no problem, and continue on your own path. Jai Jagannath. Jai Shri Radhe Radhe.

► Watch this answer · 14:44 · 05 September 2021

Q 357 Pandit ji, I wanted to ask one thing. I saw a video in which you were conducting a satsang, and there was a poster behind you with a photo of Kalki ji and a boy. What is that about?

Answer: Look, son, I understand. I want to say one thing. See, I have been working on the Malika and for Lord Kalki for a long time. I am working according to the tasks assigned to me by Lord Kalki. You are fortunate to have seen that. It's very good. If your heart's purity and your mind accept it, son, then follow it. That is what is good for you. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:38 · 05 September 2021

Q_358 During the time of Dharma Sthapana (establishment of righteousness), what kind of cataclysm will happen in Rajasthan? Will it be the element of fire, or will there be an atmosphere of war? Which will have a greater impact on this land?

Answer: Look, in the coming times, Rajasthan will become green. That's the first thing. The desert area of Rajasthan will also be transformed. With the end of Kali Yuga and the beginning of Satya Yuga, all these changes will be visible. It will be like an ocean; it will rain for days, creating a sea. Similarly, in Rajasthan, there will be floods (jal pralay), fire cataclysms (agni-pralay), war (yudh ka pralay), and earthquakes (bhukamp ka pralay). All of these will continue to happen. But for the devotees to be saved, follow the path I am showing. Okay, son? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:56 · 05 September 2021

Q_359 How will Lord Kalki get his horse, and where is it now?

Answer: It is written about this in the Malika. When Lord Kalki sets out to establish dharma, the world's population will have already been reduced by about 70%. At that time, to assist Lord Kalki, all the gods, along with Lord Indra, will present him with a horse named Baikuntha. This horse will roam the skies, traveling all over the world, carrying the Lord as he works to establish dharma. Okay, son? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:10 · 05 September 2021

Q_360 Pandit ji, my question is, as you mentioned in today's introduction about the Khandagiri area, can we also call Khandagiri by another name, the Jalu region?

Answer: Yes, that's right. The Jalu mountain is there, and some sages and saints are chanting the Lord's name there. But regarding Khandagiri, Mahapurush Achyutananda has clearly described it. He narrated that the meeting will happen at Khandagiri, saying, 'Ekathara hoibe Khandagiri paase, ananta murti darshana karibe anayase,' which means, 'They will gather near Khandagiri and will effortlessly see the infinite form.' It is Khandagiri and nothing else. It is in the Ekamra Kshetra. The meeting of devotees and God will happen there in that manner. So follow what is said about this. Regarding the other place, when the time comes, you will meet God.

► Watch this answer · 19:13 · 05 September 2021

Q_361 Please tell us something about the Hirakud Dam.

Answer: That is a very good question. Regarding the Hirakud Dam, Mahapurush wrote that one day Hirakud and Paradip will merge. Paradip is a port in Odisha's Jagatsinghpur district, located on the sea. A day will come when the sea and Hirakud will meet. This will happen when China and Pakistan launch missiles at the Hirakud Dam, causing it to break. As it is written, 'Shatru dwara bhanga heba, Odisha ra chha jilla jala re budiba,' meaning, 'It will be broken by the enemy, and six districts of Odisha will be submerged in water.' India's largest dam, built by modern scientists in Sambalpur, will break due to missiles fired by enemies, China and Pakistan. Its water, combined with the sea, will submerge six districts of Odisha. There is no doubt about this. This is going to happen in the coming days. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:13 · 05 September 2021

Q_362 In the Bhavishya Malika, there is a mention of Shri Shri Anukul Thakur Ji. Please tell us what is written about him. Thank you.

Answer: This is a very good question. Regarding Anukulchandra, Mahapurush Achyutananda has written with great joy and sanctity. He wrote that he will be born in the state of Bihar and will propagate dharma throughout India and the world. He will bring salvation to many devotees and will do good work. It is also written that many people will worship him as a supreme guru and a divine person. Many good things are written. Okay, son? Jai Mata Di.

► Watch this answer · 23:31 · 05 September 2021

Q_363 I wanted to ask, if missiles are fired at India, how will the Hirakud Dam break? Won't divine power neutralize them?

Answer: It is written in the scriptures that modern weapons of war will be neutralized by the grace of God and the prayers of devotees. That is absolutely correct. But if there is no destruction, then how will the sinners in India, Odisha, and elsewhere be destroyed? If the Hirakud Dam doesn't break, how will the demons be annihilated? Those who harm their parents, eat meat and fish all day, commit heinous acts, fight with people, commit sins, don't believe in God, violate the Vedic path, and speak with arrogance instead of seeking God's refuge—they have to be destroyed, right? So this is the path of destruction. But for the devotees, there will be nothing to worry about. Okay, son?

► Watch this answer · 24:39 · 05 September 2021

Q_364 How will people get food? Where will they do farming after such destruction?

Answer: The devotees will be saved, son. The sinners will be destroyed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:53 · 05 September 2021

Q_365 King Virat had a very close relationship with Lord Krishna. Is there any description in the Malika about him in the present time?

Answer: All those who were devotees of the Lord—not just Virat, but also the five Pandavas, Satyaki, the 500 Balbirs, and all other devotees—have all taken birth on Earth. They will all meet with Lord Kalki. They will be introduced through the Sudharma Sabha during the establishment of dharma. Okay, son? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:24 · 05 September 2021

Q_366 Where has King Virat taken birth?

Answer: Look, son, millions like King Virat have taken birth on Earth. God, according to His plan, will bring them forward.

► Watch this answer · 27:09 · 05 September 2021

Q 367 Pandit ji, my question is about politics. I have seen that the four symbols of Lord Vishnu—conch (shankh), discus (chakra), mace (gada), and lotus (padma)—are used as symbols by political parties. The conch, discus, and lotus have been used, but the mace has not. When its symbol is used, could you please shed some light on it?

Answer: They do use it. The Bajrang Dal.

► Watch this answer · 28:10 · 05 September 2021

Q 368 How can we feel or experience that we are true devotees, that we are on the right path, and that we are also the devotees from the four yugas? Will something unnatural happen that will let us know automatically, or how will we know?

Answer: Look, daughter, when anything is churned, its truth is revealed. If you churn your mind with patience, purity, and the name of God, you will come to know everything. Chant the name of Madhav and remain in God's service, and you will know everything.

► Watch this answer · 29:07 · 05 September 2021

Q 369 Maharaj, I always have this fear that because of living abroad, will there be any problem in participating in the Lord's work and walking on His path? Will we have to come back to India, or will the Lord Himself somehow bring such devotees onto the path? This question always frightens me.

Answer: I want to tell you that those who connect with the Malika, talk about the Malika, and come to satsang—it is a sign that they were devotees in the past and are destined to be devotees again. This itself is the first and biggest sign. The second sign, daughter, is to follow the path I am showing: become a vegetarian, read the Shrimad Bhagavat, and start performing Trisandhya (prayers three times a day). If you do all this, there will be no problem for you. You can live anywhere. However, when the establishment of dharma happens in the entire world, not much will be left. But the place where devotees reside will be saved. The devotee who follows the path with devotion and a pure mind in God's refuge will be saved. Okay, daughter? Jai Shri Hanuman.

► Watch this answer · 29:59 · 05 September 2021

Q 370 I want to join your Malika group. What do I have to do for that, Guruji? Please guide me.

Answer: Do one thing. For the Vishwa Sanatan Dharma, look on the internet; in the description of our videos, there is a link. Open it and join the Vishwa Sanatan Dharma. Wherever a devotee is in the world, the Lord will find them, and the Malika is their destiny. So follow it, join this group, and follow the principles. Everything will be fine, daughter. In the coming times, more destruction is coming, and it will be difficult for human society to handle. Thousands and lakhs of people will die. The path to salvation is the Malika. Follow it and work for dharma. This is my request to you. By following it, everything will be alright.

► Watch this answer · 32:08 · 05 September 2021

Q_371 Is anything said about Gujarat in the Malika?

Answer: Yes, the Lord has considered it. It is a holy land. It is written about this holy land that devotees will have to gather there, and a Shri Dwarikadhish Mandal (a divine circle or group) will be formed. In that mandal, devotees will stay and propagate the Lord's name, sing bhajans and kirtans, and invoke divine energy. Okay, daughter?

► Watch this answer · 33:26 · 05 September 2021

Q_372 The king of Aali who performed a yagya (fire sacrifice) in 2020, what was the reason for it? Please tell me in detail.

Answer: Look, if any king, saint, or sage performs a ritual, it is a holy act. But according to the Malika, a great yagya will happen in Aali only once, under the direct instruction of God. That will be done through the devotees when the time comes. There is no description in the Malika about the reason for the yagya you mentioned. Anyone can perform a religious ritual anywhere; it is a good deed for the individual and the world. But what is written in the Malika is that at the end of time, the Aali region will be revealed through the devotees, and the people there whom the Lord has chosen will be part of that great event.

► Watch this answer · 34:06 · 05 September 2021

Q_373 Will Modi become the ruler in 2024?

Answer: Not so soon, wait a little. The time has not yet come. I had said that the Modi government will continue until 2030. In the end, the government that will be in India will be the final government. At that time, President's rule will be imposed, and there will be war. Even if his term ends, does the ocean have an end? Okay, okay.

► Watch this answer · 35:47 · 05 September 2021

Q_374 In our Uttarakhand, there is the Tehri Dam. Will it also break?

Answer: Listen. All the mountains and hills of today will turn to dust and become flat land. So the dams that this modern government has built will not remain. When Satya Yuga begins, there will be small rivers, like branches of Mother Ganga, in every village, which will irrigate the land. There will be good farming, and no need for any dams. The land will become flat, and people will farm joyfully. But destruction will happen, a very big and unimaginable destruction will occur in Uttarakhand, as it is a holy religious site. It will definitely happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:54 · 05 September 2021

Q_375 I am from Deoghar, Jharkhand. Is there anything written in the Malika about our Deoghar Baba Dham? Could you please tell us?

Answer: Everything about the world and the universe is written in the Malika. Lord Mahadev has countless forms throughout India and the world, and Deoghar is a holy place. Everything about all regions, including your Deoghar Baba's region, is written in the Malika. However, we give more importance to what is written about the gathering of devotees, the establishment of dharma, and the meeting of Lord Kalki and his devotees. Okay, daughter?

► Watch this answer · 38:43 · 05 September 2021

Q_376 Please tell us one more thing. People today do not practice celibacy (brahmacharya) before marriage. Why is this happening?

Answer: Practicing celibacy before marriage is a sacred principle of the Vedic tradition. It was followed in every era, but not in Kali Yuga. The reason is that society has become undisciplined, and the media and internet are causing ruin. The modern education system is corrupting boys and girls. It is necessary to incorporate Vedic scriptures into our education system. Until the government does this, the question of celibacy won't even arise, because children are not getting the right education or values. Today's society runs after modernity, and evil spreads through TV, media, and websites. Therefore, no one teaches children to practice celibacy. However, it is necessary for the youth to practice it. But celibacy alone is not enough. It is necessary to follow the path of righteousness, the Malika, and take refuge in the Lord. Dharma will be established, but 70% of the people in India and the world will perish. Write this down. The path to reform is dharma. Whoever stays in dharma will be saved; whoever does not, will not be. Jai Jai Ram.

► Watch this answer · 40:16 · 05 September 2021

Q_377 Pandit ji, one day you posted a video saying you would later discuss where atomic bombs will fall in India, but you never did. If possible, could you please shed some light on it today? Where will they fall, how many people will die, and what will be the effect on India?

Answer: Look, son, it is written in the Malika that there will be a nuclear war. This third world war will not just affect India; all countries in the world are under this threat, with a special threat over India. But if the bombs fall, how will India be saved? They will definitely drop thousands of nuclear bombs on India. This is written in the Malika. China, Pakistan, America, and their allied Muslim countries will together commit this sinful act against India. But they will not be saved. Nothing will happen to our country from the nuclear bombs. They will be wiped out by their own bombs. Wait for that time. If you are alive, you will see it then. Okay?

► Watch this answer · 42:52 · 05 September 2021

Q_378 But does this mean not a single atomic bomb will explode in India? Whatever they drop, not a single one will blast?

Answer: Nothing will happen. The medium-range weapons and missiles will cause disaster in India. But when it comes to nuclear bombs, God will protect us.

► Watch this answer · 44:25 · 05 September 2021

Q 379 How will the terrorists within the country be dealt with?

Answer: There is social and religious fanaticism. Some commit terrorism out of pride of wealth, some out of pride of power. All terrorists will be wiped out. There are many kinds of terrorists in society; all of them will be eliminated.

► Watch this answer · 44:54 · 05 September 2021

Q 380 As the devotees gather, by when will all of them be able to meet with God?

Answer: First, let the good devotees emerge, then we will think about it. The good devotees, who are one in a crore, are the ones who will meet the Lord. The others might not be able to meet Him. They should just stay where they are and continue chanting the name of God.

► Watch this answer · 45:38 · 05 September 2021

Q 381 The Shukla Paksha (waxing phase of the moon) is coming, and it is a 13-day period. Can something significant happen during this time?

Answer: Yes, it is a very joyous time for the devotees. When a 13-day period like this happens, Lord Kalki will advance the work of establishing dharma. It will progress. In the coming time, for example in 2028, when such a 13-day Shukla Paksha comes, it will be a very joyous time for the devotees. The dates for the establishment of dharma are related to numbers like 13, 17, 27. On such days, some good work for dharma will happen for the devotees. You must keep that in mind.

► Watch this answer · 46:09 · 05 September 2021

Q 382 I was saying that next year, a special Shukla Paksha is coming. I heard that the great event will happen then. Is this true?

Answer: It will not happen until all the true devotees have gathered. After they have gathered, something big will be seen. The war will not stop completely; it will continue until 2021. Okay, son.

► Watch this answer · 47:39 · 05 September 2021

Q 383 I practice devotion and read the Bhagavata Purana. Today I had a vision of a jungle where many people have gathered, and a sage is walking ahead of them carrying a trident (trishul). What does this mean?

Answer: There are many devotees and saints in the jungles; there is no doubt about that. But the right to wield the trident belongs only to Mother Bhavani and Lord Mahadev. They carry out the work of destruction. However, in this era, Lord Shiva will not be the one to perform the destruction. Lord Kalki himself will do the work of destruction. All the responsibility is on him. The Lord will handle everything. Okay.

► Watch this answer · 48:08 · 05 September 2021

Q_384 When Lord Hanuman ji comes to take the devotees, how will we know he has come for us?

Answer: If you are a true devotee, you will have his darshan (divine vision). It is written that only those who are true and pure devotees will have this holy meeting. If you call upon him with a true heart, he will surely come. At that time, you will have his darshan. That time has not yet come.

► Watch this answer · 50:52 · 05 September 2021

Q_385 I study history and get confused by the different timelines. Some sources say Sanatanis came from Central Asia 4,500 years ago. Lord Rama's time is dated to 8,500 years ago. Yet, Sanatana Dharma is said to be 1.96 billion years old. How can I clarify these contradictions?

Answer: If you think about all this so much, you will go mad. Don't think about it. Life is not guaranteed for even a second, so why worry about thousands of years? This is God's calculation; let God handle it. What is the need for you to think so much? Instead, do your prayers, save yourself, and perform your karma. Practice compassion, charity, and righteousness. Our job now is to establish Sanatana Dharma in India and the entire world. So, those of you who want to, join the Vishwa Sanatan Dharma group and work for Sanatana Dharma. Work for the protection of Mother Cow. Propagate the teachings of the eighteen Puranas and the Shrimad Bhagavat. This is the most sacred duty. By following this, your human birth will be fulfilled, and it is the greatest medicine and path to save yourself from the cataclysm of the five elements that is coming upon the Earth.

► Watch this answer · 51:54 · 05 September 2021

SESSION 19 · QUESTIONS 386–407

L18 पंचसखा रचित-भविष्य मालिका, रचना का उदेश्य क्या है I LIVE

Date: 12 September 2021 · Watch the full session ↗

Q 386 When will the devotees meet the Lord?

Answer: When you become that pure and receive the Lord's grace, you will surely get his darshan (divine vision). Secondly, according to the Malika, during the years 2021, 2022, and 2023, all the devotees will gather, and they will receive contact regarding the Lord. This is written in the Malika. Until that time, please wait and follow the path that I am showing you. It will be good for you all.

► Watch this answer · 15:20 · 12 September 2021

Q 387 Guruji, you just mentioned that a Hindi version of the Malika will be released. Could you tell us more about that?

Answer: A Hindi version of the Malika could have been released, but we stopped it. We stopped it because ever since the Malika started being propagated 3-4 years ago, many YouTube channels have been distorting it. Some say seven suns will rise, others claim Lord Kalki has been born here or there; they don't understand it and have no knowledge about it. If it is propagated in Hindi, business-minded people will commercialize this scripture. We have no interest in money; the Malika is not a business venture. The Hindi version could be produced in 10 days, that's not an issue. But if we publish it in Hindi, people will translate it into English and all other languages and propagate it with their own ulterior motives. The true meaning of the Malika will not reach the devotees. We do not want to create a Hindi version for such business-minded people. It is a secret scripture, and I am propagating it for the devotees. There is no middleman or personal interest involved. I do not do this so that the Malika simply reaches people.

► Watch this answer · 16:41 · 12 September 2021

Q 388 For the sake of the established devotees, could you at least send the Hindi version directly to us?

Answer: If I send it, they will download it and acquire it somehow. I will do it only when I receive the instruction from the Lord. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:38 · 12 September 2021

Q 389 My question is about the year 2019, which is mentioned in the Malika. Could you please explain its significance?

Answer: According to the Malika given by Mahapurush Achyutananda and the Panchasakha, Lord Kalki would turn 13 years old in 2019. And from the time the Lord turns 13, the work of establishing dharma (righteousness) will begin and continue until 2022-23. The events of 2021 will intensify in 2022 and increase further. There will be floods, destruction by wind, earthquakes, and destruction by fire—destruction by all five elements. There will be communal violence, calamities, and pandemics will increase. Amidst all this, the work of gathering the devotees will also progress. It will continue this way.

► Watch this answer · 19:49 · 12 September 2021

Q 390 Sir, did you say that the Lord was born in 2005?

Answer: In the Malika, it is mentioned that after certain events in 2005—such as the flag falling from the Jagannath temple, the goddess leaving her throne, blood flowing from the Saptashati Chandi, and lightning striking the Jagannath temple kitchen—the incarnation of Lord Kalki would take place. I did not say he was born in 2005; I said it would happen *after* these events. The incarnation will happen according to this, and when the Lord turns 13, a pandemic will spread across the world, as Mahapurush Achyutananda wrote. We follow this calculation, and according to this, the Lord would be 13 years old.

► Watch this answer · 23:23 · 12 September 2021

Q 391 A devotee from Odisha is asking: A few days ago, I saw a dream of an eight-armed goddess in her fierce form. I also saw splatters of blood on her body. What does this mean?

Answer: When the time for the establishment of dharma, which is the Lord's divine play, draws near, Mother Goddess herself will carry out the work of destruction. For instance, the pandemic across the world is a disease influenced by the goddesses. So, this vision you had reveals Mother Durga Devi's anger and wrath towards sinners. It indicates she will carry out the work of destruction in the coming time. That is why devotees are having such visions. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:49 · 12 September 2021

Q 392 What is the significance of the Padmanabhaswamy temple in the South in relation to these events?

Answer: It is a temple of Lord Vishnu, and the door that is closed in that temple is a path to the netherworld (Patala). If it were open, humans could go to the netherworld, which would cause problems. That is why the Lord has kept it closed. After the establishment of dharma, in Satya Yuga (the Age of Truth), it will be opened again, just as all things will be open in Satya Yuga. Okay.

► Watch this answer · 28:11 · 12 September 2021

Q 393 You just spoke about the number 16. I didn't understand its context because the original question was in Odia. Could you please explain the significance of the numbers 13, 14, 15, and 16 in relation to the Lord's age?

Answer: Mahapurush Achyutananda wrote about this. When the Lord turns 13, the whole world will be surprised. Calamities will suddenly befall the world—pandemics, the five great destructions (by fire, water, etc.), the effects of earthquakes—and people will be astonished. During his 14th and 15th years, the work of gathering the devotees will take place through the Malika. The 16th year is for Lord Kalki's secret activities (gupta leela), as the establishment of dharma will be underway. He might not meet anyone directly, but devotees will hold satsangs, stay together, follow the Malika, remain on the righteous path, and work towards the Satya Yuga. Then, when the Lord turns 17, glimpses of truth will start to appear here and there. This is what is written in the Malika.

► Watch this answer · 29:01 · 12 September 2021

Q 394 I have a question. We've learned that the path to truth involves vegetarianism, righteous conduct, and abstaining from intoxicants. However, you also said that any religious person in the world can attain salvation. There are many religions where eating meat or drinking wine is prescribed as part of their customs. How can they be considered righteous, and will there be a different set of criteria for them?

Answer: Look, due to Kali Yuga, many religions and sects exist in the world, but Sanatana Dharma (the Eternal Dharma) existed before, exists today, and will be the only one to exist in the future. No other religion will remain. So, those who commit sins, kill animals, act unrighteously, do not follow the Srimad Bhagavatam of our Sanatana Dharma, eat meat and fish, drink alcohol—there is no place for them in the Malika. If they do bad deeds, they will surely suffer the consequences. However, the devotees who live in sattva (purity and goodness) will be saved. This is written in both the Bhagavata and the Malika.

► Watch this answer · 30:22 · 12 September 2021

Q 395 Will the Shankaracharya of Puri, Odisha, have a role in the coming times?

Answer: Jai Jagannath. According to our Hindu Sanatana Dharma, we revere the four Shankaracharyas in the four cardinal directions. However, the decision regarding their role will be made by the Lord according to His divine plan. It is not right for me to comment on this.

► Watch this answer · 33:27 · 12 September 2021

Q 396 What does the Malika say about the holy path from Badrinath to Kolkata?

Answer: It is written that along the path from Badrinath to Kolkata, half the people will be saved by the devotee Lord Hanuman.

► Watch this answer · 34:21 · 12 September 2021

Q 397 What does the Malika say about the future capital and governance of the world?

Answer: I am speaking from the Malika. According to the scriptures, it is written that Odisha will become the capital of the entire world. The center of world governance will be under the control of the 'Sudharma Mahasangha'. Lord Vishnu will rule the entire world through his devotees. There will be rule in Ayodhya, and the throne of Delhi will see collusion. This is written in the Malika.

► Watch this answer · 36:16 · 12 September 2021

Q 398 What is the significance of the numbers 13, 17, and 27? You mentioned them in a previous meeting. Also, you mentioned that our Mohan Bhai cured someone's fever; could you please elaborate?

Answer: Regarding the numbers 13, 17, and 27, there is a detailed description in the Malika. These numbers signify dates when major events will occur. For example, an earthquake will happen on this date, a war will begin on this date, a fire-related disaster will occur on this date. These numbers are mentioned in the Malika for the world's reformation. Secondly, I didn't say that exactly about Mohan Bhai, but I did say this: if anyone chants the name of 'Madhav' with devotion and stays on the righteous path, forget fever, even major diseases and pandemics will leave them. This is because these diseases are divinely ordained and are the result of humanity's collective karma. Humans have polluted the elements of water, air, fire, and space, and now they are reaping the consequences. By staying in the Lord's path, one will be saved and find liberation.

► Watch this answer · 37:21 · 12 September 2021

Q 399 Pandit ji, is there any mention of 'Naya Patna' (New Patna) in the Malika?

Answer: When the five-colored flag flutters over Patna, the capital, and the capital of the state of Odisha, it will be a sign for the devotees that the time for the establishment of dharma is near. This is what was written about it.

► Watch this answer · 39:28 · 12 September 2021

Q 400 Lord Krishna did not come to South India, but Lord Rama did. Is there any information in the Malika about Lord Kalki coming to South India? Is anything written about Bengaluru or Mysuru, as there are many hidden devotees here?

Answer: Firstly, I bow to the holy land you are from. Secondly, the Malika will not reach everyone. Only the true devotees will come to know of it; it will reach them somehow, and by following it, they will join the work of establishing dharma. Thirdly, Lord Kalki will definitely go to the South. But he will not announce his visit. He will go secretly, in a human body. According to the scriptures and the Malika, the Lord will visit the designated holy sites, and the importance of those places will then increase. Later, in Satya Yuga, when new scriptures are written, people will read that the Lord had come. He will definitely go, and many devotees there will be saved through him. That time is near.

► Watch this answer · 40:33 · 12 September 2021

Q 401 Pandit ji, I have a question. For a few days, strange things have been happening to me. When I look at the Sun God, I feel I can gaze at him all day without any discomfort to my eyes. It feels very cooling. What does this mean?

Answer: Okay, what you are describing is a form of 'tapasya' (penance). In the past, people who gazed at the sun for hours would receive the fruits of their penance and even have a divine vision of the Sun God. However, since this is Kali Yuga, I advise you not to do this now. What is happening is that the influence of divine power is descending upon you. Follow the Malika, and when the time comes, you will understand everything. The fact that you feel no discomfort is a good sign; it is a sign of a 'Satyaveer' (a hero of truth). It is an effect of divine power. In the coming times, all devotees and saints will be able to look at the sun without any harm.

► Watch this answer · 43:11 · 12 September 2021

Q 402 What does the Malika say about Maharashtra regarding the establishment of dharma, the salvation of devotees, and whether Lord Kalki will visit?

Answer: Yes, it is written about the establishment of dharma in Maharashtra, the salvation of devotees there, and that Lord Kalki will also visit that place. All of this is written. There are many devotees there. The Malika has information about every place in India, the world, and the universe. All devotees will be saved, and dharma will be established. Greetings to Maharashtra. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:28 · 12 September 2021

Q 403 You once said that everyone should wear a Tulsi mala (basil beads) and a janeu (sacred thread). Could you please explain the procedure and the rules for this?

Answer: According to the Manusmriti, all four varnas (Brahmin, Kshatriya, Vaishya, Shudra) have the right to wear the janeu, but this practice has declined in Kali Yuga. There are specific rules for each varna. The Tulsi mala is a great tradition given by Chaitanya Mahaprabhu, and it is essential for all followers of Sanatana Dharma to wear it. It protects the body and mind from evil forces. As for the janeu, there are rules to maintain its purity, such as placing it over your ear during bodily functions and avoiding impure places. There are many such rules. I will ask Mohan to explain the specific regulations to you.

► Watch this answer · 46:14 · 12 September 2021

Q 404 Is Lord Hanuman present on the Harishankar-Nrusinghanath mountain?

Answer: Not at that specific place. Lord Hanuman's abode is in 'Akhand Bihar'. I cannot reveal everything to everyone, but I can say this much: Lord Hanuman is performing penance there in a secret form.

► Watch this answer · 48:47 · 12 September 2021

Q_405 I am from Bolpur in the Birbhum district of West Bengal. We have the Kankalitala Shakti Peeth (a holy shrine) here. Will the Lord visit this place?

Answer: That place is near Nabadwip. The Lord will definitely go to Nabadwip. Lord Kalki will travel there by road, not by air. He will also visit the place of the Mother Goddess. It is possible he may go to Kankalitala as well. It is written in the scriptures that he will visit the Kali temple in Kolkata, and the devotees of Kolkata will meet the Lord there. Okay.

► Watch this answer · 49:31 · 12 September 2021

Q_406 What does the Malika say about Indore?

Answer: Listen, it is written about all the states and all places. The Malika will be propagated for the salvation of the devotees, and the devotees of Indore will also meet the Lord. All of this is written.

► Watch this answer · 51:08 · 12 September 2021

Q_407 What is the 'Shrivatsa' sign that will be marked on the Lord's chest?

Answer: The Shrivatsa is the sign of Shri Radha Rani and Mother Lakshmi on the Lord's body. This sign was visible to the devotees on Lord Krishna's body. It will not be visible to everyone. The great saints have written that only true devotees will be able to see this sign when the Lord gives his divine vision. Not everyone will see it.

► Watch this answer · 53:57 · 12 September 2021

SESSION 20 · QUESTIONS 408–430

L19 कलियुग - अंत के बारे में विस्तृत वर्णन | Detail Description about 'END OF KALIYUG''. LIVE

Date: 19 September 2021 · Watch the full session ↗

Q 408 My question is, is Madhav ji in Devbhoomi Dwarka? And my second question is, will the Lord's divine play (leela) take place in Kankaria Lake in Ahmedabad? Could you please shed some light on this?

Answer: This is a divine land (Devbhoomi), a center of Lord Shri Krishna's presence. It is a holy land, and the Lord will definitely go there and grant salvation. He will protect those who are there. He will definitely, definitely go to that region which is in trouble. Some devotees will know about this, but not everyone will recognize Him. The Lord will not announce His arrival before going. It will be subjective when He goes to that part. This is what is going to happen in the times to come. So, the most important thing is for you to follow the path of dharma, purity, and the Malika.

► Watch this answer · 09:31 · 19 September 2021

Q 409 Pandit ji, we want to ask, what is the Lord's date and time of birth?

Answer: Look, when God comes and takes an incarnation (avatar), it is important for the devotees to have His darshan (divine sight). It is better for you to have His darshan and chant His name. Even Lord Brahma might not know the exact date of God's birth. We are ordinary beings. So, whether I speak about it or not, it will not be good for the purity and the divine flow of God. Therefore, it is better if we reflect on this with humility. That's all. Keep receiving the Lord's blessings, chant His name, sing His praises (kirtan), and work for Sanatana Dharma. In these times, this is all that is necessary for us.

► Watch this answer · 10:46 · 19 September 2021

Q 410 Will you come to Kanpur, Pandit ji?

Answer: He will go everywhere, he will also go to Kanpur. It is that simple. He is everywhere, and His authority is to be given to all the devotees of the Lord. We must wait for the right time.

► Watch this answer · 11:47 · 19 September 2021

Q 411 Where did Lord Baldev incarnate, and where is he now?

Answer: Regarding him, in this birth, in this era, at the end of Kali Yuga, when Lord Kalki comes... I have already expressed my views on this in several previous episodes. In Lord Kalki's body, Baldev and Shri Jagannath, meaning Shri Krishna and Balaram, both will merge into one body and come as Kalki. So, Baldev is not separate. This is clearly described in the Malika. When Kalki comes, the right side of his body will have the essence of Balaramdev, and the left side will have the essence of Lord Krishna. The two will merge into one power and manifest as the Kalki avatar. Both their bodies will be in one body. According to Jayadeva's Dashavatara Charita, Lord Kalki is an avatar for the establishment of dharma. The Malika has clearly described that there will be one avatar, the Kalki avatar, but in his body, the powers of Balaramdev and Lord Shri Krishna will merge into one.

► Watch this answer · 12:20 · 19 September 2021

Q 412 Can we recite the Gita even when we are away from home? And if we can, and if we are staying in a hotel, can we recite the Shrimad Bhagavat there as well? If so, what is the proper procedure and method for it? You once mentioned that one should recite the Bhagavat only after lighting a lamp (diya). So, what should we do when we are staying in a hotel?

Answer: Look, when you are away from home, in a hotel, you should do one thing. You cannot recite the Bhagavat there because many kinds of people, with impure thoughts, come there. Therefore, just chant the Lord's name (Naam Bhajan). There is a couplet in the Shrimad Bhagavat... If you chant this, you will receive the fruit of reciting the entire Shrimad Bhagavat. We will send this to you. The saints who work with us, Mohan, Narendra, Padma, if you ask them, they will update you and send it. Yes, if you are staying in a hotel, doing this much is sufficient.

► Watch this answer · 13:58 · 19 September 2021

Q 413 Why do you need to know about the lineage of Trijata? (The questioner replies: "Because, Pandit ji, we have heard that Trijata greatly helped Mother Sita in the Ashoka Vatika. But now, perhaps, the descendants of Trijata are mentioned in the Bhavishya Malika, and it seems to be associated with some negative ideology.")

Answer: Look, first let me tell you, Trijata belongs to the lineage of Vibhishana. She was Vibhishana's daughter. She served Mother Sita for 13 months. In this era, Trijata's lineage has the right to live in Kali Yuga for thirteen generations. They will remain alive, and after that, their lineage will end. A very prominent family in India is connected to this, so I do not wish to speak about it. Speaking about it will create controversy, as a very big family involved in the governance of India is connected to it.

► Watch this answer · 17:11 · 19 September 2021

Q_414 So, Pandit ji, a question arises from this: will this family remain in power for some more time? Is there any hope of them staying? Is there anything in the Bhavishya Malika that says they will not get to rule anymore?

Answer: Deformities have arisen in the family... they will have to leave. No, there is nothing like that. It is not right to say such things. Nothing of that sort is written. It is only written that their family will survive for thirteen generations. After that, their lineage and new generations will cease to exist. The lineage will end after thirteen generations. This is what is written. Another thing that is written in one place is that the Trijata lineage will be present when the Jagannath temple is attacked and the Muslim people will wage war on Puri. At that time, someone from their family will be there. This is also written. It is not right to say what else is written. Look, we are not here to create controversy in the country.

► Watch this answer · 18:28 · 19 September 2021

Q_415 Have they been born already?

Answer: The verse says that Lord Kalki will be born in a Brahmin family that performs Agnihotra (fire rituals). They [the Pancha Sakha] will be with him. They will be involved in the establishment of dharma from childhood until the end of the age.

► Watch this answer · 21:04 · 19 September 2021

Q_416 Pandit ji, about 500 years ago, there was a crisis... is there any description of that in the Malika?

Answer: Regarding the Srimanta Sankardev crisis... the Malika is written about the establishment of dharma, spirituality, and knowledge. I have not read much about this specific topic, for which I apologize. But it must be written somewhere, because there are 185,000 texts written. Who can read all of that? It must be there.

► Watch this answer · 22:05 · 19 September 2021

Q_417 What name should we chant?

Answer: When Lord Kalki comes, devotees will call him Madhav, and some will call him by the name Satyananda. This is written. By chanting this name, the devotees will be saved. Shunya (the void) is Mahashunya (the great void). No one can imagine or describe the void. Only yogis can walk the path of the void. For us in worldly life, it is difficult to think about or understand the state of Shunya Brahman. Therefore, chant the name (Naam Bhajan), and through the Lord's name, you will find the path to salvation. This is what is written in the Malika, and nothing else.

► Watch this answer · 23:06 · 19 September 2021

Q 418 How will Hanuman ji protect us during the seven days of darkness? We want to know about Hanuman ji and Garuda ji, what is written in the Malika?

Answer: Look, I have spoken about this before in several episodes. Hanuman ji is currently in penance (tapasya). When Lord Kalki calls him, Hanuman ji will appear. The Lord will entrust him with the task of saving the devotees in the entire region from Badrinath to Kolkata. Both Hanuman ji and Vibhishana will come and meet Lord Kalki in Odisha. This is also written.

► Watch this answer · 25:07 · 19 September 2021

Q 419 The king of Odisha is Gajapati Dibyasingha Deb. What is the meaning of the 64th Anka (regnal year)?

Answer: See, from the time he ascended the throne, the calculation of his regnal year (Anka) began. The year is calculated from that moment. It is written according to this system.

► Watch this answer · 25:58 · 19 September 2021

Q 420 Pandit ji, you said that those who consume meat, alcohol, and eggs will not survive. But what about things like medicines, which also contain alcohol, or food items from the market where we often don't know the ingredients? If we consume such things unknowingly, does that also count as a sin?

Answer: No one accrues sin for eating something unknowingly. Secondly, a person who is sick and needs medicine will certainly take it. Satya Yuga has not arrived yet. When Satya Yuga comes, all diseases will be cured. Many people have cured even major diseases just by chanting the Lord's name. A person named Dwivedi ji from Uttar Pradesh shared his experience about his father, who was scheduled for an operation. By chanting the name for a few hours, he was cured, and the operation was no longer needed. So, for sincere devotees, God will show a way. For the middle-class devotees, they will have to navigate society. A time will come when medicine will not be needed. For now, medicine will work, but a time is coming when taking medicine will have the opposite effect. We have to live according to the times. There is no sin in consuming something unknowingly. The greatest sin is to intentionally kill a living being, intentionally harm someone, or intentionally consume meat, fish, and alcohol.

► Watch this answer · 29:12 · 19 September 2021

Q_421 I have two questions, Pandit ji. First, what will be the Lord's complexion? Second, regarding the 12-cubit-long sword that Lord Kalki is supposed to wield... in a village near us, something has appeared, and people are worshipping it as Lord Kalki's footwear (khadau). Is this true? And how will Lord Kalki himself move around with a 12-cubit-long sword? I can't understand this. We see ourselves as so small; how big will the Lord be, how big will the sword be? These thoughts keep running through my mind.

Answer: God has the power and influence to do anything. This question has been asked before. God assumes a body by His own will. He can manifest Himself as large as millions of mountains like the Himalayas, or if He wishes, He can play as a small child in His mother's lap. It is not possible for any human to comprehend God's power. If a human thinks about it, it is out of their ignorance. Lord Kalki can wield a sword thousands of meters, feet, or kilometers long. For the one in whose every pore a universe exists, why are you concerned about a 12-cubit-long sword? This is a very small matter for the Lord. Leave this thought. By His mere will, millions of universes can be turned to ash. So don't think about this. Thinking about it is only inviting trouble for yourself. So, do not think like this.

► Watch this answer · 31:25 · 19 September 2021

Q_422 Has he been born?

Answer: According to the scriptures, the Lord is 14 years old.

► Watch this answer · 35:58 · 19 September 2021

Q_423 Pandit ji, regarding the sword you were talking about, where will it emerge from? Where will it be?

Answer: Look, Lord Kalki will not wield a sword. The Lord will carry out destruction with the Sudarshan Chakra, with the wheel of time (Kaal Chakra), which destroys sinners. Secondly, listen... a sage, through his penance, attained the state of Brahman. His bones have turned into a Vajra (a divine thunderbolt weapon). Lord Kalki will wield that Vajra. It has the capacity to burn for nearly a thousand kilometers. He will strike with that Vajra. The Lord will carry out destruction with this Vajra; it is written in the Malika. The Malika also mentions a 12-cubit sword, but the Lord's power is atomic.

► Watch this answer · 36:18 · 19 September 2021

Q_424 Forgive me, Pandit ji, but in our Sambalpur, on the banks of the Mahanadi river, there is a place... and it is emerging from there. (Implying the sword is emerging there).

Answer: That's very good. If dharma could be established through something that emerges, then there would be no need for God to come. In this age, the Lord's weapon will be the Vajra, as written by Mahapurush Satyananda. Mahapurush Achyutananda has also written about a sage who was in penance. In the Jajpur area, at the place of Kanaka Durga, under a tree, Lord Kalki's Vajra is hidden. When the time comes, the Lord will retrieve it and wield it. At that moment, people will not be able to stand even 100 kilometers away. The Lord will use this weapon for destruction. Destruction will also happen through the Chakra, through Durga, through diseases, pandemics, and the five elements. It is written in the Malika that Sambalpur will become a battleground when the flag of Mother Samaleswari burns. After that, the great work will begin. Mother Samaleswari will leave her domain... and all this has already happened. It has happened. The Mother has joined the Lord in the work of establishing dharma.

► Watch this answer · 37:48 · 19 September 2021

Q_425 Is it true that the end of Kali Yuga will be brought about by a Third World War, and only 7-8 percent of the world's population will remain? And when will this World War happen?

Answer: The end of Kali Yuga will happen, but the work of destruction remains. It's like when a new temple is built, the old structure is demolished and removed. Similarly, the old structure of Kali Yuga will be broken. The mediums for this will be the five elements: fire, wind, water, sky, and earth. Destruction will occur through all these mediums. War will also be a step in this process, and it will be an atomic war. In it, a little more than two-thirds of the world's population will perish. In the entire world, 640 million (64 crore) people will remain. In India, 330 million (33 crore) will remain. Satya Yuga will begin with these 640 million people.

► Watch this answer · 40:07 · 19 September 2021

Q_426 But Pandit ji, will this Third World War happen because of disputes over land and property?

Answer: Yes, that's the reason.

► Watch this answer · 41:21 · 19 September 2021

Q_427 Just as Lord Shri Krishna performed divine plays (leelas) and miracles from his childhood in the Dvapara Yuga, like lifting a mountain and killing Putana, are there any such leelas in this Kali Yuga?

Answer: Let me tell you one thing. Before the Lord destroyed Kansa, he had defeated many demons and also deluded people with his Maya (divine illusion). In the same way, Lord Kalki... today's Lord is exactly the same as that Lord Krishna. He is Kalki. Because the avatar is of Krishna, and Krishna himself is Kalki.

► Watch this answer · 41:36 · 19 September 2021

Q_428 What about his complexion, Pandit ji?

Answer: (Quoting a shloka) "Shashivarnam Chaturbhujam..." (Moon-colored, four-armed). When one is born in a Brahmin family and is pure, their aura is mixed with a glow like the moon. The Lord is like that.

► Watch this answer · 42:33 · 19 September 2021

Q_429 I want to ask, three days ago I had a dream that I was traveling on a train. In the dream, a voice from within told me, "Puri has arrived." I was all alone on the train, and I couldn't see anyone around me. I was completely alone when the voice said, "Puri has arrived." I got up and looked out the window on both sides and saw greenery and temples, and the holy abode (dham) was in front. What does this mean? I had another dream yesterday in which I also had a vision of the Lord.

Answer: Through such significant dreams, God gives experiences and makes devotees feel that the time for the establishment of dharma is here. If devotees take this experience to heart, their faith in God will strengthen. Perhaps you couldn't come to Puri, so God brought you to the holy land in your dream. This is an experience for devotees, and it is very good. Follow it, mother. In this life, see, there is no difference between man and woman; the soul is separate from the body. The body perishes, and the soul takes another birth. But if God gives us such an experience in this life, then you should realize it. Work for dharma, work for Sanatana Dharma, and stay connected to the Lord. This will be good for you.

► Watch this answer · 44:08 · 19 September 2021

Q_430 Pandit ji, I wanted to ask about the Bhagavat. My question is... Lord Krishna had cursed Ashwatthama in the Dvapara Yuga. So, in Kali Yuga, will Ashwatthama meet Shri Krishna, Shri Madhav? Please tell us about him.

Answer: When Lord Kalki wages war against 1.4 million Mlecchas with his Chakra, at that time, both the great warriors Ashwatthama and Shalya will be with the Lord. And in this life, Ashwatthama will attain liberation (mukti). The Lord will grant him salvation, and his curse will end. The curse he received will end. This is written in the Malika. He will surely come and meet him. The devotees will also meet him when the time comes.

► Watch this answer · 46:29 · 19 September 2021

SESSION 21 · QUESTIONS 431–453

L20 विश्व में 64 प्रकार की बीमारी आएगी। मनुष्य लोगों के मुख से खून निकलेगा . LIVE

Date: 26 September 2021 · Watch the full session ↗

Q_431 Pandit ji, I want to meet Prabhu ji (the Lord). Is he giving darshan (divine audience)? Please tell me in detail when he will give darshan and how we can meet him. I am currently abroad.

Answer: Look, Shailesh baba, your devotion, purity, and the faith in your heart for the Lord will one day grant you his darshan. Regarding this, stay in touch with our Mohan and Narendra, and when the time comes, we will move forward. Okay, baba. Jai Jagdish.

► Watch this answer · 09:04 · 26 September 2021

Q_432 Prabhu ji, I had a dream last week and I want to understand its meaning. I saw a very large, giant monkey standing on a hill. There was a tent nearby, and small celestial beings (Gandharvas) were sitting there. Some were fighting amongst themselves, some were indulging in worldly pleasures. The big monkey was looking ahead from the hill and also looking at them. I was watching this whole scene from the front. What does this mean? It would be a great kindness if you could explain.

Answer: Look, God has many forms. Those who are fighting and quarreling amongst themselves were also once in the monkey army (Vanar Sena). And there are many thousands of their devotees on Earth. In the name of religion, these same good devotees are fighting amongst themselves, and Hanuman ji is also in their midst. So, the meaning, the answer is this: today in the world and in India, there are many religions and sects. Those who were in the Vanar Sena, who were with Gopi Gopal, who were with Lord Ram, are today fighting religious wars amongst themselves and are not coming to the refuge of God. This is the meaning. Hanuman ji was their leader, and his appearance in the middle of them signifies this. They don't come to God; they just fight amongst themselves. Okay, baba.

► Watch this answer · 10:17 · 26 September 2021

Q_433 My question is about our soldiers, our brothers, who live high up in the mountains, in the snow, on the borders, and in the jungles. Many of our own brothers and relatives are among them. They live in places with such extreme sub-zero temperatures and snow that they have to eat non-vegetarian food. So, please guide us on this.

Answer: If your family, your brother, works in sub-zero temperatures, all of us in India respect them. They fight for our country. But, do one thing. Look, a person's karma doesn't change with time. So, I won't say much about this, but I will say this much, mother: Dharma, ethics, and the Vedas all say that no matter how great our advantage or how severe the calamity we face, sacrificing one's life for others is the greatest duty of a human birth. So, I will not discuss this in detail. However, I will say this much: come to the Lord's refuge, and the Lord will make arrangements for them. He will arrange how they can become vegetarian and still be able to fight for India and the country. Okay.

► Watch this answer · 13:08 · 26 September 2021

Q_434 Pandit ji, what is written in the Malika about Uttarakhand?

Answer: It is the abode of all gods, the land of ancestors, and a holy land. All the pilgrimages, the streams of Ganga, Yamuna, Saraswati—everything is written in the Malika about this sacred land. It is written that from the Himalayas of Uttarakhand, many saints, sages, and devotees are still there who will be with God in the establishment of Dharma. And from Badrinath, along the banks of the Ganga to the Kali river, all the devotees who were there will find salvation in the refuge of Hanuman ji. There will be a huge disaster and looting will happen. There will be a cataclysm of the five elements of nature. A time will come when the mountains you see will become flat land. But the devotees will be saved, and Uttarakhand will also be a place where Lord Kalki will visit. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:18 · 26 September 2021

Q_435 Pandit ji, Namaskar. What will be the 64 arts (kalas) of Lord Kalki?

Answer: Look, when God comes, He comes to establish Dharma. Lord Ram took an incarnation, there were many incarnations. Lord Krishna's incarnation... Lord Vishnu as the complete Brahman (Purna Brahma) took incarnations. In the same way that Lord Krishna established Dharma, Lord Kalki will manifest with 64 arts. He will possess all powers. Around Lord Kalki will be the four clouds—Samavarta, Drona, Pushkara, these four cloud formations. And with Kalki will be 49 types of wind (Pavan). With His will, He will establish Dharma. For instance, while sitting in His own sacred abode, He can destroy many countries with His will. He can reform many countries. He can create floods, He can create fires, He can spread pandemics. So, in our scriptures, there are many divine powers like Anima, Laghima. See, the universe is created from Him. All the gods are created from the Lord. And in this world, the Lord will establish Dharma. The power of all 33 crore gods is contained within the body of Lord Kalki. And with His own will, He will establish Dharma. It is not possible for us to count His powers. And 64 arts means the complete Brahman. When Vishnu incarnates, He comes with 64 arts. All skills like archery, warfare... Lord Parashuram will anoint Lord Kalki. When Lord Kalki is born, He will be born with 8 arts. After his sacred thread ceremony and worship, Lord Kalki will attain 16 arts. And in secret, He will meet with Parashuram. And the Lord, embodying all these powers within His body, will establish Dharma. Jai Gurudev.

► Watch this answer · 17:26 · 26 September 2021

Q_436 Pandit ji, pranam. I am sharing my experience. About 15-20 years ago in my childhood, there was an idol of Lord Krishna. I went near it, and the idol of the Lord extended its hand and held my hand. I was astonished how the Lord came out of the idol and held my hand. I couldn't understand it. What is this sign from the Lord? Please tell me about it.

Answer: The signs one receives in various ways are the first indication that one is a devotee. If you were not a devotee, why would Lord Krishna give you his darshan? Secondly, today you are listening to the Malika. The incarnation of Lord Krishna is happening. The fact that He held your hand was a sign that when the time comes, the time to connect with the Lord will come, and you will also find the path. Just understand this much. Follow the Malika and remain in the Lord's following. This is good for you, baba.

► Watch this answer · 23:28 · 26 September 2021

Q_437 What will happen to Hyderabad? I am from Rajasthan, but we live in Hyderabad. What will happen to Hyderabad?

Answer: Look, regarding this, about Andhra Pradesh, there will be a great impact from natural calamities. So, in the entire South, there are many devotees who have been saved through the Malika. And a time will come... there is a temple of a goddess in Visakhapatnam, which is on top of a hill. The sea will reach up to that goddess's temple. This much is written. And many other things are also written, but it is not possible for me to read and tell you everything. I will tell you this much: in the establishment of Dharma, Andhra Pradesh and Tamil Nadu will have a significant role.

► Watch this answer · 25:06 · 26 September 2021

Q_438 One has to chant 'Omkar'. Does this refer to the 'Sandhya' (twilight prayers)? What does 'Sandhya' mean?

Answer: Three times during the day. The 'Sandhya' time. First is in the early morning when day breaks. Second is in the afternoon when the sun is high. Third is when the sun sets, and darkness comes, and the day ends. So these three times are the three Sandhyas. 'Omkar' is the Lord's name, the Lord's power, and the greatest salutation to the Lord. You can chant it as much as you can. It is good for you to follow the practice we describe for the Sandhya time. It depends on you.

► Watch this answer · 26:47 · 26 September 2021

Q 439 Are Asuras (demons) superior to humans? In the fifth canto of the Bhagavat, it is written that Asuras are described as being much superior to humans. Please shed some light on this.

Answer: Look, the scriptures are written in many ways. But our Veda only says this much: those who are born on this earth based on the quality of Sattva (goodness) are human. And the human who performs actions based on Sattva Guna is the best among them. And if a person, after being born human, manifests Tamasic (dark/ignorant) qualities, they are said to be of a demonic nature. The Vedas have always rejected beastly power. So, according to the Vedas, it is necessary for a human to have humanity, i.e., Sattvic qualities. One who has demonic, Tamasic qualities is like a sinner. This is all I will explain; you can understand from this.

► Watch this answer · 28:12 · 26 September 2021

Q 440 The disease you mentioned, where blood will come from people's mouths, when is that disease starting?

Answer: Look, the first phase of the establishment of Dharma has started from 2020. And when this will happen, nobody will know. But the whole world will see. The time will come when 64 types of pandemics will arrive. This is one of those diseases. So, for our devotees who follow the Malika, there is nothing to worry about. Practice chanting the name, kirtan, truth, peace, compassion, and forgiveness in your life. Read the Srimad Bhagavatam, and practice compassion and charity. Follow the Malika. There will be no problem for us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:26 · 26 September 2021

Q 441 I am a doctor, and my question is, as I am practicing medicine, what guidance is there for me from your side and from the Malika's side that can help me in my practice, especially with the 64 types of diseases in the coming cataclysm?

Answer: Look, your duty, your profession, your work—until this Kali Yuga has ended, perform it with complete sincerity. Secondly, look at the stream of our life. Just as a river's goal is to merge with the sea, the goal of human birth is salvation (moksha). But in this life, in this world, we do not seek moksha, because the Lord has incarnated on Earth, Dharma will be established, and Ram Rajya (the kingdom of Ram) will come. All devotees are waiting for that. So, wait for it, practice your dharma, and do your work. This is my request to you all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:09 · 26 September 2021

Q 442 Will Lord Shri Dattatreya also have a role in the establishment of Dharma or in this change of era?

Answer: Lord Dattatreya was an incarnation of Lord Vishnu in the Satya Yuga. Now, in the Kali Yuga, the most significant role in the establishment of Dharma belongs to the Kalki avatar. Lord Kalki himself will establish Dharma. In this current era, there is no need for the Dattatreya avatar. It is written in the Srimad Bhagavatam that when sin and injustice increase in the world, Lord Kalki will incarnate on Earth to save all the devotees, to save the Vedas, and to revive the ancient tradition. He will establish truth, dharma, and justice. So, there is no mention in any scripture of the Dattatreya avatar in this era. Only the Kalki avatar is mentioned.

► Watch this answer · 34:45 · 26 September 2021

Q 443 Pandit ji, when will the Hirakud Dam break? I don't want it to, but I want to know how close it is.

Answer: Look, it is written in the scriptures that during a missile attack by China and Pakistan, the Hirakud Dam and several other dams in India will be destroyed. So, when will that time be? It will happen during a war. The date for that will be decided by God, we cannot. But it will definitely happen. The time is near. And this is an absolute certainty. We will see it in the time to come. It will happen during the time of war. Wait for that time.

► Watch this answer · 36:08 · 26 September 2021

Q 444 Pandit ji, I saw a video in the Odia language on your channel in which a dark-complexioned Pandit ji is speaking. Behind him, it says 'Sudharma Mahasangha', and there is a photo of a child. I saw it. Is that child Kalki?

Answer: Look, mother, my job is to show you the path of the Malika. And what is written in the Malika, I bring it to light and describe it. If that purity comes into your heart, that is the power. That power itself can, when the time comes, take you to the right place. But let me tell you one thing. The God whose darshan even great yogis and sages could not get in every era, and who is rare even for Brahma and Shiva—if that sacred vision is easily available to you, then through the results of your karma, you can know it. I suggest you wait for the time. Join the Vishwa Sanatan Dharma Group satsang. Then all your desires will be fulfilled. Jai Ganesh.

► Watch this answer · 37:17 · 26 September 2021

Q 445 After the establishment of Dharma, when will the Guru tradition return?

Answer: Okay, okay. It's not now. It's not in 2030.

► Watch this answer · 38:56 · 26 September 2021

Q 446 Is there anything written in the Malika about the Kannauj Brahmins?

Answer: About the Brahmins, this is written: when the king of Odisha, Jajati Keshari, brought the Brahmins, he established their settlement on the banks of the Baitarani river. And those 10,000 Brahmins went straight to Vaikuntha and attained salvation. And the other thing is about Uttar Pradesh, which is Kannauj. The devotees there, through the Malika, will come to the refuge of God. That is all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:01 · 26 September 2021

Q 447 When I do my prayers, I forget all the mantras. No mantra comes to mind. Why is this happening?

Answer: This is the Lord's grace upon you. The Lord has made you remember only His name. In this era, all the devotees in the world will be saved by the name 'Madhav'. And besides the name Madhav, no other mantra is greater right now. Because it is written in the Malika that no matter how many mantras, tantras, or shastras there are, no mantra will work. Only the Madhav mantra, the name Madhav, will save the devotees. This is God's blessing that you forget everything else and only remember the name Madhav.

► Watch this answer · 41:09 · 26 September 2021

Q 448 Whatever I read, I feel as if the Sudarshan Chakra is roaming on the streets. What does this mean?

Answer: God is showing you... its meaning is that you are a devotee. You are in God's refuge; you have accepted God. And the greatest thing written in the Malika is that the Sudarshan Chakra will protect the devotees. When any great calamity befalls the devotees, the Sudarshan Chakra will protect them. You are feeling this, and this is an example for all devotees. You are very pure. Follow this, and by following the path we are showing through the Malika in the refuge of God, it will be even better for you.

► Watch this answer · 43:08 · 26 September 2021

Q 449 Has Dhruva ji taken birth? What about Draupadi and Narada?

Answer: Mother Draupadi was Yogamaya; she has already taken birth on Earth. The Lord's devotee Dhruva has also taken birth. Narada ji and all the gods have taken birth. Because when the Lord comes, everyone takes birth and participates in His divine play (lila).

► Watch this answer · 44:09 · 26 September 2021

Q 450 Will Lord Surya (Sun God) and Lord Chandra (Moon God) take birth?

Answer: The gods... when there is darkness day and night, at that time, the light of their birth will manifest.

► Watch this answer · 44:42 · 26 September 2021

Q 451 I want to ask about those who don't know the name of Madhav ji yet. For example, they chant 'Hari Hari' or 'Krishna Krishna'. Will their prayers not be heard?

Answer: Look, mother, in Satya Yuga, the name of Lord Vishnu was important. In Treta Yuga, the name of Ram was the path to salvation. In Dvapara Yuga, Lord Krishna saved the devotees with His name. And in Kali Yuga, it was the name of Jagannath. Now that Kali Yuga has ended and we are in the transitional period (Sangam Yug), all names belong to God, but the name 'Madhav' has its own importance. It is absolutely necessary to chant this name. You can also chant Narayan, that is fine.

► Watch this answer · 45:18 · 26 September 2021

Q 452 Chaitanya Mahaprabhu gave the Hare Krishna Mahamantra. You are saying to chant the name 'Madhav'. Should we chant 'Madhav' instead of the Hare Krishna Mahamantra?

Answer: Our Lord incarnated in Kali Yuga. First was Lord Buddha, then Chaitanya Mahaprabhu, and the third is Lord Kalki. The Lord has already incarnated. You can chant the 'Hare Rama...' mantra. That is our Lord's mantra, there is no doubt. But when the era changes, it is also necessary for us to honor the current incarnation. Because the Lord has been born with the name Shri Madhav. Lord Kalki's name is Madhav. So, accordingly, it is necessary to honor the Lord. Look, when Lord Krishna incarnated, did anyone call him by the name of Vishnu or chant 'Ram Ram'? No. At that time, the Lord's name was Shri Krishna. Similarly, at this time, when Lord Kalki has incarnated with the name Madhav, you should chant the name Madhav. You can also chant the Hare Ram Mahamantra.

► Watch this answer · 46:47 · 26 September 2021

Q 453 Baba, we are from Meerut. Last week, you came in our dream for two days and said, 'Hoist the flag of Dharma (Dharma Dhwaja), and have it hoisted in the homes of those connected to you as well.' We want to know the meaning of this.

Answer: Baba, a few days ago in the satsang, I had said that the devotees who are vegetarian, who are in the refuge of Madhav, who are in the stream of the Malika, should hoist the five-colored flag (Pancharangi Bana) at their homes. I have already said this before, and I am saying it again. If you have complete faith in Dharma, ethics, and the Malika, then yes, Baba, hoist it at your home. And during all the problems and calamities that are coming, the gods will protect you. Okay.

► Watch this answer · 50:45 · 26 September 2021

SESSION 22 · QUESTIONS 454–475

L21 तृतीय विश्व युद्ध मे भारत के साथ कौन कौन देश रहेंगे? LIVE

Date: 03 October 2021 · Watch the full session ↗

Q 454 Guruji, a few days ago I heard that there is a temple of Lord Kalki in Rajasthan. In front of this temple, there is also a statue of a horse. When Lord Kalki manifests, that horse will come to life, and the Lord will ride it to begin his work. Is something like this also written in the Malika?

Answer: Okay, that's very good, very sacred. There is indeed such a temple of Lord Kalki in Rajasthan; I know about it. But all of that will happen when the time comes. For that, you all will have to wait. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:57 · 03 October 2021

Q 455 When the Hirakud Dam breaks, at that time, Guruji, will a fierce war break out across the entire country?

Answer: Look, this will happen. There are many hydroelectric projects that produce electricity. Pakistan and China will target them. They will also target the Hirakud Dam; it is written about in the Malika. So, when the world war happens, this will occur in the middle of it. It is written in the scriptures that this is bound to happen. It's no problem. Those who abide by dharma, remain in devotion, take refuge in the Lord, and follow truth, dharma, and justice will face no trouble. They just have to wait for the coming days when this situation will surely arise. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:57 · 03 October 2021

Q 456 You have said that something or the other will happen everywhere. So, is there a possibility of something happening in our area of Bihar, specifically in Mithilanchal, Samastipur, and Darbhanga?

Answer: Look, the establishment of dharma will happen throughout the entire world. If dharma is not established, how will the sinners be destroyed? To bring balance and equality, the Lord has many tools. It's not just about Bihar or Jharkhand; it's about every state in India and every country in the world. In all places, there will be floods, strong winds, fire, earthquakes, wars, pandemics, diseases, and communal violence. These are all stages of the establishment of dharma. The region of Bihar, Jharkhand, and Mithila, which extends to Janakpuri and Nepal, will be in the grip of a massive earthquake. This is written. It also mentions floods and the 'Pancha Mahayuddha' (five great wars) in detail here.

► Watch this answer · 18:27 · 03 October 2021

Q_457 When will Lord Kalki visit Jagannath Puri?

Answer: It is written in the Malika scriptures that the Lord will take birth in human form, and in the Nilachal region (Jagannath Puri), he will assume his divine form of 'Sakar Brahm' (God with form). The Jagannath region is Lord Kalki's own domain. He comes there daily and will continue to do so; there is no doubt about it. Most importantly, during the establishment of dharma, Lord Mahadev, Vibhishana, Lord Kalki in human form, and Hanuman Ji will be present in the Jagannath region for some time with their divine bodies. The devotees who are present there will be able to have their darshan (holy sight). But otherwise, the Lord visits his own domains like Shri Vrindavan Dham, Shri Dwarika, Badrinath, Ayodhya, and Jagannath Puri every day.

► Watch this answer · 21:02 · 03 October 2021

Q_458 Pandit ji, at what age will Lord Kalki wage war?

Answer: Look, the Lord has no age. The Lord can do anything from his birth, from his childhood, even from one month of age, because he is 'Ichha Nirmit Tanu Dhari'—meaning he assumes a body by his own will and dissolves it by his own will. The Supreme Being has no age. However, according to the Malika scriptures, the establishment of dharma will happen across the world during the Lord's youth. When he is 13 years old, the first phase of establishing dharma will begin. After that, there will be seven phases of establishing dharma. In the end, Lord Kalki will fight with the demons in the sea.

► Watch this answer · 23:55 · 03 October 2021

Q_459 How can a pandemic affect the devotees?

Answer: Regarding the pandemic, it is written in the Malika that those who are in the refuge of Lord Kalki, in the refuge of Madhav, and follow the Malika—even if they get sick, the disease will come, but it will not be able to stay with them. Within a day or two, they will be cured, and it will leave. This is also a test, as mentioned in the scriptures. It is clearly written that the goddesses will enter every house with their destructive power for a test. But those who are at the feet of Lord Krishna, their homes will be protected. Even if the divine destructive power enters, it will see that the person is chanting the Lord's mantra and is in His refuge. A time will come—I say this with certainty—that if one chants the name of the Lord, the Goddess will leave the illness and go elsewhere. So wait. Those who work for our cause, I say with firm belief that even if they get sick—because they have to endure some of their karma from this life—the disease will not be able to harm them. The same divine powers will leave them, because they will see that this is a devotee of the Lord and should not be harmed. So they will be tested.

► Watch this answer · 25:22 · 03 October 2021

Q 460 Will no object from Kali Yuga go into Satya Yuga? Will only the soul of a person go, and not their body?

Answer: Regarding the second point, the devotees in human society will go to Satya Yuga in the very same body they have now—whether they are old, handicapped, or even bedridden. Whatever their condition, those who are in the refuge of Madhav and in the stream of the Malika will go to Satya Yuga in that same body. In Satya Yuga, their bodies will be healed by divine power, and they will receive youthful energy. Then, they will live in Satya Yuga for 1009 years, staying on the Lord's path during the establishment of dharma.

► Watch this answer · 25:49 · 03 October 2021

Q 461 I was asking, during the Third World War, will Lord Kalki be present?

Answer: Yes, Lord Kalki will be there. It is also written that Lord Kalki will travel by road and will stay at a certain place for some time. Devotees will perform yajnas (fire rituals). Devotees from the 16 mandals of India and the 16 mandals of the world will gather there. However, it is written in the Malika that people will not be able to recognize Lord Kalki. They will think he is just a boy from a rich family; that's all they will think. This is also written. But the devotees who go to his refuge will have the Lord's darshan (holy sight), experience bliss, and will be prepared for Satya Yuga.

► Watch this answer · 31:48 · 03 October 2021

Q 462 The Delhi satsang has stopped. Can it be started again? Or this weekly satsang that you do, can it happen twice a week?

Answer: Look, satsang never stops. You all do satsang yourselves. You do satsang at home, you perform Trisandhya (prayers three times a day), so the satsang is ongoing. You all are continuously keeping it going. The satsang has not stopped. The group satsang that was happening has paused, but you are all continuing individually. This is a small emotional issue for us, but it's okay. The Lord is testing us. He is seeing whether the devotees continue to do satsang even when they are separate. He is watching who passes the test. Wait for the right time; we will meet again for satsang.

► Watch this answer · 33:57 · 03 October 2021

Q 463 This satsang of yours happens on Sunday. Can it happen twice a week?

Answer: You speak well. It is the Lord's will. It would be even better for me. I don't know why it doesn't happen. But when the time comes, we will see. Let me tell you, we do satsang one day with the Lord's blessings. This is a matter of experience. See, when your satsang happens, my dharma and purity increase, and I receive the Lord's blessings. No one does righteous work by their own will alone. I also have the desire, but it doesn't materialize. When the Lord's blessing is there, we will meet with you and try to do it twice. One may have the desire to practice dharma or give charity, but the five senses constrain it. I am in the Lord's refuge. If the Lord wills it, we will try to do it twice a week.

► Watch this answer · 35:01 · 03 October 2021

Q_464 Guruji, I wanted to ask, I have been trying to join the meeting for a long time, but I'm unable to. Have I made some mistake?

Answer: There is no mistake. See, we are all people living in society, in our field of action (karma bhumi). In Kali Yuga, work is the most important thing. Look, if you are unable to join the satsang live, you can listen to it later. For instance, the devotees who live in America, when we have our satsang, it might be 4 or 5 in the morning for them. They can't watch it live, so they watch it later. If you are troubled by this issue of not being able to join live, then watch it later. You will still get something from the discussions, the devotees' questions, and the thoughts we share with you. Following this path, we will go to the Lord's refuge and continue doing our righteous work. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:50 · 03 October 2021

Q_465 I want to put up the flag of Shri Kalki Bhagwan in my home.

Answer: Are you a vegetarian? Have you given up everything? If you have, then put up the flag after six months. It will be good. When you put it up, you will bow to the deity. After six months, you can put it up.

► Watch this answer · 38:27 · 03 October 2021

Q_466 My question is, is the Hari Smriti Sudharma Ashram the Lord's home? Please give us some information about it.

Answer: Are you in the Vishwa Sanatan Dharma group? On Telegram? The institution of Vishwa Sanatan Dharma that has been formed, are you a member of it? Okay, I will ask Mohan to share his thoughts on this matter. Okay.

► Watch this answer · 40:37 · 03 October 2021

Q_467 Pandit ji, where can I get the flag? Lord Kalki's flag?

Answer: That flag is the 'Pancharangi Bana' (five-colored flag). Each color has a mantra. The five colors represent the power of five elements: Satya (Truth), Shanti (Peace), Daya (Compassion), Kshama (Forgiveness), and Maitri (Friendship). That is the Lord's flag. I will do one thing: I will try to share a photo of the flag in the Vishwa Sanatan group on Telegram. I will tell Mohan, Padnam, and Narendra, who manage it, to share the photo with you all, perhaps on WhatsApp. Based on that, you can make the flag. If you have been a vegetarian for six months, follow the path of the Malika, read the Srimad Bhagavatam, and perform Trisandhya, then you can put up the flag.

► Watch this answer · 41:26 · 03 October 2021

Q_468 Pandit ji, from which year will the Third World War begin?

Answer: When Saturn enters the Pisces (Meena) zodiac sign, the Malika has written: 'Meene Shani Guru Baare...' On a Saturday in the month of Bhadra (around September), when Saturn enters Pisces. This starts from 2024. At that time, Mahakala (the great time/death) will devour the world, and the war will surely happen.

► Watch this answer · 42:57 · 03 October 2021

Q 469 Can we take medicine? It has some non-vegetarian components, so can we take it?

Answer: I cannot speak about Omega. See, if you talk about Omega, you can also get it from flax seeds. Flax seeds are full of it. You will get it from there. However, I am not against anyone. For saving one's life, medicine is necessary and it is important to take it. You are all in a difficult situation. The end of the era has not completely happened, and Satya Yuga has not dawned. At this time, it is necessary for us to follow the stream of this era.

► Watch this answer · 44:22 · 03 October 2021

Q 470 My question is, if we eat onion and garlic, can we still put up the five-colored flag?

Answer: That's a good question. See, onion and garlic grow from Mother Earth. They are not living creatures. However, they are considered 'rajasic' and 'tamasic' food, which means they are stimulating or heat-producing. There is no sin in eating them. But a sage or saint who follows the path of peace becomes a complete vegetarian and avoids onion and garlic. Even if you eat them, as long as you are vegetarian, do not kill animals, do not eat eggs, meat, or fish, read the Bhagavatam, perform Trisandhya, follow the Malika, and are in the Sanatan Dharma group, you can put up the flag. There is no doubt.

► Watch this answer · 45:54 · 03 October 2021

Q 471 One more thing, we do everything else, but we cannot perform Trisandhya (prayers three times a day). We do it in the morning but not in the afternoon. So, can we not put up the flag?

Answer: See, Ma, Trisandhya doesn't necessarily mean you have to sit in a temple or a prayer room and perform a formal puja. The meaning is this: do one thing. Wherever you are, in any place, just chant the name of Madhav 10, 15, or at least 21 times. If you don't have time to recite the ten avatars—Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Buddha, Kalki—you can at least chant the name. Just do that much. You can always chant 'Hare Krishna Hare Rama'. Chant internally, Ma, always, from morning to evening. The Lord has many names, but the name 'Madhav' is for the salvation of Kali Yuga. Chant any name of Krishna, or 'Hare Krishna Hare Rama'. At the time of Sandhya, just do that much, wherever you are. It's fine.

► Watch this answer · 46:56 · 03 October 2021

Q 472 (After describing a dream about Lord Krishna passing by her and sitting on his seat) What could be the meaning of this?

Answer: The meaning of this, Ma, is that the Lord is calling you. He is saying, 'Come to my refuge and chant my name.' It is an order from Lord Krishna himself. It's as if he is sitting and thinking about his devotees, and you people have come. That is its meaning and nothing else.

► Watch this answer · 49:57 · 03 October 2021

Q 473 Pandit ji, is there anything written in the Malika about Angad?

Answer: Look, Angad was a devotee of the Lord. In this era too, he is a devotee of the Lord and has come to Earth. They will all meet each other in the Sudharma Sabha (the righteous assembly). At that time, whoever has dharma, whoever has complete faith in the Lord—faith like Hanuman ji, Dhruva, and Prahlad—and remains completely in the Lord's refuge, will sit in the Sudharma Sabha. In the Sudharma Sabha, everyone's identity will be revealed.

► Watch this answer · 50:22 · 03 October 2021

Q 474 Not everyone in the house is involved. Meaning, if even one person in the house eats non-vegetarian food, can those people not put up the flag?

Answer: The flag will protect the entire family. If you chant the name, you will be protected. If someone else doesn't, the Lord will decide their fate. But you can put up the flag. Yes, you can. You do kirtan, you chant the name, you read the Bhagavatam. Look, Ma, slowly try to get everyone in the family onto the same boat. With the Lord's grace, it will happen. There will be small problems, but slowly, day by day, we will move forward. Keep trying. There is no conflict in purity. The power of spirituality is immense; no other power is greater than it. With the purity of your mind and your devotion to the Lord, everyone in your family will be influenced. Keep chanting. Okay, Ma.

► Watch this answer · 51:31 · 03 October 2021

Q 475 Guruji, the Bhavishya Malika scripture from which you are telling all these things—we want to read that scripture. So, where will it be available in Hindi? How can we obtain it?

Answer: The book has not yet been composed in Hindi. It is a secret scripture. We were also trying to release it in Hindi, but if it is propagated in Hindi, it will be commercialized. Most importantly, not everyone can understand the Malika. It is written in Odia, but it has thousands of meanings that people cannot comprehend. Only one who has the Lord's blessing will understand the Malika and can interpret it. This doesn't mean it's only our blessing; you can do it too. But look, the essence of the Malika, its gist, has been shared with you all. For many years, after studying it with the Lord's grace, this knowledge is reaching you. Follow that. No one knows what will happen in the last five years of this era. So, understand this and work for Sanatan Dharma. Okay, Baba.

► Watch this answer · 53:08 · 03 October 2021

SESSION 23 · QUESTIONS 476–488

L22 कल्कि भगवान को कैसे पहचानेंगे? How to identify Sri KALKI Bhagavan. LIVE

Date: 17 October 2021 · Watch the full session ↗

Q 476 Is there anything mentioned in the Malika about North-East India?

Answer: The capital of East India will be... what is the capital of Assam now? Dispur, in Guwahati. See, in Assam, there is the Kamakhya temple, right? The Kamakhya Devi temple. Kamakhya Devi will be part of the Lord's establishment of dharma. And it is written... another thing is, in Assam, all the devotees will gather. And those devotees who were truly devotees from previous ages will meet the Lord. But in the coming times, all the devotees will form a Kalki Mandal, and the establishment of dharma... it will be in Kolkata... see, there will be a Mandal of Lord Kalki everywhere. It will be in the name of Lord Kalki, though the name might be different. The name that comes in the Kali temple... this is spirituality. So all of you should work for the establishment of Sanatana Dharma. Utilize the time, otherwise, who knows what will happen at what time. Time is very important. Work for Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 26:07 · 17 October 2021

Q 477 Which mandal (group) will be in Rajasthan, and how can we contact it?

Answer: Rajasthan, Maharashtra, Nagpur Mandal... like Hastinapur and Kurukshetra, including Bihar, Punjab, Rajasthan, and Delhi, will form one mandal. There are mandals in India. See, baba, the medium for contact is the Malika itself. Secondly, the organizations that work for our Sanatana Dharma... by joining them, you will stay in contact. Then we will know what to do next and what the path for the salvation of devotees will be. You will also know about it.

► Watch this answer · 30:54 · 17 October 2021

Q 478 You mentioned that the age of science will end and trains will not be running. In that case, how will people travel to the gathering in Kolkata?

Answer: Look, mother, for our devotees who are connected to the establishment of dharma through the Malika, reaching the Lord's divine abode... all this seems strange to us now in Kali Yuga. We wonder what will happen, what will not. But when the time comes, the devotees will receive clear instructions and proof. A time will come, mother, when devotees will be able to travel anywhere they wish through the sky. So, the further we move towards Satya Yuga, the more divine power will manifest. But the assembly of the 16 mandals that will happen in Kolkata, at the time of that assembly, these scientific instruments and computerization, like mobile phones, will be active. All this will end a little later because that will be the final assembly. And the place... I am keeping the name of that place secret because there will be bloodshed all over the world, and many humans will be annihilated.

► Watch this answer · 31:52 · 17 October 2021

Q_479 My question is about Lord Kalki in West Bengal. Has he already arrived there?

Answer: Lord Kalki has come. He has returned now. So, his coming and going will continue. When the time for many people comes, they will have his darshan (sighting).

► Watch this answer · 33:44 · 17 October 2021

Q_480 There was news that a temple in India had caught fire. What is the significance of this, and is anything written about it in the prophecies?

Answer: The significance of this is that the Mother Goddess has left for the purpose of destruction. The proof of a fire in a temple of gods and goddesses is that the deities are leaving that place. They come to take refuge in the Lord and, as per the Lord's instructions, they go to the designated place and begin their work of destruction.

► Watch this answer · 34:26 · 17 October 2021

Q_481 My father's first death anniversary is approaching. We would like to arrange for a reading of the Bhagavata Purana next week. Can we do that, or must we do it only after the anniversary?

Answer: Mother, you can read the Bhagavata Purana anytime. It's not just for seven days. I say this: every family member should read it. Having someone else come and read it is not as sacred, mother, as it would be if you all read it yourselves. Because in Satya Yuga, all devotees will be like Brahmins, they will be knowledgeable and follow the Vedic path. Therefore, it is necessary for you to follow this. Your family members should sit together and read the Bhagavata Purana. And try to read the Srimad Bhagavatam daily. I tell every member to do this. By reading it, your lifespan will increase, diseases will be cured, and you will get protection from the destruction carried out by the goddesses of Satya Yuga.

► Watch this answer · 35:50 · 17 October 2021

Q_482 You said the Lord came to West Bengal. Where exactly did he go? And why is there no news about it?

Answer: He visited several regions in West Bengal, such as Bankura, Bardhaman, and some other areas. As to why there is no news, if the devotees find out, the sinners will too. If all the sinners were to see the Lord, they would also attain liberation. That is why the Lord moves in secret to carry out his work. We have no say in the matter.

► Watch this answer · 38:33 · 17 October 2021

Q 483 How much time is left for meeting the Lord and for the great, terrible war you speak of?

Answer: The tandav (dance of destruction) of the five elements is happening everywhere. Look at what is happening in Kerala. And what is happening in other places... there will be unrest in every corner of India and the world. It will become a desert. This will happen from time to time. The second and third phases will begin. The earthquake in Sri Lanka... everything will happen. The war that will happen will bring more destruction, and it will continue. The destruction by the five elements will also continue. As for meeting the Lord, it will happen when your devotion is complete and you have the Lord's blessings.

► Watch this answer · 41:43 · 17 October 2021

Q 484 You had mentioned something about Lord Hanuman's role and lineage in the context of the Kalki avatar. Could you please elaborate on that?

Answer: Secondly, regarding the establishment of dharma that the Lord will carry out, Lord Hanuman will be physically present in it. He will protect the devotees. And you will also meet the Lord, it's not like you won't. You will meet him completely, you will talk to him, everything will happen. You will sit together and he will narrate the story of Rama. Devotees will get the opportunity to hear the entire life story of Rama from Hanuman ji himself. One thing is, you must purify your body, mind, and actions, because going to Satya Yuga is not so easy. Maya creates illusion. Man is completely engrossed in worldly maya. And at a time when man's faith is in modern and scientific systems, and he has become selfish for his own happiness... at such a time, the devotees who will find God are those who renounce selfishness and pleasure and follow God and the Malika. Their fate is beyond my ability to describe. But this much is possible: the happiness that a person has not received in all four yugas, they will receive many times more happiness in Satya Yuga. That happiness will have no end. This is the last chance to go to Satya Yuga. For that time, keep your actions and purity intact and all of you work for Sanatana Dharma. There is no time, I tell you again and again. We don't need anything. If the Lord gives us two meals, we are happy. Nothing else is needed. But what is needed is that the burden of dharma and purity falls upon you for the whole world. Animal slaughter should stop, rulers should work for the welfare of the people, there should be a feeling of love among all humans in the world, and there should be no selfishness. This is the direct form of Sanatana Dharma that will emerge. We are waiting for that, you should also wait and, accordingly, it is necessary to refine your actions and walk on that path. So, it is the Lord's grace, everything happens by his grace.

► Watch this answer · 43:42 · 17 October 2021

Q 485 Should we take the vaccine as mandated by the government?

Answer: The government's system, the rules of Kali Yuga, wherever you are, it is necessary to follow them. It is important and the biggest thing is, look... someone took two vaccine doses, but while going in a car, he has an accident. Does this not happen? For him, the two vaccines are just one of the reasons for death. There are many reasons for death. To control human birth and the body, spiritual power is necessary. Unite that.

► Watch this answer · 47:35 · 17 October 2021

Q_486 Are Mother Durga and Mother Radha Rani one and the same?

Answer: They are parts of the Lord. They are the Lord's destructive power, the shakti. There is no difference between them.

► Watch this answer · 48:54 · 17 October 2021

Q_487 From your previous videos, it's understood that Lord Kalki was born in or after 2005, making him around 15 years old. The question is, have his parents realized by now that he is indeed Kalki?

Answer: See, when the Lord comes, he spends time with his parents, family, and friends. And this time, when the Lord has come in a human incarnation, he will follow the same principle. Many people have a doubt that Kalki will come directly and establish dharma. That is a later matter. First, we have to consider how all the devotees will be gathered. Who will do it? And who will save the devotees? And do the devotees have the power... in the coming times, so many diseases will come, such a time of destruction will come, will the devotees survive? Those who are by the Lord's side, with the Lord's name, and in the Lord's organization, they will have the power. For that, they will be able to defeat adversity and go to Satya Yuga. This happens in every yuga, and it is happening in this one too. The Malika has clearly written that the Lord will come in a human form. And Lord Vyasa has also written in the Srimad Bhagavatam: 'sambhal grama mukhyasya brahmanasya mahatmanah bhavane vishnuyashasah kalkih pradurbhavishyati' - Lord Kalki will be born in a human body at the house of a great-souled Brahmin named Vishnuyasha in the village of Sambhal. And the Malika says that when the Lord is 4 years old, he will establish the Sudharma Maha Sangha. I am telling you repeatedly, those who are in the Satya Sanatan Dharma, Sarva Dharma Sanatan Dharma organization, those devotees will go to the Sudharma Sangha. And that stream of the Malika will go to Sudharma. In God's organization, the organization of Lord Kalki, there will be no disciple-guru relationship. The relationship will be of brothers, friends, and family. Because when God comes, he never maintains a guru-disciple relationship; he lives with his devotees like his own family. And the Lord lives like a family. The Lord also lives a separate life.

► Watch this answer · 49:17 · 17 October 2021

Q_488 Guruji, I am from Bikaner, Rajasthan. How can I join the Satya Sanatan Sanstha organization and get in contact?

Answer: It's wonderful. See, in Rajasthan, there has been a temple of Lord Kalki for a long time. It is probably near Ajmer, where Lord Kalki is worshipped. And Rajasthan is a land of dharma, a holy and pure land. Animal slaughter is less there. It's very good. To get in contact, we have created a WhatsApp group for Vishwa Sanatan Dharma. Because as things are proceeding, we have made a WhatsApp group. Many people from around the world and India are in it. Through that medium, satsang also happens sometimes. So, the WhatsApp group number that appears on the screen, you should contact that number, and through that number, talk to them. They will add you, and you can work through that medium and also guide us.

► Watch this answer · 52:01 · 17 October 2021

SESSION 24 · QUESTIONS 489–513

L23 भक्ति के माध्यम से कल्कि भगवान का दर्शन मिलेगा

Date: 31 October 2021 · Watch the full session ↗

Q 489 I am speaking from far away. I have a doubt. Some of my friends are not connected to Sanatan Dharma, but they don't eat meat or fish, they are Brahmins, and they read the Srimad Bhagavatam. Is it necessary for them to join Sanatan Dharma and Sudharma Mahasangha?

Answer: Look, people who don't eat meat and fish and read the Srimad Bhagavatam are pure and pious. But for the sake of the world and for Sanatan Dharma, we have a lot to do. The Lord who has descended for the establishment of Dharma, it is necessary to take refuge in Him. Through Sanatan Dharma and the Sudharma Mahasangha, we will be able to connect with Lord Kalki in the future. Therefore, I believe it is necessary for them to come to Sanatan Dharma, but ultimately, it is their wish and their need.

► Watch this answer · 09:52 · 31 October 2021

Q 490 My question is about the Amroha Devaro and the Chhutia Matha. Will Chitra Machhli and Gora Kumbhar meet there?

Answer: Look, it is written in the Malika that they were cursed in a previous life. They were Gandharvas who were cursed. In this life, the Lord's domain in the Biraja Kshetra will have a 'mandal' (circle/region), and their bones will be placed there. This is written in the Malika. They will both die in this lifetime, and their bones will be placed at the gate of the Lord's domain in the Biraja Kshetra. This is why they have taken these forms, due to a curse.

► Watch this answer · 11:31 · 31 October 2021

Q 491 Guruji, you had said that 727 kings will rule our country. So, will there be no single king in our country at that time? Will there be more danger at that time?

Answer: Which time are you talking about? Right now, India is a republic, a democracy. In the time to come, after the world war and the establishment of Dharma (righteousness), it will become a monarchy. Devotees will gain authority all over the world. The Lord will grant authority to the devotees, just as Lord Krishna made Ugrasena the king of Mathura. Similarly, many devotees in various regions and countries across the world will be empowered. According to the Malika scriptures, 100,000 devotees will be empowered by the Lord.

► Watch this answer · 13:00 · 31 October 2021

Q_492 How do we recognize God? What will be the signs by which we can identify that He is God, so that we can move towards the house of Satya Yuga?

Answer: You will have to adopt the principles and live by them. For instance, it is necessary to become a vegetarian and to engage with the Srimad Bhagavatam. By doing all this, you will get a vision of God and experience Him. Then you will understand its meaning.

► Watch this answer · 14:22 · 31 October 2021

Q_493 During the establishment of Dharma, don't the negative forces trouble you? And secondly, how much of the 'Kali' (negative influence of the age) has been destroyed? What percentage of it is left?

Answer: Mother, we are doing the work of establishing Dharma. The negative forces do trouble us, they cause a lot of trouble, but they cannot ultimately harm us. The Lord who created this earth and human society is our God. Kali is an ordinary power. No matter what it does, it cannot achieve anything. It will oppose us, it opposes me as well. When we do satsang or Katha, I get a high fever or other troubles before it, but we are not afraid because we have the Lord's grace. Nothing will happen. It won't be able to do any real harm. The Lord is traveling the entire world and doing the work of establishing Dharma. When you are with the Lord, no power in the world can harm you. Look at the Pandavas; on one side were the five of them, and on the other side were the armies of the entire world, yet the Lord made them victorious and established peace. So, mother, see, Dharma is always victorious. Sin brings temporary problems, and sinners create them, but they have no real power. They only strengthen the devotees.

► Watch this answer · 15:26 · 31 October 2021

Q_494 (This is a shared experience followed by a prayer) A devotee shares an experience of desiring to visit the Vaishno Devi temple and then miraculously finding one nearby, where he also saw a large photo of Lord Kalki with a message about his arrival. He concludes with a prayer: "My prayer to the Lord is that he hears my voice and quickly gives me an opportunity to serve at his holy feet. That is all, Pandit ji."

Answer: Very good. This experience is for those devotees who remember the Lord with a true heart. They will receive such signs and visions from the Lord, which will show that the Lord and the Mother are with us. All good devotees will have such experiences. The Lord and Mother gave you a vision because of your purity and devotion. This is the greatest experience for devotees, and we must move forward with it. The time will come when you will take refuge in Lord Kalki. I am telling you, the time will come for you to take refuge in Lord Kalki.

► Watch this answer · 18:29 · 31 October 2021

Q_495 A week ago, I had a dream that I was getting married. I am a bachelor in the dream, and the wedding is arranged. A man gives me a coconut in my hand and takes a piece of cloth from his own attire and places it on the coconut. What does this mean?

Answer: In the coming Satya Yuga, the devotees who will attend the Sudharma Sabha (assembly of righteousness), before entering, will go to the ocean and take a dip. After that, they will receive a new life. All devotees will attain a youthful state. After the Sudharma Sabha, some devotees will be remarried and rehabilitated. Such a time is coming. If you are truly in the pure stream of Lord Kalki, Sanatan Dharma, and the Malika, then you too will experience such a time.

► Watch this answer · 20:57 · 31 October 2021

Q_496 I have two questions, Pandit ji. First, will Shri Kalki Maharaj come to Gaya, as many people come there for Shraddha rituals? Second, in Indonesia, the president's daughter has adopted Hinduism, and I have heard that 30,000 Muslims have also converted to Hinduism. Is this the beginning of the establishment of Dharma?

Answer: Absolutely, this is the beginning of the establishment of Dharma; the establishment of Dharma is already in progress. Many people will change, and many will not. Those who change will be protected by the Lord. Such a time is upon us. Sanatan Dharma will be illuminated throughout the entire world. No matter how many people oppose it, only Sanatan Dharma will remain in all countries of the world; no other religion will exist. That's the first point. Secondly, Lord Kalki will definitely go to Gaya. It is a holy pilgrimage site, and the Lord does visit. Lord Kalki visits many states in India, and devotees see him. Those who are devotees realize that he has visited their village or holy place. Devotees are seeing him. This is how it is.

► Watch this answer · 22:36 · 31 October 2021

Q_497 (Implied) The Malika mentions the destruction of asuras (demons). When will this happen? I am waiting for it.

Answer: Look, mother, there are thousands, even millions of asuras now. In other yugas, there was Andhakasura and many others, but in this age, there are crores of asuras. The Malika states that all asuras will be destroyed—those who oppose Sanatan Dharma, those who spread sin in society, those who commit violence against living beings, those who cause suffering to humans, and those who violate the laws of nature. All these asuras will be destroyed, including the one you mentioned. You just have to wait for the time. Time moves slowly. With the 'Panchaka' period, when Saturn enters Pisces in 2025, the times will become very difficult. That will be a very critical time.

► Watch this answer · 24:10 · 31 October 2021

Q 498 Pandit ji, I have a question. There are devotees who are developing Brahma Gyan (divine knowledge). Among them, there are some who have experienced Brahma Gyan, but it's not stable. A strong jolt of worldly attachment comes, and the knowledge disappears. What will be the future of such devotees? Please enlighten us.

Answer: In this life, the greatest and most sacred thing is the holy name. Those who chant the name of the Mother will attain Brahma Gyan (divine knowledge) and have a vision of the Lord, and they will go to the Satya Yuga. It is written in the Malika that simply by chanting the name of Madhav, we will realize everything that is going to happen in the future. We can even see the coming times. But one must also follow the prescribed path: reading the Srimad Bhagavatam, chanting the names of the 10 avatars, the 16 holy names of Lord Krishna, and continuously chanting the name 'Madhav'. By doing this, the devotee's power and inner light will increase, and they will be able to see everything.

► Watch this answer · 25:34 · 31 October 2021

Q 499 Pandit ji, when will an emergency be declared in India?

Answer: That is the governance of that time.

► Watch this answer · 28:21 · 31 October 2021

Q 500 Pandit ji, please tell us about the 17 numbers.

Answer: You are talking about the salvation of 17 life forces. But the Lord can do this even beyond the 17. It is His will; He can do it anytime. I just want to say, follow the Malika, follow the path I am showing you, and join Sanatan Dharma. You will come to know everything, and it will be good for you to act accordingly.

► Watch this answer · 28:38 · 31 October 2021

Q 501 Anukul Thakur, Ramakrishna Paramahamsa... had they come with a purpose? Will they come again, or have they already come? Also, if a devotee was a devotee of Radha-Krishna in a past life, is it possible that the avatar of Radha-Krishna will meet them in this life?

Answer: Regarding Ramakrishna Paramahamsa and Nigamananda, it is written in the Malika that they will come, they will purify some devotees, and their legacy will remain in this world. Regarding your second question, many have come to earth as avatars and brought change. However, it is not written anywhere that they will come again. Secondly, if a person performs good deeds, they are reborn as a human. Right now is the time for the establishment of Dharma, and Lord Kalki has descended. He is the Guru for the entire world. In this era, the tradition of individual gurus will not remain. Only the Lord himself will be the Vishwaguru (World Teacher), and he will establish Dharma across the world, meaning he will destroy sin. He will move forward on his own will. During this time, you should all connect with the Malika. If you are pure, you can also meet the Lord.

► Watch this answer · 29:24 · 31 October 2021

Q 502 (This is a request) I have a request. If you could give us just one name of the Lord to chant, I would be very grateful.

Answer: (The speaker later provides a detailed answer at the end of the session) I will tell you. Chant the name 'Madhav' continuously. Also, I will give you the 16 holy names of Lord Vishnu and the 10 avatars to chant. [The speaker then recites the specific shlokas and names, such as 'Vasudevam Chintayet Vishnum...', 'Shri Matsya Avatar, Shri Kurma Avatar...', etc., and also recommends the Hare Krishna Mahamantra]. Reading the Srimad Bhagavatam is also essential. Following this path will give you strength and protection.

► Watch this answer · 32:55 · 31 October 2021

Q 503 In the Sanatan Dharma group, three people work: Mohan, Padma, and Narendra. Can I talk to them?

Answer: Yes. Whatever they post, I read it too. Read it and follow it. You can talk to me, no problem. If they are in the satsang right now, I will let them know. If you call them, they will speak with you. There is no issue.

► Watch this answer · 33:49 · 31 October 2021

Q 504 Could you please tell us what the Malika has written about identifying the Lord during his childhood?

Answer: Okay, mother. What was written in the Malika about the Lord's childhood... it is written in the Odia language, so you might not understand it. It says that when the Lord completes three years and enters his fourth year, he will begin his divine play (leela). Devotees will meet him, they will establish the Sudharma, and they will advance the work of establishing Dharma. A light will be illuminated among the devotees. All of this has already happened. The Lord's childhood leela is over. Those devotees who can see him and know about him can tell you more if you speak with them. But now, the time for establishing Dharma is approaching. The most important thing now is the formation of the 16 mandals and the gathering of devotees. That is why the Malika is being propagated.

► Watch this answer · 34:35 · 31 October 2021

Q 505 (In Odia, translated) There is a prophecy: 'You will descend from your father's hand... your birth will be on the 13th.' This is very controversial. It refers to Bipin Chandra, Chandra, etc. According to the scriptures, the birth has already happened. This is attracting a lot of attention. Can you clarify this?

Answer: (The speaker responds in Odia, deflecting the question) I cannot answer questions from that specific publication here. This is not the place for it.

► Watch this answer · 36:25 · 31 October 2021

Q 506 Prabhuji, after the establishment of Dharma, you speak of the 'Kshira Sagara' (Ocean of Milk) where people will bathe. Will everyone be able to bathe there, or only a few? Also, as the establishment of Dharma proceeds, it is said that the Lord will kill the wicked. Will he use the Sudarshana Chakra for this?

Answer: Regarding the first question, at that time, Vishnu and Shiva will be present, the 'Panchaka' period will be ongoing, and the Sudharma Sabha (assembly of righteousness) will be in session. But only those devotees who were pure, who were with the Lord in the Dvapara Yuga, like the Gopis... The Lord will summon the Ocean of Milk to Earth in front of the Biraja Devi temple. Goddess Durga will guard it. At the gate, Durga's attendants will be present. Only those who get permission and a pass from the Lord will be able to go and bathe, not everyone. For the second question, the Lord, the wielder of the chakra... when all the Muslim and other armies, while fighting, reach the borders of Odisha and confront the Lord at Khandagiri, the Lord will first challenge them and then destroy them with the 'Kala Chakra' (Wheel of Time). They are not cursed beings; they are asuras (demons) by their own karma. In this age, there are crores of asuras due to their own karma. The Lord will destroy them to establish Dharma and bring forth the Satya Yuga. It is not necessary that they will attain liberation.

► Watch this answer · 39:03 · 31 October 2021

Q 507 Two days ago, I had a dream. I saw a woman who was eating men. She was well-dressed in a nice saree and everything, but she was eating people. What could this mean?

Answer: This means that since the Dvapara Yuga, Mother Mahamaya, Mother Kalika, and her attendants have been waiting. At the end of the Kali Yuga, the Lord is committed to giving them human flesh and blood. The divine powers that are engaged in the work of destruction, their work is currently underway. The diseases, pandemics, and calamities that are happening—the Lord has given them authority over these things. He has not given full authority to all goddesses; if he gave all of them the authority to destroy, the destruction would be unimaginable. For now, he has given this authority for destruction to a small number of deities. What you saw in your dream is that very work, and it is in progress. As Mahapurush Achyutananda wrote, the goddesses are carrying out the destruction, and humans are suffering the consequences of their sinful actions. This will increase further.

► Watch this answer · 42:32 · 31 October 2021

Q 508 I want to take refuge in the Lord with my whole family, and I am doing whatever I can for it, but I am not having any spiritual experiences or realizations yet. What should I do?

Answer: Are you following the path I have described? Son, until a calamity comes, how will you know that it has been resolved for you? So, chant the name of Madhav and do the work as I have instructed in this stream. Also, join the Sanatan Dharma group. All this is necessary because this is a family being formed for Lord Kalki, and the Lord will grant permission to these families and save them. It is necessary for you to join. Join the Sanatan Dharma group, meet with other devotees who are with us. When a problem arises, at that very moment, you will recognize that the Lord is with you. You will get that experience.

► Watch this answer · 44:30 · 31 October 2021

Q 509 I want to ask about the 'One World Government' that Modi ji mentioned last year. Will this concept, proposed by America, also come to India? And will it cause any problems for the people?

Answer: Look, mother, they talk a lot, but they don't know anything. A time of destruction is underway, and the work of destruction will only increase. This is a time of war among all the nations of the world. A great war is going to happen in the next four to five years; just wait and see. No 'One World Government' will be possible. Everyone is working for their own self-interest. The Lord is coming to destroy, so be prepared for that. All these leaders who commit sins and oppress their people, their destruction is also going to happen.

► Watch this answer · 46:48 · 31 October 2021

Q 510 The Malika says that one day Mumbai will be submerged in water. What will be the cause of that?

Answer: It's not just that Mumbai will be submerged in water. Mumbai will sink, Chennai will sink, Andhra Pradesh will sink, Odisha will sink, Bengal will sink, and the Kutch region of Gujarat will also sink. All the coastal landmasses across the entire world will be submerged. One day, a comet ('Lanka Nakshatra') will fall into the ocean. Because of this, the sea water will rise thousands of feet high, and at that time, everything will be submerged. People are waiting for this, but they don't understand Dharma and continue to commit sins. They are waiting to see the time of destruction.

► Watch this answer · 48:02 · 31 October 2021

Q 511 I have tried to understand this many times. Mother Kali, Mahamaya... she is the Divine Mother, a part of the Lord himself. Being the Divine Mother, how can she eat meat and drink blood? This confuses me. How can a mother consume her own children and be non-vegetarian?

Answer: That's a very good question. In the Dvapara Yuga, when Lord Krishna was returning with the cowherd boys, Mother Mahamaya asked the Lord for some of his devotees for her to destroy. The Lord replied, 'In this yuga, they are performing leela with me in Vrindavan, so I cannot give them to you now.' The Mother then asked when her wish would be fulfilled. The Lord replied that it is written in the scriptures that in the Kali Yuga, people will become sinners. They will kill living beings, consume intoxicants, refuse to take refuge in Lord Kalki, and oppose the establishment of Dharma—meaning they will engage in sin, injustice, and corruption. The Mother will destroy them. The Lord himself is Vishnu, the savior of all. Why would he destroy them with his chakra? If the sinners are not destroyed, human society cannot survive on earth. The Mother comes to destroy the sinners and also to save the devotees. The Malika says she will save the devotees and destroy the sinners. When someone commits a sin, their destruction becomes necessary. This is not the Mother's fault, as she has a destructive form (Samhara Rupi) as well as a benevolent form (Vaishnavi Rupi). In her destructive form, she destroys sinners, and in her benevolent Vaishnavi form, she saves devotees. This has happened in every age.

► Watch this answer · 49:16 · 31 October 2021

Q 512 Pandit ji, by 'the 16 names,' do you mean the Hare Krishna Mahamantra: 'Hare Krishna, Hare Krishna, Krishna Krishna, Hare Hare'?

Answer: Mother, I was referring to the 16 names [of Vishnu that I just recited]. You can review this recording. The mantra that Lord Chaitanya Mahaprabhu gave—'Hare Rama, Hare Krishna'—you should chant that as well. It is a tradition of our Sanatan Dharma. However, the name 'Madhav' is also essential because Madhav is the ultimate reality, the key to knowing the truth of the infinite yugas. In the Kali Yuga, the mantra given by Chaitanya Mahaprabhu was necessary for us, so chant that too.

► Watch this answer · 56:28 · 31 October 2021

Q 513 Pandit ji, we are asking which 16 names you are referring to: the ones you just recited, or the Hare Krishna Mahamantra?

Answer: The 16 names I recited are the 16 holy names of Lord Mahavishnu. For example, 'Narayanam Tanu Tyage' means that when one is dying, chanting the name of Shri Narayana grants them Vaikuntha (the celestial abode). By chanting these 16 names, the 16 elements that control the human body will remain in balance, the body will stay healthy, the influence of Dharma will remain, and you will receive the Lord's blessings and the blessings of all the gods and goddesses. By chanting this mantra, you will receive insights about the Lord in your dreams and experiences. That is why I am telling you to do it.

► Watch this answer · 57:04 · 31 October 2021

SESSION 25 · QUESTIONS 514–529

L24.2 सम्पूर्ण विश्व को भूकंप ग्रास करेगा LIVE

Date: 07 November 2021 · Watch the full session ↗

Q 514 Will this Satya Yuga (Age of Truth) come at the end of this Kalpa (cosmic cycle), or is it coming in the middle of Kali Yuga (the current age)?

Answer: Look, Ma'am. According to the scriptures, the end of Kali Yuga will happen after 5,000 years. Right now, the year 5126 is ongoing according to the Odisha Jagannath Panjika. As the year 5126 is in progress, the influence of the Yuga is being felt in society. Many people are turning towards Dharma. It is written in our scriptures that a good time will come at the end of Kali Yuga. And when that good time comes, the people who remain will go into Satya Yuga. They will start the Satya Yuga. Meaning, in the beginning, it will be a virtuous Yuga. Then after some time, they will make mistakes... this is the end of Kali Yuga. Then there will be Satya Yuga, and at the end of Satya Yuga, there will be Brahma Pralaya (the great dissolution), similar to when the Lord took the Matsya avatar (fish incarnation). So that time is also coming. If the Lord wishes, He can change anything. At the end of the Yuga, Satya Yuga comes, and there is a dissolution. So this is the Lord's stream; it depends on the Lord whether He will bring back the same Yugas after this or create a new one. It is His decision.

► Watch this answer · 01:26 · 07 November 2021

Q 515 Pandit ji, I am calling from Barabanki. We have a 5,000-year-old tree here, which was planted by Lord Shri Krishna and the Pandavas. So, will they come here again?

Answer: My dear, the Lord has set foot there. Look, the Lord's domain was the Dvapara Yuga. Your area is one of the places where Lord Krishna went to establish Dharma. He met devotees and came with the five Pandavas. The Lord's divine presence will remain in that place, and in time, He will surely visit. It is a sacred piece of land, and in time, a sacred connection will be formed with you all. The Lord and the Pandavas will again tour the areas of Dvapara Yuga and Treta Yuga. This is written in the Malika. And you are already connected to Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 03:24 · 07 November 2021

Q 516 I have two questions. First, when will President's rule be imposed in India? Second, you had mentioned that a large rock or asteroid will become active and fall from space into the Pacific Ocean. Please give some information about this.

Answer: Regarding the President's rule you are asking about, it will definitely be imposed. How will it happen? Around 2025, when Saturn's influence is strong, and this establishment of Dharma is underway, a war will break out between India and Pakistan. China will also join the war. At that time, a military emergency will be declared. Russia will also help India. The most important thing is, when this war will happen depends on Lord Kalki. This is because the devotees have not yet gathered, and the 16 Mandals (circles/groups) have not been formed. Until the 16 Mandals are formed and the work of establishing Dharma doesn't move forward, there will be some delay. When the Pandavas fought the Mahabharata war, they had to spend many years in exile. Similarly, the devotees are now in exile, in sorrow. But the formation of the 16 Mandals is necessary. And it will definitely happen around 2025. The military emergency will happen, Russia's support will be there, and the asteroid will also fall. It is best to wait for the time to come. I advise you not to panic about these things.

► Watch this answer · 07:31 · 07 November 2021

Q 517 I often smell a beautiful fragrance during my morning meditation, like the one during a Satyanarayan puja, even when no one is cooking. What does this mean?

Answer: Ma'am, this is all written in the Malika. First, the Lord gave you a vision in your meditation. Second, when His fragrance comes, it signifies the Lord's manifestation. When His fragrance comes, it means He comes to you. Third, you are talking to me, who tells the world about Lord Kalki. So you should understand the meaning of this: it is a sign from the Lord that this is the time for the establishment of Dharma. You should work for Sanatana Dharma, and it is necessary for you to work towards how the establishment of His Dharma will move forward. That is why the Lord is giving you these signs.

► Watch this answer · 14:39 · 07 November 2021

Q 518 How can one have His darshan (divine sight)?

Answer: Look, there is no need to strive for it separately. Join our Sanatana Dharma WhatsApp group through the number in the description. You will get to know about the establishment of Dharma and Lord Kalki's will, and what is necessary to do. You should follow that. And the best thing is, the Lord Himself is already coming to you. You are a pious woman to whom the Lord is giving darshan. It is written in the Malika, and you are talking to me, I am the one speaking. So follow that and join the Sanatana Dharma group. This is necessary for you. If you follow this, it will be good for you.

► Watch this answer · 15:47 · 07 November 2021

Q 519 Rambhadracharya ji recently made a prophecy that by 2024, PoK (Pakistan-occupied Kashmir) will merge with India and a part of China will also be incorporated into India. What are your thoughts on this?

Answer: On one side there is Pakistan, and many Muslim countries will fully support it. You can imagine for yourself what the result of that will be; I don't think it's necessary for me to say. The second thing is, it is written in the Malika that a war will happen, and that war will convert into a world war. So we are looking towards the coming time. It is also shown in the Malika. We are just waiting for that time, which will happen by the will of God. Whatever saints and sages say, we respect it. We do not consider it necessary to comment on it.

► Watch this answer · 17:07 · 07 November 2021

Q 520 How will we be able to survive, and how will our Lord protect us?

Answer: Look, let me tell you all. The establishment of Dharma will happen in the entire universe, not just in India. The war is just one medium for this. In some places, there will be a great flood; in others, a great fire; in many places, there will be mass destruction, earthquakes, and famine. Fire will fall from the sky. Through these various means, Dharma will be established throughout the world. The stream of the Malika says that Dharma will be established everywhere. Those who follow Dharma, purity, a vegetarian diet, and the Vedic path will be the ones to survive, no matter where they are in the world. Ramrajya (the rule of righteousness) will be established in the entire universe. There will be a complete cleansing. And when Ramrajya is established, the devotees will be saved. You should connect with satsang (spiritual gathering) and Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 18:53 · 07 November 2021

Q 521 I have been a great devotee of Lord Krishna for the last 8-9 years, like Mirabai. I have endured every sorrow in life. But now I am tired, Pandit ji. What is written in the Malika about devotees like me? I am tired of suffering and only have faith in Krishna to save me.

Answer: Ma'am, I bow to you and your devotion. It is very good that you are immersed in devotion to Lord Krishna. This is the most sacred path in human life. Look, Lord Krishna and Lord Kalki are one and the same, and He has already taken birth on Earth in a human body. The Lord you are searching for has come to Earth in a human body to save the devotees. So, this is what I want to tell you: you should join Sanatana Dharma and connect with Lord Kalki. This will be the most important path for you. All the effort you have put into your life and the devotion you have been immersed in, you will receive the fruit of it.

► Watch this answer · 20:29 · 07 November 2021

Q 522 When will we meet with Lord Kalki?

Answer: Look, child, you are very young. Focus on your studies, get an education, and take the blessings of your parents. You are in the fifth class. If possible, ask your parents to give you a Bhagavat scripture to read. Reading it for 10-15 minutes will not only bring well-being to your family but will also greatly improve your future, concentration, education, lifespan, and strength. You will find happiness in life. Okay, child? Do this much.

► Watch this answer · 23:00 · 07 November 2021

Q 523 Through the Malika, we have come to know that Muslim countries will invade India, and except for Odisha, the rest of the country will come under Muslim control. Please shed some light on this.

Answer: Look, this is absolutely not written in the Malika. What is written in the Malika is that thirteen Muslim countries, along with Pakistan and China, will wage war against India. But Lord Kalki will ensure India's victory over all these countries. Sanatana Dharma will prevail in all of India and the world. The Muslim and Chinese armies will both come to Odisha and fight a war with Lord Kalki. In that war, 1.4 million soldiers of the foreign armies will die. So, nothing like what you said is going to happen. The scriptures follow their own course. Sanatana Dharma will be illuminated in the coming times. We only state the truth, the stream given by the Lord. The sinners will be destroyed, and the righteous will be saved. No matter where the sinners are in the world, they will not be able to survive.

► Watch this answer · 24:09 · 07 November 2021

Q 524 King Parikshit heard the Bhagavata in Shukratal. So, will Lord Kalki also come here? Has Kalki already visited this place?

Answer: The Lord has already visited. When the Lord comes, He tours all the pilgrimage sites of the world and the universe, but He does so in secret. The devotees know. So this has already happened, because it is a sacred, holy place.

► Watch this answer · 26:11 · 07 November 2021

Q 525 Has Lord Kalki already toured Kolkata?

Answer: Look, child. I have said this before, in the last episode. The Lord has already gone and visited. And if there is a need, the Lord can go again in the future. This depends on the Lord.

► Watch this answer · 27:01 · 07 November 2021

Q 526 I had a vision that Goddess Vaishno Devi has come and a temple needed to be built for her. Do you have any information about this?

Answer: Child, Mata Vaishno Devi will work with the Lord in the establishment of Dharma. The vision you had is a true darshan. The Mother also visits her devotees. As for building a temple for the Mother, her temple already exists in Trikuta. And in Satya Yuga, the Mother's temple will be illuminated in many other different places as well, and devotees will have her darshan. So, you should work in the service of the Mother, it will be good.

► Watch this answer · 27:48 · 07 November 2021

Q 527 Since God is equal for everyone, why doesn't Lord Kalki just change everyone's heart to establish Dharma? What is the need for all this destruction? He is God, He can do anything, right?

Answer: Look, child. In human society, the question of transformation doesn't even arise because humanity has no desire for Dharma anymore. The Lord created the Earth so that everyone has equal rights and helps each other, but now there is inequality, selfishness, and cruelty. Look at how much animal slaughter happens. The Earth was not created only for humans. For thousands of years, many saints have tried to bring humanity onto the path of Dharma, but their words have no effect. Man, through his actions, has polluted the entire climate, causing the poles to melt. If the Earth isn't saved, humanity won't survive. So first, the Earth has to be reformed by destroying the sinners. The Lord comes to destroy sinners, not for the righteous. He comes to oppose the sinners and protect Dharma and the balance of the universe. It is the Lord's duty to save the world, and He will do what is necessary, which will be good for the devotees and pure souls, and He will destroy those who are the cause of misfortune for the world.

► Watch this answer · 29:36 · 07 November 2021

Q 528 You once said that those who go into Satya Yuga will have their bodies become divine. When will we get to know this? And what changes will suddenly occur in our bodies? Will this happen to everyone?

Answer: Look, the path that we tell you all—becoming vegetarian, performing Trisandhya (prayers three times a day), reading the Srimad Bhagavatam daily, practicing charity, and propagating Sanatana Dharma—those who engage in these activities will become the seeds for Satya Yuga. Only those people, by the influence of the Lord's divine power, will have their diseases and the effects of aging removed from their bodies. Everyone will attain a divine body. This transformation is for the pious people who are connected to Sanatana Dharma, who will go from Kali Yuga to Satya Yuga, and who will remain in the shelter of Lord Kalki. It is written that Sudama had become old and couldn't walk, but with the Lord's blessing, he received a new life. In this age, the Lord will save the devotees in the same way.

► Watch this answer · 34:05 · 07 November 2021

Q 529 When will Satya Yuga arrive?

Answer: When you all fully follow the path of truth that you are on now... when you follow this stream completely. When pious people like you, according to our Malika, gather together in society and across the world, then the establishment of Dharma and the arrival of Satya Yuga will happen.

► Watch this answer · 35:54 · 07 November 2021

SESSION 26 · QUESTIONS 530–531

L24.1 सम्पूर्ण विश्व को भूकंप ग्रास करेगा LIVE

Date: 07 November 2021 · Watch the full session ↗

Q 530 I have heard that when people dig for water, sometimes fire comes out instead. Is this true, and what does it mean?

Answer: Look, what you are saying is absolutely correct. The biggest problem is that humanity has become corrupt in its principles. A person only looks out for themself, not for the world. The body that God has given is for seeing oneself, but the welfare of the world is also necessary. It is absolutely essential for humanity to follow the path of God and the Vedas. When someone digs for water, fire comes out. I haven't seen this in my own life, but when nature and a person's actions are in opposition, then for such people, fire comes out instead of water. And you are right, that fire cannot be extinguished. The Malika says so. My thoughts suddenly changed; such changes also happen in the world due to the consequences of karma. This is just a small sign; in the coming times, you will see many confusing signs in the world. It's a very good thing that you see this and understand it. Follow the path of the Malika, join Sanatana Dharma, and work towards spreading the influence of dharma in the world. That will be for the best. Jai Jai Maa.

► Watch this answer · 11:40 · 07 November 2021

Q 531 I had a dream that there was heavy bombing on a village. During the first wave of bombing, many people were crying, and it seemed like the end. Then it started a second time, and bombs were being dropped from fighter planes. The bombs would fall near us but wouldn't explode; they would just bounce like a ball. I ran away from the village to the side of the road. When I looked back, the entire village was wiped out. What does this mean, Pandit ji? Please explain.

Answer: That is a very good question. All of you should listen as well. What he is describing in our satsang... a time will come when an entire village will be destroyed at once by bombing. But God wants to inform him, so He shows him this in a dream, saying, 'Look, this time is coming.' He is being told before that time arrives. So, such a time will come, as it is written in the Malika, that in some places, many cities in the world and villages in India will be completely destroyed. Sometimes it will be by bombing, sometimes by heavy rains, and sometimes by meteors from the sky.

► Watch this answer · 13:12 · 07 November 2021

SESSION 27 · QUESTIONS 532–561

L25 वर्तमान के समय में बच्चे लोग को पिता-माता को क्या शिक्षा प्रदान करना जरूरी है? LIVE

Date: 14 November 2021 · Watch the full session ↗

Q 532 What is the significance of the devastating rains we are seeing in Chennai and other parts of South India?

Answer: This is a glimpse of the great flood (Pralay) of the five elements, and it will increase in the future. I had mentioned this before. This rain will not be beneficial for farmers; it will be harmful because it will come at the wrong time, during harvest, causing destruction. People in the world will be very troubled. Not just farmers, but middle-class people with small and medium-scale industries will also face immense problems. People today think they are happy with their jobs, but they should also practice dharma if the world is to be saved. This deluge will not just be of water; there will be a deluge of fire, earthquakes, and social unrest. The air will be polluted, causing diseases to spread. The floods you are seeing in the South now will be 10, 15, or even 100 times more intense in the future. The only way to be saved is to take refuge in the Lord, read the Malika and Srimad Bhagavatam, perform Trisandhya three times a day, and continuously chant the Lord's name. By doing so, we can be protected from the calamities coming for the world.

► Watch this answer · 12:55 · 14 November 2021

Q 533 Panditji, I wanted to ask, will the people who have suffered an untimely death in this era come back in Satya Yuga? Their untimely death means some of their work was left unfinished. Will they come back in Satya Yuga?

Answer: This is a very big but necessary question. Look, it's like someone who goes into the ocean and gets lost, their whereabouts unknown. Similarly, when a person dies, if they have accumulated enough merit (punya), their home is pure, you have devotion to the Lord, you follow the path of Sanatana Dharma, and you pray to the Lord for this, then I can hope that they might be reborn in your family or somewhere else.

► Watch this answer · 15:35 · 14 November 2021

Q 534 The Janakpur temple and Pashupatinath temple in Nepal are being targeted by Christian missionaries. What is your take on this?

Answer: Nepal is a sacred land. The Lord came to that land. No one can change the birthplace of Mother Sita. This was, is, and will remain a Hindu nation. The Pashupatinath temple will remain safe; no one can do anything to it. The most important thing is that there will be an earthquake in Nepal, but the destruction from war will not be as severe. I myself went to Janakpuri and the temple of Lord Pashupatinath two years ago and felt the bliss there. It is a sacred place with the Lord's blessings, so there is no need to worry about it.

► Watch this answer · 17:13 · 14 November 2021

Q 535 What is written in the Malika about Makkeshwar Mahadev, and how can one control the mind?

Answer: This Makkeshwar Mahadev is present in the state of Makkasar. During the era of Satya Yuga, at the time of Lord Kalki's advent, devotees will come to know everything about him. Regarding the second part, to control the mind, read one chapter of the Srimad Bhagavatam daily, perform Trisandhya, and always chant the Lord's name. By doing this, control over the mind will gradually begin. After a few days, it will be successful because when the spiritual influence is on your body, the influence of the tamasic qualities, which cause distractions through the five senses, will gradually diminish.

► Watch this answer · 18:58 · 14 November 2021

Q 536 What does the Malika say about the future of West Bengal, the concept of Akhand Bharat (undivided India), and the atrocities against Hindus?

Answer: The partition of India that happened will be undone. All those parts that were with India, where the Aryan system of governance existed, all those countries will be with India. It will be one land, Akhand Bharat. China, Pakistan, Afghanistan... all these countries, except for Sri Lanka, including Bhutan, will form one large landmass under one rule, which is Aryavarta or Akhand Bharat. As for the atrocities on Hindus, their numbers are high there, and this is the age of Kali Yuga, so there will be attacks on dharma. We have to wait for the right time, follow the path of dharma, and with time, they will get their justice. All people will get their rights and live in peace.

► Watch this answer · 20:40 · 14 November 2021

Q 537 According to the Puranas, the Nar and Narayan mountains will merge, closing the path to Kedarnath and Badrinath. In their place, Bhavishya Badri and Bhavishya Kedar will emerge. Can you tell me if this will happen before or after Lord Kalki's arrival?

Answer: According to the Malika and all the scriptures I have read, Badrinath existed in Satya Yuga. Lord Krishna's great devotee, Uddhava, walked to that region in Dvapara Yuga, performed penance, and attained liberation. In Satya Yuga, when the Sanat Kumars were born, the great sage Narayana gave them teachings there. The four brothers, who were avatars of the Lord, performed penance there. So, Badrinath existed in Satya Yuga, Treta Yuga, Dvapara Yuga, and it exists in Kali Yuga. The propaganda that the two mountains will merge and Badrinath and Kedarnath will close is completely false. Nothing like that is going to happen. The pilgrimage site will remain, and people will continue to go there. The four dhams—Badrinath, Dwarka, Rameswaram, and Jagannath Puri—were established by Adi Guru Shankaracharya. These four dhams will exist in every era. The situation at Badrinath will not be as it is now, but the path will remain. The mountains will not merge as described because it is the Lord's own domain and will remain so in Satya Yuga. There will be no change in it.

► Watch this answer · 22:31 · 14 November 2021

Q 538 I had a detailed personal experience about my father's death, seeing Lord Krishna in a vision, and my father attaining liberation. I also saw my father in the form of a saint during a feast and later had a dream about my father and my guru in the Nilgiri mountains, which led me to Lord Jagannath. What is the meaning of all these experiences?

Answer: This is a great thing. The Lord fulfills the wishes of his devotees. Your wish was that the Lord would appear whenever you called him, and when you called him at the time of your father's death, the Lord came, gave him darshan, and your father bowed his head and attained Vaikuntha (heaven). Your wish was fulfilled. Secondly, to fulfill your father's wish, you went to Dwarka. The Lord, wanting to fulfill your father's wish, sent him in the form of a saint. He came, participated in your feast, and after his work was done, he returned to Vaikuntha. Thirdly, the vision of the Nilgiri mountains you had through Lord Krishna's grace is a sign of Lord Kalki's incarnation. Lord Jagannath of Nilgiri is himself the Kalki avatar. So, in the time to come, you should work for the establishment of dharma and for the Kalki avatar. The Lord fulfilled your wish and your father's wish by sending him to that place twice. Now, for the establishment of dharma, the Lord has already taken incarnation. Follow the path we are showing, because Lord Krishna saved devotees in Dvapara Yuga, and Lord Kalki, as Krishna, has come in this age. You all should come to this path.

► Watch this answer · 27:11 · 14 November 2021

Q 539 Regarding all our Siddha Peeths (sacred power centers), during the time of Pralaya (dissolution) by water, fire, and the five elements, how will these Siddha Peeths be saved? What is written about this in the Malika?

Answer: The sacred Siddha Peeths like Rameswaram, Kamakhya temple, Badrinath, Dwarkadhish temple, and Jagannath Kshetra will all remain safe and pure. There might be some minor damage during the Pralaya, but these sites will exist in every era because Lord Krishna and Lord Rama had toured India. In this era, the Lord will tour again, and even with the end of Kali Yuga, these places will remain.

► Watch this answer · 32:42 · 14 November 2021

Q 540 Have people had the darshan (divine sight) of the Lord's feet? What are the signs on them?

Answer: It is written in the Malika: 'On the right foot, there is the sign of an ankus [elephant goad], and on the left foot, the sign of half a mace.' However, not everyone will get to see this. Only the pure and worthy devotees will get his darshan. The Lord will not go around showing his signs to everyone, saying, 'I have come to establish dharma, look at the signs on my feet.' It's not like what some sadhus and saints do in Kali Yuga. This is a path of devotion and purity. Those who have that level of devotion will be able to recognize him.

► Watch this answer · 33:59 · 14 November 2021

Q 541 Panditji, Lord Rama and Lord Krishna lived with their families. In this context, where does Lord Kalki live? Does he live with his family, or in an ashram somewhere far away? Please provide some information about this.

Answer: He will live a family life. Lord Kalki will also be a human being; he won't have the appearance of a sadhu or a saint. He will be like a common man and will establish dharma. He will unite with his devotees, forming a family of friends and relatives, and together they will work to establish dharma.

► Watch this answer · 37:05 · 14 November 2021

Q 542 It is said that the lineage of Trijata will last for 13 generations in Kali Yuga. Have all those 13 generations already been born?

Answer: Listen, it is written that Trijata's lineage will last for 13 generations, and after the 13th generation, there will be no one left in their family line. And as you know well, the descendants of Trijata who were working in India—I won't say everything because answering this question fully can cause social problems—those who held positions of power in India, their family will last for 13 generations. And even now, the one from their last generation has not married yet. The family line ends there. The 13 generations are complete, but the end of Kali Yuga has not yet come. This is the proof, isn't it?

► Watch this answer · 38:28 · 14 November 2021

Q 543 In Dvapara Yuga, Lord Krishna brought his guru Sandipani's son back to life in the same body as a guru dakshina (offering to the teacher). I am asking, if the Lord is merciful, can he bring my father back in the same form?

Answer: Baba, your father is going to be reborn in the next life, that's what I can see. He will be reborn. After being reborn, how can he come back in that same form? Look, if you all remain in a state of devotion and surrender, and when Lord Kalki holds the Sudharma Sabha (assembly of righteousness), at that time, Lord Kalki will fulfill the wishes of all his devotees. If your purity and devotion can reach that level, then at that time, whatever the devotees ask of the Lord, He will fulfill their wishes. This is also written in the scriptures. So, wait for the time and think about your own actions.

► Watch this answer · 39:46 · 14 November 2021

Q 544 We do everything—Trisandhya, chanting, even the little children do it. But we did not get the message to have the Lord's darshan, and I am very troubled by this. We read the Bhagavata Mahapurana, we do japa, but we are unable to reach the Lord. Why?

Answer: Listen with patience. Coming to the Lord, having his darshan, being with the Lord—all these things face many obstacles. A devotee, in their pure devotion... Lord, have mercy... the Lord will give you darshan.

► Watch this answer · 41:45 · 14 November 2021

Q 545 I had a dream about a year ago. The whole world was dark, and it started raining fire. I gathered my family and children inside a safe place. What does this dream mean?

Answer: This means the Lord is calling you and telling you, 'I have arrived, the establishment of dharma is about to happen. Change yourself and stay with me, work for Sanatana Dharma.' This dream is a directive. If he comes in a dream, it is proof that his incarnation has happened. Secondly, it is written in the Malika that many meteorites will fall from the sky. Devotees will not be harmed, but many forests and cities will be burnt to ashes. This is going to happen in the future. So what you saw is what is going to happen in the future, and the world will witness it.

► Watch this answer · 43:12 · 14 November 2021

Q 546 I follow the Vedas and Sanatana Dharma, and in Sanatana Dharma, I worship the formless (Nirakar) God. My family worships idols, but I don't. Does my method of worship have any negative effect?

Answer: Let me tell you one thing. In Dvapara Yuga, did the Gopis and Gopas worship a photo of Lord Krishna? At that time, was there idol worship? No. In Kali Yuga, to stabilize the human mind, because people are not pure enough to directly see the Lord, talk to him, and sit with him, idol worship was introduced. When Kali Yuga changes to Satya Yuga, devotees will meet the Lord directly, talk to him, and worship him directly. Devotion is the most important thing. Worshipping in a temple for an hour or two makes the Lord happy, but the one who has devotion in their heart and purity in their actions is the one who attains the Lord. This is absolutely correct. Look, all devotees will have to take refuge in Lord Kalki because he will rule the world. When he has come to earth in human form, you all must take refuge in him. It is also necessary to follow his path with purity. That is why the Malika was written, that is why I am propagating the Malika, telling everyone about the end of the era. Otherwise, things would just go on, and the devotees and the Lord would never meet. That's why this dream came to you, so you can work well.

► Watch this answer · 45:30 · 14 November 2021

Q 547 When will the Sudharma Mahasangh (Great Assembly of Righteousness) be formed? Will it happen before or after the great meeting (milan)?

Answer: All the members of the Sudharma Mahasangh, according to the Malika, will gather in one place. After that, the Sudharma Sabha (assembly) will be held, and Lord Kalki will establish 16 Mandals (regions/groups). I have spoken about these 16 Mandals before. The devotees will work under these Mandals. Lord Kalki will keep the devotees on one side and carry out the work of destruction throughout the universe on the other side, through the five elements, through war, and through pandemics. The small-scale destruction is already happening, and it will increase once the Sudharma Mahasangh is formed and grows larger.

► Watch this answer · 48:28 · 14 November 2021

Q 548 What happens after the four yugas? Is there a Brahma Pralaya where everything, including the sun, moon, and stars, dissolves into a cosmic ocean?

Answer: Yes, after the four yugas, there is a Brahma Pralaya, in which the sky, all the stars, the moon, and the sun, up to the infinite universes, become a cosmic ocean. Everything dissolves in it, and all things remain latent. Then the Lord creates a new sun, moon, stars, and everything anew. Right now, we are moving from Kali Yuga to Ananta Yuga, or Sangam Yuga. Soon, we will enter Satya Yuga. Satya Yuga will last for 10,000 years, or as long as the Lord wishes. After that, Brahma Pralaya will occur, and all humans and beings will perish. Then a new creation will begin. This cycle continues. It is written about in the Srimad Bhagavatam. Follow the path of devotion; only through devotion can one attain liberation. The path of knowledge only helps to understand things mentally, but devotion is born from the Bhagavatam. The Bhagavatam is a scripture that contains nothing but pure devotion. That is why it is called the Mahapurana among the 18 Puranas. One who reads the Srimad Bhagavatam gets the benefit of reading all 18 Puranas.

► Watch this answer · 49:39 · 14 November 2021

Q 549 You have said that we should read the Bhagavatam. My question is, should we just read what is written in it, or should we also implement and apply its teachings in our lives? Reading is one thing, and applying it is another.

Answer: Look, Baba, our Aryan tradition is that we do what we say. We tell society what we ourselves practice. This is the rule of the Aryan tradition and the Vedic path. Therefore, what we read in the Srimad Bhagavatam, we must fully apply in our lives and social conduct. By doing so, we can become righteous humans of Satya Yuga.

► Watch this answer · 51:40 · 14 November 2021

Q 550 When I chant 'Madhav, Madhav,' I heard a voice say, 'Devotee, I have arrived.' I also had a vision of a figure with a lotus and a conch, and another experience of holding the Lord's feet and then dancing with him. I pray with folded hands, please explain the meaning of these experiences and the message I am receiving.

Answer: This is a matter of great joy. The experiences you are having, many other devotees also call me and tell me about similar experiences. Look, those who chant the Lord's name, and especially those who are working in the Sudharma Sangha of Sanatana Dharma according to the Malika, and have purity in their hearts, the Lord goes to each of their homes. He goes to every devotee and gives them proof that 'I have arrived.' The time of destruction is near. This experience is you feeling the Lord's presence. Not just you, many devotees are having this experience. This means that in the time to come, those who will be the Lord's devotees, the devotees of Lord Kalki, will continue to have such experiences. The time will come when you will meet the Lord and work together like the Vanara Sena (monkey army) for the establishment of dharma. This is very sacred and it is the Lord's presence. When a devotee calls, the Lord does go and is present in their home. Many people experience this. You are a pure soul, that's why you had this experience. This is very good. Increase your devotion, stay by the Lord's side, and do some work for Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 52:42 · 14 November 2021

Q 551 My mother has been repeatedly dreaming about bombings happening in the southern and southwestern parts of India. She has had this dream not just once, but for many days. What does this mean?

Answer: Look, in the time to come, the specter of war will loom over the entire of India and the whole universe. There will be bombings, meteorites will fall from the sky, there will be floods and earthquakes. This is all going to happen in the future. What is written in the Malika, the Lord is indicating to you all, giving you a precautionary warning. 'Look, this time is coming.' Understanding this, and understanding that it is the time for the establishment of dharma, you must follow the path that is being shown. It is the Lord's path, the path to meet the Lord, and the path to know the truth.

► Watch this answer · 56:00 · 14 November 2021

Q 552 What will be the fate of people who are associated with other religions? For example, those who pray five times a day and are good human beings but are not connected to our Sanatana Dharma. In the coming 5-6 years, when the new Satya Yuga begins, those who worship Madhav will go. What will happen to the people of other religions?

Answer: This is a very good and important question. Everyone listen. In the world, there are many religions as long as Kali Yuga lasts. When Satya Yuga comes, there will be one religion and one path. Those who chant the name of Madhav, are with Sanatana Dharma, attend satsang, work for the establishment of dharma, and are connected with Lord Kalki now, they will surely survive. They will work as the Lord's servants and messengers to establish dharma throughout the world. As for the good people in other religions—and there are good people in other religions who live with purity and do not kill animals—such people will also be safe and will become citizens of Satya Yuga. They may not be involved in the work of implementing the Sudharma Mahasangha, but they will survive due to their purity. Some of them will survive, and in the end, they will also take refuge in the Lord and eventually adopt Sanatana Dharma as their own.

► Watch this answer · 57:12 · 14 November 2021

Q 553 Prabhu ji, I dream of Lord Krishna. But I tell Lord Krishna to show me a dream of Lord Kalki, yet only Lord Krishna appears in my dreams. Why?

Answer: The one who is Lord Krishna is also Lord Kalki. If you were to see the form of Kalki, you would get scared, my child. That is why the Lord appears to you in the form of Krishna. When you grow up and are able to handle it, at that time you will see him, because the Kalki avatar is very destructive, devastating, and terrifying, which is difficult to bear. That's why he appears in the form of Krishna. You are a child, that's why he does this. He who is Krishna is also Kalki. Very good.

► Watch this answer · 01:00:19 · 14 November 2021

Q 554 Will there be a great deluge (Pralaya) or earthquakes in the Bikaner region?

Answer: Not just Bikaner, but the entire state of Rajasthan will experience a great deluge. After the war and earthquakes, many new rivers will also emerge for the future. The rivers that have disappeared will reappear, and some new, good rivers will emerge for Satya Yuga, making Rajasthan green and lush.

► Watch this answer · 01:01:25 · 14 November 2021

Q 555 Which places will be the safe zones?

Answer: Every place is a safe zone. Wherever the Lord's grace is, that is a safe place. The whole world will not be destroyed. The world will continue, but the sinners will surely be destroyed.

► Watch this answer · 01:01:57 · 14 November 2021

Q 556 When people go into Satya Yuga, will they remember Kali Yuga?

Answer: When there is a transformation, the mind also transforms. When a person gets a new body, the memories of the past era will fade away.

► Watch this answer · 01:02:45 · 14 November 2021

Q 557 Will the people of Kali Yuga who go into Satya Yuga with their families meet each other there?

Answer: The people of Kali Yuga who are now joining the Sudharma and Sanatana Dharma through the Malika, they and their families will go. The world will change, and they will also change. Everyone will be transformed in Satya Yuga.

► Watch this answer · 01:03:27 · 14 November 2021

Q 558 Will Lord Kalki come to Kanpur or not?

Answer: Look, the Lord will surely go to every region because the establishment of dharma has to happen in the entire universe, the world, and especially in India. He will tour all the places mentioned. Whether Kanpur is on that list or on the route is a different matter.

► Watch this answer · 01:03:57 · 14 November 2021

Q 559 Panditji, will Lord Kalki come to our place too? What should I do to solve my problems?

Answer: What I am telling you, if you do all of that, everything will be alright for you. Do the Trisandhya, read the Bhagavatam, and chant the Lord's name. Join the Sanatana Dharma group; they will guide you. Gradually, everything will become alright. Your body will also become pure and healthy. It is necessary to change your current diet and lifestyle. Join the Sanatana Dharma group; they will tell you what to do.

► Watch this answer · 01:05:10 · 14 November 2021

Q 560 Will we get to have the darshan of our Lord or not?

Answer: You will definitely get it. Come into the fold (of the dharma), and you will.

► Watch this answer · 01:06:06 · 14 November 2021

Q 561 The main foundation of Hindu dharma, as we have heard, is the Vedas and Upanishads. So, can those who read the Vedas and Upanishads not reach Satya Yuga?

Answer: Look, reading the Vedas and Upanishads brings purity to a person, but it doesn't necessarily bring devotion. That is the path of knowledge. If they come to the path of devotion, they will attain the Lord and go to Satya Yuga.

► Watch this answer · 01:06:50 · 14 November 2021

SESSION 28 · QUESTIONS 562–587

L26 राजा का शासन धर्म कैसा होना चाहिए? LIVE

Date: 21 November 2021 · Watch the full session ↗

Q 562 Pandit ji, I am a resident of Mumbai. What does the Malika say about Mumbai? Please guide me.

Answer: Jai Jagannath. This is a very good question for all of Mumbai and Maharashtra. According to the Bhavishya Malika, there will be a great deluge and a massive dance of destruction (mahatandav) from war in Mumbai. There will also be an earthquake, but the effects of the deluge and war will be significant. However, those who follow the path of the Malika and take refuge in the Lord will face no problems. A time will come when 70% of the people in the entire universe who commit sins will have no place left. The 30% of people who are truly noble and follow the path of purity and dharma will survive in the world and rebuild everything. Jai Gana.

► Watch this answer · 10:37 · 21 November 2021

Q 563 Pandit ji, I am speaking from Indore. Will Prabhu ji (the Lord) give any divine mantra to his devotees? And will he give it online, or will the devotees have to come to an assembly to receive it?

Answer: According to the Malika, Lord Kalki will not hold any open meetings or public gatherings with devotees. He will not meet with devotees in that way. There will be only one way to meet the Lord: the Malika. This path of the Malika, the Bhavishya Malika, is a scripture given by God himself. God himself has said how devotees will be saved, how they will connect with God, and how human society will be protected. It is written about in the Bhavishya Malika. Those of you who listen to the Malika should join the Vishwa Sanatan Dharma organization. A time will come when there will be no internet, and computers will become inactive. All the computers in the universe, the supercomputers, all the machinery—everything will shut down and stop working. At that time, those who are on the path of the Malika, who perform Trisandhya, who read the Bhagavata, and who work for Sanatana Dharma will get a feeling, an experience, of how to face the adverse times that will come and how to be protected. So, a time will come when the era of 'online' will end. Devotees will walk the path of devotion through experience. That is all.

► Watch this answer · 11:42 · 21 November 2021

Q 564 Pandit ji, in the upcoming Dharma Yuddha (righteous war), will young people like us be in his army? And in that future Satya Yuga, will machine-operated devices like ATMs, mobiles, TVs, and petrol-run vehicles still exist?

Answer: Look, when the spiritual age (Satya Yuga) begins and God establishes Sanatana Dharma, a time will come when the mechanical power of Kali Yuga will end. At that time, the power of dharma, spiritual power, and mantra power will prevail. Through the power of mantras, people will be able to connect with the sky and travel from one place to another. The war will be fought with the power of mantras. All the world's fighter planes, atomic weapons, and missile systems will be neutralized through the power of mantras. No mechanical power will have any effect in the world. This mantra power will come from the command and stream of Lord Kalki. And the devotees who are with the Lord in the Narayani Sena (army) will be taught the art of war, divine knowledge, and whatever else is necessary by the Lord himself. Okay.

► Watch this answer · 13:35 · 21 November 2021

Q 565 My question is, according to the Malika, where has Achyutananda ji been born in the Kali Yuga? When will he appear before people, and when will he meet the Lord?

Answer: He has had 13 births, and his 14th birth is to merge at the feet of the Lord, as written in the scriptures. So, Mahapurusha Achyutananda is an inseparable part of the Lord. At the end of Kali Yuga, Mahapurusha Achyutananda and the Lord will meet, and they will work together to establish dharma. But if we have the required merit, we will all be able to see them. We must wait for the time to come and stay on the path of dharma. Just do what we tell you. The meeting with Achyutananda, the Panchasakha, and the Lord will happen when the time comes. But by completely following the path of dharma that I am telling you about, you can reach that state.

► Watch this answer · 17:47 · 21 November 2021

Q 566 I had a dream about a Satyanarayan Puja where a friend called me to join. What does this mean?

Answer: Look, Satya Yuga is coming. And when someone worships God, performs Satyanarayan Puja, it is a sacred act. The fact that God appeared in your dream and called you means that the Lord's devotees have such experiences. In some way, God is making you understand, 'I am with you, and I am guiding you.' And Lord Satyanarayan is indeed Kalki. Because you follow Sanatana Dharma and adhere to its path, the Lord came into your dream and called you. This is a confluence, a sign. So, this is a matter of happiness for you. In the future, you will have more dreams and experiences. Continue to follow the path I describe, and even better things will happen.

► Watch this answer · 20:12 · 21 November 2021

Q 567 Pranam, Pandit ji. We are laborers in Himachal, we work in temple construction. Will we face any problems in the future? Our entire livelihood depends on this.

Answer: Baba, you are on the path of dharma. You work so hard, and with your hard-earned money, you support your family. You are pure and also in dharma. Do you follow all the rules I tell you? ... Wherever there are deities and holy places, those areas will be illuminated. This is the meaning of your dream. Secondly, since you are laborers, you work hard and are on the path. When the great destruction happens, and more devastation is coming to Himachal and Uttarakhand, you will remain safe. There will be no problem because you are on the path, under the refuge of the Lord. No problem. Okay.

► Watch this answer · 22:15 · 21 November 2021

Q 568 Pandit ji, I want to know what the Bhavishya Malika says about Rajasthan.

Answer: Look, in the Bhavishya Malika, it is written about Rajasthan that there will be effects of war, great destruction, and earthquakes. And the devotees, those of Balaji, of Khatu Shyam Ji, whoever the devotees are, they will come into the stream of Sanatana Dharma and the Malika. They will find salvation, they will meet the Lord, the devotees will meet Lord Kalki, and all those devotees are also there. So, you should remain on the path of Sanatana Dharma, wait for the time, and all will be well.

► Watch this answer · 24:52 · 21 November 2021

Q 569 Pandit ji, what will be the effect on children? For the new children, the small children, what will be the effect on them?

Answer: For the establishment of dharma, there is nothing specific for them. If they are 12 years old, they should follow the path.

► Watch this answer · 25:47 · 21 November 2021

Q 570 We offered food to our deity, Laddu Gopal, and some of it disappeared without a trace. Please see with your divine vision: is this our illusion, or has God given us an experience?

Answer: Look, since you are on the path, you read the Bhagavata, perform Trisandhya, and chant the name of Madhava, God is happy with you and the Lord has accepted your offered prasad. This is a matter of great merit and good fortune for you. You offered food to Lord Laddu Gopal, and he came immediately. This was possible because you are following the path of Sanatana Dharma. Today the Lord comes unseen; a time will come tomorrow when the Lord will appear in front of his devotees. So, many such experiences will come to you. This sacred experience is also a message for all devotees that as their purity and devotion increase, they too will receive the same signs and experiences that you have had. It is a matter of great joy. Okay, Baba.

► Watch this answer · 26:46 · 21 November 2021

Q 571 I had a dream that I was drowning in water, but when I took Lord Jagannath's name, someone pulled me out. What does this mean?

Answer: Look, mother, what you saw in your dream means this: in the future, there will be a great deluge. Many will be helpless. At that time, the Lord will save you. That is why you had this vision. And when such a time comes, you should remain on the path of the Malika. God is telling you in advance that He will save you. Yes, God will definitely come, mother, and he will save the devotees. As long as your devotion remains so pure, the light of the Lord will shine more and more upon you.

► Watch this answer · 31:18 · 21 November 2021

Q 572 What is the secret of '313 Guptan'? Please shed some light on it. And what is its relationship with the gathering of devotees?

Answer: It is written about the number 13. The 7th, 17th, and 27th are dates for the confluence and establishment of dharma. Whatever happens in the universe, be it an earthquake, fire, or death, will be linked to these dates. And 13 is an important number for the establishment of dharma. The number 13, or 13 years, is part of the calculation for the establishment of dharma. Nothing is written about the number 3. Okay, Baba.

► Watch this answer · 33:19 · 21 November 2021

Q 573 I heard from a YouTuber that when everything becomes digital, everyone will get a microchip in their hands, and whoever takes it will go to hell. If we have to take that microchip in the future, will something like this happen? Is it a possibility?

Answer: The microchip you are talking about will never be implemented, that's the first thing. Secondly, I have not read about this anywhere in the Malika; it is not written anywhere. Many people on YouTube talk about the Malika... I will not answer questions about people who talk about the Malika by mixing it with other things. This is our Malika. We should focus on our Sanatana Dharma, though we respect other religions.

► Watch this answer · 34:33 · 21 November 2021

Q 574 In the Bhavishya Malika, you once said that two suns will rise. A second sun will appear. Please tell us something about this.

Answer: For seven days, the sun and moon will not be visible. For seven days, the sun and moon deities will not be seen. This is because a new creation will take place. Therefore, God will establish a new sun and a new moon, and this process will take seven days.

► Watch this answer · 36:44 · 21 November 2021

Q 575 And when will this event happen, Pandit ji?

Answer: This will happen after the gathering of the devotees. The gathering of devotees is happening now. After the devotees have gathered, the establishment of dharma will move forward. At that time, we will see such events.

► Watch this answer · 37:33 · 21 November 2021

Q 576 I keep telling my wife about the future and the avatar, but she doesn't believe me. Is this the 'maya' (illusion) of Lord Kalki that is preventing her from understanding?

Answer: Look, this is indeed the 'yog-maya' (divine illusion) of God. Those who are devotees will understand the pattern. Those who are not the Lord's devotees, the Lord will mislead them onto a different path through his maya. They will not understand anything. No matter how much you tell them, it will have no effect because they are not the Lord's devotees. Only those who are the Lord's devotees will feel it, experience it, and have faith. They will come to the Lord's refuge and accept the Malika. Those who are not devotees will not be affected, no matter how many times you tell them; they will not change.

► Watch this answer · 37:54 · 21 November 2021

Q 577 I used to see God a lot before, but now I don't see him. I don't know if God is with me or not.

Answer: Look, mother, God sometimes gives visions to people or speaks to them in dreams. It doesn't mean that God will always give visions or appear in dreams at all times. That is not possible. And it also doesn't mean that God has left you or is not with you. There is nothing like that. You should remain in the refuge of the Lord. The Lord gives visions according to his will. The Lord is always with his devotees. The more a devotee yearns for him, the more the Lord also tests them. So, wait for the right time, and remain in the refuge of the Lord. He never leaves the side of a devotee.

► Watch this answer · 39:07 · 21 November 2021

Q 578 I can't concentrate on my studies, nor can I properly focus on devotion. Even when I go to the temple, I don't feel connected.

Answer: Just do that much, and everything will be fine.

► Watch this answer · 41:01 · 21 November 2021

Q 579 Pandit ji, when will God give us his darshan (vision)?

Answer: When your devotion becomes complete, and your purity and surrender are perfected, then you will have his vision. When you reach that state, you will get the Lord's darshan. Your penance is ongoing; continue it and increase your devotion.

► Watch this answer · 42:06 · 21 November 2021

Q 580 What is Trisandhya and how should it be performed?

Answer: Look, Trisandhya is this: First, in the morning, at the juncture when night ends and dawn begins, at that time, chant the 16 names, the 10 avatars, and the name of Madhava. The second sandhya is at midday, at 12:00 PM, when the time transitions from 12 to 1, meaning when the afternoon begins. At that time, do satsang and chant the 16 names, the 10 avatars, and the name of Madhava. And in the evening, when the time changes and dusk arrives, that juncture is called Sandhya Bela. At that time too, chant the 10 avatars, the 16 names, and the name of Lord Madhava. This will bring you peace and happiness.

► Watch this answer · 44:15 · 21 November 2021

Q 581 I want to know about the 'Surya Mandal' (Solar Circle/Region).

Answer: There will be 'Saurya Mandals' (Solar Regions) in the world. There will be one mandal in the continent of Africa. In India, in Odisha, there will be 15 mandals, including the region of the Bhagabati temple, the Vyasa mandal, and others. Apart from that, in India, there will be the Vrindavan Mandal, which will include Mathura, Ayodhya, and Vrindavan. There will be a mandal for the Mata Kalika temple in Kolkata, and a Rameswaram Mandal in the south. And the Mahak Ratanpur mandal will include parts of Rajasthan, Delhi, Haryana, and Punjab. In this way, there will be 16 mandals at that time.

► Watch this answer · 45:19 · 21 November 2021

Q 582 You mentioned one mandal outside of India. What about the European countries and the American continent? Which mandal will be for the people there? Please clarify this.

Answer: For the countries in Asia and Europe, there is the Prayaga Mandal. Also, the Samaleswari Mandal of Sambalpur is a Surya Mandal, which is also mentioned in the Malika; I couldn't mention it earlier. The Mata Samaleswari mandal will cover a large area, including some parts of Odisha and even some people from Raipur will be included in this mandal.

► Watch this answer · 46:45 · 21 November 2021

Q 583 When I am in meditation, I feel like I am taking a dip in a river and chanting 'Madhava, Madhava.' This happens many times. What does this mean?

Answer: This means that the name 'Madhava' itself is a sacred stream like the Ganga. The Lord's name is crores of times more sacred than Mother Ganga. Those who chant his name while in that stream have such experiences. This is a sign of purity, Baba. It is a matter of joy for you. Just remain in devotion, and everything will be fine.

► Watch this answer · 47:59 · 21 November 2021

Q 584 My question is, I had heard that black magic and tantra will stop working after a certain time, perhaps after 2023, during this period of transformation. Is there anything like that?

Answer: Look, regarding tantra vidya (esoteric practices), in the time to come, yes, Kali Vidya (black magic) will stop working. The black magic you speak of... yes. As Satya Yuga manifests more and more, these things will be destroyed from the world. But that time is not so soon; it will happen in the future.

► Watch this answer · 51:27 · 21 November 2021

Q 585 This morning while doing kirtan, I saw a dark-complexioned man with a large mustache who said, 'I am preparing to kill all of them, and they are trying to kill me.' I got scared but continued the kirtan. What did that mean?

Answer: Look, wherever devotees chant the Lord's name, Kali (the personification of the dark age) tries to expand his influence. He shows his power, tries to scare the devotees, and make them run away. So, the form you saw was that of Kali. But what can he do? He is about to be finished. No matter how much he tries, the establishment of Satya Yuga will happen. So, you remain in devotion to the Lord. That demon's words will have no effect. The Lord will have him destroyed, through the pure devotion of people like you.

► Watch this answer · 52:38 · 21 November 2021

Q 586 My question is, when will Kali Yuga end?

Answer: Kali Yuga has already ended. The work of establishing dharma and destruction is ongoing. According to the scriptures, Kali Yuga was to last for 5,000 years. It has already been 5,126 years, and Kali Yuga has ended. The Lord's avatar has already descended. The work of establishing dharma—bringing dharma back to its feet—and destroying the sinners is in progress. This work will intensify in the time to come.

► Watch this answer · 54:03 · 21 November 2021

Q 587 Pandit ji, in Nemal village, the branch of the banyan tree—how high is it now? The branch that is a little above the samadhi of Guru Achyutananda ji, how high is it, and when did it touch his head?

Answer: The branch touched his head... that event has already happened. That work is complete, Kali Yuga has ended, and the Lord has descended. It was written in the scriptures, in the Malika, that when the branch of that banyan tree touches his head, the Lord's avatar will manifest. That work has been done. It happened a long time ago.

► Watch this answer · 54:49 · 21 November 2021

SESSION 29 · QUESTIONS 588–614

L27 कल्कि भगवान सभी भक्तों को "अमर कटक" में दर्शन देंगे LIVE

Date: 28 November 2021 · Watch the full session ↗

Q 588 What does the Bhavishya Malika say about the year 2025?

Answer: The Bhavishya Malika states a verse about it. In January 2025, Saturn will enter its exalted position in Pisces. At that time, Mahakal (the great destroyer) will engulf the universe. The universe will witness deceit, hypocrisy, epidemics, and the dance of destruction across all of human society. However, there is no need for devotees to worry. Devotees who take refuge in the Lord and chant His name will remain safe. Only the sinners will be destroyed, and the era of destruction will advance. Jai Ganesh.

► Watch this answer · 10:27 · 28 November 2021

Q 589 Guruji, what is written about Delhi for 2025?

Answer: Even before 2025, Delhi will face many problems. According to the Pancham Veda Purana, the entire universe—I'm not just talking about India, but all the countries in the universe—will witness destruction by the five elements: water, air, sky, and fire. Destruction by the fire element will happen through war. Through the sky element, there will be lightning strikes, meteor falls, and rains of fire. Through the water element, some coastal areas will be flooded, and there will be heavy snowfall and cloudbursts. This is already happening, but it will intensify from 2025 onwards. The time in between, 2022, 23, and 24, will also bring great trouble for humanity; only time will tell what it holds.

► Watch this answer · 11:45 · 28 November 2021

Q 590 Gurudev, the great destruction you mentioned will happen in the midst of war. Will the 'Malik' people (referring to Mlecchas) not participate, since there might be a ceasefire at that time?

Answer: The war is already ongoing in the universe, a war in the name of caste and religion. It's happening everywhere, even now. It's not just about war or caste conflicts. There will also be destruction by the five natural elements. Everything will happen together. There will be destruction by the five elements, and it will all continue and intensify. Time is moving forward; this is the first phase of establishing Dharma. Today, man doesn't understand anything. The Malika says that by the time he understands, there will be no way out except death.

► Watch this answer · 13:02 · 28 November 2021

Q 591 You mentioned that the Pandava and Kaurava armies of the Mahabharata war have been reborn on Earth. Will they all be with the Lord? And what about Pakistan and the Saburi camp?

Answer: Nothing is written about that.

► Watch this answer · 14:53 · 28 November 2021

Q 592 The Bhavishya Malika mentions sages in places like Rajasthan. You also mentioned a place in South Africa. Are there other places? Where else are they located?

Answer: The great sage Achyutananda has written about this. The yogis, munis, and sages who are perfected through penance and are true saints will not face problems. Devotees will not be able to recognize the Lord. Unlike fake sadhus who roam India and the world, holding large gatherings and getting themselves worshipped, Lord Kalki will never do such a thing. Lord Kalki will remain hidden. Devotees will come to him through the Malika. He will be so hidden that even Brahma and Mahesh (Shiva) will not know his whereabouts. But the Lord, through his Yogamaya power and the propagation of the Malika, will call his devotees to him and carry out the work of establishing Dharma. The establishment of Dharma will happen secretly on one hand, while on the other hand, the great destruction will continue. The Lord's devotees will travel the universe to do this work. It is very difficult to have a vision (darshan) of Lord Kalki. It's not a joke where you just close your eyes and see him. He will only give his darshan to true devotees.

► Watch this answer · 15:48 · 28 November 2021

Q 593 Is a great cataclysm (pralaya) coming to Jagannath Puri?

Answer: In 2018, a great destructive event already happened in Jagannath Puri, where many things were broken, and water entered the Jagannath temple. There was a lot of damage. Please listen to me, ma'am, there was no electricity for two months. This shows how much destruction occurred there, and more is yet to come. Even now, more will happen in Jagannath Puri; much is still left to occur. All this is happening because of the increase in sin.

► Watch this answer · 19:15 · 28 November 2021

Q 594 Pandit ji, when can we have a vision (darshan) of the Lord?

Answer: Listen, a devotee has a vision of the Lord through devotion. In this Kali Yuga, people think that God will manifest, build a stage, hold a gathering, give darshan, call everyone, and ask them to cheer for him. This is not written anywhere in the scriptures. When the Lord comes, devotees meet him automatically through their meditation; they get his darshan on their own. In this Kali Yuga, the Malika is the only medium for salvation. Those who listen to the Malika will get some feeling, some information about the Lord. That is why, on the Lord's instruction, his supreme friends wrote this Malika for the devotees. And only the devotees who follow the Malika will be in support of Lord Kalki. Jai Ganesh.

► Watch this answer · 20:49 · 28 November 2021

Q 595 Pandit ji, my house is near Sharda. You said a yagya (fire ritual) will happen there. Since Sharda is a large area, can you specify where it will be, near which temple, and in what year?

Answer: The yagya will definitely happen in Sharda. We were just discussing the location with some of the Lord's associates. After this yagya, the destruction in the universe will intensify. I cannot tell you the exact year, but it is going to happen within the next five years. It is certain. This will happen after the formation of the Lord's 16 Mandals (circles/groups). The work of forming the 16 Mandals is currently in its first phase. After this is complete, the yagya will take place. The devotees of the 16 Mandals will go there, and the Lord will also be present. After the yagya, the destruction of sinners in the universe will increase.

► Watch this answer · 22:07 · 28 November 2021

Q 596 I received a mantra in a dream, but I have mistakenly forgotten it. I just want to know, will I get that mantra back?

Answer: Listen, receiving a mantra in a dream means that the Lord will definitely give you that mantra. He shows it in dreams to those devotees who are left, who haven't yet come to the Lord, who are destined to meet Lord Kalki, who were devotees from the four yugas, or are divine beings reborn. The Lord gives them an indication in their dreams to chant a certain mantra or have a vision. Sometimes people even see the Lord himself. The mantra you are talking about... this mantra was perfected by the great sage Achyutananda. By mastering this mantra, one can stay in the sky and sprinkle Ganga water over various holy places in the world, and that place's negative energy will be destroyed. It is the 'Paduka' mantra. A devotee who masters this mantra can fly in the sky. Only those who meet the Lord will receive this mantra, as far as I know from the Malika. It will be given to those who are very secret and work for the establishment of Satya Dharma. If you are among those destined to meet him, you will also receive it automatically in the future. Not now. Wait for the right time, perform your duties, and engage yourself in the work of propagating Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 23:33 · 28 November 2021

Q 597 Pandit ji, my question is that for the past day, ever since I started praying with the mantra you gave, my mind has become very restless and I'm unable to concentrate at all. Why is this happening to me?

Answer: Look, in Kali Yuga, committing sin feels very pleasurable, while practicing dharma is difficult. This is natural. When someone chants God's mantra, does japa-tapa, or sings kirtan, obstacles will arise. The mind will become restless, there will be disturbances, some sudden bad news might arrive, or some important work will come up, preventing them from chanting the Lord's name. To break this, awaken devotion in your mind and chant the mantra with complete faith in the Lord. Everything will be fine. This is the effect of Kali (the age of vice), and Kali is creating this friction. By taking refuge in the Lord with devotion, everything will be alright. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:52 · 28 November 2021

Q 598 Is a cataclysm (pralaya) destined to happen in Ratnagiri, Maharashtra? What can you tell us about it?

Answer: Human society is repeatedly being warned. Look at the South—in Karnataka, Kerala, Tamil Nadu, Andhra Pradesh—how much rain is falling. There was also destruction from a cloudburst and rain over the Tirupati temple. In 2018, a cyclone caused devastation. There was a lightning strike over the Dwarkadhish temple. You are seeing landslides and rain in the holy land of Uttarakhand. This is still ongoing in the South, and more is yet to happen in the future. This means that these are warnings for human society to mend its ways. But it will not mend its ways. The work of establishing Dharma will happen, and time will reveal everything. It will happen.

► Watch this answer · 28:16 · 28 November 2021

Q 599 Since 2025 is about to begin, what is going to happen? Can you tell us about the entire year?

Answer: The first phase of establishing Dharma began in 2019. Dharma will be established, and those who are drowning in sin... As the new year 2025 begins, what will happen is that everything that happened in the previous years will be repeated.

► Watch this answer · 30:31 · 28 November 2021

Q 600 When is the earthquake likely to happen here in Delhi?

Answer: Listen, ma'am, where there are big people, there are also big sins and big scams. So where this happens, there will also be big destruction. And another thing, Delhi is not the only place. It will happen in Washington, America too. It happened in Beijing, you saw it. A time will come when China's geography will change. Similar things will happen in our country too. It's not just about Delhi; this work of establishing Dharma is for the entire universe. The first phase of establishing Dharma has been ongoing since 2019, and a very big earthquake will come to Delhi. There will also be the dance of disease, epidemics, and war. According to the Malika, it will be around 2025, but it can happen before that too. The Malika says that after 2019, there will be destruction by earthquake, water, and land. A time will come in Delhi when 10 minutes of rain will lead to 25 feet of water. A time will come when there will be great destruction from an earthquake. A time will come when disease will spread so much that there will be piles of dead bodies. And this will not just be in Delhi, but all over India. It's already happening in Europe and will intensify. But for those who follow Dharma, there is nothing to fear.

► Watch this answer · 32:39 · 28 November 2021

Q 601 Pandit ji, when will the third world war happen on Earth?

Answer: Yes, the third world war will be a completely nuclear war. It could happen before the expected time as well; it depends on the Lord.

► Watch this answer · 34:59 · 28 November 2021

Q_602 What is written about Bihar?

Answer: It is written for Bihar, for Muzaffarpur in Bihar, that in the areas adjoining the Himalayas and Nepal, there will be great destruction from rain and earthquakes. There is no specific time for this, but smaller events will keep happening in between. When the conjunction of Saturn in Pisces occurs, the devastation will increase. Just as it will happen in all states, it will happen in Bihar too. Devotees will be saved, and Dharma will be established.

► Watch this answer · 36:49 · 28 November 2021

Q_603 Pandit ji, what will happen in Assam?

Answer: What is happening in Assam now? It has happened repeatedly. Yes, there will be destruction there too. Look, it will happen everywhere.

► Watch this answer · 37:32 · 28 November 2021

Q_604 How will we reach the Lord through all this water (flooding)?

Answer: Do your work (of dharma), and by the Lord's grace, people will be saved and will be able to worship.

► Watch this answer · 38:04 · 28 November 2021

Q_605 And how can one overcome the restlessness of the mind?

Answer: Restlessness of the mind is a characteristic of the Kali Yuga, because the mind in Kali Yuga is extremely fickle and always distracts humans.

► Watch this answer · 38:21 · 28 November 2021

Q_606 And how can one remove laziness from one's life?

Answer: Read the Bhagavata daily and perform Trisandhya (prayers at dawn, noon, and dusk). By doing that, everything will be alright for you. Very good.

► Watch this answer · 38:30 · 28 November 2021

Q_607 The war between Ram and Ravan was in Treta Yuga, and the Mahabharata in Dvapara Yuga. In Kali Yuga, who is the demon Kali? Is he present in our own villages and cities?

Answer: Who are you? In your village, in your city, in your destiny... these small demons cause destruction. I'm talking about all of India, not just your village. There are many incomplete things everywhere. Any person who possesses greed, attachment, ego, pride, lust, and desire—that person is Kali.

► Watch this answer · 38:57 · 28 November 2021

Q_608 You said that even Brahma and Shiva will not know the whereabouts of Lord Kalki. But if that's the case, how will they attend the Sudharma Sabha (the divine assembly)?

Answer: It is written that Brahma and Shiva will not know the Lord's secrets. But when the Lord establishes Dharma and convenes the Sudharma Sabha, all the deities will be invited. When Lord Vishnu's invitation reaches them, Brahma and Vishnu (and Shiva) will join.

► Watch this answer · 40:12 · 28 November 2021

Q_609 Will anything significant happen from January to December?

Answer: The disease that is in the world will continue. And in the time to come, many more diseases are on their way. We repeatedly inform people to become vegetarian, come to the path of Dharma, and work for Sanatana Dharma, but people don't do it; they don't understand. Those who understand are saved. But for those in the world who are not on the path of Dharma, a time of trouble is certain.

► Watch this answer · 41:16 · 28 November 2021

Q_610 Pandit ji, please enlighten me about my Lord (Thakur ji). I am trying to reach him, but I'm unable to. My fellow disciples say I should wait, that it's not my time yet. Please give me some guidance.

Answer: Look, ma'am, the Lord's grace is upon you wherever you are, even if you haven't had his darshan yet. Remain in devotion and surrender, and the Lord's grace will be upon you. As you are following the Malika, you should also involve yourself in the work of establishing Dharma. Work for Sanatana Dharma. When the time comes, you will have the Lord's darshan. The Lord's blessings are always upon his devotees.

► Watch this answer · 42:15 · 28 November 2021

Q_611 How many years younger will Lord Kalki's wife be than him?

Answer: Listen, I'll tell you something. We are currently in the middle of the ocean, and our boat has a hole in it. Water is rushing in. At a time like this, our biggest duty is to save the boat and ourselves. To think about how old the Lord's wife will be, what the Lord's age is, what the Mother's age is... even Brahma ji doesn't know this. After creation, for thousands of divine years, Brahma ji couldn't even figure out his own origin. Does Brahman (the Absolute) have an age? The Mother is the form of Brahman, and the Lord is Brahman. The Mother is Vaishnavi Shakti, and the Lord is Vishnu. Together they are Mahavishnu, and the Mother is a part of Mahavishnu. If we, with our human minds, think about their age, the gods will not be pleased.

► Watch this answer · 43:04 · 28 November 2021

Q_612 A YouTube channel said that next year a 'light of Odisha' will be extinguished, hinting at a prominent person. They also claimed that by next April-May, people will learn something significant about the Kalki avatar. Is this true?

Answer: People will not come to know about the avatar; only the devotees will gather around him. Only some devotees will know about Lord Kalki; the general public will not find any trace of him. Secondly, regarding the 'light of Odisha' going out, referring to a big personality or someone in a high position being affected—whatever they are saying is completely wrong. Nothing like that is going to happen. They say these things just to grow their channel and get more subscribers. Nothing of the sort will happen.

► Watch this answer · 46:39 · 28 November 2021

Q_613 You mentioned that the internet, computers, and all such technology will shut down. How much time is left for this to happen?

Answer: The internet provides information too quickly... it increases sin. A day will come when the entire network, even the one in America, will go down. That time is coming. You are right that people need to be saved. But people don't turn towards dharma; instead, they criticize, they slander God, they sell fish and meat, and they do everything for their own pleasure. There is no real happiness in this world.

► Watch this answer · 48:22 · 28 November 2021

Q_614 You advise becoming vegetarian, but aren't onion and garlic considered non-vegetarian (in a sattvic sense)?

Answer: Even if one is vegetarian, one can eat onion and garlic. They are not considered purely sattvic, but they are eaten for taste. Mother Earth creates rice, wheat, fruits... whatever Mother Earth gives us, how can it be non-vegetarian? That question doesn't arise. Yes, onion and garlic are considered rajasic (mode of passion), but they are not non-vegetarian. Saints and sages may avoid them to maintain a sattvic state, but there is no problem in eating them. The main prohibition is against taking a life.

► Watch this answer · 49:56 · 28 November 2021

SESSION 30 · QUESTIONS 615–633

L28 **महामारी से उद्धार का रास्ता** The way to get divinity from this PANDEMIC -- LIVE

Date: 05 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 615 I chant Lord Vishnu's name, but you say we should chant the name 'Madhav'. I am so used to chanting Vishnu's name that I cannot leave it now. Are Madhav and Vishnu the same? Can I continue? Secondly, for the salvation of my deceased father's soul, I have taken a vow to chant Lord Vishnu's name 12.5 million times. Should I switch to Madhav's name for this purpose, or continue with Vishnu's name?

Answer: Both are fine. The name 'Madhav' is supreme and easily accessible in the universe, and Madhav is indeed another name for Vishnu. For your father's salvation, you can continue chanting Vishnu's name, that is not a problem. However, chanting the name 'Madhav' will also bring peace to your father's soul because it is the designated mantra for this specific era (Yuga). Each era has a primary name for the Lord: Vishnu in Satya Yuga, Ram in Treta Yuga, Krishna in Dvapara Yuga, and Jagannath in Kali Yuga. For the current transitional period we are in, the Sangam Yug, chanting 'Madhav' is most effective. So, you can continue your vow with Vishnu's name, but also chanting 'Madhav' and performing Trisandhya (prayers at three junctures of the day) will surely grant salvation to your father. There is no doubt, as Vishnu and Madhav are one and the same.

► Watch this answer · 12:25 · 05 December 2021

Q 616 I told my friend, who is a great devotee and an accountant, about your channel. He now believes that if nothing is going to remain in the future—no buildings, no property, no large companies—then what is the point of his work and his preparations for the CA exam? He feels it is all futile. Should we spend the next 4-5 years in our professional lives or dedicate them entirely to God's devotion, since everything is temporary?

Answer: The establishment of Dharma (righteousness) will proceed on its own course. Just as we eat at night and again in the morning, we must continue our work. The sun, moon, and planets all follow their paths relentlessly to keep the universe functioning. Similarly, humans need to work and eat daily. Dharma will certainly be established, but I advise you to continue your work as 'Nishkam Karma'—selfless action without attachment to the results. Do your job properly. Alongside this, to prepare for the next era, it is essential to follow the path of chanting the Lord's name. If we stop working, who will feed our families? What is destined to happen will happen to everyone. It is a violation of our duty to simply sit and wait. During the Mahabharata war, soldiers ate their meals the day before the battle, knowing they would likely die, yet they fulfilled their duties. Similarly, a war between Dharma and Adharma will occur. Those who align with Dharma will be saved. Tell your friend to continue his work, perform acts of charity, read the Shrimad Bhagavat, chant the 16 names and 10 avatars, perform Trisandhya, and chant the name of Madhav. Until the time comes when industries shut down, we must support our families and meet our financial needs while steadfastly walking the path of Dharma.

► Watch this answer · 15:29 · 05 December 2021

Q_617 My mother saw in a dream that she was offering something to Lord Jagannath. Then she showed two fingers and said, 'Just watch what happens.' What does this mean?

Answer: The two fingers in the dream signify the next two years. A very crucial and difficult time is coming for the world within the next two years. During that period, people will truly understand the prophecies of the Malika. The Lord gave your mother this sign because of her purity and devotion. The two fingers mean that the foretold time will arrive in two years.

► Watch this answer · 19:04 · 05 December 2021

Q_618 Could it not mean two months?

Answer: I know everything about this, but I do not wish to elaborate further. I only say what is necessary to be said. These events will happen in the world, but it is critical that you follow the spiritual path that I am showing you.

► Watch this answer · 20:54 · 05 December 2021

Q_619 Panditji, will the Lord (Prabhu) come to Navsari, Gujarat?

Answer: Lord Kalki is currently touring all of India and the universe. He will definitely visit Gujarat, but he will do so secretly, without informing anyone. After the establishment of Dharma, he will go to Gujarat again to save the devotees there. You must wait for that time to come. In the meantime, follow the principles I teach. Gujarat has many holy people and it is the sacred land of Lord Krishna, so many of the Lord's divine plays (leelas) will unfold there. Furthermore, the submerged city of Dwarka will rise again from the water. The Malika states that when America is submerged, Dwarka will re-emerge. A community of devotees will form in Gujarat in the coming time, and we will all witness it.

► Watch this answer · 22:29 · 05 December 2021

Q_620 You mentioned 64 types of diseases. Is this coronavirus one of them? Secondly, to save ourselves, what should we do? Should we rely on medicine or on chanting God's name? This situation is causing a lot of distress.

Answer: To be saved from this disease, the path I recommend is to read the Shrimad Bhagavat daily. During Trisandhya (prayers at dawn, noon, and dusk), chant the name of Madhav, the 16 names, and the 10 avatars. You should also connect with our Vishwa Sanatan Dharma Organization; the contact numbers are in the YouTube description. If you follow this spiritual path completely in your life, you will face no danger from the disease. This is the scriptural tradition and the path to salvation. The Bhavishya Malika was written precisely to guide devotees on this path to safety. Diseases will continue to come, and more have already arrived, but we should have no fear. Our duty is to uphold Dharma and follow the traditions prescribed for the coming age.

► Watch this answer · 24:22 · 05 December 2021

Q_621 Will the internet and computers stop working one day? Will all these huge buildings that have been constructed turn to ash? Could this really happen?

Answer: Yes, a time will come when the knowledge of computers and technology will not yield the right results or be of any use. People will pursue this path of knowledge, but it will be fruitless. Such a time will definitely come. All the great buildings and massive structures across the world will also be destroyed. However, the devotees who live near these structures but remain steadfast on the path of Dharma, following the principles of Sanatan Dharma and the Malika, will be kept safe. The Lord will save His devotees. This is the definitive word of the Malika. Therefore, follow the path I show you. We hold these satsangs (spiritual gatherings) to save humanity. These are not my words; they are God's words, and it is my duty to deliver them to you. Follow them step-by-step, and you will see how the world's problems are resolved and how you attain peace.

► Watch this answer · 26:28 · 05 December 2021

Q_622 People perform black magic and tantric rituals, and I feel I am often a target. It has a strong effect for some time, causing a lot of trouble and obstructing my work. The effect subsides when I chant God's name and follow your teachings, but the period of suffering is very difficult. How can I deal with this?

Answer: This is a very good question. It is my responsibility to help people who are troubled by such demonic individuals. Rest assured, these evil people will be destroyed, as they have troubled pure souls in every era. The remedy is as follows: I will give you a mantra. Chant the 10 avatars, the 16 names, Lord Kalki's name, the Mother's name, and the Durga Stuti. Every day, read the chapter of the Shrimad Bhagavat that describes Lord Krishna killing Kansa. Also, take a Tulsi (holy basil) leaf, place it on a Shaligram stone or an image of Lord Vishnu, chant the name 'Madhav' 108 times over it, and then consume the leaf. Do this daily. The people performing this black magic are close to you, but do not worry; it will not work. Even if all the black magicians in the universe united against you, they could not harm you, because spiritual power is far superior to tantric power. Your devotion and purity are your shield. Continuously chant 'Madhav' in your mind. For at least one month, avoid going out of your house unless absolutely necessary. If you must go out, do so only after chanting the name. If you feel the negative effects, sit down and chant 'Om Shri Satya Ananta Madhav'. The problem will be resolved. The effect will gradually diminish and then disappear completely.

► Watch this answer · 29:05 · 05 December 2021

Q_623 Will 2025 be the last day for Pakistan? Will there be a civil war in India at the same time? And will the king of Odisha be kidnapped? We found this information on a website; how can you say this for sure?

Answer: The Malika states that in 2025, when Saturn enters the Pisces zodiac sign, there will be a great upheaval in the universe and the five elements. However, this does not mean Pakistan will be finished on that day. The matter concerning the king of Jagannath will happen, but the time for it has not yet arrived. I do not want to reveal the complete details as it would expose confidential matters. A war will occur where Pakistan and China will attack India, and 13 Muslim countries will support Pakistan. This war may last until 2029-2031. The Indian army will not be able to end it, so the final battle will be fought by the Lord himself. He will destroy Pakistan and establish Dharma there. At that time, military power will be useless; only mantra power and spiritual power will prevail.

► Watch this answer · 36:37 · 05 December 2021

Q_624 Did Lord Krishna give a blessing to Russia for serving him?

Answer: Yes. During his time, when the Lord was responsible for the entire universe, the king of Russia requested an opportunity to serve him. The Lord replied, 'There is no need in this era. But in the Kali Yuga, when I reside in the region of Jagannath as Daru Brahman (the wooden deity), my land and India will be in great danger. At that time, you will attain salvation by serving India and completing the service to me that remains.'

► Watch this answer · 39:32 · 05 December 2021

Q_625 What is Lord Krishna's zodiac sign? This is my last question.

Answer: All zodiac signs are His. But his sign is Leo (Simha Rashi).

► Watch this answer · 40:28 · 05 December 2021

Q_626 What will be the condition of Kolkata during the Third World War?

Answer: It's not just about Kolkata. All the major metropolitan cities in the world will be destroyed. A war of such magnitude is coming that no trace of these cities will remain. The very geography of the world will be completely altered.

► Watch this answer · 40:49 · 05 December 2021

Q_627 In which year will the seven days and seven nights of darkness occur?

Answer: This period of seven days and seven nights of complete darkness will happen. The sun will not rise. Wild animals will enter homes and attack people. Nothing will be visible. However, the devotees will face no trouble; their homes will be protected. This event is under the Lord's direct control. It will definitely happen in the future, but the timing depends entirely on Him. Our duty is to wait and be prepared.

► Watch this answer · 41:29 · 05 December 2021

Q_628 To spread this message, can we do things like writing on walls or printing and distributing pamphlets?

Answer: If you wish to work for Sanatan Dharma, that is excellent. First, you should formally join our organization. Second, encourage 10-12 other devotees to join as well. Regarding the pamphlets, you should write about the establishment of Dharma, the end of Adharma, the coming of Lord Kalki, and the gathering of the 1,44,000 devotees. Mention that people must turn to the path of Dharma and follow the Malika with devotion and purity. Urge all followers of Sanatan Dharma to unite to spread this message. This will bring about significant change and help save devotees who are trapped on false spiritual paths under fake saints. Please consult with me once about the exact content to be written in the leaflet before you print it.

► Watch this answer · 44:15 · 05 December 2021

Q_629 I had a dream on Ekadashi. We were waiting for Prime Minister Narendra Modi. He arrived, waved, and left. Then, where he had been, a man in a dhoti appeared, holding something like a sword. Immense light, like thousands of exploding firecrackers, emanated from his body. From behind, he seemed to have one leg, but from the front, he had two. What does this dream mean?

Answer: You have had a vision of Lord Kalki. The two forms you saw represent Lord Balaram and Lord Krishna, who have merged to become Kalki. One side is Lord Vishnu, the other is Lord Shiva, both within one body. The presence of the Prime Minister signifies that in this era, all people, including world leaders, must ultimately turn to the Lord, for He is the only guide for the universe. This is a sign of what is to come. The Lord has blessed you with this vision. It is very good that you are connected with Sanatan Dharma and perform your spiritual practices. Continue them diligently. A time is coming when a great disease will make it difficult to save humanity, and modern means of communication like this video call will not be possible. You will have to rely on this spiritual path to save yourselves.

► Watch this answer · 47:51 · 05 December 2021

Q_630 Since I was a child, when I perform aarti (ritual of worship), I sometimes feel myself rising high off the ground, as if I'm floating and swaying. This still happens occasionally. When I return to my senses, I wonder what happened. What is this experience?

Answer: This is the manifestation of spiritual energy entering your body. It is a sign of the Lord's grace and a genuine spiritual experience. A time is coming when the devotees to whom Lord Kalki grants His power will be able to fly, walk on water, and cross oceans. The sensation you feel is the effect of this divine power. It is a very good sign, indicating the purity of your body and the Lord's blessing upon you. Cherish and maintain it.

► Watch this answer · 51:46 · 05 December 2021

Q_631 When the establishment of Dharma happens, will the devotees have to go to the Lord, or will the Lord travel to every state to save everyone?

Answer: When the time for the establishment of Dharma arrives, our Sanatan Dharma organization will identify the 1,44,000 chosen devotees across India through the propagation of the Malika's teachings. Once these groups of devotees are gathered, they will all come to meet the Lord. They will have His darshan (divine vision) and receive His blessings. Then, they will return to their respective states—be it Bihar, Punjab, Haryana, or Delhi—to carry out the work of establishing Dharma. A large, unified organization will be formed to facilitate this mission.

► Watch this answer · 54:15 · 05 December 2021

Q_632 In the texts, it is mentioned that the 'game' will end in the 56th 'ank'. What does the 56th 'ank' mean?

Answer: The numbers mentioned by the sage Achyutananda are related to complex planetary transits that no ordinary human can fully comprehend when the time comes. The Malika confirms that humans will not be able to decipher the exact timing from these numbers. Instead, you will know the time by its signs: the spreading pandemic, disturbances in the five elements, and ominous events at holy sites like the Jagannath temple. These changes are the real proof. As for the 56th 'ank', it is up to Lord Kalki to decide when to conclude his divine play and the establishment of Dharma. There is no benefit in speculating on this. This is not daily news. If everyone knew the exact date, they would become complacent. The timing depends entirely on the Lord's will. The time is very near. The next four to five years are extremely crucial and will be very difficult for humanity. Only those who adhere to Dharma will survive.

► Watch this answer · 55:33 · 05 December 2021

Q_633 I had a strange dream where you came to my house. My mother said we needed to perform a yagna (fire ritual) and told me to prepare. When I looked for supplies, I saw a train outside from which coal was falling. I thought, 'What kind of yagna requires coal?' Then you said, 'No, this is necessary. Prepare for it.' What does this mean?

Answer: This dream is an instruction for you. For the peace of your planetary influences (graha shanti), you must perform a yagna with ghee. While performing it, continuously remember the name of Madhav and offer oblations (ahuti) into the fire 108 times. What you saw in the dream is a necessary ritual for you, so you should have it done.

► Watch this answer · 57:37 · 05 December 2021

SESSION 31 · QUESTIONS 634–654

L29 सम्भूत सम्बल ग्राम कहां है? जहा कल्कि भगवान जन्म लिए हैं? GOOGLE MEET #Kalkiavatar #LIVE

Date: 09 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 634 When will the formation of the 16 Mandals (regions) be completed? Has the Lord set a time limit for this work?

Answer: I say this with humility. First, the devotees who are part of the 16 Mandals will unite with the Vishwa Sanatan Dharma Mahamaya Sangh. According to the Malika scriptures, the specified number of devotees must be reached. After that, the World War will begin. On one side, the war will rage, and on the other, the devotees will meet with the Lord. Lord Kalki will establish the 16 Mandals to save them. The gathering of devotees for all 16 Mandals is still pending. After all the devotees have gathered, the Lord Himself will form the 16 Mandals. This is His divine responsibility.

► Watch this answer · 15:20 · 09 December 2021

Q 635 What is the significance of the kites recently seen flying over the Jagannath temple, which is an unusual occurrence?

Answer: Look, it is a known fact that no birds fly over the Jagannath temple. Lord Vishwakarma constructed the temple in such a way that its flag always flutters in the opposite direction of the wind. No birds ever sit on the temple, with the rare exception of kites, which have been seen a few times sitting on the Nilachakra (blue wheel) atop the flag. Just a day or two ago, thousands of kites were seen flying over the temple near the Patita Pavana flag. A day after this event, India received very sad news, which you all know about. These kites flying over the Lord's temple are a sign that in the coming times, the entire universe will become like a cremation ground. Since the Lord is the master of the entire universe, such an event in his sacred domain signifies that a massive number of humans and other living beings will die. Difficult times are approaching, and destruction will increase everywhere. This is a very bad omen for India and the entire world. For this reason, I humbly request you to follow the path we are showing to make your human life meaningful.

► Watch this answer · 17:11 · 09 December 2021

Q 636 My question is about Swami Yati Narsinghanand Saraswati ji, who is currently much discussed and is going to establish a Dharma Sansad (Religious Parliament). Will Lord Kalki also appear there in some form to support him? Please tell me in detail.

Answer: There is nothing of this sort written in the Bhavishya Malika. The Malika states that the Lord himself will establish Dharma. There is no mention in the Bhavishya Malika, Srimad Bhagavatam, or Srimad Mahabharata that anyone other than the Lord will carry out the establishment of Dharma. In every era, whenever Dharma is established, it is the Lord who does it with His devotees. While establishing a Dharma Sansad is a good work, there is nothing written about it in our scriptures.

► Watch this answer · 20:16 · 09 December 2021

Q_637 One more thing, Pandit ji. What is the secret or meaning behind seeing the Viraat Swaroop (Cosmic Form of the Lord) in a dream?

Answer: The Viraat Swaroop, that infinite form which the Lord showed to Arjuna during the Mahabharata, is the greatest warning for you devotees. Because you are devotees, the Lord is giving you this vision in your dreams. It is a sign that a great war is about to happen in India, and the country will be partitioned. The Lord shows this form to assure you that He is with His devotees and will protect you.

► Watch this answer · 22:16 · 09 December 2021

Q_638 I am from Faridabad. I have heard about a place, Satyabadi, where the idols of Lord Jagannath, Balabhadra, and Subhadra are depicted with hands and feet. What does the Malika say about this? Please explain.

Answer: That is a very good question. In Satyabadi, the idols of Jagannath, Balabhadra, and Mother Subhadra are indeed worshipped in a form that includes hands and feet. The specific place where the Jagannath idol with hands and feet is established is the samadhi (shrine) of Mahapurush Haridas, who was an incarnation of Mahapurush Achyutananda. Mahapurush had prayed to Lord Jagannath to visit his place of meditation, and the Lord had promised to do so. At the end of the Kali Yuga, during the great war between the armies of Russia and China against India, the idols of Jagannath, Balabhadra, and Mother Subhadra will be moved from Puri to Satyabadi for their protection. For seven days, the Rath Yatra (chariot festival) of the Daru Brahma (the sacred wooden forms) will take place there. Lord Kalki, born in a human body, will establish Dharma, and the Daru Brahma forms of the deities will remain and be worshipped there in Satyabadi. This is the prophecy.

► Watch this answer · 23:16 · 09 December 2021

Q_639 There are some people who believe in Hari, but they disrespect Lord Ram and Lord Krishna, even making fun of them. However, they are otherwise sattvic (pure in conduct), wear a tilak, and have good thoughts. How can such people be saved or guided?

Answer: In this world, the Lord's stories are infinite, and His forms are unique and endless. Lord Vishnu, Ram, Hari, Krishna, Jagannath, Madhav, Madhusudan—these are all names for the one and only God. In different eras, the Lord's name and incarnation are different. Hari is associated with Narayan; Hari Narayan is Vishnu himself. In Satya Yuga, people worshipped Him as Vishnu or Hari. The name 'Hari' actually refers to the qualities of Lord Vishnu's Kalki avatar. After Satya Yuga, in Treta Yuga, the Lord incarnated as Ram, and devotees were saved by chanting his name. After Treta Yuga, in Dvapara Yuga, Lord Vishnu, or Hari, was born as Krishna, and devotees were saved by chanting Krishna's name. In Kali Yuga, it is the Jagannath avatar. In the current era, which is the confluence of yugas, the Malika says that Madhav is Kalki, and Kalki is Madhav. Those who create divisions based on the Lord's names are acting out of emotion. I think they should, with their own conscience and devotion, repeatedly ask the Lord, 'O Lord, you have infinite forms and infinite names. Are you different from Hari, Ram, Madhav, or Jagannath?' If they ask with their conscience, the Lord will give them the right answer. This is a small emotional issue, like people saying, 'I am a devotee of Krishna,' 'I am a devotee of Ram,' 'I am a devotee of Badrinath.' There is no such thing. The Lord is one, with different names. If they don't understand, it is their immaturity, and we don't find it necessary to comment on it.

► Watch this answer · 25:39 · 09 December 2021

Q 640 Regarding the devotees who will have the darshan (vision) of the Lord in the future, are their names already known or written down somewhere?

Answer: Only the Lord's devotees, those who have come from Goloka (the celestial abode) and are devoted to Dharma, will listen to the Malika. As it is said, 'Only my devotees from Satya, Treta, Dvapara, and Kali yugas will know me; no one else will be able to know me.' My devotee is the one who listens to the Malika, seeks the Lord after listening, and surrenders to Him with devotion. Their curiosity about the Lord's incarnation will grow, their mind will expand, and their devotion will increase. These are the true devotees, and they are the ones who will meet Lord Kalki and help bring about the Satya Yuga. Their names are written in a scripture called the 'Namlikhit Granth'. In the Sudharma Sabha (the righteous assembly), the Lord will reveal their names, their past births, how many births they have had, where they came from, and what they have done. This is written for the devotees who will be part of the Sudharma Sabha.

► Watch this answer · 29:23 · 09 December 2021

Q 641 I am from Jammu. Which Mandal (region) does Jammu fall into? Secondly, was the naming ceremony and other rituals of Lord Kalki performed by Guru Maharaj (Achyutananda)?

Answer: Jammu and Kashmir fall under the Badrinath Mandal. And yes, the naming ceremony and all other rituals for Lord Kalki were performed by Mahapurush Achyutananda.

► Watch this answer · 31:53 · 09 December 2021

Q 642 Which Mandal (region) will Assam come under?

Answer: It will be in the Kamakhya Mandal.

► Watch this answer · 32:56 · 09 December 2021

Q 643 What does it signify to see Hanuman ji in a dream, especially if he is giving us something?

Answer: Hanuman ji is a devotee of Lord Ram, and Lord Ram gave him a boon that at the end of the Kali Yuga, he must save His devotees and bring them to Him. So, if Hanuman ji appears in your dream, it means his work has already begun. He is finding ways to bring the Lord's devotees to Lord Kalki, whether through dreams or some other medium. Only the Lord and Hanuman ji know the exact means, but according to the scriptures, this work has started, and this is a sign that Lord Hanuman is taking charge.

► Watch this answer · 33:03 · 09 December 2021

Q_644 I am from Sagar, Madhya Pradesh. I recently went to a temple near my house where I saw an idol and temple of Lord Kalki that was established in May 2019. It wasn't there before. The mantra there is 'Jai Kalki Jai Jagatpate, Padmapati Jayanate,' which is different from the mantra you give. What is the significance of this for me?

Answer: The mantra 'Jai Jagat Jai Kalki...' is a form of worship, and you should chant it. There is no problem with that. However, the Malika states that the name of Lord Kalki which is written in it is the one that Goddess Kali will ask for during her test. The mantra we are giving through the Malika is found only in the Malika. Lord Vishnu himself instructed for it to be written; it is not a mantra created by any human. This mantra will be the one to save the devotees. There are many mantras for Lord Kalki being chanted across India, and the Lord is happy with all of them. There is no issue with that. But the mantra that Goddess Kali will ask for during her test is this one. She will ask, 'Tell me the Lord's mantra,' and those who cannot recite it will be killed at that very moment. This mantra will also help one overcome other troubles and illnesses. The truth is what is written in the scripture. You should follow what you feel is right according to your understanding. My duty is to tell you.

► Watch this answer · 40:36 · 09 December 2021

Q_645 The people at that temple also say they received their mantra from Hanuman ji as a boon. They are also having spiritual experiences. How can the mantras be different?

Answer: I do not find it necessary to comment on mantras that are given through a guru-disciple tradition (Guru Parampara). I am speaking about the Bhavishya Malika. I am only saying that chanting the mantra written in the Malika will lead to the salvation of the devotees. This is what is written, and I am propagating it for the devotees. This mantra is not for sinners; it holds no meaning for them. It is essential for the righteous. In time, the devotees will understand the power of this mantra. Lord Kalki will take his avatar in Odisha. All the devotees in the world will eventually come there. The main establishment of Sanatana Dharma will happen there, and the Sudharma Sangha (Righteous Assembly) will be its headquarters. Have those other people said anything about these things? Have they written about how the devotees will gather, how the 16 Mandals will be formed, or where the Lord will take his avatar? If they haven't, then it's okay. Their devotion and the name from their guru tradition will also please the Lord. There is no issue with that. But I am speaking about what is given in the Malika.

► Watch this answer · 43:37 · 09 December 2021

Q_646 We know about the effects of the Trijata lineage. But who is Bhurishrava in China, and who are the Kalingasuras?

Answer: Bhurishrava is not Xi Jinping. Bhurishrava was a great devotee of Lord Krishna. He tried to prevent the war and even threw down his turban, but he could not stop the war. He was a devotee of Krishna and a vegetarian. The Bhurishrava who has been born in China has been born in a devotee's place, not as a ruler. He will also come and surrender to Lord Kalki and stay with India. As for the Kalingasuras you ask about, the term refers to the sinners and the corrupt, those who are the cause of society's problems, who do not follow the path of dharma, who violate the Vedas and the traditions of the scriptures. They are the Kalingasuras, and they will be destroyed.

► Watch this answer · 45:56 · 09 December 2021

Q_647 Tell me one thing, is the prince of the Trijata lineage forbidden from entering the Lord Jagannath temple?

Answer: I will not offer a comment on this. It is a controversial question... Time will tell. It has not happened so far. What will happen in the future depends on the Lord. As of now, it has not happened.

► Watch this answer · 47:22 · 09 December 2021

Q_648 I have a Bal Gopal (child Krishna idol). When I put him to sleep, sometimes, every 15-20 days, I see something that looks like sand on him. What does this mean?

Answer: It means that Bal Gopal is playing. He has been born in a human body, and that is sand from his feet. He is a human child now and roams around. The proof of this is appearing in your house. The Lord gives such signs to many devotees like you. It shows how pure you are. The actions that the Lord performs are reflected in your home. We also respect pure devotees like you.

► Watch this answer · 48:17 · 09 December 2021

Q_649 Regarding the two mantras, can we chant both of them?

Answer: The Lord has many names. Some chant Krishna's name, some worship Mahadev, some worship Vishnu. The mantra for Lord Kalki that the other Gurudev has given is also a good mantra; you can chant it, there is no issue. However, for your salvation, chanting the name of Lord Kalki as written in the Malika can provide greater security, because this is the mantra the Lord himself has given for his devotees, which we are sharing with you.

► Watch this answer · 49:21 · 09 December 2021

Q_650 Regarding the 16 Mandals, will only the currently associated devotees be part of them, or can there be others as well?

Answer: The devotees of the 16 Mandals... you are from Baroda, Gujarat, right? In Gujarat, the Dwarkadhish Mandal will be formed. A total of 1,56,000 devotees are meant to gather, and not all have gathered yet. It will take another one or two years. The Lord himself will form the 16 Mandals with his devotees in the Sudharma Sabha (Righteous Assembly), as it is written in the scriptures. The names of the 16 Mandals are mentioned in the Malika. All the devotees, wherever they are in the universe, will meet Lord Kalki.

► Watch this answer · 50:19 · 09 December 2021

Q_651 In every era, the Lord performs human-like pastimes, including getting an education. Will Lord Kalki also receive a formal education in this era?

Answer: In every era when the Lord comes, he engages in divine plays and pastimes. As the great sage Valmiki wrote, the one from whose mouth the four Vedas emerge sits like an ordinary student in an ashram to study. Lord Ram studied, Parashuram studied, Buddha was educated, and Chaitanya Mahaprabhu also was. In whichever era the Lord comes, he abides by the systems and constitution of that era. He does not do anything different; he lives his life like an ordinary human. In this era too, all of the Lord's activities are happening in the same way, and this is also specified in the scriptures.

► Watch this answer · 51:33 · 09 December 2021

Q_652 Lord Kalki does not appear in my dreams. My sister and others have seen him, but how will I get his darshan (vision)?

Answer: If you are a devotee of the Lord, then surrender with devotion. By chanting the name of Lord Madhav, he has given his vision to devotees both within India and abroad. When your time comes, you will also receive his vision. The greatest duty for a devotee is to wait.

► Watch this answer · 52:50 · 09 December 2021

Q_653 What is written in the Malika about Chhattisgarh?

Answer: Chhattisgarh is adjacent to Madhya Pradesh. The devotees from there will also cooperate in the establishment of Dharma. Just as people from all over India will come, devotees from Chhattisgarh will also come to the Lord. And it is written in the Malika that in Sambalpur, Odisha, there will be a Mother Samaleswari temple, a temple of Mother Bhagavati. A Mandal will be formed in the name of Mother Samaleswari, and that Mandal will include half of Madhya Pradesh.

► Watch this answer · 53:59 · 09 December 2021

Q_654 I am from Bengaluru. I have been following your satsang and the path of Sanatana Dharma for a long time. My problem is that I want my family members and close ones to also follow Sanatana Dharma, read the Bhavishya Malika, and take refuge in the Lord, but they are not convinced. Please suggest a prayer or some guidance.

Answer: Your question is very good. But I want to tell you that not everyone in this world is the Lord's own people, the Yaduvanshis. Not everyone has come from Goloka to meet Lord Kalki in this era. There is a distinction: those who are devotees have a connection with the Lord. Those who are not will not come, no matter how much you tell them. You were born alone, and you will die alone; we will not go together. Your concern for your family is a sign of your purity. If you tell them and they do not listen, then stop telling them. A time will come when those who do not listen now will call you to hear about it. They will want to talk to you, but you will say, 'Now there is no instruction from the Lord to talk, and nothing can be changed because you did not follow the path when I told you before. Now, following it will yield no result. So, go your own way.' The process of destruction and the establishment of Dharma is underway across the universe. Only the devotees will understand this; it is written in the Malika that others will not be able to understand because they do not have the right. They do not have enough purity to accept it. They have not been born from the celestial realms. They are

born as humans and will follow their own path based on their karma. But those who are gods, who are devotees, who are residents of Vaikuntha, the Gopis and Gopas—they are the ones who believe in the Malika, will continue to believe, and will never leave it. That is why the Malika was written. So, if they don't believe, don't tell them. There is no need. It is better for us to spend the time we have in contemplation of God, studying the scriptures, reading the Malika, and in the company of saints and devotees.

► Watch this answer · 56:16 · 09 December 2021

SESSION 32 · QUESTIONS 655–671

L30 तुर्की, पाकिस्तान के साथ मिलके भारत के विरुद्ध युद्ध करेगा---GOOGLE MEET---- #Kalkiavtar #LIVE

Date: 12 December 2021 · Watch the full session ↗

Q_655 You said that death is the happiest moment in a person's life. While that may be so, considering the work you are committed to for the establishment of dharma, shouldn't the gathering of devotees and the establishment of dharma happen as soon as possible?

Answer: Look, the work of establishing dharma is ongoing. And as it's happening, you see, society is a mix of the animate and inanimate, virtues and flaws, as Tulsidas ji wrote in the Ramcharitmanas. The world is flawed; some will do good, but when the stream of dharma flows in the world, there will be opposition. This has always happened. Lord Krishna faced so much sorrow establishing dharma, Buddha Dev faced many troubles, and Chaitanya Mahaprabhu walked barefoot across the world, dedicating his entire life to establishing dharma. So, pious people like you and me are also involved in this work. Obstacles will come, but what do we have to do with them? Some people feel their self-interest is being attacked, but we are selfless, so it doesn't matter. The second point is that the gathering of devotees is happening, and the establishment of dharma is also in progress. In the coming times, the troubles that occurred in 2021 will increase in 2022, and even more in 2023. It will keep increasing. But we are steadfast. We have nothing to do with it; we must walk the path we are on. Slander and praise are the same for a wise person, because wise people take slander as praise. This is because God and his devotees are beyond violence, anger, attachment, and the five senses. We are all beyond these senses.

► Watch this answer · 15:33 · 12 December 2021

Q_656 When Corona started, about a month before it began, I had a dream. I was standing on the shore of the sea with wheat, and I threw the wheat into the sea. What does this mean, that I had such a dream before Corona?

Answer: This dream was a sign of a future food crisis. It indicated that during floods in the harvesting season, all the grains and wheat would be destroyed. This was a sample of what was to come, which you were shown in advance. God gave you a warning that a time will come when people's food grains will be destroyed by water. And that is happening today. This is the kind of indication devotees receive, whether in dreams, through experiences, or as a feeling in their minds. Whatever comes to your mind is a blessing from the Lord.

► Watch this answer · 19:22 · 12 December 2021

Q_657 Pandit ji, what is the meaning of seeing Anandamayi Ma in a dream?

Answer: Look, the saints, sadhus, and pious souls who existed before have now taken birth on Earth again. You must have some connection with her, which is why you saw Anandamayi Ma. She has also likely come to Earth. Just as spiritual figures give darshan (a divine vision) to their disciples in dreams, it is happening now. In this lifetime, all devotees are present because when God himself descends, all devotees become ordinary, saints become ordinary, and they meet the Lord, participate in His divine play (leela), and then depart with a very stable nature. So, this means that Anandamayi Ma, who was a saint, has probably also come to Earth, and that is why you saw her in your dream.

► Watch this answer · 22:15 · 12 December 2021

Q_658 I have eaten non-vegetarian food in the past. Can my life still move in the right direction? I used to eat it before, but since I started watching your videos, I have stopped. I ate it in ignorance; I didn't have this knowledge. But gradually, I learned about spirituality and heard about Lord Kalki and the Bhavishya Malika from you, so I gave it up. Please give me some correct guidance.

Answer: There are two types of sins in the world. One is a sin committed in ignorance. The other is an 'apradh' (offense), which means deliberately taking a life or committing a sin knowingly. You ate non-vegetarian food out of ignorance. When you came to know about the Malika and realized through the scriptures that it is not good, you gave it up. For this, you receive God's grace, because you did not do it deliberately. The moment you knew, you stopped. This is a very joyful and pure thing. The path I have shown—reading the Srimad Bhagavat and chanting the name of Madhav during the three sandhyas (junctures of the day)—will wash away your past sins and give you the strength to move towards a very powerful path in the future. Another important thing is that the time for the establishment of dharma is now. If you are a devotee of the Lord and are following the Malika, then you are definitely a devotee of the Lord and you also desire the Satya Yuga. So, stay away from such impurities. The path I am showing has no sin in it; everything will proceed joyfully.

► Watch this answer · 23:38 · 12 December 2021

Q_659 I want to ask, has Lord Kalki, as the form of Lord Vishnu, already taken birth on Earth?

Answer: In the current times, the Lord's arrival has already happened. The time for the establishment of dharma is underway, the destruction of sinners is happening, and the gathering of devotees is also taking place.

► Watch this answer · 26:57 · 12 December 2021

Q_660 Pandit ji, we see that 95 out of 100 people are sinners. So how will dharma advance?

Answer: This is Kali Yuga, which is why the population is so large. But in Satya Yuga, only 64 crore (640 million) people will remain in the entire world. Hanuman ji has written this. And in India, only 3 crore (30 million) will remain. Right now, India has 140-145 crore people, but only 3 crore will be left. With fewer people, those who remain will turn towards dharma. The number of 3 crore devotees will be fulfilled, and those people will uphold dharma and live happily.

► Watch this answer · 27:38 · 12 December 2021

Q_661 Pandit ji, how long will this take?

Answer: Look, the first phase of the establishment of dharma will last for at least 3 years. The process will continue until the seventh phase.

► Watch this answer · 28:41 · 12 December 2021

Q_662 If our Lord Kalki has arrived in a human body and is here on this earth, is he giving darshan (divine vision) to any of his devotees?

Answer: The incident at the Jagannath temple, with a large number of vultures circling the Neela Chakra and the Patita Pavana flag for a long time, was a major sign. Lord Jagannath is himself an avatar of the Lord in Kali Yuga, and the Lord is giving proof from his own domain that the entire universe will become a battlefield. This is the biggest sign, and it is written about in the Malika. Regarding the Lord's avatar giving darshan, if you wish to come to the refuge of the Lord and follow the Malika, I suggest you watch my hundreds of videos. You will find many answers and feel great joy. As for your specific question, we cannot discuss it in a group setting because, along with our Sanatana Dharma work, we face significant problems, as you know. We will keep this private. I will have someone talk to you privately and discuss this in detail.

► Watch this answer · 29:30 · 12 December 2021

Q_663 In the first Kalki temple, built in Jaipur, there is a statue of Lord Kalki's horse. It is believed that a wound on the horse's leg is slowly healing, and when it heals completely, the horse will come to life. What is the current situation of that wound?

Answer: I will tell you. A time will come when Lord Kalki himself will go to that place. The belief is that the horse will come alive, and Lord Kalki will ride it from there. I am telling you, Lord Kalki will go to that place, and upon his touch, it will come to life. That time has not yet come. Be patient, because the establishment of dharma will take about 10 years. It started in 2020 and will go on until 2030. In between, during the world war, at the end of the conflict, Lord Kalki will go to that place in his physical body. At that time, good and pure devotees will be able to witness this.

► Watch this answer · 32:00 · 12 December 2021

Q_664 My observation during the Corona pandemic was that the disease did not affect a certain other community as much, the one that eats beef and other such things. This has created some confusion in my mind. How can this be explained?

Answer: Look, dharma is always a straight path; it is not crooked. The Lord keeps an account of how many sins a person commits. A time will come... I don't want to discuss this in detail, but I will say this much: a time is coming when not a single 'vidharmi' (person of another faith/non-righteous person) will be left in India or the world. It doesn't matter how powerful, strong, or resourceful they are; not one will remain. This is written in the Malika. The greatest duty of the wise and the devotees is to wait for the right time. We are waiting for that time, and you should also wait. Observe the times, and the answer will gradually reveal itself to you.

► Watch this answer · 34:16 · 12 December 2021

Q 665 I heard in one of your episodes that Lord Kalki will receive education from Parashuram ji, learning the 64 arts and the use of celestial weapons, as well as methods of governance. Has he already received this training, or is it yet to happen?

Answer: It is written in the Sanskrit scriptures that when the time comes, Lord Parashuram will grant Lord Kalki the 64 arts, the Brahma-astra, divine weapons, the Varuna-astra, and all other celestial weapons. But this will happen in secret; no one will be able to see it. And it has already happened. The establishment of dharma is ongoing, and Parashuram ji is still in penance on the Mahendrachal mountain. All this work has been completed. Why? Because this is a matter between the Lord and Parashuram. We are in Kali Yuga. If all this were to happen openly, think of the media and the problems it would create. So, the Lord and Parashuram have already done this in secret, and the establishment of dharma is underway. It has all been done.

► Watch this answer · 36:29 · 12 December 2021

Q 666 Pandit ji, are we currently speaking with Lord Achyutananda Maharaj himself?

Answer: No, baba. Look, we are propagating the words of Achyutananda's devotees. I am not him. I have told you repeatedly, the only Guru in this world is God. If you want a Guru, make Hanuman ji your Guru. By making him your Guru, you can reach Lord Ram. I am just an ordinary human. God has given me birth in a Brahmin family, and my duty is to bring change to this world through the path of the Vedas. I am just a servant, and a servant can never become the master. To think so would be arrogance. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:29 · 12 December 2021

Q 667 I wanted to share something about the Balaji temple, where you don't have to state your wish; the saint there gets a printout on paper that details why the person has come. What are your thoughts on this?

Answer: That is a very joyful thing. The famous Balaji... yes, you don't have to say anything there. The saint there gets a paper printout which automatically states why the person has made the request. It's a very joyous thing. When I get the Lord's blessing, I will also go there. This is God's grace. It is the good fortune of all of us in Sanatana Dharma that we have this power through God's blessing. My millions of salutations at the feet of Balaji.

► Watch this answer · 40:41 · 12 December 2021

Q 668 I am only able to perform Trisandhya twice a day, in the morning and evening. I cannot do it in the afternoon due to my busy schedule. Is there a solution for this?

Answer: Look, if you are unable to do it in the afternoon, then do one thing. At that time, for just one or two minutes, chant the name 'Madhav' 108 times and just recite the names of the 10 avatars: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashuram, Ram, Balaram, Buddha, and Kalki, and the 16 names of Vishnu that you know. Just do that much. You can do it standing or sitting, anywhere. This is the junction time when the gods are present, and when human prayers reach them, Satya Yuga can come. So please follow this practice and give at least two or three minutes to it.

► Watch this answer · 42:04 · 12 December 2021

Q 669 Pandit ji, could you please tell us something about the 24 avatars of the Lord and their divine plays (leelas)?

Answer: Yes, I will definitely tell you. Explaining the 24 avatars will take a lot of time. But look, among the 24 avatars, the first ones are the four Kumaras: Sanaka, Sanandana, Sanatana, and Sanatkumara. The final avatar is Kalki. The 10 main avatars are also part of this, as are avatars like Dattatreya. However, for the establishment of dharma in the four yugas, the 10 avatars are most prominent. Jayadeva, who was a great devotee of Lord Jagannath, wrote about them after Lord Jagannath himself told him. The Kalki avatar is about to happen in the near future. I will make a detailed episode about the 24 avatars on our YouTube channel for you all to listen to. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:02 · 12 December 2021

Q 670 I have a question. In my family, we do our prayers, but due to certain circumstances and financial stress, I am unable to go to temples for darshan of the Lord. What should I do?

Answer: There is power in your devotion. Manifest that devotion. Seeing the Lord (darshan) is not the most important thing; the path shown by the Lord is. One does not become great simply by having a darshan. What is great is reading and understanding the scriptures given by the Lord and separating oneself from worldly and social life. By chanting the Lord's name (bhajan-kirtan), you will receive everything that those who get darshan receive. You will get it too, so do not be sad. Follow the path I am showing, and everything will be alright. A time will come when you will get money, everything will be fine, and your economic situation will also change. Just do as you have been told.

► Watch this answer · 45:57 · 12 December 2021

Q 671 I wanted to ask, you previously told a devotee that if someone is affected by black magic, they should place a tulsi leaf on a betel nut, drink that water, and take the Lord's name, and the black magic will not work. Is this remedy valid and effective for everyone?

Answer: Yes, the name of Madhav is so pure and powerful. If it can grant devotion and liberation, then... look, these negative influences are also a type of demon that cause trouble. How will they be defeated? By the light of your devotion. So, you all should spread the light of dharma, follow the path I have shown, and do as I have said. Everything will be fine.

► Watch this answer · 47:41 · 12 December 2021

SESSION 33 · QUESTIONS 672–685

L31 श्री जग्गनाथ जी छत्तिया बट्ट जाएंगे

Date: 16 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 672 I have a question. With the times as they are, how should I get my daughter married? She is 20 years old now, but the boys we are finding are non-vegetarians and drinkers. What should I do? How will I get her married?

Answer: Look, mother, you have spoken well. In today's society, people who drink alcohol often don't have good character. And with the influence of Facebook and porn websites, many people have become bad. But there is one thing, mother. Take refuge in God and stay on the path of Shrimad Bhagavat. Guide your daughter to do the same. A connection will come your way for a good, vegetarian boy who doesn't eat non-veg, and she will marry him and live a happy life. See, in today's world, when people get married, many marriages don't last. Many people get divorced, and there is unrest in families. Many daughters are leaving their homes and living alone because men in today's world lack purity. Instead of marrying such people, it's better to wait a little. By staying on God's path, God will send a good boy for you. Wait for the right time. Follow the path I am telling you. You will find a connection, you will find a good boy, and you will get her married to him. Wait for the time, mother. Jai Jai Maa Jai.

► Watch this answer · 35:26 · 16 December 2021

Q 673 My question is, for the people who will survive into the Satya Yuga, won't they feel immense pain and suffering seeing all this destruction around them? Seeing their own families possibly die? In so much pain, how will they establish a new era?

Answer: This is a very good question. But look, baba, at the end of the Dvapara Yuga, the people who are connected with the Malika are pure souls who have come to Earth for God. Their duty is to protect the Earth completely and to bring human society to the path of truth, dharma, justice, policy, and ideals. A time will come when it will be your duty to protect the world, the universe, by holding God's weapon and preparing the Earth for its new creation, for the Satya Yuga. At that time, it won't be on your mind who is dying and who isn't. A time is coming when people will see death everywhere. When someone dies, whether it's family, a friend, a relative, or someone distant, as this keeps happening, you will get used to it. That's the first thing. Secondly, God has told you all to protect dharma. At that time, you will also receive the strength and capability, and your mind will become strong. You will be engaged in your work, and it will feel like a divine duty. With time, people will also change and will start working to bring about the Satya Yuga. So, with time, whatever is necessary at that moment will happen with God's blessings. There is no need to worry about it. But if you want to save the world and your family, it is our duty to bring them to the path of dharma and show them the right way. Doing that will be the right thing. Jai Jai Maa Jai.

► Watch this answer · 37:33 · 16 December 2021

Q_674 What trials will the devotees have to face, and how will they know what to do? What name should they chant?

Answer: Look, let me tell you from the beginning, baba. In the Satya Yuga, people chanted the name of Lord Vishnu. In the Satya Yuga, the rishis, munis, sadhus, and saints would only chant the name of Lord Vishnu. After the Satya Yuga, when the Treta Yuga came, the name of Lord Ram was chanted, and by chanting Ram's name, all the devotees attained salvation. In the Dvapara Yuga, by chanting the name of Lord Krishna, the devotees attained Vaikuntha. And in the Kali Yuga, it is the name of Shri Jagannath, because the avatar of Kali Yuga is Shri Jagannath. But the Kali Yuga has also ended. Now we are heading towards the Satya Yuga. At this time, by taking the name of Madhav... and the Devi Matas who will come, the Ashta Durga and Nava Durga, they will test the devotees. They will test them in dreams and in person. They will ask three or four things. First, they will ask, 'Whose name are you chanting?' The devotee will say, 'I am chanting the name of Madhav.' This will be the answer to the first question. Second, they will ask, 'Recite the Durga-Madhav stuti (praise).' By reciting it, the second question will be answered. Then they will say, 'Recite the 16 names.' By reciting the 16 names, they will be pleased. Then they will say, 'Recite the 10 avatars.' By following this path I am telling you, neither disease, nor the Devi Matas, nor any natural calamity will be able to harm you. Just try it and see. When the time comes, you will realize its value and its power. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:03 · 16 December 2021

Q_675 Idols of God that are thousands of years old are being found. What is the significance of these ancient idols being discovered now?

Answer: 5,126 years ago, Lord Shri Krishna was on this earth as the king of Dwarika. So these idols, which are being unearthed in India and in countries outside, are primarily from that time, 5,000 years ago. Our scriptures say it's been 5,126 years, which aligns science with spirituality. The most important thing is that, as the Satya Yuga is approaching, Sanatana Dharma will prevail everywhere in the universe. People from all countries know this. They may say, 'We are Christians,' or 'We are from another community,' but idols of Hindu deities are being found there. The proof of this is that at that time, Sanatana Dharma was prevalent throughout the entire universe, and it is going to be so again. This is the most sacred message for us, and it brings peace to our minds. A time will come when the entire universe will be of Sanatana Dharma. There will be no other religion. I am not a fanatic, but it's a natural truth because Sanatana Dharma is the eternal religion that sustains the universe. Sanatana Dharma existed, it exists, and in the future, it will exist throughout the universe.

► Watch this answer · 52:48 · 16 December 2021

Q_676 As you say, only a little time is left. What does this mean?

Answer: Look, in the times we are living in now, is any person at peace? No matter how many resources a person has, they are not at peace. This means it is the time of the changing of an era. And see, when the rains cause destruction during the harvesting season, this scarcity is not just in India. In the coming times, there will be drought, and people will not get food. But the devotees who stay on God's path will remain under the Lord's blessings.

► Watch this answer · 54:44 · 16 December 2021

Q_677 What is 'Chhatia'?

Answer: Haridas ji had built his ashram, his place of worship, and he was a devotee of the Lord. He prayed to Lord Jagannath, 'Please come to my place once, and the Ratha Yatra will happen there, and I will have your darshan.' But at that time, the Brahmins and the servitors created many obstacles for Haridas Maharaj to have the Lord's darshan. This saddened him, and he prayed, 'Lord, please come just once.' The Lord replied, 'I have been planning to go to Chhatia Dham since the Dvapara Yuga. I have blessed Chhatia, and you are also asking for it. To fulfill both, I will go to Chhatia, but only for seven days.'

► Watch this answer · 55:26 · 16 December 2021

Q_678 Where is it located?

Answer: It's about 50 kilometers away... Okay, mother. Jai Jai Maa Jai Jai.

► Watch this answer · 56:17 · 16 December 2021

Q_679 My first question is, has Lord Kalki already taken his avatar? And my second question is, can you tell us something about China? And also about Bihar?

Answer: Regarding Bihar, the sacred land will become pure again, and I speak of an undivided Bihar (Akhand Bihar). I am not talking about the current political situation; I am talking about the future. It is written about Bihar. All the devotees of Bihar will have to be united, dharma will be established, and the devotees of God will also meet the Lord. There will be natural disasters; everything is written about Bihar. But we don't need to worry about it. We will remain on God's path. This will happen by divine will, by God's wish. Lord Kalki will have four aspects... he will be with his body, and things will happen merely by his command. This is written in the scriptures. So there's nothing to worry about. Our duty is to follow the path, follow the Malika, and establish dharma.

► Watch this answer · 57:09 · 16 December 2021

Q_680 So, has Lord Kalki taken his avatar or not?

Answer: Look, baba, this is a secret, hidden matter. If I speak about it, some people will believe it, and some will not. It is also written that only the true devotees, those who have been devotees for all four yugas, will know that the Lord is coming. I will tell you this much, son, from my own experience and devotion: ask your own inner self, 'God, have you come to Earth? If you have come, Lord, I want to have your darshan.' Your inner self will give you the answer, and God will reveal it to you through some sign. Look, just as I am doing the Lord's work, people like you are also doing it. So you too will have God's direct grace. Ask your inner conscience, and you will get the answer. Wait for the time, you will get the answer, and then you can tell me. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 58:58 · 16 December 2021

Q 681 Pandit ji, my question is, please tell us about the Durga-Madhav stuti.

Answer: The Durga-Madhav stuti was written by a holy devotee of God. This hymn, 'Durga-Madhav Kripa Madhya Kripamayi...', will please the Nava Durga. The Devi Matas will be taking a test, won't they? As for how to get the mantra for the Durga-Madhav stuti, our Mohan is in the satsang. His number is in the description. If you talk to him, he will provide it as a PDF. Chanting it will bring you great joy.

► Watch this answer · 01:00:37 · 16 December 2021

Q 682 Are you saying to put it on Telegram?

Answer: Son, okay, I will talk about it. But please talk to Mohan. I will tell Mohan. Hey Mohan, please give them the Durga-Madhav stuti, baba. Talk to Mohan and you will get it.

► Watch this answer · 01:01:27 · 16 December 2021

Q 683 My question is, I had a dream where someone was constantly saying 'everything will be alright,' and a hand was placed on me. I want to know what this means.

Answer: Look, mother, that dark-colored hand is the blessing of Lord Kalki upon you. If you all become righteous and well, the level of dharma in this world will rise. As for other problems, they can be cured, whether it's household problems, family problems, or anything else. I will tell you this much: in this satsang, I tell you all to follow the path. By following it, you will get family happiness, financial progress, refuge in God, and everything on the path of dharma. Dharma, Artha, Kama, Moksha—all that is essential for a human being, you will get it through this path. You must follow it. By doing so, many dreams and experiences will come. Those who do it, receive it. The touch of the Mahaprabhu is the closest thing in the world; it is divine, like Mahadev. What you have received is his sacred blessing. Okay.

► Watch this answer · 01:01:50 · 16 December 2021

Q 684 Why do you call Pandit Kashinath Mishra 'Pitaji' (father)?

Answer: I once replied to them that our parents gave us birth, but the one who shows you the right path in this world is your true father.

► Watch this answer · 01:04:58 · 16 December 2021

Q_685 Please share your thoughts on that incident so the devotees can know. They should also know the power of this path. Please tell us about it; everyone will be happy to know.

Answer: We completed our journey. During that journey, we contracted Corona. We know how we got it. But when we were about to return, we got our RT-PCR test done, and the report came back positive. We wondered what would happen. We did nothing but remember the Lord in our hearts and sent a message to Pitaji (the speaker) about what had happened. The only message we received from there was, 'Whatever is in your heart, your faith will be proven. Go with faith, take precautions, cover your face, and there will be no obstacles.' Without a test, you cannot travel from one city to another. We traveled from one country to another without an RT-PCR report. This is purely a miracle of the Lord. This is just one thing. Pitaji also mentioned something about driving, and we were saved from death twice while driving. There are many other miracles of the Lord that we don't want to mention here. We will only say that the Lord has arrived on Earth. Before criticizing Pitaji's path, just try chanting the name of Madhav. Try drinking that nectar once, and then you will know. It is very easy to criticize.

► Watch this answer · 01:08:26 · 16 December 2021

SESSION 34 · QUESTIONS 686–714

L32 सत्य में रहने वाले भक्तो को निंदा-अपमान मिलेगा-- विष्णु भगवान संहार के लिए कल्कि रूप धारण करेंगे

Date: 19 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 686 Pandit ji, I had a dream a few days ago that I was walking on a mountain, and there were many snakes lying on the path. They weren't harming me; they were just lying there as I walked on the mountain. What does this mean?

Answer: Actually, what this truly means is that such a time will come. It is also written in the Malika Shastra that the Nagas (serpent beings) from the Naga Loka in the netherworld will all come to Earth. Due to their influence and the effect of their venom, many areas will become poisonous. The snakes didn't harm you because you are a devotee. I am saying this to the pure and devout people: those who follow the Malika will not be bitten by snakes. They won't do anything; they will go on their way as you go on yours. So, a time is coming when the entire Naga Loka will come to Earth and will assist in the great destruction. They will participate in the destruction but will protect the devotees.

► Watch this answer · 07:22 · 19 December 2021

Q 687 Pandit ji, my question is about Punjab. What important role will it play in the establishment of Dharma? As we know, Punjab is a holy land where many of our Gurus have come to Earth. And my second question is, as you posted in the group, a meeting of Muslim countries is happening in Pakistan. Please tell us about that in detail.

Answer: Alright. When there were attempts to impose cruelty and defile the Sikh religion, the Guru tradition was established in Sikhism. Many holy and revered Gurus came and protected Dharma. The greatest proof of purity is that Guru Nanak Dev himself came to the Jagannath region and established his monastery there. In his writings, he wrote about the Kalki avatar. This means the entire Sikh community will be involved in God's work of establishing Dharma. Those who are pure and follow Dharma, people from the Sikh community will join together to work for Sanatana Dharma and will work with God in establishing Dharma. The second point is about the 13 Muslim countries gathering. It is written in the Malika that the '13 hat-wearers' will gather, and after that, the preparations for the world war will be complete. This is happening now and will be completed in the coming time. When it is complete, they will unite to start the India-Pakistan war. This work is in progress. The outcome is also written in the Malika, including how the battle formations will be created and who will join. They will all gather and fight, but in the end, Sanatana Dharma will be victorious. For that, you are working, I am working, we are all working together. God will help us and will protect this divine land of Bharatvarsha. Through the purity of the devotees and the grace of the Lord, Akhand Bharat (undivided India) will be created. All the parts that were divided—Afghanistan, Balochistan, Pakistan, Bangladesh, Myanmar, all our neighboring states—will be reunited with India. A time will come when the light of Sanatana Dharma will spread.

► Watch this answer · 09:03 · 19 December 2021

Q 688 You mentioned in the last session that he (the Kalki avatar) has already been born. According to that, why haven't we seen any of his divine plays (leelas) yet?

Answer: According to the Malika Shastra, the Lord's incarnation has already happened. It was written in the Malika that when the flag falls from the Jagannath temple, that is when Lord Kalki's incarnation will take place. Calculating from that time, according to the Malika, he will be 14 years old when his work of establishing Dharma will begin. The flag of Jagannath ji fell 15 years before 2008. So this is the proof. Secondly, regarding his 'leelas' (divine plays), look, your devotion is your power, your experience is your power, your inner self is your power. In devotion and surrender, follow the path I am showing you, and you will receive complete information about Lord Kalki.

► Watch this answer · 13:32 · 19 December 2021

Q 689 What is 'Anant Yug' (Infinite Era), and when will its effects be seen in the western region of Rajasthan?

Answer: The time between the end of one yuga (era) and the beginning of Satya Yuga, that small period when Satya Yuga begins, is called 'Anant Yug'. In other words, it is also called 'Adya Satya Yug' (the first Satya Yuga). This era will spread the light of truth and gather the pure devotees. After the devotees are gathered, Dharma will be established through Lord Kalki. After the establishment of Dharma and the destruction of sinners, Sanatana Dharma will be re-established. Then, the Adya Satya Yug will progress further, and gradually, after 1000 years, the full Satya Yuga will arrive.

► Watch this answer · 15:10 · 19 December 2021

Q 690 How will one attain God? Through penance or through His name?

Answer: Look, to attain God at this time, following the path of the Malika is the greatest duty. The Malika is the only scripture that writes about the end of Kali Yuga, the establishment of Dharma, the gathering of devotees, the union of God and devotees, and how Satya Yuga will begin. So, follow the Malika, and after that, everything will slowly become clear.

► Watch this answer · 16:13 · 19 December 2021

Q 691 Maharaj, when will the attack by Pakistan or China happen in Rajasthan?

Answer: Look, as I said a little while ago, when the 13 'topiwale' (hat-wearers), the 13 Muslim countries, have gathered, a full-scale war between India and Pakistan will begin. Wait for that time. After it starts, it will unfold on its own. You will see it in due time.

► Watch this answer · 16:45 · 19 December 2021

Q 692 You mentioned the gathering of 13 Muslim countries. In that context, what will happen to the Muslim community within our country and the anti-national people when these events unfold?

Answer: This is a very valid question. The Muslim people living in our country are our own citizens, which is a different context from those in other countries. I am speaking according to our current system of governance. But when Dharma is established, God will see only one thing, regardless of religion or creed: who has more sin. The one whose sin is greater—meaning the one who commits sins, is harmful to society, is a burden on the Earth, kills living beings, acts against Sanatana Dharma, and opposes the Vedas—only they will be destroyed. In this, God will not see any religion, policy, or caste. Only those who have more merit and purity will survive. I can say this much. The one who has Dharma with them will be safe.

► Watch this answer · 17:13 · 19 December 2021

Q 693 According to Sanatana Dharma, when one attains Moksha (liberation), they are not reborn. They go to Vaikuntha, the abode of Vishnu. My doubt is about Jaya and Vijaya, the two gatekeepers of Lord Vishnu. They were already in Vaikuntha, so how did they fall and have to be reborn three times as demons? If a soul goes to Vaikuntha, shouldn't it be free from rebirth?

Answer: A very good question. Just as a river flows and merges into the ocean, its forward motion stops, but the river itself continues to exist. Similarly, a person who attains Moksha goes to Goloka Vaikuntha and assumes a divine, four-armed body. They participate in the eternal divine play (leela) there in bliss. Moksha does not mean they will not be born again. It means they get a place and a divine body in Vaikuntha. When the Lord takes an incarnation on Earth, those same devotees are born again to participate in His earthly leelas, and they return to Vaikuntha afterward. However, if someone commits too many sins during their earthly life, they cannot go back. This cycle continues. It is written in the scriptures that before the Rama and Krishna avatars, the gods were asked to take birth on Earth to assist the Lord. So, it is not a final death but a purification of the body into a divine form where there is no fear of death. This cycle continues.

► Watch this answer · 18:58 · 19 December 2021

Q 694 I had a dream where a lamp representing India was being extinguished. What does this signify?

Answer: A lamp is a symbol of energy and light. This means the eyes of enemies will fall upon India. As India's light spreads and its power grows, problems will come upon it, and the 'lamp will be extinguished' in that sense. India will face problems from external enemies. But the establishment of Dharma will happen. The devotees will create Ram Rajya. This work must be done. The problems will not go away on their own; they will keep increasing year after year. You all must watch and follow the path of Dharma. Make people aware that Kali Yuga has ended and it is time for the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 24:08 · 19 December 2021

Q_695 In the Dashavatara (ten incarnations), Shri Balarama is mentioned alongside Lord Krishna. Is Lord Krishna the supreme Mahavishnu and Balarama an avatar? What is the difference, and why isn't Balarama's incarnation mentioned for this age?

Answer: Look, Balarama, Mahadev, Sankarshana, and Lakshman are all manifestations of His energy. They are all one energy from Mahavishnu. In Kali Yuga, Balarama will not come because the Kalki avatar is a single, complete incarnation. Lord Kalki's body contains the combined energies of Mahavishnu, Balarama, and Brahma. Since Mahavishnu himself is coming, Balarama will not come separately. Kalki has come with all the powers combined. The Malika does not mention Balarama coming in this age. When it is said 'Krishna-stu bhagavan svayam' (Krishna is the Supreme Lord Himself), it means he was the complete form. Balarama was considered an avatar in the Dwapara Yuga.

► Watch this answer · 26:06 · 19 December 2021

Q_696 My question is about Ganga Kali ji in Bengal, who is also called Dakshinakali. What secret divine plays (leelas) are going to happen there?

Answer: The Dakshina Kali Mata in Kolkata will assist in the establishment of Dharma. She will connect the devotees according to the Lord's instructions. In the name of Ma Kalika, a 'Kalika Mandal' (circle of Kali) will be formed, combining different states. Mother Parvati, in this form, will work for the establishment of Dharma not just in Kolkata but in the entire universe, taking all the goddesses with her.

► Watch this answer · 28:07 · 19 December 2021

Q_697 While the work of Dharma is ongoing, why are the devotees who are participating receiving nothing but hardship and sorrow?

Answer: The Pandavas went to the forest and spent their time in great sorrow. This went on for some time, but then the Lord established Dharma, and all the devotees found peace and happiness. Due to the influence of the Asuras (demons), devotees are facing problems, but this will only be for a short time. When the Lord establishes Dharma, this will change, and the devotees will receive infinite happiness.

► Watch this answer · 29:17 · 19 December 2021

Q_698 So this is a time of testing for us, just as it was for devotees in the past. What should we do to endure this?

Answer: For that, the greatest act of purity is to follow the path that I am showing. By walking on this path, the influence of sinners, the influence of enemies, and the problems that devotees are facing will be removed, and the devotees will live in bliss. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:22 · 19 December 2021

Q 699 Baba, you have spoken about many places. What will happen in Nepal? I wish to know.

Answer: In Nepal, most people follow Sanatana Dharma. Many are devotees of Lord Buddha, whose incarnation was for establishing Dharma. However, when I visited, I saw people eating meat, even though Lord Buddha himself opposed the killing of living beings. The scriptures are clear on this. The devotees in Nepal will be reformed and will join the establishment of Dharma under Lord Kalki. However, a very big, devastating earthquake will happen in Nepal. The devotees will be saved. Natural calamities like landslides, starvation, and cloudbursts will occur worldwide, including in Nepal. To be saved from these problems, you should read the Srimad Bhagavatam daily, perform Trisandhya (prayers at three junctures of the day), and follow the path we show. By doing this, you can come under the shelter of Lord Kalki and keep your family safe.

► Watch this answer · 31:24 · 19 December 2021

Q 700 There are many Hindus who perform charity and take the Lord's name, but when we ask them to join this path, they say, 'We already do good deeds, so no sorrow will come to us. We will be saved anyway.' Why do they refuse to join?

Answer: Look, there are pure devotees who are directly connected to Lord Kalki and will join Sanatana Dharma. Then there are others who are indirect; they are good people who practice dharma, charity, and good deeds. They might even attain heaven according to their karma. But they are not participating in the specific work of establishing Dharma at the end of Kali Yuga. That is why they don't join. It's okay. There are devotees who will join, and there are ordinary people. You should still try to tell them.

► Watch this answer · 35:36 · 19 December 2021

Q 701 So, will those other good people receive protection or not?

Answer: The core devotees will connect with Lord Kalki and work in the establishment of Dharma. As for other humans who are doing good deeds, they will get results according to their karma. Regarding the pandemics and natural disasters that are coming, those who are on this path will be protected. Those who are not, if their merit and purity are high, they too might get protection for some time. In the end, what happens will be according to their karma.

► Watch this answer · 36:56 · 19 December 2021

Q 702 I am from Himachal. Two days ago, a massive fire broke out in the food storage of the Jwala Devi temple. What does this mean? What is the sign?

Answer: This is a very important sign. Similar incidents have happened before: the flag of the Jagannath temple was burned by lightning, and fires occurred at the Samaleswari and Tara Tarini temples. The fire in the Jwala Devi temple's food storage means that a time is coming—within the next two to four years—when all of North India, including the states adjoining Himachal, will face a severe drought and lack of drinking water. Or, there will be excessive rain that destroys all crops. This is the sign. It also means that the Goddess has left her physical place to join the Lord for the establishment of Dharma. The fire is a signal of this.

► Watch this answer · 37:51 · 19 December 2021

Q_703 Pandit ji, it is said that in Satya Yuga, mountains will rise up and the North and South poles will shift. You are also saying this is already happening slowly. Can you elaborate?

Answer: Yes, many changes will occur. Before Satya Yuga begins, 3000 major earthquakes will happen, so powerful they cannot be measured on the Richter scale. These will cause the entire geography of the Earth to change. New rivers will emerge, old ones will dry up, and seas will become flat plains. Many such geographical changes are going to happen. Even scientists are now saying that the speed of movement at the poles is increasing. This is set to happen in the coming time.

► Watch this answer · 39:50 · 19 December 2021

Q_704 Pandit ji, this pandemic that is going on right now, is this also part of the establishment of Dharma?

Answer: When sin increases on Earth, calamities come upon humans through their karma. There are two types: 'vyadhi' (disease) and 'mahamari' (pandemic). Diseases like cancer or diabetes are the result of an individual's past life karma. A pandemic, however, occurs when sin increases in society as a whole. This pandemic that has come is the power of the goddesses. It is now in its third phase; it will go up to the seventh phase. I have been saying this for the past two years.

► Watch this answer · 41:33 · 19 December 2021

Q_705 People are now saying a booster dose of the vaccine will be required. Should we take it? I saw on YouTube that someone claimed taking it would align a person with the demon of Kali Yuga. Is this true?

Answer: No, there is nothing like that. You should follow the rules and regulations of the government. Our nation is a democracy, and the government is taking these steps knowingly. Follow the government's rules completely; it is for the good of society. But let me tell you, those who have taken the doses are in trouble, and those who haven't are also in trouble. Everyone is struggling. At such a time, people should follow the government's rules and also follow the spiritual path we show: reading the Bhagavatam, performing Trisandhya, and singing specific bhajans. By doing this, you will have protection. The illness may come, but it will not be fatal. You will remain safe. But do follow the government's rules.

► Watch this answer · 42:50 · 19 December 2021

Q_706 Pandit ji, you had explained the signs from the Jagannath temple that would precede the incarnation, based on the Malika. Have all those signs already occurred, or is there something still left?

Answer: It was written that a crow will sit on the Garuda Stambha (pillar), blood will appear on the Ratna Simhasana (throne), a stone will fall from the top of the temple, and a spring will emerge from below. All these have happened. The only thing left is for the sea to come up to the 22 steps of the Jagannath temple. In the coming time, all of humanity will see this. The signs from the Jagannath temple are the roadmap for the establishment of Dharma. All signs have been received; only the sea rising to the steps is left. This can happen anytime; it is God's divine play.

► Watch this answer · 44:34 · 19 December 2021

Q_707 Will the Saraswati river flow again?

Answer: The Saraswati river... yes, in many places in Rajasthan, it has already reappeared. There is a flow.

► Watch this answer · 46:26 · 19 December 2021

Q_708 Pandit ji, when will the Lord come before all of us in his physical form?

Answer: I hear this question often. When the ancient sages performed penance, the Lord would appear only for them, not for everyone. The modern idea of 'appearing' is like a minister being presented to the media. But this is the path of Dharma. When God appears, it will be for His devotees. He can appear in your home. He has already given a physical vision to some of our connected devotees according to their level of devotion. He will only give 'darshan' (vision) to those who have that level of devotion. Lord Kalki will never give a mass darshan to the public in this age of destruction. That will happen in Satya Yuga, but not now.

► Watch this answer · 46:55 · 19 December 2021

Q_709 Just like in the Rama and Krishna avatars, most people didn't know they were God; only a few knew. Will it be like that again, where the Lord will be among us, but only the devotees will recognize him while everyone else thinks he is an ordinary man?

Answer: Yes, it is exactly like that. He is living his life like an ordinary human. And the devotees, just as they recognized him in Vrindavan, will recognize the Lord, and He will recognize them. As I said, 16 'mandals' (circles) of devotees will be formed, and they will be directly connected to Lord Kalki. They will interact with him and have a family-like relationship. But it is not possible for the Lord to give a public darshan by holding a big meeting or appearing in a marketplace. He will be among his devotees, and only they will recognize him in his human form.

► Watch this answer · 48:43 · 19 December 2021

Q_710 Pandit ji, when will Satya Yuga begin? Or has it already started?

Answer: It has already begun. Only the time of destruction remains. The war against injustice has started. That's why you see that anyone who commits injustice or does wrong gets caught. Look at the governments and the welfare schemes they provide for people. For example, in Odisha, you can get a meal for 5 rupees. This is also a sign of Satya Yuga.

► Watch this answer · 50:06 · 19 December 2021

Q_711 Pandit ji, how will the humans who are demonic in nature and not on the path of dharma be transformed?

Answer: First, through the Vedas and the supreme light of knowledge. By seeing, hearing, and experiencing this supreme light, some people will change. As for those who do not accept it, the Lord will decide their fate during the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 50:46 · 19 December 2021

Q 712 Pandit ji, for everyone's benefit, please tell us how to identify the impostors (pakhandis)? What are their signs? Everywhere, people have become self-proclaimed gurus.

Answer: At the end of Kali Yuga, the number of impostors will increase. They will call themselves God or a great guru, gather rich devotees, and form organizations. They may even use powers of tantra-mantra. But secretly, they themselves consult astrologers to check their own planetary positions and secure their future. If the government investigates them... I'm not talking about all saints, but these impostors... it will all come out. They sit and declare, 'I am God,' and intimidate people. Their destruction will happen; there is some time left. Either they will be dealt with during the establishment of Dharma, or they will be caught by the government.

► Watch this answer · 52:14 · 19 December 2021

Q 713 What about those who take money to read holy books?

Answer: Look, money and women are the two ways they can be caught. I request the government to investigate these people, perhaps by using women as agents. Then it will become clear what they do and don't do. It is necessary to investigate them, and then they will be caught.

► Watch this answer · 54:12 · 19 December 2021

Q 714 I don't have a question, I just want to say that you are helping us focus our attention on the ultimate truth.

Answer: Look, mother, I am an ordinary human like you. I pray to God that pure souls like you who want to walk on the path of Dharma receive God's grace. May the Lord show you the right path and may you progress on the path of Dharma. That is all.

► Watch this answer · 55:24 · 19 December 2021

SESSION 35 · QUESTIONS 715–727

L33 कलियुग के साधु - संत लोग कैसे चरित्र के होंगे?

Date: 23 December 2021 · Watch the full session ↗

Q_715 When the nuclear war happens and atomic bombs are dropped on India's enemy countries, how will the devotees living there be saved? There will be poisonous gases and destruction.

Answer: According to the Malika, devotees who stay on the righteous path, take refuge in the Lord, and follow the Malika will be saved. Through the Sudharma Sangh, 16 'mandals' (zones) will be formed, and people from outside India can also join. These devotees will be purified by following practices like reading the Srimad Bhagavatam, performing Trisandhya, chanting the 16 names, and the Dashavatara. Before the nuclear war or the catastrophe of the five elements, God will save them through his divine power. The complete responsibility for their protection has been assigned to the Lord and the deities. So, there is no need to worry. The only necessity is to follow the path we have described. I don't know what will happen to those who cannot follow it, but those who do will be safe.

► Watch this answer · 10:07 · 23 December 2021

Q_716 I have two questions from a devotee. First, are the Vishwa Sanatan Dharma and the Sudharma Mahasangh the same, or are they different? Second, in a previous session, you said something like, 'whether I am here tomorrow or not,' implying your death. Why do you say such things? It makes us sad.

Answer: Regarding your second question, human life has no guarantee or stability; it is a divine gift from God. We can continue to live in this world as long as our actions and purity are correct. If there is any mistake in my words or deeds, I will also be judged. More importantly, those who take refuge in God have no attachment to their life, as they are always in God's meditation. That's why such words sometimes come to mind. I don't want to have such emotional talks, but it happens on its own. If you all feel hurt by this, I humbly ask for your forgiveness. Regarding your first question about Sudharma Mahasangh and Vishwa Sanatan Dharma: these two organizations are different stages of the same path. It's like a good student who goes from school to college, then to a national university, and then to an international university. The goal is the same. In Sanatan Dharma, devotees first gain knowledge about the Malika, Sudharma Sangh, Bhavishya Purana, the establishment of Dharma, and God. After a year or two, when their minds become completely pure and free of conflict, they will work through the Sudharma Mahasangh. They will become 'Sudharma,' which means they will have the behavior and actions of a deity. When the Lord arrives, He himself will establish the Sudharma Mahasangh. The most devoted people from the Sanatan Dharma, who have surrendered to the Lord and the Malika in mind, love, and devotion, will be close to the Lord and become members of the Sudharma Mahasangh.

► Watch this answer · 13:05 · 23 December 2021

Q_717 In the Dvapara Yuga, Kansa made many attempts to harm Lord Krishna. Similarly, in this era, will the Kalki avatar also have to face such troubles?

Answer: This is a very good question. The Malika states that Lord Kalki will be born as a human child but will possess immense power. At will, he can create or destroy the seven great continents (Sapta Dvipa) in a moment. A mere glance from his eyes will radiate the light of a crore suns. The entire universe will tremble from the force of his breath. Every pore of Lord Kalki's body will contain crores of universes. Though he will look like a child, his actions will be that of the Supreme Being (Brahman). He will be born with 64 'kalas' (divine arts) to establish Dharma. Therefore, it is impossible for anyone to harm him. In previous eras, the demons had divine powers and weapons. In this age, the demons are in human form, and Lord Kalki will eliminate them through subtle means. No one will be able to cause him any harm. If anyone even tries, the Lord will finish them without anyone ever knowing. He has all the power and needs no help.

► Watch this answer · 17:35 · 23 December 2021

Q_718 During World War 3, will there be studies or not? Will online classes and such things happen, or will they all stop?

Answer: You should focus on your studies now. Discipline yourself in your studies and also in your devotion. The war will happen when it is destined to happen. At that time, everything from schools to computers will be destroyed. There will be no government or administration. In that era, people will follow the Dharma Shastras (scriptures of righteousness). So, for the next four to five years, study well, get good marks, make your parents happy, and also read the scriptures of Dharma. We will think about that time when it comes. To think about it now is not good for your mind. Leave those thoughts, focus on your studies, and chant the Lord's name.

► Watch this answer · 21:33 · 23 December 2021

Q_719 Lord Vishnu Narayan is in his cosmic form (Virat Roop). Does he possess only a few 'kalas' (divine arts), or does he have all 64 'kalas'?

Answer: When Lord Vishnu incarnates, he comes to give happiness to the devotees of all four yugas, to fulfill their rights, and to grant them the fruits of their penance. In this age, Lord Vishnu himself will leave his abode for some time and incarnate on Earth as Lord Kalki. The Malika says that Mahavishnu, the resident of the ocean of milk, incarnates as Kalki. Lord Kalki's body will contain the power of Lord Rama on the right side and Lord Krishna on the left. Balarama (as Ananta) and Goddess Mahalakshmi will also be with him to fulfill the devotees' desires for peace and happiness. Lord Kalki will be the confluence of all 64 'kalas'. He will possess immense power and establish Dharma. He is a complete avatar, just as Lord Krishna was the greatest avatar on Earth. Lord Kalki is the avatar of Mahavishnu himself. His four brothers will always be with him, and they will carry out his will. He is a complete incarnation.

► Watch this answer · 23:52 · 23 December 2021

Q_720 In Satya Yuga, when dharma was most prevalent, the Lord took more avatars compared to Kali Yuga. But in Kali Yuga, sin is so widespread. Shouldn't the Lord take more avatars here to maintain the purity of dharma among humans? Why did he take fewer avatars?

Answer: The premise is incorrect. In Satya Yuga, the Lord had five avatars: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, and Vamana. In Treta Yuga, there were two: Parashurama and Rama. In Dvapara Yuga, there were two, considering Balarama as an avatar alongside Lord Krishna. However, in Kali Yuga, the Lord has taken three avatars: Lord Buddha, Lord Chaitanya Mahaprabhu, and Lord Kalki. The total duration of Kali Yuga is 432,000 years, but of this, only about 5,000 years will pass in this cycle. So, three avatars is not a small number. The most important point is that in Kali Yuga, the Lord comes to uplift the devotees. In other yugas, the avatars primarily engaged in destruction of evil. In this age, Lord Buddha preached dharma, non-violence, and love for all beings. Chaitanya Mahaprabhu spread the dharma of love and the chanting of the holy name. Lord Kalki will not preach, explain, or make disciples. He will not hold public gatherings to announce his arrival. He comes solely to uplift the devotees. The Malika was written for the salvation of devotees because in the modern age, people would lack scriptural knowledge and would be saved by listening to the Malika. Therefore, the three avatars in Kali Yuga are very significant.

► Watch this answer · 27:30 · 23 December 2021

Q_721 I have a question. This technology that is at such a high level these days, will this all be destroyed too?

Answer: Look, even during the Mahabharata war, metals like brass, iron, and gold were available and used. That was their technology. In this age, the most advanced technologies are supercomputers, computers, and radar systems. In the coming Satya Yuga, metals will still exist. However, the current technology is controlled by machines, and machines can fail. We see space missions, missiles, and even supercomputers failing. But in the age to come, the power of mantras will be supreme. The power of mantras will be thousands and millions of times greater than the power of any machine.

► Watch this answer · 32:23 · 23 December 2021

Q_722 The Satya Yuga that is coming, will it be like the Satya Yuga of King Harishchandra's time?

Answer: No, it will be even better. In the time of Harishchandra and Vishwamitra, there were kings who ruled. But in the coming Satya Yuga, the mortal realm will become like heaven (Swarg-lok). Lord Vishnu himself will rule, not any king. The development, peace, and happiness will be heavenly. All the deities and the five elements will be engaged in the service of the devotees. Devotees will experience infinite bliss and will be granted 'ichha mrityu' (the ability to choose one's time of death). There will be no sorrow because the Lord and Mahalakshmi themselves will provide for everyone. There will be no scarcity of anything. The entire earth will be transformed into heaven. The divine architect Vishwakarma will construct divine dwellings for devotees, and there will be divine food and divine bodies for humans. Trees will bear fruit year-round. There will only be happiness, peace, and a blissful atmosphere.

► Watch this answer · 34:00 · 23 December 2021

Q_723 Will there be a final king, and will people have the power of 'ichha mrityu' (choosing their time of death)?

Answer: There is no proof of a final king. Yes, people will have 'ichha mrityu'. Lord Vishnu is coming, and devotees will be able to leave their bodies at will. Even deities in heaven sometimes commit wrongdoings and are reborn on Earth due to a curse. However, the people who will exist in the new age will all be deities, sages, and saints. They will only perform good deeds. That is why we emphasize reading the Srimad Bhagavatam. A person who reads the Bhagavatam will hesitate a hundred times before telling a lie. They will not walk on the wrong path. They will have control over their anger, ego, and five senses. This is why the Vishwa Sanatan Dharma is promoting this path—to purify people and prepare them for that new age of peace and bliss.

► Watch this answer · 37:00 · 23 December 2021

Q_724 There are so many fake gurus, like those who claim to know the father of Brahma, Vishnu, and Mahesh, or those who claim they can make you meet Lord Kalki. How do people get trapped by such charlatans?

Answer: Those who truly seek God will find Him, and those who don't, won't. Those who spend their time with frauds will attain hell. The biggest problem in the world today is the lack of compassion in people's hearts. If they had compassion, they would help the poor, the miserable, and the needy instead of giving their money to these charlatans. There are so many poor people in India, yet people run after fake saints. But there are also true saints. I met a saint from Ayodhya who has nothing—no place to live, no ashram. He eats only if someone gives him food and doesn't ask anyone for anything. I offer millions of salutations to such saints. The world continues to exist because of them. A good and pure person will find a true saint. Conversely, a person who is himself fallen, sinful, unrighteous, and characterless will be drawn to a fake guru of a similar nature. It is a matter of like attracting like.

► Watch this answer · 42:30 · 23 December 2021

Q_725 There is so much corruption even in 'Gaushalas' (cow shelters). People who open them misuse the donation money, and the cows are left to starve and become emaciated. Why is this happening?

Answer: The cow is our mother; she is the abode of 33 crore deities. When a human grows up and can no longer drink his own mother's milk, it is the cow mother who nourishes us. In this Kali Yuga, people disrespect and even kill their own mothers, so it's not surprising they act against the cow mother as well. For such people, there is no destination other than destruction. Their time will come, and all of them will be destroyed. Time is slowly approaching.

► Watch this answer · 45:38 · 23 December 2021

Q_726 In the Malika written by Shri Achyutananda Ji Maharaj, is there any mention of Rishi Dayanand Saraswati, the founder of Arya Samaj?

Answer: Yes. Swami Dayanand Saraswati did great work for the protection of cows and for social awakening in India. His work is also a part of establishing Dharma. The Malika mentions many saints and great souls, including Anukulchandra, Dayanand Saraswati, Ramakrishna Paramahansa, Vivekananda, Sant Tukaram, and Tulsidas Maharaj. The Malika is vast, comprising 150,000 volumes, and not all are available. But it has written about the entire universe and these saints. It is also written that all these great souls who came to India and purified the land will be reborn. When Lord Kalki incarnates, they will take birth as ordinary humans. Later, when the Sudharma Sabha (Assembly of the Righteous) is established, the devotees will recognize who these people were in their past lives.

► Watch this answer · 46:39 · 23 December 2021

Q_727 In Sanatan Vedic culture, Ashtanga Yoga is described as the path, but it's very difficult to follow in Kali Yuga. You say we can attain merit by listening to the Malika. However, many people are just stuck on questions about what will happen in the future, like in a world war, instead of focusing on their own and humanity's upliftment. Since 99% of people aren't progressing, what is the solution?

Answer: It is true that practicing the full Ashtanga Yoga is not possible in Kali Yuga, though the simplified yoga people practice today is a sign of the coming Satya Yuga. Regarding people's worries, there are two paths. The path of a person in Kali Yuga is to think about their own future, job, and happiness. The path of Dharma and the devotees of Satya Yuga is to think not about oneself, but about the welfare of the universe, the five elements, humanity, nature, and all living beings. Selfish people only think about their own future. Our goal is for society to change. A time will come when everyone in India, regardless of their current religion, will follow Sanatan Dharma and read the Srimad Bhagavatam. People may not accept it now, but a time will come when everyone living in India and the world will read it, perform Trisandhya, and sing bhajans. The solution is to spread the message of the Srimad Bhagavatam. The purification that comes from reading it is a hundred times greater than just listening to it. The vibrations from reading it will please the deities and the elements, bringing peace and happiness to the world. The Bhagavatam is always propagated before the Lord's arrival. This propagation is happening through you all. You should tell those you come in contact with. This is how the message will spread throughout the universe.

► Watch this answer · 48:46 · 23 December 2021

SESSION 36 · QUESTIONS 728–753

L34 जब बार-बार एक दिन में संक्रांति और अमावस्या एक साथ पड़ेगा, तब महाप्रलय आएगा।

Date: 26 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 728 Pandit ji, how dangerous is this Omicron variant? And in 2022, will it cause devastation, or will there be riots again? What will cause destruction in 2022?

Answer: Look, whenever Dharma (righteousness) is to be established, God gives three indications, three warnings. He gives three warnings and three signs. This is the third variant. For this, I always say, follow the constitutional rules and the government's regulations. And the religious devotees, the pure people, should also follow our religious path. Those who are pure and wish to, should follow it. But we have written about the past. I don't want to comment much on this. I have said before that many pandemics will come by 2027. And in 2022, 2023, 24, 25, 26, up to 2027... it started in '19, so this stream will continue. How bad or good it will be, time will decide. But just like the five elements, this is also a stream in the establishment of Dharma. That's all. Those who remain in Dharma will face no problems. The problems are for those who live in sin.

► Watch this answer · 10:13 · 26 December 2021

Q 729 In his era, Lord Krishna killed many people with his Sudarshan Chakra, and they attained salvation (mukti). So now, when Lord Kalki kills people with the Sudarshan Chakra, will they also attain salvation?

Answer: Salvation and Vaikuntha (the celestial abode) are subject to the Lord's will. When the Lord annihilates people, it depends on Him. Because at the end of this yuga, the sins and virtues of all four yugas will be considered; the previous yuga was different. The Lord will destroy the sinners by taking on his annihilator form. Whether He will grant them salvation or not, I do not know, because this is not within my authority.

► Watch this answer · 12:43 · 26 December 2021

Q 730 Pandit ji, please tell us a little about the name 'Madhav'. Where did this name come from? What is its significance? Please share what you know with us. As it is written in all the Puranas, Lord Kalki is coming. In the difficult times that are approaching, everyone will call upon Lord Kalki by his name, because everyone knows the tenth avatar will be the Kalki avatar. So, regarding the name 'Madhav', please guide us a little.

Answer: Look, it is written in the Malika: "Madhav, Madhav will be chanted everywhere." The entire universe will chant the name Madhav, Madhav. But not everyone will be able to recognize that Madhav, that is, the Lord. And in another place, Sachidananda has written, "The one who is Madhav now will be Kalki." When he performs the act of destruction, his name will be Kalki, but for now, his name is Madhav. By chanting the name Madhav, devotees will be saved. Along with that, chanting the Dashavatar Stotram and Durga Madhav Stuti is enough to set everything right. You had mentioned once that Goddess Durga wanted to give this name in the Dvapara Yuga. Due to lack of time, I couldn't elaborate, but I'll briefly

say it now. In the Dvapara Yuga, when the Lord was born, Mother Bhagavati, Jogmaya, had named the Lord 'Madhav'. I had discussed this in a satsang one day. But the family priest, Garg Muni, named him 'Sri Krishna' during the naming ceremony. So, Mother Bhagavati, Goddess Durga, asked the Lord, "My Lord, I had kept this name for you for the Gopis and Gopas. Why was this name changed?" The Lord replied, "Look, Mother, this name is the most important one. In the Kali Yuga, devotees will be saved by this name. Of all the avatars I have taken, this name is the most powerful and full of devotion. So, at the end of Kali Yuga, when I take the Kalki avatar, devotees will be redeemed by worshipping the name Madhav. That is why I have reserved this name for the Kali Yuga."

► Watch this answer · 13:48 · 26 December 2021

Q 731 What is 'Maya' (illusion)? And in the life we lead, what is Maya and what is not? Please tell us a little about this. We are devoted to the Lord's feet and want to understand Maya. To live this life, what is Maya? And what is the role of Yogmaya (the divine illusionary power, the Goddess) in our lives?

Answer: Look, in this world, whatever provides a person with worldly pleasure is Maya. For example, seeing something beautiful gives peace to the eyes. Eating good food gives peace to the tongue. Having wealth and prosperity gives a person sleep, happiness, and peace. A good house, good things, good land—whatever is a means of pleasure in this world is all transient; it has no permanence. Whatever things are not permanent are powers given by Maya. Because Maya is in them, and those things are not permanent. What is permanent is a person's devotion, surrender, stability, and tolerance, meaning patience. The one who practices truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship in their life will not have Maya with them. Because if someone speaks the truth, they cannot earn through falsehood. It might be a little difficult, but there is no sickness in it. Family entanglements... the sacred relationship between a father and son is not Maya. But attachment to a child, the world, and a wife has a bit of Maya in it. Because a person will do anything for their child. Even if the child makes a mistake, they accept it; this is also a sign of Maya. So, Maya always gives sorrow, and Maya does not stay with a person forever. It is momentary. In this transient world, whatever we see—rivers, oceans, great roads, mountains—all are creations of Maya. A day will come when they will all dissolve. Only one thing can cut through Maya, and that is Dharma (righteousness). How does Dharma come? By practicing truth, peace, compassion, and forgiveness, a person accumulates Dharma. In this world, even our body is a form of Maya. A time will come when we will have to leave this body. But the soul is indestructible; it is not subject to Maya. Dharma is also not subject to Maya. Both of them together will go with the soul and, after all considerations, will place it in a good state. So, Maya is the cause of sorrow. And Dharma is for the meaningful purpose of human life. A person sometimes grieves in Maya: someone died, their business suffered a loss, they didn't get good results in their education. This is all under Maya's influence, which is why a person grieves. It's necessary for a person to know that the things they are striving for are not permanent. So, to stay away from Maya means whatever happens in the world, don't worry about what will or will not happen for us. Remain constantly surrendered to God, chant His name, whether you get food or not, whether you have a job or not. God will surely feed, provide for, and protect His devotees. That is His responsibility, not ours. Because of Maya, we think we will do it ourselves, and when we can't, we feel sorrow. This is how the world works. But a truly knowledgeable person is not disturbed by this. They walk in the path given by God. It's not necessary to be happy when happiness comes, and it's not necessary to be sad when sorrow comes. This is the greatest way to cut through Maya. And regarding the power of Yogmaya in the establishment of Dharma: in every age, for the destruction of demons, Yogmaya comes. In this age, Mahavishnu and Yogmaya will work together to establish Dharma. Mahamaya will carry out the destruction, and the Lord will save the devotees. If needed, where

Mahamaya's work is not enough, Mahavishnu will use His power to carry out the destruction—saving the devotees on one side and destroying the sinners on the other. So, Yogmaya (Durga) and Madhav will both carry out the work of destruction. This is written in the Malika.

► Watch this answer · 17:15 · 26 December 2021

Q 732 Could you please explain the meaning of 'daya' (compassion), which arises from truth and peace?

Answer: Truth, peace, and mercy... The meaning of 'daya' (compassion) is this: Look, man is a creature upon whom 560 million living beings depend. Because man has hands, feet, and knowledge, he can produce his own food and also eat it. He also has the power to distribute it, whereas other beings do not have such means. So, for all living beings, for the world of humans and the world of animals, it is necessary for man to have compassion. This means not killing anyone, not taking a life, not harming anyone, not forcefully taking someone's property, money, or resources. One should not interfere with what belongs to others. A person who has compassion thinks, "Why should I harm them or do something bad to them?" This is a sign of a compassionate nature. And the greatest compassion is when you see poor, miserable, handicapped, or disabled people or hungry animals, to give them food. This comes under compassion. And sometimes it might happen that a son, daughter, wife, or family member makes a mistake, destroys some of our property, or loses some small item. Forgive them. Because what is destined to happen, happens, and what is not, does not. We just get troubled in between, being subject to Maya. So, having affection, care, and love for everyone is a sign of compassion.

► Watch this answer · 24:12 · 26 December 2021

Q 733 When we go to help a needy person, should we lovingly explain things to them and help them find employment, or should we help them with food? Which of these two is considered true compassion?

Answer: Look, help people as much as they need. It is not necessary to give more than what is needed. Always observe this: teach those who are capable of working how to do so. Help those who are unable to work. And for those who will never be able to work, it is good to help them regularly. But for that, you must have the necessary resources yourself. Okay?

► Watch this answer · 26:13 · 26 December 2021

Q 734 I saw on YouTube that there might be a war with China or an alien attack in 2022. Is this true?

Answer: A very good question. Today I was seeing some people talking about 2022 and an attack on China. People have also posted some videos about this on YouTube. Look, nothing like that is going to happen in 2022. This alien attack is not going to happen. It will never happen. Human society will itself reap the fruits of its own actions in the coming time. No aliens are coming from any other planet. No such attack is going to happen. This is just to mislead people. There is no truth in it. It will never happen.

► Watch this answer · 27:10 · 26 December 2021

Q 735 Father, I have a question in my mind. When the final time comes, how will Lord Kalki gather all the devotees?

Answer: All the devotees will be gathered through the Malika. The Malika will be propagated, and pure people like you who are following the Malika will spread its message to good people in your villages and cities. Those who were saints, sages, and ascetics in their previous lives will be drawn to the Malika. By following the Malika, just as you are in this satsang today, they too will join you. In this way, all the devotees from all over India and the universe will be gathered. On one hand, the work of destruction will proceed, and on the other, the gathering of devotees will continue. Both will happen simultaneously. The work of destruction will continue, but the devotees will be gathered. The devotees will remain in the stream of chanting the Lord's name and kirtan, and they will be saved. Nothing will happen to the devotees. As the sinners are destroyed, gradually, more than three-fourths of the people will be wiped out. Those who remain will be the devotees of the Malika. Such a time will come. This work is proceeding with the Lord's blessings, and you all are also following the Malika. Slowly, the remaining devotees will also join.

► Watch this answer · 28:14 · 26 December 2021

Q 736 In every age, there were many wicked people who greatly troubled the good people. In the coming Satya Yuga, will the Lord prevent such people from being born, or what will happen to them? Could you tell us something about that?

Answer: The work of Sanatana Dharma that has now begun... every person who reads the Srimad Bhagavatam daily, practices truth, peace, and compassion, performs Trisandhya (prayers at three junctures of the day), chants the 16 names, and always speaks the truth... such people will be created through the Malika, and they will be sent for the Satya Yuga. All these demons, the unrighteous, the evil-natured humans—not a single one of them will remain. There will be no unrighteous people. Not a single person who kills animals will remain on this earth, not one. Because it will be the Age of Truth. And the people who remain will all live with brotherhood, like one family, as per our Sanatana Dharma's principle of 'Vasudhaiva Kutumbakam'—the whole world is one family. Everyone will help everyone. There will be peace, purity, and cooperation among all people. Everyone will have the means to eat, drink, and live. Not a single sinner will remain. And at that time, if anyone commits a sin or tells a lie, they will die. They won't be able to survive. Unlike the current Kali Yuga, where people sin as much as they want and accumulate as much wealth as they want. One person doesn't have money for medicine, while others have crores deposited in the bank. They die, and no one knows where that money goes, but the poor remain poor, and the rich get richer. This is why the Lord has come to establish Dharma. When God comes, He makes everyone equal and sees them all in the stream of the Vedas. That is why we propagate the stream of the Vedas for you—the true stream of Sanatana Dharma that can save you is with you. Those who hold onto the Vedas and the Lord's name will be in the Satya Yuga, where there will be no sinners, only good people. If anyone commits a sin, they will be gone.

► Watch this answer · 30:13 · 26 December 2021

Q_737 We have heard from many saints who have told the future and spoken about the end of the Kali Yuga, but none of them told us the remedy for the future, which you have shared with us. For that, thank you very much, Pandit ji.

Answer: Thank you. It brings great joy. This is for God and the devotees. It is written about the destruction that is to come and also about the salvation of the devotees. And if you listen to all the experiences of the devotees, you will see that nothing will happen to those who are in the stream of Dharma. All calamities will come, but a person who is in the stream will be saved. This has been proven, and it is proven time and again because this is the Lord's stream, not mine. God has given me some ability, and with His blessings, I am able to speak, tell you, and inform you about this. This is all God's blessing.

► Watch this answer · 33:32 · 26 December 2021

Q_738 Why is it necessary to chant the name of the Lord specific to the current era (Yuga), like Madhav, instead of names from previous eras like Ram or Krishna?

Answer: Because according to the era, there is a mantra, a name, and an avatar of the Lord. For instance, in my previous life, my name was something different. In this life, if you call me by my current name, I will hear it. If you call me by my previous life's name, I will wonder who you are calling. The second point is that God takes an avatar in every yuga, and the name of that avatar is propagated according to that yuga. For example, in Satya Yuga, the name of Mahavishnu; in Treta Yuga, the name of Lord Sri Ram; in Dvapara Yuga, the name of Lord Sri Krishna; and in Kali Yuga, the name of Sri Jagannath. And in this transitional yuga where we stand, it is the name of Lord Kalki or Madhav. By chanting the name of the avatar according to the yuga, one receives God's blessings. Chanting Hare Krishna, Hare Ram is good for us and for the world. But for the calamity that is coming, the name of Madhav is necessary. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:14 · 26 December 2021

Q_739 My question was, this World War that is going to happen, when will it happen?

Answer: Look, son, first, you should focus on your studies. You are a child. Your parents and family look after you. When the time comes, it will happen. You don't need to worry about it. Study well and chant the Lord's name. If you can, read the Srimad Bhagavatam and chant the 16 names. Doing this will improve your concentration, help you remember what you study, lead to good academic performance, build good character, and you will become a good human being. When the yuga changes, you can go to the Satya Yuga. So, there is no need to worry about a world war. Because for one who takes refuge in God, nothing will happen to them in a world war. Nothing will happen to you, and nothing ever happens to the devotees. Therefore, focus on Dharma and purity.

► Watch this answer · 36:57 · 26 December 2021

Q_740 Then when will Lord Kalki come to Dwarka?

Answer: Look, son, it is written in the Malika that He will go. A time will come when Bet Dwarka, which is under the sea, will rise up again, and America will be submerged in water. When Bet Dwarka rises, Lord Kalki will go there and make someone king to protect the devotees. He will go at that time. And if He goes before that, the Lord will go in secret, because He will not announce His visit. If He did, everyone would come—sinners and devotees alike. He cannot save everyone, so the Lord will go in secret. And when Dharma is established, Dwarka, Bet Dwarka, will rise up, and people will see the palace of Lord Sri Krishna. At that time, the Lord will go and restore Dwarka in Gujarat. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:05 · 26 December 2021

Q_741 Pandit ji, will the Dwarka that sank rise up again?

Answer: Yes, the Dwarka that sank 5,000 years ago will rise up again. When America is submerged in water, Dwarka will rise. This is written, and it will happen. Because we remember the Lord, He will re-establish all the holy places for the devotees.

► Watch this answer · 39:13 · 26 December 2021

Q_742 Pandit ji, I have a friend who says that the Malika itself is the master. He is not connected to any group, nor does he have a mobile phone or any technology in this modern age. And yet, he knows about everything happening in the world. What kind of miracle is this?

Answer: Look, brother, in this world, those who were saints, sages, ascetics, and deities in their previous lives are the ones who are with the Malika. All of them are deities, sages, and saints, and your friend is also one of them. Some people have 'jatismar gyan' (memory of past lives). They are able to tell about the past and the future. This has been going on for thousands and lakhs of yugas, and they have come in this yuga as well. We respect them for what they say. In the coming times, many more such people will come into the world who will clearly state what is going to happen in the future. Slowly, their light will be revealed, and the world will receive guidance from such saints and sages. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:07 · 26 December 2021

Q 743 Pandit ji, you were saying that a yuga is not millions of years long, right? In 2018, you had explained the calculation: 1200, 2400, 3600, and 4800 years. I saw your video. This feels correct to me, as it seems the Ramayana era was not millions of years ago. If you could guide me on this, my doubt will be cleared.

Answer: Look, son, this Kali Yuga has come many times. For example, when Tulsidas ji wrote the Ramcharitmanas, 18 or 19 Kali Yugas had already passed. He has written this in the Ramcharitmanas. So, the Kali Yuga has come so many times that no one knows, because the universe is infinite. The yugas come and go continuously, people come and go, deities come, Dharma is established, sin increases, then destruction happens, and then the earth is purified. This cycle continues. If we consider all the scriptures, our knowledge will be limited. But the yuga cycle continues. In every yuga, devotees discuss these matters, just as we are discussing them today. No one knows how many yugas have passed or for how many years this will continue. But regarding the four yugas—Satya, Treta, Dvapara, Kali—the calculation is 1200, 2400, 3600, and 4800 years. As Dharma decreases, the duration of the yuga increases. In Satya Yuga, Dharma has four pillars. Then one pillar of Dharma is lost, and the duration doubles. Then another pillar is lost, and it triples. In Kali Yuga, only one pillar remains, and the duration quadruples. According to this calculation, Kali Yuga was meant to last for 4800 years. This is also written in the Manusmriti, the Garga Samhita, and the Nirnaya Sindhu, and the greatest divine boon is that it is also in the Malika. Okay?

► Watch this answer · 42:16 · 26 December 2021

Q 744 Why do all the pandits keep saying that the Kali Yuga is 432,000 years long? I just spoke to one, and he also said there is still a lot of time. Do they not study, or are they trapped in worldly illusion (moh-maya)?

Answer: Look, in this world, everyone is engaged in earning a livelihood. If they say the Kali Yuga is ending, then who will become their disciple, and how will they give blessings like, "You will have a family, children, you will build a house"? They get money by giving such blessings, so they deceive people. And they do not present the scriptures correctly before the people. If they don't know the scriptures, they call this knowledge anti-Vedic. I hear this from all over India. But a time will come when they themselves will start saying, "No, the Kali Yuga has ended." They will then change their tune. But we are not doing this work to show anyone in the world; we have no need for that. Our goal is that people take refuge, follow the Malika, practice righteousness, and, understanding that the yuga is ending, perform their duties so that human society can survive on earth and the earth's balance can be maintained. The light of Satya Dharma will emerge. What others do is none of our concern. We don't like to speak about anyone, but it is necessary for them to speak after reading the scriptures properly. If they don't read, they don't speak correctly. That is their mistake. God will be the judge of that.

► Watch this answer · 44:55 · 26 December 2021

Q_745 Pandit ji, will a nuclear bomb be dropped on Delhi, and will Delhi be completely destroyed?

Answer: Look, son, I will tell you this much. This Third World War will be an atomic war. In it, the situation of all countries—India, Pakistan, China, and all countries in the world—will be affected. But if I speak specifically about this, what will the people of Delhi think? They will become fearful. So, I don't think it's right to say. But the impact of the world war will cause devastation throughout the world. So, not just Delhi, but all of India and any country in the world that fights with India will also be destroyed.

► Watch this answer · 46:47 · 26 December 2021

Q_746 Pandit ji, there was a saint from Andhra Pradesh, Veerabhadra Swamy ji, who prophesied this many years ago. He wrote it on palm leaves. It was on that basis that I asked you if this would happen in Delhi, as he had written it.

Answer: Look, this is a very secret matter. If I speak about it, people will become fearful, and problems will arise. Everything is written in the Malika. When we meet in person sometime, we will talk about it.

► Watch this answer · 47:42 · 26 December 2021

Q_747 I was asking, are they finding the remains of the original Dwarka, the one from Lord Krishna's time, in the sea?

Answer: Yes, they are finding it. People go and see it, and they are reporting that many things have been found. Everything will be found, and with the blessings of Vishwakarma, it will be rebuilt. It will become just as it was.

► Watch this answer · 48:24 · 26 December 2021

Q_748 Could it be that because the time of Satya Yuga is slowly approaching, as a result, these things are now being found?

Answer: Yes, this information is coming because something is going to be revealed in the coming time. That is why some proof of the Lord is being found, like the existence of Dwarka, which some people had tried to cover up. More will be found in the future.

► Watch this answer · 49:07 · 26 December 2021

Q_749 Pandit ji, I was thinking, how does one practice devotion to Kanha ji (Lord Krishna)?

Answer: How is devotion practiced? Sit in one place and chant the name of Lord Sri Krishna once, twice, three times... sit and chant for a hundred times. By repeatedly chanting Lord Krishna's name, you will gain more, and then you will understand. Okay?

► Watch this answer · 51:05 · 26 December 2021

Q 750 Greetings, my question was, when will the Satya Yuga begin?

Answer: The beginning of Satya Yuga... look, the Kali Yuga has already ended. Now the phase of destruction is ongoing. The Satya Yuga is beginning; it has already begun. That is why, you see, this time, the Srimad Bhagavatam scripture has been purchased the most in all of India. There are reports about this on many channels. This is a sign of the beginning of Satya Yuga. Because when the Bhagavatam is present in every home, the Satya Yuga will dawn.

► Watch this answer · 51:52 · 26 December 2021

Q 751 Jai Shri Madhav, Pandit ji. You spoke about the 13-day 'paksha' (lunar fortnight). When will this occur?

Answer: Look, when our Prime Minister was Atal Bihari Vajpayee, a 13-day paksha occurred at that time. It will happen again in the future. This 13-day paksha is a sign of the establishment of Dharma. When the 13-day paksha occurs, the work of destruction will increase. I will calculate and tell you in which years this will happen in the future.

► Watch this answer · 52:34 · 26 December 2021

Q 752 Pandit ji, what is written in the Bhavishya Malika, which you have shared with us, have you personally seen or experienced anything related to it?

Answer: All devotees experience it, not just me. Everyone does. Every word of the Malika is like an inscription on stone. Whatever the great saint Achyutananda wrote has been proven true, one by one. There have been thousands of signs. He also wrote one thing: that in the coming time, the Nagpur mint will no longer exist. And that some countries will separate. And the Malika also said that China and Pakistan will join together to fight India. You are all seeing the situation. So, whatever is written in the Malika is being proven true, one by one, and will continue to be proven in the future. Those who follow the Malika—I have been following it for about 30-35 years—have seen that everything has come true. It will happen in the future as well, and the devotees will be saved through the Malika.

► Watch this answer · 53:39 · 26 December 2021

Q 753 Can one meet God through systematic practice?

Answer: Yes, one can.

► Watch this answer · 55:29 · 26 December 2021

SESSION 37 · QUESTIONS 754–773

L35 नया साल, पिछले साल से और भी विनाश लाएगा। उद्धार पाने का मार्ग क्या है ? LIVE

Date: 30 December 2021 · Watch the full session ↗

Q 754 What will happen for human society in the new year, and what changes will come?

Answer: The coming year will be good for devotees and for those who follow the path of dharma, righteousness, ideals, and the Vedic system. For those who are in refuge with God and practice truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship in their lives, there is nothing to worry about in the coming year. However, if human society does not improve and change its actions and conduct, it will face even more problems than in the previous year. Natural calamities will increase: there will be more fires, floods, and people will witness the effects of earthquakes and destruction. The disease that has been causing suffering since 2019 will become even more severe than it was in 2021, and new diseases will also emerge. There will be administrative chaos, social instability, a lack of peace, and rising communal violence. Problems and conflicts between the administration and the general public will increase. The younger generation will continue to face the same problems as before. There will be tensions between India and Pakistan. People will witness destruction in Asia, Europe, and Africa. Dormant volcanoes will become active. The biggest challenge for humanity will be poverty. Therefore, along with working hard to survive, it is most important for people to adopt the spiritual path of Sattva. I humbly request all of human society to hold onto dharma. You don't need to learn from what others in society are saying or doing. If there is something good in society, learn it; if there is evil, you have nothing to do with it. For those who want to stay in dharma, there will be no problem in 2022.

► Watch this answer · 01:53 · 30 December 2021

Q 755 Father, I had a question. A few days ago, I saw the Lord in a video where he was being worshipped...

Answer: Look, I'll tell you this much. Instead of talking about this with people in the satsang... talk to the designated people about it. If it's truly necessary, then talk to me. Okay?

► Watch this answer · 14:17 · 30 December 2021

Q 756 The Malika says that the last king of Odisha will be a 'Bal-Vriddha' (child-elder). Has this event already happened?

Answer: Yes, the Malika has written this. It is said that this will happen when the time for establishing dharma (Dharma Sansthapana) arrives and the Lord incarnates. That time is currently running. For a period, the one who represents the king was young. He performed his duties in service of the Lord for some time. Then, with the Lord's permission, he appointed another representative for a period, who was also a young man. So, we can see that what was written in the Malika is indeed happening.

► Watch this answer · 15:00 · 30 December 2021

Q_757 Pandit ji, please tell me about Hanuman ji.

Answer: In the Jagannath Kshetra (Puri), the sea was repeatedly crossing its shore and roaring towards the temple. So, the Lord summoned Hanuman ji. Hanuman ji, who was in Ayodhya engaged in devotion to Lord Ram, came and said, 'Lord, I have come. I will stay here and ensure the sea does not cross its boundary.' He then requested the Lord to bind him so that he would not be able to leave. By Lord Jagannath's will, Hanuman ji is guarding the sea at the Jagannath temple. However, a time will come when Lord Jagannath leaves the Kshetra. At that time, Hanuman ji and all the other deities will also leave the area. The sea will then cross its shore, first over the 22 steps (Baisi Pahacha) and later, it will submerge even the Nila Chakra (the wheel at the top of the temple).

► Watch this answer · 16:28 · 30 December 2021

Q_758 Is anything written about the Nashik region in Maharashtra? Specifically about the city of Nashik?

Answer: Regarding Maharashtra, it is written that people will endure many problems like diseases, epidemics, floods, and fires. At the same time, devotees will unite for the establishment of dharma and will move forward. Regarding Nashik specifically, the Mahapurushas wrote 150,000 texts, and I have not read them all. However, there are specific mentions about the major cities in Maharashtra, like Mumbai.

► Watch this answer · 18:04 · 30 December 2021

Q_759 Guruji, I had a vision of both Lord Vishnu and Goddess Lakshmi in my dream. What does this mean?

Answer: This is your good fortune. In fact, a devotee spoke to me this morning about a similar experience. See, because the Lord's divine play (leela) is about to unfold, devotees are receiving these visions and signs. This is a very sacred sign for you and a blessing from the Lord.

► Watch this answer · 18:54 · 30 December 2021

Q_760 I had a dream where I was in a line, passed through a cave, met a great sage in white, and we all received white scarves. We were shown a path with water and told to go to a hut on a hill. What is the meaning of this dream, especially the white scarves?

Answer: The white cloth you saw is a symbol of truth (Sattva) and righteousness (Dharma). The great sage (Mahapurush) you saw was likely Mahapurush Achyutananda. The hut you were directed to is the Lord's ashram. The mountain with water you mentioned is a place called Guptaganga (the hidden Ganga), a secret place described in the Malika. In the coming times, devotees will be called to that place, and they will be lined up according to the tasks assigned to them. The dream is a sign that you have received a vision from the Lord and Mahapurush Achyutananda, and that you have been chosen for the work of establishing dharma. You should preserve this experience and continue to work for Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 19:55 · 30 December 2021

Q_761 What does the Malika say about Mithilanchal (a region in Bihar) for 2022?

Answer: The process of establishing dharma is ongoing. The calamities from the five elements (Panchabhoota) that will affect the world will also impact your region. Food shortages, drought, and famine will continue to increase. In such times, remain in the refuge of the Lord. Sickness and epidemics are already present, and they will increase further; they are not going away. Worldly suffering will continue to grow.

► Watch this answer · 23:38 · 30 December 2021

Q_762 I wanted to ask what is written about Sikkim. The five-colored flag, similar to ours, is seen everywhere there. What is written about that?

Answer: When the Lord took the incarnation of Buddha, he also had a five-colored banner. The five-colored flag in Sikkim is a symbol of truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship. However, in the coming times, these border regions will face great trouble. There will be a significant impact from war and earthquakes. The calamities from the five elements that are affecting all of India will be present there as well. Merely having the flag will not be enough; it is necessary to have the dharma that the flag represents. Those who practice this dharma will be saved.

► Watch this answer · 24:58 · 30 December 2021

Q_763 Regarding the golden Ramayana that emerged from the churning of the ocean, it was divided into pieces. One piece is in another realm (lok), and another is with two countries. Where is the other piece?

Answer: Look, this is a secret matter, and I do not wish to speak about it. But regarding the Ramayana scripture from the ocean churning that you speak of, the time will come, and the Lord himself will retrieve it.

► Watch this answer · 26:17 · 30 December 2021

Q_764 I had a dream where there was complete darkness, the sky was red, military sirens were blaring, and people were running around in a stampede, covered in dirt with torn clothes, looking for shelter. Was this a sign from the Lord, a glimpse of the coming times?

Answer: Yes, it was a sign. In the coming times, there will be a great war. The sky will turn red from the smoke of bombs, and darkness will cover everything. People will run helter-skelter, and there will be widespread destruction. The Lord shows such visions to his devotees in dreams to warn them of what is to come. The Malika says that a time will come when the sky will turn the color of blood, darkness will fall, and people will run to save themselves, finding only sorrow. This vision is a sign given to devotees before these difficult times arrive. Dharma and purity are your greatest strengths.

► Watch this answer · 27:16 · 30 December 2021

Q_765 Is anything written about Gujarat?

Answer: Although I have not read all the texts, it is written that people in Gujarat will unite for the establishment of dharma. Devotees will pray to Lord Dwarkadhish, and a 'mandal' (divine circle/group) will be formed. The calamities from the five elements will also occur there, especially in the coastal areas near the sea. But at the same time, devotees will also rise.

► Watch this answer · 29:47 · 30 December 2021

Q_766 I had a dream two months ago. It was a moonlit night and I was alone, but in reality, it was a time of darkness and people had been destroyed. What does this mean?

Answer: When dharma is established, darkness will cover everything, and people will be fighting amongst themselves. However, the devotees will not see this darkness. Their eyes will be filled with light by the grace of God. The Malika says that devotees will be able to see, but the rest of the world will not. The fact that you saw moonlight signifies this: you were seeing the divine light even when there was darkness and destruction for others.

► Watch this answer · 31:32 · 30 December 2021

Q_767 Is there any description in the Malika about Patal Bhuvaneshwar in Uttarakhand, where there is a self-manifested Shivalinga? It is said that when it grows to touch the cave ceiling, the Kali Yuga will end, and it is very close to touching it now.

Answer: This will happen. When the destruction (sanghar) begins, at that time, the lingam will touch the ceiling. However, at that moment, not everyone will be able to know about it due to communication breakdowns. While I haven't read every text, it must be written in the Malika. Such signs are appearing in many places, and this sign from there will also be fulfilled. The Lord will fulfill this prophecy and then begin the process of destruction.

► Watch this answer · 33:16 · 30 December 2021

Q_768 Pandit ji, please tell us something about Kurukshetra.

Answer: Kurukshetra, the field of dharma where the Mahabharata was fought, will be part of a divine 'mandal' (circle) that includes Punjab, Haryana, Delhi, and Rajasthan. Lord Kalki will also set foot in Kurukshetra at the appropriate time. The devotees who live near that area will also be saved. The Lord will give warnings to his devotees to save them. However, the next great war will not happen in Kurukshetra; it will happen in Delhi. Kurukshetra will remain a holy pilgrimage site.

► Watch this answer · 35:37 · 30 December 2021

Q 769 I have a strange power. When I tell the rain to stop, it stops. When I tell it to fall in a certain place, it does. If my birthday is celebrated well, there is good rain, but if it's not, there is a drought. Why does this happen?

Answer: This is related to the Rain Queen (Varsha Rani) and the connection you have. I have said many times that thousands of gods and goddesses have already taken birth on Earth. Some receive signs of their divinity, and some do not. The power you have is a divine power, a gift from God's grace. You are not an ordinary human. Since you have this power and the Lord's incarnation has already happened, you should work for the establishment of Sanatana Dharma and spread the message of the Malika. A tree bearing fruit is meaningless if that fruit is not used for the benefit of society. People like you who have come to Earth should step forward and work for the establishment of dharma and support the Lord's mission.

► Watch this answer · 36:44 · 30 December 2021

Q 770 You said that the coming times will be very bad. We are trying to practice peace and love, but we are unable to experience that inner peace. How can we experience peace?

Answer: A person finds true peace only when their inner soul (Atma) connects and merges with the Supreme Soul (Paramatma). As long as we are attached to the physical body and associate worldly situations and problems with it, the body will not find peace, and neither will the soul. By participating in satsang, reading the Bhagavata, and following the path of Malika, you will gradually become true followers of dharma (Sudharma). At that point, you will not be affected by what is happening in the world; you will only see God everywhere. The current planetary positions are causing agitation even for devotees, but this won't last long. I suggest you read the Gopi Leela from the Bhagavata repeatedly for one or two months. This will bring peace and mental stability, and your mind will not be disturbed by various problems.

► Watch this answer · 39:05 · 30 December 2021

Q 771 I was reading about the three gunas: Sattva, Rajas, and Tamas. It said all three are attributes of the ego. How can one transcend all three of these gunas?

Answer: Rajas is related to working for one's family, future, and wealth. Tamas is related to worldly pleasures like movies, shopping, intoxicating foods, and sensual desires. Both Rajas and Tamas bring temporary happiness followed by trouble. However, for people like you who are on the path of dharma, a time will come when you will not be swayed by any of these. By God's grace, you will see God everywhere, and no problem will affect you. The influence of these gunas is strong in the Kali Yuga, but for those who follow the sacred path, this influence will gradually fade away. Chant the name of Madhav. A time will come when you will see God everywhere and attain peace.

► Watch this answer · 41:20 · 30 December 2021

Q 772 About Mahavatar Babaji, it is said that he has been alive for over 2000 years. How can someone live for so long in the Kali Yuga? It is also said that he was Lord Krishna before. Will he come in the future as well?

Answer: First, I offer my respects to Babaji. I want to state that in the 18 Puranas, including the Srimad Bhagavatam, I have not seen an answer to this. Second, Lord Krishna is known by his own name, and our scriptures clearly state which avatars will come and which will not, such as the 24 avatars or the 10 main avatars. What is written in the Srimad Bhagavatam is the truth. I will not comment on claims that someone was Krishna in a past life, as it is not my place to do so; we only preach what is in the scriptures. However, I will say this: all the great saints and sages, whether on Earth or in the Himalayas, will meet with the Kalki avatar. They will come in ordinary human bodies, just like the devotees in this satsang, to help in the establishment of dharma.

► Watch this answer · 43:53 · 30 December 2021

Q 773 Father, can people like us meet God in the future?

Answer: Meeting God is easiest in the Kali Yuga. In Satya Yuga, it required eons of penance. In Treta Yuga, it was difficult even with devotion and surrender. In Dwapara Yuga, only a few thousand Gopis and Gopas could recognize the Lord. But in Kali Yuga, one can attain God simply through chanting his name (naam bhajan), kirtan, and following the path of dharma. It is very easy. That is why sages, saints, and gods wish to be born in the Kali Yuga, so they can easily get the Lord's darshan, his company, and attain liberation. Therefore, following the path I am telling you is good for you. Many people are already seeing the Lord in their dreams, receiving warnings, and being shown visions. This is what was desired.

► Watch this answer · 46:33 · 30 December 2021

SESSION 38 · QUESTIONS 774–779

L36 वैष्णो देवी मंदिर से अशुभ की सूचना LIVE

Date: 02 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 774 I saw a video of yours in which you mentioned that after some time, our currency, the notes, will stop being in circulation. When will such a time come, Pandit ji? Please share your thoughts on this.

Answer: What you have said is certain. In the coming times, this situation will occur throughout the entire universe, not just in India. When the Kalki avatar appears, after some time has passed during his era, such a situation will spread across the entire world. The financial exchange, the financial value, will become worthless. At that time, the value that money holds in today's society will diminish. A time will come when business conducted through money will also stop. But there is a lot of time for that; this situation will arise towards the end of the world war.

► Watch this answer · 02:19 · 02 January 2022

Q 775 I forgot to tell you my dream. You were saying that righteous people have dreams. I had a dream where there was a tree, and behind it, something was wrapped in a cloth... and from under a tree... I couldn't understand it. Could you please tell me a little about this, as it is in Odisha?

Answer: And where the Pancha Pandavas are, this is it. After that, you receive a divine vision (darshan).

► Watch this answer · 04:52 · 02 January 2022

Q 776 I wanted to ask you something. As you might have heard, a few days ago at a religious gathering in Haridwar, there was a Swami ji named Yati Narsinghanand Saraswati. He is a warrior against Islam and has said a lot against Islam and jihadis. His vision is that the filth of Islam should be eradicated from this earth. In this regard, what does the Malika say? Will it be finished? He also believes that by 2029, the Prime Minister will be a Muslim and Islamic rule will come. So my question is, regarding the war that is about to happen between the devotees and these demons, the Islamic jihadis, will this happen or not? What will happen? Please provide a resolution.

Answer: Lord Shri Narayan will establish Sanatana Dharma. Only Sanatana Dharma will remain in the entire universe. I have been saying this from the very beginning, and it is also written in the Malika that Lord Vishnu will establish Sanatana Dharma throughout the entire universe. At that time, the people who survive will be pure souls; only the pure-hearted will remain. Everyone will become a Sanatani and will follow the principles of Sanatana Dharma. There will be one flag, the five-colored flag of truth, peace, compassion, and universal friendship. This five-colored flag, which belonged to Lord Krishna, the king of Dwarka, will be the flag of the universe. Only Sanatana Dharma will prevail in the entire universe. As for the fight, the answer is this: Lord Kalki's Narayani Sena (army) will be formed in 16 regions (mandals). The same Narayani Sena that the Lord uses to establish dharma in every era will be formed again. The Narayani Sena will possess the

power of mantras and the light of spiritual power. Those who will fight against the Narayani Sena will not be from just one religion or sect. The fight will be between the sinners and the righteous. In that battle, the devotees will possess divine power, and with that divine power, they will defeat the sinners of the world. No one will be able to stand against them. And the devotees will not die. They will fight, but they will not die, even as destruction happens. Such a time will come, and all this will happen with the blessings of the Lord's power. All the virtuous people and saints in the universe, in India, will likely come under the refuge of Lord Kalki. And from them, the Lord will handpick and form the Narayani Sena, and they will establish Sanatana Dharma across the world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 05:56 · 02 January 2022

Q_777 I have a question. What is going to happen in 2024 regarding the world war? Will it be in 2024 or 2025?

Answer: It is written in the scriptures that when Saturn enters and conjuncts the sign of Pisces—just as this new year began on a Saturday—when this conjunction of Saturn in Pisces happens, there will be turmoil. At that time, there will be a 'Navagraha Koot' (a specific planetary alignment), and the situation in the entire universe will be like the one just before the Mahabharata war. At that time, there will be great destruction from the five natural elements. But one thing is also written in the Malika: as long as it is the Lord's will, he can stop the war and also save the devotees. And until the 16 mandals are formed and the devotees are saved, the Lord will hold his decision on the war, because it depends on the Lord, not on us. However, the Malika does state that with the conjunction of Saturn in Pisces, there will be despair and war throughout the universe, and it will be an atomic war. This is also written.

► Watch this answer · 11:01 · 02 January 2022

Q_778 Infinite salutations at the feet of the Lord, Pandit ji. I once saw in a dream that I was going in a boat. On both sides of the road, there were countless lotus flowers blooming. All around... then there is a very big tree, and under it... and we were given two auspicious things for the Lord. What does this mean?

Answer: Okay, mother. Regarding what you asked about the great flood (jal pralay) and the devotees surviving, yes, it is written in the Malika. Where the devotees will be, there will be water on all four sides, but the place where the devotees are will remain stable, and the water will not reach them. What you saw in your dream—that there is water all around but it doesn't touch you, you are standing in the middle while there is water everywhere—such a time will come. And where the Lord's devotees reside, they will not be affected by the water or the great flood. Secondly, the fruits that were being given represent salvation and the path to attaining the Lord. It was like they were giving you prasad (blessed food) and also a warning that such a time of salvation is coming, and this is the path from the Lord. So, such a time will come, and you have had a vision of it beforehand. You should all remain in the refuge of the Lord and follow the path of the Malika. God will surely protect you. Jagannath.

► Watch this answer · 12:56 · 02 January 2022

Q 779 My question is, just as we see that a law is being implemented to save the cow (Gau Mata), will there be a law in the future to save every living being?

Answer: Look, mother, when Sanatana Dharma is established, there will be protection for all living beings. Even now, there are government laws against killing animals; if someone does such a thing, there is a provision for punishment. But for the killing of cows, you know what our constitution says. A time will come when there will be protection for all living creatures. And through the Lord's sacred power, all humans will stop killing living beings. Dharma will be everywhere, and all government laws will reflect this. This situation will come about towards the end of the establishment of dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:06 · 02 January 2022

SESSION 39 · QUESTIONS 780–818

L37 मृत्यु से विजय का रास्ता क्या है-- LIVE

Date: 06 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 780 I am Navjyoti Das from Assam. The day before yesterday, at 5 AM, I had a dream. I saw such a powerful storm that only the building our family was in remained standing; all around there was only water. The storm was so strong that our building was shaking. Afterwards, I saw that where there used to be paddy fields, there was nothing left, not a single tree was standing. After the storm, it was as if we were in the middle of the ocean; there was no path for anyone to escape, only water. What does this dream mean?

Answer: Listen carefully, this is for all the devotees. This is written in the Malika. It says there will be rain for seven days in some places. The rain will be so heavy, like water gushing from an elephant's trunk. The winds will also be very strong, and people will see only water and wind all around. You will witness the fury of the five elements (Panchbhut). In the coming times, this is bound to happen. There will be such a deluge, such rain, and such powerful winds that even large buildings will be swept up into the sky. This situation will not be limited to India; every country in the world will face it, including Assam. However, those who chant the Lord's name and follow the path of dharma, their homes will be protected, just as your house was in the dream. Other houses, no matter how strongly built, will not survive. Only the homes that are fortified by dharma will be saved by God.

► Watch this answer · 09:21 · 06 January 2022

Q 781 Shri Madhav. I am from Yamunapuram village. I have a similar question. Today at 6 AM, I had a dream where I was inside my house, and outside on the street, I saw zombies. I don't watch movies or anything, so this is not from my subconscious mind. What I saw was crystal clear. It looked like zombies outside. It's like a virus; if someone gets it, they infect others, and it spreads. They are like half-alive, half-dead. It was something terrifying. What does this mean?

Answer: This is absolutely correct. The dreams you all are seeing are true. God shows these things to his devotees in subtle ways to warn them about what is to come. A time is coming when such a disease will spread that dead bodies will lie in every house and village for four, five, up to ten days. People don't understand this now. The influence of dharma has not grown as much as it should have since 2019. A time will come when people's sins and virtues will be judged. People will remain safe in their homes, but sinners will die on their own path, and they won't even receive proper last rites. Look at the current disease: no matter how much money, power, or ability someone has, at the time of death, they don't even get water. No one touches them, their last rites are not performed properly, their ashes are not immersed, and no rituals or 'pind-daan' are performed. People leave this world having abandoned everything, yet they still don't turn towards dharma. They think, 'It happened to them, what will happen to us?' This is what human society says. Until society introspects, it is its own fault. Look at what is happening in society and reflect on it with your inner self, asking what you need to do. In

this illusion of society, father and son, mother and child, all stay away from each other. No one touches the deceased. This kind of unnatural death ('apamrityu') that you saw in your dream will happen in the future. Many diseases will come, and people will face problems, but the flag of dharma will always fly high.

► Watch this answer · 12:26 · 06 January 2022

Q 782 Pandit ji, I wanted to share two more dreams I had earlier. The day I started reading the Bhagavat, that night I dreamt of the Mahaprabhu in the form we often see him, riding on a horse. I saw a colossal form of Mahaprabhu on a horse in the sky. In my second dream, I came out of my house and saw a temple with a channel gate. Inside, many people were in the temple, worshipping God, and a loud kirtan was going on.

Answer: In Punjab and Haryana, many devotees of Lord Kalki will gather. At the time of establishing dharma, Lord Kalki will appear on his horse and meet his devotees. Before that, he gives 'darshan' (divine vision) to people like you because you are on the path of dharma and follow the Malika. God is showing you what is to come in the future.

► Watch this answer · 16:01 · 06 January 2022

Q 783 Prabhu, will I be able to have your 'darshan' (divine vision) or not?

Answer: Look, ma'am. I have told all devotees this before. First, you must enter the stream of dharma. This includes reading the Shrimad Bhagavat, becoming a vegetarian, and performing Trisandhya (prayers three times a day). By doing all this, and by following the Malika and working for Sanatana Dharma, you will surely receive the Lord's darshan. To get the Lord's darshan, you must hold onto this path, and you will receive it.

► Watch this answer · 17:11 · 06 January 2022

Q_784 I am from Nepal. I also wanted to share a dream. One night, I dreamt I was herding buffaloes in a field when the Lord (Prabhu) and the Mother Goddess (Mata) appeared. One of my buffaloes fell into a pond, and I began to tremble with fear. The Mother Goddess told me to be calm and that nothing would happen. Then, a sword-like object emerged from the water, she placed it in my hand, and they left. The very next day, I had another dream of a massive storm, so powerful that no trees or houses were left standing. Everyone's house was being swept away. However, I was with my grandmother, loudly chanting 'Om Namo Bhagavate Vasudevaya, Om Namo Narayana.' Our house was shaking, but it was unharmed. Only my grandmother and I survived. What does this mean?

Answer: This means the Lord gave you this 'Sanjeevani' (life-restoring herb) in a subtle form to save you. You must always hold on to the chanting and kirtan you were performing in your life's path. The Lord gave you 'darshan' and a blessing in that form. The Lord gives such visions and guidance to those who will become the 'seeds' for the coming Satya Yuga. Your duty now is to work for Sanatana Dharma in Nepal. Carefully select devotees and distribute the teachings of the Malika among them. Expand the path of the Lord that we speak of for the benefit of all human society. This is the work for the times to come.

► Watch this answer · 18:01 · 06 January 2022

Q_785 Where I work, my colleagues have contracted corona. What should I do to prevent myself from getting it or any other ailment?

Answer: First, join the Sanatana Dharma group. Second, read one chapter of the Shrimad Bhagavat (from Gorakhpur Gita Press) every day, at any time you get a chance. Third, chant the Durga Madhav Stuti, the names of the ten avatars, and the sixteen names. The devotees in the Vishwa Sanatan Dharma group do this. By doing this, devotees will be saved from the coming problems. For example, a devotee tested positive in Odisha, but after following the path and chanting, he tested negative in Delhi. So, follow what I am telling you, and also adhere to the government's rules. It is my firm belief and experience that those who stay on the path of the Malika and the Sudharma Mahasangh will be protected, even if everyone around them falls ill. You must also take a vow not to commit any sin or injustice, to remain free from lust and desire, and to chant the name of Lord Shri Satyanand Madhav. If you do this, you will see the results.

► Watch this answer · 20:17 · 06 January 2022

Q_786 Pandit ji, how can I order the Shrimad Bhagavat from Gorakhpur?

Answer: It is available from the Gorakhpur press. You can find it at any Ram temple or, in fact, any temple. I specifically recommend the Shrimad Bhagavat from Gita Press because it contains the complete and authentic text.

► Watch this answer · 23:07 · 06 January 2022

Q_787 It is mentioned that the Bhagavat Katha should be finished in seven days, but finishing it in seven days is difficult. Is this necessary?

Answer: I am not saying you must finish it in seven days. I am saying to read one chapter daily. The seven-day rule is not a necessity for everyone. That was for King Parikshit, who was in his final moments and had only seven days left to live. He had no other choice.

► Watch this answer · 24:32 · 06 January 2022

Q_788 My 24-year-old daughter sees me performing worship and chanting. She asks me, 'Papa ji, what is the update on Lord Kalki?' What should I tell my children?

Answer: Always remain pure. Involve your daughter in this path of dharma as well. Have her listen to the Shrimad Bhagavat and tell her about the path I describe. She should also perform Trisandhya and chant the Lord's name. This way, she can also be protected. Every soul and every body has its own separate karma. Those who perform good deeds will receive good results. While we see ourselves as a family, from the perspective of the earth and God's creation, every soul must perform its own righteous duties.

► Watch this answer · 25:01 · 06 January 2022

Q_789 My daughter went to Jaipur for two months. The day she arrived, she had a vision of the Devi (Goddess). We have a large shrine with idols of Mahamai, Ganpati ji, Shiv ji, Parvati Ma, and Radha Krishna ji. In her vision, the large, illuminated idols were turned upside down. The Mother Goddess's idol was upside down. And just last Saturday, my daughter was exclaiming, 'Mamma, Mamma, the Devi came out of the water!' What does this mean?

Answer: Look, ma'am, this signifies that Mahamaya Shakti (the great cosmic power) will carry out the act of destruction. The fact that the Goddess's idol turned upside down is a sign. This has happened in my own home as well, twice. Two years ago, the photo frame of Mother Mahamaya and Mother Girija Devi that I worship turned completely upside down on its own at night. This means the gods and goddesses have left their celestial abodes and temples and are now engaged in the work of destruction. Devotees receive these indications. You have received this sign, and it is the Lord's grace upon you. This happened to me personally. When I went to my temple to worship, I saw it. So, stay on the path of dharma and continue your righteous work.

► Watch this answer · 26:02 · 06 January 2022

Q_790 Pandit ji, is there anything written in the Malika about the 'Pancham Jagadguru' (the fifth world teacher), similar to how Adi Shankaracharya was the first?

Answer: Look, the Malika states that all the true gurus (sadgurus) who have come to Earth will, along with the arrival of Lord Kalki, also work to spread dharma in their human forms. They will all eventually meet with the Lord and, together, will advance the work of establishing dharma. Only this much is written.

► Watch this answer · 28:55 · 06 January 2022

Q_791 I am 36 years old and have not married. Is it necessary to marry to follow the path of dharma?

Answer: Look, great sages like Vashistha and many other accomplished sages were married. Lord Brahma was married. Even Mahadev, the greatest of yogis, was married. In the Kali Yuga, the life of a householder (Grihastha Dharma) is considered the greatest dharma. This is because in this age, devotees will find God through chanting His name, and a householder can perform all their duties while doing so. Furthermore, a significant practice in Kali Yuga is performing 'pind-daan' (offerings to ancestors) after death, which requires a family. Therefore, getting married is necessary. What is the value of a tree if it does not bear fruit? When a pure soul is born on Earth, the influence of dharma grows. Pious people like you worship God; Lord Krishna himself was married, as was Gopal. There is nothing wrong with it. However, you have chosen not to marry, and I will not comment on your personal choice. But the scriptures say that performing righteous duties with one's family is the easiest path in Kali Yuga, making the householder's life the greatest dharma. Although it is written, you have remained a celibate, and for that, I thank you and give you my blessings. If you wish to marry now, you still can; there is no problem.

► Watch this answer · 30:11 · 06 January 2022

Q_792 I want to know about India's leaders, Narendra Modi and Yogi ji. Will Yogi ji become the Prime Minister in the future? His work seems to be the most prominent among all leaders in India. What does the future hold for him?

Answer: Look, I will tell you. He will remain in the position he currently holds. That is the first thing. Secondly, regarding your question, do not overthink it. I have expressed my views on this matter many years ago. Both of them will remain in their respective positions until the end of the Kali Yuga to aid in the establishment of dharma.

► Watch this answer · 32:08 · 06 January 2022

Q_793 Who will be the best between the two of them?

Answer: The one who is currently in the highest position will remain so, and the other will be below him. That is how the hierarchy will be. It may seem to you that one is better, but we must wait and see what time reveals. This is not up to me; it is determined by their karma, and their karma cannot be changed. I agree that he does good work, and for that, we are grateful.

► Watch this answer · 33:04 · 06 January 2022

Q_794 Regarding the discussion about Modi ji and Yogi ji, many channels are saying that Modi ji will be the Prime Minister until the 2024 elections, after which Yogi ji will take over. Will the constitutional system change? Is Modi ji the last Prime Minister?

Answer: No, no. He is the last, and he will remain the last.

► Watch this answer · 34:18 · 06 January 2022

Q_795 I am associated with the Gayatri Pariwar. What will be our future?

Answer: In our Hindu tradition, there are many sects. However, the foremost mantra of our Sanatana Dharma is the Gayatri Mantra, which is essential for all its followers. Those associated with the Gayatri organization chant it daily, as do many others, including Brahmins. You are part of the organization founded by Shri Ram Sharma, which means you are already on a righteous and pure path. You are doing good deeds, and there is no doubt about that. However, when the end of the era (yuga) comes, all will have to embrace the path of the Malika. This path includes practices like reading the Shrimad Bhagavat, chanting the sixteen names, the Dashavatar, and the Durga Madhav Stuti. Those who remain in this stream of dharma will be saved from the calamities of the Kali Yuga and will be protected. That is all.

► Watch this answer · 35:33 · 06 January 2022

Q_796 I read the 'Sukh Sagar' instead of the Bhagavat from Gita Press because I find more joy in it. Is that acceptable?

Answer: Okay, as you wish.

► Watch this answer · 37:27 · 06 January 2022

Q_797 And there is no need to perform the Sanskrit rituals daily, is there?

Answer: In the Kali Yuga, the most powerful practice is 'Naam Kirtan' (chanting the Lord's name). In the Satya Yuga, it was meditation; in Treta Yuga, it was yajna; and in Dvapara Yuga, it was temple worship. But in this age, only the name will grant salvation. You will see for yourselves that entire villages will be afflicted by disease, but those who are walking on our path of righteousness, with true purity and adherence to the rules, will not be harmed at all.

► Watch this answer · 37:41 · 06 January 2022

Q_798 There is a person on YouTube who claims that taking the government's vaccination is a conspiracy. He says that anyone who gets vaccinated will automatically be on the opposing side of Lord Kalki, regardless of their good deeds. What is your view on this?

Answer: Look, our country is a democratic nation, and it is the best country in the universe. It is essential for every citizen to fully comply with the rules and regulations of the government. The spiritual path I describe is for the devotees who join Sanatana Dharma, not for everyone. It is for those who will become devotees and work for the true Sanatana Dharma. However, following the government's laws is a duty for all of us. As a disciplined citizen of India, you must follow the law of the land.

► Watch this answer · 38:38 · 06 January 2022

Q_799 As women, how can we read the Bhagavat during our period of impurity (menstruation)? Is it allowed? With PDFs now available, there is a lot of confusion about what we can and cannot do.

Answer: According to the scriptures, you should not read the holy book during your period of impurity. At that time, you should not enter your prayer room. However, you can sit in your bedroom or another separate space and perform Trisandhya and chant the Lord's name. Once your period of purity returns, you can resume reading the Bhagavat. While you can technically read a PDF, it is not the same as engaging with the physical scripture. It is best to just focus on chanting the name during that time.

► Watch this answer · 41:25 · 06 January 2022

Q_800 Pandit ji, where have the Pandavas, Kauravas, Duryodhana, and Karna been born in this age? And what would their current age be?

Answer: According to our scriptures, the war of the Dvapara Yuga was left incomplete. For this reason, all of them—the five Pandavas and the seven immortal warriors—have been born again on Earth in human bodies. Some have already met Lord Kalki, while others have not, but they will all meet him eventually. They have been born as ordinary humans. In the Sudharma Sabha (the great assembly of righteousness), the Lord will grant them their divine powers and their celestial weapons will return to them. They are of a significant age now and are living safely. In the coming times, they will take up their weapons and fight for Bharat (India). This is all written in the Malika.

► Watch this answer · 43:57 · 06 January 2022

Q_801 Is there a Malika text that contains the names of all the devotees? Will our names be in it? If not, can we still attain salvation by following this path?

Answer: Look, there are not just one or two hundred thousand devotees, but four hundred thousand. The scripture of the Malika that contains the names of the devotees is called the 'Padmakalpa'. This scripture is currently hidden in the Girija Kshetra. It will be revealed in the Sudharma Sabha by the Lord himself, in the presence of Brahma Dev and Mahadev. Brahma Dev will then read from the scripture and announce the names of all the devotees. So, you need not worry. Understand this symbolic sign: anyone who follows the Malika, who listens to it with devotion, and who walks the path of the Lord and Sanatana Dharma that we speak of, is a devotee. There is nothing more to it. The very fact that you are watching and listening to the Malika is proof that you are a devotee. If you were not, why would you feel this love for the Malika?

► Watch this answer · 45:18 · 06 January 2022

Q_802 Can we read the Bhagavat in the evening, during the 'sandhya kaal'?

Answer: Yes, ma'am. Reading it in the evening is very good. You should read it.

► Watch this answer · 47:15 · 06 January 2022

Q_803 Pandit ji, what will happen to Mumbai? The number of corona cases is rising significantly here. What does the Bhavishya Malika say about its future?

Answer: Those on this earth who remain on the path of dharma will be safe. Those who follow the righteous path will find relief from the disease and will also attain peace. As for those who do as they please, they will face the consequences. I will not say more, as it would cause fear among people. Why should I say it?

► Watch this answer · 47:29 · 06 January 2022

Q_804 Will there also be a great flood (jal pralay)?

Answer: Yes, a flood will happen, a very large one. This is just the first phase of the establishment of dharma. This process will unfold in seven phases, and the flood can occur at any point within that time.

► Watch this answer · 47:57 · 06 January 2022

Q_805 When will we be able to meet you and have your 'darshan'?

Answer: I wish to give you 'darshan', but it will only happen if God wills it.

► Watch this answer · 48:24 · 06 January 2022

Q_806 I had a dream about some children, and then another dream the same night about someone's name. It seemed to be about the Lord's brothers. What can you say about this?

Answer: I cannot comment specifically on what you saw, but I can tell you about the Lord's brothers in different eras. In the Rama avatar, there were Ram, Lakshman, Bharat, and Shatrughna. In the Krishna avatar, there were Krishna and Balaram. In the Kali Yuga, they will all take birth again to work for the establishment of dharma. It is possible that what you saw in your dream is related to this, especially if you are on the path of dharma. The incarnations are different in each yuga.

► Watch this answer · 48:55 · 06 January 2022

Q_807 We are from Bengaluru and have been following your prescribed path for over six months. However, sometimes we are unable to perform daily charity. It happens some days but not others, and this causes worry in my mind. I want to do it every day, but I am not always able to. What should I do?

Answer: Look, one should do what is within their capacity. Someone may have two rupees, another may have one. If someone has nothing, the purity of their mind and intention is what matters most. You have the desire to give, and if circumstances do not allow it, there is no sin. Your intention is good. Just keep trying when you can.

► Watch this answer · 50:47 · 06 January 2022

Q 808 I had a dream where my grandmother and mother were on a pilgrimage. I was running behind them, calling out, but they couldn't hear me. I got tired and sat down, where I saw a river. A man told me it was the Ganga. Then, a girl appeared next to me, and I asked her to guide me home, and she agreed. What does this mean?

Answer: Ma'am, your dream about the river Ganga means you have received the sacred grace of Mother Ganga. I won't explain it in full detail, but understand that this is very auspicious for you as a devotee. Mother Ganga is the most sacred river, and her blessing purifies a person. You received her 'darshan'. The other girl you saw could have been Mother Yamuna, appearing to you in human form. Many devotees receive such visions, and you have been blessed with one.

► Watch this answer · 51:53 · 06 January 2022

Q 809 My question is, when will Lord Kalki come?

Answer: You are such a young child; why do you worry about these things? This is your age to study, get an education, and follow the path of dharma by chanting the Lord's name, as I have described. When the time comes, the devotees will be saved.

► Watch this answer · 53:30 · 06 January 2022

Q 810 But I want to know.

Answer: If you truly want to know, then follow the path of the Lord that I describe. If you do, then before the time comes, all devotees will receive proof. Look at everyone in this satsang; those who walk this path receive dreams and subtle visions before any calamity—be it an earthquake, fire, war, or any other trouble. This foreknowledge allows you to take the right precautions. You will also receive these signs if you stay on this path and do the work.

► Watch this answer · 54:03 · 06 January 2022

Q 811 My family follows a different guru. How can our family be saved and enter the Satya Yuga? How can I bring them onto this path?

Answer: You have asked a very good question. Leave that aside for a moment. The path I describe, does everyone in your family read the Shrimad Bhagavat? Are they all vegetarian? Do they chant the prescribed names? If not, you must guide them. Those who stay on this path will go to the Satya Yuga. You can get our contact number from the YouTube channel to join our group. The rules are simple: perform Trisandhya, read the Bhagavat, be a vegetarian, and stay away from intoxicants. Following this will ensure your family's safety, their passage to the Satya Yuga, and they will even receive the Lord's 'darshan'.

► Watch this answer · 55:22 · 06 January 2022

Q_812 I have to travel a lot for work, and I often have to stay in hotels. This makes it difficult for me to read my daily chapter of the Shrimad Bhagavat. What should I do?

Answer: You should take the Shrimad Bhagavat with you. You can read it anywhere, even in a hotel. Reading the Shrimad Bhagavat will keep your mind pure, bring you joy, and provide you with protection. Take it with you and read it.

► Watch this answer · 58:48 · 06 January 2022

Q_813 I have a PDF version on my phone. Can I read from that, or should I carry the physical book?

Answer: If you have downloaded the PDF, you can read from that as well. There is no problem.

► Watch this answer · 59:32 · 06 January 2022

Q_814 I have a similar problem with Trisandhya while traveling. I can manage the morning prayer, but I often miss the afternoon and evening ones due to my schedule.

Answer: For the two times that you miss, do this: wherever you are, take one or two minutes to mentally chant the names of the ten avatars: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Buddha, and Kalki. Also, chant the sixteen names and the Madhavi chant. That will be sufficient.

► Watch this answer · 59:47 · 06 January 2022

Q_815 If the time for prayer comes while I am driving, can I perform the full Trisandhya while driving?

Answer: Yes, you can. Just be careful and do not rush your driving. Drive with sincerity and do not be in a hurry.

► Watch this answer · 01:00:50 · 06 January 2022

Q_816 I follow your path completely, and I always feel God's presence guiding me. But I've never had a dream where I see God, even though I wish for one. I once dreamt of a very large snake. Does God only give 'darshan' in dreams, and will I ever be able to see him?

Answer: The 'darshan' you had of the snake in your dream is highly significant. The Kalki avatar is a combined form of Balaram and Vishnu, and the snake (Shesha Nag) is an integral part of them. So, in a way, you have already received a form of his 'darshan'. That is the most important thing. As you continue on this path and keep chanting, you will also receive the 'darshan' of Lord Vishnu and Krishna in the future. Wait for the right time; it will happen.

► Watch this answer · 01:02:41 · 06 January 2022

Q_817 Can we meet you in person?

Answer: You can definitely meet. However, given the current state of the world, there will be more lockdowns and difficulties in the times to come. As the establishment of dharma progresses, people will face more challenges. During that period, devotees will surely meet the Lord when the time is right. Stay on the path, and when the time comes, you will also get the Lord's 'darshan'.

► Watch this answer · 01:03:35 · 06 January 2022

Q_818 Can we have the 'darshan' of Lord Kalki?

Answer: You will surely get his 'darshan'. You have a pure heart, my child. You will receive the Lord's 'darshan'. Just keep chanting the name of Lord Madhav, and you will see him.

► Watch this answer · 01:04:08 · 06 January 2022

SESSION 40 · QUESTIONS 819–827

L38 - सत्संग की धारा क्या है?

Date: 09 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 819 On behalf of everyone, I have a significant question. Regarding the current situation with Kali, what plan is he making? There was an attack on the honorable Prime Minister, and he is not even in India right now. Please shed some light on this. Also, what is this '13 Utopia' and is Malik Sudesh forming some kind of organization? And these people, like they did in their 'Niptan' (disposal/settlement), according to the Malika, in which year will they start this 'baba-type' activity?

Answer: Jai Shri Jagannath. Regarding what you said about the Kali Purush... look, the name 'Kali' itself makes one want to cry for the country, and I do cry. So what are its symptoms? It signifies that the Lord is about to manifest. And the soul... look, just as when someone has a connection, we talk, and the final work becomes less. Similarly, as pure people continue to be with God, if you have their devotion and follow the complete method of worship, God...

► Watch this answer · 12:45 · 09 January 2022

Q 820 I want to know, will there be a great flood (Jal Pralay) in Rajasthan in the coming time?

Answer: Yes, there will be a great flood. There will be sudden, unimaginable rain. It will be unlike anything before. During this transformation, many new rivers will also emerge. This is connected to the time of Dharma Sthapana (establishment of righteousness) in Rajasthan.

► Watch this answer · 14:56 · 09 January 2022

Q 821 When will the 'Jaganmohan' (the world-enchanting event / establishment of Dharma) happen, Pandit ji?

Answer: It will happen when the Dharma Sthapana (establishment of righteousness) occurs. There will be a world war, and this process will move forward worldwide. It will happen at that time by the Lord's will. We are heading towards that time. I won't say it will happen in 1-2 years, but in the next 5 to 8 years, you will all see a very big change.

► Watch this answer · 15:47 · 09 January 2022

Q_822 I had a dream that I am in Australia and I meet the Lord (Prabhu ji). He says, 'No, I have come here to work.' What does this mean? Does it mean God will be going abroad?

Answer: Look, what you are saying is absolutely correct. It is because of your purity and devotion that the Lord gave you a sign ahead of time. The Lord will travel the entire universe. He will go for the establishment of righteousness (Dharma Sthapana). Perhaps at that time, devotees like you will meet the Lord right there in Australia, because some devotees will also travel the universe to work for Dharma Sthapana; the Lord will send them. He will send the good devotees who are close to Him. Perhaps you also have a contribution to make in this, which is why you had this dream. Remain on the path of devotion and stay in the Lord's refuge. In time, it will be proven.

► Watch this answer · 16:57 · 09 January 2022

Q_823 Will the coming danger be like a treacherous foreign aid, or will the current situation itself cause destruction, or will something else happen? Please clarify.

Answer: This has troubled the entire universe, and the problems keep increasing. For the last two years, people have faced a lot of trouble. Some lost their jobs, some don't have enough to eat, and it's not being rectified. And then another disease comes. This is causing great sorrow to human society. So in the world, when such things happen, I will just say this: look, you are all seeing the times we are currently in. Now, be prepared for the times to come. And that time will be very difficult for us.

► Watch this answer · 20:22 · 09 January 2022

Q_824 I want to spread this stream of knowledge to every person and family, but I haven't been able to start yet. Please give me your blessings and ask the Lord to help this message reach everyone.

Answer: This is a very pure stream of thought. Because, look, if even one person on Earth follows the path of dharma, it plays a huge role in balancing the Earth. So, continue the effort you are making with a pure heart to ensure this stream of dharma reaches every person. The Lord's grace is also upon you. The work of dharma never stops; it continues its flow.

► Watch this answer · 22:03 · 09 January 2022

Q_825 Pandit ji, I had a dream where Lord Kalki was taking me on a horse to a mountain where thousands of devotees were standing. A great flood was happening. The Lord calls me and about six other people, gives us swords, and says that we will need them. What is the meaning of this dream?

Answer: The meaning of the dream is that the Lord gives signs in dreams only to His devotees. In the coming times, devotees will meet the Lord. For the establishment of righteousness (Dharma Sthapana), the Lord will give them capabilities, power, and weapons. And wherever He sends those devotees, they will go and create havoc (for the unrighteous). Therefore, the dream you had was a sign. Follow the path that I speak of. By doing so, you will get more time to know things and will find peace at the Lord's feet to make your life meaningful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:39 · 09 January 2022

Q_826 Pandit ji, my question is, will all the people who go to Satya Yuga (the Golden Age) be self-realized (Atma-gyani)?

Answer: Yes, they will all be self-realized. Everyone who goes to Satya Yuga will be proficient in Brahma Gyan (knowledge of the Absolute) and Atma Gyan (self-knowledge). And what we call 'Sharir Tattva' (knowledge of the body) is different... through the pure knowledge of Brahma, everything will be known, and all humans will be like Brahmins in their pure conduct.

► Watch this answer · 25:50 · 09 January 2022

Q_827 Jai Shri Madhav. I have completed reading the Devi Bhagwat Puran. Should I start it again?

Answer: You've completed it? Start it again. Do it continuously. It has been said... and also read the Shrimad Bhagavat. When one reading is complete, start it again from the beginning. Don't stop. This chariot must keep moving. This is the path for devotees. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:41 · 09 January 2022

SESSION 41 · QUESTIONS 828–846

L39 कलियुग से सत्य युग जाने का मार्ग । How to go SATYA YUG LIVE

Date: 13 January 2022 · Watch the full session ↗

Q_828 My wife had a dream where a religious gathering caught fire. Afterwards, a person on a horse appeared with a drawn sword. We have taken a guru's name, but in the dream, it was said that this name is not right and that we should worship this 'Baba on the horse' with the sword. What does this mean?

Answer: This is a very important question. Fires in religious places signify that false religions and teachings will be destroyed. Only the Sanatana Dharma established by Lord Narayana, as written in the Malika, will prevail. The vision of Lord Kalki on a horse means that only the Kalki mantra, which I share from the Malika—the name of Lord Sri Satyanandam—will save people. No other mantra will work in this era. Tell your wife to start chanting this mantra and work within the Sanatana Dharma group. The dream signifies that in the coming times, such destruction will be seen in many religious institutions, but the devotees of Lord Kalki will be saved. No other name will work.

► Watch this answer · 15:53 · 13 January 2022

Q_829 I have been associated with this path for two years, also following the path of Krishna. We started reading the Bhagavat Purana, but we faced some difficulties and had to stop in between. What should we do about this?

Answer: Listen, Shrimad Bhagavat is the primary path to knowing the truth. It is natural to face various obstacles—physical, financial, or otherwise—when you undertake a righteous task. The influence of 'Kali' (the negative force of the age) tries to create these problems to stop you from reading. But nothing will happen. Move forward. No power in the world can stop someone who has the Lord's blessings. Obstacles may come, but with the Lord's grace, you will overcome them and reach the peak. So, continue following the path; it is necessary.

► Watch this answer · 18:47 · 13 January 2022

Q_830 A few weeks ago, there was a conspiracy to attack our Prime Minister, and he seems to be getting weaker. Is he the incarnation of Baldev? Or is Yogi Ji [Yogi Adityanath] Baldev? Will he save us from the future nuclear attack? Can you tell us if Yogi Ji will become the Prime Minister and protect us?

Answer: No human can save India or the world from a nuclear attack. Only divine power, Lord Vishnu, can counter the Brahmastra (nuclear weapon). In this age, only Lord Kalki has the power to stop a nuclear attack. Lord Kalki will protect India and his devotees—not everyone, but those who are pure and follow the path of dharma. Regarding the Prime Minister and the Chief Minister, they will lead during the initial phase of the war with Pakistan, which will be the start of the third world war. However, that war will be indecisive. When all nations unjustly attack India, Lord Kalki will appear to save the country. Lord Kalki himself is the incarnation of Baldev, along with Lord Krishna and Lord Jagannath. No human can be Kalki or Balram. The Lord incarnates to establish dharma. The current leaders will lead the initial war, but Lord Kalki will protect India in the final moments. His actions will be subtle; for example, China's own nuclear weapons might detonate within their country, and people will think India did it, but it will be the work of Lord Kalki's divine power. Only the devotees who follow the Malika will understand these divine plays.

► Watch this answer · 20:15 · 13 January 2022

Q_831 Will Yogi Ji be able to become the Prime Minister in the future?

Answer: Listen, we will discuss this amongst ourselves. This is not for an open discussion. We will talk about this later.

► Watch this answer · 25:01 · 13 January 2022

Q_832 According to the Malika, 10 or 12 impostors will emerge claiming to be Kalki. How will all of us devotees be protected from these impostor Kalkis so that we are not misled?

Answer: You have asked a very good question. The Malika states that 12 impostor Kalkis will declare themselves as God. They will have their own worship, take money from devotees, and attract wealthy and influential followers, creating a facade of peace and prosperity for themselves. These impostors will eventually be destroyed; some have already been exposed, and more will come. As for how true devotees will be protected, genuine devotees from all four yugas will only come to the true Lord through the Malika. They will not go to impostors. Even if they are temporarily misled, their virtuous nature and connection to Vishnu will not let them stay there for long. The Lord himself is responsible for his devotees and will bring them to him through some experience, dream, or by simply pulling them towards him. The Lord calls his devotees; the devotee cannot come on their own. The impostors will face their fate in due time.

► Watch this answer · 25:39 · 13 January 2022

Q_833 A devotee couple spoke to you, and that night, the husband had a dream. His wife was crying before a Tulsi plant, calling for the Lord. Then, a beautiful Lord Krishna appeared. The Lord extended his right hand, and when she held it, she felt immense divine bliss. She then noticed that while she was crying, there were tears in the Lord's eyes too. The dream broke, and she was startled, wondering why the Lord of the Universe had tears in his eyes. What does this mean?

Answer: The Lord is always in the service of his devotees. Today, all the devotees in the universe, the holy cows, and other living beings are crying due to injustice and suffering. Seeing their tears, the Lord's eyes also fill with tears, wondering how he will save the world. The Lord's tears are for the suffering of his devotees and all innocent beings. He visits his pure devotees in this way to give them assurance. The mother who had this vision is very pure, and by holding the Lord's hand, she has secured her place in the coming Satya Yuga, provided she continues on the path I prescribe. If she strays, the Lord will not protect her. The Lord's tears are also because he has to perform the act of destruction (sanghar)—on one hand, he saves his devotees, and on the other, he must take on the fierce form of Mahānarasiṃha to destroy evil.

► Watch this answer · 29:04 · 13 January 2022

Q_834 The satsang goes on for an hour, and immediately within 5 minutes, an English translation of it appears on WhatsApp. What is this? It seems very difficult to type so quickly.

Answer: The one who has the Lord's blessings receives the grace of Goddess Saraswati as well. Those who are prepared by divine power can do anything in a short amount of time. In the coming times, you devotees will also see many changes in your lives. You will be able to do anything in a fraction of a second. As we become purer and move towards Satya Yuga, our bodies will become so pure that they can even enter the sun without being burned. Such is the power of dharma.

► Watch this answer · 33:13 · 13 January 2022

Q_835 My question to you is, I believe in the Bhagavad Gita and have read it once and started again. Also, everything you say about the future, my father had told my mother and sister the same things 20 years ago. What is your guidance for me?

Answer: It is very good, mother. I advise you to read the Gorakhpur Gita Press version of the Shrimad Bhagavat, which has twelve cantos (skandhas). Read it completely and continuously. If you want protection, want to go to Satya Yuga, and want to meet the Lord, then this is the path. When you finish, start again from the first chapter. Secondly, join the Vishwa Sanatan Dharma organization. Thirdly, follow the path we prescribe: perform Trisandhya, read Shrimad Bhagavat, practice charity and purity to the best of your ability, and chant the name of Lord Sri Satyanandam. By doing this, you can go to Satya Yuga.

► Watch this answer · 35:38 · 13 January 2022

Q 836 According to the Malika, will the Third World War happen in 2025 or not? And if it happens, what should we do?

Answer: You have asked a good question. The planetary alignment in 2025 is more severe than the one during the Mahabharata war. The period starts from 2025, and the Third World War will definitely happen. It will begin between India and Pakistan and then engulf the entire world. But for our devotees who are on this path, there will be no trouble, no sorrow, no problem, and no tension. Because we are in the remembrance of the Lord and on His path, which He himself created to save humanity. There will be great destruction in the world, but the pure souls who follow this path will face no trouble. You will get protection, a future, and you will also meet the Lord.

► Watch this answer · 37:45 · 13 January 2022

Q 837 By when can Lord Kalki manifest?

Answer: People ask such questions... The Lord whom sages and yogis couldn't get a vision of even after ages of penance, do you think He will so easily appear for everyone? If he appears openly, then the sinners will also be saved. How will they be eliminated? The Lord has already taken incarnation. The work of establishing dharma is underway. Devotees are having visions of the Lord. If it is in your destiny, you will also get his vision.

► Watch this answer · 39:35 · 13 January 2022

Q 838 In Bangladesh, Afghanistan, and Pakistan, the followers of Sanatana Dharma are in a very miserable condition, living a life worse than hell. When will the Lord bring them salvation?

Answer: What you say is absolutely correct. They are in great sorrow. Tell them to chant the name of Lord Kalki Madhav, Sri Satyanandam. If they chant this name, the Lord himself will show them how he will save them. But they are not ready to understand and are following different paths. If they accept this path, the Lord himself will go and protect them. The ones in trouble must be ready to believe. If they believe, they will be saved.

► Watch this answer · 41:23 · 13 January 2022

Q 839 Pandit ji, how can this message be delivered to them? That is also a big problem.

Answer: I know they are very tormented. But if they take refuge in the Lord, He will go to them. They must have devotion and purity. I advise those who are abroad and in trouble: Read the Shrimad Bhagavat, the Durgamadhava Stuti, the 16 Names and 10 Avatars, and chant the name of Sri Satyanandam. Let them try this and see. No power in the world, no matter how big their enemy, will be able to touch them. The government and the situation will change, but the devotees will remain safe.

► Watch this answer · 42:39 · 13 January 2022

Q 840 Someone had a dream where a person had died. There was a canopy on a horse, and when they tried to take it, the people of that house said to put a bell on the deceased. What does this mean?

Answer: The answer is that the deceased person in the dream was not worthy of the Lord. The people in that place were against Lord Vishnu, which is why he died. The instruction to put a bell on him signifies that he is not the Lord's person. And whoever is not the Lord's devotee will be the one destroyed in the coming time. This is the meaning of the dream.

► Watch this answer · 45:05 · 13 January 2022

Q 841 I have two questions. First, my wife reads the Bhagavat but doesn't perform Trisandhya, and she repeatedly dreams of being surrounded by water. Second, will Lord Hanuman manifest in Rajasthan in a subtle or a physical form for his devotees, and when? Is this mentioned in the Malika?

Answer: The Malika says that Lord Hanuman will work in a subtle form before the establishment of dharma. Currently, he is secretly helping the Lord's devotees wherever they are in trouble. When the final time for establishing dharma comes, all devotees will have a direct, physical vision of Hanuman. Regarding your wife seeing the great flood (jal pralay), tell her to perform Trisandhya. The destruction from the flood will be severe, and performing Trisandhya is necessary for her protection. If she does it, she can be saved. That is why she is having these dreams.

► Watch this answer · 46:31 · 13 January 2022

Q 842 I have told my wife many times to start Trisandhya, but she doesn't. I think maybe she will do it only when the Lord commands it.

Answer: The principles of dharma and scriptures are the basis of happiness for all humans. Tell her that this is for our own well-being and to make our human life meaningful. During the sandhya (twilight) times, all gods and goddesses are worshipped for the welfare of the earth and the devotees. That is why I speak of Trisandhya. It is the Lord's own path from the Sudharma Mahasangha. Following it will be good for you all.

► Watch this answer · 48:06 · 13 January 2022

Q 843 In my home, I worship pictures of Goddess Kali and Lakshmi Narayan. While worshipping, if I am in trouble and mentally ask them a question, I see their eyes blink in the picture. What does this mean? Is God trying to talk to me?

Answer: The path of devotion is infinite, and only a devotee can understand it. This is happening because of your pure devotion and the Lord's grace. Increase your devotion and become more absorbed in it. Most importantly, stay away from worldly desires, and you will have even more advanced experiences. What is happening is good. All sincere devotees will have such experiences. There is nothing to worry about. Continue your worship, but also follow the path we prescribe.

► Watch this answer · 49:09 · 13 January 2022

Q 844 An educated person can perform Trisandhya and read the Bhagavat. But what should uneducated people do for the Lord? They can only chant 'Madhav, Madhav'.

Answer: For those who are uneducated, the path of the Vedas is 'Shruti,' which means 'that which is heard.' By listening, it gets memorized. Have them listen repeatedly to the Durgamadhava Stuti, the 16 Names, and the 10 Avatars. Secondly, if an educated person is reading the Shrimad Bhagavat, it would be good for them to go and listen. Otherwise, they can listen to an audio version on a mobile phone. This path is fine for them. And they should continuously chant the Lord's name.

► Watch this answer · 50:54 · 13 January 2022

Q 845 My mother is 80 years old. She can only chant 'Madhav, Madhav' and cannot do anything else. I read the Bhagavat, and she listens. Is that enough?

Answer: That is fine. And tell her, since she doesn't have much other work, she can listen to the Madhav name, the 16 Names, the 10 Avatars, and the Durgamadhava Stuti. Have her listen to them. If she cannot recite them, that's okay, but she should at least chant the name. Salvation will gradually come through the name.

► Watch this answer · 51:49 · 13 January 2022

Q 846 Pandit ji, last time you said that there would be a train accident in the future. Today, a major train accident has happened in Guwahati, Assam.

Answer: This awareness comes from the purity of devotees like you. Please continue to make others aware. Look, these train accidents and air accidents will increase greatly. Also, deaths by water—boats sinking, people drowning—these are all signs. These incidents will increase a lot. But if a devotee is on that train, that train will not have an accident. Such is the power of a devotee's dharma; no one can break it. Therefore, share these experiences with others and make them aware of the coming times, so that people can be well, and most importantly, the devotees can be saved.

► Watch this answer · 52:45 · 13 January 2022

SESSION 42 · QUESTIONS 847–857

L40 इन्द्र देव अन्याय करेंगे, तेज वर्षा होगी-- LIVE

Date: 16 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 847 Guruji, as you mentioned, we are experiencing unseasonal rains during winter. How does this indicate that the end of Kali Yuga is coming? I didn't quite understand this. Also, I've noticed that in many places, these things are happening through artificial intelligence. Science has developed AI through which they can cause rain or snowfall anytime. So, how can we deal with this?

Answer: When this weather changes, it is as described in the Malika Shastra. It says there will be unseasonal rain. Why will this happen? Because at the end of Kali Yuga, the gods and goddesses, like Lord Indra, do not perform their duties as they await God's signal for the change of an era. So, the rain that is happening today is a sign of the end of the Yuga, as written in the scriptures. As for the scientists who create rain artificially, they can only do so much. For example, they have created the atomic bomb, but they have no solution to save humanity from its disastrous effects. They can create artificial rain, but they cannot stop a cyclone or the unseasonal rains ordained by God, because these phenomena are under the control of Dharma and God. Humans can advance to some extent, but they cannot become all-powerful. Therefore, don't worry. This is a sign of the end of Kali Yuga and the beginning of Satya Yuga. In the coming 8-10 years, humanity will face hardships. Those who follow the path of Dharma will be protected, while God will decide the fate of those who do not. So, follow the path of Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 06:42 · 16 January 2022

Q 848 Guruji, I live in Mumbai. Last week, I experienced the end-of-days rain you spoke of. I got drenched in it, but as soon as I came home and recited the Shrimad Bhagavat, I faced no health issues. So, in the coming time, will there be more such problems in Mumbai? Please guide us.

Answer: Those who remain on this sacred path will not be touched by disease. If they have some sins from the past, they might suffer for a short time, but they will not die. This is our firm belief. People like you who read the Bhagavat and walk the path of Dharma will face no problems. Regarding Mumbai, the rainfall there will be so heavy that people will be forced to leave the city. There will also be tsunamis and earthquakes. This will happen with greater intensity in the coming times because human society has violated the path of Dharma. People think peace and development will bring security, but the greatest power for security is to uphold and spread Dharma—the Sanatana Dharma. Not just Mumbai, but all the metro cities across the world will face problems. However, devotees need not worry about these problems because they are on God's path, and those on His path have no reason to be afraid.

► Watch this answer · 12:42 · 16 January 2022

Q_849 Panditji, when I learned about the Malika, I gave up non-vegetarian food. But my family members don't accept it; they think something has suddenly happened to me. I try hard to explain to them that a decisive time is coming, but they don't believe it. I tell them that the Lord has arrived and will soon establish Dharma, but they pay no heed. What should I do? How can I make them understand?

Answer: When we were not in this world, we had no one. After coming here, we are touched by Maya (illusion), which creates attachments like 'my family,' 'my everything.' But we came alone and will leave alone; no one will accompany us. The path we speak of is only for devotees. If your family members are devotees and are destined to be with God in the establishment of Dharma, they will surely understand. If not, they won't understand even if you tell them a million times, and you shouldn't worry about it. Our family is the family of Yaduvanshis, of Gopis and Gopals, of devotees. Only those who belong to God's family will understand this path. Others will not be able to comprehend it. So, you don't need to be troubled. Just tell them, and if they don't accept, do not force them. Everyone's destiny is different. In one family of four children, one becomes an IAS officer, one remains a farmer, one is middle-class, and one becomes poor. This is based on their karma. So, if they don't understand, it's okay. You just keep yourself on the path and don't worry about them. It's not a mission to spread to everybody; it's a mission to choose the devotees.

► Watch this answer · 15:15 · 16 January 2022

Q_850 I was just reading a news report on News Nation that in Japan, there has been an explosion deep within the Earth. They said it was a threat to all of humanity and that the Japanese government conducted some kind of explosion where volcanoes were erupting. I didn't really understand the news. Could you please clarify?

Answer: Listen, it is written in the scriptures that human beings will invite their own destruction through their actions. Scientists achieve good developments, like making medicines and advancing technology, which is good for society. But at times, they also invent things and conduct experiments to destroy our own Earth and cause suffering to humanity. By doing such things, humans invite their own doom. However, in every age, God has saved this Earth from great calamities like asteroids and comets. In the coming times too, God will protect the Earth; humans will not be able to destroy it. But the small-scale actions they take will cause partial disasters for human society. For the devotees, there is no need to worry.

► Watch this answer · 18:59 · 16 January 2022

Q_851 Panditji, the Malika was written about 600 years ago when India was undivided (Akhand Bharat). The partition of India happened much later. So what does the Malika say about this? Are the names Pakistan and Bangladesh mentioned? Is there anything written about the partition?

Answer: The Malika does mention Bangladesh. When it was written, our country was not independent. It is written that Pakistan will separate from India. It is also written that a future Prime Minister of India, Indira Gandhi, will facilitate the separation of Bangladesh from Pakistan. Furthermore, the Malika describes Akhand Bharat (undivided India), which will include Afghanistan, Balochistan, Pakistan, China, and Myanmar. All of this is written. So, everything is written in the Malika; it is the stream of God's word. There is nothing missing; it is written about the entire world. The time will come when Akhand Bharat will be formed again, but it will be created by God, by Lord Kalki. No human being will be able to do it.

► Watch this answer · 21:32 · 16 January 2022

Q_852 My question is, when will the struggle begin? You mentioned the years 2022, 23, 24.

Answer: It has already begun in 2019, starting in the Jagannath region. A major cyclone (Fani) hit, causing devastation in the holy city. The Kalpavata tree's branch broke, water entered the Jagannath temple, and the Lord's flag was torn. The entire city of Puri was desolate for one to two months. The calamity first struck the holy land of Jagannath, and after that, the pandemic came. So, from that time in 2019, the first three-year phase of the establishment of Dharma (Dharma Sansthapana) began, covering 2019, 2020, and 2021. Then, from 2022, the second three-year phase will run. This work of establishing Dharma is ongoing and will intensify. In the future, such problems will arise that people will realize money has no value. At that time, you all will see how great God's power is, and your neighbors will wonder why you are safe while they are in trouble. This is why we share this knowledge with you, and it is your responsibility to bring good people and saints onto this path of Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 23:34 · 16 January 2022

Q 853 A few days ago, I saw a saint or astrologer named Sant Betra. He predicted that by the year 2034-44, Hindutva will spread throughout the world. He said that our current Prime Minister, Mr. Modi, will hand over power to Yogi Adityanath. After that, his rule will begin, and an undivided India (Akhand Bharat) will become a Hindu nation. He said Yogi Ji will carry forward the concept of a Hindu Rashtra, and Narendra Modi is the last PM before this happens. What is your view on this?

Answer: I have made an episode about this before. The Malika states that a person who is a yogi and an ascetic will become the king of India. After that, there will be a military emergency, meaning army rule. And after that, Russia will rule; Russia's rule will be in India. This is what is written in the Malika. The current Prime Minister is a yogi, and the Chief Minister of Uttar Pradesh you speak of is also a yogi. I will not comment further; it is God's will. But this is what is written. After that, our country will be ruled from outside the country. The Malika also says that when the Kali Yuga is changing, the planetary positions will not be stable, and the predictions made by astrologers will not be accurate or provide clear direction. At that time, Lord Kalki's divine play will establish Dharma in the world, which is already happening now. In the coming era, there will be a monarchy, not a democracy. Just as Lord Krishna made the Pandavas emperors, Lord Kalki will become the king and will also make his devotees kings. A king will not be chosen by votes; democracy will not exist after 2029.

► Watch this answer · 25:39 · 16 January 2022

Q 854 History suggests that Netaji Subhas Chandra Bose is alive and did not die. There are many stories: that he survived atomic blasts, that my father met him in the 80s, that he was seen standing with Prime Minister Shastri, and that the official narrative of his death is a conspiracy. My father even used to see Netaji's face when he meditated on Lord Kalki. I wanted to get clarity from you if these things are true.

Answer: Look, the question you are asking is both controversial and secret. The Malika does have writings about Netaji Subhas Bose. It is written that he is a devotee of God. I will not reveal what else is written about him because it would be controversial, and it is a secret that should not be spoken of. During the time of the establishment of Dharma, everything will become clear. When Lord Kalki calls all his devotees for the Sudharma Sabha (divine assembly), the devotees will know who is who and where they are. At that time, India's population will be around 130 crore, but communication will be scarce, with no internet. So, it is not right for me to speak about these things. Just understand this much: it is written about him, about his bravery, and that he is in devotion to God. I will not discuss the other details as they are highly controversial and secret. If we are alive, you will see the proof of the things on your mind in the coming time.

► Watch this answer · 31:15 · 16 January 2022

Q_855 What will be the future role of the people who are connected with this satsang (spiritual gathering) in this world?

Answer: Those who are in this satsang, who are part of this work of spreading Sanatana Dharma—this satsang is happening for the formation of the '16 Mandals' (16 circles/groups). This gathering is to bring devotees together for the formation of these Mandals, such as the Kalika Mandal, Dwarika Mandal, Ayodhya Mandal, and so on, which I have described before. This path is what will save humanity. A time will come when in a city of one lakh people, only one or two thousand will survive, and our people—those who follow the path we describe—will be among them. Your role is to help form these 16 Mandals and to rescue other devotees who are trapped with fake gurus and charlatans, bringing them into the mainstream path of Lord Kalki. You all have to work together to begin the new era. Lord Kalki will establish Dharma, and the devotees will spread the message of Dharma. This is the work you all have to do. This is the main and most important role of our devotees.

► Watch this answer · 36:54 · 16 January 2022

Q_856 In this Kali Yuga, no matter how much we pray to God, the mind remains very tense and drifts towards unrighteousness. Bad thoughts constantly come to mind. How can we escape this and bring our wicked mind under control?

Answer: Look, whenever one tries to do any righteous work, obstacles arise. This is especially true because of the influence of Kali Yuga. This happens to everyone who follows the path of Dharma and attends satsang, not just you. By continuously staying on God's path, a transformation will occur. The ill feelings, worries, and negative (tamasic) tendencies will gradually disappear. This will continue to happen until your mind completely and totally surrenders at the feet of Lord Vishnu.

► Watch this answer · 40:17 · 16 January 2022

Q_857 Prabhuji, you once said that the Ocean of Milk (Kshira Sagara) will be brought to Earth. When will that happen? And please tell us something about the 'Brahma Akshar Mantra'.

Answer: Look, the Ocean of Milk which is in Vaikuntha... When Lord Kalki convenes the Sudharma Sabha (divine assembly) in the Darja region...

► Watch this answer · 42:10 · 16 January 2022

SESSION 43 · QUESTIONS 858–879

L41 सत्य-न्याय के पुनः उद्धार के लिए, कल्कि भगवान धरावतरण कर चुके हैं। LIVE

Date: 20 January 2022 · Watch the full session ↗

Q_858 How will the Kali Yuga end, and how will the Lord incarnate if the Kali Yuga hasn't ended yet?

Answer: To understand the end of the Kali Yuga and the Lord's incarnation, we cannot rely on just one scripture. We must study and cross-reference multiple sacred texts. These include the eighteen Puranas, Shrimad Bhagavatam, the Shrimat Mahabharat, other scriptures like the Vayu Purana, Manusmriti, Surya Siddhanta, and most importantly, the sacred Bhavishya Malika, which is the essence of the four Vedas and the eighteen Puranas. By examining all these scriptures together, we can get a clear understanding of the end of Kali Yuga and the details of the incarnation.

► Watch this answer · 02:44 · 20 January 2022

Q_859 Lord, when will Kali Yuga end and when will you incarnate?

Answer: The Lord replied to Garuda that after 5,000 years of Kali Yuga have passed, certain signs will appear. One sign is the appearance of a star next to the moon, which people witnessed for a month or two in 2005. Another sign is related to Lord Jagannath's moving idol, the 'Chalanti Pratima' of the Thakur Raja of Puri. After the 40th 'Anka' (a regnal year system) of the king, the incarnation of Lord Kalki would have taken place. The Malika clearly states this. Both these signs have already come to pass: the star has appeared above the moon, and the 40th Anka of the Thakur Raja has also passed. According to the proof in the Malika, the Lord has already incarnated, and the end of Kali Yuga is here.

► Watch this answer · 06:06 · 20 January 2022

Q_860 Lord, how will the devotees know about your incarnation?

Answer: Not everyone will know. Those who are engrossed in worldly pleasures, sensual enjoyment, and earning wealth will not be able to find me. They are not entitled to. Only those souls who have come from Goloka Vaikuntha—the gods and devotees who have taken birth on Earth—they are the ones who will learn about me through the Malika. They will be saved and will join me in the work of establishing Dharma.

► Watch this answer · 08:02 · 20 January 2022

Q_861 You once said that those who join you and follow the Bhavishya Malika are souls who have come from Goloka. Are we all among them?

Answer: This is absolutely true, and it is written in the Malika as well. It says that the Malika will, by some means, reach only those devotees who have come from Lord's Goloka. They will have spiritual experiences and realizations. They will seek the Lord, stay in His current, and will go to Satya Yuga. It is written in the Malika that they are indeed the devotees from Goloka. That is why I say this repeatedly.

► Watch this answer · 21:45 · 20 January 2022

Q_862 I have been with you for a year. Before this, I was ignorant and committed sins. Will I have to suffer the karma for that?

Answer: Listen, sins that a person commits in ignorance can be forgiven. However, sins committed knowingly are considered offenses, and they are not forgiven. But there is a way. The devotees who follow the path I describe—performing Trisandhya (prayers three times a day) and reading the Shrimad Bhagavatam—their past accumulated karma will gradually be cleansed and purified. That karma will be broken, and good karma will become part of your destiny. It will take some time, but it will go away, and you will become pure. Don't worry. Start from today and never do wrong again.

► Watch this answer · 22:53 · 20 January 2022

Q_863 I want to ask, has Lord Kalki already incarnated on Earth, and has he fully prepared his followers for the destruction of sinners?

Answer: Look, according to the scriptures, the Lord's incarnation has already happened, and the establishment of Dharma is underway. The devotees will be saved, and 16 'mandals' (divine regions) will be formed. On one hand, Dharma will be established, and on the other, the destruction of sinners will take place. This destruction will intensify to such an extent that a time will come when there will be no one left to even perform the last rites.

► Watch this answer · 25:57 · 20 January 2022

Q_864 In the mornings, I get a feeling that Satya Yuga has already arrived. Is this true?

Answer: This is absolutely true. The arrival of Satya Yuga has happened. Its full effect has not yet spread over society, but it has started affecting devotees like you. That is why you are reading the Bhagavatam, performing Trisandhya, walking on the path of Dharma, and spreading the message of the Malika. This is the influence of Satya Yuga, which will lead to the destruction of sin.

► Watch this answer · 26:59 · 20 January 2022

Q_865 Is it true, as the Malika says, that above the Trideva (Brahma, Vishnu, Shiva) is Niranjan, and above him is another deity named Nirakar?

Answer: Look, the Lord's first form was Nirakar (formless). From Nirakar came Om-Brahma. From Om-Brahma, Lord Mahavishnu emerged. And from Mahavishnu came the 24 avatars, as well as Lord Brahma and Lord Shankar. Instead of getting into these complexities, understand that the end of Kali Yuga is here. Worship Madhav, as Madhav himself will be Kalki. Focusing on this will be good for you.

► Watch this answer · 27:50 · 20 January 2022

Q_866 Are recent events, like the volcanic eruption in the Pacific Ocean near Tonga, signs of the end of Kali Yuga?

Answer: Yes. Look at what happened in the Pacific Ocean with the volcano blast. It took five days for relief to reach the island of Tonga. Many people were displaced, many died, and there is no proper count. The rescue operation failed. A time is coming when such disasters will happen everywhere in the world, and no one will be in a position to help anyone else. Watch how these events increase, and then you will realize that you have made the right decision at the right time to follow the right path for the protection of your family.

► Watch this answer · 29:08 · 20 January 2022

Q_867 You have instructed us to perform Trisandhya three times a day. If it is done only once a day, will that be acceptable? What should be done?

Answer: While many things are done according to the rules of Kali Yuga, the path of Satya Yuga requires Trisandhya, which means worship at the three junctures of the day. This worship of gods and goddesses during the three sandhyas pleases them. When the gods and the Lord are pleased, you will be blessed with a long life, radiance, and strength. This is why it is prescribed.

► Watch this answer · 30:23 · 20 January 2022

Q_868 You also explained about speaking the truth and other principles. Should we read about that as well?

Answer: That is for following. It is necessary to follow it.

► Watch this answer · 31:16 · 20 January 2022

Q_869 You spoke about the 16 mandals (divine regions). Is there no mandal in South India?

Answer: In India, the Rameshwaram mandal will connect all of South India. A very large mandal will be formed in the south in the name of Rameshwaram, established by Lord Shri Ram himself. Many devotees from the south are already in contact, and they will move forward and participate in the establishment of Dharma through the Rameshwaram mandal.

► Watch this answer · 33:42 · 20 January 2022

Q_870 When World War III begins, you said Japan and other nations will be with India. Will Israel and Australia also stand with India?

Answer: At that time, even though Australia and Israel are with us now, a situation will arise where they will remain with NATO. I have said this before: Japan, France, Germany, and the greatest power, Russia, will be there to help India. At that time, Israel and Australia, being part of NATO, will be with them. Even if they want to help strengthen India, due to the pressure and governance they are under, they will be forced to work with America and will not be able to provide any help to India.

► Watch this answer · 34:22 · 20 January 2022

Q_871 How can people who are working in offices or industries perform Trisandhya, especially regarding the requirement of bathing and cleanliness?

Answer: For those who are at home, they can wash their feet, sprinkle some water on themselves while chanting the names of Shri Vishnu and Mother Ganga, and then perform the prayer. However, for those who are in service—in the corporate sector, government sector, or working in any company or industry—there is no need for bathing or ritual purification. Wherever you are, just for five minutes, from your heart, mentally chant the names of the avatars—Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Buddha, and Lord Kalki—and the sixteen names of Vishnu, the Durga-Madhav stuti. That will suffice.

► Watch this answer · 38:03 · 20 January 2022

Q_872 Is it necessary to remove one's shoes, or can the prayer be done while wearing them?

Answer: If you have the facility to remove your shoes, then do so. Otherwise, do it according to your situation. The purity of the mind and heart is the greatest purity. Without this inner purity, nothing else matters. If your mind is pure and you are surrendered to the Lord, that is what counts.

► Watch this answer · 38:57 · 20 January 2022

Q_873 What will be the effect on astrology and planetary predictions in the coming times?

Answer: All astrology will fail. The predictions made by astrologers will not come true. The planets and constellations are all in a state of flux. The Lord has initiated the process of changing their positions. Therefore, they are unable to give correct results, and this effect will become even more pronounced in the time to come. For example, the sun's rays are meant for the world's well-being, but now they cause cancer. In the future, rays from the sun will destroy computers and all technology. This time is coming, which means the process of change is underway.

► Watch this answer · 39:35 · 20 January 2022

Q_874 I want to know about the future of Maharashtra, especially big cities like Mumbai and Pune, where a lot of adharma (unrighteousness) is happening alongside dharma. What will their situation be?

Answer: Mumbai and Maharashtra are the domain of Lord Ganapati, which is why the state was blessed with a good climate, water, wealth, and prosperity. However, a time is coming, and has come, where Lord Ganapati has left Maharashtra. He has left his place to begin his work in establishing Dharma. Therefore, the entire region of Maharashtra will face floods, earthquakes, communal problems, sorrow, epidemics, and diseases on a large scale.

► Watch this answer · 41:33 · 20 January 2022

Q_875 My daughter's in-laws perform negative rituals against us on full moon and new moon days. What should we do to protect ourselves?

Answer: Mother, there is no need to do anything. No matter how much power or strength someone in the world has, they cannot harm a devotee. I want to make you aware of this. Have complete faith in Lord Madhav. Just as Hanuman had faith in Shri Ram, and the Pandavas had faith in Shri Krishna, you must have firm faith and chant the name of Madhav. Every Sunday, hold a satsang in your home. These sinful people who do such things will meet their end; nothing can save them from destruction. For those who trouble devotees, have complete faith in Madhav. If your faith is absolute, the Lord can even dry up the ocean. Such is the power in His name.

► Watch this answer · 43:25 · 20 January 2022

Q_876 I read on Facebook that the Bhavishya Malika says Lord Kalki's father will pass away in the beginning, and then the Lord will perform intense penance. Is this really mentioned?

Answer: Look, human society cannot understand the complete and true meaning of everything written in the Malika. How the establishment of Dharma will happen is complex. There is no such specific thing to worry about. The establishment of Dharma will happen according to its own time, and it will happen as per the Lord's will. You should all just follow your own path of karma, righteousness, and tradition. By doing so, you will remain protected.

► Watch this answer · 49:11 · 20 January 2022

Q_877 The Gupt Navratri is starting. Will the spiritual practices (sadhana) performed during this time yield greater results, or will it be as usual? What should we do?

Answer: In this era, there is no provision for such specific sadhanas. In the Kali Yuga, the prescribed methods are chanting the Lord's name (naam bhajan), kirtan, and charity. Moreover, the Kali Yuga is ending and Satya Yuga has already arrived. Therefore, you do not need any other sadhana besides the path that has been shown. This is because all the goddesses and gods have already taken birth on Earth. The Lord's incarnation has happened. At this time of Dharma Sthapana (establishment of righteousness), practices like sadhana, tantra, and mantra will not yield any fruit.

► Watch this answer · 51:30 · 20 January 2022

Q_878 We are from Jammu and Kashmir. Will we face any problems? Please guide us.

Answer: Look, when the grace of God is upon you, nothing can harm you. The era of Dharma Sthapana is in progress. Just as the Lord saved a small bird during the Mahabharata war, He will save you. You will be delivered. There is no problem, nothing to fear. There is no atmosphere of fear for devotees. Just follow the rules and regulations with discipline. Whatever is needed in the future, the Lord will guide, and I will also tell you. You will continue your work.

► Watch this answer · 53:47 · 20 January 2022

Q_879 My father is sometimes late in performing his daily rituals. What should he do?

Answer: If the time shifts a little, he can do it then. He should keep trying, and by the grace of the Lord, everything will be fine.

► Watch this answer · 56:11 · 20 January 2022

SESSION 44 · QUESTIONS 880–898

L42 राजा बहुत अन्याय करेंगे, बहुत लोगों की मौत होगी। --कलियुग अंत के प्रमाण-- LIVE

Date: 23 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 880 How can I have a vision (darshan) of the Lord, Father?

Answer: The actions you perform, the love you have, the conduct you maintain—that itself is the path to seeing and attaining the Lord's vision. If you remain in such devotion, performing Trisandhya (three-times-a-day prayers) and following this path, you can receive the Lord's vision even in your dreams, or in your waking life, and you can experience Him anywhere. See, devotion is the greatest path to meeting God. And how will devotion arise in us? When we have a sattvic (pure) diet and the scripture that illuminates true knowledge, which is the greatest scripture, consider it given by God, the direct words from God's mouth. You are reading that. This will connect you with God, and this will take your life's path in a completely righteous direction. In this life, those who walk on such a path are the most fortunate. It doesn't matter if they don't have wealth or even if they don't get to eat twice a day; they are still the most fortunate in the world. Because for the next life, from this life to the next, we are starting the effort to fulfill our needs. For this, you will receive God's blessings, mother. When the time comes, everything will happen. Be patient. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:23 · 23 January 2022

Q 881 Many devotees share their spiritual experiences. I have been connected with you for a year, but I haven't had any experience. Whatever knowledge I have is only at an intellectual level; there are no realizations at an emotional level. I try to do everything you suggest, so how can I truly connect with this?

Answer: Alright, you do everything. See, the more devotion one has, the more tests God gives. The one with more devotion is tested more by the Lord. This means the fruit of patience, the fruit of waiting, will be sweet. A time will come when you will achieve great progress, the kind of realization that very few people in the world get. You will also have such a realization, but wait for the time. Everything will be set right. Everything will come in due time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:18 · 23 January 2022

Q 882 Madhav ji, you had mentioned something about the numbers 24, 94, and 99, and about His form in that context. Could you please elaborate on that?

Answer: The numbers that the Lord mentioned, 24, 94, 99... the work of 99 is done. And regarding 24 and 94... yes, 294... the work of both these numbers has been connected to the establishment of Dharma (Dharma Sansthapana). That work, which was suitable for the time of Dharma Sansthapana, is complete. And with the number 26, people in India will see its reflection. Yes, and the Lord told you about this before its time, and He will reveal more when the time comes. Keep it in your mind. The news was good.

► Watch this answer · 24:25 · 23 January 2022

Q_883 I have a question for you regarding today's students. You know about the current education system. The kind of education it provides to students doesn't incline them towards our spiritual ideology. So what can we do for them to instill some spiritual thoughts in their minds? Please guide us on this.

Answer: That's a very good question. See, as we are in the Kali Yuga, the education system of this era is a bit distant from spirituality and culture. In India, it's still somewhat better, but abroad, there are no rules. In the current education system, the government is going to bring some changes. Secondly, the first teachers for our children are their parents. When you read the Srimad Bhagavatam, perform prayers, and chant the Lord's name, I humbly request you to involve your children. By including them, they will also become cultured. You will see their behavior and actions change. The culture given in school has an impact, but the culture given in family life has a much greater impact. Start giving children culture from the age of two or three. Even for older children who are working, try to involve them. By joining in, studying scriptures, reading the Bhagavatam, performing Trisandhya, and chanting names, their character will also change. Today's youth get into accidents, fall ill, and fall into bad company. There is only one way to change them. Bring them into this stream of spirituality. When you practice, include them. At least once, have a satsang at home. This is necessary.

► Watch this answer · 27:06 · 23 January 2022

Q_884 Guruji, this is Rahul from Delhi. Tomorrow is my birthday, so I wanted to seek your blessings.

Answer: I am very happy. See, a birthday reminds a person that you came alone, and you were sent to this earth by God. Always remember that you should never stray from the path of dharma and righteousness. On that day, at the holy feet of the Lord, engage in chanting, kirtan, and devotion. Worship your parents. And if you have some means, distribute it among animals, the poor, and the sad. People cut cakes on their birthday, but for our own welfare, we should do something for someone who has nothing. Their happiness will bring us God's grace, and the birthday will be meaningful. Secondly, every birthday is a landmark. If a human's lifespan is 70 years, then one year has passed. Time is running out. We must perform good deeds in this short time and return to the Lord. Happy birthday. May the Lord bless you. May your body, mind, and wealth be used to spread spiritual culture, purity, and the Vedic path in the world.

► Watch this answer · 31:29 · 23 January 2022

Q_885 Father, I want to tell you about a dream and understand its meaning. I dreamt that I was going to sweep my house and saw two brooms. One was the usual kind, and the other was completely black. I was confused. Then a voice from behind told me, 'Pick up the broom that is normally used.' So I took that one and cleaned the house. What does this dream mean?

Answer: The broom we generally use is mostly whitish in color. The other one you saw was black because it is a symbol of sin. God told you that if you hold the broom of sin, sin will increase in your life. If you clean with the broom of dharma (righteousness), the light of dharma will spread. So, understand this, mother. Jai Jai Maa.

► Watch this answer · 33:58 · 23 January 2022

Q_886 Jai Madhav, I am calling from Rajasthan. Two days ago, I had a dream where I saw the Goddess Kali asking everyone for an account of their deeds. I remembered that you had said the Divine Mother would come and, based on everyone's actions, decide their future. This was the dream I had.

Answer: See, this is a very important question. It is written in the Malika that when the age ends, Mother Mahakali will destroy the wicked, but there are also devotees. So how will she identify the devotees? First, she will come in their dreams to inform them that she is coming, so they become alert. It's not just you; thousands of devotees have such dreams where the Divine Mother gives them a vision of what is to come. So, those who chant the name of Madhav, who follow the practice of Trisandhya, who read the Bhagavatam, and especially those who work in the organizations of Sudharma Sangh and Satya Sanatan Dharma, the Divine Mother will not harm them. Their identity will be established through the dream. But the sinners will be destroyed. She will not give them any vision. Their destruction will happen suddenly and invisibly. So, don't worry. You are all working while upholding dharma. Whatever is destined to happen will happen by the grace of the Goddess. Jai Mahadev.

► Watch this answer · 35:35 · 23 January 2022

Q_887 Jai Shri Madhav, this is Sanjay from Delhi. I had a dream that my father was on his deathbed, in his final moments, but he hadn't passed away yet. Then I saw that everyone left him and proceeded with the cremation rites, leaving me behind. It was 2 AM. I wondered what this dream means.

Answer: In the coming times, as written in the Malika, when people die, there will be no one to perform their last rites. There will be no means for it. People's bodies will just lie there and be cleared away by animals. There will be no rituals, no cremation, no samadhi (burial for saints). None of this will be possible because there will be no people available to perform these rituals. This is what the time will be like.

► Watch this answer · 38:14 · 23 January 2022

Q_888 The time of change has come. How should we make good use of our time and money? In the future, things like electricity might not be there, and investments in property will be useless. So, whatever resources people have now, how should they use them?

Answer: This is a very good and necessary question. At this time, our greatest action should be to live a simple life. Don't eat rich food every day; eat simple, vegetarian food. Secondly, regarding expenses, if you spend ₹1000 a month, set aside ₹200 to distribute to the needy—be it people or animals. A time is coming when all vehicles will be useless as there will be no diesel or petrol. So, get into the vehicle of Dharma. Follow that path and do some charity and good deeds. Also, continue your work and earn your livelihood. From your earnings, donate a little, even if it's just one rupee. It is necessary to give to the needy. In the time that is coming, wealth, gold, gems, and property will have no value. Everything will change. So before that, follow the path of dharma and donate a little. By dharmic work, I mean doing true charity, not donating to wealthy, hypocritical so-called saints, as that is a sin according to the Manusmriti. Do true dharmic work. This is necessary. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:08 · 23 January 2022

Q_889 I have been a vegetarian for the last year. But sometimes I have to travel to places where non-vegetarian food is also cooked. I feel the food might be contaminated. In such a situation, what should I do? Can we eat at such places?

Answer: When you go to such places, just tell them once that you need pure vegetarian food. Say, 'If you can provide it, please do. If you cannot, and you give me something impure, the sin will be yours, not mine.' Just say this and eat. You will not incur any sin because we also have to consider the compulsion. We are in a human body, and food is a necessity. Regarding travel on trains or planes, where you are unsure, you must still eat. Eating impure food will cause problems for the body, but in such situations of helplessness, you will not incur sin. Nowadays, on trains, many pure vegetarian options are available online. In an airplane, see what other things are available that you can eat to get by. It's okay, you will not incur sin in such a situation.

► Watch this answer · 45:59 · 23 January 2022

Q_890 I get premonitions of major events in India, like the death of General Rawat. I feel a deep sadness and agitation. Why does this happen to me? Is this intuition? If so, why is it related to India, as I am just an ordinary person?

Answer: See, devotees, whether they are born in America or anywhere else, have come to this earth with God's blessings to help establish Dharma. And these devotees get a feeling of what is going to happen. Just like you, many devotees see it in dreams or get direct visions. You are probably one such pure devotee. It is written in the Malika that God will give devotees realizations and experiences about what will happen. Such people will spread dharma in the world. Follow the path I am telling you, and most importantly, worship Lord Shiva. By chanting the name of Madhav, your vision will become much clearer. A time will come when there will be no network, and we won't be able to have this satsang. But just as you are getting visions, many people will get information on what to do and how devotees can stay safe. Communication will happen differently. This is just a mild effect right now. In time, all the devotees who have to work for Dharma Sansthapana will get these feelings. This is very good, mother. Maintain it and contribute your efforts for the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 48:12 · 23 January 2022

Q_891 What will I have to do?

Answer: What you have to do... when the time comes, you will know everything. If I tell everyone about these things now, it might create confusion. The establishment of Dharma in India... some people are affected by it, some are not. When the time comes, it will happen. You don't need to do anything specific. Just follow the path and continuously chant the name of Madhav. You will even get a vision of Madhav. When the time comes, you will know everything, mother. Wait for the time and follow the path. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 55:35 · 23 January 2022

Q_892 The people who live outside of India and don't know Hindi won't be able to access the Malika. How will they be saved? They don't know the name of Madhav or about Trisandhya. How will the 31 crore devotees there be saved and gathered?

Answer: See, the divine souls who were born in India, some of them have gone and settled in different countries. The propagation of Malika is currently happening in Hindi as there is no permission for English. But a time will come, when the world's population is halved, that the Malika will be propagated more widely. For the righteous people who are left in European, African, and Asian countries, at that time, God will have the Malika propagated in English as well. First, the great sinners will be destroyed. When at least half the people are left in the world, the Malika will be propagated. Those who change will be saved. Those who don't change, the Lord will decide their fate. Wait for the time.

► Watch this answer · 56:39 · 23 January 2022

Q_893 This is Ambe from Bengaluru. My question is, nowadays in many states, our Hindu temples are being demolished. It is very painful to see. What does this signify? It is very sad that only Hindu temples are being targeted.

Answer: This is absolutely correct. It is very painful when it happens in our country. In a nation of over 100 crore Hindus, there is no direct constitutional protection for our temples. The current government has the capacity and the numbers to make constitutional amendments, but no such law has been made. If a temple is in the way of a development project, the proper procedure is to relocate and reconsecrate the deity before proceeding. But this is not followed. The government should bring an amendment to ensure Hindu temples are protected, relocated properly, and developed. A law needs to be passed in Parliament for this. I also humbly request all the saints and heads of monasteries in India to use their power to get this amended in our constitution. If they take steps, then in the future, the Hindu society will not have to face such sorrow. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 58:23 · 23 January 2022

Q_894 I spoke to a temple priest about the Lord's incarnation having already happened. He said there are still 432,000 years left in Kali Yuga and people's height will become tiny. I told him that's false, but he countered by asking if that means the lifespans mentioned for other yugas are also false. I had no answer.

Answer: Look, son. The Srimad Bhagavatam does mention that at the end of Kali Yuga, the height of humans will decrease. It doesn't say their height will be as small as a chickpea plant. We also read the Bhagavatam; this is not written anywhere. Secondly, those who hold on to the 432,000 years figure do not have the Bhavishya Malika. The scripture written by divine beings about the end of Kali Yuga is the Malika. They don't have that scripture, which is why they don't know. The Malika says that even great yogis will not be able to understand the state of Kali Yuga. And that is what is happening. The destruction will begin, and in the coming times, they will change their tune. See, only a devotee will know. He is not a devotee, so how would he know? It doesn't matter if someone is a Brahmin or a scholar. Only the humble devotees will come to know about the Malika, not everyone. They don't read the scriptures properly and give wrong information. We don't need to think about them. The phase of destruction is ongoing.

► Watch this answer · 01:04:35 · 23 January 2022

Q_895 I have another question. For weeks, my father has been dreaming of floods, of England being submerged, and he has also been seeing Netaji Subhas Chandra Bose in his dreams. What could this mean?

Answer: Look, it is written in the Malika that European countries like England, Ireland, and America... 70% of these nations will be submerged in water. Only 30% will remain. This is written in the Malika and is going to happen. That is the answer to your first part. Secondly, regarding Netaji Subhas Bose, it is also written about him in the Malika. This is a controversial and secret matter, so we should not discuss it, but it is written. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:10:59 · 23 January 2022

Q_896 What will be the future of the corrupt?

Answer: This corruption is also increasing. This means it is the time for the establishment of Dharma. When power is misused and it snatches away the rights of the righteous, then God will intervene for the sake of humanity. Just wait, it will happen in the world.

► Watch this answer · 01:14:26 · 23 January 2022

Q_897 I don't get time to read the Bhagavatam because of family responsibilities, so I listen to it on my mobile. Is that okay?

Answer: When the time comes, we will have to leave this body for which we work so hard. So, at least take out 10-15 minutes and read the Bhagavatam. Listening is very good, but you must also read the Bhagavatam.

► Watch this answer · 01:17:48 · 23 January 2022

Q_898 I had a dream about Hanuman ji and saw someone who looked like Lord Kalki with a 'choti' (tuft of hair) like a pandit. The dream suggested he will give 'janeu' (sacred thread) to devotees. When will this happen?

Answer: In the Sudharma Sabha, He will support the devotees, and all will become Brahmins. You will receive the janeu at that time; the time has not yet come. With the Lord's blessings, the devotees will receive it. And the second thing is, during this time of Dharma Sansthapana, do not stop reading the Bhagavatam and chanting the name of Madhav. No other deity will save you, because Madhav is the one who will grant salvation. No other name will work.

► Watch this answer · 01:18:53 · 23 January 2022

SESSION 45 · QUESTIONS 899–921

L43 कलियुग अंत होने के 13 प्रमुख कारण, 13 main reasons for the end of Kali Yuga,-- LIVE

Date: 30 January 2022 · Watch the full session ↗

Q 899 Pandit ji, I had a dream that I want to share with you. In the dream, I saw a young girl, about six years old, who comes holding a snake in her hand. My husband and I are standing there, and she says, 'This is Kalki ji.' My wife gets a little scared at first, but I say, 'If he is Kalki ji, there's no need to be afraid.' Then she gives the snake to me. It climbs onto my hand, kisses it, and goes away. Similarly, it then climbs onto my wife's head and also kisses her hand before leaving. So, Pandit ji, I had this dream. Could you please explain its meaning?

Answer: A very good question. Listen, everyone. The little girl who brought the snake in her hand is Mother Vaishno Devi, Mother Jogmaya herself. And the snake she was holding was Lord Kalki himself, because it is written in the Malika. In this age, Kalki's name is Satya Anant Madhav. Anant means Balaram, and Madhav means Kalki. In this era, Lord Kalki is the Anant power, meaning he will carry out destruction with the power of Balaram and nurture the devotees with the power of Lord Shri Krishna. In one body, there is both Anant and Lord Krishna. Lord Kalki's right side is Lord Balaram, and his left side is Lord Krishna. I will say this much: Lord Kalki will carry out the work of destruction in his Anant form, and one of his names is also Anant. So, you have received the blessings of Lord Kalki. You are fortunate. You must fully adopt righteousness, duty, and the spiritual path in your life. You have received the Lord's grace. This means that from now on, we will fully follow dharma and not commit any sin, unrighteousness, or injustice, and we will walk on the Lord's path. People who listen to the Malika have such dreams, and even those who don't will also have such dreams. They too will gradually come towards this path through the Malika. This propagation of the Malika is the path to the devotees' salvation. We are the medium, and you all are the Lord's council. You are fortunate, and you have received the grace of Anant, that is, Lord Vishnu.

▶ Watch this answer · 16:21 · 30 January 2022

Q 900 Pandit ji, I had a dream that someone took me to the Kali Mata temple near our house and left me there. There, I met someone who had a peacock feather in his hair. He ate with me and said, 'Down below, there is a Baba ji's temple. Wait for me there, I will come.' A long time passed, and when I went to look, no one was there. What does this dream mean, Baba ji?

Answer: Son, its meaning is this: see, the work of destruction is currently underway; it has begun in the world. So, the Goddess Mother, Mother Kali, was considering what to do with you and left you in her temple, as if to say, 'Look into this matter.' But the Lord came in a different form, saved you, and said, 'I am with you, don't worry.' And the Mother let you go. This is going to happen in the future. Or it could mean that in the subtle realm, some illness that is spreading was about to affect you, but that danger has been averted. This is its meaning.

▶ Watch this answer · 20:26 · 30 January 2022

Q 901 I also want to share a dream. One day, I dreamt that extraterrestrial beings were coming to Earth in large numbers and taking away all the distressed people. Someone was saying that a great deluge is coming in a few days, so everyone should leave. I was repeatedly pleading with them, saying, 'If the deluge is coming, we will die right here, on our motherland. Why are you forcing us? Whoever wants to go of their own free will can go. Don't take those who don't want to leave.' But they were still taking everyone away. What does this mean, Pandit ji?

Answer: Look, what is destined to happen will surely happen. But see, when the great flood occurs, the Lord will act through his Jogmaya power. He will save the devotees in some form, in some body, through some medium. This is written in the Malika. So, only the devotees will be saved; the unrighteous will not be rescued. This is going to happen. As for extraterrestrial beings, look, we are Hindus. It is written in our scriptures that we live in the mortal realm (Martya Lok), which is inhabited by humans. Apart from the mortal realm, there are the Moon realm (Chandra Lok), the Sun realm (Surya Lok), the realm of gods (Dev Lok), heaven (Swarg Lok), and Golok, Vaikunth, and many such places where gods, yakshas, rakshasas, gandharvas, sages, and seers reside. They generally do not harm anyone or cause sorrow. They stay in their own realm, and humans stay in theirs. When the Lord gives the command, they will come and perform their duties. Okay, baba?

► Watch this answer · 21:51 · 30 January 2022

Q 902 Pandit ji, I love the Lord very much. But in my family, they don't give me vegetarian food every day. After eating tamasic (non-vegetarian) food, I feel very hesitant to chant the Lord's name. They say, 'Look, your body needs protein every day, and we can't provide milk, ghee, and butter daily.' What should I do? I find it very difficult to chant the Lord's name; my mind feels disturbed. I can't chant; I feel very hesitant in my heart.

Answer: You should humbly request your family, your parents. Who is the most powerful in this world? What does a horse eat? Does a horse eat fish, non-veg, meat? No. So why do scientists and society consider the horse to be so powerful? It eats grass. So it is a vegetarian. It also gets strength. The one who eats meat and fish incurs sin, and in exchange for the strength they get, diseases also spread in their body. A time will come, and it has already started, where cancer and many other diseases have spread among animals. It is written in the Malika that first, a large number of fish and animals will die from diseases, and then the same diseases will come to human society. So, this means that the one who has the greatest purity is the most powerful. Tell your parents, 'Look, a horse eats so little, an elephant doesn't eat meat, yet they are so strong. Where does that power come from?' The meaning of Ayurveda is that by directly consuming roots, herbs, and plants, the body is nourished, and there are no chemicals. The chicken or goat, what do they eat? They eat plants and grass. So what is the problem if we directly eat fruits, flowers, and vegetarian food?

► Watch this answer · 24:08 · 30 January 2022

Q 903 I had a dream where I am always playing with children. What does this mean? I see children in my dream, and I am playing with them.

Answer: Just as the Lord used to play with the gopas and gopis, playing with children is a sign of Govind's (Lord Krishna's) divine play (leela). So, if you are fortunate, this can happen, baba. You too were part of that Vrindavan leela, and now you are coming to the Lord's satsang, to the Lord's path, which is proof of your past and present birth.

► Watch this answer · 29:32 · 30 January 2022

Q 904 If Kali Yuga was ending, then when Chaitanya Mahaprabhu came 500 years ago, why didn't he say that he would come again at the end of Kali Yuga?

Answer: In the end, Chaitanya Mahaprabhu did write about the Kalki avatar in his texts. And he also said, 'Lord Kalki will come, establish dharma, and save the devotees.' Chaitanya Mahaprabhu repeatedly spoke about this when he was in the Jagannath region in Odisha. He came and, at that time, worked to establish dharma and save the devotees. So he did mention that the Lord would come in the future, in the form of Kalki.

► Watch this answer · 31:12 · 30 January 2022

Q 905 Pandit ji, for the last three or four days, I've been having dreams every day. The day before yesterday, I dreamt of a very large mountain with a lot of water flowing from the top. A lady was with me, taking me to the other side of the mountain, saying, 'This mountain is about to break, and the water will reach all the way to Delhi.' As we were going to the other side, the mountain broke. Some people were swept away, but we managed to get to one side, and the water didn't come towards us. We climbed a high place to save ourselves, and someone from above threw ropes down to us. We reached a safe place where everything was provided for us—food, drink, shelter. Then yesterday, I had the next part of that same dream. Since then, I've been lost in this dream all day. What does this mean?

Answer: Where are you speaking from, mother? Its meaning is that all our large hydroelectric projects will break in the coming time. Meaning, there will be a great flood. It is also written in the Malika that the Lord himself and Baldev will find the devotees, save them, give them a place, and take full responsibility for them. Hanuman ji will also be with them. So, this means you are being shown the path to salvation from the great flood, and a great flood will indeed happen in the future. You see, for devotees, some get visions like this, some dream about the new era, some about the destruction, and some have visions of the Lord; they have different kinds of dreams. Because you are connected to the Malika, you will be informed even before the deluge. This is the result of that connection.

► Watch this answer · 32:27 · 30 January 2022

Q 906 Pandit ji, I saw this about a year ago. In the dream, I see a very large stone coming towards me to kill me. But a snake appeared and stopped it in front of me. The stone would break and then re-form to come at me again. And again, the snake did the same thing, stopping the stone to protect me. This happened several times. Then in the dream, I ask, 'Who is this snake that is repeatedly protecting me from this stone?'

Answer: The great saint Achyutananda described Lord Kalki as an incarnation of Sheshnag, a devotee and a form of Lord Shiva. The vision you had in your dream shows that the obstructive forces, the influence of Kali, the forces of crisis, no matter how much they try to harm you, the Lord protects you. This means you are a devotee. For those who are devotees, the Lord shows them various kinds of dreams. The calamity that was about to befall you, the Lord protected you from it. Perhaps something was about to happen in the past.

► Watch this answer · 37:10 · 30 January 2022

Q 907 Father, I had a dream this morning. In the dream, I saw the moon. It is said that one will see Lord Shri Ram in the moon, but I didn't see him. I saw Mahavir ji, Hanuman ji. I saw him twice in the dream, and both times I saw Hanuman ji. And afterwards, it felt as if he was very close to the sun, and the moonlight was increasing greatly.

Answer: The moonlight will be very bright, as if we are working during the day. Such moonlight is a sign of the changing of the era. Secondly, Ram and Hanuman ji... there is no difference between Ram and Hanuman. And the Lord has tasked Hanuman ji with saving the devotees. So, you get a vision of the Lord through Hanuman ji. The Lord has told Hanuman, 'The people I have asked you to protect, you should give them your vision.' And Hanuman ji has been given the responsibility to save the devotees from Badrinath to Bengal. So he gives you his vision because the Lord has ordered him to do so for devotees like you. So Hanuman ji is saying, 'I am here, you just hold on to dharma, ethics, and ideals and walk the path.'

► Watch this answer · 39:14 · 30 January 2022

Q 908 A few days ago, I had a dream. We were walking together when a person asks me, 'Brother, how far will you go?' We stop at a small mountain, and he says, 'I will go a little further to have a vision of Lord Shiva.' Suddenly, I laugh, and my body's form becomes very large. Then a bright light emerges from my body. The other person stands with folded hands, looking at someone dressed in saffron, like a sadhu. Then I see another person, a sadhu dressed in yellow. I realize the first person is looking at this other being, not just me. When I turn around, I see the one in yellow robes and say, 'Lord Shiva, how are you here?' I bow to him. Then he says, 'You are the one who performs penance, and you are the one who destroys. I have told you this before.' Then my eyes opened.

Answer: Look, baba, this dream you had is a divine dream related to your soul. Its meaning will be revealed with time. It's not right to say anything about it now. But I want to say this much: all the devotees, all the gods and goddesses have taken birth in this world, and Lord Kalki... all the devotees... it will only be revealed when the time comes. Wait for the time, follow the path of dharma, and by doing your work, everything will be fine.

► Watch this answer · 41:29 · 30 January 2022

Q 909 On Friday morning, I had a dream that a chip was being implanted in everyone, under the foot. People were hating each other. Those who had the chip were being killed. There was a fight going on between Hindus and Muslims. Some people came towards me, and when they did, I started chanting mantras, and they ran away. In the same dream, when people came towards me, I would fly up in the air and recite the Hanuman Chalisa, and they would leave me alone. What does this mean?

Answer: This time will come. It is written in the Malika that with the Lord's blessings, devotees will be able to float in the sky and walk on water. This is clearly written in the Malika. And secondly, those who are on the path and follow the Malika, no matter how great their enemies, even if armies come from Pakistan and China and many calamities befall them, they will not be able to harm the devotees. Through the Lord's name and devotion, they will receive divine power. Such a time will come for all devotees, and they will be saved. No sinner will be able to harm them. This is going to happen, which is why it appears in dreams. It's not written about a chip; this is a sign. The chip is a symbol, meaning that to identify the devotees, they will have a distinct sign or mark on them. This is written in the Malika. There will be 13-14 types of signs on the devotees' bodies. You saw this in the form of a chip. The gods and goddesses will see these signs when they come to save them, and the sinners will see these signs and run away in fear.

► Watch this answer · 44:29 · 30 January 2022

Q 910 My question is that in the 1800s, many spiritual people were born, like Ramakrishna Paramahansa and many others. Is there any mention of Balmukund ji Maharaj and Lakshmi Narayan ji Maharaj in the Malika?

Answer: Look, baba, in every era, to save the earth and show the path to humanity, saints, sadhus, and parts of the Lord himself descend upon the world. This has always happened. Through the influence, path, and purity of some of these people, the balance of dharma was maintained. So, at this time of destruction, all the sadhus, saints, and great souls who had come to earth before have also come in human form. In a human body, they have no special sign, no divine power. They will come like ordinary humans. They will meet Lord Kalki, and then they will work according to the Lord's instructions when the time comes.

► Watch this answer · 47:17 · 30 January 2022

Q 911 I often have a feeling that in the coming time, many areas around us in Delhi will be completely flooded. But inside our house, on the ground floor, even with six feet of water outside, no water is coming in. And wherever we step, the water recedes from that area, and we are able to walk forward. How is this possible? What could this be, that water isn't entering our house when everyone else's house is filled with 10 feet of water, and wherever we place our feet, the water parts to make a path for us?

Answer: Vinod, just as you had this vision, a good devotee of the Lord named Sidhu from Punjab, who lives in Ireland, had a similar experience. His wife also had a vision where the sea was approaching but not coming near them. The sea would part, with water on both sides, and they would stand in the middle, untouched by the water. He had also asked a similar question. And you have asked it too. It is written in the Malika: 'Calamity will not enter the place where a devotee resides, whether it's a flood or the ocean overflowing, the sea will part.' Wherever yogi devotees are, the sea, flood, or destruction will give them way on both sides and pass; water will not enter. And wherever a devotee stands, the water there will dry up. We have to become such devotees and live in such purity.

► Watch this answer · 48:38 · 30 January 2022

Q 912 I had an experience during Brahma Muhurta (the pre-dawn hours). I was half-asleep when my subtle body sat up. I saw a ball of light enter me, and it transformed into the form of Lord Vishnu. After this, I was given the mantra for Lord Kalki. Now, when I do my puja, I see visions of the ten avatars, and when I try to meditate on the Lord, I only see Sheshnag. What is the meaning of this Brahma Muhurta experience?

Answer: Look, on that day, you had a vision, and in it, you received the blessings of Lord Vishnu. The Lord's blessings came and merged with your subtle body. After that, you spoke with Mohan and received the mantra of Lord Kalki. Secondly, regarding the form of Lord Sheshnag, the Anant form... I too have had visions of Lord Kalki in his Anant form many times, and the Panchasakha have repeatedly written in the Malika, 'Lord Kalki, holding the conch, discus, mace, and lotus, is Anant.' Therefore, devotees get visions according to their disposition. In many temples in Odisha, the idol of Lord Kalki is worshipped in the form of Anant, that is, Sheshnag or Anantnag, and he is worshipped as Kalki. Therefore, what you saw is correct, mother.

► Watch this answer · 50:39 · 30 January 2022

Q 913 The day before yesterday, I was meditating at 5 in the morning. Suddenly, it felt like it was very dark, like nighttime, but I saw a bright light, like a streetlight. I was going somewhere in a jungle, but it was all lit up as if by streetlights, even though it was dark. And then suddenly in the sky, the Lord appeared in the form of light. His form was made of light, a divine effulgence. And from his eyes, two beams of light emerged, and then my meditation broke. What does this mean?

Answer: Look, baba, Lord Kalki, in his hidden-manifest form, the Kalki avatar comes in dreams to remove the effects of Kali Yuga and to give experiences and inspiration. So, you are also having such experiences. Its meaning is this: the great wealth, the greatest power, which is the Lord's blessing, you must follow it. You are fortunate that the path of dharma, the Malika, has reached you. The Malika is not written in Hindi; it is in Odia. And by the grace of the Lord, with his blessings, we are translating it. So, the Lord is showing you the path to salvation and, at the same time, giving you visions in dreams in various forms. So, hold this in your heart and work for the establishment of dharma as per the Malika, for Sanatan Dharma.

► Watch this answer · 59:02 · 30 January 2022

Q 914 I had a dream a few days ago that in a certain place, many people were fighting a war. I was also there. Two demons (asuras) came, and an even bigger demon was telling them to capture all the people, beat them, and take them away to imprison them. I was also in that place where the war was happening. The demons caught me too and were about to kill me. Then someone came in the form of a sadhu, saved me, and chased those two demons away. What does this mean?

Answer: It means that in the coming time, there will be a righteous war (dharma-yuddha). There will be a conflict between dharma and adharma. Just as sinners oppose devotees, they oppose every good person, they break and rob temples, and they work against people, against mother cow, and many people in the world work against dharma. So, they will be destroyed, and the Lord will save the devotees. This is the meaning of your dream.

► Watch this answer · 01:01:34 · 30 January 2022

Q 915 When I was born, at that very moment, it started raining heavily, just like it did during Lord Krishna's birth. And as soon as I was born, the rain stopped. Everyone was chanting Krishna's name. So, is this some kind of divine miracle? Also, before I was born, my mother had a dream in which a luminous being told her, 'I am coming.'

Answer: I have said this before in many of my episodes: look, all the devotees of the Lord will come in the bodies of ordinary humans. They will not have any divine powers. And all of them will meet the Lord. Many gods—Surya dev, Chandra dev, Indra dev, Dhruva, Prahlad—all have already descended to Earth. This means, look, baba, everyone is an ordinary human now. No one should have any pride in their mind. Because before the Lord, all humans are just humans and servants of servants. Live your life according to this principle, stay in the Lord's refuge. When the time comes, the decision between the Lord and the devotee will resolve everything.

► Watch this answer · 01:03:20 · 30 January 2022

Q 916 I had a vision of Hanuman ji in a dream. Whenever I think about it, I get goosebumps. Besides that, I used to have many dreams about a great flood. But for the last few days, I've been having one continuous dream of a great flood, especially after the vision of Hanuman ji. The dream starts with a very calm sea. A drop falls from the sky, and as soon as it touches the water, huge tsunami-like waves rise. I am watching and I'm scared, but in my heart, I feel no fear. I feel that the Lord is with me. This dream has been coming to me continuously for the last three to four days. Before this dream, I first had the vision of Hanuman ji. Also, on that day, three sadhus visited my house.

Answer: Look, I have said this before, Hanuman ji gives his vision to save the devotees. Wherever the devotees are, Hanuman ji appears to them because the Lord has entrusted Hanuman ji with the responsibility of saving the devotees. Secondly, a comet is heading towards Earth, which will one day fall into the ocean, and the sea will rise up to 1000 feet. Such a great flood will happen. A flood is also going to happen in Rajasthan, and floods will definitely occur in many states in India and the world. So this means the great flood will be a major event. Devotees are getting visions of this. It is written in the Malika that Hanuman ji will save people from the asuras; this is also in the Malika. So you have received these visions because you are a devotee. Therefore, the Lord is alerting you. All these saints and sadhus have been given the responsibility to alert the devotees. It is written in the Malika. So the Lord has sent someone to alert you. After that, you had the vision of Hanuman ji. All these divine dreams come only to the devotees.

► Watch this answer · 01:05:08 · 30 January 2022

Q 917 Pandit ji, I've been reading the character of Bharat ji from the Bhagwat for a week. Now I feel such a divine experience when I sit to read; it feels like I don't even have a body. It's a very divine feeling, and a fragrance comes, the fragrance of ashtagandha (a sacred paste). Why is this happening?

Answer: So you are receiving the Lord's blessings. He comes and gives you the feeling that 'I have arrived.' A divine fragrance is an indicative sign of the Lord's arrival. You are receiving it, mother. You are very fortunate.

► Watch this answer · 01:10:01 · 30 January 2022

Q 918 Pandit ji, what can be offered as bhog (sacred food offering)? What kind of bhog should be offered?

Answer: Satvik food, which is made with ghee, or even oil, that's fine. And what is made from vegetarian ingredients and fruits, that is all considered Satvik. That is the food that is offered as bhog in temples. Then there is Rajasik food, which includes things like onions, garlic, and spicy food, considered fit for kings and emperors. It is not offered in temples. And Tamasik food includes meat, fish, and alcohol.

► Watch this answer · 01:15:42 · 30 January 2022

Q_919 I am a devotee of Lord Vishnu since childhood. I am not able to do long prayers because of my office work, but I manage to do Tri-sandhya (prayers at three junctures of the day) and read the Bhagwat on my days off. Is this enough, or should I be doing more?

Answer: Our first office is our body and liberation. The second office is our worldly life where we earn a living. If you don't have time during the day, then at night before sleeping, purify yourself and read the Shrimad Bhagwat for 10 minutes, mother. Because the Bhagwat is the life-giving nectar. The Bhagwat is the first step on the path of Satya Yuga. The Bhagwat itself will save the devotees. So at the very least, mother, if not during the day, then at night before sleeping, read the Bhagwat for 10 minutes. And in the Tri-sandhya, chant the 16 names, the 10 avatars, the Vasudev mantra, and a little Durga-Madhav stuti. This will take 5 to 10 minutes. 10 minutes three times a day is 30 minutes. Reading the Shrimad Bhagwat will protect you from the diseases and problems that are coming to the world. It will become a protective shield for you.

► Watch this answer · 01:18:26 · 30 January 2022

Q_920 I started reading the Shrimad Bhagwat Gita, finished it twice, then a third time. But still, I can't figure anything out; nothing is happening. After that, I started reading the Ramcharitmanas and other texts by sages. I started doing other practices along with it, but still, I can't understand what is happening with me.

Answer: Look, Hanuman ji's devotion was focused on Lord Ram, which is why he could cross the ocean. So, you only need to read the Shrimad Bhagwat scripture. It is not necessary to read any other scripture. That's the first thing. And second, when you read, it is essential to read with devotion, keeping Lord Vishnu in your heart. If the mind wanders here and there, you won't receive the full fruit and grace of reading the Bhagwat. And most importantly, continuously chant the name of Madhav and read the Bhagwat. This will remove your problems and give your mind satisfaction.

► Watch this answer · 01:22:06 · 30 January 2022

Q_921 A few days ago, I had a dream. On a mountain, inside a beautiful cave, I saw a very beautiful idol of Mother Kali. In front of that idol was a very large sacrificial altar. Nearby, in a house on top of a beautiful wooden ashram, Lord Jagannath was seated, but Balaram and Subhadra were not there. I was very surprised. A mother, wearing a yellow saree, was offering something to eat to Lord Jagannath. After that, the dream ended. I was wondering why Balaram ji and Subhadra ji were not there, but Lord Jagannath was.

Answer: Look, the beautiful mountain you saw is Nilachal, where the Lord resides. And the Lord himself will establish dharma; Lord Kalki will establish dharma. And the mother who was feeding him... this vision you had, you are fortunate. Follow the path of dharma and ethics; this is your duty.

► Watch this answer · 01:26:42 · 30 January 2022

SESSION 46 · QUESTIONS 922–965

L44 नीम के पेड़ से निरंतर दूध निकलना, कलियुग अंत की प्रमुख सूचना। -- LIVE

Date: 03 February 2022 · Watch the full session ↗

Q_922 I am asking, will the 51 Shakti Peeths survive this apocalyptic period? The 51 Shakti Peeths and the four Dhams (sacred abodes)?

Answer: Yes, Maharaj. Places like Badrinath Dham, Dwarka Dham, Vindhyavasini Maiya Ji, Jagannath Dham, and Rameshwaram—these four Dhams are the most sacred sites for Hindus. And the twelve Jyotirlingas, the 51 Shakti Peeths, everything will remain safe. This region was like this in Arjuna's time, and it will remain so at the end of Kali Yuga because these are regions established by goddesses, gods, and the Lord himself.

► Watch this answer · 15:45 · 03 February 2022

Q_923 Pandit ji, I am speaking from Saharanpur. Two days ago, I had a dream. I was traveling in a bullock cart in the sky. There were many vast and different kinds of fields. And in the sky, two suns were rising. There were two suns and two moons. On one side were two suns, and on the other, two moons. I showed them to the people with me, saying, 'Look, two suns in the sky!' They were very large and shining brightly, and the moons were also very large and bright. What is the meaning of this dream? I saw this dream in the morning around 6:30 AM, and when I woke up, it felt so real, as if I was actually seeing it. There were very few people around; the earth felt empty. There were about 8-10 people in the bullock cart. What does this dream mean, Pandit ji?

Answer: Look, mother, when the age changes, and when the end time of Kali Yuga's destruction comes and Satya Yuga is about to begin, at that time, the light of one, two, three, or even many suns will be in the sky. Secondly, the moon will also be bright because many planets and constellations will come close to the Earth. Their shine and influence will fall upon our Earth. The Malika has written about this, that when Kali Yuga ends, many suns and moons will appear in the sky. And as you saw, the number of people was very small. This is because at the end of Kali Yuga, only 64 crore (640 million) people will remain in the entire universe. India will have the most, 33 crore (330 million), and in the rest of the world, 31 crore (310 million). From the current population of nearly 9 billion, only this many will remain. So, in a village where there are thousands now, only four, five, or maybe ten people will remain.

► Watch this answer · 16:50 · 03 February 2022

Q_924 And I saw on the internet, there was a report that smoke is coming out of a Peepal tree in Vrindavan. It smells strongly of incense. What does this mean, Pandit ji?

Answer: Look, mother. On one side, from the Jagannath temple, a vulture sitting on the flag is a sign of the universe's destruction. On the other side, sweet sap is flowing from neem trees. And thirdly, as you mentioned, fragrant smoke is coming from a Peepal tree in Sri Vrindavan. Just like the sweet sap, this fragrant smoke is also a sign of destruction. Devotees should understand that the Lord is giving this message to the residents of Vrindavan: the time for the

establishment of Dharma has come, change yourselves. It is necessary to take refuge in the Lord and follow the Malika. Because in Kali Yuga, the scripture says salvation is through chanting Hari's name. In Kali Yuga, just listening to stories won't be enough; one has to chant the name oneself. Listening to stories is fine, but chanting the name is the path to salvation in Kali Yuga. And whose name? Madhav's name. The Malika has clearly stated which name's bhajan will grant salvation to devotees. Because with the age, the name and the avatar also change. For instance, in Treta Yuga, devotees were saved by the name of Ram. In Dvapara Yuga, by Lord Sri Krishna. In Kali Yuga, Jagannath. And the age we are in now, the Sangam Yuga (confluence age), and the coming Ananta Yuga, the Lord's name is Madhav. Because in the Srimad Bhagavatam, Lord Vyasa has uttered the name 'Madhav' the most number of times. And the name Madhav itself will bring salvation.

► Watch this answer · 19:27 · 03 February 2022

Q_925 Yesterday, I heard in a clip about Prime Minister Narendra Modi. An astrologer concluded that Modi ji has a resolution to connect Kailash Mansarovar from China and also to free Tibet. After that, he will take sannyasa (renunciation). Is there anything written about this in the Malika, Pandit ji?

Answer: Look, son. About this... this is a very big topic. What can I say? I don't have an answer that matches the scale of your question.

► Watch this answer · 23:07 · 03 February 2022

Q_926 Pandit ji, this incident of milk-like sap coming from neem trees, I think a similar incident happened in the 1990s, and also in 2005, and again two or three years ago. So, a long period of at least 20 years has passed. The signs that are visible now might just pass by in the next 25, 30, or 40 years, and perhaps nothing will happen in the near future. These extraordinary signs have been appearing before, but their effect is not visible. This depends on God. What are your thoughts on this?

Answer: Wait for the time, son. From 2019 to '20, '21, '22, and what time will come in '23, you will tell me then. And what will come after that, you will tell me. And whether I will be worthy to speak in '25, I don't know. Jai Jalaram ji.

► Watch this answer · 25:09 · 03 February 2022

Q_927 Father, my question was, the Lord who has taken incarnation, by what name do his parents call him?

Answer: Parents, out of their devotion, keep many names. Just like you keep so many names for your child in your family, it goes on like that. Mother, this is a separate matter, I cannot go into much detail about it. But I will say this much: every child is a matter of affection and purity for their parents. And accordingly, the Lord's connection with them is based on their feelings.

► Watch this answer · 27:23 · 03 February 2022

Q 928 Pandit ji, Lord Vishnu has had 10 avatars. Among them, the avatar of Krishna ji is worshipped in almost every home in his childhood form as Laddu Gopal. He is worshipped in other forms too, but many people worship him with great love, like a child. What is the secret or power behind this? Is there a story behind it?

Answer: Look, Lord Sri Krishna's childhood 'leelas' (divine plays) took place in Sri Vrindavan, Govardhan, and Mathura. In other states like Odisha, Lord Krishna is worshipped, and Laddu Gopal is also worshipped. This tradition continues because everyone considers the Lord as a 'Lalla' (little boy) in Vrindavan, Mathura, and North India. Accordingly, the worship of Bal Govind (child Govind) is in everyone's heart as the Lord's child form. So, all devotees worship him in this form. In Odisha, the grand form of Lord Krishna, Dwarkadhish, is worshipped. In some places, the complete 'Purusha' (cosmic man) form of Lord Krishna is worshipped. It continues in this manner.

► Watch this answer · 28:15 · 03 February 2022

Q 929 Sir, if our Lord appears, will we get to see the Kalki avatar?

Answer: The Malika was created to establish a connection with the Lord. If the Malika didn't exist, how would you all know? All the storytellers say that Kali Yuga has not ended; they hold on to the 432,000 years figure. But that Kali Yuga has ended, Satya Yuga is about to begin, and the time for establishing Dharma is ongoing—no one has told you this. Most people still don't understand. So, it is the Malika that explains how devotees can get salvation and how they can come to the Lord's refuge. And the most important thing is, those devotees who listen to the Malika will get to see the Lord. And those same devotees will become the seeds for the age of truth (Satya Yuga).

► Watch this answer · 30:43 · 03 February 2022

Q 930 So, we will meet him?

Answer: Do it, and when the time comes for you to propagate Dharma, everything will be fine.

► Watch this answer · 31:48 · 03 February 2022

Q 931 Jai Shri Madhav, Pitaji. It would be a great blessing for the devotees if we could hear the glory of Madhav's name described in your own words.

Answer: For the people, for the devotees, talk to me separately, and I will tell you everything. Stay in touch; the satsang happens.

► Watch this answer · 32:12 · 03 February 2022

Q 932 Pranam. The Malika says he will be revealed... will he be revealed in 2025?

Answer: The Malika says, 'He will operate in secret and will not give his sign.' It is written, 'He will be revealed from secrecy.' The Lord will be revealed from secrecy, but by saying so, not everyone will know, and not everyone will believe. It is further written, 'The devotee will recognize him from past experiences.' This means the devotees who have been the Lord's devotees in every age, they will know. It is written in the Srimad Bhagavatam that Lord Kalki will incarnate. Those who read the Bhagavatam know this. It also says when sin increases in the world, Lord Kalki will descend on Earth. This is written in the scriptures, and devotees follow it and know that the Lord's incarnation will surely happen. But they didn't know when. Now, the Malika has come, and you have found its path, so you have come to know that at this time these signs will appear, and after the period of Kali Yuga is over, the Lord will incarnate. This is only for the devotees. Other people will not be able to know that the Lord has incarnated. The Lord's publicity will not happen on any media channel. Even upon seeing him, people will be misled. But the establishment of Dharma will move forward. The devotees will know, 'This is my Lord.' Only the devotees will know; other people will not. There will be no publicity on any media or social media. It will happen only through the Malika. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:58 · 03 February 2022

Q 933 Pandit ji, how will the devotees be tested beforehand?

Answer: The test for devotees... the current pandemic is one way. Also, the gods and goddesses will first test the devotees in their dreams, going to every house. Later, after 80% of the people have perished, the Ganas (attendants of Shiva) will come in the form of the dead and test the devotees. The devotees' test will happen in three or four such stages. But the people who, as I say, 1) read the Srimad Bhagavatam, 2) perform Trisandhya (prayers at three junctures of the day), and 3) chant the name of Madhav... those who have complete faith in Madhav, who recite the 16-name, 10-avatar Durga-Madhav stuti, they will have no problem, no trouble. I say this with conviction. This is their test.

► Watch this answer · 35:44 · 03 February 2022

Q 934 My friend had asked a question: the idol of Banke Bihari ji, we keep it covered with a cloth. Can you tell us something about this?

Answer: Who is the greatest wealth in the world? Some think it is money. Some consider their spouse as their wealth. And some devotees consider their Lord as the greatest wealth. A devotee's characteristic is the fear that 'my Lord might catch the evil eye.' So this tradition continues in Vrindavan. Mother Yashoda used to put a black dot (kaala teeka) on the Lord so he wouldn't catch the evil eye. She used to do many such things while worshipping, perform rituals, and give charity. This tradition of Vrindavan continues in this way. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:11 · 03 February 2022

Q_935 My question is, as you said, people will find protection and salvation only through the name of Madhav. So, those people in today's age whose connection is with Lord Krishna through the name of Banke Bihari, who worship Lord Krishna and their heart is connected to him, will they now have to use the name Madhav? Or can their test be passed with the name of Lord Krishna?

Answer: A very good question. It is written about this in the Gita Govinda. Chaitanya Mahaprabhu has also written about it. When Mother Radha Rani first met Lord Krishna under the Tamal tree, she called him by the name 'Madhav'. So, Lord Krishna is Madhav. The name itself is Madhav. And when we go from Kali Yuga to Ananta Yuga, the name of the one who will come as Kalki is Madhav. That is why, when Ram came, if we were to call Lord Ram 'Vishnu, Vishnu', would he like it, as he came in a human body? This is our narrow-mindedness. Because Lord Krishna, Ram, Madhav, Govind are all one and the same. But the Lord has said that this name will grant salvation. The name of Ram was for Treta Yuga, Krishna for Dvapara, and now people will be saved by the name of Madhav. So don't forget this.

► Watch this answer · 38:25 · 03 February 2022

Q_936 In our country, India, will Modi ji hand over the throne to Lord Kalki in a military capacity?

Answer: It is written about this in the Srimad Bhagavatam. What is written? That on the throne of Hastinapura, the Somavanshi king Maru will offer the throne to Lord Kalki. And Devapi will be seated in Ayodhya. This is written in the Srimad Bhagavatam. Lord Kalki will rule over the entire universe—America, England, France, Japan, all countries. India is a small matter, son. The entire universe will be under the authority of one, and that will be under the control of Lord Kalki, by his will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:23 · 03 February 2022

Q_937 Jai Shri Madhav, Pandit ji. My question is, my mother had a dream that the establishment of Dharma will be a little late. And she had another dream where she saw a frightening form of Lord Kalki. Are these two things true?

Answer: It's not that there is no time. All the storytellers say 432,000 years; that has come in their dream. If you are a devotee of the Lord, then reform yourself. It's not about being late by a year or two. The time is near. The establishment of Dharma is ongoing, son. Understand this through the Malika and work for the establishment of Dharma in connection with the Lord. This is our greatest duty.

► Watch this answer · 44:09 · 03 February 2022

Q_938 This situation that is going on [between Ukraine and Russia], is it a sign of a world war?

Answer: You did well to ask. The tension that is rising between Ukraine and Russia, and the threats from European countries, this is preparation for a future world war. When the war between India and Pakistan happens, the European countries will oppose India, and Russia will help India. The anger that is coming out now will be reflected in the India-Pakistan war. That's why this equation is forming. The real battle will be the triangular war between India, Pakistan, and China. 13 Muslim countries will attack India, and European countries will also help them. So, what is happening now is the formation of that equation. But what do we have to do with it? The sinners are destined for destruction. It's been two years of the pandemic, people are dying daily, but they haven't stopped sinning. So, the destruction of sinners needs a medium. There is no problem for you all. It is the job of devotees like you to bring Dharma. If there is no medium, no war, how will the sinners be destroyed? This is one of the many mediums for the establishment of Dharma. The current Ukraine problem will escalate a bit, but it will create a foundation for the future. When the India-Pakistan war happens, all these European countries will take out their anger on us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:08 · 03 February 2022

Q_939 Pandit ji, why is there a difference between the Kalki Purana and the Bhavishya Malika? Why do their accounts differ?

Answer: The Vishnu Purana is the first Purana. After that came other Puranas. The most sacred scripture is the Srimad Bhagavatam. What is written in it has been slightly altered in the Mahabharata because the Mahabharata was written after the Srimad Bhagavatam. And the Kalki Purana was written after the Mahabharata. And after the Kalki Purana, the great souls wrote the Malika. So, whatever corrections needed to be made, they were made by the Lord's decision. They made some corrections and wrote down everything that is necessary for the devotees in the Malika. Because this Malika was written in this age by the Lord's supreme friend, the great soul Achyutananda. Therefore, what is written in the Malika is what is going to happen. Whatever needed correction has been corrected and written.

► Watch this answer · 48:29 · 03 February 2022

Q_940 Pandit ji, I have one more question. Whenever the Lord incarnates, he himself decides at that time what will happen next. So how can it be described beforehand in the Malika or any other scripture, what the Lord is going to do in the future?

Answer: Look, son. Before Lord Kapila Muni took his incarnation, his mother Devahuti was told by Kardama Rishi that the Lord would be born in her house. Before Lord Ram was born, the Ram avatar was described in the Srimad Bhagavatam. Before Lord Krishna was born, people were reading the Srimad Bhagavatam and knew he would be born. In the same way, the Malika also says that Lord Kalki will come, and Dharma will be established. The Bhagavatam also says that Lord Kalki will incarnate, save the devotees, riding on a horse and holding a sword, he will establish truth, dharma, and justice. It is written. The scriptures write about the future, the past, and what is to come. In every age, the scriptures have written about the avatar before their arrival, and devotees read it. This is how it works, son.

► Watch this answer · 49:53 · 03 February 2022

Q 941 Can we keep the Kalki Purana at home? Will there be any problem?

Answer: There are many Sanatana Dharma missions in India and the world, but their stream is very different from our stream. Because I'll tell you, son, in Kali Yuga, people used to listen to stories. But in our stream of Sanatana Dharma, people will read the Bhagavatam, everyone will become a saint, a Brahmin. They will elevate their character and spiritual life with truth, peace, compassion, and forgiveness. They will do Trisandhya. This is not present in other religious propagations of the past. Because the path to Satya Yuga is not there. The path that will allow humanity to proceed is the one created by the Vishwa Sanatan Dharma Sangathan with the Lord's blessings. The stream of this organization is purely for the welfare of Satya Yuga. Other Sanatana Dharma organizations of the past do not have this. So think about why this is different.

► Watch this answer · 52:00 · 03 February 2022

Q 942 Pandit ji, I had a question. Can you tell us, in the coming time, when will the Kalki avatar appear in our country, and when will we be free from all bondages and have Satya Yuga established here? Sometimes, it feels a bit scary. Will we be okay?

Answer: First, I want to say this: those who are in the stream, who observe the vows, who are in the path of purity, for them there is no problem. Second, everyone asks, 'When will Lord Kalki appear?' Is he a media channel? Is he a Prime Minister who will announce, 'I am God, come for my darshan'? In previous ages, a devotee had to do so much penance to see the Lord. Will the Lord so easily come and say, 'I am God, have my darshan'? If anyone sees God in a human body, they will attain liberation. That is why the Lord will remain hidden. The Malika says Lord Kalki will roam secretly like a thief throughout the universe, and no one will recognize him. Only pure devotees like you will know that he is the Lord. So, he will establish Dharma secretly, nobody will know, and he will not appear anywhere. It will never happen that he will appear, people will accept him, and everyone will attain liberation. The Lord will establish Dharma secretly. Devotees, wherever they are, will somehow get in touch with the Lord, or Lord Kalki will go and give them darshan. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 56:32 · 03 February 2022

Q 943 Does this mean that Lord Kalki will come for the sake of humanity, in human form?

Answer: In every age when Dharma has been established, the Lord has come in human form. Ram, Krishna, Chaitanya Mahaprabhu, Parashuram, Buddha avatar—all came in human form. Tulsidas ji wrote, 'Whenever there is a decline in Dharma, the Lord takes a human body.' When Lord Ram fought with Ravana, no kings helped him; he only had monkeys and bears. All the kings were just watching. When the Lord established Dharma by destroying Ravana, then all the kings of the universe came and fell at Ram's feet, asking for salvation. In every age, the Lord comes like this and establishes Dharma secretly. After Dharma is established, people are compelled to come to the Lord's refuge. And in this age, it will be the same.

► Watch this answer · 59:22 · 03 February 2022

Q 944 In the Bhagavata Mahapurana, it is said that what is offered to God should not be consumed. But when we do puja, we consume the prasad. So should we not eat that either?

Answer: Look, in this age of Kali Yuga, the Lord's prasad is nectar for the devotees. Lord Krishna and Chaitanya Mahaprabhu distributed their prasad to all the devotees. The Lord does not consume it, he just looks at it. When his graceful glance falls upon it, it becomes nectar. It is sacred for the devotees. In the Jagannath temple, 56 types of bhog are offered to the Lord daily, and that bhog is eaten by lakhs of people. This tradition has been going on since Lord Brahma consecrated the temple. So, one has to understand the scriptures properly. I will explain it later. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 01:01:06 · 03 February 2022

Q 945 Ever since I have been connected with you and have been following the Malika a little, I feel I am a great sinner. But whenever I go for the darshan of Lord Shankar in the morning, I see a dead mouse being eaten by something. What does this mean? Also, please tell me a little about Mumbai and what its condition will be in the coming time.

Answer: Son, Mumbai's fortune was due to the grace of Mahalakshmi and Lord Ganesha. Now, Lord Ganesha and Mahalakshmi have changed their course for the establishment of Dharma. So, in the coming time, many problems and calamities are going to come to that place. There is no problem for the devotees, but it is the time for the destruction of sinners.

► Watch this answer · 01:03:52 · 03 February 2022

Q 946 Pandit ji, I am from Bihar. Is something going to happen in Bihar in 2022? Please tell us a little about Bihar.

Answer: Some natural calamities will definitely happen, like earthquakes, floods, diseases, pandemics, everything. But the thing is, Bihar will be devastated by an earthquake. This is written in the Malika. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 01:04:54 · 03 February 2022

Q 947 The path shown by Thakur Anukulchandra, it seems to us that it leads towards the ocean of Malika and meets at the feet of the same Mahaprabhu. So, will the devotees who follow the path of Anukul Thakur also be saved? We are also connected to the Malika. Please tell us about Anukulchandra.

Answer: Remember, in the Malika, Mahapurush Achyutananda has written about Thakur Anukulchandra Baba. He has written very well about him. Because when the Malika was written, Thakur Anukul Baba was not yet born. The Malika was written before that, and it says, 'Leela Jaana Heba, Kirti Prakashiba, Anukula Naame...' meaning Thakur Anukul Baba will gather many, many devotees. He will spread the stream of sattva (purity). Devotees will do bhajan in his name and hold satsangs. This is what he has written.

► Watch this answer · 01:05:49 · 03 February 2022

Q_948 In the stream of the Lord, is it necessary to surrender to Lord Kalki through the Malika?

Answer: At this very time, we have to understand the current time. The path he has shown, in India and in other countries, the light of sattva, this is a very great and sacred thing he has done. For this, you all are fortunate that you are already on this path.

► Watch this answer · 01:07:26 · 03 February 2022

Q_949 I want to ask, as Arjuna said in the Gita, if someone cannot recite your Sahasranama (thousand names), what are the few chosen names they can chant to get the same fruit? For example, the Vishnu Sahasranama has 26 to 28 names. Can those who cannot read the Gita chant those?

Answer: Look, son, reading the Gita is one's own wish. But the Srimad Bhagavatam is the most sacred scripture for us. It is necessary to read it, otherwise, we will not be able to go to Satya Yuga. What Arjuna spoke about was for the Dvapara Yuga. Now, we are in the Sangam Yuga. So, according to this age, it is necessary for us to read the Srimad Bhagavatam. And not reading even one chapter is not good for us. Because in Satya Yuga, everyone will read the Bhagavatam. Whether they will read the Gita or not, I don't know. But they will definitely read the Srimad Bhagavatam. If they don't, they won't survive.

► Watch this answer · 01:10:04 · 03 February 2022

Q_950 Father, as you said that a new sun will rise in Satya Yuga, does a new sun rise in every yuga?

Answer: Look... the situation is most extreme now, so there will be a lot of change. All the wrong things of Kali Yuga will be transformed. That is why this is happening at the end of the four yugas. In other ages, it did not happen like this.

► Watch this answer · 01:11:24 · 03 February 2022

Q_951 Father, I always see an elephant. Whether I am just sitting, in a dream, or while doing puja. Sometimes it's Lord Ganesha. Why is this so?

Answer: It means some good news is about to come. Some kind of auspicious event will come into your family, into your life, in the coming time.

► Watch this answer · 01:12:14 · 03 February 2022

Q_952 Father, today while I was reading the Bhagavad Gita, I saw a very strange tree with golden leaves, shining brightly. And a few days ago, while doing kirtan, I saw a Mahatma (great soul) with long matted hair, looking at me from the wall.

Answer: Look, at this time of the yuga's change, your eyes are seeing the light of the golden age to come. It seems to be the light of knowledge. Because this Kali Yuga is the age of iron. The coming age is the golden age. And those whom you see, they are sages giving you darshan. They have been given the responsibility in the establishment of Dharma to give darshan to devotees and guide them.

► Watch this answer · 01:12:49 · 03 February 2022

Q_953 Yes, father. And one day, I saw five or seven sages in the sky, and they were all hurrying, as if competing to go forward, talking amongst themselves.

Answer: Lord Kalki has entrusted the Saptarishis (seven great sages) with the responsibility of saving the devotees. You are getting their darshan. Many devotees have already had their darshan. This is ongoing.

► Watch this answer · 01:14:05 · 03 February 2022

Q_954 Father, I used to fast for Pradosh. Once, I saw a very large divine serpent (Nag). In front of him, I was as small as an ant. His mouth was open very wide. A sadhu was standing next to me, and I was feeding the Nag Devata with my own hands, putting my hand inside his mouth to offer the prasad. The sadhu was encouraging me. It was a very divine place.

Answer: Look, mother. Lord Kalki, in his body, is both Balaram ji, who is Sheshnag, and Lord Vishnu. I have said before that Lord Sheshnag will carry out the destruction, while Lord Vishnu will protect the devotees. The Lord has come in one body. And in the stream of the Malika in Odisha, Lord Kalki has been described as Ananta and Sheshnag. That is why you had this darshan. It is a sign of the Kalki avatar.

► Watch this answer · 01:14:41 · 03 February 2022

Q_955 Pandit ji, you said money will have no value. So, should we earn it for the long term or not?

Answer: As long as we are in this stream, we have to follow the world's situation. For now, money is necessary. But later, no matter how much you have, it will have no meaning. The richest people in the world will find their wealth of no use. But this doesn't mean you stop working. As long as you have the ability, you should work. We have not received any prohibition from the Lord. Follow the path of time.

► Watch this answer · 01:16:12 · 03 February 2022

Q 956 Guruji, with things like cryptocurrency coming, can people suffer losses from it?

Answer: A time will come when whatever wealth one has, it will not be accounted for, and it will be very difficult to withdraw it. That time will come, but it is not now. It is after 5 years. This situation will not arise for at least 4-5 years. In between, there will be computer disruptions, again and again. But the time for the complete deactivation of computers has not yet come. So, for now, maintain it.

► Watch this answer · 01:17:23 · 03 February 2022

Q 957 Guruji, you once said that the World War could happen between September 2024 and 2025. If the World War happens, and there is an official blackout, then the money in computers will be gone, right?

Answer: No, in the Armageddon that will happen... it won't be because of that. The solar tsunami is coming, right? When that hits, the computers will crash. The establishment of Dharma will happen in seven stages. So, keep watching with time, it will gradually increase. Yes, banks and all will be affected.

► Watch this answer · 01:18:27 · 03 February 2022

Q 958 Pandit ji, I had a question. We do the Durga-Madhav stuti. I have a PDF with the Odia language and its Hindi translation. I only read the Hindi version. Is it okay if I don't read the Odia and only read the Hindi? Will the Lord still be pleased?

Answer: Look, the Lord is pleased by chanting his name. But what is written, it is a bhajan for the devotee's salvation. There is no issue with it. But the classical tradition says that the bhajan should be read in the stream in which it was written. According to classical tradition, the bhajan which is in Odia should be recited with the correct pronunciation.

► Watch this answer · 01:19:49 · 03 February 2022

Q 959 Father, if one receives the 'Paduka Mantra' (mantra of the sandals), how does one perfect it? How to worship it? What are its rules?

Answer: Look, the Paduka Mantra will be given to the devotees, and it will be given by the grace of God. With it, one can fly in the sky and travel to any place in the universe with their physical body. This mantra is an integral part of Lord Kalki, and the Lord will give this mantra to those devotees who join the work of establishing Dharma. It will be received when the time comes. The devotees who will work for the establishment of Dharma in the universe will receive it, not everyone.

► Watch this answer · 01:21:04 · 03 February 2022

Q 960 Pandit ji, 10 days ago, I had a dream that I can go anywhere with the speed of the mind. I received that power, and I was told to use it after 2 years, though I could test it now. I tested it and it worked. What does this mean?

Answer: You can go anywhere with the speed of mind. This means, son, with the speed of your mind, your divine body can go and see what is happening where. You will get all the news. You may not be able to act there, but you can see what is happening. This is the grace of the Lord, shown in a dream. If you stay in the stream of rules, in the coming time, you will get proof of this, and what you saw in the dream will become meaningful. Okay, son.

► Watch this answer · 01:23:13 · 03 February 2022

Q 961 Father, I saw you in my house. I saw you in my home like a father, a guardian, eating in our house. When will you come to our house?

Answer: Listen, mother. In guru traditions, coming and going to devotees' houses happens. But secondly, the purity of your mind... look, God has given me the ability to tell you something. And so that your trust and faith in my words will increase, God made you have this vision. Because what I am saying is correct. And when the time comes, God will make it happen, mother. If the Lord's grace is there, I might come.

► Watch this answer · 01:25:50 · 03 February 2022

Q 962 Father, about Mecca Medina, I have also heard that there is a Shivalinga there.

Answer: Makkeshwar Mahadev. Yes, we are talking about him. We offer countless salutations to Makkeshwar Mahadev in Mecca. And this is absolutely correct. There is a very detailed description which I do not want to reveal. It will happen in such a way that no one will know how. But when Mahadev reveals his full form there... Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 01:27:30 · 03 February 2022

Q 963 I want to take my parents for the darshan of Jagannath Puri. After the darshan, I also have a desire for your darshan.

Answer: Look, the Puri temple is open now, son. If you want to have darshan, let us know beforehand, and we will arrange whatever is possible. And look, I am an ordinary person like you. I offer countless salutations to the devotees. I have no special qualification; I also desire your darshan. But still, have the darshan of Lord Jagannath, that is very good. But I will say this much: for the propagation of Sanatana Dharma, we need to work like a monkey army all over the universe. Taking that work forward is the most important thing. And when you find time to come for the Lord's darshan, talk to us beforehand. Whatever help is needed, we will be able to provide.

► Watch this answer · 01:29:40 · 03 February 2022

Q 964 Pandit ji, I saw a YouTube video where a gentleman who describes the Malika in Odia said that Subhas Chandra Bose is still alive and is in Russia. And when Mughal rule comes here, he will bring the Russian army to India to free us. Is there anything like this in the Malika?

Answer: About this, I will not reveal everything. But I will say this much: about Russia bringing an army, that is not correct. The head of Russia will provide military aid to India. He will come to India and, along with the Indian army, will fight against foreigners. This is written. But what is written about Subhas Chandra Bose is a secret matter. I will not comment on it. People who want to increase their viewership publish such things. It is not at all necessary to say this. In time, everything will be revealed. (Follow-up: 'At least tell us if he is alive.') I will not say. This is a controversial topic. No decision has been reached on this because it is under God's control. No government can find a solution. So what is the point of telling? Whatever happens will be the Lord's will.

► Watch this answer · 01:30:53 · 03 February 2022

Q 965 While reading the Ramayana... Lord Ram is an avatar of Lord Vishnu, and Lord Lakshman is an avatar of Sheshnag. So, what aspects or 'leela kalas' of the Lord are Lord Shatrughna and Lord Bharata?

Answer: Bharata is the Sudarshana Chakra of the Lord, and Shatrughna is his conch. Because it is written in the Ramcharitmanas, 'Ansa sahita manuja avataaraa...' Meaning, 'Taking our parts with us, we four brothers have incarnated.' Bharata is the Sudarshana Chakra, Shatrughna is the conch, Lakshman is Sheshnag, and the Lord himself is the full incarnation. Lord Ram told Hanuman ji, 'You are as dear to me as my brother Bharata.' This shows how much importance Lord Ram gave to Bharata.

► Watch this answer · 01:34:34 · 03 February 2022

SESSION 47 · QUESTIONS 966–966

L45.2 आगे आने वाले भूकंप के बारे में भविष्य मालिका में क्या वर्णित है? -- LIVE

Date: 06 February 2022 · Watch the full session ↗

Q 966 People ask, why are humans born? What is the purpose of human life?

Answer: In this world, human birth has only one purpose: to attain God. It is for the soul (Atma) to merge with the Supreme Soul (Paramatma) and to move beyond the cycle of life and death that humans wander through, so that they can reach Vaikuntha and Goloka. This is the greatest goal of human birth.

► Watch this answer · 00:20 · 06 February 2022

SESSION 48 · QUESTIONS 967–982

L46 Google meet with Pujya Pandit KASHINATH Misra ji ,-- LIVE

Date: 02 October 2022 · Watch the full session ↗

Q 967 For the past year, the atrocities against Hindus have increased a lot. This government we elected, with Modi and others, isn't doing anything. We thought they were for the Hindus, but they've said nothing. People even call him 'Marde Mujahid' (a term implying he's a friend to extremists). When will Lord Kalki take control? The way things are going, this government is giving scholarships to jihadis, making them stronger, while atrocities against us Hindus increase. How will we be saved, and when will Lord Kalki take full control?

Answer: I want to answer that, son. Look, when Kansa died, he was still a king. Devotees also ask me this question. But until Kansa died, he kept committing sins. At that time, he was the king of Mathura and lived in comfort. So, those who commit sins and live in comfort will meet an untimely death. According to our Sanatana Dharma, in every era, sinners have committed sins and were ultimately destroyed and sent to hell, never to be born as humans or asuras again. Those who sin in this era will also go to hell and suffer for countless eons. For those in this satsang who read the Bhagavat, regarding the coming calamity... there are floods in the desert. The flood in Pakistan is a small thing. In the future, there will be floods so severe that water will rise 100 feet on the roads. God will selectively cause this where sin is rampant. Our people might be in those places, but nothing will happen to them. Those who follow this path know this from their own experience. The protection is to engage in the work of Dharma. God will destroy the sinners; the time is coming, and we are repeatedly getting signs. Today, there is a drought in America, Canada, Germany, England, and many European countries. A great famine will come, and sin, corruption, and injustice will increase in the world, including in our country. But God will protect the devotees. Take refuge in God.

► Watch this answer · 16:40 · 02 October 2022

Q 968 Is this Modi on our side or on the side of the jihadis? Because all his work is making them powerful and weakening us. He is giving them scholarships. Will God punish him too? I just wanted to ask this.

Answer: No human has the power to stop Dharma, even if they want to. But this will take some time. The work is starting. When the time comes, you will see how the sinners are destroyed. The establishment of Dharma has begun. In the coming times, people will witness such a cataclysm of the five elements that they will remember what I was saying back in 2013-14. The effects will be double what I predicted. Not many people will be left in human society. The time is coming; God is deliberating. It is a devotee's duty to wait, just as the five Pandavas waited for many years. But we won't need that many years. Just watch for a few months, or one to three years.

► Watch this answer · 21:00 · 02 October 2022

Q 969 Is this work being done against Hindus or for Hindus?

Answer: In the coming times, Hindus and followers of Sanatana Dharma will become very active. Sanatana Dharma will be propagated in other countries too, and eventually, only Sanatana Dharma will remain in the entire world. We don't just look at India; we think about an undivided India (Akhand Bharat), and Akhand Bharat will happen in the future. God has already started the work of establishing Dharma in His own way, and it will continue to move forward. For the protection of our human society, you should all adopt this path of Dharma.

► Watch this answer · 23:29 · 02 October 2022

Q 970 My question is about this satsang... why is it being held in Gujarat?

Answer: Look, Lord Shri Krishna established Dharma, and the holy center of his rule was Gujarat. By God's will, from that very sacred region, the first of the 16 'mandals' (regions) will be formed. According to the Bhavishya Granth (Book of the Future), the first mandal will be formed there, and thus, the new era of governance will begin from that place. Secondly, many years ago, a saint from Gujarat also prophesied that this would happen on the banks of the Sabarmati.

► Watch this answer · 24:32 · 02 October 2022

Q 971 A 'diwayat pandit' had prophesied that the first religious assembly would be held on the banks of the Yamuna, but he made this prophecy from Gujarat. Is this related?

Answer: That is absolutely correct. I have also read that, and it is happening on the banks of the Sabarmati. According to the Bhavishya Malika, the provision is for the first satsang to be held there, and it is happening accordingly.

► Watch this answer · 25:52 · 02 October 2022

Q 972 On Monday night, my daughter-in-law had a dream. She saw Lord Shankar in a colossal form with his hair open, looking very angry and holding a trident. In front of him was a demon. Lord Shankar was saying, 'I will kill this demon,' and was moving forward to kill him. His attendants (ganas) were saying, 'Lord Shankar will kill him now, and we will worship him with the ashes from the demon's funeral pyre.' What could this dream mean?

Answer: Its meaning is this: from the three aspects of Lord Vishnu, Brahma handles creation, Vishnu handles sustenance, and Shiva handles destruction. This act of destruction will be carried out by Balaram ji. As a precursor, many devotees are having such visions in their dreams. This means that the time for the destruction of sinners has arrived. Have patience, and we will see what happens next. The most important thing is that these sinners are committing more and more sins, and as you hear in the Malika, Lord Shiva has given this vision accordingly.

► Watch this answer · 26:39 · 02 October 2022

Q 973 What about those who are poor or have problems and cannot go to the Ahmedabad satsang?

Answer: We are connected. For the poor and those who cannot go due to some problem, our 'Sudama Mahasangh' will help them. But you must contact us using the number that has been provided. The work of God and Dharma is done collectively, and we will all work together. Stay in contact. If anyone needs anything, let us know, and we will work accordingly. We will meet again at the Gujarat assembly.

► Watch this answer · 28:42 · 02 October 2022

Q 974 My question is about my health. My immunity has been very weak for 17 years. It has been 6 months since I connected with you, but I am not finding any solution yet.

Answer: Look, son, today's illness is the result of past lives' karma. Everyone has some illness. One does not attain spiritual powers by performing austerities for just a day or two; it takes eons. Your past karma has manifested as disease in this life. But according to the Malika, when the time comes, the devotees who follow this path and the 'Trisandhya' practice will be saved, even if a great calamity or famine comes. Through the path of truth, their bodies will become divine. Just as sages performed austerities for thousands of years, we too must wait for some time. In that era, there will be no sick people; everyone will be divine and beautiful. For that, restraint and following the path are necessary. The karma of your past life will diminish slowly, not instantly. But God will protect you from death and major problems. Your karma will be cut away slowly over time. Wait for that change and remain in the Lord's refuge.

► Watch this answer · 29:26 · 02 October 2022

Q 975 You are saying this satsang is for the beginning of Satya Yuga, but when will it actually start?

Answer: Look, this satsang from November 22nd is for the beginning of Satya Yuga. The number of people we are preparing needs to be large. Just like a majority party is needed to govern, this is the first program to begin the process of bringing in Satya Yuga. As people in the world gradually join our tradition, a time will come when the number of truthful, virtuous people increases significantly, and nature itself will change.

► Watch this answer · 32:24 · 02 October 2022

Q 976 Our greatest tradition is the Shrimad Bhagwat Katha. How will your event be different from a traditional katha?

Answer: This is very different. Here, people will not just listen, but they will read the Bhagwat themselves, and it will be explained through discourse. People will learn to read the Bhagwat. In Kali Yuga, people mostly listened to kathas but read less. But in Satya Yuga, they will know the essence of the Bhagwat and all its knowledge. We will explain it through the medium of katha. This is how the work will be done, and slowly, people will gain scriptural knowledge, just as they had in Satya Yuga.

► Watch this answer · 34:11 · 02 October 2022

Q 977 When I try to read or meditate, I can't concentrate at all. My mind just keeps thinking about when it will be over and when I can get up. How can I fix this?

Answer: The mind cannot settle anywhere. This is the effect of Kali Yuga. But we must overcome the effect of Kali Yuga.

► Watch this answer · 35:24 · 02 October 2022

Q 978 There is news about a major solar storm. Does the Malika say when the system, meaning the internet and mobile connectivity, will fail? In which year will this happen? Will it be during a world war or before?

Answer: Scientists don't tell you the full story. In the coming time, there will be darkness for seven days and seven nights. On the 8th day, the sun will rise again. This time is coming. It will happen when a piece of a celestial body comes from beyond the sun and falls into the ocean. The ocean waves will rise very high for about 15 to 20 minutes, and many people will die. The entire electrical infrastructure will be destroyed. However, the water will see the devotees, split into two, and pass them by. For those who are in our stream and follow the Aryan tradition, there will be no problem.

► Watch this answer · 37:51 · 02 October 2022

Q 979 It is said that when Kali Yuga began, Lord Shiva left his abode on Mount Kailash with his family. So my question is, where does Lord Shiva reside now?

Answer: Lord Shiva is on Kailash in all four yugas. It is written in the scriptures that he was there in Satya Yuga and Treta Yuga. During the Ram avatar, he came from Kailash to meet Lord Ram. He was also present during Lord Krishna's time. Kailash is a celestial realm where Lord Shiva still resides and will always reside. However, at the time of the establishment of Dharma, he, along with Hanuman ji and all the other deities, will come to the Jagannath center. The work will happen according to the Lord's will. So, Lord Shiva is still on Kailash.

► Watch this answer · 41:23 · 02 October 2022

Q 980 We are doing everything and have infinite love for the Lord, but we sometimes get distracted from the path. We feel very sad about it and ask for forgiveness, but it keeps happening. Please give us a blessing so that we do not get distracted.

Answer: Okay, I will pray to the Lord that you gain control over your mind. The most important thing is, whenever your mind becomes fickle and you make a mistake, sit for some time and chant the names of God's ten avatars. By doing this, the fickleness of the mind will gradually diminish, God's grace will remain with you, and the effect of Kali Yuga will not touch you. Don't worry.

► Watch this answer · 45:11 · 02 October 2022

Q 981 Please tell us something about ancestral karma (Pitru Dosha).

Answer: You are coming to the satsang and joining this stream of Dharma. Whatever your past karma is, this path is God's given blessing to save the devotee. You should properly incorporate this path into your life. It will help resolve the karma of your entire life. I will not say, 'I will give you liberation.' I will show you the path, and by following it, you can reach that destination.

► Watch this answer · 46:39 · 02 October 2022

Q 982 For those who cannot read the Vishnu Sahasranama in Sanskrit, how should they read it?

Answer: You can write it down phonetically in your own language, like Hindi or Gujarati, and read it from there. In the Bhagwat Katha tradition, there is a provision to perform a yajna (fire sacrifice) for the liberation of the listeners. If one cannot do that, reading the Vishnu Sahasranama gives the same fruit. It provides the sacred value of the seven-day Bhagwat Katha. That is why I am telling you all to primarily focus on the Vishnu Sahasranama during the upcoming event. You will read it there after the 'Trisandhya' and the Bhagwat reading. This is the tradition. Today's storytellers don't mention this, I don't know why. But we cannot abandon the Vedic tradition, because our mission is to combine Satya Yuga, the Vedic tradition, and the Aryan tradition to give the world the true stream of Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 48:14 · 02 October 2022

SESSION 49 · QUESTIONS 983–994

L47 Google meet with Pujya Pandit KASHINATH Misra ji ,-- LIVE

Date: 09 October 2022 · Watch the full session ↗

Q 983 Why does the Lord have to take a human birth in every age?

Answer: The Shrimad Ramcharitmanas says, 'Whenever righteousness declines and demons and the arrogant rise, the Lord takes a human form.' The scriptures say that whenever there is a decline in Dharma (righteousness), whether in the Dvapara or Kali Yuga, the Lord assumes a human form. He comes in a human body to transform people. When the Lord comes in a human form, the people and devotees on Earth can connect with Him. In a way, the Lord's divine play (leela) happens with the devotees. If the Lord were to come in His divine form to establish Dharma in every age, then all the sinners in the world would take refuge in Him out of fear, and the establishment of Dharma wouldn't be necessary. The Lord would see that everyone has surrendered to Him, so how would He distinguish between the virtuous and the sinful? That is why the Lord comes in secret. For example, the Lord was born in Kansa's prison, and Lord Rama was born in Ayodhya, went to the forest, and destroyed the demons in secret. When Lord Rama came to establish Dharma, many kings in India were not ready to accept him as God. He doesn't come in a divine form but in a human body with human characteristics. He engages in human-like divine play (manav leela) with people and devotees and carries out his mission of struggle.

► Watch this answer · 09:42 · 09 October 2022

Q 984 A curiosity that devotees have is, does the Lord take birth from a mother's womb in every incarnation, or does He sometimes manifest directly? For example, some people say that in the Rama avatar, the Lord manifested directly. What is the truth?

Answer: According to the scriptures, particularly the Ramcharitmanas, King Dasharatha and Mother Kausalya existed, and Lord Rama was born to them. Supernatural events do happen sometimes, as in the Parashuram avatar, Matsya (fish) avatar, or Varaha (boar) avatar. Sometimes the Lord's unique divine plays happen due to the prayers of devotees. But for the establishment of Dharma in the four yugas, whether it was Lord Rama, Lord Krishna, Lord Parashuram, or even the future Lord Kalki, they all come in a human body. This is because establishing Dharma takes a long time. Along with establishing it, the Lord also spends time with his devotees and establishes the complete truth in the world. This human-like play (manav leela) is necessary, and for that, He has to stay for many years. That's why He doesn't assume a divine form. He is born in the house of a mother and father and tells the world, 'I am human just like you, I am also bound by karma.' For instance, Lord Rama, Lord Krishna, and Lord Parashuram all went to study and performed all worldly human activities. Then, as time passes, when the moment comes, people recognize them as God and as an avatar of God.

► Watch this answer · 12:49 · 09 October 2022

Q 985 Why is the Lord born only on the land of India (Bharat)? Is there any reason behind this?

Answer: Yes. India has become smaller now; it used to be Akhand Bharat (undivided India), which included many neighboring countries. Only God knows the real reason, but from what we know, in the past ages, the population of asuras (demons) was much higher in countries other than India, while the number of devotees is higher in India. The Lord is everywhere, but He manifests—takes an avatar—in India because the number of His devotees is very high here. They practice devotion and live in surrender. If we go back to the beginning of the ages, the Lord was first present here. Through all the yugas, the Lord has manifested here. The divine presence of God in India is not found in other countries. When the Lord comes, He performs His divine play (leela), establishes Dharma, and He also has His associates. Perhaps thinking this, the Lord comes to a holy land like India and, with His devotees, establishes Dharma throughout the world.

► Watch this answer · 17:41 · 09 October 2022

Q 986 I have heard that the total number of devotees is also written in the Malika. What is this total number, and will all the devotees ever gather in one place?

Answer: There will be four types of devotees. In the first phase, there will be the Lord's personal devotees, the Yaduvanshis, numbering only 3,000. The second phase of devotees will spread the Lord's message. The third phase will remain in the Lord's refuge, chanting His name, but without direct involvement in His divine play. The fourth phase will simply believe in Sanatana Dharma and be good people. As for the total number, in the whole world, there will be 640 million (64 crore) people. The 3,000 devotees will play the most significant role with the Lord. The Malika says, 'Out of a crore (10 million), one is my devotee,' and their number is 3,000. Yes, devotees from all countries will gather. Before that, 16 Mandals (regions) will be formed. In between, wars and natural calamities will continue, and sinners will be destroyed. Then, the Sudharma Sabha (Assembly of Righteousness) will be convened. The Lord will make an announcement, and devotees from all countries will come. The number of seats in the Sudharma Sabha will be limited to about 3,000 devotees, consisting of devas, rishis, and saints, including Lord Brahma and Lord Mahadeva. That place will become the world's parliament. Other devotees will come but won't be able to sit inside; they will remain outside and have the Lord's darshan (sight). On that day, all devotees will gather.

► Watch this answer · 20:36 · 09 October 2022

Q 987 Pandit ji, what about the year 2024? What is going to happen?

Answer: The establishment of Dharma began in 2020. 2021 was a time of warning. In 2023 and 2024, devotees will receive even more warnings. A warning means the cataclysm of the five elements, the manifestation of war, disease, pandemics, communal violence, scarcity, and famine—all of this is coming because people are not changing. The coming time is very bad. In 2023-24, you will see earthquakes and increased floods across the entire world, especially in coastal areas. Many cyclones will come, communal violence will increase, and the situation for war will gradually escalate. There will be proxy wars, and new war fronts will open. As for diseases, 64 types of diseases are coming, as written in the Malika. For those who stay on the path of Sanatana Dharma and follow the prescribed rules, there will be no trouble. This is written in the Malika. When food, water, and medicine are unavailable, devotees will find liberation and joy through the Lord's name.

► Watch this answer · 24:30 · 09 October 2022

Q 988 From which year will the world war start?

Answer: The foundation is being laid right now. The world war will happen in 2025. In May 2025, there is a conjunction of Saturn. In the sign of Pisces, Saturn will be in an obstructive position in the Virgo ascendant. This conjunction will mark the beginning of the greatest time of calamity for the world, by the Lord's will. The times will be bad.

► Watch this answer · 31:55 · 09 October 2022

Q 989 What will happen to Mumbai?

Answer: In Mumbai, there will mostly be earthquakes, floods, and the effects of war. But for people who live righteously (in Dharma), there will be no problem. For those who follow the path I have described, there will be no trouble. For those who don't, God will decide their fate. A bad time is coming. We are telling people to reform themselves before it's too late. We share the Malika for the peace and happiness of human civilization.

► Watch this answer · 34:59 · 09 October 2022

Q 990 When the Shrimad Bhagavat event happens, for those of us who cannot attend in person, can we participate from our homes by watching it live?

Answer: Yes, they can sit in their homes and participate. God's grace will be upon them as well. That's a very good point, you can do that. If there are people in your village or neighborhood, tell them about it too. It doesn't matter if you are far away. That is a very good idea.

► Watch this answer · 37:10 · 09 October 2022

Q 991 When He is destroying the sinners, will we have any role to play?

Answer: If you have such good fortune and capability, the Lord will call you. Otherwise, you will remain in the Lord's refuge while staying in your own home. Okay?

► Watch this answer · 39:45 · 09 October 2022

Q 992 Will the Lord visit various pilgrimage sites?

Answer: If it is God's will, the Lord will go. It all depends on the Lord.

► Watch this answer · 41:21 · 09 October 2022

Q 993 What does the Lord like? What food does He eat, so that we can also change our lives accordingly?

Answer: Only He knows that. But when God comes, He gives His darshan (divine sight) to the devotees. Through their own experience and devotion, devotees come to know everything. You just sit in devotion, and you will come to know everything, because a devotee is the closest and nearest to God.

► Watch this answer · 41:50 · 09 October 2022

Q 994 How can one get a vision of the Lord (Prabhu Darshan)?

Answer: You can because you are connected with the Malika. Other people will not be able to connect because there is no place for them in the Malika. Those who are not devotees from the four yugas will not follow the Malika, nor will they listen to it, even if they try. You people have pure and good hearts. Through your devotion, you will find the Lord.

► Watch this answer · 42:33 · 09 October 2022

SESSION 50 · QUESTIONS 995–1002

L48 Today's Google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagwat Mahatamya part -1

Date: 13 October 2022 · Watch the full session ↗

Q 995 What is the essence of the Puranas you have written? How can we, the ignorant people of Kali Yuga, attain liberation and be saved? Please tell us the essence of the Bhagavatam you have composed, in brief.

Answer: The essence of all 18 Puranas is contained in two lines: 'Punyaaya Paropakaraya, Papaya Para Peedanam.' This means that benevolence towards others is the greatest virtue, and causing pain to others is the greatest sin. Benevolence (paropakar) means to do good for the entire world, for all of God's creation. This includes not just the poor and helpless, but also the 5.6 billion creatures. One must care for them like one's own children. This is the greatest duty of a human being. True dharma is created when we respect all things in the world as belonging to God, work for their protection, and have love, compassion, and kindness towards all. The greatest sin (paap) is to act against any part of God's creation—be it living or non-living, humans, forests, or rivers—and to cause them pain. Doing so leads one to hell. This is the core principle of the Bhagavatam. If we follow this in our lives, our life will be truly meaningful.

► Watch this answer · 03:47 · 13 October 2022

Q 996 Will this message be spread amongst us, in the media, and everywhere, or will it remain confined to just this gathering?

Answer: It is not necessary to have this information. As I said before, please ask questions about the Shrimad Bhagavatam or about our upcoming satsang in Gujarat. That would be better. This question will not be understood by everyone, and it is a personal question. You can speak with me privately about it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:06 · 13 October 2022

Q 997 Since childhood, I have been worshipping Mahadev (Lord Shiva). Is worshipping him over Lord Vishnu considered unrighteous (adharma)?

Answer: When the time comes for the establishment of dharma (dharma sansthapana), especially in Kali Yuga, the scriptures state that chanting the 16 names is the path to salvation for humans. Those who worship Lord Shiva receive wealth and prosperity, as do those who worship the Goddess, and the devotees of Lord Vishnu also receive everything. However, at this specific time, it is best for all humans to worship Lord Vishnu in his Kalki avatar. Because the Lord is about to arrive, it is the greatest good fortune for even the humblest of humans to welcome him. Therefore, at this time, one should worship Lord Vishnu. You can worship Lord Shiva, Lord Brahma, and all the deities, but take refuge in Lord Vishnu, because He Himself is about to descend to establish dharma.

► Watch this answer · 24:08 · 13 October 2022

Q 998 We are told to worship Khatu Shyam Ji and Lord Baldev. Are they, Lord Kalki, and Lord Vishnu all one and the same? Whom should we worship now?

Answer: Khatu Shyam Ji, Lord Baldev, and Lord Kalki are all one and the same. Religion has become divided; some call themselves Vaishnavas, some Buddhists, and so on. The Kalki Purana even mentions the one worshipped in Jainism. What is good is that the Lord will establish dharma. In this lifetime, Balaram will not come separately. The body of Lord Kalki will be a combination of both Lord Balaram and Lord Krishna. So, you have the good fortune to worship Lord Ram, Krishna, and Balaram all at once. You should worship Khatu Shyam Ji and Baldev; they are forms of the Lord. But since this is the time of establishing dharma and the Lord is about to arrive, it is the foremost duty of humans to welcome Him. The Malika also states that during the great destruction, everyone will have to take refuge in Him. If they don't, they may not be saved.

► Watch this answer · 26:16 · 13 October 2022

Q 999 My question is, the Bhagavata Mahapurana states that in Kali Yuga, dharma stands on only one of its four legs. What will the state of dharma be in the Ananta Yuga?

Answer: According to the scriptures, there are four yugas: Satya, Treta, Dvapara, and Kali. Before the complete Satya Yuga arrives, a special yuga is formed for the Lord and His devotees. The Lord Himself takes an avatar and nurtures His devotees for 1009 years. After that, the complete Satya Yuga begins, and the cycle of yugas continues. The Ananta Yuga is the yuga of Lord Maha Vishnu, whose name is Ananta. 'Hari Ananta Hari Katha' means Hari (Vishnu) is infinite. He will take the Kalki avatar and nurture his devotees for 1009 years, establishing a 'Ramrajya' (the kingdom of Rama). All the gods, sages, and saints who worked for the welfare of the world in every age will convene. The Ananta Yuga will be an independent yuga with a human population of only 640 million and will last for 1009 years. After that, all the people of the Ananta Yuga will transition into the full Satya Yuga, living lives like sages, and the cycle of yugas will begin anew.

► Watch this answer · 29:01 · 13 October 2022

Q 1000 I wanted to ask about the Mahakal temple. I had heard something about what will happen to it.

Answer: Look, wherever the Lord's presence is, be it the domain of Mahadev (Shiva) like Rameshwaram, Ujjain, Kashi, Varanasi, or places like Kedarnath, Badrinath, and Dwarkanath—all these sacred regions will be protected. However, the people in those regions who engage in evil deeds and are not on a righteous path will be destroyed in some way or another.

► Watch this answer · 31:57 · 13 October 2022

Q_1001 I wanted to ask something different. I came for a darshan in August and encountered people who are defaming you and spreading misinformation about the Malika that you are teaching us. What should we do about this?

Answer: In this world, as Kali Yuga is ongoing, you will face a lot of defamation. Look, mother, there is no need for us or for you to be concerned about this. We don't think ill of anyone; we simply try to guide people. In Kali Yuga, when a son and daughter have no pure love, affection, or trust for their own parents and family, how can we expect dharma in the world? So, don't worry about it. We can discuss this further at another time. You can call me and we can talk. It's better to let new people ask questions now so we can resolve some of their issues.

► Watch this answer · 33:35 · 13 October 2022

Q_1002 Regarding the 640 million people who will enter the next yuga, will the Malika reach all of them? If so, by when? And if it doesn't reach everyone, how will the others be saved from the great destruction?

Answer: Mahapurush Acyutananda wrote many times that this knowledge is 'gupta' (secret). Even if it is revealed, it is not possible for everyone to hear, understand, and digest it. For the true devotees of the Lord from past ages, it is not difficult; the Malika will reach them one way or another, and they will believe in it. The time for its revelation has come. It is written that the Malika will reach the devotees. It will not reach the sinners, or if it does, they will not accept or believe it. Our duty is only to speak the truth. The Malika will find its way to the devotees. For instance, there are devotees like Krishnanand and Shailesh who, after earnestly seeking the truth, had the Lord speak to them or found the Malika themselves. I can assure you that any good devotee with a pure character, who has performed good deeds, will definitely have the Malika reach them.

► Watch this answer · 36:11 · 13 October 2022

SESSION 51 · QUESTIONS 1003–1018

L49 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Part- 2

Date: 16 October 2022 · Watch the full session ↗

Q_1003 Sanaka Muni asked: In the current terrible age of Kali Yuga, when humans are sinful, corrupt, and ignorant, how will they be liberated?

Answer: Suta Muni explained that the Bhagavata Katha (the narrative of the Bhagavata Purana) is the path to liberation. He said that this katha is not ordinary. Not every human gets the opportunity to hear the Bhagavata Katha even over many lifetimes, and not everyone can become a scholar of it. The most fortunate person is the one who reads the Bhagavata, listens to its stories, and follows its path. The speaker quotes Tulsidas Maharaj from the Ramcharitmanas: 'He is the most fortunate who is devoted to the feet of Rama.' This means that those who completely surrender themselves at the feet of God, not for show but with genuine devotion and love, are the most fortunate. Therefore, the greatest fortune for humans is to take refuge in God, listen to the Bhagavata Katha, and read the Bhagavata scripture. Suta Muni further explained that humans are unaware of their countless past births. When people chase worldly pleasures, spiritual knowledge is lost. He told the sages that the Bhagavata is a scripture that contains devotion (bhakti), knowledge (gyan), detachment (vairagya), and the ultimate essence (tattva). By incorporating these into one's character and actions, one attains liberation. Thus, through devotion, knowledge, detachment, and the essence, one finally attains liberation (mukti). Tulsidas Maharaj also wrote about this in the Ramcharitmanas. The Bhagavata Katha can transform people. The current time is the end of the Kali Yuga. When an age ends, dharma (righteousness) must be re-established. For this to happen and for people to be saved, the propagation and reading of the Shrimad Bhagavata Katha and adherence to Vedic principles are necessary.

► Watch this answer · 17:34 · 16 October 2022

Q_1004 At that time, all the sages and Sonaka Muni asked: Who told you about the rules, rituals, and traditions of this Bhagavata Katha?

Answer: The speaker narrates a story in response. The great sage Narada Muni traveled across all the holy sites like Kashi, Varanasi, and Haridwar. He observed that sin was rampant everywhere. People lacked dharma, devotion, liberation, and knowledge. They had become lazy, corrupt, and violent, causing trouble for simple, good people. Seeing the decline of Sanatana Dharma, with temples being destroyed, Narada became deeply saddened. With a heavy heart, he went to Badrinath, but still found no peace. There, he met the four Kumaras (Sanaka, Sanandana, etc.). They greeted each other, and the Kumaras asked Narada why he looked so troubled. Narada explained his sorrow over the state of the world. The Kumaras then told him there was one solution: a seven-day Bhagavata Katha. They explained that if this katha is propagated in the world according to its proper rules and Vedic tradition, it will awaken devotion, knowledge, detachment, and the ultimate essence (tattva) in people, leading them towards liberation. This filled Narada with joy. Subsequently, the first seven-day Bhagavata Katha was held at Anand Ghat in Haridwar among the great sages.

► Watch this answer · 26:52 · 16 October 2022

Q_1005 The sages asked Narada: You are pure through knowledge and a saint with spiritual culture. You are a great sage, like God himself. Why do you seem so disturbed, as if a person has lost all their wealth and is sitting alone on the road?

Answer: Narada replied: I have traveled all over India, which is the land of the gods, visiting all the holy places. I saw that there is no devotion, knowledge, or detachment among people, which are the essence of Sanatana Dharma established by Vishnu. Thinking about the state of the world, the security of the earth, and the future of human society, my mind is filled with conflict about what will happen and how things will be.

► Watch this answer · 30:22 · 16 October 2022

Q_1006 So Narada Mahamuni said, 'Lord, what is the path?'

Answer: The Kumaras replied: A seven-day Bhagavata Katha. If it is propagated in the world according to rules and Vedic tradition, then devotion, knowledge, detachment, and the essence (tattva) will be illuminated in humans. And when these four elements are illuminated in a person, they can move towards liberation. This is also the goal for which Brahma, Vishnu, and Mahadeva created the earth.

► Watch this answer · 31:56 · 16 October 2022

Q_1007 King Parikshit asked his guru Sukhdev, 'Gurudev, what should I do?'

Answer: This question was asked when the gods, led by Indra, came to King Parikshit. They offered him a pot of divine nectar (amrit) to make him immortal, in exchange for the Bhagavata Katha, which they wanted to hear for their own liberation. Upon hearing this, Sukhdev laughed and said, 'The gods don't have devotion. What will they do by listening to the Bhagavata Katha? It's like comparing a piece of glass to a precious gem.' He implied that the Bhagavata Katha is far more valuable than the nectar the gods were offering. It is meant for devoted humans, and therefore, the Bhagavata Katha is a treasure that is rare even for the gods.

► Watch this answer · 38:58 · 16 October 2022

Q_1008 Father, I am saying that we can only read the Bhagavata in Hindi. Is that correct, or is it necessary to read it in Sanskrit as well?

Answer: It is available in Sanskrit, English, Tamil, Telugu, Oriya, and Bengali; it is in all languages. Whichever language you speak, there is no problem in reading it in that language. It is available in your own mother tongue, and by reading it, you can receive all its benefits.

► Watch this answer · 45:04 · 16 October 2022

Q_1009 Jai Shri Madhav, Pandit ji. Is the Shrimad Bhagavata Gita given the same importance as the Mahapurana (Shrimad Bhagavatam), or is it something else?

Answer: Look, the Shrimad Bhagavata Gita... The Bhagavata contains devotion, knowledge, detachment, and the essence (tattva). The path to liberating one's life is found in the Shrimad Bhagavatam, as written in our scriptures. Reading the Bhagavad Gita is good, but the path to liberation, according to the scriptures, is why the Shrimad Bhagavatam is called a Mahapurana (the great Purana). I mentioned in the last satsang that the Shrimad Bhagavata Katha is the essence of the four Vedas and eighteen Puranas. By reading it, devotion, knowledge, and detachment will be illuminated in you, and you will attain liberation. The Gita is the best scripture of Sanatana Dharma, but the Bhagavata Mahapurana is the greatest path to liberation for our lives.

► Watch this answer · 45:54 · 16 October 2022

Q_1010 In the Bhagavata, as you mentioned, there is knowledge, devotion, and detachment, as well as the essence. But in some places, there are also extremely romantic or erotic descriptions. Why is that?

Answer: It is not within my capacity to analyze that. There is romance, there is devotion, there is knowledge. It contains Jnana Yoga (path of knowledge), Bhakti Yoga (path of devotion), Brahmacharya (celibacy), all worldly rules, the governance of kings, and the lineage of God—everything is written. This is the word emanating from the mouth of God. What can a small Brahmin like me say about it? I will only say that God has said it, so it is our greatest duty to accept it. Someone once asked the great sage Sukhdev ji, 'God is the lord of the entire universe, so why did he spend so much time with the Gopis?' Sukhdev ji replied, 'Only He knows what is necessary and what is not for the world; we do not know.' When Sukhdev ji could not answer it, how can I?

► Watch this answer · 48:16 · 16 October 2022

Q_1011 Regarding the Shrimad Bhagavata, is there a fixed time to read it every day, or can we read it at any time during the day?

Answer: From 4:00 or 4:30 in the morning until 12:00 midnight, you can read the Shrimad Bhagavata at any time. You can also listen to it. Look, we all work for our livelihood, we eat, drink, and live our lives, but this is about our life's ultimate journey. As I told you before, if we plant a seed in the soil, a plant or tree grows from it. Similarly, the fruit of this human birth... you should practice reading it daily. Listen to the katha, but as the Satya Yuga (Age of Truth) is beginning, the more you read it daily, the more peace you will find. It is nectar. Read it and see; no matter how much you read, your mind will not be satisfied. People spend their whole lives reading the Bhagavata hundreds of times, and still, the mind wants more. So read it according to your available time. God is always awake for his devotees; God does not sleep.

► Watch this answer · 50:25 · 16 October 2022

Q_1012 Regarding the event from November 22nd to 28th, if for some reason we cannot attend, how can we observe it at home?

Answer: Look, if you can go, then you should go. If you cannot, life has many difficulties and responsibilities. This is the first satsang of its kind because, in this Bhagavata Katha event, people themselves will read the Bhagavata. This is the first time in this transitional era (Sangam Yuga) leading to Satya Yuga that so many people will sit together and read the Shrimad Bhagavata. It will begin with the sound of the conch. It is written in the Malika that those who participate will enter the Satya Yuga. That is why this is being propagated. You can certainly observe it at home, no problem. If you cannot go, there will be a live telecast from 5:30 to 8:30. You can read the Bhagavata at home and listen to the katha. Accordingly, at home, you can place a kalash (holy pot), sing hymns and kirtans in the name of God, and purify your home. For those seven days, while you are listening to the Bhagavata Katha, you should not sleep on a bed. Those who listen or read for the seven days should sleep on the floor. You should also eat sattvic (pure, simple) food; rajasic (stimulating) food is not in accordance with the rules during that time. When the Bhagavata Katha is happening, one should have simple food. This way you will also receive the benefits.

► Watch this answer · 52:49 · 16 October 2022

Q_1013 Tell me in detail.

Answer: We went there for darshan (holy viewing). First, a lady was passing by that place, and it's an open area, so no excavation was happening there. But she saw it manifesting on its own while coming up from the ground. Then she told everyone. So now, worship and rituals are being performed there, and we are also planning to establish a temple there in the future.

► Watch this answer · 56:31 · 16 October 2022

Q_1014 You mentioned the destruction (sanghar) will happen for the whole world. Will it also happen in India?

Answer: Sins are being committed in India too. Look, our Sanatana Dharma itself says that it created the universe and gave it its principles and order. Humanity is a creation of Sanatana Dharma. Therefore, the destruction will be of the sinners, whether they are in India or any other country. It will be of those who oppose the Vedas. Because when God comes, he establishes dharma according to the principles of the Vedas. Those who oppose the Vedas and do not follow its path, regardless of their religion—be it Hindu or any other—wherever there are sinners, they will be destroyed. If the sinners remain, then peaceful people will not be able to live. How will the Satya Yuga (Age of Truth) begin? So, Mahadev will surely carry out the destruction. Much has been written about it, which are secret truths I cannot reveal because some people will not like it. But I will say this much: Mahadev will carry out the act of destruction across the entire world. And that Mahadev is the power of Kalki; it is one and the same power. The destruction is for the sinners, and for the devotees, there will be salvation. On one side, there will be a procession of destruction, and on the other, devotees will be joyous, continuing with their hymns and kirtans in bliss.

► Watch this answer · 58:09 · 16 October 2022

Q_1015 My question is, God performed the Rasleela. Will he do it in this era, and where?

Answer: You have asked a very good question. In the Dvapara Yuga, the Lord gave the fruits of their penance to the Gopis. I don't call it Rasleela because God is not anyone's husband or lover. But the devotees had performed penance to bind him in a worldly play, so the Lord fulfilled their wish. The Lord himself did nothing; he was just an instrument. He is unborn; he exists in both formless and with-form states and has no discrimination. He fulfilled the wishes of the devotees. But in this Kali Yuga, the Lord will hold a sword and a chakra (discus) in his hands and will perform the act of destruction. In this era, the Lord will not hold a flute, because the number of sinners has increased greatly, and destroying the sinners is the goal of his incarnation in this birth. There will be no Rasleela, but there will be a union between the devotees and God. There will be satsang (spiritual gathering), and Ram Rajya (the kingdom of Rama) will be established. Devotees will be made kings. In that era, he fulfilled the wishes of the devotees, but in this era, he will make the people kings, because the Lord's actions change according to the era.

► Watch this answer · 01:00:21 · 16 October 2022

Q_1016 Father, my question is according to the Shrimad Bhagavata. When a fetus in the womb cries due to suffering, it prays to the Lord. But as soon as it comes into the world, does it get entangled in its destiny (prarabdha) and forget everything? Why does this happen?

Answer: You have asked a very good question; all devotees should listen. Before a person is born, they pray to God in the mother's womb. They say, 'Lord, save me. If I am born in this life,'—this is written in the Bhagavata—'I will do satsang, I will spread your name through hymns and kirtans, and then I will return to you. Please save me this one time.' While praying to God, when they are born on earth, their sensory powers, the five senses, and the six vices... for those who come with love for God, these things do not touch them. Because, look, when we walk on a road, we see a temple on one side, poor people on another, and the mansions of the rich on yet another. Everything is available in the world. To control the mind, it is written in the Shrimad Bhagavata that by reading it, this illusion (maya) can be dispelled. As you said, after birth, everything engulfs the person and they forget. This is because, as Prahlada told all the children, 'Read the Bhagavata, start from the time you begin to understand God.' So, I want to give this message to our Sanatani people through your good question: if someone reads the Bhagavata from childhood, as Suta Muni says, they can control their mind and direct it towards God, keeping them away from illusion and the senses. If we provide this culture from our families from an early age, our next generation can be saved from the problems that we are suffering from in the world today.

► Watch this answer · 01:05:31 · 16 October 2022

Q_1017 I heard something about the 33 crore (330 million) gods... who is the greatest among them?

Answer: Brahma Deva created the eight Vasus, the ten... and the twelve Adityas (suns), as twelve suns rise on the earth in twelve months. Who is the greatest among them? Sanatana Dharma says that God is the greatest in the world. In our ideology, elevating one and diminishing another does not align with Sanatana Dharma. This is God's ideology, God's creation. Whom He makes great, good, or bad—this is not in our hands, nor is it under our control, nor is it within our capacity to speak on such a grand matter. I will only say that God is the greatest in the world, and our devotion and surrender to God are what is best for us. The sun, moon, stars, planets, constellations, the eight Vasus... these are all a part of creation. All of this dissolves into the Brahman (the Absolute). When it dissolves, a new creation also happens. The one who creates is the greatest. Those that are dissolved are created from Him. So who shall we call the greatest? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:09:10 · 16 October 2022

Q_1018 Please give some message about the 'twelve-hand sword' (barah haath khanda) mentioned in the Malika.

Answer: This is written in the Malika and has many interpretations. Lord Kalki will have one sword, and its length is described as being able to increase and decrease according to his will. Some people say he will hold a sword twelve hands long and carry out the destruction. However, in our view, it means that everyone in the world will turn towards sin. In every village and across the world, people will become rebellious. People will kill each other over small matters, murders will happen, and this will continue. It means that everyone in the world will have a 'sword' in their hand, and violence will manifest. The weapon that Lord Kalki will actually wield is the Vajra (thunderbolt). This is written in the Malika. A sage named Matanga attained the state of Brahman through penance, and his bones are in a secret place, which is now awakened. When Lord Kalki gives the command, it will come to his hand. He will strike with that Vajra. Be it a nuclear bomb or any advanced technology, no matter how powerful, the Lord will burn it to ashes with the power of the Vajra. If the Lord were to go on killing people one by one, it would take too much time. So, the 'twelve-hand sword' symbolizes that everyone in the world will become violent. But Lord Kalki will wield the Vajra for the final destruction. This is from the Malika. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:11:29 · 16 October 2022

SESSION 52 · QUESTIONS 1019–1025

L50 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagwat Mahatamya Part -3

Date: 20 October 2022 · Watch the full session ↗

Q_1019 The scriptures describe women as 'maya' (illusion) and adulterous, while men can have multiple marriages without being considered adulterous. It also says a man's family should support him for his salvation (moksha), but there's no such provision for a woman. It feels like a male-dominated society. Will this change in Satya Yuga? Why is a woman's role seemingly limited to household chores? If Goddess Durga can be a destroyer, why don't women get those rights? This is a heartfelt question about the struggle and lack of safety for women even today.

Answer: That is a good question. In the Bhagavat, a woman is described in three forms: as a daughter, a wife, and a mother. When she serves food to her husband and family, she is seen as a mother. The relationship between husband and wife is the basis of creation. Mothers are given respect everywhere. It is said that a wife should follow her husband's path. The soul is one, though bodies may be different—male or female. It's not that women are not given rights; the Shrimad Bhagavat gives the highest right to the mother. Lord Krishna himself respected and obeyed his mother. The descriptions of a wife's duties might not seem right in today's age, but in the coming Satya Yuga, the bond between husband and wife will be unbreakable and pure. The scriptures describe the duties of husband and wife for the Kali Yuga. If a woman serves her husband with devotion, she attains Vaikuntha (heaven) and needs no other karma. A man, however, has to consider his karma from birth to death. It's not that men dominate; mothers are respected in every home. The Bhagavat describes how a husband and wife should live. Both must be pure. If their bond is strong and faithful, God brings them back together as husband and wife in the next life. Regarding multiple marriages in Satya Yuga: a man could marry multiple women because he could fulfill all their needs, as resources will be unlimited. No one will be forced into marriage. In that era, if a woman expressed a desire to marry a man, even if he was already married, her wish could not be denied, as it would lead to a curse. A man could keep 10-15 wives peacefully, a peace not found even with one wife today. It will be a realm of absolute truth and righteousness. In Satya Yuga, the respect for mothers will be the highest. A mother is a goddess, the protector and creator of the world. The Bhagavat explains these things from the perspective of family duties. So, read the Bhagavat with joy, serve your husband, and by doing so, you will attain what even great sages cannot.

▶ Watch this answer · 47:33 · 20 October 2022

Q_1020 What is the meaning of 'Satchidananda'?

Answer: Satchidananda means He who exists in the conscious world, in the formless (Nirguna), and in the formful (Saguna). He creates and dissolves the universe. He saves humans in the world through various forms of penance. He is in the conscious world, formless, with form, with attributes, and without attributes—He is everywhere. That is why He is called the form of Satchidananda. He is the one who nurtures and does everything, but He also considers His own karma. God has never been partial to the world. He also takes the fruits of karma and bestows them upon the world. That is God's way of thinking.

▶ Watch this answer · 55:26 · 20 October 2022

Q_1021 There is an eclipse on the 25th and another on the 8th, both within the same fortnight. What is the significance of this?

Answer: When the new moon (Amavasya) and a solar transit (Sankranti) occur together, it will be a very difficult time, hard to manage. I advise you to follow the 'Dhara' (the stream/path of righteousness) and stay in the Satsang (spiritual gathering). If you want to make this life meaningful and protect your family, there is still time. If the world accepts this path of Dharma, it will be the greatest way to be safe; there is no other way.

► Watch this answer · 57:42 · 20 October 2022

Q_1022 What is 'Tri-sandhya Aarti'?

Answer: Tri-sandhya refers to worship at the three junctures of the day. The first is in the morning, during Brahmamuhurta, which starts from 3:30-4:00 AM until 6:30 AM. Then comes the afternoon, followed by the evening Sandhya. These are junctures or meeting times (Sandhi Samay). Just as humans have duties, so do the gods. During these Sandhya times, if one chants Vedic hymns, reads scriptures, or recites the Bhagavat, all the gods and celestial beings (Vasus) become pleased. Receiving this worship, they look after the world with a benevolent gaze. This will bring auspiciousness to the world. Human society will be free from disease and live in peace, and no problems will arise on Earth. That is why we say everyone should perform Tri-sandhya. If you do it, others will follow your example. If everyone in India performs Tri-sandhya, India will become a pure, divine land, and no calamity will befall it. The divine protectors also need to be worshipped, and the service we must do for them is fulfilled through Tri-sandhya.

► Watch this answer · 01:00:02 · 20 October 2022

Q_1023 What is 'Dravya Yagya'?

Answer: In the world, to save people from their karma and sins, 'Dravya Yagya' (sacrifice of material possessions) is also performed. You know that in our Sanatana Dharma tradition, when someone dies, donations are made. Donating material things ('dravya') at that time is recognized as a Dravya Yagya. This means donating things like a cow to a Brahmin, or giving rice, food, and clothes to a poor person. Some donate a house, some donate land. Through this, a person earns Dharma (righteous merit). This also absolves a person's sinful karma, and by attaining Dharma, they can even reach heaven (Swarga Loka).

► Watch this answer · 01:03:24 · 20 October 2022

Q_1024 You said that when greed and desire end, one attains detachment (vairagya). It is also said that one should not ask for anything from God. After following this path, most worldly desires have faded, but a new, strong desire has emerged: to get the Lord's company, the opportunity to serve Him, and to be with Him always. Is it right to have such desires, or should we not ask for anything at all from the Lord?

Answer: This desire is our greatest asset. To become a pure being like those in Satya Yuga, this desire for God arises at the final moment. Everyone becomes happy and blissful. A human who does not have this desire for God is not truly human. If this feeling is arising in you, awaken it even more. God is happiest when this happens, because it is the union of the individual soul (atma) and the supreme soul (paramatma). If a person has no love, devotion, or attachment towards God, how will they achieve liberation? It is necessary to turn away from worldly things. Worldly objects are created by Maya (illusion) and are perishable. We should not have any attachment to them. But God is infinite, the master of countless universes. His existence is limitless, and so is our soul. So, if this love, purity, and attachment between the soul and the supreme soul exists, then know that God's grace is upon you. Love as much as you can, increase your attachment to the Lord as much as you can. In this world, the wealthiest person is the one who does this.

► Watch this answer · 01:05:03 · 20 October 2022

Q_1025 Why did human birth happen? This is the biggest question on this earth. I also ask, why did we come? What was left for us to do? For what purpose did man come to this earth?

Answer: The scriptures say that God gives a human birth and says, 'Go, complete whatever karma is remaining.' The greatest path for this is Bhakti (devotion). The one who has devotion is the greatest scholar in the world. One doesn't become great through worldly knowledge or education. If one becomes great on the path of devotion, they are called the greatest scholar. With the arrival of devotion, a person's past sinful karma is slowly washed away. And slowly, through devotion, divine knowledge comes. Just as the young woman was saying earlier, after coming into this 'Dhara' (path), her attachment to worldly things has broken, but her attachment to God is increasing. She was asking if this is right. Yes, it is right. Anyone who comes into our 'Dhara', reads the Shrimad Bhagavat daily, and stays in the Satsang will have no worldly attachments. They will not be disturbed by any sorrow because they will gradually be cleansed. Slowly, devotion and a sense of surrender to God will arise. Stay on the path of devotion. Whatever has happened in this human birth, the Lord will cleanse it all through righteousness, devotion, and surrender, and then He can grant peace, happiness, and even a place in Vaikuntha.

► Watch this answer · 01:08:35 · 20 October 2022

SESSION 53 · QUESTIONS 1026–1040

L51 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagbat Mahatamya part -4

Date: 23 October 2022 · Watch the full session ↗

Q_1026 Pandit ji, as you say, in Odisha, Kalki is currently in his child form, and many people have even had his darshan (sighting). I have felt this and heard about it in the satsang. So, can God be recognized in his child form? Is such a thing possible, or are these just stories?

Answer: Look, according to the Bhavishya Malika, which was written by the Sudama Sakha... and what is written in the Malika about the Jagannath culture, the Jagannath region, and the signs of change in the world, we understand that the time for God's incarnation on Earth to establish dharma is ongoing. The gathering of devotees will happen in the time to come, and the Malika will be the greatest medium to deliver the devotees. So, you should do one thing: the satsang that happens via Google Meet and the other satsang that happens daily... because the Malika is written for the devotees and for their salvation. And the second thing is, there is a scripture of Sikhism, in which our revered Guru Nanak Dev has written that Lord Kalki's incarnation will happen in Odisha, not in the Gaya region. You should read and see a little about this. This is a secret for you all. With Gurudev, who knows everything in the world, he has also written something about the Kalki avatar.

► Watch this answer · 48:29 · 23 October 2022

Q_1027 Jai Jagannath, this is Rajendra speaking. Could you please elaborate on that (how the spirit of Dhundhukari listened to the katha)?

Answer: It exists in a form, meaning it exists in the form of air (pawan), and sometimes its true form (swaroop) also manifests. Because just like a human has a form, it moves like the wind. There was a hole inside the bamboo node, and in that hole, he kept listening to the Bhagavat Katha. Every day, one of his knots would break, meaning it would burst. In seven days, seven knots burst, and he attained liberation (mukti). He got his divine form. He manifested, bowed to everyone, expressed his gratitude, and he was liberated. It is written that whoever performs or listens to the Bhagavat Katha with true devotion and according to the rules will attain liberation.

► Watch this answer · 51:20 · 23 October 2022

Q_1028 What precautions should be taken with holy items like scriptures and idols during an eclipse?

Answer: Whether it's a deity or God, for everything, you should take what is called cow dung from a mother cow, mix something in it, and touch the items with it. After the eclipse is over, sprinkle everything with Ganga jal (Ganges water) and then you can read. At that time, in all your homes, wherever our deities, idols, books, scriptures, or Puranas are, or any material that has some small quality, you should apply cow dung to it and keep it. This way, it will remain pure. This is the main rule for an eclipse.

► Watch this answer · 55:06 · 23 October 2022

Q_1029 What is the difference between a Sadhu, a Sant, a Rishi, and a Muni?

Answer: A Sadhu is one who earns a livelihood through righteous, truthful means and runs their family. They completely follow the Vedic path of karma. They do not do any illicit work in the world. Purity and sanctity are visible in their food, actions, and sleep—in all their deeds. They are called Sadhus. And Sants are those who are benevolent for the world. And Rishis are those who perform penance (tapasya). In Kali Yuga, I don't see many Rishis. The ones we call Rishis sit in penance for many years, for 1000-2000 years, meditating on God. They are called Rishis. And those who, after attaining spiritual powers (siddhi), write the Shastras and Puranas are called Munis. So these are the different categories. In our Kali Yuga, you know the number of Sants, and there are Sadhus, because only Sadhus can be saved in Kali Yuga... by chanting Hari's name, reading the Bhagavata, people can attain liberation.

► Watch this answer · 56:29 · 23 October 2022

Q_1030 How many chapters should one read at a minimum to receive the benefits?

Answer: Even then, dharma comes, but the main path, according to our Vedic tradition... people today, besides their jobs, don't have much time. So you can read one chapter. Read it with devotion, read it with surrender. God will accept it, and our lives will also become meaningful. Because if the Bhagavata is read in a home, that home becomes a confluence of five holy places (Pancha Tirtha) - Ganga, Yamuna, Saraswati, Triveni, Prayag Sangam. All the gods, sages, and rishis come and are present there. If you read it at home, the house becomes a holy place, and the people living within it attain liberation.

► Watch this answer · 59:14 · 23 October 2022

Q_1031 Guruji, whatever results we get are based on our past karmas. So, after listening to the katha (discourse), can the karmas we have done be washed away? I didn't understand that. I wanted to understand that a little.

Answer: Look, karma is the most significant stream for a human being. Because even in the Gita, God explained this to Arjuna: 'Perform your karma, for nothing in this world is greater than karma.' But karma is of two types. One is social, worldly dharma, and the second is spiritual karma. Both are necessary. We have to perform worldly karma, and at the same time, spiritual karma, from which the Sanatana Dharma originated. The second is spiritual karma, meaning to liberate this soul, we need to do Hari Kirtan, we need to read the Bhagavata. Because when all the saints and rishis in Naimisharanya asked Vyasadeva, 'You have written so many scriptures. But the people of Kali Yuga won't be able to understand the meaning of these shlokas. Who has the time to read these scriptures and attain liberation?' Vyasadeva told them what karma all humans must do... 'The essence of all Puranas, in the words of Vyasa, is that helping others is the greatest virtue (punya), and harming others is the greatest sin (paap).' The greatest virtue is to serve the world, and if you do bad to others, sin is created. And if we work for the welfare of all beings in the world, we will attain heaven. So, karma has two aspects: spiritual karma and worldly karma. If we do this, we can attain heaven. But if we worship Lord Vishnu or Narayana, Krishna, Rama, and become surrendered in devotion, then God gives Vaikuntha. You can get heaven, Surya Lok (Sun's realm), Chandra Lok (Moon's realm), Pitru Lok (ancestors' realm), or even Gandharva Lok, Patala Lok.

► Watch this answer · 01:00:38 · 23 October 2022

Q_1032 If I read the Bhagavata Purana, can the impact of my past (bad) karma be reduced?

Answer: Absolutely. Just as when light shines in the darkness, all objects become visible, similarly, if a person reads the Srimad Bhagavata and performs good spiritual deeds, the light of truth shines upon their bad karma. Gradually, they become truthful. And a time will come when they will not perform bad deeds because their body will gradually become spiritual. Their conscience (vivek) will awaken. When conscience and discrimination awaken, people in the world will become good. And to awaken this conscience, spiritual karma is necessary for all human beings, for all of us.

► Watch this answer · 01:04:08 · 23 October 2022

Q_1033 My question is, when we read the Srimad Bhagavata at home, do our ancestors who have passed away come to listen?

Answer: Look, the house where they lived and which they left, those who have not attained liberation, many of our ancestors are still waiting around our house, whether in our courtyard or near the trees and plants, because they haven't been liberated. And when the Bhagavat Katha takes place, all of them from the ancestral realm (Pitru Lok) and the mortal realm below, they all come. Because God himself has given them the right to come for holy and truthful activities. People who have received various births according to their karma have the right to come. So when it is read in your house, the ancestors are happy on one hand, and they also come to listen. And by listening, those who haven't found liberation can also attain it.

► Watch this answer · 01:05:01 · 23 October 2022

Q_1034 What is the essence (tattva) of the Bhagavata?

Answer: The Bhagavata is from the mouth of Lord Shri Bhagavan. Reading it gives a person that energy and power in their body. And when devotion (bhakti), knowledge (jnana), and detachment (vairagya) are attained, the essence (tattva) is the most important thing. Because a person who lacks devotion... after devotion comes knowledge. When knowledge comes, then their attachment will not remain. And all their time will be dedicated to work, then their connection with the Bhagavata will gradually increase, and through the power of its essence, they can attain liberation. The Bhagavata is such a scripture that all the gods and God himself narrated it to Lord Shankar and Brahma Dev in the Satya Yuga and other early ages. And that same Bhagavata, in later ages, came to be read in the world as the Bhagavat Katha and the Bhagavata scripture. And Vyasadeva re-edited it in the Dvapara Yuga. Initially, God had already told it to Brahma Dev and Lord Shankar. Now, what else do you want to know? Tell me.

► Watch this answer · 01:06:26 · 23 October 2022

Q_1035 For those of us who read the Bhagavat Katha daily at home, are there any rules regarding diet or the proper way to read? What rules should be followed?

Answer: First, the purity of the mind is essential. What is the meaning of mental purity? The purity of the mind is that your mind should become like a mirror. In your mind, only the reflection of God, the qualities of God, and the glory of God should be present. Giving space to anything else will make your mind dirty. So, those who read the Bhagavata should first purify their minds, meaning establish God in their minds at every moment. Keep working throughout the day and keep chanting God's name. As you do this, a time will come when no external, bad, or untruthful thought will enter the

mind. In terms of external practices, you can bathe, wear clean clothes, and offer flowers, incense, and lamps for worship. But first, the mind must be pure. Purify your mind and read the Bhagavata. If you can't bathe completely, you can sprinkle water on important body parts and read after washing your feet. Someone who is sick can also read. It might not be possible to bathe, but still, by sprinkling Ganga jal and chanting Mother Ganga's name seven times, you can read the Bhagavata. I'll tell you one thing, when Lord Shri Krishna was born in prison, Vasudeva was in prison. He had no place to bathe. It is written in this very scripture that in his mind, he remembered Mother Ganga Devi, took a mental bath, and then carried the Lord from Mathura to Gokul. So, purity of the mind is key, and we can even bathe in the Ganga mentally. Read the Bhagavata with a pure mind and attain God.

► Watch this answer · 01:08:28 · 23 October 2022

Q_1036 There are different verses. Is it enough to just read them, or is there more to it?

Answer: Look, the Bhagavata was created from 'shruti' (the revealed texts, i.e., the Vedas). The Shri Bhagavata was created from the Vedas. The Bhagavata is the ripe fruit of the wish-fulfilling tree of the Vedas. The Vedas have another name, 'shruti'. By listening to and reading the Bhagavata again and again, you will gain knowledge. After reading it once, twice, three times, you will understand it yourself because God gradually gives that understanding; He doesn't give it all at once. Keep reading, and you too will become knowledgeable. And so much knowledge will come... look, everything is within our body... you can become a 'Brahmajnani' (knower of the Absolute). Everyone in the world can, but by reading with devotion and purity of mind, again and again, the knowledge of the essence will manifest. Just as butter emerges from churning curd, that Bhagavata will manifest in your mind, and you will understand. That's why I say everyone should read it. If everyone reads, peace and happiness will come to the world and to every family. There will be no misfortune, no bad planetary influences, no black magic; whatever troubles people, they can get protection from that too. That's why we read it. Read it, narrate it, share it with the world. This will create peace in the world and help establish the Satya Yuga.

► Watch this answer · 01:12:37 · 23 October 2022

Q_1037 What is the relationship between the knowledge of the Gita and the Bhagavata?

Answer: The Gita was given the name of the supreme scripture and the Bhagavata was given the name Mahapurana. Mahapurana means it is like the confluence of all rivers. And for human liberation, the Bhagavata is most essential at the time of death. This birth is for worldly karma, but for many future births, the Bhagavata gives us support.

► Watch this answer · 01:14:43 · 23 October 2022

Q_1038 Should one wear a Rudraksha mala or a Tulsi mala?

Answer: I would say that the provision to wear Rudraksha is not for everyone according to Vedic tradition. But nowadays, many people wear Rudraksha. If I say much about Rudraksha, it could become controversial. I will just say this much: it is not mentioned in the scriptures for everyone to wear Rudraksha. But everyone can wear a Tulsi mala. The second thing is not to associate with bad people. It is necessary. Mahaprabhu brought it to this earth and said that those who wear a Tulsi mala and chant the Mahamantra will remain in bliss.

► Watch this answer · 01:16:04 · 23 October 2022

Q_1039 To bring surrender and steadfastness in devotion to the Lord's holy feet, what should a person do? Due to worldly influences and family entanglements, we often cannot remain firm, and laziness comes. How can one receive the Lord's grace and try to surrender oneself at the Lord's holy feet?

Answer: A very good question. Look, the question you have asked is necessary for us, for the world, for everyone, and especially for the devotees. See, when devotion comes to you, then the light of Bhagavata knowledge will shine. And in this Kali Yuga, people's minds are fickle. One minute they are reading the Bhagavata, and the next minute another thought comes. This happens to everyone, not just you. In the world, for those who are not in complete surrender, such problems arise. But do one thing: read the 'Gopa Lila' from the Srimad Bhagavata 12 times. Keep reading it continuously 12 times. After that, you will see how much bliss you get. And whatever distractions come, you will say, 'It is all an illusion,' and they will not be able to affect you.

► Watch this answer · 01:18:02 · 23 October 2022

Q_1040 I want to ask something... I didn't know about God before, but when I came to know about this... (Implied question: Why am I suddenly becoming interested in spirituality?)

Answer: It means that without God's will, no one receives the knowledge of the Bhagavata. When He himself desires it, He calls them. And through the medium of knowledge, He enters their mind and awakens them, as if to say, 'Come, take refuge in me.' So this happens by God's will. Whatever I am doing, I am doing by His will. Because anyone can do a worldly task, but righteous work (dharma karya) is solely under God's control. And only then does one get its fruit. When our mind is attached to Him, He helps us so that this being can be liberated by doing some good work. So you also do good deeds. And without the Bhagavata, without God's grace, this is not possible. Because His grace is there, we are discussing, and you are thinking about it.

► Watch this answer · 01:22:01 · 23 October 2022

Session 54 · Questions 1041–1050

L52 Today's google meet with pandit shree kashinath Misha,-- LIVE Bhagabat Mahatamya Part -5

Date: 27 October 2022 · Watch the full session ↗

Q_1041 Narada, what was your previous birth, and how did devotion to God and divine inspiration awaken in your mind? How did this happen?

Answer: Narada Mahamuni explained this in detail in the Srimad Bhagavatam. He said: In my previous life, my mother was a maidservant to some great people, and I was her only son. My mother raised me with great love and purity, always keeping me in her sight. She served in the king's house day and night, and I grew up there. However, due to the circumstances of time, I didn't mix with other people. I lived a simple life and had no interest in making friends or playing like other small children. As time passed, when I was a five-year-old boy, I got an opportunity for spiritual association (satsang). At the place where my mother worked, some saints and Brahmins came to stay for 'Chaturmasya' (the four months of the rainy season), as they would stop their travels and stay in one place. The owner of the house where my mother worked appointed me to serve them. My mother was also serving these saints and Brahmins, and I too got engaged in their service. While serving the Brahmins, by observing their worship, prayers, hymns, and devotion to the Bhagavatam, and by sitting with them and participating in their activities, devotion and the light of knowledge for God awakened within me. I stayed with them and would eat only once a day, and that too, I would eat the leftovers from the Brahmins' plates. All the Brahmins and holy men loved me very much and blessed me. Gradually, they explained the essence of the Bhagavatam to me. Through their teachings, I became immersed in the love of God and the Bhagavatam. When the four months of Chaturmasya ended, the Brahmins blessed me, saying, 'May the light of pure devotion to God shine in your heart, may you take refuge in God, and may His grace always be upon you.' After they left, some days passed. One night, my mother went out to milk the cows and was bitten by a snake, and she passed away. I had no one else; my father had already passed away, and I had no other family. Through the saints, the desire to attain God had already grown strong in my heart, and worldly attachments had gradually faded. After my mother's death, I left that place and started walking towards the north. On my way, I passed many huts and towns, but my mind did not settle anywhere. I continued walking and entered a dense forest, which had many ferocious animals. But my mind was fixed on devotion to God, so I paid no attention to the dangers. Then, near a reservoir, I felt tired and sat down. After drinking some water and bathing, my fatigue went away. I decided to sit in meditation, just as the Brahmins and saints had taught me, that it is easier to receive God's grace by sitting in a solitary, secluded place. When I found such a place and environment, I sat down and began to meditate on the infinite form of the Lord that the Brahmin saints had described. Slowly, I delved deeper into devotion. After some time passed in this state, I had a vision of the Lord's form. I saw the four-armed Narayana. It was so blissful that all worldly desires in my mind were destroyed; I could only see God everywhere. After a few moments, the Lord disappeared. I felt sad, but I did not give up. I sat in the same place and continued my penance and meditation on God. As I meditated, the Lord understood my sorrow and spoke to me through a divine voice from the sky, saying, 'You will not attain me in this birth. However, because of your devotion and spiritual impressions, I gave you this momentary vision. You will attain me in the next age.' He said that after the cosmic dissolution (pralaya), His memory would remain in my mind, and I would continue to worship Him and be in His refuge. Time passed, and I continued my penance, immersed in divine love. At the time of the great dissolution, when Lord Brahma was creating, I was born from Brahma's breath (mind)

as his son, Narada. As was the Lord's blessing, I was always engaged in chanting the Lord's name and in divine knowledge. I received the power to travel anywhere in heaven, earth, or the netherworld without any obstruction. Thus, I became the mind-born son of Brahma.

► Watch this answer · 21:10 · 27 October 2022

Q_1042 In our tradition, we sing the Durga Madhava Stuti (hymn). It says that Mahamaya (the great illusion/Goddess Durga) is omnipresent in the form of Madan Mohan (a name for Krishna). How is this possible? Please shed some light on this.

Answer: What is written there is a union of both Durga and Madhava. In one place, Mother Durga is praised with names like Rama, Uma, Vani, Radha, and in another place, Durga and Madhava are venerated together. The line 'omnipresent in the form of Madan Mohan' does not refer to Mother Durga. It is a praise of Madhava (Krishna). The hymn venerates both; one part describes Madhava, which you are referring to as Madan Mohan, and the other part, 'Durga Rama Vani Radha,' praises Mother Durga. So, both are venerated in the hymn.

► Watch this answer · 38:56 · 27 October 2022

Q_1043 In the Satya Yuga, which incarnation of Lord Narayana was there?

Answer: In the Satya Yuga, it was the incarnation of Lord Vishnu. In the Satya Yuga, the Lord took four main avatars to establish dharma: Matsya (the fish), Kurma (the tortoise), Varaha (the boar), and Narasimha (the man-lion), and the Vamana (dwarf) form is also included. These forms were manifested when needed. For instance, when the Vedas needed to be rescued, the Lord took the Matsya avatar to save them and spread their light in the world. The Kurma avatar was for the churning of the ocean, from which gods, yakshas, gandharvas, humans, medicinal herbs, and all elements essential for the universe were created. In the Varaha avatar, the Lord established the Earth in its proper place in the cosmos. In the Narasimha avatar, the Lord saved his devotee Prahlada and vanquished the demon Hiranyakashipu. In the Vamana avatar, he subdued King Bali and sent him to the netherworld. So, avatars appear in every age. These were the special avatars of the Lord in the Satya Yuga. But above all, Lord Vishnu is the primary deity of the Satya Yuga. The scriptures say, 'Krite yad dhyayato Vishnum,' meaning in the Krita Yuga (Satya Yuga), everyone meditates on Lord Vishnu.

► Watch this answer · 40:02 · 27 October 2022

Q_1044 When the devotees of the 'mandal' (circle/group) gather, could you please shed some light on the devotees in the different mandals? Tell us a little about them.

Answer: The purpose is the establishment of Sanatana Dharma throughout the world. According to the Bhavishya Malika, 16 mandals will be formed. These will be places for the 16 types of devotees to live. From there, the stream of thought, devotion, and propagation of dharma will spread across the world through these mandals. The work of dharma will advance under the leadership of these 16 mandals. 15 of these mandals will be formed in India, and one will be formed in an African country, which is referred to as the 'Africa Mandal' in the Malika. Devotees from other countries like America, England, Germany, France, Russia, European countries, and China will also connect with these 16 mandals. This work will proceed according to God's will and with time. It will be completed in due course. For that, the greatest instruction for us now is to wait.

► Watch this answer · 42:30 · 27 October 2022

Q_1045 Could you tell me more about the era of the establishment of righteousness (Dharma Sansthapana) and the Kalki avatar?

Answer: You can reflect on this by listening to all the episodes on the Malika. If you want to know something about the Srimad Bhagavatam, it would be better to talk to me. If you want to know about the era of the establishment of righteousness and the avatar, you should watch all the episodes. Additionally, you can connect with a good, saintly person named Mohan during the online satsangs. By meeting such people, you will gradually understand over time. This is not something to be told; it is a matter of experience. When you reach that level with time, you will understand everything.

► Watch this answer · 44:39 · 27 October 2022

Q_1046 At the event in Gujarat, will the version of the Bhagavatam with the meaning be read, or will the Sanskrit version be read?

Answer: The purpose of this satsang is to encourage everyone to start reading the Bhagavatam in their homes. Those who attend the satsang will be taught the principles of the Satya Yuga, the things humans need to do. We will review what has been taught and introduce what is new. The most important thing is the transformation within humanity through the reading of the Bhagavatam and the ideas of the Malika. The event will be broadcast live so that those who wish to come and learn can also get some information. Just as when we work in an office, we maintain its standards, similarly, to enter the Satya Yuga—as we are now in the confluence age and the Kali Yuga has ended—people need to know what is required of them. Reading the Bhagavatam is essential, as are the principles of truth, peace, compassion, and forgiveness. The first satsang in Gujarat is being held to gradually establish these values in human society. Slowly, satsangs will be held in all the places in India designated according to the Malika's principles for the benefit of human society.

► Watch this answer · 45:36 · 27 October 2022

Q_1047 Regarding the Bhagavatam Katha Amrit happening in Gujarat, for those who have newly joined the satsang and have just started reading the Bhagavata Purana, will they all read it together at that time?

Answer: Look, people should read in their own language, whatever it may be—Hindi, Marathi, Gujarati, Telugu, English. People will read in their respective languages. The provision is for reading for just half an hour, not a long time. Within that half-hour, one can read as much as they are able to. As people join the evening practice, they will fall into this stream, and seeing them, others will also join. We are emphasizing this because great diseases are coming in the future, a great war is coming, and destruction is coming. How will human society survive? Medicine will not work. No tantra, mantra, medicine, or modernity will work. What will work is what we are telling you. For those who remain in this stream, there will be no problem or trouble. But it's not that you can be in the stream today and complain tomorrow that nothing happened. Those who join the stream before the time comes, it is their wish. But for those who come later, say after two years, thinking they will see when it happens, they will not receive any benefit. For those who continuously walk on this path, there will be no problem in facing the coming times.

► Watch this answer · 48:05 · 27 October 2022

Q_1048 Who wrote about the Kalki avatar and the end of the Kali Yuga?

Answer: Mahapurush Achyutananda wrote about the Kalki avatar and the end of the Kali Yuga. Besides that, Lord Vyasa has also written about it in the Srimad Bhagavatam and in the Adi Parva and Vana Parva of the Mahabharata. The scriptures say the Lord's incarnation happens in the house of a 'dvija' or Brahmin. When Lord Vishnu incarnates, he often comes on a Friday. The Lord has also taken birth in Kshatriya, Brahmin, and Shudra families, and sometimes even in the animal kingdom, like the Kurma (tortoise) avatar.

► Watch this answer · 54:27 · 27 October 2022

Q_1049 In Ahmedabad, can two people read from a single Bhagavatam, or is it necessary for everyone to have a separate copy?

Answer: If one person is reading and another voice joins in, the reading cannot be done properly, and the scripture might be mispronounced. Therefore, a separate book is necessary for each person. For those who do not have a book, we will make arrangements to provide one to each person so that everyone can sit and read together.

► Watch this answer · 56:02 · 27 October 2022

Q_1050 Why is Lord Krishna not mentioned in the Dashavatara (the ten incarnations)?

Answer: Lord Krishna is the source from whom all avatars in the entire world have emerged; they are all his parts. The one who is Lord Krishna is also Lord Jagannath. That is why Balarama is included in the Dashavatara. Lord Krishna himself is the creator; everything is created from his parts. Therefore, Lord Krishna is considered an incarnation of Maha Vishnu, the source of all. He is the origin itself.

► Watch this answer · 57:13 · 27 October 2022

SESSION 55 · QUESTIONS 1051–1068

L53 Bhagawat Mahatmya Part -6 " भगवान व्यास-नारद संवाद, भागवत रचना का कारण" #live #malika

Date: 30 October 2022 · Watch the full session ↗

Q_1051 We are reading one chapter of the Srimad Bhagavatam every 11 days. Can we read the 'Gop Leela' alongside this, father?

Answer: Read the entire text. By reading it 10-12 times, the doubts that arise in the mind regarding God, scriptures, and devotion to the Bhagavatam will be cleared. It is difficult, but the most significant benefit is that the inner spiritual essence of people will be completely purified.

► Watch this answer · 11:03 · 30 October 2022

Q_1052 In the Srimad Bhagavatam, it is said that Lord Shri Ram's feet were so extremely soft that they couldn't even bear the touch of Mother Janaki's hands. How then did he walk barefoot in the forest for 14 years after giving his sandals (padukas) to his brother Bharat? Please explain.

Answer: That was the Lord's will. He was living the life of a forest-dweller (vanvasi) and acted according to the requirements of that life. Whether to wear footwear or not was His decision. Perhaps according to the code of conduct for an ascetic life in the forest, wearing 'padukas' was not permissible, and that is why he did not. Ultimately, this is the Lord's will and is beyond our questions and thoughts. The most likely reason is that it was not in accordance with the rules of the ascetic, forest-dweller life he was leading.

► Watch this answer · 12:01 · 30 October 2022

Q_1053 In the Srimad Bhagavatam, it is stated somewhere that only those who have been initiated (received diksha) by a Vaishnava devotee are qualified to read it. Could you please shed some light on this?

Answer: In our country, all followers of Sanatana Dharma are under the refuge of God. Everyone takes some name of God, so it is all one and the same. Therefore, everyone has the right to read it. Do not have any conflict or doubt about this. Read the Bhagavatam, and joyfully listen to it and sing its praises.

► Watch this answer · 14:53 · 30 October 2022

Q_1054 The festivals we celebrate now, will we be able to celebrate them then, in the new era (Satya Yuga), or not?

Answer: The birthdays of the Lord's avatars and the days commemorating the Lord's divine actions and 'leelas' will be celebrated by Sanatana Dharma. Everyone will become a devotee of Lord Vishnu. Therefore, the days marking the Lord's birth and all his incarnations will be observed. However, other festivals that people celebrate for modern reasons of fun and happiness will have no effect. People will forget them; those festivals will not continue.

► Watch this answer · 19:08 · 30 October 2022

Q_1055 It is mentioned that Balaram ji killed Suta Goswami while he was narrating the Bhagavatam. How did the narration of the Bhagavatam continue after that?

Answer: His son was blessed, and after that, the narration of the Bhagavatam continued through him.

► Watch this answer · 22:12 · 30 October 2022

Q_1056 Will the people who transition from Kali Yuga to Satya Yuga retain their memories from their lives in Kali Yuga?

Answer: No, those who transition from Kali Yuga to Satya Yuga will not retain their knowledge or memory from Kali Yuga. At that time, everyone will become a selfless devotee. Only the stream of God and devotion to God will remain in their minds. The many problems and memories that the human mind currently goes through will be gone. While some memory of their past deeds might remain for some, it will not be so for everyone. God's 'maya' will manifest, and through 'yogamaya', the influence, symptoms, and deeds of Kali Yuga will be erased from the human mind. Then, humanity will exist in a sacred bond.

► Watch this answer · 23:18 · 30 October 2022

Q_1057 So, will the people who go into Satya Yuga also forget their current relationships and relatives?

Answer: Look, the most important thing is this: those who live in Satya Yuga will have new marriages. Everyone will become a being of Satya Yuga and will receive a divine body. A new world will be created for them. As for relatives and family, no thought of such connections will remain in their minds. Most importantly, they will all attain a new youth and will look alike. In that state, there is no concept of family or kin; everyone will be a devotee. Then, among the devotees, new marriages and families will be formed, and a new Satya Yuga will begin.

► Watch this answer · 25:52 · 30 October 2022

Q_1058 During the great destruction (pralaya) at the end of the age, what will happen to the sun and the moon?

Answer: During that period, the moon and sun will not rise. The Lord will appoint a new Moon God and a new Sun God for the welfare of the world. For seven days and seven nights, the entire world will be dark. During this time, there will also be war, and the destruction of the five elements of nature will occur throughout the world.

► Watch this answer · 27:51 · 30 October 2022

Q_1059 Can you provide a date for when this will happen?

Answer: According to the scriptures, this is under God's control. It is not right for us to provide any specific data or date. God is the creator of the entire universe. But it is destined to happen, and it will definitely happen.

► Watch this answer · 28:45 · 30 October 2022

Q_1060 My question is, during the destruction (pralaya) that will happen before Satya Yuga, how will we get a sign or indication of what is to come?

Answer: The destruction at the end of Kali Yuga will be a partial disaster, happening in stages across the world—there will be floods, earthquakes, fires, wars, pandemics, communal violence, and so on. It will not be a single, simultaneous event. Those who follow the Malika will know about it, as we have explained in our episodes. Through their experiential power or the grace of God's subtle presence, they will receive information about what is to come. Based on this, they will continue to chant God's name with devotion. God will save the devotees, while ordinary people will not understand. The disaster will continue, but the devotees will be saved by divine grace. They will understand that the time for the cleansing of human society has come, where good people will remain and evil people will be removed.

► Watch this answer · 29:33 · 30 October 2022

Q_1061 I had a spiritual experience while meditating... Will the temples and major pilgrimage sites like the Char Dham continue to exist in Satya Yuga?

Answer: All the temples and all the Char Dham will remain through Satya, Treta, Dvapara, and Kali Yugas. However, some temples will be reconstructed. All the pilgrimage sites will also remain because they existed in previous ages and they exist in Kali Yuga. The pilgrimage sites and the abodes of God will continue to exist.

► Watch this answer · 32:57 · 30 October 2022

Q_1062 In previous yugas, avatars like Ram and Krishna were worshipped, but scriptures also mention that Asuras worshipped Lord Shiva. In the coming Satya Yuga, will everyone worship only Lord Vishnu?

Answer: In Treta Yuga, it was Lord Ram, and in Dvapara, Lord Krishna. But we have read in the scriptures that others, like the Asuras, worshipped Lord Shankar or Brahmadev through penance to receive boons and fight the gods. So, when Satya Yuga comes, all people will be surrendered to Lord Vishnu. The devotion and sentiments of the devotees will manifest according to the Yuga.

► Watch this answer · 35:11 · 30 October 2022

Q_1063 We are coming to Gujarat. We heard you are organizing a Bhagavat Mahapuran event there and we would like to participate. How can we do so?

Answer: Our people will help you. Please do this: on our YouTube channel and in the program information that is shared, there are contact numbers for many people in Gujarat. Please contact those numbers and inform them in advance that you are coming. They will help you with whatever you need. This way, you will have a joyful experience, and God's grace will be with you.

► Watch this answer · 37:13 · 30 October 2022

Q_1064 The Srimad Bhagavatam comes in two volumes. Should we bring both volumes to the event, or will bringing just one be sufficient?

Answer: It won't be possible to read a lot, as the satsang will run from morning till evening. We will read up to seven chapters. However, it is necessary to bring both books. It is not right to worship and read from only half of the Bhagavatam. Please bring the complete scripture, both volumes. If you have a single complete volume, like the one from Gita Press Gorakhpur, that is also fine. But it is best to bring the entire text.

► Watch this answer · 38:45 · 30 October 2022

Q_1065 When I try to share this knowledge, people don't listen. It has reached a point where relationships are breaking; they stop talking and don't reply to messages. How can we explain this to such people so that they join this spiritual path and the upcoming Bhagavat Katha?

Answer: Listen, only those who are meant to change will understand—the pure devotees, saints, and divine souls who have taken birth on Earth. This path is not for everyone. I always say, share it only with those who feel a need for it. Do not speak to those who have no interest. 90% of people are engrossed in the modern ways of Kali Yuga. Never speak about spiritual matters to those who are not interested. Only share with those who are hungry and thirsty for God and who want to listen. The Malika also says not to explain the scriptures to those who argue, are engrossed in modernity, or are sinful and selfish. With time, God himself will handpick and bring the right people. Our duty is to speak to good people, so do not force the conversation with those who are not receptive.

► Watch this answer · 41:24 · 30 October 2022

Q_1066 Our country has been suffering from foreign invasions and deceit for centuries, starting from the time of Muhammad bin Qasim. Will this be set right?

Answer: You speak of good things, but look, even within our own country, there are people who are not devoted to God; some don't even worship Lord Ram. For those who follow the Sanatani path and the Malika, there will be no problem; God will protect them. But those who sin, their thoughts are sinful, and the conflict will be amongst the sinners themselves. As for other countries, they too will face devastation. There will be immense turmoil from the five natural elements, and they themselves will not be safe.

► Watch this answer · 45:53 · 30 October 2022

Q_1067 You mentioned that 33 to 64 crore people will be saved for Satya Yuga. As devotees are spreading the message of the Malika, what if the number of followers exceeds this figure? Will still only that many be saved, or can the number be higher?

Answer: In a previous episode, I clarified that 33 crore will remain in India, and others will be gathered from the rest of the world. According to our scriptures, there are 33 crore gods and goddesses. The 33 crore who will be saved in India are these divine beings who have taken birth in human bodies. Those saved in the rest of the world will be their servants. The number of deities is fixed at 33 crore, and it will not be higher. India will once again become 'Devbhumi,' the land of 33 crore deities. Only those who follow the Sanatani and Vedic path we are propagating will attain this divine status and remain.

► Watch this answer · 48:39 · 30 October 2022

Q_1068 Prabhu ji, will we be able to have a vision (darshan) of the Lord?

Answer: Yes. It is written in the Malika that the devotees of all four yugas will meet when Ram Rajya is established for a second time. All devotees of the Lord will live under His rule and will have His darshan at that time. The Malika speaks of 'Kalki Ram.' At that time, all devotees will have the darshan of Lord Kalki's abode. However, before the full establishment of dharma, perhaps only 12 lakh people—or even fewer—will be able to have the Lord's darshan. But when the Lord rules over the entire world, then everyone will have his darshan.

► Watch this answer · 52:19 · 30 October 2022

SESSION 56 · QUESTIONS 1069–1083

L54 - जोशीमठ, बद्रीधाम और उत्तराखंड के बारे में भविष्य मालिका में क्या वर्णन है?

Date: 19 January 2023 · Watch the full session ↗

Q_1069 Panditji, I wanted to ask about the destruction that is happening in our Joshimath, where many temples are also being destroyed. What is the meaning of this?

Answer: Whatever is happening in India today... we won't get much benefit from discussing it, but I will say this much: see, the light of dharma is slowly spreading. A time is coming when only dharma will remain. The temples and monasteries of the Kali Yuga will be destroyed. You should all work towards this: which dharma, which path, by which name can we save human society? The influence of dharma is growing in India, and it will grow throughout the world. The entire world will slowly, gradually come towards Sanatana Dharma. They have no other option. So, at a time like this, remain engaged in the work of dharma. It is essential for us to make the Malika a reality across the world. Do this work.

► Watch this answer · 05:51 · 19 January 2023

Q_1070 So, what should we do? What should we do for the upliftment of dharma?

Answer: A very good question. The establishment of dharma has already begun. A big earthquake is going to happen in the coming time. And not just that, the entire map of India will change. Why is the thought arising in your minds today: will dharma remain, or will it be overtaken by adharma (non-dharma)? Adharma will never win. But now is the time for the Malika to be propagated. You all should spread the Malika throughout the world and make the devotees in Uttarakhand aware of it. The Lord is coming. The Malika was written for this very reason. And the current situation in Uttarakhand is a warning for all of India. Not just India, but for the entire universe. Because this warning will bring destruction (pralaya) to the whole world. On one hand, there will be a change in nature and the five elements, and along with that, a major earthquake is going to happen. Mother Earth is giving a signal from below, saying, 'I don't have the strength to hold the earth anymore.' That's why the signal first came from the four Dhams (pilgrimage sites). In the coming time, a signal of great destruction will come from Rameshwaram. First, tell people about the Malika. The followers of adharma were never here, nor will they be. Sanatana Dharma will prevail throughout the world. We will amend the law so that wherever there is a Hindu dharma tradition, culture, or pilgrimage site, no one other than Hindus should be given a place. If it is to be done, God will do it, and we work in surrender to God. Wait for another 5-7 years and see what happens.

► Watch this answer · 10:41 · 19 January 2023

Q_1071 I was watching a video in which they were making prophecies but also saying that just because there are prophecies doesn't mean it's the end, because the Kali Yuga has only completed 5000 years. So people are unaware that the destructive phase has already begun. How can they be helped with this, and what can be done?

Answer: Look, mother, I have been saying this since the year 2000. In the time of dharma, the Kali Yuga has ended, and Dharma Sansthapana (establishment of righteousness) will happen. And at that time, those same hypocrites will say, 'We also said this.' Those hypocrites will be destroyed. They don't understand dharma, and they don't tell human society that the Kali Yuga has ended. They have no knowledge about Dharma Sansthapana or the scriptures. If they had knowledge, they would surely have said something. But the time will come. Wait for two years. Those same people will then say with their own mouths, 'Yes, it is coming.' And at that time, even God won't give them a place to be saved. Now is the time to change. This is not my word; it is what God has said. I am not scaring anyone. I am saying, 'Come to dharma.' I say, 'Follow the Malika.' I say, 'Perform Tri-Sandhya, read the Bhagavat, and human society will be saved.' They are ruining people. When the problem comes, people will then say... I am saying it today and standing like a rock. The time of destruction is coming. And the destruction will be so great that when the final moment of destruction arrives, people will become conscious and say, 'You were speaking the truth.' But at that time, there will be no one to save them. The path of our Malika—performing Tri-Sandhya, reading the Bhagavat, giving charity, and chanting the Lord's name—requires at least five to seven years of spiritual practice. Otherwise, one will not become worthy of the Satya Yuga. And those who say 432,000 years... Sage Garga himself wrote in his scripture, the Garga Samhita, that it will be 4800 years. Tell those who say this. If they haven't read it, why do they call themselves saints? We are showing the path for the salvation of humanity. Our goal is nothing else. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:03 · 19 January 2023

Q_1072 Father, please tell us something about Bombay. What will happen in Mumbai, when, and what will happen first?

Answer: A great calamity is about to befall Mumbai. And after April 5th... I don't want to say what will happen due to the effects of war, but understand this much: the population of humans in the world will be such that only three or four people will remain in a village. A situation like this is going to happen. Only those who have dharma, who have the words of the Malika, will become the humans of the Satya Yuga. And the time will come when the internet will go down.

► Watch this answer · 24:09 · 19 January 2023

Q_1073 A saint once came to our village and said he was from Gujarat and made a prophecy. Are these kinds of prophecies from other saints true?

Answer: Look, I have no information about this. If someone is saying such a thing, it must be their own words; there is nothing like this in the Malika. And the second thing is, it is written in the Malika that great 'knowledgeable' people will come and say, 'I had a dream,' or 'I received a divine command.' They will say, 'God has appeared here,' 'The Goddess has appeared here,' 'Come to this temple,' 'Build an ashram here.' Many such people will come and mislead the world. It is written about this in the Malika and in every scripture. There is no proof or truth to this. Look, don't get sidetracked. Perform Tri-Sandhya daily. Read the Bhagavat. And chant the name of Madhav. This is the greatest protective shield for us. Many people will say such things here and there. It has no meaning, and the Malika has written about this.

► Watch this answer · 25:17 · 19 January 2023

Q_1074 They are supporting the impure ones... there is a BJP government in Uttarakhand, and Modi has become their devotee... telling us to befriend them. They want to destroy us. What should we do about this?

Answer: Look, don't worry, brother. We can't do anything just by wanting it. But the one who does things has already started. There are 7 years left. In these 7 years, everything will change. So there is no need to worry. Just wait for the time and see what happens. Neither the village nor the town will remain. Only Sanatana and its devotees will remain. No one else will be able to do anything.

► Watch this answer · 27:13 · 19 January 2023

Q_1075 Will those who have property, an abundance of money, and wealth be able to save themselves?

Answer: The wealthy, the respected, the knowledgeable... a time will come when people won't even look at wealth. It will have no meaning. People will go from house to house for food. So, the one who has dharma will be protected. I am telling you again and again. In the coming time, dharma will be the greatest power, not wealth. And a time will come when medicine will not work. If medicine doesn't work, what will you do? You will chant the name. Which name? The name we are telling you about. God has chosen certain people for this task. Perhaps God has given me a little grace, and I am distributing it to you. 600 years have passed; how many people came before me? So this is God's grace. With the end of the era, the propagation of dharma has begun, and it is increasing. The time will come when 64 crore devotees will gather. Otherwise, no one will be able to survive. I am doing this work alone. You should also join me and propagate the Malika. Because the people to whom God has given power, capability, and wealth, they say that the Kali Yuga has not ended. But what will our devotees do? So, we will all work together. In America, the temperature dropped to -62 degrees in half an hour. If it had become -70, everyone would have died. And such a time will also come. It is written in the Malika that snow will fall up to 12-18 feet, and many people will perish. Wherever there are devotees, it will be warm. God will stabilize everything for the devotees with His Yogamaya power. On one side, the sinners will be destroyed, and on the other side, the devotees will be saved. So understand the time and move forward. Dharma will remain, and nothing else besides dharma will remain.

► Watch this answer · 28:40 · 19 January 2023

Q_1076 What will the situation be like here?

Answer: What is the meaning of Bhagavat Katha? A true Bhagavat Katha means the Bhagavat is read continuously for seven days. People leave their daily routines to sit and listen at all times. Nowadays, Bhagavat Katha is conducted with bhajans and songs, and the complete story is not told. The Bhagavat Katha that will happen in the Satya Yuga will be the complete one. Such a Katha doesn't happen today. In the Kali Yuga, people don't have that much time for their salvation. That is why it is necessary for you to perform Tri-Sandhya, to read one chapter of the Bhagavat at home yourself, and to chant the Lord's name. It is best for you now to work towards creating that Satya Yuga. And just coming to dharma is not enough. When the Lord's Malika is being propagated, some people don't accept it. They may be devotees for some time, but they will not want to live as a devotee of God for all four yugas. I will only say this much: if one is a saint, a devotee, a spiritual seeker, then it would be good for them to follow the Malika. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:48 · 19 January 2023

Q_1077 I am from Jamshedpur. There was a Bhagwat Katha here, and it was said that all the money collected is for cow service and for building a cowshed. Is it right to donate in such situations where we are not sure how the money is used?

Answer: What they do is their responsibility. There is no harm in giving to them. Donating is the greatest dharma for us. You should donate. If they use it in the wrong way, their sin will be upon them.

► Watch this answer · 39:00 · 19 January 2023

Q_1078 Just as the Lord left his place... similarly, will the deity at the Balaji Temple in the South also physically leave?

Answer: He is Dwarikanath; there is no difference between them. So, understand its meaning: the sacred place, the pilgrimage site, will remain. But when it is time for God's incarnation, at such a time, God has already told us what to do. Don't think that Balaji is one God and Jagannath is another God. They are not different. Look, it is the time of the establishment of dharma, which means the destruction of sinners and the rise of dharma. At such a time, the path for you to be saved, to save your life and your family... if you have God's grace, then follow the Malika. Do what I say. Give in charity. Just as that mother was saying she donated ₹100, that is very good. If someone takes a donation and does wrong with it, the sin is theirs, it doesn't come to us. So, look, God is everywhere. And when God incarnates, He leaves all places, but the sacred site remains.

► Watch this answer · 40:41 · 19 January 2023

Q_1079 My question is that we are supposed to embody dharma—truth, love, peace—but while we can control our actions with our body, the mind does whatever it wants. If the mind doesn't accept this dharma, what should we do?

Answer: After reading the Bhagavat for a few days, stability will come. And when the time is right, the mind will slowly move towards dharma. Until we read it, our mind will remain restless, and we will not be able to perform righteous deeds.

► Watch this answer · 43:21 · 19 January 2023

Q_1080 What is the status of the 16 Mandals (circles of devotees) in Karnataka?

Answer: It is in the primary stage. It is necessary to gather all the members of the 16 Mandals. That is why we are propagating the Malika in many languages. The Malika will also be available in the languages of Karnataka. It will take some time. The 16 Mandals will have about 31 to 33 crore devotees. It has just begun and will take another 3-4 years. On one side, there will be destruction, and on the other side, the devotees will be gathered. Thus, the establishment of dharma will continue. The devotees will be saved, and the sinners will be destroyed. The 16 Mandals have been formed for now, but the number of members mentioned in the scriptures has not been reached yet. For that, we and you all have to do a lot of work. Because before God comes, his devotees do his work. If you are his worker, then you should also work in such a way that the Lord's task becomes easy and smooth.

► Watch this answer · 44:25 · 19 January 2023

Q_1081 For performing a religious ritual like the parikrama at Giriraj-ji, is it valid if we pay a priest we know to do it on our behalf?

Answer: I will say this much, mother: wherever dharma is being practiced, participate in it. And the most important thing is that all the dharmas in the world will come under the Malika. There will be no other way. Look, mother, use your own consideration: is this right or wrong? And at a time like this, what is the most important thing for us to do? Act in a way that is auspicious for you and for the world. Every human has a conscience. And the conscience awakens when our mind connects with God. You all read the Bhagavat. Act with conscience, in which the light of dharma will reside. Our greatest duty is to work as the Lord's devotees have in previous ages. We need to work like the Vanar Sena (monkey army) did. Whatever dharma you practice, do it after consulting your conscience. When the conscience speaks, everything is good. So act according to your own conscience, mother.

► Watch this answer · 46:30 · 19 January 2023

Q_1082 It is said that 16 Muslim countries will unite. What will our government, what will Modi ji do then?

Answer: This is not under human control. What is going to happen... what can the government do? You all have joined the Vanar Sena (the Lord's army). You are working for Him. [The answer implies that human governments are irrelevant in the face of divine will and that devotees should focus on their spiritual work.]

► Watch this answer · 49:47 · 19 January 2023

Q_1083 Could you please tell us once more about the 16 Mandals, for the members? And the Bhavishya Malika that is being printed in English, will we all get it?

Answer: A very good question. This is a sign of God's will. The English book will be available. The number given in the description is for a boy named Mohan. Stay in touch with him and come to the online satsang to get the English book. And the most important thing is... this message is reaching you for your protection. No one in the world has the power to protect against a nuclear bomb. But the path we have for protecting ourselves is what God himself has spoken. Before the establishment of dharma, this will be propagated among my devotees. Upon receiving the Malika, a vibration will arise in their minds: 'Dharma will be established! We will do the Lord's work! We will meet God! Then Ram Rajya will come!'

Those who are not devotees will oppose and criticize it. We have nothing to do with that because we have to save the devotees of God in India and the world. So many people abuse me. It doesn't matter. We should do good deeds and then return to the Lord. You should follow the Malika, join the satsang, and distribute the Malika book, which is nectar. By doing this, in a very short time, the full number of the 16 Mandals will be formed. And after the 16 Mandals are formed, the Lord will intensify the establishment of dharma. The problem in Uttarakhand that the mother was talking about, all those problems will slowly be resolved. And besides Sanatana Dharma, whatever else there is, they will also be forced to come to Sanatana Dharma. Because dharma itself is Sanatana. The situation in Joshimath is a sign from God. Our devotees are safe. This is the word of God, and you should have faith in it. There is no problem. God will see to everything. Just propagate the Malika and connect all our Sanatana Dharma devotees with God again. This is the most important work for you.

► Watch this answer · 50:51 · 19 January 2023

SESSION 57 · QUESTIONS 1084–1095

L55.2 - भविष्य मालिका के अनुसार एशिया, अमेरिका और खाड़ी देशों के विनाश का समय आ रहा है।

Date: 22 January 2023 · Watch the full session ↗

Q_1084 Will there be no effect in India? I want to know if there will be an effect, and if so, will the devotees remain safe?

Answer: Look, a nuclear attack will happen on India, and it will be massive. But it is written in the Malika. See, even before nuclear weapons were created, 600 years ago, it was written that a nuclear event would come. Our neighbors threaten us, saying they are a nuclear-powered country. But you said one thing right: a nuclear attack will happen, but nothing will happen to the devotees. This won't happen by changing in a day; for that, they will have to continuously chant for many years and become selfless devotees with complete surrender to the Lord. Disasters will come upon us, but we must remain in surrender.

► Watch this answer · 01:56 · 22 January 2023

Q_1085 My family members don't believe in these prophecies or in the Malika. So, by my prayers and recitations, will they also remain protected?

Answer: Many fruits grow on a single tree; some are sweet, some are misshapen, and some are a bit sour. Our family is the same. While performing our duties, taking care of our family is our biggest responsibility. Because it is written in the Srimad Bhagavatam that taking care of our family is our supreme duty. There should be no argument about this with the family. It's not necessary to compel or force anyone. A time will come when our family members will join us. However, at that time, they will not feel the full effect of the stream of purity. And that's okay, because time is very near. The establishment of dharma will move forward. The devotees will come on their own upon hearing the name of Ram. Those who are not devotees will not be affected no matter how many times you tell them. So I say, live according to your family's policies and customs. Don't have any arguments with your family about this. Take refuge in God. Don't say anything to the family. We came alone, and we will go alone. But since we have a family, it is necessary to perform our duties with respect, affection, and love.

► Watch this answer · 03:46 · 22 January 2023

Q_1086 I have two questions, Father. Last night, my wife and I had the same dream. In my dream, a cataclysm was happening, and I saw some people drowning. Similarly, my wife saw some of our relatives drowning, but we were safe. So I wanted to understand this. And I also need guidance on this: it is said an earthquake will happen in 2026, so will it happen before that or after?

Answer: Earthquakes will keep happening continuously. Diseases will come and go. Many young people will die, especially those involved in tantra, mantra, and goddess worship who are not under the refuge of Lord Vishnu, who eat fish and meat, and who are corrupt. The times will be bad for such people. And the major earthquakes will continue. There will be

earthquakes before 2025; it's not that they will stop. They will continue, along with diseases and the effects of war. Everything will continue. But look, it is written in the Malika: wherever my devotees are, the Lord will raise the ground beneath them to save them. Nothing will happen to the devotees. And if devotees are drowning in water or face any problem, Lord Balaram himself, the Lord's brother, will rescue them and bring them to safety. So, nothing will happen to the devotees; the sinners will perish. Save your family, chant the Lord's name. Last-minute devotion will not work; this is written in the scriptures. Because sages and saints have to do penance for many years, a student has to study for a whole year for an exam. Our path is based on the same principle. For a person to sort out or cleanse their past deeds and purify themselves, they need to be in the refuge of God for at least several years, with purity, chanting, and reading scriptures like the Bhagavatam. This will purify their body, and when the body is pure, then they will be safe.

► Watch this answer · 07:01 · 22 January 2023

Q_1087 Pandit ji, you say that God has already incarnated. Do you mean God is...?

Answer: I have said this much: according to the Malika, scriptures, and Puranas, Lord Kalki has already incarnated. But devotees must find God through their devotion, emotion, and surrender. They will attain God through their devotion. Because when humans performed penance, when the Gopis sought the Lord, they did not find him immediately. Friends, you will have a vision of God. First, come into the stream of dharma. By doing what I say, God's grace will be upon you, and gradually, the light of knowledge will dawn. So, the most important thing is to first make yourself a 'Sudharma' (righteous one) in the stream of righteousness that we are talking about—Satsang, chanting, kirtan. Gradually, experience it for yourself, and you will gain the knowledge of whether this is right or wrong. Your experience and inner self will tell you at that time. So don't waste time on this, because time is very near. At such a time, nothing but dharma can protect us.

► Watch this answer · 10:25 · 22 January 2023

Q_1088 In such a situation [a dam breaking and flooding Haridwar], what future do you see for the population up to Delhi?

Answer: That's absolutely right. All the dams in India will not remain. The dam will surely break due to this earthquake, and the water will reach Delhi and Haridwar; this is also correct. But one thing is written in the Malika: 'The ocean will be on the mountains, the king of the sea will rage.' Devotees should not fear. Whether the water rises 100 meters, 200 meters, or even a thousand meters, the devotees of the Lord who are in the stream of dharma will all be safe. That is our dharma, and that is why the Malika was written. Who was the Malika written for? If all the devotees take a water grave (drown), then with whom will the Lord establish dharma? So, the devotees have been kept safe. And in the future, they will remain in the stream. Before the conflict and destruction, the Malika is being propagated. In Uttarakhand, there will be such rain... you spoke of the dam, but there will be such rain in Haridwar that a huge amount of water will come. I am talking about the rain. And every month, there will be cloudbursts and rain. Don't waste time. Because when we came, the protector who sent us, He gave us birth and has raised us till today. Parents do their part, but the ultimate doer is the Lord. So, don't worry. You all should joyfully remain in the stream of Malika. Join the Satsang. In our Satsang, we will tell you all the principles of Malika, and we will keep telling you the principles by which humanity will be protected.

► Watch this answer · 14:08 · 22 January 2023

Q_1089 Tears flow from my eyes [when I hear the Lord's name]. What is the reason for this, Pandit ji?

Answer: The name of God... It is great joy, it feels very happy. I also feel peace in my heart. One doesn't become a devotee just by listening to scriptures. It is due to the pious deeds of many past lives that a human is born on earth and receives the Lord's message. At such a time, I want to say this much: we have to follow the path, we have to become 'Sudharma' (righteous). We have to transform our human body of the Kali Yuga into a divine human body of 'Sudharma,' which will protect our body from nature, diseases, natural calamities, and excesses. When that sacred stream flows from the eyes, and in the end, if there is a union with God, then you attain that union.

► Watch this answer · 19:03 · 22 January 2023

Q_1090 I had two questions to ask you. First, by which year will this process of 'Dharma Sansthapna' (establishment of righteousness) be complete, and by which year will the 'Satya Yuga' (Age of Truth) arrive?

Answer: The work for the Rameshwar Mandal has begun. Many devotees have joined the Rameshwar Mandal, and some saints and sadhus who live in the forest have also joined. So the formation of the Rameshwar Mandal has started. As for the establishment of dharma, it began in 2020 and will continue until 2031. In 2032, the truth will be revealed, people will find peace, and the earth will be liberated from the burden of sin.

► Watch this answer · 21:44 · 22 January 2023

Q_1091 When devotees perform spiritual practices, chant, or praise the Lord, negative energies trouble them. What command has the Lord given to be protected from them?

Answer: Because obstacles increase when you do righteous work. Especially the influence of Kali in the Kali Yuga, it definitely creates obstacles when devotees perform righteous acts. But if our faith in the Lord remains strong... for some time, the demon exerts its influence so that the devotees fall, leave the path, and stop believing in the Malika. This causes many problems, illnesses, and diseases. When they chant the name, pain and suffering come, and then people ask how to get rid of the suffering. This continues for at least a year. By continuously chanting and following the path I describe, it will end. Because Kali (the negative force) wants people not to follow the path of dharma. Look, sometimes when I go to give a discourse, I get such a high fever that I have to take medicine and go. I know what force is doing this to me. Then I give the discourse, and everything becomes fine. Because righteous work is not that easy, and when you walk the path of dharma, external forces oppose you. We must first do our work and take refuge in Him. We know all this is going to happen; it is written in the scriptures.

► Watch this answer · 23:33 · 22 January 2023

Q_1092 How many years will it [the Sangam Yug or Confluence Age] last?

Answer: It is an age where the karma and dharma of a being are considered, where God and the devotee unite. And the union of God and devotees happens because the Lord takes all the problems of the devotees from all four yugas who are in trouble and creates a blissful Age of Truth (Satya Yuga) for them, bringing heaven to earth. For years, God himself will rule, and the humans who live at that time will shift to the complete Satya Yuga. And the complete Satya Yuga lasts for about 1200 to 2400 years. This depends on God's will. How long any age will last at a particular time is decided by God and the humans born in that age. So, such a time will come. The complete Satya Yuga will come after the Sangam Yug (Confluence Age).

► Watch this answer · 26:07 · 22 January 2023

Q_1093 I wanted to ask about a dream I had. My late father came and told me and my wife, 'Let's go for darshan (a holy visit).' He came on a mount that looked like an animal, I couldn't see its feet, it looked like a horse, but it was moving in the air. We went behind him on a vehicle. He took us in front of a temple of Mother Kali and left us there. I saw myself sitting in a gallery there. I couldn't understand it. I thought I should ask you its meaning.

Answer: No, you did not have a vision of the Mother Goddess; the Lord showed you his divine play. I want to tell you this much: ancestors think about the welfare of their people, their family. And right now, the Lord has given Mother Kali the complete responsibility for destruction. Your ancestors took you to Mother Kali, but you did not see her fierce (Rudra) form. This means it was a test from the Lord for many people.

► Watch this answer · 30:09 · 22 January 2023

Q_1094 One question is, I've heard that a World War situation is developing. As you said, different YouTube channels give different information. Some say it will fully start in 2024, some say 2023, some say the foundation was laid in 2022. My instinct says a world war will happen, but I have a big doubt about when and how it will happen because there are so many different opinions and thoughts.

Answer: But we say this: we don't need any TRP or publicity. We don't have any disciples in the world; everyone is our friend. You are like my family. Just as one cares for their own family, I wish for your well-being. And those who say it will happen at a specific time are just repeating what they hear from the propagation of Malika on TV channels. But the world war is written in the Malika. The war will happen when Lord Madhav Kalki wishes it. The Lord will do everything; it will happen by His will. The time for the world war is at this confluence, but it depends on the Lord's will. Until the Lord distributes His name to all devotees and ensures their safety... the war will not happen. The war will definitely happen, it would have happened long ago, but it is being delayed.

► Watch this answer · 34:10 · 22 January 2023

Q_1095 Could it fully start in 2023? Because as far as I know, the conjunction of Saturn in Pisces is going to happen in 2025.

Answer: At 5:30 PM, Saturn will enter the sign of Pisces, and along with it, 11 planets will come together in an obstructive position for the world. This will include Mars and the spiritual planet Neptune. Because Lord Kalki, by His will, sitting in His home, can destroy any country, can create havoc in any country, and can even change the time for the Earth. Our Lord is very powerful. It won't happen just because people say so. If the war happens, how will the Mandals (spiritual circles) be formed? So, until the 16 Mandals are formed, it will take some more time.

► Watch this answer · 37:05 · 22 January 2023

SESSION 58 · QUESTIONS 1096–1096

L55.1 - भविष्य मालिका के अनुसार एशिया, अमेरिका और खाड़ी देशों के विनाश का समय आ रहा है।

Date: 22 January 2023 · Watch the full session ↗

Q_1096 So, before such a time comes, what is the path to safety?

Answer: All the people of India will then return to India. Wherever they are, they will have to come. It may not be understood now, but the time will come. Then you all will come to our country because safety will not be found anywhere else, and here, the Lord himself provides safety.

► Watch this answer · 07:28 · 22 January 2023

SESSION 59 · QUESTIONS 1097–1114

L56 - राजस्थान जैसा रेगिस्तान अंचल में होने वाले परिवर्तन पर भविष्यवाणी | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 26 January 2023 · Watch the full session ↗

Q_1097 What is the meaning of 'Sanatani'?

Answer: The meaning of Sanatani is to transform the human body into a divine body.

► Watch this answer · 05:07 · 26 January 2023

Q_1098 How does one get a divine body?

Answer: By following the path of Satsang and Trisandhya as per the Malika, one's body will become divine—a body that no disease, problem, or any other issue can harm. The Malika is being propagated to create such bodies. It is showing the path of transformation to the devotees from the very beginning.

► Watch this answer · 05:18 · 26 January 2023

Q_1099 Why did the Panchasakhas write the Vishwa Malika?

Answer: They wrote it to awaken the devotees based on their past-life impressions (purva sanskar).

► Watch this answer · 06:28 · 26 January 2023

Q_1100 Pandit ji, I wanted to ask something. Two or three times, I saw the Banke Bihari Ji temple in my dreams and also received prasad (blessed food) from there. I couldn't understand its meaning. Seeing God should be auspicious, but nothing good has happened in my life; I am still troubled. What does this mean?

Answer: Look, mother, seeing this in your dream means that in the coming time, you will have a vision of Banke Bihari Ji's avatar and you will also receive his prasad. That's the first thing. Secondly, our social and family problems are connected to our 'prarabdha' (destiny from past actions). You should stay in the Trisandhya at home and join our online satsang. By joining the satsang, your social and family problems will be resolved. The good dream you had during the time of the Lord's incarnation means that the Lord has arrived and will also give prasad. You are one of the fortunate ones who join the Malika; they are the devotees of God from all four yugas. Those who join the Malika are the true devotees who were also in Vrindavan, Ayodhya, the Satya Yuga, and are now born as devotees in the Kali Yuga. You have had a good vision, and you will also have a direct vision of the Lord. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:18 · 26 January 2023

Q 1101 Maharaj ji, I want to ask, when will the intense heat in Rajasthan happen? In which year will it be so hot that all the trees and plants will start to burn?

Answer: Look, the heat in Rajasthan today will increase by about seven times. The great sage Satchidananda has written in the Bhavishya Malika that when the color becomes 'chatur dhumra varna' (four-fold smoky color), the sun's intense rays will increase. It has already increased by 4% and will increase sevenfold more. Today, if the temperature goes up to 48-50 degrees Celsius, it will go up to around 60 degrees. And one day, the temperature in the world will reach up to 70 degrees. This will keep increasing. The greatest path for our protection is the path of the Malika. Join the satsang. Take refuge in God. A very bad time is coming. The protection of human society will only happen through the principles of Satya Yuga. That is why the Malika is being propagated in advance. There are many devotees in Rajasthan who will be saved through the Malika. So, join the satsang and adopt the principles of dharma in your life. It is good for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:23 · 26 January 2023

Q 1102 I am from Delhi, and my 21-year-old child is 100% disabled and cannot walk. I want to know if he will get well, and if so, by when?

Answer: Look, mother, this is the 'prarabdha' (destiny from past actions) of a previous life. The solution to this problem, as written in the Malika, will come when Lord Kalki's establishment of dharma is complete. It is written in the Malika that not a single sick or disabled person will remain when the Satya Yuga fully begins. That time is at least until 2032. If you remain in the Lord's refuge with devotion, then at that time, those who are present will all be transformed. Everyone will become youthful and beautiful. By the influence of dharma, everyone will live in bliss. 'Prarabdha' comes in the form of disease. The best remedy now is to utilize the current time. We don't know our past karma, but we know that doing good deeds now will yield good results. So, follow the path of charity, dharma, and purity. It is a great joy that you are connected to this. Wait for the time, and by God's grace, it will happen. Also, if the devotion is strong, then by the Lord's grace, some more development can happen. By connecting with God through devotion, a cure can be found. The more you are absorbed in devotion, the more effective the cure will be. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:58 · 26 January 2023

Q 1103 A great calamity has befallen my family. My husband has had a heart attack, and there is a lot of turmoil. How can we find peace?

Answer: Look, mother. If we kill a living being, we cannot receive God's grace. My path is that you will have to read the Bhagavat, follow the Trisandhya, and by being in the satsang, your problem will be solved. And first of all, you have to become a vegetarian. Only those who become vegetarian will become the humans of Satya Yuga. You should also try to make your husband a vegetarian. Dharma says: do not think ill of anyone, do not do ill to anyone, and do not see ill in anyone. By doing this, we will attain purity, and when the body is pure, we will be free from all diseases and problems. If your husband kills and eats living beings, it is a sin, and we have no cure for that. But for our people who are on the path, who are vegetarian and read the Bhagavat, God's grace is with them. Try to change your husband, but do not force it, as it will cause problems at home. Good people will remain good. What can we do for those who won't change? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:58 · 26 January 2023

Q_1104 How can we join the satsang?

Answer: Talk to the number that is given. The number is in the description. Talk to that number and join the satsang.

► Watch this answer · 27:44 · 26 January 2023

Q_1105 Swami ji, we want to come to Jagannath Puri for darshan (holy viewing), and we also want to meet you. We are speaking from Nashik, Maharashtra.

Answer: Okay. When you come, let me know, and we will make a plan accordingly. When you have time, let me know. Otherwise, contact Mohan, who manages our satsang. When you come to Puri for Jagannath's darshan, we will help you as much as we can. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:00 · 26 January 2023

Q_1106 My question is that the youth, the young generation, is very much under the influence of the Kali Yuga. How can we protect ourselves from it?

Answer: Look, the biggest problem is food habits. Young people nowadays mostly prefer non-vegetarian food, and families don't impart good values (sanskar) to them. This is a matter of great sorrow for the world and for dharma. It is written in the Malika that the old and elderly will remain, but a large number of young people will die. The diseases and problems that will come will harm the younger people more. There will be no problem for the older people. So, take refuge in God, chant His name, and stay in the satsang. Observe what is happening with time, and you will see your problems slowly getting resolved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:44 · 26 January 2023

Q_1107 Father, what is 'Maya' (illusion)?

Answer: The 'Maya' is that you are calling me on the phone right now. That is your Maya. Because you can talk to me, we talk regularly, but still, the phone call made you feel the touch of Maya and sparked an interest to talk further. This is called Maya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:18 · 26 January 2023

Q_1108 Father, I am from Uttar Pradesh. A few days ago, I dreamt that my house was being cleaned, and during the cleaning, a huge python and a huge tortoise were found, but both were dead. What does this dream mean?

Answer: The meaning of this dream is that in the coming time, the demonic people will be destroyed. This will happen. Jai Shri Mata.

► Watch this answer · 32:58 · 26 January 2023

Q.1109 My husband asked a question I couldn't answer. If Lord Brahma first created Manu and Shatarupa and told them to populate the Earth, but the Earth was in the netherworld (rasatal), how did the demon Hiranyaksha already exist to have taken it there before the first humans were even created?

Answer: Before the creation of Manu and Shatarupa, the primordial demons Hiranyaksha and Hiranyakashipu were born from the womb of Diti. Manu and Shatarupa were created by Lord Brahma in Brahmalok. When Brahma sent them to Earth, they found it submerged in water. At that time, Hiranyaksha was in the netherworld (Patal Lok). The demons of that era had immense power. So, Manu and Shatarupa reported back to Brahma. At the prayers of Brahma and the gods, Lord Vishnu took the form of a boar (Varaha), fought and killed Hiranyaksha, brought the Earth back from the netherworld, and established it in its orbit. This is known as the Varaha Kalpa. After that, Manu and Shatarupa came to Earth, and the creation of humans began. So, Manu and Shatarupa were in the heavenly realm (Brahmalok) while the demons were in the netherworld (Patal Lok). Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:12 · 26 January 2023

Q.1110 Does this mean that the demons were not created by Lord Brahma and that they already existed?

Answer: The father of the demons is not Lord Brahma. No. They had already come into existence. Sage Kashyap had two wives, Diti and Aditi. From Diti's womb came the demons (asuras), and from Aditi's womb came the gods (devas) and sages. Manu was created by Lord Brahma. The demons, born of Diti, were living in the netherworld. Manu and Shatarupa, created by Brahma, were in Brahmalok. When they saw the flooded Earth, they informed Brahma, who then prayed to Lord Vishnu. In his Varaha incarnation, the Lord saved the Earth by defeating the demons. Just as Brahma and Mahadev are the first gods, Hiranyaksha and Hiranyakashipu were the first demons. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:55 · 26 January 2023

Q.1111 The medicine I take for my neck vertebrae doesn't seem to work; instead, it's making my body swell and causing me to gain weight. Why is this happening, and is there a remedy?

Answer: Look, mother, there is a physical science for treatment, and there is a spiritual path. The spiritual path gives salvation to the soul, not the body. Your body's problem is due to the 'prarabdha' of a past life. For this, you should practice yoga like Anulom-Vilom and Kapalbhati; your weight will reduce. Also, manage your diet and daily routine. If one does not eat after sunset, there will be no disease, as food doesn't digest properly. You will have to take medicine as it is still the Kali Yuga. When the light of complete truth shines, medicine won't be needed. For now, dharma is our protection. For your physical problem, use the appropriate treatment, do yoga, and control your diet. Everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:02 · 26 January 2023

Q_1112 I had a dream last night where my house was completely dark. When I went to the gate, a dog or a jackal grabbed my entire left hand in its mouth and wouldn't let go. What does this mean?

Answer: This indicates the state of the planets and constellations, mother. It is a sign of the influence of the planets Rahu and Ketu. Stay on the path of dharma, and you will not have any problem from this. The planets and constellations may appear to cause trouble, but if God's grace is with you, they can do nothing. Perform the Trisandhya, read the Bhagavat, and everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:29 · 26 January 2023

Q_1113 I am from Kolkata. It is written in the Malika that a nuclear bomb will be dropped on Kolkata. My question is, when can this happen? In which year?

Answer: Listen. According to the Bhavishya Malika, a yajna (sacrificial ritual) will be held at Sealdah in Kolkata. A yajna of 16 mandals (groups) of devotees will take place there. These 16 mandals are currently being formed. After they are formed and the yajna happens, the dharma-yuddha (righteous war) and the destruction of sinners in Kolkata will occur. Look, it is written about such nuclear attacks in many places in India. But in another place, it also says that God will save the devotees. So if devotees become truly devoted, then Lord Kalki will save you from the nuclear attack. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 47:31 · 26 January 2023

Q_1114 In which year could this (the attack on Kolkata) happen, Pandit ji?

Answer: The time is up today. Next Sunday from 9 PM to 10:30 PM, we will meet again with you in the Google Meet for the ideology of Bhavishya Malika for the salvation of our devotees. Due to network problems today, I could not hear well and it was difficult to answer some questions. I feel I may not have been able to provide a 100% satisfactory answer to your question.

► Watch this answer · 49:36 · 26 January 2023

SESSION 60 · QUESTIONS 1115–1116

L57 - भविष्य मालिका की प्रचार धारा से भक्त लोग सत्य युग को जाएंगे और धर्मसंस्थापना होगा।

Date: 29 January 2023 · Watch the full session ↗

Q 1115 So, should I change anything? Should I do something different, Guruji?

Answer: You are doing very good work. See, you have read the Shrimad Bhagwat many times, but my request is that it is necessary for every member of the household to read one chapter. This is because the coming disease is for everyone, not just for you or me alone. For the body to be purified, everyone from children to the elderly should read it, and for those who cannot read, it should be read to them. You already perform prayers twice a day (two sandhyas). At noon, when the times meet, pray to God for 10 minutes with the Durga Madhav Stuti. It will be decided which streams of practice will be allocated to the devotees, and this is also written in the Malika. It will happen through our medium; it is written in the book, which is why God has given me this responsibility, and we are doing it. This will be told; it is written in the Malika, and we have the PDF for it, so there is no issue. You should also follow this. Read the Bhagwat daily, stay present in the online satsang of the Malika, and at the very least, propagate the Malika.

► Watch this answer · 19:48 · 29 January 2023

Q 1116 Has the Ramayana been burned in Lucknow?

Answer: Okay, look, when the sins of demons increase, destruction happens. So, you should understand this as 'vinash kale vipreet buddhi' (intellect turns negative when destruction is imminent). If they don't do such things, how will they be destroyed? So, this is a sign of conflict, and much worse is about to happen. Look, God has already orchestrated everything for the establishment of dharma. The work has already begun. And at such a time, those who used to work against God will do so even more. So, there is no problem with this. What they say saddens me too, but God has started the establishment of dharma precisely to destroy such sinners. And regarding the imperishable scriptures in the world, a person might think they can burn a book, a paper book, but there is no one on earth who can burn the Brahman (the ultimate reality). For those who do such things, it is a sign of their intellect failing at the time of their destruction.

► Watch this answer · 32:51 · 29 January 2023

SESSION 61 · QUESTIONS 1117–1133

L58 - जलवायु परिवर्तन का संकेत कलियुग की समाप्ति का प्रमाण।

Date: 02 February 2023 · Watch the full session ↗

Q 1117 At a time like this, what should we do? What actions will lead to the salvation of human society? How will human society be protected and find security from disease and illness?

Answer: No one can protect human society simply by giving shelter or blessings. For example, if you stop cooking in your own house, you might be able to order from outside for a day, but if that's not an option, you'll have to cook or you'll have to fast. Similarly, at a time like this, the most important thing for us is to change our actions (karma). We must return to the Vedic path. Those who come to the Vedic path will become truthful. The cold weather we are experiencing now will become much colder. Everything will intensify, like an electric current increasing from 440 to 840 volts. The amount of rain during the rainy season will be 50 times more than usual, leading to floods. There will be more snowfall and more earthquakes. No one will be able to protect anyone else; we will only find protection through our own karma. The Malika is the only scripture that can grant protection to human civilization. It will make you truthful, divine, and like gods, but it is essential for you to follow its path. We are in a time of great destruction. People might say this is always said, but when sin increases, destruction is inevitable. It is our duty to warn people about sin so they can reduce it. If sin decreases on Earth, the destruction will also be averted. But if sin keeps increasing, if people don't listen and don't follow the Vedic path, and act on their whims, then there is a God in this world who does His work to protect the Earth, human society, and all living beings. If all of humanity turns towards dharma, then the calamities and diseases that trouble people today will cease. However, people are caught up in their daily routines of earning a living and eating, and they are not ready to learn or listen. They only seek medical help when they get sick. This cycle continues. But by adhering to dharma, we will get protection. The mantras are not of the Kali Yuga (the age of darkness); in this era, only those who possess the pure Vedic path and the practice of mantras will remain the most protected.

► Watch this answer · 09:40 · 02 February 2023

Q 1118 I have read the Bhagavata Mahapurana many times before, but this time, when I completed the seventh canto (Saptam Skand), a small strand of hair came out from within the book. What does this mean?

Answer: This means that the Lord showed you your suffering, and it was cured by reading the Bhagavata, so He left this as proof. You must continue to read it. Every truthful human will have to read it because we have to make ourselves truthful. It's fine to take blessings from a guru lineage, but you must perform Trishandhya yourself, read the Bhagavata yourself, and become a knower of Brahman. Everyone will become a Brahmin in the Satya Yuga; that is the path I am sharing. The times will change; there are seven years left. Within this period, humanity must change. Those who change beforehand will be fine, but we cannot say what will happen to those who change at the very end. By reading the Bhagavata, God has given you this proof, showing you your suffering through that strand of hair. Nothing bad will happen.

► Watch this answer · 20:42 · 02 February 2023

Q_1119 What does the Malika say about the future of Jharkhand?

Answer: It is written in the scriptures by the great sage Achyutananda. In Jharkhand, only those who are already on God's path will remain. There might be some difficulty in getting food, but the Lord will arrange food for His devotees through Mahalakshmi, and the devotees will also protect them. Jharkhand will face great devastation from a major earthquake, and along with it, the deluge of 'Panchamrita' will also occur. Diseases and illnesses will persist because the Malika is written for the entire world, for every place. Therefore, you should stay on the path of dharma, follow the Malika, and remain in the Lord's refuge by participating in the online satsang. This is good for you. A time will come when there will be no internet, and we won't be able to guide you. Chanting a mantra tomorrow cannot save you from a disaster the day after. That is why we are propagating this path in advance. All this is happening before the arrival of Satya Yuga by 2032. When the great war begins, the internet will repeatedly go down. I am telling you in advance, the internet will be down, and we won't be able to communicate. The people who know now will be the means through which others will change. Time is short, so use this limited time for dharma.

► Watch this answer · 25:17 · 02 February 2023

Q_1120 There is a person who has good values and culture, but she does not remember the Lord's name. So, is what she is doing considered dharma or not? Please explain.

Answer: Look, a true human who is a pure soul on the path of dharma is a very good thing. But in the age we are heading into, it's like if someone wants to go to America, they have to fly. Similarly, it is necessary to chant the name of Truth. If someone is a good person, a saint, a sage, doing good deeds, that is rare and valuable for the world. However, the Lord's name is the path to salvation. If they chant the name along with their good deeds, it will be very beneficial for them. It is necessary. If they have faith in God, what is the problem with chanting His name? Truthfulness is created by God, and God Himself comes to establish dharma. This is the time for Lord Kalki's establishment of dharma; He is coming Himself. At such a time, worshipping Him, praying to Him, and chanting His name is the rarest fortune for us. It is a matter of destiny. Whatever is happening is good, but adding this practice will make it even better.

► Watch this answer · 27:49 · 02 February 2023

Q_1121 I am Darshan from Surat. When I perform Trisandhya with deep concentration, I used to feel vibrations originating from my stomach area. Now, it feels like they are coming from my chest, and I feel more vibrations in my face area. My body becomes cold, and the vibrations are more prominent in the upper regions, as if they start from there. I don't fully understand this. I've read a little that it might mean my energy is rising, but I lack complete knowledge. Could you please provide some guidance?

Answer: Creation happens, and your energy was created at the navel. It will rise up to your Trikuti (the point between the eyebrows). When it reaches there, you will completely surrender to the Lord. This is happening because energy is created at the navel and its journey culminates here (at the Trikuti). This is a very good sign. Continue on your path, and it will get even better.

► Watch this answer · 29:24 · 02 February 2023

Q 1122 I had a dream about a cow, and milk was flowing from its udder. What is the meaning of this dream?

Answer: Milk is the stream of nectar; it sustains the human life system. After the mother who gives birth, the one who nurtures humans from the heart is Mother Cow. The milk flowing from her udder is a stream of nectar. This is the stream of the Vedas, the pure stream of dharma. This dream gives you a sense of that purity. It is a very good dream, mother. It is especially good for people who are performing righteous deeds. Stay in God's refuge, perform Trisandhya, and you will see more such good dreams. This is a sign of the coming of dharma. Okay?

► Watch this answer · 32:10 · 02 February 2023

Q 1123 My question is, when the great deluge (pralaya) comes, you said in the satsang that the Lord will move the devotees to a safe place. At that time, we won't have access to satsang or scriptures like the Bhagavata Purana, so how will we manage?

Answer: Look, son. For the protection of the devotees who practice satsang, Lord Kalki will form 16 Mandals (divine circles or groups). You all will become members of these 16 Mandals. Through these Mandals, the light of divine power will be present. Whatever the devotees in the Mandals need—how they will be protected, what actions to take—will be communicated to you as per the Lord's instructions. So, do not worry about that. For now, join the satsang. The formation of the 16 Mandals is underway and will be completed in the coming time. The devotees will stay within these Mandals and remain safe under the Lord's grace. With His blessings, the devotees of the 16 Mandals will bring dharma to the entire world.

► Watch this answer · 33:10 · 02 February 2023

Q 1124 Can we perform the Gayatri Sandhya (chant the Gayatri mantra)?

Answer: In previous ages, everyone chanted the Gayatri mantra, but in the Kali Yuga, there are some specific provisions. Chanting the Gayatri mantra purifies the Earth and makes it heavenly. The sound that emanates from it spreads throughout the world, bringing great joy to the Earth and peace to the deities. Just as a filter purifies air and water, the five elements are purified by the effect of this mantra. You should definitely chant the Gayatri mantra; there is no problem. If you are Brahmins, it is necessary to do so. However, the path of Trisandhya that I speak of is what the Malika itself instructs to follow. I am telling you this as per God's will. This practice will protect you from all calamities related to the five elements, from the earth to the sky. Eventually, everyone will join this path, but not everyone will receive protection, because the bodies of those who have been on this path from the beginning will be more pure. What will happen to those who join later is up to God's discretion, not mine. But the great sage Achyuta has written that by following this in time, humanity and the world will be blessed.

► Watch this answer · 34:35 · 02 February 2023

Q_1125 What will be the system of governance or the national flag in the coming Satya Yuga?

Answer: Yes, this is also written in the Malika. When the Kali Yuga ends, the Sudharma Sabha (Assembly of True Dharma) will be established, and a new constitution will be made for the world. The flag will not be red or yellow; a five-colored flag has been destined.

► Watch this answer · 36:35 · 02 February 2023

Q_1126 Where are you speaking from?

Answer: Look, son, our work is to propagate the Malika. The Malika, which was originally written in the Odia language, has been translated by the grace of the Lord, and we are spreading its message for your benefit. Through your own devotion and experience, you will gain much more information about this. You will find many truths by reading the books. At a time like this, if you stay on the path, you will find the answers to your questions yourself. This is not an ordinary matter. The feats that even great saints and sages will perform, the ordinary people following our path will also be able to perform. The path must be correct. There should be no deviation in the path or in your faith. Then, you will come to know everything. Because beyond external knowledge from books, it is the inner knowledge—the knowledge from experience—that will teach you a great deal. The path I am showing you is for your good. Join the satsang. If you wish to know more, discussions are held in the satsang. You can contact the provided number to join.

► Watch this answer · 38:36 · 02 February 2023

Q_1127 There is a lot of talk about the scarcity of food and other essential items in the future, and the devaluation of wealth. What are your comments on this?

Answer: This is a very good and interesting question for everyone, and it is necessary to have information about it. Look, the financial condition of 2023 will change. Its degradation will begin in 2026. The worldly wealth we possess today, like metals and other assets—it is all written in the Malika that a time will come when they will be of no use. But that time is not here yet; there is still some time. Worldly assets, wealth, and gems will all gradually lose their value over time until they are worthless. But do not take any action based on this right now. After 2025, I will speak on this again, and you will see it happening. A time will come when people won't even bother to pick up gold lying on the road. Of what use will it be? People will beg for food but won't get any. For every hundred people, only one might survive. How will humanity survive? However, for those on the path of dharma, God will arrange everything, including food. This is our firm belief, and it is written in the Malika that the Lord will protect His devotees in some way—those who stay on the path and believe in it. The end of Kali Yuga will be near when people start considering land, gold, and women as the greatest wealth, above all else. We already see land prices soaring. We see families breaking apart over relationships, as people prioritize these worldly things. This is a sign of the times.

► Watch this answer · 40:27 · 02 February 2023

Q_1128 What does the Malika say about the devotees in Tripura and their future gathering?

Answer: The gathering of the devotees (referred to as 'Baos') will happen through the Malika. The more the Malika is propagated, the more devotees from all four yugas will gather. The gathering of devotees is already in progress. The devotees in Tripura will also gather; they will be part of the 'Kalika Mandal'. A Kalika Mandal will be formed, which will include devotees from Assam, Kolkata, Tripura, Nagaland, Mizoram, and several adjoining states. So, you should stay connected with our satsang, follow the Malika, and perform the Sandhya. It is good for you. The very fact that you are coming into contact with the Malika means you have some 'sanskar' (past spiritual merits). This sanskar is what is enabling you to speak with us in the satsang today. It is time to change oneself and, with time, change the world.

► Watch this answer · 44:51 · 02 February 2023

Q_1129 You mentioned something about Bihar. Could you please elaborate?

Answer: Look, regarding Bihar... in the land of Bihar, Lord Hanuman is engaged in penance in many places. Some say he was born there, but he is still present there in penance, a fact not known to everyone. Lord Hanuman will emerge. That is why there are many Hanuman devotees in Bihar. The region will be greatly affected by earthquakes, and there will be much damage. The effects of the five elements and diseases will also be prevalent. This will not happen immediately but will unfold gradually. People will change slowly. On one side, dharma will be established, and on the other, these signs will manifest. By following the Malika and staying on the path, you must strengthen yourselves and begin the work of becoming truthful. A time will come when everyone will turn to the Malika and take refuge in the Lord, because when God Himself is incarnating to establish dharma, no one else will be greater than Him. The signs are already here. People may not believe it now, but in the future, they will admit with their own mouths that what was foretold has come to pass. But what is the use of believing then? Believing now can help people change. Now is the time. Later, during the time of struggle, there will be little time for transformation. At this time, no one is greater than Lord Kalki. All other deities have left their celestial abodes and have taken birth in human bodies, preparing for the establishment of dharma. You too will gain experience and knowledge about this through the Malika.

► Watch this answer · 46:58 · 02 February 2023

Q_1130 What does the Malika say about children who perform Sandhya only once a day but also read the Bhagavata?

Answer: Look, the scriptures tell us the story of Dhruva. At a very young age, he went to the forest alone to perform penance. It is the duty of us as parents to guide our children. They go to school and study. If they get time in the morning, they should do it. If they are at school during the day, they can take just five minutes during a recess to do it. It is important to instill these values in them. These children will grow up to teach the world the principles of Sanatana culture.

► Watch this answer · 50:14 · 02 February 2023

Q_1131 Could you please advise on a personal problem? (The question is unclear but seems to be about finding relief from suffering).

Answer: They will have to believe in and understand the path. Then everything will be alright for them. The message is being propagated. Those who remain in the stream of chanting the name 'Madhav' will receive the greatest relief. And God Himself will provide proof of this.

► Watch this answer · 52:27 · 02 February 2023

Q_1132 What is your perspective on the current state of society and its laws, especially when they seem to contradict the principles of dharma?

Answer: Look, son, this is a republic. I am working as a propagator of dharma. The world will not change based on my personal beliefs, because we are living under the constitution and laws of the Kali Yuga. Many things will happen in the world that are not sanctioned by the Vedas or scriptures. But what can we do? This is the final phase of the Kali Yuga. Time will reveal everything, as we cannot act before or after the designated time. But I will say this much: a very good time is coming for the devotees. We must wait for that time and take refuge in Lord Kalki.

► Watch this answer · 53:07 · 02 February 2023

Q_1133 What is the future of Yogi Adityanath and what role will he play?

Answer: If Yogi ji does good work for the world—and a lot of good work is indeed happening, and he will do even better in the future—he will be rewarded. Good people must get good results. But where God will ultimately place someone is decided by the Lord, not by me. We cannot make that judgment. The arrival of the Satya Yuga is beginning. For this new beginning, the Lord is bringing good people to the earth and giving them the responsibility of governance. It is a pattern that before a major transformation, good people come to power and become rulers. You can experience for yourself the atmosphere changing ahead of the Satya Yuga. The Satya Yuga is coming very soon, and before it, we are seeing a shift in the flow of righteousness and changes in governance. This is auspicious for India and for the world.

► Watch this answer · 55:30 · 02 February 2023

SESSION 62 · QUESTIONS 1134–1146

L59.2 - श्रीमद् भागवत में कलियुग - अंत का प्रमाण | पं. श्री काशीनाथ मिश्र

Date: 19 February 2023 · Watch the full session ↗

Q 1134 A person from Haridwar, Uttarakhand, asks: Meat is consumed in her house, but she herself does not eat it. Can she join the satsang (spiritual gathering)?

Answer: This is a very good question. Sanatana Dharma will be illuminated throughout the entire world, and people of all religions will join Sanatana Dharma. Not just in India, but in all countries of the world outside of India, Sanatana Dharma will be established. There will be only one religion, and this will not happen by force. People will be compelled to come to Sanatana Dharma because of its propagation and its principles. Spiritual culture and the Bhagavatam will be read, and Lord Kalki will rule the entire world. So, people of all religions are permitted to come, but it is necessary for them to come into the 'dhara' (the prescribed path). They should adopt the Trisandhya dhara and come to the refuge of the Lord. When the time comes, everyone will come. We don't even have to tell them. If that woman wants to come, there are no restrictions or obstacles.

► Watch this answer · 14:24 · 19 February 2023

Q 1135 Can we send her the materials that we read?

Answer: Yes, you can. You all can send it. She should do it. That's very good. This is how the Malika will be propagated. Its propagation is happening for this very reason, so that people of all religions and faiths will gradually join and together, a global Sanatana Dharma will be formed. Okay.

► Watch this answer · 16:29 · 19 February 2023

Q 1136 I am Sandeep from Gurgaon. In the Dvapara Yuga, when God descended, even great sages, saints, and yogis who were prophets could not recognize Him; they considered Him an ordinary human. Even Arjuna himself considered him a friend, not God, until God showed him his cosmic form. Only then did he understand that Shri Krishna is the lord of the entire universe. So, we are beings of Kali Yuga with such fickle minds; how will people like us be able to recognize God? How will we come to believe?

Answer: In this Kali Yuga, humans do not possess that much capacity. People are limited to eating and drinking. They have some knowledge and a little bit of technical knowledge. That is why God himself composed the Bhavishya Malika Purana to guide people. In the Malika, God told Sudama, 'Look, this Malika that you are writing, when the Kali Yuga ends, it will be propagated. My devotees will listen to this Malika, understand it, and by following the Malika, they will come to my refuge.' This is because the Malika details the gathering of devotees, the place of God's incarnation, where and when Lord Kalki will incarnate, how devotees and God will meet, which devotees will form organizations, what the situation will be in between, by what name the devotees will be saved, and by which path the truth will be revealed. So, you should take refuge in the Malika, and through the Malika, you will also be connected with Lord Kalki. Those who listen to and watch the Bhavishya Malika, God will reveal many truths to them through dreams, and their own minds and bodies will align with

God. Because this scripture was written by the Lord's will, it is being propagated by His will, and by listening to it and following it, you will also meet Lord Kalki. As this age ends, a new age will also begin. There is very little time. Join the satsang, follow the path, and follow the Sandhya. You will tell me about your experiences; you will also see what is going to happen.

► Watch this answer · 19:29 · 19 February 2023

Q_1137 Guruji, I have been connected for many days through your YouTube and have received the first part of your Bhavishya Malika Purana. My question is, while reading it, you have mentioned the incarnations of the 'Pancha Sakha' (five companions) in both Satya Yuga and Kali Yuga, and Hanuman ji's name is included. But Hanuman ji is 'Chiranjeevi' (immortal) in all forms, isn't he?

Answer: In the Treta Yuga, Hanuman ji was with Lord Shri Ram as the 11th Rudra avatar of Lord Shiva. Lord Hanuman worked with Lord Ram in the establishment of dharma. The Pancha Sakha are the five main individuals, the five core elements of the Lord, who participated in establishing dharma, and Hanuman ji's name is included among them. This does not mean... Hanuman ji is a Rudra avatar, he is Lord Shiva himself who came to Earth. And in the Kali Yuga, at that time, Hanuman ji will come again to the Lord. By the Lord's will, he will oversee the work of establishing dharma across the world. He will save the devotees and destroy the sinners. Foreigners will also be destroyed. Vibhishana will come, Hanuman ji will come. In this sense, he is considered an incarnation. Lord Kalki's body will be like that of Lord Ram.

► Watch this answer · 23:10 · 19 February 2023

Q_1138 Maharaj ji, one more small question. You mentioned on YouTube that Pakistan, along with 13 or 57 Islamic countries and China, will attack India, as written in the Bhavishya Malika. Is the name 'Pakistan' specifically mentioned, because Pakistan was formed only in 1947?

Answer: It is written. And Turkey and Iran... just the day before yesterday, Iran skipped a meeting in India. And regarding Turkey, I had spoken about it in 2020. I had said that a devastating earthquake will occur in Turkey, and I also explained the consequences. You can see that episode from 2020. I was specifically talking about Turkey. This means that Turkey will not help us in the future. It never will. The Lord's devotees are also present all over the world. To save all the devotees, the establishment of dharma is necessary.

► Watch this answer · 25:27 · 19 February 2023

Q_1139 Could you please explain the 'Trisandhya dhara' (path of three daily prayers) that you mentioned?

Answer: Yes, that's a very good point. Our people conduct satsang and are connected to the path of the Malika. We also connect devotees from all over the world; the description and number are given below. The balance of the earth and the universe, the worship of deities, and the protection of the earth and cosmos are part of this God-given, Veda-based path. The first sandhya (prayer time) is from 3:30/3:45 AM to 6:30 AM. The second sandhya is from 11:30 AM to 12:30 PM. The third sandhya is at sunset. During these three sandhya times, one should chant the 16 names, recite God's Dashavatara stotram (hymn of 10 avatars), read from the Shrimad Bhagavatam during one of the sandhyas, recite the Durga Madhav Stuti, and chant the name of Lord Madhav 108 times. By following this path, even if some negative effects of the times befall us, the Lord will protect you. Because the Lord will see, 'Look, these people are performing Trisandhya, they are heading towards Satya Yuga, they have given up meat and fish and are moving towards dharma, so my blessings must be upon them.' To receive the grace of God, the grace of Lord Kalki, this path is essential for you all. You can contact the number in the description to get the full detailed procedure.

► Watch this answer · 28:25 · 19 February 2023

Q_1140 If someone is working, has a job, or is otherwise busy, what is the way to perform Sandhya at the specified times, like in the afternoon or evening?

Answer: Look, if you are at work or traveling, you might not be able to read the Bhagavatam at that time. In that case, you can read it at home when you return at night. Or, before sleeping, you can take it with you, wash your feet, remember the Lord and Mother Ganga, and then read the Bhagavatam for 5-10 minutes. As for the other sandhyas, if you don't have time to read the stotram, it is necessary to set aside two or three minutes. In this time, chanting the 16 names will take about 30 seconds, and the Dashavatara hymn... even chanting Madhav's name 11 times will suffice.

► Watch this answer · 30:47 · 19 February 2023

Q_1141 Pandit ji, could you please tell us the 16 names?

Answer: You can record this, or you will find it in this YouTube video. Vishnu... Bhojan... Narayan... [transcript is incomplete]. That is why I say, if you don't have time, you can chant even 11 times and read the Bhagavatam at night. You will feel joy and peace, and the grace of the Lord will remain with you. Lord Kalki sees everything in the world, he sees which of his devotees are following his path. That is why the Malika was written. This is the path given by Lord Kalki. This is the path given by Lord Kalki, which was established 600 years ago, and I am just propagating it so that it reaches you.

► Watch this answer · 32:00 · 19 February 2023

Q 1142 It takes about half an hour to 45 minutes to complete the practice. Is there any problem with that?

Answer: Look, chanting the name... I say 108 times, but you can do it 1008 or 2008 times. The more you achieve 'mantra siddhi' (mastery of the mantra), the more experiences you will have. And I especially want to tell all the devotees who have come to Trisandhya, who will come, and who are following or will follow the path of the Malika, that the Lord will tell them everything in their dreams—what is going to happen and what is not. Their wishes will be fulfilled through this medium because this is the Lord's own path. We are just propagating it.

► Watch this answer · 34:12 · 19 February 2023

Q 1143 Father, one more question. When we are at home, we perform the prayers. But afterwards, when we go to the market or leave the house, we keep remembering the Lord and chanting His name, for example, while driving a car, riding a motorbike, or sitting somewhere. But there is a slight doubt, as we are wearing shoes, and while wearing shoes we are driving and also chanting the Lord's name. Is this acceptable?

Answer: You can chant the name even while wearing shoes at your workplace. Look, these are external, physical things. There is no restriction for the mind to be in contact with God. The mind is a part of God, and the more we awaken it, the more we will receive God's blessings. So, at your workplace, whether you are wearing shoes, a certain dress, or driving a car, you can take 3-5 minutes in the market to do it. Or while driving, you can chant His name. However, when driving, I would advise against doing this in an isolated place where there is no one around, because as it is written in the Malika, the number of miscreants has increased. People will commit theft and robbery. So, keeping your own safety in mind, it is better to do these things in a safe place. However, if the Lord's grace is upon you, these things will not happen. But that doesn't mean we should perform these activities in an area influenced by demonic forces.

► Watch this answer · 35:16 · 19 February 2023

Q 1144 Pandit ji, my question is that I have been following the path of Trisandhya for three or four days, and a strong desire arises in my heart to have a vision (darshan) of Lord Kalki. I can't bear it, tears come to my eyes, I feel so much eagerness.

Answer: A vision of the Lord can be had through his physical form, both with attributes (saguna) and without attributes (nirguna). A vision of the Lord can also be had by meditating on his form. So, wait for the time. It will happen when the time is right.

► Watch this answer · 37:22 · 19 February 2023

Q_1145 Is it appropriate to handle worldly duties, like phone calls, during spiritual practice or satsang?

Answer: For the practice, it is necessary to set aside 10-15 minutes. During that time, you should at least do it with your phone switched off. After the practice is over, there is no issue with talking to your family for as long as you can. But it is not appropriate to do this in the middle of a satsang. If it becomes necessary for you to do so, then you should leave the ideology of satsang and Trisandhya. You should leave the path of the Malika; that would be better for you.

► Watch this answer · 39:13 · 19 February 2023

Q_1146 How much education is needed? I am not very educated and sometimes I can't even understand simple things.

Answer: If one person reads, another will understand. It's good, so read it. It's very good. We don't know what will happen in our country and the world, or when. As I said, in such times, those who follow the Trisandhya path will reach the Satya Yuga. And time will tell; there isn't much time, not more than 7 years. In such a time, we have no power other than dharma (righteousness). No wealth, no knowledge, no connections, no honor, no glory, no element, no power, no system will work. Only the 'dhara' (the prescribed path) will work. By following that path... [the time is up].

► Watch this answer · 40:50 · 19 February 2023

SESSION 63 · QUESTIONS 1147–1147

L59.1 - श्रीमद् भागवत में कलियुग - अंत का प्रमाण | पं. श्री काशीनाथ मिश्र

Date: 19 February 2023 · Watch the full session ↗

Q 1147 Today, people have a question: Has the Kali Yuga truly ended? If it has ended, what is the proof? On what basis will people believe it? And how will Sanatana Dharma survive?

Answer: The answer and proof are found in the Shrimad Bhagavatam, which is described as the great scripture (Mahapurana) of Sanatana Dharma, a symbol of God himself, and the basis for faith and devotion. The speaker explains that the truly intense phase of Kali Yuga (Ghor Kali) began with the departure of Lord Shri Krishna to his divine abode. During that period, there was no light of Dharma, all Hindu pilgrimage sites were under the control of non-believers, people became anti-religion, and their sole focus was on their own sustenance, having abandoned the path of Dharma. The speaker implies that this intense phase is over, which serves as the proof, and that the survival of Sanatana Dharma is linked to understanding and believing in these scriptures.

► Watch this answer · 01:15 · 19 February 2023

SESSION 64 · QUESTIONS 1148–1163

L60 - विश्व के किन देशों में खाद्य का अभाव होगा | पं. काशीनाथ मिश्र के संग

Date: 23 February 2023 · Watch the full session ↗

Q 1148 So how will the devotees be saved? How will they be delivered?

Answer: It is written in the scriptures that there are many such trees in our country and also abroad, by eating the leaves of which one will not feel hunger or thirst. But this is under God's control. Lord Kalki will reveal their identity to the devotees, and the devotees will find their location. It will not be available to everyone. When the world struggles with starvation, when there is no food and people resort to cannibalism—which is already happening in some countries—how will our devotees survive? The way for the devotees to survive is this: there are many such trees and plants whose leaves, when eaten, will prevent the devotees from feeling hunger and thirst. And with their strength, the devotees will then re-establish dharma.

► Watch this answer · 07:28 · 23 February 2023

Q 1149 How will we face it? That is, how will we fight against all those calamities? What kind of strength do we need?

Answer: The greatest strength is the stream of Satsang (spiritual discourse). The Bhagavat. Complete surrender is necessary. For any devotee, it is written in the Bhagavad Gita, if they have not completely surrendered, their devotion has no value. It's like taking medicine, but the disease isn't cured and keeps increasing. In this way, one might spend their time worshipping God without devotion and find no place in the establishment of dharma.

► Watch this answer · 10:27 · 23 February 2023

Q 1150 What can we do to make this disease (of unhappiness) go away? What can be done to bring happiness to the world?

Answer: By doing that, happiness will come to the world, and happiness will come to the universe.

► Watch this answer · 23:08 · 23 February 2023

Q_1151 We practice devotion, but our children do not. So, will they benefit from it?

Answer: If your actions are good, you will receive good results. And for those whose karma is not right... still, you should try for the welfare of everyone in the world. People change through the medium of satsang, just as the dacoit Ratnakar transformed into the great sage Valmiki. Our human civilization is in a much better place dharmically and is doing good deeds. Regarding your family, keep trying, but do not force or compel anyone. I am telling you with certainty and conviction that a time will come when all people, including our own families, will say, 'Let's all stay together in one stream.' But the outcome will not be good for everyone at that point. Now is the time to change. However, I must say, do not let this issue of dharma create discord, differences, or arguments within the family. If possible, maintain mental peace. If not, then carry on with your own duties and interact with the world through the principles of dharma.

► Watch this answer · 29:51 · 23 February 2023

Q_1152 The earthquake that is going to happen in India, will it occur everywhere or only in some places? For example, will it happen in Pune? Here in Maharashtra?

Answer: It will happen in all places. It will be more severe in some places and less in others, but it will happen everywhere. And this time... it has no certainty. But the one certainty is for those who are in our stream, in satsang, in the refuge of the Lord; the Lord will take care of them. People are suffering because of their own actions, and those who follow dharma will be well.

► Watch this answer · 32:38 · 23 February 2023

Q_1153 Pandit ji, when will the second part of the prophecy be available in Hindi?

Answer: Pandit ji, work on it is ongoing. And by God's grace, we will be able to propagate it as much as He wishes. It is not in our hands. If it were in our hands or anyone else's, 600 years have passed, why was it not propagated? Before me, lakhs and crores of people, saints, and sages came to this earth, propagated dharma, and did righteous work, but they could not do it. Some commercial people also wanted to propagate the Malika by taking the book and making it commercial.

► Watch this answer · 34:13 · 23 February 2023

Q_1154 We have committed all these acts in ignorance, and now we have come to this point of discussion. So, what should we do now?

Answer: The scripture says that an act done in ignorance is called a mistake. If someone does it knowingly, aware that they will suffer for lifetimes and that it is a great sin, then they are called a criminal, who must bear the fruits of their actions. So, those who have done such deeds, if they change now, I believe God will surely forgive them.

► Watch this answer · 36:48 · 23 February 2023

Q_1155 I chant 16 or 20 rounds of a mantra. It has become part of my system after so many years. Do I need to change the mantra now, or will it be fine to continue?

Answer: Look, Lord Krishna told Arjuna about the Madhava Sampradaya in the Bhagavad Gita. The tradition of Shri Jagannath Kshetra is the Madhavi tradition. And in Kali Yuga, the name to liberate devotees is Madhava. Chant the Mahamantra. In the era when Ram came, devotees chanted Ram's name. When Krishna came, they chanted Krishna's name. Chanting the name of Madhava will bring liberation to the devotees. Chant the Mahamantra, meditate on the name, follow the Tri-Sandhya, read the Bhagavat, and serve the Lord.

► Watch this answer · 39:40 · 23 February 2023

Q_1156 The Goddess will test the devotees and ask, 'Who is your Lord?' What answer will you give at that time?

Answer: So those who say 'Madhava,' she will bless them and let them go. Those who say they don't believe will not receive any blessings. Because in the era when Ram came, devotees chanted Ram's name. When Krishna came, they chanted Krishna's name. Chanting the name of Madhava will bring liberation to the devotees. Chant the Mahamantra, meditate on the name, follow the Tri-Sandhya, read the Bhagavat, and serve the Lord.

► Watch this answer · 41:04 · 23 February 2023

Q_1157 What happens [due to the eclipse]? Is an earthquake likely to come after it?

Answer: The solar and lunar eclipses will continue to happen. The earthquakes do not happen because of this effect. Lord Kalki will carry out the work of destruction through the five elements. You might say, 'Good people are dying, so what kind of destruction is this?' Some say that killing living beings is a sin, or that the poor are being oppressed. It is good for those who are righteous. For the sinners, it is necessary to face this time.

► Watch this answer · 42:20 · 23 February 2023

Q_1158 So how is this possible? (Context: The questioner's 6-year-old daughter is extremely devout).

Answer: The devotion your daughter has now is from the impressions of her past life. You are fortunate to have such a pure soul in your home. Wait for the right time, the Lord will set everything right. The Lord is always ready to fulfill the wishes of a devotee. Chant together.

► Watch this answer · 44:04 · 23 February 2023

Q_1159 Tell us about the 'Daak' (the call of Bhairav).

Answer: Those who do harm, do not work for the welfare of the world, do not engage in charity and righteousness, do not believe in God, and do not serve their parents—for them, the effect of the Bhairav Daak is meant. At that time, Mother Bhairavi, a form of Mahakali, will come. And Mother Bhairavi will shout so loudly that it will be heard in the east, west, north, and south. And the sinners who hear it, some will experience blood vomiting, and some will die. Such a time is coming, and it can happen anytime. The devotees will not hear it; only the sinners will hear it.

► Watch this answer · 46:42 · 23 February 2023

Q_1160 Will it happen in April of this year?

Answer: It will happen. The 16 Mandalas (divine circles) have not been formed yet, but there will be some minor effects. The time for the major effect has not yet come.

► Watch this answer · 47:40 · 23 February 2023

Q_1161 Yes, I want to ask, when will the internet connectivity collapse?

Answer: 2024. I had spoken about this about 6 years ago. At that time, no technology, no science, not even NASA knew that a fragment would come from the sun. So when it comes, it will fall over three oceans. One fragment will come, then it will blast into three fragments. And the three fragments will fall into three great oceans. And at that time, even before it arrives, the internet will be destroyed. And all electrical systems. And the whole world will be in darkness. At that time, God will save the devotees. How he will save them is also written about. There isn't time now, I can only answer one question at this moment.

► Watch this answer · 48:13 · 23 February 2023

Q_1162 And what is the reason? What is the reason for that? (Context: The questioner is asking about the green light seen in the sky during the earthquake in Turkey).

Answer: There will be earthquakes somewhere, floods somewhere, fire somewhere, and cyclones from the sky somewhere. This is the medium. And the green light that appears in the place where an earthquake occurs is a sign of Lord Kalki's destruction. Lord Kalki subtly proves that 'I am the one carrying out the destruction.' I have mentioned this in the Malika before. So this green light is the darshan (vision) of the formless aspect that devotees get, because the Lord acts unseen. It is complete proof of Lord Kalki's work of destruction.

► Watch this answer · 50:53 · 23 February 2023

Q 1163 They are saying that on January... three shining stars [are coming towards Earth]?

Answer: That time has not come yet. And without the will of the Lord... In 2012, something was coming towards the Earth that was many hundreds of times larger than Earth, and at that time, God protected this Earth. But meteor fragments are coming to this Earth. This will happen when the devotees gather and the 16 Mandalas are formed, in the midst of the world war, the work of destroying sinners will take place. Devotees will be saved, and sinners will be destroyed. No sect, no religion will be able to save them. For those who are in the stream of Sanatana Dharma, the Tri-Sandhya, the Madhava tradition, and the Sudharma Mahasangha, there will be no problem. There is no other way besides this. What you said is correct, three meteor fragments will come to Earth.

► Watch this answer · 52:22 · 23 February 2023

SESSION 65 · QUESTIONS 1164–1175

L61 - 16 मण्डल गठन एवं भक्तों का उद्धार कैसे होगा? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 26 February 2023 · Watch the full session ↗

Q 1164 Lord Narasimha became so enraged that he set out to destroy the world. At that time, many devotees praised him and tried to appease him, but the Lord was not pacified. Why was this so? The Lord is known as 'Bhakta Vatsala' (one who loves his devotees) and is said to calm his anger upon hearing their prayers. So why wasn't he pacified after hearing their praises, and why was the Sharabha avatar ultimately necessary? That's the first question. The second question is: it is written in the Malika that some things are extremely secret, yet it is necessary for devotees to know them. In that case, all the devotees here should know these top-secret things, but why is it that we still don't know everything?

Answer: A very good question. Lord Narasimha's incarnation was a unique one. The Lord was very angry and had to incarnate at that time because of the torment of his devotee, Prahlada. He was in a state of extreme rage. At that time, Prahlada praised the Lord. All the deities asked Prahlada to pacify him, and upon hearing Prahlada's prayer, the Lord became calm. The proof of this is that the devotee is the greatest, most eternal, and truest to God. God incarnates for the sake of his devotees. If we become such devotees, the Lord can come for us in the same way. Regarding your second question, the words of the Malika are secret. What is secret about them? Mahapurush Achyutananda, who was created from the body of the Lord, had said that the time had not yet come, and until this time, the Malika would remain secret. Now, that time has come. The five-faced Lord Kalki will come in various forms—earthquakes, floods, cyclones, solar flares, and diseases. You might say human civilization is being destroyed, but this is what our scriptures and Puranas have written. The Lord incarnates when sin increases. The most important dharma of Kali Yuga is compassion for all beings and chanting the Lord's name. These prophecies were secret then, but they are being revealed now. One more thing, Mahapurush Achyutananda wrote that details about Lord Kalki—his birthplace, his identity, how he will meet devotees, his address—all this is extremely secret, even from great sages. He wrote that the Malika will be propagated to the devotees, and those who listen with a simple heart will take refuge and move forward. So, the secrets of the Malika are now being revealed to you. The next 7 years are very crucial. Come into the stream of dharma. There are no group traditions. Just stay away from killing living beings, feticide, cheating, and troubling others. Until this change happens, destruction will continue. What we predicted from 2014 onwards, you are seeing it happen one by one. By following the Malika, all devotees of God in India and the world will find it easy to accept the Lord's path. Sanatana Dharma will advance.

► Watch this answer · 20:43 · 26 February 2023

Q_1165 If one follows this path of devotion, can Muslims and Christians also do the same? Can they also be saved by following this path?

Answer: This is possible. A very good question. Sanatana Dharma will be established in the world. The world will become an undivided universe, in which there will be countries with many names, but Sanatana Dharma will exist everywhere. A time will come when everyone, even from countries of other religions like Saudi Arabia, will be compelled by circumstances to adopt Sanatana Dharma. As India's respect increases in the world, people will recognize the greatness of its dharma. Slowly, in the coming time, our propagation of Sanatana Dharma is going to happen throughout the universe.

► Watch this answer · 29:33 · 26 February 2023

Q_1166 There is a Babaji from Sikar, Rajasthan, who is carrying the flag of Sanatana Dharma. It seems to me that it was written in the Malika about a 26-year-old... (Implied question: Is he the one foretold in the Malika?)

Answer: The most important thing is that people will have to wait for many years to have a darshan (sighting) of Lord Kalki. He will remain so hidden that not everyone will be able to see him. He will not appear for public darshan, nor will he be involved in public work. He will not sit on TV or in the media to talk about establishing dharma. So who will speak? The devotees who come into the stream of the Malika will be the ones to carry out the work of propagating the Malika and dharma. If one gets the darshan of Lord Kalki, they will attain liberation. He will not be involved in worldly and social activities; he will be above them. His work is to weigh dharma and adharma, lifting up dharma and suppressing adharma. And regarding the avatar, every scripture states that Lord Kalki's incarnation will take place in Sambhal Nagar. The Lord will not give his darshan so easily. Devotees can contemplate this.

► Watch this answer · 31:44 · 26 February 2023

Q_1167 Pandit ji, how is he (Lord Kalki) different from them (other public figures)? And my second question is, as you just mentioned, if humans stop sinning, then the establishment of dharma will not happen and destruction will not come. So, was the Bhavishya Malika written for the very reason that dharma will be established and the Lord will incarnate?

Answer: A very good question. It has been written in the scriptures beforehand that Lord Kalki will come in a human body. He will appear like an ordinary human but will possess all 64 divine arts (kalas). He can do anything by his will. Mahapurush Achyuta has described his powers in detail. Lord Kalki will come in a human body, look like an ordinary human, and perform human actions. There will be divine plays (leelas) like in Vrindavan, with relationships of brotherhood and friendship, not guru-disciple. By his will, he can move the entire universe. With a single breath, he can move great mountains like the Himalayas. The light of millions of suns can emanate from his eyes. He can control any weapon with his mind; for instance, if a country launches a nuclear bomb, he can redirect it to destroy that same country. No one will be able to stand before his power. Lord Shri Ram came with 12 kalas and Lord Shri Krishna with 16, but Lord Kalki will be the complete incarnation with 64 kalas. His body will be a combination of Mother Yogamaya, Lord Balaram, and the Lord himself. The establishment of dharma by Lord Kalki is going to happen. You should all come into the stream of the Malika; there is very little time. If it is in your destiny to meet the Lord, you will follow the Malika. My belief is that only a true devotee, whose relationship with the Lord has existed for many ages, will read the Malika.

► Watch this answer · 37:42 · 26 February 2023

Q_1168 Father, my personal question is about Hanuman. (This is an interpretation based on the answer that follows).

Answer: He contributed to the Lord's work. But at that time, he had an unfulfilled desire from the Dvapara Yuga. To fulfill that desire, the Lord will grant it. He has already been born on earth in a human body. Yes, he has been born. And with him, his four companions have also been born on earth. They will meet Lord Kalki, and Lord Kalki will grant them divine powers. By the Lord's grace, they will fight against Pakistan, China, and other nations that oppose India. They will be in the war, fulfill all their desires from the Dvapara Yuga, and remain in the presence of Lord Kalki.

► Watch this answer · 44:31 · 26 February 2023

Q_1169 By when will this happen?

Answer: (The speaker transitions to the next question without giving a specific timeline for this event, instead discussing the timeline for the formation of the 16 Mandals in the subsequent answer.)

► Watch this answer · 46:18 · 26 February 2023

Q_1170 And in the 16 Mandals (regions/groups), what will be the framework for the devotees' work? How will the devotees work in them?

Answer: This Google Meet is happening to take the propagation forward and for the devotees to form the Mandals, by the Lord's grace. The devotees' work will be to follow the rules and spread the Lord's name. They will be the medium. The work of forming the 16 Mandals started before 2014. It will continue for a maximum of another 2, 3, or 4 years and will be completed within this time. On one side, the devotees of the 16 Mandals will be gathered, and on the other side, conflict and the great cataclysm (Panchamrita Pralaya) are happening on earth and will continue to increase. 2022 to 2023 is a very bad situation. Stop your current ways, come to dharma, and join the Bhagwat Mandal, because the formation of the 16 Mandals is necessary.

► Watch this answer · 46:34 · 26 February 2023

Q_1171 What is the primary mantra or practice to follow?

Answer: In the coming age of transition, the power of technology (yantra shakti) will have no effect. People used material objects to save themselves and find happiness, but now, it is necessary for people to attain mastery over mantra shakti (the power of mantras). I am not talking about any tantra-mantra practice. I am talking about the path of Krishna's devotion that Narada Mahamuni taught to Dhruva. Through this path, Narada went from being an ordinary human to a son of Brahmaji, and Dhruva attained an immortal position. It is written in the Malika Purana. To learn this, you can find our contact number in our YouTube videos or books. Many people from India and abroad attend our satsang, which happens about five times a week. You can also join. Nurture your spiritual inclinations (sanskar). When the time comes, you will know for yourself. Through this small contact on Google Meet, see how far people have come.

► Watch this answer · 51:06 · 26 February 2023

Q_1172 Jai Shri Madhav, Pandit Ji. We are propagating the Lord's message... I had a vision of flying. What does it mean?

Answer: When the establishment of dharma begins, during the world war, the Narayana Sena (Lord's army) will emerge to help India's soldiers. This army will include the five Mahavirs, Saptarathis, the five Pandavas, 64 Siddhas, and all the Lord's devotees. At that time, the Lord will give a mantra to the devotees. By chanting this mantra, they will be able to fly through the sky at will, go to any country, and cause terrible devastation. So, what you have seen is perhaps a 'sanskar' (spiritual imprint) that God is giving you. To bring this 'sanskar' to life, control your mind and immerse yourself in the Lord's devotion. By staying in this stream, you can see and experience even more profound things.

► Watch this answer · 53:38 · 26 February 2023

Q_1173 We tell people about the teachings, but some listen and some don't. Later, I had a dream where I was in the sky, and there was a coat like men wear. Sometimes it feels like a small temple door opens and a voice comes out. What does this mean?

Answer: Devotees will also fight like soldiers. The name of the Lord that you mentioned is what people who have been chanting it will use to perform that work. You had a conflict in your mind that you were not able to contribute enough to the establishment of dharma. The Lord has removed that conflict. When the time comes, you too will do the work.

► Watch this answer · 56:52 · 26 February 2023

Q_1174 Please tell us about the 'Tri-sandhya' practice.

Answer: I will tell you about the practice of Tri-sandhya (three twilights). It is for the three junctions of day and night. The first is Brahma Muhurta, around 3:00-3:30 AM, when morning comes and night departs. At this time, one should chant the Krishna mantra, including the 16 names, the 10 avatars, the name Madhava 108 times, and the Durga Madhava stuti. The second Sandhya is at midday, between 11:30 AM and 12:30 PM, when morning passes and noon arrives. The same mantras should be chanted. The third is at dusk, the 'Godhuli' time, when the sun sets and night begins. At this time, you must chant the mantras I mentioned. Those with less time can chant just the 16 names and the names of the 10 avatars. Through this practice, Narada Mahamuni became like a god. This practice of Tri-sandhya will be propagated again in India. By following this path, you will gain your own power to overcome all future problems, from diseases onwards.

► Watch this answer · 58:46 · 26 February 2023

Q_1175 When will the world war happen?

Answer: For that, many new fronts and alliances are being formed. It will likely be finalized between 2025 and 2026, and then the world war will begin. Before that, there will be many earthquakes, devastation, floods, and a very severe food shortage is going to happen in India. Eat whatever you get, donate some, and you will receive it back in the future; God will provide. So, according to the Malika, the preparation for the war is set for the 2025-2026 period. Keep that time in mind and stay in the refuge of the Lord. It is for your own good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:01:51 · 26 February 2023

SESSION 66 · QUESTIONS 1176–1191

L62 - घर में शांति कैसे आएगी? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 03 March 2023 · Watch the full session ↗

Q 1176 I've been having a dream where it feels like I went and sat on someone's bed or he is saying alluring things to me. This is happening, so what should I do about this, as I chant the Lord's name?

Answer: In our spiritual gathering (satsang), there are many people who were troubled by black magic for 20-25 years, and their families are now doing well. Such a transformation came from being in the satsang. If anyone is looking at you with a bad intention or thinking ill of you, they will be the one to be destroyed; they will be the one to get sorrow, because the time is coming. This is a small matter; we will be able to attain even greater powers than this. So, do one thing: continuously chant the name of Madhav, read the Bhagavat, and stay in the stream of evening prayers (Sandhya). Then tell me if your problem persists.

► Watch this answer · 50:08 · 03 March 2023

Q 1177 All day I remember that I have to go to the satsang. But as soon as it's 8 o'clock, a little before that, I forget that I have to join the Bharatpur Mandal's satsang. Does this mean I am not worthy of the Lord?

Answer: When complete surrender comes, He will show the way. To reach that state, chant the name, continuously chant the Lord's name.

► Watch this answer · 53:16 · 03 March 2023

Q 1178 Is a Tulsi mala (rosary) appropriate for us who eat onion and garlic? Can we chant on a Tulsi mala after eating them?

Answer: Suppose you have eaten and drunk, there is no problem.

► Watch this answer · 54:52 · 03 March 2023

Q 1179 In my house, there is no temple or idol of Lord Mahadev or Lord Shri Krishna. So, is it necessary to have their idol and a temple at home to chant?

Answer: Where there is no temple, the home is also a temple. So, consider your home a temple, install the form of Madhav in your mind, close your eyes, and chant His name. You can do it. There is no problem with that. It is the sacred creation of God.

► Watch this answer · 56:35 · 03 March 2023

Q_1180 Father, as you mentioned earlier, out of the entire creation, 64 crore people will be saved, of which 33 crore will be from India. So, whether they are from India or anywhere else, will they get a new body in Satya Yuga after leaving this one?

Answer: Those who are devotees, and apart from them, any human who comes into the stream of dharma with purity, they too, by God's grace, can also remain if their devotion and faith are strong enough. But the scriptures have written this much. The Lord can increase this number in the future. Through human actions, the number of people in dharma can also increase.

► Watch this answer · 57:39 · 03 March 2023

Q_1181 A question came to my mind about today's youth. The physical attraction that happens in youth due to the influence of Kali Yuga... is it just physical attraction or has it become a spiritual connection?

Answer: This world is transient, and its influence remains. For those who live in dharma, that influence is not there. This body merges into the five elements, while the soul takes its karmic fruit. One who is truly knowledgeable will not run after this. The majority of people do not know that we have to leave this body one day. The very body for which we yearn so much, running after desire and lust, is just a medium, and we will leave it behind. The ignorant run after it. So, as a pure soul in this spiritual gathering, instead of running after the body, for as long as you have it, use it to perform righteous deeds so that you can return to God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 59:17 · 03 March 2023

Q_1182 Pandit ji, I want to ask you... are the prophecies completely matching with what is happening?

Answer: It will happen by God's grace. The days of the sinners will be forgotten in Satya Yuga. Peace, happiness, and prosperity will spread all around, and humans will get a happiness on Earth that is much better than heaven. But are you all in the stream of dharma or not?

► Watch this answer · 01:02:13 · 03 March 2023

Q_1183 The attack that China is going to launch on India along with other Islamic nations, is this a distant event or is it near?

Answer: First, I will answer the question of whether the gods and goddesses are in the temples or not. After half the age of Kali Yuga (5000 years), all the gods and goddesses leave the earth and take human bodies. It has now been 5126 years, more than half, as written in the scriptures. They are not the masters of the temples because their Master has come to Earth. It is the time for establishing dharma, so they have also come in human bodies for the Lord's work. Regarding your second point... yes, their enemies will attack. This will happen because it is their belief that if they destroy the temples, the gods and goddesses will not help the Hindus. But they do not know that to destroy them... all those who come to do this will die.

► Watch this answer · 01:05:31 · 03 March 2023

Q_1184 I wanted to ask, which mandal (region/group) will I come under? I am from Jaunpur, Uttar Pradesh.

Answer: Uttar Pradesh, our Uttar Pradesh includes Mathura and Vrindavan. Now it's separate, Uttarakhand has been formed... It will become the biggest mandal.

► Watch this answer · 01:10:58 · 03 March 2023

Q_1185 Will Netaji Subhash Chandra Bose have any role in that?

Answer: Look, half the time of the 18-day Mahabharata war is still remaining. In Kali Yuga, that time corresponds to about 47 days. In that remaining time, the war will be completed. Secondly, all the warriors from the Pandavas and the Mahabharata war have also been born on Earth in human bodies. They will come, and they will receive power from the Sudarshan Chakra. They will fight against the opposition with mantra power and archery. And before that truth, all the powers of the world will be defeated.

► Watch this answer · 01:17:03 · 03 March 2023

Q_1186 What will be Netaji's role?

Answer: And God will grant him power. He will bring the entire world under his control, and before him, all the powerful foreign forces will be swept away. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:18:12 · 03 March 2023

Q_1187 When will military rule begin in India?

Answer: That time will be after the start of the world war. And this time, if it is the Lord's will and the devotees gather, it can happen quickly. If there is a slight delay, it will be for the gathering of the devotees, but it will definitely happen. The time is very near.

► Watch this answer · 01:19:54 · 03 March 2023

Q_1188 For a few days, I have been seeing many ghosts and spirits in my dreams. They can't do anything, they just appear. I have also seen dreams of riots in the country, people killing each other, a very horrific scene. What does this mean for the future? What is the reason for this?

Answer: He shows these things in dreams. That is why you are getting these premonitions.

► Watch this answer · 01:22:06 · 03 March 2023

Q_1189 Pandit ji, is anything written in the Malika about Jammu and Kashmir?

Answer: In the coastal... in your large region, there will definitely be a war. In Jammu and Kashmir, there will also be devastation from floods.

► Watch this answer · 01:24:49 · 03 March 2023

Q 1190 Pandit ji, my question is, by when will our Hindu nation be established?

Answer: India is already a Hindu nation. Declaring it a Hindu nation is a matter of our mentality. Aryavarta is a name for India. If our Indian governance system, just like Allahabad's name was changed to Prayagraj, changes India's name to Aryavarta, then everyone's wish will be fulfilled. Right? And the second thing is, Sanatana Dharma will be established throughout the world. It will become the religion of every country.

► Watch this answer · 01:26:02 · 03 March 2023

Q 1191 As Madhav ji is supposed to arrive in the form of Kalki, has he already arrived?

Answer: I have been telling you, and I am telling you today as well, the path that I am showing you... if you follow it with true devotion, you will come to know everything. I won't have to tell you.

► Watch this answer · 01:29:38 · 03 March 2023

SESSION 67 · QUESTIONS 1192–1205

L63 - Google Meet पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 05 March 2023 · Watch the full session ↗

Q 1192 Some people want to trouble our families—our parents, brothers, and sisters—with black magic and its dark influence. Please guide us on this.

Answer: No matter how great the power in this world, how powerful the tantra, whether it's a ghost, a pandemic, or any demonic entity... the devotees who are in this stream, who read the Bhagavata, remember Krishna, and sing the name of Madhav in their homes, who perform the Sandhya rituals... For 25-30 years, people have found salvation through the practice of Sandhya, reading the Bhagavata, and chanting the name of Madhav. Their families have settled down well again, there are no problems, and they are even developing.

► Watch this answer · 15:48 · 05 March 2023

Q 1193 My question is, as it is told in the scriptures, we have 14 senses in our body. When ego arose in the Virat Purush (Cosmic Being), is the quality of 'I' in us humans—like 'I exist,' 'I am the greatest'—the same as that ego, or is there a difference between the two?

Answer: We will go into the praise and meditation of God; we will go into that class. The Virat Purush (Cosmic Being), in his original form, was first a form of light. From that light came the 'Omkar', and from that, the Lord's manifest form, the Virat form, appeared. And from that Virat form, the Lord has had many incarnations over time. This is the Lord's infinite divine play. We will gain nothing by delving into this. The disaster that is coming at this time—how will you find protection from it?

► Watch this answer · 18:20 · 05 March 2023

Q 1194 I want to know about my daughter.

Answer: The real reason is from a past life. After taking a human birth, it enters her body, and because of it, the person experiences trouble, pain, and suffering. Its salvation is not through worship or chanting because we know that when a person is experiencing the fruits of their karma, only God can cure it. The fruits of the parents' karma are also added to it until the child is married. You too should chant the name of Madhav and go to the Lord's refuge. Say, 'Madhav, protect our child.' I think she can get better. Whisper the name of Madhav in her ears, and you yourself should continuously chant the name of Madhav.

► Watch this answer · 21:35 · 05 March 2023

Q_1195 A woman named Reshma Lakhani, who is not a Sanatani, entered the Jagannath temple. Is that allowed?

Answer: Those who are not in Sanatana Dharma do not have permission to enter our Jagannath temple and the Char Dham (four main pilgrimage sites). That is why Lord Jagannath comes outside during the Rath Yatra (chariot festival). At that time, any devotee, from any caste or any religion, can touch Lord Jagannath and have his darshan (divine vision). That's why every year, the Lord has the nine-day Rath Yatra festival. If someone has devotion, it is better for them to wait for that time.

► Watch this answer · 25:41 · 05 March 2023

Q_1196 There was an earthquake in Turkey, so my question is, where else are earthquakes going to happen?

Answer: Speaking of India, it will come from Delhi. Pakistan, Delhi, Afghanistan, Thailand, Indonesia, Japan, China. And in India: Himachal Pradesh, Uttarakhand, North India, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, and from that side then Bihar, Himachal. It will happen a lot in Australia. There will be devastation in China and Pakistan. There will be earthquakes daily. Who will the government give breaking news to? The TV channels will wonder which news to make 'breaking news' because every piece of news will become breaking news.

► Watch this answer · 28:14 · 05 March 2023

Q_1197 Previously, righteousness (dharma) used to be victorious, but today it has come to a point where even if atrocities are happening somewhere, good people are unable to speak up. So where are we headed? Please share your thoughts on this, Pandit ji.

Answer: It has been severed. Today in the world, if someone talks about dharma, they are condemned, and no one has the courage to speak of dharma. Everyone opposes talk of dharma. This is what's happening in Kali Yuga. Look, the more this increases, the more destruction will happen. As Saint Tulsidas said, truth is troubled but is never defeated.

► Watch this answer · 31:11 · 05 March 2023

Q_1198 In many Puranas, it is written that Kali Yuga will be 432,000 years long, but we say that only 5,000 years of it are passing. According to this, aren't we disregarding the Puranas and scriptures? This is the first question. And the second question is, if the Lord has already arrived so soon, why is he not giving darshan (divine vision) to his devotees?

Answer: The age of Kali Yuga is 432,000 years. Due to the weight of sin, its age has been cut short, and Kali Yuga will have a shorter duration. For this reason, Lord Mahavishnu Krishna himself, through the Panchasakhas (five friends), had the Bhavishya Malika Purana composed. The 432,000 years of Kali Yuga will not be fully experienced. Only about 5,000 years will be experienced. In the Manusmriti, it is mentioned as 4,800 years, and it has been described in many other scriptures.

► Watch this answer · 33:10 · 05 March 2023

Q_1199 My question was that when the devotees gather, we are currently entangled in Maya in Kali Yuga, caught in the life of a householder, with relationships with our mother, brother, and everyone. So how can we leave them and gather near God?

Answer: To go to the Lord's refuge, one must serve one's parents. The great saint Achyutananda said if one gets lost, how will they come to the Lord's refuge? So he showed a way to take refuge: in the end, continuously chant my, meaning the Lord's, name. A householder can attain God much more quickly than through austerity, meditation, and yoga, where the hard work increases and meeting God becomes difficult, requiring many births. But in one lifetime, while living in the world, we can also attain liberation. Just follow the method I am telling you, Baba.

► Watch this answer · 40:32 · 05 March 2023

Q_1200 How do we deal with the pain and sorrow of seeing the predicted destruction and death of our loved ones?

Answer: When death occurs, anyone who sees it at that moment will feel sorrow due to attachment. But look, when cow slaughter happens now, is society doing anything about it? Is any constitution changing? They kill them. For the light of dharma to spread in the world, for the sun to rise on earth, for the welfare of human civilization, we will have to make some sacrifices. The longer this goes on, the more suffering will spread in the world. Apart from suffering and disease, some people should be left who can live in peace and happiness, follow the path of dharma, and establish peace in the world.

► Watch this answer · 44:06 · 05 March 2023

Q_1201 But a mistake has been made, so how do I atone for it?

Answer: Look, not just you, mother, not just us, everyone in the world makes mistakes, even unknowingly. By chanting the Lord's name... The Lord says, 'One who comes to my refuge, even if they have killed a million Brahmins, if they come to my refuge with a repentant heart, I forgive them.' But that forgiveness is granted only once in a lifetime, mother. Go to the Lord's refuge or before the Lord's idol and ask for forgiveness with repentance just once, and you will be forgiven. But after that, if we make a mistake again, if we commit adharma (unrighteousness) again, it will become our biggest crime.

► Watch this answer · 46:31 · 05 March 2023

Q_1202 How many universes are there?

Answer: When one ends... suppose there is destruction or an earthquake on Earth, its effect is felt throughout the entire solar system... our connection has been established between them.

► Watch this answer · 52:32 · 05 March 2023

Q.1203 Do gods and sages also take human form when the Lord incarnates on Earth?

Answer: Yes. All the gods, devotees, siddhas (perfected beings), rishis (sages), and immortal devotees were told that Lord Rama is incarnating, and they should go and take birth on Earth to participate in the Lord's divine play. They all came in human bodies. Before the birth of Lord Shri Krishna, it is written in the Bhagavata... Before his incarnation, Brahma Deva also told all the gods, sages, and devotees, 'Look, the Lord is coming, you go and take human bodies.' When Lord Kalki is coming, all the rishis, munis, sadhus, and saints come in human bodies.

► Watch this answer · 54:24 · 05 March 2023

Q.1204 On February 27th, in a place in Odisha named something like Balasore, there was a very terrifying sound in the evening. I saw a video of it. I wanted to ask you about it, Pandit ji.

Answer: A vibration was felt everywhere. It will be heard from north to south, east to west. The devotees will not hear it. The sinners who laugh, they will hear the sound, and they will even vomit blood. This is written in the Malika. So this happened, and I had already discussed this from the beginning of the satsang, and you also saw it in the video.

► Watch this answer · 57:13 · 05 March 2023

Q.1205 How will human society, the world of living beings, and the world itself be saved from nuclear weapons?

Answer: This is the result, and it is also written in the Malika that the devotees who live with devotion equal to Lord Kalki will not fear even nuclear weapons. You all should follow the stream of satsang, perform some charity and dharma in the world, feed mother cow, serve mother cow, serve other living beings, serve your parents, and surrender the fruits of all your actions in the world to God.

► Watch this answer · 01:00:00 · 05 March 2023

SESSION 68 · QUESTIONS 1206–1226

L64.1 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 09 March 2023 · Watch the full session ↗

Q 1206 An earthquake is coming, so will there be any danger in Bihar and Nepal?

Answer: It will happen in Nepal, and it will happen in Bihar too. It will happen in both Bihar and Nepal. There will be immense rainfall, and along with the earthquake, there will be the impact of war.

► Watch this answer · 22:35 · 09 March 2023

Q 1207 Please tell us a way so that we can be saved from this.

Answer: Read the Bhagavat, and along with that, practice what I am telling you about truth, peace, and compassion. Regarding the 16 avatars, in our online satsang, a boy named Mohan Ram has seen it, and there is another boy named Krishna. So, call the number that appears below and join the satsang; you will know everything. Then God... a time will come when money will be of no use. Our old tradition of barter will return, where someone gives rice, someone gives lentils, someone gives vegetables, and gets rice in return. The system will run on such exchanges in the coming times. So, those who remain in the stream of devotion and surrender, God will keep them safe, nothing will happen to them. You follow the stream and also join the online satsang. Okay, Baba.

► Watch this answer · 23:48 · 09 March 2023

Q 1208 How should we propagate this work of ours?

Answer: They will be very happy to hear it and will follow the Lord. They will ask you to tell them everything. Those who are not meant to be in this stream, meaning those who are not meant to survive the end of Kali Yuga, will not listen to this; they will not talk about it. So, it is not necessary to preach to everyone. Many sects... as Kali Yuga is going on, many sects have formed in India and in the world. If sects are not formed, how will Kali (the negative aspect) be born? Therefore, it is not necessary to tell everyone our message, but only to those who are devoted and surrendered, the interested persons.

► Watch this answer · 27:43 · 09 March 2023

Q 1209 By when will the union happen? This organization of devotees by God, by when will it happen? How much more time is there, or have they already been organized?

Answer: And this will continue until 2026.

► Watch this answer · 29:53 · 09 March 2023

Q_1210 The message of the Malika must have surely reached them, right? It's not possible that the message of the Malika hasn't reached them; it must have.

Answer: Neither Turkey will ever be our friend, nor will Pakistan. They haven't been and never will be. Regarding this, in 2020, I released an episode in which I told people... in that 2020 episode... they will use their war materials against India, up to Odisha. And Pakistan will start the biggest fight, creating a world war. Today it says, 'Help us,' and after receiving help, when it starts on its own, it will say, 'India is our biggest enemy.' And another thing, in the coming times, Pakistan will again face drought, excessive rainfall, and earthquakes. The devastation caused by that rain will be even greater in the future. The weather of the country will become completely poisonous. People will die just from breathing. God will protect our country.

► Watch this answer · 31:03 · 09 March 2023

Q_1211 In our India, besides your followers, will some other people also be saved?

Answer: Whatever our government is doing, the government is doing very good work. It will be a lot for us too. So, it's time to think about that as well because the time is near. At such a time, our friend will remain our friend. Some will never help. Russia will help us. So at such a time, the influence of the Malika... as ours is a country of Sanatana Dharma, a Hindu country, our Puranas and Shastras... and the most important is the Malika. Its English, Bengali, Gujarati translations—all translations are done, including Japanese and Russian. It is necessary for all our people and our governance system to follow it, which will lead to the welfare of India. And who can avert the decree of destiny? By the power of God's Yogamaya, people will become bewildered and won't understand anything. When the destruction happens, our devotees will understand that what Pandit ji had said is happening today. And if they had taken some precautions based on what was said before, they wouldn't have to see this sorrow today. But who can avert destiny?

► Watch this answer · 33:55 · 09 March 2023

Q_1212 Has the formation of the 16 Mandals (circles) happened, Baba? Are some members already being appointed to the Mandals?

Answer: After the formation of the 16 Mandals, the establishment of Dharma will move forward. Because look, as long as our people are in a certain place... for instance, during some operations in India, firing doesn't happen if our people are in the middle. The government always tries to evacuate people peacefully. Similarly, God also thinks that once the 16 Mandals are formed, and everyone comes into the stream, everyone reads the Bhagavat, and everyone becomes a human of the Satya Yuga, then God will protect them. The minds of the other sinful people are working differently. The 16 Mandals will then move forward, because after the formation of the 16 Mandals, the establishment of Dharma will proceed very quickly.

► Watch this answer · 35:57 · 09 March 2023

Q_1213 My question is whether our ancient cultural knowledge, which is in our literature and scriptures, will it survive or not?

Answer: Look, at the end of the era, the Lord gathers all our scriptures through His devotees. But in this age, there won't be a 'Brahma Pralaya' (complete dissolution) where everything is submerged in water. This will be a 'Khanda Pralaya' (partial dissolution). All the scriptures and books will remain. But the entire world will run according to the principles of the Vedas. And Lord Brahma and Lord Shankar will sit together and frame a constitution for the entire world, based on the principles of the Vedas. That constitution will be implemented throughout the world. And all the scriptures are safe, including the scriptures from before.

► Watch this answer · 36:55 · 09 March 2023

Q_1214 Regarding the situation in India, the tampering with the history of our great men and our culture that has happened, will a completely clear picture emerge before the people or not?

Answer: And the exploited system... and our tradition of the brave and valiant, that sacred tradition must remain in history. Because we have to pass this on to the new generation. The previous ones have ended, this won't be possible either. But one thing, whatever we have seen in history, whatever tampering and alterations we have seen in our culture and tradition, God will take revenge for it a hundred times over. And this is a secret matter... I shouldn't say much about it. And mostly, Sanatana Dharma will be illuminated. For this, a complete plan has been made in the Malika. In the entire world, not just India, in the entire world, not a single person will turn away from Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 38:01 · 09 March 2023

Q_1215 Will there be roaring sounds as well?

Answer: This time has not started yet; it will happen in the future. This will happen all over the world because the 'mlecchas' (impure ones) are everywhere. To destroy the mlecchas, these initial signs begin. Just like before a war, there are small sounds, and later the full-fledged operation runs. Right now, all the deities have started their practice, and in the coming time, they will increase it.

► Watch this answer · 40:27 · 09 March 2023

Q_1216 When there is no light, what should we do at that time? I had heard from you that we should light a lamp and remember the Lord's name. And what about when wild animals and birds enter our homes and villages?

Answer: There will be darkness. This will happen in the final moments of the establishment of Dharma. Meaning, when Lord Kalki establishes Dharma in the entire world and the Lord Himself wages war, at that time there will be darkness for seven days and seven nights. And at that time, divine forces will come and enter every house to destroy the sinners. And in that period of seven days, the Lord will establish a new sun and a new moon. The sun gods have different names. So, the one who will become the sun god of Satya Yuga... meaning, for a gentle, cool breeze and a good environment in Satya Yuga, the Lord will establish this sun god, which will create a good climate. And a new moon god will also be established, which will make the night as bright as the day. For this, God will prepare it in a period of 7 days. At that time, it will be dark. And the animals in the jungle, at that time, for 7 days, they will wonder what is happening. Nothing will happen to our devotees who are in the Lord's refuge and in the stream, because God will protect them. No animal, no yogini, no destructive force will come to their house, nor will they face any trouble in the darkness. The Lord will protect them with His grace and benevolent gaze. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:40 · 09 March 2023

Q_1217 When will it join? Will it be this year, or is there still time for that?

Answer: When the war between India, Pakistan, and China happens, at that very moment, that war will convert into a world war. Right now, the equation for the world war is being formed—which country will side with whom. This equation is in progress. But the world war will happen when the war between India and Pakistan takes place, and China joins in. At that very moment, that war will convert into a world war.

► Watch this answer · 48:36 · 09 March 2023

Q_1218 You had spoken about electronics... what will happen to them?

Answer: No, this modern system, the system of Kali Yuga, is the power of machines (yantra shakti). Because in the age of 'Kal' (machines), to do any work, man needs machines. But in Satya Yuga, it is the power of mantras. In that era, one could make it rain with the power of mantras. Through the power of mantras, one could protect oneself even from fire. With the power of mantras, one could create food or whatever was desired. And to travel from one country to another distant place, there were 'man-jan' (mind-vehicles), i.e., mantras, like our airplanes. So the technology we have today will be many lakh times more advanced. There will be iron, there will be gold, all metals will be there. The system of melting metals will also exist in Satya Yuga. But it will not work within the structure of Kali Yuga. Because look, iron was used then too. The mace that Bhima used was made of iron. So the iron mace... Jarasandha... the one who gave birth to the iron mace...

► Watch this answer · 50:45 · 09 March 2023

Q_1219 Regarding the 16 Mandals that will be formed in the coming time, will the devotees who are not within the premises of these 16 Mandals or not in those areas be gathered into those Mandals? Or, if people are not in a Mandal area, how will God protect them? Please explain.

Answer: There are so many districts; in every state, there are around 300, 400, 500, even thousands of districts. So, similarly, there will be 16 main Mandal offices. Apart from the 16 Mandals, smaller Mandals will also be formed at the district and village levels. For example, take the Varanasi Kashi Mandal. All the nearby states and people will be part of that Mandal. So there will be smaller Mandals, and the 16 large Mandals will monitor, control, and look after them.

► Watch this answer · 55:05 · 09 March 2023

Q_1220 What about Modi ji?

Answer: You all see the changes happening in India and the world. How much power he has... what can I say? What India's glory is in the world today, the proof of that is visible. No one else is seen. The scriptures are the proof. Okay.

► Watch this answer · 57:18 · 09 March 2023

Q_1221 He is a worshipper of Lord Shiva, he is not in this stream of thought, and he probably doesn't even do the readings. What about him?

Answer: And one who has no comparison... and what comes with that is compassion for living beings. So, 'Jiva Brahma Sanatana'—those who do not understand Brahman... one doesn't become a sadhu by appearance, by language, or by reciting scriptures. A sadhu is made by their actions. 'Sarvam sahay le sanyasi kathai'... Mahapurusha Achyutananda has written about this. When everything is renounced, only then does one become a sanyasi, a sadhu, a saint. You can think about that. I will not speak clearly about those who do not come to this stream, because you know our tradition. But for those who do not follow the tradition of Dharma, who do not abstain from killing living beings, who do not surrender to Lord Kalki, perhaps a very big problem will come.

► Watch this answer · 58:28 · 09 March 2023

Q_1222 Okay, but a devotee of Mahadev is a devotee of God, right?

Answer: From one body of the Lord, the creation happens... they will come from one body, won't they? A time will come, I tell you... you are a devotee of Lord Shankar; Lord Shankar is our guru. So I will tell you this much: a time will come when Lord Kalki gets married, at that time Lord Shankar, Mother Parvati, Goddess Durga, Lord Brahma, and Narada Muni will come. And some good devotees will be able to see it. Okay.

► Watch this answer · 01:00:18 · 09 March 2023

Q_1223 Since childhood, I have been chanting the name of Lord Ram and am absorbed in it. Now, as it has been told that His name is Madhav, I am finding it a bit difficult to leave Lord Ram's name. What should I do? I am unable to forget the name of Lord Ram because I have a

very strong attachment to Hanuman ji.

Answer: This is a very joyful thing. Look, in Satya Yuga, devotees were liberated by the name of Mahavishnu, by the name of Narayan. In Treta Yuga, they were liberated by chanting the name of Lord Ram, who was an avatar. In Dvapara Yuga, by the name of Lord Krishna. In Kali Yuga, Kalki will come, and His name... according to the yuga, we chant the names of Ram, Krishna, all of them. We should not have any mental block about this. God is one. Chant the name of Ram, never leave it. Worship Hanuman ji. If we don't give respect... all avatars of the Lord are the Lord Himself. So if we don't give respect, we will fall into differentiation. It doesn't mean they won't remain devotees. There is no problem for you, but when the Lord has come, it is our duty to respect Him, right, Baba? ... The Lord Kalki who will come, 'Ram' will be joined with his name. His name will be Kalki Ram. This is written in the Malika and also in the scriptures. Kalki Ram means that in the human avatar, Lord Ram himself will rule. The form will be of Kalki, the name will be Ram. As much as you chant the name of Ram, for a few days, also chant the name of Madhav. You will see everything that is going to happen in the world in the future, what problems will arise. By worshipping the avatar of this age, our people will know what will happen in the future, how people will be protected, how to save themselves, and what actions to perform to meet God. And look, God has come in a human avatar, and in this human avatar, devotees will have a vision of Lord Kalki. Don't you wish to see Lord Kalki and meet him? Chant the name Madhav, and see for yourself how much light and power it has.

► Watch this answer · 01:01:23 · 09 March 2023

Q_1224 It is written that if anyone in the world takes the name of Lord Ram, they will be killed. Such a terrible Kali Yuga is coming. But it seems Satyug is about to begin, so when will these other things happen? Will Kali Yuga start again after 1000 years?

Answer: Look, I'll tell you one thing. It's not necessary for me to comment on any sadhu or saint. But I will say this much... Lord Buddha, an incarnation of Lord Vishnu, came to Earth. What was happening at that time? The killing of living beings... and no one had dharma; everyone believed in tantra. And what you said about humans becoming small... do you know what Bhima's height was in the Dvapara Yuga? Not 15-16 feet. The mace Bhima used weighed 52 'bhaar', which is more than 52 quintals. Would a 15-foot person... What can I say? But they say such things. It is necessary to look at the scriptures. This is what is written in the scriptures. And human flesh... in the middle ages, asuras and non-believers were killing and eating humans, and even now, people are eating humans today. Whoever says this, tell them to read the scriptures. But look, I have respect for everyone. ... I had told everything, and everything is happening. They will say it was our mistake. They will say we took Sanatana Dharma down the wrong path, and because of that, many people couldn't come to the right path. This means we couldn't hold on to our good people, and the world was destroyed.

► Watch this answer · 01:07:11 · 09 March 2023

Q_1225 Will humans not get water to live?

Answer: The water level of the earth... then there will be a drought for 1000 days. Such a time is coming. So, without the dharma of God, humans will not be able to survive.

► Watch this answer · 01:13:08 · 09 March 2023

Q_1226 As you mentioned that all scientific instruments will shut down, what will life be like for everyone else at that time? And when these scientific instruments stop working, since our lives are dependent on them, how will we live when everything suddenly stops? And at such a time, will people turn towards God and believe that God has arrived, or will they remain atheists?

Answer: From 2025 to 29-31, that divine play will go on. In between, a fragment from the sun will fall on the earth. And when it breaks into three pieces and falls into three oceans, at that time, all computer and satellite systems will burn and be destroyed. At that time, no computer will work, no technology will work. Even before that, such problems will occur on Earth several times because of the recurring solar tsunamis, the waves that are coming. But this will be the final one; it will definitely happen between 2025 and 2029-30. And at the same time, when such a time comes, people will say, 'We will go towards dharma.' For those who are already in the Lord's refuge, there will be no problem. Those who come at the last moment, their bodies will not be pure enough to withstand the five great calamities. They will surely come for protection, for their safety.

► Watch this answer · 01:16:19 · 09 March 2023

SESSION 69 · QUESTIONS 1227–1231

L64.4 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 12 March 2023 · Watch the full session ↗

Q_1227 When will the Lord's wedding be? Meaning, in which year?

Answer: Like Lord Ram, the Lord will have one marriage. It will not be like with Lord Krishna, who united with many devotees to fulfill their expressed wish for eternal bliss with Him. In this birth, there is nothing of that sort; it will be like Lord Shri Ram.

► Watch this answer · 00:10 · 12 March 2023

Q_1228 He is the 'Nishkalan' avatar, so please shed some light on the meaning of 'Nishkalan'.

Answer: Like Lord Ram was 'Nishkalan', which means the Lord will have one marriage. The union with many devotees, as with Lord Krishna, was to fulfill the wishes they had expressed for eternal bliss with the Lord. But in this birth, there is nothing of that sort; it will be like Lord Shri Ram.

► Watch this answer · 01:05 · 12 March 2023

Q_1229 Tell us about Mother Cow. How long will this plight of Mother Cow continue? Is there any mention of this in the Bhavishya Malika? When will she be free from it?

Answer: This time is coming very near. It is written in the Malika that at the end of the Kali Yuga, a great number of Mother Cows will die from various diseases. This signifies that when Dharma is destroyed, the demons will be annihilated. As for those who slaughter cows today, all sinners will be held accountable. Cow slaughter will stop, and Mother Cow will be worshipped in every home. She will reside in every home, and we will live like a family with Mother Cow, who is like our own mother, in the coming sacred era. That time is near, and the judgment for those steeped in sin is also approaching. Wait, the time is coming.

► Watch this answer · 08:20 · 12 March 2023

Q 1230 Animal sacrifice is performed today in the name of gods and goddesses. This is a sin, so how can we change the mentality of other people? Please shed light on this.

Answer: That is a very good question. Regarding the animal slaughter and sacrifice that happens in temples today, I do not believe in that karma; I oppose it. A mother does not kill her son or take her son's sacrifice; this is written in the scriptures. The true meaning of 'bali' (sacrifice) is renunciation. But people themselves have become like animals and are killing other animals. Killing another being to improve one's own karma will only increase the sin, so how can one's sorrow be removed? This practice is prevalent today due to medieval Tantra Puja. Gods and goddesses destroy demons, not innocent creatures who have no knowledge and commit no sin. Those who kill these simple, pure creatures will go to hell. The time will come when animal sacrifice will be stopped in all temples. In the Kali Yuga, there is no need for sacrifice because all sorrows are removed by chanting God's name and singing bhajans, such as reading the Srimad Bhagavatam and chanting the name of Madhav.

► Watch this answer · 10:55 · 12 March 2023

Q 1231 The Satya Yuga is about to come, isn't it?

Answer: God's rule will be established. All the devotees will perform daily yajnas (fire rituals), remain in the stream of dharma, and read the Bhagavata. By eating well, singing bhajans, taking refuge in the Lord, and chanting His name and kirtan, they will attain liberation.

► Watch this answer · 14:32 · 12 March 2023

SESSION 70 · QUESTIONS 1232–1240

L64.3 - मनुष्य लोग सत्य युग में कैसे जायेंगे? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 12 March 2023 · Watch the full session ↗

Q 1232 My question is, this is Manoj from Pune. It is mentioned in the Malika that 640 million people will be saved. Is there any possibility that we can increase this number through worship, so that more and more people can be saved and enter the Satya Yuga? Or is this number fixed?

Answer: Whatever is written in a devotee's destiny will surely happen. From the great sin of this age, those who enter the stream of human life with purity... In answer to your question, yes, the number can increase if people turn towards dharma (righteousness).

► Watch this answer · 06:15 · 12 March 2023

Q 1233 I wanted to ask this question: just as when Lord Ram came, Mother Sita also contributed to the establishment of dharma, and then when Lord Krishna came, Radha ji also... [inaudible]. Will Lord Kalki also have a consort, and what does the Malika say about her?

Answer: When the Lord takes his incarnation, Mother Vaishno Devi will come in a human body as an incarnation of Mahalakshmi. In a human body, her marriage with Lord Kalki will take place. The wedding ceremony of Lord Kalki with Mother Vaishno Devi will happen, and some good devotees will get the opportunity to witness it.

► Watch this answer · 08:38 · 12 March 2023

Q 1234 What is the process for devotees to gather and meet Lord Kalki?

Answer: First, there will be a gathering. I will tell you step-by-step. First, the devoted followers will meet. The 16 Mandals (groups) will be formed. The devotees will walk on the path and follow the Lord, remaining in surrender to Him. Vishwakarma will build the ashram where Lord Kalki resides. At that time, Vishwakarma will build the Lord's city, and the Lord's ashram or palace will be built for him to live in. In the final times, there will be an ashram where 10,000 devotees will gather. If your devotion is pure and you are in the Lord's refuge, the Lord can call you.

► Watch this answer · 12:15 · 12 March 2023

Q_1235 How can we recognize Lord Kalki? Are there any specific signs on his body?

Answer: Mistaking Krishna's foot for a deer's ear... that same mark is on his body, and it is written about in the Malika. So if you are true devotees and have purity, you will surely get to see that sign. You will see the 'Shrivatsa' sign, the flag (Dhwaja) sign, and other signs; you will see everything. A true devotee gets this vision. A sinner who comes only to test Lord Kalki will see nothing. But for those who come with pure loving devotion, the Lord shows them everything without even being asked. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:30 · 12 March 2023

Q_1236 I have discussed with many people who don't understand even when explained; their intellect has become so corrupted. We have to work with them, and our tendencies and their tendencies are very different. It is our compulsion to work with them, but we are facing a lot of difficulties. We just keep chanting the Lord's name. So, what should be done now?

Answer: Look, wherever we live—in a village, a palace, or a city—the tamasic (ignorant) people will not understand anything about the Malika or the future. When it comes to dharma, you should never get into discussions with such people. Interact with them for as little time as possible, only as much as is necessary. It is better to talk to a devotee or a good person if you find one. The scriptures say that one should never discuss the scriptures, the future, or dharma with those who are argumentative and ignorant.

► Watch this answer · 18:27 · 12 March 2023

Q_1237 In our country, there are many learned storytellers, saints, and sages. If they all come together to propagate and preach the Bhavishya Malika, the Lord's work could move forward more quickly, and devotees could unite. Why is this not happening?

Answer: It is absolutely necessary for them to come together. However, many people from different religious streams even declare themselves to be God. Others say it's not necessary to go to God, that the Guru is salvation, so one should just stay with the Guru. And some others say the Kali Yuga will last for 432,000 years. In such times, with so many divisions, it is difficult. You people are coming because many of them have made themselves into God.

► Watch this answer · 20:53 · 12 March 2023

Q_1238 I had one more question, Guruji. We are vegetarians, but we do consume onion and garlic. Is it necessary to give them up as well?

Answer: You can have it. There is no sin in it. In the temple, onion and garlic are not used in the prasad anyway. So, if it is within your control, then give it up. If it's not in your control, eating onion and garlic is not a killing offense, and it is not a sin.

► Watch this answer · 23:27 · 12 March 2023

Q_1239 I wanted to ask one thing: can we also attend the Lord's wedding?

Answer: The wedding will happen very secretly. Mother Vaishno Devi, in the form of Mahalakshmi, will marry the Lord. Prajapati Brahma himself, Lord Shiva, and the eight Durgas will dance at that time. At that moment, some good devotees with sincere hearts will be present, because the Lord will have already called them. Those who are already living there will also be present, as it will happen suddenly.

► Watch this answer · 24:58 · 12 March 2023

Q_1240 Will the Lord's four holy dhams (pilgrimage sites) remain safe?

Answer: That is a very good question. Look, Badrinath Dham and Rameshwaram, these two dhams... and the other two dhams, Dwarka...

► Watch this answer · 27:16 · 12 March 2023

SESSION 71 · QUESTIONS 1241–1253

L65 - विश्व सनातन धर्म का तृतीय महासत्संग (सूरत सभा) | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 07 May 2023 · Watch the full session ↗

Q_1241 Which countries will be most affected by the calamities described in the Bhavishya Purana?

Answer: That is a very good question. According to what is written in the Bhavishya Purana for the coming times, the most affected will be the countries in the East, like China. The names and traces of all the countries in the East might be difficult to find. For the Middle Eastern countries, there will be the effect of a great flood. On one hand, there will be excessive rain in the desert, and in the end, the coastal areas will also be greatly destroyed. African countries, Australian countries, America, and 65 to 70% of European countries will be affected. The impact of earthquakes will be greater, and some destruction will occur from floods. About 65 to 75% of Australia will be submerged. A country like Sri Lanka will cease to exist; it might remain as a small island for a while before being completely submerged in water. India will emerge as the safest country. The land of India is protected by deities, which is why it is called 'Dev Bhumi' (Land of Gods). By the grace of the Lord, this land of India... Whatever was said about the different countries, only small landmasses will remain, and only devotees will live in those places. And there, Sanatana Dharma will be established again. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:28 · 07 May 2023

Q_1242 I was watching a video that claimed Lord Kalki will manifest in 2024 and that the wicked people of the world will be destroyed. Is this correct?

Answer: That's a very good question. He is asking if Lord Kalki will manifest in 2024 and if the wicked people of the world will be destroyed. But according to me, the establishment of Dharma began in 2019 with the start of Corona. The destruction has been increasing and will continue to do so. Lord Kalki will remain hidden until 2029. But with his willpower, he will establish Dharma throughout the universe. Lord Kalki will not appear before anyone to give them his divine sight. He will perform his divine play in secret, and no one will know. It is written about this in the Bhavishya Purana. The great sage Achyutananda has written that this is beyond secret knowledge. If even Brahma cannot know, how can humans? This secret element—the Lord's manifestation—will not be known even by Brahma, Shankar, Sati, Saraswati, or Mother Gayatri, so how will human beings know? The reason is that not ordinary humans, but devotees will know through the Malika. Just as you all are following it, the devotees who follow it today will surely know. That is why the Malika is written. He will travel the entire universe, and wherever there are devotees of Lord Kalki's Sudama Mahasangha, he will make those devotees kings, establish Sanatana Dharma, and then Lord Kalki's capital will be established in Odisha, India. It is written in the scriptures that the Lord will not manifest openly. And even if he does, no one will get any proof of it.

► Watch this answer · 13:19 · 07 May 2023

Q_1243 Greetings, Gurudev. I am Prabhakar from Dehradun. I would like to know, in which time period will the devastating earthquake mentioned for the Himalayan region occur?

Answer: It will happen in this very era. This is also written in the Malika. Such a wind will blow, 49 types of winds will blow simultaneously, and at that time, the Himalayas will be fragmented. There will be a massive earthquake in the Himalayas. But the devotees will be saved—those who are in the stream of Sanatana Dharma's Sudharma Mahasangha and the Bhavishya Malika Purana. It will become a cause of destruction for others. From Delhi to Uttarakhand, China, Pakistan, Afghanistan, Balochistan, Indonesia, Myanmar, Bhutan, and Nepal, a massive earthquake will cause the loss of life and property for many crores of people. So there is nothing to fear. That is why the Bhavishya Purana has been written. We are telling you that the time is coming. Before that time, come into this stream and into Sanatana Dharma. It will be auspicious for you. Jai Jagdambe.

► Watch this answer · 18:18 · 07 May 2023

Q_1244 After having a series of dreams, I want to ask: what is the meaning of these dreams I am having? I dreamt of a lion entering a hall full of children, causing a stampede and chaos.

Answer: Look, mother, in the coming times, there will be a period when wild animals from the jungle, as written in our Bhavishya Purana, will enter people's homes and gatherings and will trouble people. But nothing will happen to the devotees who are in the stream of the Malika. The animals won't be able to do anything to them because the Lord will protect them. In Kali Yuga, Dharma was constrained, but as Kali Yuga is ending, Dharma will be illuminated and will continue to grow.

► Watch this answer · 21:12 · 07 May 2023

Q_1245 What is the relationship between Mahalakshmi and Radha Rani? Are they the same?

Answer: Mahalakshmi and Radha Rani are manifestations. Their forms are similar, but their names are different. They were created from the Lord's power and His original nature (Mula Prakriti). Mahalakshmi is the daughter of Varuna Deva and resides eternally with Lord Vishnu. So there is no difference, just as the avatars for different divine plays (leelas) are different. Lord Shri Krishna had first married Radha Rani.

► Watch this answer · 25:05 · 07 May 2023

Q_1246 Respected Pandit Ji, I want to ask about the devotees who are in your stream and performing Trishanya. But there are also devotees of the Lord in other places, like in Chaurasi, Chitrakoot Dham, and other places where saints are performing penance, for whom the Lord's name is supreme. Will the Lord protect these devotees as well, or will protection only be for those who are in this specific stream?

Answer: During that time, the glory of the name was supreme. Until that time, the influence of the name was effective. The Lord has already started working towards this. In the Gita, he told Arjuna... As the time of the Kalki avatar is approaching, the most important thing is that along with the Kalki avatar, practices like bathing, purity, compassion, forgiveness, and penance are necessary. Therefore, it is best for humans to adopt this stream. Those who are just chanting the name are also right, but the thing is, the yuga (era) will change. Along with the yuga, adopting the traditions and principles of Dharma for the new yuga in one's life will lead to human welfare.

► Watch this answer · 27:47 · 07 May 2023

Q_1247 When will the great war involving Lord Kalki begin?

Answer: It will awaken... and Lord Kalki's... in 2025, the battlefield for the war, perhaps the world war... Look, since 2010-12, our Malika has been available in Hindi. Since then, thousands of channels have opened in India. They have neither read the Malika nor have any knowledge. I have no information about them. But we speak from the Bhavishya Purana. It is written that China will attack India. When Lord Kalki wishes, when the 16 Mandals (regions) are formed and all devotees are initiated, then a war will happen between India, Pakistan, and China. First from Pakistan's side, and immediately from China's side, a war will be waged against India on two fronts. The Bhavishya Malika Purana is written so you may know the Satya Yuga. You should join the Dharma Mahasangha, Sanatana Dharma, Vishwa Sanatana Dharma. It is good for the world, for you, and for everyone.

► Watch this answer · 31:13 · 07 May 2023

Q_1248 How will the devotees survive? Who will provide food for the devotees? And how will people survive the great destruction of the war?

Answer: They will practice Sanatana Dharma. It will be near you... Ayodhya is nearby. If Ayodhya is close, then you all should join the Ayodhya Mandal (region). By chanting the Lord's name, we will work for the welfare of the universe. In that place, neither atomic bombs, nor any other bombs, nor guns, nor any calamity will have an effect in the 16 Mandals. For you, the Ayodhya Mandal is good, mother.

► Watch this answer · 34:23 · 07 May 2023

Q_1249 Father, how will we know where and how to join?

Answer: In our description box, there is a person named Mohan, and also a boy named Manish, who handle the registration. The numbers of all these people are provided there; you can contact them.

► Watch this answer · 36:19 · 07 May 2023

Q_1250 We are from Maharashtra, so which Mandal should we join here? How will we know this?

Answer: Maharashtra comes under the Ganapati Mandal. There are many devotees in Maharashtra. If you share your experiences with them in the stream of Krishnanya, you will come to know what power people receive from the stream of Trishanya and reading the Bhagavata. For the Maharashtra Mandal, many online satsangs (spiritual gatherings) also take place. You can contact the number given in the YouTube description; the name is Manish. The gathering of devotees in all these Mandals will take until 2026. At that time, people will realize the importance of the stream of Trishanya and the Bhavishya Purana in our lives.

► Watch this answer · 37:30 · 07 May 2023

Q_1251 Should we chant a specific mantra, or can we also chant 'Jai Shri Madhav, Jai Shri Madhav'?

Answer: If a devotee already worships Lord Krishna or Rama, they should continue to do so. Along with that, there is no problem in chanting the name of Rama, Krishna, or any avatar of the Lord. But, as it is written in the Malika for Kali Yuga, Lord Kalki himself will come with the name Madhav, and with the name Madhav, he will save the devotees. He will then assume the body of Kalki and perform the act of destruction throughout the world. This will happen in two phases: the first is the salvation of devotees, and the second is the act of destruction and freeing devotees from calamity. For this, chant the name 'Madhav', perform the mantra sandhya, read the Bhagavad Gita, and also worship your chosen deity.

► Watch this answer · 39:13 · 07 May 2023

Q_1252 Out of curiosity, I saw a video on another channel making certain claims about the future. What should I believe?

Answer: Continue reading the Bhagavata and stay connected with the Mandal and the stream. With time and devotion, whatever is written to happen in the future will happen. Many channels have come up now, and they also propagate the Malika here and there because that is their job. We have nothing to do with it. Make good use of your time. Wait for that time and join the stream for now.

► Watch this answer · 40:57 · 07 May 2023

Q_1253 Pandit ji, my question is, can women and children chant the Gayatri Mantra?

Answer: The Gayatri Mantra is the power of the Mother. It is sacred to the world and sustains the earth. By chanting the Gayatri Mantra... it is written that there is a provision for chanting the mantra, and everyone can chant it.

► Watch this answer · 49:10 · 07 May 2023

SESSION 72 · QUESTIONS 1254–1271

L66 - 'माधव' नाम कैसे पापों से रक्षा करता है? | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 11 May 2023 · Watch the full session ↗

Q_1254 Why the name of Lord Madhav at this time?

Answer: According to the era (yuga) and the incarnation (avatar), people on Earth meditate on the many infinite forms of God. In this era, which we call the Sangam or Adhya Shakti Yug, the name Madhav is the greatest, most sacred, and redeeming stream for us. According to the scriptures, before the Lord's birth, Mother Bhagwati had named Lord Shri Krishna as Madhav. However, according to the circumstances of the time, on the instructions of Vasudev Baba, she went to Nandgaon and had Lord Shri Krishna's name changed from Madhav to Shri Krishna. This saddened Mother Bhagwati a little. The name is the greatest tradition. When she had kept the name, the Lord explained, 'Look, Mother, this name Madhav has been specially reserved for the Kali Yuga.' It is also called a tradition, and Lord Jagannath is also worshipped with the Madhav mantra. So the Lord told Mother Bhagwati that in the end, devotees will be redeemed by the name Madhav. The Malika scripture repeatedly describes this. The era is according to the name, the incarnation is according to the era, and by chanting the name according to the incarnation, devotees attain liberation. That is, they find a path to go from one existence to another, and some also attain liberation, Vaikuntha (the celestial abode), or heaven. So at such a time, this name Madhav is by Lord Shri Krishna's own will, and it is being propagated at the end of Kali Yuga. Therefore, in this era, we should chant the name Madhav.

► Watch this answer · 07:23 · 11 May 2023

Q_1255 You hold sessions in Gujarat; could you please consider holding one in Patna as well, so that we may also have your darshan (holy sight)?

Answer: Along with darshan, there will also be a Bhagwat Katha (discourse on the Bhagavata Purana), and it will happen according to the time. So when it is the Lord's will, it will surely happen. It will happen with time, and when it does, you all will be informed. This sacred stream will be propagated, but before that time, we will tell you. You should stay in the stream and participate in satsang (spiritual gathering).

► Watch this answer · 19:06 · 11 May 2023

Q_1256 Father, how should one understand Sanatana Dharma? What is Sanatana Dharma, what will the lifestyle be like, what will happen to the method of worship we currently practice, and how will the service and worship of the Lord be performed? I want to know all of this.

Answer: The first form that appeared, the universal form (Vishwaroop), is called Sanatana. The Lord's first name was Sanatana, the Adi Brahma Sanatana. Thus, the religion created in the universe from the primordial age is Sanatana Dharma. It has been flowing continuously like a river through every age, and the same Sanatana Dharma is continuing in the Kali Yuga. The tradition of Sanatana Dharma comes from the royal and Vedic traditions. Sanatana Dharma first accepts the Vedas, meaning the Vedas are the greatest constitution of Sanatana Dharma, and all followers will accept the Vedas. The four castes—Brahmin, Kshatriya, Vaishya, and Shudra—will exist according to Sanatana Dharma and will run the world. There will be love and affection among all of them. In the current age, thousands of castes have been created, but in that coming age, only the four castes will remain, and there will be love, contact, purity, interaction, and mingling among them. There will be love and purity in everyone.

► Watch this answer · 20:47 · 11 May 2023

Q_1257 What will the lifestyle be like, and what will be the method for worship and service to the Lord?

Answer: The lifestyle of people in Sanatana Dharma will be based on truth, righteousness, peace, compassion, forgiveness, and friendship. I don't have time to describe everything, but those who become Sanatani, who live in Sanatana Dharma, and who work for it must have these characteristics: truthfulness, peace, compassion, forgiveness, and friendship with everyone—treating even an enemy as a friend. The worship of God will be performed through three sandhyas (twilight prayers), and the devotion and emotional connection will be like that of the devotees described in the Bhagavata.

► Watch this answer · 22:56 · 11 May 2023

Q_1258 How can we identify a true devotee who is destined for salvation in this era?

Answer: Suppose you tell someone, 'Look, according to the Bhavishya Purana, the Kali Yuga has ended. Now is the time for the establishment of dharma and the union of devotees with God.' If that person says, 'That's absolutely right, I've been dreaming about this, I get feelings about this again and again,' and tears come to their eyes, devotion arises, and they start following you, then you will know that this is a true devotee of the coming age who is to be saved. Another characteristic of a devotee, according to the scriptures, is that devotees are always silent and calm. They don't talk much and are also melancholic. They are constantly in contact with God in their minds. They perform external actions but forget the actions. They show no attachment to any object, whether social or material. They always chant the name and sing praises internally, without any show-off. They don't argue with anyone. They eat little and sleep little. The signs of a devotee are eating less, sleeping less, and remaining deeply immersed in devotion and love for God in their mind. It's not that someone becomes a devotee by sitting in a temple or a prayer room for 10 hours. They don't criticize anyone. A devotee's simplicity is their greatest strength, along with a sense of detachment. And most importantly, if there is a Bhagwat Katha, spiritual contemplation, or satsang happening somewhere, you will see them there first. This shows they have devotion and the characteristics of a devotee.

► Watch this answer · 25:50 · 11 May 2023

Q_1259 What is the description of the Lord's form?

Answer: By reading the Bhavishya Purana, you will get information about it. You can get the book through Amazon and other organizations. But I will tell you this much: Lord Madhav will be as beautiful and enchanting as Lord Krishna was with his 16 kalas (divine arts). Lord Kalki is coming with 64 kalas, so he will be very beautiful, very pure, very joyful, and very devoted to his followers. Okay?

► Watch this answer · 28:13 · 11 May 2023

Q_1260 Guruji, you know the current situation in Bengal. Is what is happening here written in the prophecies? The Lord has already arrived and is with us in this stream, yet all this is still happening. We can't even go to temples now... our temples are being burned here. Is all this in the prophecy, Guruji, even after the Lord's arrival?

Answer: What you are saying is exactly what was written, and it is happening today. Today it's happening in Bengal, but its effect will spread throughout India and the world, and in other states too. In 2025, when Jupiter and Saturn align, communal violence will increase greatly. But look, we have to change with the times. You said the Lord's incarnation has arrived, so why is so much happening? That's absolutely correct, but the reason this problem is befalling people is that humans in general lack devotion and surrender to God. But I say with full confidence that any devotee of Madhav, anyone who has taken refuge in Madhav, will be safe in the future, no matter how much trouble comes. There will be no problem for them. For those who remain in the Lord's refuge, there is no problem. But for those who slander God and waste time in worldly pleasures but never speak of dharma, we have no explanation. For those who are with dharma, it is the time for the establishment of dharma. Those who work against dharma are being destroyed with time, but it won't happen instantly. To deal with Shishupala, the Lord had to wait for about 10-12 years. So, as things escalate, the work of destruction will begin and increase. I want to tell all the devotees of Bengal to follow the Jagannath culture's Bhavishya Malika Purana and join the stream and satsang. Because it is the time of establishing dharma, our unity will increase God's grace. One day, sin will be destroyed and dharma will be illuminated. This will certainly take some time, and devotees must also have devotion and a sense of surrender.

► Watch this answer · 34:08 · 11 May 2023

Q_1261 Jai Shri Madhav, Father. I have a question. In 2024, it's said that the internet and other things might not work. So what will be the obstacle for satsang and the association of devotees, and what should we devotees do?

Answer: According to the Malika scripture, the Bhavishya Purana, the internet will not exist all over the world. This is Kali Yuga, that's why it's the age of the internet. But a time will come when there will be no internet. You sometimes see that in America, Australia, Canada, Europe, and even in our India, if we go to a bank to withdraw money, we find the internet is down. The reason for this is that in the coming time, the entire internet will fail. The formation of the 16 mandals (regions) will be completed.

► Watch this answer · 38:12 · 11 May 2023

Q_1262 I am a devotee of Lord Krishna. With this new era beginning, what should I do?

Answer: The new era is starting. The influence of dharma is increasing in society. For Satya Yuga to arrive, there are discourses and propagation of dharma all over the world. People are becoming vegetarian. Trees and plants are laden with fruits and flowers throughout the year. These signs of the change from Kali Yuga are visible. And according to the Malika and Bhavishya Purana of Jagannath, we are moving forward. At such a time, people should take refuge in Lord Madhav. You should follow the Bhavishya Purana because that is the only imperishable scripture in the universe. There is no other scripture besides it. So by following it, you can attain Lord Krishna.

► Watch this answer · 39:22 · 11 May 2023

Q_1263 Jai Shri Madhav. My question is that the Indian army is so large, with 1.4 million in the Indian Army, 1 million in paramilitary forces, plus Navy and Air Force personnel. So when China, Pakistan, and 13 Muslim countries attack, will our forces be finished quickly, or will they be able to hold their ground?

Answer: In between, Russia and Germany will also help us. And after that time, the world war, the Third World War, will happen. And in the final moments, Lord Kalki will protect India. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:27 · 11 May 2023

Q_1264 My question is, our soldiers are fighting at the border. How will they be protected?

Answer: Look, among our soldiers, there are also vegetarians; many work in the vegetarian section. And a person also eats according to the sanskaras (past impressions) of their karma. So, all people should stay on the side of dharma because the Satya Yuga is coming. All the lakhs and crores of their soldiers he struck down were all vegetarian.

► Watch this answer · 45:20 · 11 May 2023

Q_1265 How should we raise our children and teach them about spirituality in these changing times?

Answer: A very good question, I salute your question. Look, teach your children the Bhagavata. Tell them about the glory of Balbir ji. The time is coming when our children will create the Satya Yuga. Therefore, from childhood, connect them to our traditional stream that we are propagating through Vishwa Sanatan Dharma in online satsangs. Because our children are our future. The elderly people who will regain their youth will also remain. Therefore, it is important to teach these young children the Bhagavata, bring them into the 'trisha' (thirst for knowledge), and along with that, have them continue their school education for as long as it lasts. But bringing them into this stream will make our children pure and powerful, so that they can develop the capacity, strength, and power within their bodies to fight the diseases, disasters, natural calamities, sorrows, problems, and food shortages that are coming.

► Watch this answer · 47:49 · 11 May 2023

Q_1266 When I meditate, I feel my head turning in all four directions and I see a divine element. What is the reason for this?

Answer: Your neck turning towards the four directions is because the four directions, the four worlds, and the four universes are all our domain, and the light of Shakti (divine energy) can manifest everywhere. But don't worry, mother. For those who are in meditation, many such phenomena occur. It happened to you too; this is an example of divine power. It is good, keep increasing it. Okay, mother. Jai Jai Maa.

► Watch this answer · 49:41 · 11 May 2023

Q_1267 I made notes from one of your sessions where you said to first chant Omkar, then the Gayatri mantra, and then 'Om Madhavan'. I did this, but then in the Maharashtra Mandal, they told me this was incorrect and to look at the PDF, which had a much longer procedure with 'Sachchidananda' three times, etc. What is the original, correct procedure?

Answer: Listen, son, I can't actually hear you properly. I will tell Mohan to speak with you. Talk to Mohan using the number that is in our description below. He will tell you. Okay.

► Watch this answer · 51:00 · 11 May 2023

Q_1268 How can one increase their devotion and feel God's presence?

Answer: The more you chant the name, the more the impurities of the mind will be removed, and the devotion to God and the light of God can be experienced in your body, your mind, your happiness, and your strength. To attain such devotion, continuously chant the name of Madhav and read about Madhav's qualities and glory in the scriptures.

► Watch this answer · 52:44 · 11 May 2023

Q_1269 Will there be a program or satsang in Ayodhya?

Answer: It is decided. We will tell you the date. It will definitely happen. In the land of Ram, the message of Kalki Ram will surely be propagated. And the Ayodhya Mandal will become a large mandal, and then the devotees and people will proceed to the Satya Yuga.

► Watch this answer · 56:19 · 11 May 2023

Q_1270 Will there be propagation work in South India, for example in Hyderabad?

Answer: The complete work will be done, it will take some time. That's why the propagation work will continue through 2023, '24, '25, and '26. In between, the conjunction of Saturn in Pisces will happen, and the work of destruction will increase. Those who remain in the end will come. Therefore, in the entire South—in Hyderabad, Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu—the work of propagating dharma and the Malika, as well as discourses, will also take place.

► Watch this answer · 57:15 · 11 May 2023

Q_1271 I am from Surat, Father. I don't know much about the stream to reach Satya Yuga. How can one join it?

Answer: Those of you who are in satsang with me, I give you this assurance: those who remain in the stream of 'trishanya' (thirst for knowledge), who join the satsang, and who completely follow our stream, they will become humans of the Satya Yuga. Because today in the world, only the Bhavishya Purana provides this stream. According to that, we are telling you that by joining the stream and following it, you will be able to become humans of the Satya Yuga. You will not get anything from any other doctrine in the world; if you are to receive it, you will receive it from the Bhavishya Purana. For those who want to join the stream of Satya Yuga, i.e., the online satsang, and want to join Vishwa Sanatan Dharma, the number is below this Google Meet and on the YouTube channel 'Kalki Avatar'. The discourse also comes on the 'Dharma Gyan' channel and other channels like Sadhna Gold, Aastha, and Ishwar TV. You can watch it there too. There are numbers below those as well. By contacting those numbers, you can get information on how to join the stream and stay in the satsang.

► Watch this answer · 58:07 · 11 May 2023

SESSION 73 · QUESTIONS 1272–1284

L67 - कलियुग अंत एवं सत्ययुग आगमन पर विचार | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 01 June 2023 · Watch the full session ↗

Q_1272 My question is for those who are preparing for exams like the UPSC (Union Public Service Commission) and others, or for the defense forces. Should they continue their preparation or not?

Answer: Preparation... as long as the world exists, we eat, and the sun and moon rise and set. For UPSC or any other exam, when the mind and body become pure, they will succeed. Along with that, all those who participate in this spiritual path will be blessed. So, for the exams right now, preparation is necessary, it is definitely necessary.

► Watch this answer · 13:58 · 01 June 2023

Q_1273 The Kali Purush (the personification of the Kali Yuga) empowers certain humans, and since this is the Lord's divine play (leela), it's necessary for him to create obstacles. His very purpose is to obstruct this divine play, isn't it?

Answer: His job is to prevent any righteous work. To save yourselves from Kali, by following the path of reading the Bhagavata, you will be protected from him. The diseases and problems that Kali creates... in this world, no one has peace. Those who earn a lot have sorrow—some have physical pain, some have financial pain, some have mental pain, some have pain from family, some have pain from their job. Kali creates all this; he doesn't let anyone live in peace. At such a time, by staying on the Lord's path, Krishna will be with you and you will also find peace.

► Watch this answer · 19:12 · 01 June 2023

Q_1274 We chant 'Jai Shri Madhav,' bowing to the avatar of Lord Maha Vishnu. But in many parts of India, people worship and believe in different gods and goddesses like the 10 Mahavidyas, Mahadev, Mahakal, or Hanuman ji. If our devotion is towards them, will their form also be part of this, and will grace remain upon them? Or will they also have to follow this specific path? What about those who don't know about this path but have immense devotion? What is the answer for them?

Answer: The greatest thing is what the Lord told Arjuna in the Gita. Some may worship Mother Kali, some the ten Mahavidyas, some Mother Durga, or worship different deities separately, but the fruit of their actions is given by God alone. Those who are truly wise and follow the path of the Vedas, they follow Lord Vishnu. Because the one who has given birth to humans is the Supreme Father, Lord Mahavishnu, who will come into the world in some form. By worshipping any avatar of Lord Vishnu or Narayana, people get freedom from worldly attachment. The fruit of that also comes from God. The father is God. Therefore, by taking refuge in our Supreme Father, humanity will be blessed, and this life will be meaningful. In our Hindu tradition, there are many paths. It is your choice whom you worship, whose devotion you follow, and in whom you take refuge to find what is good for you.

► Watch this answer · 21:28 · 01 June 2023

Q_1275 Just as Lord Krishna and Lord Ram showed their divine play (leela), only those with divine vision at that time knew they were God. Others, like Yashoda, got scared when He showed His universal form. So, if the Kalki avatar is performing his leela now, how can we, the devotees, see it or participate in it? Or will we only get to read about it later? Can we be fortunate enough to see him, and if someone tries to find him, will they succeed?

Answer: Look, in this world, the connection between God and a devotee is based on truth. Mother Shabari waited for Lord Ram since the Satya Yuga; she was not a divine person or a saint. Dhruva and Prahlad had no scriptural knowledge, they only had devotion. The most important thing is, in Kali Yuga, those who take refuge in God can have a vision of Him. You will receive many signs in your dreams. Then you will wonder, 'What am I seeing?' and you will know something is about to happen. Those who follow this path have these experiences and directly feel the glory of God.

► Watch this answer · 25:49 · 01 June 2023

Q_1276 We perform Sandhya (evening prayers) and also read the Bhagavata. Should we also observe the Ekadashi fast? How should we go about it?

Answer: Observing the Ekadashi fast will keep your body well and pure. However, those who are not physically strong or have an illness are not permitted by the scriptures to fast. For those who are able to observe Ekadashi, they can attain infinite merits, much more than otherwise.

► Watch this answer · 29:31 · 01 June 2023

Q_1277 When will the Kalki avatar appear in his manifest, revealed form?

Answer: Not in the way you think. When Lord Krishna came, his devotees knew he was the Lord through their connection and purity, but the world did not. The Lord was living among the cowherd boys, and many people criticized him. There was no grand, public revelation. God is bound by devotion and feeling. God will not manifest in such a public, obvious way.

► Watch this answer · 31:24 · 01 June 2023

Q_1278 How can we advance further on this spiritual path? How can we attain our Lord?

Answer: What a wonderful question. I bow to people who ask this. Read the 10th Canto of the Bhagavata, the 'Shrimad Gopi Leela,' every day. So much devotion, happiness, and power will come to you that no force in the world can harm you. Wherever you wish, Lord Krishna will appear to you, his glory will be manifest, and in time, you will also have a vision of the Lord. Do this.

► Watch this answer · 33:08 · 01 June 2023

Q_1279 Has the date for the satsang (spiritual gathering) been declared?

Answer: Yes, it will be held between August 10th and 25th in Ulhasnagar, Mumbai. Those involved should form a committee for it. It has been decided. There will also be a discourse in Pune, Maharashtra, towards the end of November. The plan for the August event in Ulhasnagar is complete.

► Watch this answer · 35:40 · 01 June 2023

Q_1280 How can one be saved?

Answer: Contact the number provided in the description online.

► Watch this answer · 40:32 · 01 June 2023

Q_1281 This question is on my mind: we see many different sects and spiritual activities. How does this path of attaining the Lord through the Bhagavata and seeking salvation differ from them?

Answer: Our path follows the 'Brahmani' tradition of Adi Shankaracharya. People often go to other sects to handle their worldly desires, karma, sorrow, and happiness. By wandering in the material world, they attain neither liberation nor the Lord. For those who truly want liberation and God, our path is a simple solution. You don't have to go anywhere; you can attain the Lord while sitting in your own home. As one age is ending and another is beginning, we are propagating this true path of taking refuge in Krishna and reading the Bhagavata. Through this, people will become knowers of the truth and will deeply understand the Lord's divine play, glory, and the path of devotion. The more you read it yourself, the more you will understand.

► Watch this answer · 44:56 · 01 June 2023

Q 1282 Since we are working 24 hours a day, how can we enjoy divine devotion and feel God's presence 24/7?

Answer: Everyone is busy with work, and attaining the Lord while working is the greatest goal. Do one thing: perform all your duties from morning till night, but forget about the results. Keep your intellect engaged in your work, but attach your mind and intellect to Lord Krishna. Through this, you will experience His presence. By performing 'Trisandhya' (prayers at three junctures of the day) and reading the Bhagavata, you will become a selfless devotee (nishkam bhakta), performing all actions without attachment. You will attain the Lord and His devotion. Sometimes, God may even give you a vision. So, do all your work, but keep your focus on Lord Krishna. You will also find success in all your endeavors.

► Watch this answer · 47:50 · 01 June 2023

Q 1283 A little girl called me and asked, 'How can I attain liberation?'

Answer: By reading and listening to the Bhagavata, even if children are 10, 5, or 4 years old, they can become wiser than 50-year-olds. Their knowledge and memory power will increase, they will study well, and they will be good to their parents. If you want a child to be successful, bring them to the path of the Bhagavata. In this lies the greatest security and development for your family and children. All your child's negative attachments will be severed, and they will be protected from accidents and untimely death.

► Watch this answer · 50:51 · 01 June 2023

Q 1284 You spoke of worldly life and spiritual life. My problem is that when I focus on worldly matters, the web of Maya (illusion) affects me. When I focus on the spiritual path, that aspect becomes very strong. But managing both together is very difficult, and I've felt stuck for years, even though I feel I can reach a high spiritual level. Please guide me.

Answer: Look, all the great sages in India, like Durvasa, Vashishta, and King Janaka, had worldly lives. This is called 'Grihastha Sannyas' (renunciation as a householder). The Lord says that if someone performs all their worldly duties but keeps their mind on Him and takes refuge in Him, He brings them to Himself very quickly. So, do your household chores joyfully and look after your family. You will feel Lord Krishna with you at all times, and your family problems will resolve on their own. Your spiritual development will happen alongside your family's development. God created humans to live in the world. Constantly chant the Lord's name from your heart while doing all your work. In this way, you can attain Lord Krishna in a very short time and you will get everything.

► Watch this answer · 54:34 · 01 June 2023

SESSION 74 · QUESTIONS 1285–1297

L68 - Google Meet | With Param Pujya Kashinath Mishra Ji | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 04 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1285 A train accident has happened. Is this described in the Malika? Is this the Lord's divine play?

Answer: The current times are not good for human beings. In these times, it is necessary for people to take refuge in God. Based on my thoughts, my experience, and according to the scriptures, many more such things are going to happen in the future. It is better not to dwell on what happened or didn't happen.

► Watch this answer · 09:16 · 04 June 2023

Q 1286 You said that if we want to enter Satya Yuga, we must follow the path described in the Malika. But I feel—and please guide me if I'm wrong—if we don't oppose the wrong things and traditions of Kali Yuga, can we still enter Satya Yuga, no matter how much we chant the name of Madhav? If we don't oppose the wrong traditions of Kali Yuga, what is the point?

Answer: That is a very good question. If we continue to live within the wrong traditions of Kali Yuga and adopt them in our own lives, then chanting Madhav's name will have no effect. However, through the light of devotion and the 'Dhara' (the prescribed path), people will be purified. Just as iron turns to gold in contact with a touchstone (Parasmani), similarly, through our 'Dhara Sandhya' (evening practice), chanting Madhav's name, and listening to the Bhagavat Katha, people will be transformed.

► Watch this answer · 12:28 · 04 June 2023

Q 1287 Can you suggest a remedy for this (the evil atmosphere)?

Answer: I want to say something. I repeatedly say that those who are true devotees of God... According to the Bhavishya Purana, only those souls who were with Lord Krishna in Dvapara Yuga—the Yaduvanshis and Gopivanshis who were with him in Dwarika—will meet him at the end of Kali Yuga. True devotees will feel joy and understand this. But those who are destined for destruction will not understand, no matter how much you try to explain. The devotees who are meant to come to the Rameshwaram Mandal will definitely come. Later, others will plead, 'Please take us too, we want to join the path of the Bhavishya Malika,' but by then it will be of no use to them. At that time, they will see nothing but destruction.

► Watch this answer · 26:33 · 04 June 2023

Q_1288 I'm calling from Goa. You've been saying that Kali Yuga is about to end, the confluence age is ongoing, and Satya Yuga will arrive. I told my parents about this, but they don't believe it. They say that Kalki's arrival and the destruction of 90% of the population are imaginary concepts. What is your take on this? Will this really happen, or is it just a delusion?

Answer: Maya always attracts human beings through the senses and material objects. For people who are truthful, it is a bit easier to understand this. But the things you have said are absolutely true, and this is indeed the end of an era.

► Watch this answer · 31:34 · 04 June 2023

Q_1289 Will the Kalki avatar truly come or not? What is your opinion on this?

Answer: The incarnation has already happened. An atomic war will take place. He will definitely come; the time is ongoing. You should read the Bhagavata, and you will get more information. God might even reveal things to you in your dreams, which you can then share with me in the satsang.

► Watch this answer · 33:47 · 04 June 2023

Q_1290 But Guruji, you are saying that Satya Yuga will begin from 2032 or 2033. There are only 8-10 years left. It's a bit difficult to believe that so much can happen in such a short period, isn't it?

Answer: Look, God has placed some faith in your heart, which is why you called me. For a few days, you should read the 'Dhara' and the Bhagavata, and then you will tell me what is going to happen. The time is coming when you too will get some inkling. I am not just 100 percent, but millions of percent sure that a unique transformation of the world is certain. A new human society will be formed, and the gathering of devotees is already underway. The third world war will happen in 2025, and after that, I don't know if communication will even be possible. What I am telling you now is for your joy and for the greatest achievement of your human life.

► Watch this answer · 35:14 · 04 June 2023

Q_1291 I have a question... will there be darkness day and night?

Answer: A fragment from the sun will break off and fall into the sea in three pieces. At that time, there will be darkness for seven days and seven nights. But for the devotees, there will be no suffering, as you will be informed beforehand about what is going to happen. In all the Mandals (groups/regions), after a short while, the darkness will pass, and you all will experience great joy.

► Watch this answer · 41:23 · 04 June 2023

Q_1292 All of this is going to happen in the coming years. I want to know, can we still visit the Jagannath Puri temple, Venkateswara temple, and Vaishno Devi for darshan? Or has the power of those places diminished? Should we go there, or should we stay at home and perform our 'Sandhya' (spiritual practice)? Please advise us.

Answer: When avatars like Lord Ram, Krishna, and Parashuram came, all the pilgrimage sites of India existed. Visiting the four dhams and all pilgrimage sites earns merit; it is our pilgrimage. But the greatest pilgrimage of all is to be with God during the time of His incarnation, read the Bhagavata, and chant the name of Madhav. Through this, you will attain a divine body like the gods and experience bliss. If you get time, you may go on pilgrimages, but think carefully before you go, because these days there are accidents on all the roads.

► Watch this answer · 42:59 · 04 June 2023

Q_1293 My question is... a death occurred in the Jagannath temple today. What is that about?

Answer: Today is a very sacred day. It is called Deva Snana Purnima, when all the deities are bathed. On this day, all devotees, from all castes and religions, can have the Lord's darshan with great joy.

► Watch this answer · 45:38 · 04 June 2023

Q_1294 An attack is going to happen on the country, so how can we save ourselves from it?

Answer: The Indian army is the most powerful army in the world. But this is a battle of Dharma. The battle of Kali Yuga is ongoing. Let that battle proceed. When God's time comes, the Narayana Sena (Narayana's army) will fight. Wait for that time.

► Watch this answer · 47:22 · 04 June 2023

Q_1295 After sharing my personal problems, I wanted to know what solution you would provide. Will I find a resolution? This is very important to me because I can't get it out of my mind, Guruji.

Answer: Call me on this number.

► Watch this answer · 51:09 · 04 June 2023

Q_1296 I read your book and was waiting for the part where the dates for the Pralay (cataclysm) would be revealed. Will the next book come with these dates so we can prepare? I've become very scared by the thought that only one to three people will survive in each village.

Answer: Work on that is in progress. Our goal is not to give away all the literature and priceless information at once; it should go to those who are deserving. The work is ongoing, and it will take a maximum of two more months. Please wait a little longer, and you will find it in the book. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 55:11 · 04 June 2023

Q_1297 Father, I wish to hear just two lines of the Gita Govinda.

Answer: The Gita Govinda was composed by Jayadeva on the banks of the Ganga in Shri Vrindavan. Lord Krishna himself was there listening to the song. Later, through Jayadeva, Lord Jagannath himself wrote parts of it. Every night, before Lord Jagannath retires to sleep, it is sung.

► Watch this answer · 57:04 · 04 June 2023

SESSION 75 · QUESTIONS 1298–1308

L69 - Google Meet | With Param Pujya Kashinath Mishra Ji | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 08 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1298 One more thing, about the Madhav Durga path, I do it, but I have a Chandi version. Can I recite that one? It feels easier for me due to language issues, as I am from a Bengali background. It's in Sanskrit, but it has become easier with practice. So, can I read that?

Answer: No problem, you can read that one. But continuously chant the name of Madhav.

► Watch this answer · 24:53 · 08 June 2023

Q 1299 So, was this a sign from the Lord?

Answer: Yes. You are all following the Bhavishya Purana. First, there must be some correlation so that people can develop faith that we need to do something, we need to change. So, to inspire change in people like you, God gives these premonitions to his devotees. If you are a devotee... and then when I spoke, your dream and my words matched, then the mind also aligns, and the work for the Lord's dharma can proceed. Okay?

► Watch this answer · 29:46 · 08 June 2023

Q 1300 Now that we have joined this stream (dhara), we have to follow its rules, right? But there are many devotees who are not connected to this stream but are associated with different organizations. They are also devotees doing their own work. For example, we also do our own separate worship of Hanuman ji, reciting the Hanuman Chalisa, so that is also a form of devotion, right? So, is there any difference between that and this? Or will they get the right guidance only if they come here, or will they get it even if they stay where they are? What is this about? Because not everyone living in a village has a mobile phone, but they are still devotees. They wouldn't know about this, but they are doing their own devotional practice.

Answer: God will surely listen to them. People like you who have come first are in the first phase of devotion. Then the second phase will come, then the third, then the fourth. And with the preaching that will happen all over the world, even those in villages who don't have a mobile phone or anything will also come to know that this is the stream to follow. It is being propagated according to the Bhavishya Purana that we should take refuge in Madhav. They will do it at that time, but for now, their bodies are pure. The work is happening step-by-step. Eventually, 33 crore (330 million) people in India will join this Trishadhara, read the Bhagavat, and chant the 16 names; they will do everything.

► Watch this answer · 30:53 · 08 June 2023

Q_1301 I also used to have some dreams where demonic forces would appear, and I would feel threatened. Then suddenly, in the dream, I would start chanting 'Jai Shri Ram' (Victory to Lord Ram). Because of that, my influence would overpower the dream, and it would break. What does this mean?

Answer: Because when we are conscious and awake, we chant the name of Ram. And if the name of Ram comes during sleep, it is a very good sign for the body, a sign of a devotee. So this is a matter of great joy, no problem. Now, chant the name of Madhav, because in Kali Yuga, Madhav will be Kalki, and we must chant the Lord's name.

► Watch this answer · 33:48 · 08 June 2023

Q_1302 I wanted to ask one more thing. Before I joined this path, I had a waking vision. I am a doctor, and I saw myself going to a new workplace when the road suddenly caved in, and my car got stuck. I didn't know if I was hurt, but the road was completely destroyed. At that time, nothing was there, but now a new hospital has been built at that exact spot, and I am going to join there tomorrow. What does this signify?

Answer: Nothing is going to happen to our devotees. No matter what happens, not even a scratch will come to them. The most important thing is our faith in God and following the Trishadhara. You continue doing this properly. In the coming times, roads will be destroyed for hundreds of kilometers, making travel difficult. But for us, there is no problem because we have prior information that this is going to happen. Before that time comes, we are taking a different path, a path that will lead us to safety and ensure the protection and welfare of human civilization. That is why you all are transforming from humans into deities.

► Watch this answer · 36:04 · 08 June 2023

Q_1303 As I get more involved in this spiritual path, I find I can no longer engage in worldly behaviors like deceit, cunning, and lying. Because of this, people make fun of me, lie to me, and conspire against me. What should I do?

Answer: God will deal with them. Nothing will happen to our people because we are with dharma (righteousness). For pure-minded people like you, it doesn't matter what others do or what obstacles they create. Our path is to be virtuous, do good deeds, and keep our minds focused on God. God will be the judge; it is not for us to judge. I believe no one can harm you. Our devotees will feel bliss as time passes, and the whole world will see how each devotee is saved and how sinners are destroyed. That time is coming. It is because of God's grace from your past lives—you have performed great austerities—that God has extended His hand to save you before the destruction.

► Watch this answer · 38:37 · 08 June 2023

Q_1304 For a few days, I feel like I am seeing Mother Radha Rani and the Lord. Is this a real sign, or is it just a reflection of my own thoughts?

Answer: The time of the revered Lord Krishna is coming. Then the devotees will unite, there will be eternal 'rasa' (divine bliss), and then the true Lord, along with Radha Rani, will rule the world. So, good times are coming. That's why the Mother is happy, and the Lord is also happy. Such a time is coming after a very long time.

► Watch this answer · 41:08 · 08 June 2023

Q_1305 I am not able to get the link for the Satsang (spiritual gathering) meeting.

Answer: Okay, do one thing. There is a boy named Manish and another person, and there are numbers of several other people in the description below our channel's avatar. Contact them for the link to the 5:30 session.

► Watch this answer · 43:59 · 08 June 2023

Q_1306 Guruji, I have a question. In this Kali Yuga, is there a specific divine play (leela) of the Supreme Soul? I ask because I am now told to say 'Jai Shri Madhav' instead of my lifelong habit of chanting 'Om Namah Shivaya'.

Answer: The time for union with the Supreme Soul is coming. In the next age, there will be a direct union of God and devotees. Devotees will sit with God, sing hymns, eat, play, and discuss everything from the four yugas to the mysteries of life and death. By joining this stream now, you are preparing for that eventual meeting with God. And you have done a good thing by guiding others away from non-vegetarianism; the merit you gain from helping one person is immense, and I thank you for that.

► Watch this answer · 46:56 · 08 June 2023

Q_1307 I wanted to ask, when I visited the Jagannath temple for the very first time, as I was leaving, I looked at the gate and had a strong feeling that I had been there before. What was that connection?

Answer: That connection is the contact between a devotee and God. The Jagannath region has existed for infinite ages. Devotees have always met the Lord there. You met him in a previous life, so when you came in this life, you had the feeling that 'this is my old place, I have been here before.' This is how the connection between God and a devotee manifests; good devotees receive such information from their past.

► Watch this answer · 54:28 · 08 June 2023

Q_1308 I usually drink milk in the morning, but I sometimes drink tea. Is it okay for me to drink it?

Answer: Give it up, son. It's not good.

► Watch this answer · 57:41 · 08 June 2023

SESSION 76 · QUESTIONS 1309–1320

L70 - मालिका में पुरी के राजा का वर्णन | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 11 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1309 Prabhu ji, may I ask a question? My name is Ravindra Diwan, and I am from Delhi. In my family, besides me, there are only my wife and daughter. I haven't been able to connect them to the 'Dhara' (the spiritual stream/path) yet. I would like some guidance or comments from you on this matter. Thank you.

Answer: It's a very good question. Change... and those who change out of fear are the best. So, you should do one thing: have them talk to me sometime. It's not necessary, but talking to a pure soul, a pure person, becomes a form of satsang (spiritual discourse). If not that, then tell them to listen to my videos on the Kalki Avatar channel. It's not necessary for them to join the 'Dhara' (stream), they just need to listen. They should listen to the videos I have released, nothing else is necessary. Also, the book I have written, which is available in Hindi and many other languages, at least request them to read it once. Because our tradition, the work we are doing, is the work of gods, sages, and saints. It is not under my control, nor are these my words. The message we are spreading today was told by God for the devotees... their union with God will happen... So, have them read or listen. If that doesn't work, have them read the 'Gop Leela Darshan' from the Srimad Bhagavatam two or three times. And after reading, this book of ours... what is the path? What time will they get to follow this path and purify their bodies? There is very little time. So, now is a good time for them. And not just that, but also with diseases, employment... tell them that with time, they will change. They are good people, everyone is good, but it's about our way of explaining. No, our family is ours. Everyone works together for the family, you also work. Do as your family says, and follow the path with a human and devotional heart. Following the path doesn't trouble anyone. Since we are Hindus, reading the Bhagavatam is necessary. And as Hindus, following the 'Trisandhya Dhara' in the Vedic stream is also necessary. The name 'Madhav' is a beautiful name used by Mother Radha Rani, Mother Draupadi, and Arjuna to call Lord Shri Krishna. Chanting it makes everyone in the world happy. So, follow this, and don't oppose your family members. Do the household chores they ask of you and also follow the path of devotion to God. A time will come when your family will also understand, and everyone will respect our tradition. Religion has become constricted, which is why it's not flourishing... but don't worry, people will change with time. But what's the use of changing later? It is written in the Bhavishya Purana that those who change later, at the end of time, will not receive any benefit. So, it's better to adopt it before time runs out. If we are with our family, we should follow all the family's rules and regulations while practicing our devotion with self-discipline. This is good for you, and God is also pleased with this. Just do this much. Jai Jagat.

► Watch this answer · 20:20 · 11 June 2023

Q 1310 I am speaking from Vaishali, Bihar, Pandit ji. I want to tell you that where I currently live, my house is surrounded by people of 'asuric' (demonic/negative) nature. In my neighborhood, in three or four places... I tried to leave it, but then I felt that I should...

Answer: But it is written in the Malika that devotees who listen to the Bhavishya Purana once, or come to a satsang once, will change in an instant. If they say, 'We will change slowly,' their changing is difficult. Still, you should try. This is not my profession, and I don't get anything from this preaching except spiritual merit (dharma). This is for your own good. Because if we kill a living being, there is a law of dharma, ethics, and a constitution that holds us accountable. This ideology is for humans. But in God's constitution, the ideology is for all of humanity, the living world, the animal world, the spirit world—for all realms. In His ideology, we are doing wrong. We are killing someone, giving death to someone, deliberately killing and then eating them. If such demonic characteristics remain in our bodies, we will never be able to become divine beings (devtas), we will never be able to go to the Satya Yuga. If you want to change, change from today. If you don't want to change, then follow whichever path seems good to you. Your well-being lies in that.

► Watch this answer · 27:03 · 11 June 2023

Q 1311 The mantra... if I could get a recording of it, it would be a great help. This is my request to you.

Answer: His phone number is also coming in the description. Your life will be filled with happiness and purity, and your mind will find peace, purity, and light. It will bring so much joy. Try following it and see how much peace you feel day and night. Mohan will speak at the end and will also give the number. The number is in this description; you can call and talk to him, and he will send it. Okay, Baba.

► Watch this answer · 32:29 · 11 June 2023

Q 1312 I just want to know, will Turkey, Germany, and France separate from the European Union?

Answer: It will remain. I have said this before, just as Pakistan will wage war, it will also start by taking a side or front. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:57 · 11 June 2023

Q 1313 Is it safe for someone to go abroad to countries like Russia or in Europe for work, given the coming turmoil?

Answer: Those who follow our stream, the stream of Krishna, read the Bhagavatam, chant the name of Madhav, and stay connected with the online satsang—wherever they go in the world, be it Russia, Europe, Saudi Arabia, or any other country, God will save them and bring them back to India. So, there is no problem in going. They are going now because we have to perform our karma (duties). And to be saved from the coming calamity, that is, the problems that are to come in the future, they should connect with the 'Trisandhya Dhara' and the online satsang. By following this, they will face no inconvenience as long as the world exists.

► Watch this answer · 37:30 · 11 June 2023

Q_1314 Pandit ji, my question was about the destruction in 2025-26. After that, all the people of Sanatana Dharma were supposed to gather... And another thing, after 2032, will falsehood be completely finished?

Answer: They will rule our country, and as for God's devotees... no one will remain.

► Watch this answer · 38:40 · 11 June 2023

Q_1315 Why isn't the Bhavishya Purana, which you talk about, well-known or preached by other storytellers (kathakars)?

Answer: Look, you've asked a very good question. I have repeatedly made this request about this. In India and around the world, those who do religious work are not aware of this one book. I request the storytellers (kathakars) to read it and tell the world about it. The welfare of humanity in our world lies in this. But the Bhavishya Purana is not written for everyone. Because the Bhavishya Purana is written only for the devotees. Its publicity will be limited, and the Bhavishya Purana will only reach the devotees, and the union of the devotee and God will happen. If they work, the task will become very easy. It will happen nonetheless.

► Watch this answer · 43:48 · 11 June 2023

Q_1316 ...but this love that happens, when you fall in love with someone... and what happens after that... can you speak about this?

Answer: Look, regarding these things... whatever actions you are performing, you are doing very good work. Many doctors joined the stream of satsang during the Corona period. There are many doctors in Odisha too who did not get Corona; perhaps they served Corona patients, and the disease did not affect them. So, for the doctors, service to our country is happening. And if they remain safe, our country becomes more powerful because the entire future depends on doctors, on their service and their treatment of people. Whatever pure stream of thought is in your mind, whatever you want to express, express it. Ask God about it, ask your inner self. If it is good, then God will guide you.

► Watch this answer · 46:42 · 11 June 2023

Q_1317 I have had a question for 12 years. I perform the Trisandhya, read the Bhagavat Purana, and do everything, but I don't get my husband's support for it in my home. What should I do?

Answer: Change... Therefore, for everyone, God assigns karma according to their 'prarabdha' (past karma), not according to one's own human will. For this, our own karma should be good. And in this life, the husband you have received—it is your supreme duty (param dharma) to serve him and take care of everything with pure actions. Fulfill that duty as well.

► Watch this answer · 48:18 · 11 June 2023

Q 1318 Guruji, I want to join the 'Dhara' (the stream/path), and I needed your blessings.

Answer: Very good. Look, mother, this is the greatest inspiration for the entire world. See, I mentioned a little while ago that this message will reach the devotees on its own. No one can spread it just by wanting to, because for the devotees, this is nectar, and God will send it to each devotee one by one. She had already quit non-veg, and after that, she found the video. This means God made her quit non-veg and also delivered the video. See, you have come to me; I am coming to establish the path in your home. This is why there are always grace and blessings for the devotee from God, mother. I pray to God that His grace always remains on such a pure soul. May God help you in every difficulty. And to join the 'Dhara', mother, in our YouTube videos, below the video, there is a number in the description. A number is given there. Satsang also happens daily, different people conduct it, and there are daily discussions about one's own experiences and thoughts, how much joy someone gets, how people are saved from illness, how they are cured... everything will be shared.

► Watch this answer · 50:34 · 11 June 2023

Q 1319 With the blessings of Vaishno Mata, we had a temple built. So, can we perform the sadhana (spiritual practice) for Lord Kalki in it?

Answer: You can. What could be greater than this?

► Watch this answer · 53:19 · 11 June 2023

Q 1320 There will be a war, and after the war, a population of 64 crore will be left in the entire world. When the earth doesn't produce crops, what will they eat and drink? And regarding the world's population of 820 crore, will everyone except the devotees be taken away together?

Answer: I will explain it. Look, 64 crore...

► Watch this answer · 01:02:08 · 11 June 2023

SESSION 77 · QUESTIONS 1321–1349

L71 - प्रेम - मंदिर में आग लगना एवं द्वारकाधीश मंदिर का ध्वज फटना | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 15 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1321 I am from Tripura. I am not always able to attend the daily satsang (spiritual discourse) due to work, like today I had to come to Guwahati. Sometimes I work late. Please do not remove me from the group, because I read the messages later and I like reading them. I am not able to maintain regularity. Please keep me in the group; I enjoy your satsang and listen to the recordings on YouTube. This is my request to you, Pandit ji.

Answer: First, do you follow the Trisandhya (three-times-a-day prayer) practice at home? The Trisandhya practice is essential for your body's protection, as we don't know when or where a disaster might strike. If you cannot attend the live online satsang, make sure to listen to the recording later before you go to sleep. We won't remove you, but it's important to follow the practices. Otherwise, if something were to happen to someone, they might question the teachings and say, 'You told us to follow the path, but now I am sick. What should I do?' This would tarnish the Lord's name. That's why it's important to follow the path. If you can't attend live, listen to the recording. This is not a forced tradition; whether someone follows it or not is their choice. But through this tradition, humans can become divine. It's wonderful that you've already quit tea and are fully vegetarian. You can eat onions and garlic if you are traveling and no other food is available. The Trisandhya practice is given to make devotees powerful so they can be saved from the many accidents that will happen. It is a proven fact, written long ago, that those who follow the Trisandhya practice will be protected, no matter what happens to others.

► Watch this answer · 26:34 · 15 June 2023

Q 1322 I am Virendra Singh from Deoria, Uttar Pradesh. Regarding the Ram Janmabhoomi temple being built in Uttar Pradesh, is there any special message or order from the Lord for that place? Given that cyclones and other sudden disasters can happen anywhere, is there any directive about its construction or about the Lord's arrival there?

Answer: The place of Ram's birth is already a sacred pilgrimage site. The temple being built there marks the beginning of Ram Rajya (the rule of Ram) in the Satya Yuga (the Age of Truth). Its construction is the Lord's work, the work of Satya Yuga, and it cannot be stopped. The signs of destruction I mentioned were for the four primary dhams (pilgrimage sites). However, since sacred work is happening in Ayodhya, no inauspicious signs are visible there. The area is undergoing a divine reconstruction by the Lord's will, so no negative signs will appear there. The work of the Lord will continue even as calamities occur in other parts of the world.

► Watch this answer · 32:17 · 15 June 2023

Q 1323 I am from Bihar, and the temperature here has reached around 49 degrees Celsius, which has never happened before. Is this a sign that something is about to happen here as well?

Answer: Yes, this heat was predicted in the Bhavishya Purana 600 years ago. It was written that the sun's heat would increase tenfold. Back then, the temperature was around 27-28 degrees, and it is prophesied to eventually reach 70 degrees. This heat in Bihar is a sign of the establishment of dharma. It is a signal from God to the people of Bihar. A time is coming when there will be intense heat but no rain, which will cause great suffering. This is just the beginning. The temperature will continue to rise, leading to many diseases, disasters like cyclones, and a drop in the groundwater level, causing water scarcity. This is happening because people have stopped worshipping Lord Vishnu and do not offer water to the Sun God (Surya Dev) in the morning. The Sun God is angry with humanity. This is all just the beginning.

► Watch this answer · 35:09 · 15 June 2023

Q 1324 Some people are saying that a civil war will start in India in September. Is this true?

Answer: That is incorrect. There will be no civil war in India in September. The time for that kind of communal strife has not yet arrived. You should wait for 2025-26. Many YouTube channels have started making predictions since we began publicizing the Bhavishya Malika. However, they are wrong because before we published the Hindi version last year, the book was not available in Hindi. How would they know from the Odia text that a civil war will happen in September? This is not true. Wait for 2025.

► Watch this answer · 38:54 · 15 June 2023

Q 1325 Guruji, I want to know, when Kali Yuga ends and Satya Yuga begins, what will the systems of governance and education be like in India?

Answer: Kali Yuga has not will end; it has already ended. According to the Garg Samhita, written by Lord Krishna's guru Garg Muni, Kali Yuga was to end after 4,800 years. We are now in the 'Yuga Sandhya,' the transitional period. In the new age, people will study the Vedas, Puranas, and Shastras. The governance will be a monarchy (Rajtantra), not a democracy. I have said before that India's last prime minister will be a holy man engaged in yogic practices, and his rule will mark the final transition. The current Prime Minister, the current Chief Minister of Odisha, and the current Gajapati King of Puri are the last in their respective lines, which proves that Kali Yuga has ended. In the new age, the current technology will be replaced by a technology millions of times more powerful, based on the power of mantras, which will bring happiness to humanity.

► Watch this answer · 39:52 · 15 June 2023

Q_1326 Pandit ji, it is said that Lord Kalki and Mother Vaishno will give us their direct darshan (divine appearance). What should we do to welcome them in a way that is good for society?

Answer: If you wish to prepare for their welcome, you must remain in the Trisandhya stream (three-times-a-day prayer), follow the teachings of the Bhavishya Purana, read the Shrimad Bhagavatam, and embody the qualities of truth, peace, compassion, and forgiveness in your life and actions. If you are not already a vegetarian, you must become one. By following this path, you will be truly welcoming them.

► Watch this answer · 43:00 · 15 June 2023

Q_1327 I am from Delhi and I follow the ideology of Chaitanya Mahaprabhu. We are completely sattvic (pure), follow Vaishnava dharma, chant 64 rounds of the holy name, observe Ekadashi, and all the rules given by him. He taught us to have a taste for the holy name, be compassionate to all living beings, and be devoted to Tulsi. Will following this path grant us entry into the new age (Satya Yuga)?

Answer: The path given by Lord Chaitanya Mahaprabhu is a very sacred one, which he established to save humanity at a time when sin was rampant. However, that was a different time. Now, Kali Yuga has ended, and it is necessary to follow the path of Lord Kalki, which is the Trisandhya stream. Lord Chaitanya did not preach the Trisandhya because it was not needed then. But now, to enter Satya Yuga, one must adopt the practices meant for the humans of Satya Yuga. You should continue your Vaishnava practices with devotion, but you must also adopt the Trisandhya stream, read the Shrimad Bhagavatam, and chant the name 'Madhav,' because Lord Kalki's name will be Madhav. Those who only follow the previous path may still be saved, but they will not get the direct association of Lord Kalki. To become a devotee of Lord Kalki and participate in his mission of establishing dharma, following his prescribed path is necessary.

► Watch this answer · 45:33 · 15 June 2023

Q_1328 When everything is destroyed at the end of Kali Yuga, will the new creation mean everything is new—a new Earth, a new sun, everything? Or will it continue on the current Earth? And will there be only one land, Bharat (India), or will different countries like China still exist?

Answer: Everything will be new. No structure or architecture from Kali Yuga will remain. The divine architect, Lord Vishwakarma, will be commanded to create a new structure for the entire world. There will be an 'Akhand Bharat' (undivided India). The entire universe is originally named Bharatvarsha, but our country became small during Kali Yuga. In the coming age, the entire world will once again become Akhand Bharat. Countries like China and America will exist, but only as small states within this greater Bharat. The entire planet will be called Bharat.

► Watch this answer · 50:04 · 15 June 2023

Q_1329 Can the Trisandhya practice be performed anywhere? For instance, if I am traveling or outside, can I just sit somewhere and do it?

Answer: Yes, you must perform Trisandhya wherever you are in the world. Our safety is of the utmost importance. We have seen the horrific nature of death in events like the train accident in Balasore, Odisha. To protect our life and body so we can perform good deeds, Trisandhya is essential, no matter where you go. It purifies the body, provides protection from calamities, and brings peace. Along with Trisandhya, you should also read the Bhagavatam.

► Watch this answer · 51:57 · 15 June 2023

Q_1330 Is Mother Vaishno Devi no longer present at her shrine? Should we still go there for pilgrimage or not?

Answer: The shrine of Vaishno Devi is a holy pilgrimage site. The three goddesses—Mahalakshmi, Mahakali, and Mahasaraswati—are present there. It is a sacred place where the Mother's grace is available for the upliftment of devotees. You should certainly go on pilgrimage there. Go and have darshan of the Mother. Wherever a devotee offers prayers, the Mother will give her darshan and blessings. There is no problem in going.

► Watch this answer · 53:18 · 15 June 2023

Q_1331 I am from Mauritius and this is my first day here. How can I help? How can I start?

Answer: This is wonderful. Of the 16 Mandals (divine regions) that Lord Kalki will establish, one will be in Mauritius, as part of the 'Africa Mandal.' Gods and devotees have already been born there for this purpose. It brings me joy to speak with you, as you are likely the first person to connect from Mauritius. It seems God has chosen you to begin the work of establishing dharma there. You must spread the message of the Bhavishya Purana and the Trisandhya stream among the Hindu devotees in Mauritius. This is necessary to protect them from the coming calamities so that the devotees and gods there can survive. First, get connected with our group, read the Bhavishya Purana, and then we can talk further via Google Meet to guide you on the next steps.

► Watch this answer · 54:28 · 15 June 2023

Q_1332 I am from Dhanbad, Jharkhand. I have a question about Trisandhya. You mentioned earlier that there is no specific time, so does that mean we can do it anytime in the morning, afternoon, and evening?

Answer: Let me clarify the specific times for Trisandhya. There are three periods: 1. **Pratah Sandhya (Morning Prayer):** This should be done between 3:45 AM and 6:00 AM. This is also known as the Brahma Muhurta Sandhya. 2. **Madhyan Sandhya (Midday Prayer):** This should be done between 11:45 AM and 12:30 PM. 3. **Sayam Sandhya (Evening Prayer):** This should be done around sunset, within a one-hour window that is half an hour before sunset and half an hour after. Those who perform Trisandhya and read the Bhagavatam will become divine beings, the humans of Satya Yuga, and will be saved from the calamities and problems of this age. No matter what happens, the devotees will be saved.

► Watch this answer · 58:10 · 15 June 2023

Q.1333 I am from Dhanbad, Jharkhand. Which mandal (regional group) should I join?

Answer: Dhanbad is near Bengal and Odisha. You can join the Mata Kalika Mandal in Kolkata, or if that is too far, you can connect directly with our main group in Odisha. The purpose of the mandals is to spread dharma, so all mandals belong to the devotees. It is best to join the one closest to you, but any will work. We will provide more information about all the mandals in due time.

► Watch this answer · 01:00:58 · 15 June 2023

Q.1334 I am from Patna. Firstly, which mandal is for people from Patna? Secondly, many people are saying a lot about June 30th. What is going to happen after June 30th, and when will we start to see the first proof of Lord Kalki's arrival?

Answer: Nothing specific is going to happen after June 30th. Things will continue as they are. I have already said that a major earthquake is destined for Bihar and North India, and there will also be severe floods in Bihar, but the time for the most intense destruction has not yet come. The period from 2025 onwards will bring unstoppable devastation. God has given us this current time to establish the 16 mandals and prepare the devotees by bringing them into the Trisandhya stream. Small-scale destruction is happening and will continue, but there is nothing special about June 30th. People on YouTube say such things to increase their views. But I tell you this: any person who is in the Trisandhya stream and reads the Bhagavatam will be safe, even if the sky itself falls. They will not die. This is a proven truth. As for Patna, it is a sacred region of Bihar, and Lord Hanuman is still present there, performing penance on a mountain. Devotees will receive his darshan in the times to come.

► Watch this answer · 01:02:34 · 15 June 2023

Q.1335 We join the satsang at 5 AM, but when the speaker begins, I start to feel very sleepy and often fall asleep while listening. Why is this happening?

Answer: Wherever a righteous activity takes place and the word of God is spoken, Nidra Devi (the goddess of sleep) often appears to create an obstacle. She does this so that you cannot listen and are prevented from joining the path of devotion. This is also an effect of the influence of Kali Yuga. Don't worry. Simply pray to God, 'O Lord, please don't let me fall asleep. I want to listen and take refuge in you.' Chant the name of Lord Madhav, and everything will be fine.

► Watch this answer · 01:05:29 · 15 June 2023

Q_1336 It is said that humanity will suffer from many kinds of diseases that will greatly reduce the population. What types of diseases will these be, and how can we protect ourselves from them?

Answer: The teachings of the Bhavishya Purana are being spread to protect the righteous humans from such fates. To save yourself from these diseases and calamities, you must follow the Trisandhya stream, read the Shrimad Bhagavatam, and join the online satsang. By doing this, you will become part of the Vishwa Sanatan Dharma (Universal Eternal Faith), and you will be protected. Even if you do get sick, you will not die, because God will protect you. There is no need to worry about this. Just follow the path I am showing you, and all devotees who do so will be safe from the coming problems.

► Watch this answer · 01:06:27 · 15 June 2023

Q_1337 I am following the Trisandhya practice and attending satsang. We are told to inculcate virtues like forgiveness, compassion, peace, and love. However, I find that small, negative thoughts still arise. How should I handle them?

Answer: It is wonderful that you are following the Trisandhya path. It is a great blessing from God. This is the very path through which the sage Dhruva attained God and all great sages achieve the supreme state. As for the negative thoughts, don't worry. After you practice the Trisandhya stream for some time, these divine qualities will begin to develop within you gradually. It will not happen overnight, because we are still in Kali Yuga, and its influence creates resistance and obstacles on the path. But have faith; God will slowly and surely bring about this change in you.

► Watch this answer · 01:08:11 · 15 June 2023

Q_1338 Pandit ji, it is written in the Malika that the Rath Yatra (chariot festival of Lord Jagannath) will not happen for seven years. When will this period begin?

Answer: Yes, Mahapurush Achyutananda has written that for seven years, the Lord's Rath Yatra will not take place, and the grand road in Puri where it is held will remain empty. This will happen after the great world war, during the final phase of destruction leading to the establishment of Satya Yuga. I have said before that the time for the world war is approaching in 2025-26. After that, a time will come when the festival cannot be held because Lord Jagannath, in his form as Lord Kalki, will be fully engaged in the work of establishing dharma and gathering his devotees across the universe. At that time, the Rath Yatra will not be necessary.

► Watch this answer · 01:09:49 · 15 June 2023

Q_1339 My name is Akash. How can I join the satsang? Also, if I want to tell someone about Trisandhya or that God has arrived, how can I explain it to them?

Answer: Below our YouTube videos on the 'Kalki Avatar' and 'Dharma Gyan' channels, there is a phone number listed. You should call that number and speak to a young man named Mohan. He will add you to the satsang group. I am telling Mohan now to connect with you, as we need to establish the mandal in Mauritius, and your participation is important. You should also order the Bhavishya Purana book, read it, and begin the work of spreading the dharma of Lord Kalki.

► Watch this answer · 01:11:37 · 15 June 2023

Q_1340 So, can I call after this satsang ends?

Answer: Yes, yes, you can call right away. You can also book the Bhavishya Purana scripture to be sent to you. Read it and begin the work of God.

► Watch this answer · 01:12:43 · 15 June 2023

Q_1341 I went to a village in Andhra Pradesh where there is a large stone statue of Nandi (the bull of Lord Shiva) in front of a Shiva temple. People there say it is gradually growing in size. Can you tell me what this means?

Answer: Yes, Mahapurush Achyutananda wrote about this phenomenon in the Malika. He wrote, 'Stone idols will come to life at the end of Kali Yuga.' The fact that the statue is growing means it has life force within it. This is a clear sign that Kali Yuga has ended and the deities are beginning to manifest their living presence. Devotees will see many such signs and understand that the time has come. This is a sign of the establishment of dharma.

► Watch this answer · 01:13:26 · 15 June 2023

Q_1342 The people there also say that after the Nandi grows much larger, it will stamp its right foot on the ground three times and then let out a mighty roar. They say that any human who hears this roar will not survive. Is this true?

Answer: Yes, what they are saying is true. When the gods and goddesses awaken and roar, the sound will be so powerful that sinners who hear it will die instantly—some will bleed from their mouths, others will just perish. This is written in the Bhavishya Purana. The crucial part is that the righteous and devout people will not even be able to hear the sound. It will be audible only to the sinners. This is going to happen in many places. You should work on establishing the Rameshwaram mandal in your region.

► Watch this answer · 01:16:20 · 15 June 2023

Q_1343 When I read the Bhagavatam or do japa (chanting), I yawn a lot. Why does this happen?

Answer: The reason you yawn is that there are negative elements or wrong energies within your body. When you engage in sacred activities like reading scripture or chanting, these negative energies cannot remain in the body and are expelled. The yawning is a sign of this purification process.

► Watch this answer · 01:18:30 · 15 June 2023

Q_1344 In the last few days, I feel that my irritability has increased. I get angry over very small things. Why is this happening now?

Answer: This happens because external negative forces that may be influencing your body try to agitate you. They want to disturb your peace and prevent you from continuing on the spiritual path, so they cause you to feel more anger. It is an obstacle. To counteract this, continuously chant the name 'Madhav.' If you do this, the anger will subside and this problem will stop.

► Watch this answer · 01:19:23 · 15 June 2023

Q_1345 (Asked by a 12-year-old girl) I am scared. Will we survive the coming apocalypse or not?

Answer: My dear child, devotees who take refuge in Lord Jagannath will be perfectly safe. Nothing will happen to them. The devotees of God are the most powerful people in the world, so why should they be afraid? Look at the example of Dhruva; he was just a small child, yet even lions and tigers in the forest could not harm him because he had God's grace. Look at Prahlada; his own father threw him from a mountain and had him bitten by poisonous snakes, but he did not die because he was a devotee of the Lord. You are also a devotee of God, so nothing is going to happen to you. The destruction is for the sinners, not for those who have taken the Lord's shelter. Even if a nuclear bomb falls, the devotees will remain safe. So, do not be afraid. Just bow to your parents every day, chant the names 'Madhav' and 'Jagannath,' and read the 'Gopi Leela' from the 10th Canto of the Shrimad Bhagavatam. You will see how powerful God is and how he always protects his devotees.

► Watch this answer · 01:21:11 · 15 June 2023

Q_1346 We are from Lucknow. Which mandal (regional group) can we join? And is there any service (seva) we can do?

Answer: Since you are in Lucknow, you can join the Ayodhya mandal or the Gop-Mathura-Vrindavan mandal, as there are large mandals in Uttar Pradesh. As for service, the greatest service you can do for the world is to join the Trisandhya stream, chant the name Madhav, read the Bhagavatam, and help spread the message of the Bhavishya Purana. It will be a great struggle to establish this true Sanatana Dharma on Earth. To work towards this goal—to help people adopt the Trisandhya, read the Bhagavatam, and become humans of Satya Yuga—is the greatest service of all.

► Watch this answer · 01:24:14 · 15 June 2023

Q_1347 I have a lot of love for my nephew. Will he also receive the benefit of my spiritual merits (punya)?

Answer: Yes, of course, he will. Why wouldn't he? The purity and good deeds of the elders are always passed on to the children in the family. They receive the blessings of their elders. When we do good deeds, the benefit extends to them as well. It is a great blessing from God that such young children are already devotees and have visited Jagannath Puri.

► Watch this answer · 01:26:40 · 15 June 2023

Q_1348 What is the difference between the Bhavishya Purana and the Bhavishya Malika?

Answer: The Bhavishya Malika and the Bhavishya Purana are one and the same. In the Hindi language, we call it the Bhavishya Purana, and the original text in the Odia language is called the Bhavishya Malika. They are the same scripture.

► Watch this answer · 01:28:48 · 15 June 2023

Q_1349 Is the Bhavishya Purana written by the sage Vedavyasa the correct one, or is this Bhavishya Malika the correct one?

Answer: This one (the Bhavishya Malika) is the correct one for our times. Its name was simply translated into Hindi as 'Bhavishya Purana' when it was converted from the original language.

► Watch this answer · 01:29:07 · 15 June 2023

SESSION 78 · QUESTIONS 1350–1360

L72 - चारों धाम से सत्ययुग आगमन के संकेत | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 18 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1350 Should I leave Mahadev (Lord Shiva) just to save my own life?

Answer: A very good question. Look, Lord Shankar, Brahmadev, and Lord Maha Vishnu are all one and the same. And the most important thing is, I humbly request all devotees of Lord Shankar to chant Lord Shankar's name. Keep chanting his name. The mantra I am telling you, chant that. To the devotees from India and the world who come to me for refuge, I give them the name of Ram and the path of Ram's name, through which they attain liberation, meaning the supreme state. He will save the devotees.

► Watch this answer · 48:45 · 18 June 2023

Q 1351 Will Ganga ji return to heaven?

Answer: A very good question. A very good question, listen carefully. According to the scriptures, after 5000 years, Mother Ganga will leave the earth. And the second thing is, people go to the Ganga and Prayag to immerse the ashes of their deceased relatives. After the immersion, they sit happily at home thinking their ancestors have attained heaven. But the spirits of the deceased, speaking through a human body, say, 'I am still waiting for liberation. How will I be liberated?' If Mother Ganga is on earth and grants salvation, then why does this happen? It's because at the time of the Yuga Sandhya (the transition of eras), a new era is about to begin, and the work of salvation is part of this ongoing process.

► Watch this answer · 51:31 · 18 June 2023

Q 1352 Followers of Sanatana Dharma and Hindus will accept this, but what about everyone else? Not all people will believe this, will they?

Answer: A very good question, mother. The question is that followers of Sanatana Dharma and Hindus will accept it, but not everyone will. Only those devotees who were with Lord Krishna in the Dvapara Yuga across the four yugas will believe. But in the world, people of different religions and faiths will come to believe when great calamities strike them, and also as the Bhavishya Purana is being promoted in English, Japanese, and Russian languages, they will receive its message.

► Watch this answer · 01:00:17 · 18 June 2023

Q 1353 It is said the '24 elections won't happen and there will be earthquakes. So will this happen in '24 or '23?

Answer: After the election and the formation of the government, a military emergency will be imposed in our country. The color red will be visible, and at that time, India will have a joint rule. The time will come, we will see, and you are also receiving information about this time.

► Watch this answer · 01:01:50 · 18 June 2023

Q_1354 Guruji, will a place be buried, people washed away, and is a tsunami coming towards Maharashtra?

Answer: But in the end, the devotees will be saved by God through the 'Mandal' (divine circle/group). The Ganpati Mandal is working there. And there will be small mandals. And the tsunami, earthquake, disease, pandemic, and communal violence will happen.

► Watch this answer · 01:12:12 · 18 June 2023

Q_1355 If the devotees are saved in the divine stream, who will protect the animals and other creatures?

Answer: God will protect the birds, animals, and creatures as much as is necessary. Then they will get a new birth. God will work towards that. Because God's Kalachakra (wheel of time) will save the vessel from conflict. The Pradosh chakra, one of the chakras, is the savior of the destruction chakra.

► Watch this answer · 01:14:28 · 18 June 2023

Q_1356 What will happen in and around Bengaluru?

Answer: The sea will take over. And there will be issues in Bengaluru too. And of the three places in India where the first missile will strike, Chennai (Madras) is one of them.

► Watch this answer · 01:21:13 · 18 June 2023

Q_1357 So will a city like Pune also be completely submerged in water? Is that so?

Answer: The sea will remain for two days. The wicked will be destroyed, and God will save the devotees.

► Watch this answer · 01:22:42 · 18 June 2023

Q_1358 God does everything; he gives, and everyone follows his will. What service can we possibly do for him? What do the scriptures say about this?

Answer: The scriptures say that devotees can propagate God's name, his words, his purity, and the true knowledge for which the time of God's divine vision has come. They can spread this message in their state and their country to help the pure devotees who are trapped in different situations.

► Watch this answer · 01:25:31 · 18 June 2023

Q_1359 We commit many mistakes unknowingly, even in childhood. If a person commits a sin unintentionally, what is the consequence for them?

Answer: You will get liberation from that sin. And at the end of time, you can go to God's abode, you can take refuge in God. There is still time, so chant His name. And from now on, don't see, think, or consider anything wrong. Only see God everywhere. He will grant liberation to everyone from such karma. Now is the time for liberation. Whatever you do at this time is good for the world, good for you, and good for everyone.

► Watch this answer · 01:27:21 · 18 June 2023

Q_1360 If the mind is restless, and external events affect it and cause anxiety, how can one become stable and free from worry?

Answer: A very good question: how can we make the mind stable, pure, and peaceful? Not just your mind, everyone's mind is disturbed; no one's mind is stable. So, if the mind is disturbed, close your eyes and picture God in front of you—Banke Bihari, Krishna, Ram, Jagannath, or Lord Kalki, Madhav. See the form of God before your eyes. Through chanting His name and connecting with your heart, your mind will become stable. God explained this to Arjuna in the Gita. To stabilize a disturbed mind, one must repeatedly chant and sing His name. By doing so, the impurities in our body are cleansed, and one becomes like a sage. That is why one should chant the name repeatedly. If you have time, read the 10th canto of the Srimad Bhagavatam about the Lord's divine plays. Then all the sorrows of the world will vanish. The knowledge of all births is the one true God. Do things that bring you peace.

► Watch this answer · 01:29:15 · 18 June 2023

SESSION 79 · QUESTIONS 1361–1381

L73 - श्री जगन्नाथ जी और तुलसीदास जी | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 22 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1361 A disease called 'Market Karkat' is said to be coming in 2024-25. Could you please tell us a little about it? What are its symptoms and how do people die from it?

Answer: Look, it's not exactly like that. 'Karkat' means cancer. The disease of cancer will spread very rapidly, and many people will die from it.

► Watch this answer · 18:22 · 22 June 2023

Q 1362 An idol of Bajrangbali (Lord Hanuman) fell down and broke completely. What does this signify?

Answer: There are forces trying to create obstacles to stop the propagation of dharma (righteousness), and this incident is a result of that. An idol of Lord Hanuman falling is not, in itself, a problem or a bad omen. It is a sign of these opposing forces at work.

► Watch this answer · 20:29 · 22 June 2023

Q 1363 In my dreams, I get to visit Lord Jagannath in Puri with my family. When I reach his idol, the Lord's mouth opens, and I enter it. But when I look back, my family is calling out to me, and the Lord sends me back to them. What is the reason for this?

Answer: This is a sacred experience and a blessing from Lord Jagannath. It signifies a deep spiritual connection from a past life where you may have performed penance to witness the Lord's divine play. Consider it a great blessing.

► Watch this answer · 22:14 · 22 June 2023

Q 1364 You mentioned that Muslim countries, including Pakistan, China, and Turkey, will attack India, and for a short while, the Indian administration will come under Russia. Will Russia support us or be against us? Secondly, you said that at the end of the age, no sign of Kali Yuga will remain, and 35 crore people will be saved. Who are these people and how will they be saved?

Answer: Regarding your first question, Russia will support and cooperate with India to help. There will be military rule, and Russia's administration will come to help for India's benefit. There is no doubt about this. For your second question, the 30-35 crore people who will remain in India will be those who are being prepared to become divine beings. I tell people to join our sacred stream of Vishwa Sanatan Dharma and follow all its good rules. Those who do so will be saved and will witness divine powers from God's side as we transition from the Kali Yuga.

► Watch this answer · 26:00 · 22 June 2023

Q 1365 I had another dream about Lord Jagannath. There was a huge rush, and I was trying to offer khichdi, but people stopped me, saying the temple was closing. As I insisted, people pushed me, and the temple doors began to shut. But in the commotion, the khichdi from my hand flew inside towards the Lord, and a gold coin came back from Him to me. What does this mean?

Answer: This is a very auspicious sign. It is the grace of Lord Shri Jagannath upon your family, indicating a connection from a previous life. All the people in our spiritual stream are divine souls with past connections. The fact that you made the offering even in the dream and the Lord sent back a blessing in the form of a gold coin is a very good sign of his grace upon you.

► Watch this answer · 30:24 · 22 June 2023

Q 1366 When will they (the Muslim countries) attack?

Answer: The period of 2025 is a destructive time that is approaching. It appears that during this time, they will all unite. Their meetings are currently underway.

► Watch this answer · 34:46 · 22 June 2023

Q 1367 You said that only 33 crore humans will be saved in India. I had a vision related to this where I saw a demon but was not afraid. What does this mean?

Answer: God is providing proof for the prophecies of the Bhavishya Purana. Therefore, you should connect with righteous work. The dream you saw was sent by God. Perhaps it is God's grace to remove fear from your mind before these events happen.

► Watch this answer · 36:52 · 22 June 2023

Q 1368 Is the power of the righteous decreasing day by day while the power of evil forces is increasing?

Answer: The power of God and of divine, pure people is not always visible externally, but it proves itself over time. With time, its proof will be evident. You must wait for that time. This is what is written in the Bhavishya Purana, and I have spoken about it. One by one, the prophecies are being proven, and more will be proven in the coming time.

► Watch this answer · 40:00 · 22 June 2023

Q 1369 Will the great destruction happen between 2025 and 2032?

Answer: Yes, between 2025 and 2032. Between 2025 and 2032.

► Watch this answer · 46:27 · 22 June 2023

Q_1370 You said that devotees will gather in a 'mandal' (group/circle), but we don't see any such mandal in the North East. What should we do?

Answer: A 'mandal' is an organization of all devotees, a circle of devotees. The states adjoining Kolkata will be considered one mandal. I can give you the contact number for Praveen Chaudhary; you can write it down and connect with him to help organize things there.

► Watch this answer · 48:14 · 22 June 2023

Q_1371 By when should Indians who are living abroad return to India?

Answer: They will have to return to our country. But when they return, it is essential that they join the Sanatan stream of dharma. Out of 150 crore people in India, only 33 crore will remain for the establishment of dharma. We have no prophecy about the others. So, it is necessary to return to the country and to the path of dharma. This time is likely coming from 2025 onwards. All devotees and people abroad will return to their country; there will be no other option.

► Watch this answer · 52:03 · 22 June 2023

Q_1372 When only a few people survive, will transportation systems like planes, trains, and buses shut down, or will they continue to operate?

Answer: For people to travel, these will run as long as the government exists. When the government is no more, they will stop.

► Watch this answer · 53:30 · 22 June 2023

Q_1373 I was bathing my Laddu Gopal (child Krishna) idol and had a negative experience. Why is this happening?

Answer: To progress on this path, physical and mental suffering can occur. Laddu Gopal will give you a vision as the Kalki avatar, and because you are about to receive the Lord's darshan, you will face tests. The dark influence of Kali Yuga tries to stop people from following the path of truth. Even we face these troubles. Rishis and munis in the past endured great hardships to attain God. Trouble will come, but in the end, you will find God. After some time, our devotees will become strong like gods. The trouble is temporary and will pass.

► Watch this answer · 55:09 · 22 June 2023

Q_1374 If all the gods have taken birth on Earth, what is happening in the heavens?

Answer: The gods have already come to Earth. At the time of God's incarnation for the establishment of dharma, no gods remain in heaven. If they were there, why would there be so many natural disasters and diseases? They are unable to properly care for humanity because they have all taken birth here, and there is no one there to control things. Just as before Lord Rama's birth and Lord Krishna's birth, all the gods took birth on Earth to assist in their divine play.

► Watch this answer · 57:10 · 22 June 2023

Q_1375 What is the definition and explanation of Moksha (liberation)?

Answer: Moksha is the supreme state of liberation. Those who attain it perform their duties without attachment to the results. They constantly see God's form and live in God's presence. They live by the five principles of the Age of Truth: truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship. They are not entangled in worldly affairs. Such people attain a divine body that does not perish and live in a state of eternal bliss. That is nirvana, that is moksha. However, for now, leave aside the thought of moksha. This is the time of God's incarnation. Your duty is to perform dharma as a devotee and join in the establishment of righteousness.

► Watch this answer · 58:57 · 22 June 2023

Q_1376 You say to be engrossed in God, but God also tells us to perform our karma (actions). When we get involved in karma, our focus on God can lessen, and we can become selfish. This feels like a double game. What should we do?

Answer: This is the play of Maya (illusion). The senses try to take control of a person. But my true devotees break free from Maya and return to me. You must continue to perform your actions with utmost sincerity, without expecting easy results. Maya will try to mislead you and create deviations, but a true devotee breaks through Maya's influence and reaches me. It is a process. Like a gem inside a snake, which shines its light despite the poison around it, a devotee's purity will shine through worldly challenges.

► Watch this answer · 01:01:41 · 22 June 2023

Q_1377 Regarding karma, if someone's work is running a non-vegetarian food shop, is that karma considered right?

Answer: Killing and eating is the greatest violation of the scriptural path. No scripture sanctions killing animals for food, or consuming meat, fish, and intoxicants. It is not possible to be on a righteous path while doing so. For those who are doing this, there is still time to leave it and come to the path of dharma. To make this change now is the mark of a wise and pure human being.

► Watch this answer · 01:04:30 · 22 June 2023

Q_1378 Is it okay to eat 'paan' (betel leaf) or not?

Answer: You can eat sweet paan. You must avoid the kind with masala, gutkha, and tobacco. Even the gods, like Lord Krishna and Lord Jagannath, are offered paan, but it is always sweet paan. So, if you wish to eat paan, eat the sweet kind.

► Watch this answer · 01:11:21 · 22 June 2023

Q 1379 Different channels give different dates for future events. How much truth is there in these dates?

Answer: The work is proceeding as it needs to. Listening to all these different channels can cause confusion for people. The establishment of dharma has begun and will continue until 2032. The destructive phase will begin from 2025.

► Watch this answer · 01:12:54 · 22 June 2023

Q 1380 You have given three timings for evening prayers, but my office is until 7 PM, so I cannot do it at that time. What should I do?

Answer: If you cannot do it in the evening, find a 5-minute window later. For example, between 11:45 PM and midnight, take 5 minutes to do your chanting. It will be fine.

► Watch this answer · 01:16:24 · 22 June 2023

Q 1381 I am following the path you have shown. Will my old bad habits, illnesses, and their side effects be cured? How long might it take?

Answer: All your old habits will disappear. You will become a divine human. Within three months, you will feel complete attainment. Perform the prayers daily and constantly chant the name of Madhav. This will bring you peace, you will get excellent sleep at night, and your entire bodily system will become healthy.

► Watch this answer · 01:19:01 · 22 June 2023

SESSION 80 · QUESTIONS 1382–1391

L74 - श्री जगन्नाथ क्षेत्र से कलियुग अंत का प्रमाण | पं. काशीनाथ मिश्र जी

Date: 25 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1382 I have asked before, there is a small gap in my life that has not been filled. What is that ultimate desire?

Answer: It is what is called the 'Anant Yug' (Infinite Era), and in this era, God will rule his devotees.

► Watch this answer · 31:08 · 25 June 2023

Q 1383 And where is their place?

Answer: Listen, mother, regarding these things... my devotees... you also have darshan (a holy vision). This is God's grace, perhaps upon us. By staying in the stream of righteousness, everyone becomes... The Sudharma Mahasangh and Lord Kalki have a single institution where the time for the union of devotees and God is coming. The time has come for you all to stay in the holy stream. Stay as individuals; you can even have darshan just by wishing for it while sitting at home.

► Watch this answer · 32:38 · 25 June 2023

Q 1384 Regarding the prayers we do, like the morning and evening puja I perform... can it be done anywhere while sitting in solitude?

Answer: It reaches God, and the devotees receive blessings.

► Watch this answer · 34:46 · 25 June 2023

Q 1385 I have told some friends about these beliefs, but they don't believe me. It seems to me that there is no longer a need to tell anyone anything or to preach. Is it right to just continue with my own practice and not try to convince others, letting them believe or not as they choose?

Answer: They will also respect you. The most important thing is that for each devotee, for one who is a true devotee of God, this stream of righteousness resonates with them.

► Watch this answer · 35:58 · 25 June 2023

Q 1386 In my family, my mother and I worship very devoutly, more so than others who are not as regular. Will my worship benefit everyone in the family? Will they also attain its fruits?

Answer: One thing can certainly happen: through your spiritual company, they will change and also become followers of Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 38:09 · 25 June 2023

Q_1387 Will that be more dangerous, or will it be more dangerous when Saturn enters Aries?

Answer: No, baba. On March 29, 2025, when Saturn moves into the Aries sign, that day the most destructive time is coming. It will last for about three years. A new moon, Sankranti, a solar eclipse, and a lunar eclipse all in one fortnight... this will keep increasing year by year, which is an anomaly in the scriptural flow. This time signals destruction, the dance of destruction, which I will preach about today.

► Watch this answer · 39:14 · 25 June 2023

Q_1388 I had a dream where I was at Tirupati Balaji temple. I saw the idol was outside its sanctum and wondered why people were crowding an empty room. Then, I saw explosions nearby, and people were flying in them. What did this dream mean?

Answer: God, Lord Mahavir, has originated. And just like from Badrinath Dham and Jagannath Dham, the Tirupati Balaji Dham is giving a signal to the devotees. The time is coming, devotees are moving towards it, and at this time, devotees will be able to fly in the sky—you saw this too. Simultaneously, God is proving that 'We have all left the temples and have taken incarnation to establish dharma.' This is the meaning of it all.

► Watch this answer · 40:21 · 25 June 2023

Q_1389 I want to know about the future of Bihar and what is going to happen there, as prophecies don't seem to mention it. What will happen in my village, and how can we improve our situation and keep our place safe?

Answer: I speak of Bihar... and at the same time, all... Continue your father's good deeds, make the panchayat good, and help people. In this world, one who serves for 25 years will do well.

► Watch this answer · 42:20 · 25 June 2023

Q_1390 I live in Kolkata. Can you tell me something about its future? Is there any prophecy written about it?

Answer: A market is running in which it will be difficult to save people... people will... then the world...

► Watch this answer · 44:25 · 25 June 2023

Q_1391 I felt a jolt, like a vibration, and I didn't understand what it was. What was that feeling?

Answer: Look, for a devotee of the Lord, when the Lord is mentioned, their body's every pore gets filled with energy, and it feels like an electric current. Then when they remember it, their body starts to tremble.

► Watch this answer · 48:08 · 25 June 2023

SESSION 81 · QUESTIONS 1392–1398

L75 - कल्कि भगवान का स्वरूप कैसा होगा ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 30 June 2023 · Watch the full session ↗

Q 1392 You had mentioned that while doing the 'tri-sandhya' (prayers at three junctures of the day), we should meditate on the four-armed (Chaturbhuj) form. So, how will that four-armed form appear before our eyes?

Answer: Have you had a darshan (vision) of Banke Bihari? The idols... hold that form in your mind.

► Watch this answer · 29:21 · 30 June 2023

Q 1393 If I have your permission, may I present some of my thoughts? (The user then states: I want to tell people to connect with the Lord through love, not fear of death. Death is certain, and to be liberated by the Lord himself is a blessing. We should follow the path he has shown and serve helpless animals, especially our mother cows.)

Answer: That is a very good point. The earth can be protected by protecting Mother Cow. This is the foundation of human civilization. In Satya Yuga, Mother Cow will receive the greatest worship and respect. The signs of the end of Kali Yuga are visible in the suffering of cows. When the Lord incarnates, he does so for the welfare of cows, Brahmins, and devotees. What you are saying is excellent. Approaching the Lord's refuge with love and selfless devotion brings His grace and blessings. One who has love for God will never fear death. Even though some people are joining due to the fear of death, as many did during the Mahabharata war, those who are selfless are the Lord's own devotees. This should be the path for all of us. God is ours and will always be ours. If this feeling is in our mind, we will remain far from the fear of death. So, do not be afraid; worship the Lord with love and devotion. When someone comes to the Lord with love, He very quickly calls them to His side. Very good.

► Watch this answer · 43:25 · 30 June 2023

Q 1394 I've had this thought, and I'm seeing it happen: In previous eras, we used to search for God, but in this Kali Yuga, it seems the Lord Himself is searching for His devotees. Wherever they may be, He finds them and automatically connects them to Himself. He shows them a form so captivating that all the colors of the world fade before it. Is this what's happening?

Answer: Jai Jagannath. What you have said is absolutely correct. These are matters of dharma, of scriptural tradition, and the highest path. We should all work according to this stream of thought. And at a time like this, those of you in the satsang should listen to these ideas and absorb them with discernment. It will be good for us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:29 · 30 June 2023

Q_1395 I am not leaving the spiritual path, but our family has a non-veg shop. My father gets overwhelmed and calls me to help out. Is it right for me to be there? Is it okay?

Answer: According to the scriptures, I will tell you this: if you have time and God is gracious, and you want a change, then son, look for some other work or business. God will take care of you and your family. Try to distance yourself and your father from this business. For every living being we kill, we have to take that many births. The daily account goes to God. We do not have the right to kill a living being. The creature we kill also has a beating heart, just like ours. If Brahman is in everyone, then killing is the greatest sin. Look for a new business when the time is right; God will help you. It is good that you have such values at a young age. Tell your father, 'Baba, this is about dharma.' I will hold a session on 'Karma and its Fruits' from the Garuda Purana. Have your father listen to it. If he agrees, let me talk to him. I am willing to give my time. Good deeds increase lifespan, bad deeds decrease it. Talk to your family with love and compassion and try to switch to another livelihood. God will help.

► Watch this answer · 49:56 · 30 June 2023

Q_1396 I have been reading the Bhagavat for a year now, and I feel great joy doing it. You had said that it's necessary to read one chapter a day. So, instead of one chapter, can I read two or three chapters daily?

Answer: Son, you can continuously read as many chapters as you want, because that is our greatest happiness and wealth. It is the greatest property.

► Watch this answer · 56:21 · 30 June 2023

Q_1397 I had a very scary dream. I dreamt I was at my grandmother's house near the Ganga river. A flood came suddenly, and the water level kept rising. My entire family drowned, and I was the only one who survived by climbing walls. In the end, I saw the stars and constellations floating in the water. What does this dream mean?

Answer: Those who follow the path of devotion and the prophecies... God gives such realizations to the devotees who are born in this time. He makes them aware and tells them what is to come. Remain in such devotion. Whatever is going to happen, all the devotees who remain firmly on the path of devotion will be made aware.

► Watch this answer · 57:42 · 30 June 2023

Q_1398 When the conflict begins, will all the temples be destroyed?

Answer: During the time of conflict, even a house where there are no deities will not be able to survive. As for temples, new temples will be built. Many temples will be affected by this destruction from war and natural calamities, but they will be restored. For instance, it is written in the Bhavishya Purana that the Jagannath temple will be restored. In this way, Lord Kalki will uplift and restore all the temples.

► Watch this answer · 01:00:10 · 30 June 2023

SESSION 82 · QUESTIONS 1399–1417

L80 - सत्ययुग का ध्वज पंचरंगी ही क्यों ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 09 July 2023 · Watch the full session ↗

Q 1399 I had a very terrifying dream of Mother Kali and woke up completely scared. Two hours later, I received a call that a daughter had been born to me. What does this mean?

Answer: Look, I have been saying this for a while: holy souls are being born on Earth. And such souls are being born in human form, but we don't have information about their specific capabilities. This is why you are hearing prophecies today, because in the future, Mother Kalika's dharma (righteousness) will be established. It could be that a devotee of the Mother, or a member of her council, or one of her own has taken birth on Earth. And if something like this has happened to you, the vision you had of Mother Kalika signifies a struggle. But all the gods and goddesses who come, come to meet Lord Kalki, and being of a lunar nature, they will attain their 'kala' (divine power). Right now, we cannot tell anyone anything specific. Lord Shankar and the Supreme Lord will grant them power.

► Watch this answer · 04:58 · 09 July 2023

Q 1400 Pandit ji, this flag that has been sent, can devotees put it up now, or will there be a time in the future when they will be able to?

Answer: The devotees who attend the online satsang can put it up in their homes, but that household must be completely vegetarian. In a house where meat, fish, or any intoxicants are brought, there will be no benefit from putting up that flag. But for a house that is completely vegetarian, meaning all family members are vegetarian, and that is the most important thing, for those people, there is no problem.

► Watch this answer · 07:11 · 09 July 2023

Q 1401 When the time comes and technology fails, how will we make contact?

Answer: Look, the current era is Kali Yuga, so for us, the internet, phones, everything is necessary. But as time progresses, those who remain in the stream of humanity and devotion—the stream I am speaking of—and those who stay connected to the 'Mandal' (circle/group), the Mandal will receive all the information. The devotees will get all the information. We will work in such a way that we will inform you in a separate group. That is why the Mandal is being formed. In time, the Mandal will also be controlled by the Lord, so there will be no problem.

► Watch this answer · 08:49 · 09 July 2023

Q_1402 I wanted to know about the spiritual practice for the coming times. I'm unable to do it in the morning. Can I do it twice in the afternoon or evening instead?

Answer: Look, son, at that time, we worship, and the entire creation is also bound. At this time, by binding the deities and worshipping the Lord, chanting His name, and singing hymns as prescribed in the stream, benevolent blessings come to our family and to you as well. Therefore, try to do it in the morning; it will happen. Because the Lord is making it happen and His grace is present, you are able to do it two times. With the Lord's grace, you will be able to do it at the right time as well. Keep trying, and it will be very beneficial.

► Watch this answer · 15:36 · 09 July 2023

Q_1403 What is the form of Lord Shri Madhav who is currently on Earth? Please describe His form so we can hold that image in our minds when we meditate on him.

Answer: It is written in the Bhavishya Purana about the form of Lord Kalki. He will come like an ordinary human, with two hands and two feet, just like a common man. It is also written that Lord Kalki, by His will, can in one second, from one place, shatter the seven continents into pieces. He won't have to go anywhere. People think Lord Kalki will have to go and fight, but He has so much power that by His will alone, He can shatter the seven continents (Sapta Dvipa) just like one shatters a pot of clay. He can do this in a single second. And from Lord Kalki's eyes, by His will, the light of ten million suns can emerge. He can burn the entire universe to ashes and can also destroy all atomic particles. He possesses the power of the universe.

► Watch this answer · 17:46 · 09 July 2023

Q_1404 I had a question about joining the Ayodhya Mandal group; I sent a message to the WhatsApp number. Also, I wanted to ask when I could meet you in person to learn more about Shri Madhav?

Answer: I am going to Ulhasnagar, Mumbai, for a Bhagavat Katha (discourse) and our propagation will happen there. It's from August 15th to August 22nd. If you can come, son, you can come. We can talk there; we will meet there. There is also a program in Punjab in October.

► Watch this answer · 20:40 · 09 July 2023

Q_1405 My parents and I have very different natures, like gods and demons living together. I have to take care of them as they are elders, but there is conflict. In this situation, what is the right thing to do? What is the truth? Please guide me.

Answer: I understand. Look, our parents are our gods. If they do something, or eat meat and fish, it is our duty and responsibility. Our dharma is to spend time with our parents and serve them. It doesn't matter if they don't agree or if they eat non-veg. We have nothing to do with that; there is no sin for us in that. Just don't bring it for them or cook it for them. This is my rule. If they eat it, that is their karma. It is not within our right to force them or abandon them. Our family should live joyfully with our parents. If someone eats meat and fish, we have no part in it; they will bear the fruits of their own karma. Another thing is, no one in this world is bad. If you narrate the divine plays of the Lord and the Shrimad Bhagwatam to your parents, perhaps, in my opinion, they too will say, 'We don't want to eat meat and fish either.' And I'll tell you one more thing: for those in the family who don't quit, read the Garuda Purana to them. By listening to it, those in our family who eat non-veg will also give it up.

► Watch this answer · 22:56 · 09 July 2023

Q_1406 I used to eat non-vegetarian food because I was unaware that it was a sin. What will happen to the karma from my past actions?

Answer: No, mother, let me tell you. It is written in the Ramcharitmanas that anyone who takes refuge in the Lord... Look, mother, you had no knowledge of what is sin, what is dharma, what is adharma, what to eat, and what not to eat. From the moment I told you, if you give it up, the Lord will forgive all your past deeds. One gets the fruit of all sins, but you did not know; no one told you. By changing from now on, the Lord will forgive all past karma. Because when the light of righteous knowledge shines, when there is satsang, even a demon like Vibhishana, who was a demon, became a god and immortal upon taking refuge in Lord Ram. You all too will become divine by taking refuge in Lord Kalki. There is still time. So, forget the past karma. From now on, do as I say, and all your sins will be washed away. Your life will become meaningful, and this human life will attain its highest value. Okay, mother. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:26 · 09 July 2023

Q_1407 Why is Lord Kalki's presence not publicly known? Why is he acting in secret?

Answer: This is a very good question. Look, Lord Krishna was born in Mathura and then went into hiding, living in Shri Vrindavan. Some had a little information, others had none. The Lord performs his divine plays (leela) like this, and while he acts in secret, perhaps his best and greatest devotees have knowledge of it. For example, the cowherds saw him destroy great demons, but despite seeing this, they played with him and even fed him their leftover food, not fully realizing that he is God. And in the entire world, destruction is ongoing, the work of saving devotees is ongoing, the development of devotees is also happening—everything is happening. The truth is also being revealed. Pious devotees keep this in their hearts, just as you all have come and are talking about this. Lord Kalki's leela will be a childhood leela, but in the end, Lord Kalki will perform his leela openly, meaning he will work with everyone to create a beautiful Ram Rajya (Kingdom of Rama). Okay?

► Watch this answer · 28:35 · 09 July 2023

Q_1408 I am a student preparing for the NEET exam. Given the coming times, please tell me, should I continue my studies, and what else should I be doing right now?

Answer: I will tell you about that. If I say destruction will happen, then you might ask, 'Why should I do my karma?' But look, mother, every person, every sun, every god, every moon, every element on Earth is performing its karma. Your biggest karma is to study for NEET. For now, your studies and your job, whatever is happening in your life, you must continue doing that. And along with that, you must also follow the dharma and the stream (path) to protect your body and to make your human birth meaningful. So both tasks are necessary. The work of destruction will continue, mother, the Earth will not stop. Studying is important. When that time comes, we will accept it. Your mental element, meaning your memory power, will be very good, and with the Lord's grace, you will do good, righteous work.

► Watch this answer · 32:20 · 09 July 2023

Q_1409 I run an internet supply business. Should I continue this work, or should I just leave everything and go to Haridwar? This thought often comes to my mind.

Answer: The business you are running is good, son. Continue doing it; it will work for now. Look, when the time comes, we will see what happens then. For now, do it joyfully. When the time comes... look, if 70% of the world's population is gone, at that time we will have to think. For now, things are going fine. For the protection of our body and for the light of dharma, I prescribe the Tri-sandhya Dhara (three-times-a-day practice). I prescribe this path so that no disease comes. But when that time comes, we will act according to that time. For now, with the work you are doing, your family is sustained, so continue doing it. We will do what is necessary when the time comes. But we can only do it if our body remains, right? So for the body, follow the path I have told you. And along with that, remain in the refuge of the Lord and also continue your business. It is very good. We will change with the times. Okay?

► Watch this answer · 35:04 · 09 July 2023

Q_1410 We have recently joined this path and started worship, but we feel that we never worshipped God properly before. By starting now, can we truly become the Lord's devotees, or is it too late?

Answer: Look, when your time came, the Lord called you and connected you to this stream, and He is telling you about the path. This is the Lord's grace. And if you are receiving this grace, this nectar, then there is no problem. Joyfully follow the path and remain in the Lord's refuge. Forget the past. From now on, follow this. It is good for you and for the world, and you will attain the purpose of this human birth. Okay?

► Watch this answer · 38:13 · 09 July 2023

Q.1411 How can I guide my young child on this spiritual path?

Answer: Look, mother, the child may be young to you, but the soul within that body is millions of years old. It has no bondage; it is neither small nor big. But the thing is, it's about our family's 'sanskar' (values/upbringing). If the father and mother are inclined towards dharma, then the children in our family will definitely be inclined towards dharma as well. What you should do is... don't force the child.

► Watch this answer · 40:29 · 09 July 2023

Q.1412 Is it permissible to eat onion and garlic on this path?

Answer: The struggle of Kali Yuga is gone, and until the end, there is no problem with eating onion and garlic. But people can give them up today as well. Please read about it. Okay?

► Watch this answer · 47:41 · 09 July 2023

Q.1413 Are the names of all the devotees known or recorded somewhere?

Answer: The names of all devotees are there. And my YouTube video, whoever it reaches... There is a scripture called the Padma Kalpa Granth, which is with Lord Brahma, under his authority. Lord Brahma reads this scripture, and he will reveal every devotee's name, their birthplace, and what their names were in their previous births. All this will be revealed in the Sudama Sabha (assembly).

► Watch this answer · 48:13 · 09 July 2023

Q.1414 We are currently living on rent and want to buy a property. But considering the difficult times you've described are coming, should we buy a place now or continue renting?

Answer: Look, son, your intention is very good. You can buy land, but after two years, the price of land will start to decrease. If you want to buy, you can, but after 2026, the prices will keep falling. And if you want to live in an apartment, you should stay on the first or second floor, not too high up. Because in these times, as it is written in the Bhavishya Purana, large buildings will be buried in the ground. In such times, the Lord will save the devotees. He will give small indications first to keep them safe. If they still remain there, the Lord will give a warning once, twice, three times, but not after that. So if you plan to buy a flat, in my understanding, it's better to act according to the times. A very big time is coming. So, in my opinion, it would be better to wait for two years. If a world war starts, what will happen to us? The most important thing is that people living in city areas will all flee to the villages. In the city, they won't find anything, but in the villages, people can at least survive by eating what is grown in our fields.

► Watch this answer · 51:29 · 09 July 2023

Q_1415 When I chant 'Madhav, Madhav,' I feel a strong pulling sensation between my eyebrows, as if a magnet has been placed there. What should I understand from this?

Answer: This sign, look, it awakens your Kundalini Shakti. Because if someone sits and chants the name 'Madhav' with concentration, they can even have a vision of the Lord in their dreams, I guarantee this. And along with that, even the biggest negative elements will be dealt with.

► Watch this answer · 54:31 · 09 July 2023

Q_1416 My parents abuse us and eat non-vegetarian food. How can we get them to stop?

Answer: It is not our rule to put too much pressure on them. Therefore, if they accept your words with some affection and love, then read the Garuda Purana to them. Okay, mother, don't say anything. Do as your parents say, and you continue your own personal practice. By God's grace, they will stop abusing you and won't oppose you either. Okay?

► Watch this answer · 57:02 · 09 July 2023

Q_1417 Is it a good idea to build a small property in a village, considering people will move from cities? Also, are the mountain areas where saints meditate safe from events like earthquakes?

Answer: A very good question. It is written in the Bhavishya Purana that with time, people will move from cities to villages. This will definitely happen. With time, He will help and show grace in every way, showing how devotees can remain safe. And if we build a house in the village, we can live in the village as time changes. One should build a small house, because as the times change, we also have to change. Regarding the earthquake, look, when a big earthquake happens, those people [saints] will come out and move away; they will not stay there because the mountain paths will be blocked. And in Kali Yuga, to meet the Lord, they will all descend from the mountains to work with Lord Kalki to establish Ram Rajya. Okay?

► Watch this answer · 58:27 · 09 July 2023

SESSION 83 · QUESTIONS 1418–1429

L79 - LIVE | भक्त और भगवान का मिलन | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी एवं आचार्य सलिल जी

Date: 09 July 2023 · Watch the full session ↗

Q 1418 People want to know, in brief, what is described in which Malika? Meaning, what will the future be like, and what is said in which Malika?

Answer: The Bhavishya Malika is a collection of one hundred future-predicting texts. It is a vast body of work, and each of the hundred texts contains prophecies. These were written by the 'Pancha Sakha' (five friends of God) in the Odia language, but in such a coded way that even Odia speakers cannot easily understand them without divine grace. Besides the Pancha Sakha, other great saints in Odisha have also written future-telling Puranas. The main purpose of these prophecies is to prepare the devotees for the times to come. When the world is engrossed in materialism, wealth, and illusion, even great devotees and saints might get trapped in traditions. At such a time, God's incarnation will occur. The propagation of Bhavishya Malika will help devotees realize that the time of God's arrival is near, creating a spiritual atmosphere across India. It will provide information about devotion, God, and the world, and seeing the prophecies come true will strengthen their faith. The Malika is meant to unite devotees and provide a message for those who wish to improve themselves. It also describes the great destruction that will befall the earth, after which a new human civilization will begin. A 'Sudharma Sabha' (divine assembly) will be established on earth, where Lord Kalki, along with 33 crore deities, Brahma, and Shankar, will preside. Devotees will be able to see them directly. A new constitution will be created for the entire world, not just India. The world will become 'Vishwa ki Bharat' (The World's India), with India as the main country and others like America, England, and Japan as states. The center of governance will be in Jajpur, Odisha. The Lord's devotees will rule every country. The world will have one flag, the 'Panchrangi' (five-colored) flag of Sanatana Dharma. The new era will be based on five principles: Satya (Truth), Shanti (Peace), Daya (Compassion), Kshama (Forgiveness), and Maitri (Friendship). There will be no more civil wars or conflicts. Compassion will be paramount; even those who make mistakes unknowingly will be forgiven rather than punished, to allow their conscience to awaken. The world will truly become one family (Vasudhaiva Kutumbakam). Sanatana Dharma will be established not just in India, but across the entire universe by Lord Kalki. The Bhavishya Malika, dictated by the divine, is a more detailed and modified version of the prophecies found in texts like the Kalki Purana, written to be more easily understood by devotees in this age.

► Watch this answer · 03:44 · 09 July 2023

Q.1419 Gurudev, regarding the world and the 'mandals' (regions) you speak of, will these 16 mandals be formed in India, and will they only be in India?

Answer: Mahapurush Achyutananda has clarified that the entire world will be considered as 16 mandals. These 16 mandals will not be limited to just India. Within these 16 mandals, there will be 64 Siddhas (perfected beings) who control creation. The 16,000 Gopis from Lord Krishna's time have also taken birth within these 16 mandals, though they may be caught up in different religious paths. There will also be a unification of the 16 primary Gopis. Furthermore, each of the 16 mandals will have a leader, referred to as a 'Sardar'. These 16 Sardars will be the heads of the 16 mandals and will control the earth.

► Watch this answer · 20:48 · 09 July 2023

Q.1420 The question they've asked regarding the Malika is: please ask Pandit ji if only he possesses all the Malikas, or do these other people, who are propagating it in such a fear-inducing manner, also have them?

Answer: In Odisha, the Bhavishya Purana has been published and read in households for hundreds of years, though not everyone can understand its true meaning. In 2014, under divine instruction from the Lord, I began propagating its message in Hindi. Before that, there was no Hindi version available. I am not propagating it of my own accord, but on His command. After 2018, many other YouTube channels started discussing it in Hindi, but they likely do not possess the authentic Hindi or English books, as we were the first to create them. The purpose of the Malika is not to cause harm or fear. Its purpose is to save humanity. It is like a new medicine discovered by scientists; if it works well, people take it to get cured. Similarly, this sacred knowledge is like 'Mrita Sanjeevani' (a mythical life-restoring herb). By listening to, contemplating, and worshiping these truths, people can save themselves and meet the Lord. The prophecies are being revealed now because the time is right. Those who are misinterpreting it and spreading fear may know some things, but in reality, this knowledge is the greatest tool for the salvation and welfare of human civilization.

► Watch this answer · 23:13 · 09 July 2023

Q.1421 They want to know if this line of prediction (the fearful one being spread by others) is correct or incorrect.

Answer: In the Bhavishya Malika scripture, the great saint Achyutananda wrote 400 years ago that a Brahmin named Kashinath Mishra would come and propagate the message with 'hukum' (divine authority). He will show the path and spread the message. I am that person, and I am fulfilling the responsibility given to me by the saints. Therefore, there is no need to be afraid. I am telling all devotees and all of humanity that this is a joyous message. The most important thing is that we are getting information in advance, allowing us to take precautions. If you know a car is going to have an accident, some people will get off, and those who remain will tell the driver to drive carefully. My job is to tell you what is going to happen and also to provide the solution for your protection. The Third World War is 100% certain to happen, and it will be an atomic war. But because people will have prior knowledge, they can prepare. While science has no way to intercept an atomic weapon, our Bhavishya Purana contains the spiritual method to do so, which is the path of Krishna.

► Watch this answer · 27:49 · 09 July 2023

Q_1422 Will Krishna himself come in the form of Kalki? And a related question is, will Kalki be just one form, or will his name be Kalki Ram for his entire life?

Answer: Yes, Lord Krishna is the one who is Kalki. When unrighteousness spread on Earth, great souls like our Prabhupada spread the consciousness of God throughout the world, which helped to balance dharma. The chanting of Lord Krishna's name has purified the Earth. Mahapurush Achyutananda has written about this, stating, 'When the Dwapara Yuga ends and Kali Yuga's time comes, I am revealing the Kalki Leela.' This confirms that Lord Krishna, the Lord of Dwapara, is the one taking the Kalki avatar. Achyutananda has also written that the Gopis and Gopals who were with Krishna, those who have the good fortune from their past lives, will be reunited with Lord Kalki. A devotee of Krishna will instinctively get the feeling, the fragrance, that their Krishna has arrived as Lord Kalki.

► Watch this answer · 32:31 · 09 July 2023

Q_1423 So, what is the relationship between Lord Vishnu, Lord Krishna, and Kalki Ram? Pandit ji, please explain this briefly.

Answer: They are all one and the same; there is no difference. Lord Krishna incarnated on Earth with 16 'kalas' (divine arts/attributes). Lord Kalki will manifest with 64 kalas. This is because he has to grant salvation to devotees from all four yugas and destroy the demons from all four yugas. To accomplish this monumental task, the Lord comes in his complete form. The Kalki avatar is the most powerful of all four yugas. The scriptures say that Lord Vishnu will be victorious in Sambhal Nagar, on the banks of the Ganga. This means Maha Vishnu himself will descend to Earth with 64 kalas. Furthermore, it is a deep secret that Lord Kalki's form will be a combined one. Lord Balaram will reside in his right side, and Lord Krishna will reside in his left. Both will come in a single body. The time for the Lord's incarnation is here, and the establishment of dharma is already underway, moving towards salvation for the devotees and destruction for the wicked.

► Watch this answer · 36:44 · 09 July 2023

Q_1424 Which are these souls (from the Mahabharata era) that are currently spread across the world and will play their role in the destruction of Kali Yuga?

Answer: The souls from the Mahabharata, both the Kauravas and the Pandavas, have taken rebirth. The Kauravas, who were demonic in nature, have been born into demonic lineages and are now in positions of power and governance in various places around the world. To bring the war of Mahabharata to its conclusion, Lord Krishna, in the form of Kalki, will initiate the Third World War. This war will serve to destroy these demonic souls once and for all. These souls have also been born in India and hold positions of power here as well. After their destruction, the Lord will begin the new age.

► Watch this answer · 41:42 · 09 July 2023

Q_1425 People want to know more about the ongoing discussion regarding killing (animals) and vegetarianism. Is it mentioned in the Bhavishya Malika that one must be a vegetarian, and how can people change?

Answer: In the Bhavishya Malika, 32 types of sins are mentioned. Among them, the sin of killing living beings is so severe that it has reduced the lifespan of the Kali Yuga from what it was supposed to be. A human is a living being ('jeev'), and the animal we kill is also a living being. When one being attacks a weaker one, it is an atrocity. The animals we kill and eat have a beating heart, they breathe, they move, they have families; the only difference is they cannot speak our language. This act of killing another living being is a result of demonic tendencies awakening within a person. If killing a human is a sin, then killing an animal is also a sin. According to the Garuda Purana, anyone who kills and eats an animal has to be reborn in that same animal's form. They have to suffer in various hells like Tamisra and Raurava. On the path to hell, the souls of the animals they consumed attack them with sharp weapons. The Bhavishya Purana clearly states that not a single person who commits the sin of killing animals or eats non-vegetarian food will be able to transition from Kali Yuga to Satya Yuga. That is why we speak of being vegetarian. It is a prerequisite for entering the new age.

► Watch this answer · 44:05 · 09 July 2023

Q_1426 They want to know if, regarding countries like Pakistan, Bangladesh, and China which you have mentioned several times in the Malika, there is also some good news for the people there.

Answer: Yes. In the end, the common people of Pakistan will accept India as their elder brother. A holy religious transformation will take place there. The purity of Sanatana Dharma will manifest in Pakistan and also in Bangladesh. Ultimately, after realizing their mistakes, they will all come together and reunite. There are good souls in every country, including those of different faiths. They will change. Knowledge is expanding, and many saints have been born there who have spoken of love and indicated that a time of global change is coming.

► Watch this answer · 52:21 · 09 July 2023

Q_1427 The first question is, Pandit ji, was the death of former Prime Minister Indira Gandhi written about in the Malika beforehand? And the second is, what security precautions should the current Prime Minister take?

Answer: The Bhavishya Purana contains descriptions of all the rulers of India, starting from Mahatma Gandhi. It was written that Mahatma Gandhi would die from a bullet wound and that a person named Nathuram Godse would kill him. Based on our analysis of these very scriptures, I have stated that our government and the Prime Minister need to strengthen their security. It is essential. I have said this because of the information we get from analyzing the Malika with God's grace.

► Watch this answer · 55:23 · 09 July 2023

Q_1428 Given that the current world population is around 8.5 billion, and there are billions of other creatures on this planet, will an accounting of all of them be done by the Lord before the arrival of Satya Yuga?

Answer: The Lord does not do anything directly. Humans reap the fruits of their own karma. People are born into this world based on their past actions and they suffer or enjoy the results of those actions. Lord Kalki will not kill anyone. However, the burden of sin on humanity has increased so much that the lifespan of the Earth itself has been reduced. People will die because of their own karma. The destruction will be a result of our collective actions, not a direct act of God.

► Watch this answer · 57:11 · 09 July 2023

Q_1429 One last question: When will the whole world get to know about the Lord? What year will it be when people realize that the Lord has arrived?

Answer: The Lord's manifestation has already happened for the devotees. Those who are true devotees, wherever they are, already have the knowledge that their Lord has arrived because they are experiencing it ('anubhav'). Mahapurush Achyutananda wrote that the Lord's manifestation will be experienced. Only through devotion and the path of devotion will devotees see His light, experience Him, and meet Him. Lord Kalki is already manifest; this period of manifestation will continue from 2019 until 2032. I have heard stories, for example, of a boy in Vrindavan who appeared to a devotee, claimed to have seen God, and then disappeared from the photograph taken with him. This was a sign from Lord Kalki. Many people tell me they saw me in their dreams years ago, telling them about the Malika. The Lord will not be revealed to everyone. It is a secret matter. For the devotees who are on the path of experience and devotion, the Lord himself will give them the knowledge that He has arrived, either through a dream or a vision, just as he warned Uddhava to leave Dwarka before it submerged. For the ordinary, sinful human of Kali Yuga, the Lord will neither manifest nor will they receive his grace.

► Watch this answer · 01:00:35 · 09 July 2023

SESSION 84 · QUESTIONS 1430–1447

L85 - क्या मालिका में चन्द्रयान का वर्णन है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 24 July 2023 · Watch the full session ↗

Q 1430 Ask Lord Shri Krishna with a devoted soul, 'Has Lord Kalki already been born?'

Answer: Your conscience will surely tell you. After it tells you, talk to me again, and then I will move forward with you.

► Watch this answer · 18:56 · 24 July 2023

Q 1431 You want to know about the Lord's birth?

Answer: Look, you are also a devotee of God, that's why I am telling you. God will surely tell you, because it is my prayer to God that He tells you. Because this is a secret matter, it is not necessary for me to say it so easily in front of everyone. According to the Bhavishya Purana, not everything is revealed. And I say, it is not necessary to tell everyone about the birth of God. Only those who are true devotees will surely come and ask. Their first and foremost question will be about God, 'Where is the Lord?' and 'Has the Lord been born?' I too, in my childhood, searching for this, have arrived here today. So this is our stream of life, and your life is also merged in this sacred stream. I pray to God this much: with your conscience and attention, after chanting the name 'Madhav' 108 times, then ask, 'Lord, have you been born? Will you grant me a vision, whether in a subtle or gross form?'

► Watch this answer · 19:52 · 24 July 2023

Q 1432 Then what kind of worship or recitation can we do?

Answer: A good time is coming for the devotees, meaning for the virtuous, for the saints, for the pure human beings, a good time is coming. And for the bad people, a bad time is coming. A bad time is not coming for everyone. And in this time, for the virtuous saints who want to stay in the stream of satsang, my advice to them is to follow the 'Trisandhya' stream. If you want to know about the Trisandhya stream, then contact the number that appears below for the Kalki avatar. By contacting them, you can join the online satsang, like the Brijvasi Mandal, Nari Shakti Yug Mandal, and you will meet many, 500 to a thousand people, and you will attain Lord Krishna.

► Watch this answer · 25:39 · 24 July 2023

Q_1433 I have a question. The present situation in Bengal is very violent. So could you please tell us what is going to happen in 2023? We live in South Bengal, so what do you have to say?

Answer: The whole world knows... and in my opinion, I want to say this much: if all the non-believers and unrighteous people of the world unite, and if you follow our Trisandhya stream, the stream of devotion, and all that I tell you, then nothing will happen to those people. No sorrow, no problem, no worry. Even with the problems that are coming and ongoing, nothing will happen to you. So, in this way, not just for you and Bengal, but for the entire world, this stream of 'Jajnyana' will continue and keep increasing. We have to work to create the new age. That's why I conduct satsang; I have no other goal. My desire is not to give temporary happiness to everyone. My desire is the protection of humanity, the enlightenment of dharma in human civilization, the propagation of the sacred stream of Sanatana Dharma, and I tell people the rules and necessities for entering the coming new age of God. Follow that. And many such problems are going to happen... for them, there is no problem.

► Watch this answer · 28:04 · 24 July 2023

Q_1434 The satsang is happening from the 28th to the 3rd. We have a strong desire to come, but for some reason, we are unable to because we can't get that many holidays from the government. So what can we do about that? How can we listen to it then?

Answer: My prayer to God is that you chant the name 'Madhav'. If not, tell your senior officer, and they will grant you leave. You will have no problem. The work you do, do that work as well; there is no disrespect in that. People perform four types of worship together; sitting together they remember four different gods. Therefore, it's not separate. All are connected in our sacred stream. Do what is necessary, and don't do what is not. Okay? And you will get the leave. Take refuge in the Lord's name, chant it, and ask; they will grant you the leave.

► Watch this answer · 33:09 · 24 July 2023

Q_1435 I perform the Durga Stuti, Mata Ji's song, Hare Krishna, and the Gayatri mantra. I do it mentally, not out loud. So this won't be wrong, will it? I do it while standing.

Answer: It is very joyful, there is no problem. Do it, mother, it will work.

► Watch this answer · 35:06 · 24 July 2023

Q_1436 You mentioned the third world war, when will that happen?

Answer: The Third World War will happen after 2025. And from that time onwards, tsunamis from the sun, solar flares, and many asteroids are set to strike the Earth. And at that time, our network systems will all be destroyed. So this is going to happen in the future, mother. We should not think about it. Do your own work, and also follow the path I show. With time, when that time comes, we will see and then move forward. Now is not that time.

► Watch this answer · 36:43 · 24 July 2023

Q 1437 I always feel like praying. If I see a photo of Vishnu, Ram, or Radha, I keep looking at it. What is this? Is it from a past life?

Answer: This is called a sacred connection.

► Watch this answer · 37:45 · 24 July 2023

Q 1438 For how long should I do it?

Answer: Look, do it for as long as your mind tells you to. Follow the Sandhya.

► Watch this answer · 38:58 · 24 July 2023

Q 1439 Do you have any program in Bihar?

Answer: There will definitely be a program in Bihar, there will be a discourse too. The message of the Bhavishya Purana will be spread throughout Bihar. It will definitely happen with time. Wait for the time. It will happen when the Lord wishes. For now, many devotees from Bihar have joined through the online medium, and the time will come.

► Watch this answer · 39:47 · 24 July 2023

Q 1440 You mentioned at the very beginning that humans are going to the moon. So, regarding that, could you provide some guidance or teaching on it?

Answer: And they have sent a vehicle. And by God's grace, if it is successful, that will also be good for the honor of our India. If that happens, no one will perform their karma (duties).

► Watch this answer · 40:25 · 24 July 2023

Q 1441 Many people are scared [of the coming calamities]. Will we need to shift to a safer place?

Answer: There is no need to shift. God will protect the devotees.

► Watch this answer · 42:09 · 24 July 2023

Q 1442 How long will it take to attain God or get a vision of Him by following this path?

Answer: No, look baba. Many have not attained God even after ages of penance; they died and were reborn. The fruitful result of eons of births, the accumulated merit, is when one gets a vision of the Lord. But you all should remain in the Trisandhya stream for at least three years. In that time, if your devotion is true, and you follow everything as I instruct, then why wouldn't you get a vision of God? You definitely will. Wait for the time, and do as you have been told.

► Watch this answer · 45:51 · 24 July 2023

Q_1443 I had a dream where I saw Lord Shiva's third eye open, and then my sleep was broken. What does this mean?

Answer: It opens when there is a great cataclysm (pralaya). And perhaps you worship Lord Shiva, and Lord Shankar is indicating that a great cataclysm is coming in the future. That is why his third eye opened, and you saw it. And that is the sign of the cataclysm. Jai Jagannath. Anyone else?

► Watch this answer · 47:27 · 24 July 2023

Q_1444 As you are guiding us, a question has come up. According to some astrological predictions, it was said that terrible situations would arise. But now, while the situation is bad in some places, it doesn't seem as terrible as it was supposed to be according to the Malika. Many people say that what is being predicted is not happening to that extent, and perhaps it might not happen at all. This creates doubt when we try to answer them. Please guide us.

Answer: In all the Google Meets I have done and in all the episodes... good humans will be saved. On the other hand, sinners will be destroyed. And I have always said this, there is no need for anyone to be afraid... those who do not commit sins... I was also saying yesterday, 'The sun can rise in the west... The peaks of the mountains can move...' I am writing for the destruction of sinners, and I am still saying it now. It will happen with time. And this God... it might be delayed, it could happen a year earlier, it could be pushed forward by 2 or 4 years. But this period is a decade, 10 years. Within this, we have to see everything. And no one can change it. At this time of the Kalki avatar, everything will work, and not a single word of the Malika... what I had said in 2014... about NATO... Japan, Germany, France, I had said at that time, I am talking about 2014... read it, see... they will separate. The process is ongoing, and in the coming time, they will be separated. I have spoken about the World War, it will definitely happen. Why wouldn't it? Because humans have made preparations for it. And it has been written in the scriptures from before. If we want to avert it, then come to the path of dharma. Those who say that it's not as terrible, it's not happening much, it's not going to happen... there are frequent earthquakes... Why are there frequent earthquakes on Earth? And the cause of these earthquakes is that a big earthquake will come in the future. At that time, I might not be able to talk to you, meaning Google Meet won't be possible, the network won't work. That's why I am telling you in advance, change. Change, whether the world changes or not. Because they commit sins in the darkness of the night... they kill their mother, a son kills his father... this is not a sin? ...that has happened and will happen in the future, not a single schedule will be missed.

► Watch this answer · 48:42 · 24 July 2023

Q_1445 What will happen? Why are there frequent earthquakes on Earth?

Answer: And the cause of these earthquakes is that a big earthquake will come in the future. At that time, I might not be able to talk to you, meaning Google Meet won't be possible, the network won't work. That's why I am telling you in advance, change. Change, whether the world changes or not. Because they commit sins in the darkness of the night, at midnight... they kill their mother, a son kills his father... this is not a sin?

► Watch this answer · 54:28 · 24 July 2023

Q_1446 Hey, what is a miracle?

Answer: A miracle is when you can change the destruction that is coming to the earth, then we will consider it a miracle. This is not called a miracle.

► Watch this answer · 55:41 · 24 July 2023

Q_1447 My family is not on the same spiritual path; they are on different paths. What about them?

Answer: In the family, we see that when a major illness comes, then they will say, at that time, 'Sandhya won't work'... 'treatment won't work.' Such a time is coming. This is also written in the Bhavishya Purana. Because when the disease comes, then they will say, 'Come on, let's do Trisandhya together. Everyone come and sit at home.' And by the time you go, they will all have already gathered. So, those who don't do Sandhya daily, who sit here and there at home... I am talking about everyone's family, your family too... many people even make fun of it. They will say... 'It came from the village, all the people were destroyed, let's not get destroyed too.' At that time, nothing will work. Because to master the Trisandhya, one needs three years of practice (siddhi). By performing Trisandhya for three years, a person will become strong, and their spiritual power system will be built. In it, the power to fight all calamities will be awakened in our body. Okay?

► Watch this answer · 57:38 · 24 July 2023

SESSION 85 · QUESTIONS 1448–1459

L86 - कल्कि अवतार का श्री द्वारिकाधीश मंडल ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 27 July 2023 · Watch the full session ↗

Q 1448 Pandit ji, I want to come tomorrow. I live in the city while they live in the village, and it's some distance away, not very close. Can I still come? I'm asking because of this.

Answer: Yes, come, come. This is an auspicious work, and there is no problem in coming for an auspicious task.

► Watch this answer · 08:37 · 27 July 2023

Q 1449 The Google Meet is happening. What other news is there?

Answer: Satyanarayan. Everything is great. By the grace of Prabhu ji, you, and all the devotees, the work is progressing. When you return, we will give you the full details.

► Watch this answer · 09:51 · 27 July 2023

Q 1450 I had a dream where I saw seven or eight planets in a straight line, and Jupiter was spinning very fast in its own place. What did it mean? I woke up right at that moment.

Answer: This is a sign of the times to come when sinners will be destroyed and all 11 planets will be visible in the clouds. Jupiter will save the devotees; its light and influence will be felt.

► Watch this answer · 28:22 · 27 July 2023

Q 1451 According to the Bhavishya Malika, in which year will technology, like the internet, YouTube, TV, and satellites, come to an end?

Answer: It will definitely happen. When it happens, it will be seen. And it will surely happen; there will be no change in this because it is the word of God, and God himself has published it through his chosen instruments according to His rules.

► Watch this answer · 32:55 · 27 July 2023

Q 1452 I don't believe it, Guruji, please don't feel bad. I have been serving the Mother for 12-13 years, but there is no change. With what faith should I speak? If nothing is changing after doing everything, including Trisandhya and chanting, then what is the benefit? Sometimes I feel I should just end my life. Despite doing so much, if my sins are not washed away and I always have to live like a beggar, what is the point?

Answer: What you are saying is correct. The extreme Kali Yuga is ongoing, which is why devotees face this. But you must perform the Trisandhya; you will get what you want. Try it for one month and then let's talk. If you have problems with your job, you can contact us through the number in the description; we have many devotees and anything is possible. One must perform karma; even God performs karma when he comes to this world. For your needs, you can talk to our people. And also, worship the Divine Mother.

► Watch this answer · 38:51 · 27 July 2023

Q 1453 My sister started the practice with me but then suddenly quit. If people leave the path, what should we do?

Answer: You have connected with the path, but it was not in her destiny to continue. You should also try to encourage her, and with time, it's possible that God's grace may fall upon her.

► Watch this answer · 48:33 · 27 July 2023

Q 1454 Where and when did you get your version of the Malika? The original one?

Answer: What is the need to know that?

► Watch this answer · 49:21 · 27 July 2023

Q 1455 Pandit ji, I want to ask, I have started reading the Shrimad Bhagavat Purana, about 22 pages daily. Is this the right way to do it? Also, while doing this as a householder, do I have to observe permanent celibacy? This is my doubt.

Answer: There is no such rule that one must observe celibacy while reading these scriptures. It can be difficult for a person to observe celibacy due to the influence of the practice. So, try according to your own limits and capacity. If you face any problem, ask for forgiveness from God. Follow the path of devotion and act according to the needs of your family and worldly life. Okay, I have explained everything.

► Watch this answer · 50:10 · 27 July 2023

Q 1456 Three days ago, around 2:10 AM, I had an experience where it felt like my soul came out of my third eye chakra and connected with some celestial body. I felt an immense gravitational force, and even after waking up, the feeling remained for 10 minutes. It felt as if my soul left my body and returned with a jolt. What does this mean?

Answer: This is an intimation. This intimation is a sign of a great event to come. A calamity that was meant for you has been averted.

► Watch this answer · 52:35 · 27 July 2023

Q 1457 There's a belief that the Lord's (Krishna's) final rites were performed and that his heart is now with Lord Jagannath. Is this true?

Answer: Jagannath Das Maharaj wrote that Arjuna performed the last rites of Lord Shri Krishna. When the Lord comes in a human body, the rites are performed. We don't need to know much more about this because God is the Supreme, formless, and infinite Brahman. We will not gain anything by pondering over these things. Instead, read about the Lord's divine plays and practice devotion. A great calamity is coming.

► Watch this answer · 55:58 · 27 July 2023

Q 1458 When I hear other devotees' experiences of seeing God in their dreams, I feel like crying. I cry and ask Mother Rani, 'Why does God never appear to me? What is my mistake? How should I worship so that I can see Him like other devotees do?'

Answer: Love Krishna as well and surrender to him, and all the deities will give you their vision. And do one thing: chant the holy name (Naam Bhajan) and speak to the Lord.

► Watch this answer · 58:42 · 27 July 2023

Q 1459 I had a dream around 5 or 6 in the morning that two people had died, and one of them was my husband. All I could see was myself crying endlessly. What does this mean?

Answer: A great time is coming, as I was discussing with others. That's why such dreams occur. You will receive good results. Even if it is a sign of something big, don't worry about it; there is no problem. Mother, do one thing: listen to the Shrimad Bhagavat Katha. This is the main reason for such dreams. There is no problem for you. And wherever you go, chant the name of Madhav.

► Watch this answer · 59:50 · 27 July 2023

SESSION 86 · QUESTIONS 1460–1470

L87 - द्वारकाधीश का ध्वजादंड टूटा | यह किस बात का संकेत है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 30 July 2023 · Watch the full session ↗

Q_1460 When I do my prayers by opening a PDF, I can't remember them by heart. Could you please provide some guidance on this?

Answer: No problem, this is how it is in the beginning. After doing this for some years, it will stay in your mind. There is no issue right now. It's not a problem, it is bliss.

► Watch this answer · 17:47 · 30 July 2023

Q_1461 You speak of the formation of 16 'mandals' (groups). How many of these will be formed in India and how many abroad? Also, how many members will be in each mandal? Please satisfy my curiosity and provide some guidance.

Answer: They say there will be 15 mandals in India and one mandal abroad. The devotees in each mandal... out of the 33 crore devotees in India, some people will be in the Africa mandal. I do not have the complete number. The mandals will be formed based on this system.

► Watch this answer · 19:07 · 30 July 2023

Q_1462 The 7 days of darkness that are supposed to happen, when will that be? Is there a specific date?

Answer: This period seems to be within 2029. For the devotees, there will be no problem. We repeatedly address this question. Those who follow dharma, praise Goddess Durga, chant the name of Madhav, read the Srimad Bhagavatam, and practice truth, peace, compassion, and forgiveness in their lives, and perform auspicious deeds for the world's welfare, will face no issues. The Lord will act when the time comes. This is the Lord's will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:56 · 30 July 2023

Q_1463 Regarding the Brahmins and Pandits who perform rituals, especially in cities where worship is less common, shouldn't they receive a sign from God to warn people in their areas? With so little time left, people won't understand, and won't everyone be destroyed?

Answer: Look, not everyone will be destroyed. It is sins and sinners who will be destroyed. Secondly, regarding God's establishment of dharma, you certainly need information. Even those who live with devotion and love for God should receive this information, as you say. If you follow what I instruct, you will definitely receive the sign or information. Then you can speak with me again.

► Watch this answer · 23:07 · 30 July 2023

Q_1464 When the darkness comes and all computers are destroyed, what will happen to the millions of people in India, like me, whose livelihood depends on computers? What about those who are buying new homes or are daily wage earners? Please guide us.

Answer: Look, in this age of Kali Yuga, all systems and development are controlled by computers. That's not my point. I am saying that a great change is coming to the world. When the solar tsunami occurs and a solar flare hits the Earth, everything will be in distress. As a remedy, I advise humanity to turn towards dharma. By following the path of light that I speak of, the light of dharma will spread, and God will then take care of everyone. No matter your profession, by God's grace, good will happen to good people, and bad will happen to bad people.

► Watch this answer · 25:54 · 30 July 2023

Q_1465 When will the Bhavishya Malika be available in the Hindi language?

Answer: Look, offer love and devotion to Madhav (Krishna). Surrender yourself and say, 'Lord, I am in your refuge.' Perform the Shri Sandhya and all other duties. By praying to God, you will surely have a divine experience at some point.

► Watch this answer · 29:54 · 30 July 2023

Q_1466 I am from Rishikesh, Uttarakhand. You mentioned that there's a high chance of an earthquake here. Should we leave this place now, or can we stay for a while longer?

Answer: Look, for the devotees, nothing will happen to them, regardless of any earthquake, catastrophe, or destruction.

► Watch this answer · 36:14 · 30 July 2023

Q_1467 I had a dream where I saw two groups, one representing the Lord in blue and the other representing the Goddess (Mata Rani) in golden. In the dream, I was called over to the Goddess's side. What is the meaning of this?

Answer: Look, the Lord and the Goddess are not separate. You are a devotee of Mata Rani, and that is why she is calling you in your dream. When dharma is established, both the Lord and the Mother Goddess will act together. It would be good for you to worship both.

► Watch this answer · 37:13 · 30 July 2023

Q_1468 I try to live by the principles of truth, love, and compassion, but I face a lot of injustice and trouble at my workplace, which sometimes makes me angry and resentful. Will these negative feelings create an obstacle in my spiritual practice? Please advise.

Answer: It is natural for devotees to face troubles, as this is the age of Kali Yuga and its influence is strong. However, these troubles cannot harm you because you have surrendered to God. Be assured that those who do wrong will definitely face the consequences of their actions.

► Watch this answer · 40:31 · 30 July 2023

Q_1469 Whenever I close my eyes and chant the mantra for Lord Vishnu, I have a vision of him standing in the ocean. What is the meaning of this vision?

Answer: If Lord Vishnu is showing himself to you in the middle of the water, it signifies the time of the great flood (Jal Pralay). It means a great watery devastation is happening in the world, and even greater destruction is to come. The Lord is showing you what is about to happen. Devotees often receive such unique experiences. The Lord's grace will be with you. Since you have joined the Shri Sandhya practice, you will move forward with His grace and can enter the new golden age (Satya Yuga).

► Watch this answer · 44:09 · 30 July 2023

Q_1470 I'm unable to perform the afternoon prayer, and I wake up late, so I do the morning one at 7 AM. Is this acceptable?

Answer: Everything will fall into place with time.

► Watch this answer · 46:04 · 30 July 2023

SESSION 87 · QUESTIONS 1471–1482

L92 - विश्व युद्ध में भारत का क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 18 August 2023 · Watch the full session ↗

Q 1471 What will be the future state of Nepal? Because Nepal is a divine place, a holy land, and also a playground for God, as you know. I want to know your thoughts on this.

Answer: Nepal is a holy land. Even now, the essence of dharma that remains is that cows are not slaughtered there. And this is Nepal's greatest strength. The constitutional rules there are an ideal for the entire world. The second thing is that Nepal is a land of dharma, the birthplace of Mother Janak Nandini Sita. It has propagated dharma throughout the world and corrected the path of dharma for Mother Earth and for humanity. It has been a sacred, holy land from the very beginning, and it still is. And God's grace will remain.

► Watch this answer · 03:05 · 18 August 2023

Q 1472 Regarding the Delhi NCR area, like Gurugram, Ghaziabad, and Noida, will destruction happen there as well, or will it be limited to only Delhi? And secondly, will Delhi be completely destroyed, or will a small part of it be saved?

Answer: Look, according to the Bhavishya Purana, I consider the entire universe, the whole world... There will be change. In some places, due to the effects of war and suffering, all that will change. Delhi is also included in this. Those who follow the path of dharma and live righteously will not have any problems. The impact will be felt by those living nearby or in close proximity. But at that time, God's grace will be upon the devotees there. There are many people from all over India in Delhi. If I were to say it directly, it would create fear in people's minds. That's why I showed you the path of salvation and the path of righteous deeds. That's why I answered your question in a roundabout way.

► Watch this answer · 09:19 · 18 August 2023

Q 1473 Our Lord of Dwarka, Lord Shri Krishna, his name is not mentioned in the prophecy; instead, it's 'Haldhar' (wielder of the plow), which is Balaram ji's name. My friends had the same question after reading the book I gave them: why is it the 'Haldhar' form and not Lord Shri Krishna's name? In your discourse today, you said it's because he is Mahavishnu. I want to understand this in brief so I can explain it to others.

Answer: Look, regarding the 'Haldhar' form... according to the Bhavishya Purana and Bhavishya Malika, Lord Kalki, who is to come, will arrive in a single form. This form will contain the power of Balaram and the power of Krishna. The powers of both Lord Krishna and Lord Balaram will be in him. And Mother Subhadra, the divine feminine power, will also be with the Lord. From his own being, Brahma and Lord Shankar appeared, and later everyone else came, as written in the Bhagavata Shastra. The manifestation of Lord Krishna happened after the ten avatars, because he is the great Lord of these ten.

► Watch this answer · 12:17 · 18 August 2023

Q_1474 No, that was my only question. Why is the name of our Krishna, the Lord of Dwarka, not there? That was it, nothing else.

Answer: Because the manifestation of Lord Krishna happened after the ten avatars. Because he is the great Lord of these ten.

► Watch this answer · 20:40 · 18 August 2023

Q_1475 Maharaj ji, which mandal (spiritual circle/zone) is in Madhya Pradesh?

Answer: The Mahakaleshwar Mandal is also in Madhya Pradesh. A large mandal will be formed in Madhya Pradesh; the Mahakaleshwar Mandal will be formed.

► Watch this answer · 29:31 · 18 August 2023

Q_1476 My wishes must be getting fulfilled, right?

Answer: Keep doing it, because this will not stop. As much as comes, that much will go.

► Watch this answer · 30:51 · 18 August 2023

Q_1477 I had a dream where an old man, who used to be my primary school teacher, appeared and told me, 'Don't do the Shri Sandhya (prayers). If you do, it will prick you like thorns.' Then I woke up. What does this mean, Pandit ji? Please guide me.

Answer: Look, son, those who have passed into the realm of the dead do not wish for the welfare of humans. This Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day) is the greatest tradition of all Puranic principles. It leads to attaining the divine, having a vision of God, and immortality. This is done all the time; even the gods do it. The tradition of Trikal Sandhya is so powerful for creating the Satya Yuga (Age of Truth) that there is nothing greater. The reason this was shown in your dream is because their old traditions were different, and they don't like this. What would they understand? They are deceased.

► Watch this answer · 33:45 · 18 August 2023

Q_1478 The ancestors who appear in my dreams haven't attained liberation. What is the path to liberation for them?

Answer: If you bathe and then perform Pind Daan (ancestral rites) in Gaya, they will all attain liberation and will never appear in your dreams again. It would be good to get that done. Okay?

► Watch this answer · 37:19 · 18 August 2023

Q_1479 I had a dream where two gods with crowns said I had sinned and threw me among snakes that started to eat me. When I chanted 'Madhav, Madhav,' it all ended. What is the meaning of this dream?

Answer: This is all God's will. God repeatedly shows me things about people, which is why what I tell you is for the welfare of humanity. And for those who see such dreams, it is beneficial for their future. As for what to do next, get involved in this spiritual path. It will be good for you. By chanting the name of Madhav, a person can attain what is otherwise unattainable. Don't worry, just keep chanting, God will take care of it.

► Watch this answer · 39:18 · 18 August 2023

Q_1480 Is there any possibility of a 'katha' (discourse/gathering) happening soon where we can meet?

Answer: Two discourses are going to happen in Odisha: one in October and one in November. One will be in Nayagarh and the other in Keonjhar. All the devotees will meet. It will be a chance for most of the Odia devotees to connect, as it's an Odia discourse. Thousands of devotees from this stream in Odisha will join and meet there.

► Watch this answer · 43:43 · 18 August 2023

Q_1481 The dates for those haven't been declared yet, right?

Answer: One will be in October and the other in November.

► Watch this answer · 44:16 · 18 August 2023

Q_1482 I'm witnessing massive fires in British Columbia, Canada, and here in the US, we are experiencing fire-rain and storms, like the one that destroyed a whole city in Hawaii. Is all this evidence that the prophesied destruction of the world has begun?

Answer: Oh, son. According to the prophecies, all the forests will burn, and fire will carry out destruction with such fury that the entire climate will change. In this, the world of humans and living beings will suffer a great loss. And God will perform this task. You have given us very good information.

► Watch this answer · 45:28 · 18 August 2023

SESSION 88 · QUESTIONS 1483–1487

L93 - धर्म - संस्थापना के समय में मनुष्य क्यों अनजान है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 20 August 2023 · Watch the full session ↗

Q_1483 Pandit ji, I had a question. When Lord Ram came, Ravana came with him as the demon. When Lord Krishna came, Kansa came with him. So, in Kali Yuga, when Lord Kalki comes, who will be the demon with him?

Answer: And the matching demon is... the letter 'M' is in Madhav, and the letter 'M' is in Ram and Ravana. Similarly, in this era too, Madhav will fight against death. It is written about this in the Bhavishya Purana. It says, 'Kalki roop dhari mein Madhav' (Madhav in the form of Kalki). This means the first Lord who will come, his name will be Madhav.

► Watch this answer · 20:40 · 20 August 2023

Q_1484 Pandit ji, our Sanatana Dharma has never, in the past, said that we will hoist the flag of Sanatana across the entire world. Other religions, like Islam, call for spreading across the whole world, but our Sanatana Dharma has never done that. For the first time, I have heard and come to know that in the Bhavishya Malika, there is a declaration that the flag of Sanatana will be hoisted across the entire world?

Answer: Before the Christian religion, if we look at history, which religion existed in the world first? It is written in history that in our country, 600 years before Christ, the Nanda dynasty was ruling. Before that, only Hindus were present in the entire world. And I will shed some light on this. When Yudhishthira became king, he was the king of the seven continents (saptadweep). When Bharata was king, the entire universe was named Bharat after him. Due to the present times, Bharat has become smaller. And it is written in the Bhavishya Purana that Lord Narayana as Kalki will establish Sanatana Dharma across the entire world. And with the merging of all religions, only Sanatana Dharma will remain; no other religion will exist. It is written, and the words of the Malika are the absolute truth (Brahma Tattva), the word of God. There will be no change in it. The entire world will become Sanatana Dharma. Jai Mahakal.

► Watch this answer · 23:49 · 20 August 2023

Q_1485 Guruji, my nephew told me about Bhavishya Malika. I had a dream where I saw mountains, greenery, and a river. I saw Ram, Lakshman, and Sita walking, then the five Pandavas and Krishna walking. Then it felt as if my entire family and I were following Lord Krishna. I don't do much spiritual practice besides chanting Madhav's name due to my job. I am surprised and don't understand what this dream was, what I saw, and what its meaning could be?

Answer: Madhav himself is Kalki. When you are worshipping Lord Kalki, you first had a vision of the Ram avatar and then the Krishna avatar. This is because in Treta Yuga, the Ram avatar appeared, and in Dvapara Yuga, the Krishna avatar appeared. Now is the time for the Kalki avatar, and Kalki is Krishna himself. And your family... when you chanted the name of Madhav, the Lord gave you an indication, saying, 'Look, this is what is going to happen, and your entire family will be behind me.' You were a devotee in a previous life, which is why I am giving you this information. Believing this, you should follow this tradition of dharma and purity and work for the Lord's establishment of dharma. This is why he gave you this vision and indication. He doesn't reveal everything, but he indicates. Anyone who worships Krishna gets his vision, feels his fragrance, and receives his essence. The Lord has not left anyone behind. He chooses each devotee one by one and shows them what is necessary to make them realize their past lives. He has shown you as well. You are fortunate. You have come to the Lord's refuge. With the name of Madhav and the Trikal Sandhya (three-times-a-day prayers), remain in the Lord's refuge. The stream of your life was pure, and in this birth, it will become pure again. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:51 · 20 August 2023

Q_1486 Yes, my question is, if a person's destiny is predetermined from birth by their fate, then considering our good deeds to date, and even any bad deeds we may have done, by coming today and connecting with this stream of truth, will the Lord still accept us? This is my question.

Answer: A beautiful question, Baba. It is the Lord's grace that we are contemplating the Bhavishya Purana. And it is written in the scriptures that only those who are devotees, who were the Lord's devotees in the past, will follow the Lord and the Bhavishya Purana. And at this time, the Lord will surely accept them. Just, Baba, follow the Trikal Sandhya as I have told you, chant the name of Madhav, read the Bhagavata, and the Lord's grace will surely be upon you. You will become a soldier of truth and will remain in the Lord's refuge.

► Watch this answer · 33:00 · 20 August 2023

Q_1487 When smaller states are formed, for instance from Chhattisgarh, is there a divine prophecy that these new states will be named after the Lord?

Answer: I have not read about this. From what I have read, I can tell you it mentions the formation of 16 mandals (regions). And India will again become Aryavarta; India's name will be Aryavarta. And in the entire world, there will be small countries and states. It will be the same in our country as well.

► Watch this answer · 38:20 · 20 August 2023

SESSION 89 · QUESTIONS 1488–1515

L94 - सत्ययुग में नए सूर्य एवं चन्द्र की स्थापना | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 20 August 2023 · Watch the full session ↗

Q_1488 In my meditation, I saw Goddess Kali emerge, and there was another goddess who was fair-skinned, perhaps a Yogini Mata. I got scared, though I looked at them as divine mothers. What does this mean?

Answer: This is a vision of the Goddess Mother establishing Dharma (righteousness) for the Lord. They will destroy the sinners. You should be more alert, perform righteous deeds, follow the holy path of Satsang (spiritual discourse) and Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day). This vision is for your well-being. It is a good thing that you had a vision of the Mother and Yogini Mata. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:30 · 20 August 2023

Q_1489 What should we do to make the name 'Madhav' come from our hearts?

Answer: Look, for the name 'Madhav' to come from the heart, you should repeatedly perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat. For a few days, chant the name 'Madhav' and say, 'Lord, I want to take refuge in you, please take me into your refuge.' Then, in some time, in a few days, the name 'Madhav' will be memorized and will come from the heart. The chanting of 'Madhav' will happen automatically.

► Watch this answer · 03:10 · 20 August 2023

Q_1490 For example, can you tell us about the prophesied nuclear attack on Delhi?

Answer: That is correct, but this work of establishing Dharma will happen by the will of Lord Kalki. The dates mentioned in all the scriptures, like the Bhavishya Purana or in the writings of the five great saints (Pancha Sakha) like Achyutananda Mahapurush of Jagannath culture, have mentioned dates, Tithis (lunar days), and Nakshatras (constellations). But in reality, our core principle, based on the Malika and Bhavishya Purana, is that everything is under the control of Lord Kalki. It will happen when He wishes. Right now, the work of the 16 Mandalas (regions) is in progress. After the devotees are gathered, all the major tasks of establishing Dharma will take place.

► Watch this answer · 06:50 · 20 August 2023

Q_1491 Wouldn't it be good to have someone with you?

Answer: The most important thing is, if he wishes and tells me, then we can work with him. I have no discrimination in my mind about it. But it depends on his wish, not mine. Also, I have no contact with him, so how will it happen?

► Watch this answer · 08:08 · 20 August 2023

Q_1492 Can you analyze this and tell us?

Answer: There are saints who are in contact with me. I will discuss this with them. If needed, I will certainly tell you.

► Watch this answer · 09:57 · 20 August 2023

Q_1493 My second question is, if the population is 840 crores and one-fourth of it will be saved, does that mean 212 crore people will remain?

Answer: Madhav, look, one-fourth... if it's 840 divided by 4, that's 212 crore. Times 3 is 636 crore. For up to 636 crore people, nothing is written. And the fourth part, which is 212 crore, those people will remain. The number can increase, and there is no possibility of it decreasing because the divine prophecy that has been given will stand. If people of other religions come to this path through preaching, then the number might increase slightly.

► Watch this answer · 11:27 · 20 August 2023

Q_1494 When will the five-colored flag, which is on top of the Jagannath temple, be hoisted?

Answer: Sometimes flags of many colors are flying; sometimes white, sometimes yellow, green, and red are also flying. When the Lord establishes the Sudharma Sabha (assembly of righteousness), and when Lord Kalki reconstructs the Jagannath temple, then that five-colored flag will be hoisted on the Lord's temple again. In the coming age, this will happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:24 · 20 August 2023

Q_1495 Are women considered impure during their menstrual cycle, and can they engage in religious practices during that time?

Answer: In this world, nothing is inherently impure or pure. A woman is always pure. But during her monthly cycle, she should not go to the temple or the prayer room, and she should not read the Bhagavat at that time. However, she can chant the Durga Madhav Stuti and the name of Madhav in other places, like her bedroom, anywhere, with a pure mind and a pure body.

► Watch this answer · 15:01 · 20 August 2023

Q_1496 How will Lord Kalki save his devotees, and how can we meet him?

Answer: His purpose is to save the devotees and to teach them how to follow the rules of Satya Yuga. Lord Kalki will meet his devotees through the path of devotion. You should come into devotion, and the Lord will surely give you his darshan (vision). Wait for the right time and see what happens. Follow that path. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:46 · 20 August 2023

Q_1497 Something was supposed to happen in 2018, I can't quite remember what it was. Can you clarify?

Answer: According to the Malika scriptures and the Bhavishya Purana scripture, I tell you all about the time that is mentioned. And that is what I had told you, according to the scriptures.

► Watch this answer · 16:18 · 20 August 2023

Q_1498 Hello, I have a question. Right now there are many fraudulent gurus. How do we identify the right path or person to follow?

Answer: If your heart and people's hearts say that I am right, then follow me. At such a time, connect with the right, pure element through a pure relationship, which will bring you well-being. The most important thing is that I am not a guru. I am not in any guru tradition. I don't give mantras to anyone. I just say that a calamity is coming, and humanity will be saved. I request everyone to first ask your own heart. If your heart says it's right, then follow it. If your heart opposes it, never go there, because the Lord resides in the conscience within the heart, and the Lord reveals all truths. The heart itself is the instruction of God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:00 · 20 August 2023

Q_1499 Is it possible that Ravana is still alive?

Answer: No, mother, that is never possible. The most important thing is that someone who was slain by Lord Ram can never come back to life. At that time, Lord Ram had Vibhishana perform all the necessary last rites for Ravana. Vibhishana has already performed Ravana's last rites under the direction of Lord Ram, so what is there to think about it?

► Watch this answer · 19:24 · 20 August 2023

Q_1500 Someone is healing people through worship and is herself saying that Ravana's mummy is here, so no one goes to that side. She says he can be revived, that's why I asked you.

Answer: No, that's not the case. I will only follow what is written in our scriptures, in the Ramayana. There might be a body or something, but Ravana's last rites have been performed, and his body has merged into the five elements. Our scriptures also say this, and we follow it. And if you like what I am saying and believe it to be true in your heart, it would be good for you to accept it as well.

► Watch this answer · 20:18 · 20 August 2023

Q_1501 I read in the Bhagavata Purana that Prajapati Daksha had 10,000 sons and 60 daughters. Is this correct?

Answer: Look, Prajapati was the son of Brahma Dev. And at this time, in Kali Yuga, Daksha Prajapati probably has no role on Earth. So what can be done about that?

► Watch this answer · 21:26 · 20 August 2023

Q_1502 I was not a vegetarian before; I used to eat non-veg. I am following the path now, but I ate non-veg in the past. Will that be taken into account? Will I be protected?

Answer: Look, mother, to purify the karmas you have done in the past and for the liberation of your soul, you are now performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav. Your past karmas will also be cleansed, meaning you will get protection from past karmas as well. And along with that, you will also become a human of Satya Yuga. There is no problem. All past sins will gradually end over time, and you will attain a good, pure mind. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:55 · 20 August 2023

Q_1503 I had a dream that I was in the Rath Yatra of Lord Jagannath. Everyone could see Lord Jagannath, but I couldn't. Then, Lord Jagannath gestured for me to go to the other side, and there I saw you holding a torch. You said, 'Follow me, I will help you get the darshan of Lord Jagannath.' So, now please tell me, what should I do to find God? He has chosen you to guide us, so what should I do?

Answer: Look, mother, now is the time for Lord Jagannath's incarnation in human form. According to the Bhavishya Purana, the Lord has perhaps given me some signs. The Trikal Sandhya and the path I speak of, that is the true path. The Lord tells many such people, 'Look, follow him.' It's not about following me, but the essence I have received is the essence of God. And you should follow whatever your mind, intellect, and conscience say.

► Watch this answer · 24:03 · 20 August 2023

Q_1504 What else should I do besides this to find Him quickly?

Answer: Chant the 16 names, the 10 avatars, the Durga Mata Stuti, and the name of Madhav. The more you chant, the more visions you will have, and you will get the darshan of Lord Krishna Jagannath. And you will also have experiences.

► Watch this answer · 26:19 · 20 August 2023

Q_1505 I have a request for you. Could you please play the flute for one hour whenever there is a recitation of the Gita Govinda?

Answer: Okay, we can add it to our YouTube video. In this online meet that is happening, we will add that flute music from the beginning.

► Watch this answer · 27:38 · 20 August 2023

Q_1506 Pandit ji, may I ask a question? I had a dream where an invisible entity was with me. When the entity opened its mouth, everything in the room, including a man, went into its mouth. After it left, a woman turned to look at me, and my mouth opened. Like a black cloud, she started entering my mouth. I woke up screaming. Then, words came out of my mouth that this 'Kaal' (time/death) is going to come to the Himalayas soon. What does this dream mean?

Answer: Look, right now in Himachal, due to the establishment of Dharma, there is a great effect of a deluge. The dream you saw... for a devotee of the Lord, if any external or demonic element comes upon them, they gain the power to capture it or to protect themselves. Since you are on the path of devotion and follow the stream of truth that I speak of, you were able to consume that 'Kaal' (destructive force).

► Watch this answer · 28:48 · 20 August 2023

Q_1507 Pandit ji, one more thing. Whenever I hear news of a murder or some other mishap, my inner soul feels very sad. I feel like I should open my mouth and consume everything, but it feels like someone is pressing my mouth shut. I try, but I can't open it. Why does this happen?

Answer: Nothing will happen before its time. Wait for the time, it will be good.

► Watch this answer · 32:14 · 20 August 2023

Q_1508 After I watched six of your videos, I had a dream that I was on a mountain, surrounded by water. All the devotees were there, and the Durga Mata Stuti was being recited. What is the meaning of this dream?

Answer: Look, my YouTube videos reach those who are devotees. For the salvation of devotees, God showed you in a dream: 'Look, everyone else is drowning in water, but you are on a mountain with the devotees, and the Durga Mata Stuti is being recited there.' This is a sign from God telling you to join this path because this is what is going to happen in the future. God gives signs to the devotees. Whatever I say, the Lord himself goes and does the work. This has happened to thousands of people, and it has happened to you too because you are a devotee. If your heart says so, you can come to this path. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:29 · 20 August 2023

Q_1509 I am from Gujarat and I follow you. I have started seeing future events in my dreams. Why is this happening?

Answer: The future is changing, Kali Yuga is transforming, and Satya Yuga is coming, so you all are receiving signs. The reason for this is God's grace. And if you have God's grace and you want to take refuge in God, if you want to go to the shelter of Lord Kalki, then it is your wish, you can go.

► Watch this answer · 35:02 · 20 August 2023

Q 1510 Guruji, I am from Rewa, Madhya Pradesh. I had a dream where I was standing at a crossroads, and a young girl told me not to stand there. Then a man offered to take me to a temple, but on the way, he transformed into a 'Malik' with a beard. He took me to a house, and I thought he would sacrifice me. Inside, I was possessed by the Goddess and started levitating and spinning. I saw many divine idols, including a smiling Ganesha. What does this dream signify?

Answer: The time for a great destruction of mankind by the Divine Mother is coming. The devotees will be saved by the Divine Mother. This is going to happen in the future, and through such a vision, you should understand that the time is coming. Perhaps God showed you this so that you would follow the path of Trikal Sandhya that I speak of. By following it, you will be blessed, and you too will be able to go to the Satya Yuga. Because when God shows someone such signs and experiences, it means they are worthy of becoming a part of the cause.

► Watch this answer · 36:03 · 20 August 2023

Q 1511 Can I join the online satsang group?

Answer: The number is given in the description below. Call Mohan on that number, or whoever else is there. They will add you to the online satsang of the Madhya Pradesh Mandal (group). Also, read the book; you will feel great joy. You will also get the company of all the devotees. This will increase your determination and faith, and God's grace will also increase. You will be blissful. Jai Jagannath, Jai Shri Mahadev.

► Watch this answer · 39:46 · 20 August 2023

Q 1512 Baba, can you please tell us in Bengali what she is saying?

Answer: I'll have the people from Kolkata who are sitting with us right now tell you.

► Watch this answer · 41:39 · 20 August 2023

Q_1513 Prabhu, I want to ask about a very strange dream I had. I saw Lord Jagannath in his Kalki form and Goddess Durga being worshipped. Lord Kalki told me to fight someone to protect his devotees, which I did. I also destroyed a giant demon. After this dream, I've been feeling strange. I get very angry over small mistakes, to the point where I feel I'm not in my control. I do all the prayers, but I can't control this anger. My family is non-spiritual and mocks my devotion. The Lord tells me in my heart 'I am coming to take you,' but doesn't say when. Why is all this happening to me?

Answer: You still have time left in your studies, so study and stand on your own feet, because to do the work of Dharma, one's own capability is also necessary. Pray to the Lord. Perform Trikal Sandhya, chant the 16 names, chant the name of Madhav, and read the Bhagavat. The Lord will bless you, and the problems of your mind will surely go away. Read the Lord's Gopi Leela again and again. You must stand on your own feet because the time for the establishment of Dharma is until 2032. We have to wait for that time. I also pray to the Lord that you don't get such dreams and that God relieves you from this trouble. Okay?

► Watch this answer · 43:55 · 20 August 2023

Q_1514 It's not happening, Prabhu ji. I am unable to study.

Answer: Do what I told you. Chant the 16 names. Lord Jagannath will bless you. Whatever is coming to your mind will calm down. You will see from today, it will happen. I also pray to the Lord to save you. You need some time. The time has not yet come, so study, complete your graduation, do a computer course. If you need a job, you can contact us, we can help you get one. Once you get a job, remain in the devotion and worship of God. This human life is for God.

► Watch this answer · 53:04 · 20 August 2023

Q_1515 Pandit ji, this war that is happening, is it necessary?

Answer: A dark time is coming upon the Earth, and people are not turning towards Dharma. They are all drowned in 'mine and yours', violence, anger, ego, and sin. People kill and eat animals. Elderly parents live in old age homes. Cows are slaughtered. People have bathed the Earth in the blood of sin. If humans do not turn towards Dharma, then to give them the fruit of their actions, God will not give any more time. It is God's will what will happen. But if people refrain from sin, perhaps the war will also stop. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 54:31 · 20 August 2023

SESSION 90 · QUESTIONS 1516–1530

L97 - तृतीय विश्व युद्ध के बाद राजतंत्र स्थापित होगा ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 03 September 2023 · Watch the full session ↗

Q 1516 The system of marriage exists, so when we enter into a marriage, what qualities should we look for in the other person?

Answer: Look, Saint Tulsidas Maharaj, in the Ramcharitmanas Ramayana... but today, there has been a change in that ideology... a slight change... which is not beneficial for civilization. Shrimad Bhagavad Gita...

► Watch this answer · 09:38 · 03 September 2023

Q 1517 I have two small questions... what is happening now is that we often see they have become more religious, for example, like in Islam...

Answer: No, no, look... A time will come when 3.9 million lightning bolts will strike in one hour. If each bolt kills one person, 3.9 million people will die. Because it is the change of an era, people disregard dharma. Mostly, it's just service, not worship of gods; there is no religion, no faith. People kill their own mother and father. The establishment of dharma is necessary. For those who believe in Sanatana Dharma, who are devotees, who are devoted to Lord Vishnu, for them, there is no problem in attaining truth and peace.

► Watch this answer · 12:33 · 03 September 2023

Q 1518 My name is Vinod Kumar, from Bhiwadi, Rajasthan. I had a dream between 2005 and 2006, in which I saw an idol of Lord Shri Hari in a village field. The idol's eyes were blindfolded. When I went there, they said, 'Now, remove the blindfold from the idol's eyes.' Then the blindfold was removed in front of me, and I woke up. What is the meaning of this?

Answer: Until 2005, Lord Kalki was, in a way, blindfolded. And it is written in the scriptures that the Kalki avatar would manifest after 2005. This is the reason you had this vision.

► Watch this answer · 16:25 · 03 September 2023

Q 1519 I was reading with my eyes closed, and I saw Lord Krishna in his child form, completely sapphire-blue and within a light, and he was walking. What does this mean?

Answer: Kalki avatar... The meaning of this dream is that the time of Lord Kalki is now underway, for the sake of the devotees awaiting his incarnation.

► Watch this answer · 20:50 · 03 September 2023

Q 1520 Father, who came to bless Kunti Devi, and when the Pandavas were in exile, Dharmaraj also came to test them. So, who was he?

Answer: He too was bound by karma... Whichever deity is born on Earth, they live according to human ways. Look, even if Lord Kalki comes in human form at this time, he too will experience the sorrow and pain that comes.

► Watch this answer · 23:10 · 03 September 2023

Q 1521 I have been doing Sandhya and reading the Bhagavat for about a month and a half. I had a vision in my room of a light, and in it, I saw a person. The light was as bright as the moon, and I saw a face. What does this mean?

Answer: God gives visions to those who practice devotion. Some get a vision of the Lord through the medium of deities, so you have understood this. And for the world, an independent India will be created, and we will be reformed.

► Watch this answer · 26:42 · 03 September 2023

Q 1522 Should the new generation get married or not, or should they just remain in devotion?

Answer: It is necessary to get married. Everyone should live as a householder and follow the Trikal Sandhya. For humans, it is essential to hold on to dharma and perform one's karma.

► Watch this answer · 33:06 · 03 September 2023

Q 1523 In chapter eight of a scripture, 24 avatars of Lord Shri Hari are mentioned. The 13th avatar is the Chakradhar avatar. I want to know about him, who is this Chakradhar being referred to?

Answer: The first thing is, from the day the chakra (discus) came into the Lord's hands, He was called Chakradhar. From that time until today, the chakra is in the Lord's hands. The Kalachakra (wheel of time) destroys sinners, and the Sudarshana Chakra protects devotees. That is why the Lord has this name.

► Watch this answer · 40:33 · 03 September 2023

Q 1524 Yes, I want to know the story of Lord Jagannath. Can you tell the whole story of how Lord Jagannath's idol manifested, and so on?

Answer: In this region, the Lord, as the primordial and eternal Brahman, became Jagannath. In the region of Lord Jagannath, many yugas and infinite kalpas have passed, yet Jagannath ji is still there. All avatars are created from Lord Jagannath. The proof of this is that when Lord Krishna passed away, his essence was placed within the idol. All avatars merge back into him. Jagannath himself is the formless Supreme Being.

► Watch this answer · 41:56 · 03 September 2023

Q_1525 I was asking, can you tell me about His idol, the one that is made of wood?

Answer: I will make an episode about that, which will be part of the Kalki avatar series.

► Watch this answer · 44:51 · 03 September 2023

Q_1526 Today at 4:40 AM, I had a dream in which there were airplanes from another country, someone was standing outside with a gun but didn't shoot us, and we had closed the gate. I also heard a voice like an 'emergency' announcement on TV. What does this mean?

Answer: Look, this sign is a sign of a world war. For those who perform Trikal Sandhya, who are surrendered to Madhav with devotion and purity, God has shown this to them in a dream.

► Watch this answer · 47:19 · 03 September 2023

Q_1527 If the whole family goes, Pandit ji, will they stay together or will they be separated after going there?

Answer: Everyone will become a person of the Satya Yuga, and there will be joy. There is no issue with being with family, but you should let go of this worry from your mind.

► Watch this answer · 50:49 · 03 September 2023

Q_1528 Regarding the current politics in India, the language used is so foul that it's very painful to see and hear. When will this improve? When will we get peace? When will all this tension calm down?

Answer: The work of the world's destruction is currently underway. All ethics, rules, and good conduct are disappearing from humanity. A good time will come after 2032. Until then, this period will continue without any change. In fact, it will increase a lot.

► Watch this answer · 52:24 · 03 September 2023

Q_1529 My son has an eye disease. Father, please give your blessings so that my son's eyesight gets better and he can see everything clearly.

Answer: Make your son listen to the Shrimad Bhagavat and Trikal Sandhya. May all humans in the world be well. The greatest element is this: if he listens to the Sandhya and the Bhagavat, he will connect directly with God.

► Watch this answer · 54:31 · 03 September 2023

Q 1530 Whenever I try to walk on the right path, many people pull me back. They make me angry, and later I regret what I did. So, could you please advise something for this?

Answer: The person causing trouble will become a friend. Look, time is moving towards a bad phase, and there is little time left. In this world, there is one religion, one path, the Sudharma Mahasangh, and one rule, the Trikal Sandhya. By following it, you can protect your life and your family from birth and death.

► Watch this answer · 01:00:21 · 03 September 2023

SESSION 91 · QUESTIONS 1531–1555

L96 - सनातन धर्म का तत्त्व क्या है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 03 September 2023 · Watch the full session ↗

Q_1531 For many days, I have been seeing Mother Vaishno Devi in my dreams. Sometimes she appears to me in her eight-armed form, and at other times, I see both Lord Kalki and Mother Vaishno Devi in the Ardhanarishvara (half-male, half-female) form. What could this mean?

Answer: The Lord gives visions. It is said that seeing the Mother, and if one is very fortunate, they see the great Durga. Mother Durga is Lord Madhav Krishna; Mother Durga is Vaishno Devi. Seeing them together... I will just say this much: the Mother and the Lord are engaged in the work of establishing dharma.

► Watch this answer · 10:01 · 03 September 2023

Q_1532 I wanted to ask about a dream. In it, my husband and I were walking, and you were there. Someone asked you what God is like. You took two large cobs of corn, one small, opened it and said God is like this, like Lord Vishnu. You showed the small one and said God becomes as you wish to think of Him. Then you said to me, 'Come, child, not everyone comes on this path.' You showed me four sacred ponds and said, 'Not everyone comes here. Since you have come, you are welcome.' That's all you said. Could you tell me about it?

Answer: This means you are receiving a vision of the Lord. It will be received through some medium, and this is how devotees will be saved.

► Watch this answer · 15:37 · 03 September 2023

Q_1533 Pandit ji, I don't have a question, just some information. It is said that a neem tree doesn't bear fruit [out of season], but I saw one that did. What is the significance of this?

Answer: It is written that in the rainy season, the neem tree will have fruits and flowers. This is a sign of the creation of the world for the establishment of truth. Those who don't believe will see this change in the coming time. The Lord is publicizing this for protection. Mango trees will bear fruit out of season, and it will rain on sunny days.

► Watch this answer · 19:21 · 03 September 2023

Q_1534 When I am chanting the name of Shri Ram or Hanuman ji, Mother Durga's name automatically starts coming from my mouth with my eyes closed. Why does this happen on its own? I'll start chanting one name, but when I open my eyes, I realize I am chanting Mother Durga's name.

Answer: Among all the different names, you should chant the name of Lord Madhav. Because at this time, one should worship Lord Ram and Radha Rani. Chant their mantras.

► Watch this answer · 20:34 · 03 September 2023

Q_1535 Can a national emergency situation arise in India? What will the situation in India be like in 2024?

Answer: It will be severe. And along with it, there will be earthquakes in India; major earthquakes can also happen.

► Watch this answer · 22:25 · 03 September 2023

Q_1536 I also read that electronic items will stop working. Will this happen by 2025?

Answer: There is still a lot of time for that. Don't worry about it; it will do its work.

► Watch this answer · 24:53 · 03 September 2023

Q_1537 On the NASA website, it is written that a major solar storm will hit the Earth in 2025. According to the Bhavishya Malika, when will this solar storm occur?

Answer: Look, it can come this year, or it can come in '25.

► Watch this answer · 25:35 · 03 September 2023

Q_1538 In the United Kingdom, all the airports in England, Ireland, and Scotland were shut down for a day last week because the computerized traffic control systems failed. What was the reason for this?

Answer: Look, it was shut down for one day. In 2024-25, you will see it shut down for 2, 3, 4, even 5 days. The electronic systems, computer systems, and network systems will all be down.

► Watch this answer · 26:42 · 03 September 2023

Q_1539 If one makes a mistake while reciting the Durga Stuti (hymn of praise), is that why the Mother gave a vision? Or is it a warning from God?

Answer: The Durga Stuti... yes, that is why there is a bit of a problem.

► Watch this answer · 29:37 · 03 September 2023

Q_1540 I had a dream on the night of September 21st that it was snowing heavily. I was telling everyone to cover their belongings in plastic so they wouldn't get ruined. Then I woke up suddenly at 3:55 AM. I couldn't understand what this dream signified.

Answer: And before that, it will happen. This is a sign from the Lord.

► Watch this answer · 30:32 · 03 September 2023

Q_1541 When I was 22, I had a vision in the pre-dawn hours where I saw the Earth crack open. A white light shot up into the sky, and the sound of a conch and bells began to resonate. What does this mean?

Answer: It is so that we get the strength to know the coming era, because complete faith and devotion should be towards Madhav. The Lord showed you this, and you are still receiving His signs.

► Watch this answer · 33:02 · 03 September 2023

Q_1542 I had a dream around 6 AM where a father figure (Pitaji) was sitting on a chair. He said, 'Come, child, I was waiting for you.' He made me sit on his lap and told me to chant the name 'Madhav.' I did so three times, and then the dream broke. What does this mean, Pitaji?

Answer: It means, daughter, that you should chant this great name. At this time, the Lord wants this for the welfare of humanity in the coming era. Chanting the name Madhav will bring liberation and salvation from crises. Perform the Trikal Sandhya, chant the name of Bharat (India), and stay in the online satsang. The Lord has revealed this and will not say more.

► Watch this answer · 35:25 · 03 September 2023

Q_1543 I have my daily worship routine for my Narmadeshwar Shivling. I only recently started performing the Trikal Sandhya. My question is, should I perform my daily rituals first, or the Trikal Sandhya first?

Answer: Perform the Sandhya at the correct time. You can do the worship of Lord Shankar after that; there is no problem.

► Watch this answer · 37:59 · 03 September 2023

Q_1544 Guruji, like others here, I have also had many experiences and visions over the last two or three years. I have seen two suns merging, the sun and moon together, a meteor falling, and earthquakes, all in my dreams. What is the meaning of all this?

Answer: There is a devotee in Himachal named Pradeep. His family was alone at home when his father went for a discourse. At that very time, all the roads were blocked, and the water and electricity were cut off in Himachal. He was alone with small children. But because he was on the path, everything turned out alright for him. (The speaker implies these visions are warnings and that following the path offers protection).

► Watch this answer · 38:47 · 03 September 2023

Q_1545 A few days ago, I dreamt that I was reading the Ramcharitmanas. This has happened twice. What could be the meaning of this?

Answer: Sit and complete reading it in 5, 7, or 9 days, and then donate something to cows and other living beings. That will be good.

► Watch this answer · 44:01 · 03 September 2023

Q_1546 How should I do it, Pitaji?

Answer: Contact the number.

► Watch this answer · 45:12 · 03 September 2023

Q_1547 What about the World War?

Answer: When it is to happen, it will be seen then. If Lord Kalki wishes, he can make it happen even before the predicted time. The timing can differ; it can happen earlier or later. We are not the Lord, just his devotees. It will definitely happen, but the timing might shift by a year earlier or later, or it could happen at the exact predicted time.

► Watch this answer · 46:12 · 03 September 2023

Q_1548 I tell many friends and devotees about this. Some believe, but what should I do about those who don't?

Answer: Look, the demonic people whose destruction is written on this Earth will not believe in the Malika. The one who is destined to be saved will accept it. Just inform people that the time is coming. After that, it is their wish.

► Watch this answer · 47:24 · 03 September 2023

Q_1549 At home, the children listen a little and sometimes believe, but they are not joining the stream (dhara). I want them to join as well. Please give your blessings.

Answer: They will do the bhajan (worship/chanting).

► Watch this answer · 48:05 · 03 September 2023

Q 1550 Can we do the recitation (path) at 4 or 5 AM?

Answer: You can.

► Watch this answer · 48:32 · 03 September 2023

Q 1551 Many new Hindu temples are being built all over the world, like in Dubai, Abu Dhabi, and the large Ram temple in Ayodhya. When all this chaos happens, will these temples also be damaged?

Answer: The structures will not be able to withstand it. The Lord will reconstruct the universe through Vishwakarma. People will come to the refuge of Lord Krishna and Ram, and this will become a medium, but there will be many changes to the structures because no element of Kali Yuga will remain. This is written in the Vansh Purana.

► Watch this answer · 49:43 · 03 September 2023

Q 1552 A massive Hindu temple is being built in Mayapur, West Bengal, with huge investments from people like the owner of the Ford company. Will that temple also be destroyed?

Answer: No matter how big the structure or how great the element, all traditions of the Kali Yuga will be destroyed. And when it comes to the Lord's temple, it is the Lord's wish whether to keep it or not. It is His wish.

► Watch this answer · 51:35 · 03 September 2023

Q 1553 You mentioned an alliance of 13 Muslim countries that will fight India. When can they do this?

Answer: These 13 Muslim countries have formed an alliance with Pakistan and Turkey. They will all fight against India together. The war will happen when Lord Kalki wishes it, and they will be destroyed in that war. There is no need to be afraid. That is why we say, work for the welfare of the world.

► Watch this answer · 53:36 · 03 September 2023

Q 1554 I am from West Bengal. The Malika scripture has been translated into Hindi, English, and now, with your permission, into Bengali. Can I make the Bengali translation available as a PDF online throughout Bengal so that everyone can read it?

Answer: All the work will be done, because in this...

► Watch this answer · 54:45 · 03 September 2023

Q 1555 When is your program in Nagpur, Maharashtra?

Answer: The discourse will be held in both places, and it is also going to happen in Nashik. Right now, there is a program in Punjab, and in due time, in Rajasthan.

► Watch this answer · 55:53 · 03 September 2023

SESSION 92 · QUESTIONS 1556–1568

L98 - श्री अच्युतानंद दास जी के 13 अवतार? | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 26 September 2023 · Watch the full session ↗

Q 1556 How can one progress in devotion?

Answer: It's a joyful question. Mahapurush Achyutananda has written, 'When the consciousness is purified, faith is born; from faith comes spiritual practice and accomplishment.' Before devotion can arise, the mind must be purified. The minds of people can be purified by reading the Srimad Bhagavatam and through the practice of Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day). When the consciousness is pure, love for God will emerge. And with faith, the knowledge, devotion, and practice related to God will manifest in the mind and become firm. After this, by performing good deeds, a person can quickly attain liberation from this world. So, first, purify the mind. To wash away the impurities of the mind, read the scriptures, the Srimad Bhagavatam, and perform Trikal Sandhya. This will lead to devotion. Gradually, from devotion comes emotion (bhav), from emotion comes surrender, from surrender comes liberation, and a person can reach God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:10 · 26 September 2023

Q 1557 We light camphor at the feet of God, don't we, Pandit ji? I was getting a very strong fragrance from it for 10 minutes.

Answer: It's a matter of great joy, son. It is God's grace. Today you received this heavenly element, this fragrance that comes to devotees. This is a sign. And those who worship God in the prescribed way receive it, especially you all who are in this stream. It's very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:11 · 26 September 2023

Q.1558 As you have mentioned many times in your discourses that from 2025 there is a possibility of war and pandemics, will its signs be visible in 2024 as well? Meaning, will its symptoms start from 2024?

Answer: See, its symptoms are not in India. In the whole world, you are reading in the news that major diseases are emerging, very fatal diseases are coming. I have repeatedly said that a calamity is approaching human civilization. And to protect from this calamity, I am also telling the way, the rules, through which God's grace can be obtained. For this, it is necessary for you to prepare. Because when a calamity comes, we have to protect ourselves. And at this time, the greatest path is the path of dharma and this sacred stream. For those who follow it, God will do good. This stream is not in any other element, but it is a sacred stream. Through this stream, devotees see God, God comes in their dreams, they see God's direct presence, they see many forms, and they get so many different experiences. And through this, people have been protected from many calamities. And the calamity that is coming in the future... look, mother, disease can come anytime. I am saying it will increase from 2025, and it will happen before that too. But to protect ourselves from it, we should find a way. And in the modern context, as much as we can face it, the spiritual element is the only element through which we can counter it and be saved by God's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:04 · 26 September 2023

Q.1559 Whenever I practice Trikal Dhara, instead of three times a day, I miss something and end up doing it only twice. Also, my mind is often distracted by my own questions and problems. Why is this happening?

Answer: Look, son, this is not just your mind. The planets and constellations are currently changing. For the creation of Satya Yuga (the Age of Truth), the positions of all nine planets are changing. And all have started working for their positions. The conception and preparation for Satya Yuga have begun. Because of this, the minds of all human beings have become restless. No human is free from this restlessness. So, the situation and time are like this. To get salvation from this, you should chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, and read the Bhagavat Ji. This can remove the restlessness of the mind. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:15 · 26 September 2023

Q_1560 As we have been told, there will be a time of darkness for seven days. What events will take place during that time?

Answer: See, that time is not now; it is to happen in the future. It is written in the Bhavishya Purana that this is set to happen at an auspicious time in the future. When there is darkness for seven days and seven nights, at that time Lord Kalki will establish a new Sun God and Moon God on the earth. And through that seven-day darkness, the work of creating a new era will begin. After establishing the new moon and new sun, the atmosphere and climate of Satya Yuga will be formed. But during those seven days of darkness, many disturbances and calamities can occur. It will also rain for seven days, a huge, devastating rain will occur, and there will be a big change in the water, land, and sky. However, the devotees will already have information about this and how to be saved. They will joyfully perform Trikal Sandhya and chant God's name. At that time, devotees will gather in groups to sing bhajans and chant the Lord's name. The seven days will pass in bliss. After seven days, Satya Yuga will begin. This will be a separate session for the purpose of transformation. It is not destructive; it is for the welfare of the people, for the establishment of the new sun and moon, and it will all happen before the full arrival of Satya Yuga. There will be no problem for those who remain in dharma, in purity, in devotion, and in the refuge of God.

► Watch this answer · 23:42 · 26 September 2023

Q_1561 Since the book Bhavishya Malika was written 600 years ago, did it not come into contact with anyone else until this era? Or is it just manifesting now? Was it kept secret before, and is it only now coming before everyone since you all started this work?

Answer: See, in the Bhavishya Purana, the Panchasakha, Mahapurush Achyutananda, wrote that when the Kali Yuga ends, when Lord Kalki descends on earth, when dharma is established, when calamities and disasters befall the earth, and when the work of creating Satya Yuga begins, at that very time, the Bhavishya Malika will be propagated. This propagation of Bhavishya Malika that is happening is by the Lord's will. That is, it is not without God's will. For 600 years, people could not propagate it because it was not God's will. Now that it is the Lord's will, it is being propagated. The Kali Yuga has ended; this is the time for the establishment of dharma. Whatever is happening is by the Lord's will, not by my will. Yes, I am a disciple of Achyutananda, and with his blessings, I am speaking about the Bhavishya Malika. But the one who makes me speak and the one who does everything is Him. It is God's will now that the time has come. It is necessary for the devotees of all of India and the world to know what is going to happen next, how dharma will be saved, how Sanatana Dharma will be saved. For this reason, it is being propagated now. Now is the time; it is necessary. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:18 · 26 September 2023

Q_1562 There are many people who used to claim their name was in the Bhavishya Malika, but now those same people are saying that the Bhavishya Malika is false. What would you like to say about these people, Pandit ji?

Answer: Look, regarding those who say their name is in the Bhavishya Malika, in my opinion, I have not seen it; that's the first thing. Second, I first started propagating the Bhavishya Malika in Hindi in 2012. You won't find any videos before 2012, or even before 2016. After 2018, when I propagated it more widely, people started reading and listening to it and then began propagating it further. Look, its propagation is a good thing because the message reaches the devotees. But whoever calls the Bhavishya Malika false, we will call them a heretic (vidharmi). They are not part of Sanatana Dharma. We will call them heretics because the Bhavishya Malika is the imperishable scripture of Sanatana Dharma composed in the Kali Yuga. After the Dvapara Yuga, no scripture of such great tradition and importance for Sanatana Dharma has been composed. It contains everything: the incarnation of God, the establishment of dharma, the salvation of devotees, the salvation of all countries, the salvation of the yuga, and the change of the yuga. Mahapurush Achyutananda has written 100,000 scriptures. This is an honor for the Odia language, Odia tradition, and Jagannath culture. If some people speak wrongly about this honor, we will not accept them as part of Sanatana, because this is a fundamental element of Sanatana Dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:24 · 26 September 2023

Q_1563 Guruji, what is the future for those who want to become doctors and engineers? Because Saturn is entering Pisces on November 2, 2024, and will stay until 2027-28. Many negative things are going to happen until then.

Answer: Look, the transit of Saturn into Pisces is on March 29, 2025. I have said this before. Mahapurush Achyutananda has written that if Lord Kalki wishes, then in 2025, when Saturn enters Pisces, a difficult time will come, but the final dissolution (pralaya) will not happen. So, all this depends on the Lord—what He will do, when He will do it, will be according to His will. But it will definitely happen; there will be no change in that, though the timing might shift. Just as we have to eat, look after our family, society, and the world for as long as we are alive, we must also maintain our own capabilities. So, when the destruction happens, that time is different, but no one should stay away from their duties (karma). Everyone should do their work, study. Whatever the outcome with time, it will be for everyone. And we are preparing for that too. For your protection, joy, and peace, I am telling you about this sacred stream, about Trikal Sandhya, and to remain in the refuge of God. And also do your work. Whatever happens with time, everyone will face it, and we will also face it together. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:30 · 26 September 2023

Q_1564 My son is one year old and the doctor says he has a calcium deficiency, which has made his leg a bit crooked. The doctor has advised feeding him eggs, but I am not doing it. Everyone at home is pressuring me, saying there will be problems otherwise. What should I do, Pandit ji?

Answer: Look, mother, for calcium, mother's milk is the greatest source. A person gets more calcium and nutrients from mother's milk than from external sources. Do one thing for him: make him listen to the Srimad Bhagavat Ji while holding him in your lap. By listening to the Bhagavatam, his lifespan will increase, the elements of his body will also strengthen, and God's grace will be upon him. We are against the killing of animals for fish, meat, and eggs. It is written in the Srimad Bhagavatam that anyone who kills an animal commits a sin, and they will have to bear the fruit of that sin. Look at the vegetarian animals in the world, like elephants and horses—the horse is given 'horsepower,' meaning it is the most powerful. So, the medical aspect is different, but in our philosophy, we consider the spiritual element to be the greatest system for humans. Make the child listen to the Bhagavatam and feed him mother's milk. With this, God's grace will be bestowed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:21 · 26 September 2023

Q_1565 When there is darkness for seven days and the sun is not visible, will a new sun and moon be created, or will the current ones remain?

Answer: See, I have said this before. The question you have asked is a good one. Because when Satya Yuga arrives on earth, a specific atmosphere is needed. The heat of the current sun has increased so much that it causes many problems for humans—droughts, cloudbursts, and climate change, which has also brought diseases. The rays of the moon have become dim and weak, making it difficult to travel at night. Therefore, Lord Kalki will establish a new Sun God, which will emit cool light for the welfare of the people. The climate will be such that the temperature will remain around 27-28 degrees. The brightness of the moon's rays will increase, allowing people to travel at night with joy as if it were day. For this to happen, there will be darkness for seven days and seven nights. During that time, sinners will be destroyed, and devotees will be saved. This is also written. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:27 · 26 September 2023

Q_1566 Pandit ji, I saw in the almanac that next year, from April 16, 2024, the Samvatsara (Hindu year) will be 'Krodhi' (angry) and is also described as 'Kaal Yukt' (associated with time/death) in the north. Could you shed some light on this?

Answer: Look, mother, regarding what will or will not happen... the Bhavishya Purana was composed for the salvation of mankind. It was written for the rights of the devotees, their survival, their salvation, their happiness, and peace. People should follow the path that I describe from what Mahapurush Achyutananda has written. Whatever is destined to happen, will happen. But the sinners will be destroyed, and dharma will be illuminated. Those who commit sins will face trouble. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:10 · 26 September 2023

Q_1567 I am coming to the gathering in Gurdaspur, so will I get a chance to meet you?

Answer: Yes, I set aside some time to meet the new people who come. Since you are coming, there is no problem. I will gather all the new people in a group and give them time. We will discuss whatever doubts each person has. Okay?

► Watch this answer · 42:52 · 26 September 2023

Q_1568 Regarding the current tensions between India and Canada, including the Khalistan movement, will this situation escalate or will it be resolved? Is anything written about this in the scriptures?

Answer: This is a very important and good question. See, since 2014, I have said in many videos that India's relationship with Canada will not be good. And this movement that is going on now... look, when the yuga (era) changes, disarray emerges among people. Communalism and discrimination develop on their own. See, there will be no resolution to it, I am telling you this from the beginning. All of India is going to become Akhand Bharat (undivided India), and India is going to lead the entire world, according to the Bhavishya Purana. India's honor is going to be the highest in the world. So, this is a good time for this. Because God is in this country... and all the people of Punjab and India, the devotees, will work to establish dharma in the coming time. The time of Lord Kalki's destruction and the establishment of dharma is ongoing. We don't have much time for other changes to happen, because a time of yuga change is coming by 2032. Satya Yuga is about to arrive. So, there is no need to think about this. Before any resolution of this issue, the establishment of dharma and the world war will begin. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 49:58 · 26 September 2023

SESSION 93 · QUESTIONS 1569–1573

L99 - मालिका पुस्तक के साथ कल्कि अवतार के प्रमाण | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 30 September 2023 · Watch the full session ↗

Q 1569 Pandit ji, I am speaking from Faridabad, Haryana. I have a question. The date and time that Maharaj Shri has mentioned in the scripture, is that time about to begin, has it already begun, and for how long will it last?

Answer: Look, from 2025 to 2032, a great time for the establishment of dharma is coming. Some people mention other dates, but that's not very significant because this Bhavishya Malika is written in Odia, and people who don't know the language just speculate. But truly, the work will begin from 2025. On one hand, the devotees will be saved, and on the other, the sinners will be destroyed. And one more thing, Mahapurush Achyutananda has written... this Bhavishya Malika was written by Mahapurush Achyutananda and the Pancha Sakha (five friends). They wrote that 'we have written down all the timings, but if Lord Kalki wishes, he can delay it a bit or even do it earlier.' It is written in Odia: 'Lekhi liva shakti jaara thare, moro sharana,' which means, 'The one who has the power to erase what I have written, I take refuge in him.' So, the Lord has the power to change what is written. And when Lord Kalki desires, he will carry out the work according to his own will, and it can be moved forward or backward. If people say it will happen at a certain time and it doesn't, it might happen a little later or earlier, because nothing will happen based on human words. It is all under the control of Lord Kalki. But the work is going to happen within the period being mentioned. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:26 · 30 September 2023

Q 1570 I have a small question. You once told me that ISKCON is also ours, and I agree with that. But when I went to them and said, 'Look, this is what is written in the Malika,' they did not listen to me. They said, 'No, no, it's not like that,' and mentioned their 42 years... so they are not actually supporting it. So what should be done?

Answer: That's a very good question, thank you. Look, this Malika scripture contains all the details of Lord Kalki's incarnation, including the names of his father and mother. We will speak the truth as it is written in the scripture. Most importantly, as the Malika is being propagated, there will also be misinformation. If we clarify this, the path will open for the true devotees who follow Lord Krishna. They won't be led astray by hypocrisy, and their pure devotion will not be tainted. Secondly, ISKCON is a tradition of Lord Shri Krishna. Many people from there, thousands of them, have joined us, while many others are opposing it. It doesn't matter. The true devotees will come. Thousands of ISKCON devotees have already joined this stream. They have embraced the Tri-Sandhya stream of this Bhavishya Purana along with the tradition of Lord Krishna. Mahapurush Achyutananda wrote that there will be many devotees of Lord Krishna, but only those who are pre-destined will attain him. They were once Gopis or Kapis. And only those people will accept the Bhavishya Malika with purity and respect and will take refuge in the Lord. So, wait for the time. You have asked a very good question. Many thousands of ISKCON devotees have come, and lakhs more will come with time, those who are destined to. Those who are not destined will not be able to understand and will speak against it. It doesn't matter. Just as butter is churned from milk, the Bhavishya Purana will separate the true devotees, and they will be saved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:06 · 30 September 2023

Q_1571 The Mlecchas (impure ones) also used to say that if Lord Kalki is God, why doesn't he come before everyone?

Answer: Look, in this Bhavishya Purana, Achyutananda has written that this is a great secret. These heretics say Kalki will come out in the open. Why? Devotees perform penance for millions of births and still cannot get a glimpse of the Lord, and in this age, do you think the Lord will just appear before these heretics, have a conversation with them, and debate them? Achyutananda has refuted this. He said it will be a mystery even to Brahma, Shankar, and the gods. Only the devotees who somehow receive the Bhavishya Malika will meet the Lord. The devotee and the Lord will meet. The Lord will never appear before the demons, sinners, or hypocrites. But the devotees will somehow get to see the Lord. He is not some media personality, political minister, or a big leader who will come and introduce himself and hold a big meeting. He is a sacred element of our Sanatana Dharma, which is beyond description. I don't have the words to describe it. And to think they will see such a great Lord so easily, and that I will reveal him so easily—that is not possible. Yes, you people speculate, I have heard it. That's why I am still giving you a chance: if you want to become good human beings, then have Odia people read what is written in the book, listen, understand, and then debate. If after seeing and knowing this, you still speak against it, then we will know that some anti-dharma conspiracy is at work. The Lord will counter this conspiracy, and dharma will surely move forward because when it is time for dharma to be revealed, no power can stop it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:35 · 30 September 2023

Q_1572 Father, I wanted to ask, it is written in the Malika that the Mahaprabhu will go to 'Bilat' (Britain) sitting on Garuda-ji (the divine eagle). Will he actually go sitting on him, or will he go by airplane? Please explain this.

Answer: Look, son, right now it is Kali Yuga, so people travel using machines (jantra). But the coming age, Satya Yuga, is the age of mantras. And Lord Kalki will go on Garuda because it is mentioned in the Garuda Samvad and the Jai Phula Malika. In it, Achyutananda Mahaprabhu has written that the Lord will go on Garuda. And with the strike of Garuda's wings, lakhs of Britain's white soldiers will die. After defeating all the soldiers, the Lord will retrieve the Kohinoor diamond (Kaustubha mani) and the Peacock Throne, which was Lord Krishna's throne in Dwarka and was stolen during Mughal rule, and bring them back to India. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:17 · 30 September 2023

Q 1573 I had a dream where I saw a very huge, fair-skinned man with curly hair, wearing a red shawl and a lungi. I was crying, and he was also crying. I was saying, 'Why did God do this to me?' because my newborn son had just passed away. He also said, 'I am also looking for God, I can't find him.' I told him, 'There is a satsang (spiritual gathering) happening here, sit in the satsang, you will surely find the Lord.' I didn't understand the meaning of the dream.

Answer: I only heard parts of what you said... Your voice is a bit low, mother. Some of it comes through, some doesn't, so how can I answer? I cannot hear you clearly, so I am unable to answer. If I could hear properly, I would give an answer. We will discuss your thoughts in the next satsang. And if possible, talk to Mohan on the number you have, and ask him to arrange a conference call with me. Okay?

► Watch this answer · 45:42 · 30 September 2023

SESSION 94 · QUESTIONS 1574–1581

L100 - भगवान कल्कि के अवतार बिरजा क्षेत्र में मालिका में प्रत्यक्ष प्रमाण | पंडित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 01 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1574 What you said is very similar to what the Brahma Kumaris say. Is their knowledge also from the Malika, or do they get it from another source? Secondly, we are propagating the message, but not many people are on this Google Meet. If we continue at this slow speed, how will we reach everyone in time, according to the prophecy?

Answer: Prajapita Brahma Kumaris is a holy organization doing religious work all over the world. Regarding your second question about the slow pace, it will accelerate later. When destruction comes, people will turn towards this path out of fear and devotion. At that time, the situation will be such that things will happen according to the Lord's will. As for our small efforts, if you wish, you can contribute to and follow them.

► Watch this answer · 42:16 · 01 October 2023

Q_1575 I am from Nashik. I have started reading the Bhagavat Mahapuran. I have had experiences where I've seen stone idols of the Goddess seem to move, and since childhood, I have had premonitions about future events and wars. What is the meaning of these experiences?

Answer: It is your good fortune that you are reading the Bhagavat Purana and performing the Trikal Sandhya (thrice-daily prayers). With time, we will all move forward with the work of establishing dharma. Let us all work together for Sanatana Dharma. You should continue your work and propagate this Bhavishya Purana for the salvation and welfare of humanity, because we have very little time. Many diseases and calamities are coming.

► Watch this answer · 44:17 · 01 October 2023

Q_1576 Will the main events start in 2034-35? Is Lord Kalki's divine play already underway, and has he taken incarnation? If so, when will he appear before everyone?

Answer: The Lord's full power will not be revealed until 2032-33. Lord Kalki's divine play (leela) is indeed ongoing, and according to the scriptures, his incarnation has already happened. However, he will not appear before everyone by 2035.

► Watch this answer · 47:56 · 01 October 2023

Q_1577 Will the gathering of devotees happen before the establishment of dharma or after? And from where and when will the devotees who contribute to establishing dharma receive their training?

Answer: At that time, the 16 Mandals (groups) will have been formed, and the devotees will be gathered. The Divine Mother will ask questions about the Trikal Sandhya and the principles of the Bhagavata. That is why I am telling you all this now, so you can prepare. Only those who can answer will be selected.

► Watch this answer · 49:29 · 01 October 2023

Q_1578 According to the Malika, when will our electronic meetings on the internet stop? When will the internet and electricity go out? Also, which will happen first, the world war or the civil war?

Answer: Look, a civil war is already underway across the entire world. In every country, communalism is rising, and this conflict has begun everywhere. After that, the world war will happen. As for the electronics, God will decide about that. Until the good human beings are saved, the Lord will not bring a very large calamity; smaller ones will come first. This is why we tell everyone to follow the path of Trikal Sandhya and read the Bhagavata, so that people can become good human beings and be able to go to the divine council.

► Watch this answer · 53:14 · 01 October 2023

Q_1579 Lord Krishna had 108 wives. This time, how many wives will Lord Kalki have?

Answer: Regarding that, God did not make them his wives. Jarasandha had imprisoned them, and the Lord rescued them. They then took refuge in him. The Lord is the master of the entire world, and in that sense, we are all his wives. From this human perspective, we think about the number of wives, but in my view, the Lord has infinite crores of wives, and He is our master. I am also his wife. In this world, the only true male is the Supreme Being, the eternal Lord, and everyone else is his servant. However, to answer your question directly, in this Kali Yuga, according to the Kalki Purana, Lord Kalki will have two wives... actually, the prophecy has clarified that Lord Kalki will have only one wife, Mother Vaishno in the form of Mahalakshmi.

► Watch this answer · 55:35 · 01 October 2023

Q_1580 How can we stay healthy? The effectiveness of medicines is decreasing.

Answer: To get relief from diseases and illnesses, it is necessary to increase dharma (righteousness). Dharma will increase when you follow the Trikal Sandhya. This is a holy path. Through this path, humans can attain protection. This path is for the protection of the human body from major diseases, natural disasters, and untimely death. We propagate this, and you all should follow it.

► Watch this answer · 57:07 · 01 October 2023

Q 1581 I had a dream about Pakistan attacking India. My question is, with the terrible situation that is coming, you said devotees will gather at Khandagiri. But when services like the internet, network, and transport all shut down, how will we be able to reach there? How will we meet the Lord when there are no means of travel?

Answer: Dharma will be as close as it needs to be. Human beings will attain divine powers. When one element is removed, another holy element is created. For example, the Lord showed you the India-Pakistan war in your dream because it is written in the prophecy. To come into our stream is a straightforward matter. We recently heard in the news that America is planning to buy weapons from Pakistan and manufacture them with American technology. You should just continue to follow the path.

► Watch this answer · 58:11 · 01 October 2023

SESSION 95 · QUESTIONS 1582–1590

L101 - भक्तों के साथ के खंडगिरि में कल्कि लीला प्रकाश होगा। पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 03 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1582 Gurudev, with all these earthquakes and destruction happening, is it still okay to build a house?

Answer: Until 2032-33, the work of establishing dharma will continue. We have to live during this time. Happily build a house; the time is right for building one. Build a house. There's no issue with that. Earthquakes will keep happening, everything will keep happening.

► Watch this answer · 44:39 · 03 October 2023

Q 1583 During the establishment of dharma, will the ongoing Rath Yatra (Chariot Festival) and Snan Yatra (Bathing Festival) in the Jagannath region, and the 13 sacred festivals of the Lord that occur in 12 months, continue or not?

Answer: The great sage Achyutananda has written that for six years, the Rath Yatra of Lord Jagannath will not take place. And for nine years, Mother Earth will remain silent. For nine years, the Rath Yatra will not happen on Earth. During this time, a world war will be ongoing, and a great calamity will persist, so it will not happen then. After establishing dharma throughout the world, Lord Kalki himself will conduct the 'Patit Pavan Yatra' (journey of the savior of the fallen) three times.

► Watch this answer · 45:46 · 03 October 2023

Q 1584 According to the scriptures, who will be the Lord's mother and father?

Answer: Look, I am revealing as much of the secret knowledge as should be revealed. It is not possible for me to reveal more than that. If you have another question, ask. I have explained everything with the books in front of me, what more is necessary? Look, even Lord Brahma does not have the power to test the Lord, so how can we? It is not possible for us to reveal all of these deep secrets. I have told you what was necessary. I have discussed the scriptures; yesterday I told you about the 'Shivakalpa' scripture, about the 'Bhavishya Malika', about the 'Kalki Gita' and 'Gyan Kal Kavita'. I am telling you what is written in all these scriptures. Still, I will say less. Jai Jagannath. Anyone else?

► Watch this answer · 47:42 · 03 October 2023

Q_1585 I saw you and Mother Durga with you in a dream. I saw you both in front of the banana tree at our house. What does this mean?

Answer: I am involved in the work of propagating the Bhavishya Purana. The vision you had of Goddess Durga means that people should know that Mother Durga is still saying that whatever Pandit Kasinath Mishra ji is telling you, you should follow it and accept it. It will be auspicious for you. Consider this as the Mother's command. Seeing me with her means the Mother is indicating that what I am saying... I am involved in the work of propagating Sanatana Dharma throughout the world, and people should accept this work with a pure heart.

► Watch this answer · 49:07 · 03 October 2023

Q_1586 The fierce form that she will take, will it be under the Lord's direction in the future? We don't know yet. So, when the great pandemic and all this comes, will it be for a certain number of years?

Answer: She will do it; it is the Lord's will. But I will tell you one thing: until the 16 Mandalas (circles/groups of devotees) are completely formed...

► Watch this answer · 50:39 · 03 October 2023

Q_1587 I have just joined, I am from the Himalayan region. I feel a connection with Maa Girija... according to her knowledge... (The question is incomplete, but seems to be asking for guidance based on a spiritual connection).

Answer: Okay, nothing more is necessary, my child. Because look, by the Lord's grace, the Mother has guided you, and today you are speaking with me. Follow the Bhavishya Malika, and you will meet Lord Kalki within 7 days. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 52:07 · 03 October 2023

Q_1588 Pranam, Acharya ji. Could you please explain the significance of Sankhya Yoga, particularly the teachings Lord Kapila gave to his mother?

Answer: To Mother Devahuti, Lord Kapila explained that the world is an illusionary bond and only God is the ultimate truth, while the world is false. In the Kapila Shruti, through Sankhya Yoga, Lord Kapila—an incarnation of Lord Krishna—taught his mother about 'Sankhya Yoga'. 'Yoga' refers to human action (karma), because a Karma Yogi is one who connects sacred elements with their actions. This is what he explained through Sankhya Yoga. The vision of Sankhya Darshan is a vision that great sages and ascetics receive.

► Watch this answer · 53:34 · 03 October 2023

Q_1589 On Radha Ashtami, I had a dream. We were standing, and on the left side was Radha Ji and on the right side was Kanha Ji (Lord Krishna). Then a building fell, and bullets were coming from above and falling. At the same time, a red-colored light appeared in the sky. I don't understand the meaning of this dream or why I saw it.

Answer: Those who follow, who are devotees, or who are the Lord's own people, the Lord gives them a vision in the form of Mother Radha and Krishna. The forms can be different.

► Watch this answer · 57:54 · 03 October 2023

Q_1590 It is written that this will happen by God's will. So, what if it is not His will for it to happen?

Answer: Therefore, the establishment of dharma will definitely happen. Devotees will surely be saved, sinners will surely be destroyed, and the divine play of the Lord will also move forward. Be certain of this. Wait for the time and see what happens next.

► Watch this answer · 59:43 · 03 October 2023

SESSION 96 · QUESTIONS 1591–1603

L102 - शून्य में धूमकेतु का दृश्य होगा | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 05 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1591 Radhe Radhe, Guruji. I am speaking from Nepal. Is there anything written in the Malika about Nepal? Currently, Nepal's population is around 30 million. How many will survive after the war?

Answer: Look, in the last spiritual discourse, I had mentioned that there would be an earthquake in Nepal, and indeed, an earthquake occurred in Nepal yesterday or the day before. A major earthquake is going to happen in the future affecting Nepal and the adjoining Bihar. There will be a great deluge. There will be massive destruction from the earthquake there. Along with that, among all the people, the devotees will be saved through this Bhavishya Malika. The exact number is not written because, let me tell you one thing from Mahapurush Achyutananda, I cannot say this controversial thing. Because when it comes to Akhand Bharat (Undivided India), you are aware of it. In Akhand Bharat, 330 million devotees will survive. And apart from Akhand Bharat, in the other countries of the world, a total of about 310 million people will be saved or will become devotees. So, with this ideology, promote the Bhavishya Purana. Nepal has a good religious sentiment. Lord Buddha was born in Nepal, and Lord Buddha is the ninth incarnation of Lord Mahavishnu. There is a composition about Lord Buddha in the Srimad Bhagavata Mahapurana. And Nepal has an old, sacred, familial connection with the Jagannath culture. This proves it is a connection to the fundamental principles of Sanatana Dharma. So, in this manner, you should propagate the Bhavishya Purana in Nepal and save the devotees. When the time comes, we will someday go to Nepal to work towards changing people's ideology through spiritual discourses. Time is short, but if God is gracious, we will definitely go. Jai Jai.

► Watch this answer · 31:46 · 05 October 2023

Q 1592 Yes, Prabhu ji. I was saying that I have two questions. The first question is, as you mentioned, Lord Kalki's name in this birth is Madhav. Now, we are in the habit of saying 'Radha Krishna'. What I do now is I wake up at 4 AM, and before performing the Tri-Sandhya, I chant 'Radha Madhav, Radha Madhav'. This way, the name Madhav comes out of my mouth, and so does the name Radha. So, if by mistake we take the name of Krishna or Ram, will God listen to our prayers?

Answer: Look, son... (recites a Sanskrit shloka)... 'Radha Madhav Ni Jayanti Jamuna Kure Ke'. This means that the first day Mother Radha Rani met Lord Krishna, the day Lord Brahma got Radha Rani married to Lord Krishna, on that very first day, Mother Radha Rani called Lord Krishna by the name 'Madhav'. She never called Krishna 'Krishna'; she always called him 'Madhav'. And the name 'Madhav' was reserved for Mother Radha Rani in the Dvapara Yuga. In this era, Lord Kalki has made the name 'Madhav' free for everyone. You all are fortunate to be chanting the names 'Madhav' and 'Radha'. This is your good fortune. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:15 · 05 October 2023

Q 1593 Gurudev, I have two questions. I am a student from Ireland, originally from Kolkata. So, Gurudev, last month I had a very bad dream. I saw that in some terrible, dire situation, people were trying to save their lives by jumping from a long bridge into a river. But as they were jumping, the river's water was drying up, and they were falling on stones and dying. What is the meaning of this? This is one question.

Answer: Look, son, in the times to come, a situation will arise where there will be no food, no grain, no clothes, and no cure for diseases. People will think, 'What's the use of surviving?' In such people's bodies, the goddess Jogini will enter, and they will invite their own death. This is written in the Bhavishya Purana. It's a frightening thing, so I don't discuss it much. This will apply to sinful people; for righteous, good people, there will be no such problem. But such a time is coming in the future when people will give up their lives of their own will. And the reason for this will be the influence of the goddess Jogini, due to which people will lose their mental strength and resolve. Their spirit will be broken. When they don't get food and only find sorrow, they will say, 'Why live?' Such a time is coming in the future. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:12 · 05 October 2023

Q 1594 The second question is, the Bhavishya Malika book that you have composed, is its Bengali translation available? We want to read it.

Answer: Look, I'll answer the second question. See, in the upcoming months of November-December, in November, the Bengali version of the Bhavishya Malika book will be unveiled at the Jagannath temple in Khidirpur, Kolkata. We are going there for a Bhagavat Katha. After that, you will get the Bengali book. Its translation is complete, but we will unveil and launch it for the devotees then.

► Watch this answer · 36:42 · 05 October 2023

Q 1595 I actually have two questions related to Hyderabad. In Hyderabad, I am associated with another meditation group called 'Shanti Vanam', where many people come. I was thinking that good people come there too, who want to improve themselves, who practice yoga and meditation. So, can I speak about this [Bhavishya Malika] there?

Answer: Very good, son. Look, people who do meditation are generally good people. See, if we ourselves examine the state of the world, is there any guarantee for our future today? If there is a guarantee, then why do so many calamities occur daily? You can see it happening. So, these times are about to change. According to the scriptures, Kali Yuga has transformed, and the era of Satya Yuga is beginning. At this time, all transformations will happen. So, tell everyone, propagate the Bhavishya Purana, and help people become good human beings. By doing this work, humanity will be saved. The scripture that was composed for the welfare of the world will be used for human welfare. Okay.

► Watch this answer · 39:40 · 05 October 2023

Q 1596 Yes, my question was, before joining the 'Dhara' (the stream/path), can I have a vision of the avatar?

Answer: Look, I've said this before, son. By performing the Trikal Sandhya, reciting the Madhav Stuti, and reading the Srimad Bhagavatam for six months, and by immediately following the 'Dhara', you will receive a vision, either in a dream or as a direct experience, somewhere. After that, you can contemplate on it. But I will say this much: those who remain in the 'Dhara', in purity, will have God's grace to become humans of the Satya Yuga. And he who is destined will have a vision of God. He who is not destined may not have a vision of God but will still be a human of the Satya Yuga. Okay.

► Watch this answer · 41:10 · 05 October 2023

Q 1597 Jai Jagannath, Pitaji (father/sir). How are you?

Answer: Yes, Jai Jagannath. Speak. (Caller says: I am Pal from Ahmedabad). Yes, Pal, I know you. Speak. (Caller says: It's been a long time since we talked, I haven't seen you, so I thought I'd see you and take your blessings). Oh, I was just discussing you with Krishna today. I was about to call you. (Caller asks to call tomorrow). Yes, yes, call Krishna and have him connect you to me. (Caller agrees). Okay. And is everything blissful? (Caller: Absolutely blissful). Okay. May Lord Jagannath's grace keep you happy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:17 · 05 October 2023

Q 1598 Like you, I have also told many people about the Bhavishya Malika. But now, they are taking it very lightly. They are not denying it, but they say things like, 'If we have to die anyway, let's live life to the fullest,' and they pass a very strange smile. So, I get angry and wonder whether I should tell them or not, because I feel bad, why should I tell people who are just making fun of it? I perform the Tri-Sandhya, and in the Krishna temple I visit, I have even had visions of Lord Krishna. I have my faith, but when I tell others, they react like this. So I feel like I shouldn't tell anyone. What should I do? Please tell me.

Answer: This is a very good question from this daughter. She is asking that when she talks to people, they don't accept it and sometimes even criticize it. Look, mother, in the Bhavishya Purana, Achyutananda and the Pancha Sakha have written... (cites a verse). This means Achyutananda has said that this Bhavishya Purana should be told to those who are true devotees of Krishna, Ram, or Lord Shankar, and who are vegetarian. Telling them will yield some results. Do not speak to those who are under demonic influence, who have pride, arrogance, and ego. And another thing, regarding the Bhavishya Malika, just tell them this much: 'The times are changing, follow the Bhavishya Malika.' And if you see interest in their heart, then you can tell them more; otherwise, don't say anything. Speak to good people, don't talk to bad people. And secondly, if someone shows interest, meaning their heart asks you, 'Look, tell me about it,' then you should tell them. But just briefly say, 'The times are about to change.' If they then ask you, 'Tell us, what changes are coming?' then you can explain. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:46 · 05 October 2023

Q 1599 I wanted to ask, will Khatu Shyam Ji also be born again?

Answer: Look, have you received any signs from the area of Shyam Ji? Have you all seen any signs? (Caller: Pandit ji, the glass broke, it was in the news). Yes, yes, the glass. The glass installed in front of him broke. It's not known how it broke on its own, it was in the news. Contemplate on that. Because, look, Khatu Shyam Ji is God's greatest devotee. He is Balal Sen. And Balal Sen could not fight in the Mahabharata war. And now, at the end of Kali Yuga, Lord Kalki will bestow his grace upon him. He has already been born in a human body, and he will fight against the enemies of India. Okay.

► Watch this answer · 47:07 · 05 October 2023

Q 1600 He is also there, so how will he be born? I mean Ashwatthama.

Answer: Ashwatthama is immortal. Listen, Ashwatthama, Bali, Vyasa, Hanuman, Vibhishana—all of them are immortal. Ashwatthama is immortal, meaning he has not died. He is currently waiting for Lord Kalki. And it is written in the Bhavishya Malika that Ashwatthama will come to take refuge in Lord Kalki, and Lord Kalki will take away all his pain and suffering and grant him a divine body. He too will fight against the enemies of India. He is immortal; he will not be born. He is alive. But Balal Sen has been born, Abhimanyu has been born, Babruvahana has been born, Ghatotkacha has been born, Ekalavya has been born—everyone has been born. The Pancha Pandavas have been born. They are all getting ready for the task of destruction and re-establishment of dharma for Lord Kalki. Not everyone will know this; we are telling you everything from the Bhavishya Malika.

► Watch this answer · 48:27 · 05 October 2023

Q 1601 Pandit ji, it's been a month since I started doing the Sandhya. Before this, I did it for three or four days and then stopped. Then I had a dream in which a 12-year-old boy was distributing papers about the Tri-Sandhya to everyone. Out of fear, I started doing the Sandhya again. What does this mean, Pandit ji?

Answer: God is telling you, 'I am distributing the Malika, and why did you people leave the path of Tri-Sandhya?' Because it is the time of transformation. And God himself is telling you this. Because, mother, this is only for the fortunate ones—the most fortunate, not fortunate in terms of money. Even the owner of the world's greatest wealth will not get this fortune. Not everyone gets it. Because in this birth, you might get something small, but for infinite births to come, the Tri-Sandhya will continue to save people. Perform the Sandhya, stay in the Lord's refuge. Along with time, you are receiving the Lord's signs. Do your work joyfully. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 50:16 · 05 October 2023

Q_1602 Yes, I had a question. Regarding the military personnel, the soldiers of India—because I am also doing some propagation work, many people call and ask me that they are helpless. In their mess where food is cooked, non-vegetarian food is also prepared. In that situation, what can they do?

Answer: This question... actually, given their situation, what can they do? But what can I do, son? Dharma is dharma; it is straightforward. And dharma says that killing a living being is a great sin. Look, God has given us birth, and we ourselves are living beings. The Vedas are our scriptures, and it is written in the Vedas that humans should be based in Sattva Guna (the quality of goodness and purity). And humans based in Sattva Guna receive God's grace. So, for this complex question, I have no solution. But this much I can say: they should at least chant the name of Madhav. They are protecting our country. We have great respect for them; they work day and night to protect our nation. May God's grace be upon them. They should chant the name of Madhav, move forward, and strengthen the country's security. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:40 · 05 October 2023

Q_1603 What will be the situation in Hyderabad? There are many Muslim people in Hyderabad. And what kind of calamity, what kind of natural disaster can come? What will happen? What has been written?

Answer: All of Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu—all these will be affected by ocean deluge, floods, earthquakes, and unknown diseases. A time will come when the sea will reach up to the goddess who is on the hill in Visakhapatnam. So, during this time of re-establishing dharma, calamities from the five elements will also be present. But the biggest relief is that it is written in the Bhavishya Malika about the Rameshwaram Mandal (region). The Rameshwaram Mandal will represent the South. It will be named after Lord Kalki's region. In that region, all the devotees will gather. Devotees from Karnataka, Kerala, Tamil Nadu, Telangana, and Andhra Pradesh will all come together in one region and work to propagate the name of Lord Kalki. So, the establishment of dharma will definitely happen. Calamities will keep coming, but we have nothing to do with that because it is necessary for devotees to turn towards dharma, for humanity to turn towards dharma. Because two principles are written in the Malika: one is the destruction of sinners who are harmful to the world and creation—for them, it is the cause of destruction. And on the other hand, the salvation of good, pure humans who are devotees of God, and their placement in a good place. Both these elements are in the Bhavishya Purana. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:27 · 05 October 2023

SESSION 97 · QUESTIONS 1604–1627

L103 - शून्य में धूमकेतु का दृश्य होगा भाग - 2| पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 06 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1604 Pandit ji, my question is about a YouTube channel named 'Shri Satya Gatha'. They posted a video claiming that Lord Kalki, our Madhav, will come to this earth as a thought or an idea, not in a human form. They argue that he won't be born, but will just take a form, as Lord Jagannath is the greatest and oversees everything. They also showed a shloka. What are your thoughts on this?

Answer: Lord Jagannath himself will take a human form and perform his divine play in secret. The devotees will call him Kalki, who will have a blue-white form. This event will not be averted or proven false; devotees have been waiting for this for four yugas. The scriptures say, 'Jagannath will roam the world in a human body.' The Lord has never come to the world without a mother and father. Lord Vyasa wrote that Lord Kalki will be born in the house of a prominent Brahmin in Sambhal village. Are Lord Vyasdev's words false? Those who twist the Malika will face the consequences. I don't twist things. Neither the words of Lord Vyasdev nor the Panch Sakha will be false. No Purana, be it Kalki Purana, Vishnu Purana, or Vayu Purana, is false. We speak according to the scriptures.

► Watch this answer · 14:06 · 06 October 2023

Q 1605 Prabhu ji, my question is, as written in the Bhavishya Malika, is it not necessary for Madhav Shri to take an incarnation? Could he descend into someone's body instead?

Answer: No, it's nothing like that. When God comes, He comes with a father and mother to establish dharma. He performs human-like divine plays (leelas) with his devotees from childhood. He comes like a human to establish dharma. For example, in the Prahlad avatar, the Lord came directly from Vaikuntha, took the avatar, and then left. But the Kalki avatar will take many years to establish dharma, so he will have to come in a human body, not a temporary divine one. Lord Vyasa has written in the Srimad Bhagavatam that Lord Kalki will be born into a Brahmin family as a very powerful human. It's not good to speculate about this. In Sanatana Dharma, we should accept what is written in the scriptures, not create different ideologies.

► Watch this answer · 17:03 · 06 October 2023

Q 1606 Prabhu, we are connected to the Sudharma Mahasangh group on Telegram. As information comes on Telegram, will we have to provide different names for each family member?

Answer: Look, those of you who are connected with the satsang and attend the online sessions, you can contact the numbers that have been provided to you. If necessary, you can ask them to arrange a conference call with me. New people can also get in touch through those contacts.

► Watch this answer · 19:21 · 06 October 2023

Q_1607 Pandit ji, what will happen to the mute creatures around us, like dogs, cats, and all other such animals, in this cataclysm?

Answer: All creatures, including humans, are born according to their karma. For the welfare of the world, it is necessary for us to do our work, whether it's for animals, plants, or humans. All beings are born according to their past actions.

► Watch this answer · 20:12 · 06 October 2023

Q_1608 I had a doubt. I'm in a Telegram group where I was told that if someone is dying, we shouldn't pray for them or try to save them, but should leave it to the Lord. I wanted to know your view on this.

Answer: Helping any human or animal is an act of dharma (righteous duty). However, our primary prayer to God should be: 'Lord, may dharma be illuminated, and may sinners be destroyed.' This is because those who are against the welfare of the world bring only sorrow. Righteous and holy people should inhabit the world, which is why God establishes dharma. So, pray for the illumination of dharma and the destruction of adharma (unrighteousness). Follow this path and perform the Sandhya prayers, and everything will be fine.

► Watch this answer · 20:24 · 06 October 2023

Q_1609 This world is fundamentally perishable. Jobs, business, and life itself will one day end. Why did the Lord create such a transient world?

Answer: You are knowledgeable to ask such a question. The Lord created this transient world for the judgment of karma for all beings, from gods to humans. If beings had permanence, gods might become arrogant, and humans, without fear of death, might indulge in sin. This transient nature allows for change through karma. The earth is a place where the karma of all souls is judged. A being is born due to its karma, and when that karma is exhausted, it takes another birth. This world was created to uphold the law of karma. Those with a path to liberation are given a human birth. Those who do evil are born as lesser creatures. Without this system, there would be no order. It was necessary for God to create it; it is His will.

► Watch this answer · 24:15 · 06 October 2023

Q_1610 What is Brahman, and how can it be known?

Answer: In the Gita, it was told to Arjuna that Brahman is indestructible; it is the form of light. The life force we see in every particle is a part of Brahman. Brahman is that which has no form and no description; it pervades millions of universes. For devotees, the Lord comes from Brahman in a manifest form (sakar) to give his vision. For sages, the Lord appears as the light of the formless Brahman (nirakar). Brahman is indestructible and unborn. For the needs of humanity, the Lord sometimes takes an incarnation on earth and assumes a manifest, human form. A human lacks the power to fully describe Brahman.

► Watch this answer · 27:33 · 06 October 2023

Q_1611 What will happen to the children who are being born now? When the destruction begins, what will become of them? I am worried about that.

Answer: Every being, human or otherwise, has come into this world due to their own karma. While we may be their family in this life, they are here because of their past actions. The law of karma is under God's control. However, understand that at this time, many good and wise souls are being born for the advent of Satya Yuga (the Age of Truth). They will do good work for the new age. But ultimately, what happens to anyone is dependent on their karma, which is in God's hands. People are born into different families and religions, all subject to their karma.

► Watch this answer · 29:36 · 06 October 2023

Q_1612 During this period of Pitru Paksha (fortnight of the ancestors), some people say one should not perform regular worship. If we make food offerings (bhog) to the Lord, does He accept them?

Answer: Yes, He accepts them, mother. If we offer prasad to the Lord with devotion, He will surely accept it. I have seen instances where devotees make an offering, and the entire plate becomes empty because God has accepted it. As the saying goes, 'The way the Lord manifests depends on one's devotion and love.' If you offer anything with devotion—water, fruit, flowers, or just your devotion—the Lord accepts it. This is why the world functions. The sun, the moon, the rains, the crops—everything flourishes by His grace. If you have true devotion, He will surely accept your offering.

► Watch this answer · 31:16 · 06 October 2023

Q_1613 Regarding the previous question about children, I recently saw a video of an eight-month-old girl who was correctly answering her mother's questions about Sanskrit shlokas. Are such divine beings taking human birth now?

Answer: I have said it before: the current yuga is ending. Now, gods, yakshas, gandharvas, devotees, and sages are all taking incarnation. Many good humans and pure souls are coming to earth. Everything is under God's control, and people will receive fruits according to their karma. Just as gods are being born, so are asuras (demons). God will liberate everyone—the children and the old—but one's karma must be righteous. At this time, many pure souls are being born on earth because the era demands it.

► Watch this answer · 32:48 · 06 October 2023

Q_1614 You once said that our tradition is the Madhavi sampradaya (sect). What was your sampradaya before, and what was your guru's?

Answer: My sampradaya is the Sanatana sampradaya, the Hindu sampradaya. In the upcoming Satya Yuga, the one sampradaya will be the Madhava Acharya sampradaya. Devotees will follow the principles of Chaitanya Mahaprabhu: chanting the name, purity, devotion, and surrender. While many traditions were formed in Kali Yuga, in Satya Yuga, only the Madhava tradition will remain. The Bhavishya Purana writes about the Madhava Acharya sampradaya, and Lord Kalki's sampradaya will be called Madhava.

► Watch this answer · 34:09 · 06 October 2023

Q_1615 On an Instagram page about Bhavishya Malika, some people are giving specific dates for events, like in October. Is this true?

Answer: Do not be confused by people giving dates. Nowhere in the Bhavishya Purana have Mahapurush Achyutananda or the Panch Sakha given any specific dates. I have also never given you a date. I have only said that a difficult time is coming, and people will be saved from it. Time is under God's control; when He acts is His will. The process of establishing dharma is ongoing. Devotees will be saved, sinners will be destroyed, and Satya Yuga will be created. Do not follow these dates you see online; they are not written anywhere. People may say these things to increase their likes and shares. Just perform the Tri Sandhya with devotion and remain in the Lord's refuge.

► Watch this answer · 37:56 · 06 October 2023

Q_1616 If a person has done wrong things their entire life but now learns about this path and starts following it properly, even if out of fear, will God save them?

Answer: Look, even a great sinner like Ratnakar the dacoit became the great sage Valmiki because the consequences of past karma can be washed away by dharma (righteous living). If someone has done evil deeds but now wants to become good, there is still time. If they perform Trikal Sandhya and chant the Madhav name in this sacred stream, God's grace will surely be upon them. This is my belief.

► Watch this answer · 39:16 · 06 October 2023

Q_1617 And what about those who have performed worship and good deeds their whole life but are not on this new path? What will happen to them?

Answer: A good person will surely get good results, there is no doubt about that. But the point is that Satya Yuga is dawning. According to the scriptures for this new age, all humans will have to follow the path of Trikal Sandhya. When the time comes, they will have to accept it. Trikal Sandhya is the fundamental, sacred Sanatani tradition. It contains the essence of the ten avatars, the 16 names of Mahavishnu, the 18 Puranas, hymns to the divine mothers, and the supreme name of God, Madhav. Following it will lead to welfare, liberation, and freedom from worldly bondage.

► Watch this answer · 39:37 · 06 October 2023

Q_1618 What does the Malika say about the Kolhapur region (known for its Mahalakshmi temple)?

Answer: The Bhavishya Purana states that at the end of Kali Yuga, Mother Mahalakshmi and Lord Kalki will together establish dharma and save the devotees. The Mahalakshmi of Kolhapur is not different from the Mahalakshmi in the Jagannath Kshetra; they are one and the same. Wherever Mahalakshmi is worshipped—be it in Odisha, Kolhapur, or Dwarka—she is the same one goddess, appearing in different forms in different regions. So, the scriptures do speak of Mahalakshmi's role.

► Watch this answer · 42:06 · 06 October 2023

Q_1619 Near the Koyna Dam on the Krishna river, the predictions of Halasiddhanath have for 15 years said that when the dam bursts, '9 lakh bangles will break.' What does this mean?

Answer: Regarding the Krishna river dam, the Bhavishya Malika states that all major dams in India and the world will face trouble from great earthquakes and the effects of war. The most important thing written is that devotees will be saved and sinners will be destroyed. Those who follow dharma will be safe, while those who follow adharma will face trouble. The yuga is changing, and the influence of Kali will end. Those steeped in Kali's ways will face disaster. Currently, the righteous are suffering, but in the time to come, the sinners will suffer. This is the law of the world; after darkness comes light. One must face the fruits of one's karma.

► Watch this answer · 42:12 · 06 October 2023

Q_1620 For a devotee who is good and devotional but is not connected to this Google Meet or this specific community, how will they be able to enter Satya Yuga?

Answer: Good people are good, and God's grace is always upon them. But in the yuga we are heading towards, those same good people will eventually join this stream with time. I have taught from the Bhavishya Malika that 64 crore devotees will be saved. With time, everyone will join this sacred tradition. Even if good people haven't joined today, God's grace is with them. But eventually, all devotees in the world will come together under the Lord's rule in the Age of Truth. Where else would they go but to the Lord? Everyone will come.

► Watch this answer · 44:31 · 06 October 2023

Q_1621 Is any major upheaval expected to happen in India in November or December 2023?

Answer: Nothing significant in November 2023. In December, there is a possibility of an earthquake somewhere in our country. But apart from that, nothing major is indicated.

► Watch this answer · 45:53 · 06 October 2023

Q_1622 Pandit ji, when does Brahma Pralaya (the great cosmic dissolution) happen?

Answer: Brahma Pralaya occurs after one Brahma Kalpa is complete, which is when Lord Brahma goes to sleep. At that time, he ceases to sustain the earth. This will happen after the cycle of Satya, Treta, Dwapara, and Kali yugas completes and another Satya Yuga passes.

► Watch this answer · 47:07 · 06 October 2023

Q_1623 Regarding the world war, is it written in the Malika that the war will last for 6 years and 6 months, and India will join in the last 9 months?

Answer: No, nothing like that is written. The Bhavishya Malika states that Pakistan will first attack India. India has never initiated an attack. This conflict will then escalate, and China will get involved. Thirteen Muslim countries will unite with China, along with Turkey. America and NATO members will also join, and this will transform into a world war. This is what is written.

► Watch this answer · 47:51 · 06 October 2023

Q_1624 Are there two eclipses, a lunar and a solar one, falling in the same fortnight this month, between the 14th and 28th?

Answer: Yes, and this has happened before, even last year. Such astronomical events, like two eclipses or an Amavasya (new moon) and Sankranti in the same fortnight, are signs of the changing yuga. People don't understand that these are signals of the advent of Satya Yuga. Because of this, there will be many changes on earth, which will prove to be sorrowful and disastrous for sinners.

► Watch this answer · 49:43 · 06 October 2023

Q_1625 You said that 64 crore people will be saved (33 crore in India and 31 crore worldwide). Is it necessary for all of them to be vegetarian or vegan?

Answer: Yes. Look, in the times that are coming, governments and world health organizations will themselves declare that eating fish, eggs, and meat causes diseases. Everyone will give them up. With time, everyone will change.

► Watch this answer · 50:56 · 06 October 2023

Q_1626 Just as there were incarnations like Rama and Krishna in previous yugas, will these same people be born again?

Answer: It is written in the Srimad Bhagavata Purana that the Lord's devotees and their families come with Him in every yuga. The Srimad Bhagavata Mahapurana describes this. So, the same devotees and families who were with the Lord in Treta, Dwapara, and Satya yugas will work with Him at this time as well, and in fact, they are already doing so.

► Watch this answer · 51:54 · 06 October 2023

Q_1627 I wanted to know about the Gita Govinda. What is the appropriate time to listen to it, and can we play an audio version for the Lord?

Answer: The shlokas of Gita Govinda are very dear to Lord Jagannath and Radha-Krishna, as they describe their divine Raas Leela. It is very pleasing to the Lord. You can recite it or play an audio for the Lord at night, during your worship time, perhaps between 9 and 11 PM, whenever you have time. The Lord becomes very pleased, and it brings great peace to the home and family. The Lord's presence is felt.

► Watch this answer · 52:53 · 06 October 2023

SESSION 98 · QUESTIONS 1628–1646

L104 -श्री कल्कि एवं सुधर्मा महा महा संघ के बारे में तेर जनम शरण में प्रमाण | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 07 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1628 Who is a true guru, and please tell a little about self-realization?

Answer: Look, this is a profound subject, but I will tell you. The true guru in this world, in my opinion... (cites a shloka)... and God Himself is the best and truest guru for us. And how does God become a guru? When we hold God in our hearts and surrender all our actions to Him, then God, as a guru, stands in our conscience and tells us, guides us, and controls our actions. He is our guru. If you can reach such a state, you can fulfill your human life through divine principles and God's guidance. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:19 · 07 October 2023

Q_1629 I feel like I will meet the Lord very soon, and I'm crying a lot. What should I do? I can't understand anything.

Answer: Baba, this is the sign of a devotee. When devotion arises from talk of God and meditation on God, and tears come to the eyes, then the soul and the Supreme Soul have a subtle union. Your union has already happened, and you will surely have a physical darshan (sighting) in time. Don't worry, Baba. You perform the Trikal Sandhya, and in it, God will show you many things. Tell me what the Lord is showing you. He will come in your dreams, or even appear in person in different forms. So, follow that and there's no need to be anxious. Because whoever has received the Malika, whoever has received the Bhavishya Purana, has found God. And that is the greatest path, the path that leads us to the Lord. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:28 · 07 October 2023

Q_1630 Father, which languages will be prevalent in Satya Yuga? Just as there are many languages in this era, what language will exist in the primordial Satya Yuga? Will it be only Sanskrit, or will other languages that we all speak also exist?

Answer: No, mother. This coming primordial Satya Yuga will be the age of the gods (devas). And the language that the devas speak is called Devanagari. The Devanagari language is a mix of Tamil, Telugu, Hindi, English, Sanskrit, and Odia. It is a linguistic element formed by combining all of them. The devas speak in that language. And when the devas come to Earth, God will make the Earth a place for them, so the Devanagari language will be used all over the world. It is a sacred language. In heaven, Brahmaloka, and Suryaloka, conversations happen in that very language. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:41 · 07 October 2023

Q_1631 My question is, if we are performing Sandhya, what can we do to bring new devotees into the stream? Because even after telling people many times, they are hesitant to join. So what can be done?

Answer: Look, Baba, your intention is very pure, and we respect this sentiment. It's a very good thing. But look, Baba, when we do farming, we first prepare the field well. We add manure and repeatedly till the soil, turning it over. When the land is well-prepared, if we sow seeds, we get a good crop, good seeds emerge, and productivity is high. Similarly, the great sage Achyutananda has said to tell those who are devotees of Lord Krishna, devotees of Lord Ram, who are in the sacred stream. Perhaps out of 100 of them, one or two will come, because the number of devotees is very small. But it is necessary to tell everyone. Tell those who have curiosity, who have the desire and the will. Very good. May the Lord's grace be upon you. Move forward. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:04 · 07 October 2023

Q_1632 My first question is, when will the India-Pakistan war begin? And three or four days ago in Shimoga district in Karnataka, there was a big clash between Hindus and Muslims. So, will this convert into a civil war? Is this the beginning?

Answer: Look, the India-Pakistan war will definitely happen. And this war will happen on the instruction of Lord Kalki. A part of the Mahabharata war is still pending. The war will begin merely on Lord Kalki's command. Right now, the gathering of devotees is in progress. From 2025, according to the planetary positions and the Malika, the time and situation for war is approaching. If Lord Kalki wishes, the war will certainly happen, or it could be delayed by a year or two, or happen a year or two earlier. It depends on God. As for the civil war, the situation for civil war exists all over the world, not just in India. The reason for this is Kali (the demon of the age), his evil qualities, his violence, and it is a form of Kali to bring about the destruction of mankind. This civil war will happen in every country and will take a very destructive form in the establishment of dharma. There is still time for people to stay away from civil war, because a civil war will benefit no one. Lord Kalki is coming to give fruits according to karma. God will consider everything—who did bad deeds, who did good deeds—they will surely get their results. We cannot change anything by wishing. Therefore, people should maintain peace in the world, live joyfully, and hold on to dharma, so that in times of calamity, they receive God's protection and grace. Because the demonic people will surely do wrong, and Lord Kalki will save the devotees. This is our belief, and it is also written in the Bhavishya Purana. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:52 · 07 October 2023

Q_1633 In October, there are two eclipses scheduled to happen. What will be their effect?

Answer: Look, a new moon (Amavasya), Sankranti, a lunar eclipse, and a solar eclipse all in one fortnight... this is all part of the change of the era and the change of planets. The planets and constellations are currently disturbed, and there is no one to maintain them now; all the gods and devotees have been born on Earth. That's why all this is happening. Because of this, calamities will come upon the world. But it's okay, people should do their work, stay in the Lord's refuge. For salvation, we are propagating the Bhavishya Malika and teaching the Trikal Sandhya. Do that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:43 · 07 October 2023

Q_1634 Is the establishment of dharma possible without destruction? You are saying there will be a world war and destruction in the world. Is it possible that the Lord might want to establish dharma without any destruction? Is there such a possibility?

Answer: Look, God never wants destruction. God never wants anything inauspicious. The Lord is the source of all happiness, auspiciousness, and peace in the entire creation. But if humans do bad deeds, if they oppress living beings, if they oppress other humans, if the Vedas are disrespected, if God is blasphemed, and if people who walk the path of dharma and truth face calamities and do not get justice... Tulsidas Maharaj wrote about this: 'Whenever dharma declines and arrogant demons rise, committing indescribable injustices against saints, brahmins, cows, gods, and the Earth...' When there is oppression against saints, devotees, brahmins, mother cow, the gods, and Mother Earth, then the Lord incarnates in various forms to relieve the suffering of the virtuous. He comes to save the saints, the pure, and the truthful. He gives good people a good place and punishes those who are harmful and cause suffering to humanity. If someone commits a sin and is not punished, the sin will keep increasing. If sin increases, the Earth's balance will be lost. The reason for frequent earthquakes in the world today is human sin. The reason for cyclones every month is human sin. The sea repeatedly floods the land, unseasonal floods occur in rivers, and heavy rains on hills wash away houses—all this is due to human sin. If this is not rectified, the Earth will not survive. And if the Earth doesn't survive, the question of human civilization arises. That is why all this is necessary. The Lord looks at dharma and destroys the sinners. He does no harm to good people. If someone does something wrong under the constitution of Kali Yuga, they are jailed or fined according to the constitution. Similarly, under God's law, they are also subject to punishment. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:53 · 07 October 2023

Q_1635 How many Kalki avatars will there be in total, how many are yet to come, and how many have already happened?

Answer: According to the scriptures and the Malika, the Kalki avatar, the Lord's incarnation, has already taken place. And Lord Kalki has also begun the establishment of dharma. Right now, the Bhavishya Malika is being propagated for the union of devotees. We are propagating the Bhavishya Malika for the salvation of those who were truly devotees of Lord Krishna and Lord Ram. Through this, those devotees will surely be saved. This is the first step for the advent of Satya Yuga in the world. And extensive work will be done by the Lord in the times to come. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:26 · 07 October 2023

Q_1636 What is the meaning of the name Madhav? And what color is Madhav in this era? For instance, he came in a dark complexion (Shyam rang) as Krishna. So what is his color now, and what is the meaning of his name, Madhav?

Answer: Look, 'Ma' is the form of Brahma, the form of the original nature, meaning Mother, Mother Radha Rani. And 'Dhava' means husband or lord. So, the lord of 'Ma' is Lord Krishna. You chant the name of Krishna, you chant the name of Radha, but in one name, Radha Rani and Krishna are combined, and that name is Madhav. 'Ma' is Radha Rani and 'Dhava' is her lord, her master, her husband, who is Krishna. And that name is Madhav. The name Madhav is the most revered, sacred, and powerful name in the world. Mother Radha Rani constantly called Lord Krishna by the name Madhav. The Gopis would say Govind, Krishna, Damodar, Madhusudan, but Mother Radha Rani always called Lord Krishna 'Madhav'. Arjun called Lord Krishna by the name Madhav. Mother Draupadi called Lord Krishna by the name Madhav because she knew that this name was the Lord's most liberating name. And for the salvation of all the devotees of Kali Yuga, the name Madhav is being propagated. And Madhav, at this time... (cites shlokas)... So, mother, when Lord Kalki has come, it is written about the Lord's complexion that it will be 'Chandra varna' (moon-colored). A mix of milk and blood color will be Lord Kalki's complexion. 'Chandra varna', like the color of the moon god, that will be Lord Kalki's complexion. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:25 · 07 October 2023

Q_1637 Will Mahaprabhu (the Great Lord) also come to Rajasthan?

Answer: Look, he will definitely go. This Akhand Bharat (undivided India) is the Lord's birthplace. Although he will be born in Sambhal, I am talking about the entire Akhand Bharat, not the current India. The Akhand Bharat is God's birthplace, and God will go to every region. And Rajasthan is a very holy state, where there is dharma, where people have good conduct. Lord Hanuman is there in the form of Balaji, and Lord Krishna's holy place, Khatu Shyam, is also there. So, God will definitely go. For the Lord, Rajasthan is a place for the salvation of devotees, and he will have to go there to save them. He will go. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:38 · 07 October 2023

Q_1638 Someone told me to meditate on where Lord Kalki is and what he is doing. When I meditated one day, that night my mother had a dream that a sanyasi, a yogi, was saying that he has just gone to study. He has gone to study and is studying right now. She had a dream like this. So what does this mean?

Answer: The dream you saw is true. When we meet sometime, we will talk about it. I cannot discuss this openly. But the dream you saw is correct, absolutely. There is no untruth in it. You will have more visions of the Lord, and you will surely learn about the Lord's divine plays. Because the principle that God has revealed... such devotees are one in a million, like you who received it. I also feel happy because it matches completely. Okay, Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:53 · 07 October 2023

Q_1639 So when can I join the stream (the spiritual movement)?

Answer: Look, mother, the number that appears in our description... (to an assistant) please show the number, Baba... call any of those numbers and join the online satsang. They will provide the PDF for the Trikal Sandhya that I talk about. Perform the Trikal Sandhya, read the Bhagavatam, mother, and stay in the online satsang. Engage in God's work in Assam. Because to make this human birth meaningful, there is no greater wealth or asset than this. We have come for our own salvation. We are bound souls, and only God can free us from this bondage. At this time, it is very easy to attain God. Follow this stream, join the online satsang, and may God's grace be with you. Join the Lord's work from Assam, mother. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 49:45 · 07 October 2023

Q_1640 In the Garg Samhita, I read that Sankarshan comes as Madhav, and Revati comes with him as Radha Rani. The name Madhav is also used for Balram ji (Sankarshan Baldev ji). It says he will also appear in the Kalki form to destroy demons. I want to ask about the secret behind this.

Answer: Look, mother, I told you that this Lord Kalki is a form of Balram, Brahma, Vishnu, and Maheshwar. Meaning, these three great elements will combine to become Lord Kalki. In Kalki's childhood, devotees will call him Madhav. When Lord Kalki performs the act of destruction, at that time everyone will know him by the name Kalki. This is written in the Bhavishya Purana. And this is an integral form of the Lord. At this time, brother Balram will not come separately. Because there is a scripture named Saurashtra Samhita. In that scripture, which contains the dialogue between Lord Krishna and his devotees, it is written that Lord Krishna will be on the left side and Balram on the right side, and both together will become Kalki. Therefore, Lord Krishna and Madhav, this tradition of Balram and Ram, its root is the Madhavi tradition. We have come from the Madhavi tradition, Sanatana Dharma has come from it. The secret tradition of Jagannath Mahaprabhu is the Madhavi tradition, Lord Krishna's tradition is the Madhavi tradition. And he has written about that same tradition in the Garg Samhita. Lord Kalki has come with the name Madhav to save the devotees. And in the Garg Samhita, a shloka is also written... (cites a shloka)... Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:45 · 07 October 2023

Q_1641 I saw Lord Jagannath with Mother Subhadra and Balram ji in a dream. Today, I dreamt that I am cleaning a Shivling. What does this mean?

Answer: Good, Brahma, Vishnu, Maheshwar. See, Mother Subhadra is the form of Brahma, Lord Jagannath is Lord Krishna, and Sheshnag is a part of Lord Shankar. And you seeing yourself worshipping Lord Shankar means he is giving proof that the time of destruction is near. Jagannath, Balabhadra, Subhadra... this means that at this time, God will carry out the work of destruction in some form. This is its essence. You are having a vision of Jagannath, Balabhadra, Subhadra and worshipping Shiva ji, which is wonderful. Bathe Shiva ji once with good cow's milk, it will be good and even more blissful. Okay, mother. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 54:50 · 07 October 2023

Q_1642 I wanted to know which 'mandal' (region/group) Himachal will be associated with? And what will be the role of Baba Bhole (Shiva) and Maa Kali, as they are highly revered in our area? Also, as you mentioned that many people will go to Satya Yuga, what should one do if they don't want to go to Satya Yuga but want to attain liberation directly and not be reborn?

Answer: Look, Himachal is near Uttar Pradesh, so it will be in the Shri Vrindavan mandal. For God-realization, meaning liberation from this life, even the gods perform Trikal Sandhya daily and read the Srimad Bhagavata Mahapurana. If you want liberation, if you want to attain Vaikuntha, then do it selflessly, without any desire. Perform Trikal Sandhya daily, read the Bhagavatam, and constantly chant the name of Madhav. I believe that those who do this will have a peaceful death. There is one kind of death where people lie sick for six months or a year, suffering a lot before dying. But with the path I am showing, if a person follows it and chants the name of Madhav in God's refuge, I am sure they will have a peaceful death, meaning no suffering at the time of death, and after death, they will attain Vaikuntha. There is no greater traditional principle than this anywhere. And those who perform Trikal Sandhya and follow my rules, they know that God appears in their dreams, they become divine. Do that much, and you will surely get liberation. If your devotion is even better, this is the time of Lord Kalki's incarnation. The Lord will perform destruction and save the devotees. A beautiful Ram Rajya will be established between the devotees and God, and you can get a place there too. Therefore, take refuge in God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 56:04 · 07 October 2023

Q_1643 I have been doing Trikal Sandhya for three months, but for the last three or four days, my right eye has been twitching a lot. What does this mean?

Answer: Okay, look, continue doing Trikal Sandhya. Some small problems might arise. Twitching of the right eye is good for men, and the left eye is good for women. It's nothing to worry about. Chant the name of Madhav and continue the Trikal Sandhya. This won't be a problem, and consider that a calamity has been averted. Okay? Okay, Baba. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 58:36 · 07 October 2023

Q_1644 Will devotion increase more by reading the Bhagavatam or by chanting the name of Lord Madhav?

Answer: Look, 'Kalau tad Hari kirtanat' means in Kali Yuga, chanting the Lord's name is key. By reading the Bhagavatam, the glory of God enters our bodily system, and every part of the body becomes pure. When the body system is pure and one chants the name, the fruit is even greater. If you only chant the name, the element needed to purify the body system comes from the Bhagavatam. By reading the Bhagavatam, the body becomes completely pure, and chanting the name with that purity yields even more blissful results. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 59:54 · 07 October 2023

Q_1645 I dreamt I went to my house, and there were red footprints in the courtyard. My Laddu Gopal (child Krishna deity) came and sat next to me, saying, 'Take me with you everywhere.' Then, two days before Janmashtami, I also found a peacock feather. What does this mean?

Answer: This means that this is the infinite grace of Lord Krishna upon you. And mother, wherever you go, take Laddu Gopal with you because the Lord gets lonely. The connection between the Gopis and the Lord is the same connection between you and the Lord. He doesn't want to leave you. This is wonderful. Salutations to you too, mother. Take the Lord with you and devote yourself to him.

► Watch this answer · 01:02:16 · 07 October 2023

Q_1646 A year after I brought Laddu Gopal home, I had a son. Before he was born, I dreamt of an elephant, a camel, and a calf. When my son was born, he had a 'tilak' mark on his forehead. A pandit told me he has come from a divine realm ('dev yoni'). I didn't understand why a divine being would come to my house, but he had a tilak on his forehead. What does this mean?

Answer: Ah, this is wonderful, very wonderful, mother. You are one of those devotees in whose house God sends his own devotees... This is a sign of a devotee. Those who are close to God have such experiences. Very good. What is your name, daughter? Geeta. Where are you speaking from? Delhi. Okay, mother. May Lord Jagannath's grace remain upon you. Live in bliss, and may your devotion to the Lord increase even more. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:03:32 · 07 October 2023

SESSION 99 · QUESTIONS 1647–1667

L105 - छतिया बट एवं जाजपुर में कल्कि भगवान का लीला प्रकाश होगा | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 08 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1647 My 14-year-old niece from Punjab, named Bhavya, wants to ask a question. On the morning of Anant Chaturdashi, around 8:30 AM, she was standing outside her house. For about 30 seconds, she saw a very large house on a nearby empty plot. She also saw a very divine, beautiful mother with blue eyes, wearing yellow clothes and with beautiful hair. In her hands, she held a golden Laddu Gopal (infant Krishna), and she was looking at my niece and smiling. Bhavya wants to know who that divine, beautiful mother with blue eyes was.

Answer: The divine, beautiful mother in yellow was Goddess Vaishno Mata, who is Goddess Mahalakshmi. As the Golden Age (Satya Yuga) is arriving, transitioning from the Iron Age (Kali Yuga), she was shown a golden Laddu Gopal. The other mother you mentioned, Goddess Kali, is the destroyer. Receiving the darshan (divine vision) of both on Anant Chaturdashi is significant because Anant himself is Maha Kalki. Since your niece is a devotee of Lord Kalki, she was blessed with a vision of the Mother Goddess through the Lord. This is a sign of her piety.

► Watch this answer · 26:00 · 08 October 2023

Q_1648 Guruji, whenever I sit down to perform the Tri-sandhya dhara (three-times-a-day spiritual practice), I can do it regularly for a day or two, but then something always happens to break my routine, and I can't maintain continuity. Some thought, work, or incident occurs, and some obstacle always prevents me from being regular. When I used to do it regularly before connecting with you, I would hear many miraculous sounds. But now, even when I try to recite all the mantras properly, something happens, and my practice gets interrupted. Why does this happen?

Answer: First, cultivate complete faith in Madhav (the Lord) in your heart. Second, pray to the Lord like this—and know that the Lord is listening as I speak—'O Lord, I am a sorrowful human. I have no knowledge, no meditation, no mantras, no hymns, nothing. But I desire to take refuge in you. Please grant me a place at your feet, and by your grace, let my Tri-sandhya practice remain unbroken.' Surrender completely to Madhav and your spiritual duties. The force of Kali Yuga creates obstacles in righteous work, but my belief is that with the Lord's grace, this will become easy for you.

► Watch this answer · 27:35 · 08 October 2023

Q_1649 Pandit ji, the period of Pitru Paksha (fortnight for honoring ancestors) is currently ongoing. Can I buy a hard copy of the Shrimad Bhagavat Mahapuran at this time?

Answer: If you purchase the Shrimad Bhagavat Purana now, your ancestors will also be happy, thinking they will get to hear it. They are fully active during this period, and performing religious rituals at home will increase their happiness a hundredfold. It will bring great joy. You should purchase it, study it, perform the Trikal Sandhya, and remain in the refuge of Madhav.

► Watch this answer · 29:31 · 08 October 2023

Q_1650 Pandit ji, for a few days, I have been seeing a person inside my house who is entirely golden in color. Light emanates from his entire body. His face has no eyes or nose; it's just pure light. His whole body is golden, as if a sage is wearing a golden robe. Sometimes I see him standing, and other times he is sitting in a meditative posture on my bed. What does this mean? I don't do Trikal Sandhya. I used to believe in God, but after certain events, I started meeting sages with spiritual powers. I took a guru, and after that, I began having these experiences, including seeing ghosts and spirits.

Answer: The vision you are having is likely of God appearing to you in the form of a sanyasi (ascetic). It is probably your destiny for the coming Satya Yuga (Golden Age), which is why you are receiving this divine vision in a unique form. If you start performing the Trikal Sandhya, you will receive an even more complete spiritual element. Let me know what happens.

► Watch this answer · 33:08 · 08 October 2023

Q_1651 Many people have turned religion into a business. Are you also like that, just trying to earn money?

Answer: The speaker deflects the question, saying, 'No, no, you tell me what you think,' and then immediately calls on another person to ask their question.

► Watch this answer · 35:42 · 08 October 2023

Q_1652 We perform the Kalki Tri-sandhya and also chant the Hari Naam Kirtan 'Hare Krishna Hare Ram'. Is it okay to do both? Is there any issue with chanting both?

Answer: In the Trikal Sandhya, follow the practice I have described: reading the Shrimad Bhagavat, chanting the 16 names, the 10 avatars, the Durga Madhav Stuti, and the name of Madhav. Do that, and along with it, you can also do the Hari Kirtan. You will receive good results from this.

► Watch this answer · 36:07 · 08 October 2023

Q_1653 The birth anniversaries of God's 10 avatars are celebrated based on the tithi (lunar day), but Lord Madhav's birthday is based on a calendar date. Will Lord Madhav's birth anniversary be celebrated based on the tithi or the date?

Answer: When and at what time the Lord's birthday will be is not a matter for public discussion. It is subject to the Lord's will, and we cannot deliberate on it. Our goal is the salvation of humanity, for people to perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat to be saved from calamities. Such confidential matters are not for open discussion as it is not a matter that will benefit everyone. If you need to know, you can sit and discuss it personally.

► Watch this answer · 37:04 · 08 October 2023

Q_1654 Since it's Pitru Paksha, I want to bring the Shrimad Bhagavat Purana home and read it. What is the correct method? As a student, I can't perform the full ritual with lamps and flowers. Can I read it like I read the Bhagavad Gita, by placing it on a stand on a table? Can I bring it home now, or should I wait until after Pitru Paksha?

Answer: Bringing the Shrimad Bhagavat Purana home during Pitru Paksha will satisfy the ancestors. Any religious act performed during this time will bring their blessings. As for the method, it should be read while sitting down; reading it while sitting at a table is not the rule. After bathing and purification, you should worship the Shrimad Bhagavat by offering incense, a lamp, flowers, or Tulsi, whatever is available, and then you can read it. You can read it anytime from Brahmamuhurta (around 3:45 AM) until midnight.

► Watch this answer · 38:35 · 08 October 2023

Q_1655 What is going to happen in Chhattisgarh during the time of Pralaya (the great cataclysm)?

Answer: The cataclysm of the five elements will occur all over the world, and it will happen in Chhattisgarh as well. The effect of the five elements will be the same everywhere. However, the devotees will be saved. The 'mandal' (domain) of Goddess Samaleshwari, a deity in Odisha, will extend up to Chhattisgarh. A new domain will be formed in the name of the Goddess, and it will spread as far as Chhattisgarh.

► Watch this answer · 39:50 · 08 October 2023

Q_1656 When I sit down to do Tri-sandhya, I feel as if all the strength has been drained from my body. Within a minute, I feel like I've fallen into a deep sleep, and I even start dreaming while sitting. It feels like some force is pulling all the energy out of my body. I would like your guidance on this.

Answer: In the place where your house is located, there is an influence of some disembodied entities or spirits. These entities are extending their influence over you because they do not want the Lord's Tri-sandhya to be performed there, as it causes them distress. That is why they are creating this trouble. This will happen for some time, but then it will get better.

► Watch this answer · 40:45 · 08 October 2023

Q_1657 I am from Maharashtra. I want to share that two different saints gave me darshan (a divine vision) in my dreams on two separate occasions. I used to eat meat for many years, but suddenly, after these two dreams where God appeared, I completely stopped eating meat. Now I also recite the Hanuman Chalisa and read the Bhagavad Gita. What do you say about this?

Answer: You see, for a devotee, God will somehow guide them to a good place and direct their path. You were a devotee, and that is why, by God's grace, everything is improving for you.

► Watch this answer · 42:06 · 08 October 2023

Q_1658 I see a lot of dreams. All night long, I keep seeing new houses and buildings being constructed. What does this mean?

Answer: People are receiving these visions because the construction of a new era (Nav-yuga) is about to begin.

► Watch this answer · 43:58 · 08 October 2023

Q_1659 What is the correct procedure for offering 'chola' (a vermilion and oil paste) to Lord Hanuman on a Saturday? Some people say it should be applied from top to bottom, while others say it should be from the feet to the head. What is the correct method?

Answer: It is up to the devotee's wish. They can apply the sindoor (vermilion) on his feet, or they can apply it from head to toe. There is no strict rule about how much to apply or how not to. Whatever your heart tells you to do, do that, and the Lord will accept it with joy. There is no specific rule for this. Some devotees apply sindoor on the Lord's feet, some on his forehead, and some cover his entire body.

► Watch this answer · 45:16 · 08 October 2023

Q_1660 One more question: What is the correct way to chant on a mala (prayer beads)?

Answer: You should chant on the mala during the Trikal Sandhya. After bathing and purification, holding the mala and chanting during the Trikal Sandhya yields good results.

► Watch this answer · 46:17 · 08 October 2023

Q_1661 I have a little daughter who is about to turn four. I want to educate her in the Vedic tradition. However, modern schools teach in a modern way. What should I do?

Answer: If you want to provide a Vedic education, there are many Gurukul ashrams and Shishu Mandirs in India. You can enroll her there. However, facilities for a purely Vedic education are not widely available. Enroll her where you find such a facility, and at home, teach her the Shrimad Bhagavat. That will also bring about a very good transformation in her.

► Watch this answer · 47:10 · 08 October 2023

Q_1662 You said that God has already incarnated on Earth and all deities have also arrived. But what about the good souls who want to be with God? When they die now, do they go to Vaikuntha (the celestial abode)? If they wish to go to the divine abode, where are those souls going?

Answer: Let me explain a small concept: there is 'Sakam Karma' (actions with attachment to results) and 'Nishkam Karma' (selfless action). People who perform actions while submerged in desire, attachment, and illusion are bound by the fruits of their karma. On the other hand, those who perform 'Nishkam Karma'—surrendering themselves, their families, and everything to God and then performing all worldly duties without any expectation of results—only they attain Vaikuntha. So, surrender yourself to God and continue to perform all your duties for your family, but do not desire any fruit from your actions. Offer all your actions and their fruits at the Lord's feet. Perform Nishkam Karma, constantly chant God's name, do Trikal Sandhya, and sing praises of Madhav. You will surely attain Vaikuntha.

► Watch this answer · 47:53 · 08 October 2023

Q_1663 I want to ask, I don't want Vaikuntha; I want Radha Madhav. How can I attain them? I only want them.

Answer: That is a very good desire. Within Vaikuntha, there is a realm called 'Goloka'. That is where Mother Radha and Krishna reside. All the devotees of Radha Madhav go to this Goloka Dham. There, they participate in the eternal Raas (divine play) and satsang with Lord Krishna and Radharani every day. That place is Vaikuntha.

► Watch this answer · 49:56 · 08 October 2023

Q_1664 When we perform the Tri-sandhya, the 16 names of the avatars are mentioned. This is not the full list of God's 24 names. Why are there only 16 names and not all of them?

Answer: I am sharing with you only those elements that are necessary for human beings to transition into the Satya Yuga. The 16 names are for transforming humans into divine beings. Chanting the names of the 10 avatars for the establishment of dharma yields the same fruit as reading all 18 Puranas. The Durga Madhav Stuti helps a person receive the grace of Mother Radharani. We have simplified the process for this purpose. If you follow it, you will surely receive the benefits.

► Watch this answer · 50:57 · 08 October 2023

Q_1665 We often say 'Mata-Pita' (Mother-Father) and 'Radha-Krishna'. Why do we say the mother's name first?

Answer: There is no such rule. There is no difference between mother and father. According to God's law, the mother has as many rights as the father; neither is lesser than the other. If our mother pays respect to our father, then the father should be revered first. And above our father is the Supreme Father, God, whose name all devotees chant. There is no difference. It is fine to say it as your mind wishes. Some say the mother's name first, some the father's. This does not imply any difference in respect or status.

► Watch this answer · 52:05 · 08 October 2023

Q_1666 I used to chant the Hare Krishna Mahamantra. Now that I have joined this path, which mantra should I chant?

Answer: You can continue to chant that mantra, but also follow the Trikal Sandhya practice. The 'Hare Krishna Hare Ram' chant of Vaishnavism is also a very good bhajan.

► Watch this answer · 53:25 · 08 October 2023

Q_1667 My last question is about heinous crimes like murder, rape, and arson. Are these also a part of karma? Do they happen by the will of the Lord?

Answer: No, these things do not happen by the Lord's will. The Lord told Arjuna, 'Although the three gunas—Sattvaguna, Rajoguna, and Tamoguna—originate from me, I am not in any of them.' Humans are bound by their past karmas. People commit misdeeds under the influence of the five senses, to please their minds, and to fulfill their bodily desires. God has nothing to do with it. That is why the Lord established Lord Yama (the god of justice) to judge karma. One should perform good deeds (sukarma). Committing bad deeds (kukarma) makes one liable for sin and suffering. Those who do bad deeds will receive their fruit, and those who do good deeds will receive good fruit. God does not interfere in this. God made humans self-sufficient, gave them all the senses and the three gunas. If someone chooses the path of Rajoguna or Tamoguna, they will have to bear the fruit of their actions. God is not involved in this.

► Watch this answer · 54:30 · 08 October 2023

SESSION 100 · QUESTIONS 1668–1694

L106 - जगन्नाथ जी का 'छतिया बट' में स्थानांतरण (रूस देश के द्वारा) | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 08 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1668 Father, I had a question. Whenever we read the Bhagavat at night, a crow caws very loudly. This happens a lot. What does this mean?

Answer: Very good. Listen, mother. This essence of the Bhagavat... upon hearing it, even the crow thinks it's morning. Because you read the Bhagavat, it thinks it's morning and a holy time has arrived. God is giving this signal to the entire universe. A crow cawing at night, especially during the time of Bhagavat reading, means that devotees will be saved and the age of destruction (Kaal) will manifest. Kaal is indicating that the work of destruction will also happen. It gives faith to the devotees. The crow is a symbol of Kaal (time/destruction). It signals that the work of destruction will happen in the world. We too listen to this Bhagavat, and it signifies the time of destruction for the sinners. Okay, mother.

► Watch this answer · 19:55 · 08 October 2023

Q_1669 I saw in a dream that there was a flood in our Raigarh, Chhattisgarh, and I was underwater. In front of me was a very large Shivling with Sheshnag on it. I bowed to Lord Shiva, and I was able to get out of the water and was saved from the flood. What does this mean?

Answer: Look, mother, it is written in the Bhavishya Purana that Lord Balaram, in the form of Sheshnag, will save the devotees who are swept away in the water, one by one. This is written in the Bhavishya Malika. And since you perform the Trikal Sandhya and are in the Lord's refuge, that is why the Lord gave you this vision. He is showing that something like this is going to happen in the future, and Lord Shankar will save all the devotees. This is written in the Bhavishya Purana. The fact that you had this vision means that the devotees will be saved. Okay, mother.

► Watch this answer · 21:27 · 08 October 2023

Q_1670 Hello sir. I wanted to know, if Lord Kalki comes today, how will he prove that he is God? People in past ages were more intelligent than us, and even they didn't recognize God. How will the people of Kali Yuga recognize him?

Answer: Look, those who perform or will perform the Trikal Sandhya will receive an experience of God. By reading the Srimad Bhagavat, chanting the 16 names, the 10 avatars, the Durga Madhav Stuti, and singing bhajans of the name Madhav, they will receive some form of teaching or experience that will strengthen their faith. By attending satsang for six months, their divine power will manifest. Then they will know what is truth and what is falsehood. That is why we say to follow this path. You will understand all the principles; you won't need anything from me.

► Watch this answer · 22:48 · 08 October 2023

Q_1671 Father, I wanted to know, the Madhav song plays in my mind all day, from morning until I go to sleep at night. What does this mean?

Answer: Look, when you love someone, and when a soul has a connection with another for an infinite time... and at this time, the Lord is about to come, it is the time for the establishment of dharma. So, the devotees will keep thinking about the same thing from morning to evening—the same talks, the same divine plays, the same future. And Madhav is the medium for this. So, this is a sign of a pure devotee.

► Watch this answer · 24:09 · 08 October 2023

Q_1672 What is the identification of a true saint?

Answer: A true saint... well, a saint is a saint, it's not necessary to analyze it. But in this Kali Yuga, it has become necessary to distinguish between the true and the false. One who is free from greed, attachment, anger, ego, pride, and the five senses is a sanyasi, he is a saint. Achyutananda has written about this. It means one who becomes distant from all worldly objects, in whom spiritual power manifests over the material. One who has no pride, is not overjoyed in happiness nor dejected in sorrow, is not angered by anger, nor by actions, stays away from sin, considers all people of the world as their own, constantly works in the refuge of the Lord, and has no trace of attachment to the senses—he is called a saint, a sadhu, a sanyasi. This has become necessary in Kali Yuga. In past ages, all saints were equal, but in Kali Yuga, we see some deviation. Ask your own conscience. If your conscience says it's right, then accept it.

► Watch this answer · 25:02 · 08 October 2023

Q_1673 I am from Uttar Pradesh. Can you tell me something about Uttar Pradesh that is written in the Bhavishya Malika?

Answer: Look, in Uttar Pradesh, there is Shri Vrindavan Dham and Mathura, which are the fields of the Lord's divine play. It is an extremely holy and sacred place for the salvation of devotees. According to the Bhavishya Purana, the Shri Vrindavan Mandal will be formed in Uttar Pradesh. And those who are true devotees will come to the refuge of Lord Kalki through the Bhavishya Malika. The Bhavishya Malika is the one and only such scripture in the world through which one can attain God and come to the refuge of Lord Kalki. Devotees will get information about the future of the world and the creation of a new era. So, in all of Uttar Pradesh, the Shri Vrindavan Mandal, Mathura Vrindavan Go Mandal will be formed—it is already being formed. There are a large number of devotees, and those same devotees will play a major role in establishing dharma. They will save the devotees and will also give the signal for the establishment of dharma to the entire world.

► Watch this answer · 27:56 · 08 October 2023

Q_1674 I had a dream at 3 AM where I was in a large field. There was a bright light and then complete darkness. The sun's direction changed, rising in the west. Then all the plants turned a strange color and withered completely. Could you please clarify the meaning of this dream?

Answer: Look, you go to the Lakshmi Narayan temple; you are in the Lord's refuge. At this time, Lakshmi Narayan, meaning Mahavishnu and Mahalakshmi, have both come to save the devotees in the entire world through their work of establishing dharma. A time will come for nurturing the devotees when Mahalakshmi herself will prepare prasad, and the devotees will eat. That time is also coming. So, this dream you saw... as you have joined this stream, I have said before that in Satya Yuga, the sun will rise in the west and set in the east. As you have joined the Trikal Sandhya, the Lord showed you, 'Look, such a time is coming, and the Bhavishya Malika is true.' For this reason, the Lord gives small experiences to the devotees, showing them that such a time is coming so they can act accordingly. My aim is for lakhs of devotees to be saved. As you remain in the Lord's refuge, you will receive many principles and experiences. The name 'Madhav' is so powerful, yet it is still criticized. For the salvation of such pure devotees, the Lord repeatedly gives experiences, and he gave you one too.

► Watch this answer · 29:54 · 08 October 2023

Q_1675 Pandit ji, one night I had a vision of a Shivling in my sleep, but I couldn't tell where it was from. Please guide me on this.

Answer: Look, Lord Shankar is present throughout the entire world, everywhere. And you had a vision of Lord Shiva. Right now, Lord Kalki is engaged in the work of destruction in the form of Shiva. That is why devotees of Narayan, Vishnu, and Krishna are having visions of Lord Shankar. It means the Lord is currently in the form of Shankar, engaged in the work of destruction, and he is giving proof of this to his devotees.

► Watch this answer · 33:07 · 08 October 2023

Q_1676 Prabhu ji, I have been doing Trikal Sandhya for a week. Some parts are in the Odia language, and my pronunciation is not always correct. Will this have any negative effect? I am doing it with devotion, but I wanted to know if making mistakes in pronunciation has any impact.

Answer: No problem, mother. Look, your devotion is the most important thing. If there are some pronunciation mistakes while you are performing Trikal Sandhya with a sincere heart, it has no negative effect. You will receive good results and God's grace. As time goes on, it will become clearer. Since you are just starting, there will be some mistakes, but even with this, you will receive the Lord's grace.

► Watch this answer · 33:58 · 08 October 2023

Q_1677 I had a dream around 3 AM where I saw the Lord in his child form in a hilly area. I cried so much, like I've never cried in my life. I felt that the Lord had come and I couldn't recognize him, which is why my heart broke. I couldn't sleep after that, wondering why I had such a dream.

Answer: The dream you saw is true. You have joined the Trikal Sandhya, haven't you? Since you've joined the Trikal Sandhya, the Lord is giving you a vision, saying, 'I have come, I have already arrived.' Many people criticize and say many things, but the Lord gives visions to his devotees. This means the Lord has manifested.

► Watch this answer · 35:07 · 08 October 2023

Q_1678 In 2018, I went to Tirupati Balaji and cried uncontrollably when I saw the idol. I have also been doing Trikal Sandhya for 15 days. After three days of starting it, I had a dream at 4 AM of a Ganesh procession passing by, and I also saw Lord Krishna sitting on a tractor with them. What does this mean?

Answer: Look, on one hand, Lord Ganesh gives an auspicious sign of Satya Yuga. And seeing Ganesh and Krishna means it is time for the manifestation of Krishna's divine play. It is good that you had this vision. The Lord definitely gives experiences to those who perform Trikal Sandhya, and he will continue to do so, which will make you steadfast. When you are steadfast, the work of establishing dharma will happen throughout the world. If the devotees do not become steadfast, how will dharma be established? That is why the Lord gives some experience or another.

► Watch this answer · 37:51 · 08 October 2023

Q_1679 Maharaj ji, what is a Vedanta Ashram? I want to know about it. Please shed some light on it.

Answer: A Vedanta Ashram is a place where the Vedas are studied, read, and contemplated, and where devotees are made aware of the Vedas. That place is called a Vedanta Ashram. But the true Vedanta Ashram is in Brahma Loka, and that Vedanta Ashram contains writings about the stream of the Vedas for the whole world, the system of governance for the world, and the system of governance for the universe. Okay.

► Watch this answer · 39:23 · 08 October 2023

Q_1680 I wanted to ask, our Hindu Sanatana Dharma is so complete, so why is it promoted so little? Other religions are promoted a lot, but ours isn't as much. Some of our own Sanatanis don't even know what the Bhagavat or Bhagavad Gita is. Why do so few people know about our religion?

Answer: Look, mother, you are absolutely right. In the entire world, we see many crore tons of iron, but how much gold is there? Each devotee of the Lord is like gold. And see, mother, Kali Yuga is going on right now, so Sanatana Dharma has become constricted. People are opposing the Vedas and scriptures; they oppose spirituality. They even question a holy text like the Bhavishya Malika. Because it is Kali Yuga now, dharma has become constricted. Dharma is Sanatana, and right now it has become smaller due to the influence of Kali Yuga. It will expand again, and in time, wherever you look in the entire world, there will be only Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 40:30 · 08 October 2023

Q_1681 Pandit ji, I wanted to know about a dream I had after 15 days of starting Trikal Sandhya. I dreamt I was at Khatu Shyam and had a direct vision of him. But immediately after, I came home and saw a strange creature I've never seen before. When it walked, it made a rattling sound. My brother and I were very scared and chased after it to kill it. What does this mean, Guruji?

Answer: Look, first, about the vision of Lord Khatu Shyam... the one who is Khatu Shyam is Barbarik. He has already been born, and Lord Krishna has also come. So the Lord is proving that the five Balbirs have been born. That's why you had a direct vision. And the creature you saw is Kaal (destruction) and the form of Kali. Devotees will wage a war of dharma against Kali. For this reason, you didn't like it and chased after it to kill it, and Kali ran away. Kali will not remain; dharma will be illuminated. The Lord gives devotees experiences through dreams to make them steadfast. The creature didn't die because it is an asura (demon), and an asura will not die so easily. Kali will die in the end; he hasn't died yet. That's why it was shown like that. That was Kali, the power of Kali. So on one hand, the Lord gave you his vision, and on the other, you also saw Kali, meaning his time is up.

► Watch this answer · 42:09 · 08 October 2023

Q_1682 Pandit ji, I've been doing the Trikal Sandhya for about a month. During this time, a plan to visit Vrindavan was made suddenly, and I went. I did the Govardhan parikrama and visited places I had never seen before. It felt like I was able to go so suddenly because of the effect of the Madhav path we are on. Is this because of the practice? Please shed some light on this.

Answer: This is very good. Look, for those who perform Trikal Sandhya, the Lord gives them some kind of experience. Not just that, by performing Trikal Sandhya, the Lord will also come in your dreams and tell you about many things that are going to happen. You received the grace of Lord Madhav. He said, 'Go, visit my region as well.' Because those who perform Trikal Sandhya are my people. Those who oppose it are heretics, demons. The Lord bestows his grace upon his devotees. Through Trikal Sandhya, you will get everything; you will get Krishna. In such a short time, this is the effect of the purity and truth of Trikal Sandhya. Whoever in the world performs Trikal Sandhya receives experiences from the Lord at all times. This experience gives devotees the message that this is the principle to follow; through it, Krishna can be attained. There is no other way.

► Watch this answer · 45:22 · 08 October 2023

Q_1683 I had one question. In the third canto of the Bhagavata Purana, the system of time calculation that is given, is it wrong?

Answer: No. Starting from the 'paramanu' and so on, and the 12,000 divine years of the demigods... if you calculate it, it comes out to 432,000 years. Yes, this is written in the Bhagavat. The age of Kali Yuga is 432,000 years, that is correct, there is no mistake in it. But because of sin and human actions, the age of Kali Yuga has been affected. I have explained what kinds of sins have caused the disintegration of Kali Yuga's age, and that Kali Yuga will last for 5,000 years. I have provided proof for this and have written it down one by one in the Bhavishya Malika Purana.

► Watch this answer · 49:04 · 08 October 2023

Q_1684 I have had a dream since childhood. A dark figure would chase me, and I would run into a temple. I am 47 now, and it doesn't come anymore. But the day I started Trikal Sandhya, that night I saw the same dark image. When I saw the picture of Lord Jagannath, I felt that this is the same figure I have been seeing my whole life. What does this mean?

Answer: Look, the person who asked this question said that since childhood, a dark male figure would follow him. The day he saw Lord Jagannath and performed Trikal Sandhya, it became clear to him that the figure had a form like Jagannath. This is because, look, whoever performs Trikal Sandhya, the Lord gives them an experience in some way. And that very experience benefits the devotee on their path of devotion and makes them steadfast. It proves the truth of the Bhavishya Malika. So this is a thing of great joy. Perform this Trikal Sandhya and the Lord's grace will be upon you.

► Watch this answer · 51:30 · 08 October 2023

Q_1685 Maharaj ji, a woman used to come in my dreams. She wore a burqa and would beat me a lot. The dream would last for five minutes, but it felt like hours. When she came, I would get very scared. What is this?

Answer: Look, two women died by suicide, and their unsatisfied souls are wandering and were troubling you. They are a little distant now. Chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya. Before sleeping, chant the name of Madhav 108 times and then sleep; she will not come. Do satsang with the name of Madhav, constantly read the Bhagavat. The pre-existing problem in the house will be removed.

► Watch this answer · 54:57 · 08 October 2023

Q_1686 My question is, all the Puranas state that Kali Yuga is 432,000 years long, but the Bhavishya Malika says it is 5,000 years long. Vedavyasa wrote long ago that Kali Yuga is 432,000 years. If the Bhavishya Malika is proven true, wouldn't his words be proven false?

Answer: Look, understand this well. Lord Vedavyasa is God himself, an incarnation of God. He has written that the age of Kali Yuga is 432,000 years. This is undisputed. But, at a certain time, when the Sun, Moon, and Jupiter transit into the same zodiac sign, at that time, Satya Yuga will arrive. That has already happened in 2022-23. Vedavyasa presented both principles. One principle is what all people of Kali Yuga say. But the other principle, which is written within, is that when the Sun, Moon, and Jupiter transit into one sign, on that day, Krita Yuga (Satya Yuga) will come. That time has already passed. For this reason, the Malika is true, Vedavyasa is also true, and the Srimad Bhagavat is true.

► Watch this answer · 56:29 · 08 October 2023

Q_1687 We have served Lord Jagannath at our home temple for 15-20 years. We sing the Jagannath Ashtakam, perform aarti twice a day, and offer bhog five times. We didn't know about Trikal Sandhya. Is what we are doing sufficient, or do we need to learn Trikal Sandhya?

Answer: That is wonderful. But at night, since you have Lord Jagannath, recite the Gita Govinda to him. Recite it yourself, and the Lord will be even happier. When the Lord asked King Indradyumna what he wanted, he asked that the Lord's eating should never stop. Lord Jagannath gave this boon. So, at night, recite a little Gita Govinda to the Lord. For a devotee of Jagannath, the Malika is the most important thing because they have already held onto Jagannath. And Jagannath, Balabhadra, and Subhadra are coming at this time as a form of the Kalki avatar. The Lord's incarnation has already happened on earth, and the time for establishing dharma is underway.

► Watch this answer · 58:35 · 08 October 2023

Q_1688 During the month of Shraddha (Pitru Paksha), we donate grains to Brahmins. Is this an effective practice?

Answer: Look, right now is Pitru Paksha, a holy time. During this time, charity, dharma, virtuous acts, reading the Bhagavat, and holding satsang at home are all necessary. This is because the ancestors (pitrus) come to earth and see what religious rituals are being performed in their homes. While living, people are attached to worldly things, but after death, they search for dharma. They have understood that there is no truth in the world other than God. So, at this time, they have all come to earth and visit their homes. If no religious rituals are happening, they become sad. That is why, during this time, I constantly tell devotees to read the Bhagavat daily. The ancestors will come daily, listen, and bestow their grace. It will bring prosperity and good things. Okay, do it.

► Watch this answer · 01:01:07 · 08 October 2023

Q_1689 Between the two, should one do Trikal Sandhya or Sadhana? Or should both be done?

Answer: Look, mother, Sadhana is rooted in attachment. From attachment comes greed, and from greed comes sinful actions, which lead to a person's downfall. If humans worship with devotion (bhakti), they receive grace. But if they do sadhana, they do not receive grace because it is distant from the path of bhakti, the path of scriptures, the Sanatana path. In past ages, there was no provision for sadhana in many scriptures. In Kali Yuga, because people lack devotion, they turn to sadhana. One who has devotion, who is a true devotee, should perform Trikal Sandhya. They will blissfully attain God, and their worldly desires can also be fulfilled through it.

► Watch this answer · 01:03:53 · 08 October 2023

Q_1690 Can we do some meditation with Trikal Sandhya?

Answer: Definitely do it, mother. Don't stop doing Trikal Sandhya. If you don't do it, with the calamities that are coming, how will humanity be protected? Today many people ignore it, but a time will come when they will ask for the path of Trikal Sandhya, but it won't be of any use then. Now is the time to reform. You are doing it, which is wonderful. Keep doing it and receive the Lord's grace.

► Watch this answer · 01:06:04 · 08 October 2023

Q_1691 Four days ago, I was missing Lord Krishna a lot, and I cried a lot while reading the Bhagavat and singing the Gita Govinda. Many tears come from my eyes. What does this mean?

Answer: This is wonderful, mother. Your devotion is an ideal for other devotees. One who is truly a devotee of Lord Krishna, when they hear his stories or bhajans, tears naturally come. The time for you to attain Lord Krishna has also come, mother. The sign of a devotee is to fix their mind and attention on the Lord's lotus feet. That is the devotee's goal. In those fearless lotus feet, all holy places and demigods reside. A true devotee will only see the Lord's feet, which are our greatest place of protection. This is very wonderful. Devotees like you should come to this earth. May God's grace be upon you, and you should teach the world through your devotion.

► Watch this answer · 01:07:01 · 08 October 2023

Q 1692 My question is this: do we have these dreams because we are thinking about them, or does God, being pleased with our devotion, give us these visions? This is what I want to ask.

Answer: Look, mother, God gives visions to his devotees. Thousands, even lakhs of people think about him, but they don't get dreams. When Kansa was about to die, he had a vision of Kaal (death). Before the war, Yudhishthira had a dream vision. So, a dream is a direct spiritual element. It is the ignorant who say such things. In the world, many people call out to Lord Krishna and sing bhajans, but they don't get visions. Those who are fortunate, who are the Lord's true devotees, the Lord gives them visions, mother. The dream is the basis.

► Watch this answer · 01:10:37 · 08 October 2023

Q 1693 When we light a lamp (diya) for our daily worship, sometimes a lotus forms in the flame, sometimes Lord Ganesh, and we have even seen Banke Bihari ji. This happens every day. What is the meaning of this?

Answer: As is the devotion, so is the vision of the Lord, mother. What would ignorant people know? Your devotion is the greatest experience. And you are telling the truth. I know, many times in our ashram too, when a havan (fire ceremony) was performed, images of Lord Shankar and Brahmadev appeared from the fire. I saw it. Because they were invoked, they came and manifested. So, such is your devotion that you are getting these visions. We have also seen this experience; it is a reality.

► Watch this answer · 01:11:43 · 08 October 2023

Q 1694 Prabhu ji, my nature has started to change. Unlike some people who might pray out of fear or to have a desire fulfilled, a change has come in my nature where I have no desire for anything at all. What is the meaning of this? I have no desire for anything whatsoever.

Answer: Look, mother, one in whom the light of the spiritual Brahman principle manifests, their attachment to the entire world breaks. One in whom it doesn't manifest remains drowned in attachment and keeps asking for things. You have received the light of the Brahman principle, meaning you have come in contact with God. It is as if the Lord is with you, and you are with him. Then, attachment to worldly objects will be severed; nothing will remain. This is the final stage for a devotee. When attachment to the world is gone, when you see something and feel no attachment or pleasure in it, then know that you have become God's. This is very good. This should happen to everyone.

► Watch this answer · 01:12:38 · 08 October 2023

SESSION 101 · QUESTIONS 1695–1717

L107 - भविष्य मालिका में लिखा जा चुका था पं० श्री काशीनाथ मिश्र जी का नाम | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 09 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1695 Pandit ji, I wanted to know when the second part of the Malika will be released?

Answer: Look, if God's grace remains, we are definitely writing the second part. The second part will surely be released. The Lord has given this responsibility. When it is His will, it will be released for the welfare of humanity. The work on it is ongoing; it is almost complete, but it will take a little time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:10 · 09 October 2023

Q 1696 My question is, right now you are propagating the Malika, and we are able to listen to it through the internet. I have full faith that what is meant to happen will happen, and I follow your Tri-Sandhya practice. But after a time, when all these things, like the internet, are gone, how will we receive guidance? You might not be there, and we won't be able to contact you. How will we know what is to happen next and what we should do?

Answer: Look, the time is coming when the devotee and God will unite. Those who follow the Malika's Trikal Sandhya will have direct communication among themselves. All this information will come automatically, like a wireless signal. The current system requires you to dial, but in the time to come, devotees will receive information directly. All the elements will be available; there will be no trouble. The Lord will make it all happen. Don't worry about it, because that is God's work—how to save all of you. Even if the internet shuts down, God has a super-internet. Through it, devotees will be saved and will keep receiving knowledge.

► Watch this answer · 16:46 · 09 October 2023

Q 1697 I want to ask about Pune, Maharashtra. What might happen in Pune? Is anything written about it in the Malika?

Answer: Look, the Bhavishya Malika is written about the entire world. As for Pune and Mumbai in Maharashtra, there will be great floods, a massive flow of war, destruction from earthquakes, devastating diseases and pandemics, communalism, and along with a shortage of food for people, all sorts of problems, pain, and suffering will come. Sinful people will be destroyed, and the righteous will be illuminated. A new era will be created. People from Mumbai and Maharashtra will also remain, and the Ganpati Mandal will work well with the support and blessings of the Lord.

► Watch this answer · 18:05 · 09 October 2023

Q_1698 Until when will all of this happen? How long will this go on?

Answer: Look, the Earth was not created in a single day. This will continue until 2032-33. That is the time for the establishment of dharma (righteousness). The work is happening within that timeframe. You should observe the events, do your karma (duties), take refuge in God, and follow the Trikal Sandhya. Humanity will be saved.

► Watch this answer · 19:03 · 09 October 2023

Q_1699 How many people will be saved in the end?

Answer: According to the scriptures, 33 crore will remain. Look, we calculate that the gods will surely remain; there is no change in that because all the gods and goddesses are born in the world. Crores of sages, saints, and celestial beings will also be there. In total, we say 64 crore. It is God's will whether He keeps 64 crore, 6 crore, or 100 crore. It depends on God. But in the establishment of dharma, three-fourths of the people will be saved.

► Watch this answer · 19:29 · 09 October 2023

Q_1700 Prabhu ji, the war in Israel has started. We tell people about the Bhavishya Malika, and I saw your video where you predicted this, saying Israel would have to side with America. Now that it's happening, our own family members still don't believe that the Kalki avatar has come. I feel like I'm the only believer in my family. I worry about them. Since they don't believe, will my family be destroyed? Will I be left all alone?

Answer: Look, first, regarding Israel. I had said before that Israel, even if it wants to, will not be able to help India because Israel itself is now in trouble. And America, by helping them, will pull them to its side. There will be a unification of 51 Muslim countries. When America helps a Muslim country like Pakistan, Israel won't be able to help us. The proof is here. Now, for your second point about your family not believing. Look, son, people come and go according to their own karma. If someone does good deeds, listens, and believes, then God bestows His grace. But if, in their pride, they think they are all-powerful, they will be judged in time. It is written in the Bhavishya Malika that those who don't believe today will plead for the path later when they want to be saved, but at that time, they will not be saved. That's why I say with conviction: change, there is no time. Don't worry about anyone else. The Lord is ours. Those who believe are devotees; for those who don't, there will be trouble.

► Watch this answer · 20:16 · 09 October 2023

Q_1701 When will God appear before everyone?

Answer: Why? What penance have you all performed? God is not bound by any obligation. No, God is moved by devotion. Those who perform penance and live in devotion, God gives them His vision. What is the need for Him to appear before everyone? Will the Lord appear to listen to the condemnation of demons and witness the atrocities of the wicked? It has not happened like that. He appears before His devotees. Look, those who perform the Trikal Sandhya, the Lord gives them His vision.

► Watch this answer · 33:11 · 09 October 2023

Q_1702 I need to know one thing. The duration of Kali Yuga was supposed to be very long. How did this long timeline get shortened so much? The reasoning given is that the pot of sins is full, which is true, but I'm not able to understand how. Could you please explain?

Answer: Look, you should read our book, the Bhavishya Malika. In it, I have mentioned 32 types of sins and explained how much the age of the yuga was reduced by each sin. For instance, due to cow slaughter and seizing their grazing lands, 100,000 years were cut from Kali Yuga's age. Because of this, its age was reduced to 5,000 years. Today, people claim Kali Yuga is in its infancy, but what will be gained from that knowledge if it's not used for humanity's welfare? A time will come when everyone will say I was right, but then people will not have the time to change. So, utilizing this time is crucial. The end of the yuga has come. I have said it, and it is also mentioned in the scriptures. You are already seeing the proof, and greater proof will come, but then there will be no time left. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:57 · 09 October 2023

Q_1703 While reading the Bhagavat, I sometimes get confused and don't understand it. What should I do?

Answer: Try to read it daily. Look, the Bhagavat is the essence of all four Vedas. The Vedas were understood by listening ('Shruti'). Read it once, twice, three times. By reading it again and again, and by listening, you will eventually understand the Bhagavat. Keep reading, and with the Lord's grace, everything will become clear.

► Watch this answer · 36:31 · 09 October 2023

Q_1704 How can one attain Brahma Gyan (divine knowledge)?

Answer: To attain Brahma Gyan, there is no other way in the world besides the Trikal Sandhya. The Trikal Sandhya that I speak of is that very path.

► Watch this answer · 37:16 · 09 October 2023

Q_1705 Guruji, if we chant the name of Ram, can we be saved?

Answer: Look, I am also in refuge of Lord Ram. Hanuman ji is my guru. According to the era (yuga), it is the duty of devotees to honor the name of the current avatar. At this time, Mahavishnu is coming, so take refuge in him. He is Ram, he is Krishna, he is Buddha—he is all of them. And Mahavishnu himself is coming as Kalki Ram. So, chant the Madhav name of Kalki Ram. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 37:30 · 09 October 2023

Q_1706 How much of Kali Yuga's age has been reduced?

Answer: It is written that it will last 5000 years. I have detailed this, listing 32 types of sins. For example, for bathing naked in the holy Ganga, 12,000 years were cut. For committing evil acts with a Brahmin's wife, 30,000 years. For disrespecting ancestors and misbehaving with one's parents, 6,000 years. In this way, the age of Kali Yuga was reduced. You should read about it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:06 · 09 October 2023

Q_1707 I have heard that when a person dies, there is something called heaven or hell. What is the journey after death?

Answer: Look, people say someone has gone to heaven, but one receives fruits according to their karma. The Garuda Purana, Vishnu Purana, and Shrimad Bhagavat all describe this. People who do good deeds attain heaven. Those who do bad deeds go to hell, and after hell, they are born into lower species. Those who perform the best deeds attain Vaikuntha (the celestial abode of Vishnu).

► Watch this answer · 40:03 · 09 October 2023

Q_1708 Gurudev, how should we perform the Trikal Sandhya?

Answer: Look, regarding the Trikal Sandhya, there is a number on YouTube. Contact that number, and they will send you the PDF for the Trikal Sandhya. It is very blissful. When you perform the Trikal Sandhya, you will see how gracious God is.

► Watch this answer · 40:57 · 09 October 2023

Q_1709 I had one more question, Pandit ji. I have been observing the Ekadashi fast, but on the last one, I felt so unwell that I broke my fast at night and couldn't perform the proper ritual to break it the next day. Did I do something wrong? Should I observe the fast tomorrow? Please give me some advice.

Answer: For householders observing the Ekadashi fast, you should have one meal. Offer it to the Lord as prasad first. You can also consume fruits and roots. You can eat before sunset if you feel very hungry. One should not observe a complete fast. This is the first thing. The second thing is, demons have always opposed dharma. The greatest work of dharma has always faced great opposition. But for the true devotees, God will somehow remind them and make them His own. He definitely leaves some sign for His devotees to strengthen their faith.

► Watch this answer · 43:35 · 09 October 2023

Q_1710 I asked him (the Lord in a vision), 'Prabhu ji, by when will this gathering of devotees happen?'

Answer: He told me that it will happen in December. He said some other things too, but I don't remember them now.

► Watch this answer · 46:52 · 09 October 2023

Q_1711 Maharaj ji, I have a question about people in the corporate world. They are so stressed that they spend weekends drinking and smoking, completely ignoring the signs of the coming times like the pandemic. How do we tackle this mindset that devotion is only for old age?

Answer: The ignorant look for ostentation, while the wise prefer a simple life. It is written in the Malika, 'In the final moments, the soul will speak.' In the end times, people will say, 'Pandit ji had told us this was coming.' Then they will try to read the Bhagavat and do the Trikal Sandhya, but it will be of no use. The time to practice the scriptures and receive the blessings of mantra power is now. If they lose this time, they will regret it later and say, 'Brother, you were right. Our family is gone, there is no path left. If only we had believed earlier.' This is written in the Malika.

► Watch this answer · 48:48 · 09 October 2023

Q_1712 I am not able to do the Trikal Sandhya, but I am able to chant the name of Madhav. Is this okay?

Answer: No, son, it is necessary to do the Trikal Sandhya. From Trikal Sandhya, we will get power. By chanting the name of Madhav, you will get devotion. And by reading the Bhagavat, you will get a longer life. Everything is necessary. Do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:35 · 09 October 2023

Q_1713 Guruji, regarding this Trikal Sandhya, how should I start it? And can I start it gradually?

Answer: There are no big mantras in the Trikal Sandhya. It includes the 16 names, the Dashavatar, the Durga Madhav Stuti, and reading the Bhagavat. Contact the phone number on YouTube, get the PDF, and start. Start the Trikal Sandhya, daughter. There is very little time, so do it. It is very blissful, will bring you peace, and your life will find its meaning.

► Watch this answer · 55:37 · 09 October 2023

Q_1714 I don't get enough time to follow all the practices, but I do as much as I can. Is this correct?

Answer: Look, son, you will get time in the morning, from 3:30 AM to 6:30 AM. During the middle of the day, you might not get much time. At that time, do a shortened version of the Sandhya. The 16 names will take 15-20 seconds. Chant the Madhav name 108 times. And if you don't have time to chant the shloka of the 10 avatars, then just chant their names: Matsya, Kurma, Varaha, Vamana, Parashuram, Ram, Balaram, and Shri Kalki Ram.

► Watch this answer · 56:30 · 09 October 2023

Q_1715 Guru ji, due to my faith, I only chant the name of Radha. By chanting Radha's name, will the Lord understand and accept it?

Answer: Look, daughter, Mother Radha Rani constantly chants the name of Madhav. There is proof of this in the scriptures. Mother Radha Rani used to call Lord Krishna 'Madhav'. So, chant the name of Madhav, and Radha Rani will be happy. We have respect for our guru, but when it comes to God, I see no other path than taking refuge in God and following God's way.

► Watch this answer · 57:54 · 09 October 2023

Q_1716 Can we drink green leaf tea? Specifically, an organic green leaf tea with cloves, bay leaves, and pepper?

Answer: Yes, you can drink things like herbal green leaf tea with ginger and other spices. Drink Tulsi (holy basil) tea. The other processed teas with bad qualities are not good for the body; they are harmful. Yes, you can drink green leaf tea.

► Watch this answer · 59:27 · 09 October 2023

Q_1717 Guruji, I read the Ramcharitmanas. Is that okay if I am not able to read the Bhagavat right now? And since I go to college, how should I do the Trikal Sandhya?

Answer: Look, you should definitely read the Ramcharitmanas daily. But following the Trikal Sandhya and Shrimad Bhagavat, the stream that I talk about, is necessary for the people of Satya Yuga. This stream is God's stream. He who is Ram, this is His stream as well. If you follow it, you will be blessed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:00:26 · 09 October 2023

SESSION 102 · QUESTIONS 1718–1735

L108 - जाजनगर में कल्कि जी का जन्म पट्टा मड़ाण में प्रमाण | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 10 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1718 I have a question for you, Pandit ji. Actually, I have two questions. The first is, in which year will the World War happen? And the second is, in which year will the internet or electronic gadgets stop working?

Answer: Look, I have said this before. Mahapurush Achyutananda said that when Saturn transits into Pisces, at that time, 'Kaal' (time/death) will consume the earth. It could be a war, an asteroid hitting the earth, or a cataclysm involving the five elements—fire, air, wind, or earthquake. It could be anything, even a pandemic. Achyutananda mentioned 600 years ago that calamities would come through various means during the Saturn transit in Pisces. However, in one place, he wrote that the Lord told him what to write, and when the Lord comes, this work of establishing dharma will happen according to His will, and wars, pandemics, everything will happen. The time is near. As for the date, look, this is God's work. It will definitely happen. But if we tell people, it will create fear. What benefit will that bring to the world? Many people will get scared. That's why I say, follow the sacred path, do righteous deeds, and work for the welfare of humanity. When the establishment of dharma is to happen, the Lord will surely do it when He decides to act. I am telling you the time: calamities are coming during the transit of Saturn in Pisces. Wait for that time. And continue with all your worldly duties. Work with joy, eat, perform your duties, do everything. Whether it happens or not is in God's hands, but it will surely happen. There will be no change in that. There might be a slight shift in the timing. Therefore, connect with God. The Lord will tell you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:26 · 10 October 2023

Q 1719 My question is, as I am performing Trikal Sandhya, sattvic (pure) qualities are developing in me. So when the tamasic (impure/dark) qualities leave, it causes some discomfort. It feels like I should just give up, that the tamasic qualities were fine and nothing that bad happened because of them. What is this process that is happening in my mind?

Answer: Look, if we go to our fundamental nature, humans are sattvic (pure) and based on sattva guna (the quality of purity). In this state of purity, we can receive God's grace and all the rare things in the world. You are on this path, my salutations to you. This is very joyful, very joyful. May God take you even further and may you become an instrument for the world's welfare. My millions of salutations. Jai Shri Mata.

► Watch this answer · 27:29 · 10 October 2023

Q_1720 Pandit ji, will Volume One and Volume Two of the Bhavishya Malika be released together, or will they be available in separate parts?

Answer: Look, Volume One of Bhavishya Malika has already been published. You can contact the number provided below to get the first volume. It has been over a year since the book was launched, meaning it has been printed for the welfare of humanity. Work on the second volume is in progress. When it is God's will, you will surely receive that book. Because that book is a monumental scripture, it is the most beneficial scripture for the salvation of humanity. Of all the scriptures that have come to date, in my opinion, this one will bring the greatest welfare to mankind. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:48 · 10 October 2023

Q_1721 Regarding the foreigners, the 310 million people who are said to will survive, will they also be following this path? Because their language is different. So what path should they follow for their salvation? For example, foreigners like Germans or British people probably cannot perform Trikal Sandhya or read the Bhagavat. How will they be saved?

Answer: A very good question. First, I offer millions of salutations at the feet of Lord Badrinath and also to the residents of Badrinath Dham. Look, the Bhavishya Malika has been translated into many languages, including English, German, Russian, French, and Hindi. It is also available on online websites. Through these means, many devotees from abroad have connected. In the time to come, through these same means, whatever is necessary will reach all the devotees the Lord has brought to engage in His work. They will come. There is no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:48 · 10 October 2023

Q_1722 Is it possible that if a pure devotee prays to God that such destruction should not happen and that there should be no problems, could that prayer be accepted? I mean, can God stop it so that nothing bad happens?

Answer: Look, God is doing what is necessary to bring about dharma. The Lord is not doing anything that would punish innocent people without reason. And my question to you is this: if sinful acts, the killing of living beings, and injustice increase in the world, and if the gods and the Vedas are disrespected, shouldn't humans do something about it? There is still time. If people follow the sacred path we talk about—performing Trikal Sandhya, reading the Srimad Bhagavatam, becoming vegetarian—then God can even stop the establishment of dharma (through destruction). But people must do good. If they do evil, the Lord is coming only to do good. He will do good. He is not coming to give sorrow to anyone. Only those who have done wrong will be punished. Not a single person who has not made a mistake will be harmed. And when the Lord of countless universes is coming, the judgment will be completely just. There is still time for people to change. At 12 or 1 AM, they catch and kill living creatures for food. How they treat little children... what can I say? Sometimes a son kills his father, a son kills his mother. Old age homes have multiplied. In old age, instead of being a support, children have become enemies. The parents who gave birth worked so hard to raise their children, and in their old age, they are beaten, abused, killed, and thrown out of their homes. How long can this sin continue? The earth is drenched in the blood of millions of creatures, which is the cause of earthquakes. If God, the creator of the world, doesn't come when He sees the world being destroyed... and major earthquakes will keep happening, destroying human and animal civilization. The earth will not survive. He is coming to protect the Earth. If the Earth remains, we can live on it. Mother

Earth is crying. People are drowning in sin. Blasphemy against God is increasing. And big countries are flaunting their power. So, the light of dharma is essential in the world. If human civilization turns towards dharma, God will surely protect them. Jai.

► Watch this answer · 31:27 · 10 October 2023

Q_1723 My question is, as you were explaining in the Bhagavat Katha today, when a person dies, 'pind daan' (ritual offerings) are given for 10 days to form their subtle body. But we see here that people finish the rituals in three days. Is this correct? When asked, people say that Lord Rama did it, so we are also doing it, what's the problem?

Answer: No, mother. Because of this, the curse of the ancestors is falling upon the earth. That is why children die at a young age, girls become widows, and auspicious ceremonies do not happen in the house. Due to the ancestors, diseases and illnesses arise in the home, and children die in the womb. This is all the curse of the ancestors, and the proper ritual should be performed. Look, mother, contrary to what people say, the Lord took his father straight to Vaikuntha (the celestial abode). Is there any child on earth today who can do that? Forget Vaikuntha, if they can even arrange a pilgrimage to the four holy sites, we would accept it. What Lord Rama did is not for us to contemplate; He is God. He can do anything by His own will. He granted the supreme state to His father. But today's children don't even serve a village temple. Why do they bring up the Lord's example? The Lord is the Lord. And what proof do they have of what the Lord did or did not do? So look, mother, there are many such people in the world who try to justify their mistakes by saying such wrong things. The time for their destruction is coming, and they are headed for annihilation. There is little time left. When they are destroyed, the world will see. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:20 · 10 October 2023

Q_1724 I wanted to ask, it is said that our surrender to the Lord should be complete and we should not ask for anything from Him. But when we perform Trikal Sandhya and recite the Durga Madhav Stuti, we say 'Kripam Kripamayi,' which means we are asking for mercy, aren't we? Could you please explain this to me?

Answer: Look, our complete surrender to God will come when we consider the Lord as our husband, our family, our friend, our companion in this world, and we surrender all our household and worldly actions at His feet. We should not expect any fruit of our actions. 'You give the fruit, Lord. What you will give, we don't know. What you won't give, we don't need to know. Lord, just keep us in your refuge.' By constantly chanting the name, purity will come into the body system. And whatever happens, we should leave it up to the Lord. By continuously chanting the name, reading scriptures, and performing Trikal Sandhya, you will become completely surrendered to the Lord. And then, no attachment or sorrow will arise from any of the world's obstacles. It will take some time. Those who perform Trikal Sandhya will reach such a state and become pure, selfless devotees like the gods. By doing this, God's grace will be attained.

► Watch this answer · 37:52 · 10 October 2023

Q1725 Guruji, I want to ask, will there be a war with China? If there is a war with China, I want to serve my country in it. Will God be with me then?

Answer: If you want to serve the country, then propagate Trikal Sandhya and Bhavishya Malika. Because a moment of dharma can provide peace and happiness to people on earth for millions of years. The sentiment to serve the country is respectable, but what can be done? The current time is for propagating dharma. It is the time for God to establish dharma, and it is the time to remove sinners and the world's mistakes. This task is in the Lord's hands; He will get it done. We just need to practice dharma. Propagate the Bhavishya Malika and the Lord's name throughout the world. This itself is service to the country. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:40 · 10 October 2023

Q1726 Guruji, I wanted to ask about the seven days and seven nights you mentioned, when there will be darkness and no sun. In which year is that likely to happen?

Answer: Look, this is set to happen during the destructive period starting from 2025, with the conjunction of Saturn in Pisces and moving forward. This is because Lord Mahavishnu will establish a new sun and a new moon for the welfare of the earth. For this reason, there will be darkness for seven days and seven nights. When that time comes, don't worry about it. Do your duty, have devotion to the Lord, perform Trikal Sandhya, and by God's grace, the devotees will be saved, and you will be saved too. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 40:57 · 10 October 2023

Q1727 Pandit ji, I have an idol of Lord Vishnu and Goddess Lakshmi. Can I offer rice to them? I apply turmeric and kumkum. Can I offer rice? Can I put rice on their foreheads?

Answer: No, no. On the Lord's forehead, you can apply a tilak of sandalwood, agarwood, and kumkum. Rice is offered in the tradition of saints and sadhus. Lord Vishnu is God. Jai Shri Mata.

► Watch this answer · 41:50 · 10 October 2023

Q1728 Last night, I was having scary dreams, so I took the Lord's name, and then in my dream, I saw the Sudarshana Chakra and Lord Hanuman. What does this mean?

Answer: Look, in our online meetings, many people say they are devotees of Hanuman ji or Lord Shankar. In truth, everyone has been created by the Lord. And at this time, Lord Shankar's work of destruction is being carried out by Hanuman ji. By taking the Lord's name, Hanuman ji appeared to you, which means he will save you. He will save the devotees. Hanuman ji gave you this vision because he will save those who chant the name of Madhav. The name of Ram was for that era; in this era, Hanuman ji will save those who chant the name of Madhav. This is the proof of his mercy. Jai.

► Watch this answer · 42:32 · 10 October 2023

Q_1729 Father, I had a dream last night. In the dream, I saw that you were with me. A lion comes to you, and you pet it very lovingly, and then it goes away. So I wanted to ask, Father, what is the meaning of this? Why did I see something like this?

Answer: Look, God has given me the responsibility to save the devotees and to propagate the Bhavishya Malika for the salvation of the world. And God is showing this to you all. See, no matter how influential or powerful people in the world come, they cannot stand against us, meaning they accept our authority. If even the lion of the jungle accepts it, then human beings should also accept it. In this lies the welfare of humanity. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:24 · 10 October 2023

Q_1730 I have three idols, but I am unable to serve them. I am unable to perform the service for the idols, I couldn't even do name chanting or anything. Please guide me about these idols. I have idols of the Lord, three idols of Radha Krishna, and one single Krishna ji. What should I do now?

Answer: You live in America, that's no problem. Look, many devotees from America are also connected to this righteous work. Let me tell you one thing: God goes to those who are dear to Him. That is, God goes to those whom He loves and who are close to Him. You were close to God, which is why you have received these idols of the Lord in your life. If the Lord has come to our house, then welcome Him. Perform Trikal Sandhya, read the Bhagavatam. If not much, mother, just offer a flower with love, a smile, and devotion. Say, 'Lord, you are mine and will always be mine. I am in your refuge.' There is no need for a specific time for worship, mother. It's not necessary to sit and worship for an hour. If we roam around all day but chant the names of Krishna, Radha, or Madhav in our minds, we get the same fruit as those who sit and worship. So, at the very least, if you find any small fruit or a Tulsi leaf, offer it to the Lord. And pray to the Lord, 'Lord, take me into your refuge.' Because, mother, the times are such that there is no other way but dharma. Before the element of destruction, the path to our salvation is nothing but God. You were a devotee of God, and that is why the Lord has come to your house. So welcome the Lord, worship Him, and stay with Him. He will bless you and grant you welfare. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:56 · 10 October 2023

Q_1731 I wanted to ask for your thoughts on this... whenever I perform worship or prayers, tears come to my eyes. This happens every time.

Answer: It happens. We are far from the Lord, aren't we? So sometimes, the thought of Him comes to mind. Just as when a mother thinks of her child, tears of affection and love come to her eyes. Our relationship with Lord Krishna and Lord Rama is like that. And when that connection is made, when the individual soul meets the Supreme Soul, a stream of bliss flows. This is a good sign and a characteristic of a devotee. Continue with it, maintain it. And do the Lord's work. Perform Trikal Sandhya and take refuge in Madhav. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 47:58 · 10 October 2023

Q_1732 My problem is that you have said that in Trikal Sandhya, one cannot consume any kind of intoxicant. But in our circle, alcohol is not allowed, but everyone does smoke marijuana (ganja). Could you advise on this? My mind gets very disturbed when I don't smoke it, but when I do, I feel completely at peace and lost in the Lord's divine play.

Answer: In Satya Yuga (the Golden Age), no human will consume substances harmful to the body. We know about this from a scientific perspective; we can search on YouTube or Google how harmful it is. And when Satya Yuga is being established, everyone will become vegetarian, good human beings, divine human beings, god-like human beings. Being in Kali Yuga was a different matter. To go to Satya Yuga, you must stay away from these things. If you become god-like, you can become one of the 330 million gods and live as a human in Satya Yuga on this earth. Therefore, this is not about Kali Yuga; this is necessary to go to Satya Yuga. If your conscience says that you want to go to Satya Yuga and be with the Lord, then to attain the Lord, you will have to give up some things. If you give it up, it will be good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 49:47 · 10 October 2023

Q_1733 Pandit ji, there is a Premanand Maharaj ji from Vrindavan. He says that you just have to chant the name, and you will be saved by that alone. I wanted to know about that, is that correct? Meaning, just keep chanting 'Jai Shri Radha, Jai Shri Radha' while working or doing anything.

Answer: I have respect for him. But the thing is, to go to Satya Yuga, as per the orders of Lord Mahavishnu Jagannath, the eternal Pancha Sakhas have laid down a sacred rule. And this is the word given by God. For the welfare of humanity, Trikal Sandhya is necessary. There is no human on earth who can become a human of Satya Yuga without following this path. This might seem bitter to people. With change, we must respect the incarnation of God. And with the Lord's incarnation, to become a human of Satya Yuga, we must become a 'Brahma-gyani' (one who knows the Absolute Truth), because in Satya Yuga, everyone will be a Brahma-gyani, everyone will be a god. So we have to perform god-like actions. Chant the names of Mother Radha Rani and Lord Krishna as much as you want, it brings joy. What Premanand ji says is correct, it brings great joy. But to transition from this yuga to Satya Yuga, perform Trikal Sandhya at the times I have mentioned. And follow the rules I have stated. At other times, chant the name of the Mother, chant the name of Lord Krishna. The whole day is there. Trikal Sandhya is only for 30 minutes. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:44 · 10 October 2023

Q_1734 I often see eagles (Garuda) around me. Sometimes two, three, four, or five of them. Is this a sign of something? Also, I get an image of a very large Mahavishnu, and I am in front of him with many people, like it's Kalki's army. I don't know if it's an illusion or real.

Answer: This is good. The Garuda bird is a descendant of Garuda, the crest-jewel of devotees of the Lord. If they come near you, it is good for you. Perhaps they think that you are also a devotee of Lord Vishnu, Krishna, or Rama. They come because they trust you. It is a good sign. And no, what you see is true. Lord Kalki has already descended on earth. The time for the establishment of dharma is underway. And for the devotees, the Lord gives his vision through some medium, whether in a dream or in some other way. This is good for you. Perform Trikal Sandhya, join the online satsang, chant the name of Madhav, and you will receive more essence. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 54:05 · 10 October 2023

Q_1735 On May 5, 2003, there was a planetary alignment that was very similar to Lord Rama's birth chart, with about six planets in exalted positions. A similar conjunction that happened in Treta Yuga occurred in 2003. (Implicitly asking if this was the time of Kalki's birth).

Answer: Listen, the time of God's arrival is a secret time. Mahapurush Achyutananda wrote about this, meaning even the greatest yogis, sages, and rishis could not find Lord Kalki's birth chart. It will happen in great secrecy. And the devotees will be able to recognize Him. The conjunction you mentioned is correct. But according to the Bhavishya Purana, the incarnation of Lord Kalki was to happen after 2005. The time was written to be anytime starting from 2005. And according to that, Lord Kalki's incarnation was to happen. Perhaps by God's will, it has already happened. And we come to know the true essence of God through the path of devotion and the practice of Trikal Sandhya. Jai.

► Watch this answer · 56:32 · 10 October 2023

SESSION 103 · QUESTIONS 1736–1773

L109 - "कलि आगत भविष्यांत" में कल्कि जी के जन्म स्थान का वर्णन | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 11 October 2023 · Watch the full session ↗

Q.1736 I am not able to remember the Tri-Sandhya prayers. Even if I remember them, I forget. I feel very scared to start anything. It's been three months since I started.

Answer: Okay, write it down in a notebook or on a piece of paper. Then, read it from the paper. It's alright if you make mistakes; they will be corrected over time. There is nothing to fear or be sad about. Chant the name of Madhav, and everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 07:30 · 11 October 2023

Q.1737 Pandit ji, I wanted to ask one thing. In the morning, I perform the Tri-Sandhya facing the direction of the sunrise. However, when I am in the office, I don't know the directions. So, I just perform it wherever I am seated, using the shorter method you've described. Sometimes, if I have time, I do the full version. My question is, is it considered a fault if I am unable to face east, the direction of the sun?

Answer: Look, the name of God can be chanted anywhere—in water, on land, in the sky, in all four directions, sitting in any posture—and you will attain God. There is no sorrow, no problem, no obstacle in this. Wherever you sit, whichever direction you face, sit according to your own will and chant His name. You will attain God. There is no issue at all.

► Watch this answer · 08:07 · 11 October 2023

Q.1738 Actually, I had a question. In a satsang two days ago, you mentioned that the king of Russia will bring Lord Jagannath to Puri. At that time, Lord Kalki will not go to meet him. A question arose in my mind: what is the reason for this? Since both are the same divine form, why will Lord Kalki not go to meet Lord Jagannath?

Answer: This is a very good question. Look, Lord Jagannath has devotees all over India and the world, and Lord Jagannath himself has incarnated as Kalki; there is no difference. But the point is, only those who are fortunate will get to meet Lord Kalki, the manifest Brahman. If Lord Kalki goes there, then everyone, both the virtuous and the wicked, will meet him. This means good and bad people alike will come for Lord Jagannath's darshan out of fear, and if Lord Kalki is there, they will see him too and take refuge in him. Therefore, to save the sinners, God will filter people using his Maya Shakti (illusory power). There is a place called Barchana, before Chhatia Bhat, on the way to Jajpur. Lord Kalki will stay there, saying, 'Lord Jagannath's worship and rituals are ongoing, so it is better for me to stay here.' For the sake of the devotees, Lord Kalki will stay there and will later proceed to wherever he needs to go. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:51 · 11 October 2023

Q_1739 Pandit ji, regarding the future of the world, it is said that earthquakes will increase, the Earth's axis will shift, the geography will change completely, and the sun will rise from the west. Mahapurush Anant Das ji has said his prophecies will come true. In this scenario, will only the pure souls from this spiritual stream be saved, or will pure souls from other paths also be saved? Will people from other paths also get to have a darshan (divine vision) of the Lord, or will it only be for those who are sincerely following this path with unwavering devotion?

Answer: Look, when God descends into the world, He is extremely compassionate. He eliminates the wicked and protects the saints. The great sage Achyutananda wrote a line in Odia which means that not a single devotee who is not under God's refuge will survive the destructive phase of Kali Yuga. It is my belief that by the time dharma is re-established, all devotees will be connected to Lord Kalki. A time will come when people will see no other alternative. Whether one is wealthy, respected, or knowledgeable, everyone will have to take refuge in Lord Kalki. They will have to accept the Trikal Sandhya, and it will become necessary to recite the 16 names, 10 avatars, and the Durga Madhav Stuti. People will see that they are attaining salvation by reading this, and it will slowly spread to everyone. By the grace of Lord Jagannath, the Bhavishya Malika will be translated into all languages across the world. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 12:30 · 11 October 2023

Q_1740 Prabhu, I saw a line from the Malika which says, 'From '24, the calculating machines will turn upside down, computers and mobiles will stop working, factories will break down, schools, colleges, and treasuries will shut down.' So, Pandit ji, is this supposed to happen in 2024?

Answer: The 'calculating machines' refer to computers. Their predictions will fail; even supercomputers will become useless. But this is not happening in 2024. People twist the words of the Bhavishya Malika to increase their TRP and subscribers. I hear these things, but it is not happening so soon. Above all, Mahapurush Achyutananda has written that everything depends on Lord Kalki and when He decides to act. He has not given a specific timeline. The things being propagated today are meant to create fear among people. The Bhavishya Malika is a path to salvation; it is meant to bring peace and liberation to devotees, not fear. People interpret it based on their limited knowledge. Wait for the right time; there is still a while to go. By the Lord's grace and His will, no one knows when it will happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:53 · 11 October 2023

Q_1741 Pandit ji, I had one more question. Among all the incarnations of Lord Narayan so far, except for the Narasimha avatar, all others have been quite calm and gentle. The Narasimha avatar was very fierce. What will the Kalki avatar be like? How will he treat his devotees versus how will he treat those who are engaged in wrong thoughts and evil deeds?

Answer: Look, for His devotees, God's form is calm, serene like a dark-blue cloud, pure, beautiful, and enchanting. For the demons, His form is destructive. Lord Kalki will carry out the act of destruction against the wicked like a great, radiant comet. To his devotees, he will give darshan in the beautiful form of Madhav, Neel Madhav. So, his appearance will be different for devotees and different for sinners. The Lord's manifestation is according to our devotion. For the purpose of destruction, Lord Kalki will maintain his wrathful form for some days, but for his devotees, he will appear in a simple and gentle form. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:43 · 11 October 2023

Q_1742 Pandit ji, please forgive me. It is necessary to have control over our five senses and four motor organs, right? We are trying to learn to love, wait, and obey. So, in the fasting that is to be done, does it mean we must also gain control over our senses and motor organs?

Answer: Look, that is correct. I will explain the principle behind fasting to you later. The purpose of fasting is to renounce worldly greed and the desire for sensual pleasures. That is its true meaning. Okay?

► Watch this answer · 19:45 · 11 October 2023

Q_1743 Pandit ji, I had asked this before: you said that medicines will stop working. As a doctor, I know that modern medical science, like allopathy, is still developing and diagnoses are not always accurate. We are pushed into a rat race from childhood, away from spirituality. So, for those of us who have found this path, how should we deal with medicines, which are chemical reactions? Should we take vitamins to balance things, or how do we gradually stop relying on them?

Answer: Your line of thinking is absolutely correct. But we are working in the spiritual field by the Lord's grace. In this Kali Yuga, it is difficult for people to survive without modern medicines. They are used in every home. The most important thing is that along with taking medicine, if people have devotion and surrender, like practicing the Sandhya I speak of, the medicine will be more effective. Furthermore, the Bhavishya Malika states that a time will come when doctors will lose their way, and both modern medicine and Ayurveda will fail. This will be the final stage of Kali Yuga, when the Lord takes the world under His control. At that time, only chanting the Lord's name and the Trikal Sandhya will work. That time has not yet come. It depends on God. Wait for that time; it will surely come.

► Watch this answer · 20:45 · 11 October 2023

Q_1744 I wanted to ask, you mentioned that many divine souls will come as per the Bhavishya Malika. I am a disciple of the self-realized saint Shri Asharam ji Bapu. Is there anything written about him in the Bhavishya Malika? My second question is, what does the Malika say about London, UK? Will it be completely submerged?

Answer: No, that will not happen. Regarding your first question, I have respect for all saints as they have helped transform many people. However, I have not read anything specifically about Saint Asharam Bapu. As for your second question, London will remain. Mahapurush Achyutananda has written that the Lord will go to London riding on Garuda. He will save the devotees there, bring back the Kohinoor diamond and the Kaustubha gem to India, and will make the devotees there the rulers in the new age (Satya Yuga) before returning to his homeland. This is written in the Jaiphula Malika. Okay?

► Watch this answer · 26:41 · 11 October 2023

Q_1745 Father, I had a dream this morning between 4 and 5 AM. I saw my mother lying down, covered in what looked like blood from her chest to her waist. My elder brother suddenly showed symptoms of death, which scared me. In a second scene, I saw a basket with old 25-paisa coins. Someone was taking two, and I was taking one. As I was about to take a third, I told my mother, 'No, you take it too, or I will miss you.' What message is the Lord trying to give through this dream?

Answer: The meaning is that a disease is about to come to this Earth. And it could affect up to 75% of the people. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:17 · 11 October 2023

Q_1746 Pandit ji, I have a question. Nowadays, we see a lot of love marriages. Are they right?

Answer: Look, son, I don't like to analyze love marriages much. However, if a couple marries with mutual consent, in the tradition of a Gandharva marriage as per our Vedas, then that marriage is in accordance with the scriptures. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:44 · 11 October 2023

Q_1747 Jai Jagannath, Pandit ji. Is there anything in the Malika about the ongoing war between Palestine and Israel?

Answer: Look, this is a precursor to the unification of 13 Muslim countries. Secondly, as I have mentioned before, an independent equation is being formed. Through this war, all Muslim countries are unifying. On the other hand, the good relationship between India and Israel will remain, but if America helps them more, they will likely follow America's lead. This is what the future indicates. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:25 · 11 October 2023

Q_1748 Prabhu ji, my question is, what are the signs of a good devotee, through which we can attain God? God has shown us the path to salvation, but how can we find God? What qualities should a good devotee possess?

Answer: Look, mother, the best quality is when we surrender all our worldly happiness, sorrow, wealth, attachments, ego, and pride at the Lord's feet and say, 'Lord, whatever is Your will is for my well-being.' When we do this, God takes full responsibility for us. This is called a 'nishkam bhakt' (a selfless devotee). This means practicing devotion without any personal desire. Offer the fruits of all your worldly actions at God's feet, and do not worry about whether He gives you the results or not. By doing this, we can become a close devotee of God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:30 · 11 October 2023

Q_1749 People here talk about their dreams. When someone sees something in a dream, is that also a form of God's grace? Does it mean God has informed them of something in advance?

Answer: Look, a dream is an element that can bring information about our body, our future, and our past lives. Ravana and Kansa saw Mahakal (the God of Time and Death) before they died; we read this in our scriptures. If someone has a vision of God in a dream, it is His grace. Sometimes, a dream can warn of a coming problem. So, it is a sacred element. If it is God's grace, He can inform someone in advance. Before Lord Krishna was born, He appeared in Brahma's dream to announce His incarnation. So, dreams can come before sorrow or happiness, or by God's grace, depending on one's devotion. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:24 · 11 October 2023

Q_1750 Pandit ji, I've been following you for two years and my family and I practice Tri-Sandhya. But whenever I try to undertake a special spiritual practice (sadhana), I fall so ill that I have to be hospitalized. I also have strange dreams where I hear words I've never known, like 'Akand' or 'Uddhav'. In one dream, an old man in an old house told me to search for 'Askand' among many ancient scriptures. What does this mean? What should I do, as my health fails every time I try a sadhana?

Answer: Listen, mother. First, do not perform any special sadhana. Second, the dream about the scriptures refers to a secret place in Odisha where all ancient texts are kept. No one can go there now, but when the time comes, devotees will. Perhaps it is your destiny to go there. For now, wait for that time. Just perform the Trikal Sandhya. Do not do any sadhana. Sadhana can sometimes lead to God's wrath instead of His grace because it is a symbol of ego, an attempt to compel God. Trikal Sandhya is enough to make humans divine. So, do not go down that path. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:37 · 11 October 2023

Q_1751 Guruji, I wanted to ask if the 'Behad ka Param Gyan' (Ultimate Knowledge of the Limitless), which talks about concepts like Param Shiva and Param Vishnu, is related to the Bhavishya Malika?

Answer: Okay. Look, son, I have not read about such concepts in the Bhavishya Malika, so I may not have information on this. Concepts like Param Vishnu and Param Shiva belong to the path of knowledge (gyan marg), which is followed by sages. In this age of Kali Yuga, the path of devotion (bhakti marg) is essential for mankind's salvation. Following the path of devotion will bring bliss. This is my opinion; the rest is your choice. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:05 · 11 October 2023

Q_1752 Maharaj, I want to ask something that many people probably think about but don't say. Every person, including myself, has committed many sins, some knowingly. I don't do those things anymore, but the past actions trouble me and I can't sleep at night. I've heard that repentance is the greatest remedy and God forgives. Will we be saved?

Answer: Look, son, do not worry at all. Don't be sad or stressed. Second, as Tulsidas Maharaj wrote, everything in this world has flaws. Every human makes mistakes, knowingly or unknowingly, sometimes compelled by time and planetary positions. But there is a way to be saved. Perform the Trikal Sandhya, read the Bhagavatam, and constantly chant the name of Madhav. You are not a greater sinner than Ratnakar or Ajamila, who were great sinners. So, from today, stop worrying and live in bliss. Do as I have told you, and God's grace will surely be with you. Okay, son?

► Watch this answer · 43:13 · 11 October 2023

Q_1753 Pranam Guruji. My question is, can you give me a time span for when Lord Kalki might come and when this Kali Yuga will end?

Answer: Look, in Kali Yuga, no human or guru is greater than God. Regarding the time span you want to know, the period from 2025 to 2033 will be quite difficult. During this time, truth and untruth will be revealed, and a great change will come upon the world. Okay?

► Watch this answer · 45:28 · 11 October 2023

Q_1754 Pranam Pandit ji. My son gets time to do the Sandhya in the morning and evening, but not in the afternoon. He comes home from school at 2 PM, and by the time he does it, it's 2:30 PM. Will this be a problem?

Answer: Okay, mother, no problem. It's alright if it's a little late. Children's mistakes are not counted. It's fine. Tell him to do it whenever he gets time after coming home.

► Watch this answer · 47:05 · 11 October 2023

Q_1755 I have another question. When Kali Yuga ends, will the people who survive forget everything about the past?

Answer: No, nothing will remain in the minds of ordinary people, mother. Everyone will become a human of the Satya Yuga and will act accordingly. Only the most knowledgeable and the greatest devotees of the Lord will retain the memory. Ordinary humans will not remember anything.

► Watch this answer · 47:45 · 11 October 2023

Q_1756 So, Pandit ji, will people forget all their relationships, like who their mother, father, brother, or sister is?

Answer: No, those who are in God's refuge along with their families will remain together. There will be no problem for them. The problem will be for those who get separated from their families.

► Watch this answer · 48:14 · 11 October 2023

Q_1757 As a truck driver, I don't get much time, but I still try to do the Tri-Sandhya. I don't have a temple, just a photo, but I light an incense stick and do the prayers. Is this okay?

Answer: Do it with great joy, son. God's grace will surely be with you. You work so hard, what more can you do? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:41 · 11 October 2023

Q_1758 Guruji, I started following Bhavishya Malika two months ago and began Tri-Sandhya today. I feel very active. I tried reading the Bhagavata Purana, but I don't know Sanskrit well. With a small child and household chores, I can't read it completely. What should I do in this situation?

Answer: Which language can you read well? If you can read Hindi or English, the Bhagavatam from Gorakhpur Press is available in Hindi, and it's also available in English. If you have the means, you can get it. Otherwise, if you wish to read it, speak to Mohan, and we will send you a copy. Okay?

► Watch this answer · 49:14 · 11 October 2023

Q_1759 Pandit ji, in today's times, no matter how much you try to explain these things, people don't just disbelieve, they scorn it. They say, 'Even if we believe it, we don't want to accept it.' What is the reason for this?

Answer: Look, the gods try to explain to the demons repeatedly, but they don't understand, and in the end, they perish. As Kali Yuga is ending, those with a demonic nature will not understand, while the saintly will. I also face criticism for speaking the truth. It's okay. Those who are destined to believe will believe. The unfortunate ones will never believe. Perhaps it is not in their destiny. Okay?

► Watch this answer · 50:32 · 11 October 2023

Q_1760 Pandit ji, this morning I saw that all the pictures of the deities in our home temple—Sherawali Mata, Lord Damodar, Radha Parthasarathi, a small Shivalinga, and Lord Narasimha—had fallen down. What could be the reason?

Answer: The reason is this, mother... do you and your husband perform the Trikal Sandhya? (Yes, three times a day). The deities are giving a sign that they are no longer confined to temples or homes but are now engaged in the work of re-establishing dharma. There is no calamity or problem in this. Place the pictures back, continue your worship, perform the Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav. There is no issue.

► Watch this answer · 51:41 · 11 October 2023

Q_1761 Guruji, my question is, when Lord Kalki comes in Kali Yuga, how will we recognize him? How will even the supreme devotees recognize him?

Answer: Look, son, humans have the knowledge and power to recognize other humans. But to recognize the Lord, one needs devotion, surrender, merits from past lives (prarabdha), and divine knowledge. If you want to recognize Lord Kalki, perform the Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and with time and experience, you will surely come to understand him. Okay?

► Watch this answer · 53:00 · 11 October 2023

Q_1762 Pandit ji, my daughter has suddenly fallen very ill in the last 10-15 days. She can't speak or walk properly. Doctors have run all the tests and say there is nothing wrong. Do you think an enemy could have done some black magic?

Answer: Okay, do one thing, mother. Recite the Bhagavatam at home and have her listen to the Trikal Sandhya. Worship Lord Krishna with the name Madhav, offer Tulsi (holy basil) to him, and then give that Tulsi to her. From what I can see, it seems some malevolent people have done something to her. Do this for her. Chant the name of Madhav. These things happen according to one's past life karma; otherwise, such magic wouldn't affect everyone. Still, if you have devotion, God's grace will be there. Okay?

► Watch this answer · 56:30 · 11 October 2023

Q_1763 Guruji, for the last two or three nights, I have been hearing the sound of a very strange and different kind of bird. It's not a normal bird sound.

Answer: It is not just you; this sound will be heard everywhere across the world. It is a sign of the times (Kaal). This different sound is proof from Kaal that the time of destruction is approaching. The reason you are hearing it is that it is a sign for humanity that some evil is coming.

► Watch this answer · 58:36 · 11 October 2023

Q_1764 Pandit ji, Namaste. I wanted to ask, why is the current war (in Israel) happening?

Answer: The war that is going on... this is happening for the unification of all the Muslim countries.

► Watch this answer · 01:00:39 · 11 October 2023

Q_1765 Do you have any idea when Lord Kalki will incarnate?

Answer: Lord Kalki is not so simple that I can just give you an address. He is not a local leader. To know him, you must have devotion. Perform the Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and with time, the devotees who remain in this stream will meet the Lord.

► Watch this answer · 01:01:22 · 11 October 2023

Q_1766 My question is, what will Lord Kalki's personality be like? Lord Ram is considered very calm, while Lord Krishna is seen as mischievous and diplomatic. What will Kalki's nature be?

Answer: Lord Krishna was the most compassionate. He made Sudama a king and saved the Pandavas. He was not diplomatic; he did what was necessary for the times. Lord Kalki will come in the form of an ordinary human, and by his will, he can create or destroy anything. In the final days, he will assume his divine form, riding a horse to cleanse the world.

► Watch this answer · 01:01:49 · 11 October 2023

Q_1767 Many people say that our Prime Minister, Narendra Modi, is the Kalki avatar.

Answer: If he were the Kalki avatar, why doesn't the whole world bow at his feet? If he were the Kalki avatar, he could turn an atom bomb to dust in his hand. He could move the Earth across universes or stop the sun and moon. If he were the Kalki avatar, he wouldn't need to contest elections. Do not say such things, son.

► Watch this answer · 01:03:04 · 11 October 2023

Q_1768 Pandit ji, I wanted to ask, Lord Ganesha was supposed to have an incarnation in Kali Yuga named Dhumraketu. Will that happen?

Answer: Yes, definitely. Ganesha and all the other deities have already taken incarnation. They have all come in human bodies. All the deities have incarnated, and their powers have been absorbed by Lord Kalki. Now, Kalki possesses the powers of all the deities.

► Watch this answer · 01:03:55 · 11 October 2023

Q_1769 I want to know, will the Ram temple being built in Ayodhya face any trouble in the future, during the time of destruction and deluge?

Answer: There will be no trouble. Its construction is a sign of the coming Satya Yuga (Age of Truth). This temple will become the greatest symbol for the salvation of devotees. Our prayer to God is that He protects it during the deluge.

► Watch this answer · 01:04:35 · 11 October 2023

Q_1770 Baba, I am very afraid of the dark. We have heard about the seven nights of darkness, and it scares me. How can we overcome this fear? I am also somewhat afraid of Mother Kali.

Answer: Look, mother, there will be darkness for seven days and seven nights. The Lord will give his devotees a special collyrium (anjan) to apply to their eyes, which will make them unable to see the darkness. So, do not worry about it. Chant the Lord's name, do kirtan, and remain in devotion. With time, the Lord will take care of it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:05:14 · 11 October 2023

Q_1771 Guruji, I am starting the Sandhya from the 16th. I have a job, so while I can do the morning prayer properly with a lamp, I cannot do the afternoon and evening ones in the same way, and I might not be properly purified. I get home at 7 PM, so can I do the evening one at 8 PM?

Answer: No, son, do this: wherever you are outside, mentally purify your body by chanting the name of Mother Ganga, 'Shri Gange,' three times. Then, you can sit and do the prayer anywhere. There is no need to light a lamp or incense. You will receive the Lord's grace and the full sanctity of the Trikal Sandhya. Okay?

► Watch this answer · 01:06:14 · 11 October 2023

Q_1772 They say that when a wife performs worship, her husband also receives the benefits. In the case of Trikal Sandhya, does everyone need to do it individually, or can I do it on behalf of my husband since he is busy?

Answer: Yes, mother, it is true that spouses share the fruits of good deeds. However, this is a path of individual devotion. While your practice of Trikal Sandhya will certainly increase your husband's lifespan, he will not receive the full spiritual benefit of it himself. And regarding him being busy, a time is coming when everyone will be sitting at home with nothing to do. So why not adopt this practice now? Keep trying.

► Watch this answer · 01:07:24 · 11 October 2023

Q_1773 Pandit ji, the Bhagavad Gita mentions Karma Yoga. If we commit sins and then later come to the path of devotion, when this body dies and we get a new one, does our spiritual journey continue from where we left off?

Answer: I understand. Look, the 'prarabdha' (results of past actions) from previous lives carries forward. A person's current status—be it wealth, happiness, or success—is due to their prarabdha. The actions of this life prepare the ground for the next life, though about 30% of the results are experienced in this life itself. For devotees, however, God helps them clear their karmic account in this very life, so they don't carry a balance. For ordinary people, their karma determines their next birth. So, prarabdha is most important.

► Watch this answer · 01:08:48 · 11 October 2023

SESSION 104 · QUESTIONS 1774–1821

LIIO - यशवंत दास मालिका में कल्कि जी के जन्म नाभि मंडल, जाजनग्र में होगा | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 13 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1774 I have two questions. First, I don't eat non-vegetarian food, but sometimes we visit relatives where it is cooked. Can we eat the food at their house, especially since I practice Tri Sandhya?

Answer: Look, mother, food is sacred. If it's not mixed with any other elements and is prepared separately, you can eat it. There is no problem. What does it have to do with us if non-vegetarian food is cooked in their house? If they serve you pure vegetarian food, what's the problem? It's fine.

► Watch this answer · 09:44 · 13 October 2023

Q_1775 My second question is, I don't use any intoxicants, but my mother consumes tobacco. Will this affect my Tri Sandhya practice?

Answer: No problem, mother, listen. We shouldn't interfere with the habits of our elders and seniors. You do your work. If your parents change over time, consider it God's grace. There's no issue at all. You can continue your Tri Sandhya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:26 · 13 October 2023

Q_1776 Our tenants are Muslims, and they eat non-vegetarian food. Does this mean our house will remain impure, even though my daughter and I practice Tri Sandhya? Since they live upstairs in our building, I wonder if we should change tenants if I want to put up the Lord's flag.

Answer: No problem, mother. What does it have to do with you? They do it in their home, you do it in yours. You live on the first floor, and the tenants are above. You can put the flag near your first-floor window. There is no problem.

► Watch this answer · 11:23 · 13 October 2023

Q.1777 I had a dream where I was in a dark cave with a man I didn't know. He lit a fire, and suddenly a Durga Madhav idol appeared, and an aarti began. He told me, 'Look, this is how an aarti is performed.' What does this dream mean?

Answer: Mahapurush Satchidananda wrote, 'In the cave, hymns are being sung day and night... the Lord plays his games there.' On Khandagiri mountain, where the Lord's ashram is, there is a big cave. The Pancha Sakha wrote that hymns and kirtans are happening inside the cave, and Lord Kalki will play his secret games there. It is a great joy that you had this vision. Remain devoted to God, and you will receive the Lord's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:19 · 13 October 2023

Q.1778 I needed to talk to you on the phone. Can we talk tomorrow? At what time should I call?

Answer: Yes, we can talk today as well. I can talk after this Google Meet. Call after 11 o'clock.

► Watch this answer · 14:35 · 13 October 2023

Q.1779 Pandit ji, who will be Lord Kalki's guru? Who will educate him?

Answer: Lord Kalki's guru will be Lord Parashuram. Lord Parashuram will bestow the 64 arts upon Lord Kalki. He will provide all the divine weapons, including the Shankha, Chakra, Gada, and Padma. Lord Kalki will ask, 'My Lord, what offering (Guru Dakshina) can I give you?' Parashuram ji will reply, 'I don't need any offering. Just destroy the demons who are destroying dharma in the world and establish an independent, truthful society. I will be happy with that. That will be my offering.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:39 · 13 October 2023

Q.1780 As we are spreading the message of the Malika, many people ask us that since the final destruction is near, if we start practicing Tri Sandhya now, will we be saved? There is very little time left.

Answer: There is still time. That's why we do these Google Meets; otherwise, they wouldn't be necessary. There is time. The devotees who practice it will be saved. This is the greatest life-giving herb (Sanjeevani) for humanity. If people accept it, the world and human civilization will benefit. There is no problem. Do it with joy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:42 · 13 October 2023

Q_1781 Prominent spiritual figures like those from Bageshwar Dham and Premanand Maharaj ji never say that Lord Madhav has arrived and the final destruction (Pralay) has begun. Why don't they say it?

Answer: Satchidananda says with firmness and warning to mankind, 'Even the greatest yogis and sages cannot fully comprehend the Lord. If they cannot, who in this world will know?' How will people, born as ordinary humans in the midst of the world, recognize Lord Kalki? What happened in the past and what will happen in the future is not known to everyone. Only those who were devotees of Lord Krishna in Dvapara Yuga, Lord Rama in Treta Yuga, and Mahavishnu in Satya Yuga will come. Besides these devotees, no one else will. Understanding even a hint, like a grain of sand, about Lord Kalki will be difficult. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:33 · 13 October 2023

Q_1782 I haven't completed 100 days of Trikal Sandhya yet; it's only been two weeks. Can I continue it?

Answer: Yes, Baba. Keep doing Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 21:30 · 13 October 2023

Q_1783 Guruji, what is the age limit for people who can do this?

Answer: There is no age restriction. From children to bedridden people, anyone can do it. It is an open nectar for everyone. Whoever drinks it will find joy. For those who don't, time will tell what happens.

► Watch this answer · 21:45 · 13 October 2023

Q_1784 I am a student and have just learned about this. I can do Tri Sandhya in the morning and evening, but doing it in the afternoon will be difficult for me. Is there a solution?

Answer: Look, mother, during the afternoon, it will only take three minutes. You don't have to do the full Tri Sandhya. Just chant 'Durga Madhav' 12 times, the 16 names... it will take a minute at most. And the ten avatars of the Lord: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashuram, Ram, Balaram, Shri Buddha, and Shri Kalki. Just do this much and chant the Madhav name 108 times. You can do it anywhere in two or three minutes.

► Watch this answer · 22:13 · 13 October 2023

Q 1785 Pandit ji, as mentioned in the Malika, will all schools and colleges shut down from 2024?

Answer: I never said anything like that would happen in 2024. Partial destruction (Khanda Pralay) is happening and will continue. A great calamity is coming for the world after 2025. It could also happen in 2025 because of planetary alignments, which will cause many destructive events on Earth. This destruction will continue until 2032-33. The Lord will save the devotees on one hand and destroy the demons on the other. So, there is no need to be scared. Do your duty, hold on to dharma, and practice Trikal Sandhya with joy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:24 · 13 October 2023

Q 1786 We live in Delhi NCR and are very afraid that a big earthquake is coming. We saw in the news that it might come around the 28th, and we feel it will come at the end of this October. Is this true?

Answer: Look, mother, such a big earthquake is not going to happen right now. But earthquakes will definitely happen. There is still time for a major earthquake. After at least 2026-27, there will be a big earthquake in the world. The earthquakes happening now will be around 6.0-7.5 magnitude. Most importantly, those who chant the Madhav name during Trikal Sandhya, Lord Madhav will protect them. So why fear? We are in Madhav's refuge.

► Watch this answer · 25:22 · 13 October 2023

Q 1787 I am scared for my family because only I practice Tri Sandhya. My parents and brother do puja, but not this.

Answer: It's okay. After one or two major events, they will also change with time.

► Watch this answer · 26:41 · 13 October 2023

Q 1788 I had a dream where I saw people in dirty clothes struggling in mud, while I was running and chanting 'Jai Shri,' easily climbing steep slopes. I also saw an idol of Mother Kali with money and a dagger in front of it, and people had stopped there out of greed. What does this mean?

Answer: Look, Mother Kali will carry out the act of destruction. And you saw the effect of the Madhav name. Mother Kali will also save the devotees; there is no problem. All the wealth will go under the Divine Mother's control. Even now, she is engaged in destruction, and devotees are saved by the name of Madhav. You were chanting Madhav's name in your dream, which means you have Madhav's grace. Remain in devotion, and you will receive more of the Lord's grace.

► Watch this answer · 27:00 · 13 October 2023

Q_1789 The Malika says that in the end, only 33 crore people who follow the Tri Sandhya path will be left in India. Will these 33 crore people become the 33 crore gods and goddesses and be the seeds of Satya Yuga?

Answer: Look, all the gods and goddesses have taken birth in human bodies as ordinary humans. Those same humans will purify their bodies through Tri Sandhya, and then divinity will enter them through the Lord's Yogamaya power. Then, those people will become immortal and ageless and become the inhabitants of Satya Yuga. This is written in the Malika. The 33 crore gods and goddesses are born on Earth in human form. Those who are connecting with us are probably those same souls. The divinity has not yet manifested. The purification of the body will happen through Trikal Sandhya and reading the Bhagavat. By Lord Kalki's grace, they will become divine.

► Watch this answer · 28:43 · 13 October 2023

Q_1790 What will be the role of Goddess Radha Rani in this Kali Yuga? Will she perform a destructive leela (divine play), or will she have some other role with the Lord?

Answer: Look, Radha Rani is Mahalakshmi; there is no difference. The names are different, and they come in different forms according to the yuga. She is Yogamaya herself. She will certainly cooperate in the Lord's work to save the devotees. The name will be different; it will be Mother Mahalakshmi this time. She will be with the Lord, save the devotees, and make the whole world happy. With the appearance of Mother Mahalakshmi and her presence with the Lord, the world will become blissful and joyful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:47 · 13 October 2023

Q_1791 Some people are saying, according to the Bhavishya Malika, that a terrible pandemic is coming in November 2024. Will this happen?

Answer: Look, the Malika does not mention any specific year for this. A limited time period is given. The Malika mentions signs related to the Jagannath temple, changes in nature, and a great change in the world after the Third World War. The people who give specific dates do so to increase their channel's popularity. Everything depends on God. Nothing will happen just because a human says so. That's why we don't give any dates. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:54 · 13 October 2023

Q_1792 Where can I get the details of the Sandhya Dhara?

Answer: This phone number that is visible on the screen, you can contact this number. They will give you the PDF of the Tri Sandhya Dhara. You should practice Tri Sandhya and then tell me what happens. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 33:33 · 13 October 2023

Q.1793 A few months ago, I used to get very angry seeing news about crimes and felt that I should take the work of establishing dharma into my own hands. Why did this happen?

Answer: Do you practice Trikal Sandhya? Keep doing it. In the time to come, the Lord will make the decision that needs to be made. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 34:00 · 13 October 2023

Q.1794 When Lord Vishnu takes an avatar, Shesh Nag and Mother Lakshmi also incarnate with him. This time, when the Lord comes as Kalki, what will be the names and forms of Shesh Nag and Mother Lakshmi?

Answer: This time, Sheshnag will be on the right side of Lord Kalki, and Lord Krishna (Mahavishnu) will be on his left side. Mother Vaishno Devi will marry Lord Kalki in the form of Mahalakshmi, and Lord Brahma will conduct the wedding in the Khandagiri ashram. Sheshnag will be on the Lord's right, and Lord Krishna on his left shoulder. Mahapurush Achyutananda has written this repeatedly. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:57 · 13 October 2023

Q.1795 By what name will Lord Kalki be known along with his consort, similar to Sita-Ram or Radhe-Shyam?

Answer: This time, Lord Kalki will be Kalki Ram. He will be married to Mother Mahalakshmi, but the devotees will worship him with the name 'Kalki Ram.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:44 · 13 October 2023

Q.1796 Where has Mother Mahalakshmi taken birth? We know about Madhav Mahaprabhu, but not about Mother Lakshmi.

Answer: Mother Mahalakshmi will be born in the Jagannath region (Kshetra). It is described, though not in great detail, in the great Panchasakha texts that Mother Mahalakshmi will be born in the Jagannath region.

► Watch this answer · 38:25 · 13 October 2023

Q.1797 You know Madhav Mahaprabhu, so can you provide a photo of his feet for worship at home?

Answer: No problem, talk to me about this privately. Tell me your name, we spoke online. We can talk more. Thank you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:54 · 13 October 2023

Q_1798 I was reading the Bhagavatam and noticed that the bad omens described during the end of Dvapara Yuga are happening now. Is this significant?

Answer: Look, Baba, this is a time of cosmic change, a transition between yugas (Yuga Sandhi). During such times, many bad omens appear. The devotees understand this, but the demonic people don't. All this is bound to happen. We just want the welfare of humanity. This scripture was written to save humanity and the devotees. Therefore, let's all work together. It will be joyful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:35 · 13 October 2023

Q_1799 If only one member of a family goes to Satya Yuga, will their parents and ancestors not be liberated? It is said that one who has a vision of the Lord liberates 21 generations.

Answer: In the house where Trikal Sandhya is performed, up to 21 generations of that family attain liberation. This is written in the scriptures. That is why we give importance to Trikal Sandhya. They will certainly be liberated. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:44 · 13 October 2023

Q_1800 What will be the number of people who go to Satya Yuga? Also, when you say 33 'koti', does that mean 33 crore (330 million)?

Answer: According to our calculations, there will be 33 crore gods and goddesses, and 33 crore humans as well. Yes, 33 koti means 33 crore.

► Watch this answer · 42:30 · 13 October 2023

Q_1801 When will Satya Yuga start?

Answer: Satya Yuga has already started. Signs like the cuckoo singing at night, trees bearing fruit out of season, and devotion awakening in people are indicators. Satya Yuga has begun, but its influence is currently one to two percent. This influence will keep increasing, and the influence of Kali Yuga will keep decreasing.

► Watch this answer · 43:03 · 13 October 2023

Q_1802 I don't have a physical copy of the Shrimad Bhagavat Purana, so I read it on my mobile. Is that okay?

Answer: Of course. Do it, Baba, it is very joyful. Please do it. Jai Jagannath. Do it with great joy.

► Watch this answer · 43:40 · 13 October 2023

Q_1803 Will reading the Bhagavat in Sanskrit be more effective, or is it equally effective in Hindi?

Answer: Reading it in any language—Sanskrit, English, Hindi, Kannada, Tamil, Gujarati, Marathi, Punjabi, Rajasthani—yields the same essence, the same fruit, and the same dharma. Read it in whichever language you prefer.

► Watch this answer · 44:13 · 13 October 2023

Q_1804 What is the maximum amount of time Tri Sandhya should take?

Answer: Tri Sandhya will take at least 30 minutes for all three sessions combined.

► Watch this answer · 44:41 · 13 October 2023

Q_1805 With the current situation of war and everything else happening, what will be the impact on India?

Answer: Look, mother, first, the price of food and fruits will increase in India. Many problems are coming. There will also be a lot of climate change due to the war. There will be an impact in India too. But the Lord is in this country, right? The Lord will provide a lot of protection. The devotees who join this path will have the Lord's grace, and he will take them into the new era.

► Watch this answer · 45:01 · 13 October 2023

Q_1806 Where is the Israel war headed? Please shed some light on it.

Answer: The Israel war is happening because it will create an equation for the unification of all Muslim countries. And through this, it will become a reason for the world war that is to happen between India and Pakistan.

► Watch this answer · 46:46 · 13 October 2023

Q_1807 Our children want to go abroad for higher studies. In the current situation, would it be better for them to study in India?

Answer: In my opinion, India is a superpower today. There is no difference between studying abroad or in India. But at this time, the social and global climate is not right. Studying in a good institution in the country will also yield good results. They will be more at peace here. Why go and study in that environment for a couple of years and then come back? That will be a problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 47:27 · 13 October 2023

Q_1808 Sometimes I have classes between 12 and 1 PM. Can I do the full Tri Sandhya between 11:30 AM and 12 PM?

Answer: Yes, if you get time between 11 and 12, do it then. Thank you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:39 · 13 October 2023

Q_1809 I am the one who called from Bihar yesterday about the bird's cry. Today, a major train accident happened. That was the sound of Kaal (Time/Death), wasn't it?

Answer: Listen, the sound that comes is not a bird; it is Kaal, Mahakaal (the great Time/Death). It gives a warning in a distorted voice to the people, saying, 'I have arrived.' But only devotees can hear it.

► Watch this answer · 49:14 · 13 October 2023

Q_1810 Does this mean other people cannot hear it?

Answer: You can hear it, which is good. You are a devotee of Madhav, that's why you can hear it. What will the demonic people hear? They are destined to die anyway.

► Watch this answer · 50:00 · 13 October 2023

Q_1811 Does this mean that during the world war, Israel will be completely destroyed?

Answer: No, Israel will not be destroyed. Talking about this is a diplomatic matter and a government secret. But know this much: Israel will not be destroyed in this war. This is happening for the union of 13 Muslim countries.

► Watch this answer · 51:46 · 13 October 2023

Q_1812 Will Israel side with India or not?

Answer: I have said this before: even if it wants to, it will not be able to help India because America will create an obstacle in the way.

► Watch this answer · 52:20 · 13 October 2023

Q_1813 Navratri is starting now, so can we recite the Durga Saptashati?

Answer: Of course, do it. If Mother Durga Devi is pleased, she will protect you, because all the work of destruction will be done by Mother Durga Devi. Do it with joy and happiness, mother.

► Watch this answer · 53:01 · 13 October 2023

Q_1814 I recite the Durga Saptashati every year and also keep the fast. I have started Trikal Sandhya. Along with that, can I continue to recite the Durga Saptashati and keep a fast?

Answer: In my opinion, fasting is not necessary. Eat some food, like fruits, and also do your work. Fasting is not in my rules because in this Kali Yuga, humans are not strong enough to fast. So, it's better to stay away from fasting. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:29 · 13 October 2023

Q_1815 I had a dream where Lord Krishna was sitting, and I was tying a Raksha Sutra (protective thread) on him. What is this a sign of?

Answer: Sometime in Dvapara Yuga, you must have had a desire to make Lord Krishna your brother. The Lord has fulfilled that desire of yours. You tied it in the dream, so that work is complete. The Lord fulfilled that desire in your dream.

► Watch this answer · 54:18 · 13 October 2023

Q_1816 I wanted to share my experience. Since I started Tri Sandhya, the flame of my lamp during puja forms different shapes every day—a moon, a lotus, a rose, or a butterfly. What does this mean?

Answer: Look, mother, your devotion is such that the Lord definitely manifests through it. Only a devotee knows this. This is very good. The time you saw in your dreams is coming, and before that, the Lord connected you because you were that same devotee, and it was the Lord's wish. Now move forward, engage in the Lord's work, keep chanting his name, and the Lord's grace will remain with you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 57:55 · 13 October 2023

Q_1817 I had a dream about two large snakes, one black and one white. I crushed the head of the black snake without fear. The white snake was sitting peacefully with a black mark on its head, and I wasn't afraid of it either. What does this dream mean?

Answer: Look, mother, the black snake was Kaal (Time/Death). You destroyed Kaal. This means that through your dharma, devotion, and Trikal Sandhya, or by Madhav's grace, negative forces will be destroyed. The white snake is the Lord's grace upon you; the Lord is watching over you.

► Watch this answer · 59:59 · 13 October 2023

Q_1818 When I am chanting on my mala (rosary), if it gets interrupted for some reason, is there any problem in resuming the chanting later?

Answer: No problem. Do you practice Trikal Sandhya? Chant the Madhav name continuously. Whatever happens, everything is fine.

► Watch this answer · 01:01:07 · 13 October 2023

Q_1819 When I start the Tri Sandhya, for how long should I do it at one time?

Answer: Look, the Durga Madhav stuti, the 16 names, the 10 avatars, and the Madhav name 108 times will take about 10-15 minutes. There are three sandhyas: morning, noon, and evening. Performing all three grants liberation to seven generations of the family and direct entry to Vaikuntha. Whoever does it will surely receive this.

► Watch this answer · 01:02:21 · 13 October 2023

Q_1820 Can I do it while sitting at my shop?

Answer: Anywhere. In a bus, in a car, on the road, while traveling, you can do it. There is no problem.

► Watch this answer · 01:03:02 · 13 October 2023

Q_1821 Where can I get the PDF for this Trikal Sandhya?

Answer: The number that is visible on the screen, our number, contact them. They will send it to you and also explain it, just as I do. There is no problem.

► Watch this answer · 01:03:10 · 13 October 2023

SESSION 105 · QUESTIONS 1822–1847

LIII - मालिका में एवं तत्त्वबोधिनी में कल्कि जी के जन्मस्थान का प्रमाण | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 14 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1822 I had a dream this morning. I saw a widow in the market, sat with her briefly, and then saw a beautiful sadhu in yellow robes with a yellow lion. The sadhu was saying a name like 'Devesh' or 'Devendra'. I am eager to know what this means.

Answer: This is a very good dream. The widow you saw represents the many women who are going to become widows because a great war is coming to the world. And the sadhu you saw is Lord Shankar himself. Devesh means the God of gods, who is Lord Shankar Mahadev, the destroyer. His vision signifies that he is engaged in the act of destruction. This means that a great world war is about to unfold, causing many mothers to become widows. Look at Ukraine, many have become widows. Now this is happening in Syria, and more war fronts are about to open. This is what is going to happen in the world. It is a vision of a destructive and calamitous time, and seeing Lord Shankar means the destroyer is at work at the time of destruction.

► Watch this answer · 09:26 · 14 October 2023

Q_1823 I feel very scared being alone. I feel like someone is coming to kill me. I used to have dreams where someone was pushing me. Now, I don't see that, but when I sleep, I feel like someone is coming to kill me.

Answer: I hesitate to tell you this as it might scare you. An invisible entity, a woman from your village or nearby who has passed away, is bothering you. She died by falling from a height, perhaps in an accident. Before you started Trikal Sandhya, she used to appear more frequently in your dreams, but now it has reduced. Do one thing: before sleeping, chant the Abhaya Narasimha mantra, 'Tava kara kamala vare nakham adbhuta srngam dalita hiranyakasipu tanu bhrngam kesava dhrta narahari rupa,' at least 21 times. Chant this and then go to sleep, and she will not come anymore.

► Watch this answer · 12:41 · 14 October 2023

Q_1824 I had a cousin sister. She was younger than me but older in relation. She passed away when she was young; she died by falling into milk.

Answer: Yes, that's why I didn't want to say it directly. I asked you first because I don't feel good saying such things. Just know this: people come and go. Our real family is the Madhav family. We have come from God and will return to God, so there is no need to be sad. Do one thing: she has not attained liberation (mukti) and is wandering. Have her Shraddha ceremony (last rites) performed at a holy place like Haridwar, on the banks of the Ganga, or any good pilgrimage site. By doing this, she will attain liberation.

► Watch this answer · 14:17 · 14 October 2023

Q_1825 No one in my family is agreeing to do the Trikal Sandhya. They watch a video of some Baba from Vrindavan who has said that nothing major will happen, just some minor events in 2026, and nothing more.

Answer: Listen, whether it's Shri Vrindavan, Badrinath, or Jagannath Dham, no human or even a god on this earth can alter the words of the Malika, because it is the word of Lord Vishnu. Many people will say many things, misleading human civilization and leading it to destruction. Humanity is heading towards ruin, and still, they say such things. Just watch and see what happens in the time to come. You continue doing Trikal Sandhya, and Madhav's grace will be upon you. Don't get involved in what others say.

► Watch this answer · 15:31 · 14 October 2023

Q_1826 Gurudev, I have just started listening to you. How should I perform Trikal Sandhya? And in the coming times, how can we protect ourselves? Is there going to be a food shortage? Apart from chanting God's name, what else should we, the devotees of God, do?

Answer: According to the Yuga (era), the names, hymns, and mantras are different. The name and kirtan that were being done in the Kali Yuga, there is no objection to doing them; you can do that as well. But it is necessary to follow the path of the Satya Yuga. For Trikal Sandhya, you need to recite the 16 names, Dashavatara Stuti, Durga Madhav Stuti, read the Srimad Bhagavatam, and chant the name of Madhav. Contact the number given in our description; they will send you all the materials for Trikal Sandhya. Read it and perform it. By performing Trikal Sandhya in a home, up to seven generations attain liberation, and the one who performs it attains Vaikuntha (the Lord's abode). To enter the Satya Yuga, if we have dharma, karma, purity, devotion, and faith in Lord Kalki, then by God's grace, we will go. There is no other element besides this right now that human society will have to accept, if not today, then tomorrow; if not tomorrow, then the day after.

► Watch this answer · 17:24 · 14 October 2023

Q_1827 I want to ask, for people who have committed an act like suicide in the family, do they also attain liberation through Trikal Sandhya?

Answer: Listen, mother, a person doesn't end up in a lower existence, like a ghost or spirit, from the actions of a single day. This state is attained through the karma of many years. No one commits suicide by their own will; a person commits suicide in this life according to the karma of their past lives. People's actions are determined by their destiny (prarabdha). However, performing Trikal Sandhya for even one day will have some positive effect on them. If they were suffering, listening to it will increase their dharma. After listening for a long time, they will attain liberation.

► Watch this answer · 19:32 · 14 October 2023

Q_1828 I had told you about being dependent on others, and that black magic and such things have been happening to my family for 40 years. One of my brothers has not even attained liberation. I am in your refuge now. I can't live here, I am in extreme mental anguish. Please tell me what to do, this never stops.

Answer: Listen, mother, the greater the devotee, the more suffering they face. A smaller devotee does not face much suffering. God tests until the very end, just as he tested Mother Draupadi. Therefore, do not grieve. Remain in the refuge of Madhav. One day, the sun will surely rise.

► Watch this answer · 21:13 · 14 October 2023

Q_1829 Regarding my brother, who is under the influence of illusion and trusts the wrong people... he is not on the path of Trikal Sandhya. He has agreed to start and has been added to the group, but hasn't started yet.

Answer: Once he joins, no tantra in the world, not even the most powerful, will be able to do anything to him.

► Watch this answer · 21:55 · 14 October 2023

Q_1830 And Gurudev, about my elder brother who has not attained liberation... I tried everything. His Shraddha (last rites) was performed in Gaya, and I even observed Ekadashi for him. He is still present in the family, at my sister's house, and is always crying. What should I do?

Answer: You are right, he has not attained liberation. The rituals were not performed correctly. I understand you are in America and cannot come here to perform the Pind Daan (ancestral offerings). Let me think about what can be done for his soul to find peace. Give me some time. For now, if you read the Srimad Bhagavatam for seven days and pray, 'O Lord, please liberate my brother from the state he is in,' it will help. We cannot ask for Vaikuntha (the highest heaven) for someone, but we can pray for them to be released from their current condition. Also, every day, feed a cow or any small creature, whatever fruits you have. You don't need a formal resolution; just do it from wherever you are, and it will work. If we ask for the Lord's grace, it happens.

► Watch this answer · 22:22 · 14 October 2023

Q_1831 In your Gurdaspur session, you mentioned performing a Havan (fire ritual) during our daily worship at home. Could you please explain the procedure for it?

Answer: This is the Pancha Mahayagya, performed to satisfy the five elements (Panchabhoota), the ten directional deities (Dash Dikpala), Lord Mahavishnu, and the village deity. You won't be able to perform the Havan with all the strict rules, so just do this simply: using pure desi ghee from a cow and small pieces of wood, perform the Havan for about 10-15 minutes. Make offerings first to Lord Mahavishnu, then Lord Shankar, then Lord Brahma, then Mother Parvati, Mother Mahalakshmi, and after that, the village deity and the five elements. Offer as many oblations as you can. The Lord will be pleased. It is difficult to follow all the Vedic procedures, and it's not necessary in this Kali Yuga. Doing this much will yield results.

► Watch this answer · 25:31 · 14 October 2023

Q_1832 What kind of wood should be used?

Answer: You can use teak wood or sheesham wood. There is another one... I don't know its name in Hindi... the Sal tree, which are very large, thick trees. Anyway, you can use any wood except for Neem and Bel. I will find out the Hindi name of that other tree and let you know.

► Watch this answer · 26:41 · 14 October 2023

Q_1833 A 'shanti' (pacification ritual) has been prescribed for my daughter. They say her birth occurred in the 'third padam,' which is considered a 'dosha' (flaw) for the parents. Is this true?

Answer: Listen to me, my son. A daughter, a cow, and land are obtained only through good fortune. When I was born, an astrologer told my parents that I would be the cause of my mother's death and she would die at a young age. But my mother lived well until she was 77 and attained a noble end. There is no such thing as this 'dosha'. Does your wife, the child's mother, read the Bhagavatam and perform Trikal Sandhya? Tell her to read the Srimad Bhagavatam and perform Trikal Sandhya. There will be no problem. Live joyfully.

► Watch this answer · 28:15 · 14 October 2023

Q_1834 Guruji, I feel very scared. Wherever I go, I feel like someone is with me, watching me. I can't stay alone. And when I watch reels on my phone, more reels about ghosts and spirits appear than those about God.

Answer: Listen, a young man you knew, perhaps a friend or an acquaintance from your village, who had an untimely death, is the one causing this trouble. You have been doing Trikal Sandhya for 15 days, right? He will leave; he won't come anymore. Continue doing Trikal Sandhya, read the Srimad Bhagavatam, and chant the name of Madhav 108 times before you sleep. The presence that follows you like a shadow will go away. You feel like someone walks with you, comes with you, sits with you, right? This happens to many people, but now that you have come to the Lord's refuge, it will leave.

► Watch this answer · 31:31 · 14 October 2023

Q_1835 And my little child, who is three years old, is also scared of God when I ask him to pray.

Answer: Yes, if there is a ghostly presence in the house, it affects the children as well. So, give him the name of Madhav too. You have been doing Trikal Sandhya for 15 days now. Before sleeping, chant the name of Madhav and speak directly to the Lord, 'Prabhu, please remove him from me.'

► Watch this answer · 33:04 · 14 October 2023

Q_1836 You mentioned the Gopi Geet. Can we chant it for seven days for the ancestors of both our paternal family and our in-laws' family, with the intention of liberating any soul who might not have been freed from a certain form of existence?

Answer: Yes, the Bhagavata Katha... no, the Gopi Geet, for both your maternal and in-laws' side? Yes, of course, you can do it. There is no problem at all. It is a very joyful thing to do.

► Watch this answer · 33:49 · 14 October 2023

Q_1837 I've been doing Trikal Sandhya for about a month and a quarter. I didn't feel this way before, but now I feel a kind of fear from my own shadow. If I see the shadow of my hand or foot, I get startled for a moment, then I realize it's just my shadow. This never used to happen before.

Answer: Do you perform Trikal Sandhya regularly? You must also do the noon Sandhya. Listening to the audio is not enough. Do you read the Bhagavatam? You read the Bhagavad Gita? See, this is the mistake you all are making. For one and a half to two months, I have not been talking about the Bhagavad Gita. I have been talking about the Srimad Bhagavata Mahapurana. Read the Srimad Bhagavata Mahapurana at night before you sleep, and then tell me what happens.

► Watch this answer · 35:03 · 14 October 2023

Q_1838 I had a dream in July about a great deluge (pralaya) with very high river waves and a light so bright that my eyes couldn't look at it. I've had such dreams many times. Secondly, I keep seeing a small child. At first, I thought it was because I used to be a school teacher, but then the same child appeared again and said, 'I am God.' Please guide me on what this means.

Answer: Listen, mother, if the Lord comes in a dream and reveals himself, you should understand that by God's grace, He is giving you a vision of Himself in the form of a child. And the deluge you saw signifies that massive floods are going to happen in the future. God shows such visions in dreams to those who perform Trikal Sandhya. He gives them visions. It is a joy that He is giving you His vision and showing you what is to come. This is very good; it happens to those who perform Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 37:02 · 14 October 2023

Q_1839 When I read the Bhagavata Purana, I remember the stories, but I can't remember the characters, like the sages, who they married, or who their children were. I get confused.

Answer: Listen, mother, another name for the Bhagavatam is 'Shruti,' meaning it originated from the Vedas. You won't be able to retain everything from the Srimad Bhagavatam in a single day. Whether you remember it or not, whether you understand it or not, you will still receive the full benefit. Just keep reading.

► Watch this answer · 39:40 · 14 October 2023

Q_1840 I want to share an experience. When I finish Trikal Sandhya, I often find a grey cat at my gate. It sits calmly and watches, then runs away when I come out. And just tonight, a black dog came right in front of my house, bowed its head with its front paws forward, and then left. What does this mean?

Answer: These are gods and goddesses. They come in different forms to see the devotees who are in the Lord's refuge. At first, you might have wondered why this is happening daily, but now it doesn't seem normal. They change their forms and come. This happens, mother, because in the current times, all deities are hiding their true forms and roaming the earth. They observe the devotees and visit their homes. This will continue, and in the future, you will see them in their manifest forms, and you will know that a goddess has come to your home.

► Watch this answer · 40:29 · 14 October 2023

Q_1841 People in our family say there is a 'Pitra Dosha' (ancestral affliction). What is this? For instance, two or three marriages in our extended family have broken up, and some say it's due to an old Pitra Dosha. Could you please explain?

Answer: How did your husband's grandfather (his father's father) pass away? Was it from an illness at an old age? His soul has not attained liberation; that is what is being seen. The spirit of your husband's grandfather has not been liberated. To resolve this, conduct a seven-day reading of the Srimad Bhagavatam at home. Complete the entire reading and make him listen to it. He will depart and attain liberation. The issue is with his father's father. Perform the Bhagavata Katha in his name. Do it for seven days, and also pray for all your ancestors up to seven generations. Complete the entire Bhagavatam with all family members sitting together.

► Watch this answer · 42:57 · 14 October 2023

Q_1842 I had a dream about a cave in the mountains where someone is sleeping and is supposed to wake up in the coming time. Please tell me a little about what this was.

Answer: Ashwatthama is currently in a state of penance in a cave. At the time of the war, he will surrender to Lord Kalki. Ashwatthama is a man, the son of Dronacharya from the Mahabharata war. He was cursed and will attain liberation in the Kali Yuga. It is true that his time is coming. When the time comes, he will awaken and perform his duties.

► Watch this answer · 45:06 · 14 October 2023

Q_1843 In your videos, you mentioned that 'death will speak its name three times,' and that it has already spoken twice. Is the current war the third time death is speaking its name, or will it happen in the future?

Answer: No, a much bigger war will happen in the future. A massive Third World War is going to happen.

► Watch this answer · 46:22 · 14 October 2023

Q_1844 I've heard that in one or two years, all scientific instruments will stop working. If that happens, how will we contact you?

Answer: It is not going to happen in one or two years. People say these things to increase their TRP (viewership) after reading the books. It is not going to happen in such a short time.

► Watch this answer · 46:48 · 14 October 2023

Q_1845 A crow comes to my house every day. Does this mean anything? It has been happening for over a month. We give it roti (bread), and it eats. If we forget, it comes inside and caws. It even takes the roti from my hand.

Answer: Do you perform Trikal Sandhya? The negative planetary influences in your life, the 'dosha' from Rahu and Ketu, are being resolved. Feeding a crow alleviates the suffering caused by Rahu and Ketu. Lord Madhav, in His grace, is sending the crow to you. By feeding it, good things will happen for you.

► Watch this answer · 47:44 · 14 October 2023

Q_1846 My child has asked me to ask you: Just as the Lord has a horse, will he also have a parrot with him?

Answer: When the Lord comes, many birds and animals will be with him and will enjoy his company. In Satya Yuga, all creatures will be able to speak, so it will be an independent environment. It is not necessary that the Lord will keep any specific creature. Lord Kalki can do anything he wishes, even from his home, without needing a horse. The horse will become his vehicle in the end when he assumes the Kalki avatar to establish dharma. But who will be with the Lord is not fixed, because when the Yuga changes, all creatures, including tigers and lions, will be able to speak. It is up to the Lord whom he keeps with him.

► Watch this answer · 48:41 · 14 October 2023

Q_1847 I was asking about the eclipse that is happening tomorrow. Will it have an effect in Bihar or anywhere else in India?

Answer: I am actually in Punjab for a discourse, but yes, the eclipse will likely have an effect in Bihar. During the time of the eclipse, try not to go outside. Also, do not eat during the eclipse itself. You should eat food that was prepared three hours before the eclipse begins.

► Watch this answer · 50:58 · 14 October 2023

SESSION 106 · QUESTIONS 1848–1873

L113 - सम्बल ग्राम में 10,000 ब्राह्मणों के द्वारा 7 अश्वमेध यज्ञ हुआ था | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 15 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1848 Guruji, pranam. I had a dream last night between 12 and 1 AM that scared me a lot. First, I saw something black, then I saw a face. I'm not sure if it was Goddess Kali or not. At that moment, I felt very heavy in my sleep, and it felt like my body was rising. In my sleep, I started chanting 'Jai Shri Madhav' loudly. This dream occurred between 12 and 1 AM. After that, whenever I tried to sleep, I would jolt awake. What was this? I perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat Purana, and chant the name of Madhav. Despite all this, I couldn't understand if it was Goddess Kali or something else. I'm very confused. Why did I feel like my body was getting heavy and something was pulling me up?

Answer: You saw a very good dream. I have said before that devotees who perform Trikal Sandhya will be tested by Mother Kali or the Divine Mother. She tested you. And the fact that you chanted Madhav's name in your dream proves you passed the test. Because if you couldn't say it in the dream and suffered, if Madhav's name didn't come to you at that moment, the Divine Mother would have known that you are not a devotee of Madhav. When you chanted Madhav, she left. This is a test in a dream. In the future, there will be direct tests, but devotees won't be tested much. The Mother comes to the devotees' homes first to check on their safety. It is joyful and very blissful that you could chant Madhav's name in your dream, which means your mantra has attained siddhi (perfection). That's why you were able to say it in your dream. As for your body feeling heavy, look, when external elements have an influence, they can lift the body and take it away. But Madhav stopped you. The dream was good, it was auspicious. Yes, it was auspicious, and you also passed the test.

► Watch this answer · 06:52 · 15 October 2023

Q_1849 Pandit ji, I have a personal question. There is a lot of conflict in my house. I am performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavat Purana. I want some peace to be established in my home so that I can focus on my devotion. But as soon as I start chanting on my prayer beads, my parents start fighting intensely. I am about to get married, and the fight is about the wedding. I don't understand what to do. Should I focus on my devotion or try to calm their conflict? They make me a mediator. My mother, although a Brahmin, becomes so aggressive that she says very abusive words, and the atmosphere at home becomes very bad. Then I don't feel like doing devotion because you know if there is conflict at home, how can anyone chant Madhav's name?

Answer: Listen, son. This happens not just in your house, but in every house. Don't pay too much attention to it. You have to balance your parents. You are in the middle, so look after both. If you take one side, the other will get angry with you. So, talk to them by balancing both sides. This happens in every house, son. It's the influence of Kali Yuga. It creates conflict in every home, creates sorrow in the world, and makes people fight among themselves. This is the work of Kali. Your parents are pure. Calm them down, maintain a balance. Son, this happens in 999 out of a thousand homes. I know your house is not the only one. We have to live with this. What can we do? We have to listen to the people who brought us into this home, we have to obey them, listen to them, and balance them. And when the new daughter-in-law comes, you will have to balance her as well. Because, son, there is no peace in the world these days. And secondly, there is conflict in every house. Big conflicts happen. Whatever abuses are hurled, it happens in every house. Just say 'Jai Shri Madhav' to Madhav.

► Watch this answer · 09:10 · 15 October 2023

Q_1850 Pandit ji, when I sit for prayers, I start sweating profusely, and my body becomes very hot. It gets very hot after the puja is over. What is the reason for this intense heat?

Answer: The other demonic forces or negative energies in your house are affecting you. That is why you are sweating. They cannot stay on you. They won't be able to stay on you and will leave in a few days.

► Watch this answer · 11:30 · 15 October 2023

Q_1851 First, a question and also a request. The brother who was just speaking in Odia... could you please request him to speak in Hindi? We don't understand anything when he speaks in Odia.

Answer: Oh, it was his birthday today, and he was asking for blessings. I told him to stay in the grace of the Lord and that God will teach him truth, dharma, and justice. Be happy.

► Watch this answer · 12:54 · 15 October 2023

Q_1852 My question is about marriage. In the current times, it doesn't seem possible to find a good boy or a good girl. So, is it better to remain single and devote oneself to God, or should one enter the householder's life (Grihastha)?

Answer: No, one should follow the path of a householder. You should get married. You will find a good girl, and you will find a good boy too. Everything is available in this world, son. Look, if you are devoted to God, God will also arrange a good marriage for you. So, get married, live a worldly life, and stay in the refuge of God. That is also fine.

► Watch this answer · 13:22 · 15 October 2023

Q_1853 Pandit ji, for the last two days, I have been dreaming of Tulsi (holy basil), a white Tulsi.

Answer: Oh, Jai Jagannath! Very joyful. Jai Jagannath, very joyful that you are seeing a white Tulsi. It is written in the Malika... [recites a verse]... It means Lord Kalki will go to London, to Britain, riding on Garuda. The white Tulsi is there. He will then bring it back to India. It is a tree, and the Lord will bring that tree back to our India. It's good that you saw it in your dream; the Lord is showing it to you. Very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:04 · 15 October 2023

Q_1854 Pandit ji, this happened two days ago. Around 11:15-11:30 PM, I was going to sleep and was in a half-asleep state. I saw a black person with a very scary appearance. I got scared, sat up on the bed, then lay down again and fell asleep while chanting 'Hare Krishna, Hare Krishna'. Who was that black person? Why did I see a black person?

Answer: Look, son, that black man is not a form, but a shadow. Do you sleep on the upper floor or the lower floor? ... You live on the ground floor. Is there a tree about 50-60 meters away from your window? ... Yes, there is a tree. An unfulfilled soul (atrupta atma) lives in that tree. It suddenly entered your house. Then you chanted the Lord's name, and it left. You should perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat daily. Before sleeping at night, chant the 'Tava Kara Kamala Vare' mantra of Lord Narasimha Mahaprabhu at least 11 times and then sleep. Perhaps it will not come to your house again. Look, it entered suddenly; it doesn't come always. It was the first time. It came by mistake; it didn't have a path to enter. It lost its way, came to your house, and then returned. It's nothing to worry about; it won't come again.

► Watch this answer · 15:12 · 15 October 2023

Q_1855 Today, while I was just sitting, a thought came to my mind, or rather, it felt like God put this thought in my mind. In the Satya Yuga, Lord Shri Ram killed Bali by hiding. In the Dvapara Yuga, when Shri Krishna was sleeping on a riverbank, a hunter shot an arrow into the sole of his foot. These two stories are interconnected, right? So, a question arose in my mind: when God himself cannot escape his own karma—meaning he did not break the law of nature—he is God, he could have done anything. He didn't break the rule because he himself

said, 'Karmanye Vadhikaraste Ma Phaleshu Kadachana'. He did not separate himself from that principle. So, Pandit ji, in this era, how can a human being expect to escape from things that are destined to happen?

Answer: Look, son, regarding Lord Rama killing Bali in secret... the arrow passed through seven palm trees and then struck Bali. Before Bali's death, the Lord asked him, 'If you wish, I can give you your life back.' But Bali refused, saying, 'I don't need it, Lord. I am seeing you before me. There can be no better time to die than this.' So he attained liberation. However, his son, Angad, was given a blessing by the Lord: 'Just as I have done this to your father, when I am born as Krishna in the Dvapara Yuga, you will be born as the hunter Jara Savara. The karmic consequence of my action towards your father will be fulfilled through you, because I am not beyond karma.' But the point is, Lord Ramachandra or Lord Krishna show the world that one must perform karma, and that they too are subject to it. But in this age, God gives humans many chances and also forgives a lot. Vibhishana had done many demonic deeds before meeting Lord Rama. But when the Lord took Vibhishana under his refuge, he made him a king and granted him immortality. And at the end of Kali Yuga, Vibhishana will come to meet Lord Kalki, and Lord Kalki will send him directly to Vaikuntha. So, if devotees make any mistakes, the Lord forgives them. The Lord is an ocean of mercy and forgiveness. Don't worry about it. If something has happened through us, our Trikal Sandhya and chanting God's name will resolve that too. He will surely deliver His devotees. The Lord says, 'Even if someone comes to me after killing a million Brahmins, I will not forsake them if they take my refuge.' He has the authority to forgive. So, one must take refuge.

► Watch this answer · 19:00 · 15 October 2023

Q_1856 I had a request for you. Your discourse is scheduled for 9:30 PM, but you arrive at 10:00 PM.

Answer: Yes, this shouldn't happen. I have already expressed my regret and apologized for it. What to do? We are in Punjab, the discourse is going on, and it gets late meeting people. That's why it gets a bit late. We will try to ensure this doesn't happen. It shouldn't happen because we should arrive at the time we have given people. But what to do? You are pure souls with big, vast hearts, and I'm sure you will take it well. I will try my best not to let it happen in the future. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:28 · 15 October 2023

Q_1857 Pandit ji, the day before yesterday, you said in the Bhagavat discourse that when Lord Krishna departed from this world, 1200 years of Kali Yuga had already passed. Lord Shri Krishna lived on this earth for 125 years. So, does this mean that Lord Krishna was also born in Kali Yuga?

Answer: Look, it is written in the Sanskrit Bhagavata... [recites a verse]. The meaning is this: when Lord Shri Krishna was present, the Saptarishis (Seven Sages) were transiting through the Magha Nakshatra. At that time, 1200 years of Kali Yuga had passed. This means that as long as Lord Krishna was present, Kali could not enter. Its age was increasing, but it could not spread its influence. The advent of Kali Yuga had happened, but as it is written in the Srimad Bhagavatam, as long as Lord Krishna's footprints were on the earth, Kali could not enter. And when the Lord left this earth and went to his own abode, the influence of Kali began to spread. Its age was increasing, but it couldn't do anything; it was sitting like a handicapped person. After the Lord left, its influence grew, but while the Lord was here, it had no effect because the Lord was present. This is the essence of it, son.

► Watch this answer · 24:33 · 15 October 2023

Q_1858 Pandit ji, many saints visit Badrinath, and I heard something from them. I also read the Bhagavata. The name of Mother Radha is nowhere in the entire Bhagavata Purana. Also, Sukadeva Goswami did not start any shloka (verse) with the letter 'Ra'. It might appear in the middle, but no shloka starts with the letter 'Ra'. When I asked the saints, they said that whenever Sukadeva Goswami would take Radha ji's name, he would go into a state of samadhi (deep meditation). Is this true? I have also seen for myself that no shloka starts with 'Ra' and Mother Radha's name is not in the Bhagavata Purana.

Answer: Look, it is true that her name is not in the Bhagavata, I accept that. But the name of the scripture is 'Srimad Bhagavatam Mahapurana'. 'Sri' means Mother Radha, and 'Mad' means the Lord. The name 'Bhagavata' is formed by combining both their names. But it is true that it is not written about Mother Radharani. It is about the Lord's lineage and his divine plays (leela). Her eternal divine pastimes with the Lord are not described in it. For that, there is a separate scripture called 'Gita Govinda'. The main protagonist of Srimad Bhagavatam is Mother Radharani, which is why it is named 'Srimad Bhagavatam' after her. So, this is the essence of Mother Radharani. Her name is there at the beginning, but not inside. And what you are saying about Sukadeva going into samadhi... look, only those who have the purity and devotion of the Mother can know her. This is a matter of devotion. We cannot describe or prove it through scriptures, but it is not written. The first name is 'Srimad Bhagavatam', and Mother Radharani is in it. Okay?

► Watch this answer · 26:35 · 15 October 2023

Q_1859 Father, what is the significance of seeing a black snake in a dream?

Answer: A black snake in a dream signifies some impending danger, a bad phase of Saturn (Shani Dasha), or Venus (Shukra Mahadasha or Antardasha), or the phase of Rahu-Ketu is indicated. That's why you saw a black snake. Perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and constantly take refuge in Madhav. There will be no problem.

► Watch this answer · 29:10 · 15 October 2023

Q.1860 This Israel war is happening now. Do you think it is safe to stay in the Middle East?

Answer: I have said before that it is not safe. Look, a very good question. The war that has started with Israel will take some time. All the Muslim countries will unite and decide that if any Muslim country is attacked, they will all fight together. That decision has not been made yet. In March 2025, there is a conjunction of planets (Meena Sankranti). Wait until then. There won't be a major problem. Before the problem escalates, everyone will come to India. It is written in the Malika that all people from foreign countries, whether from America, England, Germany, France, or anywhere else, will return to their country, India, with joy and love in due time. Wait for a while. The situation is not that bad yet. They are all in the process of uniting. Then the agenda will be declared. Wait for the time.

► Watch this answer · 29:48 · 15 October 2023

Q.1861 I have one more personal question. I have many problems in my life, possibly due to black magic from my wife's side. We have been separated from our family, everything has been cut off. Now there are so many problems that we haven't even had the right situation to have a child. Can we try now? You are saying the situation will be very bad in the next few years. So, should we try for a child in such a situation?

Answer: Yes, try for a child. How old are you? 37, 38? ... I am 48. It doesn't matter. If you want a child, then try. For that, I will tell you what to do. Talk to me separately at another time. I won't say it openly. Talk to me, I will tell you what to do, and then try.

► Watch this answer · 31:11 · 15 October 2023

Q.1862 Pandit ji, I had a question. The ongoing Israel war, is this a holy war (dharma yuddha)? You have prophesied that the major war will happen in 2025-26. So, has it started? Will this be the start of it, or is this not what was written in the prophecy?

Answer: I said this 10 days ago as well. To create the equation, several war fronts will open. This is happening to unite all the Muslim countries. They will all be united. And when the war between India, Pakistan, and China happens, that war will convert into a World War. This is not the World War.

► Watch this answer · 32:48 · 15 October 2023

Q_1863 The Pitru Paksha (fortnight of the ancestors) just ended yesterday. So, is there something called 'Pitru Dosha' (ancestral affliction)? And if there is, how should one perform the rituals for it? If I have Pitru Dosha, how would I know, and what rituals should be done?

Answer: Is your father alive? ... Yes, my father is alive. Your father's father? ... He is not alive. My mother is also not alive. The Pitru Dosha is showing for your paternal grandfather. Your mother has attained liberation; nothing is showing for her. Your father's father is waiting for liberation. A slight Pitru Dosha is visible. To clear that, either perform Pinda Daan (ancestral offering) at Gaya or, if not, a seven-day recitation of the Bhagavata should be done at home. By doing this, he will be liberated from it. ... Should I do this? My father is currently ill and not in a condition to do it. If I do it, will it be effective? How will you do it all alone? You will have to complete the full recitation of the Bhagavata in seven days. You will have to feed a cow every day and other animals. Get two or three people you know to help. During that time, there should be no meat, fish, alcohol, or marital relations. You must sleep on the floor for seven days. By doing this, all the ancestors in the house... one is visible, and before him, a female from two generations back is also visible. All of them will be liberated.

► Watch this answer · 33:43 · 15 October 2023

Q_1864 I was reading Shankaracharya's Advaita Vedanta. It is written there that no one can speak about the Truth (Satya); it is ineffable. And the soul is described as 'asanga' (unattached), meaning it doesn't need anyone; it is complete in itself. It is one, meaning there is no other. Advaita doesn't mean one or two; it means there is none. One cannot even talk about it. It is a matter of grace. The rest is in His hands; nothing is in our hands. This is what is written in his Advaita philosophy. Could you please explain a little about it?

Answer: Look, our revered Shankaracharya ji is the head of our Sanatana Dharma. The commentaries he has written are revered traditions for us. To analyze them, according to the scriptures and Sanatana Dharma, I have no authority. I cannot do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:44 · 15 October 2023

Q_1865 Sir, will a situation like the one between Ukraine and Russia also come to our India?

Answer: Look, if I tell you, people will get scared. Why should I say it? I will just say this: the end of Kali Yuga has come, and Satya Yuga is approaching. People should perform Trikal Sandhya and turn towards dharma. If I tell you what is going to happen in India, everyone will be scared, so what's the point of telling? A war between India, Pakistan, and China will definitely happen. There will be no change in that schedule. It is predetermined. At that time, see what happens. Take refuge in God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:22 · 15 October 2023

Q_1866 Pandit ji, my father passed away in 2018. The entire Pitru Paksha has just passed, and the Shraddha ceremony was also done at my family home. I live in Delhi. Last night, I had a dream that he was coming from somewhere, and my wife and I were out. I get a phone call saying, 'Your father has gone somewhere else, and you are roaming around?' Then I spoke to him on the phone, and he was angry. Later, we asked him to come home, but he didn't. What does this mean?

Answer: During Pitru Paksha, did you perform Pinda Daan for your father? ... No, my elder brother and mother did it at our family home. I didn't do it. That's why your father is angry. You could have done it in Delhi too. Look, even if you don't do Pinda Daan, it's fine, but at home, it is the duty of both you and your wife... no matter which brother performs the main Shraddha, in every household, one should cook pure vegetarian food that their ancestors liked and offer it outside. You people didn't do that. The Shraddha ritual was performed in the main house, but you should have done it too. You should have done at least that much. The father who gave you birth... you should do it. Even tomorrow or the day after, prepare the good food he used to like, ask for forgiveness, and place it outside for him. Perhaps he will accept it, and his anger will subside. Don't give the food to anyone. Someone else will come and eat it on their own—a dog, a cow, or anyone in any form. Just keep it outside. And every year, when your father's Shraddha ceremony takes place, you should also tell your wife to cook a pure meal of his favorite dishes and keep it outside, offering water and asking him to accept it.

► Watch this answer · 38:20 · 15 October 2023

Q_1867 Maharaj ji, when I started Trikal Sandhya at the end of June, everything went well until August. My mind was calm and pure. I also started reading the Bhagavata. But for some time now, my mind has become very restless. I have to go to college and meet many people. Now that Navaratri has started, I worshipped Mother Durga today, and it felt very good. The devotion and feeling for God that I had before has returned today. What could be the reason for this?

Answer: Look, devotion is such an element, and the element of Kali opposes this devotion. So, Kali conquers you if you give up. But control your mind, put a rein on your mind. Stay in the refuge of God. Start Trikal Sandhya again. Through this, a person's life can find its purpose. And through Trikal Sandhya, in my opinion, a person becomes worthy of going to Satya Yuga. So, do it. Kali will oppose it, it won't let you do it, it will create obstacles. Don't leave it. Focus your mind and do the Sandhya again. Stay in the refuge of the Lord. It will be good for you.

► Watch this answer · 40:57 · 15 October 2023

Q_1868 My brother-in-law died in 2020, but we suspect that it wasn't a natural death but a murder. I want to ask about this: was it a natural death, or was he murdered? The doctors said he had a brain hemorrhage, but there were marks of being beaten on his body. So it seemed like he didn't die naturally but was killed. Is this true, Pandit ji?

Answer: Was he into any kind of intoxication? ... I will tell you about this, but talk to me alone. If I talk about this openly... look, I am here to propagate the Bhavishya Malika and dharma. If you are asking, talk to me personally. I will not say this publicly. I just asked about intoxication... Yes, Guruji. ... I will talk to you later. And there were two other people there that day. I will only say that much, nothing more. I can see everything. You do one thing, you have Mohan's number... Yes, I have Bhaiya ji's number. ... I will tell you.

► Watch this answer · 42:29 · 15 October 2023

Q_1869 Pandit ji, a few days ago, I had a dream. There was a glass box filled with water. Inside it, there was one black snake and several thin white snakes. I am very scared of snakes. But after a while, I saw that the black snake had gone somewhere. So I was telling everyone at home, 'Look, it has gone somewhere. I hope it hasn't entered a neighbor's house and bitten someone.' What is the meaning of this, Pandit ji?

Answer: Do you perform Trikal Sandhya? ... Yes, for two years now. Look, because of the religious rituals and Trikal Sandhya happening in your house, your 'Kala Dosha' (affliction of time/death) and the impending danger have gone away. Okay? Now things will be good.

► Watch this answer · 44:27 · 15 October 2023

Q_1870 Pandit ji, I have been blessed with a son. Please give him your blessings.

Answer: A son has been born? Very joyful, very blissful. May God make him a good person, a good human being, and a source of happiness for the world. ... He was born on the day of Vamana Jayanti. That's very good, son. He must be a devotee. You are already in the refuge of God. ... When I was pregnant, I had started Trikal Sandhya. ... Then, for sure, some divine power has taken birth. Because one who is born listening to Trikal Sandhya must be a divine, pure soul who has come to earth. Thank you very much. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:28 · 15 October 2023

Q_1871 Baba, I feel like I failed the test. I had a dream where the Mother told me, 'Say Radhe Shyam.' But I said, 'Radhe Radhe.' The Mother again said, 'Say Radhe Shyam,' and again I said, 'Radhe Radhe.' 'Radhe Madhav' also didn't come from my mouth. Did I fail the test?

Answer: No, no. Radha is the same as Shyam. You didn't fail. But do one thing: what the Mother says, 'Radhe Shyam,' say 'Radha Madhav.' You haven't failed. There is no failure in this because Mother Radharani is the same as the Lord; there is no difference. But according to the current era, one should chant 'Radha Madhav' or 'Ananta Madhav' or just 'Madhav.' So there is no failure. Just make a small correction because the Mother herself came and told you that in this era, one should chant 'Radha Madhav.' So do it. You haven't failed at all. The name of Mother Radharani came, so you passed in that too. Please bless me so that I can chant the name of Madhav from my heart and soul. ... You have my blessings. May Lord Jagannath make you chant.

► Watch this answer · 46:33 · 15 October 2023

Q_1872 I am speaking from Nashik. In 2014, when I was in the 10th grade, we found a lemon with kumkum (vermilion) on it in the room where we slept. This happened two or three times. Right after that, my grandfather passed away, and my father started falling ill. Can you tell me something about this? My father had a major brain problem for seven years. We had his brain surgery this year, and now he is fine. But my sister's health has deteriorated a lot. She has become very thin and has problems with her back and shoulders.

Answer: This was done by someone from your neighborhood or a relative. They performed a tantric ritual on your house, an evil spell, which caused misfortune in the family. Do you perform Trikal Sandhya? ... I have just started. Do it three times. All the afflictions in the house, in my opinion, will reduce to a normal level. And tell all your family members to read the Bhagavata and perform Trikal Sandhya. Everyone will be happy, daughter. Because these days, many bad people do evil things. And someone placing a lemon with kumkum is a tantric spell cast on your house. The spell with the lemon was done by enchanting the lemon to be like a brain, which is why your father's brain was affected. They are still trying, but you all should perform Trikal Sandhya, take refuge in Madhav, and pray, 'Lord Madhav, protect us.'

► Watch this answer · 47:53 · 15 October 2023

Q_1873 Father, this morning I had a dream that as clouds were forming, the entire universe was forming with them. Then I was walking on a road and saw two perfectly white horses coming towards me. I hid, but one of the horses came to me, started playing with me, and forcibly made me sit on it. It had red reins. It took me to my school. I woke up out of fear, father. What does this mean?

Answer: Look, son, the white color is an auspicious sign for you. Seeing a white horse in a dream is good. Do you perform Trikal Sandhya? ... Yes, my whole family does. Then do it with joy, there is no problem. This dream is auspicious, not inauspicious at all. The essence of this is that it is the time of God's incarnation, the time for the establishment of dharma. The Lord will ride a white horse to establish dharma. So, you might have dreamt of one of the Lord's messengers. Otherwise, it is an auspicious dream. The fact that it caught you means it also approaches devotees. The Lord's mount also goes to them. Because Lord Kalki will ride a white horse to do his work. It's very good, son.

► Watch this answer · 50:57 · 15 October 2023

SESSION 107 · QUESTIONS 1874–1904

L112 - बलराम दास मालिका में कल्कि जी के जन्मस्थान का प्रमाण | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 15 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1874 A few years ago, my elder brother and his wife passed away. We have been facing constant problems in the house ever since. What should we do?

Answer: Did you perform their last rites (shraddha) properly? It seems there might be a 'Pushkar dosha' (an astrological affliction related to death). When this is not addressed properly, one death follows another in the family. The rites should have been performed by a good Brahmin; it seems there were some mistakes. To remedy this, you should perform the 'Pushkar' ceremony. This can bring peace to your home and salvation to them. If you haven't done it yet, chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, and read the Srimad Bhagavatam. When you get a chance to come to Odisha, perform Pind Daan (ancestral offerings) for them in the Biraja Kshetra. That will grant them salvation. Also, you can write the Shri Narayan Kavach from the 8th chapter of the 6th canto on a leaf, wrap it in a yellow cloth, and that might bring some control over the situation. But do what I suggested first; that will be more beneficial.

► Watch this answer · 10:16 · 15 October 2023

Q_1875 It's been 15 years since I got married. My husband's elder brother passed away in his childhood, at the age of six or seven. I recently saw him in a dream. During the last Pitru Paksha (fortnight of the ancestors), we performed rituals for him. A thought has been on my mind since this morning: if my husband reads the Bhagavata Purana for him, can he attain liberation from his ancestral form?

Answer: Read the complete Bhagavatam in seven days. Feed a cow or other animals daily. Read the entire Bhagavatam with devotion over seven days. During this period, you must sleep on the ground on a simple mat, not on a bed. Both you and your husband should do this. Complete the entire Bhagavatam reading in seven days for him. First, establish a Kalash (holy pot) and worship it. You don't need to call anyone; you can do it yourselves. Chant the name of Madhav and say, 'O Madhav, we are reading the Bhagavatam for him. Please grant him liberation.'

► Watch this answer · 13:39 · 15 October 2023

Q_1876 For many years, I've wanted to wake up at 4 AM, but I'm just not able to. Since Navratri starts tomorrow, please bless me so I can start then. I don't want to go back to sleep after the 4 AM Trikal Sandhya, but I don't have the energy to stay awake. I truly want to wake up, so I pray that Prabhu fulfills my wish, allowing me to wake up at 4 AM and also wake my children at 5 AM so they can do their Trikal Sandhya on time.

Answer: Daughter, you must change your habit of sleeping at 12 or 12:30 AM. Try to sleep by 10 or 11 PM. Sleeping so late is not good for your body. Make an effort for this. The more you exert yourself, the more rest your body needs. It will be fine, you will be able to wake up joyfully.

► Watch this answer · 14:57 · 15 October 2023

Q_1877 Pandit ji, we're hearing that today in the Jagannath Puri temple, there was a dispute among the Brahmins, and as a result, drops of blood fell on the Ratna Singhasan (bejeweled throne). Is this mentioned in the Bhavishya Malika?

Answer: Yes, 'Rakta chita padi baje Ratna Singhasan' (Drops of blood will fall on the bejeweled throne). This has happened before, and it has happened again. Whenever blood falls near the Ratna Singhasan of Lord Jagannath, the master of countless universes, or anywhere inside the main temple, it signifies that rivers of blood will flow in the world due to war. This is a disastrous sign for the world. The words of the Malika have been proven true once again. It happened once before, and now it has happened again.

► Watch this answer · 15:55 · 15 October 2023

Q_1878 I recently heard a discourse by Premanand Ji where he explained the benefits of celibacy, which is absolutely correct. Today's generation watches inappropriate films and engages in masturbation, losing their vital fluid. Their conduct is worse than that of animals. How can they overcome these habits and become devoted and attracted to God? Since our ultimate goal is salvation, how can they progress on the spiritual path?

Answer: Son, the forms of Kali (the demon of this age) are desire, lust, alcohol, and eating meat and fish. Those who engage in such acts are called 'Mleccha' (barbarians). What Premanand Ji said is wonderful; I also saw that episode and enjoyed it very much. This is essential for our youth. To maintain celibacy, one needs God's grace, along with practices like yoga, pranayama, and Trikal Sandhya. Not waking up during Brahma Muhurta (the pre-dawn hour) often leads to problems with celibacy. Therefore, by waking up during Brahma Muhurta and performing Trikal Sandhya, the youth who develop this habit can joyfully overcome these evils. But this is the Kali Yuga, and people reflect its nature. Still, many people are good, and with time, as the Lord's work progresses, they will become better. Those who engage in such acts are called Mlecchas.

► Watch this answer · 17:25 · 15 October 2023

Q_1879 I had a dream yesterday. After it rained, my husband and I went for a walk on the promenade. I saw water from the entire city flowing towards the sea, and people were saying that the dam gates would open soon, bringing even more water. When we returned home, it wasn't our current house but a different one. It was very peaceful there, with a little seawater around and lotuses blooming in it. What does this mean?

Answer: Look, daughter, a time will come when the ocean water will bring a tsunami, and on the other hand, the dams will be full from the rain. The water from the dams and the water from the sea will create havoc for people. The place you saw is Vaikuntha (the celestial abode), the place where the devotees will be kept. The blooming lotuses signify that you will live there peacefully and joyfully in the Lord's presence. That is why you were shown this.

► Watch this answer · 20:06 · 15 October 2023

Q_1880 My son is 13 years old and currently in a hostel. In our previous house, people said he was affected by a ghost or black magic because he would get very angry. He's a bit better now that he's in the hostel, but I'm very worried about him. People are saying he is still under that influence.

Answer: No, what people were saying about your old house is correct. That place has a lot of trouble. There is the influence of about two restless spirits there. One is of an unmarried person, and the other is of someone who died in childhood. Your son will not be affected. Have him perform Trikal Sandhya, sing bhajans, read the Bhagavatam, and constantly chant the name of Madhav. Nothing will happen to him.

► Watch this answer · 21:11 · 15 October 2023

Q_1881 On the 1st of the month, I had my father's Shraddha (ancestral rite) puja performed. That night, I fell asleep while listening to your meeting. When I woke up, I saw two shadows —one black and one white. As soon as I opened my eyes and saw them, they disappeared. I couldn't understand who they were.

Answer: It appears to me that your father has not yet attained liberation. And there is another ancestor from your family who also has not been liberated. Both of them came to give you a 'darshan' (sighting). You should have their Pind Daan (ancestral offering) performed through a good Brahmin at a place like Nabhi Gaya. Even if you have already done it, if you see them in a dream again, let me know. We will find a solution.

► Watch this answer · 22:15 · 15 October 2023

Q_1882 A while ago, when I first started learning about the Bhavishya Malika, I had a dream. It felt like I was awake, and a spirit was trying to possess my body but couldn't. It felt like someone else was trying to take control of me. In the dream, I went to my mother's room and she was unconscious, my father wasn't there, and it was completely dark. My mind kept replaying the prophecy that there will be darkness for seven days and only devotees will be able to see. I didn't understand what was happening. Then, in the dream, I started chanting the Lord's name loudly and suddenly I was back in my bed, and the feeling was gone. What was this and why did it happen?

Answer: Sometimes when people leave things like that talisman, the entities associated with them stay behind. That is the problem. Someone was directing a demonic element towards you, but by the grace of Madhav, nothing happened to you. The talisman was brought for that purpose. Right now, it seems there is no such issue, but continue chanting the name of Madhav. If anything happens again, let me know. For now, there is no problem.

► Watch this answer · 24:22 · 15 October 2023

Q_1883 I am now over 50 years old, and I have struggled my entire life without any progress. My children are grown now, but they are also not progressing. We have always performed our prayers and continue to do so, but there is no success.

Answer: You will see progress. Chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, and read the Bhagavatam at home. You will progress. The unemployed will find employment. Everything will be alright.

► Watch this answer · 27:47 · 15 October 2023

Q_1884 Nowadays, we see that women and girls also narrate the Bhagavata Katha. Is this sanctioned by the scriptures? I'm not asking to be controversial, but I've seen this happen and am curious, especially considering that during menstruation, women are traditionally restricted from certain religious activities.

Answer: According to the scriptures, mothers, fathers, and children all have the right to perform religious duties. I don't want to create a controversy... I will not comment on that because people will leave negative comments. What will I gain from it? If someone is doing good work, it should be appreciated. We praise religious work. What is and isn't permissible... well, this is the Kali Yuga. In the Satya Yuga, things will be renewed.

► Watch this answer · 28:26 · 15 October 2023

Q_1885 I have been doing Trikal Sandhya and reading the Bhagavatam for three months. My father passed away in '98, my mother in Feb 2023, and my brother, who drank heavily, in 2021. Some people said he was in the grip of certain powers. Now my younger brother also drinks and feels very isolated. As I am performing these spiritual practices, will my family receive the benefits? And can you perceive if there is any 'Pitru Dosha' (ancestral affliction) in our family?

Answer: Look, I don't see any affliction related to your mother and father. Regarding your brother, what the tantric said seems to be true; he appears to be held captive. By performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavatam at home, your ancestors also receive the Lord's grace, so continue doing it. If the problem persists, let me know. As for the one who drinks, talk to him. He won't change overnight. Just ask him to listen to you and read one chapter of the Bhagavatam daily. Gradually, he will change. When children perform righteous deeds, the merit goes to their parents and ancestors. The credit for your Trikal Sandhya and Bhagavatam reading will go to them.

► Watch this answer · 29:59 · 15 October 2023

Q_1886 My deceased father-in-law appeared in my husband's dream, saying he was going to get saffron. After that, we bought a box of saffron and performed the ancestral rites, but now that box of saffron is missing. Also, even though everyone in our family is devoted to the Lord, there are still constant quarrels and discord at home. Why does this happen?

Answer: Listen, our ancestors reside in Pitru Loka (ancestral realm). Some attain liberation, some become ghosts, some go to Vaikuntha, some to heaven—they go according to their karma. Your father-in-law is in Pitru Loka. A few days before the Shraddha ceremony, they often come in dreams to express their wishes and then leave. That's why he appeared in the dream. He reminded you of his Shraddha and his interest in saffron. You brought the saffron and performed the rites. There is peace, no problem there.

► Watch this answer · 32:51 · 15 October 2023

Q_1887 And my son, Pandit ji... we are devotees of God, but he gets very angry. He doesn't pray or study. He gets very angry with his sisters, is irritable, uses abusive language, and doesn't listen to us.

Answer: How old is your son? (He will be 18 next month). The friends he keeps... that is the problem. It's the influence of his friends. There is no other spiritual affliction.

► Watch this answer · 34:13 · 15 October 2023

Q_1888 My father is unwell. He has been in the AIIMS hospital in Bhopal for about three months now, and he's not getting any better. Some people say there is an affliction in our house, others say different things. I don't understand what's happening. I am performing Trikal Sandhya.

Answer: How is his condition now? (He needs blood transfusions, the doctors say it's aplastic anemia). Okay, son, continue with the treatment. The Bhagavatam reading you are doing, offer it for him. Pray to Lord Madhav for his recovery and continue the treatment peacefully. In his astrological chart, I can see the influence of the planet Mercury causing this illness. It's okay, just tell him to chant the name of Madhav.

► Watch this answer · 35:18 · 15 October 2023

Q_1889 Yesterday morning, while I was performing Sandhya and chanting the holy name with my eyes closed, I had a vision. I saw a chariot with five white horses in front and two behind. It seemed as if Lord Kalki himself was riding it, holding a sword. After it passed, I saw a form of white Mahakali with her hair unbound, her red tongue sticking out, and wearing a garland of skulls. What is the meaning of this?

Answer: This means that the destructive aspect of Lord Kalki's divine play is already underway in various parts of the world. This is the play of Mother Kalika, Durga, and Madhav for the re-establishment of dharma. The Lord is providing proof. The work of destruction is happening, not overtly but covertly, and the Lord gives these signs to his devotees because Mother Kali and Lord Kalki are both associated with the act of destruction.

► Watch this answer · 37:04 · 15 October 2023

Q_1890 I had a dream the day after I started Trikal Sandhya. I saw four or five people in my old house. One of them, standing in the middle, was wearing an old-fashioned turban. He said, 'The incarnation that was supposed to happen, that is me. And one more incarnation will happen.' What did this mean?

Answer: Look, I will tell you this much: in his current incarnation, Lord Kalki will wear a turban. This is a sign. Lord Kalki will not always hold a sword in his hand, but he will always wear a turban. For those who perform Trikal Sandhya, the Lord is speaking to them and telling them about his incarnation.

► Watch this answer · 38:34 · 15 October 2023

Q_1891 My mother had a dream. She saw a little girl, about three or four years old, in a field. The girl was half-naked, wearing only a top. What was this a sign of?

Answer: Did a young daughter pass away in your family's history? (No). Look, son, sometimes other elements can appear in dreams, like acquaintances from a distance or even spirits. This doesn't seem to have any connection with your family. The little girl you saw... that little girl probably died in that field, perhaps from a snakebite or something else, and she appeared in the dream.

► Watch this answer · 39:47 · 15 October 2023

Q_1892 My brother is in the army. Which Trikal Sandhya should he perform? Also, they are not allowed to have smartphones, only basic phones, so he says he can't read the Bhagavatam. What should he do?

Answer: He should perform the same Trikal Sandhya that we have prescribed. If he cannot read the Bhagavatam, that's okay. He should just recite the Madhav name, the 16 names, the 10 avatars, and the Durga Madhav stuti. That will suffice.

► Watch this answer · 41:00 · 15 October 2023

Q_1893 I had a dream this morning where seven or eight people came and killed everyone. I survived by hiding under a bed. In my hand, I was holding a wooden statue that looked like my brother, but its head had been severed, and blood was flowing from the wood. The statue then spoke to me, saying, 'I am still with you.' Is there some problem or affliction in our home?

Answer: Look, your brother is alive, so there is no problem. And I don't see any ancestral affliction in your family either. See, sometimes random dreams and different elements can appear. This has no connection to you.

► Watch this answer · 41:37 · 15 October 2023

Q_1894 My father doesn't believe in doing Trikal Sandhya; he says he worships our family deity, Mother Kali. Can you see if Mother Kali is present in our home?

Answer: Oh, Mother Kali will perform the work of destruction! She is already working alongside Madhav. Look, great destruction is coming to Himachal next year. Then people like him will mend their ways. Your father will also come around... Yes, Mother Kalika... yes, it used to be that many people would come to your house for healing. The Mother does reside there sometimes.

► Watch this answer · 42:49 · 15 October 2023

Q_1895 I joined this stream last August, and everything was fine. But since July, after we moved to a new house in Hyderabad, I'm unable to perform the morning Sandhya on time. This started only after moving here. Also, when we first moved, I would often get very scared in my sleep. It felt like I was paralyzed, unable to speak or move, and I would hear strange voices. It would only stop when I chanted Madhav's name or when I would hear your satsang in my mind.

Answer: How do you feel about this house? (I don't like it here, father. The exhaust fan also turns on and off by itself). What can I say... if I tell you the truth, you will get scared. I can't say it. Just, when the time is right, look for a good house and move. Until then, continue chanting the name of Madhav, doing Trikal Sandhya, and reading the Bhagavatam. The one who is a devotee of Madhav, nothing can harm them. Don't worry, just live joyfully. Continue Trikal Sandhya with your family; you will find peace. Whatever elements are in the world, wherever they may be, in a house where Trikal Sandhya is performed, all negative energies are dispelled.

► Watch this answer · 43:49 · 15 October 2023

Q_1896 I accidentally bought the Srimad Bhagavad Gita instead of the Srimad Bhagavata Mahapurana. Is that okay? Also, since I am a student living away from home, can I read the Bhagavatam from a PDF on my phone?

Answer: Read the Srimad Bhagavad Gita with joy, but the Srimad Bhagavata Mahapurana is our primary text. Reading scriptures on a phone is disrespectful to the scripture. If someone has difficulty or a problem, they can read it that way for a day or two. But if you want to read it continuously and receive its full benefits, you should place the book on a wooden stand, offer flowers, incense, and a lamp, and read it with devotion.

► Watch this answer · 47:21 · 15 October 2023

Q_1897 After I started Trikal Sandhya, I had several visions. I saw Hanuman Ji, then Shiva and Parvati in their combined form. I saw my father-figure, Lord Surya Narayan, teaching me archery from his chariot. I saw Mother Chamundeshwari, who will destroy the sinners. Then I saw two sages in a dream. One gave me a boon of conditional immortality based on my karma and also gave me the divine armor and earrings of Karna from the Mahabharata. What does this mean?

Answer: This is wonderful. Perform Trikal Sandhya and remain in the shelter of Madhav. Jai Jagannath... Okay, son, focus on your studies and be happy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:59 · 15 October 2023

Q_1898 My husband's elder brother passed away on December 2nd. Two months later, his son's condition deteriorated severely; he has become mentally unstable. What could be the reason?

Answer: You need to see if the last rites were performed properly, and if there was a 'Pushkar dosha' (an inauspicious astrological alignment at the time of death). From what I can see, he has not attained liberation. You must arrange for his liberation. (We did everything properly, even the Pind Daan). Was there a 'dosha' on the day he died? (Yes, there was). The rituals for that were not performed correctly. The priest did not do it right. Have it done again by a good Brahmin. Tell him to perform the complete ritual for the Pushkar dosha properly.

► Watch this answer · 51:25 · 15 October 2023

Q_1899 My reading of the Bhagavatam has been stopped for the last 20-25 days. Because of this, I feel as if the soul has left my Trikal Sandhya practice. It feels dull and lifeless without the Bhagavatam reading.

Answer: No soul has left. Perform your Trikal Sandhya joyfully and read the Bhagavatam. See, those who perform Trikal Sandhya and read the Bhagavatam receive a divine power. The systems of their body develop, all afflictions in the house are removed, and all problems are resolved. But the prescribed duties must be performed with sincerity.

► Watch this answer · 53:10 · 15 October 2023

Q_1900 I go to college, so can I perform a condensed version of Trikal Sandhya at college and the full version when I get home? Also, which version of the Bhagavata Purana should I buy? What should I ask for at the shop so they give me the correct one?

Answer: Yes, yes, that will work. You should ask for the Srimad Bhagavata Mahapurana from the Gorakhpur Gita Press. The Gorakhpur Gita Press edition.

► Watch this answer · 54:21 · 15 October 2023

Q_1901 This morning, after I finished Trikal Sandhya, I was reading the Bhagavatam. Around 5:45 AM, a single honeybee came from outside. It came and sat near my Laddu Gopal idol, and then flew straight into the burning lamp, where it was immolated and died. What does this signify?

Answer: That was a restless spirit. It died and came there to merge into the flame, taking shelter of the Lord. (So I didn't incur any fault during my Sandhya?) No, you have no fault in this.

► Watch this answer · 55:17 · 15 October 2023

Q_1902 I had a dream a week ago where I saw my younger brother holding my hand and leading me on the sand of a riverbank. Then, I saw a very large black snake pass by us. I was scared, but my brother kept leading me. I didn't understand the meaning of this.

Answer: What color was the snake? (Black). Do you ever go to a river to bathe? (No). Do you go to the river? (No). Never go to a river, okay?

► Watch this answer · 56:16 · 15 October 2023

Q_1903 It also happens that I get a premonition or an indication before an event is about to happen in our home, but I don't understand it clearly. Is there any ancestral affliction ('pitru dosha') in our family?

Answer: By performing [Trikal Sandhya], you will get the complete indication and you will be able to know what is going to happen and what is not. In your house... no, there is no ancestral affliction, nothing.

► Watch this answer · 57:26 · 15 October 2023

Q_1904 I want to ask, can we perform Trikal Sandhya wearing the same clothes we wore when we used the toilet or bathroom, or should we change our clothes?

Answer: Look, daughter, those clothes should be changed. Mothers should maintain purity. The mother is the Lakshmi (goddess of fortune) of the house; she is a symbol of the family's development. Therefore, mothers should be mindful of cleanliness. It is better to change clothes before performing Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 58:35 · 15 October 2023

SESSION 108 · QUESTIONS 1905–1935

L114 - एकाम्र वन खंडगिरि में कल्कि लीला का प्रकाश होगा | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 16 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1905 Guruji, I am from a village in Uttar Pradesh. I urinated near a Peepal (sacred fig) tree without realizing it at first. Since returning home, I've had two dreams that I can't remember, and my head has been feeling heavy and my mind is restless. What should I do about this?

Answer: The Peepal tree is a divine tree where God himself resides. One should not commit even small mistakes like this near it. It seems God showed you the Peepal tree twice in your dreams as a sign. For a remedy, offer one laddu (a sweet) as prasad to Lord Vishnu, Lord Narayana, or Lord Krishna. Ask for His forgiveness with joy, and everything will be alright.

► Watch this answer · 05:42 · 16 October 2023

Q_1906 Regarding the fires, floods, and destruction happening in foreign countries, it seems 95% of people in our divine land (India) are unaware of what's happening in the world. When will the people here find out about all this?

Answer: Not everyone will know about these events. However, the devotees who are destined to become the people of the Satya Yuga (the age of truth) will surely know. They will take precautions and turn to devotion to God. Devotees and good, pure people across the world will be saved. They will get a feeling that something is about to happen, which will lead them to take precautions and move to a safe place. This information will only be available to devotees, not to everyone.

► Watch this answer · 09:40 · 16 October 2023

Q_1907 Pandit ji, I have been bedridden for four years due to paralysis. My hand has recovered, but my leg is still not fully functional. I am undergoing physiotherapy, but new problems keep arising, like the doctor leaving or other issues. I feel like someone has done something to me (like black magic). What should I do?

Answer: For paralysis, you should take physiotherapy. Since you are facing constant obstacles, do you perform the Trikal Sandhya (thrice-daily prayers)? You should. I only chant God's name, like the Hanuman Chalisa. Since you feel that people who are against you have done something, you should start the Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 11:07 · 16 October 2023

Q_1908 I am going to Jagannath Puri during the Diwali holidays. Can I also visit the Sambalpur and Birja Devi temples?

Answer: Yes, you can. It is about 100 kilometers from there. You can visit; there is no problem.

► Watch this answer · 13:14 · 16 October 2023

Q_1909 I started doing the Trikal Sandhya two days ago. I used to struggle to wake up early, but today at 5 AM, I heard the Mother Goddess's aarti in a dream and woke up instantly. For the first time, I completed my morning prayers by 6 AM. It was a very different and wonderful experience. (Implicit question: What is the meaning of this experience?)

Answer: For devotees who take refuge in Madhav and perform the Trikal Sandhya, the Lord will take care of them. Gradually and slowly, with time, everything will fall into place.

► Watch this answer · 13:38 · 16 October 2023

Q_1910 I used to read the Shrimad Bhagavat on my phone, but in one of your episodes, you said one shouldn't. I have already read over 600 pages. When I get a physical book, should I start again from the beginning or continue from where I left off?

Answer: You can continue from where you left off. However, if you get a new book, it is better to start reading from the beginning.

► Watch this answer · 14:45 · 16 October 2023

Q_1911 My wife and I have been part of this spiritual stream for over three months and follow all the rules. However, there is a lot of conflict at home because my wife constantly quarrels with my parents. What should I do?

Answer: Have your wife speak to me. I will talk to her and explain everything to her. One who performs the Trikal Sandhya becomes good and pure. If there is still something troubling her mind, I will speak with her and resolve it. Coordinate with Mohan to set up a call.

► Watch this answer · 15:36 · 16 October 2023

Q_1912 Before joining this spiritual stream, I committed many sinful acts out of ignorance. Now that I understand what is right and wrong, I realize my mistakes. I perform the Trikal Sandhya and read the Bhagavat. Will the Lord forgive me for my past deeds?

Answer: Continue performing the Trikal Sandhya and reading the Bhagavat in the Lord's refuge. It will take some time, but the Lord will surely forgive you. Now that you have joined this stream, the Lord knows that you will not repeat your past actions and are moving towards dharma. At such a time, God's grace is bestowed. It will take some time, but all your karmas will become pure again.

► Watch this answer · 16:40 · 16 October 2023

Q_1913 I have noticed that you keep many things secret and don't reveal everything. Why is that? If new people knew everything, they might join more readily.

Answer: That is an excellent question, and your understanding is correct. This is social media, and not everything can be discussed openly due to social norms and the varied mindsets of people who join. My work is to propagate dharma, and I only share what is necessary for humanity's well-being and what people need to know. I do not talk about things that are not that important. If you wish to discuss something specific, you can call the number in the description and arrange a time to speak with me personally.

► Watch this answer · 18:12 · 16 October 2023

Q_1914 I had a strange experience. While I was doing my morning prayers, a spider stayed with me the whole time. Later, I went out and left a light on near the deities. When I returned, that light was off, but the fan was running. What does this mean?

Answer: The light and fan were operating on their own? You should install a small fan in your home temple and keep it running towards the deity. The deities also feel the heat, you know. A small fan for the Lord would be good.

► Watch this answer · 20:00 · 16 October 2023

Q_1915 Do I have any 'Pitra Dosh' (ancestral affliction)? I haven't had major problems, but I have faced mental distress caused by other people since childhood. My father left us, and I live with my mother at my maternal grandmother's house.

Answer: You do not need to worry about this. Do you perform the Trikal Sandhya every day? If you do, then there is no problem. Everything will be fine.

► Watch this answer · 21:10 · 16 October 2023

Q_1916 What is the difference between 'Jiva' (a living being) and 'Atma' (the soul)?

Answer: The 'Jiva' refers to a living entity—from humans to tiny ants. A being is considered a 'Jiva' as long as the 'Atma' or soul resides within it, making it active. When the soul leaves the body, the 'Jiva' becomes inert, meaning it dies. The soul is the divine element that resides in the body, giving it life. When the soul departs, the 'Jiva' becomes lifeless.

► Watch this answer · 22:41 · 16 October 2023

Q_1917 My mother and I perform the Trikal Sandhya, but my father does not. Can you suggest a way to encourage him to start?

Answer: It's alright that your father isn't doing it yet. Do you pay your respects (pranam) to him in the morning? It is wonderful that you love him so much. Pray to Madhav and ask Him to bring your father into His refuge. Madhav will make it happen.

► Watch this answer · 24:41 · 16 October 2023

Q_1918 I am facing many problems. My father died in 2015, possibly by suicide, though the report said heart attack. His business partners deceived him, we lost everything, and now they have filed a false case against my mother, which is still ongoing. Although I've felt some peace since joining this stream, the legal case is not getting resolved. What should I do?

Answer: The case against your mother is false, especially since the medical report states the cause of death was a heart attack. Do not worry. Since you have taken refuge in Madhav, the case will be dismissed. Tell your mother not to worry either. You will be victorious in this case; there is no problem.

► Watch this answer · 25:27 · 16 October 2023

Q_1919 I am a Capricorn. An astrologer told me I am under 'Sade Sati' until March 2025 and that my good times will start after that. I have felt my work getting stuck. What is your advice?

Answer: It appears you have a 'Mangal Dosh' (an affliction of Mars), which causes obstacles in work. To counter this, perform the Trikal Sandhya and chant the name of Madhav. Your work will stop getting stuck and will move forward.

► Watch this answer · 28:12 · 16 October 2023

Q_1920 You once said that the weapons of the Pandavas will be found in 'Virat Nagar'. There is a Virat Nagar in Punjab and another in Rajasthan. In which one will they be found?

Answer: This is a secret matter that we should discuss privately. The Pandavas hid their weapons on God's instruction, and they will be used again in the great war of the Kali Yuga. Lord Kalki will give the command for these weapons to be given to them. The weapons are not in just one place; some are in Odisha, some in Punjab, and some in Rajasthan.

► Watch this answer · 30:35 · 16 October 2023

Q_1921 My young aunt recently passed away, which disturbed me. I had a dream where I saw the earth slowly sinking and heard a voice say, 'Except for those who follow dharma, I will not let any unrighteous person live.' I wanted to share this with you.

Answer: Your dream is a reflection of the truth. In the times to come, not a single sinner will remain on Earth. I have been saying this all along. The only path for humanity is dharma. People who want to be saved must hold onto dharma, do good deeds, and take refuge in Lord Kalki. If they don't, they will see time getting progressively worse.

► Watch this answer · 33:12 · 16 October 2023

Q_1922 When I lit a lamp (diya) for Mahaprabhu, a 'flower' formed in the flame. Also, my neighbors are very jealous and cause me a lot of trouble. And could you provide a photo of the Lord for my new temple?

Answer: Where there are devotees, there will also be demons (asuras). In this world, all humans are inherently good, but under the influence of Maya (illusion), they think ill of others. As for the photo, you can keep a picture of Lord Krishna, Lord Ram, or Lord Jagannath. All are one. Worshipping any of them will lead to God-realization. The most important thing is to perform the Trikal Sandhya and chant Madhav's name.

► Watch this answer · 36:40 · 16 October 2023

Q_1923 What about the people who oppose you and spread misinformation? Will they ever feel remorse and realize that they were wrong to doubt you?

Answer: The Bhavishya Malika scripture mentions that I would face a lot of slander for propagating its message. I am not affected by it; my work is for the salvation of humanity. I wish well for everyone and pray they become good people. What happens to them is up to God. My duty is to continue this work until my death. My greatest peace comes from seeing thousands of people start reading the Bhagavat, performing Trikal Sandhya, and mending their families. Time and God will prove the truth.

► Watch this answer · 38:17 · 16 October 2023

Q_1924 You said in a discourse that one should only marry once. I have been separated from my wife for four years, and our divorce is in progress. Can I remarry after the divorce is finalized?

Answer: My statement was for those who already have a wife. The rule is that one should not take a second wife while the first one is present. If you get a legal divorce, you can certainly remarry for the sake of your family and household. There is no issue with that.

► Watch this answer · 41:45 · 16 October 2023

Q_1925 I have two questions: First, were Luv and Kush (Lord Rama's sons) reborn in the Dvapara Yuga, or have they been born now in the Kali Yuga? Second, is it true that Mother Sita had to enter the earth due to public slander?

Answer: Regarding your second question, it is a very painful topic, and it is better not to discuss it. As for Luv and Kush, they were great devotees who were born as the Lord's sons. After that life, they continued on the path of sages. They were devotees first, who played the role of sons, and yes, they have been born again on Earth as devotees. I will not comment on the matter concerning Mother Sita as it is a sorrowful topic.

► Watch this answer · 43:15 · 16 October 2023

Q_1926 What is the meaning of my recent dreams? I saw a Vaishnava devotee, then a holy cow, then I was climbing stairs and reached a place of bright light, and finally, I dreamt of gunfire and bombs exploding around me while I passed through safely.

Answer: Seeing a holy cow signifies the spread of dharma (righteousness). Seeing Mother Vaishno Devi means the Goddess will save the devotees during the establishment of dharma. The stairs lead to God's domain, and you had a vision of His divine light (Jyoti). The gunfire and bombs signify the great war to come. Devotees who perform Trikal Sandhya are shown glimpses of future calamities so they can be prepared.

► Watch this answer · 45:18 · 16 October 2023

Q_1927 I have a copy of the 'Sukh Sagar', which contains only the meanings from the Shrimad Bhagavat, not the original shlokas. Can I read it?

Answer: Yes, you can read the Sukh Sagar; there is no problem. It is similar to the Bhagavat. However, the Shrimad Bhagavat Mahapuran from Gita Press, Gorakhpur is also very good.

► Watch this answer · 47:35 · 16 October 2023

Q_1928 My relatives constantly criticize me with lies, which makes me very angry, and I start thinking ill of them. I perform Trikal Sandhya, but will my anger nullify its benefits?

Answer: Leave everything to God. Maintain a distance from those who dislike you and surrender the situation to Madhav. He will take care of it. In this age of Kali Yuga, people cannot bear to see others happy. Control your anger, continue your prayers, and trust that Madhav will ensure dharma prevails.

► Watch this answer · 48:12 · 16 October 2023

Q_1929 When will the satsang (spiritual gathering) be held in Kolkata?

Answer: I will be at the Kharagpur Jagannath temple from November 20th to November 26th. You can come there.

► Watch this answer · 50:03 · 16 October 2023

Q_1930 My child performs the Trikal Sandhya. I am in a dilemma, should I arrange for him to receive 'Guru Diksha' (initiation from a guru)?

Answer: In my opinion, there is no need for anything else. Just continue to teach him the Trikal Sandhya, have him listen to the Bhagavat, and chant the name of Madhav. The Kalki avatar is coming, and this is the time for the establishment of dharma. By simply remaining in this spiritual stream ('Dhara'), he will automatically come under the Lord's refuge.

► Watch this answer · 50:41 · 16 October 2023

Q_1931 You taught that before the Mahabharata war, God gave people 18 years to come to the path of dharma. Now, if 50% of people come to the path of dharma through this preaching, will the amount of impending destruction be reduced?

Answer: Yes, if 50% of people come to the path of dharma, the destruction will be reduced by half. It will definitely be reduced. Where there are righteous people, how can there be destruction?

► Watch this answer · 51:17 · 16 October 2023

Q_1932 I try to explain these teachings to my relatives, but some don't understand, which makes me sad. What should I do about this feeling?

Answer: Do not be sad. You are doing your duty (karma). It is their loss if they do not listen. You wish for the well-being of the world, so why should you be sad? We are not doing this for ourselves but for the welfare of the entire world. Whether others accept it or not is their karma. We must continue to do our karma. Do not be sad; remain joyful.

► Watch this answer · 51:53 · 16 October 2023

Q_1933 How and when did the British steal the Peacock Throne (Mayurasan) and the Kaustubha Mani jewel from India?

Answer: When the British were ruling our country, they saw these priceless, rare items and took them to their country. But Lord Kalki will go to Britain, riding on Garuda, and will bring the Kaustubha Mani and the Peacock Throne back to our nation.

► Watch this answer · 53:45 · 16 October 2023

Q_1934 Trying to change so much in such a short time is very intense, and people's behavior often makes me very angry. How does one deal with this?

Answer: Those who are meant to change will change. Those who are born for this transformation will definitely change. Those who are not, will not change no matter what is said. A person destined to change can do so in a single minute. Everything is predetermined. Everyone's history is with God, and events unfold according to His plan.

► Watch this answer · 55:13 · 16 October 2023

Q_1935 What is the significance of the 'Safed Tulsi' (White Basil), which was taken to England?

Answer: The country where the White Tulsi resides enjoys great prosperity, wealth, and development. Foreigners took it from our country. It will be brought back to our nation.

► Watch this answer · 56:28 · 16 October 2023

SESSION 109 · QUESTIONS 1936–1963

L115 - देवी मां और योगिनी गण का संहार | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 18 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1936 Pandit ji, I had a dream this morning. In the dream, we have two rooms, and in one room, I see snakes. I'm telling my husband to get them out. When he comes back after throwing a snake out, another one appears. They keep appearing one after another, and we keep throwing them out. Sometimes they are small, sometimes big. What is the meaning of this dream? The snakes were black.

Answer: Look, mother, do you perform the Trikal Sandhya (three-times-a-day prayer)? That's why God is showing you these things. 'Kaal' (the personification of time and death) is now coming to the earth. Kaal has entered every house. At this time, only those who follow dharma can see it. Since you perform the Trikal Sandhya, you were able to see it and you are removing it, so it won't harm you. If it had harmed you in the dream, it would have meant something different for you. But it does nothing; it just comes and goes. The reason is that Kaal has entered the entire world, affecting all of human civilization. And this Kaal is going to bring great disaster to people. There is no problem for you. It's fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:53 · 18 October 2023

Q 1937 Pandit ji, my countless prostrations at your feet. Tonight around 2 AM, I had a dream. In the dream, I heard the roar of the Goddess Mother in my ear, like her powerful breathing, and drums were beating continuously. I woke up at 2 AM and started chanting the Madhav mantra and the Dashavatara Stotram. What was this? Was it the Goddess Mother trying to tell me something? Could you please share your thoughts on this?

Answer: Look, the Goddess Mother is going to every house, and devotees are getting her darshan (divine vision). The reason for this is that the Goddess Mother is engaged in the act of destruction. See how much destruction is increasing in the world today, and people are suffering immense losses. The Goddess Mothers are proving that the times are not good. Those who perform Trikal Sandhya get this vision. Those who don't, who are not devoted and have not taken refuge in Madhav, will not know anything. This makes you all realize that this sacred path we preach—Trikal Sandhya, chanting Madhav's name, and reading the Bhagavat Ji—is pure and true. Such a time is coming, and devotees are getting a glimpse of it, a preview of what is to happen. You are getting the darshan of the Goddess Mother because she is engaged in her work on earth. There is no sorrow in this; it is a joy. Bow to the Goddess Mother and perform the Trikal Sandhya as I have told you. Such bad times are coming, which is why devotees are getting her darshan. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:39 · 18 October 2023

Q_1938 Pandit ji, I'm Abhishek from Bareilly. I've been having some very inauspicious dreams lately. I saw a giant Komodo dragon-like animal causing chaos, and another dream about a riot where my family was attacked but then saved. It's been 15 days since I started the Sandhya Dhara and reading the Bhagavat Purana, but I haven't had any divine dreams of Lord Madhav, only these disturbing ones. Is this an ultimatum that my end time has come?

Answer: Oh, my boy, why do you think like that? Don't think negatively. Look, such times are not just coming for you, but for the whole world. What you are seeing will manifest externally. If you see yourself dying in a dream, it means someone you know is going to die. So, this doesn't affect you; this is for the sinners. The riot you saw will happen to other people. This is what is being shown. You will get the darshan of Madhav through your devotion. God is just making you realize that bad times are coming. What you have described is going to happen. Wild animals will enter homes and kill people. As for the other thing, I have said it before and shouldn't say more as it concerns the nation's interest. But just this much: hold on to dharma and perform the Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 15:48 · 18 October 2023

Q_1939 We have spoken before. You had mentioned in the Malika that it is written about 33 crore devotees and where they will be from. I wanted to ask about myself. I am Abhishek Chauhan from Bareilly. Am I someone special to the Lord? Do I have a special contribution? I joined the Tri Sandhya Dhara by a great coincidence and had started having dreams even before that.

Answer: Okay, my boy. Take refuge in Madhav, sing praises of Madhav, and you will get his darshan. Okay? Wait for the time. Nothing bad will happen; it is good for you. Everything will be joyful. Jai Jagannath. If there was something specific, I would have told you to do this or that. But since there is nothing like that, what can I say? Okay.

► Watch this answer · 17:55 · 18 October 2023

Q_1940 Pitaji, I had a divine dream this morning. I saw Lord Madhav in the form of a catfish with a turban in a pit behind a temple. I stroked his head, and he disappeared. Then I heard a voice call 'Vasudev,' and my son Vasudev came and said the Goddess Mother was calling. We went to another temple where I saw the Goddess, about six feet tall and radiating bright light. She had no weapons and wore a long lotus garland. She came out of the sanctum and stood before me. I chanted 'Durga Madhav' and bowed, and then she moved to my left and disappeared, and I woke up at 5 AM. Could you please tell me about this?

Answer: Look, first, the vision of the Lord in the form of a fish with a turban signifies that the Lord is now causing a 'jal pralay' (great flood). A great flood and water-related destruction are going to happen all over the world. This is the sign, because in the Matsya avatar (fish incarnation), the Lord brings about the dissolution of the universe. This time it won't be a universal dissolution, but a deluge will happen. Second, the vision of the Goddess Mother, where she looked at you and then left, means that she is visiting the homes of all devotees. This happens; the Goddess Mother goes to the homes of devotees and tests them to see if they chant the name of Madhav. This all happens as proof and will only happen to devotees. The devotees connected with us are working for the Satya Yuga (Golden Age), and the Lord and Goddess Mother give them this assurance that they are on the right path. And the time of destruction is coming. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:48 · 18 October 2023

Q_1941 I am speaking from Surat, Pandit ji. We have been connected with you for six months. We are doing the Tri Sandhya and also reading the Bhagavat. We have now reached the tenth canto. We see some things in dreams, but we have not had a vision of Lord Madhav to this day. It feels like we won't be able to see him until we have your grace. So, please put in a request to God for us too, so that he listens to us and gives us his darshan.

Answer: Okay, mother. You will definitely have a vision of the Lord. Just wait for some time, you will have a vision in the future.

► Watch this answer · 22:29 · 18 October 2023

Q_1942 And there is one shortcoming on my part. My morning Madhav Tri Sandhya gets a little late. I do it between 6 and 6:30 AM. Is that a problem? I prefer to worship after bathing, not just after waking up, which is why it takes time.

Answer: You can do it even right after waking up. Just remember Mother Ganga, sprinkle water on your head three times saying 'Shri Gange, Shri Gange,' and you can do the Tri Sandhya. Otherwise, doing it after bathing is also fine.

► Watch this answer · 23:09 · 18 October 2023

Q_1943 So I can do it right after waking up by sprinkling some Ganga water. By when will I get the darshan of the Lord? I have a very strong desire to see him.

Answer: You will, mother, you definitely will. It will happen with time. Wait. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:52 · 18 October 2023

Q_1944 Pandit ji, I've seen a couple of channels on the internet saying that this Bhavishya Malika has no truth to it. They are saying a lot of negative things about you and have posted many such videos, even taking your name. They claim that even Shankaracharya ji says there is no truth in it. What is the reality behind these claims?

Answer: In every era, demons have worked against divine tasks and Sanatana Dharma. The Bhavishya Malika is the word of God. I request you to ask your own conscience: am I speaking the truth or a lie? Millions are dying, floods are happening, diseases are spreading, and signs are appearing from Jagannath Kshetra. Are these signs not calamitous? If not, what is the meaning of Sanatana? It doesn't matter what they say. The Malika states that Pandit Kashinath Mishra will propagate dharma, and that is what I am doing. This is my path to liberation. Such people will keep talking; otherwise, how will the battle between dharma and adharma happen? We have the responsibility to protect human civilization. Those who speak ill are themselves evil. Our work is to propagate dharma. They haven't even read the Malika in its original Odia language, so how would they know? We were the first to propagate this to the world. If your conscience says they are right, you are free to leave this path. If you feel our path is right, then stay. The choice is yours. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:22 · 18 October 2023

Q_1945 Pranam, Pandit ji. I want to share my experience. During your assembly in Gurdaspur, I was listening to the sermon when I felt the Lord's presence and smelled sandalwood. A few minutes later, there was a short circuit at my home. I felt a major incident was about to happen, like the whole house would catch fire. But only two things burned, and the rest of the house was safe. I feel that the Lord saved us. This is my belief.

Answer: It is a great joy, mother. See, a true devotee will surely be given a sign by God. In this world, many people will run after falsehoods instead of the truth. This is Kali Yuga. But God gives such experiences to his true devotees. I am very happy to hear your experience. It is a great joy. May God help you attain Him through your faith and devotion, and may God's grace remain upon your family. This is my prayer to God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:30 · 18 October 2023

Q_1946 Maharaj ji, I had a question. Last night I had a dream. I don't remember it fully, but I read the Shrimad Bhagavat Purana and follow the Sandhya Dhara. I often meditate on the 'Shrivatsa' mark on Lord Vishnu's chest. In the dream, I vaguely remember seeing the Shrivatsa mark on the idol of the Lord. What is the significance of this?

Answer: This means that Lord Vishnu bears the Shrivatsa mark, and seeing it is equivalent to seeing the Lord himself. By God's grace, you had this vision. It is a great joy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:07 · 18 October 2023

Q_1947 Pandit ji, since you can see everything, can you see how much Madhav ji loves me? Is his grace upon me? And if I have any shortcomings that I can correct, please tell me so that I can attain him sooner.

Answer: Okay, mother. Increase your devotion even more. Madhav ji's grace is upon you, and it will remain. You have devotion, faith, and surrender. Everything is fine. Whatever you are doing, you are doing it right. There are no such mistakes that I need to point out. Joyfully sing praises to the Lord, perform the Trikal Sandhya, and everything will be alright. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:57 · 18 October 2023

Q_1948 Pandit ji, all these diseases that are coming, will they also spread to all of us devotees?

Answer: Look, mother, if a flood comes, it doesn't distinguish between the rich and the poor. Devotees are great because of their dharma, and their place is high. Still, diseases will come to the body, stay for some time, and then go away. For the sinners, however, it will come and destroy them. Okay, mother. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:52 · 18 October 2023

Q_1949 Pandit ji, I had a son a month ago, but he is very susceptible to the evil eye ('nazar') and remains very troubled. Can you tell me why this is happening? I recite the Madhav name in his ear, but he cries a lot and is very distressed.

Answer: Where you make the baby sleep, is there a window nearby? Keep that window closed and put up a screen. He is being affected by an external gaze. For that, place a flower offered to God or a Tulsi leaf near him. And put a black 'tika' (dot) on his forehead. Nothing will happen. If it happens again, then tell me, and I will advise you further. Okay.

► Watch this answer · 34:32 · 18 October 2023

Q 1950 Pandit ji, my second question is: In the Durga Madhav Stuti, is Goddess Durga referred to as Madhav's wife? If so, how should we understand this? Many devotees of Shiva might get upset.

Answer: Look, Mother Durga is Mother Radha Rani. She is 'Prakriti Swarupini' (the form of cosmic energy). That is, Prakriti, Yogamaya, is the Lord's cosmic energy. That Yogamaya Shakti is Radha Rani, and Madhav is Krishna. It is written for their divine play (lila). Mother Durga herself was Mother Radha Rani, the authority of Yogamaya Shakti. Because from God, one is the form of nature (Prakriti) and the other is the Supreme Being (Param Brahma). Together, they become Mahavishnu. And the one who is the form of nature is Mother Radha Rani, who is also Mother Durga. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:48 · 18 October 2023

Q 1951 Pandit ji, I have a personal question. It's been six months since I joined the Dhara, but no one else in my family has. We have a lot of arguments, mainly because my brother-in-law doesn't work. My husband wants to help him set up a McDonald's franchise and wants my support. I am hesitant because I know they serve meat and fish. Should we take this step just to help him, or should we stand firm on our principles and be against it?

Answer: Look, mother, does your husband follow this path? These are very bad times. In the coming era, businesses related to hotels and restaurants are not going to do well. If you invest a lot of money now, it might run for a few days, but disasters are coming—diseases, war, natural calamities—which will cause businesses to shut down for long periods. It would be better for him to open a variety store, a medicine store, or a grocery store. Such businesses will run until the very end and will not close down. In that, there will be both dharma and employment. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 36:51 · 18 October 2023

Q 1952 My name is Vinod, from Delhi. It's been a week since I joined the Tri Sandhya. I spoke to you a few months ago and have been following your instructions. I am in great trouble; everything is ruined, my business has shut down, and I have nothing. I don't know how to raise my children. Whatever work I try to do, I incur a loss.

Answer: Okay. Look, the time you are going through right now is not very good. So, you do one thing: perform the Trikal Sandhya and continuously chant the names of Madhav and the Durga Madhav Stuti. Then, by the grace of God, you will find some good work and earn a living. Don't be sad. Wait for it; it will surely happen with time. You should read the Shrimad Bhagavat Mahapurana. Do it. God will be merciful. Wait. Okay.

► Watch this answer · 39:55 · 18 October 2023

Q_1953 I am Gita from Delhi. Two days ago, I dreamt of two snakes in a pathetic condition. Someone said they were my ancestors (pitr) and told me to take them and serve them. I did, and they became well. But then an enemy came and attacked them. What does this dream mean?

Answer: Look, mother, there are some flaws related to your ancestral realm (pitr-lok), which is why you are seeing your ancestors suffering. Because of their past karma, they return to that same state. The attack signifies their karma's effect. For the salvation of your ancestors, complete a full reading of the Shrimad Bhagavat at home within seven days. Perform this ritual with the prayer for their liberation. Your family members should do it together yourselves, without calling a priest. Do it and take refuge in God. After that, tell me what happens. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:22 · 18 October 2023

Q_1954 I am Satish Kumar Mishra. I'm in some trouble. A friend wanted to buy a second-hand car from another friend. I just connected them. They transacted money, but the seller took the money and didn't give the car. Now the buyer is holding me responsible and asking me for the money. I'm stuck in the middle. How do I get out of this?

Answer: Look, take refuge in Madhav and pray to the Lord. Nowadays, do not become a middleman for anyone. Don't do work for others, because due to the influence of Kali Yuga, all humans have become selfish and deceitful. Interact less with friends and give more time to your family and devotion to God. The times are not good. Anyway, take refuge in Madhav. Pray that with the Lord's mercy and your devotion, things will be resolved. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 43:56 · 18 October 2023

Q_1955 I want to ask about my father. His health has been poor for 10 years; his right side doesn't work properly, and he can't walk well. My mother and I are in the Dhara, but my father is a great devotee of Hanuman ji. There is no cure for his illness yet. What can be done?

Answer: Look, mother, the greatest element I have is the Trikal Sandhya. If someone performs the Trikal Sandhya and chants the name of Madhav, in my opinion, whatever the issue, there will definitely be some recovery. And if the trouble is due to some external element, like a tantric practice, it will be removed very easily. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:45 · 18 October 2023

Q_1956 I am from Nagpur. I dreamt that I went to a temple of Lord Shankar. A 22-year-old priest in orange clothes came out and gave me a neem fruit, saying, 'Take this, it will solve all your problems,' and he was very happy. What does this mean?

Answer: Look, the sacred wood ('daru') for Lord Jagannath's idol is made from the neem tree. This is a spiritual sign and God's grace upon you. Have you joined the Trikal Sandhya Dhara? The body of Lord Jagannath is made from the neem tree. This vision, coming from Lord Shankar's temple, is like a direct blessing for you to take refuge in Lord Vishnu. Okay, mother.

► Watch this answer · 47:38 · 18 October 2023

Q_1957 For a long time, I have been trying to tell my husband about what you say about the Kalki Purana, but he has absolutely no faith. His export business is not doing well, so his entire focus is on work, and he doesn't want to listen to anything else. What should I do?

Answer: Yes, mother. Right now, you see, there are problems in the Middle East, with the US, and in our business with Canada. The times are such. Still, if you want the financial condition of your house to improve, talk to Mohan. Tell him Pandit ji said to send the Mahalakshmi sutra. You and your husband should read it. With that, the financial situation of your house will change. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:06 · 18 October 2023

Q_1958 Pandit ji, you say that one should not read the Shrimad Bhagavat in bed. We live in small houses in Delhi, and a doctor has advised me against sitting on the floor for long due to leg pain. So I read daily with some back support, with my legs straight. Is there any problem with that? Can I continue reading this way?

Answer: Faith is the biggest power, mother. If you read, there is no inconvenience, no problem. You can read.

► Watch this answer · 52:51 · 18 October 2023

Q_1959 One more thing, I used to have a lot of dreams when I first joined, and I used to remember them. Now, even if I try, I can't remember my dreams. I want to share them, but I can't recall them. Is there something wrong or anything to be scared of?

Answer: No problem, mother. Many dreams come. The dream that is necessary for you, God will make you remember it. The ones that are not necessary and have no meaning, it's okay if you don't remember them. The ones that are important, God will surely make you remember. No problem. Okay.

► Watch this answer · 53:40 · 18 October 2023

Q_1960 Pandit ji, I wanted to ask, the Dashavatara Stotram, the Durga Madhav Stuti, and the 16 names of Lord Vishnu that are in the Tri Sandhya Dhara—in which text are these written? Are they in the Bhavishya Malika or some other scripture? I'm asking because I've heard the Durga Madhav Stuti for the first time.

Answer: Look, the essence of Trikal Sandhya is an element from all the scriptures, including the Shrimad Bhagavat Purana. It is a practice that the Devas, Yakshas, and Gandharvas perform daily in their respective realms. Trikal Sandhya is performed everywhere, from heaven to Vaikuntha. For salvation from the age of Kali, this is a sacred element. Those who follow this path will find it easy to go to the Satya Yuga. That is why we propagate this element. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 54:58 · 18 October 2023

Q_1961 Father, I am from Chandigarh. We attended your assembly in Gurdaspur. On our way back by bus, during heavy rain, our bus had a very bad accident and almost overturned. It was a terrible trauma, and I'm still shaken. I don't understand if we made some mistake, or if Madhav ji saved us. Please guide me.

Answer: First, tell me, are you all okay? Did anyone get hurt? (She says not even a scratch). Look, mother, God saved you all from that accident. Because you were on that bus, people were saved. If even one righteous person is on the boat of dharma, others are saved. Even today, our musicians' bus had a tire burst, yet nothing happened. They told me, 'See, Madhav is saving us.' Mother, wherever you are in trouble, the Lord will save you. Because you had come to the Lord's sermon, what could happen to you? God is with you. There is no fear. Go with joy, chant the name of Madhav, nothing will happen to you. You were saved from a great calamity. Okay.

► Watch this answer · 56:13 · 18 October 2023

Q_1962 Pandit ji, yesterday I dreamt that my wife and I were searching for food during a time of scarcity. We found a vehicle with potatoes and tomatoes, took some, and went to a field to plant them. We found a place that was half water and half dry and started planting them there before I woke up around 4:30 AM. What does this mean?

Answer: Look, my boy, in the coming times, there will be a shortage of food—potatoes, tomatoes, grains, wheat. People will face trouble because of this. This dream confirms it. It is also written in the Bhavishya Malika that people will not get food to eat in the future. Devotees who chant the Lord's name get such visions and information before these times come. There is no negative element for you in this. Such a time is coming. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 58:20 · 18 October 2023

Q 1963 Pandit ji, when I try to meditate, my mind keeps wandering. I am unable to concentrate.

Answer: Look, by repeatedly chanting the name of Madhav, the mind will become steady and stable. How long have you been practicing Trikal Sandhya? (He says 2.5-3 months). Okay, no problem. Whenever you have free time during the day, chant the name of Madhav in your mind and visualize Lord Krishna within. After doing this for about a month, your mind will become stable. The restlessness will go away. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:00:26 · 18 October 2023

SESSION 110 · QUESTIONS 1964–1985

L116 - बार बार भूकंप आना किस आपदा का संकेत है ? | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 24 October 2023 · Watch the full session ↗

Q_1964 Pandit ji, my question is, when the Mother tests her devotees, she will ask for the 'Brahma Ekaksh Mantra' (the single-syllable mantra of Brahma). Is this mantra 'Om', 'Kleem', 'Kreem', or which mantra will be asked of us?

Answer: Look, the 'Brahma Ekaksh' is of two types: one that is chanted aloud (Japa) and one that is not (Ajapa). According to the Oriya scriptures, the essence of Brahma is chanted internally. Externally, what I tell you is the name 'Madhav'. The name 'Madhav' itself is the syllable of Brahma. Chant it for salvation from the Kali Yuga.

► Watch this answer · 12:10 · 24 October 2023

Q_1965 I have a question. What will happen in the new year, 2024?

Answer: The new year will be joyful for devotees. Their religious feelings will grow, and more people will move towards dharma (righteousness). In 2024, more people will turn to dharma than in 2023, although some will also go astray. Simultaneously, the great cataclysm of the five elements will trouble humanity, especially floods, fire, and earthquakes. Animosity will increase worldwide. People and nations will move towards war, and several new war fronts will open. So, such a time is coming. While the times are getting worse, people are also turning towards dharma. On one hand, righteousness grows, and on the other, sin also increases. It will continue like this.

► Watch this answer · 13:06 · 24 October 2023

Q_1966 On Durga Ashtami in Bikaner, between 9 and 10 AM, there was a terrifying sound. Many people are calling it the 'Bhairavi Daak' (Call of Bhairavi), which was also heard in Odisha. What was that sound? It seemed like lightning, but it probably wasn't.

Answer: Look, the 'Bhairavi Daak' has not happened yet. What you heard was all the gods and goddesses calling to each other, making their sounds for the establishment of righteousness (dharma). If the true Bhairavi call had occurred, people would have died. The great roar of Mother Bhairavi has not yet descended upon the Earth. Right now, the various Mother Goddesses in villages, cities, and countries are communicating with each other. When the time for Kaal Bhairavi's roar comes, people will die just from hearing it. Some will turn black, some will go deaf, some will die, some will go mad, and some will fall unconscious. This has not happened yet; it will happen in the future. The time is not yet here. Devotees will not hear it; only sinners will. The Mother's call will be heard by sinners, who will be tormented, while devotees will remain in bliss. It has not happened yet, but it will.

► Watch this answer · 14:37 · 24 October 2023

Q_1967 I want to know, on the path of devotion, what should one do to open their divine sight (divya drishti), other than practicing Trikal Sandhya?

Answer: You can only progress through Trikal Sandhya. You practice it yourself, so you must have experienced the element of purity it brings to your mind. In my view, there is no other practice that can take you from a human state to a divine one. That is the only way. Hold on to that practice. If you perform Trikal Sandhya three times a day, God's grace will be upon you.

► Watch this answer · 16:46 · 24 October 2023

Q_1968 Are all the people who read the Srimad Bhagavatam, chant holy names, practice Trikal Sandhya, and are part of the Sudharma Sangha considered true devotees?

Answer: No. Look, the distinction between a devotee and a non-devotee is ultimately up to God. However, I can say that many people practice Trikal Sandhya out of fear while simultaneously engaging in wrongful acts. If their evil deeds outweigh the purifying effect of Trikal Sandhya, how can they become devotees? So, not all of them are true devotees. Thousands of people are practicing, a very large number. The current guidance is for everyone to practice Trikal Sandhya for three years. After that period, it will become clear who the true devotees are.

► Watch this answer · 17:40 · 24 October 2023

Q_1969 I have another question, Guruji. You mentioned virtues like compassion, forgiveness, and peace ('shanti'). As college students, we have fun and joke around with friends. How are we supposed to practice this 'peace'?

Answer: Peace means that an atmosphere of tranquility should emanate from your words. It should be reflected in your language, actions, and conduct—at home, in society, and at your educational institution. A calm, gentle, and pure person is defined by their speech. Therefore, control your words. Speak only when necessary. Chant the names of Ram, Krishna, and the greatest name, Madhav. And practice Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 18:46 · 24 October 2023

Q_1970 I joined the Madhav Prabhu family two months ago and have given up non-vegetarian food. However, my daughter still eats eggs, and I have to cook and handle them for my family. How can I properly practice Trikal Sandhya in this situation? Also, how can I convince my family to join this path, as they are unwilling to believe in it?

Answer: First, I thank you for holding onto your principles in such a challenging environment. People like you who pass God's tests are rare. A time will come... the people of Kolkata are devotees of Lord Jagannath and know the tradition of Chaitanya Mahaprabhu. If fish and eggs are not offered in the Jagannath temple, your family should also think, 'If the Lord doesn't eat it, why should we?' Even if they continue, with the great calamity that is approaching the Earth, they will eventually give it up. You have made a start. Continue your Trikal Sandhya. Do it in your room, on the rooftop, or in any secluded place you can find. It's alright. Every person will face the consequences of their own actions. Eating an egg is like killing an embryo (feticide). The sin is comparable to aborting a child in the womb. People will eventually understand. Don't be sad and don't pressure anyone. Next month, there is a discourse in Kherpur. If you and your family can attend, I believe some of them will surely have a change of heart.

► Watch this answer · 19:58 · 24 October 2023

Q_1971 Guruji, where are you located? I would like to meet you in person.

Answer: You are already seeing me now! Look, son, I will be in Ayodhya from March 2nd for a seven-day discourse on the Srimad Bhagavatam and Bhavishya Purana. You can come then, and we can meet and talk. There will also be events in Gujarat in December, and in Delhi and Rajasthan in January. In UP, there will be a discourse in Sri Vrindavan. The schedule is fixed until March. If it is convenient and you have the means, you are welcome to come. Otherwise, you can speak with our representatives to make arrangements.

► Watch this answer · 23:11 · 24 October 2023

Q_1972 My health is poor, and I had to move back to my village. How will I be able to meet you?

Answer: It's alright. We will surely meet when the time is right. For now, practice Trikal Sandhya and spread its message to others. Tell everyone about it. People of any religion or faith can practice Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 25:05 · 24 October 2023

Q_1973 [When I try to spread the message of Trikal Sandhya,] people say it's all false. [What should I do?]

Answer: Yes, that is true. Not everyone is righteous, nor is it in everyone's destiny to accept this path. Not everyone is a saint. The people who call it false are, in a way, correct from their perspective. 70% of people will dismiss it. Perhaps only 15% will accept it, and they are the fortunate ones. Don't worry about what others say. You just continue your practice. We will meet again.

► Watch this answer · 25:38 · 24 October 2023

Q_1974 When will the Sudarshan Chakra manifest in the Kali Yuga, and what will its purpose be?

Answer: Listen. The Sudarshan Chakra is already manifest; devotees can see it with their inner eye, the eye of knowledge and devotion. Wherever God's destruction takes place, the wheel of time (Kaal Chakra) is at work. It is never openly visible. Perhaps only one devotee in many billions has ever had a direct vision of it. It moves in secret, carrying out destruction, and it will continue to do so.

► Watch this answer · 26:17 · 24 October 2023

Q_1975 I have a job, and because of my work schedule, I can only manage to do the Sandhya prayer once a day, not three times. Also, I can't memorize the Dasha Avatara Stotram and Vishnu Sahasranama, so I just read them from a text. Is this okay?

Answer: Listen. For the prayers, you can write them down, use a PDF, or take a printout and read from it. If you sit and read it regularly, it will eventually be committed to memory. However, you must perform the Trikal Sandhya (three-times prayer). We eat three or four meals a day, spending about 15 minutes on each. Think of this prayer as spiritual food, food that will purify you and prepare you to be a person of the Satya Yuga (Age of Truth). You must partake of this as well. It's very good that you are doing it once, but try to do the other two times as well.

► Watch this answer · 27:37 · 24 October 2023

Q_1976 In the 'Durga Madhav Stuti' (praise), it seems to describe Madhav's form as being that of Durga. Could you clarify the meaning of 'Durga Madhav'?

Answer: Look, Mother Durga is Yogamaya (the divine power of illusion). It is with the power of this Yogamaya that the Lord establishes righteousness (dharma). Madhav is Krishna. Both Krishna and Mother Yogamaya will work together to establish dharma throughout the world. That is why we chant the 'Durga Madhav Stuti'.

► Watch this answer · 29:13 · 24 October 2023

Q_1977 Will Lord Madhav grant his devotees the 'Vishwaroop Darshan' (the vision of His universal form) this time?

Answer: Look, only Arjuna was granted the vision of the universal form. According to the scriptures, perhaps no one else has ever seen that complete, magnificent form. The Kali Yuga will end, but people will not get to see God's universal form, His true nature. Of course, if someone takes refuge in God with deep devotion, that is a different matter. We have not performed the kind of penance or righteous acts that Arjuna did, so it is not possible for all devotees to receive this vision simultaneously. Moreover, there is no need for the Lord to reveal that form now. It was necessary for Arjuna at that time, which is why the Lord showed it. So, don't expect that. Just continue practicing Trikal Sandhya, devotion, and chanting Madhav's name, and everything will be alright.

► Watch this answer · 30:26 · 24 October 2023

Q_1978 (Implicit) I have had many dreams and visions of the Lord and the Mother. What is the meaning of these experiences?

Answer: This is a sign of your purity. Those who have true devotion will certainly receive the Lord's vision. However, these experiences are a sacred secret. In my opinion, it is not right to publicize them too much. Continue chanting the holy names and practicing Trikal Sandhya. Devotees do receive such visions, but this is a public forum. If you share these things openly, some people will understand, but many will not. Some will speak well of it, others will speak ill. It's better to keep these experiences private.

► Watch this answer · 31:40 · 24 October 2023

Q_1979 I've been practicing Trikal Sandhya for about six or seven months. For the first few months, everything was fine, but recently I've been feeling unwell. Medical tests show nothing wrong, and medicine doesn't help. I've stopped the medicine and am focusing on my practice. What should I do?

Answer: Look, whatever illness we experience in the body is due to our 'prarabdha' (karma from past lives). Continue practicing Trikal Sandhya, read the Srimad Bhagavatam, and follow the instructions I have given. In my view, with time, you may receive God's grace.

► Watch this answer · 42:10 · 24 October 2023

Q_1980 You emphasize protecting Mother Cow, but in my country, Nepal, people mostly raise buffaloes because they produce more milk. What do the scriptures say about this, and what are your thoughts?

Answer: Due to the influence of the Kali Yuga, raising buffaloes has become more common in all countries. This is simply a characteristic of the current age. In the Satya Yuga (Age of Truth), the service, worship, and care of Mother Cow will be more prevalent.

► Watch this answer · 43:10 · 24 October 2023

Q_1981 I had a dream where I was on the first floor of a hotel, and there were 20-30 snakes outside every room. I walked among them, and none of them tried to bite or harm me. I've never dreamt of so many snakes before. What does this mean?

Answer: This means that 'Kaal' (the personification of time and death) is roaming everywhere in the world. It will not harm the devotees but will bring about the destruction of sinners.

► Watch this answer · 43:48 · 24 October 2023

Q_1982 (Implicit) My mother dreamt of a snake, and on the same day, two separate inauspicious events involving pigeons happened in our family. What is the meaning of these connected events?

Answer: Look, the current times are not good. Seeing a snake, which is a form of 'Kaal' (time/death), signifies problems for people. It is an indication of the coming times, a sign that calamity is approaching the world. For devotees who have such dreams or visions, I believe it is a warning. It is a warning about the changing, difficult times ahead. Such omens can appear both inside and outside the home, and if one person in the family has such a dream, it is a sign for everyone.

► Watch this answer · 44:47 · 24 October 2023

Q_1983 As these difficult times are approaching, how can we increase our devotion?

Answer: As I have said, by practicing Trikal Sandhya and reading the Srimad Bhagavatam, you will attain all nine forms of devotion ('Navadha Bhakti'). This includes devotion through knowledge, love, and chanting the holy names. If you want to increase your devotion quickly, repeatedly read the chapters on the 'Gopi Lila' (the pastimes of the Gopis) from the tenth canto of the Srimad Bhagavatam. After reading it for a month, your devotion will increase greatly.

► Watch this answer · 46:26 · 24 October 2023

Q_1984 Will the Lord come to Kannauj?

Answer: I do not know for sure, but he will certainly visit Kannauj as it is a holy place. The Lord will tour all the pilgrimage sites in India, including Kannauj. But understand, the power of a devotee's devotion is paramount. We are receiving guidance and protection for the future. So, continue chanting the name of Madhav. It doesn't matter where the Lord will physically appear. Wherever a devotee chants with devotion, the Lord is present there. This isn't like a political visit; it's a divine connection. The Lord personally goes to wherever there is true devotion.

► Watch this answer · 47:33 · 24 October 2023

Q_1985 On the seventh day of Navaratri, while I was offering a garland to the idol of Mother Kali, a bangle fell from her hand and broke. Then, a second bangle fell, but this one was intact. I kept it as a blessing. What is the meaning of this?

Answer: Through this, the Mother is giving a sign. It means that in the coming times, many women in the world will be widowed, and many people will die. However, she gave you a blessing. The bangle that fell but did not break signifies that the devotees will be protected. Your devotion will be saved, and so will the devotee's husband.

► Watch this answer · 48:50 · 24 October 2023

SESSION 111 · QUESTIONS 1986–2011

L117 - श्री जगन्नाथ संस्कृति की उत्पत्ति ? | पण्डित काशीनाथ मिश्र जी

Date: 30 October 2023 · Watch the full session ↗

Q 1986 Pandit ji, I have a question about Brahma Gyan (divine knowledge). In the Bhagavad Gita, the Lord says that whoever remembers me at the time of death directly attains my abode. However, our Sadguru, whom I don't want to name, is currently in Jodhpur jail in connection with a case. He is a saint with Brahma Gyan, and he says that after attaining Brahma Gyan, one gets moksha (liberation) directly. So, Pandit ji, is the situation of a person attaining the Lord's abode by chanting the name of Narayan or Ram at the end of their life different from attaining Brahma Gyan, or are they the same?

Answer: Look, let's first go by the scriptures. According to the scriptures, Sukdev attained Brahma Gyan. Sukdev was the first listener of the Srimad Bhagavatam, and through his sacred stream, we are listening to the Bhagavatam today. He received Brahma Gyan from Lord Shiva. Lomash Muni on Sumeru mountain also attained Brahma Gyan; he is immortal. Kaga Bhusundi is also described as immortal and residing on Sumeru mountain, having attained Brahma Gyan. So, one who attains Brahma Gyan does not die. They can take any form at will, they can do anything, meaning they are beyond the gods. But when it comes to mukti (liberation) or moksha, that is different. If someone attains moksha, they go to Goloka Vaikuntha. And how is moksha attained? It is said that after accumulating the fruits of good deeds over many births, when the karma becomes pure, the sages and saints perform actions and make efforts in every birth. They carry that karma to the next birth, and then the next. After that, when death comes in the final birth, if the name of Ram or Krishna or the Lord comes to one's lips at the final moment, one attains liberation. For that, one has to take birth again and again and perform actions again and again. But the Gita also says that if a person, even while living in the world, loves me, surrenders everything to me, and always performs selfless actions without attachment to the fruits of their actions, and constantly chants the Lord's name, then when they die, they also attain liberation easily, in a very short time, in one lifetime. They get a place in Vaikuntha or Goloka. This is the grace of the Lord through karma. Therefore, karma is necessary. No matter how much knowledge one gains or how great a scholar one becomes, one does not attain Goloka Vaikuntha or moksha through that. Brahma Gyan, as I said, is beyond the gods. To attain liberation, we must perform karma, and that karma should be connected to Lord Krishna. Those who are connected to Krishna, who love and are devoted to Krishna, and who constantly consider Krishna their everything, upon their death, they attain Krishna's abode, which is called liberation.

▶ Watch this answer · 07:07 · 30 October 2023

Q 1987 I have two questions. First, my name is Jayesh. I have spoken to you before about my Capricorn sign; my astrologer says a good time will come in 2025, but you say a dangerous time will come in 2025-26. My second question is, I am also associated with ISKCON, and there is a philosophy there that I never understand. They say that Vishnu and Mahavishnu also come from Sri Krishna, but I have always heard that Sri Krishna is an avatar of Lord Vishnu. So, there seems to be a bit of a contradiction in this.

Answer: Look, the scripture says, 'Ete Cāṁśa-kalāḥ puṁsaḥ kṛṣṇas tu bhagavān svayam' (All of the above-mentioned incarnations are either plenary portions or portions of the plenary portions of the Lord, but Lord Śrī Kṛṣṇa is the original Personality of Godhead). Who is the Supreme Lord Himself? Mahavishnu. And there is no difference in this. It is due to our human ignorance that some people say such things, but in reality, the one who is Krishna is also Vishnu. There is no difference between them. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:00 · 30 October 2023

Q 1988 Pandit ji, I perform Maitri Sandhya. In my dreams, I have seen myself flying in the sky many times. What does this mean?

Answer: Look, our tradition of Trikal Sandhya is a sacred element to take humanity from Kali Yuga to Satya Yuga. Secondly, it is the greatest tradition for humans to attain moksha (liberation) and Vaikuntha (the Lord's abode). Those who follow this principle will come to know about the future and the present. And when Satya Yuga is established, people will not need any transportation system to travel. People will be able to travel anywhere at will, by walking on water or flying in the sky. Those who practice Trikal Sandhya get visions that the times are about to change; it shows them the future. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:18 · 30 October 2023

Q 1989 My sister, Panchal, is facing obstacles in her engagement. Why is this happening, Pandit ji? She performs Stri Sandhya and also reads the Bhagavatam.

Answer: There is a minor Mangal dosha (an astrological affliction). Do one thing for her. Tell her to read about Lord Krishna's Gopi Leela (divine plays with the cowherd girls). And also, keeping the image of Bal Govind (young Krishna) in her heart, she should perform the Trikal Sandhya as I have described, and read a little about the Gopi Leela. And if possible, tell her to offer some food to a cow.

► Watch this answer · 13:55 · 30 October 2023

Q 1990 So, I wanted to know by when it will happen, or if it will happen at all.

Answer: It will happen. Look, ma'am, it will happen by this year, 2024. There's no problem. Do this much, and it will happen. It might even happen soon. Yes, a proposal will come and it will be finalized. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:32 · 30 October 2023

Q_1991 My question is, and I am always disturbed by it, in this Kali Yuga, does one incur sin merely by thinking of an act? For example, if we feel like consuming alcohol and we calm our mind, or if we feel the desire for a woman and we calm our mind. Or does the sin apply only when we perform the act? Please guide me, Maharaj ji.

Answer: Look, just as this thought comes to your mind, it also comes to the minds of many people in this material world. I'll give you an example. When we are driving on the road, many vehicles are moving, and there is always a probability of an accident, but it doesn't happen to everyone. If the car is controlled well before an accident, it is saved. Similarly, a human's karma and mentality are like that moving car. Our mind has three aspects: a 'suman' (good mind), a 'viman' (averse mind), and a 'kuman' (evil mind). The 'suman' always wants to do good deeds. The 'viman' is averse to success, and the 'kuman' leads to evil deeds. If we can control that car with the purity of our mind so that no evil occurs, then no sin is incurred at all, because it's a natural thing. Such thoughts come even to the minds of sages and saints, and they control them, just as you do. So be happy, there is no sin in this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:03 · 30 October 2023

Q_1992 I heard the first question about the guru who is a Brahmajnani in Jodhpur jail. I know him and have heard his sermons; he is a good guru and has done a lot of social service like opening orphanages and old age homes. So, is it that even if a guru is doing the work of imparting knowledge to good people, does that guru also have to suffer their prarabdha (destined karma)?

Answer: Look, a guru is a guru. A guru should be respected like God. In this world, every guru should be respected because the lineage of gurus helps humanity and gives people direction. Many such holy gurus have come to this earth and brought about many changes, transforming people. I respect all gurus. And I also wish that anyone who is in a guru tradition, if their conscience says it is right, they should follow it happily. And by following the rules of the guru, they will develop love for Lord Krishna.

► Watch this answer · 16:58 · 30 October 2023

Q_1993 Pandit ji, it is written in the Bhavishya Malika book that it is the first part. When will the second part be released?

Answer: The second part is in progress. You will get it.

► Watch this answer · 18:18 · 30 October 2023

Q.1994 After 2022, when Dharma is established and Satya Yuga begins... there were demons in other Satya Yugas as well, so will there be demons in this Satya Yuga too?

Answer: No, there were demons then. This is a very valuable and good question. Look, the yuga cycle is different. There are four yugas: Satya, Treta, Dvapara, and Kali. And there is one more yuga, the yuga of devotees and God, which we call Ananta Yuga (Infinite Yuga), also known as Sangam Yuga (Confluence Yuga). That Ananta Yuga comes after Kali Yuga. It is a gathering of devotees from all four yugas. In it, there are no demons and no sins. There are only devotees and God. The yuga runs with both of them together for a thousand years. It is called Ananta Yuga. And in Ananta Yuga, there will be no demons. Everyone will be a loving devotee of Lord Vishnu. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:51 · 30 October 2023

Q.1995 Father, my question is, the joy I get from reading two or three chapters of the Srimad Bhagavatam is the same amount of joy I get from a few bhajans of Lord Shri Ram or from a small leela (divine play) of his. So, what should I do? Should I give more importance to the Ramcharitmanas and the leelas of Lord Shri Ram, or to the Srimad Bhagavatam? I have a little dilemma.

Answer: By chanting the name of Lord Shri Ram, a person finds peace. This is a sacred element. The name of Ram is the cause of peace. You should read the Ramcharitmanas, it brings great joy. Every Sanatani should read it because it is our sacred heritage, received by the grace of God. However, by reading the Bhagavatam, a person's lifespan will increase. And in the yuga we are heading towards, the Bhagavatam will be read in every home. Everyone will read the Bhagavatam and become people of Satya Yuga. So, according to the yuga, it is necessary for us to act. If anyone wants to become a person of Satya Yuga, they will have to read the Bhagavatam. That is why I am telling you, this is the need of the time. Because Satya Yuga is coming. If you start reading it beforehand, God's grace will increase. The grace of Ram will also be there, and along with reading the Bhagavatam, chant 'Ram'. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:00 · 30 October 2023

Q_1996 My friends and relatives, even after I share so much with them, they give the same reason: 'The same thing was predicted for 2012.' So how can I explain it to them?

Answer: I will tell you about 2012. We have much more information than you do. In 2012, an asteroid was heading towards Earth, and NASA and all the scientists were certain it would collide, causing a great catastrophe and wiping out human society. This information was known in all countries of the world. But God stopped it. NASA couldn't figure it out. Lord Kalki, on that very day at 12 midnight, protected the Earth and kept that asteroid away. The asteroid then passed close to the Earth, which NASA did not know. We know this. So, for the people who say nothing happened in 2012, we know the proof. On that day, God saved this Earth, which is why we are here today. And next time, this asteroid will collide with the Earth. I had mentioned this 14 months ago. Look, for devotees, knowledge isn't needed. Devotion to God and faith in the scriptures is what matters. Those who are not devotees, the 'wise ones' of Kali Yuga, will say all sorts of things. But we have information that in 2012, God protected the Earth, which NASA did not find out. So, wait for the time. At that time, there will be destruction. Then what will people say? We have no argument with anyone. We want the welfare of human civilization. God wants the salvation of humanity. That is why we are doing this work. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:49 · 30 October 2023

Q_1997 Pandit ji, I have two questions. First, they say that Venkateswara Swamy is the avatar of Kali Yuga. You say the Kalki avatar is coming from the Jagannath Temple. So, what is the purpose of Venkateswara Swamy's incarnation? Why is he there? Please answer this first.

Answer: Venkateswara Swamy, Tirupati ji, the one in Badrinath, they are all Jagannath. They are all one. And if it is written in some scripture that Venkateswara Swamy is Jagannath, it is to make you understand and for the purity of your devotional feelings. God is present in the world in many forms, but He is one. And he is the Kalki avatar. What difference is there? Why think this way and that? God has many names, many avatars, many forms, and many abodes. But when he incarnates, all of them are from his divine power.

► Watch this answer · 24:58 · 30 October 2023

Q_1998 Father, the day before yesterday, I had a dream in the early morning. I was sitting in a big hall, and I was asked to recite the Tri Sandhya, which I did. After a little while, a motherly figure, who looked like a teacher, told me to teach the Tri Sandhya to everyone else there. When I started teaching them, I was stuttering repeatedly. Then I suddenly woke up.

Answer: Look, in the coming times, the Divine Mother will test the devotees on their Tri Sandhya, and perhaps she has already tested you. The time will come when all devotees will be seated in a hall and tested. This will all happen at the final time of destruction. So, God has shown you this. Dreams seen during Brahma Muhurta (the pre-dawn hours) are true, and such a test will happen. That is why we tell people to practice Trikal Sandhya and live joyfully. It is for the welfare of humanity, it is God's grace, a boon. You passed that test. The second part, about teaching others where you got stuck, means that in the work of propagating dharma, perhaps you need to do something more or better. The Divine Mother has shown you just that.

► Watch this answer · 27:09 · 30 October 2023

Q_1999 Please bless me so that I can do the work properly, without any errors on my part.

Answer: Shri Madhav, Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 28:44 · 30 October 2023

Q_2000 Sir, ever since I have learned about the Bhavishya Malika, my interest in marriage has gone. I am of marriageable age, and so is my older sister. We have no interest in getting married now. It feels like we should do nothing but perform Tri Sandhya and serve the Lord. Can you tell us what Lord Madhav has planned for us?

Answer: Look, my child, I'll tell you. Perform your worldly duties, get married, do everything. Because God-realization happens through worldly life. The life of a householder is the greatest form of renunciation, as stated in the scriptures. Therefore, perform Trikal Sandhya, get married, and live happily. Fulfill your family duties at home, maintain good relationships with everyone, and when you get time, practice the Maitrika Sandhya as I have described.

► Watch this answer · 28:54 · 30 October 2023

Q_2001 Where has Lord Madhav planned our marriage proposal?

Answer: Your marriage proposal... look, my child, keep trying. You have your parents. By God's grace, it will come. Okay.

► Watch this answer · 29:58 · 30 October 2023

Q_2002 I had a question. As it is mentioned in the Malika that our PM Narendra Modi was Pitamaha Bhishma in his previous life, and Lal Bahadur Shastri was Yudhishthira in the Dvapara Yuga. So, Father, you are also doing such great work, giving discourses on the Malika. You must have also been with the Lord before, in the Dvapara Yuga or Treta Yuga. Do you have any such information?

Answer: Look, my child, it is not good to discuss this matter publicly. We will discuss this separately sometime. Because, you see, there are some secret matters that should not be discussed, especially with today's social media.

► Watch this answer · 30:19 · 30 October 2023

Q_2003 I have an important question. A few days ago, I heard in this Google Meet that a woman had a dream about 'Shwet Tulsi' (White Basil). You said that Mahaprabhu ji will later bring the Shwet Tulsi from London. To identify the Shwet Tulsi, what are its characteristics?

Answer: Look, the Shwet Tulsi plant is like milk. It is an element from the beginning of Satya Yuga. When the Nitya Yuga begins, that element will have to come to India. It looks like a regular Tulsi plant, but with slightly larger leaves, and its color is completely like milk. Its presence brings welfare, happiness, and peace to the world.

► Watch this answer · 31:47 · 30 October 2023

Q_2004 Are its leaves white?

Answer: Look, its leaves are rare even for the gods. Never mind, we will talk about it when it comes.

► Watch this answer · 32:55 · 30 October 2023

Q_2005 I have recently ordered a Narmadeshwar Shivling, and a Panchmukhi Rudraksha came with it. Can girls wear Rudraksha?

Answer: According to my principles, there is no rule for girls to wear Rudraksha. It is better if they can worship it. In my opinion, not everyone is meant to wear Rudraksha. Only those who perform Trisandhya and observe celibacy are fit to wear Rudraksha. But nowadays it has become a fashion, and everyone wears it. However, in my view, it is better to worship the Rudraksha and keep it near Lord Shankar. That is very good.

► Watch this answer · 33:25 · 30 October 2023

Q_2006 Last month I spoke to you about my son and my home. But now, during Navratri, very strange shapes were forming in the flame of the lamp every day. One night, the smoke from the incense I lit formed a large circle that moved around the house, but it vanished when I tried to record it. Then, as I was leaving to pick up my son from his hostel, the entire arrangement of my Radha Krishna idols, depicting the Raas Leela, fell with a loud crash. The idols were fine, but everything else fell. This Navratri has been full of such signs, and twice my clothes were torn when I came out of my home temple after puja. What is the meaning of all these strange occurrences happening in my house?

Answer: This is a sign of some bad times. Don't worry, you perform Trikal Sandhya, so pray to God. Do you have any enemies? Even if they are doing something, because you are performing Trikal Sandhya, its effect cannot reach you or harm you. Trikal Sandhya is such a powerful element that it is greater than any penance. That's why their influence cannot spread to you. Continue performing the Sandhya, and read the Srimad Bhagavatam twice a day. Read one chapter of the Bhagavatam as per your regular practice, and read the tenth canto of Lord Krishna twice.

► Watch this answer · 34:23 · 30 October 2023

Q_2007 Pandit ji, you mentioned in your discourse that Lord Jagannath is a symbol of three religions. Can you elaborate?

Answer: Not three religions, He is the symbol of all religions of the countless universes. That is why once a year, the Patita Pavana Ratha Jatra (chariot festival) takes place. Regardless of caste, religion, or creed, people of any religion or faith can hold the rope of His chariot and pull it. They can have his darshan (sight) and receive his prasad (consecrated food). That is why Lord Jagannath comes out of the temple to give darshan to everyone. People of any caste or religion in the universe can have his darshan. That is why He is the confluence of all religions.

► Watch this answer · 37:13 · 30 October 2023

Q_2008 Pandit ji, you had also mentioned the symbol of the Christian religion, the cross. Where is that on Lord Jagannath?

Answer: Look, it is not necessary for me to point this out. I had not taken the name of any specific religion. The Lord is the universe, and his qualities and glory are omnipresent. He is the one deity in the world who comes out in a chariot festival, and people of all religions pull the Lord's chariot, have his darshan, and make offerings. He comes out because it is written in the Puranas that the Lord leaves the temple for the salvation of all humans in all universes, as many people are unable to enter the temple for various reasons. That is the essence of it. It is not necessary to think too much about it. Understand as much as you can.

► Watch this answer · 38:09 · 30 October 2023

Q_2009 Pandit ji, you had said that if people even now stop sinning and follow the path of dharma, then God will not need to intervene to re-establish dharma (implying the destructive phase won't happen). Is such a thing possible?

Answer: This is completely true. If people turn towards truthfulness, if those who perform Trikal Sandhya and chant God's name and live in righteousness move towards Satya Yuga... if everyone does it, then Satya Yuga will be established. Why wouldn't it be? God is always forgiving. There is still time.

► Watch this answer · 39:13 · 30 October 2023

Q_2010 Pandit ji, God has already arrived on Earth, so then this devotion...

Answer: Whether God will come or not... He is about to come. I will say this much: the transition to Satya Yuga is going to happen, the darshan of God is going to happen, and the union of God and devotees is going to happen, according to the Malika scriptures. For that, devotion, surrender, and the vision of one's own inner self are necessary. I will not deliberate further on this line of thought.

► Watch this answer · 39:51 · 30 October 2023

Q_2011 Maharaj ji, a question is arising in the minds of many people: what is the significance of the recent lunar eclipse at the international or national level? Please guide us.

Answer: Look, the lunar eclipse that happened at this time... such things also happened during previous yuga transitions, and it is happening now as well. And you can see it very clearly: a big world war is going to happen. That's it. What do we have to do with it? We came alone, we will go alone. Let's do good deeds, take refuge in the Lord, follow the path, and work for the welfare of humanity and the entire world. Okay. Regarding this, why should we tell people? It is not our goal to tell people what will happen. Our goal is the salvation of humanity. That is our purpose. If we tell other things, people will talk and get scared. So what is the need for that? That's why we don't. We only tell what is necessary and good for you.

► Watch this answer · 40:26 · 30 October 2023

SESSION 112 · QUESTIONS 2012–2041

L119 - विश्व के लिए 2024 कैसा होगा? | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी

Date: 02 January 2024 · Watch the full session ↗

Q_2012 I have a question and a request. The question is, for the past week, a new COVID JN variant has emerged with over 4,000 cases. Will there be another lockdown?

Answer: First, regarding the request about Google Meet, I apologize. I have been very busy with Bhagwat Katha events. I was in Rajkot, then I have an event in Delhi, then Rajasthan, so I am completely occupied. I will try to come on Google Meet in February. As for your question, January and February are not that bad, nor is March. But some changes might come in April, May, and June. It may or may not happen, but it won't be a major issue at this time. Whatever is to happen will be in the years 2025 and 2026; we expect it might be in 2026. So, for these four months—April, May, June, and July—be a little cautious.

► Watch this answer · 09:32 · 02 January 2024

Q_2013 You say we should give charity, but to whom should we give it? Sometimes people on the street beg for money, but they might use it for alcohol or drugs. That kind of charity isn't good, is it? It becomes a 'tamasic' (ignorant) donation. So how do we identify the right person to donate to?

Answer: Look, you should donate when your conscience (vivek) tells you to. Ask your conscience, and if it agrees, then give without any problem. And look for people who are disabled, handicapped, who have no means, or who don't have the strength to work. Help such people and also help senior citizens. Donate after consulting your conscience. Donate for the welfare of cows and for other animals and living beings. Do it this way.

► Watch this answer · 12:09 · 02 January 2024

Q_2014 Guruji, my question is, I have two small children who are 9 years old. They cannot perform the Tri-Sandhya (three-times-a-day prayers) right now because children's minds are restless. So how should I handle this for them? For a mother, her children are precious. If I perform it, will my children get the merit (punya)?

Answer: Look, the mother's merit will surely be passed on, but only about 10%, not more. A mother's duty is that when you perform Tri-Sandhya, you should make your children sit next to you and listen. Tell them about the divine plays and glory of God. Gradually, the children will form an emotional attachment. Once they are attached, they will keep asking for more. We can change children in less time than it takes to change adults because the purity of a child's mind and their mental force is very fast. They change very quickly. So, make your children sit with you, teach them, and let them listen. It will be good for them, and they will also change with time.

► Watch this answer · 13:17 · 02 January 2024

Q_2015 Hello Pandit ji, my question is about the sinful souls whose bodies the Lord will destroy, and those who will take refuge in the Lord. After their bodies perish, what will be their fate? I want to know about this.

Answer: Those who have an untimely or unnatural death (ap-mrityu) will not attain liberation (mukti). They will wander as ghosts and spirits because it is difficult for humans to be saved from an unnatural death. No matter how many purification rituals or funeral rites (shraadh) are performed for them, it is difficult for them to receive the benefits. Mostly, it is the sinners who face unnatural deaths. The saints and sages who take refuge in the Lord never have an unnatural death. Yes, death happens, death is certain for mortals, but unnatural death happens only to sinners. And those who die an unnatural death will not get liberation; they will wander as spirits, ghosts, and ghouls. As for those who have a natural death, they will be fine.

► Watch this answer · 15:23 · 02 January 2024

Q_2016 Pandit ji, I wanted to ask a question I've had for a long time. Is there anything mentioned about Sant Asharam ji Bapu in the Bhavishya Malika scripture? He is currently in jail; when will he be released?

Answer: Look, this is under the court's jurisdiction. This is the Kali Yuga, and in this age, the matter is pending in court, so I cannot comment on it. Yes, if we sit together sometime, we can talk, but not on this platform. However, we wish that God saves all the saints and sages of the world who have done good work for society. And I can say one thing: whoever is in any kind of trouble, if they chant the name of 'Madhav' daily, God will bless them, His grace will be upon them, and everything will become easy. You can experience this for yourself.

► Watch this answer · 16:33 · 02 January 2024

Q_2017 Regarding the previous question about the 'mlechhas' (impure people), you said that if they die at the hands of the Lord, it will be an unnatural death and they won't attain a good fate. But we have seen that when Krishna and Ram annihilated demons, those demons attained liberation. So, if someone dies at the hands of the Lord, will they not be liberated? Will they not attain a good state?

Answer: Look, mother, when the Lord killed demons like Ravana, Kansa, and Kumbhakarna... that was different. For instance, Ravana was in his third birth as a gatekeeper of the Lord. But the point is, at this time, the people who die, their death will be at the hands of Goddess Devi and the Jogini Matas; the Lord will not do it himself. He will get it done through a medium. Their death will not be directly at the hands of God. It will happen through the five elements: disease, pandemic, disaster, flood, and fire. If someone dies directly at the hands of God, that's a different matter, but that is not what's happening now. At this time, the Lord has come to establish dharma, and when dharma is established, not everyone gets liberation. For example, in the Mahabharata war, not everyone who died got liberation, because liberation is based on one's karma. In this era, the 'mlechhas' will be annihilated. 'Mlechha' is not a caste; it refers to those who do bad deeds, have evil intentions, and spread evil. For them, the Lord, through the five elements and Goddess Devi, will carry out the act of destruction, so liberation is not guaranteed.

► Watch this answer · 17:37 · 02 January 2024

Q_2018 Pandit ji, I read in a Hindi-Odia version of the Malika that when the Goddess (Mata ji) takes a test, she will test the 'ekakshar' (single-syllable) mantra, Ashtanga yoga, and other such practices that we don't know about. We are only performing Tri-Sandhya. How will we be saved if we don't know these other practices?

Answer: Mother, that is why we propagate the Trikal Sandhya (Tri-Sandhya). For those who perform Trikal Sandhya, the Goddess Devi comes even in their dreams to test them. This itself will be the mantra test. People don't know this and say different things, but nothing like that will happen. The Goddess will only ask about the Trikal Sandhya. Those who can recite it, the Mother will save them.

► Watch this answer · 20:03 · 02 January 2024

Q_2019 Pandit ji, there was one more thing. A mantra was written there: 'Hare Kalki Hare Kalki, Kalki Kalki Hare Hare. Hare Ananta Hare Ananta, Ananta Ananta Hare Hare.' But the mantra we are chanting is the 'Hare Madhav' one, like 'Hare Krishna'. What is the difference between these mantras?

Answer: Mother, look, I'll tell you. The practice includes the Durga Madhav Stuti, the 16 names of the 16 avatars, the main shloka of God's 10 avatars, and the name Madhav from the Bhagwat ji. This is what is prescribed.

► Watch this answer · 21:12 · 02 January 2024

Q_2020 (Paraphrased from mixed Odia/Hindi) Someone named Anand has written about the Lord's 'dham' (holy place) according to his own will. If someone acts on their own will, what does the Lord have to do with it? What is the point of this?

Answer: Things that people create by their own will may or may not be God's will; we don't know. But Anand has said that people can make their own decisions about his 'dham' as if it were a playhouse. You should think of it that way.

► Watch this answer · 22:11 · 02 January 2024

Q_2021 Pandit ji, you mentioned that the age of Kali Yuga has been reduced by thousands of years due to various sins. By that logic, wouldn't Kali Yuga never complete its full lifespan in any cycle, because sin is always at its peak and dharma is diminished in this age?

Answer: Look, when any human does bad deeds, their lifespan decreases, and when they do good deeds, it increases. Ravana had a boon to live for 220 yugas, but due to his sinful actions, he died within a few years in a single yuga. Similarly, not everyone commits the sins of Kali Yuga. But because the number of those doing wrong is high, Kali Yuga's age has been reduced. Achyutananda has already written about this. For this reason, Kali Yuga has ended. It is over. It will take a little time, about 10-12 years, for Satya Yuga to arrive. This is why you see unseasonal phenomena, like mangoes and flowers growing out of season. There are changes in the world's plants, in humans, and in animals.

► Watch this answer · 23:30 · 02 January 2024

Q_2022 I feel a little ashamed to say this, but I was in some bad company and picked up some bad habits, like masturbation or watching pornography. How can I quit this?

Answer: Baba, look, the greatest principle for a human is celibacy (brahmacharya). Evil spreads very quickly. That's why you must stay away from bad company. To overcome this, understand that one drop of semen is formed from 100 drops of blood, and it shapes a person's mind, actions, character, and future. Therefore, whenever any evil thought comes to your mind, sit and meditate on God. Chant the 16 names of the Lord. Your mind will become stable, and you will become a good person. Everything will be alright. Whenever an evil thought comes to mind, just sit with your eyes closed and chant the 16 names. Everything will be fine.

► Watch this answer · 25:47 · 02 January 2024

Q_2023 To whom should we talk about the Bhavishya Malika?

Answer: You should tell about the Bhavishya Malika only to those who are devotees, who have a keen interest and a desire to know. Those who, upon hearing about it, will instantly feel the urge to know more and ask you to tell them. Tell them a little, and if they want to know more, then tell only those who have the right feeling, mindset, purity, and loving devotion to listen.

► Watch this answer · 27:38 · 02 January 2024

Q_2024 And how much of the Bhagwat should we read daily?

Answer: It is necessary to read at least one chapter every day. If you can do more than that, it is very blissful, and you can certainly do so.

► Watch this answer · 27:42 · 02 January 2024

Q_2025 Greetings, Guruji. When Goddess Devi takes our test, what about those people who know the answers but are unable to speak?

Answer: Those who cannot speak but can listen, the Goddess Mother will bless them as well.

► Watch this answer · 28:38 · 02 January 2024

Q_2026 At the very beginning of 2024, warnings for earthquakes and tsunamis have been issued. What else is expected to happen?

Answer: Preparations are underway for major earthquakes in 2026. In 2024, there will be more earthquakes compared to 2023, and major earthquakes can also strike the earth. Volcanoes will erupt in many places, both old and new ones. Along with that, there will be floods, wind-related disasters, fire-related disasters, communal violence, and pandemics.

► Watch this answer · 28:59 · 02 January 2024

Q_2027 As you said, during the world war, some Indian cities like Delhi, Kolkata, Mumbai, and Bangalore will be attacked. The big cities will be destroyed, but what will happen to the smaller towns?

Answer: Look, whether big or small, in the impact of war, the big cities will be struck first, but after that, the smaller towns will not be spared either. And the biggest thing is that the cataclysm of the five elements will also continue—earthquakes, floods, fires. Due to their impact, people all over the world will be in distress. Those who are devotees, who follow the Trikal Sandhya and take refuge in the Lord, they will be saved by staying among the 16 mandal devotees. Then Satya Yuga will be formed, and they will be the people of Satya Yuga.

► Watch this answer · 29:58 · 02 January 2024

Q_2028 My second question is for the students currently in colleges or schools. During the world war, will all these schools and colleges be shut down or destroyed?

Answer: There will be attacks on schools and colleges by external invaders. However, schools and colleges will never close. They won't be online either; students will study at home. Education will continue. Until the final establishment of dharma, there will be no interruption in studies. However, interruptions mean that going to and from school will stop, and in some places, examinations might be delayed. But education will continue until the very end because children will study even while at home. In the final moments, there will be trouble because then they will have to study the new knowledge of Satya Yuga.

► Watch this answer · 30:56 · 02 January 2024

Q_2029 Guruji, will those who do not practice Tri-Sandhya but only chant the name of God be saved?

Answer: No. There will be no change in what I am telling you. One must perform the Trikal Sandhya. There will be no human who becomes a person of Satya Yuga who does not possess the essence of Trikal Sandhya. Trikal Sandhya is the most important principle; everyone will have to accept it and recite it. Through it, there will be well-being for the family, for the children, for the home, and peace in everything from one's job to family life.

► Watch this answer · 31:54 · 02 January 2024

Q_2030 Last night, I had a dream where I was telling someone like Devkinandan Thakur that Lord Kalki has already incarnated on Earth and has gone to the Mahendra mountain to study. I was saying this with great conviction. What does this mean?

Answer: This is a very good question. It is God's wish that the essence of Lord Kalki reaches all those who are doing great work for the propagation of dharma. What you saw about Lord Kalki going to the Mahendra mountain to study is correct. It is written in the Bhavishya Purana and Kalki Purana that Lord Kalki will meet Parshuram on the Mahendra mountain, who will impart all knowledge to him and become his guru. This is ongoing, happening in secret, so it is difficult to know. But God has given you this sign.

► Watch this answer · 33:05 · 02 January 2024

Q_2031 I wanted to know, what can be done if not all family members are performing the Tri-Sandhya?

Answer: Look, if Trikal Sandhya is performed in a house, that house will be filled with happiness, peace, and prosperity. The lives of those people will be protected by the Goddess Mother and they will have the grace of the gods. The children will turn out well. The family will be protected from all problems like unemployment, planetary afflictions, or black magic. There is no greater power than invoking the deities in the home. Get everyone in the family to do it. The family will benefit, and people in the entire world will become happy.

► Watch this answer · 35:23 · 02 January 2024

Q_2032 Right now we are in the 28th Kali Yuga of Vaivasvata Manu. For the upcoming Kali Yugas, all the way to the 71st, will their duration also be only 5,000 years, or does the lifespan fluctuate according to the times?

Answer: Look, in this age, sin spread very quickly. Whether it will spread quickly or slowly in the next age depends on God. What is happening in this age is already written, but what will happen in the future will be as per God's will. Whether Kali Yuga will even exist next time also depends on God. But in my opinion, the cycle of yugas continues. The duration of an age is affected by human actions. This is all under God's control, not ours. But in this particular age, the sin of Kali Yuga has spread excessively, and for this reason, it has ended.

► Watch this answer · 36:45 · 02 January 2024

Q_2033 I have a question. In this Trikal Sandhya, which God is worshipped?

Answer: Lord Mahavishnu is worshipped, and all the main avatars of the Lord are worshipped. It is done through devotion, surrender, and chanting. There is no idol or ritual with flowers; it is simply taking refuge in God through the mantras.

► Watch this answer · 38:08 · 02 January 2024

Q_2034 Pandit ji, when Satya Yuga arrives, how will we be able to recognize it? What will be the signs of Satya Yuga?

Answer: Look, Satya Yuga is arriving. That is why the light of Sanatan Dharma is spreading in India and the world. The Ram Mandir is being built, religious feelings are awakening in people, and the four holy dhams are being transformed. Also, you see unseasonal phenomena, like trees bearing fruits and flowers year-round. This is the beginning of the arrival of Satya Yuga. In the coming time, all plants across the world will remain green and bear fruit year-round. The development of the four dhams and people turning towards dharma are all mediums for the arrival of Satya Yuga.

► Watch this answer · 38:43 · 02 January 2024

Q_2035 I want to ask about a dream I had. I saw water everywhere, filled with snakes, and I couldn't find a way out. Then, 10-15 holy cows (Gau Mata) came and showed me the way out. What does this dream mean?

Answer: Baba, in your dream, you were shown the Vaitarani hell, which is filled with creatures like snakes and crocodiles that bite sinners. You must have done some good deeds, or it is God's grace that the holy cows showed you the way and saved you from this hell. You should perform the Lord's Trikal Sandhya. You had a good dream; through it, you saw both hell and salvation from it. Therefore, perform Trikal Sandhya, read the Bhagwat, and take refuge in Lord Madhav. Your life will become meaningful.

► Watch this answer · 40:18 · 02 January 2024

Q_2036 I have one more question. Among 10-12 villages, I am the only one who has become a devotee after listening to the Bhavishya Malika. Can others also join?

Answer: Yes, you should tell other good devotees, saints, and pure-hearted people. Because when we are saved, we should also help save the world and other good people. You should propagate this. It is very good that you follow the Bhavishya Malika and perform the Trikal Sandhya. God saw this and had the holy cows save you from hell. Those who perform Trikal Sandhya do not go to hell; their life becomes blessed.

► Watch this answer · 42:11 · 02 January 2024

Q_2037 The Lord has told everyone something in their dreams, that he will take them away. But he hasn't told me anything. Does that mean he won't take me?

Answer: Why wouldn't he tell you? Take refuge in the Lord. Do you perform Trikal Sandhya? Keep doing it. Chant the name of Madhav before sleeping. Madhav will give you a vision (darshan), or you will get a vision of some future event.

► Watch this answer · 43:20 · 02 January 2024

Q_2038 I had a dream where I saw a 21-22 foot tall form of Goddess Lakshmi. She called herself Madhav, placed her hand on my head, and told me to stay inside a cave, placing her entire palm over its entrance. What is the meaning of this?

Answer: This means that Mother Yogmaya, Mother Radha Rani, and Lord Kalki are all one and the same. When a great calamity befalls, the Lord gives a prior indication to those devotees who perform Trikal Sandhya. It means 'You are under my hand,' which means 'I will protect you.' Consider this a blessing from God. Continue to perform Trikal Sandhya and work to propagate dharma. The Lord's blessings will be with you.

► Watch this answer · 44:01 · 02 January 2024

Q_2039 Pandit ji, I have a question. I am employed and have to go to the office daily. Can we recite the prescribed hymns while sitting in the office in the afternoon?

Answer: Yes, there is no problem with that. You can do it sitting in the office, on the road, in a vehicle, or anywhere. There is no issue.

► Watch this answer · 46:05 · 02 January 2024

Q_2040 I want to join the Bhuvaneshwar Shri Kshetra Mandal. What do I need to do for that?

Answer: If you want to join the Kalki Mandal, that is, the 16 Mandal devotees, then contact the number given in the description below this video. The number is available on the 'Kalki Avtaar' channel. Also, the Bhagwat Katha that airs daily on Sanskar TV from 8:00 to 8:30 also has a number below it you can use.

► Watch this answer · 48:13 · 02 January 2024

Q_2041 And can we chant the Kalki Mahamantra while walking around?

Answer: Continuously chant the name of Madhav. Madhav himself is Kalki. No other mahamantra is necessary. The 16 names, the 10 avatars, the Durga Madhav Stuti, reading the Shrimad Bhagwat ji, and continuously chanting the name of Madhav is what you should do. The Kalki mantra is not what you think; it is the 'ekakshar' (single-syllable) mantra. Following that will be good for you.

► Watch this answer · 48:20 · 02 January 2024

SESSION 113 · QUESTIONS 2042–2064

L120 - भक्तों के लिए 2024 कैसा होगा? | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी

Date: 16 January 2024 · Watch the full session ↗

Q_2042 I had a question. As you were mentioning in the recent Bhagavat Katha, like the one in Faridabad and the one before, that everything is supposed to happen in 8 or 10 years. So, does that mean it will take another 8 or 10 years from now, or will everything be completed in the total period from 2021 to 2032?

Answer: It's a great joy, thank you. You are listening to the Lord's katha (discourse), and most importantly, you have the Lord's grace with time. It's wonderful that you are able to grasp the essence of what we are propagating. But look, mother, according to what is written in the Bhavishya Purana, after the transit of Saturn in Pisces (Meen Shani), a time of great destruction will come. The conjunction of Saturn in Pisces, which is from 2025 to 2029, will see the manifestation of many new things: floods, fire deluges, earthquakes, atomic war... It could be 8 years, it could be 10 years, or it could even happen before that. Because the arrival of the Lord is foretold, and that is what is going to happen. The Lord has not written with a pen... what I am writing, the Lord is telling me and I am writing it. The Lord can make many changes for the salvation and protection of the devotees. When the rescue happens, so that no harm comes to them, the Lord can take time, give time, move things forward or backward to accomplish this work.

► Watch this answer · 04:00 · 16 January 2024

Q_2043 Pandit ji, I want to ask that a few days ago, a very scary incident happened to me. I was sleeping at night, and around 2 AM, I heard a very frightening sound. I am still confused whether it was the Divine Mother who came to warn me or some evil spirit. So, Pandit ji, please kindly tell me. And for any mistake I have made, I ask for forgiveness.

Answer: Look, every human, every deity, they all make mistakes. The meaning of a mistake is to learn and move forward, to make some amendments for the betterment of human life. There's nothing wrong with that; you have made no mistake. And look, if you have such thoughts in your mind, then pray to Lord Vishnu, to Lord Kalki, 'O Lord, if I have made any mistake, please forgive me.' The Lord will forgive you, it's not an issue. But the point is, what happened in the middle of the night was the Divine Mother. She is visiting every house and is also warning the true devotees so that they start performing Trikal Sandhya and take refuge in the Lord. Because the time for the salvation of devotees is now, and all the divine mothers and deities want the devotees, wherever they are, to be brought to the Lord's refuge through small or, if needed, even big experiences or through some other means.

► Watch this answer · 06:45 · 16 January 2024

Q_2044 Have you started doing Trikal Sandhya? Have you or not?

Answer: Pandit ji, I had joined the Madhav family in September for Sandhya. I did Trikal Sandhya for about a month and a half, but Pandit ji, in between, my mind became very restless, and I didn't feel like doing it. Then I started again, but I face so many difficulties; sometimes I can't bathe, sometimes something else comes up, and I end up missing it. It's okay, even if you can do it twice a day, do it, my child. Yes, in the beginning, there will be some issues, but you'll see, with time it will become regular. And you will get so much strength from it that people will joyfully wake up at the right time to do Trikal Sandhya. There's a little trouble at first, but then it gets better.

► Watch this answer · 08:13 · 16 January 2024

Q_2045 People ask us for scriptural proof, other than the Bhavishya Malika, that the age of the yuga (era) is reduced due to sin. If I get an answer to this, it will be easier to explain to them.

Answer: Look, the Bhavishya Malika is ultimately a scripture of Sanatana Dharma, composed by the eternal Pancha Sakhas of the Sanatana Lord. It is a Purana just like our eighteen Puranas. Yes, if you want to look elsewhere, it is also mentioned in our Shrimad Bhagavatam. When the Kali Yuga is about to end, there will be no mutual understanding among people. There will be no regard for caste or creed; anyone will marry into any caste or religion. Men will marry men, and women will marry women. Also, ignorant, demon-influenced, and powerful people will be respected in society. The milk of the cow (Go Mata) will taste bitter. When such signs of the end of Kali Yuga appear... and today all these signs are visible in the world. If we still want to be fully convinced and work with full faith, look, this is the secret scripture of Jagannath culture, the Bhavishya Malika. Its ultimate purpose is the salvation of humanity; only humans will be saved through it, which is why it was written. But there is also proof of the end of Kali Yuga in the Garga Samhita, Surya Siddhanta, and Manusmriti. The shloka says, 'Chaturjahuh sahasrani varshanam tat kritam yugam, tasya tavachchhati sandhya sandhyanshascha tatha vidhah,' meaning after 4400 years, including the Sandhya period, it becomes 4800 years, after which Kali Yuga will end and Satya Yuga will begin. Kali Yuga is now in its 5128th year. People should become aware. If there is a small problem in our house, we sit and discuss it repeatedly. Now, every day there are problems all over the earth. And look, a sacred work like the Ram Mandir is happening, and even in that, there are obstacles. This is the influence of Kali. Therefore, by understanding the times and following the Bhavishya Malika, you and the world will be blessed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:35 · 16 January 2024

Q_2046 I have memorized the entire Trikal Sandhya, except for the Dashavatar (ten incarnations) part, which I am unable to memorize. Because of this, I am unable to join the Sudharma Mahasangh. I had some dreams: first, I felt a weight on my neck and woke up at 2:30 AM to the smell of milk. Later, I dreamt a long golden snake was chasing me, and I ran into a golden house. A tsunami came, but not a drop of water entered the house, and the

snake stood guard outside. So I am confused. I am doing everything, but because of that one part of Trikal Sandhya, I am unable to join the Mahasangh. Am I making a mistake somewhere? What is it? I am not able to understand.

Answer: Look, mother, the first dream you saw was the Divine Mother alerting you to perform Trikal Sandhya properly. That's why she woke you up at 2:30 AM and then, after you chanted the Madhav name, you found peace and sleep. The reason is that she wants you to recite the shloka of the ten incarnations in Trikal Sandhya. If you can't recite it from memory, then read it from somewhere, because it is important. Yes, read it, that's good. And the second dream, the golden-colored snake... look, mother, it is Satya (Truth). The Lord protected you; the water did not enter that house, and you stayed inside it. And until the water receded, the Lord... because the Lord is Ananta (infinite), the Lord is also the Naga (serpent). Because Sheshnaag Ananta is the Lord, and Lord Kalki is also Sheshnaag Ananta and Lord Mahavishnu, a form of Lord Krishna. That's why he protected you. That snake did not harm you; it protected you, which is a great blessing. But mother, look, this shloka of the Dashavatar, you should read it. Look, mother, I will tell you in a simple way. To do Trikal Sandhya, it is not necessary to bathe in the Brahma Muhurta, because some people have physical ailments or are in different situations. You can do it without bathing, sitting on your bed, by mentally taking a dip in the Ganga and chanting 'Shri Gange' three times. You can do Trikal Sandhya like that. At midday, we usually bathe anyway, so we can do it then. And in the evening, similarly, first chant Mother Ganga's name three times and then you can do Trikal Sandhya, wherever you are. There is no need to bathe or maintain all the decorum. The feeling of devotion is the most important thing. You are doing it, which is very good. The Lord has given you protection and experiences. What could be a greater truth than that, mother? It's a joy.

► Watch this answer · 12:28 · 16 January 2024

Q_2047 I wanted to say that I have started doing Trikal Sandhya and have also started reading the Bhagavat Purana. But even though I have started doing this for the Lord, I am facing a lot of problems. There is constant conflict in my house. I keep thinking it will get better someday, but it's just not happening.

Answer: Look, mother, whenever you do any good or righteous work, obstacles will come. And for the devotees who are working towards Satya Yuga, obstacles come first. But you continue, don't be afraid of anyone. If the problems increase, chant the Madhav name in your mind. I am not saying you should chant it out loud for everyone to hear; chant it in your mind. You will see, all problems will resolve with time. It will take some time, because even to cook a meal, it takes some time, and only then can we eat. Similarly, to accomplish any good deed, it will take some time, right? After some time, things will get better. So continue what you are doing. During times of conflict, chant the Madhav name. Everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:20 · 16 January 2024

Q_2048 Pandit ji, there is a lot of turmoil in my house, no peace. I do Trikal Sandhya three times a day and also read the Bhagavatam, but still, there is no peace in the house. Look, even the children don't feel like studying.

Answer: Look, mother, the turmoil in the entire world is because of Kali. The nature of Kali Yuga is to create turmoil, spread disease, make people bedridden, create conflict in every home for no reason, kill living beings, commit sins, drink alcohol, and incite disputes. And you are doing the work of Satya Yuga. Yes, things like this might happen at first. But when such times come, chant the name of Madhav, and with time, it will be alright. But look, not everyone in your house does Trikal Sandhya, right? That is the reason. Just as when like-minded people sit together, there is joy. Here, since not everyone does Trikal Sandhya, the influence of Kali remains in their minds and attitudes. Because of this, small problems arise. Look, this is what we call a devotee: even while seeing all the problems, they should never consider them as problems, but continue with the Lord's work, chant the Lord's name, and observe all worldly matters, hearing them with one ear and letting them out the other. Only then will you find peace. Because if we get entangled in it, what will we gain? Sometimes this anger is the reason the son doesn't feel like studying. Wherever anger is born, it first troubles the person who feels it, and then its effect troubles those who are nearby. Just as when a fire starts, it first burns that place, and then it affects the whole world. It's the same principle. So, stay away from your own anger. The little anger that arises in the mind is the reason for the children's difficulty in studying. Forget about it. Because devotees have a pure mind. Go to the Lord's refuge with a simple heart and purity. Don't neglect your duties; perform all your actions, chant the Lord's name, and there will be peace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:50 · 16 January 2024

Q_2049 Pandit ji, you say that one should donate. How will we know that the donation we have made has been a proper donation?

Answer: Look, mother, when discretion is seated in your heart... discretion is an element of the Divine. Yes, if you want to donate, I am telling you, every day, give small donations to the mother cow, to small creatures, whatever it may be. This will earn you merit. Yes, if you want to make a large donation, then think carefully before donating. Donate where there is dharma, where there is purity, to people who are genuinely engaged in righteous work. Look, there are some very large organizations that have all the resources, but I don't see any service. And the meaning of service is that for whatever special purpose one collects funds from someone, it should be utilized for that very purpose. And where it is not utilized properly, the donors also share in the karma of that action. Therefore, ask your own mind and discretion, 'Should I really donate to this person?' If your mind says yes, if your discretion agrees, then give it, mother, there is no problem. And a devotee of the Lord gets the experience, don't worry. By taking refuge in the Lord and contemplating, you will find the right path.

► Watch this answer · 20:27 · 16 January 2024

Q_2050 Pandit ji, if in my family, my husband does not chant on the mala, but I do the 'Jai Shri Madhav' mala, can I give that mala to him? Will he also get the benefit from it?

Answer: You are asking if your husband will get the effect of the chanting you do, right? Yes, mother, he will definitely get it, but he won't get a lot of it. He will get up to 10% of the effect; 90% will be for you. Because in the house where Trikal Sandhya is performed, the ancestors and all the problems in that house are positively affected; the house becomes purified by Trikal Sandhya. And as you do Trikal Sandhya, your husband's protection is also included in it. But your husband's

protection will be even greater... Do you read the Bhagavatam? Yes, do it, and tell your husband to at least chant the name of Madhav, maybe 11 times a day or whenever he is going somewhere, he can chant it internally. If he does that, mother, he will get good results from it too. And with time, he will also take up Trikal Sandhya. He will say, 'I also need Trikal Sandhya.' Because look at the problems... it's 2024 now. In 2025, as written in the scriptures, diseases and problems are coming. So how will people protect themselves? And besides Trikal Sandhya... look, in the past, we have seen that medicines did not cure the diseases. And the diseases that are coming now, two or four types at the same time, there will be no cure for them in any system. This is also written in the Bhavishya Purana. For this reason, everyone will come around with time. Your husband will also come. So first, give him the name, let him chant the Madhav name. By chanting the Madhav name, there will be peace in the family. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:57 · 16 January 2024

Q_2051 Pandit ji, when a woman is on her period, she is not supposed to recite the Bhagavat. So, the merit we get from reading it, will we get the same merit by listening to it during that time?

Answer: You will surely get it, mother. Mothers and in this world, be it a mother or a man, everyone has some problem or the other. But the point is, during that time, one should not go to the temple, and it is not the rule or custom to worship in the puja room at home. But if someone is reading, you can sit at a distance and listen. And apart from the Bhagavatam, you can also chant the mantras of Trikal Sandhya, because there is no prohibition in any scripture for chanting. The prohibition is for worship, for idol worship, for reading the Bhagavatam scripture, because the Lord is in the Bhagavatam, and we cannot touch it at that time. So that is forbidden. But you can chant the other mantras of Trikal Sandhya and listen to the Bhagavatam. There is no problem; you will get meritorious results from this as well.

► Watch this answer · 24:10 · 16 January 2024

Q_2052 I have one more thing to ask. Two days ago, I had a dream that I was bathing in the Ganga and performing puja at 4:30 in the morning. I received this sign, what does it mean, Pandit ji?

Answer: You dreamt you were bathing in the Ganga and worshipping Mother Ganga at 4:30 AM. Okay, look mother, you read the Mata Durga Madhav Stuti, don't you? Because it is written in one scripture that Mother Ganga is also a goddess. And just as Mother Durga is pleased by worship, she is also pleased. The merit one gets from bathing in the Ganga, you are destined to receive that merit, which is why you see it in the Durga Madhav Stuti. Mother Ganga was pleased and showed you this. If possible, if you have Ganga water with you, remember her in your mind and sprinkle it all over your body, and praise Mother Ganga for five minutes. Okay?

► Watch this answer · 25:16 · 16 January 2024

Q_2053 My question was, we are all told to do 'naam jap' (chanting the name). I don't understand how we benefit from it. How can just chanting the Lord's name be so beneficial?

Answer: Look, Lord Krishna told Arjuna in the Gita that for anyone to attain salvation, for any person to purify their mind and awaken devotion to God, the repeated connection between the name and the essence in the mind removes the impurities of the mind. And when the mind's impurities are removed, faith, devotion, love, and surrender to God arise in the human mind. That is why for any human... look, Dasyu Ratnakar was not Valmiki at first. But the great sage Narada told him to chant the name of Ram. But he couldn't even chant 'Ram,' so he had to chant it backwards, 'Mara Mara.' By chanting this, he became the great sage Valmiki and composed the Ramayana, becoming supreme among all the sages and rishis in the world. Therefore, by chanting the name, a person's devotion, faith, and love are awakened. And to attain God, chanting the name is essential first. That's why I say, chant the name continuously. Because any devotee who chants the name, the Lord blesses them. And if you also do it, you will also receive grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:43 · 16 January 2024

Q_2054 I had a question... It's 2024 now, and what I've mostly heard is that no one really takes the Bhavishya Malika seriously. Their argument is that the yuga is of a certain number of years and nothing is going to happen, everything will remain normal.

Answer: My child, the scripture that was composed in Odisha, the Bhavishya Purana, is a Purana. It is the truth. It was composed for the salvation of the Lord's devotees, and there will be no change in it, in my opinion. Yes, look, people who don't have devotion, who don't have divine knowledge, they will not believe the scriptures. I have nothing to say to them. But those who are devoted, who do Trikal Sandhya, they get experiences every day. And if I tell you, in the whole world, if a volcano is erupting at the North Pole, about 1.5 kilometers high, and if 10-15 of them erupt, and the North Pole melts, what will be the balance of the earth? We see disasters with our own eyes, and yet they say nothing will happen. How can that be? The scripture has written about this. Achyutananda wrote, when he received divine vision by the grace of God, he wrote that the ice in the north will melt, meaning the ice mountains will melt and flood the entire earth. And today we are seeing proof of that. There are frequent earthquakes on earth, floods where the sea crosses its shores, tornadoes come every other month, and people are troubled by cloudbursts. There are floods in the desert. A fundamental change is happening on earth, and all the signs from the Jagannath temple have been received. If we are Sanatanis, we have to believe in the Jagannath culture. Those who don't believe, consider it not in their destiny. Therefore, what is written will happen. Wait for the time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:29 · 16 January 2024

Q_2055 It is written in the Bhagavatam... how to remove the feeling of 'I' and 'mine' from the mind?

Answer: That's a very good point. 'I, mine, you, yours'... even in the work of the Ram Mandir that is going on, people have gotten stuck in 'I, mine, you, yours,' even though it is a sacred work and everyone is happy. The influence of Kali doesn't spare anyone. So, no problem. Look, to get rid of 'I, mine, you, yours,' those who do Trikal Sandhya, those who chant the Madhav name, and those who with a pure mind constantly seat the Lord in their hearts... when the Lord is seated in the heart, then 'I, mine, you, yours' will disappear. Until He is seated, meaning the Lord comes for some time through devotion, and then through our own maya and attachments, we forget Him again. From morning to evening, evening to

morning, for 24 hours, when the Lord is seated in our hearts, and we know that this body is just an instrument, the only truth is God, then from all the elements of the world, 'mine' and 'yours' will leave your mind. Do this: constantly be in the Lord's refuge, keep the Lord's attention in your heart for 24 hours, and think that this human life is just an instrument. The Lord has given this opportunity for salvation to do some good deeds. If I get stuck in 'I, mine, you, yours,' my life will be wasted. Then a time will come when the whole world will seem false, and only the Lord will seem true. And all the rare things, all the beauty of the world will appear to you as if it has no value. Because there is a distinction between beautiful and ugly, humans get trapped in 'I, mine, you, yours.' And when the whole world doesn't seem beautiful, but only God seems beautiful, then this feeling won't remain. To reach such a state, chant the name continuously and believe that this life is for a short time. I will utilize all my time in chanting the Lord's name. And the rest of the time, with my physical strength, through my work, I will engage in serving my family, parents, and earning a livelihood for the family. Then you will receive God's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:05 · 16 January 2024

Q_2056 Just as the Lord came in Satya Yuga and Treta Yuga, gave his darshan, and performed his leelas (divine plays), will the Lord come in the same way in Kali Yuga and perform his leelas?

Answer: Look, what is the meaning of 'leela'? The meaning of leela is that in every era, devotees pray to the Lord, do penance, and receive boons. And to fulfill the boons that the devotees have received, the Lord comes and unites with the devotees, which is called a leela. Because the Lord is beyond the happiness and sorrow of the world; He participates in them, but He is not affected by them. Therefore, in this Kali Yuga as well, there will be a very great leela between Lord Kalki and the devotees, and there will also be the Nitya Raas. Just as in the Ram avatar and Krishna avatar, they formed a family, which is why we Hindus and Sanatanis today say 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family). The Lord will bring back that same tradition with all the devotees. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:35 · 16 January 2024

Q_2057 I am making a request to you. I have never been to the Lord's Bhagavat gathering. I have a desire to go to the gathering for Lord Ram that is happening in Ayodhya from March 2nd to March 8th. For that, I need you to pray to the Lord for me. Jai Shri Madhav.

Answer: Mother, you can go. Look, the number that is on our YouTube, those who want to come to the Ayodhya katha... look, a lot of people will be going there, no problem, we have to make arrangements for that. So just get in touch, I mean, communicate. Because if you are going, then accordingly, arrangements for your stay and meals will be made by our Sudharma Mahasangh or the Ayodhya Mandal. There will be no trouble. Just if you want to go, contact them in advance and enroll yourself. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:03 · 16 January 2024

Q_2058 I want to know about the Sudharma Sangh. How can I join it, and what is it? I am new to this. I have been doing Trikal Sandhya for a few days since I found out about it, and I

want to join. What can I do?

Answer: Look, mother, first I will tell you about the Sudharma Mahasangh. Sudharma Mahasangh means the association of deities and the Lord. When the Lord descends on Earth, and all the deities, yakshas, gandharvas, and siddhas come, then the Lord forms the Sudharma Mahasangh. And at this time, at the end of Kali Yuga, this Sudharma Mahasangh is being formed between Lord Kalki and all the devotees and deities. Its foundation is the 16 mandals, and beyond the 16 mandals is the Sudharma Mahasangh, which is the greatest organization of deities and the Lord, not just on a global level, but spanning countless universes. And the work of this organization at the end of Kali Yuga will be that a constitution for the Sudharma Mahasangh will be prepared in the presence of Lord Brahma, Lord Shankar, and the eternal Lord Adi Vishnu Kalki and the deities. That constitution will be implemented throughout the world, in which India will become the Vishwa Guru (world leader), and Satya Yuga will be established all over the world. The Sudharma Sangh will do this work. If you want to join the Sudharma Sangh, mother, then look at the number that appears at the bottom of the YouTube video and also on Sanskar TV. Our katha is broadcast daily from 8:00 to 8:30 PM on TV, the Shrimad Bhagavat Katha. There is a number below that as well. By contacting that number, you can join the online satsang with the people from our Sudharma Mahasangh who conduct it. You can get information about the experiences of all the devotees and receive more encouragement.

► Watch this answer · 36:27 · 16 January 2024

Q_2059 Prabhu ji, I had a question for you. In the coming time, when will you come to Mathura to propagate your Bhagavat and this Bhavishya Malika, Prabhu ji?

Answer: Look, in Mathura, there is the Mathura Mandal, the Gop Vrindavan Mathura Mandal. There are many devotees there who are connected with Trikal Sandhya and want to take refuge in the Lord. You should also look for the number in the description below on YouTube, contact that number, and get in touch with Rakesh in the Mathura Mandal. Contact him, and whenever something happens, they will help you completely. Okay, my child? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:36 · 16 January 2024

Q_2060 How will we be able to have a vision (darshan) of the Lord's leelas (divine plays)?

Answer: Mother, you do Trikal Sandhya. Do it for another seven days, and you will get some vision of the Lord's leelas. And with time, you will also receive His grace. Wait for the time and do Trikal Sandhya with devotion. You will surely get a vision of the Lord's leelas. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:07 · 16 January 2024

Q_2061 The one who does Trikal Sandhya, will they attain Satya Yuga?

Answer: Look, any human, even if they are an asura (demon), if they do Trikal Sandhya, they will receive all of the Lord's grace. If you also do it, you will also receive it. And I will tell you one thing: for any human on this earth to go to Satya Yuga, Trikal Sandhya will be the greatest source of power for them. No human on earth will go to Satya Yuga who is not doing Trikal Sandhya. And I request everyone to do Trikal Sandhya, receive the Lord's grace, become a human of Satya Yuga, and make their life meaningful with divine grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:55 · 16 January 2024

Q_2062 Pandit ji, my question was, when we do Trikal Sandhya, read the Bhagavatam, and chant the Lord's name, does the Lord accept our Trikal Sandhya? I mean, does he listen to us?

Answer: Look, mother, when you do Trikal Sandhya, the Lord joyfully listens to every single feeling in your mind. And He doesn't just listen; He also cuts away your sorrows, your troubles, and your calamities. And through Trikal Sandhya, one also gets a vision of the Lord in dreams. Have you had a dream vision of the Lord? I have had two dreams, but I'll tell you after some time. Okay, tell me tomorrow during the Google Meet. Look, if you are having visions of the Lord, doesn't that mean He is listening? How else would you see Him at night in your dreams? There is no doubt about what Trikal Sandhya does. Look, Mahakali, Mahalakshmi, and Mahasaraswati are Yogamaya, Mother Durga. And she gave you her vision because you do Trikal Sandhya. Because the Lord never disappoints those who do Trikal Sandhya. He gives them visions or experiences in some form or another, and this happens regularly and continuously. And you are doing it, mother, so don't worry. You will surely receive the Lord's grace. Whoever does Trikal Sandhya, including you, receives the Lord's grace. The Lord listens and understands their pain and sorrow too. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:03 · 16 January 2024

Q_2063 Pandit ji, I have a problem. I spend a lot of time in the bathroom, and because of that, I am unable to do Trikal Sandhya.

Answer: Look, mother, even if you can't do it at the exact time, by doing Trikal Sandhya, everything will surely become alright for you. Look, mother, anyone who does Trikal Sandhya, the Lord blesses them and resolves all their problems. But look, if you can't do it at the right time, do it at another time, but don't stop doing it. This is a psychological problem. But do one thing, recite the Narayan Kavach. I will try to provide the PDF of the Narayan Kavach in a few days; it is needed for the salvation of all devotees. Recite it at home. Read the Narayan Kavach so that there is some change in your body's elements. But also do Trikal Sandhya, don't stop. Read the Narayan Kavach as well. The small problem you have in your body, which is causing this... Chant the Madhav name in your heart. If Trikal Sandhya is delayed, it's not a problem. Do it whenever you get time. There is a recording of it. Listen to that recording. If you can't do it, then listen to it slowly at some point, maybe while going to sleep. It will surely have an effect. Because by doing Trikal Sandhya, you might be able to get out of this problem you are facing. But if you are unable to do it, there is a recording. Contact the number that is provided. They have small speakers with the Trikal Sandhya recording. Listen to that. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:34 · 16 January 2024

Q_2064 I saw the news this morning. In the South West Islands, an 800-year-old volcano has started erupting. The people there were evacuated. What does this mean?

Answer: An 800-year-old volcano has erupted... This is a very significant thing. Look, my child, before the Mahabharata war happened, before Ravana's death, even in that era, volcanoes were erupting frequently, because it was a time of yuga change on earth. And at this time, for the transition from Kali Yuga to Satya Yuga, volcanoes will erupt again and again. And with volcanic eruptions, there will be climate change and very large earthquakes on earth. This equation is being formed for that reason. You have shared a very good piece of information. And the people who are connected with me in this satsang, you should also analyze this a bit. Search on Google how many times volcanoes erupt in a year. This was not the case 10 years ago, not even 5 years ago. And for the last 4-5 years, it has been increasing. This is a sign of the time of destruction. You all should do Trikal Sandhya so that the holy grace of God may be upon human civilization for its welfare. This is why we propagate it. Many people used to oppose it, but today people are getting its good results. People are happy

today after doing Trikal Sandhya. Families that were separated for 10-15 years have been reunited. People who were childless for 10-15 years have been blessed with children. People who were troubled by major problems have been freed from them. And now everyone comes to me and to us to learn the rules of Trikal Sandhya. Therefore, the times are getting worse. There is no time left now. Understanding this time, you should do Trikal Sandhya and take refuge in Madhav. It is not Kali Yuga anymore; it is the time for Satya Yuga to arrive. And in this time, we are seeing major geographical, social, and natural changes all over the world. Analyze it, think about the time, go to the Lord's refuge, and receive the Lord's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:26 · 16 January 2024

SESSION 114 · QUESTIONS 2065–2098

L121 - तृतीय विश्व युद्ध की तैयारी | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी

Date: 03 March 2024 · Watch the full session ↗

Q_2065 Pandit ji, in which year is the India-Pakistan war certain to happen?

Answer: Look, listen. According to the Malika Shastra, as per the Bhavishya Purana, the India-Pakistan war will happen during the transit of Saturn in Pisces (Meen Shani Chalan). And on March 29th, at 5:29 PM, Saturn will make its transit. Everything depends on God. See, war is just a medium, but a cataclysm of the five elements will also come. Major diseases are also on their way in the near future. They could come in one or two months, or six months. It definitely seems they will arrive next year; there's no doubt about it. Therefore, for the salvation of humanity, do everything I have told you. In that lies everyone's welfare. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:04 · 03 March 2024

Q_2066 Yes, Pandit ji, I was saying that it was wonderful that you came for the discourse, and seeing you makes my heart very happy. Pandit ji, it has been seven months for me on this spiritual path (Dhara), and now I don't face any problems. I feel very good following the path and reciting the Bhagavat Katha. This is my second gathering in Ayodhya. I came to listen to your discourse and was sitting very close to you. I wanted to say something to you, but many people were there, and you were also very tired, so I hesitated. So, I just want to say, Pandit ji...

Answer: Yes, listen, son. We can talk tomorrow, no problem. We will definitely talk in person.

► Watch this answer · 02:49 · 03 March 2024

Q_2067 I have a question, Father. In the Malika, it is said that the event will happen when Saturn is in Pisces on a Thursday. But March 29th is a Saturday, not a Thursday. Please shed some light on this.

Answer: I have already explained this. God can move it forward or backward. In the Bhavishya Malika, Achyutananda has written, 'What I am writing, the Lord can change it.' He can move it forward or backward, and He can change the day. And if the major transit of Saturn happens on a Saturday, it will be even worse. On a Thursday, it would have been for human welfare, but on a Saturday, the transit of Saturn becomes more powerful and destructive. It is the Lord's will.

► Watch this answer · 04:39 · 03 March 2024

Q_2068 Pandit ji, my question was that I perform Sandhya (prayers) at school, so I have to do the 'Jaighosh' (victory cry) while sitting. Is that wrong? Am I making a mistake?

Answer: No problem, you can do it while sitting on a chair, while standing, in a vehicle, anywhere. The Trikal Sandhya mantras are powerful, and this is the worship of Lord Vishnu. You can do it anywhere. You will get the benefits; there is no issue.

► Watch this answer · 06:05 · 03 March 2024

Q_2069 Pandit ji, I had a question. I saw a dream where Sheshnag ji (the divine serpent) was there with a canopy over him, and I was there alone in an ancient-looking room. He was a five-headed serpent with a golden canopy. He was coming towards me with his tongue out, about to say something, but then my dream broke. What does it mean?

Answer: Look, in the Bhavishya Malika, it is written, 'Ananta Mastaka Udi Chhata,' which means devotees will stand holding a golden canopy over the head of Ananta (Sheshnag). Ananta will be the ruler of the entire world. At this time, the divine play of Ananta and Madhav will occur, and Ananta Madhavi is Kalki. What you saw, the golden canopy, signifies the Golden Age (Satya Yuga). Mother, this divine power was revealed to you. You are fortunate. Also, perform Trikal Sandhya and take refuge in Madhav.

► Watch this answer · 07:22 · 03 March 2024

Q_2070 Was Gautam Buddha an incarnation of God?

Answer: Son, Gautam Buddha is the ninth incarnation of God. Among the ten incarnations for establishing Dharma, he is the ninth. This is fully described in the Sanskrit Bhagavata Purana. Okay?

► Watch this answer · 09:44 · 03 March 2024

Q_2071 Father, I am asking, you had mentioned that when darkness prevails for seven days, the Lord will provide 'Anjan' to everyone. What is that, Father? Please shed some light on it.

Answer: Look, daughter, at the end of Kali Yuga, during the final establishment of Dharma, when all the devotees are to be saved, just before the beginning of Satya Yuga, there will be darkness for seven days and seven nights. During that time, God will give the devotees 'Anjan' or some mantra—I don't want to reveal it—through which the devotees will be protected from the darkness. They will get a sense of the sacred element of the changing era. The devotees will work with great enthusiasm, and they will not face any trouble. It is written in the Bhavishya Malika that Lord Kalki will provide such an element, which I referred to as 'Anjan', through which the devotees will be able to see.

► Watch this answer · 11:02 · 03 March 2024

Q_2072 So, not all 640 million people will receive it, Father?

Answer: Not all 640 million will get it, daughter. Listen, only those devotees who are close to God, who will spread Sanatana Dharma throughout the world under the Lord's direction, will receive this power.

► Watch this answer · 12:24 · 03 March 2024

Q_2073 Yes, Father, but when we tell this to someone now, they listen lovingly, but they don't believe it.

Answer: Look, people of Kali Yuga don't trust anyone. And listen, daughter, those who are devotees will believe. Those who are not devotees, even if you tell them, they won't believe. They won't listen and will say, 'Let's see what happens.' Because, daughter, Dharma is never seen; it never stops. Dharma and devotion are spontaneous. The devotees have already been born. Whether you tell them or not, they somehow come to the refuge of God and accept it. But the people of Kali Yuga will watch, try to understand, and listen. For them, time will tell. We don't need to say anything. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:45 · 03 March 2024

Q_2074 Please show me a path in life that I can walk on. I want to live the life of a renunciate (sanyasi) and attain God. I want to become the Lord's.

Answer: Very good. Look, the greatest renunciation is 'Grihastha Sanyas' (renunciation while being a householder), where one can take refuge in God even while being married and living with family. In this, attainment is possible with very little time and effort. Therefore, you should do one thing: perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhav. Join the Sudharma Mahasangh, which is the online satsang of Vishwa Sanatan Dharma. There is no greater renunciation than this, at least at this time. This will take you to God. You will find what you are searching for, and you will also find peace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:33 · 03 March 2024

Q_2075 The Brahma Kumaris had given some dates... like the date you have given, 2032. Please don't mind, but suppose Satya Yuga doesn't come at that time, will you then say that it will come in 2042? It's not like you're just saying anything to earn money, or that Bhavishya Malika is just some book... anyone can have this doubt.

Answer: Look, what this son is saying is a very good point. Let me talk to him. It hasn't been 432,000 years; it has been 5,129 years, son. See, what we say is written in the scriptures. We have also translated the Bhavishya Malika into English, Hindi, and several other languages. If you want to know the truth, then in the Odisha Government's museum, there are texts like the 'Shiva Kalpa Granth' written 600 years ago. I am only telling you what is written in those texts. Come and see for yourself, and then you will be convinced. Dharma flows in its own stream. If someone does wrong, they get a bad result. If someone does good, God gives them a good result. Always think positively. To think good, chase after what is good, investigate it, and research the truth. One day you will find the truth. What will happen with time, God will do. It is not in human hands. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:44 · 03 March 2024

Q_2076 I have a small question. I am going out of town for my job for three or four days. I will try my best to do the Trikal Sandhya all three times, but it's possible that in the evening I might not get the time. So, what should I do?

Answer: Daughter, if you don't get time, you can do this. You will have to give at least two minutes. The 16-name mantra will take a few seconds. Then you have to chant 'Durga Madhav' 36 times. And then the incarnations of God: Shri Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Shri Buddha, Kalki. And then chant the name 'Madhav' 108 times. Do this within two or three minutes if you don't have time. If you have time, then do the full prayer.

► Watch this answer · 19:50 · 03 March 2024

Q_2077 I had three dreams, and I wanted to know about them. In one dream, I saw a boy of 14-16 years old with a turban; I felt he was Lord Madhav. In the second dream, I saw myself in the Krishna avatar, playing among the Gopis. In the third dream, I saw that Lord Ram and Lakshman had come and were holding my hand, taking me somewhere. This is what I saw.

Answer: Son, Kali Yuga has ended, and Satya Yuga is about to begin. Those who perform Trikal Sandhya get the divine vision of God—of Lord Kalki, Lord Ram, and Lord Krishna. This is why you have received this good fortune. Move forward and keep faith in God. With time, you will understand that you have adopted the greatest path in life. Because this essence is such that those who are not destined for it, they test it. Those who are destined for it, they adopt it and receive God's grace. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 21:03 · 03 March 2024

Q_2078 I wanted to ask, can people who eat non-veg and drink also be saved? And Lord, one more thing, what is the glory of God's name, and what is its value?

Answer: Look, son, those who eat non-veg, we call it killing a living being. In every living being, there is the divinity of God. Therefore, those who kill living beings will never find salvation, and the calamities of Kali Yuga will consume them. Your second question is about the importance of God's name. The importance of God's name is that whoever is sad, God frees them from all sorrows. Whoever faces a great calamity, God's name removes them from that calamity. And the greatest essence of God's name is that for the humans born in this ocean of existence, there is no greater wealth or achievement for their salvation than the name of God. A human who is born but does not chant God's name, their life is like a corpse. Lord Vyasadeva has said this repeatedly in the Srimad Bhagavatam. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:01 · 03 March 2024

Q_2079 I wanted to ask you about some experiences I had in a state of half-sleep. At 2:45 AM, I heard a very loud explosion, and the next day I saw news of explosions. Another time, at 11:11 PM, I heard a very loud, terrifying scream, like what you call a 'Bhairavi Daak' (call of Bhairavi). I didn't understand the meaning of these. Are they positive or negative? I was scared.

Answer: Look, daughter, it is written in the Bhavishya Malika that great roars will come from space, and people will die from that sound. Many will lose their hearing, and many will become unconscious. Secondly, regarding the sound of Bhairavi, it is written in the Malika that Mother Bhairavi will let out a great roar three times to destroy the sinful people, and they will die. This is also written in the Malika. And the mother you saw dancing in yellow clothes represents the propagation of Sanatana Dharma throughout the world. You saw a sacred vision of devotees coming together for satsang.

► Watch this answer · 24:36 · 03 March 2024

Q_2080 I don't have the means to travel to the satsang. I watch it from home. So, will the Lord not take me into his fold (Dhara)?

Answer: Why wouldn't he? He will definitely take you. Where do you live, daughter? There was a discourse in Delhi-Faridabad, why didn't you come? Okay, no problem. Listen to me, there is a son named Mohan, talk to him. His number is given below the YouTube video. Tell him, 'I want to come to the discourse, but I don't have the financial means. I have spoken to Pandit ji.' There is a discourse happening in Chandigarh, which will be close to you. He will make arrangements for you; he will arrange for your travel expenses. Okay?

► Watch this answer · 29:04 · 03 March 2024

Q_2081 You asked if I perform Trikal Sandhya, but the speaker was muted, so I couldn't answer. I do perform Trikal Sandhya. I joined about a month and a half ago. I have had dreams where I am worshipping a Shivling, and someone dressed as Lord Shiva comes, holds out his hand, and says, 'From today, I am your guru. O primal power of the Adi-Ram Yuga, awaken!' This has happened to me.

Answer: Look, daughter, those who perform Trikal Sandhya see such things. The consecration of Lord Ram Lalla's idol happened on a Monday, which is Lord Shankar's day. This is proof that the Lord, in the form of Shankar, will carry out the work of destruction and establishment of Dharma. He will also save the devotees. This means you have received God's grace through Trikal Sandhya. Continue to perform Trikal Sandhya, stay in His refuge, and the Lord will surely save you. It is your good fortune.

► Watch this answer · 30:07 · 03 March 2024

Q_2082 I have been connected to this path for six months. You once mentioned that the propagation of Bhavishya Malika will only happen for a certain period. Right now, some people believe it, and many don't. So, until when should we continue to propagate it, and when should we become silent?

Answer: Look, daughter, this work of propagation happens by God's will, not ours. As long as it is God's will, it will probably continue, because for the spread of Dharma towards Satya Yuga, this propagation will increase, not decrease. Yes, what I said about the Bhavishya Malika is that as long as the internet and all this exists, it will continue. After that, it will be through the medium of devotees. Okay, daughter?

► Watch this answer · 31:23 · 03 March 2024

Q_2083 My question is, if instead of the name 'Madhav', I chant the name 'Radha' during Trikal Sandhya? I started chanting 'Madhav', but the name 'Radha' repeatedly comes to mind, and I feel like crying that I can't be away from Radha Rani. So, will this be alright?

Answer: Look, daughter, chant the names of Mother Radha Rani and Krishna with joy; there is no issue with that. However, you must chant the name 'Madhav' 108 times during the three Sandhyas. The name 'Madhav' contains both elements—Radha Rani and Krishna. If you want to worship both together, then chant 'Madhav'. You can chant only Radha Rani's name too, but you will have to chant 'Madhav' because the era is changing. Satya Yuga is coming, and Lord Kalki is coming in the form of Madhav. So, everyone will have to respect the name 'Madhav'. In any given era, the incarnation of that era is most dear to the devotees. This will increase the grace. Okay?

► Watch this answer · 32:21 · 03 March 2024

Q_2084 I wanted to ask about the upcoming 13-day 'paksha' (lunar fortnight). When has this happened before, and what happens after this?

Answer: Look, a normal paksha is 15 days. But when a 13-day paksha occurs, it signals the arrival of Satya Yuga and indicates destruction for the sinners. It is written in Odia, 'When a 13-day paksha occurs, Lord Kalki will think about the work of destruction.' This has occurred several times in the last five years and will happen again. It is a sign of the changing times, the arrival of Satya Yuga, and the destruction of sinners.

► Watch this answer · 34:35 · 03 March 2024

Q_2085 I have heard that after it occurs, the destruction will speed up.

Answer: Yes, it is speeding up. It will happen at the right time. The Lord is doing it carefully because the devotees have not yet all been saved.

► Watch this answer · 35:24 · 03 March 2024

Q_2086 Pandit ji, I consider Madhav as my friend (sakha). So my question was, when my friend gets married, can I go? And what do I need to do to be able to go?

Answer: Look, daughter, whether as a friend, companion, master, or family, the Lord is everything. We should perform our worldly duties. Consider the Lord your friend, devotee, or servant—whatever is in your heart, remain in that emotion. Because these are all different elements of devotional feeling, but the essence is the same. Okay?

► Watch this answer · 35:45 · 03 March 2024

Q_2087 Guruji, I am from Bangalore and don't know Hindi. I had a dream with a Shivling and Adi Shesha. In it, God was ordering me, 'Chant the name of Madhav.' Mother Durga was also there. After that, I had a vision of Jagannath ji giving Mahaprasad to my mom. I also saw Vaikunthadham.

Answer: Daughter, what you saw in your dream is Durga Madhav. This means Lord Vishnu, who is Madhav, is also Lord Shankar and Lord Brahma, as they are coming as one power in the Kalki avatar. Mother Durga is with him. This dream was telling you to chant the name of Madhav, because at this time, only those who chant 'Madhav' will be protected. You are very fortunate. Perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and you will receive even more of the Lord's grace.

► Watch this answer · 36:46 · 03 March 2024

Q_2088 My mom doesn't know how to read, so she listens to the audio of Trikal Sandhya. Is that okay?

Answer: Yes, listen to the audio. The one who performs Trikal Sandhya themselves and the one who listens to it, it is the same. There is no difference. They get the same fruit, meaning the same result.

► Watch this answer · 38:51 · 03 March 2024

Q_2089 My question is, I am getting an inspiration to go see Shri Premanand ji. Would it be appropriate for us to tell him about the Bhavishya Malika? Because some say that only you will propagate the Malika. This creates a conflict in my thoughts. Please guide me.

Answer: Look, Premanand ji is a venerable and respected saint who shows a good path. The matter of telling or not telling about the Bhavishya Malika is up to God's will. If God inspires you to tell him, then do so. If not, then do as you wish. It runs on God's will, not mine, nor yours. I respect Premanand ji; he shows a good direction to devotees. Go and have his darshan; it is very blissful.

► Watch this answer · 40:04 · 03 March 2024

Q_2090 I wanted to share one more thing. My spiritual journey has progressed from Hanuman ji to Shiva ji, to Krishna, to Jagannath, and now to Madhav ji. But the kind of deep experience and inspiration I am getting now, ever since I started Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, and chanting Madhav ji's name, has increased immensely. It feels like everything I say is coming directly from the heart.

Answer: Look, son, the devotees who perform Trikal Sandhya will become as powerful as the demigods. They will attain divine knowledge and directly attain God. This is why I propagate this path. Great calamities and diseases are coming, and to protect from them, this tradition is the greatest element on earth. Any human who performs Trikal Sandhya will surely attain God. Continue with even more devotion. You will come to know all the elements of the world, and you will automatically get the darshan of God.

► Watch this answer · 41:41 · 03 March 2024

Q_2091 I feel very isolated in my spiritual practice, with no one to talk to. What should I do?

Answer: You do one thing. First, perform Trikal Sandhya daily. And second, read the Bhagavata daily. Do these two things. With time, whatever desire you have in the divine path, God will fulfill it. Just do this much. And when the time comes, you might get a position in your job in a place where you will find this path and devotion in abundance.

► Watch this answer · 46:37 · 03 March 2024

Q_2092 How can I get rid of my habit of drinking tea? Please advise me.

Answer: Look, daughter, keep trying. Instead of tea, you can make a decoction from herbs. You can add spices and drink it like tea. For someone who feels very cold, clove tea helps. So, no problem, just keep trying. Tea is not that harmful, but in Satya Yuga, people will not drink tea, that's why I am saying it.

► Watch this answer · 47:34 · 03 March 2024

Q_2093 Pandit ji, by chanting the name of Madhav continuously, will we also get the divine vision of the Lord and receive His love?

Answer: Look, daughter, you will have to perform Trikal Sandhya. By chanting the name of Madhav along with performing Trikal Sandhya, you will attain God. Continuously chant the name of Madhav, and you will attain devotion, daughter.

► Watch this answer · 49:34 · 03 March 2024

Q_2094 Guruji, can we add Ganpati Bappa's aarti and the Hanuman Chalisa to the Sandhya prayer?

Answer: Yes, that's wonderful. Do it. The Hanuman Chalisa is very blissful. It will be even better.

► Watch this answer · 50:57 · 03 March 2024

Q_2095 I am still smoking and haven't been able to quit. Should I quit smoking first and then start Trikal Sandhya, or start Trikal Sandhya and then try to quit?

Answer: Start it. Do Trikal Sandhya first, and with time, the habit will go away.

► Watch this answer · 51:54 · 03 March 2024

Q_2096 Father, after the 1000-year period in the Ananta Yuga, where will the devotees go? Will they attain liberation (mukti), or will they go to Vaikuntha?

Answer: Those who have come from Vaikuntha will return to Vaikuntha. Those who have not, some for heavenly pleasures, some for their own desires, will attain what they want. And some other people will remain who will transform the era into the complete Satya Yuga. Okay?

► Watch this answer · 53:12 · 03 March 2024

Q_2097 I have a question. I saw in a dream that Hanuman ji and I were fighting a battle. At first, I thought it might be Balaram ji, but then I realized it was Hanuman ji. What would you like to say about this?

Answer: Look, son, how can I comment on this? Hanuman ji is himself the eleventh Rudra incarnation of Lord Ram. How can we humans fight with him? I don't wish to say anything about it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:58 · 03 March 2024

Q_2098 Just as Lord Ram and Lord Krishna had signs like the conch, discus, and lotus on their feet, will Lord Madhav also have all those signs?

Answer: Look, whenever God comes, all His signs also come. But Achyutananda has written that in Kali Yuga, these will not be visible to all devotees; only some will be able to see them. It is written that on his right foot, the sign of a bow and a mace will be there, but it will not be visible to everyone. This has also been written by Achyutananda.

► Watch this answer · 55:27 · 03 March 2024

SESSION 115 · QUESTIONS 2099–2136

L122 - त्रिकाल संध्या का तत्त्व | पण्डित श्री काशीनाथ मिश्र जी

Date: 04 March 2024 · Watch the full session ↗

Q_2099 After the Chandigarh assembly, there are assemblies in Bangalore and Toronto. Is this the last assembly? Will there be more after this?

Answer: No, this will continue. Satsangs (spiritual discourses) and Kathas (narrations) will keep happening all over India and the world for the salvation of humanity. They will not stop.

► Watch this answer · 17:50 · 04 March 2024

Q_2100 Will you ever come to districts like Sonipat and Panipat in Haryana to give a discourse?

Answer: Look, a discourse was held last month in Faridabad, which is near Haryana. And there will definitely be more discourses in the future, but I cannot say when. The dharma will be propagated throughout the world, and Haryana is a very holy place in India. It will surely happen in due time, but no decision has been made about it yet. Okay?

► Watch this answer · 18:33 · 04 March 2024

Q_2101 My question is, if we perform Trikal Sandhya, will Lord Kalki give us a direct vision (darshan)?

Answer: Look, I speak based on the scriptures. When Lord Krishna came, all the devotees who were present at that time, including ordinary people, had a vision of him. Now, the age is about to change. After this change, when Lord Kalki rules, everyone who survives will surely have a vision of him. Even before that, when the grand establishment of dharma begins, all the devotees will be gathered, and it will be possible to receive the Lord's vision then too.

► Watch this answer · 19:20 · 04 March 2024

Q_2102 I have two questions. First, I used to chant my Guru's name, but since I started chanting 'Madhav', I stopped. I then had a dream where my Guru was crying. I'm confused about whether I should chant my Guru's name or Madhav's name. Second, my son chants 'Madhav', reads the Bhagavat, and only listens to devotional songs. He has lost interest in his studies. What should I do?

Answer: Regarding your son, he has a restlessness in his mind, an affliction related to the Moon, which causes his mind to be distracted and unable to concentrate. Tell him to read the Bhagavat and perform Trikal Sandhya, and everything will be fine. As for your first question, I have never forbidden anyone from chanting their Guru's name. You can chant your Guru's name and worship your Guru. There is no rule or opposition to that. I simply advise you to perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and read the Bhagavat, while also continuing to follow your own Guru's tradition. There is no conflict or problem with that.

► Watch this answer · 20:43 · 04 March 2024

Q_2103 Father, I had a few dreams and I seek your guidance. In one, I saw two suns in the sky and was telling my cousin that a prophecy from the Bhavishya Malika had come true, but he wouldn't believe me. In another, I had a vision of Mother Durga and Hanuman ji. And in a third, I saw you sitting on the preacher's seat giving a discourse. Please guide me on their meaning.

Answer: Look, a time will come when two suns will rise; this is written in the Bhavishya Malika. Secondly, God is making you aware of future events to increase your faith and devotion. As for seeing Hanuman ji on the preacher's seat, it's because Hanuman ji is the one who establishes dharma and saves all devotees. I only sit there for name's sake; the real doer is Hanuman ji and the Lord. The essence is this: follow the Trikal Sandhya, adhere to the rules, immerse yourself in devotion, and simultaneously fulfill your family and social duties.

► Watch this answer · 22:33 · 04 March 2024

Q_2104 I am in Ayodhya. Can I meet you tomorrow? Can we talk for a minute?

Answer: Tell me tomorrow, we can talk for a minute. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:17 · 04 March 2024

Q_2105 Pandit ji, when will the gathering of the 256 devotees take place?

Answer: The process of gathering the 256 devotees is currently underway. God knows the timeline; it will surely be completed in the time to come.

► Watch this answer · 24:36 · 04 March 2024

Q_2106 There is one yajna (ritual) remaining. Where will it be held and who will participate?

Answer: This is a divine matter that will happen according to God's will. Our job is to share with you the sacred principles for humanity's welfare and for entering the Satya Yuga. You should follow them, and everything will happen in due time.

► Watch this answer · 25:05 · 04 March 2024

Q_2107 It is said that chanting the Lord's name, like 'Ram' or 'Krishna', even once can destroy all sins. But in India, many people chant these names while also committing sins. How can their sins be forgiven? Wouldn't this be an injustice to truly devout saints and allow sinners to misuse this principle?

Answer: Look, if everyone could attain liberation by chanting the name a few times, then holy places like Jagannath Puri, Prayag, or Dwarka wouldn't have wandering spirits or the influence of ghosts. My personal view is that chanting the name a few times might bring some change to a person's actions. But only that person knows their own karma, the extent of their devotion, and how much they need to surrender to God. Beyond them, only God knows their karma from all past lives. In my opinion, only those who practice selfless devotion, perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and take refuge in Madhav will truly receive God's grace and have their lives blessed.

► Watch this answer · 25:35 · 04 March 2024

Q_2108 By when will the gathering of the devotees be completed?

Answer: The gathering of the devotees of the 16 Mandals will continue until the very end. The Mandals have been formed, but the gathering will go on because there are devotees of various levels. They will come to the Lord's refuge when their time comes, and together, the work of establishing dharma will proceed. This is not under my control; it is under God's control and depends on the devotees' karma.

► Watch this answer · 27:28 · 04 March 2024

Q_2109 For the morning Sandhya, is it sufficient to just wash my hands and face?

Answer: You can do it after washing your hands and face. Even if you can't, you can do it by mentally bathing in the Ganga, chanting Mother Ganga's name three times in your heart, and taking refuge at the Lord's lotus feet. What matters is the purity of the mind. This isn't a temple ritual; it's a devotional practice (bhajan) that can be done by anyone, anywhere, in any situation. In this age of Kali Yuga, not everyone can perform Trikal Sandhya sitting at home, as people are always busy. Therefore, there are no strict rules. You can do it wherever you are and in whatever condition you are in. Okay?

► Watch this answer · 28:11 · 04 March 2024

Q_2110 In Satya Yuga, will attaining God be easy or difficult?

Answer: Look, those who will enter Satya Yuga will do so having already attained God. Nothing new will be attained at that time. In that age, no one will do wrong, think evil, lie, or perform bad deeds. They will be like deities or great perfected saints. So, those who enter will have already achieved God-realization. There will be no bad people there, only good and pure souls.

► Watch this answer · 29:23 · 04 March 2024

Q_2111 Has Lord Kalki taken avatar? Is he born in human form?

Answer: If you want to proceed spiritually, enter the age of Satya Yuga, and receive the blessings of Lord Kalki, there is one rule that every single person must follow. That rule is Trikal Sandhya, which means praying three times a day at the junctions of the day.

► Watch this answer · 31:29 · 04 March 2024

Q_2112 Why do you call your son Kalki Satish Mishra?

Answer: Listen to me. We should talk according to the topic at hand. I want to say this: if you want to do Trikal Sandhya, you can follow it. If you want to take refuge in God, I am telling you the way. It is your choice. You have 100% liberty and rights. You can follow it or not. But it's my duty and my mission to help human beings and to save dharma on Earth. That is what I am doing. It's your will; you can do it or not. It's your opinion, your decision. I have never forced anyone. I am just doing my duty as a Brahmin. If you are interested, you can follow.

► Watch this answer · 32:10 · 04 March 2024

Q_2113 Guruji, I wanted to know, it's written in the Bhavishya Malika that those who survive will enter Satya Yuga after bathing in the 'Kshir Sagar' (Ocean of Milk). Since that ocean isn't on Earth, will it appear here?

Answer: Look, that is not in our hands. It is written that devotees will attain a divine life after bathing in the ocean. That's all. I have no further comment or opinion on it. In due time, by God's will, the devotees will be granted this opportunity.

► Watch this answer · 34:11 · 04 March 2024

Q_2114 Regarding the 'Jai Shri Madhav' chant you mentioned, does it have to be done while sitting in one place, or can we do it mentally while working or walking?

Answer: Yes, you can. That's perfectly fine. There is no problem with that. You can do it anywhere, at any time, and in any situation.

► Watch this answer · 35:32 · 04 March 2024

Q_2115 Pandit ji, for an uneducated person who cannot understand the Sandhya prayers, can they find some protection in life by just chanting 'Jai Shri Madhav'?

Answer: Look, all the people connected here know the changes that occur when one chants the name of Madhav. Secondly, to enter Satya Yuga, Trikal Sandhya is essential. For those who cannot read, you can read the prayers aloud to them or have them listen to a recording of the Trikal Sandhya at the proper times. By listening, they will also receive the benefits and will be able to enter Satya Yuga.

► Watch this answer · 36:01 · 04 March 2024

Q_2116 We know that epics like the Mahabharata and Ramayana occur in every age. Is the story the same every time?

Answer: In every age, discourses and satsangs have taken place in holy places like Naimisharanya through the Satya, Treta, and Dvapara Yugas, and they are still happening today. The discourses happening now, based on certain principles and topics, are similar to those that happened in the past. The only difference is that back then, sages and saints were conducting them, and now, we are.

► Watch this answer · 37:27 · 04 March 2024

Q_2117 I had a dream where a powerful demon caught me, but as soon as I chanted the name of Madhav, it let me go and fled. What does this mean?

Answer: What you saw in your dream is proof of the name's power. Our principles are for the great welfare of humanity. As per the scriptures, we advise chanting the name of Madhav for protection. Anyone who chants this name with devotion during a crisis will surely receive its benefits. There is no name greater than Madhav, which is why we promote it. Similarly, there is no practice greater than Trikal Sandhya for saving people from illness, calamities, and financial or family problems. We have seen families separated for years reunite because of it. This path is for the devotees, and those who practice with devotion will certainly see the results.

► Watch this answer · 38:27 · 04 March 2024

Q_2118 We perform Trikal Sandhya but are unable to attend the satsangs. You say that only those who attend satsang are true devotees. What should we do?

Answer: Try to attend the satsang. If you can't, then listen to the recordings. We must follow the path of dharma. If you don't have time, record the satsang and listen to it later when you are free, perhaps before sleeping. That is also an option. And continue performing Trikal Sandhya. Devotion can be practiced with a sense of independence; I cannot force anyone. However, if we have the means available to us, we should make full use of them.

► Watch this answer · 40:21 · 04 March 2024

Q_2119 What is the difference between an inner experience (anubhuti) and a direct vision (pratyaksh darshan)? How can we distinguish between an inner feeling, a dream, and a direct, tangible experience?

Answer: A direct experience is when a conflict or question in your mind is resolved, perhaps through the scriptures or through another person's words. That is a direct experience. But whether it's a direct experience or a dream, they are all the same, mother. All of them are born from devotion.

► Watch this answer · 42:13 · 04 March 2024

Q_2120 A person I guided has been performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavat for two months, but they can't memorize the prayers and are unable to join our organization. Will they be harmed during the coming destruction?

Answer: There is no problem. If they can't memorize it, it's not an issue. Tell them to simply read the prayers every day. With time and God's grace, they might memorize it. Even if they don't, they will still receive the full benefit just by reading it. There is no problem.

► Watch this answer · 45:03 · 04 March 2024

Q_2121 I had three dreams and want to know their meaning: one was a vision of Lord Madhav, another was of Lord Ram and Lakshman leading me by the hand, and the third was of me being with the Gopis during the time of Krishna.

Answer: Look, I can't hear you clearly. Let's talk about this tomorrow. It's time for the discourse to begin.

► Watch this answer · 45:48 · 04 March 2024

Q_2122 Should one worship Sai Baba or not?

Answer: What does your mind say? (The questioner replies that his mind says no, as Sai Baba isn't in the scriptures). Look, your mind is the most important factor; it holds the best answer. Do what your mind tells you. In our Sanatana Dharma tradition, we should worship Lord Mahavishnu, Lord Krishna, Lord Ram, and the other gods and goddesses of our faith. Okay?

► Watch this answer · 47:03 · 04 March 2024

Q_2123 Guruji, what precautions can we take to protect ourselves from the coming partial apocalypse (khand pralaya) and benefit from it?

Answer: Look, the most important thing is to practice devotion (bhakti). Everything can be achieved through devotion. Okay?

► Watch this answer · 48:30 · 04 March 2024

Q_2124 Guruji, when I first started performing Trikal Sandhya, I used to have visions of God in my dreams every day. Now, it happens very rarely. What could be the reason for this?

Answer: Look, in the beginning, God gives you these experiences to build your faith. We often say that those who perform Trikal Sandhya will have visions and inner experiences. This happens initially to establish your belief. Once your faith is firm, it's no longer necessary. God has to look after everyone. So, for newcomers, He appears in dreams to provide proof, strengthen their resolve, and make their minds firm. After that, you should simply continue on your path of devotion.

► Watch this answer · 49:36 · 04 March 2024

Q_2125 Lord Ram was known as the ideal man who followed all codes of conduct, while Lord Krishna was mischievous. What will be the nature of Lord Kalki (Madhav)?

Answer: Lord Kalki will be like Lord Ram was, as his name is also Madhav Ram or Kalki Ram. However, unlike Lord Ram who was bound by a strict code of conduct (maryada), Lord Kalki will not be bound by any such code because...

► Watch this answer · 50:49 · 04 March 2024

Q_2126 You once said that the internet will shut down in the future. Will it ever start again, or will it be gone forever?

Answer: The speaker did not provide a clear answer to this question.

► Watch this answer · 51:34 · 04 March 2024

Q_2127 Sometimes I feel I should belong only to God, but other times I feel attached to my family. I want to renounce everything and belong only to the Lord. What should I do?

Answer: Mother, I believe you should maintain your family and social relationships properly while also belonging to God through devotion. A person with true devotion automatically becomes God's own. Increase your devotion by chanting His name, performing Trikal Sandhya, chanting the name of Madhav, and reading the Bhagavat. At the same time, fulfill all your household and family duties. It is very easy to attain God while performing worldly duties; God created the world for this purpose. If you worship God while living in the world, you will attain both God-realization and worldly happiness.

► Watch this answer · 52:00 · 04 March 2024

Q_2128 I started Trikal Sandhya a few days ago, but I can't find the time to do it at the proper times.

Answer: Mother, as I've mentioned, if you don't have time for the full Trikal Sandhya, you can do a shortened version. When you're short on time, chant the name of Madhav 108 times, the 16-name Durga Madhav mantra 36 times, and the names of the ten avatars once each. This takes only about two and a half minutes. So, do this when you don't have time, and when you do have time, perform the full practice as described.

► Watch this answer · 53:24 · 04 March 2024

Q_2129 What is the best way to chant the name 'Madhav' to increase devotional feeling, remembrance, and overall devotion?

Answer: To chant the name of Madhav, if you do it selflessly—without any personal desires—and continuously try to chant it internally, a time will come when your devotion will naturally increase. Slowly, as God's grace grows and your faith in Him becomes complete and firm, your devotion will increase even more. Devotion grows from faith.

► Watch this answer · 53:57 · 04 March 2024

Q_2130 Should the name 'Madhav' be chanted quickly or slowly?

Answer: The Lord is pleased when you chant it in the way your mind dictates. Do as your mind tells you—chant it quickly, slowly, in your mind, or in your heart. However you do it, you will receive the benefit.

► Watch this answer · 55:26 · 04 March 2024

Q_2131 Three or four months ago, I had a dream in which Lord Jagannath told me to come to Puri, but I have been unable to go, despite trying.

Answer: Look, if Lord Jagannath told you in a dream to come to Puri, you should go for his darshan. If you can't go now, then go whenever you get the time and the circumstances are favorable. It's alright. You can also attain him by worshipping from home.

► Watch this answer · 56:08 · 04 March 2024

Q_2132 I've heard that to join the organization, one must attend two of your assemblies. Is this mandatory?

Answer: Yes, attending two assemblies is necessary because during the seven-day discourses, the sacred ideology of the Bhavishya Malika is discussed. By attending, devotees absorb the essence of these principles, which is why we have this rule. You can fulfill this requirement whenever you get the time—in one year, two years, or even five years. There is no rush; people can do it whenever they are able.

► Watch this answer · 57:22 · 04 March 2024

Q_2133 We know how terrible the coming times will be. Thinking about it makes our hearts pound with fear, and we worry about what will happen and whether we will survive. What should we do?

Answer: The speaker did not get to answer this question as the connection was lost and another person began speaking.

► Watch this answer · 58:48 · 04 March 2024

Q_2134 Some preachers say that the 'Ananta Yuga' has already begun and will end in the 39th regnal year of a king named Bal Mukund Dev. Can you please explain this?

Answer: What is written in the Malika is this: 'The age of Satya will arrive, but no one will know.' This is from a dialogue between Garuda and Lord Krishna. It means that Satya Yuga will begin while Kali Yuga is still ongoing, but most people will not realize it. Only the true devotees, those with the spiritual qualification, will understand. Others who lack this qualification will not be able to comprehend it; they will argue, debate, and even criticize those who speak about the Malika's prophecies. Only the devotees will know that the age has changed.

► Watch this answer · 59:38 · 04 March 2024

Q_2135 We are from Kolkata and perform the Trikal Sandhya in Bengali. Is that acceptable?

Answer: Yes, performing it in Bengali is also fine. There is no problem with that.

► Watch this answer · 01:01:17 · 04 March 2024

Q_2136 Father, I recite the Sandhya prayers very quickly. Is that acceptable, or should I do it slowly?

Answer: Do it in the way your mind feels is right. There is no problem with that.

► Watch this answer · 01:02:04 · 04 March 2024

SESSION 116 · QUESTIONS 2137–2159

L124- 2024 का राष्ट्रीय निर्वाचन धर्म की जीत

Date: 07 April 2024 · Watch the full session ↗

Q 2137 I have a question. According to your Bhavishya Malika, does it mean that you and I, and all of us, are going to die?

Answer: No, not at all. I have never said such a thing. See, I always say one thing: people should turn towards Dharma (righteousness). The meaning of Dharma is to donate according to one's capacity, to chant the Lord's name when one gets the time and opportunity, and to wish for the welfare of the world without getting caught up in 'mine' and 'yours'. Read the Bhagavata Purana, perform Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day). Those who practice truth, righteousness, justice, peace, compassion, forgiveness, and friendship will face no problems. However, evil people will not be able to survive. The upcoming 'Atichara Gati' (accelerated transit) of Jupiter will promote Dharma. Such transits of Jupiter also occurred during the First and Second World Wars, which caused a lot of misfortune in the world, but Dharma survived and is still present today. So, those who want to move forward with the times should hold onto Dharma. The Bhavishya Purana was written for the welfare of humanity, not to distress people. It's like when we are sick, we take medicine and see a doctor. All these principles are for your salvation, for the salvation of humanity, not for people to die. But those who remain in adharma (unrighteousness), who are a burden to the world, who are tyrannical, who think evil for the world and only think of themselves—there will be no place for them.

► Watch this answer · 09:22 · 07 April 2024

Q 2138 Pandit ji, my question is, you mentioned from the Malika that the Gopis, ascetics, and monkeys from previous eras will come under the Lord's refuge and will attain a superior position in the coming Satya Yuga, meeting the Lord, etc. This is a very pure concept. But, for instance, what about those who weren't among them? Does the Lord not add them to His refuge? I mean, those who came from Goloka Vaikuntha Dham, their number remains the same, right? The same devotees who existed in previous eras will be there in this era too. Does this mean no new devotees will be added? This is the question, please clarify.

Answer: Look, your question is very good. I will explain. The cycle of eras and the cycle of time are in motion. With the cycle of time, many people become good, and some also become bad. The Gopis, ascetics, monkeys, and the devotees who were with Lord Mahaprabhu Buddha Dev, those who came from Goloka—they will certainly be saved and will also receive high positions. Some devotees will become kings, some will become the Lord's council members, and some will work to establish Dharma throughout the universe. This will happen. But along with them, those who become good over time through the scriptures, the Puranas, and the processes of Sanatana Dharma will also come under the Lord's refuge. They too will go to Satya Yuga, and from Satya Yuga, they can even go to Vaikuntha.

► Watch this answer · 11:49 · 07 April 2024

Q_2139 There is a very great saint, his name is Premanand Maharaj, and I listen to his sermons. I have also been connected with you for about a year. In his sermons, and in ISKCON's sermons, and even in the Bhagavata Purana, the description of Kali Yuga is for 432,000 years, but you say it is 5,000 years. This is a big contradiction.

Answer: Look, what I am telling you today, a time will come when the entire world, the entire universe, will believe it. Because I speak from the scriptures. The scriptures are our history, our future, our present, and the solution for human life. What I am telling you today is according to the scriptures, and a time will come when all scholars of the scriptures will also happily accept it. It might just take a little time.

► Watch this answer · 13:44 · 07 April 2024

Q_2140 Father, I want to join the Satsang stream. What can I do? Please guide me, Father.

Answer: Look, below this YouTube video, there is a number for a boy named Mohan. Talk to him, and he will tell you the rules you need to follow. Follow those rules, and it will be for your welfare. See, this knowledge is for the salvation of humanity. God created this knowledge in secret and also had it written that at the end of Kali Yuga, this Bhavishya Purana would be propagated, which is what we are doing. This is the greatest welfare-bestowing knowledge for humanity, the greatest nectar. Do it, and get in touch with Mohan as needed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:18 · 07 April 2024

Q_2141 Father, I perform Trikal Sandhya, read the Srimad Bhagavata Mahapurana, and chant the name of Madhav—I do all three. However, I am unable to attend the assembly (sabha). Will I not get to see the Lord?

Answer: Look, listen. I have told you people to speak with Mohan, and Mohan will arrange for you to speak with me. I have spoken. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:17 · 07 April 2024

Q_2142 Father, my question is, I am from Rajasthan, and we have a strong tradition of not washing our hair on Thursdays and avoiding certain other tasks. Do all these beliefs apply in the current times?

Answer: Look, mother, Thursday is the day of Mahalakshmi. On Mahalakshmi's day, if someone washes their hair, it involves discarding dirt from the head. According to the rules of our Sanatana Dharma, one should not wash their hair on Thursday. We can do it on other days. If there is a need or an emergency, it can be done. But this tradition in your Rajasthan is good. We must follow that rule. In Satya Yuga, all the rules of Sanatana Dharma will have to be followed. Right now, the time is not right, so with time, we will have to follow this. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:18 · 07 April 2024

Q_2143 Pandit ji, this is Abhishek. I am going to propagate the Malika in my city. Pandit ji, please give me your blessings so that I can do this work of the Lord. I feel a strong inner inspiration to do this propagation work so that Dharma can be established quickly and devotees can be united.

Answer: My blessings. I have great respect for your feelings, and may God's grace be upon you. If all the devotees work together like this, then truth and righteousness will spread very quickly in the world, leading to the welfare of humanity. So, definitely do this work. But look, you don't need to go to Moradabad or Sambhal. They also listen. You should work in the area near your place of residence. It's not necessary to go too far. According to your means, wherever there are nearby places, religious centers, a temple, or a good religious institution, you can distribute very small leaflets. Just say that the era is ending, Satya Yuga is coming, and in this time, perform Trikal Sandhya. If you want to know more, follow the Bhavishya Malika for your welfare. Distribute small leaflets like this, which will cost very little. Do it in nearby places; it's not necessary to go far. It would be good for people to do this work wherever they live. You should also do it. You have God's grace and my good wishes. Jai.

► Watch this answer · 19:25 · 07 April 2024

Q_2144 Jai Shri Radha Madhav, Guruji. I want to know, you said that if we perform Trikal Sandhya and read the Srimad Bhagavata Mahapurana, we will get answers to all our questions. I have been doing this continuously for six months. Am I doing it wrong, which is why I'm not getting answers, or is there some other reason?

Answer: Look, when you eat a sweet, you can taste it properly only when you sit down and eat it. If someone eats a sweet while walking around, they don't get the real taste. Similarly, if Trikal Sandhya is performed at the right time and all its rules are followed, I believe that one can have a vision of God in one month, let alone six, and God will tell them about future events. If it hasn't happened for you, don't worry, God will bless you. Another thing is that all the rules of Trikal Sandhya must be followed: chanting the 16 names, the Dashavatara, the Durga Madhav Stuti, and reading the Srimad Bhagavatam. And one must have complete faith in God, unwavering devotion, and abandon the sense of 'I, me, mine,' violence, anger, and ego. Sages and saints performed penance for ages and still couldn't get a vision of God, but you all are going to get it in this age. Do it, you will surely get it. Many thousands, even lakhs of people have had visions, and you can too. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:33 · 07 April 2024

Q_2145 Pandit ji, regarding the incident that happened at the Mahakal temple on Rang Panchami, a pandit there said that Mahakal has now awakened, and only those who walk the path of truth will survive, as Mahakal himself has descended for destruction. Please shed some light on this and inform us if Lord Mahakal has truly awakened.

Answer: A very delightful question, daughter, you have asked a very good question. This is necessary. Look, I was in Chandigarh and I spoke about this during the Bhagavata Katha. The time when the fire broke out in the Mahakal temple was during Brahma Muhurta. A fire also broke out at the Jagannath temple during Brahma Muhurta, and a stone fell from the Jagannath temple during Brahma Muhurta about 20-25 days ago. And in the Mahakaleshwar temple, the fire broke out during Brahma Muhurta, the time when the deities are worshipped. The reason for this is that Lord Kalki is the Rudra

(destructive) form of Lord Shankar. And Lord Shankar has proven that 'I too have set out for destruction.' My servants, those who serve me, who worship me, they faced trouble, the incident happened to them. It happened to 13 people, who are close to God, and the number 13 is the number of Satya Yuga. Any establishment of Dharma is linked to numbers like 1, 7, 13, 27—these are very powerful and influential numbers. And it happened on that day. I had said before that Mother Vaishno Devi had come in 2018 for destruction and the establishment of Dharma, which is why diseases spread throughout the world. And Lord Shankar has left his place. In Odisha, the largest seat of Lord Shankar, Mani Baba, his trident, the one on top of the temple, also flew away in the wind a few days ago, within the last two or three months. So, Lord Shankar has set out for destruction. This is a warning for humanity. The message from Ujjaini Kshetra, from Mahakaleshwar, is that human civilization is heading towards a great war. Sinners will be burnt to ashes, and the righteous will be saved. Shankar will save the devotees and will surely destroy the sinners. This is proof of the times. Whether anyone believes it or not, this is consistent with the principles of the Bhavishya Purana. This is the truth.

► Watch this answer · 23:17 · 07 April 2024

Q_2146 My question is, just as the 16-syllable Mahamantra for Kali Yuga was 'Hare Krishna Hare Krishna... Hare Rama Hare Rama...', similarly, can we chant our Lord's Kalki Mahamantra on a mala? Devotees say that chanting the Mahamantra increases devotion. Is it right? Can we chant the Kalki Mahamantra?

Answer: Look, mother, the Mahamantra that was propagated by Lord Chaitanya Mahaprabhu should be chanted by everyone. It is necessary in our Sanatana Vaishnava tradition. But at this time, at the end of the era, a new era is about to begin, and Lord Kalki is coming. His name will be Madhav. Madhav is Kalki, and Kalki is Madhav. If the Lord of the infinite universes is coming, we should welcome him and chant his name. Because the Lord is coming, and if we are devotees, we should honor the name he is coming with. And the name 'Madhav' is the greatest element, the power that will take humanity from Kali Yuga to Satya Yuga. Achyutananda and the Panchasakha have written this in the Bhavishya Purana. That is why we are propagating this name. You should also chant the name Madhav during Trikal Sandhya and whenever your mind feels like it. But also chant the Mahamantra; do not leave it.

► Watch this answer · 26:10 · 07 April 2024

Q_2147 Father, the question is, what can we do at our own level to stop the killing of living beings (animal slaughter)?

Answer: Look, the Garuda Purana, Srimad Bhagavata Mahapurana, and Vishnu Purana's Bhavishya Malika clearly state that one who kills a living being never gets a human birth again. Not only that, they have to suffer the torments of Yama for an entire kalpa (eon). We have been given this human life for the path of liberation. Therefore, humans who want to make their life meaningful should refrain from killing living beings. You can write headings like this and distribute them to people. If you can make even one person a vegetarian, you will receive the fruit of 100 years of penance. It brings great welfare to one's human life. Someone might be a billionaire, but if they have nothing else, if they make one, two, or five people vegetarian, their life is fulfilled.

► Watch this answer · 28:04 · 07 April 2024

Q_2148 Father, there are two girls, aged 14 and 15, from Ahmedabad who love to perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and watch your Malika videos. However, their parents strictly do not let them follow this. So, both girls follow the stream secretly. They seek blessings from you, Prabhuji.

Answer: Look, I'll say one thing. You can talk to Mohan about this, but I'll tell you one thing. Practicing Dharma is not so simple. If parents are opposed, one should not oppose one's parents. I am not saying that anyone should oppose their father and mother. Yes, if the parents are not against Dharma itself, then one can practice it secretly. Because practicing Dharma not only brings welfare to the individual but also to the world. If children practice Dharma, their parents also benefit, and the family also benefits. In a house where Trikal Sandhya is performed, all faults are removed. My blessings are with them, God's blessings are with them. They should perform Trikal Sandhya. When the time comes, may God make their parents join as well. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:59 · 07 April 2024

Q_2149 Guruji, my question is that for the past few days, I have been unable to perform Trikal Sandhya. Some circumstances are arising because of which I am unable to do it. It feels like Maya (illusion) is enchanting me. I am also unable to attend the sabha's satsang, and my mobile phone has also broken down. These circumstances are arising for me.

Answer: Look, what can I say about the mobile phone, son? You said it yourself. See, when anyone makes mistakes in Maya, or strays from Dharma, or when bad thoughts enter the mind, then even the phone breaks. So you have understood. From now on, don't do this and perform Trikal Sandhya properly, and things will get better. Because to practice Dharma, Maya creates difficulties and obstacles. It can even divert people from their path. But this happens, son. Human life has five senses, and to control these senses, God gives punishment. You should know you have received punishment. If you don't improve and continue on the same path, then it's a different matter. Whatever has happened, move forward. Perform Trikal Sandhya. If you are unable to perform Trikal Sandhya, then chant the name of Madhav throughout the day. When your Dharma increases, you will be able to perform Trikal Sandhya again. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:36 · 07 April 2024

Q 2150 I wanted to tell you that I had a dream two days ago. The whole atmosphere became strange, its color was incomprehensible. People were running here and there. The ground was so dry that huge cracks had appeared, big enough for a tree to fall into. The entire land was full of such cracks. There were earthquakes, and suddenly a dam broke and a flood came. I was standing on that barren land, watching people run. As I looked up at the sky, a huge meteor came with great speed. Someone pulled me aside so I wouldn't be crushed. As I was pulled, a second meteor came right after, and I was crushed under it. As soon as that happened, my dream broke. Why did this happen? I want to know this from you.

Answer: Look, mother, those who perform Trikal Sandhya, who are devotees, God shows them that such times are coming. Today, a young man went to propagate the Bhavishya Malika to people of great traditions in India. The whole world is not on the right path. Before the great destruction, there is no eternal principle in the universe for the welfare of humanity other than the principles of the Bhavishya Purana, I am telling you this today. The people who reject the Bhavishya Malika today will fall at your feet and ask for salvation because that time is coming. Because humans learn only by seeing. But Achyutananda told the devotees in advance. And devotees who have such dreams are being shown what is going to happen. I have said before that so many meteors will fall from the sky that homes, families, and cities will burn. Forests will burn, there will be earthquakes, fire-deluge, wind-deluge, and war. A time of great destruction and disease is coming in 2025, 26, 27. It will be a time of great danger for humanity. I am telling you now, there will be no salvation. This is what is going to happen, and you are being shown this. Stay in the refuge of God. The devotees should become strong so that Dharma can be established and victorious over the demons. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 41:19 · 07 April 2024

Q 2151 Pandit ji, as far as I know, on March 29, 2025, Saturn will enter Pisces, but...

Answer: On Saturday, March 29, 2025, at 5:30 PM, the transit of Saturn into Pisces will happen. And Achyutananda had written about this transit of Saturn in Pisces: 'Mina Shani Guru Baare Padihi, Anka Dhruba Dhruba Bhadra Maasare, 13 Dina Paka Dhariba Graasa.' This means that during the time of Saturn in Pisces, a time will come in the month of Bhadra when calamity will grip the Earth. The Third World War, diseases, and disasters are coming during the time of Saturn in Pisces. For the protection of humanity, there is no other principle in the world besides the Bhavishya Malika. The time will come, and people will contemplate it, but the salvation of humanity is necessary beforehand. We are not concerned with any big traditions; we are concerned with the welfare of humanity, the welfare of human civilization, and the salvation of devotees. Those who want to become good, should become good. And those who came as good beings from Goloka, from the four yugas, they are also good. Because the times are very bad. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:22 · 07 April 2024

Q_2152 What will happen in Assam, Father?

Answer: Look, in the state of Assam, Goddess Kamakhya resides. A group of devotees called the 'Kamakhya Mandal' will be formed. And Mother Kamakhya Devi will save the devotees and will hunt down and kill the demons by entering their homes. She will not spare them. There will be massive floods and earthquakes in Assam, the likes of which have never been seen before. But the devotees will surely be saved. And this Bhavishya Malika is being propagated for the salvation of the devotees. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:08 · 07 April 2024

Q_2153 Guruji, I have an experience to share. Since childhood, I have been going to a nearby Hanuman ji temple. It feels like Hanuman ji is giving me signs about the future, that sin is increasing. Is this a sign, Guruji?

Answer: Devotees receive signs. Thoughts come to their minds, and the Lord shows them things in dreams. This is a good warning for devotees. If you receive a sign from God, you should follow it. Perform Trikal Sandhya, and to become a human of Dharma and truth, chant the name of Lord Madhav and read the Bhagavatam. You will be blessed.

► Watch this answer · 47:43 · 07 April 2024

Q_2154 Jai Shri Mata Pita Shri. I perform Trikal Sandhya and have been following the Bhavishya Malika for two-three months. I believe everything. I have given up meat and fish, but I still end up smoking three or four cigarettes every two-three days. How can I quit this?

Answer: Look, it is very good that you have quit meat and fish. It's excellent. See, you have given up meat, fish, and everything. Only cigarettes remain. When sages and saints went for penance for God-realization, which means the welfare of human life, their own welfare, they would renounce food, home, everything. What a great sacrifice! When your mind craves a cigarette, tell yourself, 'The sages renounced food and everything for months, years, even lifetimes. This is just a small thing for me to give up.' If you think like this and sit and chant the name of Madhav for a minute or two, the craving will go away. Tell yourself, 'This is not good for me, and I have to attain the Lord, go to Satya Yuga, and become a divine human. So this is bad for me.' With Madhav's grace, it will happen gradually. It's very good, son, give it up. Because Dharma is attained through sacrifice. You have made such big sacrifices; if you can't make this small one, then sit and chant the name of Madhav. At that moment, put a chocolate or a clove in your mouth, and your mind will be diverted. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 48:58 · 07 April 2024

Q_2155 Pandit ji, you say in the Malika that when Lord Madhav receives power from Lord Parashuram, he will alone hold the power of Balaram and everyone else. But I saw on a YouTube Odia channel, Prarthana TV, where they propagate that both Balaram ji and Kalki ji will come, and both will get two horses from a yajna, meaning two will come. But you say that Kalki ji will come alone. Please clarify this a little.

Answer: Achyutananda, in his Valmiki Kalpa Granth, has written: 'Dakshina skandhare Balaram, Bama bhage Rahibe Chakradhara.' This means Lord Krishna will be on the left shoulder and Balaram on the right, and both combined will become Kalki. It is also written: 'Sweta murti, sweta baasa, sweta aswa bahana... Shankha chakra dhara deva.' This means holding the conch, discus, mace, lotus, plough, and pestle, Lord Kalki will come in a single form. And in the Srimad Bhagavatam, Lord Vedavyasa has written that Lord Kalki, riding a horse named Devadatta and holding a sword named Nandaka, will carry out the destruction. Balaram will not carry out the destruction. This is what Vedavyasa ji has written, and what he has written is final. I don't know how much knowledge others have. I am deserving to spread the Malika; this right has been given to me by Achyutananda, my name is written. So the knowledge we have is by the grace of our Lord and Guru. And what others say here and there... Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:33 · 07 April 2024

Q_2156 I am speaking from Faridabad. After attending the sabha, I had a dream. I saw a young man enter a room with many other youths of his age. He stopped at a door, then came into the room. He was wearing a dhoti with a border and a yellow angarkha (upper garment). He sat on a small stool. I was sitting in front of him but couldn't say anything. He was just looking. In my heart, I felt he was the Lord, but I couldn't speak. After some time, he said, 'Everything will be fine.' This was an early morning dream, Pandit ji. Please tell me about it. He was in the form of a youth.

Answer: Look, an early morning dream is a sweet dream. And the Lord came and gave you a good blessing. Perform Trikal Sandhya. It is the Lord's grace, and you have received the vision of Madhav. There is nothing greater than this. You are fortunate. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 55:21 · 07 April 2024

Q_2157 I had a question for you. You said in your discourse that the 33 crore who will be saved will be deities (devatas). Since we are connected with the Sudharma Sangh, do we also fall into that category of deities you speak of? That was the question.

Answer: Because those who join the Sudharma Sangh are either deities, or residents of Goloka, or residents of Vrindavan, or were the monkeys with Lord Ram in Ayodhya, or were sages and saints in Satya Yuga. There is no one else besides them. It is absolutely correct. It has only one meaning: those who join the Sudharma Sangh, believe in the Bhavishya Malika, and perform Sandhya are in that same category of deities. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 56:41 · 07 April 2024

Q_2158 Pandit ji, I had a question. I saw a dream in which I was completely drenched in blood, and I had a sword in my hand. I was sitting outside the door of my house, waiting to see who would come next. I had this kind of tendency within me, even though this is not my nature. Please shed some light on this.

Answer: Look, a time will come when people will enter homes and harass and trouble others. God has shown you what will happen at that time. If needed, we will also have to fight. That time will come, and it is going to happen in the near future. God showed this to you in advance because a time of destruction is coming. Before the destruction, devotees receive warnings. Seeing such things, one should perform Trikal Sandhya and take refuge in the Lord. If you wish, go. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 57:38 · 07 April 2024

Q_2159 Pandit ji, this is not my question, it's someone else's. I just want to tell you something. A person came to your Chandigarh discourse for the first time. When you were on the Vyasa Gaddi (speaker's seat), they saw you in the form of a Naga Devata (serpent deity) with its hood spread out. They don't even do Trikal Sandhya, but have started now. We found out later, otherwise we would have introduced them to you. We have given them the Trikal Sandhya instructions, and they have started in the last few days. And every week on Tuesday, around 2-2:30 AM, they have a direct vision of Hanuman ji. What does this mean?

Answer: Look, in the surrender of devotion, some have come from Naga Loka (serpent world), some from Surya Loka (sun world) or Chandra Loka (moon world). Some are devotees, some are deities, some are residents of Goloka. As they come according to their devotion, each devotee has a different identity. And devotees get to see other devotees; they recognize each other, and their hearts accept it. This feeling of devotion is God's grace. It is a great thing that he had this vision.

► Watch this answer · 58:35 · 07 April 2024

SESSION 117 · QUESTIONS 2160–2186

L125- 2025 के मीन - शनि के योग बारे में मालिका में पहले से प्रकाश था | पंडित काशीनाथ मिश्रा

Date: 11 April 2024 · Watch the full session ↗

Q_2160 Father, you mentioned the timeline of 2032, right? So, let's say there are some great souls who have enough power to stop this event. Also, the original Bhavishya Malika is not with anyone. So, will this really happen by 2032?

Answer: Look, in the Srimad Ramcharitmanas, the great sage Valmiki had already written about the incarnation of Lord Ram. The Srimad Bhagavatam describes the incarnations of Lord Krishna, Lord Buddha, and Lord Chaitanya Mahaprabhu. The Srimad Bhagavatam also mentions the Kalki incarnation, as does the Bhavishya Malika. There will be no change in this. The only thing that needs to change is humanity. By performing the Trikal Sandhya, people will be saved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:21 · 11 April 2024

Q_2161 Father, Jai Shri Madhav. My question is, when we came to your assembly, it was mentioned that you have spoken of the establishment of Dharma by 2032. But at that time, I felt a sign from the Lord that although 2032 is written, all the great destruction and calamities will actually end by 2030. I had a premonition that things would become peaceful from 2032, but the period until 2030 will be more terrifying, and it will lighten up after that. I just want to ask you what that was.

Answer: Look, mother, the scriptures state that the period from 2025 to 2032 is the time for the establishment of Dharma. And Achyutananda has said, 'Lekha Libha Shakti Jaar, Athara Mu Sharana,' which means, 'I am writing this under the direction of the great Lord Mahaprabhu.' The Lord can move the timeline forward or backward; it is His will. But what is written will surely happen. The establishment of Dharma will happen, the transit of Saturn in Pisces is also happening, and the times ahead are not good. Therefore, in this world, the Trikal Sandhya is the path to humanity's salvation. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:26 · 11 April 2024

Q_2162 Father, I had a dream this morning. There was a brown door, and from behind it, I could hear the sound of anklets. My sister was saying that Madhav ji is dancing there and not to go. So I didn't. Then I went to another room, and on a table, there were three faces that I was hitting with my hands. One of the faces was trying to scare me, and I woke up. I was remembering Madhav ji. I wanted to know what this dream meant.

Answer: Look, when Dharma is being established, all the gods and goddesses awaken, and the Lord also awakens. As you have adopted the Trikal Sandhya and are moving towards the establishment of Dharma, the Lord is showing you this in a dream. The three demons represent the three elements of Kali Yuga—like illusion (maya), attachment (moha), and ego (ahankar)—which are opposing you, and you are beating them. This means you are engaged in the work of destroying unrighteousness for the light of Dharma to shine. It seems that in the future, you are going to move further towards Dharma. That is why the Lord has given you a sign in advance and showed you this in a dream. Devotees often see such things. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:33 · 11 April 2024

Q_2163 We are studying the Srimad Bhagavat Mahapuran, but besides that, which other books should we read to make our lives better, increase our devotion, and clear our doubts? Which books should we read?

Answer: If someone wants to move forward in life, it is essential for them to perform the Trikal Sandhya. It is necessary to read the Bhagavat Ji. One should chant the name of Madhav. Time is short, and it should be utilized in this way. It doesn't matter if you read other scriptures or not. Just by performing the Trikal Sandhya, chanting the name of Madhav, and reading one chapter of the Bhagavat Ji, humanity will achieve its greatest welfare. Any incomplete tasks or problems will be resolved. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 21:41 · 11 April 2024

Q_2164 I wanted to ask one thing. You mentioned that only those who were devotees of the Lord in the past will be able to understand the Malika and Trikal Sandhya. I have been doing Trikal Sandhya for 13 days. My question is, if we were devotees in a past life and had merits, why didn't the Lord give us a sign before, when we were committing sins? Why did we only find out about the Malika and Trikal Sandhya now?

Answer: Look, a human being acts according to their own will, and their actions control them. The Lord has given humans knowledge, wisdom, and senses to see what is true, good, and bad. To reform human beings, the Lord created the scriptures long ago. The actions we have performed, we did them of our own free will; the Lord has nothing to do with it. The Lord's grace is upon you, which is why you are turning towards Dharma. Whatever actions people have committed in the past, through the Trikal Sandhya and reading the Bhagavatam, those karmas will be nullified, and people will become virtuous and pure human beings. There is no problem; there is still time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:37 · 11 April 2024

Q_2165 Father, this transit of Saturn in Pisces is said to fall on a Thursday and then on a Saturday. What is this conflict? What does it mean?

Answer: What does it have to do with anything? Child, for the deities in heaven, the Saturn in Pisces transit will fall on a Thursday. On Earth, it will fall on a Saturday. Do you understand?

► Watch this answer · 24:36 · 11 April 2024

Q_2166 I want to ask, if the deities are awakened, have all the gods and goddesses awakened? And if so, have all the demons and such also awakened?

Answer: Look, demons are visible among humans. People act like demons—dancing and singing until 1 AM, drinking alcohol, eating meat, and have forgotten Sanatana Dharma. The gods and goddesses have awakened for these demons who kill living beings and are a calamity for the world. They will do their work. In Mahakaleshwar, the fire deluge that occurred at Brahma Muhurta upon the Lord's holy servants is a sign of the changing era, a sign of the Lord's destruction. In Odisha, the trident on top of a great Lord Shankar temple flew away in the air. This is a sign of destruction. The trident will bring annihilation. There is no time left. Whether you understand or not, there is no one on Earth to save you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:15 · 11 April 2024

Q_2167 My question is about the devotees from all four yugas (eras). There are many devotees in the world, but what are the characteristics of the Lord's beloved devotees from the four yugas? And how can we recognize them?

Answer: In India and across the world, all the Sanatanis who love the Bhavishya Malika, who perform the Trikal Sandhya, who love Madhav—they are the greatest devotees. It doesn't matter what great tradition they belong to. Achyutananda said that those who feel joy in their hearts upon hearing the Bhavishya Malika, thinking, 'My Lord is coming,' and who immerse their minds in it day and night—they are the devotees. That is the only characteristic. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:59 · 11 April 2024

Q_2168 I've been doing Trikal Sandhya for two and a half months and want to share an experience of its power. My uncle was on a ventilator, and I prayed for him, and he recovered. My question is, I'm from Prayagraj but haven't been able to join any group (sangha). How can I do that? Also, how should I read the Srimad Bhagavat Mahapuran? I don't know where to start or how to do it.

Answer: Look, for the Srimad Bhagavat Mahapuran, read the Gorakhpur Gita Press version. You can read it anytime between 3:40 AM and 12 AM. Mentally bathe in the Ganga, wash your hands and feet, and then read. You should start with one chapter, beginning from the 'Bhagavat Mahatmya'. Before you start, you can donate something to a cow. If you don't have the means, you can still read it. To join the Sudharma Mahasangh of Vishwa Sanatan Dharma, there is a number in the description. You can contact a young man named Mohan on that number and meet with all the devotees. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:08 · 11 April 2024

Q_2169 Father, I had a dream that a snake bit my right leg, and I was crying. My elder brother, who is also on this path, picked me up. Everyone else, including my own family, was ignoring me as if they didn't know me. My brother and I started chanting 'Madhav, Madhav,' and then the dream broke. What does this mean?

Answer: Look, being bitten by a snake in a dream is a sign of the light of Dharma and a good indication of moving towards righteousness. A black snake is a good sign. A snake bite is good. See, calamities will come, and at that time, you both were saved by the name of Madhav. You are seeing this in a dream. In the times to come, you will be saved from great calamities by chanting the name of Madhav. Madhav has proven that no matter what disasters come upon the world, all devotees will be saved by His name. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:30 · 11 April 2024

Q_2170 The last time you were live, I had a dream that same night. I saw stars falling from all around the sky, and from those stars, light spread all over the earth. The heat on the ground increased immensely, and the Earth was burning like fire. What does this mean?

Answer: It is written in the Bhavishya Malika, 'Jhanja Jhanja Kunja Hoi,' which means clusters of constellations will fall on the Earth, in which cities, forests, and houses will burn. You are seeing this. Follow the Bhavishya Malika, perform the Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav. You will be saved. Because when a devotee has a vision, it should be believed.

► Watch this answer · 32:21 · 11 April 2024

Q_2171 Guruji, what is written in the Bhavishya Malika about Kashi, Varanasi?

Answer: Look, Kashi-Varanasi will become a 'mandal' (a spiritual zone), a zone for devotees. Lakhs and lakhs of devotees will join the Vishwa Sanatan Dharma and the Sudharma Mahasangh. They will perform the Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and propagate the Bhavishya Malika for other devotees. This is good.

► Watch this answer · 33:17 · 11 April 2024

Q_2172 Guru, I had another dream where I saw many cloudbursts in Uttar Pradesh. What does this dream mean?

Answer: Look, all this will happen in the future. Those who listen to and read the Bhavishya Malika, believe in Madhav, and perform the Trikal Sandhya, the Lord appears to them and tells them what is going to happen. Such destruction will occur in the future, so the Lord shows it in advance. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:54 · 11 April 2024

Q_2173 Pandit ji, I wanted to ask about Achyutananda Das ji Maharaj. He had 13 births. Did those happen by the Lord's will, or did he take them to attain the Lord?

Answer: Look, humans, deities, and all the sages of the universe come in human form. Achyutananda was one of the eternal 'Pancha Sakha'. For the work of establishing Dharma, the Lord sent him 13 times. The number 13 is very significant for the end of Kali Yuga and the advent of Satya Yuga. So, Achyutananda took birth 13 times to advance the sanctity of establishing Dharma. It is difficult for anyone to come without the Lord's will. He came by the Lord's will and completed all his tasks by the Lord's will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:34 · 11 April 2024

Q_2174 Father, when my mother does her worship and applies the tilak (sacred mark) on the Lord's forehead, different symbols form there, like Om, Swastika, Shankha (conch), and Trishul (trident). What is the proof of this? What does it signify?

Answer: The proof is that during your mother's worship, the Lord comes through that element with His subtle divine power and proves, 'I accept your worship.' Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:42 · 11 April 2024

Q_2175 Father, today in Bihar, there was a thick, unseasonal fog in the morning. Also, on my farm, I found an eggplant and a bottle gourd each with a single stem but two fruits growing from it. Please shed some light on this.

Answer: Look, fog during the day when it's not even winter... Achyutananda wrote about this, that a time will come when fog will cover the day across the entire world, and it will suddenly become dark. This is just the beginning. It is a sign of the changing era, the establishment of Dharma, and the destruction of sinners. And seeing two fruits on one stem is a natural change due to the position of planets. You see many changes in nature, plants, and animals these days. This is happening because of the changing era. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:48 · 11 April 2024

Q_2176 We want to know about the Bhairavi Garjan (Roar of Bhairavi). When it happens, will the devotees be warned beforehand, or will it happen suddenly?

Answer: Okay, listen, mother. Sometime after the transit of Saturn in Pisces, a roar from the Goddess Bhairavi will come three times. In that roar, people's chests will burst, and they will die. Some will become deaf, handicapped, or mute. The devotees who perform the Trikal Sandhya will not hear the sound. There is no other path for anyone besides the Trikal Sandhya. One must perform it. Those who don't will face destruction during Mother Bhairavi's annihilation. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:07 · 11 April 2024

Q_2177 Father, I had a dream where it seemed like both of the Lord's hands were broken or missing, and Shri Ji (Radha) was missing one hand. Everyone was wrapping them in cloth, and we were crying, asking, 'Where are you taking our Lord?' What was the meaning of this?

Answer: Look, mother, the Lord has no hands, feet, or body; He is formless. He assumes a body by His own will. But this dream signifies that for human civilization, such a sorrowful time is coming. People will be deeply distressed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:44 · 11 April 2024

Q_2178 Pandit ji, you said that from December 2025, the destruction will intensify. I try to explain this to my family, but they give arguments. First, they say the scriptures describe the deluge differently. Second, they say it's all the Lord's will, so whatever happens, will happen. How should I explain it to them?

Answer: Look, teach your family what the scriptures say about the end of Kali Yuga. It will not last its full 432,000 years but will end after 5,000. Regarding 'whatever is to happen will happen'—those who are not devotees say this. A devotee will say, 'The Lord is coming, so we will go to His refuge.' Survival is not the main thing. The main thing is to have the darshan (vision) of the Lord and take refuge in Him. This is the greatest task for a human. Explain this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:54 · 11 April 2024

Q_2179 Namaste, Pandit ji. With the upcoming change of era, the system will be completely different. So, I can't focus on my studies, thinking, 'Where will this education be useful?' The system of the next era will be different, so why study?

Answer: Look, the change of era is proceeding on its own path, and humans are on their own path. We eat food every day and perform our duties (karma). For children, studying is a duty. Do not abandon that duty. Perform your karma. For whatever happens in the future, there is the Trikal Sandhya and refuge in the Lord. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:59 · 11 April 2024

Q_2180 Father, I wanted to ask about people with the Pisces zodiac sign. When Saturn enters Pisces, my little daughter has a Pisces moon sign. Will she face any trouble?

Answer: Look, in the coming times, things will not proceed according to the positions of planets and constellations. They will proceed according to Dharma. Therefore, make your child listen to and learn the Trikal Sandhya and the Bhagavat Ji. The planetary positions will have no effect on humans. The one who has Dharma will be blissful. The one who does not have Dharma will face bad times. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:58 · 11 April 2024

Q_2181 Guruji, for four days, I have been dreaming of the deluge. I am from Himachal. I see mountains falling, and I am running for my life. When waves of water came over me, I sat near a temple, started chanting Madhav's name, and the waves passed over me without harm. Then I saw the child form of Lord Krishna. I have this dream every night and also hear his flute. What does this mean?

Answer: Look, for a devotee, the Lord will make His presence known. It is your good fortune that you are getting the darshan of Lord Kanha. Those who perform the Trikal Sandhya get the Lord's darshan and are saved from all calamities by the name of Madhav. In the coming times, no one will survive without Madhav's name. In Himachal and Uttarakhand, there will be so many cloudbursts that people will witness the final stage of destruction. There is still time for all humans to come to the Lord's refuge to save their lives and families.

► Watch this answer · 45:47 · 11 April 2024

Q_2182 I try to tell my family and friends about these teachings, but they don't understand. My father still eats non-vegetarian food. They scold me, call me a fool, and laugh at me. My classmates say, 'Then why should we study?' How should I handle this?

Answer: Look, mother, people don't believe now. In 2025, 26, 27, diseases will come, and then they will come asking on their own. Don't tell those who don't want to listen. But bad times are coming. The geography of Himachal and Uttarakhand will completely change. I am telling you this in advance. At that time, they will say you were speaking the truth, but what is the benefit then? One should take refuge in the Lord before that time. If they do, they do; if they don't, it doesn't matter. You don't worry about it. Just continue your practice and only tell those who are good devotees and are interested. Jai.

► Watch this answer · 47:51 · 11 April 2024

Q_2183 Pandit ji, I have been with your satsang for over a year and a half. At home, everyone is vegetarian, but they do not chant the name of Madhav. My wife worships Goddess Kali and doesn't listen to me. What should I do?

Answer: Look, child, whether someone believes or not, you should not force anyone. We must do our work; the time is very near. It's okay. Let them be as they are. We are not to force anyone, okay?

► Watch this answer · 50:17 · 11 April 2024

Q_2184 Father, when reading the Bhagavat Mahapuran, should it be read in Hindi, or can it be read in other languages, like English?

Answer: Look, the essence of the scripture does not change with language. The essence is the same. Whichever language you like, whichever you are comfortable reading in, read it in that language. You will get the same results.

► Watch this answer · 51:24 · 11 April 2024

Q_2185 Father, how much of the Bhagavat Mahapuran should we read daily? I mean, how many shlokas (verses)?

Answer: Read it daily. Lord Vedavyasa has said to read the Bhagavatam from birth until death. Since Satya Yuga is coming, we will read the Bhagavatam daily. Our karma is to read the Bhagavatam, worship the Lord, chant His name, and live in bliss. If you can read one chapter, that is good. One chapter.

► Watch this answer · 51:58 · 11 April 2024

Q_2186 Pandit ji, I live in Indore, near Ujjain. When will you come here, to our region?

Answer: Look, a Bhagavat Katha (discourse) will happen in Ujjain, and the Bhavishya Purana will also be propagated there. I have not given a date yet, but all the arrangements are ready. When I give a date, the news will be spread through our online channels and satsang. You all can come and meet then.

► Watch this answer · 52:29 · 11 April 2024

SESSION 118 · QUESTIONS 2187–2210

L127- 2025 में बृहस्पति देव के अतिचारी गति से विश्व में धर्म का प्रकाश होगा | पंडित काशीनाथ मिश्रा

Date: 19 April 2024 · Watch the full session ↗

Q_2187 During the Navratri puja, the coconut I had kept turned out to be spoiled when I broke it on the ninth day. I didn't feel good about this. The coconut that was kept for nine days turned out to be spoiled. What does this mean?

Answer: Look, mother, there is no fault of yours in this. Mother Goddess Durga reveals this to her devotees, not to everyone. Since you are in devotion, mother, that is why Mother Goddess Durga has indicated that the times are not good for the world. Nothing bad will happen to you. The times are not good for the world, Mother Goddess Durga is proving this. Therefore, perform the Durga Madhav Stuti, the Trikal Sandhya, and take refuge in Madhav. You will be saved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 05:19 · 19 April 2024

Q_2188 My mother doesn't get time to complete the Trikal Sandhya. So how should she do it? She cannot do it three times a day.

Answer: Look, son, the Trikal Sandhya takes a total of 30 minutes for all three sandhyas. In a 24-hour day, we do our work and our duties. Give these 30 minutes which will provide everything from livelihood to all essentials for life. If there is some trouble or problem, then at that time, we can do a shortened version of the Trikal Sandhya. For example, chant the name of Madhav 108 times, the 16-name mantra, the names of the ten avatars (Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, etc.), and 'Durga Madhav, Durga Madhav' 36 times. This can be done in a short time, in one or two minutes. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 06:20 · 19 April 2024

Q_2189 Pandit ji, I had a dream the day before yesterday where three or four people were asking me if I knew about the Bhavishya Malika. I said yes, and they asked me to tell them about it. I was very happy and told them to gather as many people as possible, and I would tell them all about it. Just as I was about to speak, I woke up. And yesterday, a saint came to our house for a meal, and I gave him the Bhavishya Malika book and told him about it. What does this dream mean?

Answer: Look, the five people can be considered the eternal 'Pancha Sakha' (five friends of the Lord). They are asking about the essence of the Bhavishya Malika so that your faith becomes strong, and so that devotees propagate the Bhavishya Malika for the welfare of humanity. Those who know the Bhavishya Malika will be saved. This is the proof of that principle, mother. It is very joyful, it is good. Read it and share its ideas for the welfare of human civilization, so that humanity can be uplifted. Jai.

► Watch this answer · 07:41 · 19 April 2024

Q_2190 Jai Shri Pandit ji, the upcoming Chaitra Purnima is falling on a Tuesday. A video came on the group which said something about it, but it wasn't very clear. So, what is going to happen on this Chaitra Purnima?

Answer: Look, Chaitanya Purnima is a good time. It is beneficial for the world. Therefore, it is good for people; there is nothing bad in it. When Purnima (full moon) comes, it comes for the joy of the world. Amavasya (new moon) night is good for tantrics, for those who practice tantra and mantra. For humans, Purnima is good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:13 · 19 April 2024

Q_2191 Jai Shri Madhav, Father. Could you please elaborate on who the people of 'shuddh maans' (pure flesh) will be, and how they will go into Mother's 'khappar' (skull-cup)?

Answer: 'Shuddh maans' refers to those people who worship God but also consume fish, meat, and alcohol, and engage in immoral acts while still worshipping God. It is written about them in the scriptures; they are called 'shuddh maans'. This means those are the people who will be destroyed during the establishment of dharma. They are also called 'mlechhas'. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:41 · 19 April 2024

Q_2192 My question is, if cow slaughter stops, meat consumption stops, and the government makes such a law—if these major sins stop, is there even a 1% chance that the age of Kali Yuga could be extended, or that this divine play (leela) could stop?

Answer: You have said a very joyful thing, son, a very good thing. Look, mother, due to the slaughter of mother cow, the age of Kali Yuga was reduced by 100,000 years. If mother cow is protected, and protected in India, then the lifespan in India will increase. And if it happens all over the world, then the age of Kali Yuga can be extended a little. This is correct, this is absolutely correct. But people will not accept this. Because, look, we hope that in the coming time, such a situation and such laws will be made in India. But the people of the world will not agree; they are of the asura (demonic) tradition. Therefore, the establishment of dharma is inevitable. Yes, if they turn towards dharma and cow slaughter stops, then it can be extended. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:38 · 19 April 2024

Q_2193 I have read your books and seen you on Instagram. To be honest, after seeing it all, I don't really feel like anything like this will happen. The stories and all are fine, but it doesn't seem like any of this will actually happen.

Answer: You speak very well, son. Okay, no problem. I respect your feelings. But test the time, and then tell me what happens next. Because the signs from the Jagannath temple are indicating the destruction of the universe. The signs from the Mahakaleshwar temple are also of destruction; the servitors there were burned in a fire, one died, and 13 were burned. The entire world is moving towards war. In 2025, '26, '27, there will be a world war. There is no one on earth who can stop it. There will be no change. Whatever we have said will happen one by one. What was predicted has happened, and what is predicted will happen. I just respect your feelings. If it doesn't happen, it is for the welfare of the world. But I don't see it that way. Wait for the time, then we will talk next year about what is happening. Then we will talk in 2026 and 2027. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:56 · 19 April 2024

Q_2194 I was asking, if we do the Sandhya at 5:00 AM, is it mandatory to bathe, or can we do it just by washing our hands and face, or while sitting on the bed?

Answer: Look, when you are at your workplace and have to do the Trikal Sandhya at that time, you can perform a mental Ganga bath. In the morning, you can do it after bathing. But if you cannot bathe because your body or health is not well, then at that time too, bathing is not necessary. Chant the Sandhya mantra. Before chanting the mantra, utter the name of Mother Shri Ganga three times and perform a mental Ganga bath. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:46 · 19 April 2024

Q_2195 When will the Bhagwat Sabha (discourse) take place in Nagpur, Maharashtra?

Answer: There will definitely be a discourse in Nagpur. Many people in Nagpur also perform the Trikal Sandhya. We will try, perhaps in 2025, we will see. If God's grace is there, we can do it. There is a program planned, but I have not given a date for it yet. It will definitely happen, and when we get in touch through this medium, we will provide the information. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:48 · 19 April 2024

Q_2196 The Bhavishya Malika and the Bhagavad Gita say to adopt compassion, love, and peace. However, some people behave wickedly towards us, and they compel us to behave the same way with them. So, what should be done at such a time?

Answer: Look, mother, you should respond to people according to their actions. For those who do wrong, Achyutananda said to be like a coconut. Inside, the coconut is sweet and soft, but on the outside, it is hard. So, with bad people, you should stand firm against them, matching their behavior. And for the good people, the saints, the simple people of the world, for their salvation, you should practice truth, peace, compassion, and forgiveness. Bad for the bad, and good for the good—this is dharma, this is Sanatana. Sanatana followers hold a rosary in one hand and a spear in the other for the righteous war. Lord Parashurama, despite being born in a Brahmin family, told the Brahmins, 'You will perform worship and rituals, but you must also hold a weapon in your hand to destroy those who oppose dharma.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:42 · 19 April 2024

Q_2197 There are many other saints, like Asaram Bapu or Ram Rahim, who were jailed. So, what is the guarantee that your Bhavishya Malika or you yourself are not a fraud?

Answer: No one has been born on this earth who can prove the final scripture of Sanatana Dharma wrong, that's the first thing. And second, neither am I a fraud, nor am I adopted from any tradition. I have been created from Sanatana itself. And until Sanatana Dharma is established on earth, I will continue to work. No one on this earth has the power to stop me. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:20 · 19 April 2024

Q_2198 After doing Trikal Sandhya, I recite Hanuman Chalisa and Kalashtak. I have the Narayan text you mentioned, but I don't know how to read it, so I recite the Batuk Bhairav Kavach instead. Is that okay? And during the day, I use an electric counter to chant the name of Madhav about four to five thousand times daily.

Answer: Do it, no problem. Yes... Very joyful, very joyful. Do it, it's good. The more you chant, the more auspicious it is for you. Because those who chant the name of Madhav will be saved from all worldly elements. Jai.

► Watch this answer · 22:30 · 19 April 2024

Q_2199 Pandit ji, when will the gathering (sabha) be held in Jagannath Puri?

Answer: The gathering in Jagannath Puri will happen. Achyutananda has written about Jagannath Puri that when the population of devotees in the Srikshetra Mandal (Jagannath area) reaches one hundred thousand, and when the sea in front of the Jagannath temple comes beyond the 22 steps and then recedes, a large gathering will take place there. All the devotees will come. We are waiting for that time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:35 · 19 April 2024

Q_2200 I have complete faith in the Lord, and I say that I don't need anyone except the Lord. Is it my ego to say that I have complete faith in the Lord and need no one else?

Answer: Look, in this world, God is everything. If you have complete faith in God, it is a testament to your devotion. It is like the faith of Hanuman ji, Prahlada, and Dhruva. That is not ego; that is the purity of our mind and the culture of our ancestors. It is God's grace upon us. Very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:24 · 19 April 2024

Q_2201 When will the devotees have a vision of God in his 'sagun' (with form) aspect? When He begins His divine play (leela), when will devotees get to see His form?

Answer: Look, the 'sagun' form exists. The vision of the 'sagun' form will be granted to devotees, not to everyone. Those who perform Trikal Sandhya, who are in the refuge of Madhav, who follow the Bhavishya Malika, and who were with Lord Krishna in all four yugas and have taken birth again—only those people will surely have the vision of God's 'sagun' form. Achyutananda says the devotees have been waiting for four yugas for the vision of the Kalki avatar, and they will surely have his vision. It will just take a little time. Devotees should follow the Malika and take refuge in God, and they will find God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:14 · 19 April 2024

Q_2202 I have taken out a 5-year policy with LIC and SBI. So, should I continue paying for 5 years or stop it?

Answer: Look, you have taken a policy for 5 years. In the coming times, family protection will be necessary. If people face any problems, the family will get a good sum of money. So for those who take insurance for 5 years, it's not a big problem. The problem hasn't arrived yet. But I'll tell you one thing: in 2025 and '26, observe the upcoming events. After that, we will reconsider. When the Third World War starts, it will be like the Ukraine-Russia war, which has been going on for years. The world war will also go on like that, for about five to six years. So, wait for the time. Don't make any decisions now. We will act after observing the times ahead. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:26 · 19 April 2024

Q_2203 We perform the Trikal Sandhya and also read the Srimad Bhagavat. But I had a bit of a conflict: should we continue with all the previous worship and rituals we used to do, or not? Because it all adds up to a lot, but I get great satisfaction from doing the Lord's Trikal Sandhya.

Answer: Look, just by performing the Trikal Sandhya and reading one chapter of the Bhagavat ji anytime from Brahma Muhurta until 12 at night, you will receive God's grace. And whenever you get time, chant the name of Madhav. Through this, you will receive God's grace. Be joyful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:05 · 19 April 2024

Q_2204 I have been doing Trikal Sandhya for two or three months, but there is still a lack of peace in the house, and the atmosphere remains irritable. Why does this happen? Why do such problems persist even after doing the Sandhya?

Answer: Look, son, you do it alone, right? (Questioner confirms he does it, but his mother follows a different guru). Look, son, I'll tell you one thing. If you feel hungry, you eat, and you feel satisfied. Similarly, those who perform Trikal Sandhya benefit from it. The ancestors in that house also benefit. But if family members follow different paths, it causes conflict in the house. That's why. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:53 · 19 April 2024

Q_2205 I learned about the Malika from a friend and started researching it. At first, I couldn't believe it. Then I became interested in Lord Kalki. But when I searched online, I found many people claiming to be Kalki themselves. So, how can we normal people recognize who is the real Kalki and who is fake?

Answer: That's a very good point. Achyutananda also wrote about this. He said that when Kali Yuga ends and Lord Kalki begins his work, 12 Kalkis will appear and claim to be Kalki. But there is one thing: those who perform Trikal Sandhya will get the vision of Lord Kalki, and Lord Kalki will show them the right path. Wait for the time, perform the Sandhya, and stay in the refuge of Madhav. Madhav will save you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:00 · 19 April 2024

Q_2206 The Brahma Kumaris say Satya Yuga will begin in 2032 and teach good things like meditation. But they also say that our scriptures are wrong and that people practice devotion only for material gain. What does the Bhavishya Malika say about such organizations?

Answer: Look, in the world, only one dharma will remain: Sanatana Dharma. No other religion or creed will remain. And it is written in the Bhavishya Malika Purana that Lord Kalki will judge all religions. Those who oppose the scriptures and the Vedas will have no place. No place at all. Dharma will follow its own path, and the Lord will establish dharma based on the Vedas. Sanatana Dharma will move forward.

► Watch this answer · 35:01 · 19 April 2024

Q_2207 I have heard that when Kalki's divine play is over, devotees will receive a new, youthful body with a lifespan of 1000 years. Will all 64 crore devotees receive this, or only a select few?

Answer: Look, there will be a transformation in all humans. But the devotees, those who are close to the Lord, they will receive a divine life, divine youth, and divine power. And all the 64 crore people who will remain in the world, their lifespan will become 1000 years, and everyone will work for the welfare of the world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:42 · 19 April 2024

Q_2208 Just as the Ayodhya temple was built this year, can we see the Mathura temple being built soon in the same way?

Answer: I hope from God, may God's grace make it happen. It will be built with God's grace. Until it is God's will, it will not happen. We must wait for the time. The time will come when all the Sanatana sites in the world will be redeveloped by Vishwakarma ji. That time is coming. The land of the Lord of Mathura should be reclaimed. May God be gracious and fulfill the hopes of all devotees, this is my prayer to God. But it will probably take some more time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:33 · 19 April 2024

Q_2209 What does the Bhavishya Malika say about Balaram ji?

Answer: Look, in the Bhavishya Malika, Lord Kalki will come in a form that includes Balaram. In one body, there will be Mother Subhadra as Yogamaya Shakti, and in another body, Lord Kalki will come, whose name will be Lord Kalki, Kalki Madhav. So, in this way, the Lord is coming in one body with his brother and will establish dharma, and he will be called Kalki. Therefore, in time, the Lord Kalki will incarnate. The one who is Lord Balaram is Kalki, the one who is Lord Krishna is also Kalki. They are one and the same. Okay? Jai. Jai.

► Watch this answer · 38:50 · 19 April 2024

Q_2210 Which two other recitations did you mention to do after the Trikal Sandhya? And as you said that only the devotees will receive a divine body, we also want to be among those devotees. How can we become one of them? We perform Trikal Sandhya, read the Maha Bhagavata, and chant Madhav's name daily.

Answer: Okay, continue with such devotion, and God's grace will surely be with you. For those who perform the Trikal Sandhya, good times are coming. That is, good will come out of the bad. And for those who do bad deeds and think ill of the world, it will not be good for them.

► Watch this answer · 39:54 · 19 April 2024

SESSION 119 · QUESTIONS 2211–2227

L128 - विश्व में क्या परमाणु युद्ध होने वाला है? कब? | पंडित काशीनाथ मिश्रा

Date: 22 April 2024 · Watch the full session ↗

Q_2211 As you said that a terrible war will start in India from December 2025, as a student, I want to ask you that when China and 13 Muslim countries attack us, what will be the fate of all the schools, colleges, and universities in our country?

Answer: You've asked a good question. Look, my request to all the young people is to perform the Trikal Sandhya and also continue their studies. Because education is the most essential thing for us humans, especially for the youth. So, give more importance to your studies. Performing Trikal Sandhya will protect you from diseases and epidemics arising from the body and the five elements. I have told you that in '25, '26, '27, there will be a war between India, Pakistan, and China. This is because of the transit of Saturn in Pisces, which is written in the Bhavishya Malika. So, according to this, the war will take its course, but education will not stop. Education will continue. Therefore, study and also perform Trikal Sandhya, which will lead to better studies, a good job, and a good future, both spiritually and in this Kali Yuga. So, continue your studies alongside. Don't worry about it because this will happen in due time and it is in God's hands. It is written in the scriptures, and we are telling it for the upliftment of humanity. See, diseases and illnesses have come many times, and people have faced trouble. Even now, diseases haven't left people. A war-like situation is brewing all over the world, and the equations are changing globally. Along with this, we have to eat, study, and also hold onto religious principles to move forward. This is your duty.

► Watch this answer · 12:06 · 22 April 2024

Q_2212 So, Pandit ji, when all our enemy countries attack us with missiles or rockets, won't our schools and colleges be damaged, which will disrupt education?

Answer: Look, son, diseases and illnesses are also coming, and times are changing. So, we shouldn't worry. Those who perform Trikal Sandhya and take refuge in God, nothing will happen to them. Secondly, missile attacks will happen, this and that will happen. It is bound to happen with time. What is destined to happen, will happen. We will die in the future, but we still eat today, don't we? Therefore, do your duty (karma) and remain in God's refuge so that your life can be saved. Okay?

► Watch this answer · 14:12 · 22 April 2024

Q_2213 Pandit ji, what will be the fate of small cities?

Answer: Look, it doesn't matter if it's a small city or a big city. Those who are righteous (dharmic) will survive. This is a matter of dharma and adharma. Those who live by dharma will be saved, and those who live by adharma (unrighteousness) will be destroyed. A new, righteous Sanatani civilization will be created on Earth. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:52 · 22 April 2024

Q_2214 I was asking, as news is coming that in 2025 a solar storm will come, which will completely shut down the internet. All of NASA's space stations and satellites will melt and stop working. In that case, the internet will be finished in 2025. So how will we stay connected with you in the future?

Answer: Look, nothing major will happen in 2025; it will start from 2025. There won't be anything that big; the situation will continue like this, and there will be minor natural calamities. But three months before the Saturn transit in Pisces in '25, a new image of the world will appear. And the most important thing is that we should not worry about what will happen. I say just one thing: hold on to dharma (righteousness). Whatever happens, God will see to it. God will save and also cleanse. Therefore, to be saved and to reach God's feet, dharma is necessary. Accumulate dharma and perform righteous deeds. Study, become a good person, serve your parents, work for the welfare of the world, and hold on to dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:21 · 22 April 2024

Q_2215 Guruji, you had mentioned a period of darkness for seven days and seven nights. When will that happen?

Answer: Do you want darkness? No, you don't. Look, I didn't say it; it is written in the scriptures. There will be darkness for seven days and seven nights, during which time Lord Adi Vishnu Sanatan will create a new Sun God and a new Moon God. At that time, there will also be great destruction. The devotees will be saved at that time. The sinners will be destroyed. Those who have become a burden on the earth will be destroyed. Good people will remain. So what's the worry? Just hold on to dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:41 · 22 April 2024

Q_2216 What is the difference in meaning between 'Kanda' as used in Ramcharitmanas (like Lanka Kanda) and 'Skanda' as used in other scriptures?

Answer: The meaning is written in the Skanda. It contains the element of salvation, the welfare of humanity. 'Kanda' means God's actions. 'Karma Kanda' means the actions. The actions that Lord Rama performed are divided into seven 'Kandas'. Tulsidas Maharaj wrote each 'Kanda' separately, explaining God's actions as 'Kanda'. And 'Skanda' means the essence of the scripture that is written; it is written in the 'Skanda'. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:30 · 22 April 2024

Q_2217 I am having a dream where a saint is calling me to a temple and telling me to stop eating non-vegetarian food on Fridays. What does this mean?

Answer: Look, mother, they are saying some goddess is telling you to give it up on Fridays. See, Achyutananda has clearly written, and it is also composed in the Bhagavata, that those who eat fish, meat, drink alcohol, or take intoxicants will go to hell. Hell means the fruit of one's actions, and negative actions are those that are not permitted in the scriptures and Sanatana Dharma. Humans who perform these actions go to hell. It is the grace of God and the Goddess that they are telling you this. Understand this grace, mother. The mother figure you saw in the dream, be it Mother Saraswati, Mahalakshmi, or Bhuvaneshwari, is a holy vision. It is written that during the great war of Kali Yuga, there will be great

destruction in the Lingaraj area of Bhubaneswar. To save the devotees, the Goddess herself is coming to tell you, 'Daughter, change your ways.' Mother, completely give up non-vegetarian food. Perform Trikal Sandhya. Every creature has come to this earth according to their karma. The stream of our life should be under God's grace. When God's grace is obtained, the Goddess herself calls. This means, mother, you should mend your ways. If you don't, a time comes when many people see goddesses or gods in their dreams telling them to change. If they don't listen, after some days, they get a major illness or have an accident, and then they are destroyed. I have seen this. Because the Goddess is telling you once, it means her grace is upon you. Just accept this grace. If you can't, then consider it's not in your destiny. Okay, mother? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:25 · 22 April 2024

Q_2218 I was saying, is a pandemic going to come here as well? When will it come here?

Answer: The pandemic already came, didn't you see? A pandemic has come before as well. It will start from 2025. From '26 to '32, the destruction from the pandemic will strike the earth seven times. It has already happened about twice, and five more times the disease will come. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:52 · 22 April 2024

Q_2219 My question is regarding Trikal Sandhya. You have described a Trikal Sandhya, and there is also a book from Gita Press called 'Nitya Puja Prakash' which also describes Trikal Sandhya. I wanted to understand what the difference is between the two.

Answer: Look, Trikal Sandhya is mentioned in every scripture. Even in the Srimad Bhagavatam, there is a composition about Trikal Sandhya. But the Trikal Sandhya I speak of has different mantras. What mantras should be chanted during Trikal Sandhya, which I explain, might be written differently in other texts. But what I explain is that according to the Yuga (era), the mantras for Trikal Sandhya also differ. Accordingly, I tell the mantras as per the current Yuga, and we explain what is necessary for human salvation. In the Trikal Sandhya that I describe, one must chant the name 'Madhav' 108 times, the 16 names once, the Durga Madhav Stuti once, the Dashavatara shloka of God once, and read one chapter of the Srimad Bhagavat Mahapurana once during the day. This will take humanity to Satya Yuga. Just follow that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:21 · 22 April 2024

Q_2220 I want to share an experience. Yesterday, while cooking rice, the pressure cooker whistle came off, and hot steam and water fell on us, but it felt like a cool shower, and we didn't get a single blister. We have been doing Trikal Sandhya for a year. What is the meaning of this?

Answer: This is very joyful, mother. Look at your devotion. Trikal Sandhya keeps a person away from death, it keeps them away from calamities, it gives them employment, it gives them peace and happiness, and it fully illuminates life with spiritual essence. Trikal Sandhya alone saves humanity. God showed his grace and gave you this experience. So, hold on to this and walk in devotion to God. You will also be protected from future calamities. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:22 · 22 April 2024

Q_2221 Can we meet the Lord by performing Trikal Sandhya? What is the real purpose of doing it? Is it to enter Satya Yuga? But what if one doesn't want to go to Satya Yuga but only wants to meet the Lord? Can we meet the Lord by performing Trikal Sandhya?

Answer: Look, mother, by performing Trikal Sandhya, you will get a vision (darshan) of the Lord within seven days or a month. First, the Lord will give you dreams and experiences. Perform Trikal Sandhya and tell me what experiences you have. And I believe that any human who performs Trikal Sandhya will surely attain God. There is no change in this. This is the supreme element, the element of God's salvation and of attaining God. If you want to attain God, perform Trikal Sandhya. In it, you will also get a vision of God, and with that vision, in due time, the devotee will also unite with God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:48 · 22 April 2024

Q_2222 You give discourses and talk about the Bhavishya Malika, and many people say that you scare and threaten people by saying that everything will be destroyed. Why do you do that?

Answer: You've said a very good thing, son. I don't scare or threaten. Look, in the Jagannath culture, there is a scripture composed called the Bhavishya Purana. And God's eternal five companions (Pancha Sakha) composed this scripture, which is the final scripture of Sanatana Dharma. And in that scripture, it is written that humanity must turn towards dharma. If people do not turn towards dharma, then a calamity is coming for those people who are unrighteous, unjust, corrupt, and steeped in sin. And it is written that sinners will also be saved, and the righteous will also be saved. Those who practice dharma should be saved. Those who commit sins should also be shown the right path. They too should change and become good human beings. This is all I say. I never scare anyone. I have said this before, that this Bhavishya Purana was composed for the salvation and welfare of humanity. It contains a warning that such incidents are going to happen, so people should embrace dharma and purity. Where is the question of scaring in this? Okay?

► Watch this answer · 28:51 · 22 April 2024

Q_2223 Father, I want to do Trikal Sandhya. There are some mantras for performing it, so how can I get those mantras?

Answer: Those mantras... the number that is shown on our YouTube, contact the people at that number. They will send a PDF. Look, son, perform Trikal Sandhya for one day, two days, three days, five days, and see what a big change comes in your life and how much peace you will get. All worries will disappear. And the biggest faith will develop that God is our protector in this world. Okay? Contact the number below and get it. They will give it in PDF. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:42 · 22 April 2024

Q_2224 Will there be a satsang (spiritual gathering) in Jamshedpur?

Answer: There will definitely be a satsang in Jamshedpur. A satsang was supposed to happen in Bihar, in Chapra, but due to someone's death, the discourse was cancelled. It was scheduled from the 1st. We will definitely do it in the future. Please wait for the time. Perform Trikal Sandhya for the upliftment of human life. When the discourse happens, I will surely let you know. Next month, there is a discourse in Bangalore and one in Jharsuguda in Odisha. There are discourses in two places. If you wish, you can come. Arrangements for stay and food are all there. You can also come and attend the discourse.

► Watch this answer · 34:51 · 22 April 2024

Q_2225 My question is, I am from Gujarat. My family and the people around me are very good and follow dharma. But the problem is when I tell them about the current situation on Earth and what is written in the Bhavishya Malika, they don't join because they are all attached to their own religious paths. Many are associated with organizations like Brahma Kumaris, which also talk about the end of Kali Yuga, and they say they will stay with them and be saved. I feel they might not understand this until the very end. I am worried about all these good people who are not able to understand. What will happen to them? Please provide some guidance for them.

Answer: Look, it is written in the Bhavishya Malika that Lord Shri Narayan will establish only Sanatana Dharma. Due to Kali Yuga, dharma got divided. Many religions and sects emerged within Sanatana, and many different religions were also formed in the world. But a time is coming when all religions will merge into one dharma, Sanatana Dharma, whose leader will be Lord Kalki. The organization that devotees will join will be named 'Sudharma Maha Maha Sangh'. By joining it, devotees will become immortal and live on this earth as citizens of Satya Yuga. Whoever has it in their destiny will come. Those who don't have it in their destiny will not come even if you tell them a million times. Therefore, wait for the time. You are doing good work, performing Trikal Sandhya; this is a great grace of God. Only those who have the grace of Lord Vishnu and Lord Shankar get to perform Trikal Sandhya, and you have received it. You people are fortunate. Those who don't understand, perhaps God will grace them, and they too will understand. If they can't, it means it's not in their destiny. We cannot change anyone's destiny by trying.

► Watch this answer · 37:38 · 22 April 2024

Q_2226 Pandit ji, I am trying to memorize the Trikal Sandhya prayers. I am not very educated, and I keep forgetting some parts. How can I memorize it?

Answer: No problem, mother. Listen, read it from a text. Write it down on a piece of paper and read from it. You will memorize it with time, there's no issue. It's good that you are performing Trikal Sandhya. Vrindavan is a holy land of Lord Shri Krishna and Radha Rani, and you are also there. By performing Trikal Sandhya, people and devotees there will also be able to attain Radha Rani and Krishna. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:52 · 22 April 2024

Q_2227 I wanted to ask, on one hand, there is attachment, and on the other, the desire to get out of it. When I read the Gita, I start to detach. I feel no attachment to pleasures or sleep. But when I do my studies—I am a student—when I study any subject, it feels like I am getting entangled again in worldly pleasures and subjects.

Answer: Study, read the scriptures, and also perform Trikal Sandhya. Trikal Sandhya will save you, make you worthy for Satya Yuga, and make your body powerful. Reading scriptures will awaken knowledge and devotion. Continue your studies, your education, and your social and family duties. Fulfill them as well. Your welfare lies in this. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:49 · 22 April 2024

SESSION 120 · QUESTIONS 2228–2265

L130 - ईरान और यूक्रेन में युद्ध रुकेगा या तीव्र होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्रा

Date: 28 April 2024 · Watch the full session ↗

Q_2228 Pandit ji, I am Abhishek from Bareilly. When I meditate, I see my elder brother who committed suicide in 2017. He appears in my dreams and seems very troubled, as if he hasn't found liberation. I see him locked in a temple's jail, and he tells me he's in great distress. Then two pandits come and give me kheer and halwa. I feel so much pity that I give him the halwa and kheer to eat. Even in the dream, I tell him, 'You committed suicide, which is a great sin. You are suffering the consequences of your karma, but everything will be fine.' So, Pandit ji, I want to ask, can I perform the recitation of the Shrimad Bhagwat Mahapuran with a 'sankalp' (vow) in his name?

Answer: Look, that's a very good thing. You can take a vow (sankalp) and read the Bhagwat yourself for seven days to work towards his liberation. That's the first thing. Secondly, for his liberation... you know how Trikal Sandhya is performed at home? The ancestors who haven't attained liberation often appear in dreams or make their presence felt. Through the effect of Trikal Sandhya, he, who was not capable of communicating or making you feel his presence for a long time, gained some spiritual merit. That's why he was able to come into your dream and say something. So, don't worry. For seven days, all the family members at home should give up garlic, take a vow, and recite the Bhagwat for his liberation. His liberation will surely happen. This is a very good deed; do it. Also, through Trikal Sandhya, his purity is increasing, and his soul is gaining the strength to move forward. Okay?

► Watch this answer · 06:23 · 28 April 2024

Q_2229 Father, in the Shrimad Bhagwat Mahapuran, the seven-day recitation has a very long and detailed procedure described, like inviting Brahmins and taking the vow in a specific way. So how can we do it so that the full procedure's benefits reach my brother?

Answer: Look, nowhere in the Bhagwat does it say you must call a Brahmin to recite the katha at your home. You can do it yourself. One who is virtuous, staying away from desires and lust for seven days, surrendering yourself at the feet of Lord Madhav, the whole family can get together and complete the Bhagwat katha in seven days. Read it completely and take a vow. On a tripod, place a small earthen pot with some offerings like ghee bhog. Place it there. On top of that, place another small earthen pot. It will be there for seven days to listen. Tell him to come and listen. Then, recite the Bhagwat. He will depart, and his liberation will be achieved.

► Watch this answer · 08:41 · 28 April 2024

Q_2230 Pandit ji, I have started Trikal Sandhya on your advice. I want to know, in how many days will we see its effect?

Answer: Look, if you have devotion, surrender, and purity, you will definitely get some sense of it even after performing this Sandhya for seven days. You should do it. In my opinion, within a month, one can even have a 'darshan' (divine vision). The Lord often reveals things about the future in dreams. You will surely feel it. You will also get it. Do it with complete rules and devotion. This is not a 'sadhana' (spiritual practice for a specific goal). It is a 'dhara' (a stream or flow). It's not a sadhana where humans have expectations. There are no expectations here. It is a stream for the salvation of humanity and to prepare people for the Satya Yuga.

► Watch this answer · 10:01 · 28 April 2024

Q_2231 Pandit ji, I have taken a Guru Mantra. So, should I do this (Trikal Sandhya) with the Guru Mantra?

Answer: Look, son, for those who have taken a Guru Mantra, the time for the Guru Mantra is different. Your Guru Mantra is not at the same time as the Trikal Sandhya. So, at the time of Trikal Sandhya, do the Trikal Sandhya. Do your Guru Mantra according to how your Gurudev has instructed. Okay?

► Watch this answer · 11:01 · 28 April 2024

Q_2232 I want guidance. I don't eat it, but for other people, could you please shed some light on why one should not eat non-veg?

Answer: Look, a very good question: why not eat non-veg? See, 'Jiva bhuta sanatanah' (the living entity is eternal). In the Purushottam Yoga of the Bhagavad Gita, Lord Krishna told Arjuna, 'Jiva bhuta sanatanah.' Any being that has life, that moves, eats, drinks, performs actions, even if it cannot speak, is eternal. According to their karma, some get the birth of an animal, some a smaller creature, and some a human. So how can one eternal being eat another eternal being? That's the first principle. Second, every living being has a soul, and because of that soul, the being performs its karma. And due to the fruits of karma, one gets 8.4 million births—some as a fish, some as a goat, a chicken, an elephant, a horse, a tiger, a cat, or even plants. Such births are received according to one's karma. What karma? Those who have killed living beings, committed sins, harmed others, done wrong, not worshipped the gods, not worshipped the Lord, not followed dharma, and opposed dharma—they get such births. When that creature is experiencing the fruit of its karma, what right does a human have to deprive it of its karmic cycle and eat it? Therefore, the scriptures say that in the 560 million species of living beings, the authority of Brahman, the authority of God, exists. And if we kill and eat a body in which God's authority resides, we incur the sin of 'Brahma-hatya' (killing a Brahmin/Brahman), and there is no remedy for the sin of Brahma-hatya. Therefore, it is not the rule for one living being to eat another. The rule is for one living being to help another. It is written in the Shrimad Bhagwatam and Puranas that humans should take care of all living creatures and cooperate with everyone. But how have we become aggressors? How have we become terrorists? How have we become troublemakers? This is a demonic quality. One who has demonic qualities kills living beings. A true Sanatani has never killed a living being and has never been associated with the karma of those who do. Therefore, one living being should not kill another. It is written in the scriptures and Puranas that every living being has the life element, the Brahman element. So, those who kill Brahman have to wander through demonic and lower births and suffer the torture of Yama for 8.4 million births,

experiencing great sorrow. Therefore, a human is a living being, and another creature is also a living being; they are just big or small due to their karma. We should look after them, protect them, like the relationship between a father and son. This is happening because of Kali Yuga, but it will not continue in the future.

► Watch this answer · 11:27 · 28 April 2024

Q_2233 But there's one thing. If someone used to eat non-veg before but has now stopped and is walking on the path of dharma, does the sin they committed ever get erased?

Answer: Look, just as taking medicine for one day doesn't cure a disease—it takes many days—similarly, to cleanse a person's karma, it takes many days of Trikal Sandhya, good deeds, charity, righteousness, virtue, chanting, contemplation, kirtan, and remembrance. Through these, the sin diminishes, and a time comes when one becomes completely stainless. It doesn't happen in a day; it takes time. By doing this, through our conduct and our actions, the influence of dharma gradually starts to overpower the sin.

► Watch this answer · 14:55 · 28 April 2024

Q_2234 Guruji, my question was that you say there are 33 crore (330 million) deities, while others say there are 33 'mukh' (chief/types of) deities. Could you please shed some light on this?

Answer: Look, to run the world—not just this world, but countless universes, including realms like Patala Lok, Rasatala Lok, Talatala Lok, Bhutala Lok, Bhu Lok, Bhuvar Lok, Svar Lok, Jana Lok, Surya Lok, Chandra Lok, Swarga Lok, and the realms of Yakshas and Gandharvas—for all the living beings residing in these many realms according to their karma, God has created 33 crore (330 million) deities. And Achyutananda, in his scripture 'Shunya Panjar Granth', wrote about '56 koti jiva jantu, koti 33 dev'—meaning 560 million species and 33 crore deities. He wrote about 33 crore gods and goddesses. Among these 33 crore deities, if we count, there are the eight Vasus, 16... 64 Siddhas, 16 thousand sages who became deities... 16 thousand... so it adds up to 33 crore. People don't know this. These 33 crore gods and goddesses are not just on Earth; they watch over, sustain, and manage the entire cosmos with the grace and blessings of God, with divine power, with the power of Brahman. This is also written in the scriptures. In Odisha's Jagannath Bhavishya Malika, Achyutananda has mentioned 33 crore gods and goddesses. It is written in many scriptures; it's not just made up. Okay?

► Watch this answer · 15:51 · 28 April 2024

Q_2235 When we want to start the Ekadashi fast, what are the rules, and how can we begin it properly? Do we have to stop eating a day before, or how should we do it?

Answer: Do you perform Trikal Sandhya? (Yes, yes, father.) Okay, listen. If you want to observe the Ekadashi fast, no problem. Joyfully, wake up at Brahma Muhurta, leave your bed, take a bath, offer salutations to God and Surya Dev (the Sun God), offer water, perform Trikal Sandhya for some time, chant the mantra, that is, the name of Brahma Madhav. Then, according to your capacity, you can have one meal at one time, either between morning and noon or before sunset. You can have 'anna prasad' (grain-based food), fruits, roots; you can eat anything. At other times, you can drink water. But you must eat only one meal, not a second one. Then the next day, you can proceed as usual.

► Watch this answer · 17:54 · 28 April 2024

Q_2236 Father, can we eat rice on Dashami (the day before Ekadashi)? And what should be avoided on Dashami?

Answer: Look, grain is a boon from Mahalakshmi. Lord Jagannath eats grains daily. All deities eat grains. There is nothing wrong with grains. Anyone—sadhus, saints, sages—can traditionally have grain prasad. Grain is an element given by Mahalakshmi; you can eat it. But the grain you eat should be raw grain. For example, the parboiled rice available in the market should not be eaten. Rice that has not been boiled, that raw rice can be milled and cooked to be eaten.

► Watch this answer · 19:00 · 28 April 2024

Q_2237 You said that Madhav is Kalki and Kalki is Madhav, and you advised chanting the name 'Madhav'. So, how many malas (rosary rounds) should we do in a day?

Answer: Look, because of Kali Yuga, people have become confined to the mala, wondering how much to chant and how much not to. See, there is no rule for worshipping God. The more you chant, the more auspicious it is for you. Due to Kali Yuga, it has been limited to the mala, meaning we do 16 rounds, 5 rounds, or 8 rounds. What happens with this is that ego and pride enter the mind: 'I do this many rounds.' But if you do it countless times, the feeling comes to the mind, 'I might have missed some, let me do more.' This brings more devotion, and faith and devotion increase. Instead of depending on counting, that is, without relying on calculation, chant the name with an open mind, whenever you get time. This will bring well-being to the person, and God will also see that you have not set any rules for chanting His name, like chanting this much or that much. This should not be there.

► Watch this answer · 19:55 · 28 April 2024

Q_2238 When I read the Shrimad Bhagwat Mahapuran, it says that Lord Shankar, Lord Vishnu, and everyone... all the deities are one and the same, that 'you are great, you are great.' So, I don't understand whom to worship.

Answer: We are humans; we have come to this earth for salvation. The gods are great, what do we have to do with that? This is all the path of knowledge. Look, Lord Shankar is a part of Lord Mahavishnu, and so is Lord Brahma. At the time of dissolution (pralaya), Lord Shankar brings about destruction—he is Lord Vishnu. At the time of creation, He creates the universe in the form of Lord Brahma—he is Lord Vishnu. And at the time of sustenance, Lord Vishnu sustains as Narayana—he is Lord Vishnu. Why should we see any difference? We shouldn't see any difference at all. All the deities—Brahma, Vishnu, Mahesh—are one. And all have been glorified in the Bhagwatam. What does it matter to us? We should strive to receive their grace. If we go by that principle, then all are one. It's just that for the operation, creation, and dissolution of the universe, God has appeared in different forms. What does it matter to us? Whoever Lord Shankar is, He is God. Whoever Lord Brahma is, He is God. They are one and the same, okay?

► Watch this answer · 21:10 · 28 April 2024

Q_2239 Father, my salutations at your feet. In the Dvapara Yuga, when the Mahabharata happened, 64 crore (640 million) people died. And here in Kali Yuga, 64 crore are going to be saved. What is the significance of this, father?

Answer: In the Mahabharata war, 64 crore died, and in this birth, in this era, 64 crore are going to be saved. Yes, look, the number for the establishment of dharma varies from one era to another. This is the number for the establishment of dharma. As for how many died at that time, I haven't read it thoroughly in the scriptures. If you say so, son, look, the 64 crore who died came because of their karma. And this is about the Mahabharata war. In this era, one part of the Mahabharata war is still remaining. And in that remaining part of the war, those who were supposed to die but didn't, all of them will die in the future. Okay?

► Watch this answer · 22:47 · 28 April 2024

Q_2240 Pandit ji, I wanted to ask that since the end of Kali Yuga has begun, and when the 'Meen Shani' yog (astrological conjunction) happens... those who are in devotion and doing Trikal Sandhya will not be harmed. But as the end of Kali Yuga is approaching, will Kali make people commit sins? Will it affect the minds of those who are not in devotion and make them commit sins automatically, or will it force them to commit sins? I wanted to ask something like this.

Answer: Those beings who do bad deeds or knowingly make mistakes in their actions, God has already given them a warning. The era is ending, times are changing, and diseases, illnesses, wars, communalism, and sorrow and pain in the world are all increasing. This is a warning for humanity. And if they do not mend their ways after the warning, the being will definitely have to suffer the fruits of their karma. Every being suffers their own karma. The devotees who do good deeds, perform Trikal Sandhya, do charity, righteousness, and meritorious acts, and take refuge in Madhav, Lord Madhav will protect them and make them the people of Satya Yuga.

► Watch this answer · 23:53 · 28 April 2024

Q_2241 When we don't do Trikal Sandhya and read the Bhagwat Mahapuran... it's 2024 now. I have seen that until 2025 comes, Kali affects our minds and makes us commit sinful acts. So those who do Trikal Sandhya etc., won't commit sins. But as the end of the era approaches, like in 2026, 2027, will Kali deliberately make people commit sins even if they don't want to? How will this happen? How will Kali's influence work?

Answer: The influence of Kali is such that even righteous people have lost their way. Even virtuous people are getting involved in misdeeds. The reason for this is Kali Yuga's desire, lust, and greed. The first form of Kali is disease and greed. It will create greed in the human mind, immerse them in desire and lust, immerse them in intoxication, and by spreading anger and ego in the human body, it will bring people to a state of confusion through communal forces and social elements. Some good people will end up doing bad deeds, and they are already doing so. To be protected from this influence of Kali, to be protected from the filth of Kali, Achyutananda and the Panchasakha composed the Bhavishya Purana, which we are propagating. And those humans who perform Trikal Sandhya will have God's grace, and the influence of Kali will not be able to do anything to them. They will remain beyond all worldly and material elements. They will have no greed, attachment, or illusion. They will simply work while taking refuge in God. Therefore, by performing Trikal Sandhya, this filth of Kali will be removed from human civilization, and the influence of Kali will also cease. That is why all of you should perform Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 25:26 · 28 April 2024

Q_2242 The thing is, when a person eats another creature, it's a sin. But there are other creatures in the jungle or in the pond, where big creatures eat smaller creatures. Will they be saved? How will they be saved since one creature is eating another?

Answer: Look, some creatures have committed such bad karma that they have taken birth in a form that will be eaten by other creatures, and through that, their karma will be exhausted. And the other creature that is eating, that creature has no knowledge, no intellect, no discretion, no experience, no contemplation. It eats the other out of greed for food. Similarly, some humans who have committed bad deeds and great sins are born as fish or other small and large creatures. They will be eaten by other creatures many times, and through that, their karma will be exhausted, and then they will cross the 8.4 million births. So, this is not for humans. The other animals that do this are ignorant. And in that act, the karmic fruit of both creatures is considered. The one who eats is judged, and the karma of the one who is eaten is also judged. Then they take a new birth. Birth is received according to the fruits of karma.

► Watch this answer · 27:36 · 28 April 2024

Q_2243 I just need your blessings, father.

Answer: Yes, daughter, you have my blessings. Live joyfully, perform Trikal Sandhya, and remain in the refuge of Madhav.

► Watch this answer · 29:09 · 28 April 2024

Q_2244 Father, I wanted to ask that in the Bhagwatam, both knowledge (gyan) and love (prem) are discussed. But when Uddhava goes to Vraj to meet the Gopis, it is said that love is superior to knowledge. So, I want to hear from your lips how love is superior to knowledge.

Answer: Look, knowledge is like a market, a marketplace where there is knowledge of many things. Every piece of knowledge is related to another. The more you analyze one piece of knowledge, another piece of knowledge will emerge from it. But love is an element where there is no 'I', 'mine', 'you', 'yours', no material elements, no greed, no attachment, no ego—nothing. There is only sacrifice. And a person attains God through sacrifice. What kind of sacrifice? Suppressing—that is, sacrificing—desire, lust, attachment, pride, ego, greed, and all the senses. That is the benefit of love—sacrifice. In knowledge, there is no sacrifice. It's just like going to a market where they are selling 100 types of vegetables. We can only bring back as much as we can fit in our carry bags. We can't bring everything, and our mind will be left wanting, thinking about all the things we couldn't get. Knowledge is an element just like that. So, those who wander in knowledge never find satisfaction for their minds. They never attain nirvana, they never get liberation, moksha, or God. God comes through love. And the other form of love is sacrifice. When a person sacrifices all worldly attachments and offers love at the feet of God, God is attained.

► Watch this answer · 29:26 · 28 April 2024

Q_2245 Can I recite the Bajrang Baan?

Answer: Of course! Reciting the Bajrang Baan removes all obstacles like ghosts and evil spirits from the home. The Bajrang Baan is the infallible weapon of Hanuman ji. When Tulsidas Maharaj fell ill with a disease that couldn't be cured, he composed the Bajrang Baan. The Bajrang Baan is for the salvation of devotees, to save them from all obstacles. But along with that, the element of Trikal Sandhya is for the salvation of humanity.

► Watch this answer · 31:28 · 28 April 2024

Q_2246 Father, please give us your blessings. My daughter and I are both in this stream (dhara).

Answer: Okay, fine, daughter. You have my blessings. Jai Jagannath. May you be blessed. Be happy and perform righteous deeds.

► Watch this answer · 32:13 · 28 April 2024

Q_2247 Then I just wanted to ask this: how can we increase our love for the Lord so that we too become mad in His love? How can we do that?

Answer: Look, when you continuously chant the name, through the repeated interaction of the name with your body and material elements, a lot of impurity will be washed away. You will become worthy of recognizing God. And after recognizing God, all of a person's attachments fall away. And when a person says, 'I am helpless, I am without support,' then love, devotion, and surrender towards God will arise. To reach that state, perform Trikal Sandhya and chant the name. After doing it for a few days, the effect will gradually come into your mind. Move forward.

► Watch this answer · 32:33 · 28 April 2024

Q_2248 Prabhu ji, I wanted to ask that since I have started this, I don't feel like eating outside things like pizza, burgers, and all that. I don't feel like eating them at all. It's like I've completely quit them. I have no desire for them. Is this an experience?

Answer: No, this is wonderful. See, when a sattvic (pure) feeling comes, one will eat the food of a Sanatani. This external food, the food of foreigners, of demons, our people are eating because it is Kali Yuga. But with the change of the era, people will eat sattvic food, which causes no harm to the body. So, this is good, daughter. The element of Trikal Sandhya is having an effect on your body. That's why you are able to know what is true, what is good, and what is bad. This is great knowledge, isn't it? Trikal Sandhya influences the human mind, and it also brings restraint and self-control.

► Watch this answer · 33:40 · 28 April 2024

Q_2249 My question is, can we wear a Tulsi Kanthi Mala (Tulsi beads around the neck), or should we not wear it?

Answer: Look, every Sanatani should wear a Tulsi mala. But upon wearing a Tulsi mala, some rules must also be followed. First, people who wear a Tulsi mala should not come into physical contact with any woman other than their sister, wife, or mother. They shouldn't even touch another woman's body. Because just as Mother Tulsi is pure, we must also maintain that purity. Second, people who wear a Tulsi mala should remove it and keep it in a separate place when they are performing their daily ablutions, the natural daily functions of a human, because it is sacred. Third, people who wear a Tulsi mala should also perform Trikal Sandhya. And offering water to the Sun God is a great principle in the Sanatani tradition. Because the Tulsi mala purifies the body, one's actions should also be in accordance with that. Every Sanatani should wear a Tulsi mala. This is necessary for us. It also has a very good effect on the mind.

► Watch this answer · 34:42 · 28 April 2024

Q_2250 Father, please keep your blessings on me and my family.

Answer: Okay, daughter. May God grant that you all properly follow the principles of dharma and all of God's rules. In doing so, you will surely receive God's grace. My blessings are with every human in the world. But daughter, one thing is that we should progress further in our refuge in God, so that our hearts merge with God through our body, mind, and soul. Do that. You have my blessings. Move forward.

► Watch this answer · 36:13 · 28 April 2024

Q_2251 Father, my countless salutations to you. I need your blessings so that I can serve him...

Answer: Okay, you have my full blessings. Remain in the refuge of Madhav, read the Bhagwat, and perform Trikal Sandhya. My blessings are always with you.

► Watch this answer · 37:03 · 28 April 2024

Q_2252 Between the Narayan Kavach and the name Madhav, which is more powerful?

Answer: In dharma, the Name is the most powerful. The Narayan Kavach will save you from calamities. The name 'Madhav' will liberate a person from the cycle of life and the bondage of being a living entity. The Narayan Kavach will save you from material elements, while the name 'Madhav' will free you from all worldly elements and the bondage of the life cycle. This is the difference.

► Watch this answer · 38:00 · 28 April 2024

Q_2253 Father, please bless me so that my studies go well and I can study well.

Answer: Okay, I will also pray to God to bless you. But do one thing: follow the rules and the stream as I have explained. Your studies will go well. And for your studies, daughter, continuously chant the name of Madhav and study. You will surely receive God's grace.

► Watch this answer · 38:40 · 28 April 2024

Q_2254 We went for a darshan at Chhatia Bhat and got a Tulsi mala there, which we have been wearing. It's summer, so... we don't usually drink it, but for the last few days, we have been buying and drinking buttermilk from outside, the salty kind, because there is a lot of burning sensation in our stomach. Is it okay to do that?

Answer: The food from outside is not made well these days, which is why you are having a burning sensation. But look, there is no problem in eating any sattvic (pure) food. There is no prohibition. You can have sattvic food.

► Watch this answer · 39:18 · 28 April 2024

Q_2255 Pandit ji, I am a college student. I am able to do Trikal Sandhya in the morning and evening, but I am unable to do it in the afternoon. Please suggest a solution for this.

Answer: Look, son, if you don't get time in the afternoon... Trikal Sandhya takes about 10 minutes. So, in the afternoon, I can shorten it for you. The shloka with 16 names will take one minute. 'Durga Madhav, Durga Madhav' 36 times, the name 'Madhav' 108 times, and the names of the ten avatars: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Shri Buddha, Kalki. You can do this standing up in two to two-and-a-half minutes. If you really don't have time, do this. And also offer salutations to the Sun God at that time, so that the Sun God protects you from disease and calamities and gives you knowledge and strength. Okay?

► Watch this answer · 39:57 · 28 April 2024

Q_2256 I saw a snake and later helped a tortoise cross the road. What does that mean? Please explain.

Answer: A righteous deed has been added to your account. You saved a living being, so this righteous deed has been added. God saw that you are performing Trikal Sandhya and wanted to see your attitude towards living beings, and you proved it. Very good.

► Watch this answer · 42:11 · 28 April 2024

Q_2257 I have a milk business. I used to sell eggs but have stopped. Should I continue the milk business?

Answer: Continue the milk business. Start with milk. That is purity, the stream of Satya Yuga.

► Watch this answer · 42:29 · 28 April 2024

Q_2258 My name is Nilesh. I just wish to hear my name from your mouth once.

Answer: Okay, fine. Nilesh, increase your righteous deeds. Go forward and do God's work.

► Watch this answer · 43:04 · 28 April 2024

Q_2259 Guruji, I need your blessings. I do the recitation for four days, and then I fall sick and am unable to continue. I can't do the Sandhya recitation. Why do I fall sick? I don't know why this happens. I remain very ill.

Answer: Look, daughter, whatever the illness may be, you don't have to bathe for Trikal Sandhya. There is no need for a major bath or ablutions for Trikal Sandhya. If you fall ill, do it at that time. Because see, when illness comes, it's as if Kali is consuming you. By performing Trikal Sandhya, positive energy will enter your body, the grace of God and the deities will come. Don't stop. Do it even at that time, anywhere—lying down, sitting, not standing—however you wish, but do not stop Trikal Sandhya. If you cannot recite the Trikal Sandhya prayers, then chant the name of Madhav at that time.

► Watch this answer · 43:38 · 28 April 2024

Q_2260 Please give me your blessings so that I can do it. I am unable to do it many times.

Answer: He will bless you. You keep trying.

► Watch this answer · 44:58 · 28 April 2024

Q_2261 Father, I wanted to say that it's been 10 months since I started doing Trikal Sandhya, but I have started getting very angry again. I get very angry over every little thing.

Answer: Look, Kali is having an effect. You have done Sandhya for 10 months, which is very good. But when you get angry, think that this body is going to perish one day. So, on whom and for what should I be angry? The body is transient; one day it will merge with the five elements. So why think about this body? This body creates everything. So, forget this body. Say, 'This body will not remain, why should I be angry? O Lord, grant me liberation and take me.' To reach this state,

continue with Trikal Sandhya. And when you get angry, sit down and look straight at Madhav. Say, 'Lord, there is no one in this world for me. Maya is consuming me. Keep me away from Maya.' And the people you get angry with, move a little away from that place and sit alone for 10-15 minutes. The anger will go away. And say, 'The world is an illusion. We have just come here to perform our karma, so on whom should we be angry? We have to do our karma and leave. If we get angry, it will create an obstacle in our karma.' Just think that our karma... this anger is the biggest bondage. It is stopping us from moving forward. So how to control it? Say, 'This is an element that is forcing me to be troubled. I am not that element. I am of the divine element.' Think this constantly. And the anger that comes from the body, say, 'This body is transient, where will the anger go? Where will greed, attachment, and illusion go?' Think about all this. Because the body is ephemeral; one day it will be cremated in fire and merge with the five elements. The anger you feel will go with your karma. Therefore, it is our biggest enemy. Renounce it.

► Watch this answer · 45:27 · 28 April 2024

Q_2262 When someone comes to our house, they say, 'There is a lot of positivity in your house.' But I have noticed one thing: since we shifted to this house, nothing positive has happened. The children in the house also fight among themselves, and misunderstandings have increased a lot. So, no progressive thing has happened in this house. Could you please tell me something about this?

Answer: Look, if you feel negativity in the house, then all the family members should sit together and discuss the Bhagwatam. One person should read, and the others should listen. There will be no conflict in the house. The fights that are happening among the children will also stop. Make everyone sit and listen to the Bhagwatam, and explain the pastimes of Lord Krishna one by one. Just see how much purity will come into them. And with that, all the deities will also come, and the negativity of the house will turn into positivity. And if you all perform Trikal Sandhya, then in my opinion, there shouldn't be any negativity. All negativity will go away. And make all the children sit and listen to the Bhagwatam. The children will also become good and idealistic. If you don't make them listen, what will happen? People are troubled by demonic elements. So, make them listen to the Bhagwatam. Make all the children sit; they will become a little more cultured. And by listening to it, the children will not fight among themselves.

► Watch this answer · 47:42 · 28 April 2024

Q_2263 My father was in the ICU. He was discharged today. Please pray to God for him that everything becomes alright. They have also suggested an angiography. So, I request you to please pray for him that he gets well and has no problems. Please, please pray to God.

Answer: To everyone who is online with us, I request you all to pray to God for her father. But also pray for one more thing: that after her father gets well, we also do good karma in the future. So, I request everyone to pray that God's grace be upon her father, that the light of dharma shines on him, and that her father receives spiritual strength, the element of dharma, and God's grace. This is my request to everyone.

► Watch this answer · 49:22 · 28 April 2024

Q_2264 If a love marriage is done with the parents' consent, is it still a sin? And nowadays, inter-caste marriages also happen. After that, do the ancestors get salvation when the husband and wife perform any rituals for them?

Answer: Look, daughter, according to the stream of our Vedas... see, Brahmin, Kshatriya, Vaishya, Shudra—all are created by God, all are one. But in marriage, the Vedas have said that a man from a higher caste can marry a woman from any lower caste. This marriage is also sanctioned by the Vedas because when a daughter from a lower caste marries into a higher caste, her caste is elevated. There is no degradation of caste because the worldly dharma is followed according to the husband. But if a woman is from a higher caste, it is not the rule for her to marry into a lower caste. In that, the family dharma (kul dharma) is violated, it leads to 'varna shankara' (intermixture of castes), and in that worldly system, the ancestors do not get liberation, and it also violates the rules of the Vedas. So, men of higher castes can marry into lower castes, but for women of higher castes to marry into lower castes—for example, if a Brahmin woman marries a Shudra or a Kshatriya, she becomes a Kshatriya. Her caste is being degraded. And this degradation is a condemnation of the birth that a person has received according to their karma in the worldly Vedic stream. Meaning, after being born in a high caste, she is going to another caste. In this, the family dharma is destroyed. Every caste is one. At Lord Jagannath's temple, 36 types of sevaks (servants) serve him; people from every caste serve. Every caste should be respected. But marriage should happen according to one's own caste and gotra (lineage), as it is written in our Vedic stream. That should be followed.

► Watch this answer · 50:22 · 28 April 2024

Q_2265 Our question is that when our parents don't give us permission for satsang (spiritual gathering), sometimes we feel a little irritated. So, should we obey them? If we obey, then that is also a form of dharma, that we are obeying our parents. But on the other hand, if we obey them, then in a way we are not walking on the path of dharma because we are not going to the satsang. Could you please shed some light on this?

Answer: Look, daughter, this irritation that comes in the human mind is all due to the senses, because we have not yet realized the element of knowledge. When we realize that we have little time, and in this short time, we have to remain in the refuge of God while also performing our family duties and worldly duties, and then we have to depart, then all these things will go away. Therefore, daughter, if any conflict or irritation comes to your mind, sit and chant the name of God. And in that, think that this body has come to go to the refuge of God, to get liberation from the bondage of karma. Therefore, God is our greatest Lord, master, friend, and relative. So, worship Him. By worshipping Him, this thought will always come to your mind: the world is all an illusion, so on whom should I be angry? On whom should my mind be influenced? If the world is an illusion and Brahman is the truth, then a time will come when your faith in the truth of Brahman will be established. Then, whatever happens in the world, you will say, 'Leave it, what do I have to do with this? I have to leave.' People who are on a journey do not stay on the road, because their time will be wasted. A time will come when your mind will also reach this state, when you become absorbed in the love, devotion, and feeling for God. So, constantly try and pray, 'Lord, keep me away from Maya. The world is an illusion.' Because of this illusion, many types of questions and distinctions arise in the human mind. In truth, there is no distinction, no question. So, ask God, 'O Lord, give me that truth.' Ask God, and God will do everything.

► Watch this answer · 53:52 · 28 April 2024

SESSION 121 · QUESTIONS 2266–2288

L131: क्या अमेरिका और चीन मिलकर भारत के विरुद्ध समझौता करेंगे? भविष्य मालिका में क्या लिखा हुआ है।

Date: 02 May 2024 · Watch the full session ↗

Q 2266 Father, I was saying that according to the Bhavishya Malika, it first reaches the devotees. So, in Vrindavan, there are many devotees, like Premanand Ji Maharaj, who is a great devotee of Radha. How did the Bhavishya Malika reach householders like us before it reached them? We are hardly greater devotees than them.

Answer: Look, who is a complete devotee and who is not is written in the Bhavishya Purana. And who is a devotee and who is not, the time is coming to test it. Between 2025 and 2029, many diseases will come. The great traditions, the great devotees we speak of, will have to hold on to Trikal Sandhya to fight; otherwise, time will not be on their side, I am telling you beforehand. Secondly, those who are true devotees will understand the Bhavishya Malika. Those who are not devotees will not understand it, will not respect it, and will not even consider it. I sent the Bhavishya Malika to the great traditions of India; I know what reaction I received. That's why I have all the information about what is going to happen and what is not. But a true devotee is one, as Achyutananda said, 'Ananya jahi mahima prakash ja.' This means that the true devotees of Lord Shri Krishna will find great joy in the Bhavishya Malika. They will accept it, understand it, and also follow it. Therefore, wherever God wishes for it to be propagated, it will surely be propagated there. There are many people in Vrindavan and Mathura who believe in the Bhavishya Malika, perform Trikal Sandhya, and have formed circles. And for those who don't need it, who are not worthy—meaning those who do not have the right as devotees to the Bhavishya Malika—even when it reached them, they did not accept it. What does it matter? Our job is to propagate and save the devotees. The one who is a devotee will understand; the one who is not a devotee will not understand.

► Watch this answer · 08:28 · 02 May 2024

Q_2267 Pandit ji, I had a dream where I saw Goddess Durga with 8 or 10 arms, the Lord, and Goddess Saraswati all together. The Lord was playing a game of hide-and-seek and I couldn't catch him. Later, I saw a reflection of Mahaprabhu Balabhadra in the washroom, and I still see it. Please shed some light on this. Should we consider this impure because the reflection appears in the bathroom? Or is this a divine play (leela) of the Lord?

Answer: The dream you had is a play of both Durga and Madhav. Mother Durga, Mahalakshmi, Yog Maya, sometimes take the form of Saraswati, sometimes Mother Mahalakshmi, and sometimes Mother Mahakali, according to their will. They manifest in infinite forms throughout the universe. This is the time for the establishment of dharma by Durga and Madhav, which is why you had this dream. And how you saw the Lord but couldn't catch him, and about the bathroom... For us, a bathroom is a bathroom, for us, it is unclean. But the ultimate element is one. God is always everywhere; God is in every particle of the earth. Therefore, this is a matter of the mind's purity and God's imagination. Strengthen your Trikal Sandhya, read the Bhagavat Ji, and as you progress with time, you will have many more dreams in which God, the gods, and goddesses will tell you about the times to come.

► Watch this answer · 11:18 · 02 May 2024

Q_2268 Pandit ji, I feel suffocated when I try to speak these days. This didn't happen before. I also have experiences of Goddess Durga, and I feel that she is always with me. But I feel this suffocation. What does this mean?

Answer: Mother, it's very good. If you feel suffocated, get it checked by a doctor so that if there is any problem, it can be identified. Get an ECG done as well. But one thing is, along with devotion, action (karma) is also necessary. You have God's grace, which is why God repeatedly gives you visions and makes you feel His presence. This is the effect of your devotion, and because of it, God will surely protect you. But also get a medical examination done to find out why you feel suffocated. It can also be due to a cough, cold, or pain; get that checked too. And perform Madhav's Trikal Sandhya; you will surely get the Mother's protection and grace.

► Watch this answer · 15:32 · 02 May 2024

Q_2269 I am from Maharashtra, I spoke to you to get your blessings.

Answer: Okay, mother, the blessings are surely there. But you all should follow dharma, purity, and my stream of thought so that you will definitely receive God's grace, and with that grace, you and your family can move forward.

► Watch this answer · 18:46 · 02 May 2024

Q_2270 I had a question related to my life. It is written in that book that electronic items will stop working. Does this also mean that our careers will be gone? I am in an MBA program, does this mean that many people will become unemployed?

Answer: Look, son, that time has not come yet. The situation will start to form from 2025. But God gave us birth and also our karma (actions). If there is a change in the whole world, we will also change. If electronics don't work in the whole world, then what will we do with electronics? But that time is not now. 2032-33 is the time for the establishment of dharma. So for now, just study, work, and do your karma. As the world changes with time, we will also change. Suppose the price of gold today is 5000, but a time will come when no one will buy gold even for 1 rupee. Work is necessary according to the times. Do your work; you have studied, so get a good job. When the world changes, we will move into the next era with the new changes, and there we will receive God's grace and live in bliss. It moves with time. You do your work, do your duty. And along with your duty, also practice dharma so that this body can survive and enter the next era.

► Watch this answer · 19:11 · 02 May 2024

Q_2271 Guruji, for the last two or three days, I've been having a dream where I see a person chasing me like a demon, and I run away from him in fear. And another person calls out to me loudly, saying 'Devi Kanya, Devi Kanya' (Divine Maiden). This has been happening intermittently. What does it mean?

Answer: Listen, this is the effect of Kali (the demon of Kali Yuga). You are performing Trikal Sandhya, that's why Kali is chasing you and scaring you, as if to say, 'I will not spare you.' But you are receiving the grace of the gods, as they say, 'She is a divine maiden, what is the use of going after her?' The gods have come to earth, they are performing Trikal Sandhya, and you have also joined them. So this is proof that through Trikal Sandhya, the demon Kali and his influence can destroy sinful people, but he cannot do anything to the devotees.

► Watch this answer · 21:13 · 02 May 2024

Q_2272 Father, I also see in my dreams people slaughtering cows on the side. I get very angry and ask, 'Why are you slaughtering the cow?' And they repeatedly tell me, 'Devi Kanya, save us! Devi Kanya, save us!' What does this mean?

Answer: By God's grace, something might happen in the future, so I will not discuss this openly, mother. Secondly, those who slaughter mother cow are the demons. On one hand, God is showing their sin, and you are also seeing the deity of sin. At the same time, the light of dharma is also manifesting, as the gods make you feel that, yes, this can be done. A time will come when you all, with divine power, can punish and destroy those in the world who slaughter mother cow and commit sins. So, time is the greatest factor. Remain at God's feet; you have seen a good dream. Okay.

► Watch this answer · 22:54 · 02 May 2024

Q_2273 My question is this, Acharya: when the war between India and Pakistan happens, according to the Bhavishya Malika, will China, along with 13 Muslim countries, attack India at the same time, or will it attack after the war is over?

Answer: No, it will be at the same time, together. First, Pakistan will attack, and along with that, China will attack within a day or two. They will fight together, and then the 13 Muslim countries will also join them and fight against India at the same time.

► Watch this answer · 24:31 · 02 May 2024

Q_2274 Greetings, Father. My question is, when we perform Trikal Sandhya, we sing 'Keshava dhrta-buddha-sarira' in the Dashavatara Stotra. Is this referring to Lord Buddha or Gautama Buddha? There is a lot of confusion because Lord Buddha is also described in the Bhagavatam.

Answer: Look, the Buddha who came in the middle ages, who is also called Gautama Buddha, is not a different Buddha. Because only one Buddha came in the Kali Yuga. The Lord has three avatars in this age: Buddha Dev, Chaitanya Bhagavan, and Kalki. So, this is the same one; it is clear in the Bhavishya Malika. The one who is Gautama Buddha is the same Buddha; there is no difference. It is about that same Buddha avatar, who came to earth as the son of Anjana in the city of Kīkaṭa. He was our Lord, an avatar who came to protect dharma and oppose the killing of animals. For some days, dharma spread, but after that, people became immersed in sin. Now, they are taking Buddhism in a different direction. But a time will come when even the good saints in Buddhism will take refuge in Lord Kalki.

► Watch this answer · 25:26 · 02 May 2024

Q_2275 Did you recognize me? This is Nilesh from Ulhasnagar.

Answer: Nilesh, yes, yes. You called just to say Jagannath. I am listening to you. How are you, son?

► Watch this answer · 27:47 · 02 May 2024

Q_2276 I had a dream between 3 and 4 AM. I was longing for the Lord's darshan, and in the dream, he came to my house wearing a black t-shirt and shorts. I served him simple food, which he ate happily. He said our relationship is from birth after birth. His knees were hurting, so I massaged his feet. What does this mean, Father?

Answer: Mother, are you performing Trikal Sandhya? I had told you that those who perform Trikal Sandhya will get a vision of God. And according to the scriptures, Lord Kalki's age is 17, and he likes to wear black clothes. That is why he gave you a vision in that form. You are fortunate. To let your fortune grow, remain in devotion and perform Trikal Sandhya. Those who perform it have received the darshan of Lord Jagannath; what is the need to go to his temple? Trikal Sandhya is such a great power that what sages could not achieve in thousands of years, a person in Kali Yuga can achieve in a few days or a month—they can get a vision of God and His proximity. You have received the vision of Lord Kalki's avatar in human form. You are very fortunate.

► Watch this answer · 31:42 · 02 May 2024

Q_2277 Father, I want to share a very significant experience. A few days ago, I was crying in front of my Kanha ji, whom I consider my brother, saying I just want to meet him. That very same night, a friend called and asked if I wanted to go to Vrindavan, and now I am going in June. It happened right after I cried to him.

Answer: Yes, daughter, very good. Look, it wasn't a dream, it's real. In truth, the region of Vrindavan was from the Dvapara Yuga. At this time, Lord Kalki has taken birth in Sambal, which we call Bauddha Vrindavan. Because wherever the Lord resides, that is Vrindavan. You have God's grace upon you. The Bhavishya Malika was composed 600 years ago so that when Lord Krishna comes, devotees can recognize him. You are very young; perform Trikal Sandhya, stay in the refuge of Madhav. In the future, you may also be able to contribute to the Lord's establishment of dharma.

► Watch this answer · 35:43 · 02 May 2024

Q_2278 Pandit ji, I need to talk to you a little bit in private, can I do that?

Answer: If we talk personally, everyone will hear, how can that be a private conversation? Look, if you want to talk personally, there is a number below, call a boy named Monu on that number. Tell him that I told you to call, that you have something personal to discuss. He will contact me and arrange a phone call for you. If it's not personal, you can talk here.

► Watch this answer · 38:20 · 02 May 2024

Q_2279 Pandit ji, this is Akash Thakur. As you said that in 2026 there might be a war between India and China or Pakistan, I was thinking, for the service of my country, can I, as an ordinary citizen, go to defend my country?

Answer: Look, serving the country is the duty of every citizen. You have a very good intention. But this is a time for serving the country, for salvation, and for righteous deeds. The devotees also need to be saved, so this is also service to the country. Go and serve according to your capacity. And perform Trikal Sandhya, because protecting human life is the biggest question. To protect humanity from the coming diseases and calamities, Trikal Sandhya is necessary. Therefore, perform Trikal Sandhya, and serve the country according to your capacity, in a way that your family, your parents, and your body all remain in a state of bliss and happiness.

► Watch this answer · 39:00 · 02 May 2024

Q_2280 Father, I have a question that many people have. For those of us in household life, as husband and wife, in this age of Kali Yuga, we are unable to control the act of sexual intercourse. So, for those in household life, is there any fault in this or not? Please shed some light on this.

Answer: You have asked a very good question. It is written in the Srimad Bhagavata Purana, there is a rule for Sanatanis. The rule is that after having children as needed, a husband and wife should not live in lust and desire. However, in modern life, people are unable to stay away from that act because today's environment distracts them. But try as much as you can to maintain some distance. All husbands and wives should stay a little away from this lust and desire because this is our Sanatana rule, as it destroys a person's celibacy (brahmacharya). The less contact, the better. The Satya Yuga is coming, so you all should also slowly move towards self-control. This is not good.

► Watch this answer · 40:27 · 02 May 2024

Q_2281 If I tell someone to give up meat and alcohol, they feel that this is the work of holy men and women, and that they cannot give it up in their society. If I try to explain what is going to happen in the future, they are not ready to understand. They feel it will happen, but there is a lot of time. How should I deal with them?

Answer: Look, we are looking for those devotees who have worked with God for four yugas, so they can come in contact with God. The devotees who come selflessly, without thinking whether it will happen or not, are the true devotees. We don't tell anyone that destruction is coming, so you should turn to dharma. The Bhavishya Malika is for the salvation of those devotees who were with the Lord in his divine plays in all four yugas. The people you talk to, it is not in their destiny; they are unfortunate. Destruction will definitely happen. God has held it back because the devotees have not yet been saved. When it increases, they will see destruction everywhere, but then it will be of no use. The devotees will come before that. Just look for the devotees and speak to them; it is not good to discuss with other people. What is the use of telling the demons?

► Watch this answer · 42:49 · 02 May 2024

Q_2282 Guruji, when I started Trikal Sandhya last November, I had dreams of Lord Shrinathji, Lord Jagannath, and Mother Lakshmi. In one dream, Mother Lakshmi even threatened me with a sword for not doing Trikal Sandhya properly. But now, to be honest, I have become very lazy and am not able to do the morning Sandhya. I feel that the hope God had in me before is now diminishing.

Answer: Look, Mother Mahalakshmi is also Durga and Kali. She placed that sword on your neck because destruction is coming. Perform Trikal Sandhya. People who do not perform it will not survive on earth, I am warning you again and again. The world will have to accept the principle of Trikal Sandhya. Therefore, perform it at the right time to be protected from the coming calamity. You say you don't have time... this is the element to conquer death! To conquer death, Trikal Sandhya is the only element; there is no other. Humans will have to accept it. Those who don't will see destruction. Just as you received God's vision before, you will receive it again. Perform Trikal Sandhya, don't be lazy, you are young, move forward. May God's grace be with you.

► Watch this answer · 45:29 · 02 May 2024

Q_2283 Father, I wanted to ask, I have to start observing Ekadashi. Should I start with the Ekadashi coming on the 4th, or should I start with the Nirjala Ekadashi?

Answer: Start now, start from tonight. Don't waste time. Because, son, just as we eat food every day to survive, this is not food, this is nectar. Drink it. You will be protected by it.

► Watch this answer · 49:27 · 02 May 2024

Q_2284 I have a question. You said that in the end, 640 million people will survive. Then, in a video, you warned people, 'There is still time, mend your ways.' What is the benefit of warning them if it is already certain that 640 million devotees will survive?

Answer: Absolutely, everything will happen by God's will. But the scriptures say not to twist their meaning but to present them clearly and firmly to the people of Kali Yuga. The more firmly you state it, the more good it will do. The people of Kali Yuga are lazy, greedy, lustful, and always want pleasure. To bring them onto the right path, the scriptures must be described clearly. We do that. Those who have it in their destiny will accept it. The unfortunate ones don't even listen.

► Watch this answer · 49:54 · 02 May 2024

Q_2285 Father, just five minutes ago I lit a lamp. I had kept a peacock feather in the temple, and it fell on the lamp and started burning. My daughter started crying, 'Mama, run, there's a fire!' What is this a sign of, Father?

Answer: Do you perform Trikal Sandhya? As you perform Trikal Sandhya, Lord Krishna is giving you proof that the peacock crown will no longer work; destruction will now take place. The burning of the peacock crown in your house is a warning for you devotees that the Lord will carry out destructive work in the future. You will have no trouble, don't worry. You perform Trikal Sandhya, what is there to fear? If anyone performs Trikal Sandhya, they have no fear. Live well. Sit and chant bhajans 108 times at night and receive Madhav's grace.

► Watch this answer · 51:05 · 02 May 2024

Q_2286 I was asking, Father, an acquaintance of mine has two cats, one is black and one is golden-colored. Can I adopt them?

Answer: Look, one should take care of animals, but don't get attached to them. Respecting every animal, raising them, feeding them—this is human duty. But don't get attached; keep your attachment to God. Yes, for the sake of karma, you can raise them, meaning for their service. Serving animals is also good.

► Watch this answer · 52:43 · 02 May 2024

Q_2287 Pandit ji, I used to be very devoted, but now I have duties and studies. When I do my devotion, my focus shifts from my duties, and when I do my work, my focus on devotion lessens. How can I do both together? And when I'm not doing devotion, I don't know what the Lord is thinking. He remains silent, he doesn't speak, right?

Answer: God speaks, God listens, God eats. Didn't I tell you, last month a daughter from Punjab fed God khichdi? Where is it that God doesn't listen or eat? You must increase your devotion. Do your work and studies too. Devotion will increase with Trikal Sandhya. 30 minutes of Trikal Sandhya in a 24-hour day can save your life. Even those who fail exams or interviews have become worthy of employment by performing it. You have to give 30 minutes a day. By doing so, along with a person's salvation, God also fulfills their material needs. Perform Trikal Sandhya, devotion will come, and God's grace will be there.

► Watch this answer · 54:15 · 02 May 2024

Q_2288 Pandit ji, a year and a half ago, I fell into lust and committed very bad deeds. By the Lord's grace, I heard his stories and stopped sinning. I even took initiation and my devotion was going well, but lustful desires troubled me again. While no major sin was committed, small sins like masturbation keep happening. Can a lowly and wretched person like me also be saved or not?

Answer: Look, son, God saves everyone. He saves sinners, the righteous, and devotees. That is why the Bhavishya Malika says this scripture is for the salvation of all. You are not a sinner. Sometimes, a person does wrong deeds, but the person is not bad, the soul is not bad. There is still time. Perform Trikal Sandhya, stay in the refuge of Madhav. With time, that bad habit will change, and you will become good again. It's okay, son. Make God your guru, become a disciple of God, then you will be saved. Therefore, perform Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 56:06 · 02 May 2024

SESSION 122 · QUESTIONS 2289–2321

L132: ज्यादा धूप और सऊदी में बारिश का कारण क्या है? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 05 May 2024 · Watch the full session ↗

Q_2289 Why is this climate change happening?

Answer: This is happening because of the change of eras (Yuga Parivartan). It is written in our scriptures that at the end of Satya Yuga, Treta Yuga, and Dvapara Yuga, major changes in the weather occurred on Earth. The situation we see today—increasing heat, unseasonal rains, deserts turning green—is a sign of this. This is happening because Sanatana Dharma will be established across the world, and with its light, even the desert regions will become green, beautiful, and sacred. This is a sign of the changing era. The temperature is rising, large forests are catching fire, and this will continue until unrighteousness, sin, corruption, and atrocities are eliminated from human civilization. This change of era will bring great transformations and also great calamities for humanity.

► Watch this answer · 02:11 · 05 May 2024

Q_2290 I wanted to ask... my father is having an angiography. Please ask everyone here to pray for me and my father, so that everything goes well and he has no problems.

Answer: Okay. For everyone connected in this satsang, her father is in the hospital and is in some trouble. I request all devotees to pray to God for her father's well-being and successful treatment. May God's grace be upon him. This is service to humanity; there are no 'ours' and 'theirs,' everyone is our own. So I request you all to pray.

► Watch this answer · 07:16 · 05 May 2024

Q_2291 I have a question. I often get stuck between my mind and my heart. I am enjoying devotion now, and my mother has also joined the stream. When I meditate on the Lord, I feel good, and negative thoughts are much less frequent than before. But sometimes, while I'm meditating and feeling good, a negative thought about the Lord or something else suddenly pops into my mind. When I look into my heart, I see nothing like that, only the Lord. I get stuck wondering, if there's nothing like that in my heart, where did this thought suddenly come from?

Answer: When a conflict or any disturbing external negativity enters your mind, at that moment, sit and chant the name 'Madhav' 108 times. Take refuge in Madhav, in the form of Lord Krishna or Lord Rama, whichever form you prefer, and chant 108 times. Then, the feeling of devotion will return.

► Watch this answer · 08:27 · 05 May 2024

Q_2292 What is the difference between love and devotion?

Answer: The difference between love (prem) and devotion (bhakti) is that when love for God comes first, devotion will follow. We become attached to whom we love. First, understand that God is the only one who will liberate you in this world. Awaken love for God, sing praises of His glory, and read about His divine plays (leelas) in the scriptures. As you continue to read, with time and God's grace, Mother Bhakti (the goddess of devotion) will come and reside in you, and devotion will arise. The scriptures mention three ways to attain devotion: first is idol worship, second is reading scriptures, and third is contemplating or reading about the Lord's divine plays and glory. Devotion comes from these three elements. You can read scriptures, worship an idol of the Lord and offer your devotion, or attain devotion by glorifying the Lord and chanting His name. Chanting His name will take time; it won't happen in a day or a month.

► Watch this answer · 09:52 · 05 May 2024

Q_2293 We are facing a lot of problems at home with our business and with illnesses. Please give your blessings so that everything becomes alright.

Answer: Okay, do one thing. Conduct a seven-day reading of the Bhagavata Purana at home. The whole family should get together and chant the name of Madhav. This will resolve your family's problems. My blessings are fully with you. Organize a seven-day Bhagavata reading at your home with all your family members. Feed the mother cow some roti daily. With purity of mind and body, read the Bhagavata for seven days. Distancing yourself from worldly feelings, pray to the Lord, 'O Lord, please fix our family's situation.' There is a slight fault in the soil of the land where your house is built, which is causing this. Do this, and it might be the remedy. Also, chant the name of Madhav, and tell everyone to chant the name of Mother Mahalakshmi 108 times for the business to improve.

► Watch this answer · 11:37 · 05 May 2024

Q_2294 My question is that here in Canada, Mother Cow is subjected to a lot of cruelty, not just by those who eat meat, but also in the dairy industry. So, I have this dilemma: by drinking milk and eating cheese, which are necessary for children, are we contributing to more cruelty towards Mother Cow? Are we responsible for it? What should we do?

Answer: You've asked a very good question. First, pray to Lord Krishna every day. Say, 'Lord, please establish Dharma as soon as possible and protect Mother Cow from this cruelty.' This is in God's hands, and when devotees pray, God will surely do something. Second, consuming products made from Mother Cow's milk, like cheese, does not bring any sin upon you, because Mother Cow is a mother. Just as our mother feeds us milk and raises us, Mother Cow sustains humanity her whole life by giving her milk. There is no sin in this. Those who do wrong, it is their karma; we have nothing to do with it. You can eat cheese and drink milk; there is no sin. But pray to God for the swift establishment of Dharma and the protection of Mother Cow. Until Sanatana Dharma is established, it will be difficult to stop cow slaughter on this earth. So, take refuge in God; the time is near. If you ever get time, you can also do some small service in a Goshala (cow shelter). This strengthens our religious power as Sanatani Hindus.

► Watch this answer · 13:39 · 05 May 2024

Q_2295 What is the meaning of the five colors in the Panchrangi Dhwaja (five-colored flag)?

Answer: They represent Truth (Satya), Peace (Shanti), Compassion (Daya), Forgiveness (Kshama), and Friendship (Maitri). There will be truth, peace, and compassion—meaning compassion for people even if they make mistakes, compassion for all living beings, and opposition to the killing of animals. Forgiveness means even the biggest sinners can be forgiven. And friendship means the whole world is one family (Vasudhaiva Kutumbakam). This is the flag of Sanatana Dharma. Lord Krishna established Dharma in the Dvapara Yuga with this flag. The same flag, through the Sudharma Mahasangh, will establish Sanatana Dharma throughout the world. Therefore, the flag of Lord Kalki will be this five-colored flag. Devotees should first hoist it in their own homes.

► Watch this answer · 17:09 · 05 May 2024

Q_2296 Before I knew about the Bhavishya Malika, I had faith in a certain guru. Can I still take initiation (diksha) from them now, after knowing about the Bhavishya Malika and being in this stream?

Answer: In the current times, I would say that time is short. One should take refuge in Lord Krishna or Lord Kalki. It will be difficult for any other tradition (parampara) to save humanity. For liberation, take refuge in Lord Kalki, chant his name, and perform Trikal Sandhya. There is no time left. A time of great change is coming. The period from 2025 to 2032 will be a great test for human civilization, and during this time, no other tradition will be able to protect you. If you want to fulfill the purpose of your life, you must perform Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 18:17 · 05 May 2024

Q_2297 It's been four months since I started doing Trikal Sandhya, but I don't have any spiritual experiences or visions of the Lord. I feel like there is some shortcoming in me. When I hear about others' experiences, I wonder why it's not happening to me.

Answer: Okay. If you want to have a vision of the Lord, then read about Lord Krishna's 'Dwarika Vijay' (Victory of Dwarka). There is a chapter in the Srimad Bhagavatam called 'Dwarika Aagman' (Arrival in Dwarka). Read it every month. And pray to Lord Madhav. See, until you take complete refuge in Madhav and have faith in him, how will you get a vision of the Lord? So, along with that, chant the name 'Madhav' 108 times. You will surely have a vision of the Lord.

► Watch this answer · 19:34 · 05 May 2024

Q_2298 When I do Trikal Sandhya, sometimes I feel sleepy. I pray that I don't fall asleep, but when I close my eyes, I start seeing scenes. I feel very bad about this. Is this due to some negativity, or is it that I cannot bear the power of the Trikal Sandhya?

Answer: See, when you perform Trikal Sandhya, the deities (devatas) arrive, and Nidra Devi (the goddess of sleep) also arrives. Due to the influence of the deities, some people yawn, and some feel sleepy. This is a very good, positive sign. Continue doing it because it is having an effect on you. As you keep doing Trikal Sandhya, with God's grace, this will stop happening later. It happens for a few days in the beginning. This is not negativity; it's a good sign. Continue.

► Watch this answer · 21:10 · 05 May 2024

Q_2299 I just want to have a vision of the Lord. How can I get one?

Answer: You will surely get a vision of the Lord. The Lord gives visions in dreams during Sandhya. He will definitely give it, but wait for the right time. If someone wants a vision, they should chant the name 'Madhav' 108 times before sleeping and ask Madhav for a vision. Then tell me what happens. You will surely get a vision. If anyone wants a vision, chant the name 'Madhav' 108 times before sleeping and say, 'Lord Madhav, please give me a vision.' A vision is certain, and it does happen.

► Watch this answer · 22:20 · 05 May 2024

Q_2300 When I do Trikal Sandhya, I yawn a lot, and tears just keep flowing from my eyes, they don't stop. I feel that perhaps I am making some mistake, and that's why this happens.

Answer: It doesn't just happen to you; it happens to me too, my child. This is because the deities (devatas) enter the body. You are not making any mistake; it is a good thing. The 33 crore gods and goddesses will enter human bodies, turn them into deities, and create the Satya Yuga. Those who perform Trikal Sandhya will each become a deity. The power of 33 crore gods and deities comes during Trikal Sandhya, which is why you yawn. It is very blissful. This is a good sign.

► Watch this answer · 23:09 · 05 May 2024

Q_2301 Is the pandemic coming in the month of Vaishakh? Is it coming after the 13-day fortnight (paksha)?

Answer: A pandemic will come in the month of Vaishakh. After that, as I have said before, on March 29, 2025, at 5:20 PM, Saturn will transit into Pisces (Meen Shani). Before or during this transit, which will last for three and a half years, a very destructive disease will come. There will be 64 types of diseases. Seven times, the sound of death will disturb human civilization on Earth. We heard the sound of death once with Corona. The sound of death that will come next will be true death. When the disease comes, it is the Lord's responsibility. He will save the devotees and those who do Trikal Sandhya on one hand, and punish the sinners on the other.

► Watch this answer · 27:34 · 05 May 2024

Q_2302 Just as Lord Rama was born in the Raghu clan (Raghukul) and Lord Krishna was in the Yadu clan (Yadukul), in which clan will Lord Madhav be born?

Answer: Madhav will take incarnation in the Suryavansh (Solar Dynasty). And his old gotra (lineage), all the rules, and the planetary positions will all align in the same way as before.

► Watch this answer · 28:46 · 05 May 2024

Q_2303 I have been trying to talk to you for a long time. I've gathered the courage today to ask for your blessings.

Answer: Okay. May the grace of Lord Krishna and Lord Jagannath be upon you. To protect yourself from the coming problems on Earth, read the Srimad Bhagavatam daily. This is my blessing. My blessing is the reading of the Srimad Bhagavatam because this one element for the welfare of humanity was hidden, which I have now revealed. The blessings are always there, but do as I say, and you will be blessed.

► Watch this answer · 29:52 · 05 May 2024

Q_2304 I want to ask about an experience I had in a dream. I was holding Lord Madhav's feet, and he showed me his complete cosmic form (Virat Roop) in the sky. Immediately after that, I had a vision of Goddess Durga. What does this mean?

Answer: The Lord showed his cosmic form to Arjuna, and he has now shown it to you. The vision of Mother Durga Devi means that the Lord will establish Dharma by assuming his cosmic form. The sage Ananda has written, 'He will assume the cosmic form.' The Lord gave you a vision in his cosmic form; you are very fortunate.

► Watch this answer · 30:46 · 05 May 2024

Q_2305 My brother and father work very hard, but their work doesn't succeed. What should they do?

Answer: God puts people with similar karmas in the same boat. If they are not getting the fruits of their labor, tell them to perform Trikal Sandhya and chant the name of Madhav. Then they will get the results. People who had nothing have seen great progress and development in their lives through Trikal Sandhya and purity. So tell them to do it. First, chant the name of Madhav, then move forward and do this as well. Doing everything will surely bring results.

► Watch this answer · 32:34 · 05 May 2024

Q_2306 You said that the Lord will be born in the Suryavansh (Solar Dynasty). But Suryavanshis are Rajputs. You also said he will be born as a Brahmin, but Brahmins are not Suryavanshis, are they?

Answer: The Lord will first be born in a Brahmin clan. The family he is born into will be a Brahmin family. From the day the Lord is born, that lineage will become the Suryavansh. This is written in the Bhavishya Purana. Whichever clan or caste the Lord is born into, His lineage remains the Suryavansh. It is written in the Bhavishya Purana that the Lord will be born in a Brahmin clan, and when He is born, His lineage will become famous as the Suryavansh.

► Watch this answer · 33:50 · 05 May 2024

Q_2307 I am in the stream, but it's not possible for me to give up onion and garlic right now. I wish to wear a Kanthi Mala (sacred necklace). Can I do so?

Answer: Yes, if you want to wear a Kanthi Mala, you can. Onion and garlic are not non-vegetarian, but they are not used in temples. Even those who eat them can wear a Kanthi Mala. According to the rules, when you are eating onion and garlic, you should take off the mala and keep it aside. After eating, you can wear it again.

► Watch this answer · 34:54 · 05 May 2024

Q_2308 Has the Lord been born?

Answer: Your feeling that He has come is true. Perform Trikal Sandhya daily and chant Madhav's name 108 times before sleeping. Madhav will give you a vision in your dream and tell you whether He has come or not.

► Watch this answer · 35:58 · 05 May 2024

Q_2309 I asked if the Lord has been born because I wanted to know when His childhood plays (Bal Leela) will take place on Akhanda mountain, and when the devotees will be able to participate.

Answer: I told you, chant Madhav's name 108 times before sleeping and ask, 'Lord, have you come?' If the Lord tells you in a dream, then let me know. Before sleeping, chant Madhav's name 108 times and ask Madhav. He will tell you in a dream.

► Watch this answer · 37:00 · 05 May 2024

Q_2310 With your blessings, I am completely well now and can do Trikal Sandhya three times a day. Please bless me so that I can have a vision of Kanhaiya's Madhav form. He gives me visions in other forms, but ever since I asked for his Madhav form, he hasn't appeared to me.

Answer: Okay, ask Madhav, and Madhav will give you a vision in his Madhav form. You will get a vision of Kalki Madhav. Go.

► Watch this answer · 38:40 · 05 May 2024

Q_2311 Can the world war be avoided? War is a very bad thing.

Answer: The world war can be avoided when human beings stop slaughtering Mother Cow. When humans stop killing cows, the war will stop. If they don't, God will definitely start the war. The pot of human sins is overflowing. So it depends on humans whether there will be a war or not. But in my opinion, humans have become arrogant, egoistic, and drowned in sin, corruption, killing animals, alcohol, and lust. The establishment of Dharma is necessary. If Dharma is not established, this Earth will break into pieces. Therefore, the savior will definitely establish Dharma. It is still in the hands of humans; if they change and cow slaughter stops, there will be peace. If they don't, God will not spare them.

► Watch this answer · 40:03 · 05 May 2024

Q_2312 When will the gathering of the saints happen, and in which year?

Answer: In Kali Yuga, all the saints are divided. No one accepts anyone else; they speak against each other. Everyone thinks they are the most knowledgeable. When the Lord arrives, they will all come together out of fear. Once a great destruction, a great Tandava (dance of destruction), happens in North India, in the Himalayas, and after seeing Lord Kalki's destructive form, all the saints will gather. Right now, due to the influence of Kali, they don't get along.

► Watch this answer · 42:50 · 05 May 2024

Q_2313 I heard on your channel that all the gods and goddesses have now left the pilgrimage sites (Tirtha sthan). Is there any merit (punya) in visiting them now?

Answer: See, the gods and goddesses have left their places; it is written in the scriptures. However, the place itself has glory; the pilgrimage site has its own sanctity. Therefore, going to temples and visiting pilgrimage sites is a Sanatani tradition. You should follow that as well. And what is written [about them leaving] is also correct.

► Watch this answer · 44:00 · 05 May 2024

Q_2314 Regarding the recent fire incident at the Mahakal temple in Ujjain on Holi, the priests there were saying that Mahakal has now awakened. What is the meaning of this?

Answer: I have been saying since 2018 that Lord Shankar has engaged in the act of destruction in his destructive form. This is proof. What happened in Ujjain, in the Lord's temple—the burning of thirteen Brahmins in the fire—is a sign that the Earth is going to burn in a world war. Human beings should mend their ways and become conscious. It will be for their own good; otherwise, bad times are coming. To better oneself, one must take refuge in the Lord.

► Watch this answer · 44:53 · 05 May 2024

Q_2315 We are told to exercise, then do Trikal Sandhya. But when I sit to do it, there's a strong tingling sensation in my legs, and I can't sit for more than 15-20 minutes. What should I do?

Answer: You can do Trikal Sandhya in any situation. You can do it sitting on a chair, lying on the floor, or lying on a bed. You can do it while traveling in any vehicle. If your legs hurt, sit on a chair or do it with your legs stretched out. Sit with your legs straight and do it. What's the problem?

► Watch this answer · 45:57 · 05 May 2024

Q_2316 My brother, my mother, and I are connected to the stream, but my father is not. My parents have a strong desire to do something for our ancestors (pitrus) so they can attain liberation (mukti). What can we do?

Answer: May God help those who are not connected to join the stream. And those who are connected should perform Trikal Sandhya. Peace will come to that family, they will receive God's grace, and they will progress. They will also be protected from the destruction of the changing era. Therefore, time is the most important factor.

► Watch this answer · 47:09 · 05 May 2024

Q_2317 Are there any specific remedies or places for performing Shraddha (ancestral rites) for my grandfather?

Answer: Yes, you can perform Shraddha. You can do it in Prayag, at the Ganga river, in Nabhi Gaya, Bodh Gaya, Pada Gaya, or even at Godavari. You can perform Shraddha anywhere. Your father can perform the rites, and you can assist him.

► Watch this answer · 48:03 · 05 May 2024

Q_2318 Have all the divine warriors been born? I feel I am one of them. Has Pradyumna ji been born?

Answer: All the deities, Yadavas, Gopas, and Gopis have been born. But how do you feel you are Pradyumna? He was such a great warrior that he had the power to dry up the ocean. Do you have such power? He had the ability to travel anywhere in the universe in a moment. Do you have any such ability? It's good that you feel this way. But you must perform Trikal Sandhya and take refuge in Madhav for the times ahead.

► Watch this answer · 49:47 · 05 May 2024

Q_2319 Is it necessary to be a vegetarian for 15 days before starting Trikal Sandhya?

Answer: No, anyone can start Trikal Sandhya at any time. However, along with starting it, one must give up killing animals, eating fish and meat, alcohol, tobacco, and other intoxicants. Otherwise, Trikal Sandhya will not have an effect; its influence will not enter the body.

► Watch this answer · 51:17 · 05 May 2024

Q_2320 Will there be 64 pandemics or 7 pandemics? I've heard different numbers.

Answer: There will be 64 types of diseases. The pandemic will come seven times.

► Watch this answer · 51:47 · 05 May 2024

Q_2321 My faith is firm that the Lord has come in a human form. But some unrighteous social media pages spread negativity, trying to prove it's all a fraud. Despite having received personal proof from the Lord, my mind sometimes gets disturbed by this and thinks, 'He just looks like a human.' How do I deal with this illusion (maya) and overcome this doubt?

Answer: Your faith must be firm. If we keep conflict in our minds, God will increase that conflict because He always tests His devotees. Even great sages like Vashishtha will not be able to recognize Lord Kalki, so how can an ordinary human? That is why the Bhavishya Malika was written. Therefore, remove this conflict from your mind. Tell yourself, 'Madhav, whoever you are—a piece of wood, a stone, a plant—my faith in you is unshakable.' You will surely receive God's grace. Remove the conflict from your mind and move forward. No one except Madhav will establish Dharma on this Earth. Understand the times. Time is not in our hands. Go and take refuge in the Lord.

► Watch this answer · 54:06 · 05 May 2024

SESSION 123 · QUESTIONS 2322–2338

L133: क्या परमाणु युद्ध में धरती का संपूर्ण विनाश होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 10 May 2024 · Watch the full session ↗

Q_2322 Will human civilization be completely wiped out by the coming nuclear war? Will human civilization be completely destroyed?

Answer: A nuclear war will certainly happen, but human civilization will not be wiped out. This is because at the end of Dvapara and Kali Yuga, there is a 'Khanda Pralaya' or partial disaster, not a complete one. Human civilization will be protected, the world will benefit, and a beautiful environment will be created. So, while the impending nuclear war will bring disaster, the core of human civilization will be saved. Not all of humanity will perish. In every country in the world, human civilization will survive. The most will survive in India because it is the land of the gods, where God and deities reside. The more foreign enemies attack India, the more the devotees and people will be saved by God's grace. On one hand, the Indian army will fight, and on the other, the gods and devotees will also fight, and humanity will be delivered. Therefore, there is no need to fear this coming calamity. This change is happening by God's will and as a result of people's karma, to fully establish Sanatana Dharma in the world. This change will bring freedom, protection for the devotees, destruction for the sinners, and the re-establishment of Sanatana Dharma across the world. So, people do not need to be afraid of the nuclear war.

► Watch this answer · 01:10 · 10 May 2024

Q_2323 Father, please give your blessings so that we may soon have a vision of the Lord.

Answer: May God's grace be upon you. Perform the Trikal Sandhya and keep moving forward; everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:48 · 10 May 2024

Q_2324 Father, sometimes the mind wanders while performing Sandhya. What should be done?

Answer: Trikal Sandhya is a form of penance, and it is difficult for people in the Kali Yuga to perform penance. External and negative elements of the Kali Yuga will surely make the mind wander. Don't worry about it. Just keep doing it. As you continue, a time will come when your steadfastness, devotion, and faith will increase, and you will see that the Lord is standing right in front of you. This also happens. So, in the beginning, just keep moving forward.

► Watch this answer · 15:04 · 10 May 2024

Q_2325 In the Bhagavat, Narad Muni's previous life is mentioned. Before that life, was he a normal human like us, or was he already Narad Muni? Or did he become Narad Muni after that birth with the Lord's blessings?

Answer: In his previous life, as described in the Bhagavata Mahatmya, Narad Mahamuni was born as the son of a maidservant. His father passed away in his childhood. After his father's death, his mother worked at the house of a Brahmin landlord. His mother also passed away, but before her death, by serving the sages during Chaturmasya at the Brahmin's house, Narad received a seed mantra and the grace of the Brahmins. With that grace, he later performed penance through the medium of Trikal Sandhya. After a thousand divine years, during the time of Brahma's sleep (Brahma Pralaya), Narad was born as a mind-born son of Lord Brahma. So, he went from being a human to a demigod, and from a demigod to an incarnation of the Lord. Prahlada was also once a human and attained the post of Indra. Dhruva was also once a human and became the king of the Shishumara chakra in Goloka Vaikuntha. In this way, humans become gods, gods become humans, and humans also attain liberation.

► Watch this answer · 16:11 · 10 May 2024

Q_2326 My maternal grandmother is ill. Please give her your blessings so she can get well soon.

Answer: My blessings are always there, but the thing is, you should make your grandmother listen to the Trikal Sandhya at the three designated times of the day. At other times, have her listen to the Srimad Bhagavatam. Through this, and if she is able to speak, ask her to chant the name 'Madhav'. Doing this increases a person's lifespan and provides protection from calamities.

► Watch this answer · 18:49 · 10 May 2024

Q_2327 Father, none of my work is getting done. I remain ill and have diabetes. How will I get better?

Answer: We bring illness upon ourselves through our own karma. Every human body has every disease, but when our karma, specifically our dharma (righteous action), decreases—just as a lack of drinking water harms the body—illness arises. For protection from illness, we must perform Trikal Sandhya, chant the name 'Madhav', read the Srimad Bhagavatam, attend satsang, practice dharma, give charity, and engage in chanting and kirtan. Do all of this. The most important thing is to chant the name 'Madhav'. The more you chant it, the more grace all of humanity receives, and you will receive it too. So, chant the name 'Madhav' and perform Trikal Sandhya. I have faith that through this, even someone who has no strength can become very powerful.

► Watch this answer · 19:29 · 10 May 2024

Q_2328 My question is, as a great saint says, if someone speaks against your Guru or God, and you are capable, you should punish them right then and there. But we see many who say bad things about you and Lord Kalki, and those who are capable don't punish them. What is your view on this?

Answer: Look, that is his sentiment, his sacred words. I will not comment on it, as it is not the proper tradition of Satya Yuga to engage in such discussions. But I will say this much: in this world, humans should abandon the concepts of 'I, me, mine, you, yours.' If any person says such things or criticizes someone's guru, it falls into this same category of 'I, me, mine, you, yours.' This is not beneficial for the world, and the people of Satya Yuga will not possess this trait. We have said from the beginning that people must change this way of speaking and think of everyone as one beautiful family of brothers and sisters. No guru should be criticized; every guru is respectable. Understand it from this perspective.

► Watch this answer · 20:54 · 10 May 2024

Q_2329 My son and I were watching a zombie movie where a person bites another, turning them into a cannibal. My son asked if something like this could happen in reality or in the future.

Answer: Look, this is a fictional, made-up story. It has no connection to the principles of Sanatana biology or any real disaster. These kinds of stories are more prevalent in foreign countries, and they create them for entertainment. No such disease is coming, and nothing like that will happen. Don't be afraid of it and don't think about it. It's just for people's entertainment. No such disease is coming.

► Watch this answer · 23:13 · 10 May 2024

Q_2330 I have no questions, I just want your blessings so that our devotion to the Lord continues to grow and we are unable to commit any offenses. Please bless us so our devotion increases.

Answer: That is wonderful. My blessings are always with you. When you perform Trikal Sandhya, ask the Lord, 'O Lord, please grant me pure and unwavering devotion, one that is free from worldly illusion and attachment.' The Lord will surely be merciful. You have my blessings; God will definitely shower His grace.

► Watch this answer · 24:35 · 10 May 2024

Q_2331 The Lord has two mantras: the Ekakshar mantra and the Kalki Mahamantra. Which of these two should I chant? And should it be chanted as a formal spiritual practice with a vow, or can it be chanted casually at any time?

Answer: Look, I don't recommend the Ekakshar mantra or the Kalki mantra. I recommend Trikal Sandhya and the name 'Madhav'. The Ekakshar (one-syllable) mantra is the name 'Madhav'. There is only one Lord, no other. That one Lord is the original, eternal Vishnu, and He is our Madhav. Therefore, continuously chant the name 'Madhav'. In that alone, you will find your spiritual practice and fulfill your life's purpose.

► Watch this answer · 26:28 · 10 May 2024

Q_2332 Our relationship is deteriorating. Will it get better or not? We want to improve it.

Answer: If you want to improve it, perform Trikal Sandhya. Every day, read the Gopi Leela from the tenth canto of the Srimad Bhagavata Mahapurana before you go to sleep. And pray to Krishna and Radha Rani for a happy family life.

► Watch this answer · 27:36 · 10 May 2024

Q_2333 My question is, can we worship Shri Shri Thakur Anukulchandra?

Answer: Thakur Anukulchandra is indeed mentioned in the Bhavishya Malika. It is written: 'Manor kirti prakashiba, Anukul naam dhariba, deshe bideshe bhakta ashibe, satsang karibe.' Achyutananda wrote about Thakur Anukul Baba, saying he would establish a very good tradition across the world, conduct satsangs, and uplift humanity. Achyutananda also wrote that some of Anukul Baba's devotees would attain Lord Kalki. Look, mother, India is the land of gods, saints, and perfected beings. At various times, many perfected saints and sages take birth in India and work for the welfare of humanity. However, they are a medium of God. At this time, God Himself is coming, not a devotee of God, to establish dharma. Therefore, you should remain in the refuge of God. If you are in Anukul Baba's tradition, in his guru lineage, then continue to follow its rules with respect, as you wish.

► Watch this answer · 28:42 · 10 May 2024

Q_2334 Besides performing Sandhya Dhara and reading the Bhagavat, what else can we do to further increase our strength of righteousness (dharma bal)?

Answer: Mother, increasing 'dharma bal' is a very good thing. Questions like this should be asked. This is the most important thing for a human. What is the human body? It is made of the five elements—water, wind, fire, and earth—and will one day merge back into the earth. You are asking how to increase devotion, which is excellent. Look, mother, whenever you sit, expand upon the Lord's glory, name, and form in your mind and contemplate them. Continuously chant the name 'Madhav'. Never stop chanting 'Madhav'; chant it in your heart. Your devotion will grow, and Madhav's grace will increase. Achyutananda has said that by chanting the name 'Madhav', people will be liberated from the cycle of birth and death. We have two paths before us: one is to be repeatedly born in the cycle of life, wandering through sorrow, happiness, and calamities. The other is to go beyond the cycle of life and attain Vaikuntha. For those who want to attain Vaikuntha and seek protection from calamities, sorrow, and disease, they should continuously chant the name of Madhav. There is no name greater than this.

► Watch this answer · 30:24 · 10 May 2024

Q_2335 My daughter is two and a half years old. In my family, I am the only one on this spiritual path. Other family members feed my daughter eggs, and I am unable to stop them. What should I do? Is this right or wrong for her?

Answer: Look, mother, the people who feed her the egg will incur the sin. She is an innocent child; what does she know? The karmic fruit will go to those who feed her. You should not fight with them, because fighting will create conflict in the home. Instead, have your child listen to the Srimad Bhagavatam so that she herself refuses it, saying, 'I don't want to eat this.' Have her listen to Trikal Sandhya, because transformation comes from 'sanskar' (spiritual imprinting). Give the child these 'sanskars' so that she opposes it from her own mind and you don't have to fight. If you fight, you will face trouble. So, give the child these 'sanskars' and follow what I have told you.

► Watch this answer · 32:58 · 10 May 2024

Q_2336 In my home, I am strongly discouraged from practicing my devotion. Please give me your blessings so that my devotion may increase and my family members may also be inspired to follow the path of devotion and support me.

Answer: You have my blessings. Perform Trikal Sandhya and chant the name 'Madhav'. If people at home object, do not discuss matters of dharma with them. Just do your own karma. Live peacefully with your family members. Fighting with anyone is not good. The work of dharma is done with a peaceful mind. You do it. You have my blessings.

► Watch this answer · 34:47 · 10 May 2024

Q_2337 People say that one must be initiated by a guru ('gurumukh') to receive the fruits of their worship. I have not been initiated yet. Is it necessary for me to do so?

Answer: In my opinion, at this time of establishing dharma, humans should surrender to Lord Kalki, Krishna, and Ram. God will do what needs to be done. At this time, as Lord Krishna said in the Gita: 'Sarva-dharman parityajya mam ekam sharanam vraja... Aham tvam sarva-papebhyo mokshayishyami ma shuchah.' (Abandon all varieties of religion and just surrender unto Me. I shall deliver you from all sinful reactions. Do not fear.) Lord Krishna said to abandon all religions, paths, castes, and principles and take refuge in Him. And God Himself is coming now. Therefore, refuge in anyone else is not necessary. Forget about it.

► Watch this answer · 35:56 · 10 May 2024

Q_2338 In 2021, when there was a 13-day lunar fortnight (paksha), the COVID-19 pandemic was at its peak. I've heard another 13-day paksha is coming in June this year. Since such an event also occurred before the Mahabharata war, does this signify that a major disease or disaster is coming again?

Answer: The 13-day paksha is indeed a sign of war, destruction, and death in the world. It signals that a great calamity is coming to the Earth. But what should we think about it? We are all connected to the Lord's work, we perform Trikal Sandhya, and we follow the path of Satya Yuga. For those who follow this path, there is no problem. The problem is for those who do not. Therefore, one should take refuge in the Lord. Achyutananda also wrote that when this 13-day paksha comes, the Lord's work of destruction will increase.

► Watch this answer · 38:19 · 10 May 2024

SESSION 124 · QUESTIONS 2339–2369

L134: आगे उत्तर मेरु में बर्फीला प्रलय होगा | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 13 May 2024 · Watch the full session ↗

Q_2339 Guruji, I have been married twice, and now I am doing my post-graduation. I wanted to know about my future.

Answer: Look, study well, and you will have a good future. Also, perform the Trikal Sandhya to receive Lord Madhav's grace. Okay?

► Watch this answer · 07:04 · 13 May 2024

Q_2340 I wanted to ask, you had mentioned that if we are unable to bathe, say early at 5 AM, we can meditate on Mother Ganga and begin the Tri Sandhya. But when girls are on their period, we are considered impure. Can we take Mother Ganga's name and remember her even at that time?

Answer: Mother, during menstruation, it is forbidden to go to the temple, but it is not forbidden to chant the Lord's name. You cannot read the Bhagavata at that time, but you can chant the Trikal Sandhya mantra. You can do it at the proper time, but not in the temple or prayer room; do it in your bedroom or another separate place. You can remember Mother Ganga, and you can remember Lord Madhav's name and do bhajan (devotional singing).

► Watch this answer · 08:53 · 13 May 2024

Q_2341 Guruji, when Satyug (the Golden Age) arrives, Lord Vishnu will bring his Ksheer Sagar (Ocean of Milk) to Earth. Will all the remaining 64 crore people be able to meet Lord Vishnu, or only a select few?

Answer: Only those who have been devotees of the Lord across all four yugas will unite with Lord Vishnu. The devotees from Satya Yuga, Treta Yuga, Dvapara Yuga, and Kali Yuga; the deities who reside in heaven; the Yakshas and Gandharvas who reside in their respective lokas; those who reside in Surya Loka and Brahma Loka—these chosen devotees and deities have taken birth on Earth at this time. They will assist Lord Kalki. The other people who survive will become worthy of having the darshan (divine sight) of Lord Kalki.

► Watch this answer · 11:13 · 13 May 2024

Q_2342 Will there be a gathering in Jajpur? Can we go?

Answer: You can come for the discourse. For the Jajpur discourse, contact the number given below. After contacting them, you can come. Anyone can come. For the Jajpur Bhagavat Katha, whichever devotees wish to come, it is an invitation for all. You should provide your name and the number of people coming so that the organizers can make arrangements for your stay. You will not have to spend a single penny. Your stay and food will be provided by the Vishwa Sanatan Dharma organization.

► Watch this answer · 12:25 · 13 May 2024

Q_2343 I wanted to ask something. Yesterday morning, when I started the Tri Sandhya, I suddenly felt scared of Mother Kali. When I closed my eyes, I felt as if she was about to appear in front of me. So, I opened my eyes to complete the prayer. When it was over, the fear disappeared. Why did this happen?

Answer: Mother Kali's grace depends on one's devotion. You remembered Mother Kali because we perform the Trikal Sandhya to pass the test that Yog Maya, or Mother Kali, will take of all devotees. This Trikal Sandhya is necessary to pass that test. That's why you remembered her or felt her presence. This is a good thing. Mother Kali bestows her grace upon and blesses those who understand her. This gives strength to humanity. For this reason, it is good that this thought or feeling came to your mind. There is nothing wrong with it; in fact, it is a good thing.

► Watch this answer · 13:56 · 13 May 2024

Q_2344 I want your blessings. I say this while touching your feet.

Answer: Mother, you have my blessings. May God's grace remain with you. But you must follow the Trikal Sandhya and the sacred path I have described with all the rules, so that the blessings of Lord Mahavishnu and Mother Mahakali, Mother Durga, remain with you, your family, and your home. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:41 · 13 May 2024

Q_2345 Pandit ji, in a previous meeting, you mentioned that by reading a specific story from the Bhagavata Katha for one month, one can have a vision of God. Could you please tell us again which story that is?

Answer: You should read about Lord Krishna's departure to Dwarka. Read it for one month and pray to Lord Madhav—don't say Krishna, say Madhav—'Lord, give me your darshan (divine vision).' You will receive the vision. You will definitely get it.

► Watch this answer · 16:17 · 13 May 2024

Q_2346 I am calling from Nashik. My sister and I got the opportunity to serve by spreading the message. We have started Trikal Sandhya again regularly. We just want to express our gratitude and ask that the Lord's grace and blessings remain upon us. We just want a place at his feet.

Answer: You will surely get it, Mother. Your devotion, your service, and your actions will definitely bring God's grace. You have done good work today, and for that, you have my praise. I pray to God that his grace remains upon you. Anand. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:15 · 13 May 2024

Q_2347 I perform Tri Sandhya and also read the Bhagavata, but when I chant the name of Madhav, I lose focus in between. What should I do about it?

Answer: Look, Mother, when we do this, the illusion and influence of the Kali Yuga is present, which is why a person's concentration breaks. Sometimes devotion fades, sometimes we forget, sometimes we feel sleepy or yawn. These things happen. There is nothing wrong on your part; in fact, it's a good sign. Continue chanting the Lord's name as you do. A time will come when you will do it with complete devotion. Perform this Trikal Sandhya keeping the vision of Lord Mahavishnu and Mother Durga Devi in your mind, and you will get good results.

► Watch this answer · 18:43 · 13 May 2024

Q_2348 Father, my family is slowly joining this path. Please bless us so that my family joins properly, and please keep your blessings upon us.

Answer: I wish for the welfare of all humanity. You should also pray, and I will also pray that our entire family comes together on this path. My blessings are fully with you, Mother. Take refuge in Madhav, and Madhav will fulfill your wish.

► Watch this answer · 19:46 · 13 May 2024

Q_2349 Father, I just want my love for the Lord's feet to grow, and I need your blessings.

Answer: You have my blessings. Perform the Trikal Sandhya with complete devotion. Read the Bhagavata. Chant Madhav's name in your heart and mind from morning to evening, whenever you get time. Through this, you can attain complete surrender at the feet of the Lord. And constantly, in Madhav's refuge, ask only for this: 'Lord, grant me pure devotion.'

► Watch this answer · 20:42 · 13 May 2024

Q_2350 Guruji, Lord Vishnu has 10 avatars. Among these, why do we chant the names of Shri Ram and Shri Krishna the most? Why are they worshipped more than the other avatars?

Answer: Look, Mother, the avatars of Lord Ram and Krishna are 'Lila Avatars' (avatars of divine play). In these avatars, the Lord performed 'lilas' with his devotees. The other avatars were more focused on specific purposes: Matsya avatar for establishing dharma, Kurma avatar for supporting the earth, Varaha avatar for saving the earth, Narasimha avatar for saving Prahlada, and Parashurama avatar for establishing dharma through war. The Ram avatar was a 'Lila Avatar,' involving governance and interacting with devotees. After Ram came Balarama, also for establishing dharma. Then came the Buddha avatar for promoting good conduct and opposing animal sacrifice, which remained within the guru tradition. After Buddha, the Kalki avatar will come, and Ram Rajya will be established. The more 'Lila' there is in a Lord's avatar, the more people's hearts are drawn to them, as is the case with Ram and Krishna.

► Watch this answer · 21:42 · 13 May 2024

Q_2351 Father, my question is that a lot of bats come to our place. They fly onto the roof, into the upstairs room, and into the open courtyard. What is the significance of this?

Answer: Look, the coming of bats is auspicious. It is a good sign; there is nothing bad about it. It is said that wherever they reside, Goddess Lakshmi also resides there. The evil goes away.

► Watch this answer · 24:01 · 13 May 2024

Q_2352 I perform Tri Sandhya. I used to read the Vishnu Sahasranama as well, but since I started Tri Sandhya, I've been unable to manage it with household chores. I am going through a lot of trouble, Gurudev. I need your blessings. My son has also lost his way, and life is very difficult.

Answer: Listen, you have 'Pitra Dosh' (ancestral affliction) in your house. There is a flaw in the soil of your house. Conduct a seven-day Bhagavata reading at home with all the family members. Don't invite anyone from outside, and not a single penny will be spent. In seven days, read the entire Bhagavata. All the afflictions will be removed. Chant the name of Madhav in your house and perform the Trikal Sandhya. Things will get better.

► Watch this answer · 25:28 · 13 May 2024

Q_2353 Pandit ji, I have a question: to whom should we narrate the Bhavishya Malika?

Answer: That's a very good question. The Bhavishya Malika should only be told to those who have a genuine curiosity and desire in their heart to listen. It should be shared with those who repeatedly ask to hear it in earnest. It is not necessary to tell everyone, because it is a scripture for devotees and is written only for devotees.

► Watch this answer · 27:49 · 13 May 2024

Q_2354 Father, we perform the Tri Sandhya, but for the past two months, we have been very troubled by our own family members. Despite so much worship, there is an atmosphere of constant quarrels in the house. We are very distressed.

Answer: Okay, do one thing for the unrest in the house. Before sleeping, chant the name of Madhav 108 times. And 11 times, chant the stotra of Abhaya Narasimha Mahaprabhu: 'Tava kara kamala vare nakham adbhuta srngam... jaya jagadisa hare.' Do this after mentally bathing in the Ganga or by washing your feet and sprinkling water on your head. Ask Madhav, 'Lord, grant me peace.' You will surely receive it.

► Watch this answer · 29:17 · 13 May 2024

Q_2355 Father, I want to ask about the seven-day reading of the Bhagavata Katha that we do at home. Should we read both Part 1 and Part 2, or all twelve cantos?

Answer: You must read all of it. Distribute the chapters among all family members. It should be an 'Akhand Pathan' (unbroken reading) that continues day and night. For seven days, along with the reading, you must have sattvic food and sleep on the floor, not on a bed. Chant Madhav's name at the beginning and the end. By doing this, all problems in the house are resolved, and humanity is saved.

► Watch this answer · 30:39 · 13 May 2024

Q_2356 Maharaj ji, I am so troubled. My brother drinks, and I am very worried. He doesn't listen to anyone.

Answer: Look, Mother, people are born according to their karma, and they will certainly perform their karmic actions. No one can stop them. If you want peace, perform the Trikal Sandhya, chant Madhav's name, read the Bhagavata, and pray to Madhav. You will get good results. You do the Trikal Sandhya, and everything will be fine. You will see things get better in the future.

► Watch this answer · 31:59 · 13 May 2024

Q_2357 Father, I perform all the rituals, including chanting on a mala (rosary). If I can't sleep at night, can I chant on a mala? Should I keep a separate mala for this, or use another one?

Answer: The tradition of chanting on a mala was for the Kali Yuga. In my tradition, we don't count. You can sit and chant the mantra or name for as long as you can; don't count it. Satya Yuga is coming, and all humans will chant the name all the time, not by counting. A mala helps with concentration, so you can use it, I have no objection. But you can also chant with your mind as many times as you want without a mala. Just don't count it, because worshipping God with devotion does not require counting.

► Watch this answer · 32:53 · 13 May 2024

Q_2358 Father, sometimes my mind doesn't focus on worship and prayers. It feels like there's some doubt or illusion with me. I don't understand.

Answer: The influence of Kali Yuga repeatedly troubles devotees, creates confusion, and makes the mind restless. This will continue to happen. We shouldn't be concerned with it. Follow the rules as I have explained them. Perform the Trikal Sandhya and read the Bhagavata. Whenever your mind gets distracted, close your eyes, meditate on the form of Lord Mahavishnu, and chant the name of Madhav. Everything is found in that alone.

► Watch this answer · 34:48 · 13 May 2024

Q_2359 Father, I had a dream this morning before Tri Sandhya. I saw a tall building shake violently during an earthquake, and then a flood washed away all the surrounding houses and people. But everyone in that building, including children who didn't even know about Tri Sandhya, was saved. What does this mean?

Answer: Because of the Sandhya, wherever a righteous person resides, other people there are also saved. This dream is a warning for humanity about the problems that will come. The people who were saved in the dream will be saved in the future by performing the Trikal Sandhya. God may spare them once or twice, but not every time. When a devotee is protected, the building is also protected. This is the principle of Trikal Sandhya. As long as there is a righteous person on a boat, that boat will not sink. As long as there is one righteous person in a place, destruction will not come there. This is certain.

► Watch this answer · 36:02 · 13 May 2024

Q_2360 Father, my exams are going on. I have an exam tomorrow. Please give me your blessings so it goes well.

Answer: Mother, you have my blessings, praise, and thanks. May you move forward, and may the Lord's grace be upon you. Chant the name of Madhav continuously.

► Watch this answer · 38:53 · 13 May 2024

Q_2361 I also have an exam tomorrow, and my exam time is between 11:30 AM and 1:00 PM. How can I perform the Trikal Sandhya at that time? Can I just chant Madhav's name in my mind? I cannot leave the exam.

Answer: No problem. You can perform the Sandhya after your exam is over. Before the exam, go after chanting Madhav's name. The exam will go well.

► Watch this answer · 39:10 · 13 May 2024

Q_2362 The more we move towards worship and religion, the more difficulties we face. But I see that people who are not religious are happier. Why is this so?

Answer: Look, Mother, a person reaps the fruits of their past karma. Those who did not give charity or do righteous deeds in their past life suffer in this life. That is why I say, do good deeds like feeding a cow daily. We have to bear the fruits of our past karma. The Trikal Sandhya and worship you are doing will surely bear fruit. This is the end of the yuga, so the influence of Kali is strong and troubles even the devotees. But don't worry. Chant the name of Madhav with devotion, and your problems will disappear. It's not necessary to worship for 10 hours. Even 10 minutes of prayer with devotion will give you the full result.

► Watch this answer · 39:58 · 13 May 2024

Q_2363 I need your blessings so that I can spread the message fully in Bhopal. It feels like time is very short, and I want to help new devotees learn about this.

Answer: May God's grace remain with you. You have my praise and my blessings. May God bless you. Anand.

► Watch this answer · 42:15 · 13 May 2024

Q_2364 Guruji, my 14-year-old daughter is not getting well. Her allergy problem is not getting cured despite many treatments. She gets rashes all over her body from anything she eats or drinks. Please bless her.

Answer: Okay. Is there a temple of Narasimha Mahaprabhu there? If not, go to any holy temple, like a Lord Shankar temple. Take a 'bel' leaf that has been offered to the deity and apply it to the parts of her body where she has the allergy. Secondly, chant the 16 names. Also, make her listen to or perform the Trikal Sandhya. Pray to Madhav that this illness leaves her, because everything happens through devotion. Even diseases like cancer are cured by Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 42:43 · 13 May 2024

Q_2365 Many people are performing Tri Sandhya, but their actions are not right, and they have deceit in their hearts. Will the Lord protect them as well?

Answer: Look, all humans are under the influence of Kali Yuga; they have deceit, conflict, and ego. But by continuously performing the Trikal Sandhya, those people will eventually become saints and deities. It takes time. The power of the Trikal Sandhya mantra will remove these negativities, and the person will become righteous.

► Watch this answer · 45:28 · 13 May 2024

Q_2366 Madhav Mahaprabhu said, 'You stay in dharma, and I will never leave your side.' As a student, what actions can I perform to remain in dharma?

Answer: The greatest dharma is to respect, take care of, and obey your parents. Fulfill this first dharma. The second dharma is the Trikal Sandhya. The third dharma is to spread the holy name of God in society. You are studying, so just do that much, and your righteousness and purity will increase.

► Watch this answer · 46:23 · 13 May 2024

Q_2367 There are a lot of fights and quarrels between my parents over small, trivial matters for no reason. Can you suggest a remedy for this?

Answer: Does this happen more on specific days like Saturday or Tuesday? (Questioner: No, it happens every day). Okay, no problem. If this happens between your parents, have them perform the Trikal Sandhya. The external negative influences on their minds will be removed, and then you will live in peace.

► Watch this answer · 47:36 · 13 May 2024

Q_2368 My two children don't believe in worship. They sleep during the day and stay awake at night. Our financial situation is also unstable. Also, my younger daughter is frequently ill with skin problems and swelling in her eyes that treatments haven't cured.

Answer: One who sleeps during the day and stays awake at night cannot be peaceful. Have them perform the Trikal Sandhya or read the Bhagavata; this will bring purity to their minds, and they will change over time. The financial problem will also be resolved. If they don't believe, tell them to just chant the name of Madhav for their own good. Goddess Lakshmi will not be pleased with those who stay awake at night. Regarding your daughter's health, all illnesses are due to karma. To be saved from karma, the one solution is Trikal Sandhya. Those who perform it will be the happiest people in the world.

► Watch this answer · 48:41 · 13 May 2024

Q_2369 The morning routine that has been prescribed, sometimes I get late while doing it, and the Tri Sandhya happens between 6:00 or 6:30 AM. Is there any problem with that?

Answer: No problem. Try to do it on time, but if not, God understands. Just make sure you do it.

► Watch this answer · 51:11 · 13 May 2024

SESSION 125 · QUESTIONS 2370–2394

L135: महा बीमारी से उद्धार का मार्ग - त्रिकाल संध्या | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 16 May 2024 · Watch the full session ↗

Q 2370 Pandit ji, due to the influence of Kali Yuga, humanity is getting more and more entangled in its effects. It's natural that their 'dharma bal' (strength of righteousness) will be almost zero. There are many such people who lack this strength. What does the Bhavishya Malika say about how such people can increase their 'dharma bal'?

Answer: You have asked a very good question. The strength of righteousness must increase. As long as there is no 'dharma' (righteousness) in a person, they are not safe. And the protection of humanity is the greatest 'dharma'. To increase our 'dharma bal', we need to do three things. First, Trikal Sandhya. Second, reading the Bhagavat Ji. Third, making small donations. It's very simple. Trikal Sandhya will take 30 minutes a day. Reading the Bhagavat Ji will take at least 10 minutes. You can read the Bhagavat Ji anytime from Brahmamuhurta at 3:45 AM until 12 midnight. Along with this, from your earnings, donate a roti, five rupees, two rupees, one rupee, or 50 paise—whatever you can afford—to a cow, an animal, or a sad and hungry person. This will increase your 'dharma', and when 'dharma' increases, diseases won't be able to harm us, no calamity will be able to harm us, and even the destruction of the five elements won't be able to harm us. 'Dharma' is the most powerful, and therein lies righteousness.

► Watch this answer · 10:34 · 16 May 2024

Q 2371 My question is, I had heard that the Mother will conduct a test based on the 'Yogandha Siddhanta'. How will we be able to pass that test? I was a little scared about this.

Answer: She will test you directly and also indirectly. That is, the Mother will test you subtly through diseases and illnesses, and she will also test you directly. That time has not come yet; I will explain it later. But right now, the subtle test is ongoing. Diseases spread subtly, road accidents happen subtly, and unknown problems also arise subtly. This is all the Mother's test. This happens at the time of the 'Yuga' transition. To be protected from this, you all must follow the principles of Trikal Sandhya, which are rare even for the gods. By doing so, you can pass that test and achieve the well-being of your soul and your life.

► Watch this answer · 12:26 · 16 May 2024

Q 2372 Guruji, I wanted to ask about my mother. She remains very ill. She performs many recitations and prayers, but her practice gets interrupted due to her illness. What should she do?

Answer: Look, Ma. The cure for your mother's illness lies in spiritual principles. No matter how much a person recites, worships, or performs religious acts, it is not like the principle of Trikal Sandhya. So, make your mother listen to the Trikal Sandhya, or have her read it. Tell me what results you get from doing that. There are video and audio recordings available. Contact the number given below, get the recording of Trikal Sandhya, and make your mother listen to it. That might help.

► Watch this answer · 14:06 · 16 May 2024

Q_2373 Pitaji, I have a question. My mother has passed away. My father and the rest of my family, my brother and sister-in-law, don't really keep in touch with me. Because of this, my heart remains very sad. I want to ask how I can get out of this situation.

Answer: Look, sorrow comes to every human being. But do one thing: we came into this world one day, and we will leave one day. In between, many relationships are formed and many are broken. The goal of human life is salvation from this life, that is, freedom from the bondage of the life cycle. The bondage of the life cycle means wandering through 8.4 million births again and again. Another principle is to not wander through these 8.4 million births but to move towards the ultimate truth (Paramarth). Those who become great, who get good results in exams, don't give their time to anyone. Similarly, a person who moves towards liberation does not see small things, social matters, or material things. They are always attached to God, and by staying attached, they achieve the well-being of their life and their soul. Therefore, you should also do Trikal Sandhya. All attachments will break, all illusions (maya) will break, all sorrows will break. And at the same time, make it your sole goal to move towards the ultimate truth. Strive for it continuously. This will be the greatest good for your life in this birth. Jai.

► Watch this answer · 15:19 · 16 May 2024

Q_2374 We have heard in your discourses that the people who survive at the end of time will also be judged later. Can you explain this in a little more detail?

Answer: Ma, if we have unknowingly made mistakes, mistakes we were not aware of, those mistakes are not judged. The judgment begins from the moment we know, from when we gain the knowledge of action (karma) and inaction (akarma). And if a person, in their life, continues to perform actions based on truth, righteousness, and purity, then their past deeds are also nullified. Therefore, for your salvation, never think about how many rosaries you have chanted or how many good deeds you have done. Instead, always think of doing everything well and keeping everything based on truth. The Lord will one day extend his hand and take us. He will surely take us in due time. Act with that faith, and there will be no fault in it.

► Watch this answer · 17:31 · 16 May 2024

Q_2375 My only question was, what is going to happen to Vrindavan during the 'Panchabhoota Pralaya' (the great dissolution of the five elements), Pitaji?

Answer: Look, during the Panchabhoota Pralaya, the dissolution of the five elements will also happen in God's four primary holy sites (dhams), including his supreme abode, Shri Vrindavan. It will happen in Balaji as well. In Ujjain, it has already started to some extent. It will happen at the Jyotirlingas, at all the Devi Kshetras (divine feminine sites), and at all the Dharma Kshetras (religious sites). But regarding Vrindavan, Ma, it is written in the Bhavishya Malika that Vrindavan will first experience a water deluge. We saw it two years ago, and one year ago, the Yamuna river flooded in Vrindavan. In the future, there will be such a flood of the Yamuna that it will cause great damage to humanity and to Shri Vrindavan. Then, all the devotees of Vrindavan will accept and think that something is about to happen, because this is the land of Banke Bihari, so why is the Yamuna so angry here? Then, the residents of Vrindavan, the devotees living there, will realize the Bhavishya Malika's prophecies about the change of era and Kalki. In the future, the Yamuna's water level could rise by 30 to 50 feet, and after such a deluge, righteousness will be restored in Vrindavan. Jai.

► Watch this answer · 19:35 · 16 May 2024

Q_2376 Sir, Pandit Ji, I am a resident of Kolkata, originally from Bihar. My question is, is there any description of Maa Jwala (the Goddess of Flame) in this Bhavishya Malika?

Answer: Yes, it is written about Jwala. There is a composition about Jwalamukhi Devi, the goddess with a face of fire. She was worshipped in many places in India through her subtle power or in temples. A time will come when fire will emerge from her mouth, and the entire world, its people and creation, will be caught in it. Many people will burn in the fire. And the city of Kolkata will suffer the most damage in the fire deluge, meaning war and the destructive work of the fire god and fire mother will be most prevalent there. This is also written. That's all. Jai.

► Watch this answer · 22:21 · 16 May 2024

Q_2377 Pandit Ji, I am Akash from Ayodhya. For the last two and a half to three months, I have learned about Bhavishya Malika and have also started Trikal Sandhya. When I tell my family to also do Trikal Sandhya because the coming times are very bad, and when I tell them things from the Bhavishya Malika, they laugh at me and say nothing like that will happen. Please tell me a solution for this.

Answer: It is also written about this in the Bhavishya Purana. The number one devotee will hear it once and run after it. But the devotees who are number two, three, up to ten, they won't understand until they are metaphorically beaten from behind. Secondly, if your family members don't agree, tell them to read the Shrimad Bhagavat Ji, not the Bhavishya Malika. After reading the Bhagavat Ji for a few days, the influence of 'dharma' will enter their minds, they will receive God's grace, and then they will ask, 'What does the Bhavishya Malika say? Tell us.' This is how you can bring them around. But don't talk too much about the Bhavishya Malika. Just tell them to read the Bhagavat Ji. This will bring a change. Then, with purity of mind and body, they will say the Bhavishya Malika is correct.

► Watch this answer · 23:37 · 16 May 2024

Q_2378 I had one more small question, Pandit Ji. I chant 'Sitaram Sitaram' and take their name. Because of this, I am unable to chant the name 'Madhav'. So, can I just chant 'Sitaram Sitaram'?

Answer: Look, chant 'Sitaram Sitaram' all day and all night, all the time. But at the time of Trikal Sandhya, make an effort, even if it's difficult, to chant the 'Madhav' bhajan. This is because it is written that in this era, the salvation of devotees lies in the name 'Madhav'. And Madhav himself is Kalki. The one who is Lord Ram is also Madhav. Therefore, the name of God is chanted according to the era ('yuga'). And the era is changing, so hold on to the name of Madhavnath as well, so that as Madhav comes, we can hold on to him, and our lives will become simple. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:01 · 16 May 2024

Q_2379 I wanted to know the glory of the name 'Madhav'.

Answer: The glory of the name 'Madhav'. Very good. The name 'Madhav' has three letters: 'Ma', 'dha', and 'va'. 'Ma' refers to Mother, Mother Radharani. Her Lord, her husband, is 'Dhava', which means Krishna. 'Ma' is the form of Brahma, the root of nature, the form of Brahma, Yogamaya. This is the first letter of the name Madhav. And 'Dhava' is Krishna. The 'dha' of Lakshmi, the husband of Radharani, is called 'Dhava' in Sanskrit. Therefore, the name Madhav is formed. Together, they are Radha-Krishna. In the world, she is Yogamaya. Vishnu's chakra destroys, but the chakra that Mother Durga Devi holds is the Radha chakra. That chakra will destroy the sinners. Therefore, the essence of the name 'Madhav' is great, and those who chant the name 'Madhav' will be liberated from the bondage of birth and death in this world. Jai.

► Watch this answer · 26:09 · 16 May 2024

Q_2380 Pitashri, I wanted to say that there is so much conflict in my house. Conflict arises with everyone over small things. People get angry with each other over trivial matters. If there is a solution for this, what should we do?

Answer: This is a very good question. There is conflict in every house, in every family. Husband and wife don't get along. Father and son, father and children don't get along. Conflict arises over small things in the house, spreading like fire. And the fights between them are like the fight between India and Pakistan. The reason for this is that Kali Yuga has entered every house and is troubling people. To uproot and throw out Kali Yuga, everyone in the house should sit together and read the Bhagavat Ji. One person reads, and everyone else listens. Just the 'Gop-Leela' (divine plays of the cowherds) of the Lord, and nothing else. Do this for 10-15 days. See how much peace comes into the house. After that, great peace will come, and after that, you will also attain liberation.

► Watch this answer · 27:44 · 16 May 2024

Q_2381 Gurudev, I have two questions. First, what is described about Prayagraj in the Malika? And second, it is said that 33 crore gods and goddesses have also taken birth. What will they be like? Are they among us?

Answer: Prayagraj is the greatest pilgrimage site. In the Malika, Achyutananda has written that Lord Jagannath bathes in Prayagraj every day during Brahmamuhurta (the pre-dawn hours). And the Prayagraj region will become the manifestation of 'dharma'. As for your second question, have the 33 crore deities taken birth on Earth? In my opinion, according to the scriptures, according to the Bhavishya Purana, and according to all evidence, all the gods, the Lord, Yakshas, Gandharvas, sages, saints, and perfected beings have all taken birth on Earth. And at this time, the work of establishing 'dharma' is increasing. The time for the union of all devotees and gods is through Trikal Sandhya, to meet with Madhav. All have come in human form. They will become gods again, and from gods, they will become the divine beings of Satya Yuga. Jai.

► Watch this answer · 29:12 · 16 May 2024

Q_2382 So my question was, what is the simplest way to have a vision (darshan) of Madhav Ji?

Answer: The simplest way, very good. Look, human life is simple. And the greatest simplicity in the mind is faith in God. The greatest simplicity is complete faith in God in the mind, meaning God is father, mother, brother, friend, protector, and also the giver. So, simplicity towards God means complete faith. Simplicity means no scripture, no logic, no proof is necessary. Just the faith that 'He is my Lord.' And when the mind says, 'My Lord is mine alone, and He is the one who brought me here and He is the one who will take me,' then Madhav will take you. You will become close to Madhav. The medium for this is Trikal Sandhya, because to know the truth, Trikal Sandhya is also necessary. Jai.

► Watch this answer · 31:07 · 16 May 2024

Q_2383 I have one question. It's been about a month and a half since I connected with your Bhavishya Malika and Trikal Sandhya. My problem is that I get very angry. As you said, Kali Yuga is in every house. Because of my anger, I have a lot of fights with my mother and father. Due to this, I lose in everything—be it studies or Trikal Sandhya. I am unable to memorize the Trikal Sandhya, and I'm having problems with my studies too. Please help me.

Answer: Read Krishna's 'Gop-Leela' (divine plays of the cowherds) for at least three months. You won't get angry. Try it and see. Jai.

► Watch this answer · 32:24 · 16 May 2024

Q_2384 Pitaji, I just need your blessings and nothing else.

Answer: There is great joy. My blessings are always with you, Satyanarayan. Work for the salvation of the people of Rajasthan. You all are working to spread the Bhavishya Malika in Rajasthan; continue that work and take it forward, so that the people there can connect with Lord Kalki. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:29 · 16 May 2024

Q_2385 Pandit Ji, I have a five-year-old daughter. I try to teach her the Trikal Sandhya, but she doesn't pay attention. She is very restless and doesn't listen. Please suggest a solution for this.

Answer: Parents tell children many stories, and sometimes they also tell ghost stories, which scare them. So, tell your daughter, 'Look, you have to move forward in your life, you have to fight all calamities, you have to earn well, and eat good food.' Children are tempted by food. 'And if you want to study well and become a great human being, then do Trikal Sandhya, so that nothing bad will happen to you. Look how many of our ancestors and people from our village passed away in accidents and difficulties. If you want to follow the full stream of life and move forward, then do Trikal Sandhya.' She will sit and listen. First, narrate it to her and tell her about the glory of Lord Krishna. By doing so, she will become a child like Dhruva and Prahlada. Jai.

► Watch this answer · 34:08 · 16 May 2024

Q_2386 Pitaji, my question is that when we read the Shri Bhagavat Mahapuran, do we have to read the aarti written on the last page daily, or only after the entire book is finished?

Answer: No, no, there is no need to read it daily. There is no need to read the 'Phal Shruti' (description of benefits) every day. Just read one chapter of the Bhagavata. And if you have time, read the 'Gop-Leela' as well. You will feel very good and find joy in it.

► Watch this answer · 35:44 · 16 May 2024

Q_2387 I needed your blessing. I have gained a lot of knowledge, but faith and love have not yet developed within me. My environment is also not good. What should I do?

Answer: Look, if you want feelings of faith and love in your heart, then Lord Shankar and Mother Parvati bestow these feelings. You receive their grace. The scripture says, 'Bhavani Shankara Vande Shraddha Vishwas Rupino' (I bow to Bhavani and Shankar, the embodiments of faith and belief). Faith (Shraddha) is Mother Parvati Devi, and Belief (Vishwas) is Lord Shankar. So, every day, chant Lord Shankar's Mahamrityunjaya Mantra 11 times: 'Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushtivardhanam Urvarukamiva Bandhanan Mrityor Mukshiya Maamritat'. By chanting this verse, faith and belief will come, and you will receive Lord Ram's grace. Jai.

► Watch this answer · 36:39 · 16 May 2024

Q_2388 When will electronic items stop working?

Answer: When do you want it to happen? Soon? As long as electronic items work, we also work. First, become strong by doing Trikal Sandhya, then electronics will have no effect on you. But regarding electronics, look, this week there is a 'solar tsunami,' meaning a cyclone is happening on the sun. And in regions like America, in the northern polar area, people have seen lights in the sky because its rays are coming. Right now, these are small things. A time will come when all machines will fall and stop working. That time will surely come. It is coming. For the next three to four years, there won't be such a big problem. We have to move forward, may the Lord's grace be upon us, may humanity be well. But that time will surely come. So, correct your actions, do Trikal Sandhya, and become a divine being so that we can fight the coming problems.

► Watch this answer · 37:59 · 16 May 2024

Q_2389 Pitaji, we do Trikal Sandhya, we do everything, we are spiritual too, but please shed some light on how we can become peaceful from within.

Answer: Very good. Look, to become peaceful from within, the name of Madhav should be repeatedly chanted in the heart. The friction of Madhav's name with the heart will make the heart soft and pure. And whenever you get time, without wasting it, close your eyes and chant the name of Madhav in your heart, not superficially. After doing this for two or three months, the mind will say, 'No, I don't want to be angry.' Then you will sit peacefully and work, or else you will leave that place. To reach that state, sages and saints performed penance for a long time to control their senses. But in this era, there is no penance; the penance is being a householder. Therefore, chant the name. Chant the name of Madhav. You will surely get its fruit, a very good fruit. Jai.

► Watch this answer · 39:34 · 16 May 2024

Q_2390 If there is a pure devotee of God and they pray that this destruction doesn't happen, you mentioned the year 2032, can that be averted?

Answer: This is a very good and emotional question. Sometimes my heart also says that there should be no change in the world, but the thing is, Satya Yuga cannot come just because one person wants it. The cycle of eras ('yuga chakra') will definitely happen: Satya, Treta, Dwapar, and Kali. After Kali, the Ananta Yuga will come. This is the cycle of eras. Just as a human life has stages, the eras also have such changes. So this change of era will definitely happen because it is the 'yuga chakra'; it turns. It will surely come. We have to live with 'dharma' and fulfill the purpose for which we have received this human life. For that, there is no principle in the universe greater than Trikal Sandhya for the salvation of human life. Trikal Sandhya was for the gods, and today, by God's grace, we are distributing it for humans, so that they can become gods and move towards the ultimate truth.

► Watch this answer · 41:01 · 16 May 2024

Q_2391 Pitaji, we wanted to ask if there will be a congregation in Haryana, around Rohtak, Delhi, or Sonipat, in the coming time?

Answer: Look, it will definitely happen in Kurukshetra. There will surely be a congregation in Kurukshetra; there is a plan for it. Apart from that, where else the discourse can happen is up to God's will, Ma. But the propagation of 'dharma' will definitely happen. The propagation of Sudharma Mahasabha will happen, and the propagation of Bhavishya Malika will definitely happen.

► Watch this answer · 43:11 · 16 May 2024

Q_2392 When will you come to Nashik?

Answer: A congregation is going to happen in Nashik. We haven't given the date yet, but a congregation will definitely happen in Nashik, perhaps even this year. We will announce it online, and we will definitely inform you. Please watch the online satsangs and the YouTube channel; you will get the information there. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:44 · 16 May 2024

Q_2393 I have one more question. I was told that Lord Ram did not need any service, which is why he went to the forest. But devotees have a desire to serve him. How should we understand this desire for 'seva' (service)?

Answer: Look, Baba. 'Seva' (service) means offering one's mind. 'Seva' means to sacrifice. 'Seva' means to read spiritual principles to empower one's life, to get absorbed in them, to contemplate those principles again and again—this is service. Some serve through sacrifice, some through surrender to God, some by reading scriptures, and some through action. So, the feeling in your heart is correct. Everyone desires to serve God; I desire it too. If one gets the chance, no one lets it go. As your desire grows, so will your devotion. And a time will come when serving God will be natural. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:30 · 16 May 2024

Q_2394 Pitashri Ji, I offer infinite prostrations at your feet, at the holy feet of Badi Ma, and at the holy feet of Madhav Mahaprabhu Ji. I needed your and Badi Ma's blessings.

Answer: I am fine. Very good. Thank you.

► Watch this answer · 46:20 · 16 May 2024

SESSION 126 · QUESTIONS 2395–2419

L136: सुधर्मा महा महा संघ सारे विश्व में धर्म संस्थापना का कार्य करेगा। | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 19 May 2024 · Watch the full session ↗

Q 2395 My question is, in the Tri Sandhya, the Gayatri Mantra comes at the beginning, then there are three verses in the Guru Stuti. The same thing is also said for offerings and incense during worship. So, should the Gayatri Mantra be chanted with Lord Madhav in mind or with the Sun God (Suryadev) in mind? And the Guru Stuti, should that also be recited with Lord Madhav in mind? How should it be?

Answer: In the Trikal Sandhya, I focus on four elements. The booklet contains many things, but they are not all necessary. Just do the Gayatri Mantra, the 16 names, the 10 avatars, the Durga Madhav Stuti, and chant the name of Madhav 108 times. That's enough. And at the end, praise Lord Mahavishnu. This is because people won't have much time. Those who have time can do more, but even doing this much will yield the full benefits. The Gayatri Mantra should be chanted with Lord Madhav in mind. Generally, people chant the Gayatri Mantra with the Sun God in mind. For this, make your request in the refuge of Lord Mahavishnu. He is the God of all gods, the creator of gods, and the lord of gods, the primordial Vishnu Sanatan. Go into the refuge of Madhav and offer everything to him. Jai.

► Watch this answer · 04:57 · 19 May 2024

Q 2396 Father, I wanted to say that we have been performing Tri Sandhya for one and a half months. It's been a month and a half, and we haven't had a divine vision (darshan) yet.

Answer: You've been doing Trikal Sandhya for 1.5 months, are you having any experience? Do you feel good or bad? How does it feel? (Questioner: It feels very good, Father). Good. There is no negativity, the human mind remains cheerful, and all tasks feel joyful, right? Yes. Okay, if you haven't had a vision of the Lord and you want to have one, even in a dream, then before sleeping at night, chant the name of Madhav 108 times. Say, 'Madhav ji, please give me your darshan.' If you don't get it, then talk to me. Jai.

► Watch this answer · 06:46 · 19 May 2024

Q 2397 Yes, Father, I have one more question. One day, in the morning, I had a dream full of snakes.

Answer: At the time of the illumination of Naglok (the realm of serpents), the beings of Naglok are also coming to take refuge in the Lord's devotees, in Madhav. So, a vision of Naglok is good, don't worry. It is also called a Vaikuntha—Patal Vaikuntha or Naglok, where the Naga people reside. It's fine. But do as I have told you. Jai.

► Watch this answer · 07:48 · 19 May 2024

Q_2398 Greetings, Father. My question was about the Sudharma Mahasangh. What qualities should devotees have to gain membership in it, Father?

Answer: The Sudharma Maham Sangh is coming to Earth as the association of the gods or the eternal Mahavishnu. To become a member of the Sudharma Mahasangh, the most important requirement is Trikal Sandhya. Along with Trikal Sandhya, humans can gain entry into the upcoming programs of Satyug. And through this, people can join the Sudharma Mahasangh. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 08:50 · 19 May 2024

Q_2399 I had a question. The Lord somehow indicated to me that he wants to talk to me, and I tried to talk to him, but I am unable to.

Answer: Look, sages, saints, and great beings like Narad Mahamuni have visions of the Lord. Just by having a vision, and then by the grace of the Lord, they are born as great sages and become part of the Lord's incarnation. Therefore, having a vision (darshan) is the most important thing. If the Lord wants to talk to you, mother, then in due time, God fulfills that wish of the devotees as well. The most important thing is to wait for the right time and follow the path I have described.

► Watch this answer · 09:47 · 19 May 2024

Q_2400 Pandit ji, I shouldn't be asking this question, but I don't know why, I am eagerly waiting for this partial dissolution (Khand Pralay) that is coming. Please tell me about it. Is it right for me to say this or ask this question? Is this thinking of mine right or wrong? Please guide me.

Answer: Look, the devotees who are meant to work in the establishment of dharma for the Lord are the ones who get such feelings and premonitions. If you are also getting them, it is a good sign. Remain in the Lord's refuge and increase your devotion. Because a time will come when the power of devotion will be more influential on Earth than great mechanical powers. So, increase your devotion, remain in complete surrender at the Lord's feet. In the times to come, along with the salvation of devotees, the work of devotees will also progress. At that time, you all will also get good work to do. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:59 · 19 May 2024

Q_2401 Who will be the next Prime Minister?

Answer: Look, our current Prime Minister, I have said this before, he is and will remain the last Prime Minister. No one else can come after him because it is written in the Bhavishya Purana that a holy person who practices yoga sadhana will be in power in India at the end of Kali Yuga, at the time when the foundation stone of Satya Yuga will be laid. This is the proof. And developments like the establishment of Ram Rajya and the arrival of Lord Ram Lalla further strengthen this belief, in line with the principles of the Bhavishya Malika. So, the current Prime Minister, the honorable Modi ji, will remain, and no one else will come. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:13 · 19 May 2024

Q_2402 Father, I want to share a dream with you. I don't remember it completely, but I remember this much: on Mount Kailash, Lord Shiva's half body was burnt. And his pain... many animals were being slaughtered, and it seemed like his body was half-cut, you know, like half-cut from the left or right side, and he was screaming a lot. I didn't see Lord Vishnu much, just saw him crying. And Lord Shiva was in great pain, screaming loudly, enduring the pain by shouting.

Answer: Look, mother, in the Mahakaleshwar temple, a fire broke out where 13 priests were. His wound has not healed. And according to the news we received, one person has probably passed away. So, you can consider this as Lord Shankar's pain. Devotees get visions of this. When something happens to the devotees, the Lord feels it. Okay? Jai.

► Watch this answer · 13:20 · 19 May 2024

Q_2403 I am asking, as I am on the path (dhara), but due to lack of time, I am unable to propagate the Malika. So, is it necessary to propagate it?

Answer: Look, whether it's necessary or not, I won't say. Humans have come to this Earth to get liberation from the cycle of life and death. And through our karma, we have to return to the Lord. Those who perform good deeds will get the ticket first. Therefore, to make human life successful, everyone should perform righteous duties and propagate them. If it is within your capacity and you have time, it would be good to do a little work for it as well. Jai Jai.

► Watch this answer · 14:33 · 19 May 2024

Q_2404 In this partial dissolution (Khand Pralay), will our Shri Ram Lalla, where he is enshrined in our Shri Ayodhya Dham, be affected in any way?

Answer: Look, in my opinion, the consecration of Ram Lalla and the temple has happened at the end of Kali Yuga and the beginning of Satya Yuga. Perhaps this happened by the will of Ram Lalla. And if Ram Lalla wishes, he can save that area while causing the dissolution, from where he is spreading the influence of Satya Yuga across the world. Everything is his will. But since it happened at the beginning of Satya Yuga, it is probably a sign of Satya Yuga, and the Lord will protect it. Jai.

► Watch this answer · 15:43 · 19 May 2024

Q_2405 Father, with your and the Lord's blessings, my daughter and I had come to the assembly in Shirur, Pune. At that time, I had prayed at your and the Lord's feet that all my family members join the path (dhara). With your and the Lord's blessings, everyone has joined except for my son. My son has not joined yet. However, he did come to the assembly in Kandivali, and he did everything we do on the path, like the Tri Sandhya, and he also participated in the procession. He did everything. But he is studying right now, so he hasn't joined the path yet. It is my wish that you give your blessings, and with the Lord's blessings, he too joins soon. It would be a great grace from you and the Lord. Could you please say his name, Krishna, once?

Answer: Your son will also join. Pray to Madhav, I will also pray. He will progress with time. Okay, Krishna will join in due time. It is our wish and Madhav's grace.

► Watch this answer · 17:13 · 19 May 2024

Q_2406 When I perform the Lord's Tri Sandhya, sometimes my focus wanders. It feels like my mind is not concentrating on the Lord. What should I do then? I get very worried.

Answer: Look, when your focus wanders, don't be sad about it. Because at the end of Kali Yuga, every human is distracted. There is no harm to you because of this. But after performing Trikal Sandhya for a few days, you will gain firmness, faith, and your mind will not wander. This happens initially. Jai.

► Watch this answer · 18:46 · 19 May 2024

Q_2407 Jai Jagannath. If one wants to perform a ritual (anushthan), should it be of the Mahamantra or of the name Madhav? And can we do kirtan (congregational chanting) of the Mahamantra?

Answer: Look, kirtan of the Mahamantra can be done. It is called Naam Sankirtan, and this is also considered an anushthan. But you can also perform an anushthan of the name Madhav. One can do an eight-prahar or a 24-prahar sankirtan of the name Madhav. Whatever your heart desires. The Mahamantra is good, and the name Madhav is also good. To be liberated from Kali Yuga, the name Madhav is essential. And the Mahamantra was given by Chaitanya Mahaprabhu for the salvation of devotees; it is a mantra of love, by chanting which human life becomes successful. Jai Jai.

► Watch this answer · 19:36 · 19 May 2024

Q_2408 Father, my question was that my family members eat non-vegetarian food. And where I live, I am the only one connected to this path. My family members keep eating non-veg, and I feel a great aversion to it. I can't even bear to watch them eat it. But they do, and they cook it in the same kitchen, and I have to manage everything. I don't like it, but I still have to eat with them. I don't eat non-veg, but I have to sit with them and eat in the same kitchen. Is this wrong in any way?

Answer: It is not wrong at all, mother. This is a form of penance (tapasya) for you, and God will shower even more grace upon you for this. Don't fight with those who eat it, don't say anything. Let them follow their path. You follow your path. God's grace will surely be with you. There is no mistake in this. Okay?

► Watch this answer · 20:35 · 19 May 2024

Q_2409 Pandit ji, as our honorable Prime Minister Shri Narendra Modi ji is about to become the Prime Minister again, people say it is written in the Bhavishya Malika that after his term ends in May 2026, the next Prime Minister will be a yogi, unmarried, and a Hindu. Is it true, Prabhu ji, that Yogi ji can become the Prime Minister after 2026?

Answer: No, there is nothing like that. Modi ji himself will remain. Look, it is written in the scriptures, and the proof is also emerging that he will remain. And the amount of work he is doing for the upliftment of dharma is increasing his lifespan. And because his lifespan is increasing, the dangers against him are being averted. Those who perform righteous deeds, religious rituals, and build temples, their lifespan increases. His lifespan is also increasing. So, don't worry, he will remain. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:57 · 19 May 2024

Q_2410 Father, I need your blessings to overcome the difficulties in my life. I also wanted to know, whenever I have knowingly or unknowingly told a lie or made an excuse, I am now realizing—ever since I started doing Tri Sandhya and reading the Bhagavat—that those things come true. For the last 25-30 years, I have experienced that my excuses and lies, whether said in jest or in anger, come true. The difficulties I am facing in this life are because of this. What should I do about this?

Answer: Look, mother, a person experiences the fruits of their past life's karma in this life as well. And devotees have to clear all their karmic accounts before they leave. The fruits of your past life's karma and the merits of your past life are also why you have attained God and this spiritual gathering (satsang). So, don't worry, mother. If you have sorrow in your family life or material life, then along with Trikal Sandhya, there is a verse of Chaitanya Mahaprabhu, 'Trinadapi sunichena...'. Chant that verse 108 times before sleeping and 11 times after waking up from bed. The Lord's grace will be upon you, and all your problems will be resolved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:59 · 19 May 2024

Q_2411 Guruji, my question was, when will this dissolution (pralay) come? I mean, when will the devotees be assigned their tasks? When will their complete unification happen?

Answer: According to the Bhavishya Purana, the unification of devotees will continue until the very end. The establishment of dharma has already begun. It started in 2021 with the arrival of Corona. In 2025, with Saturn's transit into Pisces, it will progress further. So, it will happen gradually, not in a single day. The work of establishing dharma will continue gradually until 2032-2033. During this period, all devotees will be unified, and Satya Yuga will also arrive. The salvation of humanity and the destruction of sinners, the work of creating a new era on Earth, is being done by Lord Kalki and will continue to progress. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:04 · 19 May 2024

Q_2412 Pandit ji, I wanted to ask, I have been doing this for the last five months, and I chant the name of Madhav in the morning and evening while doing my work. But I haven't had any kind of spiritual experience yet. Yes, there has been a significant change in my life. There is no attachment or craving left. But still, I don't get any experiences. I ask for it every day before sleeping, but I haven't received any experience so far.

Answer: Chant the name of Madhav during the day, and before sleeping at night, chant it 11 times and ask Madhav to give you a vision (darshan). You will get it. Jagannath.

► Watch this answer · 27:23 · 19 May 2024

Q_2413 On your website, regarding the Uttarkand of the Ramcharitmanas... my copy from Gita Press doesn't have that many pages. The proof you had given on your website from the Ramcharitmanas, you mentioned page number 99 or something, but my book doesn't have that many pages. Could you please tell me the doha (couplet) number or something?

Answer: The people who upload content to the website, they listen to me and do it. I will have to check what is there and what is not.

► Watch this answer · 28:16 · 19 May 2024

Q_2414 The session is about to end soon. At the end, could you please sing the song 'Ram Aayenge' once? And please upload it to YouTube.

Answer: Okay, I will sing one verse.

► Watch this answer · 28:58 · 19 May 2024

Q_2415 We wanted to say that our aunt is unable to have children. What should be done? It has been 15 years since her marriage.

Answer: Look, mother, tell them to first perform Trikal Sandhya. Both of them should become vegetarian and perform Trikal Sandhya. After performing Trikal Sandhya, tell me what they see in their dreams. After that, I will tell them the solution. Jai.

► Watch this answer · 29:36 · 19 May 2024

Q_2416 Yes, Guruji. I was saying that since childhood, I used to have spiritual experiences and talk to Lord Krishna. He told me to accept him in the form of Madhav. I was unable to, but then I did. And now, it feels like he tells me every day to meet him. But there is no one in my house who is on this path, and I can't get help from anyone. I can't concentrate on any work at all. 24 hours a day, all I want is to meet him.

Answer: Look, it's true, I understand. Do one thing: read about Lord Krishna's Gopi Leela (divine plays with the cowherd girls). And tell Madhav to give you his darshan. The Lord tests his greatest devotees the most. So perhaps you are being tested. But read the Gopi Leela, and you will get his darshan. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:32 · 19 May 2024

Q_2417 Pandit ji, I wanted to say that I read the Bhagavad Gita, not the Bhagavata. So, is reading the Bhagavad Gita right or wrong? Because while reading the Gita, I felt as if I was going beyond this world, transcending it.

Answer: The Gita is knowledge. The knowledge in the Gita is necessary for all human beings. However, the Srimad Bhagavata Mahapurana contains the story of Rama, it contains the Gita, it contains the Bhagavata, the Vishnu Purana, the Brahma Purana—it contains the essence of all the Puranas. And according to the Bhavishya Malika, the Srimad Bhagavata will create the humans of Satya Yuga. Therefore, if you read the Bhagavad Gita, continue to do so. But by reading the Bhagavata, one attains the proximity, grace, and divine nectar of the Lord's feet.

► Watch this answer · 32:49 · 19 May 2024

Q_2418 I have three questions. First: Will the Sudharma Maha Mahasangh be formed secretly? Will it be a secret society? And will it be formed at the end of all the stages of establishing dharma, around 2032? Second: I want my father and mother, who are senior citizens, to come to Satya Yuga. They read the Bhagavata and perform Tri Sandhya, so how can I take them to Satya Yuga? Third: I had heard that we should not kill cockroaches with chemicals, but they keep coming into my bathroom. I spray them while apologizing to Madhav, but I am very scared that I am failing a test or committing a sin. This is mentally disturbing me.

Answer: 1. First question, when will the Sudharma Mahasangh be formed? The Sudharma Mahasangh is Lord Kalki's association. Devotees will join it, and all devotees will be unified through it. Through that medium, all devotees will get the right to enter Satya Yuga. The Sudharma Mahasangh will rule the entire world and carry out the work of establishing dharma. This is from the Bhavishya Purana. 2. Second, if your father and mother perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and do charity, and if they complete three years of Trikal Sandhya, they will be saved. 3. Third, regarding killing cockroaches, you can get salvation from that sin by feeding a cow. But take refuge in Madhav so that they don't come. Pray with devotion, 'Lord, please don't let them come to our house.' Therefore, chant the Lord's name, perform Trikal Sandhya, and do charity. Sins will be washed away, and righteousness will increase. We will all become worthy of entering Satya Yuga. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:27 · 19 May 2024

Q_2419 Father, my question is about my school friend. I told her about Tri Sandhya, and she is doing it. But no one else in her family is. So she keeps asking if her entire family can be saved in the coming age.

Answer: Look, the one who is performing Trikal Sandhya has become a deity. It is because of their past life's good deeds that they are performing Trikal Sandhya. If the family members want to come to the path, first tell them to read the Bhagavata. By reading the Bhagavata, knowledge and devotion will arise. With the rise of devotion, knowledge, and detachment, they will also come to Trikal Sandhya, they will be able to understand God, the signs of Satya Yuga's arrival, and they will get information about the advent of Lord Kalki. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:58 · 19 May 2024

SESSION 127 · QUESTIONS 2420–2441

L137: धरती पर आगे भूकंप का प्रभाव आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 23 May 2024 · Watch the full session ↗

Q_2420 Why does the Lord leave and go back? It would be better if he stayed with us. And a second question, Pandit ji: we sometimes get scared when we see the problems that arise in our lives. What should we do then?

Answer: Look, in every stream of life, even deities have problems, sages and saints have problems, and humans have problems. This is predetermined. So, problems come in every life, and they come in your lives too. But for those who are in the refuge of Madhav, why should we be afraid while living in His shelter? And in my estimation, my belief is that you all perform the Trikal Sandhya, so don't be afraid of problems. Face the problems, and along with them, perform your duties. Perform your actions with your mind invested in the Lord's refuge, and even major problems will be resolved. This is why you perform the Trikal Sandhya, and the essence of Trikal Sandhya will give you protection and strength. Therefore, do not be afraid. Don't fear any problem, just do your work, and God will carry it forward. There is no fear in performing Trikal Sandhya. Yes, if we do something wrong, get caught in a bad sin, then we will be punished for it. But if we perform Trikal Sandhya while living in righteousness and truth, no power on this earth can do anything to us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:53 · 23 May 2024

Q_2421 I had two dreams over two days. In one, the Lord's devotees had gathered and were searching for someone. In another dream, I saw the earth split open from below, and a lot of gold and grain came out. Please tell me what this means.

Answer: Look, all the devotees will be gathered together in the coming times; that is why you saw the dream of the devotees. And the precious elements that come from the earth splitting open are for the devotees. For the devotees who have become poor today, for whom it is necessary, the Lord has kept it for them. All the wealth—gold, diamonds, gems, and jewels—will be obtained by the devotees. The devotees will become great. This is the essence. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:33 · 23 May 2024

Q_2422 Father, my college exams are coming up. Please bless me so that I pass all my papers with good marks.

Answer: Alright, you have my blessings. You perform the Trikal Sandhya and also study. You will surely receive God's grace and good results.

► Watch this answer · 16:37 · 23 May 2024

Q_2423 Yesterday, while I was performing the morning Trikal Sandhya, something happened. My eyes were open and my mind was on something else, but when I suddenly closed my eyes, I saw a monkey. After seeing the monkey, a second later, I got goosebumps for two or three minutes, and I kept seeing that same monkey. I felt as if Hanuman ji had come for a minute or two. Can you please explain this?

Answer: Look, 'Chaar jug prataap tumhara, hai parsiddh jagat ujiyara' (Your glory is famed throughout the four ages, and your splendor illuminates the world). Those who perform the Trikal Sandhya, Hanuman ji bestows his complete grace upon them. And those who perform the Sandhya can also have a vision of Hanuman ji as they desire, through devotion. If those who perform Trikal Sandhya wish to see Hanuman ji, they should recite the Hanuman Chalisa after the Trikal Sandhya. This is Hanuman ji's grace.

► Watch this answer · 17:33 · 23 May 2024

Q_2424 And Prabhu ji, today Hanuman ji also came in my dream. I was very happy with him; it felt like I was playing with him, he was giving me his darshan. I was very happy. And my third question is, just as we are distributing the Trikal Sandhya to people, what should we do for animals so that they can also go to Satya Yuga? We have a female dog at home, and looking at her, I feel like we should do something for her too so she can go to Satya Yuga. Please tell us what we can do for them.

Answer: This is a very good point. Animals and creatures, even without performing the Trikal Sandhya, can move forward with the change of the era. But the thing is, if you want to give liberation to any creature, to uplift any creature, then by making them listen to the Trikal Sandhya, they too will become righteous. A time will come when all animals and creatures will also speak. First, Mother Cow will speak, and after that, other creatures will also speak. They will also chant mantras. Not now. In the beginning, Mother Cow will definitely speak. In front of them, you can keep chanting 'Madhav, Madhav' so that some of it enters their ears, and they can also attain liberation through that.

► Watch this answer · 18:25 · 23 May 2024

Q_2425 I have been doing the Trikal Sandhya for a month. I needed your blessings.

Answer: Alright. Perform the Trikal Sandhya with joy and on time. Also, read the Bhagavat Ji. My blessings and God's grace are surely with you. I want you all to be uplifted. The upliftment of humanity is Madhav's work. Service to Madhav and service to humanity are one and the same. That is why we want all the followers of Sanatana Dharma, the holy and pure souls who have come to this earth in India and the world, to be shown the right path, through which they can attain God and move towards the ultimate truth. This is our goal. You continue doing it; God's grace is with you. Move forward and complete this path.

► Watch this answer · 21:21 · 23 May 2024

Q_2426 Father, may I ask a question? You had said that there will be 16 Mandals (regions) of the Sudharma Sabha in the entire world. After listening to the Trikal Sandhya, we listen to satsang for three months. Can we also join one of those 16 Mandals? For example, we are near Ayodhya, so after listening to the satsang, will the Ayodhya Mandal group be the one that goes to meet the Lord?

Answer: Yes, that is correct. The Ayodhya Mandal will become a large Mandal of devotees. This is written in the Bhavishya Purana about the Ayodhya Mandal. There are many devotees in the Ayodhya Mandal who perform the Trikal Sandhya. You should also do it and receive the Lord's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:30 · 23 May 2024

Q_2427 Pandit ji, I had a question. In one of your videos, you said that those who oppose the Malika, their death is certain. You said their death is certain. But there are some good people who oppose the Malika, but they are good people. So what will happen to them?

Answer: Look, when an era changes, everyone has to accept the principles of that era's change. When destruction is coming, humans need the strength to face that destruction. And this Bhavishya Purana (Malika) was written by the Lord's eternal Pancha Sakha under His direction. The eternal Pancha Sakha are manifestations of the Lord Himself. And it is written in the Bhavishya Purana, one by one, about how the sinners will be destroyed. It is also written that those who do not believe in the Bhavishya Purana, do not respect the Bhavishya Malika, and criticize it, they will only see destruction. There is no changing this. Because this is the Lord's principle, not mine. I am just a Brahmin who is distributing it, I have no other role. And those who respect it, honor it, and follow it, they are the people of Satya Yuga. And those who don't believe, don't follow, criticize others, and talk here and there, their fate is written in the Bhavishya Purana: Mother Kalika will deal with them. And you know what Mother Kali's judgment is like, what can I say? And I say this with firmness: this scripture was created by the grace of God for the transformation of the earth and the welfare of humanity. If a person sinks their own boat, how is it God's fault? Those who sink their own boat will drown themselves.

► Watch this answer · 24:03 · 23 May 2024

Q_2428 I have been performing Trikal Sandhya for three months. Pandit ji, I have to travel for work and am unable to perform the Sandhya. Please advise on this.

Answer: Wherever we are, Sandhya is necessary. Time is very short. We can't say... 5129 years have passed, and humans have not improved. And now, within a maximum of 10-11 years, a great change will occur. The arrival of Satya Yuga has already happened, but its influence has not been able to spread due to the effect of Kali. At such a time, Trikal Sandhya is necessary for everyone. Trikal Sandhya is a pot of nectar. Those who drink from it will be saved; they will go to Satya Yuga. Today I am saying this, but a time will come when everyone in India will say, 'Yes, you too should do Trikal Sandhya.' But what will be the use then? Do it now, while there is time. It's very good that you are doing it. Wherever you go, continue it. Don't stop. Jai.

► Watch this answer · 27:31 · 23 May 2024

Q_2429 I had another question. Lately, when I see any spiritual master, any great guru, I get the feeling in my heart... just as Nishad Raj washed Lord Ram's feet and drank the charanamrit (holy water), I feel a desire to wash the feet of a guru and drink that charanamrit. Please tell me about this.

Answer: This is a good, saintly tendency. It is a sign of a pure heart. The divine (Brahman) is in everyone—be it a guru, a boy, or a girl, the divine is in all. We should have devotion and respect for everyone. This is a good sign; there is no sin in it. It is very blissful, and it will also increase your dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:17 · 23 May 2024

Q_2430 And the second thing is, Father, I want to take my parents, who are a bit old, with me to Satya Yuga. Is this possible? Please tell me something about this.

Answer: Look, first of all, I commend your actions. A devotee like you, through their devotion and the power of their merit, can uplift another fallen human being. You were able to do it, which is very good. Because if we have faith, God will surely come. You have done a very good deed, my son. And second, if you want to take your parents to Satya Yuga, then make your parents listen to the Trikal Sandhya, or tell them to perform the Trikal Sandhya on time. Also, read or recite one chapter of the Bhagavat Ji to them, whatever you can do. And go to Madhav and say, 'Madhav, I am nothing, I am in your refuge, please uplift me.' In my opinion, they will surely go to Satya Yuga. There will be no change in that; you will get a good result.

► Watch this answer · 30:42 · 23 May 2024

Q_2431 Father, I want to tell you that Lord Shiva came in my dream and told me, 'You don't even know how to offer water on a Shivalinga. I will tell you how to offer water on a Shivalinga.' Then he left after saying only that much. But I never found out how to offer water on a Shivalinga. So please, can you tell me, Father?

Answer: Look, by establishing the Lord in your heart and chanting His name at His feet, you get the Lord's vision; the Lord manifests. When the great sage Narada first did penance, when he did penance through the Trikal Sandhya, the Lord gave him a subtle vision, not a gross, physical one. So, establish the Lord in your heart, chant the Lord's name in your mind, and you will get the vision. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:50 · 23 May 2024

Q_2432 Father, I have a question. I have a son who is two years and seven months old. I perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat Ji. But sometimes when I sit for puja, he disturbs me a lot, and then I get very angry at him. So, if I get angry at him while I am praying, will the Lord also be angry with me for getting angry at my child?

Answer: Look, children love food. Give the child food, a toy, or whatever he needs, and then do your work. What will you gain by getting angry? They have come from your own being, from your own blood; we are meant to uplift them. What will anger achieve? Manage him according to his needs, and then continue. Even if you have to stop in the middle, it's okay. Start again. Look after him and also do your Sandhya. There is no need to get angry. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:41 · 23 May 2024

Q_2433 Pandit ji, as you mentioned in a previous video, even Lord Brahma and Lord Shankar will not know the Lord's leela (divine play). But it is said that Hari and Har are one, Lord Shiva is called the greatest Vaishnava, and Lord Vishnu is called the greatest Shaiva. So how can Lord Shankar not know the Lord's leela?

Answer: No, what you said is correct. Lord Shankar is a part of Lord Vishnu, and Lord Brahma is also a part of Lord Vishnu; there is no difference. One who worships Lord Vishnu attains Lord Shankar, and one who worships Lord Shankar attains Lord Vishnu. Regarding the leela between the devotee and the Lord, Achyutananda has written with emotion: 'Brahma agochara na jananti Indra Chandra' (Even Brahma, Indra, and Chandra do not know the secret). He wrote that the leela that will happen between the devotees and the Lord, even Lord Shankar and Brahma will not be able to understand what is happening. It is written that they won't know what kind of leela, what kind of work the Lord is doing; they won't be able to figure it out. But the essence is one; they are all one, there is no difference. And all are God—Brahma, Vishnu, Maheshwara, all three are God. All are worthy of our worship. But the point is about the leela between the devotee and God, which even some deities, Brahma, and Lord Shankar will not be able to comprehend. This is what is written, written with this emotion. It is not necessary to go into the specifics of it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:14 · 23 May 2024

Q_2434 Father, I needed your blessings.

Answer: Alright, mother. Practice dharma, do good deeds, perform the Trikal Sandhya, read the Bhagavat Ji. God's grace and my blessings will surely be with you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:09 · 23 May 2024

Q_2435 Sir, please give me your blessings too.

Answer: Alright, mother, you have my blessings. But remain in the Lord's refuge, perform the Trikal Sandhya, and God's grace and my blessings are surely with you. Jai Jagannath. God's grace is always there for those who take His refuge. You are in God's refuge; you will receive all His grace and my joy. Jai.

► Watch this answer · 38:29 · 23 May 2024

Q_2436 Father, I want to know why things that don't happen in our life appear in our dreams? Why do such events, which are not part of our regular life, occur in dreams?

Answer: Look, mother, there are spiritual dreams and there are material dreams. One who has material curiosity and material desires gets dreams related to material things. One who is absorbed in spiritual elements, the soul, and spiritual devotion gets divine visions and spiritual dreams. Both types of dreams are true. The dreams we see based on material elements also come true, and spiritual dreams also come true. So, in the stream of human life, there are many types of dreams, but not every dream is true, and not every dream leads to human liberation. But if you get a good dream that is connected to the stream of your life, contemplate on it, and that dream will surely prove true with time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:05 · 23 May 2024

Q_2437 I had gone to Badrinath, and there was a circular, rainbow-like halo around the sun. I took a photo and posted it. What should I understand from this?

Answer: Look, when a solar halo appears, wherever it is seen, destruction comes. A calamity comes. A halo appears around the sun, a halo appears around the moon. The place where this is seen, it is a sign that a calamity is about to come to that place or a place near it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:44 · 23 May 2024

Q_2438 Father, please give your blessings. Me and my family need your blessings, just your blessings.

Answer: I give you my blessings. May righteousness (dharma) increase in your family, and may you progress through righteous deeds. May your family also grow, and may God's grace be upon you. May dharma continue to increase along with peace and happiness. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:54 · 23 May 2024

Q_2439 My son got 65% marks, Father. Now I have to look into his admission, but due to my job situation, things have become difficult. Right now, I don't see any way forward, how his admission will happen, how the money will come. Nothing is working out.

Answer: Look, chant the name of Madhav. Perform the Trikal Sandhya. Everything will be arranged. There will be no problem. Just try it and see, everything will be fine. But go into His refuge, and everything will be alright. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:51 · 23 May 2024

Q_2440 I need your blessings, Father.

Answer: You have my blessings. Do your prayers, do the Sandhya, the blessings will be there. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:58 · 23 May 2024

Q_2441 Father, I perform the Trikal Sandhya three times, but for the first one in the morning, I have trouble waking up. I can't get up early. What can I do for this?

Answer: Pray to Lord Madhav. Say, 'Lord, please wake me up on time so I can perform the morning prayer at the right time.' You will surely receive His grace. A time will come when you won't be able to sleep; your sleep will break on its own during the Brahma Muhurta (pre-dawn hours). Keep doing it, it will happen. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 44:06 · 23 May 2024

SESSION 128 · QUESTIONS 2442–2460

L138: क्या कल्कि अवतार का जन्म हो गया है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 03 June 2024 · Watch the full session ↗

Q 2442 Jai Shri Madhav, Prabhu Ji. When we perform Sandhya (prayers), we also commit many sins, knowingly or unknowingly. The punishment the Lord will give for that is fine, but what about the children? What will happen to them, as they are not at fault?

Answer: In this world, there is no child and no senior. The soul within our body is countless eons old. The beings who come in the form of children and then grow up on this earth are also born according to their karma and will experience the fruits of their actions. So, there is no distinction between a child, a senior, or an old person in this regard. However, for those who perform Trikal Sandhya (prayers three times a day), take refuge in Madhav, and read the Bhagavat Ji, their sins will gradually diminish, and they will be able to become humans of the Satya Yuga (Age of Truth). This is written in the scriptures. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:47 · 03 June 2024

Q 2443 Gurudev, I am currently following the path, and I suddenly felt inspired. Since my summer vacation is ongoing, I want to go for a darshan (sighting) of Lord Jagannath in Puri and Goddess Biraja. My family members also want to go. So, I was seeking your permission. It came to my mind that I want to go only when the Lord calls me.

Answer: How many months has it been since you joined this path? (Questioner: Two, two and a quarter months.) Wait. You will come after further consideration. It has only been two months. Let at least six months pass, and then we will consider it. Look, major diseases, illnesses, and calamities are about to come upon the earth. In 2025, a significant astrological event is happening. It is necessary for everyone to perform Trikal Sandhya. The welfare of humanity lies in this, and the greatest fulfillment of human life will be found in it. Serving Him brings great joy. Do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:05 · 03 June 2024

Q_2444 I wanted to ask, if God has already arrived, why is he taking so long? Sin is increasing on Earth, and God must see everything. Even now, good people are suffering and facing hardships. So why doesn't he act quickly? Why don't good things happen to good people and bad things to bad people? Good people are harassed by everyone, including the police and the courts. Meanwhile, wrongdoers show off their power and control everyone. Isn't God seeing this? My simple question is: how long will God watch the suffering of good people? I may be bad, it's okay if bad things happen to me, but why are even good people suffering? What is God waiting for?

Answer: Look, this is a good question. Everyone has this question. Good people are suffering, the influence of demons is increasing, and sinners continue to display their power and wealth. The thing is, every being has come according to their karma. We don't know what deeds we performed in our past lives. The good deeds from the past lives of those who are sinning now have not yet ended, which is why they are influential. A devotee is a devotee in every age; if some karma was left from a past life, they are paying for it now. Yes, one thing is certain: sinners will fight against devotees and good people. In my opinion, those who remain in the refuge of Madhav and perform Trikal Sandhya will surely be victorious. It will take time, but victory is certain. We have come to pay for our past karma. That is why even devotees face sorrow, just as gods are sometimes born on earth due to curses and suffer. Sorrow and happiness in human life are due to 'prarabdha' (destiny based on past karma). The demons are powerful because of the Kali Yuga, but the time for their destruction is coming. Those who take true refuge in the Lord will surely be victorious in the end.

► Watch this answer · 43:22 · 03 June 2024

Q_2445 Prabhu ji, I have a question. I have a very strong desire to visit Lord Jagannath's holy land and have a darshan of the people of the Sudharma Mahasangh. Please tell me a way to do this.

Answer: Do you perform Trikal Sandhya? (Questioner: Yes, Prabhu ji, I do.) Do you read the Bhagavat Ji? (Questioner: Pandit ji, I made a small mistake. I didn't understand and brought the Gita instead. I will order the Bhagavat Mahapuran tomorrow.) Read the Bhagavat Ji. You will get a direct experience of God. By reading the Bhagavat Ji along with Sandhya, devotees can feel the Lord's presence. Do that, and in the future, we will act according to the Lord's instructions. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 47:43 · 03 June 2024

Q_2446 Pandit ji, I had a question. I have heard that the Meen-Shani yog (Pisces-Saturn conjunction), which you say will occur in March 2025, will secretly occur on November 2, 2024. Is this correct?

Answer: You have heard incorrectly. It will happen on March 29, 2025, at 5:30 PM. In some specific places, there might be a difference of one, two, or even five hours, but it will happen on that day. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 51:31 · 03 June 2024

Q_2447 I had a dream where I saw a huge wave come from the sea. I and another Pandit ji were sitting on a bed. He was scared, but I told him not to be, that Lord Madhav would protect us. I also saw many crows flying in the sky. What does this mean?

Answer: Crows are called messengers of Kaal (time/death). The sea water signifies that the time for a great flood (Jal Pralay) is approaching. God is showing you the destruction that will be caused by this flood. Those who are chanting the name of Madhav will be protected from the coming calamity and will be saved for the Satya Yuga. This is written in the scriptures, and it is very good that you saw it in your dream. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 52:26 · 03 June 2024

Q_2448 Prabhu ji, I want to know, what is the controversy between you and Acharya Salil?

Answer: Look, in the world, controversies happen over land, property, or mutual negativity. I have nothing of that sort; there is no controversy. But if someone doesn't like what I say, they have the right to speak up. Our country is free. Not everyone will agree with me. It is my duty, written in my karma, to propagate the Bhavishya Malika, so I do that. My Gurudev blessed me to do this. Some people like this work, some dislike it. But I have respect for everyone. It doesn't concern me. God has come, and He is judging my actions. If I am doing the right thing for the welfare of the world, I believe God will bless me further to propagate Dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:52 · 03 June 2024

Q_2449 Pandit ji, my question is, whenever I talk about Bhavishya Malika in my home, my family members are never satisfied. I try to explain it to them, but they are unable to understand. I told them that the age of Kali Yuga is only 5000 years, but they say it is 432,000 years and that what is written in the book is a lie.

Answer: When the Yamuna river floods in Mathura and Vrindavan, then everyone will come around. We are waiting for that time. A great flood and a major calamity are also coming.

► Watch this answer · 56:34 · 03 June 2024

Q_2450 Pandit ji, why is it that I can understand, but my family members cannot?

Answer: Look, those who are not destined to understand, will not. Someone has to understand first, someone later. There will be a number one devotee, and a number two devotee; things will work accordingly. But for all the devotees of Mathura and Vrindavan, when they witness the fierce form of the Yamuna river in the future, they will then say, 'Yes, destruction will happen.' We have already told you this. You are good, that's why you understood.

► Watch this answer · 57:26 · 03 June 2024

Q_2451 I understand, Pandit ji, but when I try to explain it to my friends who have bad conduct and use foul language, I try to make them understand to stop and chant the name of Radhe. What should I do?

Answer: Stay away from those who do not understand or believe in the Bhavishya Malika. Six or seven days ago, near the Jagannath temple, a great fire calamity occurred. The plaster of the boundary wall of Meghanad Pacheri and Gundicha Temple all fell off. People should understand why this destruction is happening in the Jagannath Kshetra. They will understand when water enters their own noses and ears. The time is coming.

► Watch this answer · 57:57 · 03 June 2024

Q_2452 Pandit ji, you give proof from the Bhagavat Ji that the Kali Yuga has ended. But it is also written in the Bhagavat Ji that one should not charge any fees for reciting it. Yet, many storytellers charge lakhs of rupees and still say that the Kali Yuga is in its childhood. Why are you able to see the proof while they are not?

Answer: Look, there is proof in the Bhagavata Mahatmya and in the twelfth canto of the Srimad Bhagavatam. Those who accept money for reciting the Bhagavatam are not following the rules. They are misusing the scriptures and will surely have to answer to the one who created them. The time will come when it will be proven to the whole world, and those very people will say with their own mouths, 'Yes, the Kali Yuga has ended, the phase of destruction is ongoing. Please give us refuge too, save us.'

► Watch this answer · 59:35 · 03 June 2024

Q_2453 Jai Shri Madhav, Guru ji. My question is, by performing Tri Sandhya, will my family be protected, even if they are not able to do it themselves?

Answer: Look, the protection of your family rests with God. When a person performs Tri Sandhya, their ancestors receive the benefits, and the performer receives the direct fruit. The family also receives some positive effect. However, for full protection from the calamities of the Kali Yuga, it is necessary for every member to perform Tri Sandhya.

► Watch this answer · 01:03:01 · 03 June 2024

Q_2454 My question is, people say Lord Kalki will come to slay the Kali Purusha (the personification of the Kali demon). Is this true?

Answer: Yes, they say Lord Kalki will come to slay the Kali demon. Look, in the Kali Yuga, there are crores of Kali demons. To destroy all of them, Lord Kalki will establish Dharma, save the devotees, and destroy the sinners. It's not just one demon; there are crores of them whose destruction is necessary. As long as those demons are on Earth, the Satya Yuga cannot arrive. Therefore, their destruction is necessary because Dharma has shrunk and sin has increased. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:04:03 · 03 June 2024

Q_2455 In the Jagannath culture, there is a story that when Lord Sri Krishna was shot by an arrow, his body was later cremated, and his heart remained unburnt. Is this story true, or did he go directly to his celestial abode in his physical form, as mentioned in the Bhagavatam?

Answer: Look, in the Jagannath culture, it is written that Krishna is Jagannath. Because Lord Krishna is Mahavishnu, and Jagannath is the same. A verse states that at one time you were present as Lord Krishna on the banks of the Yamuna with the Gopis, and now you reside in the Nilachal region. The one who is Krishna is Jagannath. The text 'Jagannath Sanskriti', which is part of the Skanda Purana, clearly states that Jagannath is the original, eternal Brahman. All the gods are created on earth from Jagannath's body and then merge back into it. That is the truth. Just as there is Goloka Vaikuntha, there is also a Vaikuntha on earth, which is the region of Jagannath. All incarnations are created from and merge into Lord Jagannath, and that is what happened. Jai.

► Watch this answer · 01:05:50 · 03 June 2024

Q_2456 By worshipping a Kuldevata (family deity) or a Devi (goddess), will one attain the desired fruits?

Answer: By worshipping any god or goddess, human beings attain material happiness. And if we worship any deity, the fruit of that worship is granted by Lord Krishna, as stated in the Gita. So, why not come directly to the refuge of Lord Krishna? That way, along with the grace of the demigods, we also receive the grace of Mahavishnu, and our life becomes simpler and more joyful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:08:35 · 03 June 2024

Q_2457 Prabhu, I wish to know, how can we tell if we are on the right path of devotion, if what we are doing is correct, or if the Lord's grace is upon us?

Answer: This is a very good question. Look, performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat Ji, and chanting the name of Madhav... any human who follows this path is not ordinary; consider them a rishi, muni, or deva. This is the first sign. Second, yawning or having tears in your eyes while performing Trikal Sandhya is the second sign that God is accepting your worship and you are connecting with the Supreme. Third, when God comes in your dreams and guides you, then you will know that He is your protector and is leading you on the right path. You will find these three elements in Trikal Sandhya. Do it and move forward. With time, everything will be proven. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:09:32 · 03 June 2024

Q_2458 For those who perform Tri Sandhya and are on this path, if they pass away during the 'khanda pralay' (partial dissolution), what will happen to them? Will they be born in the Satya Yuga?

Answer: Look, the path of Trikal Sandhya is followed only by the devas, devotees, rishis, and saints who have taken birth on this earth. God has prepared this path for them to attain Him. Those who perform Trikal Sandhya are God's people. When the great destruction happens, in my opinion, they will not die. They will go to the Satya Yuga and be in direct contact with God. After the Satya Yuga, they will go to Vaikuntha. Only such souls perform Trikal Sandhya; others criticize or question it. The devotees who have come to earth as Brijwasis, Gopis, and Gopas perform Trikal Sandhya and chant the name of Madhav. Nothing will happen to them. They will move forward into the Lord's refuge and then to Vaikuntha. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:11:18 · 03 June 2024

Q_2459 By when can your assembly (sabha) be held in Nepal?

Answer: There will definitely be an assembly in Nepal. The teachings of the Bhavishya Purana and the pastimes of Lord Kalki will be propagated there. Nepal is a divine land, the land of Lord Buddha. There are devotees there as well, and they need to be saved. For this reason, many assemblies will be held in Nepal to work for the salvation of the devotees. It is the will of Lord Jagannath. It will surely happen in due time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 01:12:54 · 03 June 2024

Q_2460 Pitaji, I am from Ludhiana. Here, most people follow Guru Nanak Dev Ji or pirs and fakirs. I find it very difficult to find other devotees, and I face a lot of trouble performing my Sandhya prayers. If someone finds out, they make fun of me. I am in a big problem. Please tell me how I can find devotees.

Answer: Daughter, don't tell anyone. There is no need. Those who are meant to come, will come. That is why we conduct these online meetings. When all of God's devotees are saved, my work will be complete. Secondly, the Sikh community and Guru Nanak Dev are venerable to us. Guru Nanak Dev himself visited Lord Jagannath and wrote about the Kalki avatar in his scriptures. He wrote that devotees from all religions and sects will gather. Those who are not devotees will not understand. Our task is to save the devotees. It is not necessary to explain to anyone. You just do what I have told you. Come to the refuge of Madhav. The time will come when everyone will seek salvation when diseases and calamities strike. At that time, you can say, 'Now there is no need.'

► Watch this answer · 01:13:57 · 03 June 2024

SESSION 129 · QUESTIONS 2461–2494

L139: क्या भगवान कल्कि की लीला शुरू हो चुकी है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 06 June 2024 · Watch the full session ↗

Q_2461 Jai Shri Madhav, Father. I needed your blessings.

Answer: Okay, no problem. My blessings are always with you. Do as you have been told, and may you receive more of God's grace. Jai.

► Watch this answer · 03:45 · 06 June 2024

Q_2462 The Lord's divine play, his secret play, is ongoing. Can human beings understand this play, which is described as extremely secret?

Answer: The divine play of the Lord is an experience meant only for the devotees; it is not an experience for everyone. However, you have seen changes across the world, like the transformation in a place like Ayodhya. This is an effect of the intense Kali Yuga and a sign of destruction. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 04:13 · 06 June 2024

Q_2463 After performing the Tri-Sandhya, I feel sleepy and I'm yawning. What is happening, Father?

Answer: Look, when you perform Tri-Sandhya, you will yawn, feel sleepy, and tears will come to your eyes. All three things will be visible. The reason for yawning is that when our body connects with the spiritual element, it is a sign of spiritual energy entering our body. Second, tears from the eyes are due to its effect. Third, sometimes sleep also comes, as the goddess of sleep (Nidra Devi) creates obstacles. This is because Tri-Sandhya is a path of penance, and in Kali Yuga, performing penance is difficult. Therefore, through this simple stream, human beings will attain God. This phenomenon occurs.

► Watch this answer · 05:36 · 06 June 2024

Q_2464 Father, I have had a dream twice. I know that Kali Yuga will end in the future. So, when I already know this, why do I keep seeing these dreams repeatedly? I saw the clouds in the sky breaking apart, and everyone was running here and there. It felt like someone was saying the world would end in an hour. In the dream, I started chanting "Jai Shri Madhav" loudly, and three or four other voices joined in. Since I already know this is going to happen, why am I seeing it?

Answer: Okay, mother. Perform the Tri-Sandhya at the correct times. And one more thing, the dream you are seeing is a sign for you to share this message with other devotees. Such a time is coming, and this is how devotees in the world will be saved. God repeatedly makes certain people, through whom some work is to be done, feel what is about to happen so that they can help save other devotees. Jai.

► Watch this answer · 06:33 · 06 June 2024

Q_2465 We are not in India. Should we follow the local time for Tri-Sandhya or the Indian time?

Answer: For those living abroad, the time I mentioned is according to our country's standard time. For those living in other countries, abroad, they must follow the local time of that place—when the sun rises, when the sun sets, and when it is midday. We have to follow the time of the place where we live. According to the sun's movement, the position of the planets and constellations, and the local time, it is necessary to perform Tri-Sandhya. In India, do it at the time I mentioned. Those living abroad should follow their local times for Brahma Muhurta, midday, and evening (i.e., before sunset). These are the three times. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 08:02 · 06 June 2024

Q_2466 The BJP government is now being formed in Odisha, so will Mr. Patnaik not remain in power this time?

Answer: You have asked a very good question. Look, it was written in the Bhavishya Purana that at the end of Kali Yuga, the son of the late Biju Patnaik, Mr. Naveen Patnaik, will prove his fame and honor throughout India, and people will like him. It was also written that there would be rule in Telangana, which has also happened. And what was written in the Malika about Mr. Naveen Patnaik's rule has also come to pass. Now, for the beginning of Satya Yuga and for the manifestation of Lord Kalki's divine play from Odisha, a change in the spiritual element is necessary. This is happening because it is God's will. Whatever happens next will be by God's will. Jai.

► Watch this answer · 09:16 · 06 June 2024

Q_2467 Guruji, for a few days now, I've been waking up at 3:30 AM, and it feels like there's some kind of wind in front of me. This has been happening for a month. What is this problem? It feels like a warm wind is always near me.

Answer: Look, mother, this is very good. At 3:45 AM, the movement of the deities begins, their influence starts, and they begin to worship the Lord. The fact that you wake up at that exact time means the deities are waking you up too, telling you to perform Tri-Sandhya with them at that time. Something good is about to happen. Perhaps it is God's will. If you wake up at that time, perform Tri-Sandhya then. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:47 · 06 June 2024

Q_2468 I am Mukta from Jaipur. I want to know, apart from the three times we do Tri-Sandhya, you have mentioned chanting the name 'Madhav'. So, besides chanting on a mala, can we mentally chant the name while doing other work? Can we do that, or is there any issue with it?

Answer: Look, during the time of Tri-Sandhya, chant the mantras I have told you. At other times, you can chant the name of Madhav, or Krishna, or Ram. This will be more blissful and will maintain purity for us. The second point is that one should chant the name 'Madhav' because in Kali Yuga, Lord Kalki's name is Madhav. The form and name in which the Lord has incarnated, is about to incarnate, or is written in the scriptures to incarnate, is this. Therefore, chant the name 'Madhav'. Chanting it internally is even better. Jai.

► Watch this answer · 12:10 · 06 June 2024

Q_2469 My NDA exam is coming up, and I have worked very hard for it. I want to serve the country. Will I be selected?

Answer: You want to serve the country. This is a very important and pure aspiration. It is very good, and for daughters to join the service of the nation is like the power of the new era. But one thing, mother, look: prepare for the NDA, perform Tri-Sandhya on time, and continuously chant the name of Madhav. You will definitely receive grace, and by obtaining God's grace, your wish will also be fulfilled.

► Watch this answer · 13:23 · 06 June 2024

Q_2470 Father, I am from Himachal Pradesh. What has been written about Himachal Pradesh regarding the coming cataclysm (pralaya)?

Answer: Look, Himachal Pradesh is in the Garhwal region, and there will be a huge change in the Himalayan mountain range. I have said this before and I am saying it again. Large hills will turn into plains, and there will be major changes in the geographical situation. However, there will be no effect on the devotees. For the destruction of sinners and wrongdoers, it will create trouble. The scriptures state that a great dissolution of the five elements will occur in the Himalayan range. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:02 · 06 June 2024

Q_2471 I want to give some advice. The topic of the video was that Kalki's divine play has begun. You did mention things about it, but all the people, Pandit ji, should ask questions related to the topic. Instead, they keep asking their own personal questions. They should ask questions about the topic at hand.

Answer: That is a very good point. Daughter, you have given good advice. It is necessary that questions should be on the subject I present. Look, my spiritual discourse (satsang) is for the welfare and salvation of humanity, the establishment of Satya Yuga, and showing people the right path. But people are still entangled in their material and family matters. It is a time of epoch change, a great calamity for human civilization. Few people think about what we should do. They think more about what will happen today or tomorrow. It's okay. In human life, people will think about their family and worldly matters, but they should also connect the spiritual element to it, because a time is coming when nothing will be greater than spiritual power, which will protect us and our civilization. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:58 · 06 June 2024

Q_2472 Pandit ji, it is now 2024. In this entire year, what events are going to happen? Could you please tell us everything in complete detail—what will happen, how it will happen, all the information?

Answer: Look, about 2024, it is written that major changes will come to humanity. Communal forces will strengthen their position. Anarchy will be reflected in governance across the world. A foundation for conflict will be created between countries. Inflation and famine will rise. People will face sudden death through accidents and also without reason, like heart attacks. Diseases like cancer will continue to spread. This is why I am telling you about Tri-Sandhya. 2024 will become the foundation for the festival of destruction. The work of destruction will begin in 2025. At such a time, there is nothing but taking refuge in God. Tri-Sandhya and reading the Bhagavat should be performed in every house so people can be protected. It will be a time of discord and betrayal. People, lost in illusion, will not be able to move towards the true essence of their lives. This time is the time of Lord Kalki's secret divine play to create the foundation for establishing dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:44 · 06 June 2024

Q_2473 When I perform Tri-Sandhya in the morning and afternoon, my mind and soul are not as happy as when I do it in the evening. Also, I have a flaw: I get angry very quickly. Please tell me a remedy for this. I get very angry over small things.

Answer: Look, this world is a material world. We are not here to stay, nor are we here to fight. This world is transient. We are meant to perform our duties (karma) and achieve salvation through them. Just think, "This world is not mine. God has sent me to do good deeds and then leave." When you think this way, the power of "I, me, you, yours" will diminish, and your focus will remain on God. If we are not going to be here, then why fight?

► Watch this answer · 20:25 · 06 June 2024

Q_2474 In the morning and afternoon, it feels like I cannot perform the sandhya with full concentration, but in the evening, it is fine. Please tell me the reason for this.

Answer: It's okay, Baba. This is due to illusion (maya) and the effect of Kali Yuga. Because of this, conflict arises in the mind. Don't worry about it. This opposition will keep coming, but we still have to do it.

► Watch this answer · 21:29 · 06 June 2024

Q_2475 When should one perform Tri-Sandhya? Many people say it should not be done at certain times.

Answer: Look, the first sandhya is from Brahma Muhurta until half an hour after sunrise. Midday is from 11:30 AM to 12:30 PM. And the evening sandhya is from half an hour before sunset to half an hour after sunset. It should be done during these times. Jai Jagat.

► Watch this answer · 21:54 · 06 June 2024

Q_2476 During the monthly cycle (menstruation), can we read the Bhagavat from a PDF?

Answer: No. At that time, you can chant the hymns of Tri-Sandhya, but not in the temple or the prayer room. Reading is not possible. However, at that time, you can sit in a separate place and mentally chant the mantras of Tri-Sandhya, like the thousand names of Lord Mahavishnu, the Dashavatara, and the Durga Madhav Stuti.

► Watch this answer · 22:46 · 06 June 2024

Q_2477 How can one increase their feeling of devotion (bhakti bhav)?

Answer: Look, to increase the feeling of devotion, I always say that chanting the name of Madhav and reading the Gopi Leela will bring devotion. Read the Sundara Kanda of the Ramcharitmanas, read the Gopi Leela, and read the scriptures about the Lord's glorious divine plays and the connection between devotees and God. Reading these will bring a change because scriptures are the path to the knowledge of devotion. Therefore, whenever you get time, chant the Lord's name. Withdraw your mind from worldly things and invest it in spirituality; devotion will manifest. For example, think about a devotee like Prahlada—how much he suffered, but nothing happened to him because God was with him. In the same way, know that "My God is with me, all this is illusion." Therefore, invest your mind in God and repeatedly contemplate His glory and His divine plays.

► Watch this answer · 23:31 · 06 June 2024

Q_2478 The morning time for Tri-Sandhya is from 4 to 6 AM, but I end up doing it around 7 or 8 AM. I sometimes forget the afternoon one or do it late. Also, when I do Tri-Sandhya, my three-year-old child disturbs me. What should I do?

Answer: Pray to God, "Lord, give me the strength to perform Tri-Sandhya on time." May the Lord bless you. It is no problem; we can perform Tri-Sandhya while holding the child. And if the children cause some trouble in between, you can pause, handle them, and then continue. There is no issue. It doesn't mean you should ignore your child's troubles. You can do it while holding them in your lap, sitting near them, or after resolving their issue. There is no problem with that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:29 · 06 June 2024

Q_2479 According to the Vayu Purana, the total age of the four yugas is 4,320,000 years, but the experienced age is only 12,000 divine years. Just as the age of Kali Yuga was reduced due to sin, did the same happen with Satya Yuga, Treta Yuga, and Dvapara Yuga? And if so, for what reason, since there wasn't as much sin in those yugas?

Answer: Jai Jagannath. A very good question. The experienced age of Satya Yuga was reduced because of the pride, ego, curses, and willfulness of the sages and ascetics. They would dry up oceans and burn humans with their words. Due to their pride, Satya Yuga was destroyed. In Treta Yuga, it was sensual desire, which increased greatly. In Dvapara Yuga, good conduct and purity of thought did not remain among people, which caused its end. And in Kali Yuga, the four pillars of dharma—truth, purity, compassion, and forgiveness—were lost. This is why Kali Yuga's age also diminished, and only 5,000 years remained. Jai.

► Watch this answer · 27:18 · 06 June 2024

Q_2480 Jai Shri Madhav, Father. I suffer from many physical illnesses. As one gets better, another one starts. I perform Tri-Sandhya, but my past karma (prarabdha) doesn't seem to be ending. Father, I need your blessings.

Answer: Look, by performing Tri-Sandhya, the sins and karma in your destiny will gradually be cut away. Do one thing: read the 'Narayan Kavach' from the Srimad Bhagavatam. It is a composition in the eleventh canto, reading which cuts a person's past karma and also cures diseases and illnesses. Read it at any time during the day. The Narayan Kavach in the Bhagavatam is very powerful. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 30:41 · 06 June 2024

Q_2481 I am Durgesh from Ghaziabad. My husband passed away last July. Everyone says that this happened to me because of my bad karma. Is this true?

Answer: None of your karma is bad. This happened due to Mangal Dosh (a planetary affliction) in your husband's horoscope. It is not your fault at all. Everyone's birth and death are subject to their own karma. He came with his karma, his karma ended, and he passed away. There is no fault of yours in this, mother. It all happened because he had Mangal Dosh in his horoscope. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:04 · 06 June 2024

Q_2482 If there was Mangal Dosh in his horoscope, how could we have known?

Answer: It would have been known by showing it to astrologers. The reason was the influence of Mercury and Mars—both Budh Dosh and Mangal Dosh. Because of these, the illness came, and it could not be treated at the right time, which led to his death.

► Watch this answer · 33:42 · 06 June 2024

Q_2483 I need your blessings today. It is my birthday, I need your blessings.

Answer: My blessings are with you. I bless you to progress towards Dharma (righteousness), Artha (wealth), Karma (action), and Moksha (liberation). May you bring happiness to your family and your world, and may devotion to God arise in your heart. My blessings. Jai.

► Watch this answer · 36:44 · 06 June 2024

Q_2484 For many months, I have felt the desire to perform good deeds, like reading the Vedas or learning Sanskrit. For the past few days, I've been thinking about reciting the Jagannath Ashtakam you mentioned. Today I brought it home and am reciting it. These thoughts are coming from within me. What does this mean?

Answer: Jai Jagannath. The meaning is that through Tri-Sandhya, your mind has been purified. The essence of true action is being illuminated in your mind, and you are moving towards spirituality. This is because of God's grace. Without God's grace, no change can come in any human. For a person to be attracted to spiritual power is a very good thing. This is the goal of human life. Very good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:42 · 06 June 2024

Q_2485 Today, a very loud sound was heard in two places in Odisha, Bhadrak and Balasore. Please tell us about it, what was it?

Answer: Look, I mentioned this earlier. Today at 2 PM in Bhadrak and Balasore, a loud sound was heard three times in one minute. The government has not clarified it yet. It is written in the Malika that a great, terrible sound will come from space. A time will come when such a loud sound will be heard that people will die, become blind, and lose their hearing. This is a sign. It was written in the Bhavishya Purana that loud sounds will come from space to the Earth. This could be the sound of gods and goddesses as part of Kalki's divine play. Jai.

► Watch this answer · 39:07 · 06 June 2024

Q_2486 We are told to chant the name of Shri Madhav. How can we please Madhav? My love for him increases every day, but sometimes it feels like the Lord is not listening, and I get angry. How can we please him more?

Answer: Look, what Madhav wants is for you to perform actions that are right and in accordance with the Vedas. Good actions include Tri-Sandhya, serving one's parents, and reading the scriptures. When you do good and right actions, God comes close to you. So, perform your duties, practice devotion, and surrender yourself to God, so that God understands, "I am their only support." When God accepts this, consider your life's purpose fulfilled. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:38 · 06 June 2024

Q_2487 For many days, I have been feeling that I should propagate the Bhavishya Malika. Please give me your blessings. I am from Pune, Maharashtra, and this inspiration has been coming from within me. Jai Shri Madhav.

Answer: Look, mother, only the most fortunate ones get such an urge in their minds. May God fulfill your wish. I bless you. It is necessary for the Bhavishya Malika to be propagated throughout the universe because people are in darkness. Act on your heart's desire, mother. You don't have to run around to do it. There is social media and online systems. Through them, you can give the message of the Bhavishya Malika to the world, to your relatives, and to your contacts who are interested. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:05 · 06 June 2024

Q_2488 You said Biju Patnaik's son, Naveen Patnaik, was elected as the Chief Minister and is the last ruler of Kali Yuga. So who will be the ruler in Satya Yuga?

Answer: The last ruler of Kali Yuga, the son of the late Biju Patnaik, is in Odisha. That is what I said. Now, Satya Yuga has begun. It is written in the scriptures that Lord Kalki will incarnate from the land of Odisha, and the first light of dharma will manifest there. He will first establish dharma from his own home, Odisha, and then expand it to the entire world. The foundation for the king of Satya Yuga is being created from Odisha. In the future, saints from all over the world will come to Odisha, and the work of propagating dharma will increase. This is God's will.

► Watch this answer · 43:40 · 06 June 2024

Q_2489 What about the new Chief Minister?

Answer: Look, perhaps it is written in the scriptures about everyone, but I have not read it. However, I have read in the Bhavishya Purana that dharma will first rise from Odisha. Achyutananda wrote that from Utkal (Odisha), the influence of dharma will be created for the whole world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:29 · 06 June 2024

Q_2490 After how many days of stopping non-vegetarian food should I start Tri-Sandhya? Please tell me, Guruji.

Answer: Look, now that you have given up non-vegetarian food, you can start Tri-Sandhya. There is no waiting period necessary. You can start from the very day you connect. Through Tri-Sandhya, spiritual elements and devotion will grow. You have made a great sacrifice. In Kali Yuga, giving up non-vegetarian food is the biggest challenge. I commend you for it. Because in Satya Yuga, no one will eat non-vegetarian food. Those who give it up now will move towards the humanity of Satya Yuga. This is wonderful. Start from today.

► Watch this answer · 46:28 · 06 June 2024

Q_2491 I am in this stream, and the Lord has given me many experiences. I have a request and a small complaint about Madhav-ji. Could you please tell him to perform some more good divine plays (leelas) with us? Because he hasn't performed any big leela recently.

Answer: Look, when all the problems of the world come upon us, then the devotees will know what Madhav is. Because Madhav is nectar, his name is a life-giving herb. This stream reaches those who have it written in their destiny, who have come to this Earth by God's grace to create Satya Yuga. All of you are the ones to whom this element goes. I only propagate it, but you are the most fortunate because God has already written it in your destiny. After performing penance and good deeds for many ages, you are now connected to God's work. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 50:13 · 06 June 2024

Q_2492 Pandit ji, when will the second part of your Bhavishya Malika book be released?

Answer: That is a very good question. Look, I have it ready for printing, but until it is God's will, I will not be able to do it.

► Watch this answer · 51:46 · 06 June 2024

Q_2493 You have said that Satya Yuga is coming and Kali Yuga has ended. This means America must go, right? So, when will the Russia-Ukraine war turn into a world war, and when will America sink into the water?

Answer: This is very good. Look, the world war will happen for some time. After that, when Lord Kalki creates his divine play, at that time America and Europe will be submerged in water. The war that is going on between Ukraine, Russia, and America will continue; there will be no change in it. And many new war fronts will open in the world. A time will come when a war will start between India, China, and Pakistan, and that war will convert into a world war. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 52:05 · 06 June 2024

Q_2494 Father, I read the Bhagavatam and also perform sandhya. But when prospective grooms come to see me, the ones I like reject me, and the ones I don't like say yes. Why has this been happening for the last two years?

Answer: Read the Gopi Leela. You will get married to a good boy. Do this for six months; it will happen within six months. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:20 · 06 June 2024

Session 130 · Questions 2495–2516

L140: सम्बल ग्राम में भगवान कल्कि | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 10 June 2024 · Watch the full session ↗

Q_2495 Pandit ji, I perform the Trikal Sandhya, yet my health remains poor. Why is that?

Answer: My Lord, what a joy, what a joy. Look, my child, the essence of Trikal Sandhya is to protect people from death. The major diseases that are coming, like Corona-like diseases, cancer-like diseases, heart attack-like diseases, kidney failure-like diseases—major diseases are coming to the earth, 64 types of diseases which we call epidemics. Trikal Sandhya will protect you from these epidemics, and people will not die. Secondly, the illness in our body is called 'vyadhi'. It occurs due to the karma of a past life. That illness is inherent. But the epidemics that lead to death, Trikal Sandhya's essence saves people from them. And the most important thing is that after someone performs Trikal Sandhya for three years, their mantra becomes perfected (siddha). And I'll tell you one more thing, people who perform Trikal Sandhya might get sick, but they will never die. Do it, you will receive the Lord's grace. A minimum of three years of Trikal Sandhya is necessary. Secondly, through Trikal Sandhya, you will be protected from the upcoming epidemics and the calamities of the five elements of nature, and you will go to the Satya Yuga. Do not be afraid. Do it and receive the Lord's grace. And secondly, the 16-name bhajan you recited, whenever you get time during the day, chant it. It will provide some relief from illness and disease, and you will receive the Lord's grace. Jai!

► Watch this answer · 10:10 · 10 June 2024

Q_2496 Pandit ji, my question is, what can we do so that if the Lord is gracious, we can have a vision of His four-armed Narayan form with devotion? And my second question is, we know that the Lord's associates also have a four-armed form, so how can we differentiate between the Lord's form and their form? Please explain.

Answer: Jai Jagannath, what a joy. If you wish to have a vision of the Lord's four-armed form, then every day before sleeping, chant the mantra 'Shantakaram Bhujagashayanam...' at least 32 times. Chant this and then go to sleep. In my estimation, you will receive the Lord's grace and may get a vision of the Lord in your dreams. You are already doing Trikal Sandhya, and doing this will be even better. Secondly, God is one, but He has infinite forms. The Lord gives darshan (vision) to devotees according to their desires for His form. The Lord is one; there is no difference. He who is Vishnu is also Ram, He is Krishna, and He is Jagannath. It is just that He takes different avatars according to the era and time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:26 · 10 June 2024

Q_2497 Pita Shri ji, I am Deepmala from Agartala, Tripura. I am coming tomorrow for the Jharsuguda gathering. I am praying for your blessings. Please bless me so that my journey tomorrow is auspicious and blessed.

Answer: Govind (the Lord) is with you, there is no problem. There is no problem with you coming, and everything will be arranged well for your arrival. So come comfortably, come with joy. There is no problem from the Lord. The one who has the Lord's name, bhajan, Trikal Sandhya, and the Lord's grace, nothing will happen to them. So come with joy. Then, this Jharsuguda katha (discourse), the seven-day discourse of the Lord that is going on, if you get time for even a few days, come and listen to it. All the deities also come to the satsang. Today, during the katha here, Mother Samaleshwari and another goddess, both goddesses, suddenly appeared in human bodies and revealed everything. Such is the sacred nature of these events. So come, the Lord's grace is with you. No problem, only joy. Jai!

► Watch this answer · 15:32 · 10 June 2024

Q_2498 I am afraid that I might stray from the Lord's path, so I am very scared.

Answer: No, no, it's nothing like that. Look, my child, Maya and the influence of Kali Yuga affect people, even devotees, and create doubts. But look, the one whom the Lord accepts, where will they go? Therefore, chant the Lord's name, do the Trikal Sandhya, and do not be afraid of anything, because there is no greater principle than this in the universe. Whatever people need, the Lord's grace is attainable through Trikal Sandhya. So do it, there is no problem. May the Lord's grace be with you. Jai!

► Watch this answer · 17:45 · 10 June 2024

Q_2499 Pandit ji, I have been doing Trikal Sandhya for about a year. I don't have a question, but I want to share an experience. For the past 3-4 years, I had a severe itching problem and for 7-8 years, I had chest pain. I tried many treatments, but they didn't work. Since I started Trikal Sandhya a year ago, both the itching and the chest pain have completely disappeared. The nectar of Trikal Sandhya you are distributing is bringing welfare to many beings.

Answer: Look, my child, as you are saying, see, this Trikal Sandhya, whoever chants it with true devotion, no matter how great the sorrow, problem, calamity, disease, or evil spirit affliction, even major diseases get cured through the essence of Trikal Sandhya. And you have the Lord's grace because, see, the Lord blesses some devotees who then show the path to the rest of society. Your experience will lead to the salvation of many people. This is very joyful. Regarding Trikal Sandhya, last year too, a daughter and many people have called me to say that incurable diseases get cured, the unemployed find jobs, and those facing obstacles are freed from them. This is because it is the Lord's grace, the biggest shortcut, meaning a way to directly attain God's grace and realization in a short time. It is the Lord's grace that we are able to distribute it, and the light from devotees like you and the experiences of devotees like you will bring welfare to the world. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 18:39 · 10 June 2024

Q_2500 Father, I have a question. My son was very sick for three years, so we had made a vow for an animal sacrifice. We have left all that now. How do we resolve this vow?

Answer: Look, mother, with the Lord's grace, everything will be fine. Do it on time, chant the name of Madhav, and in this, you will get everything you desire. Whatever is not possible in the world, the essence of Trikal Sandhya is beyond all that. It is the Lord's essence, not mine. So, do it, mother. Do it on time, with devotion, and keep your focus on the Lord. The Lord will also focus on you. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 21:03 · 10 June 2024

Q_2501 Father, I wanted to ask: where is the Lord right now, and what might He be doing?

Answer: Look, my child, this is a matter of mind, devotion, and experience, but you have asked a good question. See, as I have said, Lord Kalki is present in Sambhal. The establishment of dharma has begun. For ordinary people, this is a secret. For devotees, it is an experience. For devotees, it is a beautiful and sacred principle. So, the Lord is here, but He is carrying out His work across the entire universe. We are not meant to see Him, my child. We just have to go to His feet, take refuge in Him, chant His name, and always remember Him. He will also remember you. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 22:17 · 10 June 2024

Q_2502 Father, I just needed your blessings.

Answer: My child, the blessings are certainly there, they are always there. But one thing is, my blessings will be more effective and better when you follow what I am telling you. Chant the name of Madhav. Madhav will bless you, and is already blessing you. In this world, those who perform Trikal Sandhya will never be defeated. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 23:21 · 10 June 2024

Q_2503 Pandit ji, I repeatedly try to come for your darshan and for Lord Jagannath's darshan, but some obstacle always arises. Please suggest a remedy.

Answer: Look, my child, when obstacles come, devotion increases. When obstacles come, our spiritual practice intensifies. When obstacles come, our attraction towards the Lord also increases. So, don't worry, everything will surely be fine in the future. Don't worry. Perform the Trikal Sandhya, and the Lord will appear in your dreams.

► Watch this answer · 24:22 · 10 June 2024

Q_2504 Father, please give me your blessings so that I can perform the Trikal Sandhya with dedication.

Answer: My blessings are with you, my child. Perform the Trikal Sandhya on time, and God will bless you. Only those who have God's grace are able to do the Trikal Sandhya. Those who do not have God's grace, they are unable to do it even if they know about it; they forget, or the timing gets messed up. So, don't worry, my blessings are with you. Keep trying. God will help you and bless you. You also do it with grace and on time. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 25:45 · 10 June 2024

Q_2505 May my devotion keep increasing. What more can I say? I touch your feet. Jai Shri Madhav.

Answer: May His grace remain upon you, and may you advance on the path of dharma. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 27:38 · 10 June 2024

Q_2506 Pandit ji, my question is about people selling their land in India and moving to other countries like America and Germany. Since the destruction will be more intense in other countries, how long can they remain safe there? Will they be able to return to India? What will happen to them?

Answer: Look, mother, it is written in the Bhavishya Purana that people who are living abroad will have to return to their own country, their motherland. They will not be able to stay there. That time will start from 2025, but it will increase more in 2026. By 2027, it will probably be difficult to live there. This is what is written in the scriptures; it is God's will. But according to my view, in the future, people will not be able to live abroad. And in a holy land like India, devotees will be saved. Devotees will be saved abroad as well. So, it's okay. For the devotees who perform Trikal Sandhya and remain in the refuge of Lord Kalki, wherever they are, God will bless them. But it is clearly written in the Bhavishya Purana that those living abroad will return to their country, to their villages. This will definitely happen; the time is coming. Therefore, if you want to leave India, don't. Even if you go, you will have to come back. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:03 · 10 June 2024

Q_2507 Pandit ji, I am Om Prakash. Today, while listening to your discourse on my rooftop, I had a wonderful experience. I started smelling a beautiful fragrance of sandalwood, and I understood that the Lord himself had arrived.

Answer: Look, you are fortunate. The Lord comes just like this, my child. When Govind comes, many devotees, thousands, lakhs of them, experience this. The fragrance of sandalwood, of agarwood, a divine scent appears. It means the Lord has arrived. And you were participating in the satsang, watching it, so the Lord's light shone even more brightly. This is very good, my child. Remain in the Lord's refuge like this, because this is how the Lord manifests. In Kali Yuga, it is difficult for the Lord to give a vision in His complete form, but through such effects and phenomena, devotees get the information that the Lord is coming. Many thousands of devotees have had this experience where, even when there is nothing, the fragrance of sandalwood comes. That is when you know Govind has arrived. You too are fortunate. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 29:33 · 10 June 2024

Q_2508 Pandit ji, I wanted to know about the 13-day lunar fortnight (paksha). I've heard that major events will begin two months after this 13-day paksha. Is this correct?

Answer: The 13-day paksha is coming, perhaps in the month of June. The 13-day paksha is a critical time. When the yuga (era) changes, when dharma is established, when the Lord descends, it is good for the devotees. The current paksha is 15 days long. In Satya Yuga, the paksha will be 13 days long, not 15. And it is written in the Bhavishya Purana that when the 13-day paksha arrives, Lord Kalki will resolve to destroy the sinners of the world, and His divine play (leela) will intensify. This is a signal for human civilization to reform itself, to practice truth, peace, compassion, and forgiveness, and to surrender at the feet of Lord Kalki, at the feet of Madhav. Time is short. The 13-day paksha will bring a very destructive time. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 31:16 · 10 June 2024

Q_2509 Pandit ji, I feel that Prime Minister Modi has also become aware of the Bhavishya Malika, because wherever he goes, he first says 'Jai Jagannath'. It seems he knows about it.

Answer: Look, my child, he is a devotee. Devotees always remember something of the Lord, experience something, and feel something. Yes, this is also written in the scriptures. I don't want to reveal it, but in a scripture written by Achyutananda, named 'Chausathi Patala', in its 22nd chapter on page 90, it is written that our honorable Prime Minister will one day come and stay in Jajpur. The time will come, with Lord Kalki. At that time, there will be no independent governing body or anything of the sort. This is written. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:48 · 10 June 2024

Q_2510 This isn't a question, but a problem. My 3-year-old son has been constantly sick ever since he was born. I don't know why he is always so ill.

Answer: Look, read the Bhagavat Mahapuran to your son every day. That's the first thing. Second, the 16 names, the mantra 'Aushadhe Chintaye Vishnum,' have him chant this in his heart from morning to evening whenever he gets time. And also make him listen to the Trikal Sandhya. In my view, illness (vyadhi) comes to a person according to their past life's karma; it comes attached to the human body at birth because we bear the fruits of our past life's karma in this life. But by following this path, there will be improvement, there will be change, and he will receive the Lord's grace.

► Watch this answer · 33:59 · 10 June 2024

Q_2511 I have a small job and I leave around 12:30 PM. Can I perform the afternoon Trikal Sandhya after having lunch?

Answer: Look, you can do it after eating. You can do it mentally while on your way. You can do it while traveling. Even while lying down. If someone is bedridden, a paralyzed patient, they can also do it while lying down. There are no strict rules. The only rule is devotion, and the second rule is surrender to the Lord. By chanting the Trikal Sandhya mantras at the appropriate times, human beings will become divine like the gods. At that time, the gods worship Lord Vishnu, and humans, by praising the Lord at that same time, become like them. Okay. Jai Shri Madhav!

► Watch this answer · 35:19 · 10 June 2024

Q_2512 I chant 'Madhav Madhav' in my mind all day. In the Durga Madhav Stuti, we say 'Jai Durga Madhav'. So, a thought comes to my mind: can I chant 'Durga Madhav, Durga Madhav' all day long? Is that permissible?

Answer: You can, mother. She who is Durga is also Radha Rani, and Madhav is Krishna. This 'Durga Madhav' principle... I am propagating the Krishna dharma, the names of Radha and Krishna. But this is the most sacred name. From the infinite eras of Lord Vishnu, in all past, present, and future eras, the name 'Durga Madhav' is the most supreme and powerful name, through which devotees attain the Lord. Jai!

► Watch this answer · 36:26 · 10 June 2024

Q_2513 Pita Shri, I want to share an experience. Since I started Trikal Sandhya, my lifelong bad dreams have stopped. Also, I had asked if one can perform it during menstruation and was told yes. I felt guilty about it, but one time I was in immense pain and decided to do it, and the pain vanished instantly as I started the 'Aushadhe Chintaye Vishnum' prayer. I was overwhelmed by the Lord's grace. (Implicit question: Is it truly okay to do this?)

Answer: As is the devotion, so is the attainment. The Lord recognizes the devotee. See, my child, the Lord is within us. Yes, women cannot go to the temple or read the Bhagavat during their period, but Trikal Sandhya is a meditation, a hymn, a spiritual current. Every human has the right to it. They can recite it at any time, in any place. It is so great that through Trikal Sandhya, your bad dreams went away. Through Trikal Sandhya, the Lord cured your pain. Look, my child, Trikal Sandhya is a life-restoring elixir (Mrityu Sanjeevani). In the future, devotees will be saved from major diseases and great calamities through it. Therefore, people should at least understand Trikal Sandhya, and humanity will benefit. The experience you have shared, my daughter, will show the path to many other devotees and people. Very good. Jai Jagannath. Thank you.

► Watch this answer · 37:28 · 10 June 2024

Q_2514 Pandit ji, please tell me the rules and procedure for wearing a Kanthi mala.

Answer: For wearing a Kanthi, the most important procedure is to first offer the Kanthi at the lotus feet of Lord Shri Krishna, Ram, or Jagannath. Keep it at Jagannath's feet for one day. How to do this? Prepare Panchamrit with ghee, banana, jaggery, curd, and milk. Mix the Kanthi in this liquid, then wash it and place it at the feet of Jagannath or Krishna for one day. After that, wear the Kanthi mala while reciting the Lord's 16 names ('Aushadhe Chintaye Vishnum'). Regarding its use, you should remove the Kanthi when going to the bathroom, during a woman's monthly period, when visiting a house where a death has occurred, or during the period of impurity after a child's birth in a home. Keep it separate during those times and use it at other times. If a married woman sleeps with her husband, she should remove it and keep it aside before sleeping. For those who sleep alone, there is no issue. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 40:15 · 10 June 2024

Q_2515 Pandit ji, we regularly chant the name of Ram. Will we benefit from this in the coming times?

Answer: You will benefit a lot, my child, a lot. Ram is ours. Ram is in our hearts, in every particle. But continue to chant Ram's name constantly. During the time of Trikal Sandhya, also chant the name of Madhav, because Madhav is Ram; there is no difference between them. So, constantly chant Ram's name in your heart, and Madhav's name at the time of Sandhya.

► Watch this answer · 42:41 · 10 June 2024

Q_2516 Secondly, I wanted to ask: in the next few months, will the situation remain normal, or is it expected to worsen within the next three to five months?

Answer: Look, I will tell you one thing. In 2025, on March 30th at 5:30 PM, Saturn will enter Pisces. After this transit, the world, human civilization, which is running after wealth and is trapped in 'I, me, mine,' with people wandering in many religions and sects, will find no way out. This is because Lord Kalki's avatar and the work of establishing dharma will begin. And one more thing, it might be delayed, but a time will come in nature and the five elements where you will witness great events with your own eyes—things you have not seen, thought of, or heard of. You will see what is written in the scriptures. For this reason, the Bhavishya Malika was written for human civilization. This is why we are holding this satsang. Our purpose is not to make you our disciples or gurus or to have any transactions. Our purpose is the welfare and salvation of humanity and to distribute the secret knowledge to civilization. Therefore, a bad time is coming, not a good time. Anarchy will spread throughout the world. Such anarchy has never been seen before. Everything will be turned upside down. No one will listen to anyone. Humans will understand nothing but their own self-interest. And along with the elements of destruction, social and communal tensions will keep increasing. The time is coming. Jai Jagannath. Be careful, stay at the Lord's feet, and do your duty. If God exists, the devotee exists; if the devotee exists, God exists. Devotees will be gathered for the creation of Satya Yuga. That is the reason for this satsang. Lord Kalki is in Sambhal Nagar, and the Kalki Leela has begun.

► Watch this answer · 43:21 · 10 June 2024

SESSION 131 · QUESTIONS 2517–2545

L142: मीन शनि चलन समय में भारत, चीन, और पाकिस्तान का महा युद्ध होगा | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 20 June 2024 · Watch the full session ↗

Q_2517 My question is, when the war happens, everyone will go to their own countries. So how will we meet the Lord?

Answer: Look, the current human's power of knowledge, patience, memory, and the power to know things is very low. At that time, human power will become like that of a deity. After attaining divine power, humans and devotees will be able to meet the Lord. The Bhavishya Malika is being propagated throughout the world. As calamities increase, people will be forced to come; they will come running from afar. Great saints will also come, from great traditions, to take refuge in Lord Kalki in Odisha. Jai.

► Watch this answer · 10:23 · 20 June 2024

Q_2518 Yes, father, my question is that when the Lord's 'maya' (illusion) spreads in its intense form, will the minds of the devotees of the Sudharma Mahamaha Sangh who are connected also be disturbed, or will they be able to remain stable?

Answer: Look, a devotee's mind gets disturbed when they come under the influence of desire, lust, attachment, illusion, and the senses. For those devotees who are in refuge and have surrendered, how can their minds be corrupted? Therefore, remain in the Lord's refuge, stay in devotion to the Lord, so that with time, we are not disturbed, we do not fall into conflict, and we do not forget our path. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:15 · 20 June 2024

Q_2519 Guruji, I have a great desire to have a 'darshan' (vision) of the Lord.

Answer: Look, mother, those who want a vision of the Lord should follow the path of Trikal Sandhya, the 16 names, the ten avatars, and the Durga Madhav Stuti. Those who have visions of the Lord even in their dreams, listen, they too will get the Lord's darshan in due time. I've said it before, to know about this path, call the number given below. There's no need to worry about it. Jai.

► Watch this answer · 12:10 · 20 June 2024

Q_2520 Many people who are propagating the Bhavishya Malika are saying that the '13 days' will begin on a date in June this month. What will you say about this? You sometimes say it will start next year, but many people are saying it will start this month in June.

Answer: Look, the days are coming, and there is a sign in that. So, it's okay. As I say, perform Trikal Sandhya, stay in the Lord's refuge. Bad times are coming. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:52 · 20 June 2024

Q_2521 Pranam, Pandit Ji. I had a question. In the Bhavishya Malika Purana that I got from your publication, the first page mentions the prophecy of a Third World War. My doubt was, was anything mentioned about the First and Second World Wars in the Bhavishya Malika Purana?

Answer: Yes, it is written about them, and the Third World War.

► Watch this answer · 13:36 · 20 June 2024

Q_2522 Jai Jagannath. I wanted to ask, I am reciting the Narayan Kavach from the Srimad Bhagavatam in Hindi. Is it the same whether I recite it in Hindi or Sanskrit, or should I recite the Sanskrit version?

Answer: The Narayan Kavach can be read in any language, be it Hindi or Sanskrit. Its benefits reach humans, devotees, and it will benefit you too. Recite the Narayan Kavach daily; it is a great tradition for transitioning from Kali Yuga to Satya Yuga. Jai.

► Watch this answer · 14:10 · 20 June 2024

Q_2523 I don't understand all the 'nyasa' (ritualistic placing of fingers) and other procedures.

Answer: It is not necessary for us to do that for God. It is not essential. That is necessary for the servitors, priests, and Brahmins who perform rituals for patrons. Just devotion is enough. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:40 · 20 June 2024

Q_2524 Sir, I had a dream in which there were two suns, one in front and one behind. First, there was a reddish glow, then there were two suns. Then it suddenly occurred to me that this is written in the Bhavishya Malika. Is my dream true?

Answer: This is true. Look, with time, many planets and constellations will come close to the Earth. As the Sun God appears, its light will also come, and people will see it. This will happen in the future, in the final times, not right now. From the final times, all this light will be visible. It is written in the Bhavishya Malika, and it will be proven. This is true. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:59 · 20 June 2024

Q_2525 I found an 'Abhed Kavach' (impenetrable armor/hymn). Can I recite it?

Answer: You can recite it, no problem. You can recite it. You can recite the 'Kshan Panjar'. And you can also recite all the 'Chausa Bhajans' of the Lord. But without Trikal Sandhya, it is difficult to survive on Earth.

► Watch this answer · 15:59 · 20 June 2024

Q_2526 Father, this is my question. My sister is to be married, and the astrologer has mentioned 'Mangal Dosh' (an astrological affliction). What is the remedy?

Answer: For the 'Mangal Dosh' affliction, daily recite the stotras of Abhaya Narasimha, Lord Narasimha, and read the Hanuman Chalisa. Everything will be fine with that. By performing Trikal Sandhya, everything is taken care of, nothing else is needed.

► Watch this answer · 16:29 · 20 June 2024

Q_2527 I have one more question, father. We are farmers, and for 15 days, we have been seeing a tiger in our field. Is this real or a dream? (Questioner confirms it's real).

Answer: Look, son, I want to tell all of human society one thing. It is written in the Bhavishya Malika that all wild animals will come to residential areas and cause trouble for humans. So, work with a little patience. This will increase further; they will even enter homes. It is written. Just as humans enter the jungle and kill wild animals, the animals will also enter our areas. This is the adverse effect of Kali Yuga. At the time of destruction, this is what happens: wild animals entering homes and harassing humans. This will increase. So, work with some restraint and self-control. By Madhav's grace. Jai.

► Watch this answer · 16:50 · 20 June 2024

Q_2528 Father, are you coming to Ujjain for the discourse?

Answer: I will go for the discourse, but perhaps after the one in Canada. The discourse in Canada is in July, from the 22nd to the 30th. After that, I will go towards Ujjain and Jammu for discourses.

► Watch this answer · 18:37 · 20 June 2024

Q_2529 And father, is your health alright?

Answer: It's going on. By Lord Jagannath's grace. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 19:18 · 20 June 2024

Q_2530 Yesterday evening, I was meditating and saw a child form of Lord Krishna and Lord Shiva sitting on a bull. It was a single form, sometimes showing Krishna's face, sometimes Shiva's, with a large peacock feather behind. What does this mean?

Answer: The bull is a symbol of Dharma (righteousness). And the Lord, holding onto Dharma, has started the establishment of Dharma. And Lord Shankar is working together with the Lord. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:32 · 20 June 2024

Q_2531 To meditate on Madhav, which form is appropriate?

Answer: To meditate on Madhav, the best way is to bring any form into your mind - Lord Krishna, Jagannath, Ram - and meditate on Madhav.

► Watch this answer · 20:24 · 20 June 2024

Q_2532 My health is always poor, I feel anxious, and I have pain since a leg surgery. I am very troubled. Also, my son had an accident and is not ready to get married. I am very worried.

Answer: Look, you should perform the scriptural readings again at home. Everything in the house will become alright.

► Watch this answer · 20:55 · 20 June 2024

Q_2533 In 2025, Saturn transits into Pisces, and there are dangerous conjunctions. Can a war situation arise for India in 2025 itself? Will Pakistan attack first, followed by China and 13 Muslim countries? Will the war fully materialize in 2025?

Answer: Look, the transit of Saturn is until 2027, through 2025 and 2026. It can happen in 2025, it can happen in 2026, or in 2027. During the time of this transit, this will happen. This is written in the Bhavishya Malika. His words have never been wrong. Whatever he said has happened, and this too will happen in the future.

► Watch this answer · 22:13 · 20 June 2024

Q_2534 Father, I have a question. You mentioned your assembly is in Kangra. Which Kangra? The one in Himachal Pradesh?

Answer: It will be in Canada.

► Watch this answer · 23:21 · 20 June 2024

Q_2535 Last night, I had a very bad dream. I ended up in a Muslim area where meat was being sold. A woman offered me mutton. Then the scene changed, and I felt like I was cutting a large piece of beef. I woke up horrified. Why did I see this when I am on the spiritual path and so far removed from these things?

Answer: Due to the influence of Kali Yuga, you saw this bad dream. Because you are on the Lord's path of dharma, this bad dream came to make your mind wander and distract you from the path. Don't be disturbed by it. Perform Trikal Sandhya and worship Madhav. Everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:59 · 20 June 2024

Q_2536 My question is about whether the words of the Malika are true or false.

Answer: Look, whatever was written in the Bhagavata, the Brahma Purana, the Vishnu Purana, and the Mahabharata, all of it came true. This is also a Purana. Puranas are the eyes of knowledge for mankind. For example, Shabari heard from people that it is written in the scriptures that Ram will come one day. She waited and attained Ram. So, whatever is written in the scriptures will happen. There will be no change. The devotees will be saved, and the sinners will be destroyed. Jai.

► Watch this answer · 26:07 · 20 June 2024

Q_2537 Father, I had come to the Jharsuguda assembly and you gave my mother your blessings. This month she has surgery, so I needed your blessings once again.

Answer: Surgery is a big thing, but make your mother listen to the Trikal Sandhya and the Bhagavata. Let her become even more pure. You have my full blessings. Live in bliss. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:18 · 20 June 2024

Q_2538 Father, I perform the Sandhya three times a day, but my mother doesn't know how to read or write well enough to do it. How can she do it?

Answer: Look, contact the number given below. You can get a speaker. Play the speaker for your mother three times a day. Contact the number below, they will tell you where and how to get it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:40 · 20 June 2024

Q_2539 Is it true that along with Lord Kalki, warriors from all three yugas have also been born in this age along with the devotees?

Answer: Yes, all of them have been born on Earth, and they will all work together to protect India, create an undivided India (Akhand Bharat), establish Sanatana Dharma, and take refuge in Lord Kalki. They will all do this together. Jai.

► Watch this answer · 31:21 · 20 June 2024

Q_2540 Pandit ji, this war that is going to happen in the coming time, the India-Pakistan war, what will be the cause of it? What will be the reason for the war?

Answer: Look, the Mahabharata war happened because the land could not be partitioned, and Duryodhana did not give up even an inch of land. The Third World War will also be for land. That land is Kashmir, and the war will be for it. This is written in the scriptures, and so it shall be. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:26 · 20 June 2024

Q_2541 We have learned that warriors from all yugas have been born. Warriors of past ages like Karna and Arjuna were immensely powerful. The people of Kali Yuga are like insects in comparison. So why is there a need for warriors from all four yugas? Will they fight amongst themselves?

Answer: No, they will not fight amongst themselves. They were all devotees of the Lord. This time, the Lord will establish 'Ram Rajya' (the kingdom of Ram), and He will give happiness to those same devotees and warriors for 1000 years. There will be a union of all devotees, warriors, saints, and sages. The Lord has called everyone to give them the happiness in Ram Rajya that they did not receive in the four yugas. Jai.

► Watch this answer · 34:31 · 20 June 2024

Q_2542 During menstruation, can we perform 'seva' (service) for Laddu Gopal (child form of Krishna)?

Answer: No, you can sing bhajans (devotional songs), but you cannot perform seva. You should not touch the idol or go to the Lord's temple. But you can sit alone outside the temple or outside the puja room at home and sing bhajans. You cannot touch the scriptures or read the scriptures. Okay?

► Watch this answer · 36:06 · 20 June 2024

Q_2543 For a few days, I have been feeling both positivity and negativity inside me at the same time.

Answer: Look, mother, by performing Trikal Sandhya, negativity goes away, magic goes away, mantras and tantras go away, and planetary afflictions go away. It is a great element of the Lord. The prevalence of this element is happening by the Lord's grace. Those humans who are fortunate receive this element or they follow it. Jai.

► Watch this answer · 36:28 · 20 June 2024

Q_2544 Guruji, what is the difference between Goloka Dham, Vaikuntha Dham, and Saket Dham?

Answer: There are seven Vaikunthas. Among them, Goloka Vaikuntha is the abode of the devotees and the Lord. Those who attain immortality go to Goloka. The other Vaikunthas are different. In Goloka, humans who attain nirvana reside. There, the eternal 'Raas Leela' with Radha Rani and Krishna takes place. The Goloka sphere is also called the 'Dhruva Loka' and it is above the 'Brahma Loka'.

► Watch this answer · 37:30 · 20 June 2024

Q_2545 If all the deities have descended to Earth, then who is in heaven (Swarga)?

Answer: In this era, all the deities have descended, and the Earth will become heaven. The reason for the deities descending is the imbalance of the five elements: climate change, poor agriculture, pest infestations, rising sea levels, and unseasonal floods. When the deities do not perform their duties, this situation arises. In the future, the deities will be re-established, and they will take charge of their duties in Satya Yuga. Then, there will be welfare in the world.

► Watch this answer · 38:27 · 20 June 2024

SESSION 132 · QUESTIONS 2546–2563

L144: विश्व में एटॉमिक वार का खतरा 600 साल पहले लिख दिया गया था। | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 04 July 2024 · Watch the full session ↗

Q_2546 Pandit ji, you said that electronic items will stop working. If electronic items stop working, then how will we be able to meet?

Answer: Look, this era we are in is the era of mechanical power. That's why humans connect with each other through electronic means. But the era that is coming is the era of mantras. In the Satya, Treta, and Dvapara yugas, there were no iron plants, but all things made of iron existed. Gold, silver, and even diamonds were there. In that era, there were no machines, so how did it happen? How did they shape iron? At that time, the power of mantras was very potent. Through the power of mantras... for instance, in this era, a person can see 100-200 meters with their own eyes, or up to a kilometer on a straight road. But with the power of machines, we can talk to someone 10,000 kilometers away. For that, machines are used. Similarly, in that era, through the use of mantras, people will be able to connect with everyone across the world. So there's no problem. It's a great technology that will advance with time. This is an era of technology; that will be an era of purity. Due to a lack of purity, people in this age cannot go to heaven. In that era, they will go to heaven. Now, they go to the moon with great difficulty, but in that era, with the power of their mantras, purity, and righteousness, humans will be able to go to the Sun-loka, Moon-loka, Mars-loka, Pitri-loka—all the realms. With the change of a yuga, great purity and God's grace will be bestowed upon people; there will be no lack of means for them.

► Watch this answer · 08:21 · 04 July 2024

Q_2547 Pitaji, we missed your meeting in Kolkata last year by just one month and we deeply regret it. It is our earnest request that you hold another meeting in Kolkata in the near future. Will you please do so?

Answer: This is Anand's suggestion. I will keep it in mind. If I receive God's grace, I will definitely go to Bengal and hold a discourse again and work for the salvation and welfare of humanity.

► Watch this answer · 10:59 · 04 July 2024

Q_2548 Why is Lord Madhav called Satya Anant Madhav?

Answer: Look, I don't have detailed information about this, but I can tell you this much: it is written in the Bhavishya Malika, 'Satya je ananta nama hi...' (He whose name is the eternal truth). The Nitya Pancha Sakha, and among them, Thakur Abhiram Paramhansa, have written in the Bhavishya Purana that Lord Kalki's name will be Satya Anant. And when 'Madhav' is joined with it, dharma will be established, devotees will be saved, and they will lovingly chant the name Madhav.

► Watch this answer · 12:03 · 04 July 2024

Q_2549 What is the guarantee that you are not a fraud?

Answer: You will only know this by coming and seeing for yourself; you can't tell just by speaking from a distance. To know what we are actually doing, you have to come and meet, right? What can be known just by talking? Look, a fraud is someone who doesn't have a guru lineage—we do. Second, we don't have any disciples. Third, my name is written in the Bhavishya Malika to propagate it throughout the world. For this reason, I am propagating it. Where is the fraud in this? 600 years ago, Achyutananda wrote it in the Tattvabodhini Granth on page 19. It is written there that Pandit Kashinath Mishra will spread the Bhavishya Malika across the world with a 'dindim' (drumbeat). I am doing that work. This work feels very joyful to me because my name was written, and I am doing that very work. What greater happiness and peace can one get in life? Therefore, I am doing my work. I have no objection or issue with what anyone thinks. Because spreading dharma is the most sacred duty. Obstacles will come, opposition will arise, and there will be differences of opinion among people. We have nothing to do with that because everyone has the right to propagate dharma. And Achyutananda and the Nitya Pancha Sakha gave me this duty 600 years ago. I have come to this earth, and God has given me the power, so I am doing it. What's the issue in that? Jai.

► Watch this answer · 12:53 · 04 July 2024

Q_2550 I am speaking from Rajasthan. I have been connected with you for the last year, and initially, I believed and had many experiences. But for the last month, I have missed my Trikal Sandhya because my mother's health became very poor. Now she is a bit better, but we are facing a lot of problems. My mother doesn't do Trikal Sandhya, only I do, and I have also missed it for the last 15-20 days since the problems at home increased. What should I do?

Answer: In every family in the world, there will be disease, illness, calamity, sorrow, and even sudden death. This time is not good. Therefore, tell your mother to also do Trikal Sandhya so that just as you will live in bliss, your mother will too. If in our family... you have to listen... if two people in our family do Trikal Sandhya and four do not, when calamity strikes, it will affect the other four. Such a time has not yet begun, but it will start soon. Therefore, tell your mother about Trikal Sandhya, explain it to her, because in the future, this disease and illness will spread in many forms on Earth. Many types of diseases will spread for which there will be no medicine. That's why everyone should do Trikal Sandhya. It won't work if you alone practice dharma. Still, there is time. Tell your mother to chant the name of Madhav, and then God may show his grace in the future. Jai.

► Watch this answer · 15:03 · 04 July 2024

Q_2551 I live alone at home, so I cannot attend the assembly. I can only come if someone is with me. So, what should I do?

Answer: Look, tell Madhav with devotion, and he will make the arrangements. Everything will happen with time. Don't worry. Tell the Lord, and he will do it. He will arrange it in such a way that the time becomes favorable. Okay?

► Watch this answer · 17:07 · 04 July 2024

Q_2552 I also wish to have a darshan (sighting) of the Lord. How can I do that?

Answer: Look, this is all a matter of devotional feeling. Do as I have told you, and whatever is destined to happen in the future will happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:38 · 04 July 2024

Q_2553 Can the journey to Satya Yuga be completed just by chanting the name (Naam Jaap)?

Answer: Look, I want to tell you the essence of the Bhavishya Malika. The Bhavishya Malika Purana was originally in Odia; we have translated it into Hindi, English, and 17-18 other languages. In the Bhavishya Malika, it was written 600 years ago that there will be no humans who do not perform Sandhya. I respect everyone who chants the name, but the fact is that those who do not perform Trikal Sandhya, who do not take refuge in Madhav, who do not surrender to Lord Kalki, are perhaps not the fortunate ones. And due to their own actions, they will bring about their own destruction. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:14 · 04 July 2024

Q_2554 Is Trikal Sandhya absolutely compulsory, or can it be done through Naam Jaap (chanting the name) as well?

Answer: Trikal Sandhya is compulsory. It is a boon given by Lord Kalki for the salvation of devotees. To protect them from the coming diseases, calamities, and adversities—64 types of major diseases are coming, great calamities are coming—to be protected from all of them, if they don't do Trikal Sandhya, they will not survive. A time will come when everyone will do it. I'm not just talking about India; the whole world will do it. They will have to do it. If they don't, they will choose their own path. Jai.

► Watch this answer · 19:08 · 04 July 2024

Q_2555 My mother is 60 years old and is very ill. She has diabetes and is also afflicted by external obstacles like ghosts and spirits. What can be done for her, Pandit ji?

Answer: An old spirit passes by your house every day. It goes further ahead. Is there a water body ahead? It comes up to that river every day. That's why its influence is felt. Look, do one thing. Perform Trikal Sandhya in the house. Tell your mother to do it. Along with Trikal Sandhya, read the Bhagavat. This is a disease for which no cure has been found in this Kali Yuga. I can assure you this much: anyone who performs Trikal Sandhya and reads the Bhagavat will not face calamity. Her health will definitely improve. There will be no negativity. And the ghost—this is not a ghost or spirit possession, it's a spirit that passes by between 2 and 3 AM. That's its route, from what I can tell. It passes on that path and its influence falls on your mother. It comes and goes daily. Once you start, it won't come either. Chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya. If it doesn't stop coming to the house, then I will tell you what to do next. Okay? Everything will be fine, don't worry. Do Trikal Sandhya, chant Madhav's name, and read the Bhagavat. Jai.

► Watch this answer · 20:19 · 04 July 2024

Q_2556 I am Durgesh from Ghaziabad. I bought a house in 2018. We moved in happily and even had a housewarming ceremony during Navratri. But ever since my husband came here, he fell ill with diabetes. He has now passed away. Everyone is saying that perhaps there is something wrong with the house. Is this true?

Answer: Look, if I tell you, you will be scared. So listen to one thing. Yes, there is a problem with the house. That's why the owner sold it. The fault is in the soil. Whether you build on it, buy it, or sell it, how will the fault in the soil go away? The soil of that house is not good. So, do one thing. Live in that house, read the Bhagavat daily. Chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya. Everything will be fine. Everyone will be fine. There is no problem in living there. Look, a person suffers according to their karma, but by doing good karma, that bad karma can also be nullified. Therefore, perform Trikal Sandhya in the house daily. Tell your children to do it too. The times ahead are not good. You do it first. Read the Bhagavat so the fault of the house is somewhat nullified and you can live in peace. Okay? Even a foot or two can make a difference in the soil. Do this, it will be good for you. Okay.

► Watch this answer · 24:28 · 04 July 2024

Q_2557 Father, I have two questions. First, you mentioned that in the coming days, Russia will rule India. What will the situation be like? We are spreading the Malika's message in Russian groups, so could you provide some facts to share with them to strengthen their conviction? Second, when we chant the name of Madhav, should we do it mentally or with our tongue? Is there a difference, as some say mental chanting is superior?

Answer: Jai Jagannath, a very good question. Regarding chanting God's name, of the two methods—chanting with the tongue and chanting in the heart—the greatest is to chant in the heart. But it doesn't happen right away. First, after chanting with your mouth for some days, it automatically becomes a practice. After that, the chanting happens in the heart on its own, even while you are walking, driving, working, or eating. Chanting in the heart is very good, and by doing so, we can do it all day and all night. Even while sleeping, the chanting doesn't stop. However, the effect of the Trikal Sandhya mantra's pronunciation comes upon the body, so it is more beneficial for a person if it is pronounced aloud. Second, Mahapurush Achyutananda has written that there will be war on all the major borders of the world. At that time, there will be major communal riots in India, and Russia will come and take charge. This will not be by force. At that time, China, Pakistan, many Muslim countries, and America will all be at war with India. India will invite Russia to come. So Russia will come and take charge of the administration, meaning military rule for the defense of the country. It is also written that a different lineage of people will be in power in India at that time. The transfer of Lord Jagannath Mahaprabhu will be done by the Russian government's king and queen along with these rulers. In this way, Russia will definitely come to help India. It will be a coalition government; they will help us and handle all the administration and the defense of our country. Jai.

► Watch this answer · 28:42 · 04 July 2024

Q_2558 Father, my engagement that I told you about, which happened three weeks ago, has broken off. I was getting worried and thinking about how to fix it. But please tell me, can this relationship be fixed or not? If not, I will move on.

Answer: Look, my child, in this world, God's will is always for our well-being. If a relationship breaks, think that a better one is coming. It could be even better. But we shouldn't insist, 'No, I want that same relationship.' Okay, that relationship can also work out if you engage in devotion to God. But instead of saying that, pray to God, 'Lord, please finalize the relationship that is best for me.' For this, read the Gopi Leela from the tenth canto of Lord Krishna's life. Chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya. A good proposal will come, and you will get married. Within a year from now, you will be married in a very good place. There will be no problem. Just wait for God's will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:02 · 04 July 2024

Q_2559 We have a farm, and we are seeing a tiger there every day. How can we protect ourselves from it?

Answer: You perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and ask Madhav, 'Lord, protect us from this wild animal.' In my opinion, if your devotion is true, the tiger will not come in your direction and will change its path. Okay?

► Watch this answer · 36:06 · 04 July 2024

Q_2560 Father, how will the rains be for farming this year?

Answer: This time, the rain will not be good for farming. There could be excessive rain or very little rain. Such is the time we are in. Therefore, without taking refuge in God, there will be major problems for agriculture in the future. This is not just for India, but for the whole world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:13 · 04 July 2024

Q_2561 I wanted to ask, this Kali Yuga that is ongoing, when will it end? Some say 2025, some are now saying it might end in 2024, or 2029, or 2032.

Answer: Nothing is going to end. This will go on until 2032. People make predictions, but it won't happen like that. Nothing will end completely. It will be gradual. The period from 2025 to 2032 is not good. The yuga has already changed, and the establishment of the new yuga is in progress. This means the arrival of Satya Yuga is happening. Just as we are propagating Trikal Sandhya, the name of Madhav, and reading the Bhagavat for the salvation of humanity, those who adopt these practices during this transition will go to Satya Yuga. Those who don't will be swept away in the change.

► Watch this answer · 38:37 · 04 July 2024

Q_2562 Is there a specific date for this?

Answer: We do not reveal the date because it is under God's control. But I can tell you the time span: from 2025 to 2032 is a period of great change. Perform Trikal Sandhya, find salvation for your human life, take refuge in God, and you will be saved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:02 · 04 July 2024

Q_2563 Can you say something about the upcoming Gupta Ashadha Navratri? Can we perform any rituals, like the Dasha Vishnu Naam ritual?

Answer: During Navratri, Goddess Devi is worshipped. And if Lord Vishnu is worshipped and the Bhagavat Katha is recited during Navratri, it is very auspicious. Goddess Devi becomes very pleased. You can do this at home with your family members or you can do it alone. It will be beneficial for you.

► Watch this answer · 40:30 · 04 July 2024

SESSION 133 · QUESTIONS 2564–2584

L146: द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को जगन्नाथ जी के रत्न भंडार के बारे में क्या बताए थें?

Date: 14 July 2024 · Watch the full session ↗

Q_2564 Father, I wanted to ask, regarding the cataclysm (pralay) you just mentioned or whatever work God is doing now, what will be the situation in Goa?

Answer: The Bhavishya Malika is written for the entire world, not just the state of Goa. The five types of disasters will also come to Goa. There, people will be troubled by elements like floods, fire, earthquakes, and communal issues. There will also be changes in the sea. This is all part of establishing dharma. Look, even now, the peaks of large mountains are breaking. When the Mahabharata war happened, and when Lord Krishna left the earth, a similar situation occurred. This is a time of change. To be safe everywhere, one must perform Trikal Sandhya, take refuge in God, and understand dharma. I say all religions will merge to become one religion, the Sanatana Dharma. And in Goa, along with all five types of disasters, diseases and pandemics will also come, just as they will in the rest of the world.

► Watch this answer · 11:24 · 14 July 2024

Q_2565 My question is, as we see in the news, things like bloodstains appearing on the canopy in the Jagannath temple and the fights among the priests—what is the reason for this?

Answer: Look, the Jagannath temple is the main center of faith for Sanatana Dharma in the entire world. Secondly, according to the scriptures, the Jagannath temple is one of the four Dhams. Third, according to the Skanda Purana, the Jagannath region is called a Vaikuntha, the original Vaikuntha or Martya Vaikuntha (Vaikuntha on Earth). Here, Lord Jagannath is worshipped as Mahavishnu. When Lord Jagannath takes the Kalki form, major signs will first appear from the Jagannath temple, such as the flag falling, stones falling, questions arising about the Ratna Bhandar (treasure vault), the Ratna Bhandar being tainted, the Mahaprasad repeatedly not being offered, and fights among the priests. All of these things—bloodstains on the Ratna Simhasana (bejeweled throne), crows perching on the temple, and inauspicious birds circling the temple—all these are signs of the end of Kali Yuga and the incarnation of God. All these signs have already appeared, and the change is coming.

► Watch this answer · 14:02 · 14 July 2024

Q_2566 Jai Shri Madhav, Prabhu Ji. I was saying that in the upcoming world war, many people will be killed. Sometimes, thinking about it is so frightening. How will it happen? And the Muslims living in India will also commit many atrocities. Please tell us something about that. It's very distressing to think about.

Answer: Look, we did not create this earth. When there were millions and billions of people on earth, we didn't know when we came or when we will go. Therefore, this earth is under the control of the Lord who runs it. Who will stay and who will go is a matter of dharma and adharma. If we get caught up in these thoughts, we will not find peace. We have to change our own karma and make an effort to change the world. If we follow dharma, maintain purity, and perform good deeds, we will have no problems in the future. And there will be no problem for humanity either. It is necessary for humans to abandon the karma of Kali Yuga and adopt the karma of Satya Yuga. This includes performing Trikal Sandhya, giving up alcohol, meat, and intoxicants, and reading the Bhagavata. Satya Yuga is coming. Humans who transform themselves will also move forward into the new age, no matter the trouble.

► Watch this answer · 16:01 · 14 July 2024

Q_2567 My name is Rahul, and I am speaking from Delhi. You had mentioned that a crisis would come to Delhi. So, Father, when is this crisis likely to occur?

Answer: Look, for human beings in this world, there is no crisis as such. It is the consequence of our own karma that we call a crisis. But see, whatever disaster or problem comes into the world, we must hold on to dharma. As for when it will come, I have said before that a situation of great change will arise during the 'Meena Sadi Chalana' period. And gradually, moving forward, Satya Yuga will arrive by 2032. Therefore, there is nothing to fear. The point is to perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhav. By becoming a person of Satya Yuga and performing the karma of Satya Yuga, this human life will be saved. The coming disaster will come and go; it will intensify, a lot. But what should we do? We must correct our own karma. So, a disaster will certainly come to Delhi. I cannot give a tentative date because it is in God's hands. But the point is, the time is visible. See what is ahead and move towards dharma. You and your family will be protected.

► Watch this answer · 17:34 · 14 July 2024

Q_2568 Near our Punasa Dam, there is another dam built, the Indira Sagar Dam. When will it break, Pandit Ji? Will it break now? Or will it never break? This is what I wanted to know.

Answer: If it doesn't break, the water can still overflow, right? So, it can overflow. I do not have information about it breaking.

► Watch this answer · 20:02 · 14 July 2024

Q_2569 I want to know, regarding the 'Narayan Kavach,' we can either recite it or listen to an audio of it. Is listening to it instead of reciting it the same thing, or is it better to recite it? Please explain a little.

Answer: When someone eats food, their own stomach gets full. Someone who just watches another person eat doesn't get their stomach filled. Yes, for people who are physically handicapped or those who have very little time and cannot dedicate it, listening to it occasionally will work. But reciting it yourself yields greater results. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:51 · 14 July 2024

Q_2570 Father, I have a lot of fights with my mother regarding my studies. What should I do about it? I do everything, but she doesn't agree, and we always end up fighting. They are about studies, and they get very heated.

Answer: Look, son, just as we eat food three or four times from morning to evening, studying is like food. Just as a ray of light cannot separate itself from the sun, for young children who are not yet employed, studying is essential for everyone. What changes will or will not come in the world is a different matter; you children should not think about that. Follow the path shown by God. God has shown this path to live in bliss. So, study and respect your parents. Greet your parents with 'pranam' every day. This is the tradition of our Sanatana Dharma. By doing this, your lifespan will increase, and your future will be happy. Jai. Anyone else?

► Watch this answer · 21:56 · 14 July 2024

Q_2571 Father, I am Alka from Jaipur. You had said I would have an experience, and I want to tell you about it. The very night I returned, I had a dream of a beautiful castle-like place. A female monkey wearing jewelry came and chanted 'Madhav' with me. She asked me to tell her about Madhav's divine play. Then my pet dog also came and loudly said, 'Madhav, Madhav,' which shocked me and I woke up. I wanted to share this experience.

Answer: Look, in Satya Yuga, monkeys will speak first. This is written in the Bhavishya Malika. Monkeys and cows will talk. And you saw that scene—in a beautiful environment, animals, whether it's your pet dog or a monkey, were talking and saying 'Jai Shri Madhav.' Everyone will say 'Jai Shri Madhav' and everyone will talk. This is a sign of Satya Yuga, and it is a proof for you that it will surely come. It is written in the Malika that all living beings will talk, even trees and plants will talk. No one will harm anyone else. Peace will prevail everywhere. Human beings will live with great peace and happiness, ending the bad times and evil on earth to create a beautiful new world.

► Watch this answer · 23:20 · 14 July 2024

Q_2572 My question is that the glory of the Jagannath Puri dham is described in the Puranas. Will that glory remain intact in the future as well?

Answer: In Kali Yuga, God is in the form of Daru Brahma (wood-form Absolute). In a different yuga, the Lord is worshipped in the Jagannath region in a manifest form. The glory of the Jagannath region will remain. For a short period, for six years, Lord Jagannath's Rath Yatra will stop; this is written in the Bhavishya Purana. And for some days, Lord Jagannath will stay outside the region. There will be calamities. After that, Lord Kalki will call Vibhishana and tell him to absorb the water of the sea near the Jagannath temple. He will also call Agastya Mahamuni, who will appear before the Lord, and he will be asked to free the Jagannath region from the water. Agastya Muni will do so. After that, the glory of Jagannath will be restored. This glory is for infinite time; it will remain for infinite yugas.

► Watch this answer · 26:13 · 14 July 2024

Q_2573 Father, why do I feel faint while listening to the satsang?

Answer: Don't get so emotional. Listen with a little more patience. It's good to have devotional feelings, but don't get so emotional. Chant the name of Madhav, and it won't happen again.

► Watch this answer · 28:04 · 14 July 2024

Q_2574 Father, how do we bring our family members into this stream (path)?

Answer: Look, no one is anyone's family, no one is anyone's friend, no one is anyone's relative. Everyone has come together due to the bonds of karma. They have become a family in this birth, but not everyone's karma is the same. So, those who are meant to come will come, and those who are not, will not. If you must, tell them once. Don't tell them too much, don't argue too much, and don't debate too much. Those who are devotees will come, and those who are not, will not. The family is the Madhav family. The Madhav family will unite across the entire world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:28 · 14 July 2024

Q_2575 Maharaj, why do we have 'Pitra Dosh' (ancestral affliction) in our horoscopes, and what is its remedy for the future?

Answer: Pitra Dosh is not in the horoscope. Pitra Dosh occurs when ancestors pass away and their Shraddha ceremony or their 'Dasha' rituals are not performed properly. Secondly, when the 'asthi visarjan' (immersion of ashes) is not done with the correct rituals or by a proper Brahmin, Pitra Dosh affects every person's life. You have it in your life too. Therefore, to get relief from Pitra Dosh, perform Trikal Sandhya. Also, come once to the Nabhigaya Kshetra in Jajpur and perform 'Pind Daan' (ancestral offerings). All your ancestors will attain liberation. Liberation is also attained by performing Trikal Sandhya, but also perform Pind Daan once. The problem will be resolved; the affliction will not remain. The problem you have can be removed through this karma.

► Watch this answer · 29:29 · 14 July 2024

Q_2576 How can I send it (the PDF) to you?

Answer: I will give you a number. It's 9936... that's the one. If you WhatsApp the PDF to that number, I will read it. After reading it, I will see what truths from the scriptures are written in it.

► Watch this answer · 33:17 · 14 July 2024

Q_2577 I have been doing Trikal Sandhya for six or seven months and had a divine experience. But I don't know what problem is in my house. In my dreams, I experience bad things, fear, and someone choking me.

Answer: Before sleeping at home, read one chapter of the Bhagavata. Chant the Narasimha Mahaprabhu stotra, 'Tava Kara Kamala Vare,' 11 times. Pray to Madhav, 'Protect me, protect my family. O Lord, remove whatever affliction or obstacle is here.' See, it should be resolved with that. Jai Jagannath. Anyone else?

► Watch this answer · 36:08 · 14 July 2024

Q_2578 Just as my sister asked about Goa, I wanted to ask, if a cataclysm like a great flood is going to happen in Mumbai and Goa, which place in Maharashtra will be safe? Will we have to leave Mumbai or Goa and go to a safer place?

Answer: Look, no place on earth is safe now. Not just Mumbai or Goa, no place on earth is safe. It is written in the Bhavishya Malika—I was reading the 'Chausathi Patala Grantha' yesterday—Achyutananda has written that when people learn that Lord Kalki has incarnated in Jajpur, they will all come there to live, but it will be of no use. Therefore, increase your dharma, perform Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav. Wherever you are on earth, by the Lord's grace, we can move forward and can fully manifest our body's and our own power to fight the coming calamities. So, do Trikal Sandhya, read the Pothi (sacred text), and stay in Madhav's refuge. Every place is unsafe; the only safe one is the one who has dharma. Jai.

► Watch this answer · 38:04 · 14 July 2024

Q_2579 I do Trikal Sandhya and chant daily, but I have a health issue. What should I do?

Answer: No problem. Look, through the medium of Sandhya, all the diseases and illnesses of the world also go away. Do it with devotion, with faith, in the refuge of Madhav. Do it. Devotees will become ageless and immortal. Devotees will become the most respected in the world. Therefore, everything changes through the essence of Trikal Sandhya. Do it and move forward.

► Watch this answer · 40:43 · 14 July 2024

Q_2580 My name is Pooja. I am doing Trikal Sandhya, but I don't know how to read the Bhagavata because I am not educated. I cannot read it, and this makes me worried.

Answer: There is a speaker for Trikal Sandhya. Tell Rakesh from Vrindavan, from Mathura, tell Rakesh. He will arrange it for you. You can listen to it on that. Okay? Anyone else?

► Watch this answer · 42:10 · 14 July 2024

Q_2581 There is wood above my house, and ants were falling from it. As soon as they fell, they would fight with each other. I saw this on the night of July 5th. What does this mean?

Answer: Do you do Trikal Sandhya? (Caller: Yes, Pandit Ji.) Do Sandhya, chant the name of Madhav. There is no problem. Jai. Anyone else?

► Watch this answer · 43:03 · 14 July 2024

Q_2582 My question is that it has been six or seven months since I joined this path, but I have not had any experience in my dreams of Satya Yuga or the cataclysm, unlike other devotees. I've had many other experiences, but nothing like that in my dreams.

Answer: Look, perform Trikal Sandhya with devotion. Close your eyes and do it with complete faith and devotion for seven days. Don't let your devotion waver. Without any other distracting thoughts, just keep Madhav in front of you. In seven days, you will see a big change, a great vision.

► Watch this answer · 45:07 · 14 July 2024

Q_2583 The feeling of devotion just doesn't arise in my heart. I try to stabilize my mind and focus on the Lord, but I am unable to do so.

Answer: If it's not happening, then read Lord Krishna's 'Gopi Leela.' Read it for two months, and the feeling will come.

► Watch this answer · 45:54 · 14 July 2024

Q_2584 Gopi Leela, what is that?

Answer: Okay, okay, fine. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 46:12 · 14 July 2024

SESSION 134 · QUESTIONS 2585–2595

L147: 13 दिन के पक्ष में 'रथ यात्रा', मानवों के लिए अमंगल का संकेत! | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 19 July 2024 · Watch the full session ↗

Q_2585 So, why is this 13-day fortnight, before Meena Sankranti (Sun's transit into Pisces), sorrowful for the world?

Answer: The reason it is a sorrowful period is because 600 years ago, the eternal Pancha Sakha (Five Friends) wrote in the Bhavishya Malika that when the 13-day fortnight arrives before Meena Sankranti, the situation will not be good. This will be a time of change. The period before this Meena Shani, which is happening from March 25th, is not good for human civilization. The scriptures and Saint Achyutananda have written about this.

► Watch this answer · 02:30 · 19 July 2024

Q_2586 So, will Lord Kalki think about establishing dharma (righteousness) on Earth?

Answer: This is also written. It means that when this 13-day period occurs, Lord Kalki will contemplate saving the devotees and establishing dharma on Earth.

► Watch this answer · 05:23 · 19 July 2024

Q_2587 I have a question. In our home, we have an idol of Ganpati ji, and with him, we had placed a betel nut representing Riddhi-Siddhi. After many years, it has cracked. What does this signify?

Answer: This is a sign. It doesn't signify the birth of Riddhi, Siddhi, and Ganesh Mahaprabhu, but rather it proves that our own birth has also happened, and in God's grand plan, everything, even inanimate objects, is involved. We will be with God in righteousness (dharma). Jai Shri Madhav ji.

► Watch this answer · 14:18 · 19 July 2024

Q_2588 Father, my question is that we are supposed to do all our work with complete faith in the Lord. But sometimes, that faith starts to feel like arrogance in our minds, as if 'the Lord is protecting me, he is listening to everything.' Why does it happen that this faith sometimes feels like arrogance?

Answer: The senses that surround a human are very mighty and powerful. Within the senses lie pride, arrogance, ego, honor, greed, attachment, and illusion. The senses always want to rule over our body. They have ruled over great saints and even great deities, causing them trouble. And since this is the age of Kali Yuga, this is happening. But do one thing: Pray, 'Madhav, wash away all the impurities from my mind. Keep me away from the influence of the senses.' Then you will surely receive the Lord's grace. And as you continue to practice devotion, the stream of your devotion will remain complete.

► Watch this answer · 15:00 · 19 July 2024

Q_2589 Pandit ji, I am from Khandwa district. When we perform aarti and worship, we offer bhog (food offering) like roti (flatbread) to the gods. A cat comes and eats it. What should I understand from this?

Answer: A cat coming and eating the offering... since when has this been happening? For a long time or just recently? (Questioner: It's been happening for about two months now, Pandit ji). Okay, so it's been happening for two months. See, the cat is a symbol of 'Kaal' (time/death). In our Hindu tradition, it is not considered a good omen to cross a path after a cat has. So, this 'Kaal' is coming and consuming your prasad (offering). One reason could be some flaw or obstacle, which is why it is coming to your house, but it cannot harm you. The meaning is that Madhav will protect you, so do not worry. Do one thing: at night before sleeping, chant the name of Madhav 108 times. This might bring about a change in what you are experiencing. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:29 · 19 July 2024

Q_2590 Pandit ji, I am calling from Pakistan. I chant the 'Madhav Naam' bhajan and also do japa, but I don't understand the Trikal Sandhya because I don't know Hindi, only Sindhi.

Answer: Look, the Trikal Sandhya is the Dashavatara Stotra of Lord Mahavishnu, composed by Jayadeva, and the Sahasranama, which is a Durga Madhav stuti. You should recite this. We will provide it to you in your language. There is a number that appears on the screen; contact Manish on that number, and we will give it to you in written Sindhi. The Bhavishya Malika has also been composed in Sindhi, but it has not been released yet. We will get that done. And listen, son, you live in Pakistan. In the future, there will be a conflict between India and Pakistan, but you have nothing to do with that. You must hold on to dharma. If the people of Pakistan are to change, they too can come towards dharma. In this world, whoever does good deeds is a good person. So, work to bring about a change in humanity. Tell the Hindus who live there to also recite the Trikal Sandhya. By reciting it, God will protect them from coming calamities, and all good humans in the world will be saved. Teach it to those who wish to follow the sacred path of Sanatana Dharma, but do not force anyone. Only those who accept it of their own free will.

► Watch this answer · 19:09 · 19 July 2024

Q_2591 Regarding Mahalakshmi, is it appropriate to do a certain yoga/practice on some days? What should I do, Father?

Answer: Yes, do it.

► Watch this answer · 21:53 · 19 July 2024

Q_2592 Pandit ji, is God 'sakar' (with form) or 'nirakar' (formless)?

Answer: Look, 'nirakar' and 'sakar' are both aspects of God. 'Nirakar' means God has no form. When the Lord takes a human body, He is 'sakar brahma' (God with form). When the Lord, in the form of Mahavishnu, resides in the entire universe, in every living being, in every animate and inanimate object, He is called 'nirakar'. He has no form. Wherever you look, the Lord is there. As it is said, 'The Lord is omnipresent and equal everywhere; I know He manifests through love.' This means Lord Shankar tells Mother Bhavani that the Lord is present everywhere, and He manifests wherever there is a devotee's devotion, love, and emotion. In this way, He is 'sakar'. So, 'nirakar' refers to the Lord's formless, unimaginable light or element, and 'sakar brahma' is when the Lord takes a human form on Earth.

► Watch this answer · 22:30 · 19 July 2024

Q_2593 At our home's main gate, I once found a dead pigeon right outside. And on the same day, two dead lizards were found inside the house. What does this signify?

Answer: Look, the pigeon is associated with Shani Mahaprabhu (Saturn), and a pigeon dying in front of the house is not a good sign. For this, do one thing: for seven days, recite the Bhagavat at home and spend time with your family. Also, feed some poor and needy people, and feed animals and birds. This will bring you good fortune. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:58 · 19 July 2024

Q_2594 Father, in our home temple, we have had a photo of Sai Baba for a long time. Should we remove it or keep it? Also, regarding the Riddhi-Siddhi betel nut that has cracked, should we replace it or keep the same one?

Answer: First, take the betel nut that has cracked and immerse it in some holy water, because keeping a broken divine item in the house is not good for the home. Secondly, regarding the photo of Sathya Sai Baba or Shirdi Sai Baba, you should not remove it. If it's in the house, let it be. It doesn't matter. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:01 · 19 July 2024

Q_2595 Father, I wanted to share an experience. A few days ago, I was upset and challenged Kali (the personification of the current dark age), saying, 'You are evil, come in front of me.' At midnight, I had a terrifying vision of him trying to strangle me. I shouted 'Madhav Naam' and he disappeared, but my body was in extreme pain for the next day. I was scared he would return, but after I recited the Narasimha Stotram, I became fine. What does this mean?

Answer: This is wonderful, mother. Kali cannot harm you. He cannot harm anyone. Kali will not be able to do anything because you all are in the refuge of Madhav. You have the Trikal Sandhya, which is the 'Brahma Tattva' (the supreme divine element). A person who practices it is like a deity. No Kali, no inauspicious planet in the world can harm you.

► Watch this answer · 26:00 · 19 July 2024

SESSION 135 · QUESTIONS 2596–2613

L148: Internet Apocalypse कंप्यूटर सिस्टम अचल होने का कारण क्या है? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 21 July 2024 · Watch the full session ↗

Q_2596 Jai Shri Pandit Ji, Jai Shri Madhav. Pandit Ji, I sometimes have very bad, terrifying dreams at night. What should I do about it? I don't understand. I have been performing Sandhya for quite a few months now.

Answer: Read the descriptions of God and his ten incarnations, such as the incarnation of Lord Ram. Read that. Also, chant the 'Madhav' name 108 times and pray to Lord Madhav, 'O Lord, please remove the obstacles from here.' See what changes this brings, and then we will consider it further. Okay.

► Watch this answer · 17:55 · 21 July 2024

Q_2597 Jai Shri Madhav, Guru Ji. We have been doing Trikal Sandhya for two months. In my dreams, I see a vision of a boy who is about 15-16 years old. What does this mean?

Answer: He is the Lord. You are getting a vision of Lord Kalki. According to the scriptures, that is his age, and you are seeing a vision of him at that age. At that age, the Lord comes to redeem his devotees. It's very good that you have this vision whenever you chant the name.

► Watch this answer · 20:52 · 21 July 2024

Q_2598 I sent you a PDF about Gujarat's Devayat Pandit. He wrote a shloka: 'Madha mase site pakshe ashtamyam ravi vasare, Rudhirasravini snatva tada Kalki bhavishyati.' I'm not sure if it's decoded correctly. What does it mean?

Answer: This means that on the Ashtami day (the eighth day), on a Sunday, during the bright lunar fortnight (Shukla Paksha) of the Magha month, the Lord will manifest to establish Dharma in the entire world. What you have shared is a sacred truth. Devayat Pandit also took birth on the holy land of Gujarat to save humanity and wrote about Lord Kalki. He also wrote that a person named Dasi Vishwanath will give the mantra and reveal the names of the Lord's parents, and will propagate the message throughout India, which is the work I am doing. Your contribution is very valuable and sacred.

► Watch this answer · 22:24 · 21 July 2024

Q_2599 I have a question. The brother from Gujarat just mentioned a specific date (tithi). When is that date coming?

Answer: Look, it will happen on a Sunday during the Shukla Paksha (waxing moon phase) on the day of Ashtami. This requires calculation, but according to our estimates, such a time will come between 2025 and 2032, and Lord Kalki will manifest. The day Lord Kalki will arrive has been fixed. It is not right for me to state it explicitly. The point is, when the Lord is going to do everything, why should we reveal it? If we reveal it beforehand, people will become alert. Therefore, the redemption of devotees and the destruction of sinners is the Lord's work, and we should respect that. That time will surely come, and what is written will not change.

► Watch this answer · 27:37 · 21 July 2024

Q_2600 Pandit Ji, this is Mahi. I have memorized the Trikal Sandhya.

Answer: Very good. You must do it. This is the ultimate element for life's salvation, which was rare even for the lineage of sages, saints, and deities. You humans are also performing the Trikal Sandhya. Understand it, spend your time in bliss, and you will surely receive the Lord's grace.

► Watch this answer · 29:24 · 21 July 2024

Q_2601 I am speaking from Gujarat. For a year, I have been doing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the Madhav name, but nothing feels right. I don't know what is going to happen next. Will my situation ever change, or will it remain like this?

Answer: Look, mother, if there is a financial problem, then read the Mahalakshmi Stotram from our YouTube channel three times a day—morning, noon, and evening. There could be financial progress. Secondly, through Trikal Sandhya, humans become righteous. Time is moving forward, and we are seeing destruction in the world. The time for change is coming. This time is not good. If you have any problem or sorrow, recite the Mahalakshmi Stotram and tell Madhav about it. He will bless you. Whatever you request from the Lord with devotion, He will grant it.

► Watch this answer · 30:30 · 21 July 2024

Q_2602 Greetings, Guruji. Just as a previous caller mentioned facing obstacles, I also feel the same. I perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat, but my difficulties are increasing, not decreasing. What should I do?

Answer: The solution is this: anyone who has obstacles from ghosts or spirits, problems in the house, or is troubled by black magic should chant the Narasimha Mahamantra 11 times during the morning, noon, and evening Sandhya. Before sleeping at night, read one chapter of the Bhagavat. There will definitely be a change. Also, chant the Madhav name before sleeping. This cures such issues, and yours will be cured too. Our principles themselves make a person pure. Become pure, perform your duties, and follow the path of dharma. There is no need to go to anyone.

► Watch this answer · 32:14 · 21 July 2024

Q_2603 Jai Shri Madhav, Pitaji. Please bless me so that I too can have some experience of the Lord, be able to follow his words, and have the grace to attend your assembly.

Answer: Certainly. I pray to the Lord that you receive His grace to come to the discourse and become capable of following the path of the Bhagavat. Jai.

► Watch this answer · 34:05 · 21 July 2024

Q_2604 My name is Neelam, from Punjab. I wish for my elder son to also join this spiritual path. My younger son and I are already on this path. What should I do?

Answer: Okay, mother. Tell your elder son to read the Bhagavat Ji. If he reads one chapter at a time, he will come into the fold. You will have to tell him. He will be blessed through this.

► Watch this answer · 34:59 · 21 July 2024

Q_2605 As the month of Sawan is starting, when we observe the fast, can we eat grains one time, or must we only eat fruits? Also, we wear a Tulsi Kanthi but also eat onion; and is it forbidden to cook things like 'kadi' during Sawan?

Answer: Look, you can have a meal (prasad) one time. The second time, you can eat dry food like roti or paratha. In Kali Yuga, fasting is not that necessary to follow dharma. I say, perform Trikal Sandhya and eat your meals on time so your body remains strong. Any person who observes fasts like Navaratri can have one meal of grains and for the other meal, have fruits, prasad, or another light meal.

► Watch this answer · 36:08 · 21 July 2024

Q_2606 Today is Guru Purnima. Father, please bless us so that we can continuously chant the Lord's name.

Answer: You have my blessings that God may grant you devotion. But God is the Guru; we are his servants. You are also a servant. The Guru is God, my child. Nevertheless, I also wish this for you.

► Watch this answer · 37:37 · 21 July 2024

Q_2607 I have a question. It is described in the Malika that when the Lord takes his incarnation, he will give darshan (vision) to all devotees in Khandagiri. But for people like us who might not be able to go to Khandagiri, will we get the Lord's darshan?

Answer: Look, a devotee gets the Lord's darshan through devotion (bhajan), worship (puja), and penance (tapasya). It is the fruit of one's past life's karma to get the Lord's darshan. Those devotees who are very close to the Lord will get his physical darshan. Those who are far away will do their bhajan right where they are and can still receive his darshan.

► Watch this answer · 38:30 · 21 July 2024

Q_2608 It's been three months since I joined the satsang, but the Lord has not given me darshan even once in my dreams. I haven't had any spiritual experiences.

Answer: This question was immediately followed by another, and the speaker did not provide a direct answer to this specific part.

► Watch this answer · 40:00 · 21 July 2024

Q_2609 I ordered the Bhagavat Mahapuran. It arrived at a time when I was impure (menstruating) and couldn't touch it. I asked my son to handle it, and while lighting incense, he accidentally burned it a little. What should I do?

Answer: No problem, it's not an issue. The human body goes through periods of impurity. It's okay that it got slightly burned by the incense stick. It's not a problem.

► Watch this answer · 40:48 · 21 July 2024

Q_2610 A fellow devotee recommended a serial called 'Bhakt Mal'. Which channel is it on, brother? If you could tell us, it would be helpful.

Answer: It's on the YouTube channel 'Swami Karun Das Ji'. It comes on daily at 8 PM. It started on July 1st, and the episodes are recorded, so you can watch them anytime. It's free. The channel name is Swami Karun Das Ji.

► Watch this answer · 43:14 · 21 July 2024

Q_2611 A saint from Maharashtra, Gagangiri Maharaj, wrote 20 years ago that Mumbai will be submerged in a great flood in 2025. Some good saints know about these things, but what does the Bhavishya Malika say about the fake saints and gurus who are roaming around? Why don't they talk about the Malika?

Answer: They don't do Trikal Sandhya. All traditions will be tested. On the banks of the Mahanadi in Odisha and in other places, the hypocrites and heretics will be tested and destroyed. We are not concerned with who believes and who doesn't. Our job is to spread the message. Regarding 2025, send me the proof. In my opinion, waves can rise in the ocean in 2025, but not everything will happen then. It will happen later.

► Watch this answer · 44:28 · 21 July 2024

Q_2612 Regarding the saint from Gujarat who wrote about the future... I didn't understand the name of the book. Could you please tell me?

Answer: Devayat Pandit wrote a scripture on the future; 'Bhavishya Shastra' is his text. The young man who mentioned it is on the line. I will ask him to post the name of the book in our online group. Okay. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 46:44 · 21 July 2024

Q_2613 Pandit Ji, by your grace, I am following the path of Mahaprabhu. A month ago, I memorized the Mahalakshmi Stotram, and I am doing Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name. I just want your blessings to continue.

Answer: You have my blessings. Move forward. It is not in everyone's destiny to perform righteous deeds. Only the fortunate ones get to do it. May God give you the strength to perform righteous work. Move forward, do good. Jai.

► Watch this answer · 47:57 · 21 July 2024

SESSION 136 · QUESTIONS 2614–2630

L149: मोदी जी का अंतिम समय जाजनग्र (जाजपुर) में बीतेगा: मालिका में प्रमाण | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 26 July 2024 · Watch the full session ↗

Q_2614 Pandit ji, I have a question. We read in scriptures like the Srimad Bhagavata Mahapurana and the Mahabharata that the 'Yavanas' participated in the Mahabharata war during the Dvapara Yuga on behalf of the Kaurava army. The people we call 'Yavanas' today are said to have come in the Kali Yuga. So, who were those people in the Dvapara Yuga if these people came in the Kali Yuga?

Answer: Those who do bad deeds, who do not follow dharma, who kill living beings, commit sins, pollute the world, and cause suffering to the world with their power are referred to as such. It is not about a separate group but about their actions. When a human acts like a deity, they become a source of happiness for all of humanity.

► Watch this answer · 04:27 · 26 July 2024

Q_2615 Jai Jagannath, Pandit ji. My question is regarding Narendra Modi ji. It is written in the Bhavishya Malika that the last king of India will impose military rule in the 13th year of his reign. Modi ji's 13th year as Prime Minister would be 2027, which is when military rule should be imposed. The war is predicted to start between 2025-26. So, we are asking, is it written in the Bhavishya Malika that this refers to Narendra Modi?

Answer: There will be a very big problem within the government. According to the Bhavishya Malika, a holy person who practices Raja Yoga will take over the rule of India. The government formed after that will only last for one or two years, not much longer. That is called the rule of Kali. Our current democratic system is not considered a full reign because a king does not complete the full term. Therefore, the scriptures say the rule of Kaliyuga will come. The Malika states that a person practicing yoga will rule India. I will not comment on who is currently in power.

► Watch this answer · 06:56 · 26 July 2024

Q_2616 Yes, Pandit ji. There are plenty of clouds, but our dams are still empty. Why is it that despite so many clouds, it is only drizzling and not raining properly?

Answer: This light, scattered rain has a reason. I have said this before. According to the scriptures, when the idols of the Lord fall, there will be drought, famine, and changes in governance on Earth. You will see clouds in the sky, but it won't rain. The sage Ananda wrote this long ago: Lord Indra will not take care of the Earth properly. Because of this, it will not rain during the farming season, and there will be floods in the hot season. Such a time is coming.

► Watch this answer · 09:04 · 26 July 2024

Q_2617 Jai Shri Madhav, Pandit ji. Regarding Modi ji's government, he did not get a full majority in the recent election, which is a big challenge for him. The opposition parties will pressure him on every issue. How will he manage and work going forward?

Answer: Sanatana Dharma and its rule will be re-established in India. According to the Malika, a very big change is coming to the Earth, not just India. During this period, things will be very volatile; what is true today will change tomorrow. The times are not good; it is the time of Kali. Only those who hold onto dharma will survive. At this time, there will be great instability and major changes in the political sphere.

► Watch this answer · 11:06 · 26 July 2024

Q_2618 Jai Shri Madhav, Pitashri (Father). This past Monday, during my morning prayers, I went to the balcony and saw the full moon. As I watched, the clouds around it transformed into the shape of a conch shell, with the moon inside it, and then the clouds disappeared. What was this a sign of?

Answer: The conch is a sign of the establishment of dharma. When God establishes dharma, the sound of the conch is heard. For a devotee to see such a thing is a sign of the coming establishment of dharma. What you saw is a sign for the entire Earth.

► Watch this answer · 12:53 · 26 July 2024

Q_2619 Jai Shri Madhav, Pandit ji. I am following the path you have shown. I need guidance. Madhav is a secret incarnation. If we want to have the good fortune of recognizing him and having his darshan (divine vision), but cannot read the entire Srimad Bhagavatam after our prayers, which specific chapter should we recite?

Answer: You will have to read the Bhagavatam every day. All the people who will be saved in India and the world will have to read the Bhagavata scripture; it is necessary. There will be no one who is saved who does not read it. I have told you that Tri-sandhya (three-times-a-day prayer) is the divine work, and along with it, you must read the Srimad Bhagavatam. So, read the Bhagavatam, perform your duties, follow the path, and in due time, you will have his darshan.

► Watch this answer · 14:17 · 26 July 2024

Q_2620 I have a question about the conference of saints. We went to Maharashtra to invite sadhus and saints, but some are saying that since September is Pitru Paksha (a period for honoring ancestors), they cannot confirm if they can attend. What should be done about this?

Answer: Look, we respectfully invite everyone to learn about Jagannath culture. All traditions in India agree that the Kali Yuga is ending. For this reason, this conference is being held to advance Dharma and to inform people about the coming times. We are inviting all saints and sadhus of India with respect so that the scriptures can be discussed. Those who have time will come. For those who cannot, there will be more conferences in the future because this is a time of epochal change. During this time, such conferences, rituals, and the work of spreading dharma will continue. Those who want to come, will come. For those who cannot, we will try to contact them later and invite them again.

► Watch this answer · 16:23 · 26 July 2024

Q_2621 I wanted to know, is there any mention in the Malika that the last US President will be a woman, similar to how Narendra Modi is the leader in India?

Answer: Look, regarding their election... and about a woman ruling... I have not clarified this from the scriptures.

► Watch this answer · 19:17 · 26 July 2024

Q_2622 Jai Shri Madhav, Pitashri. In my prayer area, when I apply sandalwood paste tilak on our Ganesha idol, an image has formed from Ganesha's trunk to his forehead that looks like Lord Krishna playing the flute. Is this just appearing on its own, or is there a specific reason for this?

Answer: Look, Lord Ganesha is among the deities. As you worship him with devotion, he is giving you proof that the establishment of dharma will now happen, and Lord Krishna will be the one to do everything. Okay?

► Watch this answer · 20:07 · 26 July 2024

Q_2623 Pitashri, I had one more question. My six-year-old son has been waking up very early, around 2:00 or 3:00 AM, for the past few days. He just sits up for a long time and says he's not sleepy. Why does he wake up so early?

Answer: Look, you need to manage the child's diet and sleep schedule properly. If someone sleeps at 10 PM, they will wake up early. The night is for sleeping. This should be managed according to a set schedule.

► Watch this answer · 21:18 · 26 July 2024

Q_2624 Jai Shri Madhav, Pitashri. I am following all the rules correctly, but in the early morning, around 4:00 AM, I have experiences in my dreams where someone is pressing down on me forcefully. When I chant the name of Madhav for protection, it troubles me even more, digging its nails into my back. It feels very real. Can you suggest a solution?

Answer: Look, this is the influence of Kali. Pray to Lord Madhav and say, 'Lord, protect my devotion.'

► Watch this answer · 22:46 · 26 July 2024

Q_2625 Guruji, when will the war between India and Pakistan happen?

Answer: War has happened many times before, and it will happen again. But you should not be concerned with that. Love your studies, gain qualifications, and study well. You have nothing to do with it. Focus on your education.

► Watch this answer · 23:34 · 26 July 2024

Q_2626 Guruji, I don't feel like going to school.

Answer: Look, everyone has their duties to perform. You should study your lessons, go to school, become talented, and respect your parents. Love your studies, gain qualifications, and study well. Your knowledge is important.

► Watch this answer · 23:47 · 26 July 2024

Q_2627 Jai Shri Madhav, Pitashri. Whenever I sit down to pray, impure thoughts come into my mind. Please suggest a remedy so that this doesn't happen and I can focus on my devotion.

Answer: For this, before you begin your prayers, sit and chant the Lord's name 108 times. This will help your mind. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 24:44 · 26 July 2024

Q_2628 Pitashri, we are hearing about some new viruses spreading in a few states. Could these viruses take a monstrous form like Corona in the near future, or are even bigger viruses yet to come, as written in the Malika?

Answer: Until 2025, a time like that will not come. A major event like Corona is destined for 2025, by the Lord's will. For now, it will not be that big.

► Watch this answer · 25:12 · 26 July 2024

Q_2629 Namaste, Pitashri. On the full moon day, while I was meditating and chanting Madhav's name, I saw a small child with a yellow light behind him, smiling. Similarly, yesterday, I had a vision of the child form of Lord Krishna. What does this mean?

Answer: For those who perform Tri-sandhya and are under the refuge of Madhav, God is with them. You are having his darshan (divine vision) because you have taken his refuge.

► Watch this answer · 26:03 · 26 July 2024

Q_2630 Jai Madhav, Pitashri. I need your blessings. It's been five months since I joined this path, but I haven't had a single significant spiritual experience. I want to progress. Please give me your blessings.

Answer: I give you my blessings. Keep chanting the name of Madhav. Okay? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:10 · 26 July 2024

SESSION 137 · QUESTIONS 2631–2642

L150: भगवान बलभद्र और श्री कृष्ण एक ही शरीर में कल्कि रूप धारण करेंगे | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 28 July 2024 · Watch the full session ↗

Q 2631 My question is, you say that a great cataclysm will happen in Shri Kshetra (Puri) and all the major events will happen there. Why is it that the Lord is starting all the calamities from his own region? Why is our Lord taking the damage in his own land for the karma of us sinners?

Answer: In the Dvapara Yuga, after Lord Krishna established dharma and the sacred Mahabharata war ended, his Dwarka Dham was safe. But when sin spread, the Lord submerged his own region, his 'lila bhumi' (land of divine play), into the ocean. When the Lord sets out to establish dharma, he first gives a signal from his own region so that human civilization gets the message. The destruction in his own region is a sign. That is why he has started everything from his own region, initiated it, and is providing proof that the yuga (era) is changing, that 'My incarnation has already happened. O humans, come and take refuge in me.'

► Watch this answer · 13:55 · 28 July 2024

Q 2632 I had a question. We can speak and hear, but what about the people who are mute and deaf? They can neither speak nor hear. How will they be liberated? This question repeatedly comes to my mind.

Answer: Look, beings are born on this earth according to their karma. Some are born as animals, some as humans, and even in human life, some get a life of inaction. Beings come according to their karma. Therefore, God has given them birth based on their own karma, and only God will liberate them. They will have to bear the fruits of their karma. Every human, every living being, and even God has to bear the fruit of their karma. Beings and humans are born according to this karma —some are good, some are bad, some are mad. Accordingly, for their liberation, it will take time for some, while for others it may happen in this very birth. This is God's decision. Therefore, a being bears its own karma. Instead of thinking about that, keep doing good deeds for yourself. When the time comes, good will happen.

► Watch this answer · 15:56 · 28 July 2024

Q 2633 Around here, people say that we cannot play the manjira (cymbals) and blow the conch at home because it awakens the demons. So, can we play them? Can we sing bhajans of the name 'Madhav' while playing the manjira and conch?

Answer: Look, blowing the conch brings more purity into the home. And by singing bhajans of the name 'Madhav', the people who live there, who listen, and who are saved, receive God's grace. Keep doing it, it is good.

► Watch this answer · 17:35 · 28 July 2024

Q_2634 Guruji, my question is about Lord Balaram and Lord Kalki. I have read somewhere that Balaram will be riding a horse and Kalki on a black horse, and that Balaram's horse is named Kanak or Anam... I read something like that.

Answer: In the Bhavishya Purana, Srimad Bhagavata Mahapurana, and all the scriptures compiled by Lord Vedavyasa, it is not mentioned that Balaram ji will come separately. In the Malika, Achyutananda has clearly stated that when Lord Kalki comes, Balaram will be integrated into his body. After much consideration, it has been concluded that they will merge, and he will come in a single form. This is written in the Bhagavatam, in the Mahabharata, in the Puranas, in the Kalki Purana, and in the Malika. And this is what will happen.

► Watch this answer · 18:31 · 28 July 2024

Q_2635 I had a question. I perform Tri-Sandhya three times a day and I also read the Bhagavatam. So, is my family safe? I mean, will my family remain safe? We all chant the name of Madhav in our home.

Answer: Through Tri-Sandhya, the atmosphere becomes pure, and your body is also moving towards divinity and purity. Reading the Bhagavatam is very good. But the most important thing is, where did your family come from? Your family is not truly yours. Look, the family you are with is due to karma. It's like when it rains, travelers take shelter under a tree together. When the rain stops, they all go their separate ways to their own destinations. The world is like that. According to karma, all beings come together in one house. When the karma is exhausted, they go their own ways. No one meets anyone else; no one goes together. That is why it is necessary for every being to perform Tri-Sandhya. Those who perform Tri-Sandhya will get the fruit, those who listen will get the fruit, and those who read and practice it will receive the fruit.

► Watch this answer · 20:00 · 28 July 2024

Q_2636 I wanted to share some experiences. I smelled a strong sandalwood fragrance, saw a cobra-like shape in a sacred fire, and my birthday is on Nag Panchami. You had mentioned that the fragrance of sandalwood signifies Mahaprabhu's presence. Could you comment on these experiences?

Answer: Look, those who take refuge in Madhav will experience God's power. The sandalwood fragrance will come. Know that the Lord has arrived. The time has not yet come for him to give darshan (divine vision) in his form, but he definitely will, at one place, at the right time. This is the Lord's sign. Through this light, through this sign, develop your love for God.

► Watch this answer · 26:01 · 28 July 2024

Q_2637 Gurudev, I had two main questions. First, I wished to know about 'Badi Mata' (the great mother), the mother of Mahaprabhu.

Answer: Look, let me tell you... the mother... secondly, the Lord's companions, devotees, or family are all gods and goddesses. And at this time, all the devotees on earth are also gods and goddesses in human bodies. So, God performs his karma with whomever is needed, according to the situation. The decision is made on that basis.

► Watch this answer · 28:34 · 28 July 2024

Q_2638 Regarding the 2,999 devotees and the matter of their gathering, have all of them already arrived in the Sudharma Maha Mahasangha, or will this be completed over time?

Answer: Not all of them have come yet. So far, according to my estimation, about 200 of the Lord's closest devotees have arrived.

► Watch this answer · 30:11 · 28 July 2024

Q_2639 My question is, does God interfere with our 'prarabdha karma' (the portion of past karma that is bearing fruit in the present life)? If he does, to what extent? And if he doesn't, why not?

Answer: Everything will happen according to destiny. However, for those who become good after being born... God helps them. Therefore, any human who chants God's name and takes refuge in Him can have their destiny altered.

► Watch this answer · 32:14 · 28 July 2024

Q_2640 We want to ask, when will a war-like situation arise within India?

Answer: Mainly after Saturn's transit, in 2025-26. The turmoil will continue.

► Watch this answer · 34:42 · 28 July 2024

Q_2641 Father, has Lord Kalki started his divine play (leela) at this time? The partial cataclysms (khanda pralaya) and the great cataclysm (pralaya) that are supposed to happen, have all these things started to happen now?

Answer: Look, it has started. Because of Kalki's leela, there is unseasonal rain in the world, large mountains are collapsing, and throughout the world, you see pandemics and destruction. This is the destruction of adharma (unrighteousness) for the sake of establishing dharma (righteousness). And it will increase further. After Saturn's transit, its effect will increase even more. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 35:35 · 28 July 2024

Q_2642 I need some information about Lord Kalki's marriage.

Answer: The marriage of Lord Narsimha and Mother Mahalakshmi (referring to Kalki and his consort) will take place in a city in Odisha, at the Lord's ashram. Lord Brahma himself will conduct the marriage. Lord Shankar will perform the Tandava dance at this wedding, expressing his joy before Lakshmi-Narayana. Mother Bhavani and the eight Durgas will also be present there to honor Lord Kalki. Only a few, very pure, remaining devotees, about 10-15 people—not many will be able to witness this wedding—only they will be part of the marriage ceremony. And after this divine marriage, he will carry out his work in the world.

► Watch this answer · 36:53 · 28 July 2024

SESSION 138 · QUESTIONS 2643–2661

L152: क्या मालिका में लिखा है पंडित काशीनाथ मिश्र जी का नाम? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 05 August 2024 · Watch the full session ↗

Q_2643 Pandit ji, when will the train engine that is kept in Kolkata be freed from its chains?

Answer: Look, it is written about this in the Bhavishya Malika. The Panchasakha have written that at Bedara Haat in Kolkata (Sealdah), a train engine stands, which is called the 'mad engine'. It used to run on its own, not following any rules, so the British shackled it in iron chains. That same engine will come to the Jagannath region when a threat from foreigners arises against the Jagannath region. At that time, the Russian army, the Indian army, and the Indian government will place the deities of Jagannath, Balabhadra, and Subhadra in that train engine and its coaches and take them to a place in Odisha called Chaupadwar. As for when this will happen, Lord Kalki will do it. Lord Kalki will decide when it will happen. However, it appears that by God's will, this is likely to happen sometime before 2032, during the period of the establishment of Dharma.

► Watch this answer · 17:22 · 05 August 2024

Q_2644 Pandit ji, I couldn't hear you clearly... it seems to us that you are the Lord's father. Is that so?

Answer: Look, my job is to propagate the Bhavishya Malika, and I am doing that. If you have something to discuss, I am going to Ujjain for a Bhagwat Katha and to propagate the Vansh Malika. You can come there, and we will discuss it. And if you have any personal matters you wish to discuss, you can do so there. The Katha is happening in Ujjain, and after that, it will be in Delhi. You can come there as well. There are about 15 Kathas planned across India. But my work is to propagate the Bhavishya Malika, to save the devotees, and to distribute the Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 19:32 · 05 August 2024

Q_2645 Father, why did this happen? Why did I suddenly smell such a beautiful fragrance of flowers and milk while sitting at home and reciting the scriptures?

Answer: Look, this fragrance is a heavenly fragrance. When anyone performs the Trikal Sandhya, the sacred practice of Lord Kalki, they receive the Lord's direct grace, and the Lord's presence also manifests. When the Lord comes to his devotees, he brings a beautiful scent because he is the Supreme Lord. You are very fortunate. The devotees who perform Trikal Sandhya receive its fruits. Not only that, those who perform Trikal Sandhya will also attain Vaikuntha (the celestial abode); there is proof of this. That is why I advocate for the Trikal Sandhya.

► Watch this answer · 21:16 · 05 August 2024

Q_2646 I have the Thakur ji (deity) in my house, and when I sing a bhajan, I feel as if I am picking him up and dancing, and sometimes it feels like he is dancing with me. What does this mean?

Answer: This is 'bhaav' (deep feeling) and proof of devotion. As is the devotion, so is the love, and the Lord manifests accordingly. This is a sacred element of devotion, mother. Maintain such devotion so that the Lord may appear before you in person.

► Watch this answer · 23:04 · 05 August 2024

Q_2647 Father, I need your blessings. I keep missing my Trikal Sandhya practice; I am unable to do it consistently. What should I do?

Answer: Look, mother, perform the Trikal Sandhya with effort. Ask the Lord, 'O Lord, may this Trikal Sandhya be performed correctly through me. Please grace me.' I also give you my blessings. You should also make an effort. When you don't have time, do a shortened version. For example, chant 'Durga Madhav' six times, the names of the ten avatars once, the name 'Madhav' 108 times, and the 16-name mantra of the Lord. And ask the Lord, 'O Lord, please grace me.' I bless you to maintain the Sandhya practice.

► Watch this answer · 24:51 · 05 August 2024

Q_2648 Father, in a dream, it was said that the Lord has reached the 17th mark. What does this mean?

Answer: It is written that when Lord Kalki turns 17 years old, he will be revealed. The dream you saw about the 17th mark is correct. The truth will be revealed, and the devotees will be saved.

► Watch this answer · 26:07 · 05 August 2024

Q_2649 Pandit ji, I am in a great dilemma. I am living a householder's life, and it's becoming very difficult to perform the Trikal Sandhya and transition from this life to that path. Please give me your blessings.

Answer: Look, my son, my blessings are with you. May God give you more strength. See, the family structure and worldly duties are not a hindrance. Lord Ram's guru, Vashishtha, had a family, as did Agastya and Angira. Brahma Dev and Lord Shankar also have families, and the Lord himself has a family. People can become very pure even within the family structure. So, may the Lord's grace be upon you. The Trikal Sandhya that you are unable to do, please do it. Read the Bhagwat ji. I am going to Kherpur, Kolkata, for a Bhagwat Katha. We will meet and talk there. Jai Jagannath ji, Jai Madhav.

► Watch this answer · 27:22 · 05 August 2024

Q_2650 Will those who perform Trikal Sandhya get to see the Lord?

Answer: Those who perform Trikal Sandhya, it is protected in the Bhavishya Malika. Those who chant the name of Madhav, who read the Bhagwat ji, and who are in the Sudharma Sangh will. Because the Sudharma Mahasangh will rule the entire world. No other government or king will remain in the world. Devotees will become the kings of small provinces. In America, England, Germany, France, Japan, North America, South America, Canada—in all these countries, devotees will rule under the Sudharma Mahasangh. Therefore, the people in the Sudharma Mahasangh will be close to the Lord and will work together with the Lord. They will surely have his darshan (vision).

► Watch this answer · 29:51 · 05 August 2024

Q_2651 Father, I want to know, regarding the 'Madhav' name chant you talk about, what is the correct way to do it? Please explain.

Answer: Look, for the Madhav name, you can count on your fingers like this, one by one, up to 108 times. You can chant 'Madhav', 'Madhav Madhav', 'Shri Madhav', or 'Anant Madhav'—whatever feels good to your mind. And when you are not doing any work, chant the name of Madhav internally. It is written that Lord Kalki's name is Madhav. The Panchasakha (five friends) have repeatedly clarified this. The one who chants the name of Madhav attains Vaikuntha (the celestial abode) and is freed from the cycle of birth and death. They attain the immortal realm from this mortal world. And in this era, those who chant the name of Madhav will become part of Lord Kalki's close family.

► Watch this answer · 31:01 · 05 August 2024

Q_2652 Is it okay to just keep chanting it in the mind?

Answer: Yes, that will work. Keep chanting in your mind, mother. All the problems and calamities of this worldly ocean will become very simple for you. It is written about this: 'Madhav Madhav...' Devotees all over the world will chant 'Madhav Madhav,' and it will be propagated that Madhav is Lord Kalki. However, not everyone will recognize him, and some will slander him.

► Watch this answer · 32:24 · 05 August 2024

Q_2653 I have two questions. First, when I read the Bhagwat, the cover is dry when I start, but when I finish, the picture of Laddu Gopal ji on it becomes a little wet. Please explain this. Second, you said the Lord will have a 'personal' devotee. What does that mean?

Answer: Regarding the 'personal' devotee, there is nothing 'personal'. Sages, humans, devotees, and deities have attained the Lord's grace through hard work and penance. There will be one such devotee who is close to the Lord and will propagate the Bhavishya Malika throughout the world. Achyutananda has written about this in the 64 Patal. So, it's not about being personal; devotees are given ranks according to their karma—some for propagation, some for battle, some for saving other devotees, some for chanting, and some for serving the Lord. As for the Bhagwat scripture, when you read the Bhagwat ji and the photo of Laddu Gopal gets wet, it signifies the Lord's shower of grace. It is a shower of holy nectar, like the Ganga and Jamuna, upon your devotion and your actions. This is a great joy; it is the Lord's proof. It is a very joyous thing.

► Watch this answer · 33:29 · 05 August 2024

Q_2654 Father, I am trying to go abroad, but it's not working out. Should I stay and work in India?

Answer: Look, mother, whatever is in your heart, speak to the Lord about it and work hard. Perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and your wish will be fulfilled. Whatever God's will is for you will be good, whether it's abroad or in India. Whatever happens will be for your good. There should be no conflict or doubt in your mind. Ask the Lord, 'O Lord, establish me wherever it is good for me.' The Lord will make it happen because he understands a devotee's pain, hears their voice, and also blesses them. Go with your devotion, perform your work along with Trikal Sandhya, and ask Lord Madhav for his grace.

► Watch this answer · 36:23 · 05 August 2024

Q_2655 In my dream, Narendra Modi told me, 'Be like Arjun.' I saw the Kali Yuga ending all around me, with destruction and war everywhere. What does my dream mean?

Answer: The Lord told Arjun, 'Abandon all varieties of religion and surrender unto me, and I shall deliver you from all sinful reactions.' Narendra Modi is also a devotee; it is written about him in the Bhavishya Malika. And one devotee is telling another to abandon everything and become a selfless devotee like Arjun. If you have this inclination, I want to tell all devotees: just as Arjun forgot his family and relatives and took refuge in the Lord, you too should perform your family duties but with complete surrender like Arjun. That will be auspicious for you.

► Watch this answer · 37:32 · 05 August 2024

Q_2656 The Malika says Kashi (Varanasi) is on Lord Vishwanath's trident and cannot be destroyed. But there are many sinners here. How will they be saved, especially those who are devoted to Vishwanath but don't know or mock Lord Madhav?

Answer: First, the Bhavishya Malika states that a 'mandal' (circle/group) will be formed in Kashi-Varanasi, which will save devotees through the Malika. Second, Lord Kalki is Lord Shankar himself. Lord Shankar is the agent of destruction, and Lord Kalki is currently performing both tasks: destruction and saving devotees. Lord Shankar has already left his abode. The day a fire broke out at the place of his servant in Ujjain, Lord Shankar left his trident to begin the destruction. Because he left his place, a great destructive dance (tandav) is happening in places like Uttarakhand and the Himalayas where the Lord resides, and its effect and work will spread across the world. Therefore, in the Kashi-Varanasi mandal, devotees will be saved, and sinners will definitely be destroyed. Lord Shankar, in the form of Kalki, will also bring about the great deluge, save the devotees, and destroy the sinners. Those who are not in dharma will not receive protection.

► Watch this answer · 39:15 · 05 August 2024

Q_2657 I offer a hundred lakh crore prostrations at your feet. Please give me a blessing so that I may be able to meet you.

Answer: Look, my blessings are always upon you, my son. That is why we are able to have these discussions about the welfare of human civilization and the salvation of humanity. So, my blessings are with you completely. Chant the name of Madhav, and you will receive grace, and whatever is necessary in your life, the Lord will fulfill it.

► Watch this answer · 41:31 · 05 August 2024

Q_2658 Regarding your gathering in Kolkata, I will be going. My name is Siddharth. Please, kindly talk to me a little, because I have a great desire to speak with you.

Answer: Jai Shri Madhav, Jai Jagannath. It is a great joy. We will definitely meet and talk. This will remain in my mind, don't worry.

► Watch this answer · 42:16 · 05 August 2024

Q_2659 I have listened to many Bhagwat storytellers, but since listening to you, I feel the true essence of the Bhagwat is revealed through your words, which I didn't experience with others. Why is your narration so effective?

Answer: Look, the Bhagwat that I am narrating is by the inspiration and grace of God. By His grace, the complete essence of the Bhagwat, which is very necessary for human civilization at this time, is being revealed. The Bhagwat Katha, its essence, and its complete truth are the most beneficial elements for human civilization. I have received this through the worship of God. All the elements in the Bhagwat—like devotion, gradual devotion, immediate liberation, the liberation of man, the welfare of humanity, the ideology of Lord Uddhav, the end of Kali Yuga—all these elements are very vibrant in the Bhagwat. It is a matter of sorrow that if it had been propagated correctly until today, the entire world would be filled with Sanatana Dharma. No matter. With the arrival of Lord Kalki and the establishment of Dharma, the Bhagwat will be read in every home. Everyone will read the Bhagwat. Those who read the Bhagwat will conquer death and become the happiest people in human civilization. And through the Trikal Sandhya, people will become divine beings of the Satya Yuga. I offer you praise and thanks. We respect your purity.

► Watch this answer · 43:29 · 05 August 2024

Q_2660 I need your blessings, Father. I am going to drop off my son. May I return to your service after I'm done?

Answer: May God ensure everything happens joyfully. May the Lord's grace be upon you, and may you live in joy, my son. Are you coming to the assembly of saints? First, do your duty joyfully, my son. God's grace is upon your family. After your work is done easily, then if there is any need, we can talk.

► Watch this answer · 46:57 · 05 August 2024

Q_2661 I used to chant 'Jai Shri Madhav,' but now my mind feels drawn to chanting just 'Madhav Madhav,' and sometimes 'Shri Madhav.' Please tell me, what should I chant?

Answer: Look, devotees like Mother Gopi and Uddhav used to call the Lord by his names: Govind, Damodar, Madhav, Madhusudan. It feels loving to chant God's names. Adding 'Shri' adds a level of reverence, a tradition. 'Shri' is needed during formal worship, like the Trikal Sandhya, or when one is performing penance. But out of devotional feeling, in the mood of the Gopis or as a friend, chanting just 'Madhav' makes Madhav very happy.

► Watch this answer · 47:51 · 05 August 2024

SESSION 139 · QUESTIONS 2662–2675

L153: भारत के पड़ोसी देशों के साथ आगे युद्ध की स्थिति बनेगी | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 08 August 2024 · Watch the full session ↗

Q_2662 Father, I wanted to ask you something. Given the current situation for Hindu mothers, brothers, and sisters in Bengal, will something similar happen in the rest of India in the future?

Answer: Look, what is happening to Hindus in Bengal... a major crisis will arise for Hindus all over the world. The world war that will happen, Achyutananda has written that the war will be because of religion. That is, between Hindus, Muslims, and Christians. Although all religions are essentially Sanatana, there are different faiths, but the main conflict will be due to differences between Hindus, Muslims, and Christians. And it won't just be a war; there will also be communal forces. But see, India is a somewhat safe place. There is brotherhood in India, and a democratic system. Because we have seen in history that whenever non-dharmic people are in government, such rebellions and calamities have occurred. But in our country, I don't believe such a calamity will happen. As long as the government is there, such a situation is not possible. However, minor incidents will happen. That's why we must take refuge in God.

► Watch this answer · 19:03 · 08 August 2024

Q_2663 Pandit ji, for many years I have been having a strange dream where there is a lot of violence happening at our place. Many people are entering our house to assault us, and we are running, going to the terrace, and hiding, but everyone attacks us together. I've been having this dream for many years, and when it comes, I get very scared.

Answer: Look, mother, this is a sensitive matter. I cannot speak about it on social media. As a responsible citizen, I know the constitution, and the integrity, sovereignty, and honor of the country. I know what will happen in our country, and you all know it too. I cannot discuss this in detail. But for those who take refuge in Madhav and perform the Trikal Sandhya, there will be no calamity, in my opinion.

► Watch this answer · 20:49 · 08 August 2024

Q_2664 Hearing about the violence in Bangladesh is making us so scared. We live in Bengal, and yesterday there was a big commotion here too. It is said that the coming time will be very terrible. Many people say this, but others don't believe it. When the attack comes, will there be no one to save us?

Answer: Look, I want to say one thing. On one hand, there will be the rise of Dharma, and on the other, the destruction of sinners. Both these things will happen in the future. Due to the obstructive gaze of 11 planets on Earth during the transit of Saturn in Pisces, such a situation will spread across the entire world, not just Bangladesh. And India is God's country; many devotees have been born in this land. Therefore, we will have to take refuge in Lord Kalki and also continue our work. There is no need for fear. We have to do our work. Wherever God's devotees are, God will protect them in some way. This is my belief.

► Watch this answer · 22:11 · 08 August 2024

Q_2665 Pandit ji, when the war happens in India, will Turkey also bring its 1.4 million soldiers to fight against India? And which other Islamic countries will be against India? Please tell us about them.

Answer: Look, against India, all the Muslim countries of the world will unite and wage war. Some will fight, some will provide arms and ammunition, and some will provide support. The main roles will be played by Iran and Turkey. China and Pakistan will also be in the main roles. America's full support will go to Pakistan, and to China as well. On India's side will be Russia. And after some time, Germany will come; Japan will bring Germany by requesting them. This is written. And France will also be with India. This is the situation that will arise.

► Watch this answer · 23:37 · 08 August 2024

Q_2666 My question is regarding Trikal Sandhya. The Gayatri Mantra in Trikal Sandhya cannot be chanted without initiation (diksha), as stated by Shankaracharya, who speaks in accordance with the Vedas and Shastras. Acting against the scriptures harms Dharma. So, is it appropriate to do this?

Answer: Look, you have asked a good question. The answer is that Kali Yuga is now changing and Satya Yuga has arrived, according to the scriptures. The rules of Dharma from Kali Yuga will be expanded in Satya Yuga. In Satya Yuga, everyone will become one caste, everyone will become a knower of the absolute (Brahma Gyani), and perform actions like a Brahmin. Due to this change of era, it is necessary to do as I say for humanity's protection. If anyone learns from social media or a book, that source becomes their guru. Guru is a matter of the mind. Dhruva and Prahlada attained God without a formal guru. We respect the Guru tradition, but chanting mantras and taking refuge in God is the right of every Sanatani. Whomever you listen to or whichever book you read to learn the Gayatri Mantra, consider them your guru. According to the scriptures, whoever one follows becomes their guru. Where is the violation of the Guru tradition in this?

► Watch this answer · 25:05 · 08 August 2024

Q_2667 Jai Shri Madhav, Pandit ji. I want to seek your blessings to progress further on this spiritual path. I am not having any such experiences these days, but about 25-30 years ago, I had a vision of Lord Vishnu. I want you to bless me and tell me how to move forward. I follow the practices and chant the name, so I need your blessings.

Answer: You have my blessings. Do righteous work and attain God's light. But one thing is, you must follow the Trikal Sandhya and the reading of the Bhagavata as I have instructed. The feeling of 'I, me, you, yours' sometimes arises in humans; one should renounce that. I want to tell everyone connected, if we abandon the element of 'I, me, you, yours' and perform Trikal Sandhya and read the Bhagavata, we will receive God's full grace. Look, mother, a time is coming when the gods and goddesses will speak, and humans will sit and converse with them. A very good time is coming, and the devotees will be saved. For a devotee like you, God will grant even more devotion.

► Watch this answer · 27:58 · 08 August 2024

Q_2668 Pandit ji, I wanted to ask, can we give the Bhagavata as a gift to someone?

Answer: Of course, you can. Donating the Bhagavata gives the meritorious fruit of donating a thousand cows. Mother, no one can donate a thousand cows, but one gets that merit by donating the Bhagavata. However, you should give the Bhagavata to people who are vegetarian, who will respect it, and who will read it daily. Because the Bhagavata is the living form of God, it should be worshipped and read daily. Giving it to those who can do this will bring you great merit. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:37 · 08 August 2024

Q_2669 Pandit ji, I am from Mumbai and I have two questions. First, you had said that a flood will come to Mumbai, and the current situation with continuous rain is very bad. When will the great flood you spoke of, that will submerge Mumbai, happen? I was scared it might happen now. Second, you said that PM Modi will go to Jajpur. When will he go there and realize that Madhav Mahaprabhu has arrived?

Answer: Look, as long as man relies on his own capabilities, God's work cannot be fully accomplished. It is written in the Bhavishya Malika that a person named Narendra will be praised worldwide and will greatly help in establishing Dharma. A time will come when he is not in government, and then, after bathing in the Ganga to wash away his karma, he will go to Jajpur and take refuge in the Lord. This will happen with time, by the Lord's grace. I won't give a date, but the arrival of Satya Yuga will definitely happen from 2030. Regarding Mumbai, it won't all happen in a single day. The current flooding of 5-10 feet will increase to 20, 30, even 50 feet. Tsunamis and tornadoes will also come. This is a warning for people to move to safer places. These signs of great change are appearing worldwide, urging humanity to turn to Dharma. Later, there will be no more signs, only destruction. It will happen, but we will not give a date. It is a gradual process.

► Watch this answer · 30:28 · 08 August 2024

Q_2670 I have two questions. First, we see many people on the Kanwar Yatra carrying heavy pots to display their devotion. Is this kind of showy devotion accepted by the Lord in Kali Yuga? Second, we've heard that around 2029, everything will end and a new era will begin. How will devotees be saved then, and will only 640 million people be left on Earth?

Answer: Look, people follow religion and devotion in many different ways. Not all devotees will attain Lord Vishnu, only those who perform Trikal Sandhya will. Those who want to enter Satya Yuga must perform Trikal Sandhya. To attain God, the greatest path is to do good for others and avoid sin. In the coming Satya Yuga tradition, everyone will perform 'Brahma Karma'—they will do Trikal Sandhya and also perform Yagya (fire sacrifices) in every home. We must have faith in God and abandon the notions of 'me' and 'you'. It took sages ages to attain God, but this is the era of Lord Kalki's incarnation. There is nothing greater than taking refuge in Him. Only Trikal Sandhya can protect you, and the Bhagavata can make humans divine.

► Watch this answer · 33:46 · 08 August 2024

Q_2671 Pandit ji, a month ago, I saw the sun in my dream at 10 o'clock at night. What does this mean, Guruji?

Answer: Look, son, I have said before that a time will come when three, even six suns will rise. But they are not the Sun God; they are different celestial bodies that will be close to the Earth. This will happen in the middle of the night. The time has not yet come, but it will. For devotees of God, the Lord shows them in advance that time is about to change. Following the Bhavishya Malika and taking refuge in the Lord is for your own good. Okay?

► Watch this answer · 37:04 · 08 August 2024

Q_2672 I was talking to a friend from ISKCON about Lord Kalki's incarnation, but he said that Kali Yuga has not even properly started yet. I argued with him using points from your teachings, like King Parikshit seeing Dharma's legs broken and Narada Muni calling the current era the 'terrible Kali Yuga'. He couldn't answer but stuck to his point. How should we deal with people who don't believe that Kali Yuga is ending, despite scriptural evidence?

Answer: Son, you did a very good thing. Look, those who lack knowledge of the scriptures or are stuck in a wrong tradition—meaning they haven't studied the scriptures correctly—cannot understand. God is found not on the path of knowledge, but on the path of faith. One has to believe in the Bhavishya Malika. Those who are true devotees of Lord Kalki, who have come from Goloka Vaikuntha, will surely believe. Those who don't, the Malika says they are not devotees. Kali Yuga has already ended. The signs are everywhere: flowers on neem trees, milk flowing from them, the flag disappearing from the Jagannath temple. These are proofs that no one can refute. What the Nitya Pancha Sakha (five companions of the Lord) have written cannot be denied. Those who don't believe now will see the destructive form of the Lord and then believe, but it will be too late. If they were true devotees of Krishna, they would worship the Bhavishya Malika, as it is the word of Krishna Himself. We are not here for those who won't believe; we are here to save the true devotees. The takers of this nectar have already been chosen by God.

► Watch this answer · 38:14 · 08 August 2024

Q_2673 Pandit ji, I am from Kolkata and have a great desire to attend your assembly there. However, due to some obstacles, it seems I won't be able to. Please bless me so that I can overcome all obstacles and attend.

Answer: Look, chant the name of Madhav and pray with devotion, 'Lord, please bring me to the discourse.' If you cannot come for many days, you can come for two or three. Chant the name of Madhav, and you will surely receive the Lord's grace.

► Watch this answer · 46:25 · 08 August 2024

Q_2674 I have two questions. First, I visited your ashram in Bhubaneswar and was given a glass of water that felt very different, not like normal water. What kind of water was it? Second, when I do my morning Trikal Sandhya, my mind rushes me to finish it quickly, to speed through the mantras. Why does this happen?

Answer: For your first question: The Vaikunthadham Ashram on Khandagiri is located at the confluence of the sacred Saraswati and Ganduki rivers. The water there is from this holy confluence, which is why it felt different to you. It is the most sacred water for the salvation of devotees. For your second question: The urge to do the Trikal Sandhya quickly is a slight effect of the Kali Yuga, an external influence that distracts the mind. But don't worry, this will not happen in the future; your mind will become steady. In fact, doing it quickly is a good sign. It means your mantra is becoming 'siddha' (perfected and powerful). It is due to the mantra's power that it happens quickly, so it is a very good thing. Continue doing it.

► Watch this answer · 47:27 · 08 August 2024

Q_2675 My question is about the current pathetic situation of Hindus in Bangladesh. An image is going viral of a temple being set on fire and idols of Lord Jagannath on the ground. How will the Hindus living there, or in other places facing such atrocities, be saved and protected? Many people, including our devotees in Bangladesh, are asking this.

Answer: Look, for the Hindus, or people of any religion, to be saved from the current problem, they should chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant Madhav's name continuously. It is my firm belief that if they do this, they will have no problems. The crisis that has been created today will also end. God will take revenge in some way; He can do anything. The Lord Himself can manifest and protect them. They have no other substitute or source of help. Therefore, they must take refuge in God. God will save those who take refuge in Kalki Madhav. Those who follow this path will surely be saved. In my opinion, there will be no problem for them.

► Watch this answer · 54:44 · 08 August 2024

SESSION 140 · QUESTIONS 2676–2689

L154: विश्व में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ेगा | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 11 August 2024 · Watch the full session ↗

Q_2676 I wish for everyone's welfare and want to preach about the Lord, telling everyone to abandon everything and focus on meditation and devotion. But I drive a vehicle for a living and find it difficult to do this, though I still try. What should I do?

Answer: Look, you have been blessed with a human life. How can we make this human life meaningful? Human beings were created from dharma. A soul that performs the best deeds gets a human birth. A human who performs the worst deeds suffers in hell. Those who commit lesser sins are born as animals and insects. So, we have received this human life through dharma. You should dedicate some time to preaching about dharma. If you serve humanity, God will also bless you. There isn't much time left for the world to change. The people of India also need to follow the traditions of Sanatana Dharma, the principles of the Vedas, and refrain from killing living beings. Because a great, destructive dance (tandav) will also occur in India if people do not stay away from killing animals. My words are a warning for the entire universe. My words are for the transformation of the entire universe because God created the universe from Sanatana, and it is destined to become Sanatana again. The protection of devotees worldwide is the biggest issue. God has incarnated in India, and He will surely protect India. But those who walk the path of adharma (unrighteousness) will not be protected. Therefore, preach about dharma whenever you get time. It will bring welfare to human civilization.

► Watch this answer · 14:33 · 11 August 2024

Q_2677 As we see what is happening in Bangladesh, will it also happen in India? For the protection of our country's mothers, sisters, temples, and gurus, is it righteous (dharma) or unrighteous (adharma) to take up arms? And my second question is, will we get to see the four-armed form (Chaturbhuj roop) of our beloved Madhav ji?

Answer: Regarding seeing the Lord's form, I have said before that this is a matter of devotion. For those who regularly attend the online satsang, we will contemplate this in their thoughts and minds. But the main point is that this is a time of salvation for everyone in India and the world. At this time, it is necessary for everyone to perform Trikal Sandhya. It is necessary for everyone to hold on to dharma. Only those who hold on to dharma will remain; for those who do not, a time of great peril is coming. The change we are seeing in Bangladesh, we also saw in Pakistan, and we saw that change in Afghanistan as well. This is a time of great transformation. The more the power of dharma increases, the more this will happen. And just as Pakistan is in a miserable state, Bangladesh will face an even greater misery.

► Watch this answer · 16:53 · 11 August 2024

Q_2678 I am a student from West Bengal. I prepared for the NEET medical exam, but the question paper was leaked, and despite my hard work, I couldn't get a seat. Recently, a horrific incident happened where a female doctor on night duty in Kolkata was raped and

murdered. Could you please guide me on why these rape cases happen repeatedly with women? Will God not deliver justice for this? Why does this happen? Is there no safety for us? What should we do? We feel scared. How can we build our careers?

Answer: You have raised a very good point. Look, in Kali Yuga, the number of demons (asuras) has increased. It is written in the Bhavishya Malika that by consuming meat and killing animals, humans will become like animals. By eating animal flesh, animalistic behavior will arise in humans. And those who are animals, not humans, are the ones who commit such heinous, sinful acts that are beyond condemnation. The government should bring amendments, and they have brought major ones, but it still happens because people have become demonic due to their food, lifestyle, the environment, and the influence of the demons of Kali Yuga. In these times, only dharma can protect you, my dear. If any woman performs Trikal Sandhya and chants the name of Madhav, she will not face such a fate. The Lord will protect her in some way. God will protect her because Trikal Sandhya is such a principle. A daughter from Mumbai spoke to me this morning; her husband was saved from a major accident. She said it felt like he got a new life. But not everyone performs Trikal Sandhya. See, both dharma (righteousness) and karma (action) are necessary. In this empire of the demons of Kali, only dharma can protect us. Secondly, the malpractice in the medical examination, the NEET question paper issue, is happening because of Kali Yuga. This will continue to increase. People will not know what is happening. Not everyone will get results according to their merit because Kali Yuga has taken hold and wants to exert its influence over all hard work. This is the nature of the times. Therefore, every mother and sister should chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya; they will surely receive God's protection. No one will be able to harm them. As far as I know, a daughter who is connected with us called me. She lives in Jammu, Kashmir. She said she had to go home at 11 PM. The auto-rickshaw she took had a young daughter of her own age in it. The driver called someone and said, 'I am on my way, you wait.' His attitude seemed different. Scared, she performed Trikal Sandhya and asked him to drop her off, but he didn't. Then, by praying to the Lord, he dropped her on the road where there was no one. Then another auto came on its own, picked her up, and took her to safety. Dharma brings salvation, and sin brings destruction. People need to become righteous and take refuge in Madhav. If women do not follow dharma, how much can they fight against the power of demons?

► Watch this answer · 18:29 · 11 August 2024

Q_2679 (This is a testimony) I am Ishan from Mathura Vrindavan. Yesterday, I was in a car going to a debate competition. The driver was speeding. My chanting of 'Madhav Madhav' stopped for some reason. Suddenly, a motorcycle swerved in front of us on the highway. Our driver swerved violently to avoid them. It was a very close call; if it were a few inches off, no one could have saved us. Everyone else was shaken, but I didn't even move from my seat. Then, the name 'Madhav Madhav' started coming from within me. I realized later that Lord Madhav saved me. Neither my family, my education, nor my future money could have saved me at that moment. I have been doing Trikal Sandhya for a long time by His grace, and He saved me. If Lord Madhav is listening, thank you.

Answer: Through Trikal Sandhya, a person will not suffer an untimely death or die from illness. They will be saved. No enemy, no matter how powerful in the universe, can harm them. Because this is a divine principle, a divine act, which I am distributing to human civilization by God's grace. There is no greater principle, tradition, or guru than this. A time will come when people will want to do Trikal Sandhya, but by then, the times will have worsened, and it will be of no use. Now is the time to adopt it so that your welfare may be secured.

► Watch this answer · 26:12 · 11 August 2024

Q_2680 Due to the sins and great sins committed in my past life or even in this life, I feel a lot of regret. Sometimes, life doesn't feel meaningful. I feel I've made mistakes, and sometimes, I even have suicidal thoughts. Will God forgive my sins, or will I have to suffer for them?

Answer: You have God's grace, and God Himself wants to save you, which is why you are connected with us. Secondly, we have received a human birth, and in this human life, we still have time. In one year, one can attain Vaikuntha (heaven). The karma of many lifetimes can be cleansed in a single day of righteous living. See, the suicides that happen in society these days are due to the influence of Kali Yuga. Those who commit suicide never get a human birth again. The soul gains no benefit from it. Suicide is influenced by Kali, ghosts, and spirits, or it is done in a fit of anger. But any soul that commits suicide never gets a human birth again, and they get nothing but hell, where they keep drowning. So, remove this thought from your mind. Perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav. If you have problems with your job or anything else, think about how you can move forward. Committing suicide is the act of a coward, and it brings no benefit to the person, only sorrow. Even ghosts and spirits do not give them a place, saying, 'You came by suicide, go sit somewhere else, you can't sit with us.' There is nothing but the torture of hell. And suicide is such an act that one will not get a human birth for crores of years, even infinite years. Therefore, wise people never commit suicide.

► Watch this answer · 29:11 · 11 August 2024

Q_2681 Will my sins be atoned for by chanting God's name?

Answer: Perform Trikal Sandhya. Perform Trikal Sandhya and chant the name of Madhav. Read the Bhagavat Gita.

► Watch this answer · 31:47 · 11 August 2024

Q_2682 My grandmother passed away. She had Tulsi and Rudraksha beads around her neck. Will she get a place in Vaikuntha (heaven)?

Answer: No, she did not attain liberation. Perform her Shraddha (last rites) rituals properly. See, suicide happens in homes where there is an influence of ghosts and spirits, or where there is a 'Pitri Dosh' (ancestral affliction). So, perform her last rites properly. Just having a Tulsi mala around the neck does not guarantee liberation.

► Watch this answer · 32:03 · 11 August 2024

Q_2683 I want to know about Lord Bholenath (Shiva). What is his role in the upcoming calamities? I keep seeing him repeatedly. I am a devotee of Madhav, but today a pandit asked me, 'Why did you stop worshiping Mahadev?' I have never really worshiped him. He said, 'If not in this life, then in a past one.' I see Lord Shiva standing with his trident, asking why I left his devotion. I have become a little disturbed. Please guide me.

Answer: Lord Shankar is an avatar of God, an 'ansha avatar' (partial incarnation). Both Brahma Dev and Shankar Bhagwan were created from a part of God. They are all one, not different. See, if your mind tells you to, then chant Lord Shankar's name as well, worship him too. But perform Trikal Sandhya to go to Satya Yuga. There is no problem with that.

► Watch this answer · 32:49 · 11 August 2024

Q_2684 My mother was asking if, as a woman, she can perform 'jalabhishek' (ritual bathing) on the Narayan Shila (Shaligram) and touch it, or not?

Answer: Any woman can worship God with devotion and purity. Regarding the Narayan Shila, which is called Shaligram, I have seen in some places that women are forbidden from worshiping it; it's not the tradition in their homes. But my principle is this: when Narayan was born as Lord Krishna, all the Gopi mothers were worshiping him. They were even performing the divine Raas dance with him and worshiping him. Meera Bai worshiped Lord Krishna and attained him in her physical body. Therefore, every human, every woman, has the right to worship Lord Vishnu, Narayan. The Bhavishya Malika says that because Lord Vishnu was not worshiped, 17,000 years were cut from the age of Kali Yuga. Therefore, according to my principles and the principles of Bhavishya Malika, everyone has the right to worship Lord Vishnu. There is no problem with it. You can do it with joy. Stay in dharma, do righteous deeds, perform Trikal Sandhya. My blessings and the Lord's blessings are with you.

► Watch this answer · 34:44 · 11 August 2024

Q_2685 (This is a testimony) The day before yesterday, I went for the Govardhan parikrama (circumambulation). I was awake all night. In the morning, after doing Trikal Sandhya, I prayed to Madhav ji to get me home to Delhi safely. I was tired and fell asleep on my bike while riding. Around 7 AM, there was a large truck in front of me. I didn't realize when I fell asleep. A car horn from behind woke me up. I was just one foot away from the truck. Lord Madhav protected me so much. I immediately thanked him, saying, 'Lord, I asked you, and you saved my life through someone else.'

Answer: People who chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya will never have an untimely death. There is no question of untimely death because God walks with his devotees. The name of Madhav can save a person from the greatest calamities of the universe. So, chant the name of Madhav and be devoted. May the Lord's grace be upon you. In the future, if you feel sleepy or have any problem, please stop, my son. God saved you once. So, we should not do this again. We will remain in devotion to the Lord and not make mistakes that are difficult to correct. Yes, the Lord is there, we do Trikal Sandhya, we chant Madhav's name, and the Lord will surely protect us. But the Lord has given you a warning once, so don't do it again. Act with understanding.

► Watch this answer · 36:45 · 11 August 2024

Q_2686 I saw a video on your channel which said that in the coming Satya Yuga, everyone will get a new 16-year-old body. Will all of this really happen? Is what is written in the scriptures false?

Answer: Whatever is written in the scriptures about God's incarnations has happened in every age. Whatever God has promised in the scriptures has been proven true in every era since the beginning. In the coming times, those who remain in the refuge of Madhav, perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat Gita, become vegetarian, and become members of the Sudharma Mahasangha, only they will attain youthfulness. I have said this before, and I am saying it again. There will be no change in this. It will definitely happen, but one must be a devotee.

► Watch this answer · 39:31 · 11 August 2024

Q_2687 We are very worried. We have set up this pomegranate farm by taking loans. People are using drones to keep an eye on it to steal the produce. What is the solution for this? We are very tense.

Answer: Look, in the end of Kali Yuga—or rather, Kali has already gone—the number of thieves will increase greatly. This is written in the Bhavishya Malika. So, do one thing: chant the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, and do it while sitting in your fields. You will receive God's protection. It can happen.

► Watch this answer · 44:31 · 11 August 2024

Q_2688 When will I experience God? I want to feel that He is with me. I listen to everyone's experiences, but I want my own.

Answer: All these principles—Trikal Sandhya, reading the Bhagavat Gita, and chanting the name of Madhav—are one divine principle. Fulfill all of them. You will receive God's complete grace, your life will be meaningful, and your human life will become divine. There is no other way besides Trikal Sandhya. You have to read the Bhagavat Gita; it must be read in every home. So, read the Bhagavat, perform Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav. Daughter, you will receive God's full grace. Do it with devotion and stay away from bad people.

► Watch this answer · 45:34 · 11 August 2024

Q_2689 Could you tell us something about Khandwa district in Madhya Pradesh?

Answer: It is not written about specifically, but it is written about Madhya Pradesh. In every district of Madhya Pradesh, calamities, disasters, diseases, illnesses, earthquakes, floods, fires, and epidemics will increase. The protection for people is Trikal Sandhya. Only those who perform Trikal Sandhya will survive. In a village, only two, four, or five people will be saved; everyone else will go their own way according to their karma. A time of great change is coming. We are seeing tremors on the earth daily. This change will turn cyclonic and accelerate. Humanity must turn towards dharma. Trikal Sandhya and reading the Bhagavat Gita can protect humanity. A time of great calamity is looming over the entire world. At this time, there is no other way but dharma, no protection for humanity except taking refuge in Madhav.

► Watch this answer · 47:35 · 11 August 2024

SESSION 141 · QUESTIONS 2690–2702

L155: माता और कन्याओं के ऊपर अत्याचार क्यों हो रहा है ? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 18 August 2024 · Watch the full session ↗

Q_2690 I wanted to ask, for people who are religious but still disrespect women and do bad deeds, what fate will they attain? Because as you say, just taking the Lord's name once can wash away all sins. So, for such people who do wrong against women, how will the Lord deliver justice?

Answer: Look, the Bhavishya Malika has a composition about this. Those who commit lustful and sinful acts against mothers and daughters will face destruction through disease and epidemics by the Yogini Mata, and afterwards, they will attain a hellish state. You see, there is no forgiveness for this sin. It is the nature of sin that those who mistreat mothers and daughters will go to hell. It is written in the Yama Purana and the Garuda Purana that such people will have to suffer for their sins in hell for an entire kalpa (eon). And in Kaliyug, they will have an unnatural death. Therefore, by doing such acts, a person works towards their own death and invites their own destruction. Because if the body is gone, what else is there in the world? That's why those who commit such sins will not be forgiven. It is written in the Bhavishya Malika.

► Watch this answer · 15:11 · 18 August 2024

Q_2691 Jai Shri Madhav, Pandit Ji. In an interview on a news channel, you once said that you have met Lord Parshuram. We don't want to know the details, but our only question is, can you tell us what color clothes he wears? How does he look? Can you tell us that, Pandit Ji?

Answer: Look, Lord Parshuram wears saffron-colored clothes and has matted hair (jata). The humans of Kaliyug would not be able to handle his sight because he has a divine form. Lord Parshuram has been in penance through the Treta, Dvapara, and Kali yugas, and he has so much power and influence that it's difficult to face him. If someone comes before him due to their own power of penance, they will be burned to ashes. Only Lord Kalki can face him. A meeting has occurred between Lord Kalki and him, and the leela (divine play) of Kalki is currently underway.

► Watch this answer · 16:59 · 18 August 2024

Q_2692 Pandit Ji, I wanted to ask, it has been seven years since my marriage and we have no children. I am currently on medication. Also, in our house in the village, my mother sees a black shadow and hears the sound of footsteps at night, and she is unable to sleep properly. What is this dilemma?

Answer: Look, you have a 'Pitru Dosh' (ancestral affliction) in your house, which is why the ancestors are also coming and going. Do one thing in the house: tell your mother to recite the Bhagavat Ji. After reciting the Bhagavat Ji, perform the Trikal Sandhya in the name of Lord Madhav every day. If you don't see any benefit from this, then let me know. You will surely benefit from this. Secondly, you don't have children. What is your age? ... Listen, do one thing. From tomorrow, start reading the 'Gopi Leela' from the Srimad Bhagavata Mahapurana, both husband and wife, in the morning and before sleeping at night. And perform the Trikal Sandhya. Tell me what happens next. If you stay on this path, you will surely receive the Lord's grace. It will be alright.

► Watch this answer · 18:45 · 18 August 2024

Q_2693 Pandit Ji, I wanted to ask, the ISKCON people are saying that there is still a lot of time left for Kaliyug to end.

Answer: Look, son, ISKCON is a very sacred element of the Lord Krishna tradition. They have propagated Krishna Dharma throughout the world. Prabhupada Ji did very good work, and I have no comment on that. But I want to tell you one thing: I am a Pandit, a Brahmin, and I have studied the scriptures. According to the scriptures, it was written that Kaliyug would end after 5000 years. It has now been 5130 years. I have read all the scriptures like Manusmriti, Garga Samhita, Surya Siddhanta, Nirnaya Sindhu, Bhavishya Malika of the eternal Panchasakha, and Garga Samhita. Along with the scriptures, we have the Bhavishya Purana, which is the Bhavishya Malika, which I have translated into Hindi and English from its original Odia language, understanding its meaning well. Most people in India are not aware of the time of the yuga change. But in truth, Kaliyug has already ended. Its proof is becoming evident and will continue to do so. For this, we have arranged a conference with all the sadhus and saints of India. There is a meeting with all the saints in Jagannath where this will be discussed. After the saints deliberate on it, they will give a sign and also present proof of the yuga change for the Hindus of India and for all of human civilization. Therefore, the yuga change has already happened. With 4400 years and a yuga sandhya of 400 years, Kaliyug will end and Satyug will arrive. This is written in the scriptures. So, Kaliyug has ended. At most, Kaliyug will last until 2032, and the arrival of Satyug is going to happen in 2032-33. Therefore, following what is written in the scriptures will be good for humanity.

► Watch this answer · 21:24 · 18 August 2024

Q_2694 Pandit Ji, I want to ask, I have been searching for a good guru for a long time. Having studied the Mahabharata, I haven't found a better guru than Lord Parshuram. So I want to ask you, since Kaliyug has ended and we are in the period after the twilight phase (sandhyakal), how can we receive education from Lord Parshuram in this era? I also want to tell you that Lord Kalki, as Lord Vishnu, came in my dream and gave me a sign that I will fight on his side. Since that sign, my heart is filled with excitement. So I want to ask, how can I receive education from him, as you also know he is the greatest guru?

Answer: Look, Lord Parshuram came in the Treta and Dvapara yugas. In the Dvapara yuga, he gave education to Karna and many other disciples. But in Kaliyug, he will not teach anyone; he will only become the guru of Lord Kalki. This is written in the scriptures. Secondly, those who fought in the Mahabharata war, the Saptarathis, the Pandavas, the five young warriors, they will receive their skills from Lord Kalki. This is written in the Bhavishya Malika. That too will happen when the Sudharma Sabha convenes, not now. After receiving the skills from the Lord, their power will come. Therefore, if you want to make Parshuram Ji your guru, then from the Dashavatara shloka, chant the mantra 'kshatriya-rudhira-maye jagad-apagata-pāpam...' 11 times during each of the three sandhyas. And accept Lord Parshuram as your guru in your mind and proceed with your work. If your devotion is true, you will get his darshan (vision), and you can consider that he has accepted you. Okay.

► Watch this answer · 24:36 · 18 August 2024

Q_2695 I live alone, so what should I do? The time for the divine vision (darshan) has also arrived.

Answer: Look, mother, listen. Talk to Mohan about this. Talking to me won't be of any use because by talking to Mohan, something can be done about it. Yes, one thing is that the Lord's darshan is attained through devotion, through karma (actions), and through one's own firm faith. With such devotion, faith, and firmness, you might get the Lord's darshan someday. Okay.

► Watch this answer · 27:32 · 18 August 2024

Q_2696 Father, my question is on behalf of a friend. I have two questions for you. The first is that a lot of tantra-mantra (black magic) happens in her house, which her sister-in-law does, due to which her brother is completely under her control. So what should she do about that? And the second question is that she is forced to cook non-vegetarian food in her house. She performs Trikal Sandhya and everything else. So what should she do about this? Will she incur sin for this?

Answer: Look, mother, sin is sin. Following dharma is very difficult. Those who live in a joint family face a lot of trouble. Therefore, tell the person who is doing this to perform Trikal Sandhya and pray that God gives them good sense so they don't put pressure on her. Pray to God with devotion. If her devotion becomes strong, she will surely receive God's grace. And for 'pret dosh' (spirit affliction) and 'bhoot dosh' (ghost affliction), we cannot do anything until we become vegetarian. We can't do anything until then. Once one becomes vegetarian, then we can prescribe a solution, because our path is based on dharma. Its foundation is on dharma. For a person walking on the path of dharma, whatever we suggest and they do, they will surely get the result, because our sacred principles are based on that.

► Watch this answer · 28:17 · 18 August 2024

Q_2697 My question was that I previously had desires and lust in my mind, about which I had asked you once. You advised me to read and contemplate the leelas (divine plays) of Lord Radha Madhav. By God's grace, there has been some improvement. But sometimes, my mind becomes restless and troubled. What should I do for that?

Answer: Look, the mind is fickle, like a river. It flows, right? Just like a river is full of water, the mind is an element full of thoughts, and it wanders here and there. For those who have accepted God as their own and have completely surrendered to God, such effects do not occur. Therefore, continue your devotion for a few more days. Do as I told you, and more change will come.

► Watch this answer · 30:06 · 18 August 2024

Q_2698 We want to do bhakti (devotion), Father, but we are not allowed to. Every other day, so many obstacles are created that we are pushed away from the Lord's devotion. Father, this is our prayer at your feet, that we may be blessed with the grace of the Lord's devotion. And Father, we also want to have your darshan, but we are not being allowed to leave the house.

Answer: Look, I'll tell you one thing. When the effect of tantra-mantra is present, you should intensify the mantra I told you and chant it even more. That's the first thing. Second, when we go to a Bhagavat Katha, the flower garland that is offered to the Lord there, keeping that garland in the house prevents obstacles from tantra-mantra. So what can I do? Look, mother, for this problem, we have devotion and faith in God. The more you do, the better. If you face problems, sit with the Bhagavat Ji and read it, and chant the name of Madhav. The practitioners of tantra use it 24 hours a day. They use mantras 24 hours a day. So, for a few days, there will be a 24-hour battle. After the fight, they will retreat. They won't retreat so quickly. And our dharma, the amount of dharma one has, it doesn't allow these things to enter the body. But due to the karma of a past life and this life, a person suffers. So, read the mantra I told you and chant the name of Madhav. And secondly, during the katha, the flower garland offered to the Lord, if that is kept in the house, no calamity will befall that

house. Sometimes it gets desecrated, that's a different matter. So, mother, look, on one side, there is a fight between dharma and the asuras. The more our spiritual strength increases, the more they will be defeated in the fight. So it will take time, it won't happen so quickly. Continue your devotion.

► Watch this answer · 32:21 · 18 August 2024

Q 2699 I planted a Tulsi plant four times, and all four times it died. Some creature comes at night and eats it. Also, a rat roams in my house. Ever since I took initiation and entered this path, it bites my finger and even my thumb while I'm sleeping. It bleeds a lot. So what is the remedy for this? And I am getting sicker day by day, becoming weaker and my weight is decreasing. So what should I do?

Answer: Who bites the finger? The rat? If there are many rats, then call the rescue team, the government's animal helpline, and have them removed from the house. It happens because there are too many of them and they don't get food. The number of rats has increased a lot in the house. If it has increased, they should be taken and left somewhere outside. If there are too many, they will start affecting humans. Look, due to planetary afflictions (graha dosh) in your house, the rats have increased. The influence of Rahu and Ketu comes when the number of such wild creatures increases in the house. Therefore, recite the Bhagavat in your house, perform Trikal Sandhya, and as for these rats, call the helpline and have them removed. Or, take measures to make them leave the house without killing them. Then it will be alright.

► Watch this answer · 34:49 · 18 August 2024

Q 2700 My mind is not interested in anything else besides your sermons. Why is this happening?

Answer: It's alright, it is God's blessing that your mind and feelings are drawn to this. This is God's grace. Your past life's sanskars (impressions) are good. Continue doing this, but also do the necessary social duties. Very good.

► Watch this answer · 37:38 · 18 August 2024

Q 2701 Father, I have a question. Some medicines are non-vegetarian, which we don't know about. I have heard that capsule medicines are non-vegetarian. I had a fever, so my mother gave it to me and I took it. I wanted to ask, is the Lord angry with me for this?

Answer: No, look, God does not get angry over medicine. Because this is Kaliyug, one has to take medicine. I have not forbidden anyone from taking medicine. So, there is no effect from God on you for this, no negative effect. Pray to God to keep your body healthy so that you don't have to take medicine.

► Watch this answer · 39:11 · 18 August 2024

Q_2702 Gurudev, I have a question. The Bhavishya Malika mentions every state of India, but what about some of the North-Eastern states? For example, I am from Tripura. Is anything written about Tripura? Because very few people know about Tripura. I am asking what will happen to the devotees there.

Answer: It is written about the northern region (Uttaranchal). Manipur, Nagaland, Tripura - all these states are in the northern region. It is written what will happen in the northern direction for all these states. Look, in the Bhavishya Malika, it is written about the whole world: the 'Pancha Pralaya' (five types of dissolution), floods, fire, epidemics, world war, a great war from China's side, a war from the north, from the Uttaranchal side - everything is written. The protection from this is Trikal Sandhya. The devotees who want to be saved should perform Trikal Sandhya, they should recite the Bhagavat Ji, and they should remain in the shelter of the Mother.

► Watch this answer · 40:43 · 18 August 2024

SESSION 142 · QUESTIONS 2703–2708

L156: भगवान कल्कि करेंगे परमाणु से सुरक्षा | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 23 August 2024 · Watch the full session ↗

Q_2703 Hello ji, my question was regarding Lord Kalki and Lord Parashuram...

Answer: This is already a secret element written in the scriptures. Lord Kalki will make Lord Parashuram his guru. He will receive various divine weapons like the Agneyastra, Varunastra, Pashupatastra, and the Lakshmipati bow from him. However, this divine play (leela) will happen in secret, and no one will know about it. The scriptures say that Lord Kalki will receive knowledge and arts from Lord Parashuram in a subtle form that no one will see. This is a secret element, so it's not necessary to think too much about it. But believe that whether the secret meeting between Lord Parashuram and Kalki has happened or not, Kalki's divine play is ongoing. You can contemplate and think about what has happened and what is about to happen.

► Watch this answer · 14:07 · 23 August 2024

Q_2704 Hello ji, I wanted to ask, what changes happen in life from serving cows (Gau Seva)?

Answer: Look, cow service (Go Seva) is the greatest service for all humans. Since we cannot directly serve the gods and deities, in our ancient Sanatana Dharma tradition, Go Seva is recognized as the highest form of action. A person who serves Mother Cow selflessly, without any selfish motive, receives God's grace and attains Vaikuntha (the celestial abode). However, there is no rule to sell the milk given by Mother Cow. The great saint Achyutananda and the Panchasakha (five friends) have written about Mother Cow that those who build cowsheds and serve her may do so, but there is no provision to sell her milk for business. The calf should be allowed to drink its fill first. Whatever milk is left after the calf has drunk should be given to a deity or to the poor, sad, sick, or diseased without taking any money. That is where the dharma lies, and that is what is called true service to Mother Cow. There is no selfishness in it. Whoever serves Mother Cow will receive the grace of all 33 crore gods and goddesses, and that person will easily become a virtuous human and can attain Vaikuntha.

► Watch this answer · 16:30 · 23 August 2024

Q_2705 Ji, my question is, we want to have a darshan (sighting) of Lord Madhav. We request you, Prabhu ji...

Answer: Look, look, look. I have told you all before. Those of you who join the satsang (spiritual discourse), such discussions do not happen in an online meeting. Therefore, you should keep such thoughts for the in-person satsang. Those of you who live in the Braj Mandal, and as devotee groups (mandals) are formed, you should discuss it within those groups. I do not keep such discussions in the online satsang.

► Watch this answer · 19:14 · 23 August 2024

Q_2706 In the house where we live, nothing good happens. Is there something evil in our house?

Answer: Look, it's not necessary to say. Do you read the Bhagavata Mahapurana in that house? When you read the Bhagavata Mahapurana, start reading it again. And do one more thing: all of you should perform the Trikal Sandhya (prayers at the three junctures of the day) together. No problem or fault will remain. If you do it with devotion, all your problems will be resolved. It has happened for many thousands and lakhs of people and has been very fruitful. It will be for you too.

► Watch this answer · 22:12 · 23 August 2024

Q_2707 I had lit a 'jyot' (divine flame/lamp), and one flame turned into two. What does this mean, Pandit ji?

Answer: Look, Maa, as is the devotion, so is the manifestation of God's light. A devotee has a vision of God through their feelings of devotion. It is your feeling (bhav) through which you saw this change. And this is good, because if a devotee doesn't get feelings and experiences along with their devotion, how will their faith become strong? So, this is a good experience. Just maintain your devotion, and you will also get direct experiences through your devotion in the future.

► Watch this answer · 23:29 · 23 August 2024

Q_2708 My question was, when will all the devotees of the 16 mandals (groups) gather?

Answer: Look, the gathering of the devotees of the 16 mandals will happen only after the salvation of all the devotees within those mandals is complete. In each mandal, some have 10 lakh, some 12 lakh, some 5 lakh, some 6 lakh devotees, as written in the scriptures. When their numbers are complete, the gathering will happen after that. It will take time because, due to the influence of Kali Yuga, gathering the devotees is a big problem.

► Watch this answer · 24:29 · 23 August 2024

SESSION 143 · QUESTIONS 2709–2715

L158: विश्व साधु संत महा महासभा - श्री जगन्नाथ पुरी | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 19 September 2024 · Watch the full session ↗

Q_2709 When we read the Shrimad Bhagwat Mahapuran and finish it, can we read it again? And you said there will be a test by the Lord, what kind of test will it be? Please tell me, what will happen to those who cannot pass it?

Answer: Look, the concept of not being able to pass is not in Sanatana ideology. And God never establishes a religion in a way that troublemaking demons do. God first gives a warning and preaches Dharma. Now, on the 3rd of next month, the Vishwa Sanatan Dharma will hold a Bhagwat Katha and discuss the ideology of the Bhavishya Purana in Delhi. Along with many saints, the workers of Vishwa Sanatan Dharma will first go to every house in Delhi to promote the reading of the Bhagwat, protection of the Vedas, and the Trikal Sandhya. The time is coming when our workers and saints will visit every home in India to show people the way. We have about three to four years, and within that time, everyone will adopt these rules. And when the Divine Mother (Devi Mata) conducts the test, all the devotees who are truly Sanatani will be able to answer about the Bhagwat and Trikal Sandhya. The campaign for this has already started, and work will also begin in Delhi from the 2nd of next month. Groups of about 50 saints will go to every street and colony in Delhi to preach the Bhagwat because the time of epoch change and calamity is approaching. They will preach to read the Bhagwat, protect the Vedas, protect and serve Mother Cow (Gau Mata), respect Sanatani saints, and unite all sects. Through this preaching, devotees will be saved. When the test happens, the devotees will answer according to this stream of knowledge. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:57 · 19 September 2024

Q_2710 Pandit ji, I wanted to ask, in my village, I keep telling the elders and some knowledgeable people, but they don't believe that the epoch is ending. They say Kali Yuga is for 432,000 years, so nothing like this is going to happen now; this is just how the world goes on. I tell them that this is the absolute truth, whether you believe it or not, but they don't accept it. What should I do?

Answer: Look, in the conference of saints that was held in Jagannath Dham, it was decided that the epoch has already ended. According to the ideology of Jagannath culture and the Bhavishya Malika, the saints have agreed upon this. If you want, show them the broadcast from the 15th, 16th, and 17th on the 'Kalki Avatar' channel about the conference held in Jagannath Dham for the renaissance of Vishwa Sanatan Dharma. Show them that the saints are accepting the Bhavishya Malika and the change of the epoch. Ordinary people don't believe it due to ignorance. The saints will go door-to-door and explain, and then they will believe. It's okay. If they don't believe today, they will believe tomorrow. Whoever is destined to believe, will. But the saints have already deliberated on this. That's why we held a conference with saints from all over the world in Jagannath Dham, where the unification of Sanatana Dharma and the future were discussed, and proof was found. Watch that video and show it to them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:05 · 19 September 2024

Q_2711 In our village, there is a Peepal tree. Bats never used to sit on it before, but for the last five, six, or eight days, they have been coming and sitting there daily. What is the reason for this, father?

Answer: Look, daughter, the times are not good. This is proof of that, and calamity will come in the future. God is giving a sign. The devotees already know this, but for those who don't, it is a sign. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:27 · 19 September 2024

Q_2712 I wanted to ask, how can one attain God-realization? What needs to be done to achieve it?

Answer: According to our tradition's rules for God-realization, a person must read the Bhagwat. One chapter of the Bhagwat must be read every day. One must observe the Trikal Sandhya (three daily prayers). The three Sandhyas are: Brahma Muhurta Sandhya from 3:45 AM to 6:30 AM, Madhyan Sandhya (midday prayer) from 11:30 AM to 12:30 PM, and Sayam Sandhya (evening prayer) from 6:30 PM to 7:30 PM. The Tri-Sandhya must be performed within these times. The mantras for Tri-Sandhya are specific; one should chant the mantras that are distributed. Through this, one attains God-realization. Also, chanting the name 'Madhav' 108 times. It is written in Jagannath's teachings that those who chant the name of Madhav will be liberated from the cycle of birth and death. Therefore, by doing this, one will attain God-realization and liberation (Nirvana). One will also be saved from the cycle of life. Now is the time of epoch change, and Lord Kalki's work of establishing Dharma is underway. The Lord has already incarnated on Earth. Therefore, for the salvation of humanity, Trikal Sandhya, reading the Bhagwat, and chanting the name of Madhav are essential. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:06 · 19 September 2024

Q_2713 I had a request. There are many illnesses in my house. I am chanting the name of Madhav and doing everything, but I can't understand the reason. Can you suggest a remedy? My elderly mother fell, I am sick, my wife is sick, we are facing a lot of trouble.

Answer: Look, what is actually happening is that some tantra-mantra (black magic) has been sent to cause trouble, which is why this has occurred. Secondly, your ancestors are also not at peace. You must read one chapter of the Bhagwat for 10 minutes before sleeping at night. You have to do it. Chant the name of Madhav. If you still don't find peace, when the Katha (discourse) happens in Vadodara, I will give you flowers and Tulsi from the Vyasa peeth (speaker's seat). Take them and keep them in your house, and no tantra will work, and there will be no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:38 · 19 September 2024

Q_2714 A few days ago, the Mother Goddess came in my dream and wanted to test me. She said, 'Recite the Trikal Sandhya.' As soon as I started with 'Om,' I woke up. Then I had another dream. What does all this mean? I am not able to understand.

Answer: Look, son, the Divine Mother asked you about the Trikal Sandhya, and you couldn't answer. The reason is that this Trikal Sandhya is what will protect humans from the coming calamities, the tradition of which we are preaching. Its proof is in the Rigveda. The Trikal Sandhya consists of the 16 names, the 10 avatars, Durga Madhav Stuti, chanting 'Madhav' 108 times, and reading one chapter of the Bhagwat. Those who do this will be saved. For those who don't, it will be very difficult to live on this Earth because the epoch is changing. Satya Yuga is coming. So, perform the Trikal Sandhya. The Divine Mother is testing you. In the future, your life could be lost to disease and illness. Because the Divine Mother asked, it means it's necessary for you to do it. She wants you to do it. It is the grace of the Divine Mother and Madhav. Perform the Trikal Sandhya. Contact the number given below and start the Trikal Sandhya. It will be for your own good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:26 · 19 September 2024

Q_2715 One question, Pandit ji. In 2015, I was listening to a discourse by Muridhar Ji from Rajasthan. He had said that the Lord has already incarnated and that in 2026, PM Modi will step down from his post on his own. He said that by 2029, everything will be settled. So I want to ask, will Modi ji step down from his post in 2026? Is there anything like that?

Answer: Look, I'll tell you this. The current government is facing external threats. For at least the next 13 months to two years, this government will continue to face problems. What will be the outcome of these problems, only God knows. But we will not discuss his views because a good government is running the country, so it doesn't feel right for us to comment. We want the protection and safety of Sanatanis, so I will not discuss this. The second thing is, Lord Kalki has already incarnated, as I have said before, and the divine play (leela) of Kalki is now unfolding. Whomever Lord Kalki wants in power, is in power. Everything will happen according to His will. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:49 · 19 September 2024

SESSION 144 · QUESTIONS 2716–2738

L159:अब बचने का एक ही उपाय - हर घर भागवत, हर घर त्रिसंध्या पाठ | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 10 October 2024 · Watch the full session ↗

Q_2716 Pandit ji, I am currently from the Ramananda Sampradaya. When I learned about the Bhavishya Malika, I started doing Trikal Sandhya and chanting the Madhav name five times (five malas). I also chant the name of Sita Ram, which I have been doing for a very long time, so I have great faith and love for it. Although God is one and both names belong to God, my love for the Sita Ram name is greater. However, during Trikal Sandhya, I do five malas of the Madhav name in the morning, afternoon, and evening. So, will God accept me or not?

Answer: Look, it's wonderful that you chant the name of Ram. By the grace of the name Ram, by the grace of Lord Shri Ram, you have received the Trikal Sandhya and the Bhagavata Mahapurana. Do that, and also continue chanting the name of Ram. During the time of Trikal Sandhya, chant the name of Madhav. You will surely attain God, your life's goal will definitely be fulfilled, and you will also become worthy of being a human of the Satya Yuga. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 05:21 · 10 October 2024

Q_2717 A million salutations at your feet. I had a dream on your birthday, Pandit ji. I was sitting with you, and you were teaching me a way to sit and showing me something on the wall. I couldn't understand what it was. This dream came on your birthday.

Answer: Okay, look, whatever dream you have, it's a thread of connection. God wants this. In dreams, God shows me to many people because I do the work of propagating dharma. I propagate Trikal Sandhya and the Bhagavata Purana. For this reason, by God's grace, He sometimes sends me to the devotees. And the principles I share are God's principles, not mine. I am an ordinary human just like you. For the salvation of humanity, God has given me this responsibility. Perhaps without God's will, it's difficult to do satsang and good deeds. The work we are doing... you should do Trikal Sandhya, read the Bhagavata Purana, and chant the Madhav name daily, following a schedule and routine. It will be auspicious for you all. And those who do this will surely become humans of the Satya Yuga. This is not just a belief; it is a principle based on the scriptures. It is the absolute truth. Follow it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 06:30 · 10 October 2024

Q_2718 Pandit ji, you had said that there will be a change in power and that the descendants of Trijata will be seated in power. But looking at the current political situation, it doesn't seem like a change in power will happen. How will this be possible?

Answer: When did I say there would be a change of power? Listen, I had said that after 13 months, due to the transit of Saturn in Pisces, there will be conflict between the government, administration, and public movements in India and the world. There will be a crisis for the government in India, in Odisha, and for all governments ruling across the world. I didn't say this would cause a change of power, but that there would be a crisis for the governments. Prices will rise, and such situations will occur. It is also written in the Bhavishya Malika that at the time of the world war—which hasn't happened yet—for a short period, the descendants of Trijata might get the rule or power. So that time has not come yet. Secondly, when the Saturn transit in Pisces happens after 13 months, which is next March, on March 29th, it will bring crises for all governments, all administrations, public movements, communal riots, changes in planetary positions, natural calamities from the five elements, diseases, and epidemics. Whichever government is ruling in any country will face a crisis. You will see this in the future. This is about the whole world, not just India. So wait for the time. We have to test this with time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 08:52 · 10 October 2024

Q_2719 It is written in the Bhavishya Malika that the Satya Yuga will begin in 2032. How was this specific year, 2032, calculated? Please speak about that.

Answer: In the Haridas Granthavali, Mahapurush Haridas, who was the 11th incarnation of Achyutananda, one of the eternal Pancha Sakha of Odisha, has mentioned 2032 in his scripture. We are telling you according to his calculation. But we are also saying that this can vary. It could be two or three years earlier or two or three years later. It depends on God. But it is written in the scripture that the time for the arrival of Satya Yuga will come from 2032. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:59 · 10 October 2024

Q_2720 Pandit ji, I wanted to ask about the incident yesterday where lightning struck a Shivalinga in Sehore and broke it. What does this mean?

Answer: Look, it is written in the Bhavishya Purana that first, there will be lightning strikes on the temples of deities. Two or three years ago, the flag of the Jagannath temple was burnt by a lightning strike. And there is a very prominent temple of Shankar Bhan in Odisha, Baba Manikeswar's temple; its peak was broken by lightning and fell down. So, this evidence of lightning striking a Shivalinga means that all the deities have departed for the work of destruction; they are not in the temples. The shloka says, 'Kalo dasa sahasrani vishnu tyajati medineem,' meaning all gods and goddesses have left the earth and have come in human form, awaiting the instructions of Lord Kalki. That is why inauspicious signs are seen in the temples of deities. What happened in the temple of Lord Shankar... I was saying in yesterday's discourse in Delhi that people will be sleeping in their homes, and lightning will strike inside their houses and hit them, and a large number of people will die. This is a great calamity for human civilization ahead. That is why, through Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, and chanting the Madhav name, we will become worthy of being protected from such great upcoming disasters. That is why we propagate it. If good and saintly people follow this, they can make their lives meaningful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:04 · 10 October 2024

Q_2721 I read the Bhagavata and also do Trikal Sandhya and chant the Madhav name. If I don't get time for Trikal Sandhya, I listen to it. But my past karmas, sins, and great sins are pushing me towards suicide. How can I get liberation from this? This is troubling me a lot.

Answer: Look, Hemant, I'll tell you one thing. The act of suicide is the greatest sin. To get liberation from sins, one should chant the name of God. By taking refuge in God, by performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavata, all sins are washed away. By performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, and chanting the Madhav name, all sins are removed. Therefore, do Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and your sins will be gone. It is not necessary to commit suicide because of sins. Because those who commit suicide never get a human life again; they wander as ghosts and spirits. So never do such a sinful act yourself, don't even think about it. For your sins to be removed, we are giving you Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, and the Madhav name. Do it, and you will be saved.

► Watch this answer · 14:46 · 10 October 2024

Q_2722 Should I read the Garuda Purana? I have seen the various punishments in it, and that scares me. Will I be saved? I have committed sins and great sins in the past, so will I suffer the same fate at the hands of the Yamadutas (messengers of death)?

Answer: Look, Hemant, what did I tell you? I told you to do Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the Madhav name. Your karma will be purified. There will be no problem. Follow this and never think about suicide.

► Watch this answer · 16:23 · 10 October 2024

Q_2723 Okay, but will I not have to suffer the consequences later, Pandit ji?

Answer: No, you won't have to wander or suffer. Just do this.

► Watch this answer · 16:55 · 10 October 2024

Q_2724 Yes, I am doing that. But does it mean all my sins will be destroyed right here in the Kali Yuga?

Answer: Yes, yes, everything will be absolved. And there is a ghostly obstacle in your house, which is why such thoughts are coming to your mind. For this, perform a kirtan of the Madhav name in your house and do a seven-day reading of the Bhagavata. Okay?

► Watch this answer · 17:01 · 10 October 2024

Q_2725 Pandit ji, is it necessary to do both Trikal Sandhya and read the Srimad Bhagavata Purana?

Answer: Look, for those who want to go to the Satya Yuga, those who want to save themselves from the upcoming dissolution by the five elements, diseases, epidemics, world war, and communal forces, and who want to receive God's grace, it is necessary for them. And if humans do this, God will protect them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:07 · 10 October 2024

Q_2726 I have a question. The scriptures describe Mother Rama, who is Lord Kalki's consort. But in the Bhavishya Malika, nothing is mentioned about Mother Rama's incarnation. Why is that?

Answer: In the Bhavishya Malika, it is written about Mother Rama's incarnation. It is written that she will incarnate in the Jagannath region. Perhaps she has already incarnated, but her darshan (sighting) will not be available to everyone publicly yet. Her darshan will happen in the Sudharma Sabha. This is written in the scripture. Just wait for the time, and you will get all the proof. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:25 · 10 October 2024

Q_2727 I have a question. The situation in my village is that more than 95% of the people consume meat and are addicted to alcohol and other intoxicants. Whenever we try to propagate the teachings, we are ridiculed. So, a doubt always remains in my mind: how will this place be saved? What will happen? Please guide me.

Answer: When you are propagating, don't speak to those who oppose you. And see, a time will come when people themselves will say, 'We also want to do Trikal Sandhya, we also want to read the Bhagavata, please help us.' Right now, there is still time. The ignorant humans, due to their ignorance, cannot understand God's grace and blessings. So, it's okay. It is our job and duty to lift the ignorant out of their ignorance. Look, discuss this with the good and virtuous people. Those who are not virtuous, who are of a cruel nature and who mock, their time of destruction will come. And before their destruction, they too will come back, but at that time, they won't be able to be saved. Just look for the virtuous people and discuss it with them. Don't discuss it with the wrong people who don't believe in Sanatana Dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:35 · 10 October 2024

Q_2728 Pranam Pandit ji. I chant the Hare Krishna mantra: 'Hare Krishna Hare Krishna Krishna Krishna Hare Hare'. How does this fit in with the teachings?

Answer: You can chant that Mahamantra all day and all night, whenever you want. But during the time of Trikal Sandhya —like the Brahma Muhurta from 3:45 AM to 6:30 AM, the midday time from 11:30 AM to 12:30 PM, and the sunset time from half an hour before to half an hour after sunset—at the time of Trikal Sandhya, you must chant the Madhav name. Because the Madhav name is the mantra for salvation from Kali Yuga and for entering Satya Yuga. You can chant the Mahamantra and also chant the Madhav name. Chant the Mahamantra, but at the time of Trikal Sandhya, chant the Madhav name. Do Trikal Sandhya, read one chapter of the Bhagavata. You will receive the greatest spiritual benefit of life, the greatest essence of dharma. And through this, a person's social and family life also becomes peaceful and happy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:19 · 10 October 2024

Q_2729 Baba Pandit ji, my question is, when the Sudharma Mahasangha convenes in its physical form, will all devotees be included, or only the gods and goddesses?

Answer: Look, I have said before that only 33 crore gods and goddesses will survive in India, who have come in human bodies. Just as there are gods and goddesses among you, those 33 crore gods and goddesses in India will be the ones who survive. They will attain divinity. And in the Sudharma Sabha, everyone will sit, there will be discussions, and everyone will receive God's grace and blessings. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:45 · 10 October 2024

Q_2730 Father, I follow all the rules, but in the Delhi assembly, you said that 70% of the people will not receive the Lord's protection because they don't follow the rules. And Father, sometimes, although I do Trikal Sandhya daily, the timing gets a little off. So, am I not a devotee?

Answer: Look, my child, if the timing gets shifted unknowingly or due to helplessness, God will forgive you for that. But do one thing: try to do it at the correct time for Trikal Sandhya. And you are definitely a devotee. It is because you are a devotee that you are doing Trikal Sandhya; it is because you are a devotee that you are having visions of God. You are a very good devotee. Just keep doing it, try to be on time, and also perform your social duties. If God's grace is with you, everything will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:54 · 10 October 2024

Q_2731 Father, I have one more question. My family stops me from practicing devotion. Some people criticize me, speak ill of me, and tease me. Then, Father, I also get angry and speak some harsh words, for which I feel regret and sadness later. But they trouble me first, that's when I speak. Then I remember that I have to live in the stream of truth and love, and I feel a lot of regret.

Answer: Look, in every era, devotees have faced opposition. But a true devotee does not argue with anyone. If anyone speaks against you or opposes you, don't say anything to them. Because our goal is to meet God. Like Hanuman ji, he was stopped by many, but he stayed focused on his goal. Similarly, our goal is to attain God. If any family members oppose you, don't discuss this with them. Even if they say something, leave that place and continue with your work. We don't have to fight with anyone. Everyone belongs to God. Due to their karma, they are unable to understand God, and due to your karma, you have been able to. Therefore, if they speak out of ignorance, never argue with them. Whatever they say, just say, 'Yes, what you are saying is right,' and continue with your work. Don't have conflict with anyone. Keep your connection with God. A time will come when everyone will understand, but by then, there will be no time left. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:25 · 10 October 2024

Q_2732 Pandit ji, there is a Trikal Sandhya for Gayatri, which we have to do after the Upanayana (sacred thread ceremony). Does that also count as Trikal Sandhya?

Answer: You have to chant the Gayatri mantra three times during Trikal Sandhya. It is very blissful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:04 · 10 October 2024

Q_2733 Jai Shri Madhav, Pandit ji. Father, I had sent some photos of my experiences to Saket Bhaiya, as you had asked me to in the last meeting. Did you see them?

Answer: Yes, Saket had sent them.

► Watch this answer · 32:22 · 10 October 2024

Q_2734 There was a post, 'Ekakshara bhave je arthi, se dekhiba devakara leela.' Is this 'Ekakshara' name 'Omkara'?

Answer: The 'Ekakshara bhava' is the Madhav name. The 'Ekakshara tattva' is the Madhav principle. The 'Ekakshara tattva' is Trikal Sandhya. Those who perform Trikal Sandhya, chant the Madhav name, and read the Bhagavata, they will attain the wealth of this 'Ekakshara tattva' and will achieve God-realization, meaning they will witness God's divine play. As it is written in the scriptures, so it will be. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:35 · 10 October 2024

Q_2735 I wanted to know, sometimes guests arrive or we are busy with some other work during the time of Trikal Sandhya. So, is it necessary that we have to sit in one place to do the Sandhya, or can we do it mentally while working at that time?

Answer: You can do it while working. You can do it mentally, you can do it while sitting, you can do it while traveling, you can do it while sitting in the office. You can do it anywhere.

► Watch this answer · 35:43 · 10 October 2024

Q_2736 Will there be a pandemic and lockdown in the upcoming year 2025?

Answer: The transit of Saturn in Pisces is happening. From '25 to half of '27, Saturn will be in Pisces. After that, its accelerated motion... between 2025 and 2028, many changes will occur. I will not say it will come in '25 because it is God's will. But between '25 and '28, you will all see disease, illness, calamities, and world war, everything that is written in the scriptures. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:44 · 10 October 2024

Q_2737 Father, when we are doing Trikal Sandhya and some work comes up in between, it gets interrupted. Should we start again from the beginning?

Answer: It's okay. If it gets interrupted in the middle, you can start again from where you left off and complete it. If you have work to do, you can continue doing the Sandhya while doing that work. Because, see, this Trikal Sandhya will save us. Through Trikal Sandhya, we will get liberation from the cycle of life and death. So we have to do it. Food is for this body, but Trikal Sandhya is for the protection of infinite principles and a life of infinite years. So do it, and if it stops, do it again and complete it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:53 · 10 October 2024

Q_2738 Father, I have a small question. When will the 299,000 devotees unite with the Lord? Before the war or after the war? Can you give a small hint about this?

Answer: Look, before the Third World War... not 299,999, it's 256. The reason is given... the five eternal Pancha Sakha... 256. These 256 devotees, the eternal Pancha Sakha, the five Pandavas, and the 64 Siddhas will all unite with Lord Kalki during the world war. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:59 · 10 October 2024

SESSION 145 · QUESTIONS 2739–2753

L160 : युग अंत का समय | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 20 October 2024 · Watch the full session ↗

Q_2739 Brother, if a civil war happens, and if we perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and chant the divine name, will we be saved from every civil war?

Answer: It is my belief that not just you, but any person, any human being who performs righteous deeds (dharma karya) will surely receive God's grace. And those who read the Bhagavat Ji, perform Trikal Sandhya, and along with Trikal Sandhya, also chant the divine name, can directly receive God's grace. Through this, they will surely get protection from the coming calamities.

► Watch this answer · 03:45 · 20 October 2024

Q_2740 And brother, earlier we didn't know that we had taken the wrong corona vaccine, because now it's also damaging our immunity; it's eating away at the body's immunity. So now, with what you've suggested—to do the readings, the chanting, the Trikal Sandhya—will that also be cured?

Answer: Look, my belief, according to the scriptural tradition, is to forget whatever has happened. And whatever is in our body or whatever calamity is coming towards us, by performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav, one will attain physical health and also get protection from diseases. You will get protection from major upcoming diseases as well.

► Watch this answer · 04:36 · 20 October 2024

Q_2741 So, now we are also seeing in our India how people from other communities are harming us; we see it daily. So, do we need to learn to use weapons and such?

Answer: Look, for self-defense, knowledge of weaponry is necessary for everyone. Knowledge of scriptures is also necessary for everyone, and the principles of world welfare are also necessary. For the protection of humanity and oneself, it is written in the scriptures and is also in our constitution. So, weapons training is necessary for all humans for their own defense. However, at this time, by performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav—this is not just my belief, it is God's principle, the divine principle (Brahma Tattva)—those who do this, God will protect them with His grace and blessings.

► Watch this answer · 05:28 · 20 October 2024

Q_2742 And brother, regarding Trikal Sandhya, when we read it, it gets done. But they say that when we do the daily satsang, we can't remember it. I mean, we can't remember it completely.

Answer: No problem. It's fine to do it by reading from a paper, by looking and reading. It's not necessary to have it memorized. With time, you will remember it because the essence of the Vedas stays in the mind by listening to it repeatedly. Another name for the Vedas is 'Shruti' (that which is heard). The scriptures were created from the principle of Shruti, and this is also created from there. Therefore, as you keep reading from a paper or a book, it will eventually settle inside your mind through the power of the mind, on its own, without the book.

► Watch this answer · 06:32 · 20 October 2024

Q_2743 I used to perform it correctly before, but now it feels like I don't have the will to do it. Nowadays, I do it correctly in the morning and evening, and it feels good, but in the afternoon, I have absolutely no desire to do the Sandhya. Please advise.

Answer: Look, due to the influence of Kali Yuga, one feels like not doing the Trikal Sandhya. This is the effect of Kali Yuga, the external senses, and the external influence of Kali's impurity, which causes the minds of those who perform Trikal Sandhya to wander sometimes, and sometimes they don't do it. But look, do it with practice. And along with Trikal Sandhya, read the Bhagavat Ji. A time will come when you will never miss it, you will never leave it. Kali will not be able to do anything. And by continuing to do it, human beings will go to Satya Yuga.

► Watch this answer · 07:36 · 20 October 2024

Q_2744 My mind doesn't get as absorbed in the name 'Madhav' as it does in the name 'Ram'. Can I chant the name of Ram?

Answer: Chant the name Sita Ram; do Sita Ram bhajan. You can also do Radhe Shyam bhajan. But during the Trikal Sandhya, it is necessary to chant the name 'Madhav' 108 times. At other times, you can chant the name of Ram, do Sita Ram bhajan, no problem. It is all the one name of Hari; there is no difference. But the thing is, for this era... it is written that in Kali Yuga, God will incarnate in the form of the name 'Madhav'. For this reason, I tell you to chant the name of Madhav during Trikal Sandhya. At other times, you can chant any name of God that you like, according to your wish.

► Watch this answer · 08:37 · 20 October 2024

Q_2745 According to the Bhavishya Malika, I had heard that astrology has stopped. So, Pandit ji, when we consult an astrologer for a horoscope—for instance, my elder brother is about to get married, and he has a 'Manglik dosha'—should we proceed with the marriage after considering all that, or just go ahead with it?

Answer: It will proceed according to it. The time for astrology is coming; in the future, things will be guided by astrology. So, there's no issue like that. You can consult astrology. The text doesn't talk about this kind of astrology. The predictions people make, like computational predictions, scientific predictions, geological predictions—those predictions won't work. You can get married after consulting an astrologer.

► Watch this answer · 09:37 · 20 October 2024

Q_2746 Pandit ji, where did you get the Trikal Sandhya from? I mean, how did the Trikal Sandhya reach you? Did it reach you through God? How did you obtain it?

Answer: That's a very good question. Look, the principle of Trikal Sandhya is from the Rigveda... [Music]... So, by God's grace, I am distributing this Sandhya.

► Watch this answer · 10:50 · 20 October 2024

Q_2747 My wife and I have been doing Trikal Sandhya regularly for the past few months. We have a three-year-old son and a seven-year-old daughter. We are trying to teach her along with us. She does read slowly with us, but she can't remember it yet because she is a child. So, Pandit ji, we were a little worried about this.

Answer: Look, when you, husband and wife, perform Trikal Sandhya, wake the children up and have them sit and listen. Because they are small children right now, they probably can't read, so just have them listen. And for your daughter, before she goes to sleep at night, have her read at least four or five lines of the Bhagavat Ji. Make it a habit for her. With time, she will progress in it. No problem.

► Watch this answer · 12:17 · 20 October 2024

Q_2748 I had to ask one more thing. We live in Kurukshetra. Kurukshetra had a direct connection with Lord Krishna. So, will Lord Kalki also come here during his time to meet everyone?

Answer: Look, God will definitely go. He will definitely go to Kurukshetra. It is a very sacred place, the holy land of Lord Krishna's divine plays, the land where dharma was established. God will surely go, and there will be divine plays with the devotees. With time, wait for the time to come.

► Watch this answer · 13:16 · 20 October 2024

Q_2749 My question was, Guruji, when the Lord was born, what was the Lord's first divine play (leela) through which everyone came to know that He is the Lord?

Answer: Look, those who do Trikal Sandhya... [Music]... everyone has very different experiences. If I say something about this, it has no value. Through your own experience, think about God, think about how to do devotion. God will reveal everything.

► Watch this answer · 14:21 · 20 October 2024

Q_2750 Pandit ji, please tell us about the Brahma Tattva (the Divine Principle).

Answer: Look, Brahma Tattva is that which originates from God, through which one meets God. The principle through which one attains God, or God-realization, and receives God's grace, is called Brahma Tattva. It originates from God. And Brahma Tattva, Trikal Sandhya, you can call it Brahma Karma (divine action) or Brahma Tattva. Trikal Sandhya is that very principle which is the worship of Lord Vishnu, in which there are 16 names of Lord Vishnu, a hymn to Radha Rani and Krishna, the chanting of the most sacred name of Madhav (Maha Vishnu), and the reading of the greatest puranic scripture of God's divine plays, which is called the Mahapurana. Therefore, this is a great element of Brahma Tattva. And Brahma Tattva is propagated by perfect saints precisely for the purpose of attaining God, which is composed in the Rigveda.

► Watch this answer · 15:45 · 20 October 2024

Q_2751 What will come in 2025?

Answer: Look, 2025 means the time of Saturn's transit in Pisces, around March 29th-30th. During this transit, the planetary alignment involves 11 celestial bodies. Jupiter, Mars, Saturn, Rahu, Ketu—all these planets, all nine planets (Navagrahas) and Saturn's two satellites, will cast an obstructive gaze upon the Earth. Because of this, there will be great floods, fire deluges, international wars, atomic wars, and also a great influence of communal elements. And fifthly, a time of the greatest food scarcity is being created by this planetary alignment. But nowadays, I see that many people are propagating the Bhavishya Malika and giving dates. We say it will start from 2025 and the advent of Satya Yuga will be by 2032. Therefore, God will decide on this, and the predictions that humans make will not be correct. God will surely make changes here and there.

► Watch this answer · 17:26 · 20 October 2024

Q_2752 How can one perfect the chanting of the name 'Madhav'?

Answer: How to perfect the name 'Madhav'? Wonderful. Okay, if you want to perfect the name 'Madhav', then you need faith and, secondly, great devotion. If you have faith and devotion, it won't take time to perfect the name 'Madhav'. So first, have faith in Madhav and practice devotion. Perform Trikal Sandhya at the correct time. Whatever instructions come in your dreams, follow them.

► Watch this answer · 19:57 · 20 October 2024

Q_2753 I wanted to ask, will all diseases be destroyed from the body? I am troubled by back pain. I am taking pills, but not getting relief. So, will Trikal Sandhya help me in destroying the disease?

Answer: Look, Trikal Sandhya is a principle through which major diseases are cured. Trikal Sandhya is a principle through which God's grace is received. And why are there diseases? Because humans have acted willfully. It's not just about you; everyone in the whole world is sick. The reason is that humans have ignored righteousness, ethics, the Vedas, the scriptures, and God. The God who created us on this Earth, if we worship Him, God will listen to all our sorrows. And if you perform Trikal Sandhya on time and eat your meals on time, in my opinion, you will see how much relief you get. You yourself will say it. You should do it.

► Watch this answer · 20:38 · 20 October 2024

SESSION 146 · QUESTIONS 2754–2760

L161 : मीन शनि योग - महापरिवर्तन का समय! | केवल 48 दिन | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 09 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2754 Hello, I have been associated with you for two years. A month ago, I had an operation, and because of it, the doctor has forbidden me from sitting on the floor. I used to perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat Mahapuran while sitting on the floor, but I have had to stop. Can I do it while sitting on the bed?

Answer: You can do it while sitting. You can sit comfortably anywhere and do it; you will receive the same benefits. Okay, thank you. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 34:08 · 09 February 2025

Q_2755 Jai Shri Madhav. You said that those who perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat will also be affected during the Meen Shani transit and won't be able to cope. My other question is, when I preach and tell many people about this—I drive a vehicle for a living but still tell everyone—people say such things that I get disturbed. I start to wonder if I am telling them or if they are telling me. I feel like I've become a fool by telling them.

Answer: Look, those who do not perform Trikal Sandhya, who do not read the Bhagavat Mahapuran... because when dharma is established, there will be a judgment between dharma and adharma. According to our Sanatana Dharma, singing praises of God, reading the Bhagavat, and doing charity are the rules. For those who don't do this, the divine cataclysm that is coming will be harmful to them. Secondly, regarding those who speak negatively when you preach, I have repeatedly said that there is no point in discussing, debating, or arguing with people who do not believe in the scriptures or dharma. We just have to say what we need to say. If someone says something, just say, 'Okay, baba, you are right from your perspective.' And one more thing, if the driver of a vehicle lets go of the steering wheel, the vehicle will not reach its destination. God has chosen certain people to propagate and protect dharma. If even they get influenced, stray from the path of dharma, and become distracted, then the boat of dharma will face problems in reaching its destination. Therefore, since God has sent us, we will do our work. We have no argument with those who won't believe.

► Watch this answer · 34:57 · 09 February 2025

Q_2756 I have an important question for you. Can we read the Srimad Bhagavat? Because we have some problems at home with our parents.

Answer: Look, the biggest problems are birth and death, and the biggest challenge is protecting the family from calamities. The material problems we have at home are in our hands; we can solve them. But the divine problems, which arise from a lack of dharma, we do not have the power to stop. That is why it is necessary for us to read the Bhagavat. Start reading the Bhagavat in every home from now, because the times will not be good from the month of March. God has shown the path of salvation for humanity: Trikal Sandhya and the Bhagavat, which will bring the greatest welfare to human civilization. Therefore, even if there are problems at home, do not abandon the scriptures and do not abandon the path of the scriptures. Jai.

► Watch this answer · 38:14 · 09 February 2025

Q_2757 Father, I have been connected to your stream of thought for about a year. I have told my mother, father, uncle, and aunt about this many times, but they still don't listen to me. I worry a lot about them, that something might happen to them in the great cataclysm, but they don't believe me. They have never trusted my words, no matter how many times I've tried to explain.

Answer: Look, you have done your part. Whether they believe it or not depends on their past lives. We have studied in all the scriptures that the devotees of God who attain Vaikuntha (God's abode) may have to take many millions of births. So, those who believe, believe; for those who don't, don't say anything. Our world is connected to God. Through social illusion (maya), God has given each of us a world for which we perform our duties (karma). Therefore, do not fall short in your duties towards your family, your father, and your mother, whether they believe you or not. If it is in their destiny from a past life, they will be able to read the Trikal Sandhya and Bhagavat. If they do not have the karma or destiny from a past life, then perhaps this sacred knowledge will not appeal to them. So, maintain peace in the family, don't force anyone. Perform your duties selflessly. Do your duty of respecting and serving your parents. Every soul is born for its own salvation. Not all souls attain Vaikuntha, not all go to hell, not all go to heaven, and not all are born into lower species. It all happens according to one's karma; everyone is bound by karma. Therefore, you continue to perform your duties. It was your wish or your duty to tell them, and you did. Whether they accept it or not is subject to their karma. Don't be sad or worry about it. Hold on to dharma, and you will be blessed. Jai.

► Watch this answer · 40:06 · 09 February 2025

Q_2758 Pandit ji, yesterday I found a peacock feather on the road. I brought it home. What should I do with it? Please guide me.

Answer: Look, the peacock feather is dear to God. If someone finds a peacock feather, it means some good news is coming for them, or the time to receive God's grace is approaching. Therefore, keep that peacock feather near the place of worship in your home and worship it. It will be good for you. Jai Jagannath. Anyone else?

► Watch this answer · 42:57 · 09 February 2025

Q_2759 Jai Shri Madhav, Pandit ji. I have two questions for you. I am 15 years old and in the 10th grade. On days when I have school, can I perform a shorter version of the second Trikal Sandhya, and can I do it mentally?

Answer: Absolutely, you can. You can do it mentally. You can do the Trikal Sandhya. There is no problem with that, meaning it's not wrong for you. You can do it. I would also say that whenever you get time, do the full Trikal Sandhya. If you get time other than the three designated times, you can do it then as well, because this is a very important element for us. Trikal Sandhya is such a practice through which people are protected from great calamities. Not only that, they achieve their own welfare and the welfare of their soul. In the second volume book I have written, I have highlighted the primary importance of Trikal Sandhya from various scriptures. You all should read it and show people what is written in the Bhagavat, Vayu Purana, Kurma Purana, Agni Purana, and Bhavishya Malika about Trikal Sandhya. Because for the welfare of humanity, there is no greater tradition than Trikal Sandhya. Attaining God, attaining Lord Vishnu while sitting at home —Trikal Sandhya is the highest tradition of Sanatana Dharma. This tradition was lost and is now being propagated again. Many devotees have joined who promote Trikal Sandhya. This is a great, virtuous act for human welfare. By doing it, you will achieve welfare, and so will others. Jai.

► Watch this answer · 43:50 · 09 February 2025

Q_2760 Pandit ji, I have been associated with you for a very long time, since 2020. My name is Vikas Kumar from Delhi. Lately, we are hearing many strange things and news about you from Odisha. Many people are saying you have left Odisha, and there are various other accusations, including that you took money and left. We have watched you very closely and were with you when these events were unfolding. We even remember you refusing financial help when it was offered, saying everything would happen by God's will. We believe these accusations are baseless. We formed a committee to check with all the Hindi-speaking followers if anyone was ever asked for money in your name, and not a single person has come forward. This proves your character is as pure as water. We don't know why these rumors are spreading in Odisha or what their motive is. I am saying this in front of everyone so they know the truth and have no doubts about your integrity, which is as bright and pure as ever. What do you have to say about this?

Answer: I express my gratitude. It is written in the scriptures: 'Dharma has shrunk, austerity is absent, and truth has gone far away.' This is the battle of the final phase of Kali Yuga. At this time, not just me, but anyone in India who steps forward to propagate dharma will face many problems. But the fight for dharma is a fight, and it must be fought. If we abandon dharma, who will grant us salvation after our death? If we stop propagating dharma, how will this Bhavishya Malika be spread? If we hadn't translated the Bhavishya Malika from Odia and other languages into English, how would the transformation that is coming to the world through it happen? So, people will talk. They have been talking ever since I started propagating dharma. It's a habit. In every age, the opponents of dharma have not allowed it to advance. There was some struggle and hardship, but dharma's propagation grew and it was protected. This is the end of Kali Yuga, meaning Kali Yuga is leaving and Satya Yuga is arriving. Obstacles will come for those who do the work of dharma. But despite the obstacles, in my opinion, if we remain in dharma, in truth and justice, then God will save us from it and inspire us to continue our work, which we are doing today. We have no enemy, no friend, no critic, no admirer. Our one goal is the

scriptures, purity, and dispelling human ignorance. It is the duty of Brahmins and Gurus to save humanity from ignorance and darkness. God sends different people at different times to do this work. We believe it is probably the Lord's wish that we do this work. Everyone in the world is our friend. We haven't created any guru-disciple lineage; we haven't made anyone a disciple. But everyone is our friend, and for the welfare of all, we propagate the scriptures. This work is for the welfare of humanity. Today in India, thousands and lakhs of people are reading the Bhagavat and performing Trikal Sandhya, even in foreign countries. A time will come when you will see people all over the world—1 million, 1.5 million, 5 million, 10 million people a day—asking, 'What is Trikal Sandhya? Give it to us. Where can we find the Bhagavat? We want to read it.' Until that time, this is our work. And in our own minds, we believe we are doing the right thing. The world did not spare Radha Rani, Lord Krishna, Sant Jnandev, Sant Tukaram, Tulsidas Maharaj, or Prabhupada. The world has never spared anyone from slander. So, we are also slandered, but virtuous people move forward, and dharma is also propagated. When I spoke about Meen Shani Chalan in 2018, no one knew about it. Today, it is widely discussed. People talk about it after reading the Bhavishya Malika. Despite this, the message spreads, people are turning towards dharma, they are abandoning adharma. They are realizing for themselves that this is not good because the times ahead will not be good. So, the more negativity there is, the more purity is revealed. How can light shine if there is no darkness? Therefore, it is God's will that for however much negativity comes, 100 times more positivity will come into the world. Our job is to propagate dharma. We do it in every state, not just Odisha. We spend 95% of our time in other states and countries. So, we don't care what anyone says. Dharma is always based on truth. It is because of the victory of dharma that I am here with you all again, propagating and connecting people to dharma. This is my good fortune, that I can contribute to the welfare of the world and humanity as God has ordained. The time is up for today, so we will conclude the satsang here. We will have another satsang next Thursday and discuss how, according to the Bhagavat scripture, the Kali Yuga has ended and what humans should follow based on that scripture. My goal is that a time will come when everyone in the world will perform Trikal Sandhya and the Bhagavat will be read in every home. And in my estimation, their number will be 640 million. Until that happens, we will continue this work. It is all God's will; nothing happens without His blessings. If we have His blessings, we will be able to do this work, and humanity will also be saved. Thank you, everyone. Jai Jagannath. Jai Radha Rani. Jai Shri Krishna.

► Watch this answer · 45:59 · 09 February 2025

SESSION 147 · QUESTIONS 2761–2769

L163 : नीलचक्र से ध्वजा गिरना | आगामी विनाश का संकेत? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 16 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2761 We would like to ask you, how do you have so much power? There is no one else in the universe who can predict the exact date and time of events. How is this possible? Where does this power come from? Is it possible that the Lord tells you directly?

Answer: Jai Jagannath. Look, I express my gratitude to you, but the thing is, none of these are my own thoughts. I am an ordinary human being, yearning for liberation on this earth by the grace of God, performing my duties daily, and propagating Dharma. Whatever God puts in my mind, whatever comes to my mind, I say it. Because in the Malika Shastra, at one place, Achyutananda ji wrote that no human being will be able to decipher the exact dates and times. People will say it will happen on this day or that day, but no human can predict it. Only when God bestows his grace will a person be able to say it. So, this happens by the grace of God; I have nothing to do with it. I just say what comes to my mind, and if it is the Lord's grace, it happens. This means I am an ordinary human; I have no special qualities, no power, nothing at all. However, I have firm faith in God, and that faith is what proves success and purity. If you also take refuge in God with such faith, truth will manifest in your words and in the words of all people. So, this is all a gift from God; it happens by His will. He makes someone a beggar, someone a king, someone knowledgeable, and someone ignorant. It is all the Lord's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:52 · 16 February 2025

Q_2762 I have a great restlessness in my mind because I am unable to maintain celibacy (Brahmacharya) and I experience a lot of lustful desires. Could you please provide some guidance for this? I asked you last time, and you told me to read the Bhagavat, which I do, though I sometimes miss it. Can you suggest something more for this?

Answer: Look, this Trikal Sandhya is the root of nectar. I'll tell you about my own life. Just 10 days ago, I had typhoid. With an illness like typhoid, people usually rest at home and sleep. But in my life, I have had illnesses like malaria and typhoid many times, yet I have never just slept or been bedridden. I still go for discourses, I do my work, and I eat normal food. I don't need to follow the special diet people eat during a fever due to medication. This is because when a person has Trikal Sandhya, devotion, and God's grace, they are protected. Every body has all kinds of diseases, but an illness only strikes when our karma is wrong. Therefore, you should continue with the same Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and you already chant the name of Madhav 108 times. If you still have this problem, whenever you get more time, chant the name of Madhav again. This will bring you well-being. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:36 · 16 February 2025

Q_2763 I have seen Sri Krishna, Radha Rani, and my Guru in my dreams. For three years, even before I knew about Trikal Sandhya, I have been dreaming of destruction like fireballs from the sky, collapsing buildings, and earthquakes. So what should I say? Is this the divine play (leela) of God, or what is it? Sir, please tell me.

Answer: Look, son, through Trikal Sandhya, one does get visions of Lord Krishna and Radha Rani. Sometimes, one sees Lord Shankar, Mother Durga Devi, or Yog Maya. Visions of destruction also appear. This is because Trikal Sandhya helps people attain knowledge and also grants them visions of God. Based on this, many ordinary devotees connected with me have had such visions multiple times, and you have had them too. This is your own sacred experience. Furthermore, people who perform Trikal Sandhya will also receive information about the problems that are to come in the future. That is why you are seeing these things. Continue with Trikal Sandhya. The times are not good. A vegetarian diet, Trikal Sandhya, and the name of Madhav will save you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:33 · 16 February 2025

Q_2764 Pandit ji, I have a spiritual question. You just mentioned that the soul never dies. When I read the Bhagavat, and sometimes the Ashtavakra Gita or Yoga Vasistha, they say everything is an illusion (Maya). My question is this: since we never die, our true 'I' element is immortal, if a person is performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav, but for some reason is unable to go to Satyayug because their memory is still of Kaliyug... and if they do go to Satyayug, their memory will also become like that of Satyayug. So, Pandit ji, what is the root of liberation (Moksha)? How can one attain Moksha if our 'I' element never dies? I just want to know this. I have veered a bit onto the path of knowledge, so could you please guide me?

Answer: Sarva-dharman parityajya mam ekam sharanam vraja, aham tvam sarva-papebhyo mokshayishyami ma shuchah. In the Gita, the Lord said one thing. Arjuna asked, 'Lord, how can one attain liberation (Moksha)?' The Lord replied, 'Sarva-dharman parityajya.' This does not mean to renounce action (karma). It means to forget all the conflicting thoughts, the dualities, and the questions in your mind, and come to my refuge like a fool, like an ignorant person, and I will grant you liberation. That is why it is very difficult for knowledgeable people (Gyanis) to attain liberation. And how does one become a 'fool' in this sense? When one has complete faith and complete devotion to God. Therefore, choose the path of devotion (Bhakti Marg). Perform all your worldly duties, but do not have attachment to anyone or anything. We all perform our duties for everyone, and you should too, but without attachment to what will or will not happen. Whether great sorrow or great happiness comes, do not become agitated. Just keep performing your actions with complete, single-minded devotion to God. A single-minded devotee means one path, one stream, one Lord—and that is our Krishna. Forget all worldly things and keep performing your duties; then you will attain liberation. The first steps to liberation are: first, devotion (Bhakti); second, knowledge (Gyan); third, detachment (Vairagya); and the fourth element is the Bhagavat Mahapuran. Those who follow the Bhagavat Mahapuran attain Vaikuntha. So, you are already doing it. Nothing more is needed. Just maintain your devotion to God and stay away from material things. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:36 · 16 February 2025

Q_2765 What is Trikal Sandhya? I don't know. Could you please explain it a little?

Answer: Look, mother, Trikal Sandhya means praying at three junctures of the day. The first is the Brahma Muhurta Sandhya, which is from 3:45 AM until sunrise. The best time is when the stars are visible in the sky. The second is the Madhyan Sandhya (midday prayer), from 11:30 AM to 12:30 PM. The third is the Sayan Sandhya (evening prayer), which is done 5-10 minutes or up to half an hour before sunset. At these three times, one chants the 16 names of Lord Mahavishnu, a shloka for the ten avatars of Mahavishnu, a prayer to Mother Radha Rani, Lord Krishna, and Durga Madhav, and the name 'Madhav' 108 times. This takes about six to seven minutes. A person who does this at all three times gets liberated from the cycle of birth and death and attains Vaikuntha. They also get relief from all of life's problems. For this reason, you can contact our devotees in Delhi or contact any of the numbers below this YouTube video, and they will send you a PDF. Read it and also read one chapter of the Bhagavat. To go towards the truth and to protect oneself from the calamities coming upon the earth, Trikal Sandhya is the greatest armor. So, you should do it. It changes the course of one's life. In the Bhagavat, the Lord himself told Uddhava that those who do not perform Trikal Sandhya, their body, even while alive, is like a dead body. It is written in the scriptures that it is essential for humans. It is our protection; it is God's grace. So, daughter, get in touch with them, get the Trikal Sandhya material, and start doing it. You will definitely have experiences, perhaps a vision of the Lord, Radha Rani, Krishna, or Lord Shankar, whichever deity you worship. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:44 · 16 February 2025

Q_2766 Pandit ji, regarding our children who are studying or working out of the country, when should we tell them to come back?

Answer: Look, now is not the time for that. The world will change; it keeps changing. But we have Trikal Sandhya. Give it to them. Tell them to perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat. When the time comes, I will let you know. For now, much depends on God's will. The future does not look good for human civilization, but until we see the divine play of God unfold, we are waiting. Now is not the time. Let them continue with their duties and their studies. Just have them perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat. By doing that, they will receive God's grace. There will be no problem. Wherever they are, they will receive the Lord's grace. This is my belief. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:23 · 16 February 2025

Q_2767 I perform Trikal Sandhya, but my experience is that when I'm sleeping, it feels like someone is grabbing my throat from behind and pressing it. Another time, it felt like someone was sitting on my chest and pressing my throat. And at night, I keep hearing the sound of anklets (payal). What is happening?

Answer: Let me tell you one thing, son. Listen. Where are you? Nagpur, Maharashtra. Do you live in your own house? Okay, in your own house, has any woman in your family, relatives, or neighbors in your society died at a young age? No? Okay, you built a new house. Look, when Trikal Sandhya is performed, even spirits who are around are drawn to it. They want liberation. Listen, they desire liberation. Therefore, before you go to sleep at night, perform Trikal Sandhya one more time. Nothing will happen. And chant the name of Madhav 108 times before sleeping. There will be no problem.

► Watch this answer · 40:29 · 16 February 2025

Q_2768 And Pandit ji, only I can hear the sound of the anklets, no one else in the house. What does this indicate? Can you tell me properly? I mean, why is my throat being grabbed from behind?

Answer: The sound of anklets means a young female spirit is passing by and making that sound. It's not a sign of anything. When a righteous person performs a religious act, it's like when good food is cooked in our house, the aroma spreads outside. People outside smell it and say, 'Good food is being cooked.' Similarly, when you started the religious practice of Trikal Sandhya, that spirit is also drawn to listen to it, because they can also attain liberation through it. Yes, in Trikal Sandhya, ancestors get complete liberation, and any spirits who listen also get liberated. Don't worry. Perform Trikal Sandhya once before sleeping. Nothing will happen.

► Watch this answer · 42:00 · 16 February 2025

Q_2769 I had one more question, Pandit ji. Who came first in this creation, Lord Sri Krishna or Lord Narayana? Because the ISKCON people say that everyone is a part of Sri Krishna.

Answer: Look, Lord Narayana is called the primordial God (Adidev), the original Vishnu. All the avatars of Lord Narayana have appeared on earth—there have been infinite avatars, among which the 10 main avatars for establishing Dharma are prominent: Matsya, Kurma, Varaha, Narasimha, Vamana, Parashurama, Rama, Krishna, Buddha, and Kalki. Therefore, it is written in one scripture, 'ete camsa-kalah pumsah, krsnas tu bhagavan svayam.' This means all these are parts or aspects of the Lord, but Krishna is the Supreme Lord Himself. Lord Krishna is Lord Vishnu. The one who is Lord Krishna is Narayana. The one who is Jagannath is Krishna. Therefore, there is no difference. The Lord has many avatars. Lord Krishna is Narayana, Lord Krishna is Jagannath, Lord Krishna is Rama. He is all the infinite avatars. We should not get into these distinctions. The ISKCON dharma is also Krishna dharma, meaning it is the Sanatana Dharma of Lord Narayana. And what we speak of is also Sanatana Dharma. So there is no difference in the Dharma; the differences in the mind are what lead people astray. But God is God. He has many names and many avatars. 'Hari is infinite, the stories of Hari are infinite.' Lord Krishna himself is Vishnu. Don't worry. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:59 · 16 February 2025

SESSION 148 · QUESTIONS 2770–2774

L164 : Earthquake | भूमि पर प्रलय | मानव समाज के लिए चेतावनी | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 17 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2770 We perform Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day), but the biggest problem is the impurity of the mind. How can we remove the impurities of the mind? Please tell me. Lord Shri Krishna said in the Gita that the mind controls everything; it can grant liberation or lead to hell through sin. I also have an experience: when the online Sandhya happens in the evening and the mantra is chanted, I yawn and tears come from my eyes. But when I am in a satsang directly with you, nothing like that happens. Why is this? Please explain.

Answer: Look, first, I'll tell you about yawning. When divine energy enters the human body during Trikal Sandhya, that's when one yawns and tears come from the eyes. This only happens during Trikal Sandhya. That's the first thing. Second, to cleanse the impurities of the mind, the actions we perform and the conduct we maintain throughout the day can either purify or defile it. If we don't engage our actions, thoughts, and sight in anything bad throughout the day, then evil thoughts won't arise. This is influenced by material elements. To purify the mind, it is stated in the Srimad Bhagavatam and every scripture to take refuge in the Lord. Surrender yourself to God and continuously chant His name. Just as a cloth is needed to wipe the dust that settles on a mirror, similarly, by chanting the Lord's name, the impurities of the mind are washed away. Also, study the Lord's holy scriptures; the mind will remain pure. What people do is from morning to evening, they watch their mobile phones, interact with bad people, worry about their future, and sometimes see wrong things. A person is influenced by these things. Therefore, from morning to evening, try to see and follow whatever is pure. And read the Lord's books at least two or three times a day, in which the glory of His divine plays is described. The Bhagavatam also shows the path to gradual liberation, which we cannot achieve in a single day; it takes many days. Then the mind will become pure. And the biggest factor nowadays is the social situation, the mobile phone situation. Everyone watches their mobile phones, and the mind is affected by it. Therefore, by staying connected to spiritual elements, the mind will be purified. Surrender to God and chant His name. The mind will be purified through chanting His name. It will take time. It won't happen by performing Trikal Sandhya for just one day; it requires six to seven months. Along with that, after reading the Bhagavatam for six to seven months, the mind will become pure. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:56 · 17 February 2025

Q_2771 Pandit ji, you had mentioned that when Lord Krishna was present in his divine play (leela), 1200 years of Kali Yuga had already passed. I just wanted to know, the 5000 years we talk about, does that include those 1200 years? And where can I find the reference for this?

Answer: Look, this is composed in the Srimad Bhagavat Mahapuran: 'Yadaa Devarshayah Saptah Maghaasu Vicharanti Hi, Tadaa Pravrittastu Kalirdwaadashaabdashataatmakah.' When Lord Shri Krishna went to his supreme abode, the Saptarishis (seven great sages) were traversing the Magha Nakshatra. At that time, 1200 years of Kali Yuga had already passed. However, the influence of Kali Yuga could not manifest because of Lord Krishna's presence on Earth. When Lord Krishna left the Earth, Kali Yuga had already aged, but its influence had not spread. According to this, 1200 years had passed at that time, and now 5000 years of Kali Yuga have been completed, as written in the Bhavishya Malika shastra, the Garga Samhita, the Vayu Purana, the Manusmriti—it is written in all scriptures. It has now ended. Today, even in Jagannath Kshetra Puri in Odisha... and yesterday, a drop of blood fell in the Jagannath temple. The day before yesterday, the flag of the Jagannath temple fell. Ponder this, the times will surely change. For the transformation and protection of humanity, we tell you the sacred principle of Trikal Sandhya. Because in India... who thinks about what? We don't care. But our ideology is that Trikal Sandhya is necessary for every human being. You should follow it; it will be beneficial for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:27 · 17 February 2025

Q_2772 I have been a devotee of Lord Krishna since childhood. I always wanted to know who created this Earth, how, and why. I still haven't found the answer to where I was 27 years ago, before this life. And I also haven't found the answer to where I will go after I die. Anyway, my question is this: I know that no one on this Earth is immortal. I had a friend who took one lakh rupees through me from someone else, and I was his guarantor. He then disappeared. The lender said he only knew me and would take the money from me. I had to find my friend, bring him back, and I tied him up for three days. I provided him with food and water; I just wanted him to return the money. In this Sandhya, I know that everyone asks God to fulfill their own wishes, but here we say, 'May Your will be done, Lord.' I like this very much. So, when I treated my friend like that, will it be counted as a sin? What will happen? Please guide me.

Answer: Yes, son, that's a very good thought. See, it was written in the Bhavishya Malika that in today's world, people will take money from others and not return it. When this happens, know that the end of Kali Yuga is near. This has become a tradition and it's a sign of the end of Kali Yuga. The most important thing is that our human life is bound by 8.4 million births. We have taken birth before and have also performed actions. As Adi Guru Shankaracharya said: 'Punarapi Jananam Punarapi Maranam, Punarapi Janani Jathare Shayanam' (Again birth, again death, again sleep in the mother's womb). You are 25 now, but 26 years ago, you had a different life. After death, a person faces the consequences of their actions (karma), and after birth, a person experiences their destiny (prarabdha). In this human world, people experience the karma from their previous lives. That is why in this human life, we should perform actions that lead us to liberation. And Trikal Sandhya is one principle through which a person can attain nirvana and the supreme abode of Goloka Dham. This is written in all scriptures. Trikal Sandhya is the one element that will free a human from the bondage of the life-death cycle. There is nothing in the world that cannot be obtained through Trikal Sandhya. Secondly, we come to this world to

perform our own karma, not for others. So our own actions should be right. I would say that nowadays if someone asks for credit, help them a little. If they ask for 10,000, tell them, 'Son, take 2,000 and don't worry about returning it,' because they won't be able to. The time of great change is here. No one will return anyone's money. The economic situation is becoming dire. So, the times are not good. Perform Trikal Sandhya. 'May Your will be done' means that God's will is auspicious for us, while our own will may not be. For example, a person starts a business with his own will, it fails, and he can't repay his loans. That's why a devotee prays, 'Lord, if Your will is done, it will be for my well-being.' So, leave it to God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:20 · 17 February 2025

Q_2773 I am speaking from Jalandhar. I had a dream last night that everything was chaotic and upside down. I saw the Mlecchas (impure foreigners/barbarians) in their attire, and everything was in disarray. I couldn't understand anything. My whole night passed in this confusion, and I kept feeling scared and trembling. Pandit ji, I don't understand what this dream signifies.

Answer: Its sign is that in the future, the Mlecchas will cause great trouble for humanity on Earth. The number of Mlecchas has increased, and the time for their destruction has also arrived. This is the sign.

► Watch this answer · 47:23 · 17 February 2025

Q_2774 If the end of Kali Yuga has already happened, then why are the symptoms of Kali Yuga still visible now?

Answer: Look, just as a person goes through childhood, adolescence, and youth, similarly, the end time of Kali Yuga... that conjunction happened in 1943, as mentioned in the Srimad Bhagavat Mahapuran, when the Sun, Moon, and Jupiter converged in the Pushya Nakshatra in the Cancer sign. The Satya Yuga (Age of Truth) began on that day. But that doesn't mean Satya Yuga appears in a single day. Look, it took 5000 years to build this Yuga. To dismantle it, it takes about 10% of that time. So, it started on that day, but it will also take time to dismantle, right? 10, 50, 100 years. So, there is very little time left now. The work has already begun. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 49:10 · 17 February 2025

SESSION 149 · QUESTIONS 2775–2786

L165 : Maha Kumbh | महाकुंभ - सत्ययुग आगमन का पहला चरण। | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 21 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2775 Hello, Shri Ma, pranam. My question is, during the upcoming destruction, many people will die. We also perform Trikal Sandhya, but if our karma is not good, whether we will be saved or not is a different matter, only the Lord knows. But for those who die, when Satyug (the Age of Truth) arrives, how will they be liberated? How will they attain salvation?

Answer: Look, those who die in the coming destruction will proceed according to their karma. As I have said before, after death, a person attains different realms like Bhoot Lok (ghost realm), Jaksh Lok, Gandharva Lok, Surya Lok (solar realm), Chandra Lok (lunar realm), Swarg Lok (heaven), Vaikunth (divine abode), or Patal Lok (netherworld) based on their deeds, whether virtuous or sinful. In this period, for those who die an untimely death, if their 'pind daan' (ancestral rites) is performed, they will receive the fruits according to their karma. But for those who die and their 'pind daan' or 'shraadh kriya' (last rites) are not performed, they will become restless souls. Then, after Satyug, after one 'kalpa' (aeon) when the 'Brahma Pralaya' (dissolution of the universe) occurs, the Lord grants liberation to everyone at once. After that, they are again assigned their places according to their karma. Therefore, if someone dies an untimely death and their last rites are not performed, they will remain as restless souls and will have to wait for the time when the Lord grants them forgiveness. This is because without the 'shraadh' ceremony, it becomes problematic for a soul to reach its designated place. For instance, if one is meant to go to Pitru Lok (ancestral realm), they cannot go due to the lack of rites. If someone is to attain liberation, that also becomes problematic without the 'shraadh kriya'. So, for those who die untimely deaths in the future, they will have to wait until the Brahma Pralaya for their liberation. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:07 · 21 February 2025

Q_2776 Sir, I am speaking from Karnataka. I have received a dealership offer and I have to invest around 2 crores. Should I go for it or not, sir? It's a private tractor/vehicle dealership. What suggestion would you give me? Also, my son is doing his MBA in Pune.

Answer: Look, there are still about five to seven years for some changes to happen. So, if it's a good company with strong sales, then go for it, there's no problem. In the future, there will be nothing but agriculture. Everyone will take up farming, and agriculture will be the biggest challenge. People will engage in agricultural work using their own methods and hard work. So, this last generation and the one coming after will be dependent on agriculture. For agriculture, in my opinion, it's fine. So go ahead, there's no problem. It would be good if your son helps you in your business. There will be no private organizations left by 2030. Look, if your son helps you with your business, you can expand it further. He can get a job if he wants; he can even go abroad.

► Watch this answer · 11:48 · 21 February 2025

Q_2777 Jai Shri Madhav, Pitaji. An incident happened with me last night. I was with my Laddu Gopal, whom I have named Madhav. I was in my room, putting him to sleep, when I felt like someone held my hand, but no one was there. I felt someone grab my wrist. I screamed out of fear, 'Who is it?' but there was no one there. I was alone in the room with Madhav. When I asked my family, they said it might be a negative entity. I'm scared, was it really something negative?

Answer: This is not a negative thing. Just as you have devotion for Lord Krishna, Lord Krishna is giving you proof. Ma, this is your good fortune. Just keep maintaining such devotion. Okay? Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 16:54 · 21 February 2025

Q_2778 I wanted to ask, right now this Google Meet is happening, and satsang (spiritual gathering) also happens. So if I attend the Google Meet, I miss the satsang. Is that a problem?

Answer: Look, a satsang is wherever there is a discourse on knowledge. The online meeting happens six out of seven days a week. That is, devotees come online for two days out of seven, and we do it for five days. There is no problem with this. This is good; they are one and the same. There is no difference, no separate effect. They are the same. So this satsang and that satsang are the same. You are not at a loss. You get equal spiritual merit from this.

► Watch this answer · 18:13 · 21 February 2025

Q_2779 Pitaji, ever since I started chanting the name, I have begun to see the image of Lord Madhav. However, the situation at home is not conducive. My family says that since I am a college student, I should look for a job. But we know what the future holds, Pitaji, that there won't be jobs...

Answer: Look, even now, I perform my karma. I still work hard; I earn a living too. I propagate dharma, but that doesn't mean I just sit and eat somewhere. I also work hard. And by work, I mean apart from this religious work, I do other work to support my family and myself. I have to earn a living. What will happen in the future with dharma is a different matter. You should also do your karma. Try to get a job; you will get one. Because just sitting and depending on someone is not the human dharma. I also work. You can talk to my followers about how hard I work. So, it's no problem. Earn a living and practice dharma; both tasks are necessary. Keep trying, and you will get a job.

► Watch this answer · 19:26 · 21 February 2025

Q_2780 Pita Shri ji, I had to ask you a question. I had once asked you on Google Meet about our house, and you had advised us to leave it. But circumstances are such that despite wanting to, we are unable to leave. We are facing a lot of problems. My son's health also remains very poor. He had a slight problem in his eye since birth, but now, even after medication, the problem is increasing. The doctor has even suggested surgery but says that even with surgery, it might not be completely cured. I don't understand, Pita Shri ji, whether this is a disease or some kind of supernatural affliction.

Answer: Look, I had already told you to leave that house. But you are unable to leave. Do all the people who live in that house perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat? (The questioner clarifies only she does). Look, you perform Trikal Sandhya alone, right? To remove the affliction from the house, for at least seven days, you and your husband should sit together and read the Bhagavat. Complete the entire Bhagavat. And every day, perform a 'havan' (fire ritual) with 108 offerings in the name of the Panchbhuta (five elements) and Madhav. For these seven days, complete the entire Bhagavat. And for the necessary actions to be taken for this, you should talk to me, and I will tell you. If you do this, the affliction in the house can be removed. Jai.

► Watch this answer · 20:50 · 21 February 2025

Q_2781 As you say that Chaitanya Mahaprabhu is also an incarnation of Lord Mahavishnu, why is there no special mention of him anywhere? Even in the Dashavatara Stotra, after the Buddha avatar, it directly mentions the Kalki avatar. Why not Chaitanya Mahaprabhu?

Answer: Because Chaitanya Mahaprabhu is Krishna himself. Look, even Lord Krishna is not described in the Dashavatara (ten incarnations); Lord Balaram is described there. And Chaitanya Mahaprabhu is Krishna, and he who is Krishna is Mahavishnu. The avatars are created from him. You say there is no description of Chaitanya Mahaprabhu, that it's not written. Look, Chaitanya Mahaprabhu is present in the Jagannath temple near the main structure as a 'Daru Murti' (wooden idol). And there, Lord Chaitanya has eight arms. That is, the two arms from each of the four yugas—Satya, Treta, Dvapara, Kali—combine to make eight arms. And with these eight arms, holding the weapons of all four yugas, Lord Chaitanya stands and is worshipped there. And this eight-armed form of Chaitanya Mahaprabhu is the form of Lord Kalki, about whom Mahapurush Balaram Das wrote, 'Ashta bahu ashta kali sese, janma heve Madhav' (With eight arms at the end of Kali Yuga, Madhav will be born), and 'Madhav naam ko je japai, janma maran taara nahin' (He who chants the name of Madhav is free from birth and death). This means that Chaitanya Mahaprabhu, who is present in the Jagannath temple as an eight-armed wooden idol, is Madhav. And that same Madhav will come in the form of Kalki in the Kali Yuga. It is written; it's not that it isn't.

► Watch this answer · 24:50 · 21 February 2025

Q_2782 Pitaji, I had a question. My family members do not believe in this path. Even when I tell them, they don't believe me. I am the only one connected to this path. I am also not allowed to go anywhere, so I cannot attend any external gatherings or assemblies. So, if I can never attend any assembly, will I still be able to progress on this path? I do Sandhya, read Bhagavat Purana, and chant the name from morning to evening.

Answer: Absolutely. Ma, if you cannot go to the assembly or attend the Bhagavat Katha, it's alright. If your devotion to Madhav is complete and your faith is unwavering, you will receive the same fruit. Look, it is written in the Srimad Bhagavatam that when Lord Krishna sent the cowherd boys to the wives of the Brahmins for food, they were hungry. The Brahmins, busy with their rituals, ignored them. After that, the cowherd boys went to the wives of the Brahmins. The Brahmin wives immediately took food for Lord Krishna and started towards Braj to feed him. The Brahmins tried to stop them, but they did not listen. However, there was one small, frail mother whose husband tied her tightly to a pillar in the house and did not let her go. All the other Brahmin mothers went and had the darshan (divine sight) of Lord Krishna. On the other hand, that mother who was tied up surrendered to Lord Krishna right there and directly attained Vaikuntha (the supreme abode). So, it's nothing like that. Dharma is dharma. Yes, those in whose destiny it is written to perform karma in the establishment of dharma, they do it. In your destiny, it is written to worship the Lord right there, so do that. You will still receive the Lord's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:03 · 21 February 2025

Q_2783 I won't be able to come to the Baroda assembly. I want to know, will you conduct more assemblies after that? Will there be other assemblies of ours?

Answer: Look, as the destruction on Earth increases, everyone else's discourses will stop, everyone's assemblies will stop. But ours will not stop. The assemblies will continue. Whenever you get time, you can come. No problem.

► Watch this answer · 30:24 · 21 February 2025

Q_2784 Pitaji, I wanted to ask, if someone reads the Bhagavat Mahapurana, performs Trikal Sandhya, and also chants the name of Madhav, but along with that, also engages in addiction, meaning consumes intoxicants, will they get the fruit of their practices?

Answer: Look, it is written in the scriptures that the places where Kali (the demon of the current age) resides are intoxication, gambling, killing living beings, gold (attachment to wealth), and falsehood. If someone does not get intoxicated, they will not be able to lie. If someone does not get intoxicated, they will not become demonic. Therefore, those who consume intoxicants should give them up. Yes, if they have been doing it for a long time and are now performing Trikal Sandhya, they should quit. Those who do not quit will have to face the torment of Yama (the god of death) and will receive punishment in Yama's realm for an infinite amount of time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:39 · 21 February 2025

Q_2785 Other sadhus and saints narrate the Bhagavat, but no one tells us to read the Bhagavat ourselves. You always emphasize that we should read the Bhagavat ourselves. Is there a difference between listening to it and reading it ourselves? And secondly, regarding this

Trikal Sandhya, through which we get very close to the Lord and have many divine experiences, was it written anywhere in the scriptures that someone would come in Kali Yuga and distribute or propagate Trikal Sandhya? Pandit ji, we would like some guidance from you on this.

Answer: Look, it is written in the Bhavishya Malika scripture that the devotees of the Lord will perform Trikal Sandhya. And about its distribution, it is also written in the Vedas that when a 'Purna Sant' (a perfect saint) comes, he distributes Trikal Sandhya. A perfect saint comes at the end of every yuga to distribute Trikal Sandhya, and it will be propagated. It is also proven in the scriptures that the devotees of Lord Kalki will chant the Dashavatara, Durga Madhav Stuti, and the 'So'ham' name. I have seen this in the Vishnu Purana, Brahma Purana, Brahmavaivarta Purana, Kurma Purana, Linga Purana, Narada Purana, Srimad Mahabharata, Srimad Mahapurana, and the Bhavishya Shastra of the Panchasakha. The composition of Trikal Sandhya for humanity is nectar. It is written that those who do not perform Trikal Sandhya do not have the right to eat. But nowadays in Kali Yuga, everyone eats without performing Trikal Sandhya. The scripture says that there are three times for Trikal Sandhya, and if you miss even one Sandhya, you are not supposed to eat after that time. So, those who do not do it are a big problem. They are living humans, but it is as if they are dead or have already gone to Yamapuri (the realm of Yama). It is also written that there is no other way for humanity besides Trikal Sandhya; it must be done. Those who perform Trikal Sandhya will be protected wherever the cataclysm occurs—be it in water, air, fire, sky, or space. For the protection of their family, if all family members also perform Trikal Sandhya, they too will be protected. Because there is no greater principle than Trikal Sandhya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:37 · 21 February 2025

Q_2786 If I have your permission, can I share a small experience here?

Answer: Okay, tell it in two minutes because time is up.

► Watch this answer · 37:27 · 21 February 2025

SESSION 150 · QUESTIONS 2787–2799

L166 : कलियुग से सत्ययुग कैसे आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 23 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2787 Pandit ji, this is a problem for us and for all devotees, please provide a solution. For example, my son's name is Madhav. He is older, but there are many young children, some 3, 5, or 10 years old, who sometimes need to be scolded. When we scold them, if their name is Madhav, it feels like we are scolding the Lord himself. How should we explain things to the children? A little scolding is sometimes necessary, right? Please advise on this.

Answer: Look, mother, to guide children onto the right path, have them listen to the Bhagavat, and make them chant the name of Madhav. For instance, sit with them and tell them to chant Madhav's name 100 times. Make them do it while sitting with them. Scolding doesn't bring about change. If we need to loosen a nut and bolt, we apply oil to it, and then it opens. If you try to force it open without oil, it will break. Similarly, hitting or scolding small children will not change them. The path to their transformation is through dharma (righteousness). Make them chant the name of Madhav, tell them stories of Lord Krishna's divine plays with the Gopis (Gop Lila), and teach them about Trikal Sandhya. This will bring about a change. If you scold them, they might obey now, but when they grow up, they will start scolding you. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 26:25 · 23 February 2025

Q_2788 The Dhumketu avatar, who will slay Koka and Vikoka... what does the Bhavishya Malika say about this? I wanted to know about the Dhumketu avatar of Lord Ganesha, who will come and slay Koka and Vikoka, the chief ministers of Kali. I saw something about this on the internet, so I wanted to know what is described about this in the Bhavishya Malika.

Answer: Look, Ganapati Maharaj, even Lord Jagannath takes the form of Ganapati. And among the gods, one avatar is Ganapati. At this time, Lord Kalki himself is coming in the form of Kalki, and 33 crore gods and goddesses will come in human bodies to participate in the divine play with the Lord. A Ram Rajya (kingdom of Rama) will be established. This is written in the Bhavishya Malika. And Ganapati himself is Kalki; they are not different. Because in the Gita, it is said, 'Among the gods, I am Ganapati.' And Ganapati is also God. So, that same God is coming in the form of Kalki. At this time, what is written in the Malika Shastra is that Brahma, Lord Shankar, the great sage Narada, and all the gods will be present in their manifest forms. Other gods will come in human bodies and will perform divine plays with the Lord. Because Satya Yuga is the era of all gods, sages, and saints. This is what is written. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 28:06 · 23 February 2025

Q_2789 Can't we stand up for the 'Jaighosh' (victory chant)? If we are in the office, we cannot stand up to do it.

Answer: No, no, it's not necessary. Look, do it in your mind. Even folding your hands is not necessary.

► Watch this answer · 30:04 · 23 February 2025

Q_2790 And what should be said before Trikal Sandhya? I mean, when we seek permission from God, how should we say it?

Answer: Before Trikal Sandhya, you should chant 'Om' three times. The word 'Om' is the 'Pranava' syllable, which is considered the formless aspect of Lord Mahavishnu. Chant that name, that mantra. Say 'Om' three times, say it in your mind, you don't need to make others hear it.

► Watch this answer · 30:24 · 23 February 2025

Q_2791 We have heard about the name 'Madhav' being spoken by Radha ji in the Mahabharata. Where can we find the reference for this?

Answer: No, not in the Mahabharata, it is written in the Gita Govinda. When Radha Rani married Lord Krishna, she did not initially call him by the name Krishna; she called him Madhav. 'Maach Brahma Swarupa Jambu Prakriti Swari Narayani Iti Vikhyata Vishnu Maya Sanatani. Jog Mahalakshmi Swarupa Cha Mahalakshmi Swarupa Jog Maya Gayatri Radhas Taa Sa Swami Cha Madhava.' The meaning of this shloka is that Radha Rani first addressed Lord Krishna by the name Madhav. When she married Lord Krishna—Radha Rani's marriage happened first—this is composed in the Gita Govinda. And the marriage of Radha Rani was performed by Lord Brahma himself in Braj, on the banks of the Yamuna, in the presence of Nand Baba's garden. At that time, Radha Rani called Lord Krishna by the name Madhav. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 31:03 · 23 February 2025

Q_2792 The shloka you mentioned, is it only in the Gita Govinda or is it somewhere else as well?

Answer: It is composed in the Gita Govinda. It is a composition within our Jagannath culture. Look, it is also composed in the Brahma Purana and another, the Vayu Purana. In the Brahma Purana, it is written that when Lord Kalki came in the Kali Yuga before this one, his name was Pramit Chandra, and he came as an incarnation of Madhav. This time, Kalki himself has come as Madhav. Madhav means Mahavishnu. 'Madhav Madhav Vishnu Madhav Madhav Hari Smara, Sadhava Nityam Sakal Karyeshu.' This means that gods, yakshas, gandharvas, sages, and saints all chant the name of Madhav. It is the most benevolent name in the world. Jai Shri Mata.

► Watch this answer · 33:01 · 23 February 2025

Q_2793 A solar storm will come and the entire internet or our satellite system will collapse. The predictions last year were that it would be at its maximum around July and would destroy our entire communication system. So, Pandit ji, will this happen this year or not?

Because I live far from home, I want to spend some time at home with my parents.

Answer: Look, that time has not come yet. That time is under God's control. Regarding those who make predictions, watch my videos from 2018. I had said before, 'Lekha jantra maan ula padibo, tithi baar narate dasa saara ko nischaya udaya.' 'Lekha jantra' means the computer will not work. Achyutananda ji wrote this long ago. But this is under the control of Lord Kalki. Today, many people have started making predictions. It will certainly happen, but in my opinion, it won't be around July. The time will come later. If I were to specify the time, it would be wrong of me because this is God's work. We are preachers of dharma, we are wanderers. Our job is to spread dharma, to bring people to the right path, to spread righteousness, and to propagate the principles of Satya Yuga for which we have received God's grace. Yes, we know the approximate time, but it is not by July. Nothing like that will happen by July. The predictions many people are making will not come true. Jai Jagannath. The internet might fail for short periods, but a complete internet failure will not happen yet. Jai Jagannath. For now, everyone should work, earn a living, do your business, hold on to dharma, and move forward. We have about 10 years in our hands. If the Lord wishes, he can shift it by two or three years here and there. So what is there to fear for a decade? Yes, during this period, there will be gradual changes. You will get a feeling that things are about to happen. God will not do it all in one day. But before doing it, he will show it little by little, gradually, and after that, he will stop it completely. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:29 · 23 February 2025

Q_2794 My daughter's health is very bad, and my mother's health is also very bad. I am performing Trikal Sandhya, waking up at Brahma Muhurta, reading the Srimad Bhagavata Mahapurana, and also chanting the name of Madhav. So, could you please suggest something for my daughter?

Answer: Look, the idol of the Mother Goddess that was consecrated was probably not done with the correct rituals. If it had been, why would the village be suffering misfortune? Therefore, I advise you to organize a 'Madhav Naam Sankirtan' (congregational chanting of Madhav's name) in the village for its well-being. Chant only the name of Madhav, an 'Ashta Prahar Kirtan' (24-hour chanting). That might have an effect. Secondly, for your little daughter, record the Trikal Sandhya and play it for her and your mother to listen to. This might bring some good results. Because the practice of Trikal Sandhya bears fruit after at least three years of sadhana (spiritual practice), but still, try and surrender to Madhav. Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 37:59 · 23 February 2025

Q_2795 Pandit ji, I want to know what 2025 and 2026 will be like for Nepal.

Answer: Look, 2025-26 indicates earthquakes for Nepal. Furthermore, there will be heavy rainfall, and some areas will also experience drought. There will be a shortage of food grains. And I want to tell you that in Nepal, there can be disarray in the government. Along with this, inflation will rise significantly, and the fury of the five elements will also have to be witnessed. This is what is foreseen for Nepal in 25-26. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:47 · 23 February 2025

Q_2796 Regarding the upcoming Shivaratri, do you have any message or anything specific to do? We already do Bhagavata Mahapurana, Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav. I wanted to ask if there is anything else to be done on the day of Shivaratri. Jai Shri Madhav.

Answer: Look, on the day of Shivaratri, recite the Sundara Kanda from the Ramayana, the chapter in which Lord Rama rescued Mother Janaki (Sita). It is called Sundara Kanda. Recite the Sundara Kanda to Lord Shankar; he will be very pleased. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:34 · 23 February 2025

Q_2797 Father, please forgive me. We work all day, doing household chores, outside work, jobs, etc. It is very important to perform our duties (karma). But sometimes it happens that we fall behind in our religious duties; sometimes we miss reading the Bhagavata. We feel that this is a great sin. And sometimes, we end up doing things that we shouldn't, things that are wrong. We know they are wrong, but they still happen because of our work. Is this right for us? Please guide us on the path.

Answer: Try to do the Trikal Sandhya at the correct time. Trikal Sandhya can also be done while walking around; it can be done while working. The chanting should be done in the mind, in the heart; you don't need to make others hear it. Therefore, wherever you are working, anywhere, chant in your mind. Your mouth isn't always eating, so your mouth is free, right? So, chant with your mouth, in your heart, wherever you are. I sometimes do it in the car, sometimes while walking around. Because there are no strict rules for chanting God's name. Wherever you chant, you will receive the fruit of it. Just don't do it at the wrong time. Doing it on time is good. You don't need to take out special time to sit down for it; you can do it while doing your household chores and work.

► Watch this answer · 43:44 · 23 February 2025

Q_2798 Okay, Pandit ji. In places where it is cold, can we do it in the morning while lying down, especially when it's very cold?

Answer: Look, Brahma Muhurta is at 3:45 AM, starting from 3:30. When the stars are visible in the sky, performing Trikal Sandhya at that time yields the best results.

► Watch this answer · 45:06 · 23 February 2025

Q_2799 No, I mean, by chance, if it's not possible otherwise, can it be done while lying down? That's what I wanted to ask.

Answer: Lying down, the elderly and sick people can do it.

► Watch this answer · 45:28 · 23 February 2025

SESSION 151 · QUESTIONS 2800–2809

L167: MAHASHIVRATRI | महाशिवरात्री लिंगराज तथा जगन्नाथ क्षेत्र से अशुभ संकेत ! | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 27 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2800 I want to talk about the Mahamantra. I used to chant the Hare Krishna mantra and felt like I should add Lord Kalki to it, so I would chant 'Hare Krishna... Hare Rama... Kalki Hare Kalki Kalki Kalki'. But it didn't feel right, so I stopped. Since joining your stream in 2023, I've been chanting. The Hare Krishna mantra is preceded by 'Shri Krishna Chaitanya Prabhu Nityananda...'. I thought of creating something similar for the mantra we chant. I came up with three versions and would like your opinion. The first is 'Jai Shri Jagannath, Jaswant Prabhu, Achyutananda, Shri Advaita Gadadhara, Shri Anant Das, Balaram Bhakta'. The second is 'Jai Shri Achyutananda Prabhu, Balaram, Jaswant, Jagannath Prabhu ke charano mein dhyave Anant'. The third is 'Shri Krishna Madhav Prabhu Achyutananda, Shri Jagannath Jaswant Prabhu ke charano mein dhyave Jaswant aur Anant'. Is this okay?

Answer: Okay, very good, Baba. This name is very pure; it contains the Lord's name. However, I have told you what is written in the Malika Shastra. Regarding the 'Hare Rama Hare Rama Rama Rama Hare Hare' mantra given by Lord Chaitanya Mahaprabhu, it is written in one place in the Malika Shastra that the Mahamantra will be chanted in reverse. That is, 'Ram Hare Krishna Hare, Ram Hare Krishna Hare, Ram Hare Krishna Hare, Anant Madhav Hare Hare.' It will be chanted like this. Therefore, the mantra you have composed is very good and pure. You can chant it. But during Trikal Sandhya, chant the name of Madhav. Perform Trikal Sandhya, and also chant the reverse version of the Mahamantra as written in the scriptures: 'Ram Hare Krishna Hare'. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:09 · 27 February 2025

Q_2801 Guruji, what is the Brahma Ekakshar mantra (the single-syllable mantra of Brahman)?

Answer: Look, only a Brahma Muni (a sage who has realized Brahman) knows the Brahma Ekakshar. The Brahma Ekakshar mantra is not public. Only a Brahma Muni who can impart the knowledge of Brahman can tell about it. However, I will tell you a little about the Ekakshar. The Ekakshar mantra means 'Ekam Brahma, dvitiya naste' (There is one Brahman, not a second). Chanting the name of Lord Mahavishnu is called Ekakshar bhajan (single-syllable worship). And in this Kali Yuga, the Ekakshar mantra is the name 'Madhav'. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:11 · 27 February 2025

Q_2802 Father, I went for a Rudrabhishek yesterday. Usually, I chant 'Om Namah Shivaya', but since joining this stream, no other name but the Lord's (Madhav's) comes to my lips. Instead of 'Har Har Mahadev', I found myself saying 'Jai Shri Mahadev'. And while performing the Rudrabhishek, instead of 'Om Namah Shivaya', I was chanting 'Jai Shri Madhav' the whole time. Did I do anything wrong by performing the Rudrabhishek while chanting the Lord's (Madhav's) name?

Answer: If you chant the name of Madhav during the worship of Lord Shankar, Lord Shankar becomes most pleased. This is because Lord Shankar constantly chants the name of Ram in his heart. There is no difference between the Lord (Vishnu/Madhav) and Shankar; they are all one, only the names are different. For the attainment of God, Lord Shankar also blesses the chanting of Madhav's name. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:05 · 27 February 2025

Q_2803 And one more question: if a lustful thought accidentally arises in the mind, is it a sin? My mind has been a bit disturbed since this morning. For the past year and a half, I have kept myself under control, but sometimes the mind gets a little distracted. I seek forgiveness and guidance on this.

Answer: Look, the human body is composed of the five elements (Panchabhuta). And in this body of five elements, there is water, air, fire, earth, and ether. Just as changes sometimes occur in the five elements, the human mind also experiences turmoil. Because of this, the awakening of desire and lust happens in everyone; it even happens to sages and saints. So, for that, there is no sin. But if someone acts upon that desire or embraces it, that is a sin. When such feelings arise, it is necessary to chant God's name, follow a daily spiritual routine, and take refuge in God to stop them. Therefore, this feeling comes to all humans, deities, sages, and saints, so it is not a sin. But to act on it is a sin.

► Watch this answer · 23:51 · 27 February 2025

Q_2804 Father, I want to share a personal experience and ask a question. (Shares a long story about doing Trikal Sandhya at a Shiva temple). My question is for our Madhav Mahaprabhu. Does He still perform the same 'leelas' (divine plays) as Krishna did, like stealing butter and breaking curd pots?

Answer: Listen, listen. No one has recognized God; no one knows God. It is not necessary to even think about this. The thought should be that we have to perform good deeds. And by performing good deeds, if it is in our destiny, we will go to Satya Yuga. This campaign of ours is for chanting the name of Madhav. I say, where Madhav is, who He is, is not our concern. But it is written in the Malika Shastra that those who chant the name of Madhav will go to Satya Yuga. They will be protected from the coming calamities. That is why we promote it. The essence of Trikal Sandhya is Brahma Karma (divine action). The person who imbibes this essence of Trikal Sandhya will become a human of Satya Yuga, because in Satya Yuga, all humans will have to perform Brahma Karma. So we should remain in this line of thought. With time, in the end, when Satya Yuga is established, then we will think about what leela is or isn't, and what will happen next. For now, do what I am telling you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:33 · 27 February 2025

Q_2805 Father, when something related to our past comes before us now—be it a person, an event, something related to family, or ourselves—at that moment, we are unable to act with patience, nor are we able to adhere to the truth. What should we do?

Answer: Look, constantly chant the name of Madhav. Whenever you have time, read the Bhagavat twice a day. The problems that are arising in these times will go away. Because no one becomes a saint in a day, no one becomes a sage in a day, and no one attains spiritual powers in a day. It requires time. Do as I have told you, and with time, everything will be alright. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:46 · 27 February 2025

Q_2806 Father, I want to know, you had mentioned that some devotees will be saved in India and some devotees will also be saved in foreign countries. So, for the devotees living abroad, if they chant Madhav's name and perform Trikal Sandhya right where they are, will they be safe there, or will they have to come to India? I am asking because both my children are abroad.

Answer: Firstly, it is written in the Malika Shastra that people who are abroad will return to their own country. Secondly, it is also written that the devotees of God who remain in foreign countries—it is written about the entire universe—God Kalki will go to them in the final moments and make them kings. So, the essence of this thought is that for those who perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and chant the name of Madhav, wherever they may be, they will remain safe.

► Watch this answer · 29:52 · 27 February 2025

Q_2807 On the night of Shivaratri, I had a dream. I saw a statue of Lord Mahavishnu lying down with a boy sitting next to it. I told the boy to wake the Lord up. The boy called out, 'Vishnu ji, please wake up.' From the statue, a figure holding a trident and wearing prayer beads arose and sat in front of the boy. The boy then pointed at me and told the trident-bearer, 'Look, that person is watching you.' As soon as the trident-bearer saw me, he tried to throw the trident at me. At that moment, I started shouting, 'Madhav, Madhav, save me, Madhav, protect me!' Then I saw you (the speaker) appear near me, talking on the phone. I could only see your back. I also saw myself lying down, and drops of water were sprinkled on my body. I felt that now that you had arrived, I was safe. I heard your voice on the phone, and I woke up, repeatedly saying, 'Protect me, protect me.' What does this mean?

Answer: The meaning of this is that Lord Shankar is the Rudra form of the Lord, that is, of Lord Kalki. It is the form of destruction. Because Lord Vishnu, as per Brahma's design, creates the universe; in the form of Narayan, He sustains it; and in the form of Shiva, He destroys it. So, this is proof that for the purpose of destruction, the Lord Himself has taken the form of Shiva. And what happened yesterday in the Lingaraj temple is Lord Shankar proving, 'I will do it now, your intervention is not needed.' This is the proof we are getting. And it is also proof that at the time of Lord Shankar's destruction, the name of Madhav will protect. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:58 · 27 February 2025

Q_2808 As we hear that the gods are leaving their abodes, has Baba Vishwanath (Lord Shiva in Kashi) also left his place?

Answer: All the deities have left their places, throughout India and the world. That is why the act of destruction is happening. That is why inauspicious events are occurring. That is why the five elements are causing devastation. That is why diseases are spreading. That is why wars are happening. As long as they were being worshipped, there was no sin or sorrow on earth. Human civilization is terrified; no one is at peace. And I had said one thing, look, I said this in 2018-19, that there will be so much breaking news that no media channel will know what to report because there will be millions of breaking news items. If Lord Shankar hadn't left, why would this breaking news be happening? It will continue to increase. For destruction, Lord Shankar has already departed. And the one who is Lord Shankar is also the form of Kalki. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:01 · 27 February 2025

Q_2809 I had a dream. I was going for propagation with the Malika and some pamphlets. It was 6 AM. We asked someone for a lift. In the blink of an eye, I saw Nepal. First, the path was scorching hot with dry trees. A little further, it was raining so lightly you could count the drops, and everything was lush green. Then we fell into mud but managed to save the Bhavishya Malika and other materials. We were dropped off in a place like Nepal. Suddenly, an old woman appeared. She was very old, her skin was sagging, but her face was incredibly radiant. I was speechless. Behind her was a young boy, about 8-10 years old, wearing light brown robes like a Buddhist monk. He kept looking at me with a slight smile. The old woman asked, 'What have you come here for?' When I showed her the materials, she said, 'Oh, you've come for propagation. We know. And the boy behind you who is looking at you, he also knows a lot about this.' I looked back at him, and he was staring at me, but I couldn't say anything. Then, something big and dark overwhelmed me, and my dream broke. Can you please tell me something about this and provide some guidance?

Answer: Look, guidance is not necessary. Those who chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya naturally have such dreams. This was a vision of the power of Yogamaya. And you are receiving some information about the Lord's program. It indicates that religious propagation and work for the coming Satya Yuga will also happen in Nepal; that is why Nepal was shown. So, you have had a vision of the power of Mother Yogamaya, which is a thing of great joy.

► Watch this answer · 35:20 · 27 February 2025

SESSION 152 · QUESTIONS 2810–2815

L168: EARTHQUAKE | नेपाल-बिहार में भूकंप का असली कारण? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 28 February 2025 · Watch the full session ↗

Q_2810 Why are there frequent earthquakes in Nepal and Bihar?

Answer: The speaker explains that these frequent earthquakes are a warning from God to humanity. He had previously predicted them based on scriptures like the Malika Shastra, which foretells destruction in the Himalayan region, including Nepal. These smaller tremors are precursors to a much larger, devastating earthquake in the future. He states that these events are signs for people to understand that a great calamity is approaching and that they must turn towards a path of righteousness (dharma). The frequency and intensity of these disasters, including earthquakes and floods, are predicted to increase significantly after March 2025. The ultimate way to find protection from this impending destruction is to change one's lifestyle: abandon non-vegetarian food and alcohol, and sincerely practice virtues like truth, peace, and compassion. He strongly advises everyone to perform the Trikal Sandhya ritual, read the Srimad Bhagavat, and constantly chant the name of Lord Madhav for their and their family's safety.

► Watch this answer · 00:51 · 28 February 2025

Q_2811 I've grown tired of telling my family to join me in my spiritual practices like Trikal Sandhya and chanting. They show no interest and say they worship God in their minds and whatever is to happen, will happen. What should I do?

Answer: It's okay, leave them be. See, not everyone is a devotee, and not everyone is destined to walk the path of truth. Only those with the right karma from past lives will be drawn to it. The Malika Shastra also says that only those who were devotees in the previous four yugas and were with the Lord will enter the new age of truth (Satyayug). How can those who haven't done this go? So, leave them. Don't say anything to anyone. If they are meant to join, they will in the future. What is your family? The whole family is God.

► Watch this answer · 15:16 · 28 February 2025

Q_2812 I have a question regarding all students. Nowadays, it's common for them to be in immoral relationships, like having a girlfriend or boyfriend. What does the future hold for them?

Answer: Look, we are not commenting on married people. However, for those who are in immoral contact and commit sinful, unauthorized acts before marriage, their path is not good from a religious (dharmic) perspective. They should mend their ways while there is still time.

► Watch this answer · 17:01 · 28 February 2025

Q_2813 Guruji, a colleague at my office constantly picks fights with me. It's happened many times, and she doesn't listen to reason. We recently had a very bad fight where she was extremely rude. Since then, I've been unable to focus on anything, including my spiritual practices like Trikal Sandhya or reading the Bhagavat. How should I deal with people like this? I lose control of my mind.

Answer: Look, this doesn't just happen in your office; it happens in every corporate office. Do one thing: maintain distance from them. Pray to Lord Madhav, 'Lord, protect me from them.' Don't talk to them, don't meet them. If she sits somewhere, you stay away from her. This will be for your own good. The fight that is happening now between the divine and demonic forces, this is also a kind of fight. Therefore, neither speaking nor doing anything will help. We have to live in society and also do our job. So, maintain distance from them and every day, pray to Madhav to protect you. In my opinion, the Lord will show his grace.

► Watch this answer · 17:56 · 28 February 2025

Q_2814 Pandit ji, my parents fight almost daily. When I try to intervene, I sometimes get angry and say things I shouldn't. I feel this is a mistake and I'm scared that because of this anger, I might fail the spiritual test of Yogini Mata and won't be able to enter the new age of truth (Satyayug). What should I do about this recurring situation and my anger?

Answer: You must renounce that anger. Getting angry at someone, cursing someone, or abusing someone—this is not the rule for virtuous people. We should change people through our language and conduct. It is not our right to be angry at anyone, especially for devotees who perform Trikal Sandhya. For them, anger is like a poison because it will destroy our dharma. So, leave this habit. If someone does wrong, explain it to them. Therefore, renounce anger, and with pure and refined language, explain the situation to those who are doing wrong, whether in your family or outside. If they don't understand or argue, then don't talk to them at all. Maintain distance.

► Watch this answer · 19:40 · 28 February 2025

Q_2815 Pandit ji, sometimes my body temperature rises while I'm performing the Sandhya ritual. Is this okay?

Answer: If it increases, that is a good thing. There is no problem. Continue with your practice, and you will feel peace afterward.

► Watch this answer · 21:40 · 28 February 2025

SESSION 153 · QUESTIONS 2816–2827

L169: ASTEROID IMPACT | क्या पृथ्वी पर ऐस्टरॉइड गिरने वाला है? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 03 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2816 Mukesh Kumar from Patna, Bihar, is asking: Will the democratic system (republic) remain until 2029, or will it end?

Answer: Look, it is written in the scriptures that Satya Yuga (the Age of Truth) will begin in 2032. I have also written in the Hindi version of the Bhavishya Malika scripture that Satya Yuga will start from 2032. This is the scriptural rule. It could be 2034 instead of 2032, or it could even be 2030. Because when dharma is established, there can be a difference of a year or two. But the question is, will there truly be a monarchy instead of a republic after 2032? Yes, your question is correct. Because Achyutananda ji has written about this, stating that thirteen celibates will rule India in the form of a monarchy, and a Brahmin will rule on the throne of Delhi. And not just in India, but throughout the world, by God's will, devotees will become kings. It's not a dictatorial rule; the great devotees of God, by the grace of the Lord, will be made kings. Therefore, after 2032, there will be an independent Ram Rajya (Rule of Rama). It is also written that when a Brahmin rules on the throne of Delhi, then Ram Rajya will be established all over the world. So we have to wait for that time. It can be two or three years before or after; it could even happen earlier. This is up to the Lord. Because the Malika scripture has been composed, and after writing everything, Achyutananda ji wrote one line, saying, 'What I have written is not my word, but God told me this word.' When Lord Kalki comes, he will work according to his own will. The timing can vary, but this is 100% certain to happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:13 · 03 March 2025

Q_2817 Suraj Maurya from Varanasi, Uttar Pradesh, wants to ask: In Kali Yuga, why do good things happen to good people and bad things happen to bad people?

Answer: In Kali Yuga, good things happen to good people, and bad things happen to bad people. Look, it's not Kali Yuga anymore because the age has changed, but its full effect has not yet come. As this full effect arrives, people who do evil in India and the world will get bad results. For example, for some time, the rulers of Ukraine continued the war with America's help, but a time came when a conflict arose between them. This is because whoever has a flaw in their karma, it will be exposed. In the whole world, whoever does bad things has to suffer. Russia is a peace-loving nation that has always helped India. It had to fight against 30-40 countries at once, but dharma will be revealed, and all countries will separate. This change of time is the revelation of dharma. Any human in the world who makes a mistake gets caught. Anyone who works hard with goodness reaps the rewards. Look, today in India, farmers are driving cars worth 50 lakhs by farming, something we had never seen. This is because now, hard work bears fruit. The age has changed. This atmosphere is being created for the arrival of Satya Yuga, where there won't be a single evil person. In the previous Satya Yuga, Lord Kalki established dharma for 22 years by first eliminating the great sinners, then the middle-class ones, and finally even those who committed small sins. This is a sign of the changing age. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 27:16 · 03 March 2025

Q_2818 Ishant from Delhi wants to ask: When Kali Yuga ends, what will happen to our mobile phones?

Answer: Look, when Kali Yuga ends... we call Kali Yuga the age of machinery. Achyutananda ji wrote about this beforehand, stating that counting machines like computers and mobile phones will be lying upside down, meaning they will not work. In another place, he wrote that all machinery and industries will become immobile. It is written in the Malika that all these scientific machines will become immobile. So when the mobile phone stops working, the devotees will receive a spiritual mobile power. Devotees sitting anywhere in India will be able to perceive the whole world. Because of this age of machines, we get news through them. But with the change of age, man's spiritual power will increase so much that through the 'gyan chakshu' (eye of knowledge) they receive, they will be able to know everything. So, whatever happens will be for the good. The technology of Satya Yuga is millions of times more effective, pure, and safe than that of Kali Yuga. Good times will come, there will be no problem.

► Watch this answer · 30:14 · 03 March 2025

Q_2819 Sachin Gupta from Noida wants to ask: As Saturn is about to enter Pisces, should he invest money to open a tuition center for his livelihood, or is his current private job fine?

Answer: Look, until the destruction in 2032, essential services like education, food, the army, and medicine will continue. People will study until the very end; it will not stop. This will continue until 2032, in my opinion. Therefore, if you are comfortable with it, you should do the work. When the world is destroyed, you will be. If it is not, then you have no problem. But change will definitely happen. I had said before that the market will crash, and now it is crashing and will crash further. We have to eat and drink, we have to work. I am also working. I don't stop and say the world is going to be destroyed. We do our work because this scripture needs to be propagated. Therefore, do your work. Never stay away from work. What you will or will not get as a result is up to God. So, do your work. What will or will not happen will happen to everyone. It will happen to me, and it will happen to you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:21 · 03 March 2025

Q_2820 Barkha from Noida wants to ask: Is the fruit of listening to the Tri-Sandhya the same as reading it? We listen to the Tri-Sandhya three times a day on YouTube.

Answer: Look, listening to the Tri-Sandhya three times a day on YouTube gives as much fruit as reading it. But listen to the Trikal Sandhya at the correct time. You will get the fruit from that as well, and you will receive God's grace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:55 · 03 March 2025

Q_2821 Rohit Kumar Sinha from Jharkhand wants to ask: Was there any mention in the Malika about World War I and World War II?

Answer: Yes, in the Bhavishya Malika scripture, the first world war was written about, the second world war was written about, and it was also written that America would drop a nuclear bomb on Japan. It was also written that there would be several wars between India and Pakistan. Everything that was written has already happened. And what is written next, about the Third World War, that will also happen. With time, this too will happen.

► Watch this answer · 35:31 · 03 March 2025

Q_2822 I experience a lot of lustful desires. What should I do?

Answer: Look, this is not just your problem; it is the final influence of Kali Yuga falling upon mankind. Our diet and lifestyle are responsible for this. If we stay away from mobile phones and laptops, i.e., the internet, then lustful desires will reduce by 70% on that very day. Because it is through these machines... Achyutananda had written that through the internet and mobile phones, people's lustful desires will be awakened. This is written in the Malika scripture. Therefore, I give one piece of advice: if any bad content appears on your phone, mark it as 'Not Interested'. And do not associate with people who talk about bad things. If an evil thought ever comes to your mind, sit down and read God's scriptures, Puranas, or the Bhagavata. Through their influence, it will go away. And after 9 or 10 PM, do not keep your mobile phone with you. This can bring about a change in a person. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:17 · 03 March 2025

Q_2823 Pandit ji, should we offer water to the Tulsi plant on Ekadashi day or not? And please tell us all the benefits of Trikal Sandhya. I am also troubled by an illness that is not getting cured despite performing Trikal Sandhya and taking medicine.

Answer: Look, you should offer water to Mother Tulsi every day, whether it is Ekadashi, Amavasya (new moon), or Sankranti, because she is a divine mother and is worshipped daily. That's the first thing. Second, regarding the benefit of Trikal Sandhya: those who perform Sandhya (prayers) at three times of the day receive the grace of Lord Vishnu. It is written in the scriptures that people who perform Trikal Sandhya become divine beings and attain the state of gods. Trikal Sandhya has an element that brings a person from death to life. Those who do not perform it are considered to have a dead body, while those who do truly have life in them. By performing Trikal Sandhya at three times, all major calamities, sorrows, and illnesses can be overcome. According to my faith in the scriptures, there is no greater element than this on Earth. The Trikal mantra that we have mentioned—Durga Madhav Stuti, the 16 names of Lord Vishnu, his 10 avatars, his main name 'Madhav', and one chapter of the Bhagavata—those who read this will surely find it fruitful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:19 · 03 March 2025

Q_2824 Pandit ji, they say we shouldn't pluck Tulsi leaves on Sunday. Is this correct?

Answer: Sunday is the day of Ravi Narayan, meaning Lord Narayan's day. Before sunset, one should bring leaves from Mother Tulsi, but only after bathing and performing the proper ritual with flowers and a lamp. After requesting the mother, one should bring the Tulsi. And only Lord Narayan has the right to Tulsi, no one else. We cannot use Tulsi in the worship of any other god or goddess. Only the avatars of Lord Narayan, like Rama, Krishna, Parashurama, etc., are capable of holding Tulsi. No other god or goddess had this capability.

► Watch this answer · 41:21 · 03 March 2025

Q_2825 I read a description about you in the Bhavishya Malika on a Telegram channel. It describes your method of devotion, saying you will worship sometimes with the emotion of a woman and sometimes with the emotion of a man, and no one will know when you are in which state. Could you please explain the meaning of this so that we can also understand and act accordingly?

Answer: Look, the devotees of God, in front of God, see themselves as a woman, that is, they attain a 'Gopi bhava' (the emotional state of the Gopis). Gopi bhava is the supreme part of devotional emotion. The highest level of devotion is the emotion of the Gopi mothers. When that emotion comes into a devotee, it becomes a little easier to attain God. Therefore, in front of God, one should present oneself as a woman, or as a celestial singer, singing bhajans to him. One should have such an emotion. Lord Krishna told Uddhava that after worshipping, one must also sing his glories and dance, seeing him in that dance. Therefore, it is an emotion of devotion. To reach the level of Gopi bhava, one must stay away from material elements and take refuge in God, considering oneself the smallest and most insignificant. Some people, after a little devotion, think they are the greatest devotee. I would say, what is the meaning of devotion if this Gopi bhava does not come? If you want to worship God, tears should come from your eyes. The one who is devoted to God will have tears, will start dancing, and will forget the universe. Their emotion will be only for Krishna. Therefore, come into the Gopi bhava. One can easily attain God by being absorbed in this devotional emotion, and life will be meaningful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 42:29 · 03 March 2025

Q_2826 I have two questions. First, as NASA and others are saying an asteroid will fall in 2032, you had said that these predictions won't work and the Lord will move these events. Does this mean the 2032 date is not correct? Second, when the destruction begins, will we devotees ever get to meet you in person?

Answer: Look, I am already meeting and talking with you all right now. My goal is one. As you asked, when the asteroid will come, when it will fall—all this is under God's control. Do your karma (actions). The greatest gift of meeting you that I will receive is when you perform Trikal Sandhya and read the Bhagavata at the right time, donate the first roti (flatbread) of your house to a cow daily, and continuously become truthful. Then, the fruit of the spiritual discourse we are having today, you will experience in Satya Yuga. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 50:21 · 03 March 2025

Q_2827 Do we have to give up onion and garlic? We are giving up non-veg, but do we also have to give up onion and garlic? Is it also considered non-vegetarian?

Answer: Look, in God's temple or in the temple in your home where you worship, if you offer prasad (food offering) to the Lord, then prepare it completely vegetarian, without onion and garlic. That's the first thing. Second, if you have given up non-vegetarian food, you can eat onion and garlic for some time now. With time, everyone will give up onion and garlic. You can eat it now, it's not such a big issue, but you will have to give it up later. You can eat it now, no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 52:51 · 03 March 2025

SESSION 154 · QUESTIONS 2828–2841

L170: Ukraine-Russia War | यूक्रेन रूस के युद्ध का नतीजा क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 07 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2828 My zodiac sign is Pisces, and I am under the influence of Saturn's Sade Sati. Will this sign also be affected by the Pisces-Saturn conjunction (Meen Shani Yog)?

Answer: Look, the sign through which Saturn is transiting experiences its effects based on the transit, as well as the planetary positions in one's birth chart. Yes, as Lord Saturn is transiting, this movement through Pisces is bringing calamity for the entire earth, and it will also affect people of the Pisces sign. To mitigate this, one should perform Trikal Sandhya daily, read the Bhagavat, chant the name of Madhav, and recite the stotra of Lord Narasimha Mahaprabhu 11 times during the three Sandhya times. Doing this will bring the graceful gaze of Lord Saturn upon you.

► Watch this answer · 09:05 · 07 March 2025

Q_2829 He has sent an Odia shloka and wants to understand its meaning. The shloka is: "Agni kunde gruta dhali the sehi hrude e mo nama, kete bele sthiti kete bele puni heba purushottama, kete bele stri purusha bolena kichhi jana na padiba, hemanta besare mohara bhakta brahmanda madhye bhramiba."

Answer: This means that in the current Kali Yuga, it speaks of a 'Naam Yagya' (a sacrifice of chanting the Lord's name). A devotee of the Lord will come who will perform this Naam Yagya. Their disposition will sometimes be female, sometimes male, and sometimes a mix of both. This means they will have no humanly feelings in their mind; they will have the sentiment of a Gopi, a devotee. They will travel the entire world, spreading the Lord's name. It is written in the scriptures that such a person will propagate the Bhavishya Malika throughout the world.

► Watch this answer · 10:24 · 07 March 2025

Q_2830 How can one atone for the great sins of a past life in this current life?

Answer: This is a very good question. The actions we perform in this life, we can atone for them. Before death, people give donations, go on pilgrimages, and donate to the poor, the needy, and to cows. Before death, understanding their karma, they reflect, repent, and take refuge in the Lord, also performing virtuous deeds. But after we die and are reborn, that karma comes in the form of 'prarabdha' (destiny) written in our birth chart. What is written? That this person performed such and such good deeds in a past life, so they will be born in a good family, will study this much, earn this much, get a beautiful spouse, have such children, or have no children at all. All this comes under prarabdha. To purify both prarabdha and present karma, the scriptures state that to make the karma of infinite past lives happy, pure, and virtuous, Trikal Sandhya is the one element that can burn away the sins of millions of births. It is Trikal Sandhya. This is written in the scriptures. If any human performs Trikal Sandhya, chants the name of Madhav, and reads the Bhagavat, then their prarabdha is atoned for, their present sins are atoned for, and the sins of countless past lives are also atoned for.

► Watch this answer · 12:01 · 07 March 2025

Q_2831 If I am unable to perform Trikal Sandhya in any way, is there a simpler alternative?

Answer: Look, if there is no bread in the world to eat, a simple alternative is water. But can anyone survive just by drinking water? Therefore, you have to eat bread. Similarly, the simple alternative for Trikal Sandhya is this: if you are helpless, if you don't have five to seven minutes, then at that time you can do a shortened version. This means, at that time, you can chant the Durga Madhav name 36 times, the names of the ten avatars once, and the Madhav name 108 times to get through that period. This doesn't mean that you deliberately overlook Trikal Sandhya when you have time; that is not right. Yes, if you are driving, traveling on a bus, sitting in an office, or engaged in some work, you can take out five to seven minutes. For example, the shloka of the ten avatars. If we chant it with a rhythm, it will take more time. But if you don't use a rhythm, it can be done in a very short time, in about three to six minutes. Do it like that.

► Watch this answer · 14:25 · 07 March 2025

Q_2832 How do I make people aware of the Lord's name? Everyone makes fun of it.

Answer: Look, I have said this before and I'll say it again. The scriptures say that those who criticize the word of God are no less than demons. So, never speak to these people. Speak only to those who are faithful, pure, and good people, who want to follow the word of God. The time is coming when people will beg for Trikal Sandhya. They will beg and say, 'Brother, help us, give us Trikal Sandhya too, we also want to be saved.' Right now, people in Kali Yuga do not recognize gold; they recognize iron. The time will come when the people of the whole world will have to do Trikal Sandhya, and they will not be able to survive without it. It is written in the scriptures. This is not my word; this is the word of God. So, those who mock the chanting of God's name, know that they are not God's people. We have no business with them. But when calamity strikes, then people will come. If you want to be saved, God has shown the way. Those who want to believe, will believe. Don't tell those who don't believe. Tell only those who desire it with faith and devotion. In this, you will be blessed, and they will be blessed too.

► Watch this answer · 16:50 · 07 March 2025

Q_2833 She has two questions. First, should the people in Lord Kalki's army start preparing from now? And second, to face the upcoming great deluge (Mahapralay), one will have to stay hungry for many days, so should we start practicing staying hungry for four days from now?

Answer: Look, Lord Kalki's army is already predetermined. Those people have already been born. In this era, Lord Kalki will carry out all the acts of destruction. The Kalki army will save the devotees and propagate dharma. The Lord Himself will do the fighting. As for not getting food during the six-year famine, even if we practice now, it won't work because it's a matter of six years. It is written: 'Only three or four people will remain in each village, and they will consume air (pavana aahara). They won't get food grains, but they won't die either, as they will be chanting the name of Hari.' They will survive by taking in the air, the breath, and by chanting the name of Lord Madhav. The six-year famine will pass without any harm to them. So, increase your dharma, perform Trikal Sandhya, and read the Bhagavat. Trikal Sandhya is the one element for protecting dharma and building the Satya Yuga. There is no other way.

► Watch this answer · 20:20 · 07 March 2025

Q_2834 When we perform our daily rituals, the Lord sees them. So when we commit sins, why do we forget that the Lord is watching us? We do it unknowingly, which is understandable, but why do we do it knowingly? Also, my experience is that since I started taking the name of Janardana while eating, it feels like I have eaten a lot and my stomach is very full, even with less food. Please explain this.

Answer: Your sentiment is very clear and good. Whatever actions we perform, the Lord sees them, whether good or bad. But the person who does good or bad knows it themselves. When you realize, 'I did not do this right,' it's as if God gave you a signal. This is how God watches. Therefore, if you make a mistake unknowingly, you should atone for it, repent, and ask for forgiveness according to the rules in the Manusmriti. Making a mistake unknowingly is not a big deal, but doing so knowingly is a sin. When God makes you realize your mistake, it means God has seen your action and informed you. Regarding food, taking the name of Janardana at the time of eating makes the food turn into nectar. The fact that you feel full is a very good effect. The power of this mantra will increase further in the future. Right now, due to Kali Yuga, the mantra's effect is less, but it will increase a lot later.

► Watch this answer · 24:11 · 07 March 2025

Q_2835 Guruji, I am unable to perform Trikal Sandhya. I don't drink alcohol, eat meat, or tell lies. Will I be counted among the devotees?

Answer: Look, as a person of good conduct, a Hindu, a Sanatani, it is our duty not to harm others and to speak the truth. You are doing it, so you are praiseworthy. But regarding Trikal Sandhya, it is important because Satya Yuga will not be established in a single day. The characteristics of people in Kali Yuga are food, recreation, and sleep. The characteristics of people in Satya Yuga are 'Brahma Karma' - yajna, religious ceremonies, and service to mother cow. In Satya Yuga, everyone will perform Brahma Karma, which means Trikal Sandhya. Therefore, the karma of Satya Yuga starts with Trikal Sandhya. It is the first step. Later, there will be more rituals. When this happens, there will be no calamity or disease in the world. To go to Satya Yuga, you must perform Trikal Sandhya. It is the first step. You follow good conduct, so you are a Hindu, a Sanatani. For that, thank you.

► Watch this answer · 26:49 · 07 March 2025

Q_2836 Please bless me so that I can perform Trikal Sandhya. I am living a daily-wage life in Kolkata and am unable to provide for my family. For a year, I have been listening to your discourse, but I am unable to do Trikal Sandhya. Please bless me.

Answer: I bless you. Perform the Sandhya, chant the name of Madhav, and God will bring a big change in your financial situation and your ability to provide for your family. I give you this with a guarantee. You do it.

► Watch this answer · 30:14 · 07 March 2025

Q_2837 Please bless me, I have an exam tomorrow. May my exam go well.

Answer: Okay, go after chanting the name of Madhav. Everything will be fine.

► Watch this answer · 31:12 · 07 March 2025

Q_2838 Pandit ji, I am from Agra. I don't lie, I earn my livelihood, and I take care of my family. But I am unable to do Trikal Sandhya three times a day because my duty is from 9:30 AM to 7:30 PM. I am a complete vegetarian, I don't even eat onion or garlic. So, will I enter Satya Yuga or not?

Answer: Absolutely, you will enter. That's why you are discussing this with me. It is your right, you deserve to go, because God has given you that ability. Look, Trikal Sandhya is done at Brahmamuhurta (when stars are visible). Do it once then. Then, between 11:30 AM and 12:30 PM, it takes 5 minutes, do it then. Then in the evening, do it for 5 minutes before sunset. This Trikal Sandhya is a protection that the element of Kali cannot penetrate, and it brings happiness and peace. Giving 10-15 minutes in a day is possible out of 24 hours. Try, and it will definitely happen with faith, and you will receive many good things. You will become like a sage or a saint.

► Watch this answer · 31:28 · 07 March 2025

Q_2839 Father, I would like to say that everyone has some doubt in their mind. Someone is unable to chant the Madhav name, someone is unable to do Trikal Sandhya, and someone is unable to do the Bhagavat Katha. So, I pray to you with folded hands, please bless everyone so that each and every person can perform the Lord's work with full devotion. Please bless everyone, Prabhu.

Answer: Okay. You will wake up at the right time and Trikal Sandhya will happen. I bless you. The Lord will show his grace.

► Watch this answer · 33:48 · 07 March 2025

Q_2840 I perform Trikal Sandhya, but I am unable to read the Bhagavat, Guruji. How can I get the fruit of reading the Bhagavat? Please tell me a rule for it.

Answer: Look, before you go to sleep, wash your feet, chant the name of Mother Ganga three times, and then read the Bhagavat for 10 minutes before sleeping. You will have a good sleep, and the next day will also be good.

► Watch this answer · 34:40 · 07 March 2025

Q_2841 (Paraphrased from context) I perform Trikal Sandhya, but my financial situation is bad. What should I do?

Answer: For those of you who perform Trikal Sandhya and still have a poor financial situation, look, everyone in the house must do Trikal Sandhya at the right time. It won't work if you do it alone. Everyone must board the same boat, and God will take that boat across. Perform Sandhya at the right time, chant the name of Madhav, and do your work. I give you a guarantee—not just me, but millions of people have experienced that they got jobs, employment, and cures for diseases through Trikal Sandhya. This is the word of God. The power in it is immense. Do it with the correct rules. This is the Lord's guarantee that a person's life will be filled with peace, happiness, and joy. Satya Yuga will come through Trikal Sandhya. The scriptures are never wrong. Believe in it, and you will get the results.

► Watch this answer · 36:02 · 07 March 2025

SESSION 155 · QUESTIONS 2842–2857

L171: NATO's Future | नाटो (NATO) का भविष्य क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 09 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2842 What is the meaning of self-realization?

Answer: The meaning of self-realization is to understand why we have come here, where the stream of this life is headed, where its ending is, and what our position is in this vast universe. After being born as a human, a person thinks a lot based on their financial capacity and power, but one must first understand their own position. Those who achieve self-realization, meaning they understand God, know God's glory, and comprehend God's universal form, are the ones who can perform correct actions. Those who do not understand this perform wrong actions and destroy their lives.

► Watch this answer · 03:07 · 09 March 2025

Q_2843 What is Dharma?

Answer: Dharma always involves charity and service. If we perform good deeds, God will give to us. Everything on this earth, including 560 million types of creatures, 330 million deities, and 520 million food stores, runs on God's charity and is under His control. Therefore, self-realization means recognizing God and understanding one's own position: 'What am I? Where have I come from? Where is my end? What is my status? Can I protect myself?' No. When you realize that God is the one who protects you, you will have achieved self-realization.

► Watch this answer · 07:29 · 09 March 2025

Q_2844 What is the future of NATO?

Answer: If all the NATO countries remain united, the times on Earth will not be good. Just as God divided the wind god, Pavan Dev, into 49 parts because if all 49 winds blew together, no mountains or small creatures would remain on Earth. I have said before that a rift will appear in NATO, a division. Today I say that NATO countries will even go to war with each other out of economic and social necessity. One part of NATO will remain with America, while another part, including Germany, France, and Japan, will largely remain neutral. In the final moments, they will even take part in the world war alongside India and Russia.

► Watch this answer · 09:21 · 09 March 2025

Q_2845 Why will the third world war happen?

Answer: It will happen because when the population on Earth increases, a change becomes necessary. When the number of people on Earth increases, they act on their whims and fancies, doing as they please. They don't follow the scriptures or worship God. Their only goal is to become great, and the struggle for resources increases. Because of this overpopulation, people want to do whatever it takes for their selfish interests. This is the reason the third world war will happen. Everyone wants development for their country, their people, their state, and they will all look out for their own future, which will lead to war.

► Watch this answer · 11:04 · 09 March 2025

Q_2846 What is 'sukarma' (a good deed)?

Answer: Sukarma is to practice truth, peace, compassion, and forgiveness in your life. Follow the rules of the four pillars of dharma: truth, honesty, compassion, and charity. By doing so, the stream of this life can become good.

► Watch this answer · 20:15 · 09 March 2025

Q_2847 Devotees are suffering a lot due to the Kali Yuga. When will the good times for devotees come?

Answer: The time will come. According to the Malika Shastra, the sun will rise in the west at night. This seems impossible, but it will happen. Many asteroids will fall from the sky, and fires will break out in the jungles on Earth. The entire climate will change. The European climate will become toxic, like poison. You all have to think about this.

► Watch this answer · 22:23 · 09 March 2025

Q_2848 Is there any hymn or text through which we can pray to the Lord to establish dharma quickly?

Answer: Look, whether the establishment of dharma happens quickly or is delayed is subject to God's will. We cannot impose our will on the Lord. We are bound creatures. A bound creature's duty is to find liberation from that bondage. Therefore, a person in bondage does not have the right to demand that the Lord establish dharma. Yes, we can say one thing: 'Lord, may unrighteousness, sin, and adharma be destroyed on this earth, may the mother cow be protected, may the Vedas be protected, please have mercy.' When and how this will happen is up to the Lord. Until all devotees are united, until they have all the five virtuous characteristics, and until they are completely truthful and ready for the Satya Yuga, it will take a little more time. But it will happen. It will happen when people are scared and dying, out of the fear of death. That time has not yet come.

► Watch this answer · 24:07 · 09 March 2025

Q_2849 What is the definition of Moksha (liberation)? Does the existence of the one who attains Moksha come to an end?

Answer: This is a very good question. Moksha also means Nirvana or attaining the supreme state (Param Gati). When any being is born on earth, from the very day its seed is created, its one goal is to attain Moksha, whether it's a plant, an animal, or a human. However, plants and animals have to reach the human birth to attain it, which is why there is a provision for 8.4 million births. The most important among these is the human life. Human life is the life right before becoming a deity. Just as Dhruva, Prahlada, and the Pandavas all became deities from being human. Attaining Moksha is even greater than becoming a deity, as deities reside in heaven, while those who attain Moksha reside in Vaikuntha, where there are no enemies, only friends. It is a place where there is no sun or moon, yet it is always illuminated by the divine power of Dharma and the Lord. There is no darkness. Once Moksha is attained, a person gets a new life in which they receive a body with four arms, like the form of Lord Vishnu. They do not merge into God's body but receive an independent, divine body with which they reside in Vaikuntha in bliss for infinite time. They do not die, even during the great cosmic dissolution (Brahma Pralaya). They have neither death nor birth and experience supreme bliss in Vaikuntha.

► Watch this answer · 26:10 · 09 March 2025

Q_2850 Is it necessary for us to maintain purity during Tri-Sandhya (prayers at three junctures of the day)?

Answer: Look, it depends on the place, time, and person. If you are at home, you can wash your feet and perform Tri-Sandhya by chanting Mother Ganga's name three times. If you are outside, on duty, or traveling, purity is not necessary. You can sit anywhere and do your bhajan for five minutes, like the Durga Madhav Stuti, the 16 names, the Dashavatara, and the Madhav name. Before sleeping at night, read one chapter of the Bhagavata. If you don't have time, find some time before sleeping to read it. So, for Tri-Sandhya at home, some purity is required, like washing your feet. At other times, it is not necessary.

► Watch this answer · 29:38 · 09 March 2025

Q_2851 Why do so many obstacles arise when doing any good deed?

Answer: Look, obstacles don't come from doing good deeds. Sometimes, obstacles arise because our past bad deeds try to stop us from performing good actions. When a very sinful person tries to do a righteous act, they face obstacles because the sins they have committed prevent their righteous work from being completed. But for virtuous people who have surrendered to God in mind, body, and speech, no obstacles will come. Who can create an obstacle for them? Their body is pure, and God's grace is directly with them. For those who do face obstacles, the flaws in their karma are cleared away through those very obstacles.

► Watch this answer · 30:50 · 09 March 2025

Q_2852 We promote your videos and share the words of Bhavishya Malika. Many people write abusive comments, speak against you, and knowingly slander a Vaishnava. Sometimes, in their arrogance, they even mock Sanatanis. Why does this happen?

Answer: Look, consider slander as a blessing. If you promote this and people slander you, I would say they are blessing you. What is the blessing? Their good karma will be transferred to the devotees. If someone slanders a devotee, and if the slanderer has some good karma, it will be transferred to the devotee. The people who slander you are, in a way, giving you a blessing. No one slanders another willingly. If someone enjoys slandering, it only harms them, while the one being slandered always benefits.

► Watch this answer · 32:03 · 09 March 2025

Q_2853 I have two questions. First, will Shri Mahalakshmi and Vaishno Devi appear together in a single body at this time? Second, what state will devotees who perform Tri-Sandhya, chant the Madhav name, and read the Bhagavat attain after death?

Answer: Look, at this time, the one who is Mahalakshmi is also Vaishno Devi. They will become the wife of Lord Kalki in one body. She is Mother Mahalakshmi and Mother Vaishno Devi, but her name will be Mahalakshmi. Because Lord Narayan is coming at this time, the mother's name will be Mahalakshmi, and she also possesses the power of Mother Vaishno Devi. Second, for those of you who perform Tri-Sandhya, I give you a guarantee. Listen. Those who perform Tri-Sandhya will not have the fear of death. If any problem or calamity comes, they will not be afraid. But those who don't perform Tri-Sandhya are afraid of death. Many who have started Tri-Sandhya tell me themselves that they used to be afraid of death, but now they have no fear because they have become like accomplished deities and pure sages. Those who perform Tri-Sandhya will surely attain liberation (mukti). This is written in many scriptures.

► Watch this answer · 33:25 · 09 March 2025

Q_2854 Pandit ji, I woke up at night and there was a very nice fragrance. What does this mean?

Answer: When there is a fragrance at night, consider it as God's presence, that God is manifesting. That is why you are getting this heavenly scent. It comes when God is about to arrive.

► Watch this answer · 36:01 · 09 March 2025

Q_2855 I am Monika from Jaisalmer. I was asking, when will the good times for the devotees come? Right now, devotees are suffering, so when will that happiness come to their eyes?

Answer: Look, it is written in the Malika Shastra that devotees will face many hardships; they won't get food or water. Devotees will face a lot of sorrow; terrible suffering and calamities will come, but nothing will ultimately happen to the devotees. They will come and go, but nothing will happen. And after that, the devotees will also experience great joy. Lord Kalki will give them all the happiness to compensate for the sorrows they faced in the four yugas and will redeem everyone in this Satya Yuga. If devotees don't suffer, how will dharma be revealed? I know how much I am slandered and what has been done to me, and you all know it too. Still, I have not left the path of dharma because there is no personal gain for me in this. The only gain is that if I don't make this human life meaningful, I don't believe I will get another chance. So, now that I have the time, I should utilize it fully. You should too. If you have received Tri-Sandhya in your life, know that you have found the path to liberation. Just do it for a few days. Satya Yuga will come, and with it, you will also attain Vaikuntha.

► Watch this answer · 36:40 · 09 March 2025

Q_2856 I had a dream last night that it was raining heavily for about three days in my hometown. I was thinking that this is all written in the Bhavishya Malika. Then I was running here and there with my family, sometimes by train, sometimes by flight. What is this a sign of, Pandit ji?

Answer: This is a very good sign. In the future, people will be scared to death. Look, there will be a deluge in one place; some will say they'll go by flight, some by bus, some will go by road, they will go here and there. But wherever they go, the same thing will happen. For example, if people from Delhi face a calamity, they will go to Uttar Pradesh. Then a calamity will strike Uttar Pradesh, and they will go somewhere else, and it will happen there too. There will be such running around in the future. It will happen with time. Devotees get to see these visions of what is to come. This is also written in the scriptures.

► Watch this answer · 39:38 · 09 March 2025

Q_2857 The illnesses that we get, are they due to our 'prarabdha' (past) karma?

Answer: Look, all illnesses are prarabdha. Without prarabdha, no one gets sick. The deeds done in a previous life come in the form of illness. It gives suffering to the body, and thus the fruit of that karma is paid off. To protect yourself from illness, perform Tri-Sandhya, read the Bhagavat, and chant the Madhav name. You cannot get well by doing Tri-Sandhya for one day, two days, or six months. You must do it continuously for three years at the correct times and be truthful in your speech. One who practices truth, peace, compassion, and forgiveness will not be affected by anything. Become like that.

► Watch this answer · 41:51 · 09 March 2025

SESSION 156 · QUESTIONS 2858–2873

L172: पश्चिम दिशा में सूर्य उदित होंगे वो भी मध्य रात्रि में | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 13 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2858 Is it written in the Bhavishya Malika that the sun will rise in the west?

Answer: Yes, it is written in the Bhavishya Malika scripture that the sun will rise in the west.

► Watch this answer · 01:43 · 13 March 2025

Q_2859 Is it also written when this will happen?

Answer: Yes, it is also written about this.

► Watch this answer · 02:04 · 13 March 2025

Q_2860 And when this happens, will it be for the welfare of human civilization or its destruction? Is this also written?

Answer: This will be for the welfare of human civilization.

► Watch this answer · 02:17 · 13 March 2025

Q_2861 So why will it rise [in the west]?

Answer: Well, if the Sun God does not rise in the west, how will the ocean's water become sweet, and how will a new era be established on Earth? You see, scientists say that there are frequent explosions in the sun, solar tsunamis are happening, and constellations are breaking apart. Due to what's happening in the sun, ultraviolet rays are reaching the Earth, which will cause destruction. If this continues to increase, how will human civilization survive? So, Lord Kalki, who is Mahavishnu, will create a new sun and a new moon. That's why this is a very big and good thing. The sun will rise in the west, and before that, you will see six seasons in 13 days. When you see that, the Sun God will rise in the west.

► Watch this answer · 10:56 · 13 March 2025

Q_2862 What is written about this cycle of time and how time moves?

Answer: Currently, at what time does the Sun God rise? In the morning (Prabhat). But in the future, the sun will rise during the Brahmi Muhurta. Because for Satya Yuga, the time of Brahmi Muhurta is between 3:00 AM and 3:45 AM; the Sun God will rise during this time. Right now, the sun rises after dawn, but then, the sun will rise at a time when stars are visible in the sky. Just as I say for Maitra Kaal Sandhya, when stars are visible in the sky, perform the Trikal Sandhya of Brahmi Muhurta. This is a very good thing.

► Watch this answer · 12:11 · 13 March 2025

Q_2863 Jai Jagannath, Pandit Ji. Rachna Tiwari from Lucknow is asking a question. I perform Trikal Sandhya, but I still have a lot of dreams, and a woman threatens to kill me in them.

Answer: Look, mother, I want to say that the Yogini Matas have now started their work to trouble humans. What you see is a Yogini Mata. You should surrender completely to Trikal Sandhya and take refuge in Madhav. Read the Bhagavat, constantly chant the name of Madhav, and perform Trikal Sandhya once before sleeping at night. The dreams you are having will also go away. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:40 · 13 March 2025

Q_2864 This is from Himanshu Sharma in Chandigarh. Is it important to join the Sangha (community), or can you enter Satya Yuga just by performing Trikal Sandhya, chanting Madhav's name, and reading the Srimad Bhagavat?

Answer: Look, in every era, a Sangha (community) is formed to establish dharma. How was it formed? In Satya Yuga, the Vaishnava Sangha was formed, the Vaishnava sect. In Treta Yuga, the Vanara (monkey) sect. In Dvapara Yuga, the Gopi-Gopala sect, the Yaduvanshi sect. In Kali Yuga, the sect of devotees. And the era we are heading towards, Ananta Yuga, is the Madhav sect or the Sudharma Maha Sangha. Therefore, sects are formed according to the era. Those who are devotees, who are worthy to go along with the transformation of that era, they must stay with the Sangha, perform Trikal Sandhya, and also follow the rules. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:34 · 13 March 2025

Q_2865 Pandit Ji, the third question is from Yatindra Bansal in Rajkot, Gujarat. Is it written in the Malika about the events that will happen every month of every year? For example, what is to happen in March, what in April, and what will happen next?

Answer: Look, the essence of devotion is not revealed. Yes, on average, I can say a few things. The Earth was not created in a month; it's been 5000 years. One year has 12 months, 100 years have 12,000 months. This world has been around for 5000-6000 years. Therefore, in every season, you will see some changes, and with these changes, you will realize that the era is changing. You will see it in America, Europe, Asia, Russia, and India, in every state. Something or the other happens every month, right? Whatever happens was written to happen. And the main events I mentioned today—the sun rising in the west, the establishment of dharma, the third world war, diseases, and pandemics will come again—all this is written. God will do this; it is not right for us to say. If we talk about it, it would be like the traditionalists nowadays who claim 'what we say happens.' We are not in that ego. We will not say, even though God informs us about these things. But I will not discuss it. You yourselves see how much breaking news comes out every single day. This is the evidence. What more can I say? And let me tell you one thing, five years ago, all the major traditional figures in India did not accept the end of Kali Yuga. None of them accepted the destruction and change of the era. Today, they are saying it with their own mouths. This is the daily proof. See it every day. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:05 · 13 March 2025

Q_2866 Pandit Ji, the fourth question is from Anandita Singh in Delhi. If killing is a sin, do army and police personnel incur this sin? If a soldier or an ordinary person, due to their duty (varna), kills to protect an innocent person, will their sin be different?

Answer: Look, regarding this, Lord Krishna told Arjuna in the Bhagavad Gita that if any soldier kills someone for their country, for their nation, they do not incur sin. But if that same soldier kills someone for their own selfish interests or to fulfill their own desires, then they do incur sin. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:39 · 13 March 2025

Q_2867 Pandit Ji, the fifth question is from Amrita Singh Rajawat in Jaipur, Rajasthan. After completing the Srimad Bhagavat Mahapuran, is it necessary to perform a small havan (fire ritual) or some other religious act before starting it again? If so, what is the procedure?

Answer: Look, this is a very good question. As I was explaining today, I have made Trikal Sandhya very simple for you. In the future, Trikal Sandhya will become very complex. Let me give you a brief outline of how it will be: one must bathe during Brahmi Muhurta, sit for a havan, and perform Trikal Sandhya—both will happen. At midday, one must bathe and perform Trikal Sandhya according to the prescribed rituals. In the evening, one must bathe, offer arghya (water offering) to the Sun God, and perform Trikal Sandhya. In the morning too, arghya will be offered to the Sun God. And the Bhagavat Mahapuran can be read anytime from Brahmi Muhurta until 12 midnight. So, this complex Trikal Sandhya is not for now; I will definitely tell you about it with the change of the era. For now, I have simplified it so that people can first enter this path, be saved, and remain in bliss. Yes, regarding the havan before the Bhagavat, it is blissful to do it. It is blissful to do it daily. And on the day the Bhagavat reading concludes, a havan can be performed by whoever wishes to do so. One can also feed a cow and chant the Lord's great mantra, the name of Madhav. This is very joyful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:29 · 13 March 2025

Q_2868 Pandit Ji, the sixth question is from Rameshwari Ma from Kalyani, West Bengal. I am chanting Madhav's name and doing Trikal Sandhya, but I am not seeing any dreams of Swami Narayan or Lord Vishnu. Has He not accepted me, or has He abandoned me?

Answer: For how many days has she been doing Trikal Sandhya? And which Swaminarayan is she talking about? Clarify this for me. There isn't enough information here. To clarify it: first, which Swaminarayan? Second, for how many days has she been doing Trikal Sandhya? I will consider it after that.

► Watch this answer · 31:34 · 13 March 2025

Q_2869 The seventh question is from Gaurav from Patna, Bihar. It is written in the Bhavishya Malika that the Hirakud Dam will break in the 13th year of the rule of the king of Delhi. Modi Ji's 13th year will begin in 2026. Based on this, can we assume that 2026 is the year when the Hirakud Dam will be broken by a Chinese missile?

Answer: Look, this is an important and intelligent matter. But regarding our country's current Prime Minister, it is written about him and his time in the Bhavishya Malika that dharma will be established on Earth. It is also written about the king of the Jagannath region and the last Chief Minister of Odisha. All this is written. But this matter is a big secret, and it is not right to discuss it in front of everyone. But the fact is, there is a certain situation that is written to happen in the future. Look, whether Hirakud breaks or remains, or God protects it, is none of our concern. Our concern is with one thing: O human, you must transform. Perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and build Satya Yuga. With a new era, a new creation will also happen, and the structure of Kali Yuga will not remain, we know this. And what is written is a secret matter. People discuss these things to increase their TRP and to scare people. But what is written in the Malika scripture, which is your question, will one day come true. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:21 · 13 March 2025

Q_2870 The eighth question is from Sarvendra Mishra from Sultanpur, Uttar Pradesh. Both my mother and I have dreams, but we don't remember them. I just have a feeling after waking up. His second question is, if more than one person from a family survives, will we stay together in the coming era? Will we remember each other or forget?

Answer: First question: you don't remember the dreams you have. This means we are not yet fully pure. Look, there is a waking state when we talk during the day, and a sleeping state. But our eternal power remains awake even then. When does that happen? When dharma and sacred power increase further in our body, then all times, waking or sleeping, will become one for us. To achieve this, so that you remember the dreams you see, chant the name of Madhav 108 times before sleeping. The dream will remain in your mind. Second, regarding whether one person from a family will remain or not: if 10 people in a family perform Trikal Sandhya, 10 people will remain. If no one in a family does it, I have no opinion on them. If one or two people in a family do it, they have God's protection. So, all those who perform Trikal Sandhya and follow dharma will be the ones who remain. Then, with the transformation, their minds, feelings, past life, and old ways of working will be forgotten, and they will become true humans, like sages and saints. All thoughts from their minds will be forgotten; nothing will remain. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:20 · 13 March 2025

Q_2871 This is the last question from Hema Rawat in Delhi. Jai Shri Madhav, Pandit Ji. My question is, when someone passes away in the family, we don't go on pilgrimages for a year. Is this written in the scriptures? My mother-in-law passed away in October, and we performed the 15-day ceremony. Since then, I have not been reading the Srimad Bhagavat. Can I read it now? Also, we don't have a house in the village, so should we build one now? Please guide me.

Answer: First thing, if someone dies in the family, their 'shalya visarjan,' meaning the immersion of their ashes, should be done in the Ganga, Prayag, or the Vaitarani river. It should be done before one year passes. Those who do it after a year are not doing it right; it brings them sorrow and misfortune. Therefore, if a father, mother, or anyone in the family passes away, their ashes should be immersed as soon as possible, even after two or three months, by bathing in the Ganga. After that, you can go on all pilgrimages, observe vows, and perform worship. However, auspicious ceremonies like weddings should happen after one year. House construction should also happen after one year. But reading the Bhagavat can be done even after the 12th day following the death. There is no issue. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:32 · 13 March 2025

Q_2872 My question is, the Lord does so much for us. What is our duty towards the Lord? Please tell us a little about that.

Answer: Look, I want to slightly change the language of the idea of 'our duty towards the Lord.' What is the duty of a human life? The Lord is our father; He gives us everything. We have nothing to offer in gratitude. There is just one thing: what is our duty towards ourselves? A human's first duty towards themself is to perform virtuous deeds. The second duty is to speak the truth. And the third duty is to earn a living through hard work. A man who does these three things is a true man, and this human life finds its meaning. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:03 · 13 March 2025

Q_2873 Today is the first day I am speaking with you. Pandit Ji, who are you? You don't seem like an ordinary person to me. Please answer this. If you cannot answer in front of everyone, that's okay, but this was a question from my heart. And secondly, what will happen during the Pisces-Saturn transit? Please provide guidance on that.

Answer: Look, regarding the question you asked about me, I was born into a Brahmin family. My name is Pandit Kashinath Mishra, and I am doing the work of propagating dharma. This is my duty in God's account. That is all about me. And your second question, what will happen during the Pisces-Saturn conjunction? This Pisces-Saturn transit that is happening, in which the nine planets and two other entities, Saturn's Gulika and Mandi, also have an obstructive aspect on the Earth. During this time, broadly speaking, Jupiter is becoming very powerful, and Saturn is supporting it. Mars is somewhat troublesome for the Earth, and Uranus, Neptune, and Pluto have an obstructive aspect on the Earth. Due to this, there will be situations like floods, fire cataclysms, land disasters, atomic war, and earthquakes on Earth. The government and administrative system will move towards dharma, meaning it will transform into a spiritual governance system. This will take 10 years, not just a few days, it will take 8-10 years. And during the Pisces-Saturn transit, dharma will rise. This means that the lifespan of those who live by dharma will increase, their mental strength will increase, and they will also receive God's grace and His company. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:56 · 13 March 2025

SESSION 157 · QUESTIONS 2874–2878

L173: WW3 | तीसरे विश्व युद्ध का परिणाम क्या होगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 17 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2874 You had mentioned the method for a seven-day Shrimad Bhagwat Katha. What is the complete procedure, rules, and the auspicious time to begin it?

Answer: Look, the world's most auspicious and holy scripture is the one that destroys the three types of miseries, from which man gets liberation from the cycle of suffering. 'Tapa-traya vinashaya Sri Krishnaya vayam namah' (We bow to Lord Krishna, the destroyer of the three miseries). It is always an auspicious scripture. If someone wants to conduct a seven-day Bhagwat Katha at their home, I give this advice: gather all the family members and complete the reading of this scripture in seven days, either from sunrise to sunset, or 'ahoratra' (day and night), meaning from one sunrise to the next. If you have fewer family members, you can also invite people from the Madhav family who read the Bhagwat. For instance, there are twelve cantos (skandhas). You can assign one canto to each person, or divide the cantos among them—like two, one and a half, half—so that by sitting together, the complete reading of the Bhagwat can be finished in seven days. For this, you will need to perform a 'kalash sthapana' (installing a sacred pot) and invoke Lord Ganapati. On the day you begin the Bhagwat Katha, after invoking Ganapati, you must feed a cow—give her roti and whatever fruits you can. This should be done every day for seven days. During these seven days of the Bhagwat Katha, no one in the house should sleep on a bed; they should sleep on a mat, not on a mattress. A simple life must be maintained. Husband and wife should stay apart. There should be no laughter or joking around. During this period, there should be no loud talking, anger, or arguments in the house. If you read the Bhagwat day and night for seven days like this, then along with your ancestors, all your problems will be resolved, in my opinion. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:50 · 17 March 2025

Q_2875 We are currently living in this society and have found a resale flat that we like. Our current flat is A204, while the new flat is 1337. Would it be appropriate to buy this flat? Please guide us.

Answer: Look, 1337... 13... 37... See, the Kumbh also started on the 13th. So this 1337, 13, 37 is a righteous number. It will be good, there is no harm. You can live there happily. But let me say one thing... if I speak about what people are doing nowadays, it will affect their business, so I will discuss that separately. But there is nothing inauspicious about taking that house; it is good. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 32:46 · 17 March 2025

Q_2876 We try to help as many people as we can in our daily lives, and we do. But when we need help, almost 99% of people do not help us. Why does this happen? (The questioner adds that when no one helps until the very end, God helps through some means or another).

Answer: Look, this is the age of Kali Yuga. In this era, the light of Dharma (righteousness) is dim, and its influence is also diminishing. That is why these things are reflected. But a time will come in the future when everyone will help in every task. For instance, if we have grain in our house and others don't, everyone will say, 'There is so much grain, let's all eat

together as a village.' Such a time will also come. So, time is moving towards change, and it will take a little while. Because of Kali Yuga... look at Shrimad Mahabharata, Shrimad Bhagwat, Shrimad Gita, Narada Purana, all the Puranas—all of them have written about the greatness of Trikal Sandhya, which was not being propagated until now. I thank the devotees of the Vishwa Sanatan Dharma Seva Trust who propagated Trikal Sandhya to lakhs of people at the Kumbh Mela. Because if there is any greater principle in the world—no matter how knowledgeable one is, how well-versed in the scriptures—come, I will show you about Trikal Sandhya. There is no greater power, no greater Dharma, no greater action, no greater achievement in human life than this. Therefore, O human, understand your situation. Understand the control and state of your life's flow, the purpose of your birth. The fulfillment of this life is found in Trikal Sandhya and nowhere else. I have read all the scriptures, and there is no principle greater than this. I invite anyone who wants to deliberate on this to come and have a discussion with me. So, you should perform Trikal Sandhya. When calamity strikes, even your wife will say, 'I will also do it. Why am I coughing? Why do I have a cold? Why am I getting a virus? I will also perform Trikal Sandhya.' Just wait for that time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:39 · 17 March 2025

Q_2877 How will we know which devotees will survive and enter Satyug (the Golden Age)? Is this mentioned in the Bhavishya Malika? How will we know if we will be the ones to survive?

Answer: Look, it is written in the Malika scripture that those who practice truth, peace, compassion, and forgiveness, and perform 'Brahma Karma' will survive. What is Brahma Karma? Trikal Sandhya, which the sages and saints used to perform. Understand this well. In Satyug, Tretayug, and Dwaparyug, the sages, perfected beings, and saints were performing Brahma Karma. And for Kali Yuga, it is categorically written that those who perform Brahma Karma will have a vision of the Absolute (Brahman), will attain God, and will go to Satyug. So, there is no principle other than Trikal Sandhya. Those who perform it—not according to my ideology, but according to the ideology of the scriptures—will become worthy of Satyug.

► Watch this answer · 36:38 · 17 March 2025

Q_2878 Has Lord Kalki taken birth in this Kali Yuga as a female or as a male?

Answer: Ah, that is a very good question. But I want to say this much: if Lord Kalki has taken birth and the questioner knows about it, then by seeing him, they can surely get an idea. But since they have asked, I respect their question and want to state that God is neither female nor male. He is not a human, nor a deity, nor a Yaksha or Gandharva, nor a sage. God is formless, without attributes, yet with attributes. We call him Akaar Vishnu or Nirakaar Vishnu (Formless Vishnu). Sometimes, God took the form of Mohini to distribute the nectar of immortality. At other times, the Lord took the universal form (Vishwaroop) for the creation of the earth. Sometimes, the Lord took the form of Narasimha Mahaprabhu to destroy the demons. So, God is 'Arupavanta', meaning we cannot conceive of His form. He is God, He is our Lord, He is our Supreme Father. To deliberate on His form in terms of male or female is perhaps beyond our human capacity. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:46 · 17 March 2025

SESSION 158 · QUESTIONS 2879–2885

L174: Bhavishya Malika Volume 2 | भविष्य मालिका पुराण पार्ट 2 कब आएगा? | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 20 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2879 Rajat Prajapati from Varanasi has asked: If it is not possible to bathe during Brahma Muhurta (the auspicious time before sunrise), how can one perform Tri-Sandhya (prayers at three junctures of the day)?

Answer: Look, no one becomes a Brahma Rishi (a sage of the highest order) in a single day. No one becomes a sage or a seer in a day, nor does one become knowledgeable in a day. So, first, make it a habit. This means, after waking up from your bed, you can perform Tri-Sandhya by chanting the name of Mother Ganga Devi three times in your mind. And when the era changes, the devotees will also become strong and powerful. They too will wake up during Brahma Muhurta, bathe, and then perform it. But first, make it a habit. You can perform Tri-Sandhya by chanting the name of Mother Ganga. Let me tell you one thing: when Lord Krishna was born in the prison in Mathura, at that time, Vasudev ji did not bathe. But he chanted the name of Mother Ganga and took an oath to donate a thousand cows for the birth and welfare of the Lord. So, anything is possible when the mind is pure, and nothing is possible when the mind is impure. Therefore, you can wake up during Brahma Muhurta and do it. Whether you bathe or not, you can do it by chanting the name of Mother Ganga. Jai.

► Watch this answer · 32:22 · 20 March 2025

Q_2880 The second question is from Rahul Kumar in Delhi. In a job or place where alcohol, meat, indecent language, and wrong behavior are prevalent, should one quit that job or look for another job elsewhere? Please guide us, Pandit ji.

Answer: My respectful greetings to you too. Tulsidas ji wrote in a couplet in the Ramcharitmanas, 'A saint is like a swan who separates milk from water, accepting the good and rejecting the bad.' He said this world, both animate and inanimate, is full of virtues and vices. So, in every environment, there is impurity. What is this impurity? It is adopting the elements of the Kali Yuga: consuming alcohol, speaking lies, harming others, killing living beings, and doing wrong deeds. These places where Kali (the personification of the dark age) resides are numerous on this earth. So, Tulsidas ji said the world is full of flaws, but you have to do one thing. Just as a swan leaves the water and drinks the milk, we should do the same. It is not our duty to watch what others are doing or not doing. We should stay away from such company. Where you have your duty, where you are employed, do your job and pray to God, 'Lord, save me from this environment.' And when God gives you another job somewhere else, then join that job. And just as a swan imbibes good qualities, similarly, among those who do wrong, look for the good qualities in them. Forget the bad, don't look at the bad, don't think about the bad. And in time, pray to God, 'Lord, save me from this environment,' because the environment makes a person bad. And I pray for you that you will be saved. In my opinion, you will be delivered. Jai.

► Watch this answer · 34:15 · 20 March 2025

Q_2881 Has the Kali Yuga (the current age of vice) occurred before? And is the current one the 28th Kali Yuga? Did the previous Kali Yugas last for more than 5000 years or not? Please clear my confusion.

Answer: Regarding the age of the previous Kali Yuga, look, it is not very clear in the scriptures. However, it is written in the Brahma Purana that in the previous Kali Yuga—that is, in the cycle of Satya, Treta, Dwapara, Kali that has passed before this one—at that time, Lord Kalki was born with the name Pramit Chandra. At the age of 30, he established dharma for 22 years. And for those 22 years, he established dharma sometimes riding a horse, sometimes an elephant. At that time, the Lord was also married. And the Lord first killed those who committed the most sins, then those who committed half the sins, and after that, those who committed minor sins. At that time, he traveled through China and countries of different religions and faiths, roaming the entire universe for about 20-22 years, establishing dharma and destroying all sinners. So, Kali Yuga comes in every yuga cycle, and the age of Kali Yuga is similar in every yuga. Because, look, the amount of water in the ocean today was the same in the Dwapara Yuga, the same in the Treta Yuga, and the same in the Satya Yuga. There were seven seas, and even today there are seven seas, not eight. So, just as the volume of water is fixed, the volume of sin is also similar in every yuga. Whether you talk about this yuga or the previous one, it runs on the same principle, and the Lord balances it. Jai.

► Watch this answer · 37:00 · 20 March 2025

Q_2882 The next question is from Suraj Kumar Jain from Odisha. Can we read the Srimad Bhagavata Mahapurana even after 12 AM? That is, can we read it all night?

Answer: Look, there is no fixed time for worshipping God. Because some are sick, some are grieving, some are working, and some are engaged in ordinary tasks. Reading in the middle of the night is not forbidden. But God also sleeps for some time, right? For example, it is written in our scriptures that Lord Jagannath leaves the Jagannath Kshetra (holy land) in the middle of the night and goes to Shri Vrindavan, where he performs the eternal Raas Leela (divine dance). So, it is not right to disturb God at that time. But the thing is, where there is an 'Ahoratra Katha' (day and night narration), 'Ahoratra' reading takes place. 'Ahoratra' means from sunrise to sunset, from sunset to 12 AM, and then from 12 AM to sunrise. If the narration is for seven days like the one King Parikshit heard, with that kind of vow, then one should not look at the time. If our seven-day narration is not under that vow, then I would say read from sunrise until 12 AM. Do not read after 12. You can start again from Brahma Muhurta. Jai.

► Watch this answer · 39:25 · 20 March 2025

Q_2883 This question is from Sunil Singh from Chhapra, Bihar. What information is given in the Malika regarding the planet Mercury? What are the details about Madhav Mahaprabhu's leela (divine play) in Mecca-Medina? Will both these events happen during the Meen-Shani yog (Pisces-Saturn conjunction)?

Answer: A very good and important question. About the planet Mercury, it is written that beings residing there—whether they are like humans or gods, whatever they may be, some people call them aliens—no one knows or recognizes them. But it is written in the Malika scripture that inhabitants from the planet Mercury will come, and under the Lord's command, they will create a dance of destruction with rain all over the world, which will create a very terrible situation for sinners, and there will be a great flood. This is written. The second question is about Madhav Mahaprabhu's leela in Mecca-Medina

and if both events will happen during the Meen-Shani yog. Look, it is written that when the sea god reaches the 22 steps of the Jagannath temple, at that same time, there will be a great, fierce battle in the holy region of Mecca-Medina. It is also written that the sea will come from the east, and fish will play on the 22 steps. The sea god Varuna will sit on the jeweled throne, and Lord Jagannath will reside at Chhatia Dham. And when Lord Jagannath leaves the Jagannath Kshetra, the sea will follow him. This is written. It will be a direct manifestation because the sea god Varuna will follow Jagannath ji, just as when Lord Krishna left, Dwarka was submerged in water. Similarly, after Jagannath ji leaves, the Dwarka of Kali Yuga, or what is called Vaikuntha, will be covered by the sea. This is written. So, at the time the sea reaches the 22 steps, there will be a battle in Mecca-Medina. Now, whether this will happen during the Meen-Shani transit or after it, is the Lord's decision. I have no opinion on this. That's why I have repeatedly said in the Malika scripture that whatever the Lord wishes, He will do. It will happen for sure, there is no question about it. And the time is near, meaning it will happen in the future. It is subject to the Lord's will. At what time the Lord will do it, I am not worthy to comment on. But the idea is that it is 1,000,000% true, and as time goes on, while saving the devotees, the Lord will do it at the right time, in a way that the devotees will not suffer and dharma will be protected.

► Watch this answer · 41:09 · 20 March 2025

Q_2884 But I want to save some of my friends, so how can I save them?

Answer: This is a very joyful thing because we have not come for ourselves. He is asking from Odisha and saying, 'I am giving up non-veg, I am doing Tri-Sandhya, and I have attended three Google meetings.' Look, it is my good fortune to interact with devotees with such a pure heart as yours. Because this life is for salvation. Just as I told you, you also want salvation for others. This devotee wants to save his companions. So, I give one piece of advice: don't say anything to them directly. Just say, 'Brother, do one thing, a big change will come in your life.' 'What should I do?' 'Chant the name of Madhava.' Chant it in your mind, sometimes on the road, in the village, at home, at work, while doing any task, or while sleeping. And read the tenth canto of the Bhagavatam. If they ask, 'What will we get?' just tell them, 'You will get a job, you will get peace and happiness, there will be peace at home, ancestral curses will be removed, and the family members who listen to this will also become pure. And most importantly, this life will be saved, and the problems we are struggling with will go away.' First, if they read the tenth canto of the Bhagavatam for some time, for a few days, and chant the name of Madhava, in my opinion, they will also start doing Tri-Sandhya, they will give up meat and fish, they will give up everything and become saints. Saints are not made by their attire but by their actions. A person with a job can be a saint, a businessman can be a saint, and someone who has left their family can also be a saint. So, the actions must be good. You will have to bring about these small changes in them. They won't understand all at once. They will change if you tell them. If you say, 'It will be for your own benefit,' because people in Kali Yuga want to know, 'What's in it for me?' If among them there is a devotee who is destined for Satya Yuga, in my opinion, they will do it. But if it is not in their destiny to go to Satya Yuga, then even if we tell them a million times, there will be no change. Jai Jagannath. Thank you.

► Watch this answer · 51:07 · 20 March 2025

Q_2885 Pandit ji, can we attain moksha (liberation) by performing Tri-Sandhya and reading the Bhagavatam?

Answer: Look, in the Srimad Bhagavata Mahapurana, the Lord told Uddhava regarding Sandhya. He said that those who do not perform Tri-Sandhya are living corpses. That is, despite being born and mobile, they are like a dead body. And those who do not perform Tri-Sandhya have no direction in their life. Those who do perform Tri-Sandhya get freedom from the cycle of three sins, and people who perform Tri-Sandhya attain Vaikuntha (the celestial abode). The Lord says this. It's not just in the Bhagavata Mahapurana; it is written in the Bhagavata Purana, the Mahabharata, the Vishnu Purana, the Vayu Purana, the Brahma Purana, the Kurma Purana—it is written in many scriptures. The one stream of liberation is Tri-Sandhya. Whoever performs Tri-Sandhya is guaranteed to attain Vaikuntha; there is no change in this. The scriptures say this because what is written in the scriptures shows us the way. By following it, we have seen sages, perfected saints like Narada Mahamuni, who went from being human to becoming incarnations of God. Dhruva, from a human—or rather, from a demon clan, Dhruva and Prahlada—attained the position of Indra and became kings in Vaikuntha. So, human life is the precursor to becoming a deity, and Tri-Sandhya is a holy nectar for salvation. In it lies the salvation of humanity. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 53:46 · 20 March 2025

SESSION 159 · QUESTIONS 2886–2920

L175: धर्म एकमात्र रास्ता है | अभी भी समय है मानव सभ्यता के लिए | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 26 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2886 Why is the Bhavishya Malika being propagated?

Answer: Today, why do we contemplate the scriptures and Puranas? It is because the Earth is heading towards a time of transformation. And at the time of this epochal change, the greatest power in human civilization will be Dharma (righteousness). A time will come when all of humanity will be united under one system, one thought, one sacred stream. Due to the severe Kali Yuga, there is no humanity left in human civilization today. Everyone perceives themselves differently; the world is watching. Therefore, the Bhavishya Malika scripture gives a message of truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship to the entire universe. We will have to follow the path of truth. Without truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship, it is impossible for any human to live on Earth. That's why we have to change. It is written in the Bhavishya Malika that a time will come when everyone will be united, everyone will come together. The whole world is moving towards a time of becoming one family of God, our Sanatani concept of 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family). That is why Achyutananda ji said, 'Renounce illusion, attachment, and arrogance from your mind. Those who do not will face destruction by the Divine Mother.' So, this is the ideology of today, and this is why we propagate the Malika: so that every human helps every other human, brotherhood develops among all, and compassion for all living beings arises in every person.

► Watch this answer · 00:35 · 26 March 2025

Q_2887 Why was this called a secret matter?

Answer: Because for about 4,600 years of this Kali Yuga's age of around 5,000 years, this was a secret. In Kali Yuga, no one knew about Satya Yuga (the Golden Age). Yes, the Kalki avatar is mentioned in the Bhagavata Mahapurana. It is also written in the Vishnu Purana and the Kalki Purana. Lord Vedavyasa has described it in many scriptures he wrote, but the exact timing was not determined. No scripture specified the exact period or time when this Kali Yuga would end. This information is found in only one scripture, and that scripture is the Bhavishya Malika.

► Watch this answer · 05:56 · 26 March 2025

Q_2888 What is the goal of Bhavishya Malika?

Answer: The goal is this: O human, it is necessary for you to follow the rules of our Sanatana Dharma. And what are the rules of Sanatana Dharma? Respect your father and mother, maintain peace at home, stay away from killing living beings, renounce fish, meat, and alcohol, give up intoxication, and become a good human being in the world. So that in the coming times, during the epochal change, if you also transform, you will receive God's grace to enter Satya Yuga. This is what the Malika scripture is. This is what is written in the Malika scripture: the transformation of humanity.

► Watch this answer · 07:34 · 26 March 2025

Q_2889 And what are the rules of Sanatana Dharma?

Answer: Respect your father and mother, maintain peace at home, stay away from killing living beings, renounce fish, meat, and alcohol, give up intoxication, and become a good human being in the world.

► Watch this answer · 07:47 · 26 March 2025

Q_2890 How does transformation come about?

Answer: To be transformed, we have to read the scriptures. And what are scriptures? A scripture is a text based on the element of goodness (sattva) and truth. Those who read the scriptures, who perform the Trikal Sandhya (prayers at the three junctures of the day), who read the Bhagavata Mahapurana—only they experience transformation in their lives.

► Watch this answer · 08:30 · 26 March 2025

Q_2891 And what are scriptures?

Answer: A scripture is a text based on the element of goodness (sattva) and truth.

► Watch this answer · 08:39 · 26 March 2025

Q_2892 What is the goal?

Answer: Many questions arise about Bhavishya Malika. People say, 'Our minds stop working after hearing it.' But let me tell you one thing: look, this has been written to reform human beings. This is not written only in Bhavishya Malika; it is also written in the Bhagavata Mahapurana and many other texts composed by saints, great sages, and rishis in India about how to become a good human. And as human beings, we should become truthful and hold on to Dharma.

► Watch this answer · 11:19 · 26 March 2025

Q_2893 How does one become a good human?

Answer: As human beings, we should become truthful and hold on to Dharma (righteousness).

► Watch this answer · 11:50 · 26 March 2025

Q_2894 Where is it written in the Bhavishya Malika that an asteroid will destroy the earth? Don't you get scared by what NASA says?

Answer: What big organizations like NASA say is that an asteroid is coming, and many people propagate this. But what is written in the Bhavishya Malika? 'Nakshatra lajja shiva lavana jada padiba.' First, it has written about the safety of humans. What is written? That when the fragment of the star (asteroid) falls, it will fall into the ocean; nothing will happen on the land. First of all, humans should be happy because it will not fall on the land, it will fall into the ocean.

► Watch this answer · 12:30 · 26 March 2025

Q_2895 What is written in the Bhavishya Malika?

Answer: 'Nakshatra lajja shiva lavana jada padiba.' First, it has written about the safety of humans. What is written? That when the fragment of the star (asteroid) falls, it will fall into the ocean; nothing will happen on the land. First of all, humans should be happy because it will not fall on the land, it will fall into the ocean.

► Watch this answer · 12:48 · 26 March 2025

Q_2896 What is written?

Answer: That when the fragment of the star (asteroid) falls, it will fall into the ocean; nothing will happen on the land. First of all, humans should be happy because it will not fall on the land, it will fall into the ocean.

► Watch this answer · 12:57 · 26 March 2025

Q_2897 What is discipline?

Answer: Discipline is that a human, in the course of their life, should not oppose anyone, cause pain to anyone, or use their force on anyone. According to constitutional law, it is necessary to go to a constitutional office or system and make a representation for it. One should not take matters into their own hands. This is our constitution.

► Watch this answer · 13:54 · 26 March 2025

Q_2898 And what does God's constitution say?

Answer: Look, God gave birth to 560 million types of creatures on Earth. And all 560 million creatures have life. Not all have the ability to speak, but they have life. They move, they grow, they manifest, they bear fruits and flowers, and these creatures also reproduce. They cannot speak. Just as we respectfully honor a handicapped person... animals are also mute; they do not have the ability to speak, but they eat, they move around, they also expand their world, but they cannot speak. So God says, do not kill them. Because just as in your human civilization we hold those who are helpless in high regard and with respect, show them the same respect, affection, compassion, and humanity.

► Watch this answer · 14:30 · 26 March 2025

Q_2899 Why is he talking about 'Kaal' (time/death)?

Answer: No, I am saying this because, look, the scriptures are the eye of knowledge, and through them, we also know the future. We also know the future through the science of astrology. Now, astrology and our scriptures say the same thing.

► Watch this answer · 16:18 · 26 March 2025

Q_2900 What solution does it (Bhavishya Malika) give?

Answer: It says, look, nothing will happen to the beings who live in Dharma. Meaning, it provides safety, and it also points out the problem. There is also a cure. Along with the cure, it has also told about the upcoming precautions and evidence, and about the upcoming elements.

► Watch this answer · 16:52 · 26 March 2025

Q_2901 Why will this (the revival of Sanatana Dharma) happen?

Answer: Because if the sacred element of Sanatana does not remain in the entire world, then it is not within our power to protect the Earth, to satisfy the deities, or to satisfy the five elements. This is the reason for the repeated earthquakes, natural calamities, disasters, and the signs that appear in the Jagannath region.

► Watch this answer · 18:08 · 26 March 2025

Q_2902 For whom are those signs?

Answer: Is Lord Jagannath giving us proof? Yes, he has given proof. First, it was written in the scriptures, and after that, he gave proof and said, 'I want to protect humanity. All humans are my children.'

► Watch this answer · 18:51 · 26 March 2025

Q_2903 Is Lord Jagannath giving us proof?

Answer: Yes, he has given proof. First, it was written in the scriptures, and after that, he gave proof and said, 'I want to protect humanity. All humans are my children.'

► Watch this answer · 18:53 · 26 March 2025

Q_2904 What is the reason (for people committing suicide, murder, etc.)?

Answer: The reason is that we do not have scriptural knowledge; we don't have patience. That is why we say, read the scriptures, read the Bhagavata. By reading the Bhagavata, your patience will increase, you will not get angry at anyone, your mind will be at peace, there will be peace in the home, and by God's grace, you will live a long life.

► Watch this answer · 24:36 · 26 March 2025

Q_2905 I chant the Lord's name, read the Srimad Bhagavatam, and also perform Tri-Sandhya, yet I do not feel the Lord's presence. Is the Lord upset with me? I don't get his darshan (vision) or his blessings; I don't get the experience.

Answer: Look, do what I say. From today, before sleeping at night, visualize Lord Mahavishnu and chant the name 'Madhava' 108 times. And perform Trikal Sandhya at the correct time. In my opinion, you will definitely get some experience. Then you can tell me. Do only as much as I have told you. Because, look, we have nothing—no mantra, no yantra, no tantra—only devotion. And the devotion that God has inspired me to share is the Bhagavata, it is the Trikal Sandhya, it is the name of Madhava. This is the ideology of our tradition. And I believe that if you perform Trikal Sandhya with devotion and at the right time, and every day before sleeping, after washing your feet and hands and taking a mental bath in the Ganges, you chant Lord Madhava's name 108 times, I believe the Lord will give you an experience. He might even give you his darshan, because this spiritual element is a very sacred tradition.

► Watch this answer · 25:51 · 26 March 2025

Q_2906 According to Bhavishya Malika, people will die in 13 ways, such as some from natural disasters, and some from hearing the news of their loved ones' deaths. Those who survive these 13 types of calamities will go to Satya Yuga in the end. So please provide guidance and shed light on these 13 types of disasters.

Answer: A very good question. Regarding the number of 13 types, look, Bhavishya Malika has never written about the death of righteous humans. It is written for those who commit sins, who are a source of sorrow for the world, who do not follow Dharma, who harm others. As Vyasa Deva wrote, 'In all the eighteen Puranas, there are two main teachings of Vyasa: helping others is virtuous, and harming others is a sin.' The calamity is written for those who torment others and commit sins, not for any righteous human.

► Watch this answer · 27:33 · 26 March 2025

Q_2907 During their menstrual cycle, can women read the Srimad Bhagavatam from a phone?

Answer: Look, God has decided a time of rest for mothers because mothers work throughout the year and manage household chores. So God made a rule that for seven days a month, God gives them rest. During that time, regarding the scriptures—this is my viewpoint, I am not imposing it on anyone—one can do 'naam-bhajan' (chanting names) and kirtan. Leaving aside their temple or prayer room, they can chant God's name anywhere. But when it comes to mantra recitation, it pertains to the Bhagavatam, which we keep in the prayer room. They won't go to the prayer room, so how will they read? Through the mobile. Look, touching the physical scripture book is forbidden. So, on a mobile, one can read any scripture. What is the objection to reading on a mobile? There is no problem. But bringing the physical scripture, which is the living embodiment of the Lord, from the prayer room is not allowed. We only forbid this much. Discussing religion is fine. Where is it written that they cannot discuss? So, reading the physical book and going to the prayer room is a different matter. Anyone can read about religion on their mobile if they wish. There is no restriction on that.

► Watch this answer · 28:54 · 26 March 2025

Q_2908 If I haven't slept at night and haven't bathed in the morning, can I read the Bhagavatam? In this situation, can I read the Bhagavatam after just brushing my teeth?

Answer: Not sleeping at night is a different matter. As for not bathing, there is no rule to read the Bhagavatam without bathing. Whether you read it during the day or at night, if your body is not well, in my opinion—this is my viewpoint—you can read it after taking a mental bath in the Ganges. However, if the Bhagavatam is in the prayer room, then going to the prayer room without bathing, touching the Bhagavatam, and bringing it to read does not align with my ideology. My ideology is that if you keep the Bhagavatam in your study room, you can read it. But if your Bhagavatam is in your prayer room or temple, then in my view, going inside without bathing to touch and bring the book to read does not align with my ideology.

► Watch this answer · 31:24 · 26 March 2025

Q_2909 Some Malika researchers are saying that Kalki will come from the north, from Rajasthan. Is this true?

Answer: Look, the Lord is infinite, his stories are infinite. Whether Lord Kalki comes from the north, south, east, or west, who can stop him? Yes, the Kalki Leela (divine play) will first begin from the Biraja Kshetra (region). The manifestation of Lord Kalki will be in the Biraja Kshetra. 'Manifestation' doesn't mean everyone will get his vision. The Lord will come secretly, by his own will. It is written that on the banks of the Baitarani river, Mother Biraja Devi will first begin the Kalki Leela of destruction. This has happened for ages and will happen in this age too. The Lord's leela is happening everywhere. People may not see it, but destruction begins—floods, earthquakes, storms. Consider this the Lord's leela. From where and how the Lord will come is his wish. But this land of Bharat (India) is a very safe place, the land of the gods. So, do not worry. Do your karma, move forward. Dharma will be protected, and with it, you will also be protected.

► Watch this answer · 31:53 · 26 March 2025

Q_2910 In the Padma Kalpa Tika, Saint Arakshita Das has written that at the end of Kali Yuga, a yajna (fire sacrifice) will take place in 'Ali' which will last for 21 days. Please tell us about this, like when it will happen and what its significance will be.

Answer: It is written that a yajna ritual will happen. At the end of Kali Yuga, a yajna will happen in 'Aali'. At the end of Kali Yuga, there will be rituals in many places. One yajna will be in Sealdah, Kolkata. Another will be in the Biraja Kshetra. And there is a place in the Kendrapara district which is called 'Aali' in Odia. A yajna ritual will happen there as well. All this is written. It will happen by God's will. It is not in our plans, but since it is written, it will surely happen.

► Watch this answer · 34:58 · 26 March 2025

Q_2911 In the coming era of great destruction, what will be the role of Mother Cow? How should we strive to protect Mother Cow?

Answer: In the time to come, everyone will raise a Mother Cow in every home. And it won't be like in the Kali Yuga where they are tied up to get milk. Mother Cow will roam with her freedom and will also give milk. Her bonds will be broken. Mother Cow will also be worshipped in the morning in every home. After that, she will be let loose to graze. There will be independent grazing lands for Mother Cow, and she will go and eat from the grazing lands at ease and will not go into other farmlands. Abundant fodder will also be available for them. Everything will happen according to God's rules. That joyful and peaceful time will come.

► Watch this answer · 37:13 · 26 March 2025

Q_2912 My question is for the general public's help. Some young people experience lustful desires every week or two. They try hard to control it, do Tri-Sandhya, and read the Bhagavatam, but still, some wrong acts happen secretly. They feel guilty, wondering if it's due to past life impressions, the effect of Kali Yuga, or if the Lord is not listening. What is the remedy so their faith remains intact?

Answer: Look, due to the severe Kali Yuga, everyone's mind is disturbed and restless. Even good people end up doing bad things. From a saint's perspective, we have to transcend the senses. How? By understanding that this human body is not permanent. If we contemplate this, the question of what karma we should do will arise. The answer is: read the Bhagavata, and practice truth, peace, compassion, and forgiveness. Pride and ego arise because of this fragile body. If this body is not ours, from where will these feelings come? Understand for yourself: 'I am a soul, I am in bondage, I need liberation.' We should not get into useless things. To attain such an ideology, it is written in the Bhagavata scripture that for those who discuss and read the Bhagavata every day, all the impurities of their minds are washed away. They become pure human beings. Illusion, attachment, arrogance, greed, anger, and ego all disappear.

► Watch this answer · 38:40 · 26 March 2025

Q_2913 Is there anything written in the Srimad Bhagavatam about when the end of Kali Yuga will be? In which chapter and which canto?

Answer: Look, regarding the end of Kali Yuga, it is written in the Srimad Bhagavata Mahapurana that when the Sun, Moon, and Jupiter transit into the Pushya Nakshatra in the Cancer zodiac sign, then Satya Yuga will arrive. This was written by Lord Vedavyasa. Secondly, it is also written in the Manusmriti that after 4,800 years of Kali Yuga (4,400 years plus a 400-year transitional period), Kali Yuga will end. In the Bhagavatam, it mentions the conjunction of the Sun, Moon, and Jupiter. This conjunction happened in 1943 and is happening again in 2026. So, according to what is written in the scriptures, Satya Yuga has already begun.

► Watch this answer · 42:15 · 26 March 2025

Q_2914 Father, can we do Tri-Sandhya during our periods? Meaning, when we are considered impure, can we do Tri-Sandhya?

Answer: Look, Tri-Sandhya is a form of bhajan (devotional chanting). Just like you watch the Ramayana on TV. A human has the right to bhajan (chanting), shravan (listening), and manan (contemplation). But they do not have the right to pujan (ritual worship). You can do bhajan, smaran (remembrance), and manan. Contemplate on God in your mind. Who has forbidden bhajan? Who has forbidden listening? But you cannot perform pujan.

► Watch this answer · 43:43 · 26 March 2025

Q_2915 Since Satya Yuga is coming, what kind of education should we give our children? The one given in schools, or should we focus more on educating them in our Bhagavatam and similar texts?

Answer: Look, first, you must look after their education; the children should study well. Secondly, you must also look after their good conduct. If they have good conduct, they will also receive a good education. In today's world, bad habits start from a young age. Therefore, if they are taught the Bhagavatam... I was talking to two young people who said their father told them not to go to a certain place because bad people live there. They listen because they practice reading the Bhagavatam and doing Trikal Sandhya, which gives them the capacity to respect their father and understand purity. So, either narrate the Bhagavatam to children or have them read it. Tell them stories from the scriptures. Narrate them again and again. The children will ask questions, and you can encourage them to read themselves to gain more knowledge. The day they hold the Bhagavatam, consider their life secured and their future stable. No calamity will befall them.

► Watch this answer · 44:46 · 26 March 2025

Q_2916 Father, could you please conduct a gathering near Delhi? The one in Chandigarh is too far, and my father won't send me. The last one in Faridabad was also very far for us.

Answer: Look, if it is not possible to go to the Bhagavata Katha, then serving your father is also like the Bhagavata; it is very sacred. Therefore, sit at home and listen. God will bring a time when you will be able to go to the Bhagavata Katha as well. Wait for that time.

► Watch this answer · 47:16 · 26 March 2025

Q_2917 Father, by God's grace, I opened a paint store, but my partner deceived me and is now obstructing the business. My investment is stuck, the business isn't running, and I'm feeling very tense and negative, even after praying. I don't know if I should shut it down or what to do. What is the solution?

Answer: For the negativity, play the sankirtan (congregational chanting) of the name 'Madhava' in your store. That's the first thing. Second, chant the hymn of Lord Narasimha from the Dashavatara Stotra 11 times daily for the destruction of enemies. And pray, 'O Lord, destroy my enemies, uplift me, and advance my business.' Do these two things and tell me what effect it has.

► Watch this answer · 48:27 · 26 March 2025

Q_2918 Okay, so what does the partner say now?

Answer: The partner has separated now. He is stopping the company people from doing marketing promotions at our place. For example, when a large order comes, he keeps it for himself using our account data. There was also a dispute where he wanted his money back, but we pointed out that our money is accruing interest while he didn't invest any capital, only his connections, and now he is obstructing us.

► Watch this answer · 49:31 · 26 March 2025

Q_2919 The hymn you are mentioning, are you referring to the Narsimha Ashtakam?

Answer: Not the Narsimha Ashtakam, the Narsimha Stotra which is in the Dashavatara Stotra, starting with 'tava kara kamala vare nakham adbhuta srngam'. You will find it in the Trikal Sandhya book. Sit and do Trikal Sandhya as well.

► Watch this answer · 50:43 · 26 March 2025

Q_2920 Should we take a loan of 50 lakhs to buy more stock? Since the partner has withdrawn, it's requiring more money than our capacity.

Answer: Look, you can take the loan; there is no problem with that. Invest as much as is needed. In the current times, reduce giving credit. In the future, credit won't be returned due to the effect of Kali. So, keep your money with you. Do as much business as is necessary. See if you can get government deals; that is possible for you. You can work with big companies for their paint needs. You should try to connect with corporate companies, steel plants, and big industries where paint is used.

► Watch this answer · 51:30 · 26 March 2025

SESSION 160 · QUESTIONS 2921–2927

L176: बस ! 48 घंटे और फिर ... | मीन - शनि संयोग | 48 Hours later | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 28 March 2025 · Watch the full session ↗

Q_2921 Will the next era be Satya Yuga or Adya Satya Yuga? If it is Adya Satya Yuga, when and how will the full Satya Yuga begin?

Answer: This is a very good question, I thank you for it. Look, Satya Yuga will not be established in a single day. It will take God a long time to create Satya Yuga. It is written in the Bhavishya Malika scripture that the light of Adya Satya Yuga will manifest, and the age of Kali will be destroyed. This means that the era we are moving towards, in its first phase, will be called Adya Satya Yuga, and the influence of Kali Yuga will recede. For about 5,000 years, humans will live through the transition from Adya Satya Yuga to Satya Yuga, and during this period, the complete Satya Yuga will also arrive. The initial period will be called Adya Satya Yuga. In Adya Satya Yuga, people will undergo a complete transformation and will live their lives in bliss. There will be joy, happiness, and prosperity everywhere. The entire world will become a beautiful earth blessed by the grace of Mother Lakshmi. Jai!

► Watch this answer · 12:38 · 28 March 2025

Q_2922 Can a non-vegetarian person perform Trikal Sandhya?

Answer: Look, people who eat non-vegetarian food can also perform Trikal Sandhya because change doesn't happen in a single day. Yes, while performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavata, a thought will eventually arise in the mind: 'Why should we kill living beings?' So, in my view, non-vegetarians can perform Trikal Sandhya. For those who eat non-vegetarian food but seek protection, along with Trikal Sandhya, they should also read the Bhagavata. In my opinion, after just a few months or days, you will say, 'No, I will not eat non-vegetarian food.' If you try to eat it, you might feel like vomiting, and your body will reject it. So, yes, you can do it. Jai!

► Watch this answer · 14:05 · 28 March 2025

Q_2923 If Bhavishya Malika is the final scripture of Hinduism, then why don't more people know about it? And in this Trikal Sandhya, why isn't the Gayatri Mantra given as much importance, and why was the name 'Madhav' chosen as the single-syllable mantra?

Answer: The Bhavishya Malika is a secret doctrine, written for devotees. It is a hidden truth meant only for the salvation of devotees. Those who are devotees follow it. Those who are not, no matter how much we propagate it—and we do propagate it all over India—they don't believe in it or follow it. That is why Achyutananda wrote that this doctrine is only for the devotees who have taken birth before, and only they will follow and believe in the Bhavishya Malika. Those who are not devotees will not believe. This is the reason. And why is the name 'Madhav' the single-syllable mantra? Because Madhav is Lord Mahavishnu. 'Ma' is the form of Brahma, 'Dha' is Prakriti (nature), the divine Narayani, famously known as Vishnu's eternal Maya. Radha is Yogamaya personified, Vishnu's eternal Maya. Radha is Vasundhara (the Earth), and with her is her lord, Madhav. This means Radha, Krishna, and Yogamaya all combine to form the name Madhav. And this very name, Madhav, is the single-syllable mantra. Balaram Das ji, one of the Panchasakha, has clearly stated in his scripture that at the end of Kali Yuga, Mahavishnu will be born with the name Madhav, and those who chant the name Madhav will be liberated from the cycle of birth and death. Jai!

► Watch this answer · 15:10 · 28 March 2025

Q_2924 I am 35 years old and I don't have my own house yet. In this Kali Yuga, should I buy my own house or not? If yes, by when will it happen? I am a little worried.

Answer: Look, if you wish, you might find a piece of land somewhere to the left of your current home. However, I would suggest you wait for at least a year. Because of land prices, if you decide to build a house after a year and a half, you might get land at a good rate. Also, a time will come when empty houses will be available to live in, meaning vacant houses where no one is living. Therefore, wait for about a year and a half, and then you can get a house. We will see how the times change. You will get a house; it is in your destiny. You can try even now, but in the future, you will get it for less money. It's better to wait a little. Jai!

► Watch this answer · 17:34 · 28 March 2025

Q_2925 Maharaj ji, you said that only 33 crore people will remain in India. But if the number of devotees is more than 33 crore, will they also die? Please explain in detail.

Answer: That's a very good question. I respect your line of thinking. Look, I'll say one thing. On average, the world population will be 64 crore. Out of this, since India is called 'Deva Bhumi' (Land of Gods), I say that 33 crore gods and goddesses will reside here. Along with them, with the number of other devotees, a total of 31 crore people across the world will remain on this earth in the era of change. But I say one thing, and I have said it every time and I'll say it again: there is still time. If people turn towards dharma, believe in dharma, follow its principles, worship Lord Vishnu, perform Trikal Sandhya, become vegetarian, and read the Bhagavata, then this number can also increase. Because of dharma, the population increases, and because of adharma, it decreases. So, if people change with time... why do we propagate this? We do it so that more good people emerge, this message reaches more people, and a change comes within them. So, the number can change. It is all subject to God's will. We are sharing our perspective, but God can change this perspective if people change. Jai!

► Watch this answer · 18:56 · 28 March 2025

Q_2926 What topics have you shed light on in the second volume of the Bhavishya Malika Purana?

Answer: Look, this second book was created with a lot of hard work. It took me a long time. Before its release, my body was greatly affected, and I went through a lot of pain. I even postponed it, thinking I wouldn't publish it. But then, I received inspiration from my inner self that no matter what happens to me, hundreds of crores of people could read this scripture and be transformed by its essence, so this book must be published. After this inner calling, I decided to publish it, despite my personal suffering. The core elements in it are: What is Kali Bharata? How will it happen, and how will the gods and the Lord fight for it? One war will be between nations, which we call the Third World War. The second war will be the Mahabharata of Kali Yuga. It describes where that Mahabharata will begin and how God will orchestrate it. It contains descriptions of 64 types of upcoming diseases. It has writings about the world war and which countries will side with India. It describes how the NATO-Warsaw conflict will unfold. It explains the essence of Trikal Sandhya. It describes the upcoming 'Panchabhuta Pralaya' (dissolution by the five elements). It describes how the sea will engulf the Jagannath region and what signs will appear. It describes the 'Sudharma Mahasangha' and how the assembly with Brahma, Shankar, and the gods will take place, when, and where. It describes where Lord Kalki will reside and how he will go into hiding. It especially describes how the Kalki avatar appeared in the previous Kali Yuga. I have provided evidence from nearly 100 scriptures about the Kalki avatar, in which Sambhal village he will be born, the time of his arrival, and the signs that will be seen from the Jagannath region. The Sambhal Dham, which our honorable Prime Minister has consecrated, is a sign of the arrival of Satya Yuga. Lord Kalki's divine plays will unfold there; that is also described. I am not forcing anyone to read this book. It is a spiritual doctrine. Those who wish to read this doctrine with devotion may do so and imbibe its sacred essence for their well-being. Jai!

► Watch this answer · 20:42 · 28 March 2025

Q_2927 Father, many people who worship have a goal to attain heaven or receive the Lord's blessings. But before we knew about this spiritual path, when we were 10-11 years old, our goal was to become soldiers and give our lives to protect our country. We came to this path for this very reason, that if we receive the Lord's command, we will go to fight in the war. So, is our goal true or false?

Answer: Look, what you are all doing today—distributing Trikal Sandhya books, distributing the Bhagavata, telling people about the change of an era—this itself is a war of the Narayani Sena (Lord's army). Lord Krishna had nearly three crore Yaduvanshis. That battle in that era was fought with weapons for the sake of dharma. In this era, the battle is fought with knowledge, intellect, and hard work. So, this is a battle, and you are fighting it. As for the war of dharma by the Narayani Sena in Kali Bharata, it is written in the scriptures that the Saptarishi (seven sages), the five Pandavas, the 64 Siddhas, and Lord Kalki will fight. The five Chiranjeevis (immortals) will also be there. So, if it is in your destiny, you will also fight the war with weapons at that time. Right now, the war of scriptures ('shastra-yuddha') is going on. Jai Jagannath!

► Watch this answer · 25:11 · 28 March 2025

SESSION 161 · QUESTIONS 2928–2932

L177: भविष्य मलिका की वाणी सत्य हो रही है! | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 10 April 2025 · Watch the full session ↗

Q_2928 Did the Ramayana and Mahabharata occur in the Chaturyuga of the same Manu, or in the Chaturyugas of different Manus within this Kalpa?

Answer: Look, in the cycle of yugas, Lord Ram comes, Lord Krishna comes, and the Mahabharata also happens. According to the Vayu Purana, there is clear evidence that even before that, Kali Yuga had come to Earth, at which time Lord Kalki's name was Pranit Chandra, or something similar. Therefore, from the very beginning of the ages, when the Lord assumed his cosmic form (Virat Roop), Lord Brahma was created from him, and Lord Vishnu recited the Bhagavat to Lord Brahma. The Mahabharata is also in the Bhagavat Purana. The Krishna Leela is also in the Bhagavat Purana. The essence of the eighteen Puranas is in the Srimad Bhagavat Mahapurana. From this, we get proof. In every age, gods, sages, and saints come and reconstruct the scriptures. They rewrite them. All are the words from the mouth of Lord Vishnu. And in the beginning age, the Kumar Sarga, all scriptures were composed because the Sanakadi Kumaras told Narada Mahamuni about reading the Bhagavat for seven days, as they originated in the Adi Sarga and had knowledge about all this. So, according to the yuga, the Lord's incarnations happen; there are 24 primary incarnations and countless others, and these scriptures are also revived, sometimes by Lord Vyasa Dev and sometimes by other accomplished saints. This is a continuous process, a tradition that goes on.

► Watch this answer · 19:34 · 10 April 2025

Q_2929 Is it necessary for everyone to take initiation (diksha)? Without a guru, by just chanting Madhav's name and performing Trisandhya, will one not attain the Lord's refuge? How true is this?

Answer: Jai Jagannath. My blessings are upon everyone. I pray to God for everyone's happiness. But I also have a path, a stream that we propagate. You should perform Trikal Sandhya and read the Bhagwat at the right time. If you do, you will automatically receive the enlightened grace of God. And regarding the matter of the guru tradition (guru parampara), look, the guru tradition is a tradition. We respect the tradition that is prevalent. But at this time, Satya Yuga is about to arrive. And in my opinion, make Lord Vishnu your guru and perform Trikal Sandhya. All will be well. Now, no other stream or tradition will work. With the change of the yuga, this stream of Trikal Sandhya itself is your guru. Hold onto it and do your work. God will be gracious. Worship Lord Vishnu. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:20 · 10 April 2025

Q_2930 I have a question. What is going to happen in Bangladesh? What should we do? Please tell me. What will happen to the guru-disciple tradition? I am dependent on a guru. I haven't taken initiation, but he gave me some mantras to chant. What should I do now?

Answer: First, my ideology is this: you should perform Trikal Sandhya and read the Bhagwat. Second, I will speak about the future. A time will come when India's relationship with Bangladesh will worsen further. There is also a possibility of war in the future. Therefore, for your own safety, perform Trikal Sandhya, read the Bhagwat, and make arrangements to go to a place where you will not face disaster. Because according to the scriptures of Bhavishya Malika, it is written that 'Bangda hai woh langda' (Bengal is lame), meaning the current state of Bangladesh will not remain. In the future, there will be shortages, scarcity of food, and so many storms and tornadoes that they will destroy Bangladesh's economic condition. The situation of war and the tradition of caste discrimination will also increase. So, perform Trikal Sandhya, read the Bhagwat, and chant the name of Madhav. Pray to Madhav to take you to a place where you will be safe. This is my prayer to Madhav. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:34 · 10 April 2025

Q_2931 When the Sudharma Sabha convenes in Jajpur, what will be the number of devotees?

Answer: When the Sudharma Sabha takes place in Jajpur, 33 crore (330 million) gods and goddesses will be present. Lord Brahma will be there, Lord Shankar will be there, Narada Mahamuni will be there, 64 accomplished sages will be there, and all the sadhus and saints of Naimisharanya will be there. All the devotees will be there. And Lord Kalki himself, the incarnation of Lord Vishnu, will conduct that assembly. No other god or goddess will conduct it. In this way, the protection of the world's dharma and the creation of the world's constitution will happen in the Sudharma Sabha. And Lord Kalki will make his devotees kings. He will make one lakh (100,000) devotees kings in the world. One lakh devotees will become the Lord's kings, and there the Lord will make his decisions. It will go on for many days. It is a matter of great joy and wonder.

► Watch this answer · 26:41 · 10 April 2025

Q_2932 In the four great sayings, the teaching of fasting is given. Which fast should we observe, and how should we observe it?

Answer: Look, this question has probably come from Odisha. I understand the four great sayings you are referring to. The meaning of fasting (upvas) here is not said to be abstaining from food. The meaning of 'upvas' is to control your mind, that is, the mind which hopes for desires and passions, and to suppress your own nature. This is the real fast. It is not about fasting from food. And those who follow this will attain God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 28:20 · 10 April 2025

SESSION 162 · QUESTIONS 2933–2938

L178: जगन्नाथ क्षेत्र से धर्म संस्थापना का एक और संकेत! | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 15 April 2025 · Watch the full session ↗

Q_2933 What is the significance of a 'shunya granthi' (zero knot) appearing on the flag of the Shri Mandir?

Answer: Yes, a 'shunya' or a knot that forms on its own on the flag of the Jagannath temple... Look, this flag is for salvation. It is for the welfare of humans, living beings, gods, and the entire creation. The Lord has been holding this flag for an infinite time. In my opinion, if a knot forms on the clothes we wear, you should know it's not a good sign; we won't like it, and anyone who sees it won't like it either. Similarly, when a zero knot appears on the Lord's flag, it is not beneficial for the world. It signals a time of change for the world. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:31 · 15 April 2025

Q_2934 We perform the Trikal Sandhya and also chant the holy name. Will our children, family, and parents be protected by this?

Answer: Look, in the house where people perform Trikal Sandhya, peace prevails. The 'Pitri Dosh' (ancestral affliction) is nullified in that house. When you perform Trikal Sandhya in your house, others who listen also benefit and are uplifted. However, if when you perform Trikal Sandhya, all the people in your house do not listen to it or stay away from it, then it is difficult for them to receive the benefits. It's like if a person stays inside the house, they won't get the sunlight. Similarly, at the time Trikal Sandhya is performed in your home, the devotees, the people, the family members who listen to it, sit near it, and experience it will receive purity and the Lord's grace. Those who do not will not receive anything in this regard. Through Trikal Sandhya, the ancestors residing in 'Pitri Lok' (ancestral realm) receive blessings, obstacles from ghosts and spirits are removed, and bad omens and planetary afflictions are nullified. But consider sin and merit. Those who listen and read, receive the benefits. Those who do not listen or read will not receive them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:54 · 15 April 2025

Q_2935 Rohit, who is 11 years old and in the 5th grade, likes the Bhavishya Malika, performs Trikal Sandhya, and reads the Bhagavat Mahapuran. However, his family eats non-vegetarian food. He wants to know if he can get the meaning of Trikal Sandhya in Hindi.

Answer: First, I congratulate Rohit. See, we Sanatanis need to reform from the roots. Just as the lady was saying her two-year-old son recites verses from the Bhagavat, and who used to watch cartoons and other things, now engages in spiritual elements, bhajans, and kirtans. See, where there is foreign culture, there is destruction, there is unrest, there is no family, because foreigners marry multiple times. They get their children married and leave them. They don't keep much contact with where their children go. But our Sanatani tradition is to live with our family. One wife, one husband—this tradition is being affected by foreign culture, leading our people to also have multiple marriages and abandon their children. This will cause unrest in the family, and they won't attain liberation or Vaikuntha. The path of life's karma will go wrong. That's why it's very good that Rohit performs Trikal Sandhya. I advise Rohit's family: if someone in your family chants the

Lord's name, encourage them more, so they never fall into bad company. He performs Trikal Sandhya and reads the Bhagavat. Therefore, as he grows older, you won't have to worry about him drinking alcohol, visiting prostitutes, or doing anti-social work, because he performs Trikal Sandhya. Secondly, to the people in his house who eat meat and fish, I want to say: see, killing living beings is a sin. In Sanatana Dharma, killing animals is opposed. Lord Buddha also opposed animal slaughter. So we are Sanatanis. According to the times, the demonic tradition of foreigners is prevalent in our country, but a time is coming for its end. Therefore, I advise Rohit: if they eat meat and fish at home, don't say anything to them. Respect your parents. And I want to tell him this: every morning after waking up, touch your parents' feet and bow to them. Also, bow to your elders, i.e., senior persons. And in the evening, before sunset, if you are at home, bow to them again. You will be blessed. It is not in our tradition to judge our parents' karma. Every Sanatani should treat their parents as God. 'Pita ch mata, mata ch Parvati devi, pita dev Maheshwara' (Father and mother, mother is Goddess Parvati, father is Lord Maheshwara). Offer devotion to your parents as if they are Shiva and Parvati. This will make the fruit of Rohit's Trikal Sandhya even more beneficial. Respect your parents, focus on your studies, and study the Bhavishya Shastra. With the change of the era, humanity will move towards Satya Yuga, and for that, the karma you are doing is necessary. This life will lead to a beautiful world ahead. People will live in joy. There will be no calamity. So, Trikal Sandhya is very good. You should continue doing it, and your father will also be blessed. Jai. And regarding the Trikal Sandhya in Hindi, I am telling our people who do this to send the Trikal Sandhya. And Rohit, read one chapter of the Bhagavat and explain its essence to your parents. That will bring them more welfare. They will also change by listening to the Bhagavat. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:39 · 15 April 2025

Q_2936 Has the Bhavishya Malika fallen into the hands of Russia?

Answer: Look, when the first book of Bhavishya Malika was created, we had it translated into the Russian language. With the help of our devotees, it was translated from English to Russian. It is also being promoted through platforms like Amazon by their organization, and Russian people are also buying it. So, it is good for us that the Bhavishya Malika has reached Russia because Russia is our friend. For many eras—Dvapara Yuga, Satya Yuga, Treta Yuga—we have had a good, friendly relationship with Russia. And at this time, if it reaches them, our bond with Russia will become even stronger. The devotees there will also be saved. Not just Russia, the Bhavishya Malika has been translated into European languages, French, and Japanese. People there are also buying and reading it. A time will come when the entire world will become Sanatani, and this book is a medium, a message that has already been sent. This is very good; it was necessary with time, by the will of God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:01 · 15 April 2025

Q_2937 Amulya Bhai from Karnataka asks: You said that a devotee will know themselves through 'Brahma Karma'. What exactly is Brahma Karma? The Bhagavad Gita says that Brahma Karma means to know oneself. Is knowing oneself enough?

Answer: Look, first I will tell you about Brahma Karma. 'Brahma' means Lord Vishnu. The method of worship and adoration of Lord Vishnu is called Brahma Karma. That is, the worship method of Lord Vishnu. Lord Vishnu is formless and also has a form. Lord Vishnu is also without shape. He is with attributes and without attributes. He is manifest and unmanifest. It is His will. 'Nija ichha nimit tanudhari' means He assumes a body by His own will. So, Brahma Karma is this Trikal Sandhya, this reading of the Bhagavat. By doing this, a person comes to know their own state. 'State' means, why were we born? What is the goal of our life? For what reason have we come to this earth, and what actions must we

perform? How can we be liberated from the bondage of this life cycle, and after liberation, what is the ultimate purpose and highest state of human life? A person learns about all this when they perform Trikal Sandhya. Therefore, through the medium of Brahma Karma, through the Bhagavat, a person gets information about their state—that is, their limits, creation, and end. Then, accordingly, the person behaves and transforms their social and spiritual actions, moving towards liberation and the attainment of the main goal. This is called self-realization, and the person knows themselves—why they got this body, where to go, where to come from, everything becomes clear. So, reflect on this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:41 · 15 April 2025

Q_2938 Akash from Ayodhya explains that his father consumes non-vegetarian food and alcohol. His mother, while devout, opposes his spiritual path, urging him to follow another guru and creating issues when he attends satsang or performs his morning rituals. He has never been able to attend a spiritual assembly because of them and now they are preventing him from going to the one in Chandigarh. He asks for guidance.

Answer: Jai Jagannath. First, I will say, treat your parents like gods. Bow to them morning and evening so they feel that their son respects them and that he has received these values from Trikal Sandhya and the Lord's grace. So, bow to your parents. A son can be a bad son, but a mother is never a bad mother. It doesn't matter if they eat meat and fish; that is none of your business. It is not under your karma. Don't try to control your parents. But what you can do is read the Bhagavat to them, in which it is written that killing living beings is the greatest sin, and those who do so go to hell. Read this from the Bhagavat to your parents. If your parents forbid you from going to the Chandigarh event, then don't go. Sit at home and listen, because every home is a pilgrimage site, every mind is a pilgrimage site, every place is a pilgrimage site. The Lord is omnipresent. 'Hari vyapak sarvatra samana, prem te pragat hoi mein jaana' (The Lord is equally present everywhere; I know He manifests through love). The Lord is present everywhere—at home, outside, in heaven, on earth, in the netherworld, on mountains, in forests, oceans, rivers, and hills. Wherever you look, our Lord is there. Therefore, if your parents forbid you, respect them completely. First, respect your parents. After that, you can discuss it with me. Because I also respect parents. They are the creators. They have given us birth. It's okay if they don't believe. Their life's karmic path is controlled by their past life's 'prarabdha' (destiny). The karmic path that is not influenced by material elements is also due to past life's karma, just as it is for you. So, materialism, spirituality, and social life are all part of this world. The qualities of Sattva, Rajas, and Tamas are present. But we should not be concerned with that. Follow the Lord's work, the Lord's path, the rules of the scriptures: respect your parents, perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and chant the name of Madhav. Don't get agitated. Worship your parents as deities, and then, with time, they will change. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:26 · 15 April 2025

SESSION 163 · QUESTIONS 2939–2947

L179: इस साल विश्व में FOOD CRISIS देखने मिलेगा! | पंडित काशीनाथ मिश्र

Date: 20 April 2025 · Watch the full session ↗

Q_2939 Sudhir Singh, also known as Sarjit Singh, has been facing problems like ghosts and spirits for the last 24 years. Sometimes, these problems overpower his body and trouble the entire family. Whenever a family member tries a remedy or treatment for Sarjit ji, they themselves get affected by this problem. This situation is also creating obstacles in our devotion and worship of Lord Shri Madhav. Please guide us on what to do so that by the Lord's grace, we can get rid of this problem. Jai Shri Madhav.

Answer: Look, to stop the obstacle of ghosts and spirits, Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day) is most essential. I advise him to perform Trikal Sandhya at the correct times, read the Bhagavat Mahapuran, and also, before sleeping at night, chant the 'Madhavam' name 108 times. After that, tell me what results you get and what happens. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:59 · 20 April 2025

Q_2940 Respectful salutations to Pitaji (father/speaker). I chant the Hari Naam Kalki Mahamantra and the mantra given by my Guru. Along with this, I also perform the Trikal Sandhya and chant the Madhav name as told by you. Can I perform both these Sandhyas together? Please guide me.

Answer: Look, according to me, continue following your own Guru and your tradition as you have been. However, you must perform the three Sandhyas: the Praat Sandhya (morning prayer) which is the Brahma Muhurta Sandhya, the Madhyan Sandhya (midday prayer), and the Sayan Sandhya (evening prayer). And read the Bhagavat. Along with this, follow your Guru's tradition. Jai.

► Watch this answer · 11:29 · 20 April 2025

Q_2941 Jai Shri Ram. My question is, is it necessary to chant only the Madhav name? I also chant other names. And should I only read the Shrimad Bhagavat Mahapuran? I recite the Ramcharitmanas. Please guide me.

Answer: You will have to chant the Madhav name. It is necessary. You should chant it because this mantra will protect you from upcoming natural, social, and physical calamities. Secondly, you will also have to perform Trikal Sandhya on time. Your well-being lies in this. As for the other mantras you chant, do them; I have nothing to say about that. I am only telling you to perform Trikal Sandhya on time. Whatever else you follow, continue to do so according to your schedule. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:47 · 20 April 2025

Q_2942 The next question is from Janma Vijay Swain Bhai from Delhi. What are the rules for daily recitation of the Jagannath Sahasranama? I wish to hear its significance from your holy mouth.

Answer: Look, regarding the Jagannath Sahasranama, it would be good for you to chant it at home when you perform puja or aarti, or if you have a temple in your home where you worship God. Worship in the morning and evening, and at night, before the Lord's door is closed for rest (Pahuda), if you light a lamp and recite that stotra (hymn), the Lord will be pleased. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:24 · 20 April 2025

Q_2943 The next question is from Abhishek Chauhan Bhai from Bareilly. It is said in the Bhagavat that one good thing about Kali Yuga is that if someone resolves to do a virtuous deed in their mind, they get the fruit of it just by the resolution alone. And a mental sin does not bear fruit until it is acted upon. Now that, according to the Malika, Satya Yuga has begun and Kali Yuga is ending, if a mental sin arises in someone's mind due to ill feelings, will it be considered a karma of Kali Yuga or Satya Yuga?

Answer: Look, this mind is fickle, influenced by the senses. By chanting the Lord's name, performing kirtan, Trikal Sandhya, and reading the Bhagavat, the impurities of the mind, the conflicts of the mind, and the wrong feelings of the mind are removed. People did bad things in Satya Yuga, in Treta Yuga, in Dvapara Yuga, and they do them in Kali Yuga as well. But the coming Satya Yuga, the Ananta Yuga, will be a purified age in which people will become completely pure. There will be no wrong feelings, no wrong thoughts, because by performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavat, they will adopt the tradition of the sages and saints. Jai.

► Watch this answer · 15:25 · 20 April 2025

Q_2944 As we currently perform Tri-sandhya three times a day according to the schedule, when the work of establishing Dharma progresses rapidly in the future, will we have to perform Tri-sandhya continuously, or will doing it briefly suffice?

Answer: Look, with the changing times, a person's greatest karma (duty) will be Sandhya. In the future, people will find peace in this. During the calamitous times of the yuga change, people will chant that mantra for up to 24 hours. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:49 · 20 April 2025

Q_2945 Pandit ji, on the day of the main Shani Yog (Saturn conjunction), just 5-10 minutes after it started, at around 10:10-10:15, a lizard was climbing the wall in my house and it died right before my eyes. While climbing the wall, nothing hit it, and the weather wasn't particularly hot either. So I couldn't understand if this is a good or a bad omen for my house.

Answer: No, it is not a bad omen. A life ends when its time is up. You have nothing to do with it. There is no calamity for your house.

► Watch this answer · 18:46 · 20 April 2025

Q_2946 My question is a personal one. I am never consistent. Sometimes it happens that I perform Sandhya all three times, and other times I do it three times but miss the correct timing. Sometimes I recite a lot, and other times I can't even properly chant the 108 names in a day. I cannot remain consistent in my devotion. I don't understand what happens to me. Sometimes I feel detachment, and other times I get caught up in worldly fears. I am a student. And my second question is, Pitaji, my classes run until 1:20 PM, so at 12:30 PM, I don't get enough time to perform the full Sandhya. I quickly recite it in five minutes after stepping out of class. I read it in a hurry, and sometimes I even miss a part. What should I do in this situation, Pitaji? Please answer both these questions. Jai Shri Mata.

Answer: Look, by repeatedly practicing every spiritual discipline, every mantra, and every method of worship with devotion, the obstacles you face will be broken. Therefore, take refuge in Madhav, be devoted to Madhav. I also pray to God for you. You should try to perform Trikal Sandhya on time, and only good will come of it for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:41 · 20 April 2025

Q_2947 Pita Shri (Revered Father), I have a question. In the future, if by the grace of Mahaprabhu, we get the good fortune to fight in a war, whether it be the Mahabharat war or a war on behalf of the Indian Army, then Pita Shri, how will we perform Trikal Sandhya during the time of war? Will it be compulsory to do it then? Jai Shri Madhav.

Answer: Look, just as a person lives by eating food and earns a livelihood by working, and just as the Sun God provides his light to the earth every day, Trikal Sandhya is a divine element (Brahma Tattva). Never abandon it. Without it, human life is incomplete. The scriptures say that those who do not perform Trikal Sandhya have no right to food. Their body, even while alive, is like a living corpse. Their life has no direction, and the meaning of human life is lost. Therefore, Trikal Sandhya is very great. Trikal Sandhya is the one medium on earth through which the greatest welfare of humanity is achieved. One gets liberation from the cycle of life and death, gains strength, is freed from ancestral curses (Pitri Dosh), gets employment—everything is attained. Everything is in Trikal Sandhya, so perform it.

► Watch this answer · 21:13 · 20 April 2025

SESSION 164 · QUESTIONS 2948–2956

L180: America का U-TURN! | अमेरिका पाकिस्तान और चीन का साथ देगा! | Pandit Kashinath Mishra

Date: 29 April 2025 · Watch the full session ↗

Q_2948 Lakshman Sharma from Jaipur asks: When Lord Kalki's avatar manifests, what will be his qualities and characteristics?

Answer: This is a very good question. Your question is an independent one, containing profound elements. Yes, what are the qualities of Lord Kalki, the qualities of God? God comes in Sattvaguna, Rajoguna, and Tamoguna. But no one has ever recognized God, nor will they. A handful of devotees have recognized God in every era, and so it is in this era as well. Yes, I will tell you what is written in the scriptures about the main qualities of Lord Kalki. Around Lord Kalki's body, four clouds and 49 types of winds reside with his body. And just by Lord Kalki's will, he can cause destruction by fire, water, wind, earth, and space. From his body, 49 types of winds can also manifest. Therefore, he will do everything with his willpower. But his main quality is this: at this time, Lord Kalki will establish dharma through the five elements (Panchabhoota). Among the five, the destruction by fire will take the form of a world war. That is a part of Kalki's divine play (leela). Devotees will be protected in it, and sinners will be destroyed. It doesn't matter if a country is the most powerful in the world; the destruction will be based on dharma versus adharma. That is why dharma is greater. There is no way to imagine the power of Lord Kalki; his power is infinite, so it is not possible for us to describe it. But the main quality is that wherever destruction by the five elements happens, where the earth burns through the effect of fire in war, know that nothing happens without the Lord's will. And wherever there is protection, it is by the Lord's grace. The essence of Lord Kalki will remain secret until 2032. After 2032, perhaps Lord Kalki will first become recognizable to a few devotees. Then, gradually, his influence will spread throughout the world. Everyone will believe in him, and then Ram Rajya (the kingdom of Rama) will be established. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 07:40 · 29 April 2025

Q_2949 Naveen Gupta from Mumbai, Maharashtra asks: If devotion alone is sufficient, then whenever desires arise in the mind, what should be the supreme desire? Must that desire necessarily be a pleasant one?

Answer: Look, the supreme desire in human life should be for good deeds (sukarma). And we all know about good deeds and bad deeds (kukarma); even a small child today knows what is good and what is bad. So, the meaning of a good deed is to follow truth, peace, compassion, and forgiveness. Or truth, peace, compassion, and charity. Those who follow these four principles will have a high-quality and good lifestyle, and that should be the goal of a human being. We will follow truth, we will follow peace, we will follow compassion, and we will follow forgiveness. Through this, all means will be achieved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:35 · 29 April 2025

Q_2950 Pravesh Ka Srivastava from Bengaluru asks: What will be the condition of India's metro cities in 2025, especially when there are signs of war?

Answer: Look, this war will first take place in the border areas. When war happens in the border regions, border transgression is also a possibility. This will not happen in a single day. Therefore, don't worry about it. Do good deeds, perform the Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day), read the Bhagavat, and maintain discipline. Yes, there is a possibility of war, and it will escalate further, but it won't happen in a single day. Jai.

► Watch this answer · 11:57 · 29 April 2025

Q_2951 Om Prakash from Madhya Pradesh is asking: Regarding the current Meen Shani Yog (Saturn in Pisces transit), will there be another special Meen Shani Yog after this one that will last until 2029?

Answer: The Saturn in Pisces transit will continue until mid-2027. After that time, the transit of Jupiter (Brihaspati) will begin. After that, it has great importance and immense value on Earth, so that time is also coming. And there will be a lunar event that will surely pave the way for Satyug (the Golden Age). Our welfare lies in believing in all the scriptures because what is written in the scriptures will happen; there will be no change in it. Jai.

► Watch this answer · 13:29 · 29 April 2025

Q_2952 Shrimati Madhavi from Maharashtra asks: Pandit ji, pranam. Regarding the gurus and babas in India who are looting the public in the name of devotion, will their true faces ever be revealed? Will they ever be exposed?

Answer: Look, your question was considered. See, we respect saints. This country is a land of saints. In the world, even within every sacred element, there is some evil in some places. But the world is not bad. This was a great country and will become one again. For the arrival of Lord Kalki, they will also propagate the Bhavishya Shastra (scriptures of the future). Many saints are already doing it now and will do so in the future. A time will come when no evil will remain on Earth. Everyone will turn towards dharma. Yes, wherever minor wrongdoings are happening, those people will also surely change. Your line of thinking is correct. Wait for the time to come. A big change will come in such a situation. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:46 · 29 April 2025

Q_2953 Aarti Kumari from Haryana asks: According to the Bhagavat, the Supreme Brahman, Narayana, enveloped by the qualities of Sattva, Rajas, and Tamas, holds countless universes within his body. When it is said that countless universes are situated within him, and he calls himself neither human, nor a living being, nor a soul, then what is his true form? It is also written in the scriptures that it is impossible to know him completely. Still, my mind repeatedly ponders this. Please guide me. Jai Jagannath.

Answer: Look, you have asked a very good question. What is His real body? This is His real body. See, God is formless (nirakar), God is without shape (anakar), and God also comes in a form, in a human body. But the thing is, it is His will. At one place, Tulsidas Maharaj has written, 'Nija ichha nirmit tanudhari' (He assumes a body created by His own will).

This means if there are millions of universes in God's body, then when God takes an avatar or comes in a human body, where do those millions of universes go? The answer to this question is that God holds the entire universe, which is beyond the scope of our eyes to see. He operates the entire universe, but the radius of our vision cannot comprehend it. If we, with devotion, emotion, and a sense of surrender, see the supreme essence of Lord Vishnu through self-realization of His actions and inner power, then we will see that His power is in millions of universes, and He holds millions of universes. He operates these millions of universes, which cannot be contained by human eyes but can be contained in human devotion. This means that through devotion, a devotee can experience that true essence. To see it directly, we do not have the 'Gyan Chakshu' (eye of knowledge) that the Lord gave to Arjuna. Through that eye, Arjuna was able to see the form of the entire universe, the true form of the Lord. Then, the Lord also gave the same eye of knowledge to Sanjaya before the Mahabharata war, through which he could perceive and see the Lord's divine play and the righteous act of the Mahabharata war even while being infinitely far away. Therefore, to know this truth, we do not have that capacity. For this reason, by following the path of devotion, only yogis, sages, and rishis could know the attainments of God and His true form through self-realization. And you can do it too. Go into that devotion which the rishis and munis had, then conflict will not arise. And one more thing, when you go with complete faith, is it necessary to follow the Lord? There is the Lord, and by surrendering to the Lord with complete faith, in that very surrender, we will receive the Lord's grace. Yes, this element of the path of knowledge that is in your mind, you can achieve this element only through the path of devotion, the path of austerity, and the path of meditation. To have a direct experience and direct attainment, you will receive the power of God's sacred eye of knowledge. It is possible. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:11 · 29 April 2025

Q_2954 Abhishek Chauhan from Bareilly, Uttar Pradesh asks: I want to join the Sudharma Mahasangh, but I am currently studying. Can I remain associated with the Sangh while studying, without doing any service work? Also, while performing Trikal Sandhya, sometimes out of 101 days, there is a day when I miss one of the prayer times. What should be done in such a situation?

Answer: Look, when you do righteous work, obstacles also come. No one becomes an ascetic in a day. No one becomes knowledgeable in a day. It has to be done gradually. You perform Trikal Sandhya for a few days. Then, with time, you won't miss it. In the beginning, it can be inconsistent. Secondly, you can perform Trikal Sandhya along with your studies. Service for the Sudharma Mahasangh is not essential. Our goal is for people in India to read the Bhagavat at home and perform Trikal Sandhya prayers. This Trikal Sandhya is an element of Satyug (the Golden Age), through which people will go to Satyug. It takes a maximum of 15-20 minutes a day, meaning about five or six minutes each time. So, do the Trikal Sandhya, read one chapter of the Bhagavat, pay respects to your parents in the morning and evening, and study. That's it. It's not necessary to come and go. Work from your home. There is no need to stay in contact with us either. Just perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, respect your parents, and give importance to your work of the time, which is your education. Your well-being lies in that. Jai.

► Watch this answer · 20:16 · 29 April 2025

Q_2955 In our separate prayer area at home, the idols of Goddess Lakshmi and many other deities were burnt. However, we have re-established the idol of Goddess Lakshmi, had the rituals performed, and the worship is ongoing. But what could this signify?

Answer: Look, fires have occurred in many temples in India as well. A home's prayer room is also a temple, and a fire incident happened there. It's not a problem. Continue your worship, and the Lord's grace will joyfully remain with you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:33 · 29 April 2025

Q_2956 My question is, Father, I live in a hostel and want to keep a small idol or photo of Lord Vishnu. Since we always eat food in the hostel and cannot take it from downstairs to upstairs to a prayer area, if I keep it, what rules and religious practices should I follow? I just wanted to ask this.

Answer: Look, if you want to worship Lord Vishnu, keep a photo and worship it. You should not keep an idol (pratima) because the rituals for worshipping an idol are a bit difficult. Therefore, keep a photo in your room where you live in the hostel, worship Lord Vishnu, and study well. Your studies will become even better. Performing Trikal Sandhya will stabilize your mind, increase your memory, and your mental strength will become very robust. You will gain the capability to do anything in the world. So, follow that as well, and read one chapter of the Bhagavat. Your mind's concentration will improve, and at the same time, your body will be protected by the grace of God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:35 · 29 April 2025

SESSION 165 · QUESTIONS 2957–2964

L181: WORLD WAR 3 की आहट और भविष्य मालिका | Pandit Kashinath Mishra

Date: 02 May 2025 · Watch the full session ↗

Q_2957 If one wakes up at 3:30 AM, can they wash their hands and feet and perform the Trikal Sandhya (thrice-daily prayers)?

Answer: Look, if someone's eyes open at 3 AM, if their sleep breaks, then it is great fortune for them. Whether you wash your hands and feet or not, you can chant Mother Ganga's name three times, touch your head with your hands, and sit down to perform the ritual. There is no need to bathe. You can do it right there where you are sitting. Jai Jai.

► Watch this answer · 09:10 · 02 May 2025

Q_2958 After the establishment of Dharma (righteousness) post-2032, in the Anant Yuga (endless era), for how many years will Lord Madhav stay with his devotees and give them the opportunity to serve?

Answer: Look, time is the most powerful. Devotees should wait for the right time. Along with time, one must practice Dharma. And what I am telling you now, you should follow it well with time. Through that, you will attain the Lord.

► Watch this answer · 10:07 · 02 May 2025

Q_2959 Is it necessary to chant only the name 'Madhav'? Will the Lord not protect those who chant names like Narayan, Ram, Krishna, etc.?

Answer: Jai Jagannath. Your question is very important. Chanting names like Ram, Krishna, Hari, Govind, and Shyam will also lead to attaining the Lord and receiving protection. However, according to the scriptures for this era, the Lord's name is Madhav. Therefore, one should chant the name Madhav during Trikal Sandhya. At other times, you can chant the names of any of the Lord's avatars, and you will receive benefits from that as well. But in this final age, the name Madhav is very powerful. The Panchasakha (five friends) have said that those who chant the name Madhav will be liberated from the cycle of birth and death. Radha Rani was chanting the name Madhav, and so was Arjuna. The Lord's most sacred devotees reached His feet through the name Madhav. So, the idea is that all names have the same essence, but in this era, the name Madhav is paramount. Jai Jai.

► Watch this answer · 11:31 · 02 May 2025

Q_2960 Nowadays, devotees are feeling very strange. Although by the Lord's grace everything is fine, there is still a sense of restlessness. Why is there this restlessness?

Answer: The most important thing is that time is changing, the era is changing, and the planets and constellations are changing their positions. A new era will be created, and the Lord's influence is falling upon the devotees. At this time, as mentioned in the Malika, people will not be able to understand or make decisions, and their minds and actions will be disturbed because the era is changing. During the change of an era, such effects are seen. Therefore, there is still some time left to be saved from this period. So, during this time, you should engage in Sandhya (prayers), reading the Bhagavat, and chanting (Bhajan). Fulfill your household duties, take care of your family, and those who align with the times will be your companions. Jai Jai.

► Watch this answer · 13:39 · 02 May 2025

Q_2961 What should be done with a male calf so that it does not fall into the hands of a butcher and one can be saved from sin?

Answer: Look, according to our Sanatana tradition, there should be a 'Gaushala' (cow shelter) in every state, every district, every town, and every village council. The male calf should be left at the Gaushala, and it should be taken care of there. We also have a Gaushala where there are many such calves, and we raise them because the cow is a deity for us. It should be left at the Gaushala. If there is no Gaushala in that area, then one should talk to the government to build one; we will also support it. The calves, the old cows, and the sick cows should be treated and served in our Sanatana Gaushalas. They should not be sold to anyone. One should directly arrange with a Gaushala to have them taken in.

► Watch this answer · 15:39 · 02 May 2025

Q_2962 Can we chant Radha's name along with Madhav's name, because the Lord is incomplete without Mother Radha, and it is Mother Radha who grants us loving, protective devotion?

Answer: Look, 'Madhav' is a name in which the names of both Radha Rani and Krishna are chanted together. 'Ma' refers to Brahma Swarupa, Narayani, Vishnu Maya, Sanatani, Mahalakshmi Swarupa, Veda Mata, Gayatri, Radha, and Vasundhara. 'Dhava' means Swami (husband/lord). So, Lord Madhav is the Swami of Radha Rani. This is also described in the Gita Govinda, which contains the essence of the Raas Leela, most beloved to Krishna and Radha. Therefore, by chanting the name 'Madhav', the names of Radha Rani and Krishna are chanted together. If someone's mind is still not satisfied, they can also chant 'Radha Madhav'. That is also acceptable.

► Watch this answer · 17:48 · 02 May 2025

Q_2963 Just as China has the 'Jhadu bomb' (likely a mispronunciation of Hydrogen bomb), do other countries also have it?

Answer: Look, countries like India, Pakistan, China, America, Britain, England, Germany, Russia, and Israel all have atomic bombs. However, the control of these atomic weapons is with God because it is the 'Brahma-astra' (a divine weapon). Therefore, even if they become unstable, they will not be able to use it. The one above is in control.

► Watch this answer · 21:05 · 02 May 2025

Q_2964 Is anything written about Jarasandha in the Malika scriptures?

Answer: No, it is not written. What is written in the Malika is that the wicked (symbolized as trees) will be destroyed, and the 'Chiranjivis' (the immortals) will be with the Lord. Devotees will take incarnation, truth will be established, and one hundred thousand devotees will be with Lord Kalki.

► Watch this answer · 21:56 · 02 May 2025

SESSION 166 · QUESTIONS 2965–2977

L182: भारत पाकिस्तान युद्ध में विजेता कौन होगा? | मालिका में क्या लिखा है? | Pandit Kashinath Mishra

Date: 05 May 2025 · Watch the full session ↗

Q_2965 Will there not be a war in the future? Who will be victorious in this war?

Answer: It is written in the scriptures of the future that in the third world war, there will be countries allied with India and with Pakistan. But who will be victorious? Our ideology on this is that this war will be a decisive one. In it, the paternal essence of the entire Sanatana (eternal order) will be decided. On one side, the government of India, its administration, and the general public will be at war with Pakistan. On the other side, there will also be a war of divine power against Pakistan, of which no one is aware. The war of divine power will not only be against Pakistan but also against the countries that help Pakistan.

► Watch this answer · 02:02 · 05 May 2025

Q_2966 So, what is the war of the divine power?

Answer: The war with our modern machinery and military will happen, but there will be another war from the side of the gods and the Lord, which we call the 'Panchabhoota Pralaya' (dissolution by the five elements). This war will be led by the gods and the Lord themselves. For those who are against India, who will fight or are fighting against India, the times ahead are not good. Because while India will face one war, they will have to fight on two fronts. And the divine power is so strong that no country will be able to withstand it. There will be destruction every day. In some countries, there will be earthquakes; in some, a fire cataclysm; in some, a water cataclysm (flood); in some, a cataclysm from space; and in some, a wind cataclysm. Along with this, there will be excessive rain, lack of rain, and drought. Food will not be available. It is written in one place in the Malika: 'India is the birthplace of God; if harm comes, there will be rebirth.' This India is the land of God. And at this time, the power of Lord Kalki is also with India. Therefore, this upcoming war will be a definitive decision for the whole world, and everyone will recognize India's power. In this war, India will have a spiritual victory, and all the countries of the world will respect India. After that, the whole world will be governed under India's leadership, and the entire world will become Sanatana Dharma. Therefore, the countries that want to wage war should also think about its consequences, and the result will come from India's side and from the side of Dharma. This will be a spiritual war and a physical war. The physical war will be fought by our government, our country's army. On the other side, there will also be a fight from the side of the Narayana Sena (Lord's army), from the side of God, against those very countries that act against India.

► Watch this answer · 03:17 · 05 May 2025

Q_2967 Priya Talwar from Amritsar, Punjab asks: She performs Trisandhya on time and reads the Bhagavata, but only from her mobile phone because her family doesn't allow her to bring the book home. Does reading the Bhagavata from a mobile phone yield the same spiritual fruit? Please provide guidance on this.

Answer: You will get exactly the same fruit. There is power in your devotion, and may the Lord's grace remain with you. The time has come. In the future, everyone will read the Bhagavata. Everyone will also perform Trikal Sandhya. You can do it on your mobile. Respect everyone in your family. Respect your father and mother. Bow to your parents in the morning and evening. And through your devotion, you will receive God's grace. There is no doubt about this. And as time goes on, the people of India and the world will move towards the truth. Crores of people will do this, and at that time, the truth will be illuminated. Wait for the time. Jai Jai.

► Watch this answer · 08:12 · 05 May 2025

Q_2968 Anar Vyas ji from Bor asks: In the first canto of the Bhagavata, the Shukar (Boar) avatar is said to be the second avatar, which occurred before the Meen (Fish) and Kachhap (Tortoise) avatars. Then why, in the sequence given in the Trisandhya, does the Shukar avatar come after the Meen and Kachhap avatars? Why is there this change in the sequence?

Answer: Look, the Meen (Fish) avatar happened during the time of the primordial creation (Adi Sarga), when Lord Maha Vishnu assumed his cosmic form. After that, the Lord created Lord Brahma, Lord Shankar, the eight Vasus, the Digpalas (guardians of directions), and the 14 Manus. Through Brahma, the Saptarishis (seven sages) were also created. When Brahma received the order from the Lord to begin creation, he came to Earth and saw that it was submerged in the great flood. So, the Meen avatar was in the Adi Sarga, meaning the Earth existed before Hiranyakashipu abducted it. When Hiranyakashipu abducted the Earth and took it to the netherworld (Rasatala), the Earth existed before that, and it was that Earth that Hiranyakashipu had stolen. Before that, there was a Brahma Pralaya (dissolution at the end of Brahma's day), during which the Lord took the Meen avatar. After that came the Kumara Sarga, when the Sanakadi Kumaras were born. After that, the Varaha Kalpa came. In the Kachhap (Tortoise) avatar, the churning of the ocean (Samudra Manthan) took place, and the Lord worked for the welfare of the gods. Then, in the Varaha (Boar) avatar, he worked for human civilization on Earth. Therefore, this sequence is correct: Matsya (Fish), Kurma (Tortoise), Varaha (Boar), Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Buddha, Kalki. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:43 · 05 May 2025

Q_2969 Sanju Kumar from Meerut asks: Shri Krishna is considered the eighth avatar. But in many places, Balaram ji is also called the eighth avatar. Why is this so?

Answer: Look, 'Ete Chamsa Kalah Pumsah Krishnastu Bhagavan Svayam' (All of the below-mentioned incarnations are either plenary portions or portions of the plenary portions of the Lord, but Lord Sri Krishna is the original Personality of Godhead). All the avatars of the Lord who have appeared on Earth are partial incarnations (ansha avatar). But from whom were they created? The Matsya, Kachhap, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Buddha, Kalki, Sanakadi Kumaras, Nara-Narayana, Narada Mahamuni, Rishabha avatar, Prithu avatar, Dattatreya avatar—all the avatars that appeared on Earth were created from a part of Lord Krishna. At the time the Dashavatara (ten avatars) concept was composed, the avatar of Maha Vishnu is Krishna; He is Jagannath. Therefore, when a father creates a child, or when God appears in a

partial incarnation, God himself does not remain in that avatar form; he remains above, and they are created from him. So, Lord Krishna is God himself. From him, in the form of his partial incarnations, came the 10 avatars, 24 avatars, and countless other avatars. For this reason, the 10 avatars are avatars of Maha Vishnu, and they are partial incarnations of Lord Vishnu, and Lord Maha Vishnu is Krishna. That is why, perhaps in the 10 avatars and 24 avatars, Lord Balaram has been considered an avatar, because all were created from Lord Krishna and later merged back into Lord Krishna. Therefore, Krishna himself is Maha Vishnu, Adi Vishnu, the eternal one. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:25 · 05 May 2025

Q_2970 Suraj Sahu from Bilaspur asks: Just as we use money for transactions in Kali Yuga, will there be a similar system like money in Satya Yuga for us to conduct transactions?

Answer: Look, according to the Bhavishya Malika scripture, Lord Krishna in the Dvapara Yuga has kept gold coins in many places in India and Odisha. Why did he keep them? For when Satya Yuga comes after Kali Yuga, the Lord will put those gold coins into circulation. Therefore, gold coins will be in circulation. Paper money will not be used. The iron and brass coins that are currently in use will also not be used. Only gold coins will be used, and people will be able to make purchases in exchange for gold coins. This is written in the Bhavishya Malika scripture. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:44 · 05 May 2025

Q_2971 Akshay bhai ji from Rajasthan asks: Achyutananda ji says that one who recites the Chandi Panjar stuti every morning and evening receives the 'Chobarg phal'. Please clarify this. What is the meaning of this 'Chobarg phal'?

Answer: 'Chobarg' is connected to a worldly element. What is 'Chobarg'? It means a person receives four things from the material world: a royal position, a king-like lifestyle, wealth, and respect. When these four elements are obtained, one gets 'Chobarg'. And regarding the attainment of Moksha (liberation) in the 'Chaturvarga' (four aims of life), in my view, the element of attaining Moksha is something I have read about only in the context of Trikal Sandhya in the scriptures. What Achyutananda ji wrote is that a person who is sad, who has problems, who has troubles related to the material world, will get results by chanting this mantra. But to go to Satya Yuga, Trikal Sandhya is necessary. Jai Jai.

► Watch this answer · 15:57 · 05 May 2025

Q_2972 We perform Trisandhya and read the Bhagavata, but due to the strong influence of Kali Yuga, we cannot perfectly practice truth, love, and forgiveness. So, will we be able to go to Satya Yuga? Also, you mentioned a third part of the Bhavishya Malika book will be released. When will it come?

Answer: Look, by performing Trikal Sandhya, the attainment of God is certain. You will attain Satya Yuga, I am confident. If you practice truth, peace, compassion, and forgiveness in mind, body, and speech, you will definitely go to Satya Yuga. There is no doubt about it. This is the Lord's stream. And in this stream, it is clearly written that those who do this will receive the full blessings of God. And secondly, regarding the third volume of the book you mentioned, the third volume will definitely be published. We will publish it when the world war is in its middle phase, and it will contain sacred knowledge about the union of the devotee and God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:05 · 05 May 2025

Q_2973 I am eight years old. You said that Lord Krishna was a complete avatar and that's why he wasn't included in the 10 avatars. But Lord Kalki is also a complete avatar, so why is he included in the 10 avatars?

Answer: Look, it is true that Lord Kalki is a complete avatar. It is also true that Lord Shri Krishna is the Kalki avatar. But the scriptures listing the ten avatars were composed in the Dvapara Yuga. Lord Kalki is coming at this time, and he should be worshipped. We should take refuge in him. That is why the sages and Lord Vedavyasa have given Lord Kalki a place as the final avatar among the ten avatars. Another point, your question is very valid. At that time, Lord Balaram also came as Lord Krishna's elder brother. To give respect to his elder brother, all scriptures are composed according to Krishna's will. He instilled this thought in everyone's mind: 'Respect my elder brother.' Therefore, he gave respect to his elder brother and included him in the avatars. But in Kali Yuga, Balaram and Krishna are coming in one body. There is no brother. That is why the Kalki avatar is considered the last of the ten avatars and a complete avatar. Jai Jai Ram.

► Watch this answer · 19:46 · 05 May 2025

Q_2974 I am studying in America. What you are saying is true, it is all happening. Should I return to India?

Answer: Wait for a while. Think about it again after one or two months.

► Watch this answer · 22:57 · 05 May 2025

Q_2975 Father, I need your blessing so that the name of Madhav is constantly on my tongue, and that I may come to India in this very body and have your direct darshan (sighting). Please give your blessing.

Answer: Okay, mother, you have my blessings. Chant the name of Madhav. Perform Trikal Sandhya on time. You will attain God and receive the Lord's grace. But do it according to the time. I give you my blessings. Jai Jai.

► Watch this answer · 23:39 · 05 May 2025

Q_2976 Baba, a year or two ago you told me to be very careful, that a pandemic is coming that will cause a great loss of life. My question is, will that happen this year, or will the Lord perform that 'leela' (divine play) later?

Answer: Look, regarding the pandemic, I had said it would start from 2025. And if a pandemic hasn't come to India, it's already happening in China, America, Europe, and Africa. So I didn't just speak for India. Our message is for the protection and establishment of Sanatana Dharma throughout the world. So, by God's grace, it hasn't come to our country, but it is happening in other countries. It will continue to increase in the future. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:47 · 05 May 2025

Q_2977 I was searching on Google and found that Achyutananda Das's father was a disciple of Chaitanya Mahaprabhu. So I was thinking, was the Bhavishya Malika written under the guidance of Chaitanya Mahaprabhu? This is my doubt.

Answer: Absolutely. Achyutananda ji has written that one day Lord Chaitanya called the Pancha Sakha (five friends) and instructed them, 'I am instructing you to write about the future, about the secret puranas.' And on the instruction of Lord Chaitanya, this Bhavishya Malika scripture was composed. I have written about this in the second volume of the Bhavishya Malika book; the name of the book is also mentioned. It was written in that book, and I have translated it into Hindi and composed its essence. This is true. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:45 · 05 May 2025

SESSION 167 · QUESTIONS 2978–2986

L183: OPERATION SINDOOR के बाद क्या युद्ध होने वाला है ? | Pandit Kashinath Mishra

Date: 07 May 2025 · Watch the full session ↗

Q_2978 Pandit ji, since we live in a Gurukul, we have the Vedic Trikal Sandhya, and then there is the Trikal Sandhya mentioned according to the Bhavishya Malika. Can we perform both of them together?

Answer: You absolutely can. It's no problem. Perform the Vedic Trikal Sandhya, and also perform this Trikal Sandhya for the creation of the new era and to enter Satyug. You can do it.

► Watch this answer · 12:30 · 07 May 2025

Q_2979 Pandit ji, my respectful obeisances at your feet. There is a lady who doesn't use Google, Facebook, or YouTube. She asked me to tell her whatever you say. I told her that it's currently forbidden to talk about or share these things. She replied, 'It's okay, just convey his message to me.' So, should I do this? Please advise.

Answer: Look, whatever I have said, spread it to everyone. Humanity needs protection, humanity needs salvation, and this time is very crucial for the protection of Sanatana Dharma. Therefore, spread this stream of knowledge completely. There are no restrictions. Trikal Sandhya, bhajan, reading the Srimad Bhagavatam, and chanting the name of Madhav—that's all. Nothing else is needed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:57 · 07 May 2025

Q_2980 Pandit ji, my question is that I have a business, and I have no problem performing the morning Trisandhya. However, the afternoon Trisandhya occurs while I am at my business. What should I do at that time so that my full attention is on the Trisandhya instead of my work? Please guide me, as I am in a great dilemma.

Answer: It's very good that you want to perform Trikal Sandhya. But I want to say one thing, mother. Look, when you are at your business and the midday Sandhya time comes, you can sit right there in your chair and perform the Trikal Sandhya. The mantras will take five minutes. At most, it takes five or six minutes. Don't chant it aloud, just say the words. Sitting in that same chair, perform a mental bath in the Ganga and do the Trikal Sandhya. Because Trikal Sandhya is done three times a day. It's very good that you do it twice, but do the third one as well. Life ahead is the biggest challenge—preserving human civilization on this earth, ensuring your safety, and bringing you towards dharma. You are already on the path of dharma, but Trikal Sandhya is the element that will take you to Satyug. Therefore, follow it. It will take five or six minutes at that time. You can do it sitting in your chair, or standing, or even while walking around a bit. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:59 · 07 May 2025

Q_2981 Pandit ji, after this air strike that has happened, will something more happen, or is it over now?

Answer: Look, I have said this before. First, Pakistan will engage in a shadow war. After the shadow war, it will join with its allies to fight three major wars. And look, Satyug doesn't arrive in a single day for the protection of dharma and Sanatana. Therefore, it will take a lot of time. It will continue, and later it will convert into a world war, as I have said before. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:43 · 07 May 2025

Q_2982 Pandit ji, the people who are part of this spiritual stream are performing Trikal Sandhya. If those who are not in this stream also perform Trikal Sandhya, will they receive the same benefits?

Answer: Look, everyone will receive the benefits. There is still time; the time has not passed. The entire world should follow this Trikal Sandhya now because God is the father of all, and the Lord will liberate everyone. Whether one has sinned or not, whether one is righteous or unrighteous, God wants to transform everyone. Therefore, the stream of Sandhya and the name of Bhagavat—there is still time. We will continue to propagate this over time. And those who want to follow it, those who wish to go to Satyug, they should follow it. It will be for their own welfare. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:37 · 07 May 2025

Q_2983 Pranam Pandit ji. In one of your videos, you mentioned that Trikal Sandhya is necessary. Does this mean everyone, including children, must perform it? Also, what are the timings, and will performing it please all the gods and goddesses?

Answer: One should be performed from Brahma Muhurta until sunrise. The second is from sunrise until 11 AM, or between 11:30 AM and 12:30 PM. The third should be done 15 minutes before sunset. And yes, all the gods and goddesses will be pleased. In Trikal Sandhya, Mahavishnu himself is worshipped. Because Lord Mahavishnu is worshipped, all the deities become delighted.

► Watch this answer · 17:38 · 07 May 2025

Q_2984 Pandit ji, I am an engineering student. I wanted to ask, as students who often live alone, we sometimes see or hear things that awaken lustful desires, which can become very strong. This is a problem for me and many of my student friends who are also on this spiritual path. What can we do to keep our minds always focused at the Lord's feet, even while we are chanting His name?

Answer: Jai Shri Madhav. Look, performing Trikal Sandhya improves mind concentration and enhances memory. You receive the grace of the Lord, the grace of Lord Ganapati, the grace of Mother Saraswati, and the direct grace of Lord Vishnu. Therefore, your studies will also improve. Respect your parents, perform your worship at the right time, and study well. Just as a river's dharma is to reach the sea, a human's dharma is to perform their duty. If a person doesn't perform the duty prescribed for their age, it's equivalent to not following the dharma of human life. This is our destined duty. Therefore, study, perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and respect your parents. Just focus on that, don't think beyond it. In this lies your welfare. Jai.

► Watch this answer · 19:07 · 07 May 2025

Q_2985 Pandit ji, regarding the Jagannath Ashtakam and Jagannath Sahasranama mentioned in Bhavishya Malika Part 2, when should they be recited? In the morning, or at any time? What are the rules?

Answer: To recite them, you should do it in the morning or evening. If you want to recite the Jagannath Ashtakam, you can do so after washing your hands and feet. If you want to do it in the morning, you can recite the Jagannath Ashtakam after bathing. This is because it is the most important and powerful worship or mantra of Lord Jagannath Mahaprabhu. This mantra should be recited with utmost purity. Morning and evening are good times. Otherwise, you can also wash your feet before sleeping and then recite the Jagannath Ashtakam or Jagannath Sahasranama. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:07 · 07 May 2025

Q_2986 Pandit ji, regarding young children, like my young son—he performs the full morning and evening Trisandhya, we have him read one chapter of the Bhagavatam daily, and he chants mantras three times a day. However, because of school, he is unable to do the afternoon one as he doesn't remember. What should be done for this?

Answer: For those who cannot perform the Sandhya in the afternoon, I tell them to chant the name of Madhav 108 times. Just chant the names 'Matsya, Varaha, Vamana, Parashurama, Rama, Balarama, Shri' 36 times, and also chant the Durga Madhav name 36 times. That will complete the Trikal Sandhya, and you will receive the benefits from that as well. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:10 · 07 May 2025

SESSION 168 · QUESTIONS 2987–2992

L184: तृतीय विश्व युद्ध के बारे में मालिका में क्या लिखा है? | Pandit Kashinath Mishra

Date: 09 May 2025 · Watch the full session ↗

Q_2987 Will Pakistan-occupied Kashmir merge with India this year?

Answer: Look, this is a matter of India's sovereignty and a secret mission. I will not speak about it openly because if I do, it would overstep my responsibility concerning our country's discipline and constitution. Therefore, I will not say. Yes, many people say things here and there. I have never considered this openly. Yes, I might discuss it in secret during a Bhagavat Katha if I meet with those people. But this is the government's responsibility, and I will not provide an answer on this matter. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 06:52 · 09 May 2025

Q_2988 A YouTube audience member has asked: Will all the things written about the Meen Shani Yog (Saturn in Pisces transit) happen within these two and a half years?

Answer: Look, the Bhavishya Shastra (scripture of the future) was composed with the grace of Lord Jagannath and by the eternal devotees of God, the eternal Pancha Sakha of Vaikuntha. There will be no change in it. Whatever is written, there might be some variation in the timing, but everything that is written will happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 07:43 · 09 May 2025

Q_2989 Another question is, will the Shri Jagannath Yatra stop from this year?

Answer: Look, it is written in the Bhavishya Malika scripture... not from 2025, but from 2022, since the Ukraine war started—because this was written for the world community—from then on, agricultural losses and starvation will increase on Earth. This was written. And it was also written that Lord Jagannath's Rath Yatra (chariot festival) will stop for six years. This idea is emerging during the transit of Saturn in Pisces. The work will be done according to the Lord's grace and the Lord's will. It will definitely happen in the future, but God will determine the time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 08:18 · 09 May 2025

Q_2990 Pandit ji, another YouTube audience member has asked: What will happen to those who do not get time for Trikal Sandhya (prayers three times a day)?

Answer: Look, a time is coming when everyone will be sitting at home. So, why not start Trikal Sandhya now? When the time comes to sit at home, everyone will do it. But those who do it in advance will get the fruits in advance, and those who do it later will get the fruits later. Therefore, do not waste time. Trikal Sandhya is like food for you. According to the scriptures, one does not have the right to eat without performing Trikal Sandhya. So, do Trikal Sandhya first, whatever you have to do, because for the protection of life, Trikal Sandhya is a diamond armor that can protect a person from the coming calamities.

► Watch this answer · 09:16 · 09 May 2025

Q_2991 One more question, Pandit ji. They say that God is all-powerful. He can establish Dharma (righteousness) even without destruction. Then why is destruction necessary?

Answer: A very good question indeed. But I ask you one thing. God can establish Dharma without destruction, that is true. But another thing is also true. If God does not bring destruction, will those who kill innocent, helpless beings today, who violate Dharma in the world today, who do not believe in the Vedas today, who mercilessly kill Mother Cow and other animals—will such people accept the Lord's establishment of Dharma? That is why a clean-up is necessary, and God does the cleaning. He keeps the good people and removes the plants that are poisonous to humanity. The establishment of Dharma is necessary for the welfare of mankind. Otherwise, humans will never mend their ways. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:07 · 09 May 2025

Q_2992 There is one more question from a YouTube audience member, Pandit ji. Is it still possible to avert or stop the destruction?

Answer: Absolutely, the destruction can still be stopped. If people all over the world become vegetarian, if the whole world accepts Sanatana Dharma, if Yagya rituals are performed in every village and every city across the world, and if the name of Madhav is chanted all over the world, then this calamity will be averted. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:17 · 09 May 2025

SESSION 169 · QUESTIONS 2993–3005

L185: विश्व युद्ध एवं पंचभूत प्रलय में रक्षा पाने के उपाय? | Pandit Kashinath Mishra

Date: 12 May 2025 · Watch the full session ↗

Q_2993 How will human society be protected? How will humans get protection from the coming calamities?

Answer: I am still contemplating this today. There is only one path. There were many paths, but to enter the Satya Yuga, there is only one path. It is the Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day). In Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, chanting the name of Madhav, the 16 names of Lord Maha Vishnu, and the ten avatars of Lord Vishnu—those who perform these acts will be delivered and will receive divine grace for the Satya Yuga. This is the ordinance of the Bhavishya Shastra and all scriptures. The time we are in today is a pause; it is not the end. This is not the end; it is a pause. And this pause will end when Sanatana is fully re-established on Earth. Therefore, at this time, we should take refuge in God and, in the work of establishing dharma, we should propagate the name of Madhav, perform Trikal Sandhya, and read the Bhagavata. Therefore, those who become vegetarian, perform Trikal Sandhya, and chant the name of Madhav will be protected from the destruction of the Kali Yuga and will see the most blissful time of their lives.

► Watch this answer · 01:54 · 12 May 2025

Q_2994 I wanted to ask, what should we do to protect our army and our India? What can we do at home to be able to protect them?

Answer: Look, today a person from our Indian army came, her husband also came. I gave them the Bhagavata Mahapurana, told them about Trikal Sandhya, and also gave them the name of Madhav. I told them that if any calamity strikes during the war, chant the name of Madhav and perform Trikal Sandhya on time. Read the Bhagavata. Through this, you can be protected, and you can protect yourself from calamities coming from the enemy's side. This is one medium: reading the Bhagavata. The second is Trikal Sandhya, and the third is the name of Madhav. And those who are not fighting will also receive the benefits just by chanting the name of Madhav. Jai.

► Watch this answer · 07:05 · 12 May 2025

Q_2995 Pitaji, I just want to say that with the atmosphere of war building up here, I bow to your feet repeatedly and ask that you give us a blessing so that we remain connected to dharma, do not waver, our courage does not break, and we remain devoted only to the Lord. Please give us your blessings.

Answer: Your ideology is good. Remain in the refuge of Madhav. With complete devotion and faith, perform Trikal Sandhya and read the Bhagavata. You will be able to overcome the coming problems and the times ahead and move towards the Satya Yuga. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:08 · 12 May 2025

Q_2996 My parents do not perform Trikal Sandhya. If I start doing it, will God also protect my parents in due time? Will they be able to enter the Satya Yuga? If I start Trikal Sandhya from tomorrow, will I start receiving its benefits from now on? Please guide me.

Answer: Absolutely, you will get the benefits even if you start Trikal Sandhya now. Along with Trikal Sandhya, read one chapter of the Bhagavata and chant the name of Madhav whenever you get time. In my view, those who perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, chant the name of Madhav, and remain in the refuge of Lord Kalki will receive God's blessing to enter the Satya Yuga during the coming establishment of dharma. And I also want you all to do it, so that your family gets protection and you get it too. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:58 · 12 May 2025

Q_2997 Will those people who are not fully emotionally devoted but physically perform Trikal Sandhya be safe?

Answer: Absolutely, they will be. Physical or emotional... emotion comes later; first comes the physical act. After performing devotion and worship in the physical realm for some days, even out of fear, emotion arises. From emotion comes devotion. From devotion comes surrender. And from surrender comes liberation. Therefore, those who follow Trikal Sandhya with time, even just with a sense of duty, will surely receive a shield of protection. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:59 · 12 May 2025

Q_2998 Can we attain God forever by dedicating all our karmas to the Lord and becoming free from the sinful karmas of past lives, committed knowingly or unknowingly? If yes, then how should we spend the rest of our lives so that we can receive the grace of the Supreme Lord? Please guide us.

Answer: Look, it is not possible for us to surrender the karmas of this life and the prarabdha (accumulated karma from past lives) to God. There is only one way. If we perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhav, then our prarabdha from past lives and the bad karmas of this life will be cut away. That is, they will be wiped clean, and then we can become virtuous souls and move towards the ultimate purpose of life. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:50 · 12 May 2025

Q_2999 Respectful salutations, Pandit ji. Now that the war has started, can we perform any special prayers or remedies for our soldiers and frontline workers so that they remain safe and can successfully perform their righteous duties? Please guide everyone.

Answer: My message to all the devotees with me is to pray to Madhav and, during Trikal Sandhya, ask for India's honor and protection, that our army receives the Lord's grace and strength. May our army fight well and enhance the nation's honor. And this collective prayer to God—that is, when everyone does it—its results will certainly reach our soldiers. This is my view. Jai.

► Watch this answer · 16:02 · 12 May 2025

Q_3000 Prabhu, I am pursuing higher education in America. Everything you are saying is true. Should I return to India now?

Answer: In my view... another gentleman from the US had asked me for my opinion on whether they should leave America, the US, now. Not yet, wait for two or three months. I told him this in the last satsang. I am telling you the same thing. Wait for two or three months. We will study the situation, and when I say so, it will be good for you to come back. For now, wait for two or three months. Jai.

► Watch this answer · 17:04 · 12 May 2025

Q_3001 Pitaji, I have a small question. If we tell someone, whether we know them or not, to chant Madhav's name or to perform Trikal Sandhya to join this spiritual path, how should we approach them so that they listen to us with some patience and believe that something true is happening, that this will come true, and that the Lord is arriving?

Answer: Look, in my view, it is not necessary for you to tell anyone about Madhav's name. Someone who is physically or mentally distressed, who is suffering, who needs God's grace—if they ask for it, then tell them about Madhav's name. Without being asked, without them showing any interest, you should not approach them about this. Because that is not our ideology. Our ideology is that if someone is suffering, you should also provide the remedy. Jai.

► Watch this answer · 17:52 · 12 May 2025

Q_3002 Jai Shri Pita Shri, can we chant the Hare Krishna Mahamantra instead?

Answer: Always chant the Hare Krishna Mahamantra. Chant the root mantra of our Sanatana Dharma. Also, chant the mantra that has been prescribed for Trikal Sandhya. Jai Jai Ma.

► Watch this answer · 19:21 · 12 May 2025

Q_3003 I need this Bhagavat Path in Punjabi. My mother and I had ordered it, but we are unsure if we will get it. Can we get it in Punjabi, or will we have to take it in Hindi, Guruji?

Answer: It will be available in Punjabi in 15 days. Work is underway for it. In a maximum of 15 to 20 days, we will make its translation available in the Punjabi language. The English version will also be ready in 15 days.

► Watch this answer · 26:02 · 12 May 2025

Q 3004 Pita Shri, my question is, how do we bring people towards dharma? When I tell them, they laugh. They say the Kali Yuga hasn't ended yet and ask whose influence I've fallen under. I send them videos to watch, but they don't even look; they just ignore them. So, Pita Shri, please guide me.

Answer: One who is not destined will say the Kali Yuga has not ended. And one who is destined to enter the Satya Yuga already knows that the age is changing. So, the fortunate ones will receive it. Those who have performed virtuous deeds in their past lives will say, 'Yes, the age has ended.' Those who are not destined will say, 'No, the age has not ended.' They will just wait for their time and walk their own path. What do we have to do with it? No one should be forced, no proselytizing. We want the light of dharma to spread, for Sanatana to be protected, and those who are already on God's list for the Satya Yuga will surely believe.

► Watch this answer · 26:36 · 12 May 2025

Q 3005 I had a realization about the word 'sindoor' from the operation. If you break it down into 'sin' and 'door', 'sin' means transgression (paap) and 'door' means to keep away or remove. So, 'sindoor' means to remove sin from the house. Is this understanding correct?

Answer: This is absolutely true. This is a major step by the government to remove sin, and it also aligns with spiritual ideology. There is the sindoor of the Mother Goddess, and the sindoor of our mothers who get married, the sindoor of the goddesses of our country. It is all one. That sindoor protects dharma and also destroys sin. Jai.

► Watch this answer · 27:50 · 12 May 2025

SESSION 170 · QUESTIONS 3006–3020

L186: 64 प्रकार की महामारी | त्रिकाल संध्या निदान | Pandit Kashinath Mishra

Date: 22 May 2025 · Watch the full session ↗

Q 3006 Darshana Sharma from Barnala, Punjab, is asking: Between the Trikal Sandhya mentioned in your book and the one that is already prevalent, which one should we follow?

Answer: Jai Shri Mata. You should follow the method of Trikal Sandhya that is given in the second book.

► Watch this answer · 07:03 · 22 May 2025

Q 3007 The second question is from Priyanka from Nagpur, Maharashtra. She asks what the Bhavishya Malika Purana says about the white Tulsi (Shwet Tulsi)?

Answer: Look, in the Bhavishya Malika, in the Jai Phul Malika, it is written... 'Garusi bil ji Brahma rasi'. The Tulsi, in my view, the Tulsi Mata, one is the Samet Tulsi, which we call Radha Tulsi in the name of Radha Rani. There is a black-colored Krishna Tulsi. And this one is of a fair complexion, meaning a completely white-colored Tulsi. Perhaps it was in Shri Vrindavan, and during the British rule, they took it from our country. The Lord will return that plant to India, and in Satyayuga, it will become the Tulsi. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 07:42 · 22 May 2025

Q 3008 Mukund Agrawal from Kanpur asks: In the upcoming establishment of Dharma, what will be the fate of animals and birds? How can we, for these creatures who are an integral part of society, contribute during the establishment of Dharma?

Answer: All the 56 crore living beings will remain. The era will change, and the animals will also talk. They will have their own ideologies and will become very knowledgeable. These creatures will not remain as they are in Kaliyuga; they will also converse with humans and in human language. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:05 · 22 May 2025

Q 3009 Mohit Pant from Haldwani, Uttarakhand, asks: What is the correct time for the evening Trikal Sandhya that is suitable for the entire year? Should the time be adjusted according to summer and winter?

Answer: Look, Trikal Sandhya depends entirely on the rising and setting of the Sun God. The time of sunrise and sunset is different in every state. So, if you perform Trikal Sandhya in Himachal, the evening comes later there. You should see when the Sun God sets, and performing Trikal Sandhya 15 minutes before and 15 minutes after sunset will give you the complete benefits. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:55 · 22 May 2025

Q 3010 Pawan Solanki from Maharashtra asks: Jai Shri Madhav, Pandit Ji. My question is, if someone calls out to you or for some reason the Trikal Sandhya is left incomplete, will it be considered a sin? Will an incomplete Trikal Sandhya be considered invalid?

Answer: Look, if there is an extreme emergency, then you can talk, but not before. If someone calls on the phone, don't pick it up at that time. At least switch off your phone. It only takes five to six minutes, and for those five to six minutes, we should remain in complete devotion. Secondly, if someone calls you at that time, tell them you are performing Trikal Sandhya. Then, continue chanting your mantra from the Trikal Sandhya. Nothing is incomplete in this. You can even talk to them for a moment, say for a minute or 50 seconds, 'Look, I am busy right now and will talk later,' and then continue your Trikal Sandhya. Jai Jai.

► Watch this answer · 10:51 · 22 May 2025

Q 3011 Sangeeta Kaushik from Kurukshetra, Haryana, asks: Respectful greetings, Pandit Ji. I want to know, just as the Lord performed his divine play (leela) in Kurukshetra during the Dvapara Yuga, will Madhav perform any leela in Kurukshetra this time as well? Is anything written about this in the Bhavishya Malika? Please do tell.

Answer: It is definitely written. In the Dvapara Yuga, Lord Shri Krishna's great leela took place in the holy land of Kurukshetra, where Dharma was re-established. It was an era-changing event, and the Lord undertook a great program to protect Dharma. But in Kaliyuga, Odisha will become Kurukshetra. It is written in the Bhavishya Malika... 'Ek jug Mahabharat Odisha bhu praman, sab utpatti hui thik thike Ram sun.' This means that on the holy land of Odisha, this Mahabharata will happen in Odisha, and everything will originate from Odisha. Therefore, Lord Kalki will go to Kurukshetra and meet the devotees. But the war of Dharma (Dharma Yuddha) will begin in Odisha, and that war, the remaining part of the Mahabharata, will take place in Odisha itself. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:56 · 22 May 2025

Q 3012 Omkar Patil from Jalna, Maharashtra, asks: Namaste, Pandit Ji. I am a UPSC aspirant and want to serve the forests by joining the IFS. I perform Trikal Sandhya daily and have started on the path of devotion. According to the Malika, if everything is going to be destroyed, will students who are thinking of achieving success in their fields today be able to succeed? Should we still continue preparing for exams like UPSC if these institutions won't exist in the future? Will people like me, who have a desire to serve and are connected to nature, get this opportunity? Please guide me.

Answer: Look, the Lord has said in the Gita, 'Perform your duty (karma).' My first advice is to prepare even better for the UPSC. And since you perform Trikal Sandhya, you will also achieve success in it. Because children who are in education and are unsuccessful, by following the path of Trikal Sandhya, their morale, memory power, and the Lord's grace all increase, and they become successful. Those who perform Trikal Sandhya are never unsuccessful. In my view, if you perform Trikal Sandhya, apply for the UPSC; you will definitely succeed. At the same time, continue performing Trikal Sandhya to protect Dharma. Everyone must perform their karma. Whatever the time brings, we must accept. Just as we are getting food today, if we get something better in 50 years, we will eat that. Do what is available at the given time. But time

doesn't stop, and karma doesn't stop. It is necessary for everyone to perform their karma. I also do my karma as a Brahmin. So my advice to you is to also do your karma. If you want to serve the country, then serve the country. Protecting the nation is our greatest Dharma. Therefore, strengthen your studies, perform Trikal Sandhya, and the Lord's grace will be with you. This is necessary for the honor of your family and parents. No one's education or karma should stop; the Lord has said this, and we say the same. What is written in the Malika scripture is for the salvation of humanity and for the change of time. Humans will still exist in this world. Everything will continue as it is, but sin will not remain. So, study, give interviews, respect your parents, and also perform your religious duties like Trikal Sandhya. You will be blissful. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:35 · 22 May 2025

Q_3013 Gopi Shetty from Mumbai asks: Revered Pandit Ji, my respectful salutations at your feet. I regularly perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhav. I also make an offering to Agni Dev (the fire god) before starting to cook in the morning. Please tell me what other precautions I should take to protect myself from the upcoming diseases.

Answer: To protect yourself from upcoming diseases, first, your actions (karma) should include truth, right thinking, compassion, and charity. You should cook food only after making an offering to Agni Dev. Trikal Sandhya should be done on time. The Bhagavata should be read. In my view, whenever you get time during the day or night, do not stop chanting the name of Madhav, so that the coming calamities do not affect us. Utilize your time wisely. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:28 · 22 May 2025

Q_3014 Ankit Tiwari from Ballia asks: Honorable Pandit Ji, can the appointed time for the establishment of Dharma, 2032, be extended further? Please guide us.

Answer: Look, in my view, I have written 2032, but by the Lord's will, it can be shifted by two or three years. It can be extended or even shortened. It is His will. But from 2032, in my opinion, there will definitely be a radical change in human civilization. People will become truthful. People will turn towards Dharma. People will become vegetarian. The purity of brotherhood and the concept of 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family) will manifest. Sanatana Dharma will rule the world, and people all over the world will return to Sanatana Dharma. Also, everyone will perform Trikal Sandhya and read the Bhagavata. This will certainly bring about an independent change. The Lord may take some time to establish Satyayuga, but from 2032, there will be a great impact of Dharma and truth on this world. Jai.

► Watch this answer · 17:27 · 22 May 2025

Q 3015 Nitin Kumar Modi from Angul, Odisha, asks: I am from Odisha, and there is a prophecy of a great war here. Should we leave Odisha and move to another state?

Answer: Look, the propaganda about the war in Odisha in the Malika is not that significant. The war will happen where it is destined to happen. Human civilization will continue on its path. There is no problem in Odisha. Live blissfully, do your work, and follow Dharma. Also, perform Trikal Sandhya. There is no problem. In my opinion, I will only say this much: the war in Odisha will happen where it is supposed to. For that, Odisha is a land of gods, and the establishment of Dharma will also happen in Odisha through the Lord. It is a holy land. There is nothing to worry about. Look, wherever we are, we are safe if our karma is right. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:44 · 22 May 2025

Q 3016 I have two questions for you. Can I ask them one by one? ... Father, my question is that a few days ago I was watching one of your podcasts. There you mentioned that those who have achieved self-realization can have a vision of the Lord. Those who have attained self-realization get to see Him. So I want to ask you, what is self-realization and how can we achieve it?

Answer: Self-realization means realizing the Lord's presence everywhere in the millions of universes. It is when a person rises above the distinctions of poor, helpless, sad, sinner, virtuous, ignorant, and caste. Thinking of all castes and religions as one, when a person considers their own heart and the hearts of others as one, sees the world within their own body, and sees themselves in the world. This is self-realization. Such a person recognizes all souls, considers everyone as one, and gives everyone equal status. The Lord blesses them. This is called self-realization, and through it, a human attains liberation. Jai Jai.

► Watch this answer · 20:22 · 22 May 2025

Q 3017 Yes, Father, first of all, my countless salutations to you. Father, first I need your blessings. And Father, my only prayer is that whenever the Lord is near us, may we please have his vision. May he not test us, because we are not capable of taking a test...

Answer: I want everyone to have the vision of Lord Kalki and benefit from His presence. But a person will receive fruits according to their karma. And I say this much: those who perform Trikal Sandhya and read the Bhagavata can have the Lord's vision even while sitting at home, perhaps in a dream. Because the Lord gave his vision to Brahma Dev in a dream when Lord Krishna incarnated in the Dvapara Yuga. This also happened during the Rama avatar. So, devotees will surely get this vision through the medium of Trikal Sandhya. Do it and have complete faith in the Lord. He will surely bless you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:42 · 22 May 2025

Q_3018 Pandit Ji, we used to hear that in other yugas (eras), people's height was much greater. For example, in Dvapara Yuga, the height was more, in Treta Yuga, it was even more, and in Satya Yuga, even more than that. So, was the size of animals and birds also similarly larger?

Answer: Absolutely. They were also bigger, the fruits and roots were bigger, and the grains were bigger. At that time, people's eyesight was also much more powerful and expansive. Their strength was also as great, and so was their mind. Everything was good. Due to Kaliyuga, everything has become smaller. Even the fruits and roots have become smaller. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:00 · 22 May 2025

Q_3019 I was asking you, in Haridwar, you gave me a Bhagavata as prasad. I received the 'Sudha Sagar' Bhagavata. You speak of reading the Bhagavata; what is the difference? As you say one should read the Bhagavata, you gave me 'Sudha Sagar' as prasad in Haridwar. What is the difference between that and the Bhagavata reading you recommend? (Clarified by host: The book she received is 'Sudha Sagar,' which also contains the Bhagavata Mahapurana. She is asking what the difference is between the Srimad Bhagavata Mahapurana and 'Sudha Sagar.')

Answer: 'Sudha Sagar' must be 'Sukh Sagar.' Yes, 'Sukh Sagar.' It is the same thing, one and the same. Read it. Do it. In life, this is the greatest influence; it is the greatest asset of human life. What you have received is the greatest asset. The person who has not received the Bhagavata is unfortunate.

► Watch this answer · 26:02 · 22 May 2025

Q_3020 Father, you gave me a flower for my husband. It withered on the way within a day. We have dried it and kept it. Can I keep it in any small box?

Answer: Yes, keep it. Pray to Madhav that he also follows your path and performs Trikal Sandhya so that his life may also be filled with peace and happiness.

► Watch this answer · 27:43 · 22 May 2025

SESSION 171 · QUESTIONS 3021–3034

L187: IRAN and AMERICA | ईरान अमेरिका का सम्बन्ध कैसा रहेगा आगे जाके ?| Pandit Kashinath Mishra

Date: 22 June 2025 · Watch the full session ↗

Q_3021 The first question is, how can we calm the restlessness of the mind while performing Trikal Sandhya and reading the Srimad Bhagavata Mahapurana?

Answer: Look, when people first start doing Trikal Sandhya, for a few days the mind remains distracted, it wanders here and there. But after practicing it for several days, the mind becomes stable. At that time, one only gets a vision of God, feels God's presence, and experiences a sense of purity. Therefore, for those who are new to this, the mind will be a little distracted. After doing Trikal Sandhya for a few days, in my opinion, the mind does not get distracted. So, practice it for some time, for a few days. After that, it will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:11 · 22 June 2025

Q_3022 The next question is, can we buy property and build a house? And can we make some new investments for our children?

Answer: Look, investing for children is necessary. You can plan for their future. It is necessary for their education. That should be done. But when it comes to property, the property market will go down in the future. It will go down a lot. You will see for yourselves. Therefore, by investing money in property, apartments, or buildings, your 100% investment could even come down to 50%. Now is not the time to do it. Wait for two or three years. Do that.

► Watch this answer · 11:20 · 22 June 2025

Q_3023 The third question is, it is said in the Bhavishya Malika that compassion, forgiveness, peace, and love are all necessary. But what about someone who has done great wrong to us, whom we cannot forget, and feel hatred from within when we see them? How can we forgive them?

Answer: Look, we are neither the ones to forgive nor the ones to punish anyone. In the Srimad Bhagavata Mahapurana, in the twelfth canto, the Lord Himself has said that those who see a Chandal (outcast), a sinner, a sadhu (saint), a sant (holy person), and a human being with the same sentiment, they attain Me and they attain Vaikuntha (the celestial abode). If you want to attain Vaikuntha, then stay away from such feelings. If you want to be bound by the cycle of life and death, to be born again and again, and to face death and rebirth repeatedly, then you can consider your enemy an enemy or a friend. This is your own ideology. But I would say that human life is obtained with great difficulty, and to make this human life meaningful, in my view, you should forget enmity and friendship. Just perform your karma. And as for the enemy who has done wrong, God will deal with them. This is not under our control. Therefore, leave it to God. Do not harbor feelings of enmity or friendship. Because by harboring feelings of enmity and friendship, we will not be able to achieve anything. We will get nothing but sorrow and mental anguish. Jai.

► Watch this answer · 12:13 · 22 June 2025

Q_3024 According to the Malika, very few people with pure and truthful nature will enter the Satya Yuga, and most will be destroyed. My question is, what will happen to those souls? Will they get a chance to be reborn in the Satya Yuga as humans or in some other form?

Answer: Look, those who go towards unrighteousness, they never will. Yes, those who pass away after performing good deeds, some of them will surely return. And those who have an 'apamrityu' (untimely death), those who will have an untimely death in the coming destruction... 'Apamrityu' means accidental death, dying before one's time is up, at a young age, due to some illness or accident. For such people, attaining liberation is not possible so quickly. The fruits of their karma are also considered according to the scriptures.

► Watch this answer · 14:16 · 22 June 2025

Q_3025 We have received information about the changes that are coming to the Earthly realm (Prithvi Lok). But what changes will occur in all the other realms? What will happen to the souls residing in the heavenly realm (Swarga Lok) or the netherworld (Patal Lok)? What will be the fate of all the human souls of the present time who will not be worthy of going to the realm of truth (Satya Lok)? Will they get a rebirth?

Answer: Look, this is under God's control. But the thing is, those who live in the netherworld (Patal Lok), the netherworld will become like heaven, and the people of the netherworld will live there as if in heaven. The mortal realm (Mrityu Lok) will go to the netherworld, and heaven will be created on the mortal realm. The people who survive on Earth will get heaven-like happiness and peace. And in my opinion, this is under God's control. It is not under our control. But God will decide about heaven and the netherworld. On Earth, a being receives the fruits of their karma according to their actions. They get a life according to that.

► Watch this answer · 15:19 · 22 June 2025

Q_3026 Due to my job, I often have to travel back and forth between India and Dubai. Is it safe to travel after this month? Should I avoid it, or can I continue traveling in the name of Madhav?

Answer: In my opinion, first, do good deeds. Perform Trikal Sandhya. Along with that, chant the name of Madhav and then travel. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:42 · 22 June 2025

Q_3027 When will government jobs and positions be eliminated? Will all jobs end as soon as the Pisces-Saturn conjunction is over?

Answer: No, nothing is going to happen so soon. There is still time for that. You will have to wait until 2032, and with time, you will also get a sense of what the future results will be. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:14 · 22 June 2025

Q_3028 When will the third part of the Bhavishya Malika book be released?

Answer: Look, the third part of the Bhavishya Malika will definitely be released. And before that, a book about Sanatana Dharma, based on the elements of Jagannath culture, will be published. After that, the final book, the third stream or the third part, will also be unveiled and published. It will take time; we are working on it.

► Watch this answer · 17:45 · 22 June 2025

Q_3029 Will 2027-28 be a suitable time to get children married? For the children who are of age, will it be appropriate to get them married in 2027-28?

Answer: Look, '27, '28, '29, '30, '31, '32, '33, '34, '35... now, weddings, marriages, food, and diet—these things will never stop. They will continue. Therefore, it's not like that; with time, whenever someone's marriage is destined to happen, it will surely happen. It will not stop because marriage is a traditional system, a rule that has been going on in the world for centuries. Even if there is a great destruction, marriages will still take place. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:20 · 22 June 2025

Q_3030 What does 'Gandharva Vivah' (a form of marriage by mutual consent) mean? Will the system of marriage change in the future?

Answer: Look, in our Sanatana Dharma, marriage is performed with Agni (the fire god) as a witness, or with the Mother Goddess as a witness, or with the deities as witnesses. The marriage that happens with fire as a witness, through a yajna (fire ritual), is our social rule and is based on the rules of the Vedas. And in the Puranic era, Gandharva Vivah was prevalent. At that time, a husband and wife, or anyone who wanted to marry someone, would do so by keeping the gods and goddesses as witnesses and exchanging flower garlands. This was called Gandharva Vivah, and that is also good. And the marriages that take place today are also good. Gandharva Vivah is a sacred marriage. Perhaps with the change of the era, it may become prevalent again in the future.

► Watch this answer · 19:08 · 22 June 2025

Q_3031 Will only those devotees who have been with the Lord for all four yugas (eras) have memories of their past lives?

Answer: Absolutely, the gathering of devotees from all four yugas, the gathering of deities, the gathering of siddhas (perfected beings)—all of this is going to happen at this time. Therefore, the Lord does not come without devotees, and without devotees, the Lord's divine play (leela) does not happen. So, understand this as a union of devotees, and the devotees of all four yugas will unite at this time. Jai Jagannath. With the change of the era, those who go to the Satya Yuga will remember a lot about their past lives, and they will also have realizations.

► Watch this answer · 20:14 · 22 June 2025

Q_3032 Jai Shri Madhav, Pandit Ji. I am Abhishek speaking from Bareilly. First, I wanted to say that I need your blessings. I got married a few days ago, as I had told you. My wife started performing Trikal Sandhya three months ago, and a few days ago she became pregnant. She told me that the Lord gave her a vision in the form of Laddu Gopal (child Krishna) at her parents' home in the village. And then a few days later, she had a vision of Kalki, dressed in white clothes, in the clouds, smiling at her. So, Pandit Ji, I want to know what this means, and I seek your blessings for our family and my unborn child. I just need your blessings. Jai Shri Madhav.

Answer: Look, have your wife listen to the Bhagavata, and have her listen to the Trikal Sandhya. A good son will be born. Jai.

► Watch this answer · 21:37 · 22 June 2025

Q_3033 You said that 33 crore (330 million) gods and goddesses have now taken birth, right? So, will only devotees go to Satya Yuga, or will gods and goddesses go too? Because you mentioned that a total of 33 crore from the population of India and a total of 64 crore from the entire globe will go to Satya Yuga. So, you said that a total of 33 crore gods and goddesses have taken birth in this world, so will only human beings go to Satya Yuga?

Answer: Gods and goddesses also go to Satya Yuga. Look, when Lord Krishna was born, when Lord Rama was born, even at that time, gods took birth on Earth. They were also born in human bodies. No one knew which deity they were. So, this is the time for the union of devotees and gods from all four yugas. That is why all the gods have descended to Earth, and all have been born in human bodies. Perfected sages (siddha rishis) have also been born. Not all gods come, because the Earth also needs to be managed and run. Therefore, whichever gods were to come, have come. The perfected sages have also come, and devotees from the Gandharvas have also come. And the Lord's closest devotees from all four yugas have also come. All together, 33 crore devotees will build the Satya Yuga with the Lord. And this is my ideology: India is the land of gods, and 33 crore gods will reside here.

► Watch this answer · 23:23 · 22 June 2025

Q_3034 Lord, I have one more question. I perform Trikal Sandhya, I read the Bhagavata, I chant the Hare Krishna Mahamantra, and I chant the name of Madhav. But in this path, other people have dreams, right? Dreams of Lord Kalki and other dreams. Is it difficult? If everyone performs Sandhya, will everyone have dreams?

Answer: Look, He will not come in everyone's dreams. People will get visions according to their level of devotion. It is good for those who get them, and those who do not should also follow Trikal Sandhya, and with time, they will also get a vision.

► Watch this answer · 25:17 · 22 June 2025

SESSION 172 · QUESTIONS 3035–3058

L188: वर्ल्ड वार की स्थिति क्या होगी? | 13 इस्लामिक देशों की गुप्त बातचीत | Pandit Kashinath Mishra

Date: 26 June 2025 · Watch the full session ↗

Q_3035 We have changed a lot since connecting with the Lord. Before, we used to commit many sins like adultery, but now we live a disciplined life. Why does it feel like we were fine the way we were before, and now we have changed? Why does it feel this way?

Answer: Look, when the influence of dharma (righteousness) falls upon humans, a transformation occurs. And for those who understand dharma, everything changes. There is no such thing as good or bad. Every human has good qualities as well as bad ones. Transformation comes to humans through their environment and spiritual gatherings (satsang). And for those who practice human dharma, perform Trikal Sandhya, and read the Bhagavat, a time of great change is coming. With time, devotees are experiencing this, and soon the whole world will experience it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 09:33 · 26 June 2025

Q_3036 In our spiritual stream, there are many brothers who perform Sandhya diligently and follow the Lord's path well. In the future, when the country needs them, they will serve as soldiers and lead on behalf of India in this world war. So, will they die or be martyred? Will they attain moksha (liberation)?

Answer: Look, those people who follow Trikal Sandhya according to the prescribed times—the morning, noon, and evening Sandhyas—who follow all three according to the time and with devotion, and who practice truth, peace, compassion, and forgiveness, and exhibit the signs of supreme devotion, they will go to the Satya Yuga (the age of truth). They will not die. This is an independent element of scriptural and spiritual ideology. Jai Shri.

► Watch this answer · 11:16 · 26 June 2025

Q_3037 We live in a rented room. In our home, my mother and I work to pay the rent. My father does nothing; instead, he creates conflict daily and tries to beat my mother. I am a 20-year-old youth and cannot tolerate this. I leave everything to the Lord. The neighbors are also troubled by the conflict. Everyone understands but says nothing, which pains me a lot. I don't want anyone to suffer because of us. Therefore, I have considered taking a loan to build a separate house where the neighbors are far away. Sometimes I think of going out to find a job, but I can't because of my responsibility towards my mother. Please provide guidance.

Answer: If you want to take a loan to build a house, you can, no problem. And look, our karma is tied to good and bad. Therefore, a father is a father. Pray to the Lord for him to change. And if you want to take a loan to build a house, you can do that too. During Trikal Sandhya, tell God about the problems in your home. In my opinion, you will find some direction. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:47 · 26 June 2025

Q_3038 What will be the contribution of devotees in the war? Will it be direct or indirect?

Answer: As long as our soldiers are fighting and there is a war between the armies of different countries in the world, it is very important for devotees to only sing praises of God. When the spiritual war happens with God's power, at that time, God might engage some devotees in that righteous work. It is good to wait for the time to come. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:28 · 26 June 2025

Q_3039 When will the Siyalda Mahayagya (great fire sacrifice) take place?

Answer: In the middle phase of the Third World War, a yagya ritual will be held in Siyalda. It is a very important yagya in which devotees from 16 mandals (regions) of the world will participate. It will be held by the Sudharma Sabha during the middle phase of the world war. If the world war lasts for, say, seven years, then perhaps after three years, the yagya ritual will be held in Siyalda.

► Watch this answer · 15:12 · 26 June 2025

Q_3040 Will the Sudarshan Chakra destroy 1.4 million soldiers? Will the heretics then attain Vaikuntha (the celestial abode of Vishnu)? Please guide us on this.

Answer: Look, the Lord's annihilation of sinners is part of a cycle. There is one 'Kaal Chakra' (cycle of time/death) and another 'Uddhar Chakra' (cycle of liberation). In the Uddhar Chakra, the Lord liberates devotees who are born on Earth due to a curse. When dharma is established, they die due to the effect of the Kaal Chakra. Those who die due to the effect of the Kaal Chakra do not attain Vaikuntha. They do not get liberation. They are born again. For example, all the soldiers from the Kaurava and Pandava armies who died in the Mahabharata war have already been reborn. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:53 · 26 June 2025

Q_3041 It is written in the scriptures that one should never slander others. But what should we do when someone comes and slanders others in front of us, especially if that person is a family member slandering us or the family? Please guide us.

Answer: Look, for us, it is best to maintain distance from people of wicked nature, from wrongdoers. This is not a good time. In the future, there will be such conflicts and quarrels in every house, and in some places, someone might even kill another. Such situations will arise. There will be quarrels in every house and conflicts in every village. Therefore, my request to the devotees is to maintain distance from mischievous and wrong people. Keep only as much contact with them as is necessary. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:48 · 26 June 2025

Q_3042 In today's time, what is the most important thing for all of us to know and to do?

Answer: In today's time, the greatest danger looms over human civilization. There is no greater power or greater action than performing Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav. All humans should follow this so that human civilization can be saved. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:57 · 26 June 2025

Q_3043 We are told that we should be the humblest and see the Lord in everyone. But how do we stop our hidden pride from repeatedly making us feel incapable?

Answer: Look, I didn't say this. This is the dharma of a human, the dharma of a devotee. In this world, one must abandon the pride and ego of 'I' and 'mine', consider oneself an ordinary human being, and take refuge in the most beloved Lord. Therefore, it is necessary for all humans to follow this. Those who do not follow it have demonic qualities. But devotees should not have this quality. Leave behind 'I', 'mine', 'you', 'yours', and just surrender and live with devotion. A new era will be built. The Satya Yuga will be built. So, prepare yourself for it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:24 · 26 June 2025

Q_3044 It is written that in the Satya Yuga, it was appropriate to wear deer skin. But why is it inappropriate to wear leather today?

Answer: The practice of wearing deer skin in the Satya Yuga is not clearly written about in the scriptures. Therefore, we do not see solid proof of this concept in our human civilization. Because in the Dvapara Yuga, the Pandavas were wearing good clothes. They were wearing high-quality and advanced attire. In the Treta Yuga, even Ramchandra wore the clothes of a forest dweller. I don't find any proof of this anywhere. That's why I will not discuss it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:45 · 26 June 2025

Q 3045 Many things are said about the Bhavishya Malika. It is said about many events that they are written in the Bhavishya Malika. Is it necessary for us to know all of it? Is there an essence to it that we should all know, and knowing which would be sufficient for all of us?

Answer: Look, the Bhavishya Malika scripture is one of our Puranas. It contains writings about all the elements of Kali Yuga and the salvation from destruction, for the purpose of transforming the Earth from Kali Yuga to Satya Yuga. Therefore, what is written in the Bhavishya scripture is happening in human civilization and will continue to happen. Everyone should just follow it with utmost purity. Its core element is the four pillars of dharma: truth, purity, compassion, and charity, which all humans must follow. The purpose of writing this scripture was to make humans aware of the problems to come, to bring people towards dharma, and to reform a corrupted society, that is, to make it better. Following it is good for all humans.

► Watch this answer · 20:42 · 26 June 2025

Q 3046 It is often seen that fear is spread in the name of Bhavishya Malika, and Lord Kalki is also portrayed as the destroyer of all and shown as very terrifying. What is the truth? Is the Bhavishya Malika an object of fear, and should we also be afraid of Lord Kalki? Or is there a different element of devotion that not everyone understands? If yes, what is it?

Answer: At the time before Lord Krishna was born, all the demons were trembling with fear. Even Kansa could not sleep at home out of fear. Therefore, those who perform demonic deeds, who commit sins, they are afraid of the propagation of Bhavishya Malika. The devotees, however, become joyful and, by studying it, change their actions. This has happened in every age, and it is happening in this age as well. Jai.

► Watch this answer · 22:15 · 26 June 2025

Q 3047 For someone who is not a devotee, can they also attain devotion by performing Trikal Sandhya?

Answer: Anyone, be they a demon, an outcast, or a great sinner, no matter how great a sinner they are, if they follow Trikal Sandhya, then their mind, body, inner self, and soul will be purified. They too can become a pure, holy devotee and attain Vaikuntha. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 23:25 · 26 June 2025

Q 3048 Trisandhya is the essence of Brahman. By performing the Trisandhya mentioned in the Bhavishya Malika, can one be saved from repeatedly coming into this cycle of the world?

Answer: In this world, if a person wants to attain Vaikuntha, the greatest core mantra and main action is Trikal Sandhya. And those who perform Trikal Sandhya will attain the abode of Lord Vishnu. There is no doubt about it.

► Watch this answer · 24:07 · 26 June 2025

Q 3049 I have a question related to Trikal Sandhya. There are people who eat meat and fish and want to quit. When I preach about Bhavishya Malika to some of my old friends who eat meat, fish, and drink heavily, they understand what I say, but they say, 'We have also read in the Bhavishya Malika that if we perform Trikal Sandhya while drinking alcohol, the Yogini Mata will consume us.' Out of this fear, they don't even want to start. So, Pandit ji, what can be done about this? Please guide me.

Answer: I am very happy with your preaching and I commend you. The thing is, suppose someone has eaten non-vegetarian food and consumed alcohol their whole life, committed immoral acts, and now wants to change. Now listen to what is written in this scripture. It is clearly written that this scripture was created for the transformation of people on the wrong path and to save humans by making them pure and holy. Therefore, if they abandon the sins and deeds they have committed and perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat Mahapuran, then they too can go to the Satya Yuga and save their lives. There is no problem. Jai.

► Watch this answer · 26:35 · 26 June 2025

Q 3050 It has been said that banks will fail, the stock market will go down, and property values will fall. So what should we do? We can't even keep cash at home. What should we do?

Answer: For now, you should wait a little. When the world war begins, a decision should be made at that time. But I will say this: do not invest money in real estate or the stock market at this time because this is not a good time for us. The Brahmastra has already been released. We don't know when and where it will fall. So, wait for some time, and I will definitely tell you when the time is right.

► Watch this answer · 28:04 · 26 June 2025

Q 3051 I am scared about what to do because in the future, technology is going to end, and my work is in that field. So I'm scared whether I should complete my studies in it or not. I feel like studying, but I'm afraid that when everything ends, what will we do? What we have studied won't be of any use then.

Answer: Look, my child, even now I am studying. I read the scriptures every day. I keep studying because one's work cannot be stopped. If the flow of water stops, how will people get water? If the flow of air stops, how will humans get air? Similarly, a human's work, like a student's duty to study and get an education, and for those who work, to do their job, should continue. This is the rule of the world. So, do your work. When it happens, it will be seen. Why fear? Perform Sandhya, read the Bhagavat, and study. Listen, when a person performs some action in life, God gives them something in return. Those who have studied hard will also go to Satya Yuga and will receive fruits according to their efforts.

► Watch this answer · 29:04 · 26 June 2025

Q_3052 You have said that in the end, there will be seven days and nights of darkness. You also said that Yogini Mata will test us in three stages. What will happen in that? I don't know any scriptures; I started performing Sandhya three times a day after listening to you. But I have also heard from others that there will be tests in three stages, and Mata will ask about things like the Durga Stuti. If we are not able to pass, will we not be allowed to go forward?

Answer: Absolutely, for those who perform Trikal Sandhya, if the Divine Mother asks a question, whether in a dream or in person—and this is for the final time, for which there is still a lot of time left—at that time, she will ask about Trikal Sandhya. If you perform Trikal Sandhya, you will say, 'We perform Trikal Sandhya and chant the name of Madhav, given to us by Pandit Kashinath Mishra.' That's it, she will let you go and won't ask anything else. She won't ask anything, she will just give her blessings and leave, and say nothing more.

► Watch this answer · 30:51 · 26 June 2025

Q_3053 As you mentioned that the internet will shut down in the future, what will people do after it shuts down? The whole world depends on the internet, especially for jobs. For example, I am currently doing digital marketing, so when all that ends, what should one do?

Answer: This situation will continue until 2030. When it shuts down, we will see, but it will definitely shut down. Why worry about it? Listen, one must continue to work. We still have two, three, four, five years in our hands. So keep doing it. The internet won't go away in a single day. It will be affected little by little, gradually. First, the internet will fail in sinful countries, and India will be last. Wait for the time.

► Watch this answer · 32:29 · 26 June 2025

Q_3054 Knowing what will happen in the future, should we make plans for the future or not?

Answer: There is no need for future plans. Practice dharma, do good deeds, perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat—that is the great plan. Focus on your work, your education, your field of action.

► Watch this answer · 34:04 · 26 June 2025

Q_3055 I continuously perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, and also read the Bhagavat, but I am not able to develop the right feeling (bhav) for the Lord. My mind gets distracted while performing Trikal Sandhya.

Answer: Look, when you don't feel the devotion, just close your eyes during Trikal Sandhya and look at the Lord. Just keep looking. After doing this for a few days, He will appear in your mind and heart. By doing this, the mind will not get distracted. Close your eyes and try to see Lord Krishna; you will see Him, and your mind will not wander anywhere. Try it once and see.

► Watch this answer · 34:45 · 26 June 2025

Q_3056 What is the mantra written in the Malika? It is written that whoever chants the Brahma mantra will go to Satya Yuga. Is that the name 'Madhav'? Can we go by chanting the name 'Madhav'?

Answer: It is written that those who chant the one-syllable Brahma mantra will go to the Satya Yuga and will be saved from the wrath of the Divine Mother. The name 'Madhav' is Brahma. Those who chant it along with performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavat will go.

► Watch this answer · 35:35 · 26 June 2025

Q_3057 You have told us that the value of gold will become zero. Since gold is so expensive, should we buy it or not? How should we invest?

Answer: In my opinion, after three years, the price of gold will be less than half. So, think about what to do based on that.

► Watch this answer · 36:21 · 26 June 2025

Q_3058 If someone has a skin disease, and they are regularly performing Trikal Sandhya and reading the Bhagavat, are there any chances of it being cured?

Answer: Look, a girl two or three years ago—you can see my old video—she had a skin disease for about 10 years and was taking medicine. She took her medicine after chanting the 16 names during Trikal Sandhya. She said that from the day she started doing this, the disease is gone. So, look, medicine is a system of the Kali Yuga; one should take it. But those who chant the 16 names with devotion, thinking of Vishnu as the medicine, and also take their medicine, that medicine will work well and they will be free from the disease.

► Watch this answer · 37:19 · 26 June 2025

SESSION 173 · QUESTIONS 3059–3067

L189: जगन्नाथ पुरी में सबसे बड़ा विनाश का संकेत। Rath Yatra Massacre | Dr Pandit Kashinath Mishra

Date: 30 June 2025 · Watch the full session ↗

Q 3059 A devotee is on the spiritual path, but their family eats non-vegetarian food. They are wondering if, through the influence of their devotion, their family members will also gradually come to the path of devotion and be saved? Is it possible that the good deeds we do will also benefit our family members and lead to their salvation?

Answer: This is a very good question. Many devotees face such problems in their families. This question comes to me repeatedly. But the thing is, 'Without holy company, wisdom does not arise.' If any virtuous, pure person lives in a family, that family also transforms due to the influence of their purity. It's like lighting a bright lamp in a dark room; because of it, the darkness dissipates. Similarly, if a saint or a devotee in a family follows the path of dharma, under their influence, with time, some changes will surely occur. For this, making small efforts is also necessary. And by contemplating the sacred words of dharma over time, purity and transformation will also come to the home. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:21 · 30 June 2025

Q 3060 A very famous storyteller in India, who narrates the stories of Lord Shiva, says that there is no liberation even in Vaikuntha. He claims that we stay in Vaikuntha only as long as we have good karma (punya), and after it's exhausted, we are reborn. Please provide guidance on this.

Answer: Look, I'll say one thing. In the Srimad Bhagavata Mahapurana, the Lord Himself told Uddhava, and many great sages like Narada have also contemplated this. Those people who go to Vaikuntha do not die even during the Brahma Pralaya (the dissolution of the universe). It is called the immortal realm (Amar Lok), where there is no death. Where there is no death, where does such an ideology come from? During the Brahma Pralaya, all realms are submerged in water, but even at that time, Vaikuntha is not flooded. That is why the Lord Himself said, 'Neither the sun, nor the moon, nor fire illuminates that place. Having gone there, they do not return. That is My supreme abode.' In my realm, there is no sun, yet it is illuminated by light. In my realm, no one dies, and everyone attains the immortal realm. So, where does death come into the immortal realm? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:11 · 30 June 2025

Q_3061 What is the difference between believing in dharma and practicing dharma?

Answer: Those who merely believe in dharma—there's a saying and a doing. The one who just says it discusses it with others, but in truth, only those are wise and successful who practice dharma in their actions. Those who practice it get the fruit. By merely believing, one gets a little bit of merit (punya), but not the fruit. There is a big difference between getting merit and getting the fruit. It's like having a plant. What is the benefit of just having leaves? A tree having leaves but no fruit is equivalent to just believing. And if a tree has fruit along with its leaves, that is like practicing it; such is the fruit. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:11 · 30 June 2025

Q_3062 We have very tall buildings here, so the Sun God and his rays are not visible. We offer arghya (water offering) to the Sun God by facing east. Is this correct?

Answer: It is absolutely correct. Whether the Sun God is visible or not... for instance, if the sky is covered with clouds, the Sun God is not visible then either, right? The Sun God bestows his grace during morning and evening. He rises in the east and sets in the west. Whether you can see the Sun God or not, at the time of sunrise and sunset, if you offer arghya to the Sun God according to the rules, you will receive the same meritorious fruit as those who do it while seeing the sun. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:21 · 30 June 2025

Q_3063 We only bathe during Brahma Muhurta (pre-dawn hours) and midday. So, in the evening, can we offer arghya to the Sun God without bathing?

Answer: You can offer arghya to the Sun God at midday and in the morning. In the evening, if you have difficulty or a physical problem that prevents you from bathing, you can wash your feet, then perform a mental bath in the Ganga, sprinkle water on yourself, chant the name of Mother Ganga three times, and then, wearing clean clothes, you can offer arghya to the Sun God. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:27 · 30 June 2025

Q_3064 I cannot go to the rooftop to offer arghya. So, I meditate on the Sun God and offer it while standing at the threshold of my house. However, the Sun God is not visible from there, and the water falls on the wall of my house. Is it right to do this?

Answer: Look, for people living in apartments in city areas, it's not possible to offer water to the Sun God outside. Therefore, you can offer water to the Sun God even inside the house, whether it falls on the wall or anywhere else. The water offering is not consumed by the Sun God. It is meant to counter the asuras (demons) who try to devour the sun during the morning and evening prayers. The water offered by devotees acts like fire on the faces of these asuras, burning them and stopping the trouble they cause the Sun God. Therefore, you can offer it anywhere, and you will receive the fruit for this as well. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:15 · 30 June 2025

Q_3065 During the time of Trisandhya (three daily prayers), if I am somewhere else where I cannot perform it properly, what should I do? Is it necessary to bathe before performing Sandhya?

Answer: Look, Satya Yuga will not be established in a single day. I cannot make everyone virtuous in one day. That's why I am telling you step-by-step. For now, the rule for Trikal Sandhya is this: you can perform a mental bath in the Ganga and do your prayers anywhere—while traveling, working, or driving. However, with time, when Satya Yuga arrives, one will have to bathe before all three daily prayers and also perform yajnas. But for now, in whatever situation you are, perform a mental bath and recite the Durga Madhav Stuti, the 16 names of Lord Vishnu, the shlokas of his ten avatars, and chant 'Madhav' 108 times. Also, read one chapter of the Bhagavata anytime between Brahma Muhurta and 12 AM. By doing this, you will receive the meritorious fruit of Trikal Sandhya. We will follow this rule for now, and I will change it with time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:46 · 30 June 2025

Q_3066 If a small five-year-old child only chants the name of Madhav, will that be sufficient?

Answer: Look, when Dhruva was seven years old, he performed penance and attained the Pole Star and his father's throne. So, a five-year-old child can certainly do it. Even two-year-old children in our Sudharma Mahasangh perform Trikal Sandhya and recite the entire mantra. Therefore, your sentiment is very good. They should definitely chant the name of Madhav, but you should also diligently teach them to chant the mantras of Trikal Sandhya through practice, so that they can perform the full Trikal Sandhya. It will be auspicious for them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:15 · 30 June 2025

Q_3067 Will the internet end in 2025?

Answer: Look, the internet is an element of Kali Yuga. As the light of God's spiritual power, the Satya Yuga, manifests, the internet will also diminish. It will not happen in a single day or in 2025 alone. There is time until 2032 for that. It will happen gradually. We should not worry about it, but it will certainly happen. It will diminish bit by bit every year, and a time will come when it will shut down completely. The day Satya Yuga is fully illuminated, on that day, the internet will completely shut down. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:13 · 30 June 2025

SESSION 174 · QUESTIONS 3068–3073

L190: अमेरिका में भूकंप और अमेरिका का भविष्य। Future of US | Dr Pandit Kashinath Mishra

Date: 18 July 2025 · Watch the full session ↗

Q 3068 Jai Shri Pandit Ji, my humble salutations at your feet. I am associated with a temple since 2022-23. I preach there and have even given them the Bhavishya Malika book, telling them that such and such things are going to happen. But they say that nothing of the sort will happen, it's all nonsense. They say, 'Just follow one guru, and you will be liberated and go to the divine abode (Bhagwat Dham).' I tell them that this is also from the Bhavishya Malika, written by the Panchasakha. But they say, 'No, none of this will happen.' So, how should I make them understand? Also, I don't know if I will go to Satyayug (the Golden Age) or not, because I get angry over small things, although I try not to. So please tell me, how should I explain to those people? Please guide me.

Answer: Look, what is written in the scriptures is not the whimsical word of any human. The scriptures are always the absolute truth. Those who are destined to move forward will appreciate it. Those who, despite trying to save themselves, are headed for destruction and trouble, they will not understand. Therefore, don't try to convince anyone. I don't convince anyone either, but I do preach. Because those who need it will take it. Those who are hungry for it, who have truly done good, virtuous, and pure deeds in their past lives, those who have the capability to become humans of the Satyayug, they will like it. Those who don't have this, they will not like it. So, don't try to convince anyone. But do preach the scriptures. In every era, Buddha propagated Buddhism and Sanatana Dharma throughout the world. Lord Chaitanya propagated Vaishnavism. And in this era, the dharma of Lord Maha Vishnu—Trikal Sandhya, reading the Bhagavata, and chanting the name of Madhav—is being propagated. Because it is written in the Bhavishya Shastra (scriptures of the future) that all humans in the world will be liberated by the name of Madhav. That's why we propagate the name of Madhav. Those who are fortunate will accept it. Those who are unfortunate will not accept it. We have nothing to do with that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:13 · 18 July 2025

Q 3069 Jai Shri Madhav, Father. My question is, Father, I have a five-year-old son. He is small and cannot wake up early in the morning. He does the evening Trikal Sandhya. He goes to school in the afternoon and comes back at 2 PM. So, Guruji, how can I make him do the Trikal Sandhya three times a day?

Answer: Look, he is a small child. If he cannot do it during school time, then make him listen to it. Play a recording for him. And tell him to do the 'Saral Sandhya' (Simple Sandhya), which is just chanting the name 'Madhav' 108 times and reciting the names of the avatars: Parashuram, Ram, Balaram, Shri Buddha, Kalki, and Durga Madhav. Doing this will give him the same benefit. Teach the Madhav name to children; it can be done in just one or two minutes.

► Watch this answer · 16:08 · 18 July 2025

Q_3070 I have one more question, Father. I just need your blessings to remain with my whole family. Our entire family performs the Sandhya. We need your blessings.

Answer: Alright. You have the blessings of Lord Jagannath.

► Watch this answer · 17:03 · 18 July 2025

Q_3071 You told us about America's future in detail, about what could happen there. But I want to ask you something. My brother and sister live in Australia, and they are associated with the ISKCON community. They chant the Mahamantra: 'Hare Krishna Hare Krishna, Krishna Krishna Hare Hare, Hare Ram Hare Ram, Ram Ram Hare Hare.' They have even sent a marriage proposal for me from Australia, asking me to come there and join them and ISKCON, because they don't eat onion or garlic, and they say my life will be successful as I will get closer to Shri Krishna. However, I have been fortunate enough to connect with you a few months ago. Now I am in a confusion. They want to send me abroad to join ISKCON in Australia, where my siblings live. On the other hand, I am considering staying in India. I am in a great dilemma. Should I stay here and move forward, or should I listen to them and go to Australia to join them and ISKCON?

Answer: This is what I think. All the people from our India who are abroad, whether in Australia, America, England, Germany, France, Canada, or anywhere else—within the next two to three years, they will slowly, gradually start returning to our country. It will not be possible to live there. That's the first point. The second point is, it is essential for everyone to chant Lord Krishna's Mahamantra. However, without Trikal Sandhya, it is very difficult, even impossible, to enter the Satyayug. Trikal Sandhya is the element through which one receives blessings directly from the formless Lord Maha Vishnu and establishes a direct connection with him. Without Sandhya, no human on earth will go to Satyayug. From 2032-33, Satyayug will begin to form. Therefore, take refuge in Lord Vishnu. Chant the Mahamantra, but also know that Lord Vishnu's supreme element is Trikal Sandhya. Performing Trikal Sandhya and taking refuge in Madhav will be good for you. The people who are abroad now, a time will come when they too will return home because the times are changing. A new Satyayug will be created, and in this era, all people of Indian origin will have to come back to India. A few might remain, but 95% of the people will have to return to India. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:18 · 18 July 2025

Q_3072 Father, as you say, the age of Kaliyug is decreasing due to sin. But a person doesn't sin of their own free will, do they? I have joined your satsang, I read the Bhagavata Purana, I perform Trikal Sandhya, and I chant God's name. I am following everything. I just wanted to ask, you say the age of Kaliyug has been reduced because of sin. But Kaliyug brought the sin, right? A person is not doing it of their own free will. The Supreme Father had already written that in Kaliyug, people would act this way. This is what I wanted to ask.

Answer: Look, sin also happened in Satyayug, Tretayug, and Dwaparyug. But in Satyayug, 99-100% of people were not sinning. Yes, every leaf moves by His will, but when a creature is killed, it first cries and screams, and then the human forcibly kills it. Does this happen by God's will? No. Man is bound by the thread of his own karma. God created the world

with goodness, passion, and ignorance, and gave humans knowledge, intelligence, and 'vivek' (conscience). Those who awaken their 'vivek' do not commit sins. Humans who are under the influence of their senses commit sins. And God has said that man commits sin through his own actions and earns merit through his own actions. The fruit of sin is sin, and the fruit of merit is merit. Therefore, God has nothing to do with this. The creation runs by God's will—we get food, the sun and moon appear, the wind blows—all this is by God's will. But actions, man does by his own will. Those who follow the scriptures receive God's grace and perform good deeds. Those who are ignorant and controlled by their senses, they sin by their own will. Therefore, God has nothing to do with it. God says that a person will receive fruits according to their actions. That is why the scriptures were created. Those who study and follow them will never sin. And those who sin say, 'It happens by God's will.' No, it is those whose sensual power is awakened who commit sins. Those who attain pure (sattvic) power perform virtuous deeds.

► Watch this answer · 21:35 · 18 July 2025

Q_3073 I have been doing Sandhya for four months, but Father, I have a question. Whenever I do Trikal Sandhya three times a day, I don't feel sleepy beforehand, but as soon as I start, I yawn a lot throughout the practice. I don't understand why this happens.

Answer: Frequent yawning and tears flowing from the eyes, this happens. The reason for this is that the negativity within the body is leaving, and spiritual energy is entering the body. No other mantra has such an effect; it only comes from the mantras of Trikal Sandhya. If someone does Trikal Sandhya and can't sleep at night, they can do it even while lying down with their eyes closed. Sleep will come because it is the 'Brahma Tattva' (the element of the Absolute). Through it, one receives the grace of the deities and the grace of Lord Vishnu. All negativity leaves, and the body becomes more and more pure. This is why one yawns and a few tears come from the eyes. It means your Trikal Sandhya is successful. Jai Jaikar.

► Watch this answer · 28:29 · 18 July 2025

SESSION 175 · QUESTIONS 3074–3078

L191: विश्व में प्रजा आंदोलन तथा नेपाल का भविष्य। Nepal Protests | Pandit Dr Kashinath Mishra

Date: 12 September 2025 · Watch the full session ↗

Q 3074 In which year should people return to India, Prabhu? I mean, come back to India from the USA? Because when the wars and everything happens... right now the situation is very terrible over here. They are killing Indians... all this is happening. And also when the war and everything happens, the first thing that is going to be stopped is air travel, right? If air travel stops, people will be trapped over here. I have been following for a long time and I just got a job, so I have to clear out my loans. There's a financial restriction for me to be here. It will take me one year or more to return.

Answer: Look, this question is for all the people who are living in other countries. As per the Bhavishya Shastra (Book of the Future), it is written, and I have also written it in the Bhavishya Shastra book, the Bhavishya Malika Purana. The people who are living abroad will come to India. It is written they will return to India. The time span is also mentioned there. When the Third World War is going to occur, when it's going to start in the world, after that, the Indian residents who are living in outside countries will return to India. They will return to their villages for a safe future. So, the World War is going to happen between 2025, 26, and 27. This is 100% sure. During that period, you can contact me. If there's any problem, we can have a Google Meet in the future. Before it becomes necessary, I will inform people all over the world, all the Indian residents abroad. I will tell you... now is not the time, but I will tell you to wait for some time, for some months or for one to two years. I will 100% confirm to all the people living in outside countries when it's necessary. Just wait for some time.

► Watch this answer · 35:37 · 12 September 2025

Q 3075 My sister has bought a house. It's an old one that has been renovated. Can they move in during the nine days of Navadurga? When should they move in, on what date? The plan is to move in after the 22nd, when Navadurga starts. Please advise.

Answer: Okay, Navratri starts from the 22nd. The time of Navratri is good. The day of Dussehra can be good, the day of Dashami. The day of Dussehra can be a very good day. It can also happen during this ongoing Devi Paksha (fortnight of the Goddess). Look, whenever you want to move in, the day of Dussehra is a good option. The 22nd is also the best. On the 22nd, the Ram Lalla consecration happened. The 22nd is a good date.

► Watch this answer · 38:56 · 12 September 2025

Q 3076 Father, I have a very big problem. I perform Sandhya and chant Madhav's name, but for some reason, I am unable to wake up during Brahma Muhurta (the pre-dawn hour). And even during the day, I am unable to perform Sandhya at the correct times. I keep doing

Sandhya mentally throughout the day and chanting Madhav's name, but I'm not able to do it at the proper time. I don't know why, and I am very worried that I can't wake up during Brahma Muhurta. What should I do?

Answer: Look, mother, I'll tell you one thing. It is written in the scriptures that the life of those who do not perform Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day) is like that of an outcast. Their life has no value. There is no purpose to their birth on this earth. And those who do not perform Trikal Sandhya do not have the right to eat. One might say, 'I am earning, so I will eat.' No, the scriptures say you may earn and cook, but on any day a person has not performed Trikal Sandhya, they do not have the right to eat food. So, perform Trikal Sandhya at the right time, mother. Look, when death comes, a person goes to the medical facility, and death is coming for this world. Trikal Sandhya is the only path through which we can conquer that truth. For that, we must make an effort. There must be devotion and surrender to God. If there is no devotion and surrender, mother, how will it happen? And if you don't do Trikal Sandhya on time, you don't have the right to eat; the scriptures have forbidden it. This means that in the world, people who eat without performing Trikal Sandhya have no right. Sanatana Dharma says that one must perform Trikal Sandhya. People who don't do it have no right to take food. So, do it on time, and the Lord will bless you. Your sleep will break during Brahma Muhurta. Now that I have told you today, you will see that your sleep will break. But at that time, do not go back to sleep out of laziness. Perform Trikal Sandhya, my child. Jai.

► Watch this answer · 41:10 · 12 September 2025

Q_3077 Please tell us about Navratri. You paused while talking about it. You were about to say something about this year's Navratri, but the topic was left incomplete, so I want to know about that.

Answer: Look, the Navratri program that is happening this time, this Navratri during the Devi Durga Paksha, will work towards bringing the dawn of Satya Yuga (the Age of Truth) for the world. The work of destruction will begin. The Divine Mother... just as destruction is coming to the region of Mata Vaishno Devi. And the work of establishing dharma by Goddess Durga... this is the particular time when Mother Durga will set out for destruction. It will begin from the days of this Navratri. The time for Mother Durga's work of destruction for the world will start from this upcoming 22nd. What is the need to say more? If I say more, people will talk here and there. So, I will only say this much: at this time, Mother Durga will leave her abode to begin the destruction. That 22nd is the particular date.

► Watch this answer · 43:34 · 12 September 2025

Q_3078 Pandit ji, please tell us something about the India-Pakistan war.

Answer: There will definitely be a war between India and Pakistan. And I will tell you this much: just as an incident happened before, another incident will happen, and after that, the war will begin. Listen, if you talk personally, I can tell you, but I won't say it here. We know where this aggression will happen, but we don't disclose it. But there will be something from their side, like what happened in Pahalgam, and then the war will happen. After that, a war between India and Pakistan is certain. And also with our other adversary nations, like China and Bangladesh. Whatever is written in the scriptures will happen; there will be no change in that. There will absolutely be a world war, 100%. The time is very near. It could happen in a few days or within one or two years, but it will happen 100%. There will be no change in this because the work of establishing dharma has begun. And this new phase that begins, the Navami Paksha, starts from September 22nd. The times ahead will only get worse, not better.

► Watch this answer · 46:26 · 12 September 2025

SESSION 176 · QUESTIONS 3079–3099

L192: India-Pakistan के बीच War कभी भी हो सकता है। कारण क्या होगा? | Pandit Dr Kashinath Mishra

Date: 15 September 2025 · Watch the full session ↗

Q 3079 And what was its objective?

Answer: Its objective was this: It would be propagated throughout the world, and because of this propagation, people would change their policies, ideals, and actions. A warning, and secondly, a path to protection—both would be propagated.

► Watch this answer · 00:56 · 15 September 2025

Q 3080 What is written in the Bhavishya Shastra (scripture of the future) about the India-Pakistan war?

Answer: Regarding this, there is only one scripture, the Nitya Panchakhali, which is composed within the Bhavishya Malika Purana. Many people propagate many things. But Lord Vyasa Deva also composed a Bhavishya Purana and a Kali Purana. In those Puranas, there is no clear description of the India-Pakistan war. However, it is mentioned that at the end of the era (Yuga), there will be wars, pandemics, and natural disasters. Evidence for this is being found. But the Nitya Pancha has clearly written about it in the Bhavishya Malika Purana.

► Watch this answer · 05:43 · 15 September 2025

Q 3081 What will be its situation? What do the scriptures say?

Answer: Regarding what the scripture says, we have studied it, and there is clear evidence. When Saturn is in Pisces (Meen Shani), which started on March 29, 2025, and will last for two and a half years—through 2025, 2026, and half of 2027—the scripture says that during this period, a great and terrible war will occur between India and Pakistan.

► Watch this answer · 07:34 · 15 September 2025

Q 3082 In this, who will benefit and who will suffer loss?

Answer: This is also discussed in the scripture. The greatest benefit will be for Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 08:30 · 15 September 2025

Q 3083 Why?

Answer: It is not within human power to benefit Sanatana Dharma. But to advance Sanatana Dharma and for human civilization to receive its blessings, a grand program will take place.

► Watch this answer · 08:42 · 15 September 2025

Q_3084 What is the future?

Answer: The thing is, between 2025 and 2027, this second war will happen. In my view, it could happen by 2026, or even before 2026. It's a very crucial situation. The current state of India-Pakistan relations can turn into a war at any moment.

► Watch this answer · 09:07 · 15 September 2025

Q_3085 So, what is its future? What will happen in that war?

Answer: See, regarding this war, it is written in the Bhavishya Shastra that Pakistan will not fight alone. It will include 13 Muslim countries and also China. They will all fight against India together. Turkey and Iran will clearly be on the front lines, fighting against us.

► Watch this answer · 09:45 · 15 September 2025

Q_3086 So, in this situation, what is India's future?

Answer: It is written in the Bhavishya Shastra that the war will happen, but Pakistan will be defeated. A time will come when India will be victorious in the world. That same war will convert into a world war, initiating a terrible great war across the entire globe. In this war, India will be victorious and will move forward. All the countries of the world will respect India. India will become the Vishwa Guru (world leader/teacher), and Sanatana Dharma, the primordial religion of creation prevalent in India, will be established throughout the world.

► Watch this answer · 10:26 · 15 September 2025

Q_3087 So how will the people of India be protected? How will the devotees of India be protected?

Answer: This is written in the scripture. I have already spoken about India's future: India will become the Vishwa Guru, and this world war will make it so. But it will be a terrible war, a great war (mahasamar). In this war, the devotees of India will be victorious. Sanatana Dharma will spread throughout the world. All of human civilization, in India and the world, will follow the core tenets of Sanatana Dharma: Trikal Sandhya (thrice-daily prayers), reading the Bhagavata, and chanting the name of Madhava. They will adopt these three practices in their lives and embrace Sanatana Dharma. It is written that those who perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhava will be protected from great wars, from the coming destruction, and from civil war. This is written in the scripture.

► Watch this answer · 12:46 · 15 September 2025

Q_3088 How will the devotees be saved?

Answer: I have already explained. India will become the Vishwa Guru, and this world war will make it so. But it will be a terrible, great war. In this war, the devotees of India will be victorious. Sanatana Dharma will spread throughout the world. All of human civilization will follow the core tenets of Sanatana Dharma: Trikal Sandhya (thrice-daily prayers), reading the Bhagavata, and chanting the name of Madhava. They will adopt these practices and embrace Sanatana Dharma. It is written that those who perform Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhava will be protected from great wars, from the coming destruction, and from civil war. This is written in the scripture.

► Watch this answer · 12:52 · 15 September 2025

Q_3089 I have two children, a 5-year-old daughter and a 10-year-old son. For the past several years, some negative energy has been attached to us. We perform a lot of worship and rituals at home, which provides some relief. But this time, the problem has increased a lot. My children have dark circles under their eyes and get scared at night. I also experience a heavy head, dizziness, sleepiness, and heaviness in my body. The children make scary faces. We practice Trikal Sandhya and read the Hanuman Chalisa. Please guide us.

Answer: This concept of negativity is spreading a lot these days because offerings (pind-daan) for ancestors are not performed, and purification rituals (shuddhi kriya) and ancestral rites (shraadh kriya) are not done at the right time. This is why negativity is increasing. Also, many people nowadays trouble others using mantras and spells. Therefore, you should continue performing Trikal Sandhya, but along with it, recite the 'Narayan Kavach' at home. Before sleeping at night, perform Trikal Sandhya once more at home and chant the name of 'Madhava' 216 times before you sleep. In my view, this will give you instant relief from the negativity or any spell cast upon your home. If it doesn't work, let me know. This is not a big issue; we can fix it. We can correct it using spiritual mantras and according to scriptural methods.

► Watch this answer · 17:45 · 15 September 2025

Q_3090 A person named Debani Ma asks: Pandit ji, my respectful prostrations at your feet. For our practical exams, to observe the effects of medicine, we have to touch animal flesh. By the grace of Mahaprabhu ji, I haven't had to do it so far, but in the final exams, it is mandatory. Please guide us.

Answer: Regarding your question, see, 'Karmanyeva Adhikaraste Ma Phaleshu Kadachana' (You have a right to perform your prescribed duties, but you are not entitled to the fruits of your actions). The studies you are pursuing, the practical work you are doing—if you perform these duties, through this work, you will be able to serve thousands, even lakhs, of people in human civilization. You will become worthy of serving. This work is part of your education. If we think this way during our studies, how will human civilization be protected? Therefore, sin is incurred when someone kills a living being, eats it, drinks it, and promotes it. You are not doing any of that. So, in this matter, there is no need to be distressed. Focus on your studies. Your education will lead to the welfare of society, and for that, we have to follow the prescribed educational system. According to it, this is necessary.

► Watch this answer · 19:42 · 15 September 2025

Q 3091 Jai Jagannath, Pandit ji. Pravesh Kant Shrivastava from Jhansi asks: In the Bhagavata Mahapurana, 10th Canto, 57th chapter, Lord Shri Krishna is with Arjuna, and Arjuna is hunting. At that time too, people were doing wrong things, due to which the Dvapara Yuga was reduced from 800,000 years to 3600 years, because animal slaughter and sacrifice were happening. But when the Lord was with him, why didn't he stop Arjuna?

Answer: See, regarding this question and viewpoint, we cannot reach a final conclusion by just discussing it. The Odia Bhagavata, written by Jagannath Das... I have never read anything like that in that scripture. And see, when scriptures are repeatedly composed on Earth by scholars, some discrepancies can occur. In my opinion, it's not possible to find clear proof of this. And for me to comment on what Lord Krishna would or wouldn't do, or what he did, is not within my purview. Why he did or didn't stop him is also not for me to say. However, the Lord himself has stated in the Srimad Bhagavata Mahapurana that a person who commits 'jeeva-hatya' (killing a living being) is a demon. The Lord has repeatedly said that killing a living being is the greatest sin. In my view, the Lord never had such an ideology. Whether Arjuna did it or not, there is no clear proof of what is written in the scripture. Lord Kalki, as written in the scriptures, will oppose the killing of living beings and promote non-violence. Lord Buddha opposed animal sacrifice. Lord Chaitanya preached compassion for living beings. So when Lord Krishna came in the Dvapara Yuga, he propagated the same dharma and protected living beings. Therefore, this idea is not in my line of thinking, and whoever has written this in the scripture, it lacks clear proof and truth.

► Watch this answer · 21:28 · 15 September 2025

Q 3092 From Ghaziabad. I will say this in very few words: a negative energy has taken hold of my two young children. Please help me.

Answer: Listen, daughter, for your problem of negativity or if someone has used spells or black magic, for protection, I would say this: perform Trikal Sandhya three times a day in your home. In the morning, contemplate one chapter of the Bhagavata of Lord Krishna. At night, before sleeping, read one chapter of the Bhagavata, and along with that, you can recite the 'Narayan Kavach' every day. Also, chant the name of Madhava 108 times and perform Trikal Sandhya one more time before everyone goes to sleep. This can save you from the problem. If it still doesn't work, then let me know. Our ideology is that we do not take a single paisa from anyone who asks for our help. If it doesn't work, you may have to come here, and at that time, I can give you flowers from the Lord, and keeping them in your home will also be beneficial. It's no problem, and not a single paisa will be spent.

► Watch this answer · 26:02 · 15 September 2025

Q 3093 My question is, my sister passed away two years ago at the age of only 17. We want her to attain liberation (mukti). As her elder sister, even though I am not married, can I perform the 'pind-daan' (ancestral offering)?

Answer: If you want liberation for your sister, and if there are no men or brothers in the house, then as a daughter, you will have to perform the pind-daan. Because if pind-daan and the rituals are not performed, how will she attain liberation? So yes, you can do it. In my view, during Pitru Paksha, if you go to a good pilgrimage site... pind-daan is done in Gaya. Performing pind-daan at Nabhigaya can grant her liberation. Also, do one more thing: if you follow Trikal Sandhya at home, she can attain liberation through its influence as well. But it is necessary to perform pind-daan at Nabhigaya once, because performing pind-daan there grants liberation to 21 generations.

► Watch this answer · 30:42 · 15 September 2025

Q 3094 I am a pure vegetarian Sanatani Brahmin. I have been connected with dharma and spirituality since childhood. I want to connect with you and your organization. I have started following the rules mentioned by Pandit ji, such as Trikal Sandhya, Shri Madhav Naam, etc. Please tell me how I can connect with you further.

Answer: See, you should perform Trikal Sandhya at the proper times, read the Bhagavata, and chant the name of Madhava. Because this is the final propagation of this era's dharma, the final rule, the final mantra. Following this mantra will lead to your welfare. We are conducting an online satsang (spiritual gathering). Our devotees are doing it together. See, I am not in a guru tradition. I have no disciples. I just propagate the message. If you join this online discourse, you will have many experiences. Devotees get to meet each other, and by discussing amongst themselves, devotional feelings also increase. If you wish, we have created an organization called 'Nav Satya Yug Nirman Sudharma Mahasangh'. Satsangs for devotees are held there. By contacting the number that appears below, you can join it and also interact with people from all over India who are joining this stream.

► Watch this answer · 32:30 · 15 September 2025

Q 3095 Radhe-Radhe. I also want to contribute to this propagation of dharma. Please guide me.

Answer: This is wonderful. We greatly respect your sentiment. See, Lord Buddha also propagated dharma. Lord Chaitanya Mahaprabhu did it... So you can also take part in propagating dharma. And indeed, the minds of those who are destined to go to the Satya Yuga (Age of Truth) will be stirred, and they will surely come and practice Trikal Sandhya, read the Bhagavata, and chant the name of Madhava, because it is in their destiny. If you want to step forward and propagate this for the welfare of human civilization, then in the group we have created, the 'Nav Satya Yug Nirman Sangh', devotees from India and abroad gather. If you are receiving the Lord's grace for this work, then you should do it. In my view, it is the personal devotees of the Lord from all four yugas who will join this stream and carry the work forward to save human civilization and the devotees.

► Watch this answer · 34:54 · 15 September 2025

Q_3096 Father, I want to know... I have always heard from many gurus, spiritual people, and elders that without making someone a guru or taking initiation, one cannot attain God. So, father, my question is, I have never made anyone my guru... if I haven't made anyone a guru, will I not be able to attain God?

Answer: That's a very good question... 'Vande Bhagavati Devi Shri Ramasya Jagat Guru'—meaning Lord Shri Ram is the guru of the world. And 'Krishnam Vande Jagadgurum'. So in our Sanatana tradition... without the grace of Lord Shankar, no one can become a perfected saint. So Lord Shankar is a guru, Hanuman ji is a guru, Lord Krishna is a guru, Lord Ram is a guru. After having so many Lords, in my view, there is no need for any other guru. However, as is the tradition of guidance in the scriptures, if some good saint or sadhu provides guidance, then accept the good elements from it. In my opinion, make Lord Krishna your guru. Make Lord Krishna your guru, make Lord Jagannath your guru. In that lies your welfare and salvation. This is absolutely true. It is not necessary to follow any separate tradition.

► Watch this answer · 37:35 · 15 September 2025

Q_3097 We live abroad in Canada, so at what time should we perform Trikal Sandhya? I mean, at what times? We do it, but we don't understand the correct timing.

Answer: See, I went to Canada last year... You should perform the Brahma Muhurta sandhya before sunrise. The midday sandhya should be done around noon, between 11:30 AM and 1:30 PM. And the third sandhya should be performed 15 minutes before sunset. This Trikal Sandhya, in my view, is given by God only to those whose time for liberation is near.

► Watch this answer · 40:54 · 15 September 2025

Q_3098 Father, I am from Delhi and I follow this path, but my family, like my husband, does not. As the time of war approaches, and we hear that missiles will fall on Delhi, I sometimes discuss with him that we should make arrangements to be outside of Delhi at the right time. But he says one thing: 'In the satsang you listen to, it is said that nothing will happen to the one who performs Trikal Sandhya.' So, Father, I feel a little scared, you know?

Answer: A person cannot be saved even by their own efforts, and can be saved even without effort. That is why I have prescribed Trikal Sandhya. Perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhava, and read the Bhagavata. When the calamity comes, by the Lord's grace, you will be safe wherever you are. Just have this firm faith. Those who perform Trikal Sandhya do not suffer untimely or accidental death. The Lord's grace is definitely there. They live until their final moment. If they do it with devotion, they also attain the ultimate goal. So there is nothing to fear. Perform Trikal Sandhya at the correct times. Then, at the right time, I will provide the right guidance.

► Watch this answer · 42:34 · 15 September 2025

Q 3099 Jai Shri Madhav, Pandit ji. I am Abhishek from Bareilly. I have a friend who is in the animal husbandry business. He used to have a pig farming business, and still does. It's his ancestral work. He used to sell the meat in Uttarakhand and other places, feed it to others, and earn his livelihood that way. He is a very old and good friend, so I explained things to him. I told him about the prophecies of the Bhavishya Malika. By the Lord's grace, he has stopped selling the meat. But what he does now is he continues to raise the pigs and sells them to others. Now I tell him, 'Brother, you are selling them to someone, and if they slaughter them, won't the sin fall on you too, since you are the instigator and approver?' But he says, 'No, no, my job is only to sell; what they do is their business.' So, Pandit ji, we just want you to provide some guidance so that we can share your words with him.

Answer: First, I thank him for stopping the work he was doing. But it is written in the scriptures that the one who kills a living being, the one who inspires the killing, and the one who facilitates the killing—all of them share the sinful reaction. In our scriptural view, where is the time now? There are many ways to earn an income. If he wants to do animal husbandry, he can raise cows. Raising cows will bring income as well as religious merit. Yes, in my view, if we do good deeds, only good will come into our lives. Those who do evil will one day be consumed by the fruit of that evil. Whatever deeds he has done until now, that is one thing, but if he continues this work, it will not be good for him. It is no longer Kali Yuga; Satya Yuga is arriving. I want to give this message to that son: do some good work that is free from vice. The Lord's grace will be with you.

► Watch this answer · 46:18 · 15 September 2025

SESSION 177 · QUESTIONS 3100–3111

L193: 2026 में वैश्विक संकट और प्राकृतिक आपदाएँ | India Pakistan War | Pandit Dr Kashinath Mishra

Date: 10 January 2026 · Watch the full session ↗

Q 3100 When and how will Russia enter India, and what is Russia's connection with Chhatia Bat?

Answer: Look, when the third world war begins, and there is a war between India, Pakistan, and China, that is when Russia will come to India. The scripture says, 'Purva Paschim Rang Giri Ma Cham, Loha Khanda Maan Bharat, Russia Shasan Hai,' meaning when the world war starts in the east and west, and India is at war with Pakistan and China, Russia will come. That time is yet to come. And Russia's connection with Chhatia Bat is this: in the Dvapara Yuga, Lord Krishna had granted a boon to Russia for attaining the service of Lord Jagannath in the Kali Yuga. It is written in the scriptures, 'Chhatia re saat din vasi bhoi,' meaning for seven days there will be a Rath Yatra (chariot festival) in Chhatia, and the head of the Russian government will be present in the service of Lord Jagannath. This will happen amidst the world war, and the devotees are waiting for this time. Jai Jai.

► Watch this answer · 27:34 · 10 January 2026

Q 3101 When will the internet shut down completely? And if it does, how will we, who work online and earn our livelihood through the internet, survive? Also, is there anything written about Madhya Pradesh in the Bhavishya Malika?

Answer: Look, Madhya Pradesh is a very religious region. It has 64 Yogini Pithas, and besides that, the Mahakaleshwar Mandal of Madhya Pradesh will work towards establishing Dharma; this is written in the scriptures. So, Madhya Pradesh will emerge as a religious area, and it already is. As for the internet, you see that sometimes the internet is down for a day or two, sometimes for four or five days, and at any moment, the internet can fail. You can't get money from the bank, ATMs don't work due to network issues, the mail system shuts down, and phone calls get disconnected. It's like when someone gets sick; first, minor symptoms appear, and then death occurs. The internet has started showing its sickness. A time will come when satellites will not work. During the world war, a time will come when a celestial body will fall on Earth, into the three oceans, and at that moment, all internet will fail. This won't happen in a single day; it will happen over time. On one hand, devotees will be saved; on another, Dharma will be protected; and on the other, sinners will be judged. All this work will proceed serially, step by step. And as for the time, I have mentioned 2032. It could be two or three years before or after 2032, but by 2032, people will understand that everything written in the scriptures will be proven true. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:15 · 10 January 2026

Q_3102 Will the plagues and pandemics start from next year? If they do, what is the way to protect ourselves? Also, regarding the gathering of 12,000 devotees that is supposed to happen, when will that take place?

Answer: Look, plagues and pandemics are already ongoing. People take medicine. People get sick throughout the year. Their bodies are becoming hollow. Diseases like Corona are still present in India and in other countries. People are suffering, but it's not escalating because God has provided some interval. It was written in the scriptures that the period from 2025 to 2032 is the time for the arrival of Satya Yuga, and the time of diseases will begin from '27 (2027). Even now, minor illnesses will come. You see people getting dizzy, falling down, and dying while walking on the road or sitting in the office. I have written in the Bhavishya Shastra that a disease that causes dizziness will come. Young people will have heart strokes. You see it, don't you? Heart strokes happen, people die. Cancer is spreading like a disease. Ailments like gastritis and acidity are increasing. Illnesses like colds, coughs, and typhoid are also on the rise. So, diseases are increasing. And God is giving a chance for people to change. From '27 (2027) onwards, it will take a more severe form. Therefore, the remedy for this is Trikal Sandhya, reading the Bhagavat, and chanting the name of Madhav. Those who follow this with devotion and rules—not just casually, but with devotion, rules, and at the proper time—only they will receive its benefits. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 31:22 · 10 January 2026

Q_3103 My family lives near the sea. How and when will we know that it's time to move from the coast to a village so that our family can be saved?

Answer: Look, those who are on the seashore are also safe. Those on the plains are also safe. Those in the hills are also safe. How will they be safe? The one who has Dharma (righteousness) is safe. Even if you live by the sea, if you have Dharma, if you perform Trikal Sandhya, then God will protect you in some way. If we leave the seashore and go to another place... because the Pralaya (deluge) of the five elements will happen—there will be a fire deluge, a water deluge, an air deluge, earthquakes, and the water deluge includes tsunamis. So you might escape the tsunami, but you could be caught in another deluge. You could be caught by disease. Death doesn't just happen to anyone like that. Without karma, a person's death is not possible. One who has great Dharma has a long life. One who has little Dharma has a short life. Therefore, instead of thinking this way, adopt Trikal Sandhya. Read the Bhagavat. Perform the Agnihotra Yagya in the morning. This will increase your purushartha (endeavor) and punya (merit). Then, even if seven seas come, Govind (God) will still protect you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 33:12 · 10 January 2026

Q 3104 Will we incur sin if we speak out against Adharma (unrighteousness)? Also, when we try to perform Trikal Sandhya, we are unable to do it properly because we are attached to the illusions (moh-maya) of this world. How can we do it correctly? What needs to be done for that?

Answer: Look, raising your voice against Adharma is Dharma. But in our country, there is a constitution and discipline, so our government has to think about this. Instead of speaking against Adharma, we can try to explain to those who follow the path of Adharma, give them good sense, tell them about their future and the consequences of their actions. By explaining this, they might change. This is the work we can do. Constitutional rules, laws, and discipline are under the government's authority; we cannot take action against it. But absolutely, those who commit sins should be counseled and brought towards Dharma. We should tell them about the future. And regarding not performing Trikal Sandhya at the correct time, it's like students in a school who fail. All students go to school, some get good jobs, and some fail. Similarly, in this matter of Dharma, if you do not perform Trikal Sandhya at the correct time, you will not receive the full benefits. So, to get the full benefits, follow the Trikal Sandhya according to the rules and at the right time. This will bring you well-being. Also, tell your family members that this is a very meritorious practice through which one can attain God. Adopt it, and you too will be able to reach that time along with the changing Yuga. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 34:40 · 10 January 2026

Q 3105 I am facing a lot of trouble in getting a job. Please suggest something so that I can get a job in a timely manner.

Answer: Yes, I want to tell him that he is not getting a job due to Mangal Dosha (an astrological affliction related to Mars). Auspicious tasks are not getting completed. Performing Trikal Sandhya will nullify the Mangal Dosha. I suggest one thing for him: read the Dashavatara Stotra every day before sleeping for about three months and perform Trikal Sandhya at the correct time. He will get a job, and the effect of Mangal Dosha will be reduced. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 36:32 · 10 January 2026

Q_3106 Will the Mahamantra that he is currently chanting be enough to take him to Satya Yuga, or will he have to change the Mahamantra?

Answer: Look, changing the Mahamantra is not within our authority or ideology. The Mahamantra is the Mahamantra. I also chant the Mahamantra. Lord Chaitanya Mahaprabhu gave this mantra to the people of Kali Yuga for spiritual benefit and liberation. This mantra was given for salvation and liberation from the clutches of Kali Yuga. So, you should absolutely chant this mantra. Do not change it in any way. Everyone chants this mantra; I do too. However, to be saved—to be protected from the destruction of Kali Yuga, from the Pralaya of the five elements—Trikal Sandhya will save us from death. Trikal Sandhya will make us Brahma Gyani (knower of the absolute). Trikal Sandhya will help us receive the grace of Lord Vishnu. And through Trikal Sandhya, which we call Brahma Karma, we will go to the Yuga of Brahma, meaning the Yuga of Lord Vishnu. All devotees will perform this Trikal Sandhya. It is performed in every Yuga; it is done in Satya Yuga, the demigods do it, it is done in Brahmaloka, Trikal Sandhya is performed in Lord Shankar's holy Kailash, and it is also followed by sages and saints in Siddha Loka. The humans who follow it will also go there. This will save you, and Trikal Sandhya is necessary. The Mahamantra is also necessary. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 37:15 · 10 January 2026

Q_3107 Please be kind enough to explain the procedure for the Agnihotra Yagya and also tell us which mantra should be used in it.

Answer: Look, regarding the rules for the Agnihotra Yagya, we will provide a PDF of those rules to all the devotees who are in contact with us. So there is no problem. Please wait for 10-11 days. If you want to follow the rules of Agnihotra and perform the Yagya, by the grace of Lord Vishnu, we will send the procedure and rules to you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:01 · 10 January 2026

Q_3108 You have advised us to eat before sunset. We are trying very hard but are unable to do so. Performing Tri-Sandhya is easier, but eating before sunset is proving to be difficult.

Answer: The scriptures say that a person's process of eating should begin and end between sunrise and sunset. And those who eat before sunset, or even up to half an hour after sunset, will have fewer diseases and will become divine beings. This is because the digestive fire (Jathar Agni) is kindled by the grace of the Sun God. Trees and plants make their food, the world makes its food [during the day]. We have to follow that same rule. You can eat up to half an hour, 30 minutes, after sunset. Follow that. If you travel far for a job, it can be difficult. In that case, get your food packed and take it with you. Eat at the correct time. Come home, do your chores, and sleep peacefully. You will feel great joy. Your body will feel light. Sickness will go away. If you do it for one day, you will see the results from that very day. People who suffer from acidity and gastritis should try it for one day and see what results they get. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:02 · 10 January 2026

Q_3109 What is going to happen and what is not, only the Lord knows. But you are telling us what we should or should not do. For example, today you mentioned we should remain silent (maun). Similarly, what other things can we do to make our tasks and life easier?

Answer: Look, God does everything. There is no path without God. But the more silent we remain, the more our knowledge, the power of our eyes, and the power of our body will increase, and we will also receive God's grace. A characteristic of a devotee is to be silent, not to speak much, to speak less. Second, eat before sunset. Third, perform Trikal Sandhya. Fourth, read the Bhagavat. Fifth, continuously chant the name of Madhav. And consider all humans in the world as your own, and leave aside any religion or creed, because Dharma belongs to God, and God created Dharma. Humans need to change their actions (karma). It is written in the Bhagavat that every human is a child of God, and humans should perform their duties towards all trees, all of nature, and all living beings. In this, you can give a small fruit or root to a cow every day, you can donate something to small creatures like ants. This will increase your merit and lifespan. Also, start performing the Agnihotra Yagya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:30 · 10 January 2026

Q_3110 I am an IT engineer and I am always under stress in my private job. If there is any way to get rid of this stress, please tell me.

Answer: For this, you should perform Trikal Sandhya and read the Dashavatara Stotra before sleeping. Your stress will go away. And think about one more thing: when you surrender to God, what worries do you have? Surrender everything to the one who sent you. 'Lord, you are everything, I should not take any worry.' Just keep performing your duties without expecting results. Those who expect results get worry and tension. Perform your duties without attachment to the fruits, read the Dashavatara Stotra before sleeping, and perform Trikal Sandhya on time. With time, you will say that the world is an illusion, one just has to perform their duties and remain in the refuge of God. This is the truth, and all your worries will vanish from your mind.

► Watch this answer · 43:09 · 10 January 2026

Q_3111 You repeatedly say that Tri-Sandhya should be performed according to the rules. So, how do we perform Tri-Sandhya according to the rules?

Answer: The rule means that before sunrise, during the time from Brahma Muhurta to sunrise, you should perform a mental bath in the Ganges or take a physical, purifying bath, and then clearly recite all the mantras of the Trikal Sandhya. Second, for the midday Sandhya, you should perform a mental bath in the Ganges; a physical bath is not necessary at that time. Wherever you are—at your job, in the office, in your business, on the road, driving a car—you should recite it mentally. The midday Sandhya should be done according to the time, between 11 AM and 12:30 or 1 PM. And the third Sandhya, which is before sunset, wherever you are, perform a mental bath in the Ganges and do the Sandhya on time. If possible, keep a small bowl, get some water, and offer it to the Sun God and your ancestors. You will feel great joy. Follow it according to these rules.

► Watch this answer · 44:10 · 10 January 2026

SESSION 178 · QUESTIONS 3112–3131

L194: आज के समय में मनुष्य को क्या करना चाहिए ? | Pandit Dr Kashinath Mishra

Date: 19 February 2026 · Watch the full session ↗

Q 3112 How will human civilization be saved in today's world? And what should humans do at this time?

Answer: We are currently in a time of epochal change, a sign that is being felt by everyone from scientists to spiritualists worldwide. The establishment of dharma (righteousness) doesn't happen in a day; it's a gradual process that starts small and transforms the entire environment. In today's world, people lack knowledge of dharma and scriptures. This period is marked by small signs of the coming change, like shifts in nature's five elements and the geopolitical situations leading to war. Humanity itself is responsible for this state. We have polluted the elements of water, earth, air, space, and fire, angering their presiding deities. We have disrespected Mother Earth with geographical changes and explosions. We have not followed the sacred laws of the Vedas, which are the very basis of creation. All of this has led to a grave situation where the world is heading towards a great catastrophe, and the protection of human civilization is necessary.

► Watch this answer · 00:25 · 19 February 2026

Q 3113 So, what should we do at this time?

Answer: The small problems we are seeing now will escalate into major issues in the future. We cannot stop or change this course because it is the consequence of humanity's long-accumulated sins. The modern civilization that man built with science is now being destroyed by man himself. We have polluted the five elements: the water element, angering the water gods; the earth element, by digging it up, changing its geography, and conducting explosions; the air element; and even the space element with our negative thoughts. Humanity has misused its dominion over God's natural creation.

► Watch this answer · 02:40 · 19 February 2026

Q 3114 If there is an atomic war, who will protect the Earth?

Answer: When Ashwatthama used the Brahmastra, a weapon like a nuclear bomb, Lord Vedavyasa saved the Earth. But in this age, science has no way to protect us from an atomic war. Everyone possesses this power and will use it, but we have no means of escape from its consequences. Therefore, our only protector is the primal Lord Vishnu, our supreme father, the creator of the universe, the gods, and all of us.

► Watch this answer · 08:55 · 19 February 2026

Q 3115 Lord Thakur ji is thinking, how can human civilization be saved? How will it happen?

Answer: Because of this concern, Lord Vedavyasa, knowing that human civilization would need to be saved at the end of Kali Yuga, composed the Bhavishya Shastra (scriptures of the future) and the Kalki Purana. To elaborate and simplify these teachings for humanity, under the direction of Lord Jagannath and Lord Chaitanya, the scripture known as Bhavishya Malika Purana was composed in Odisha by the five divine friends (Panchasakha). It is a compilation of countless texts, translated into all world languages so that all of humanity can understand the times and find the path to salvation. This scripture is like a life-saving nectar for civilization.

► Watch this answer · 09:37 · 19 February 2026

Q 3116 Some people with wavering minds think, 'Why isn't the great change happening? These are just small issues. When will it happen? We don't know.'

Answer: The establishment of dharma is a gradual process, like the lighting and extinguishing of a lamp. God gives repeated signs over a period of time. This is a very precious time for salvation. The path to salvation is written, what is going to happen is written, and how a peaceful civilization will be built is also written. It will be a world where humans love each other, where everyone sees the one in all and all in one, and there is no discrimination based on religion.

► Watch this answer · 16:42 · 19 February 2026

Q 3117 What is the meaning of 'Kalki Swarup Durtan Marg Sthapati Hari'?

Answer: It means that just as Vedavyasa came in the Dvapara Yuga, Maha Vishnu will come as Kalki at the end of the Kali Yuga. He will transform many great demons, sinners, and evil-doers through his pure dharma. This is clear proof that even great sinners who have done wrong deeds will be seen transforming through Lord Kalki's teachings and will become worthy of entering the Satya Yuga (the Age of Truth).

► Watch this answer · 19:24 · 19 February 2026

Q 3118 But for those who will agree to follow the path, what is it that they must agree to?

Answer: They must understand the Lord's divine state and accept His supreme power in their hearts with complete surrender and humility. Pride, arrogance, and deceit will not work. Harming other living beings, or destroying any part of creation, whether animate or inanimate, will not be accepted by the Lord.

► Watch this answer · 20:27 · 19 February 2026

Q 3119 Why is this principle called 'Brahma Tattva' (The Absolute Principle)?

Answer: It is called Brahma Tattva because the Trikal Sandhya (three-times-a-day prayer) involves the worship of Lord Vishnu. It also includes verses for Prakriti Swarupini Yogamaya Radha Rani, the primordial mother. This Brahma Tattva is exclusively about worshipping, singing praises (bhajan), and chanting the name (japa) of Lord Vishnu. It includes the ten main avatars of Maha Vishnu, his 16 names, and his original name, Madhava, which is the secret tradition of Lord Jagannath.

► Watch this answer · 22:05 · 19 February 2026

Q_3120 But some people will say, 'I can't do it on time,' or 'I can't read the Bhagavat,' or 'I did it once today but might not do it twice tomorrow.' What about them?

Answer: For this very reason, we have not imposed strict rules of purity or conduct. You can chant the mantra while walking, driving, sitting in the office, or wherever you are. You can do it while working. I have removed all the rules for this reason, so that humans can first just chant the name and let the mantra become perfected (siddha). Only then will they become righteous, follow the Vedas, and become worthy of entering the Satya Yuga of Lord Vishnu.

► Watch this answer · 23:47 · 19 February 2026

Q_3121 So, what should you all do at this time?

Answer: My advice is to practice Trikal Sandhya. There are three specific times: Brahma Muhurta (early morning), midday (11:30 AM to 12:30 PM), and the period around sunset (half an hour before and after). If you do this at these three times, you will receive the grace of Lord Vishnu. When you have Lord Vishnu's grace, all other deities, the nine planets, and even destructive forces will see you as a devotee of Vishnu and spare you, just as junior officers respect someone favored by a high-ranking official.

► Watch this answer · 24:40 · 19 February 2026

Q_3122 Leaving family and employment, where will people find the time to perform penance (tapasya)?

Answer: There is no time for traditional penance, as everyone is a householder with worldly duties. That is why I have converted the pillar of 'Tapa' (penance) into 'Satya, Shaucha, Daya, Daan' (Truth, Purity, Compassion, Charity). 'Shaucha' means purity of mind, free from lust and desire. 'Daya' means compassion for all living beings and all of creation. 'Kshama' (forgiveness) is also important; we should forgive those who make mistakes instead of holding onto anger, which is a sign of arrogance. And 'Daan' (charity) can be anything, big or small, according to one's capacity, even offering a little grass to a cow.

► Watch this answer · 27:20 · 19 February 2026

Q_3123 If we don't get the three years to practice, how will the mantra be perfected (mantra siddhi)? And if it is not perfected, how will our life and family be successful?

Answer: This is precisely why I am appealing to those who seek salvation and want to take this life into the Satya Yuga. It is my request that you perform the Trikal Sandhya at the correct times with complete and clear mantra recitation. Even if you are in a hurry, the pronunciation of the mantra must be clear and complete. You can read it from a paper or listen to a recording if you are illiterate. Also, practice the four pillars of dharma: Satya (truth), Shaucha (purity), Daya (compassion), and Daan (charity). By doing this, you will become worthy of the Satya Yuga and will be protected from the great destruction to come.

► Watch this answer · 28:47 · 19 February 2026

Q_3124 How will the deities and planets be merciful to us?

Answer: This will happen only when you become a devotee of Lord Vishnu. Otherwise, how can it happen? That is why my message to all viewers is to follow this path.

► Watch this answer · 30:20 · 19 February 2026

Q_3125 Father, my question is on behalf of the devotees of Radha Rani. Has she taken an incarnation now? If so, is it in the form of Mahalakshmi or Vaishno Devi?

Answer: Radha Rani is the embodiment of Prakriti (nature) herself; she is Yogamaya, Mahalakshmi, the mother of the Vedas, Gayatri... she is everything. At this time, she will manifest in the region of Jagannath in Odisha. Her name will be known as Mother Mahalakshmi, the consort of Ramapati (Vishnu). The Panchasakha have written in one place 'Lakshmi-Narasimha', meaning Lord Kalki is in the form of Narasimha and Mother Radha Rani has come in the form of Lakshmi.

► Watch this answer · 37:43 · 19 February 2026

Q_3126 Father, a question about my sister's dream. She dreamt two or three times that Rajendra Das Ji Maharaj of Maluk Peeth was applying a tilak (sacred mark) on her. What does this mean? Does it imply he wants to give her initiation?

Answer: The respected Rajendra Das Maharaj ji is a great saint, and we revere him. It is not right for me to comment on this. Regarding Bhavishya Malika, whatever I have said, you should follow that. Follow the Trikal Sandhya. It is probably not appropriate for me to comment on this matter.

► Watch this answer · 38:51 · 19 February 2026

Q_3127 Prabhu ji, I want to ask something. How can we get the materials and instructions for performing Trikal Sandhya?

Answer: For those who want to perform Trikal Sandhya, you can contact the number that is provided here. They will send you the Trikal Sandhya text. It only takes about five to six minutes each time, so about 17-18 minutes for all three times a day. If you contact them, they will send you the PDF right away. Also, for those who want it in person, we distribute it wherever our discourses (katha) take place. For instance, we are going to a big event in Sambhal, Moradabad tomorrow for the foundation day of the Kalki Dham, and we will distribute it there as well.

► Watch this answer · 43:51 · 19 February 2026

Q 3128 With your permission, can I share your teachings with police personnel or others? Also, during the third world war, if ten children come to me for protection, how will I save them? Can I spread your message to the police, society, and on Facebook with your permission?

Answer: Look, these are not my words. These are principles based on the scriptures. We are just propagating them. This message will reach whomever is destined to receive it, because it is the word of God. It reaches those who were good devotees in previous lives or were close to God. The dissolution of the five elements is already happening across the world. It is not necessary to preach this to everyone, only to those who are true devotees.

► Watch this answer · 46:17 · 19 February 2026

Q 3129 Please show us a way to increase the promotion of Bhavishya Malika and Trikal Sandhya in our area (Jabalpur). How can we reach people and help them get the full three-year period of practice to become worthy of the coming Satya Yuga?

Answer: If you want to spread the message, go to the small temples in your area. On a white paper, write: 'The time of epochal change is here. Follow the Bhavishya Malika Purana. Perform Trikal Sandhya every day.' Include a contact number. When people call you, just send them the PDF of the Trikal Sandhya. That's all you need to do. Just put up a small A4 size paper near these temples. You can send the Trikal Sandhya via mobile WhatsApp. This is how it can be propagated.

► Watch this answer · 50:54 · 19 February 2026

Q 3130 Father, I have two questions. First, I have been unable to perform Trikal Sandhya for four months due to an illness that doesn't respond to treatment for more than a few days. Second, will the 2027 UP assembly elections take place or not?

Answer: The 2027 election will happen. Elections and governance will continue in our country, and amidst this, the work of establishing dharma will also progress. Regarding your illness, if we follow the rules and devotion to God, even medicine becomes nectar. Chant the shloka 'Aushadhe Chintaye Vishnum...' before taking any medicine and perform Trikal Sandhya with devotion; the medicine will work. It depends on our mind and faith. Elections will continue, even in 2029. But if a war breaks out, how can elections happen? The scriptures mention this. But whatever God wills, will happen. We are focused on people's transformation, not elections. The governance in our country will continue until 2032-34, and during this time, the great establishment of dharma, great transformation, and destruction will all happen simultaneously.

► Watch this answer · 52:42 · 19 February 2026

Q_3131 Father, please tell us how to increase our 'dharma bal' (strength of righteousness).

Answer: To increase dharma in Kali Yuga, charity (daan) is the foundation. Charity can be small or large. As I said, even bringing some grass from a field and giving it to a cow is charity. Giving small amounts of food, or even 10-50 rupees, is charity. Dharma increases by helping others. Who are others? All living beings. If we give jaggery to ants, our dharma will increase. A small piece of jaggery or sugar costs very little but increases merit. Dharma increases when we help others. Chanting God's name and performing Trikal Sandhya purifies the body and mind, allowing God to reside in our heart and bless us. So both are necessary: bhajan, kirtan, Trikal Sandhya, and small acts of charity. Speak the truth, bow to your parents, serve the cow, help others, and do small charities. This will increase your dharma.

► Watch this answer · 55:09 · 19 February 2026

SESSION 179 · QUESTIONS 3132–3149

L195: JAGANNATH **मंदिर से मिला और एक नया संकेत**! | Bhavishya Malika | Pandit Dr Kashinath Mishra

Date: 25 February 2026 · Watch the full session ↗

Q 3132 What proof is there?

Answer: We study the surrounding circumstances of the entire world. In that, we find major signs. Yesterday, we received a good sign. We have seen a kite bird sitting on the Neel Chakra (Blue Wheel) at Madhya Vaikuntha. Lord Adi Vishnu Sanatana Mahaprabhu, who is the universe, who resides in the Nilachal region in the form of Maha Vishnu with the Chaturdha Vigraha (four-fold divine form), in that region, a kite bird sitting on the Neel Chakra of the Lord's main temple is a big sign.

► Watch this answer · 00:37 · 25 February 2026

Q 3133 So, what is the meaning of this sign?

Answer: The meaning of this sign is an inauspicious bird going and sitting on Vaikuntha. The Lord's wheel of time (Kalachakra) and the wheel of salvation (Uddharkari Chakra) are both fierce and gentle. The Neel Chakra is fierce as well as gentle; it is gentle for the devotees and a destructive wheel of time for sinners. So, this kite bird brings a big sign not just for India or Odisha, but for the entire universe. It is proof of a unique time.

► Watch this answer · 02:06 · 25 February 2026

Q 3134 What is that unique time?

Answer: That unique time is related to the current world situation. In human civilization, devotees are in deep thought. There are many devotees of God in India and across the world. But the devotees are thinking, 'Something is truly about to happen.' Yes.

► Watch this answer · 03:08 · 25 February 2026

Q 3135 What is that uniqueness?

Answer: That uniqueness is one thing: it is a sign of a change of time in the entire world. This involves two types of time. One is the salvation of all the devotees in the world. The sitting of the kite bird is an auspicious message, and the second is a message of change. The first message is the unification of all devotees worldwide. The time is coming for the flag of Sanatana Dharma to be unfurled across the world. Devotees from all four yugas (ages) will unite. Those people, those humans, regardless of their religion or creed, who practice truth, peace, compassion, forgiveness, and friendship; who are compassionate towards living beings and perform truthful deeds, based on sattvic (pure) qualities, those humans will be protected.

► Watch this answer · 03:54 · 25 February 2026

Q_3136 What is the second sign?

Answer: The second sign is for those who have not given up sin and continue to commit sins. The first sin is when a person has no compassion for living beings. Those who kill and consume mother cow and other living beings, for them the element of sin comes. People who do wrong against others—be it in the world of nature, spirits, humans, or animals—those who are engrossed in such acts, are being given a sign from one side to change. On the other hand, for those humans who work against others and commit sins, who think ill of others—be it living beings, humans, any country, or any community—for them, a destructive time is coming.

► Watch this answer · 05:32 · 25 February 2026

Q_3137 What is sin?

Answer: The first sin is when a person has no compassion for living beings. Those who kill and consume mother cow and other living beings, for them the element of sin comes. Also, people who do wrong against others—be it in the world of nature, spirits, humans, or animals—those who are engrossed in such acts.

► Watch this answer · 05:43 · 25 February 2026

Q_3138 So, what will he (Lord Kalki) do?

Answer: In this shloka, it is written based on the same principle as the kite bird sitting. The idea is, as I mentioned, two types of change: one is a spiritual change, and the second is a change for people engrossed in sin. For those engrossed in sin, a time of great consequence is coming. Here, truth will not be with anyone because all the power of Kali Yuga is now in the hands of Lord Kalki. No matter how much any country or any person thinks, 'I have money, property, I have power. I can do anything,' they should forget this. From 2026, you should abandon this mindset because all ideologies have gone into the hands of God. Those humans who misuse this will also be destroyed.

► Watch this answer · 09:38 · 25 February 2026

Q_3139 What is written?

Answer: It is written, 'Kalki Swaroopa Durat Marga Sthapayate Hari.' Lord Kalki will certainly grant salvation to the sattvic (pure) people; there is no doubt about it. But even those who do mlechha (impure) deeds, who commit sins, who misuse their ego, grandeur, and power—they too will be guided. The one stream of guidance is the Bhavishya Malika Purana, and in it is the complete divine element, which we call Trikal (the three times).

► Watch this answer · 10:52 · 25 February 2026

Q 3140 Who are we to say anything?

Answer: This is a rhetorical question implying that humans have no authority to speak on such divine matters. The speaker continues by saying: Therefore, the sign above the Jagannath temple gives a unique message to the world. There is no time left. At this time, we must abandon thoughts of discrimination, caste, religion, and creed, and embrace the single principle of 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family). Everyone is our own, and everyone is within me and you, there is no discrimination for those who follow the pure principles and rules of Sanatana Dharma.

► Watch this answer · 15:20 · 25 February 2026

Q 3141 Who will be the mediator in this?

Answer: Pakistan, and some Middle Eastern countries like Saudi Arabia. They will all come together to stop the war.

► Watch this answer · 16:47 · 25 February 2026

Q 3142 What is Dharma (righteous duty)?

Answer: Small donations, service to mother cow, observing Trikal Sandhya (prayers at three junctures of the day), sattvic (pure) food, sattvic conduct, and adopting a sattvic mindset.

► Watch this answer · 20:12 · 25 February 2026

Q 3143 It has been 10 months since I started this Sandhya practice and joined this family. Because they eat non-vegetarian food, they don't let me perform Agnihotra Yagya, offer Surya Arghya, or practice celibacy. I have tried to explain to my family many times, but they do not listen. Please guide me. My respectful salutations to you.

Answer: Look, a person should do their own karma (actions). We do our karma. If our actions have purity and a message of social welfare, we should not discriminate whether someone accepts it or not. But the fact is, the time will come when people will adopt it. They will have no other way. That is why in the month of Vaishakh, we are organizing a workshop in Delhi to teach Agnihotra Yagya to 3000 people, with a collective Havan program. Not everyone will agree, and not everyone will understand. When the sun shines, its light falls on everyone, but not everyone offers Arghya (libation) to the sun god. But some pure souls do, and because of them, the sun's grace descends upon the earth. Therefore, remain steady like a tree and perform your duties like a Karma Yogi; that is our most important task. A tree doesn't say anything to anyone, but by remaining still, it gives the most. A Karma Yogi attains the ultimate goal. Both are acceptable to us. Whether someone accepts it, criticizes it, says good or bad, it doesn't affect them. And God collects every particle, every inch of our karma and puts it in our lap. Jai.

► Watch this answer · 23:41 · 25 February 2026

Q_3144 I perform Trisandhya. Does this protect my family, or do I earn merit (punya)?

Answer: Look, the person who performs Trikal Sandhya receives the direct fruits of it. And in the house where Trikal Sandhya is performed, the path to liberation for the ancestors is opened by its grace. And if we perform Trikal Sandhya and someone else hears it, over time they will also receive some of its benefits. Therefore, those who perform Trikal Sandhya will receive the full benefits. Those who listen or come in contact with it will get some benefits, but they will not attain the full merit. To go to Satya Yuga (the Age of Truth), everyone must perform Trikal Sandhya. The one who does it will go.

► Watch this answer · 26:25 · 25 February 2026

Q_3145 If I perform Trisandhya twice instead of three times, will that be acceptable?

Answer: The idea is, 'I do it two times.' If we eat two meals and skip one, it doesn't work. Similarly, Trikal is an immortal element. By chanting it repeatedly, our heart's knot is purified and we receive divine grace. This grace is fully obtained by doing it three times. Doing it twice will give some benefit, but it is most important to observe Trikal Sandhya three times. The times I have given are Brahma Muhurta, midday at 12, and evening Sandhya half an hour before and after sunset. At these times, the deities perform Trikal Sandhya. You should also perform it at that time. You will become immortal like the gods. You will become worthy of receiving meritorious fruits like the gods.

► Watch this answer · 26:32 · 25 February 2026

Q_3146 In chanting names, which name is better? Madhav Madhav, Radhe Radhe, or Hare Krishna Hare Rama?

Answer: Therefore, the greatest and most sacred name is the name 'Madhav'. 'Ma' is the form of Brahma, the primordial nature, famous as Narayani, the eternal illusion of Vishnu, the form of Mahalakshmi, the mother of Vedas Gayatri, Radha, and Vasundhara. Her husband is Madhav. Madhav is the husband of Radha Rani and is Lord Satchidananda, Maha Vishnu himself. Therefore, by chanting the name Madhav, Radha Rani's name is also chanted, and Lord Krishna Maha Vishnu's name is also included. The name Madhav brings welfare and salvation to the world, and any human who chants the name Madhav will go to Satya Yuga. This is written categorically. It is essential to follow this.

► Watch this answer · 26:38 · 25 February 2026

Q_3147 My question is, I have been associated for the last three years, but I haven't been able to perform Trikal Sandhya yet due to some reason. Until when will it be considered appropriate to start Trikal Sandhya? If I start it now, will it be okay?

Answer: If you haven't been able to do it, start now. Start from today. If you don't perform Trikal Sandhya, you will not go to Satya Yuga. I say this clearly because this is neither my religion nor my ideology. It is the divine element (Brahma Tattva). It is the meritorious essence of all eighteen Puranas. It is difficult for those who do not perform Trikal Sandhya to go to the Age of Truth. So, start Trikal Sandhya from today, from Brahma Muhurta. Perform it on time. Control your mind and senses, and rein in the wrong thoughts that arise in your mind. By controlling your mind, increase your devotion to God. There is no greater meditation, penance, worship, or remedy in the world than Trikal Sandhya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 29:25 · 25 February 2026

Q 3148 Baba, I was cured of a major illness, paralysis, through Trisandhya. For this, my salutations to you and many thanks for this stream. I had taken a vow that after getting well, I would offer Arghya to the sun and eat according to the rules. I did this for some time, but now I am unable to do it regularly. What should I do? Even after trying, I can't do it properly.

Answer: Look, it's okay. The lack of control over the mind and senses repeatedly becomes an obstacle for a person in performing righteous duties. But don't worry. Do one thing: before sleeping, chant the name 'Madhav' 108 times and say, 'Madhav, please bless me so I can perform the Vedic, spiritual, and divine duties that I was doing.' Then, slowly, it will get better. Chant the name Madhav 108 times every day before sleeping. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 30:52 · 25 February 2026

Q 3149 My wife's family has influenced her and separated her from me. Her family has demonic tendencies and are non-vegetarians. Please guide me. How will my family be fixed, or how can I walk on the right path?

Answer: Jai Jagannath. First, I'll tell you, if you want to fix your family, you must first perform Trikal Sandhya. Second, every day before sleeping, chant the name 'Madhav' 108 times. Say, 'Lord, please return my family to me.' No one is a demon, and no one is a saint. Karma and time make a person what they are. Even if someone is a meat-eater, we can condemn their actions, but we should not condemn them. The scriptures say not to condemn any person. We can condemn the wrong actions done by a person, but not the person themselves. Every human is a child of God. Therefore, your in-laws are also good. The point is, if you want to get your family back, chant the name Madhav 108 times for six months. Do it at night before sleeping. Perform Trikal Sandhya at the proper times. After that, see what results you get, and then contact me or contact this number. Okay?

► Watch this answer · 32:08 · 25 February 2026

SESSION 180 · QUESTIONS 3150–3174

L196: वर्तमान युद्ध से मानवता को क्या सीखना चाहिए? | Bhavishya Malika Puran | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 08 March 2026 · Watch the full session ↗

Q_3150 What is this current time bringing for human society?

Answer: This should be the biggest consideration. When the entire world is facing such huge problems and such major wars, human civilization must reflect on this. It doesn't matter what religion, creed, or tradition one follows, but no one is thinking about it. Everyone thinks it has nothing to do with them. But the fact is, once a war starts, it doesn't stop. And a blazing fire, like a destructive inferno, burns down large forests and vast areas. This war is an element just like that.

► Watch this answer · 01:47 · 08 March 2026

Q_3151 What will be the reaction and future of the war happening in the Middle East?

Answer: We need to think about this. The biggest issue is the protection of human civilization; that is the greatest question. If human civilization is not protected, if humans are not protected in this world, then how will the Earth be protected? Therefore, this time is very valuable.

► Watch this answer · 03:08 · 08 March 2026

Q_3152 If humans are not protected, how will the Earth be protected?

Answer: This is why this time is so precious. Everyone is at home, eating, drinking, and sleeping in comfort. But in the aggression and war that is happening, so many people are dying. So many innocent lives are lost, regardless of their religion or creed. It doesn't matter. But human civilization suffers immense loss.

► Watch this answer · 03:36 · 08 March 2026

Q_3153 What fault did the little children commit?

Answer: Yet, even after seeing this, our mindset doesn't change at all. We just sit idly. This is why the scripture of Bhavishya Malika was written. It is clearly written in it that when a great war happens in the Middle East, at Mecca and Medina, then the sea will submerge the region of Jagannath.

► Watch this answer · 04:13 · 08 March 2026

Q_3154 What is this sign, written in advance, of a war in one religious land and a deluge in another?

Answer: We are moving towards that time. Therefore, as the Earth moves towards this Third World War, the entire world will suffer losses. Whether it's the most powerful country or the smallest country, everyone will suffer in this. It's not that a powerful country will be saved while others will not.

► Watch this answer · 05:06 · 08 March 2026

Q_3155 How can human civilization be protected? How will it survive?

Answer: The most important thing is to contemplate this. 600 years ago, across the four yugas, a scripture was composed in the Jagannath region, which is called the Bhavishya Malika. For about 40 years now, it has been propagated in the Hindi language and also in foreign countries. This is because it is a time of change and a time of grave danger for human civilization.

► Watch this answer · 07:01 · 08 March 2026

Q_3156 When human civilization is at the peak of progress and development, why is there destruction?

Answer: Because, while we have achieved everything, who will bear the consequences of the unrighteous acts (adharma) we have committed? Lord Vishnu is not worshipped. Lord Vishnu is not revered. It is written in the Mahabharata that when the age (yuga) ends, Lord Vishnu will not be worshipped. Other gods and goddesses will be worshipped, but due to the lack of worship of the primordial, eternal Lord Vishnu, humans will go astray and their actions will become corrupt. The fruit of the actions we have committed is now coming towards us.

► Watch this answer · 12:45 · 08 March 2026

Q_3157 What does dharma (righteousness) say?

Answer: First, become a vegetarian yourself. Do not kill living beings. If you kill any living being, you have to suffer the curse that comes from it. It is written in the scriptures that due to cow slaughter, the age of Kali Yuga was reduced by 100,000 years.

► Watch this answer · 15:04 · 08 March 2026

Q_3158 Who will suffer for the sin of mistreating cows?

Answer: Who is suffering? Don't ever think that a war is happening in the Middle East and it has nothing to do with us. The sorrow that people experience there is the same sorrow that is going to come to our country as well. We will find protection from it through dharma, and nothing else.

► Watch this answer · 17:02 · 08 March 2026

Q_3159 Is it not a sin to leave the parents who gave us birth in old-age homes?

Answer: Yes, although not everyone has done it. You who are listening may not have done it, but such sins happen in society, don't they? The consequences of this sin will have to be faced. Therefore, we must learn the biggest lesson. What is happening abroad today, people are wandering hungry and thirsty not for a day, but for 15-15 days. They don't have water to drink.

► Watch this answer · 21:16 · 08 March 2026

Q_3160 What lesson should we learn from the suffering of people in war-torn areas?

Answer: From this, we should learn the biggest lesson. We must change our actions (karma). If we don't change our actions, our situation will also become the same in the future. Because this is a time of change for the whole world, not just for the Middle East, not for Europe, not for the Asian continent. It is a time of epochal change for the entire world.

► Watch this answer · 21:54 · 08 March 2026

Q_3161 What will be gained from fighting amongst ourselves?

Answer: It will be difficult for human civilization to survive. At this time, instead of going here and there, we must protect dharma and pray for the welfare of all. And the war that is going on in the Middle East may continue for more than a month. But there will be some solution in which the war will also stop, and after that, the time will come for this war to happen between Pakistan, India, and China.

► Watch this answer · 24:14 · 08 March 2026

Q_3162 What is this great grace of God you speak of?

Answer: The war that was supposed to happen between India and Pakistan, for which many countries were going to use their power against India—those countries are now destroying their own power for their own protection. By God's grace, their power is diminishing. They will not be able to fight against India with their full strength. God is continuously reducing their power.

► Watch this answer · 25:43 · 08 March 2026

Q_3163 But what will be the result of the Third World War?

Answer: This is also written in the scriptures. The result of the Third World War will be the establishment of Sanatana Dharma throughout the world. No country will remain a superpower. This will be its outcome. The countries that think they can conquer the world with their power and destroy India's economy, fight with India, and achieve victory over India... look, in all four yugas, no one has been able to conquer India. India has always been an unconquerable territory. So, the result of the Third World War will be that Sanatana Dharma will be established all over the world. Small states will be formed all over the world, and India will be the main country. After the Third World War, India will become Akhand Bharat (undivided India), in which all regions of the Asian continent will become part of India.

► Watch this answer · 27:26 · 08 March 2026

Q_3164 What will be gained by getting trapped in 'I' and 'mine'?

Answer: Therefore, everyone should worship Lord Vishnu. Follow the Trikal Sandhya. Chant the name of Madhav and read the Bhagavata so that you can protect your own life and your family. Because the path to protection is also written, and the timeline is also written.

► Watch this answer · 29:33 · 08 March 2026

Q_3165 Are we not getting a sign from the drop of blood in the Jagannath temple?

Answer: Yes, we are. Be less happy, joke less. Don't laugh too much. The time of doom (Kaal) is coming. What is the need to laugh? I go on the road, in a car, and people laugh so much while talking. Nowadays, children and even senior people do. What is the need for this laughter when the Earth is heading towards destruction?

► Watch this answer · 33:18 · 08 March 2026

Q_3166 What is the need for this laughter?

Answer: When the Earth is heading towards destruction, the greatest tradition is to speak as little as possible and stay in the refuge of God as much as possible. At this time, do not laugh and joke. Do not kill living beings. Do not consume alcohol and meat. Do not eat eggs. Do not covet what belongs to others. Do not lie. If you have the ability, help others.

► Watch this answer · 33:41 · 08 March 2026

Q_3167 If you don't follow the scriptural rules, how will you find welfare?

Answer: Therefore, you should perform Trikal Sandhya, chant the name of Madhav, read the Bhagavata, donate the Bhagavata, serve mother cow, worship Tulsi Devi, and follow the fundamental traditions of Sanatana Dharma for the welfare of human civilization. In this, we will find our protection. And in 2034, Satyayuga will arrive; this will not change either. In the meantime, human civilization will face 64 types of diseases, and the great Third World War will begin, leading to a major transformation of human civilization. Time is not in our hands. At this time, hold on to dharma and do good deeds.

► Watch this answer · 37:27 · 08 March 2026

Q_3168 Jai Jagannath, Pandit ji. In your first Bhavishya Malika, you were the first person to write that whenever a mishap occurs in the Jagannath temple, the same will be reflected throughout the world. We saw signs before Corona, and then Corona came. Similarly, on the 8th, bloodstains were seen; on the 7th, an inauspicious bird; on March 5th, a vulture; on March 4th, a fight among priests. So many incidents have occurred in just one month. Someone has asked, does this mean a very big sign is appearing from this year itself?

Answer: Absolutely, from this very year. Look, the Earth is moving towards a world war, and a large number of human lives will be lost, and wealth and life will be destroyed. This is a sign from the Jagannath temple for the entire world. So, the sign that is being received from the Jagannath temple indicates that the Earth will definitely move towards a Third World War, and there will be a very terrible situation. And in the future, more signs will also be received from the Jagannath temple. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 38:35 · 08 March 2026

Q_3169 A mother has asked, 'Jai Shri Madhav. A person who cries has not transcended Maya (illusion). Does this mean that crying for the Lord also falls under Maya? It happens with us. When we cry, we can't stop crying while taking the Lord's name. We only stop crying when we remember Maya.'

Answer: Look, one who cries in devotion to God is the most blessed, and those are called tears of joy (anand ashru). The person who sheds such tears also receives God's grace. Because one doesn't cry for God; one laughs. That crying is called bliss. But those who cry because of Maya—for their property, their family, their ego, their anger, when they don't get recognition—they cry, sit, and get angry. Such people attain hell. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 39:53 · 08 March 2026

Q_3170 Jai Jagannath. Avadhesh Thakur ji has asked, 'Jai Shri Madhav, Pandit ji. How and when will people of other religions follow the Trikal Sandhya of our Sanatana Dharma and be able to take refuge in God?'

Answer: Look, before 2032, after 2028, there will be a major, radical change in the world. People from many world religious traditions will adopt the Trikal Sandhya of Sanatana Dharma. They will read the Bhagavata. They will adopt the Sanatana tradition. Because at that time, when diseases come, there will be no cure or protection. Great calamities will come, and there will be no remedy or protection from them. Then, out of fear or for protection, people will adopt the traditions of Sanatana Dharma. By 2034, the whole world will be on the path to becoming Sanatana. This is our thought. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 40:57 · 08 March 2026

Q_3171 Jai Jagannath, Pandit ji. Jyoti Kushwaha asks, 'Jai Shri Madhav, Father. My question is that my spiritual emotion fluctuates a lot on the path of devotion. I believe the Malika to be true and have surrendered myself to the Lord. However, sometimes I feel a lot of emotion and become very restless for the Lord, but at other times, I feel numb.'

Answer: Look, when someone first drives a car, the car swerves here and there. Similarly, until a person's inner self is completely pure, the mind wanders. Sometimes devotion comes, and at other times, worldly and social elements come, and one forgets God. By reading the Bhagavata with full devotion and proper rituals for a long time, this fluctuation in the mind—sometimes feeling devotional, sometimes not—will be resolved. By reading the Bhagavata scripture and performing Trikal Sandhya at the right time, a person can become a single-minded devotee and will be able to remain in God's refuge with complete devotion. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 41:47 · 08 March 2026

Q_3172 Jai Jagannath, Pandit ji. Someone who was supposed to go to Saudi Arabia today called. He was asking if this is the right time to go to Saudi Arabia for a year, if possible. His financial condition is a bit poor, so he is thinking, 'Can we go there for a year?'

Answer: Look, one has to work, but at this very time when a war is going on, and that war will continue for another month to 45 days, going at this time is problematic. God can provide employment anywhere. So it's better to wait. Right now, there are no arrangements for flights. So it is better to postpone this for now. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:06 · 08 March 2026

Q_3173 Jai Jagannath. Pandit ji, a mother has a question: What about the small children whose family members are not on this spiritual path? They are small children, and no one is telling them about Trikal Sandhya. So how will they be saved/liberated?

Answer: Look, all beings have come according to their own karma. It is the responsibility of the parents to teach and recite the Trikal Sandhya to their children. If the parents do not take care of their children, they are small, what can they do? Therefore, for the children who cannot read, the very young children, my request to the parents is that they should follow the Trikal Sandhya and also make their children listen to it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 43:53 · 08 March 2026

Q_3174 Jai Shri Madhav, Pandit ji. Please give me your blessings. I have an exam tomorrow.

Answer: Okay. Chant the name of Madhav. The exam will go well. Jai Jagannath. The exam will go well. Go after chanting the name of Madhav, it will be fine. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 45:13 · 08 March 2026

SESSION 181 · QUESTIONS 3175–3195

L197: भविष्य मालिका से नया संकेत? | Bhavishya Malika Puran | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 30 March 2026 · Watch the full session ↗

Q_3175 How can human civilization be protected?

Answer: This is the biggest question today. The speaker explains that the world is in turmoil, nature's course has changed, there is conflict everywhere, and planetary movements are causing instability. No human is safe. For the welfare of all humanity, he advises everyone to follow the Trikal Sandhya (prayers at the three junctures of the day), read one chapter of the Bhagavat daily, and feed the first roti (flatbread) of the house to a mother cow. He emphasizes that austerity, compassion, and charity are the greatest purities and are of utmost importance.

► Watch this answer · 00:26 · 30 March 2026

Q_3176 And when diseases come, how will we be protected?

Answer: This is the reason we propagate the scriptures. A time will come when medicine will fail and will not work. The only way to be protected is through the tradition of performing Sandhya three times a day. It is written in the scriptures that those who perform Trikal Sandhya have the sins of their countless births burned away, they become free from all sins, their lifespan increases, and illnesses are removed by God's grace.

► Watch this answer · 02:36 · 30 March 2026

Q_3177 So, what is the path to humanity's protection?

Answer: The one and only tradition is performing Sandhya at three times. During times of great calamities like floods, fires, earthquakes, celestial disasters, pandemics, and major world wars, Trikal Sandhya will protect you. That is why everyone is requested to follow Trikal Sandhya every day.

► Watch this answer · 02:57 · 30 March 2026

Q_3178 How will people pass on to the Satya Yuga (Age of Truth)?

Answer: Its one and only tradition is performing Sandhya at three times. We have dedicated that book for the welfare of humanity. It is written in the scriptures that those who perform Trikal Sandhya have the sins of their countless births burned away, and they become free from all sins.

► Watch this answer · 03:03 · 30 March 2026

Q_3179 What is Dharma (righteousness)?

Answer: Dharma is truth, purity, compassion, and charity. Those who serve living beings, mother cows, and the poor and distressed, that is Dharma.

► Watch this answer · 06:20 · 30 March 2026

Q_3180 If someone in the house or family passes away, can we perform Trikal Sandhya at that time? And during that period, is it necessary to give up garlic and onion?

Answer: Absolutely. When a family member dies, or someone in your bloodline passes away, we should stay away from onion and garlic. During that time, oil is also not consumed, so that has to be followed. You can eat food cooked in ghee. Secondly, if someone has died in the house, Trikal Sandhya is a path of devotion and chanting. You cannot go to the temple, but you can sit somewhere and mentally chant the mantra. This is because for 10 days, the soul of the deceased wanders around your house, and the essence of Trikal Sandhya helps the ancestors attain liberation. Therefore, you cannot perform Trikal Sandhya ritually in a temple, but you can sit somewhere and sing it, chant it, or recite it. When someone dies in the house, worship is not performed in the temple, we cannot go to the home's prayer room or read the Bhagavat, but we can chant mantras and names elsewhere. This gives salvation to the departed soul, and they also receive blessings. So, this should be done.

► Watch this answer · 10:02 · 30 March 2026

Q_3181 The situation here in Qatar is a bit bad right now. So, what should we do at such a time? And I have one more question: should one observe the Ekadashi fast during Adhimas or Malmas (intercalary month)?

Answer: Look, whether it's Malmas or any other month, Ekadashi is never stopped. Those who are physically healthy and fit should observe the Ekadashi fast. That's the first thing. Secondly, the situation in Qatar or the Middle East countries will continue for a few more days and then it will stop. Therefore, at this time, you should perform Trikal Sandhya and chant the name of Madhav. Surrender yourself to Madhav, to Kalki, so that Lord Kalki can protect you. The name Madhav can protect you. Trikal Sandhya can become a protective shield for you against major disasters. Just do this and eat vegetarian food. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 11:54 · 30 March 2026

Q_3182 Pandit ji, when there is no food, how will we stay alive?

Answer: Look, such a time has not come yet. That time is far away. We have read in the scriptures, and even now in the Himalayas, there are saints who have not eaten for 10,000 or 15,000 years. They have survived by chanting mantras, which prevents their bodies from feeling hunger. So, when there is no food, people will be able to survive for a year or two by chanting the name of Lord Madhav and performing Trikal Sandhya. Dharma will save you, the mantra will save you, Madhav will save you. So, that time is not now. Don't worry about it. But from now on, follow the Trikal Sandhya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 13:14 · 30 March 2026

Q 3183 I have just started Tri-sandhya, but your guidance says that the Lord will protect those who have been doing it for more than three years. So, will I be protected or not?

Answer: Absolutely. I want everyone to have God's grace and blessings. But perform Trikal Sandhya at the right time. Along with Trikal Sandhya, you must read one chapter of the Bhagavat anytime between 3:45 AM and 12:00 AM the next night. And follow all the rules of Trikal Sandhya. I am not talking about bathing. Wherever you are—at work, traveling, anywhere—just chant the mantra with devotion. You will be protected by it. Even if it hasn't been three years, if you do it at the right time, God will be gracious. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:20 · 30 March 2026

Q 3184 I am 15 years old. Everyone in my family is non-vegetarian, but I am a vegetarian. I secretly perform Tri-sandhya and have been doing it for a month. I have also memorized it. But my family doesn't support me. Will Madhav protect me?

Answer: Absolutely. Bow to your father and mother and be devoted to them. Perform Trikal Sandhya according to the time. Focus on your studies and do not slack in them. Madhav's grace will definitely be with you, and Madhav will also deliver you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 15:17 · 30 March 2026

Q 3185 For the coming time of cataclysm, should we start eating less food from now on, or should we continue to eat normally as we do?

Answer: No, no. I say, at this time, eat as much good food as you want. In the future, after three or four years, the situation will change drastically. So, for now, eat whatever good food you feel like. This doesn't mean eat well every day; it should also be digestible. So eat good food now, as you won't get it later. There is no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:00 · 30 March 2026

Q 3186 When there is darkness for seven days and seven nights, will God take the devotees to a secret place to save their lives, or can people save their lives by staying at home?

Answer: Look, for this, according to our Bhavishya Malika, 16 Mandals (zones/groups) have been formed. For the devotees of these 16 Mandals to live, they will come together to form groups or organizations and live together. My view is that you should stay in contact with the Mandal of the region or state you are in. So that when such a disaster comes, some arrangements will definitely be made by the Lord beforehand, and the devotees will also make arrangements to live together. Jai.

► Watch this answer · 16:37 · 30 March 2026

Q 3187 The people in my house have been doing Tri-sandhya for a year, but they are not feeling any devotion for the Lord in their hearts. Why is this happening? Please explain.

Answer: Look, a temple is not built in a day. A structure cannot be made to stand in a day. The path of Dharma is also very difficult. They have performed Trikal Sandhya for one year. The karma from their past lives is being cut away, and when it is completely gone, then feelings, devotion, and surrender will all come. The most important thing is that they are performing Trikal Sandhya. They will definitely receive God's grace. But do it at the right time. Even if there is no feeling or devotion, chant the mantra on time. You will receive God's blessings through that mantra chanting itself. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 17:32 · 30 March 2026

Q 3188 I am a student. I don't get much time, so I do Tri-sandhya every day. I listen to the audio of the Bhagavat Mahapuran three times. Is this correct?

Answer: Yes, it's absolutely correct. But listening to the audio of the Bhagavat Mahapuran systematically from the first canto to the twelfth canto will suffice. And do the Sandhya as well; it only takes five to seven minutes. Pay full attention to your studies. Bow to your father and mother every day. This is my instruction for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:22 · 30 March 2026

Q 3189 I have migraines, and due to the migraine, whenever I observe any fast, the pain increases a lot. So, can I observe the Ekadashi fast?

Answer: Look, those who have any physical ailment, pain, or minor diseases, it is better for them not to observe the Ekadashi fast. You can definitely attain God and take your life towards the ultimate goal by performing Trikal Sandhya, even without observing Ekadashi. There is no doubt. If your body suffers from such pain, then you should not do it at that time, meaning it would be better not to observe the Ekadashi fast. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:56 · 30 March 2026

Q 3190 Can we perform the morning Trikal Sandhya without bathing?

Answer: Absolutely. I have made this Trikal Sandhya very simple for all people. After leaving your bed, you can mentally bathe in the Ganga by chanting the name of Mother Shri Ganga three times and touching your head and ears. You can sit and chant the mantra without bathing and you will get the full benefit. Even while traveling or at school or college, you can take a five or six-minute break and do it. You will get the full benefit from that as well. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 20:01 · 30 March 2026

Q_3191 We want to ask you that sometimes we miss our morning Tri-sandhya. We don't do it intentionally, it just happens sometimes. You had said that one attains siddhi (spiritual accomplishment) by performing Tri-sandhya for three years.

Answer: Absolutely, that is correct. Try to do it at the right time. If not, pray to Lord Madhav, 'O Lord, give me the strength to perform Trikal Sandhya at the right time.'

► Watch this answer · 20:43 · 30 March 2026

Q_3192 I had heard about Tri-sandhya three or four years ago but started in 2026. While doing it, in 2025 I had to go to Gurgaon for a job. Then at the end of November 2025, my practice stopped because of a heavy workload at the office. Now, I suddenly feel like starting it again. So, if I start it again now, can I do so?

Answer: You can absolutely do it. Look, just as a person eats food and works a job for their life and family, Trikal Sandhya is a priceless element for our body. Through Trikal Sandhya, all of a person's impurities are removed. In the coming times, Trikal Sandhya will become humanity's greatest, priceless asset. Therefore, it is necessary for everyone. If we don't do Trikal Sandhya, how will we reach Satya Yuga? If we don't follow the principles of Satya Yuga from now, the age will change, but if we don't change, we won't be able to go. Therefore, do Trikal Sandhya for your life's protection and also do your job. It only takes 15 minutes in total, five minutes each time. Do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 21:11 · 30 March 2026

Q_3193 Should we give up milk? Because in Kali Yuga, cows are given injections and are pained to extract more milk from them.

Answer: Look, our scriptures do not say to give up milk. In our Sanatana tradition, the mother cow is considered a mother. Yes, nowadays such manipulation happens, which should not. But what can be done? If vegetarians don't drink milk, it will be difficult to survive. Some people's bodies are weak, and it is necessary for them. So, in my opinion, we cannot stop drinking it. But pray to God that this doesn't happen; a big change will come in the future. The mother cow is our mother. Drinking milk is not a bad thing; it's a good thing. You can drink milk. Those who do these things to cows, God will definitely punish them according to their karma. This is the time of Jagannath. In the future, mother cows will be greatly protected. Today, humans are killing cows and other animals, and they will suffer the consequences. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:56 · 30 March 2026

Q_3194 I wake up at 5:00 AM and offer water to the Sun God. But at that time, the moon is visible instead of the Sun God. So, what should I do?

Answer: Look, you should offer Arghya (water offering) to the Sun God half an hour before sunrise. Even if the Sun God is not visible, a red color will appear in the sky. Therefore, you should offer Arghya at that time. Offer it half an hour before sunrise and half an hour after sunset. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:16 · 30 March 2026

Q 3195 I am the only one in my house who believes in God and performs Tri-sandhya. I want my five-year-old son to also walk this path and do Tri-sandhya. What should I do for that?

Answer: Absolutely, I also pray to God that your son adopts Trikal Sandhya. He is a small child, so if he cannot do it, then read it out to him. As a mother, it is your responsibility to have him sit nearby during the Trikal Sandhya time and tell him, 'Son, listen to this.' He will get the benefit from that as well. By listening, he will also start speaking it. Many very young children, two or three years old, also perform Trikal Sandhya. There is a girl in Maharashtra who recited the six-page Narayan Kavach in Sanskrit in front of me. So, show him that example. I will share her video. Show the example of how small children do it. Those children have become divine. And tomorrow, whatever happens, even destruction, God will protect them because they recite the Narayan Kavach. So, make your son listen and show him examples of how other small children perform Trikal Sandhya. Tell him, 'We will not die from this, our studies will improve, we will get the blessings of all our planets, we will become successful human beings, and in the next life too, we can attain God.' Thank you to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 24:52 · 30 March 2026

SESSION 182 · QUESTIONS 3196–3207

L198: 30 मार्च 2026 - जगन्नाथ मंदिर ध्वज पर फिर चील का बैठना - अशुभ संकेत? | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 31 March 2026 · Watch the full session ↗

Q_3196 A question from Preet from Nawada, Punjab. She says her daughter, who is less than two and a half years old, has memorized the Trisandhya in a few days. She wants to make her daughter perform it on time and sometimes scolds her for it. Is it a sin or a mistake to scold her? Should she not be scolded? Secondly, you talk about Agnihotra. How should this yajna (fire ritual) be performed?

Answer: Jai Jagannath. I bless your daughter. It is difficult for people to memorize the Trikal Sandhya even after years, whereas that holy daughter has managed to do it in a short time. This is because powerful souls are now being born on Earth who will work for the establishment and protection of dharma. If your daughter performs Trikal Sandhya, she will have the grace of Lord Vishnu. She should not be scolded for it. However, I advise that she should also do her own work, eat her food, study, perform her duties (karma), and do the Trikal Sandhya on time. In the future, it will be very difficult for human civilization to survive without the Trikal Sandhya. When diseases spread, people will sit and perform Trikal Sandhya 24 hours a day, day and night, because during times of illness, the Trikal Sandhya is the only means of protection from the Divine Mother. So, if she does it, I commend her. As for the Agnihotri yajna you wish for, we have a PDF for it, and we also conduct workshops to teach it to devotees. When our session is organized, you will be informed, and you can come and learn. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 10:09 · 31 March 2026

Q_3197 Priyanka Singh from Haryana asks: 'Revered Pandit ji, my family wants me to study for an LLB and wants to send me to a hostel. I don't want to go because I'm afraid that living in a hostel might cause me to miss my Trikal Sandhya, reading the Bhagavat Mahapuran, and chanting God's name. What would be the right thing to do? Please guide me.'

Answer: Look, we can perform Trikal Sandhya anywhere, be it school, college, or a hostel. And by staying in a hostel, you can also change and uplift ten other people. We should obey what our parents want. Mother is Parvati Devi, and Father is Dev Maheshwar. Our parents are worthy of worship. It is good for us to obey their words. I cannot comment further on this, so obey your parents' wishes. And there, you should also inspire your friends and classmates to follow this sacred path. We have not come for ourselves alone; we have come to uplift the world. May Lord Madhav bless you. Stay happy. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 12:39 · 31 March 2026

Q_3198 Rama Revri from Gujarat asks two questions. First, with which mantra should one offer water to ancestors (Pitu Jal Arpan)? Second, in March, more than 10 signs have been received from the Jagannath Dham in Puri. Is something big about to happen?

Answer: First, I will speak about Pitru Tarpan (ancestor offerings). In the morning and evening, with a pure mind, if you have time, do it after bathing. If you don't have time, then mentally chant the name of Mother Ganga three times, touch your head and ears, and keep a small vessel with you. Fill it with any water. At sunrise and sunset, face the sun towards the south. Take water in your hands and let it flow out from the side of your thumb. Offer this water three times for your ancestors and three times in the names of your family elders. This is called Pitru Tarpan, and it should be done twice a day. Regarding your second question, look, it won't happen in a single day, but big events are already happening in the countries where they are destined to occur. Disease is spreading in America. A sign at the Jagannath temple doesn't mean disaster will strike only India; it will affect the entire world. And I state this categorically: the countries with more sin, arrogance, and pride will have their pride shattered by God. Lord Kalki, Lord Jagannath, will bring ruin to those who harm others. So, big things will certainly happen in the world, but for India, it is a time of relief. People should turn to Trikal Sandhya and devotion to God. Gradually, the time will come for India as well, but other countries will face many disasters. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 14:05 · 31 March 2026

Q_3199 Gulshan Singh from Nepal asks: What does the future hold for Nepal? Will the youth leadership be able to lead the country in the right direction? Balendra Shah ji has become the youngest Prime Minister of Nepal at just 35. What will Nepal's future relationship with India and China be like?

Answer: Look, Nepal is a land of dharma, located in the Himalayan region, and it has always been so. There is a strong connection between Nepal and the Jagannath temple. Our tradition in Odisha, the Jagannath tradition, is also connected with Nepal. The current youth leadership will certainly try to preserve the purity and integrity of an undivided Nepal. However, I will not reveal everything, but I will say this: a time will come when the relationship between India and Nepal will change. The bond will grow stronger, similar to the marriage between Mother Janak Nandini and Lord Ram. Currently, there is chaos throughout the world due to the alignment of planets and stars. This situation is not unique to Nepal; it exists in many countries and will happen in others too. Therefore, do not focus on these things. Perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, and chant the name of Madhav. The entire world will change, not just Nepal. The devotees will be saved. Satyug (the Age of Truth) will arrive in 2032. So, there is little time. I do not know who will rule and who will not, but Satyug will definitely arrive. This is my belief. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 16:44 · 31 March 2026

Q 3200 A mother asks: 'Jai Shri Madhav. Revered father, my salutations. I have been connected with this spiritual path for five years, but I am unable to find a good job. I face rejection wherever I apply. I am very distressed. Please guide me.'

Answer: Okay, mother. For one month, every day before you sleep, chant the name of Madhav 108 times. And pray to Lord Vishnu and Mahalakshmi for a job. Keep doing this for three months, and I believe you will get a job within that time. But you must also keep trying and making an effort. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 18:49 · 31 March 2026

Q 3201 Gaurav Prajapati from Madhya Pradesh asks: 'I have heard that Maya (illusion) cannot affect those who take refuge in God. Then how did Jaya and Vijaya, deluded by Maya, disrespect the Sanaka sages? Why did they fall from Vaikuntha?'

Answer: Look, no one can explain the divine play of God. If Jaya and Vijaya had not been cursed, how would the demon empire have been destroyed? They were born into a demon clan, and after their birth, they brought all the demons together, leading to their collective death and the destruction of the demon civilization. If they had not united all the demons, establishing dharma would not have been so easy for God. Divine illusion (Brahma Maya) and material illusion (Bhautik Maya)—nothing happens without God's will. The action of Jaya and Vijaya was merely to stop the sages, but the curse the sages gave was under God's control. One does not receive such a severe curse just for stopping someone. But if they did not descend to the mortal world, how would the demons be destroyed? So, to destroy all the demons, God sent his own people as demons. This establishment of dharma happens in every age. It is God's will. For those who are surrendered to God, sometimes even nectar can taste bitter. Even those who live close to God can develop arrogance and pride, thinking, 'We are with God.' A person reaps their own karma. God's law is not obstructed by this. If we are sitting with God, we must give the respect that is due to others. Humility is essential; arrogance should not be there. So, this was the karma of living beings, the karma of Jaya and Vijaya. What does God have to do with it? Jai Jagannath.

► Watch this answer · 19:38 · 31 March 2026

Q 3202 Supratim Goswami from Assam asks: 'Gurudev, will the state of Assam be included in the 16 Mandals (regions) or not?'

Answer: Yes, among the 16 Mandals, the Kamakhya Devi Mandal of Assam is one of them. It is included. That Mandal is currently active within the 16 Mandals and will continue to work in the future. According to the scriptures, the Assam Maa Kamakhya Devi Mandal will work towards the establishment of dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:05 · 31 March 2026

Q_3203 Karishma Sharma from Jaipur asks: 'When we do Trisandhya and chant God's name, my body starts to move. I feel a pulling sensation on my third eye, my legs and waist go numb, and I can't open my eyes. What should I do?'

Answer: This is a very good sign indeed. A divine influence is present. Pray to Madhav, saying, 'Lord, please let me perform the Trikal Sandhya. If the influence becomes too strong, how will I manage?' This happens due to the influence of deities, which causes vibrations in the body. Tears flowing from the eyes, frequent yawning, and a strong sensation in some part of the body are common during Trikal Sandhya due to this divine influence. So, don't worry. Continue doing it; it is a state of bliss. If it doesn't happen, tell Madhav it's alright. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 22:36 · 31 March 2026

Q_3204 This question from Virat is a common one for many people who work or study. He is a college student who can perform the Trisandhya in the early morning and evening, but misses the afternoon one because he is at school. Secondly, he cannot perform Havan (fire ritual) without his parents' permission. How can he perform both of these practices correctly?

Answer: My son, you are performing Trikal Sandhya, and for that, may God bless you. I will say this: there is no need to perform Havan right now. For those who cannot perform the midday Sandhya, I will give you a shloka. Record this shloka. If performing the full Trikal Sandhya is not possible, chant the name 'Durga Madhav' 10 times. Then chant the name 'Madhav' 108 times, which will take about a minute. And I will recite a shloka. Reciting this shloka will be equivalent to the shloka of the 10 avatars. [He recites the shloka: 'Veda dharate, jagannivate, bhugol mudbhibhrate, daityam darayate, balim chalayate, kshatrakshayam kurvate, Paulastyam jayate, halam kalayate, karunyamatanvate, mlechchhan murchhayate, dashakrutikrite Krishnaya tubhyam namah... Shri Radhika Vallabhaya namah... Shri Kalki Devaya namah.'] Just chanting this mantra, which I sang slowly, will take only one or two minutes to complete. Jai Jagannath to all.

► Watch this answer · 23:37 · 31 March 2026

Q_3205 In the books published by Gita Press, Lord Krishna, an avatar of Lord Vishnu, is described as the eighth avatar. However, many consider Lord Krishna to be Lord Vishnu Himself. Which is correct? Please guide us in detail, revered father.

Answer: Lord Krishna is Lord Vishnu. He is not the eighth avatar; He is the source of all avatars. The creation of every avatar originates from Lord Krishna. Lord Krishna is Mahavishnu. On the material plane, or according to our era (yuga), if it is written somewhere in the scriptures that He is the eighth avatar—though I have not come across such a view—that may also be true. But Lord Krishna is the original source of all avatars. He is Mahavishnu, and all avatars are created from Him and merge back into Him. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 25:51 · 31 March 2026

Q 3206 Rishikesh ji from Maharashtra asks: 'Revered father, how can one chant God's name continuously? After a while, my mind wanders, and I am unable to maintain continuous chanting. I get lost in my own thoughts.'

Answer: Every night before you sleep, chant the name of Madhav 108 times and say to the Lord, 'Lord, please make my mind steady. I take refuge in you.' And you will see, it will certainly happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 26:54 · 31 March 2026

Q 3207 This person has not given their name. They ask: 'Revered father, I am unable to quit certain wrongdoings. I repeatedly make the same mistakes, even though I am following the spiritual path. Please guide me.'

Answer: Look, the guidance is this: at this time, everyone should perform Trikal Sandhya on time. I have been preaching for 40 years, and so far, there has been very little change. People should stop acting on their own whims now. They should perform Trikal Sandhya and read the Bhagavat. The times ahead will be a challenge for us; a time of testing will come. Before that test, prepare yourself, work for your own salvation and for the salvation of the world. Thank you, everyone. We will end today's discussion here.

► Watch this answer · 27:28 · 31 March 2026

SESSION 183 · QUESTIONS 3208–3224

L199: परमाणु महाविनाश से मानव का रक्षा सूत्र क्या है? | Bhavishya Malika | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 03 April 2026 · Watch the full session ↗

Q_3208 What is the path to protect humanity from nuclear destruction?

Answer: I have read all the future scriptures and the eighteen Puranas, and in them, I have seen one truth: for humanity, Trikal Sandhya (the three-times-a-day prayer/meditation) is the most significant tradition. If a third world war happens, it will not be like the previous wars. In the third world war, nuclear weapons will be used because that is what remains. To protect humanity from nuclear weapons, Trikal Sandhya is the most important element. This is because we are in the age of machines (Jantra Yug), and the effect of machines is manifested through nuclear power. However, the power of mantras (Mantra Shakti) can save human civilization from the calamity of machine power. Therefore, I repeatedly say that if this human civilization can take refuge in Lord Maha Vishnu and follow the principle of Trikal Sandhya for salvation, then no matter how great the disaster, how big the problem, or even how severe the nuclear attack, humanity can be saved through Trikal Sandhya. It is written in the scriptures that when devotees chant the Lord's name, no bullet or missile can harm them. Trikal Sandhya is that 'name' (practice).

► Watch this answer · 01:16 · 03 April 2026

Q_3209 You might ask, if there is a nuclear attack, can Trikal Sandhya really protect us?

Answer: In my opinion, to this day, no element has been invented for protection against nuclear weapons. Man created the atom bomb but could not create a protective formula against it. That is why the scriptures say that those who adopt this supreme and most sacred path of Lord Vishnu will be saved even from great destructions like a nuclear holocaust. Trikal Sandhya is the one supreme element that has the capability to protect humanity, and there is no mantra greater than it. We are moving towards an age of mantras (Mantra Yug), and Trikal Sandhya is the supreme mantra of that age. Therefore, I want to tell all of human civilization and all devotees to practice Trikal Sandhya every day.

► Watch this answer · 03:48 · 03 April 2026

Q_3210 In the prophecies written in the Bhavishya Malika, what is mentioned about the modern era's fuel, petrol, and gas? Is an era of shortages or very high prices coming? And what will be its effect on the common people?

Answer: See, the most important thing is that this era of Kali Yuga is called the Jantra Yug, the age of machinery. All machines run on electricity, diesel, petrol, and other fuels. However, in the coming Mantra Yug (age of mantras), these will not be necessary. In Satya, Treta, and Dvapara yugas, there was no petrol or diesel. In the future, things like petrol, diesel, and kerosene will probably not be needed, and their availability will be minimal. The government will keep them in reserve for their own use, for war, and for emergencies. I have read in the scriptures that a time will come when large vehicles, cars, trucks, and buses will all be left standing on the roads. Fuel will not be available. We don't need to panic about this now; it will happen in due course. When God destroys one element, He creates another. So, this is not for us to worry about; it is God's plan. If the power from petrol and diesel goes away, another power will emerge that will be easy, beautiful, and a better method for humanity's use.

► Watch this answer · 09:02 · 03 April 2026

Q_3211 Pandit ji, is it necessary to bathe twice before offering Arghya (water offering) to the Sun? And what are the rules for offering Arghya? Please explain.

Answer: Look, for those who perform Surya Tarpan (offering to the Sun) or Arghya to ancestors, bathing is necessary. If you are unable to bathe at that time but have bathed in the morning, you can keep a small bottle of Ganga jal (Ganges water) with you. You can sprinkle the Ganga jal on yourself and then offer water to the Sun God from a small vessel. You can also offer it to the ancestors. The water offered to the Sun God has two shlokas (verses). The morning shloka is: 'Ehi Surya Sahasramsho Tejorashe Jagatpate, Anukampaya Mam Bhaktya Grihanarghyam Divakaram.' Offering Arghya to the Sun God increases a person's lifespan, bestows the grace and blessings of the nine planets, destroys planetary afflictions, and makes a person knowledgeable, powerful, and free from diseases. For the ancestors, the Arghya should be offered facing the south. You should take water in your cupped hands (Anjali) and release it towards the south, letting the water flow over the side of your thumb. This should be done three times for the ancestors. For the Sun God, it should be done seven times. The shloka for offering Arghya to the Sun God in the evening, at sunset, is: 'Sandhyam Kashyapamatmajam Sarva Papa Pranasanam, Grihanarghyam Maya Dattam Divakaram.' With this mantra, offer water to the Sun God seven times from your palms in the evening. For the ancestors, offer it facing south. When offering water to the ancestors, you should chant 'Om Shri Pitra Devaya Namah' three times. If you want to offer it to your father, mother, or other relatives, you should say their names and offer it three times for each.

► Watch this answer · 11:23 · 03 April 2026

Q 3212 I am practicing Trisandhya and reading the Bhagavata, yet I feel that my faith in Lord Vishnu is weak. I want this faith to increase. What more can I do to receive His grace and also increase my faith?

Answer: My thought is, if you feel your devotion to God is lacking, it's very good that you are doing Trikal Sandhya. Every day before you sleep, repeatedly read the Gopa Leela from the 10th Canto (Dasham Skandha) of the Srimad Bhagavatam in its entirety. Through this, you will gain devotion towards Lord Vishnu and Krishna.

► Watch this answer · 14:11 · 03 April 2026

Q 3213 I perform Sandhya all three times and make all the offerings. I have lost my job. I don't understand what to do. Please guide me.

Answer: Look, the reason for losing your job could be a Mangal dosha (an astrological affliction related to Mars). For this, you should do one thing. During the three Sandhya times, chant the name of 'Madhav' from 108 to 216 times. At night, before sleeping, read the 12th chapter of the 11th Canto (Ekadash Skandha) every day for at least three months. This will bring you auspiciousness, and you will find an opportunity for a job.

► Watch this answer · 15:12 · 03 April 2026

Q 3214 I have a small, naive question. Is there a possibility of board exams happening in February 2027?

Answer: Board examinations will continue until 2032-34, and they may not stop even after that. Education will never stop. War is a different matter, but education will never cease. So, the exams will happen in 2027; that's not new. They will happen in '27, '26, '28, '29, '30, '31, '32, '33, '34, and possibly beyond. We should not worry about this. They will absolutely happen because the education system will continue until this civilization ends. So, don't think about it.

► Watch this answer · 15:58 · 03 April 2026

Q 3215 Should one eat garlic and onion or not while performing Trikal Sandhya, or should one give them up?

Answer: Look, garlic and onion are rajasic foods. This food makes a person agitated, meaning it creates heat in the body. If you can give it up, that is good. But after 2032, in my opinion, people will give it up completely anyway.

► Watch this answer · 17:07 · 03 April 2026

Q_3216 How can I control my anger? How can I make myself calm? And I am unable to chant the name of Madhav continuously. How can I chant continuously? Please guide me.

Answer: Look, anger is the biggest sin. When anger remains in your body for 24 minutes, it converts into sin. Therefore, the scriptures say that if you get angry, you should end the anger within two to three minutes. If anger stays in your body, it not only destroys your body's organs but also converts into sin. In Yamapuri (the realm of the god of death), there is a description of 22 hells, and there is a hell for those who get angry. So, never be angry. Anger leads a person to hell. Therefore, do not do it. Chant the name of Madhav. Before sleeping at night, chant the name Madhav 280 times. This will bring a change. Perform Trikal Sandhya on time. Read the Bhagavata. With time, the anger will also disappear, your senses will be subdued, and by subduing your senses, you can progress towards spirituality.

► Watch this answer · 17:41 · 03 April 2026

Q_3217 Pandit ji, I am very sick. Even medicine is not helping. I also perform Sandhya. I am a college student. My studies have been ruined, and I am unable to go to college. Please guide me.

Answer: I would say this: due to your illness, if you are unable to study, you should perform Trikal Sandhya on time. Also, every day before sleeping, you should read all the shlokas (verses) of the Dashavatara (Ten Incarnations) once. After waking up in the morning, apart from Trikal Sandhya, read them one more time. And in the afternoon, chant the name 'Madhav' an additional 108 times (on top of the 108 times in Trikal Sandhya). Do this for three months and pray directly to Lord Vishnu, to Madhav, 'O Lord, protect me from this illness, which is due to my past life's karma.' Do this for three months.

► Watch this answer · 19:03 · 03 April 2026

Q_3218 Which Mandals (regions/zones) are there in South India? I know of one, the Rameshwar Mandal. Are there any other Mandals in South India besides this?

Answer: See, according to our Bhavishya Malika scripture, 16 Mandals will become the blessed regions of Lord Kalki Mahaprabhu. In the southern direction, there is one Mandal called the Rameshwar Mandal. The Rameshwar Mandal includes Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Tamil Nadu, and Kerala. However, in the future, a Padmanabha Mandal and a Venkatesh Mandal will also be formed. These will be smaller Mandals that will work under the Rameshwaram Mandal. Yes, even now, devotees in all states are performing Trikal Sandhya. If needed, you can get their contact numbers from the number in the description below.

► Watch this answer · 20:19 · 03 April 2026

Q_3219 It has been a year since I started doing Trisandhya, but whenever I watch one of your new videos, I get very scared and can't sleep. So my question is, why isn't the fear going away despite doing Trisandhya, chanting the name, and reading the Bhagavata Mahapurana?

Answer: Look, fear is a mental disorder that arises from attachment to the senses and material things. Those who are fond of material things feel fear. If we fulfill our desires for material things like food or work, we might not feel fear, but the attachment to the material world is the cause of fear. Due to attraction towards the material world, a person feels fear for the protection of their life, family, home, and body. The material world is an element we should not worry about. The God

who gave us birth thinks about it. So, if you feel fear, I suggest you chant the shloka of the Narasimha avatar from the Dashavatara: 'Tava kara kamala vare nakham adbhuta shrngam, dalita hiranyakashipu tanu bhrngam, keshava dhrta narahari rupa jaya jagadisha hare.' Recite this verse ten times each during the morning and evening Trisandhya. In my view, all fear will disappear. Look, I propagate this, and I sleep, eat, and drink in bliss because I have no material thoughts. Whatever happens to the world, to all my property, my house, I have no concern. This is because I have no attraction to the material world. The mind is attached to material things: family, relatives, property, education. Don't think about the future. Just perform your karma (actions), and God gives the results. The results come on their own. Those who are engrossed in the material world feel fear. Those who are above the material, who live in the divine element, have no fear. You are doing Trikal Sandhya. In Trikal Sandhya, the senses are subdued. In Trikal Sandhya, all fears are broken. All worldly bonds are cut. So why the fear? Do it on time and recite the hymn to Lord Narasimha as I mentioned.

► Watch this answer · 21:30 · 03 April 2026

Q 3220 I am a 16-year-old student. I am a vegetarian, have been offering Arghya to the Sun since childhood, and I also feed roti to mother cow. You had said that Trikal Sandhya is perfected (siddha) in three years. By that calculation, mine will be perfected in 2029. Please tell me a way to perfect it sooner.

Answer: I thank you and also give you some advice. Bow down to your parents every morning and evening. Your Trikal Sandhya will be perfected. Bow to your parents and also perform Trikal Sandhya on time. Do not lie. Study according to your schedule. With the blessings of your parents, your Trikal Sandhya can be perfected.

► Watch this answer · 24:00 · 03 April 2026

Q 3221 I have been wearing a Tulsi mala for six months. At home, I prepare prasad with onion and garlic. Will I incur any sin from this? And when can I give it up completely?

Answer: That is perfectly fine. Perform Trikal Sandhya. There is no restriction on eating onion and garlic right now. When the Satya Yuga arrives, everyone will give them up anyway. For now, there is no need to stop. If your entire family eats it, you can also eat it with them and prepare it. There is no sin in that.

► Watch this answer · 24:55 · 03 April 2026

Q 3222 I have been doing Trikal Sandhya since June 2025. You say that not a single person will be saved who doesn't do Trikal Sandhya. I do it, but when I do, while meditating on the Lord, thoughts of household chores and other things come to my mind, which breaks my concentration. I try to focus again, but will the mantra still work if I perform Trikal Sandhya this way?

Answer: It will absolutely work. The chanting of mantras purifies the glands of the human body. Continue doing Trikal Sandhya. Distractions and thoughts about social, current, family, and worldly matters come to mind due to Maya and the senses. But with time, after practicing Trikal Sandhya for some days, all this will gradually end. Then you will attain devotion to God. If you want to attain more devotion, read the 10th Canto of the Srimad Bhagavata Mahapurana for five minutes before sleeping.

► Watch this answer · 25:43 · 03 April 2026

Q 3223 How should one meditate on the Bhagavata Mahapurana? What is the method? Actually, how should one read it?

Answer: The method for the Bhagavata Mahapurana is this: you can read it anytime from 3:45 AM to 12:00 AM. You should bathe, or mentally perform a Ganga bath, and wear clean clothes to read the Srimad Bhagavata Mahapurana. If you are reading from a phone, laptop, or tablet, you can read it after mentally performing a Ganga bath. If you are reading from a physical book, you should wash your hands and feet and sprinkle Ganga jal or mentally perform a Ganga bath. The procedure is, if you are reading at home or in a temple, light an incense stick, offer a flower in Lord Vishnu's name, and after meditating on Him by chanting the mantra 'Shuklam Baradharam Vishnum Shashi Varnam Chaturbhujam...', you can read the Bhagavata. If you are not at home, but outside for some work and reading on a device like a phone, you can read it after mentally performing a Ganga bath.

► Watch this answer · 26:53 · 03 April 2026

Q 3224 The question is from the army. If someone from the army attains martyrdom (Veer Gati) while fighting in a war, and they were practicing meditation on the Lord and Trisandhya, what will be their fate? Will they remain in the shelter of the Lord? And will everyone, even those who have become Vaishnavas, have to fight?

Answer: Look, according to the times, everyone may have to fight. The scriptures say that those who attain martyrdom in battle are reborn again after receiving the fruits of their karma. According to their karma, those who attain martyrdom for their country or their king... I cannot speak about this in detail. I will share my personal views, because this is a public question, and fighting happens in every country, on the borders. Our brave soldiers fight. I cannot discuss this question in such detail here. However, I will say this much: those who make a sacrifice for their country have God's grace and blessings. If they also perform Trikal Sandhya, they too can progress towards salvation. Thank you all.

► Watch this answer · 28:33 · 03 April 2026

SESSION 184 · QUESTIONS 3225–3235

L200: बड़ा संकेत! जगन्नाथ मंदिर पर चील, श्री मंदिर के ऊपर लाल आसमान 😱 | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 15 April 2026 · Watch the full session ↗

Q 3225 (Opening discourse) The 200th Google Meet — the signs at the Jagannath temple (vultures/kites on the temple, red sky over Shri Mandir), what dharma really is, Trisandhya and Bhagavat, and the coming yuga change

Answer: If there is any most sacred, most benevolent element, it is the shastra of our Sanatan Dharma tradition. If we study the shastras fully — the Ashtadasha Purana (eighteen Puranas), the Bhavishya Purana — then all the elements about India's past, about the history from before history itself was composed, about the present and about the future, we will get from there itself. But the reason for concern is that this is neither reflected upon, nor does anyone read it and propagate it. Since I composed in the Bhavishya Malika shastra about the future of the world — about the upliftment of human civilization, about the coming time, and about the change of time until the creation of the Nava Yuga (new age) — this was a great grace of Bhagavan upon me, and it is also a great grace upon human civilization. Forty years ago when I said that Kali Yuga has ended, that a new yuga will be created, that dharma will be established, that the upliftment of man is necessary, that the liberation of man is necessary, that a change in man's karma, conduct, speech, deeds, thoughts, food and lifestyle is necessary — nobody understood. For this I received many phone calls in which people abused me, troubled me; people came after me in every way, they did not let me sleep or sit. In between I did online meetings, and then left them off for this very reason. And now, by the grace of Bhagavan, we do propagation, and human civilization accepts it, tests it, and finds proof of it too. Through this medium, all the elements about the coming future, the present, and about upliftment have today been propagated for humanity. Earlier I was propagating alone. Today in India, in the world, many shastras, many tattvas, Vedas, many channels propagate it. On this basis, by the grace of Bhagavan, the Bhavishya Malika was composed, which was composed by the Nitya Pancha Sakha (the five eternal companions). There are many lakhs and lakhs of granthas; taking the one core essence out of them that is necessary for human civilization, I composed the Bhavishya Malika Purana. In that same stream of thought, today all over the world these sacred tattvas of the Pancha Sakhas of the Jagannath culture are propagated — this is beneficial for man. There is nothing strange in it. In it man will be uplifted; man will know the coming time beforehand and will be able to take precaution for it. And in my view, all the 'predictions' of Kali Yuga are of no use for this. There is one single prediction: if dharma increases, then the effect of all the problems coming into the world will lessen. Today, if people in every village and every home read the Bhagavat and do Trisandhya (the three-times-daily sandhya), then in my view whichever village, whichever country, whichever state does this, that very region will become a protected region in the coming time, and there will be no problem in that region. I have read in the shastra: when dharma increases, the happiness, peace and lifespan of man in the world increase. If dharma decreases, man has to suffer, and lifespan too decreases. Nature has given us a limitation; in the nature which Bhagavan created, He too placed a limitation, and the limitation is this: compassion towards all living beings — there should be compassion toward all jivas; do good to others — that is dharma. Do good to others, help others. In 'others' can come animals and creatures, nature, other human beings, and in 'others' can come every element of our world. And sattvik food, staying away from killing of animals, and doing good to others — this will establish man in a dharma-filled world where happiness, peace and all the elements of bliss are available. That is why, today, when I was coming by road — there was a katha in Udaipur, tomorrow's katha, and I was coming to Delhi — at that time this thought came to me: man does not understand anything;

the means of happiness does not come by giving sorrow to others. The means of happiness comes when we do good to others, do welfare of others, help others. Then in my view man obtains the means of happiness. For how many days will we do killing of animals? For how many days will we cheat others? For how many days will we keep deceit and fraudulent thinking? For how many days will we do injustice? For how many days will we not accept Bhagavan's Vedas and the sacred stream? For how many days can we stay away from Bhagavan Vishnu? This is not possible. Its result we are suffering today. There is still time. Even at this time, if the world follows dharma and listens to the talk of dharma — and about dharma I say two things: first, do good to others; second, do not kill living beings. This is dharma. There is nothing more in the definition of dharma; two things have to be followed. And never think ill of anyone. And when you ask Bhagavan, ask for the world, because He is the giver; if we ask for the world, in that we, our family, our kinsfolk, our country, our world will all receive — and Bhagavan is such a giver. The limit of man's arbitrariness has been crossed. Day and night men do not listen, they kill animals. At two o'clock at night they wake sleeping creatures, bring them and eat them. And not only that — men burn creatures alive, and even after burning them alive they eat them. Burning live creatures happens less in our country, but it happens most in China, Indonesia, Thailand and European countries. Because this is sin. Helping others: someone is poor, someone is in distress, destitute — if he is walking on the path of truth, if he has sattvik qualities, such people should be helped first. And second, needy people who have no support at all — them. Bhagavan, who sent us into this world, who created this nature, who created this earth, the brahmanda, the koti brahmandas, who established the sun, moon, planets and nakshatras, who created water, air, fire and space, and by whose grace crops grow in the fields, wheat and grain grow and we get food — at least sometimes we should express gratitude: 'Prabhu, by Your grace we are saved.' Even this is not there. And all men think our money is our greatest wealth. But artha (money) is never wealth; dharma alone is wealth. One who has dharma will not have untimely death. One who has dharma will never have to be unhappy. One who has dharma will never have to go to the hospital and get injections while lying on a bed. Because dharma is always secure and the greatest sacred system that gives man bliss. By doing sin we will not get bliss. Today everyone is in trouble, the whole world is in trouble, every day some problem — whatever becomes breaking news, every news becomes breaking news. And at this very time, today the 200th Google Meet online meeting is completed. I have been coming online since about 2018, from 181 — but I get little time, because I roam village to village in the country for dharma prachar, and for this reason I get little time and cannot come to the online meetings. But Jagannath ji's grace is great; it is His blessing. Even today I wish that there be worship of Jagannath ji in your home. Do puja of Jagannath ji. Do puja of Bhagavan Vishnu. Read the Bhagavat, do Trisandhya. Do not fear anyone — the fear of death will go first. And in my view, those who do bhajan of the name Madhava, no bondage of birth and death will be able to devour them; they can be protected from all the great calamities. So there are many such lines of thought which we will have to take up. At this time we are seeing change in the world, change in nature, change in man, change in the world. A time will come — I have discussed this with you before — when nobody will accept the United Nations and it will break apart. A time will come when NATO will be divided into two parts. A time will come when great powers will come and stand in support of India. A time will come when, for the protection of man, the influence of the devatas will expand. And a time will come when people doing good karma will become greatly blissful. So time has not yet slipped from our hands. Time is still in our hands. If we do good karma from now on too, then also it is my view and belief that the calamity coming upon the world can be stopped. The world war coming from the side of the world, the cosmic pralaya coming from the side of the world, the calamity of the pancha bhutas (five elements) coming upon the world — that too can be averted if we adopt dharma. And what is dharma? Again I say: doing good to others, and vegetarian food, compassion towards living beings. See — one who has compassion towards living beings eats vegetarian. So compassion for jivas and doing good to others. Therefore, to all of you who are listening, my request is: definitely do Trisandhya, read one chapter of the Bhagavat, and whenever you get time, at every moment, definitely do bhajan of the name Madhava — do it in the mind; it is not necessary to chant aloud, do it in the mind. If you do so — this is my view and my experience of many days, of what I have seen in the world — your

great welfare will happen. I have no guru parampara, nor have I made anyone a disciple, because I have this knowledge that Thakur ji is coming in the coming time. Kalki Bhagavan is coming. If Kalki Bhagavan is coming, then you people will make Him your guru. When Shri Ram came, all the people of Ram Rajya made Ramachandra their guru. Now when Kalki Bhagavan comes, you will make Him your guru. That is why I have not made anyone a disciple, have not joined anyone to a parampara. But the propagation of the shastra I do with a selfless feeling, that is, I have seen no discrimination — no caste, religion, varna, Hindu, Muslim, Jain, Christian, Buddhist; no sectarian ideology. Only one ideology: the welfare of humanity; and that by which man will be benefited, in which Bhagavan's sacred power will uplift man and show grace — that alone is the one tattva. Because I have written in the shastra, Sanatan says the whole world is one family and we are each members of it, which we call Vasudhaiva Kutumbakam. This is the one dharma which says: may the world be blessed, may Gau Mata be protected. The dharma which speaks of the welfare of the world is our Sanatan. In this tradition Bhagavan created the creation, and we as Sanatanis follow this tradition completely. For us there is no discrimination. I want to say to the whole world: this disease of war that has caught the heads of nations — they too will not find protection in it. Therefore, protect yourself and also protect the brahmanda. War is never the formula of solution. War is an element of destruction; in that destructive element we have seen in past history that many, many great civilizations were wiped out. And such a time is running now. In planetary yoga it is shown: if in one year Brihaspati Dev (Jupiter) is established in three rashis or transgresses them, then at that time soldiers die in crores, and what happens — 'preta purna vasundhara' (the earth full of corpses). So such a time is running now. Yes, let everything run, but if we get Bhagavan's name and Bhagavan's grace, then all this can be averted, all this can stop. If in all of India, in all villages, Bhagavat patha and the puja of the gram devata (village deity) along with Trisandhya are observed by all, then all calamities for human civilization will be averted. The Bhavishya shastra which the Nitya Pancha Sakha composed — in it they have written one thing. They said: 'We are composing this shastra to give man knowledge of a Nava Yuga. In it there is also the element of man's upliftment. How to deal with the coming problems, how man's civilization will cope with the problem — we have written that method too.' And they also wrote this: only if people turn towards dharma can human civilization be transformed into a developed civilization; the Nava Yuga too can be created, and all people, the world of jivas and the whole world, being established in a beautiful environment, can become a source of happiness for man. Today people twist the Bhavishya shastra here and there and propagate many things; I see many in podcasts saying everything will be destroyed in '26, everything will be destroyed in '27. Look, I have never said such a thing. Even today I say that protection is possible even from a nuclear weapon, if we do Trisandhya and read the Bhagavat. How will everything be destroyed? If people do Trisandhya and read the Bhagavat, nothing will be destroyed. Therefore, we will have to understand the time too. At this time — yesterday when our vichar-katha was going on, at that very time I was saying that a signal is coming from the Jagannath temple, that kites and vultures are sitting on it — at that very time a kite went and sat upon the Shri Jagannath temple, and in the evening the whole sky over the Jagannath kshetra became pink, the colour of blood. So what is the sign of this? Bhagavan says this: there is still time. On the main Nila Chakra of My temple, which is the liberating chakra, on the Patita Pavana flag which uplifts the fallen, uplifts man — upon that an inauspicious bird, a flesh-eating bird which has no right to sit there, sits. Because this is a sign of calamity coming to the world. Some war, some new war may break out. There may be some destructive element. There may be some pralaya of the pancha bhutas. Some destructive disease may also come. And the sky turning pink also gives news of a time of bloodshed. Even so, Bhagavan says: 'I am giving news. I have not done it. I am only informing you people that such a time is here. I have not done anything.' Therefore, for man, Bhagavan also had the Bhavishya shastra written. It is written under Bhagavan's direction. The Nitya Pancha Sakha may have written it, but it was written in many stages in Satya Yuga, Treta Yuga, Dvapara Yuga and Kali Yuga; the Nitya Pancha Sakha gave it complete form. In this stream of thought Bhagavan again and again gives word beforehand; Bhagavan never strikes anyone without warning. For the Mahabharata war, Bhagavan kept pushing it forward for many years so that man might change. And at this time too Thakur Jagannath ji's grace is great — He gives signs at such a time, and man should become alert. And what is the talk of

alertness? Trisandhya. I have made Trisandhya very simple, because I know that at this time every man has to give time to his own work, his own livelihood, and to his family. So I am distributing Trisandhya in a very simple way, because in this Kali Yuga, this machine age, if a man does not do his livelihood, how will he survive? He must do his karma. So, while walking, while travelling, while sitting in the office, while doing anything anywhere, without bathing, merely by uttering the name of Mata Ganga three times and placing the hand on the ears and on the forehead, you can do Trisandhya. Trisandhya takes only five minutes. It does not take much time. For Bhagavat patha I have given no time limit: anytime between 3:45 in the morning and 12 at night, after washing hands and feet, doing Ganga snan mentally, wearing washed clothes, you can read the Bhagavat Mahapuran. In such a simple way I am bringing dharma to you, because the idea is that man should first enter; and a time will come when the yuga changes, when all men will do snan, tarpan and arghya-pradan, will offer arghya to Surya Dev, will do tarpan to the Pitru Devas, and will do the Agnihotra yajna in the morning. While doing Trisandhya they will move towards transformation, and when the Nava Yuga is created they will enter into the Nava Yuga, having prepared themselves beforehand. Satya Yuga will definitely come, because if Satya Yuga does not come, earthquakes occur on the earth — sin has become full. Satya Yuga will definitely come; there will be no change in this. Between 2032–34 — I have composed this thought in the shastra. May Bhagavan's grace be there. But the system of Satya Yuga is moving towards change. As for the sign in the Jagannath kshetra — this sign is for the world, not for India. Even today I say: of all the calamities that come in the whole world, about 20–25 percent will be in India and 75% will be abroad, in the world. The Middle East will be the most affected. The Middle East will be most affected; America — North America and South America — will be greatly affected. In the destruction by the five elements of nature, European countries and China will come. Such a scene will come: China, Pakistan, and the countries attached to that region — in those countries there will be great earthquakes, famine, no agriculture, no food, spread of disease. Such a time is coming — Indonesia, Hong Kong; in this Japan also comes. China will be most damaged. America will be most damaged. The Middle East will be damaged more than that — which is going on now and will be more ahead. Even if the war ends, nature will not spare them. So I say one thing, and I propagate this too: the number of people who will remain in India will be more than the number remaining in the rest of the world. From this comes the thought: how much dharma there is in India. Even now there is dharma in our country, there is punya. People follow satya, shanti, daya; they remain in bhajan of Bhagavan. But my view is that when the yuga changes, there should be worship of Bhagavan Vishnu. In every home there should be puja and bhajan of Bhagavan Vishnu. Jagannath, Balabhadra, Subhadra, Sudarshan — the Chaturdha Vigraha (four-fold form) — they are themselves the avatar of Maha Vishnu. Whoever does bhajan in the name of Shri Jagannath, that too is equal to the puja of Bhagavan Vishnu. Such a time will come when there will be Jagannath temples all over the world — I speak of the world, not of India. This time will come. Jagannath will uplift; there is no other who will uplift. If anyone will, it is Jagannath who will uplift. This name will uplift. That is why the original name, the first name of Jagannath ji, the first name of Bhagavan Vishnu, is Madhava. That is why I propagate the name Madhava. And it is written in the shastra that those who do bhajan of the name Madhava, who continuously do japa of the name Madhava — the bondage of birth and death will never touch them; they will be able to conquer birth and death. Disease is a small matter; disease will not work on them. So, for about a month — it has been 101 days, and 15 days more, about one and a half months — again and again inauspicious birds, kites, sit upon the Jagannath temple, and the sky becomes red. As happened yesterday — east and west turning red in colour, the hill-range shining red, that is, the sky will become so red that even the hills will turn red. 'Loha khanda mana Bharat Rashiya shasan' — that is, there will be a great war of India with another country and the Russian army will come to India's help. I told this from the shastra, I think, from 2022. And today too we see its situation: the sky is taking on colour. So Jagannath ji is giving a sign. He says: 'I have not caused destruction. There is still time; man's upliftment can happen.' Dharma can come in one day. Dharma can come in one moment. There should be one line of thought: complete surrender towards Bhagavan — 'Prabhu, You alone are supreme.' Ajamila took the name once at the time of death — just once — and attained Vaikuntha. Such a bhava, such a thought

should be there. My request to all of you: tell your family members, your relatives, your kinsfolk — I say, see, this is a very simple path, there is no expense in it. If you make someone a guru you have to give money, you have to go to someone in Japan, you have to travel, you have to do everything. I have made it completely simple: sit at home, do Trisandhya and one chapter (of Bhagavat); do not think against others; do good to others if you can — if you can, you can, if you cannot, you cannot; vegetarian food, no killing of animals. If we do just this much, then we will go to a new place, where our life... consider how many lakhs and crores of births we have already taken, yet we did not get Bhagavan, did not get mukti, did not get paramartha. And at this time, by doing this sacred Trisandhya, the sins of crores of lifetimes are burnt. Whoever does Trisandhya — of whatever religion, whatever caste, whatever faith — becomes a Sanatani. And Bhagavan Krishna's Sudarshan Chakra always protects him. The grace of Ashta Durga, Saptashati Chandi, Shankar Bhagavan, Ma Bhavani, Brahmadev, all the devatas is obtained. So my request to all: joyfully do Trisandhya, read the Bhagavat, do bhajan of the name Madhava. Jagannath Mahaprabhu's grace is great. By the grace of Jagannath, by the grace of Chaitanya Bhagavan, the Nitya Pancha Sakha composed the Bhavishya shastra. Today the shastra has reached you. It has reached all over the world and everyone can read it, know it, understand it. Accordingly, hold on to dharma and do karma. This is a very simple line of thought. And my request to all: never think against anyone. We have to practise satya, shanti, daya, kshama, achar and dharma, and go to Satya Yuga — and the environment for Satya Yuga is becoming favourable, and the time will come; Satya Yuga is coming. In my view, Bhagavan's shastra is never false; shastra is always true, and Thakur ji wrote the shastra entirely for your upliftment. This shastra was written so that man may be uplifted. So the shastra written for man's upliftment will become beneficial for you and will uplift you, and will make you a divine man in this world; and from man you will become devatas, you will become divya manav (divine humans), and from divya manav you will attain immortal life, and man's lifespan will become up to 1000 years. I consider that after 2032–34 people will not die, because by that time the time for the full light of dharma will have come and people will have adopted dharma. So thanks to all. Jai Jagannath. May Madhava show grace. This world runs by the grace of Jagannath Prabhu, and if Jagannath ji wishes, this brahmanda will be protected. There is still time — go to the shelter of Jagannath, go to the shelter of Bhagavan Vishnu. Let there be puja of Bhagavan Vishnu in every home. Let there be Trisandhya in every home. Let there be Bhagavat patha in every home. And do a small charity — donate one or two rotis, donate grass to Gau Mata, to the poor — do something. Time will be favourable to us. However much devastation there is in the world, India is safe. Still, war will happen; when war happens it will be more on the border regions. So that keeps happening; in the change of yuga all this happens. So we need have no worry — just set your karma right and move ahead. To the young people, the small children, I say this much: first bow to your father and mother, and do Trisandhya for just 101 minutes (a few minutes) so that when you go on the road, drive a vehicle, your life is not at risk — stay safe, may your lifespan increase, and your father and mother will be very happy. When a child becomes cultured and pure, parents are very happy, they have no worry, no anxiety: 'my child is disciplined and cultured.' And the greatest thing is that through Trisandhya the mind becomes steady, fear is destroyed, and in the world a man becomes calm, wise, a man of tattva; and along with that he gets full success in his field of work too. So once again thanks to all. If there are any questions from the previous time, let Manish or Mohan — whoever is there — place those questions before me, and I will consider them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:00 · 15 April 2026

Q_3226 Raju Kumar Singh from Bihar: Guru ji, should we take part in war along with our soldiers, and after attaining veergati (martyrdom), can I be freed from my remaining sins?

Answer: See, it is written in the shastra: 'Janani janmabhumi' — our birthland is greater even than heaven. The fight that is fought for our birthland — absolutely, every young man should make sacrifice for our country. For our country we should join the army, we should fight. And the line of thinking you have is absolutely the greatest, best and most sacred element for attaining veergati, and in this one will certainly attain veergati. Service of the country, the janani — that is, our birth-giver, who gave us birth; the earth, the earth which nourishes us — for that earth there is no karma greater than sacrificing one's life. Your thinking is absolutely true and pure. And in our country every young man should accept this sacred line of thought. For the country we should all make sacrifice. Our country is great, our birthland is great, our Bharat is great. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:31:27 · 15 April 2026

Q_3227 You say that the devotees who do Trisandhya will be protected. But will all 64 crore devotees get the Trisandhya dhara? How will they be protected?

Answer: See, those human beings who follow satya, shanti, daya, kshama; those who are in the shelter of Bhagavan Ram, in the shelter of Krishna, in the shelter of Shankar Bhagavan, in the shelter of Brahmadev, in the shelter of the Ashta Durgas, in the shelter of the devis and devatas — for all of them the brahma tattva of Trisandhya is there; Achyutananda has written it. See, I will not present the shastra wrongly, I will not propagate wrongly; if I tell wrongly, what benefit will man get tomorrow? I tell the truth. It is written: 'Brahma karma sarva loka karenge' — all people will do the brahma karma. How will they do it? Suppose today five lakh people in India do it. A time will come when ten lakh will do it. Then a time will come when twenty lakh will do it. Then a time will come when crores will do it. Growing like this, it will spread up to 64 crore. And one more thing: when disease comes, when the pralaya of the pancha bhutas comes, when starvation and lack of food increase, when drought increases, people will with time adopt Trisandhya. And I also consider this: in whichever village, whichever country, whichever state people sit and do Trisandhya, there drought will not fall, rain will come. So this is a great tattva, and by the final time 64 crore people will definitely adopt Trisandhya; and the devis and devatas will come and say, 'Why do you not do Trisandhya? How will you survive?' So Trisandhya is a great tattva. But those who do bhajan of Bhagavan, those who serve devis and devatas of various kinds — they too will come to this dhara with time. This is written in the shastra, and Achyutananda ji has written 'sarve kara brahma karma' — that is, all people will adopt the brahma karma, the Trisandhya, will understand that this alone is safe for us and beneficial for us. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:33:17 · 15 April 2026

Q_3228 Vikas Kumar: My morning Trisandhya keeps getting missed again and again. Please guide me how I can do it.

Answer: See, for the morning Trisandhya do one thing: before sleeping, do bhajan of the name Madhava 108 times and say, 'Prabhu, make me do the Trisandhya at the right time, because, Prabhu, the human body is not in control — sometimes it sleeps, sometimes it wakes late, sometimes it gets bound in the bondage of work; so please show grace.' Then it can happen — in my view Madhava will give you the time and you will be able to do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:35:23 · 15 April 2026

Q_3229 Sumit: Can the Vishnu Shodasha Naam, the Dashavatar Stotra and the Durga Madhav Stuti be chanted apart from Trisandhya, at other times?

Answer: See, such a time will come when man will have no work — listen to this carefully, all of you who are listening, listen. Such a time will come when people will have their whole time free, and from morning till night they will sit and do Trisandhya in the mind, in the mind, and keep chanting. This will keep going on. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:36:03 · 15 April 2026

Q_3230 Shridhar ji: If death occurs on the day of Ekadashi, does the person get sadgati (a good destination)?

Answer: Yes, this is written in the shastra. If at the time of a jiva's death it is Purnima, or Ekadashi, or the Uttarayana period, or before 12 noon, or in the pratah muhurta (early morning period) — in these, according to man's karma there is attainment of swarga, or attainment of a human birth again, and on the day of Ekadashi there is the matter of mukti; that does happen. But one thing is this: even after death there remain several karmas for a man — those karmas such as shraddha, pitru tarpan, and the dasha karya (tenth-day rites) — they too should be done fully and properly. But if someone dies on an Ekadashi punyatithi, then by the Ekadashi he attains Vaikuntha. This is described in the shastric line of thought. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:36:46 · 15 April 2026

Q_3231 Pravesh ji from Jhansi: My elder sister is stuck in Japan with her children and husband, because her husband is not getting a transfer to India or another job. Please guide. My sister does follow Trisandhya.

Answer: See, the sister doing it alone will not do. Along with the sister, her husband should also do it. The children should also be made to listen to it, or the children should do it. If all do it together, then Madhava will show grace and that work will be accomplished. Still, I pray to Madhava that Prabhu's grace may shower on them. Tell the husband to do bhajan of the name Madhava and to read the Dvadasha Skandha (twelfth canto) of the Bhagavat about the Kalki avatar, and to say, 'Prabhu, give me a good place of my own.' In my view it may happen — do it, you will definitely get the fruit. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:37:52 · 15 April 2026

Q_3232 Satyam Sen: Bhakti-bhava is not arising in my mind. Lust, desire and attachment are increasing a lot; offences also happen through me. Please guide me on how to awaken unbroken supreme bhakti so that I do not stray even by my own desire.

Answer: I want to say this: our Bhagavat Mahapuran is bhakti, jnana and vairagya. What you want — you need bhakti, you also need jnana, and vairagya, that is, dispassion from all desires, cravings, wealth and splendour. Do one thing: read the Gopa-lila of Bhagavan Krishna, the Dasham Skandha (tenth canto), again and again for three months. Bhakti will come, jnana will come, vairagya will come, you will stay away from desires, and you will also get paramartha. Jai Jagannath. Do the Trisandhya on time.

► Watch this answer · 00:38:36 · 15 April 2026

Q_3233 Snehal, I am from Maharashtra: You have told the Trisandhya dhara for our protection. My language is Marathi; in Maharashtra people follow guru parampara, so most people chant a guru mantra and believe that the guru is everything, that the guru mantra will bring their welfare, and they do not give much importance to Trisandhya. Please guide me on this.

Answer: See, I recite one shloka of the Jagannath culture: 'Mananath Shri Jagannath, mad-guru Shri Jagat-guru, mad-atma sarva-bhutatma, tasmai Shri gurave namah.' Its meaning is: my Lord is Jagannath, my guru is Jagannath, and the jivatma that is in my body, that atma is spread in the whole brahmanda, in every living being — and I go again and again to the feet of Jagannath for shelter. And it is written in the shastra, 'Vande Bhagavati Devi Shri Rama, Jagat-guru'; and it is also written in the shastra, 'Krishnam vande jagad-gurum.' So in my view the guru is Bhagavan. Yes, for diksha and shiksha a guru is necessary in the worldly rules — a diksha guru is necessary, a shiksha guru is necessary. But for paramartha, for protection from one's prarabdha, disease, illness, calamity and great problems, go to the feet of the Vishwa Guru. Go to the feet of Jagannath Madhava. There is no difference in this. This is written in the shastra; we will not speak the shastra wrongly. And by this tattva, make Bhagavan Vishnu your guru and you will become the happiest, you will become the most effective; the grace, blessing and eye of grace of all the devatas will continuously shower on you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:40:05 · 15 April 2026

Q_3234 Manish ji: For those who cannot do Trisandhya, you gave a mantra in the Google Meet on 31 March. I am a student — can I chant that same mantra at all three times? I do remember the Trisandhya, but it takes more time compared to the mantra you gave.

Answer: See, son, absolutely — very good; you remember the mantra, that is a great joy. Yes, the mantra I had given, the shloka of the Dasha Avatar, in one voice — 'Vedan uddharate jaganti vahate... daityam darayate balim chhalayate... kshatra-kshayam kurvate... Krishnam vande' — this bestows the fruit of the ten avatars. But see, son, if it cannot be done during the day, at least give up a little laziness and give five or seven minutes, and before sleeping give five to seven minutes. That is, do it for five to seven minutes at the sandhya time, and at midday recite this shloka. And in my view, your welfare will be even greater — a welfare that no one else can give. This mantra, by the grace of Bhagavan, will bless you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:42:13 · 15 April 2026

Q_3235 Last question: You had spoken about a ceasefire between Iran and America. How should we understand this now, because the Iran–America ceasefire has now broken? Please clarify.

Answer: This line of thought will definitely come true. Among them small skirmishes also go on, and big skirmishes also happen. But a time will come — you will see — that an alliance will be formed among them; in it there will be the consent of all the Muslim countries, Pakistan will act as mediator, taking Turkey, taking Saudi, it will work, and there will absolutely be a cessation of war ahead. And see one thing I had said — I should not say it, but again I want to say it: the thinking of all the Muslim countries was that they should join together and fight against India. But just as Kalki Bhagavan — as Jagannath Krishna made 49 parts of the Pavan Dev, the 49 Maruts — now in the Middle East they are fighting with their own weapons in their own countries, and Kalki Bhagavan is reducing their power. If they had come with full power, the fight would have been very strong. So let it go on at least some days, and let all their strength be reduced; then they will fight with India — this is absolutely true, they will all come together, but they will not have full strength; they will fight with lesser strength. So for the protection of India this is a great grace of Prabhu, of Kalki Bhagavan, that in their own countries their full power is being broken by Prabhu. Otherwise Ukraine too would have worked against India; when the time came Bhagavan broke it — it was very powerful. War is going on in the Middle East; Prabhu is breaking their power into pieces, so that when they fight with India their full strength will not remain, and they will come with less strength, and Prabhu will protect India. One element is written: 'Bharat bhaga janmasthali' — no harm can come to this land. Bharat is the land of Bhagavan. It is the land of the devas. No one can break this land, no one can destroy it, however powerful they may be. In this country there is always Bhagavan's grace, and at this time there is the great grace of Kalki Bhagavan upon India. A time will come when all the countries of the world will respect India, will accept India, will adopt Bharat's Sanatan Dharma; the whole world will become Sanatan. This war that is going on will continue for some days, or the ceasefire that happened will be extended, but with time the war will definitely end and an alliance will also be formed with America. After that, in the Asian continent, the time will come for a war of India, Pakistan and China. This time I have definitely seen in the Bhavishya Malika shastra: at the time when there is war with China, at that same time a person by the name of Chauhan will be there in India — this is written in the shastra — and at that same time there will be war with China. This is written in the Malika. Never mind, everything is Jagannath ji's will. India is safe. The people of India are safe. Here there is dharma. Here are the four dhams. Here is Ram, here is Krishna, here is Shankar Bhagavan's Kailash. There is no fear — we only have to follow dharma, because in a land of dharma, if we do not follow dharma, how will we be saved? The citizens of the country that is called the land of dharma should also follow dharma. Trisandhya is the greatest brahma tattva; it will uplift you. Thanks to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:43:40 · 15 April 2026

SESSION 185 · QUESTIONS 3236–3244

L201: Iran–America Ceasefire फेल = भारत–पाक युद्ध की शुरुआत? 😨 | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 19 April 2026 · Watch the full session ↗

Q_3236 Today's topic of reflection: the Iran–America ceasefire — what is it, and what is its future?

Answer: (Speaking from Mandi, Himachal, where a Bhagavat Katha programme is going on.) Every human being needs this information; one must understand the time, and having understood the time one's karma and one's line of thinking must be shaped accordingly. Today this is the biggest, most important subject in the whole world — this programme that is running before the Second World War (i.e. the next world war). We had already considered earlier what the future of this ceasefire would be: America and Israel would have war with Iran for some time, and after the war there would also be an alliance (gathbandhan). The next phase is an Arabian organisation in the Mid-East — the time for the unification of all the Muslim countries of the world is very near. It has been building for the last four or five years, but now this time will move toward a decisive point and the alliance will reach completeness. And after this ceasefire, still newer wars will erupt in the world. War will not end like this — there will be a ceasefire, then it will start again, then end, then start again; it will go on like that. The biggest point for our country, for Sanatanis, for our citizens, is this: the coming unification of all Muslim countries will come as opposition against India. The opposition existed before and exists today too, but now it will become complete. And as I had said earlier, in 2026–27 the India–Pakistan war that happened will start again. So there is no cause for joy in this; there is cause for sorrow for the world. For human civilisation, one war stopping is beneficial. We consider all human beings our own, we look upon all humans as our own. War is never the formula for a solution, war is never the formula for development, war is never a subject of completeness — one war creates many problems. Today the war in the Mid-East has ended; that is a very good thing for human civilisation. But an organisation will be formed, and because of that organisation the situation in the continent of Asia will become very grave. In that organisation China will also be there, all the Muslim countries will be there, and America and NATO member countries will also be there. But the point is, this war ends in the Mid-East and then another is to begin — so we, the people of India, must be prepared for the future, because in the future there will definitely be war. One thing remains hidden — the matter of China. China will go beyond even what it thinks and states as its opinion today; it too will join them and act against India. Big countries of the world, countries like America, want to keep the whole world in their fist. That is not possible and will not happen — at this time, which is the time of the establishment of dharma, what value does that have? In war there will be very great loss of humanity in the whole world, and the future is written: for human civilisation America is responsible, and for the field of world war that will be created, America alone is responsible. In this line of thinking, war has not ended, the time has not ended, the reckoning of dharma and adharma has not ended. At this time sin has increased very much, and because sin has grown, destructive situations run in the world. What was foreseen earlier — that America and Iran would come to terms again — that has happened. And one question comes: will there be a war between India and Pakistan? Definitely there will be. But this time in that war all the Muslim countries and America will give Pakistan their full support. It is written in the shastra that along with it China will also make war, and that very time is running now. Therefore our greatest protector is Bhagwan. Apart from God, no one can protect India. The protector of India is God Himself — Jagannath, Krishna, Ram. So however many wars come, however many destructive elements come, those forces will have to fight on two fronts: on one side they will fight with material elements, on the other side they will also have to face a battle of spiritual elements.

The spiritual power — the power of Bhagwan Maha Vishnu, the power of Kalki Bhagwan — and the material power of governments' armies and militaries: the anti-India forces will have to fight with both powers. At the very time they fight India, in their own countries great natural calamities will come — natural disasters — they will face those as well as fighting us. The more they fight, the more God's blows will come, and countries like America will accept defeat in the natural battle, because they will not be able to move forward; whether it is wealth or technology, nothing will work. So the Bhavishya Malika has a final report. What does the final report say? It says war will happen; all Muslim countries will work against India, there is no doubt in this; China will work against India, there is no doubt in this; and ahead they will impose many ban orders on India, they will apply many rules, they will join together to trouble India and prepare, because they want to break India's economic condition first and then make war. So this too must be taken into consideration. They will impose many kinds of rules on India to break India's economy, but their own economy will break — no one can protect them. In a spiritual battle dharma is victorious; in a material battle sinners are victorious. The spiritual battle has begun. And those who wage unjust war against India by wrong means will also get their lesson. To all the countries of the world — there is still time. If they come to the shelter of Sanatan and of God, adopt dharma, and if all humans follow the tradition of Sanatan Dharma — Trikala Sandhya (thrice-daily worship), Bhagavat reading, Madhav naam bhajan, yajna, anushthan — then human civilisation can be saved. From war only 10–20% will be affected; the main affliction will be from the natural pralaya — the terrible time of the five elements (panchabhuta) that is coming. Even so, this is the biggest consideration: those powers that fought against India in the past could neither remain in India nor defeat India; they had to leave India and go. And this time it is not that time — at this time Satya Yuga is arriving. Whoever has dharma with him, his victory will come. In our country there is dharma, punya, purity, God, devatas — so who can (harm) this country? Therefore for all the people of India, at this time take up dharma; and the glorious history of India that we saw in past ages, past times, by the strength of that religious power — that history must be converted into dharma. We must come to dharma. War will happen, destruction will happen — there is no scope for doubt in this, there will be no correction in this. But the point is, all the Muslim countries and America will try to break India's economy, they will also make war, they will threaten again and again, and many times they will also attack — terrorism and all such activity will go on. Even so, dharma is always mighty, dharma always stands, dharma is always established, and nobody has ever been able to break dharma. So this ceasefire is no new news for us, but for human civilisation it is a very good thing. Human civilisation must be protected. Through war ordinary human beings suffer enormous loss, and in Iran, in the Middle East, there was huge loss of ordinary people. That is injustice, and the very people who did that injustice, who caused that loss to people, are again joined together. Such people will be many in the world, but dharma will be less. We must hold on to dharma; apart from dharma there is no road. Two years are very crucial — 26, 27 — when the time of war is running. If God defers it, that is another matter, but according to the shastra there is war in 2026–27. Yet the Bhavishya Malika writes that one 'bela' (spell) of war which remains is on the order of Bhagwan Kalki; His order and line of thinking may agree with the shastras or may differ from the shastras — God knows this, we do not. And in the shastra it is written that by 26–27 this war with Pakistan will take place, and it is written that all will join together and act against India, and China will attack without any information, without warning. One more thing: at this very time all the people of India must come toward dharma. Beyond all sectarian traditions, the worship of Vaishnav — that is, of Bhagwan Vishnu — must take place. If at this time we want the safety of our family, of the country, of everyone, then do Bhagwan Vishnu's puja in every home; let there be Bhagavat reading in every home; let there be Madhav naam in every home; and let there be sattvik food in every home. Because in the past we have seen that neither technology nor science could protect us; if they could not protect us then, this time the problem will be more terrible, more serious and more powerful. Therefore our religious strength — the worship of Sanatan Vishnu, Jagannath, Krishna, Ram — must be done in every home, and Madhav naam must be chanted. Madhav naam is an effective name; at the end of Kali Yuga this name has great importance, because it is written in the shastra that those who chant the Madhav naam will cross beyond birth and death. So at this time my request to all who

are hearing this online meeting: do Trikala Sandhya, do Madhav naam bhajan, and do Bhagwan Vishnu's puja in every home; then great bliss will come in our homes and our country. But the time is not good. Ahead there will be drought in many, many countries of the world and in our country too; this drought will destroy the entire agriculture system; inflation will rise and because of this people in the country will have to suffer great difficulty. So dharma alone is victory, adharma alone is destruction. About this America–Iran ceasefire I had already told you in a podcast, and I am telling you again today: ahead they will all join together and come toward India. But there is no fear, no sorrow. Russia will stand firmly with us, and Russia together with India will answer the foreigners. With Russia, Japan will also come. Ahead, the great powers of the world will also join India, and together with India they will also fight the asuras, those who are anti-India. So this battle is not a lone battle; this battle will be a shared battle. In this joint battle several great powers will be with India — Japan will be there, Russia will be there, and in the second phase France and Germany will also come alert with India. So this will be a dharma yuddha; in the dharma yuddha India will be victorious, India will become Vishwa Guru, Sanatan Dharma will be established in the world, and all humans in the whole world will adopt Sanatan Dharma. This time is coming. But those countries that have made a ceasefire in war today — there will be no ceasefire from natural calamity. The greatest natural calamity will be in the Mid-East, and in Europe, in America, in North America, in South Africa/Africa. And in countries like China and Pakistan there will be earthquake after earthquake, drought, famine, disease and sickness — a time will come when the flesh of a person's body will waste away and only bones will remain. So for China and Pakistan the time is going toward something very terrible. Even though they are preparing for war, in my reckoning their welfare and their country's welfare lies in coming toward dharma; but if through war they act against India, then all their ordinary people too will suffer the natural, elemental pralaya — because at this time there will be a dik-pralaya (deluge of the elements), a pralaya which no power of civilisation can stop. Thanks and sadhuvad to all the devotees who are joined. May Madhav do good to all. Surely do Trikala Sandhya, do Bhagavat and naam bhajan. At this time the Yuga will end; in 2032–34 Satya Yuga will arrive — there will be no change in that. And the weather will keep changing; when what weather will come, when what situation will arise, human beings will not be able to tell at all. But the only way to be saved is to adopt dharma. Trikala Sandhya is the one path of dharma's protection; apart from that there is no other path. Madhav naam is the one path; apart from that there is no other path. So Bhagavat in every home, Trikala Sandhya in every home, Madhav naam chanted at all times — this will protect man from the greatest calamities to come. It is absolutely guaranteed that dharma will protect; apart from dharma there is no substitute. Just follow it. And ahead we will see what bans they place on India, what taxes, what tariffs they impose, what happens — we will wait and watch the problem; and what big talk they make about how they will attack India, this and that — we will wait for that. After that we will come again in an online meeting and reflect with you. The situation is in the hands of the devatas; the situation is not in the hands of man. When a fire burns, all those who come to it out of attraction also burn. So where this fire of war is burning, saying 'we will gain victory' is just one way of burning oneself. There is still time for the countries of the world — let them not go against India; if they go against India they will invite their own destruction, and it will be difficult for them to handle the natural calamity. This is God's country, dharma's country, and at this time Kalki Bhagwan's great grace is on the earth, on India — He has come for the world, He has not come for India alone; but those who wage an adharma-war against India will get a fitting reply. People will come to know how it is happening: their technology will fail just like that, their missile system will fail just like that, Kalki will shut down their network system just like that, natural calamity will fall just like that, and it will become difficult for the military to fight. So a very good time — we are going toward Satya Yuga. A blissful time, a blissful history is coming for human civilisation. There is nothing in this to be sad about; it is a time of great bliss, dharma will be protected. At this time humanity's welfare will happen, a new age will be built, and in the new age all humans will be happy and will live in peace. For this we will have to wage a struggle, and this struggle began with dharma and will end with dharma. (In closing:) Everything that was said from the Bhavishya Shastra — that there would be a ceasefire with America, that the war would stop — see, it is all moving toward truth. It was written in the Bhavishya Shastra that at the time when

there is a dispute with China, a person named Chauhan will hold an important post in India; this too will come true ahead, you will see it. So the things we spoke of from the Bhavishya Shastra — that in the summer season there would be snowfall, cold, and people would have to flee — people have seen these. What is wrong, what is false? In shastra there is never falsehood; falsehood is in man's thinking. We are Brahmins, we recite the shastra for human welfare; our thought is that grace be upon humanity and humanity be uplifted. I want to tell all devotees: do not abandon dharma. This is not the time for that — in this time wealth is not the great property; a time will come when wealth will be there, but because dharma is less, human beings will not be able to survive. You have seen in the present situation how necessary Madhav naam and Trikala Sandhya are; you yourselves are examining every element. There were many predictions — which prediction came true? Nothing comes true, because truth is the shastra, truth is the word of God; what can there be in the word of man? So do not run after the word of man. The element of Bhagwan Vishnu, the element of Jagannath, this supreme element for human upliftment — we must follow this. We will do good to human civilisation, to all humans of the world. We have no difference with any human; the only difference is between dharma and sin, between sin and merit — and on the difference of sin and merit we do not compromise. We have no other ideology. Let humanity's welfare happen, let everyone's welfare happen; we walk in this just line of thinking. Our Jagannath culture says: 'Mannath Shri Jagannath, Mad-guru Shri Jagat-guru, Mad-atma sarva-bhutatma, tasmai Shri Gurave namah' — what is in my soul is in all humans of the world; God is in every human, God is in our body, our Guru is Jagannath, and every human in the world is one small form of God. This is our ideology. But with sin and merit we do not compromise; whichever human, of whatever religion or sect, commits sin will certainly receive punishment. There is still time to be saved from that punishment — live dharma, do Trikala Sandhya, read Bhagavat, chant Madhav naam; in this is your welfare. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:23 · 19 April 2026

Q_3237 Pandit ji, you had told us that fire would break out in many places. Today so many fires are breaking out everywhere — around 250, 300, 500 houses have burnt. So people ask: for our safety, besides Trisandhya, should we recite some mantra for Agni Devta so that the home is protected?

Answer: Jai Jagannath. See, the greatest means of getting protection from agni-pralaya (fire deluge) is that there must be worship of Bhagwan Vishnu in every home — a photo or a murti — and Trikala Sandhya, Bhagavat reading and Madhav naam. Whichever home this happens in, that home will get protection from fire-pralaya. And in every home, before cooking, before making food, when we light the gas burner, chant Madhav naam 11 times and put a little sugar, or sugar-candy, or jaggery — a drop, a little of it — into it, bow down, and then cook on that fire; Agni Dev too will be satisfied. And the greatest way to be protected from agni-pralaya is that every human being must chant Bhagwan Vishnu's Madhav naam every day, at every time. Everything is in this name. Fire-pralaya is happening all over the world, not only in India, and such a time will come that fire will even rain from the sky. Heat will increase so much that forests will catch fire, fire will break out in some homes, batteries in some vehicles will burst — all this and much more will happen, because the heat will rise greatly. Right now cold and heat are running — this is God's grace — but ahead there will be such heat that it will be difficult to bear, and fires will break out suddenly. But Madhav naam and Trikala Sandhya alone — in them is the formula of protection. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:20:46 · 19 April 2026

Q_3238 Jai Shri Madhav, Pita Shri ji, my pranam at your feet. By the Lord's grace it has been more than eight months that I have been doing Trisandhya. When will Prabhu Maha Kalki give me darshan in a dream? What should I do? I remain in a lot of confusion.

Answer: All right — you will get the darshan of Kalki Bhagwan. Do one thing: you already do Trikala Sandhya; before going to sleep chant Madhav naam 108 times, and read one chapter — the Narayan Kavach chapter of the Srimad Bhagavat Mahapuran — and pray to God: 'Prabhu, come into my dream and give me darshan.' In my view God will definitely give darshan; it will happen within 15–20 days. Do it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:22:55 · 19 April 2026

Q_3239 My name is Baliram Tiwari. My own father is a pandit. When I do Malika prachar (propagation of the Bhavishya Malika) and bhakti, he stops me and says none of this will happen. What should I do?

Answer: Everything is pure; and the most pure of all are our father and mother — fulfil their wish. As a son, fulfilling the wish of one's father and mother is the greatest karma. And to do bhajan, to do bhakti, to read the shastras is the right of every Sanatani; through it discipline comes into a person, change comes into the character, mental power grows, memory grows, and above all graha-dosha (planetary affliction) is destroyed, so that a person also gets protection from untimely death (apamrityu). So fulfil the aim of your father and mother. For doing dharma one should give half an hour or an hour in the day — that much should be given. But give full weight to education. Fulfilling the goal of one's father and mother is, in the rules of a religious Sanatani, the greatest karma of a son; follow that. Do exactly what your father and mother wish — that is your dharma, and in it you will get punya. And whenever you can, do Trikala Sandhya for five minutes; Trikala Sandhya takes five minutes, it can be done even while walking about. In this way your dharma, your lifespan, your fame, and your future and present will all remain secure. Jai Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 00:24:00 · 19 April 2026

Q_3240 My name is Praveen Kant Srivastava. Have Raja Parikshit ji and Shukadev ji also taken birth? If they have, then where are they and what is their role?

Answer: Jai Shri... see, Raja Parikshit and Shukadev ji have not taken birth. They are in Vaikuntha and they will remain in Vaikuntha. There is no need for them to come, and that is probably why God has not called them. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:25:46 · 19 April 2026

Q_3241 Pitaji, koti-koti naman at your feet. My father has been ill for the last two weeks — he has got the herpes virus. He continuously does Trikala Sandhya, Bhagavat Puran reading and Madhav naam jaap, and he has also started Narayan Kavach, but there has not been much effect. Kindly give some guidance.

Answer: Tell Baba to recite the shloka of the (Dashavatara) avatar — do it one by one, three times — and keep chanting the shloka of the Kalki avatar: 'Mlechchha-nivaha-nidhane kalayasi karavalam dhumaketum iva kim api karalam, Keshava dhrita-Kalki-sharira, jaya Jagadisha Hare.' Or else this mantra: 'Athasau yuga-sandhyayam dasyu-prayeshu rajasu, janita Vishnu-yasho nama Kalkir jagat-patih.' Let him chant this mantra from day till night, and increase the Trikala Sandhya he does by one round each, and go to the shelter of Madhav and say, 'Prabhu, deliver me from my karma.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:26:08 · 19 April 2026

Q_3242 Jai Shri Madhav Pandit ji, we are from Delhi. You had said that only by doing Trisandhya continuously for three years is a divine body (divya sharir) obtained. But I am a mother, so many times it does not happen on time. In that case how will the divine body be obtained, what are the benefits of that divine body, and how necessary is it for everyone to obtain it?

Answer: Jai Jagannath. See, in every scriptural method, its recitation and the method of recitation are written down. In Trikala Sandhya I said that by a person doing Trikala Sandhya for at least three years, a spiritual transformation comes in the person and the body moves toward divine power, and people will get protection from the coming adverse circumstances, the pralaya of the five elements, diseases and sicknesses, and material calamities; a person will also gain lifespan. That is what I had said, and I say it today too. If you have not done it, still do it — start Trikala Sandhya from now and do it with the time. See, I have made Trikala Sandhya completely simple: I kept no bathing procedure, nor the requirement of sitting at home to do it. Anywhere, in any direction, here or there — do your job, travel, drive a vehicle somewhere, sit somewhere — wherever you are, just take a Ganga bath in the mind, utter the name of Mata Shri Ganga three times, place your hand on your ear and hair, and just do that much. So start now, because in Trikala Sandhya only five or six minutes are taken; do it with the time and do it now. Chant Madhav naam and tell Madhav, 'Let this not slip from me, and let it keep happening with me properly, on time.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:27:35 · 19 April 2026

Q_3243 Pandit ji, I am Raju Kumar Singh from Sitamarhi, Bihar. My whole family has been doing Trisandhya for a long time — my mother and my wife also do it — and my family wishes to take Guru-diksha from you. Can we take Guru-diksha from you?

Answer: Jai Jai Jagannath. See, in my tradition — that is, in the grace that God has given me — in this grace I have to this day made no one my disciple; I have not become anyone's Guru. Because in the near time, between 2032 and 2034, Satya Yuga will begin, and in my view God Himself will come forward — Kalki Bhagwan — and Kalki Bhagwan will become the Guru of the devotees. Therefore make Bhagwan Kalki, make Bhagwan Jagannath, your Guru. It is written in the Bhagavat that any person who renounces 'I' and 'mine', who understands all property to be like a dream, who understands the family as an element of maya in which attachment operates, and who surrenders to Bhagwan Krishna — Bhagwan Krishna becomes his Guru; He told this to Uddhav. So make Bhagwan Kalki your Guru; Kalki Bhagwan is coming, so make Kalki

Bhagwan your Guru. That is why I have not made anyone a disciple. When Thakur ji Himself is coming, He will become the Guru of the devotees. So my good wishes are with you all, sadhuvad to you, and I pray to God that God may govern your thinking and that God may become your Guru. And in this same line of thinking, accept God as your Guru and do your karma. Wherever I show a path, follow that a little: do Trikala Sandhya on time, do Bhagavat reading, do Madhav naam bhajan, and in time God will prove that He is with you. The meaning of Guru: a Guru uplifts a person, shows the direction, and takes him to moksha. And if Bhagwan Vishnu directly becomes the Guru, what can be greater than that? So wait for the time, and in your mind make Bhagwan Kalki your Guru; and by what process, by what rule this can be done, I will explain that. Jai Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:29:42 · 19 April 2026

Q_3244 My name is Gulshan Singh Rajput. Why does a human being not remember his previous birth?

Answer: See, if a person remembered his previous birth, that is the highest level of a level of knowledge, which is called 'jati-smara'. And this element is received by such a soul as is absolutely a pure soul, in which there is no sin — just as when a small black mark comes on a mirror it is visible, in that way a power like jati-smara comes to a holy soul, a pure soul. Jati-smara means they know birth after birth after birth — however many births, they know all of them. And those who, because of a curse, or because of bad company, go in the wrong direction and then get a birth — but their dharma is so great — to them the knowledge of the previous birth comes; this is called a pure soul, or jati(-smara). So this permission is not there for every soul; not everyone has this power. Yes, only the soul of that category comes to know it. So from jati-smara we will get nothing. God has said: do your karma, do your dharma, examine your time, and convert every moment into dharma — because this is a continuing process. By a person doing dharma, what will be gained by knowing the previous birth? If in this life we do good karma, we will get it in the next life. And at this time it is the time of the establishment of the Yuga-dharma; Kali Yuga has ended, Satya Yuga is coming, and the union of the devotees with God will take place. So none of that is needed — Baba, do Trikala Sandhya, remain in bliss, and remain in the shelter of Madhav. Thanks and sadhuvad to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:32:31 · 19 April 2026

SESSION 186 · QUESTIONS 3245–3251

L202: बंगाल में बड़ा परिवर्तन! आध्यात्मिक बदलाव का स्पष्ट प्रमाण😨 | Pt Dr Kashinath Mishra

Date: 07 May 2026 · Watch the full session ↗

Q_3245 (Opening discourse) The spiritual transformation evidenced by the election result in Bengal, and what Bhavishya Malika says about India's turn toward Satya Yuga

Answer: Jai Jagannath. My respectful pranam to all followers of Sanatan Dharma and to all pure human beings of India and the world. Today's theme is spiritual development — the result that has come in the Bengal election. I am not a political person, nor am I in any political party. But we support Dharma; we fully support those people who work in Dharma, whatever path works for Dharma. And this is exactly the principle in the Bhavishya Malika (prophetic scripture) ideology: spiritual development will happen in India first. What does spiritual development mean? It means this — when all human beings will accept Dharma and the gods and goddesses, and will follow the rules and codes laid down lawfully by Dharma, when they will follow what has been composed by the shastras, then the light of Dharma will remain in the world. And today it is not only a matter of Kolkata — in all of India, at one time, one religious party, the Bharatiya Janata Party, is developing. People have given it their vote, they have given support; in the state where a struggle was going on for its own position, the people have given an absolute majority. So the meaning of this is what I have already said. Throughout India there is rule by a spiritual party, and a spiritual governance is currently running in India which is established upon Dharma — because Dharma says this: our shastra, our tradition, our culture, our Sanatan. In 2025 I discussed this in a podcast: that in future, in those states of India where there is no BJP government, in those states too the government will come. This was not my own ideology — this ideology is that of the Bhavishya Malika Purana. It is written in the Bhavishya Malika Purana that the lotus flower will bloom in all of India, and this time is coming. And after this first development, India will move toward Ram Rajya. India will become Ram Rajya, and after that the world will become Ram Rajya. Whatever difficulties exist in the world today, whatever propagation of many kinds of religions there is, it will come to a halt. All will come to one Dharma, all will come to one path. Before a religious establishment happens, a religious influence falls first. I was reading in the news — seventeen years have passed, seventeen years, that a temple of Durga Devi was closed; it will now open. Mother Durga Devi is the benefactress of the world, She is Mother Radha Rani. At this very time in West Bengal the grace of Mother Durga Devi has been received. Those who rule under the shelter of Bhagwan, those who work with the support of Ram — that very tradition is increasing. And this was written in the prophetic scripture too; it is clearly written in the Bhavishya shastra that in all of India the petals of the lotus flower will bloom. Even today in India, and in whichever states the remaining elections come ahead, in those states too we shall see such a situation. So why is this happening? Because from 2032 the arrival of Satya Yuga will occur. I have already spoken about this. And before Satya Yuga comes, the influence of Ram's name will remain in the whole of India; the name of Ram will resound. This is written in the Purana. We respect all human beings of the world, but where there is Dharma, we support it with utmost purity. This country is the country of Sanatan. This country is the country of Hindus. In this country people of many religions and many faiths live — that is true. The country is a secular nation — that too is true. But the Bhavishya Malika shastra says: all will become Sanatani. The amalgamation of all religions will be Sanatan Dharma. All human beings will adopt Sanatan. Not India alone — however many countries there are in the world today, in all those countries the influence of Sanatan Dharma will fall, and people will adopt Sanatan Dharma; the whole world will become Sanatan and Sanatan Dharma will be established throughout the world. For many years work has been done in our country

for the protection of Dharma, for the protection of Sanatan, and this time is moving toward a decisive time in our country — a time in which ahead only Dharma and Dharma will be visible. The grace of Bhagwan will remain upon that party which has the ideal of Dharma. In the world people commit violence against living beings, speak falsehood, do harm to others. But a time will come when there will be no human beings who will commit violence against living beings or think of harming others — we are moving toward such a time. Today's day, for us, for our country, and for the time that is running — it is a time of change. We have to walk in this wind of change, because the time is for the construction of a new age. I have told before that Shri Narendra Modi ji will be the last Prime Minister of India, because this is written in the Bhavishya shastra. I do not say it; what is written in the shastras is auspicious for us. In his time we have to go into a world war. There will be a fight with Pakistan, there will be a fight with China, there will be a fight with the Western countries. In the time of his governance — this too is written. A strong government today makes India's leadership manifest to the whole world; a firm and trustworthy leadership of our country has taken India's honour forward in the whole world. So the change that is happening — the reason for that change is that the foundation ground is being prepared for the construction of Satya Yuga. After 2032 to 2034 people will not practise falsehood; all people will become truthful. People will not kill living creatures. All people will give respect to the dharma-shastras. All people will read the Bhagavat and all people will also do Trikaal Sandhya (thrice-daily prayer). This is such a time in our country. When we reflect upon this time, this time is bringing many challenges for us. Ahead, in India — and I speak of the world too — in many states and in many countries the time is going toward facing drought conditions. The price-rise of food will increase. Human beings will get into trouble. Countries standing in an economic condition will fight to protect their economic position. The time ahead is going toward such a time. You are all seeing that in the region of Bhagwan Badri, at the time of the darshan of devotees and pilgrims, right there the flow of water troubled the devotees in taking darshan. You are seeing that in the region of Bhagwan Kedarnath there is snowfall, hail is falling, there is frost, and it is not becoming possible for devotees. We should not be delighted in this. This proves it: Bhagwan Kedarnath says, "Now I shall do the work of shringar (adornment); now I have no time for granting liberation through darshan." Bhagwan Badri says, "Now I am engaged in the establishment of Dharma; I have no time, because human beings have become very arrogant." In spiritual development and the spiritual field, spiritual darshan, pilgrimage tourism — along with sattvic people, tamasic people also go. If some people take it as a means of the pleasure of their life, as a means of roaming and wandering, then how many days will Bhagwan tolerate it? At the time of the darshan of Bhagwan, in the region of Bhagwan, this calamity that comes, this opposition that comes from the side of nature — we have not seen in history what we are seeing today. Why? At this time Bhagwan too does not wish it — they do not wish that this, which human beings have made of dharma and tirtha-kshetra into a tourist spot, should continue. It is not a tourist spot. It is a region of mukti, of paramartha and of the upliftment of human life. Not only this — however many temples of gods and goddesses there are in India, in every temple we shall see this several times. We have said before: from the Char Dham a signal will come. What signal? Of calamity, and of devotees not being able to have darshan. Just as in Braj Vrindavan a deluge of water came some time back, in the region of Shri Dwarkanath and in the Rameshwar region too problems and signals will come to you. The signals coming in the region of Bhagwan Badri and Bhagwan Kedarnath are giving a destructive signal. It will keep happening onward. So this time is not good; this time is a time of change. This time is a time of yuga-change, and at this time a great change in human civilization — a spiritual revolution — will begin from India and spread its influence over the whole world and become established. First the devotees of Bhagwan will take the leadership of spiritual development, which is happening today, and a time will come when gods and goddesses together with human beings will take this leadership and establish it in the whole world. So for all religions, castes and varnas of our country, for all human beings there is one single message: we have no time. We have to become sattvic. We have to accept the principles based on sattva-guna. We have to go to the shelter of Bhagwan Ram, go to the shelter of Kalki. Apart from that there is no formula of protection for us. Bhagwan Kalki's great grace is upon this country — it is there today, it was there yesterday, and in the time ahead its light will spread to the whole world; that time

too will come. War has not stopped. At any time — I have said before — there is a big danger from the side of China and Pakistan. There is a big one from the side of America. There is a danger toward India from the side of Turkey. From inside those people are working, which is not revealed outside, and suddenly, accidentally, at any time, they will impose war upon India. But what have we seen in the Mahabharata? We have seen it in history too, we have seen it in the Mahabharata too — always the demoniac elements, the demoniac tradition of people, struck upon Dharma and Sanatan and sattvikta, and first they make this strike — which is India's situation today — and after that their defeat also occurs; that too we have seen. The Kauravas imposed the war and they were defeated. At one time Achyutananda wrote (verse quoted): when Adhika Maas (extra month) runs, at that very time Bhagwan will break the pride of great nations. Whether someone is great, very powerful, economically or in capability, whatever country it may be — its pride will not remain. America earlier imposed war upon Iran, and in this war they could not achieve victory, and the fight still continues — whether it is a mental fight, a diplomatic fight, or a fight of weapons, the fight still goes on. No country could resolve the situation, because the pride of great countries will be pulverized, and of great people. So this is that time. Every human being should stay away from pride and ego, because Bhagwan will not preserve anyone's pride, and Dharma alone is the foremost principle, which the whole world and all humanity will have to accept. At that time the danger of the panchabhutas (five elements), the danger of earthquakes, the danger of war, disease, epidemics, the heat of Surya Dev increasing — this is the information of a destructive signal for the world. At this time we will have to hold on to Dharma. Without Dharma it is very difficult for us to go ahead — it is not possible. So to all the gentle, pure devotees who have joined this satsang, my request: I speak of the development of Dharma. I do not believe in caste distinction. I respect every caste. When Bhagwan comes, at that very time He changes every caste and every religion in the whole world and establishes a new Dharma. When Bhagwan Chaitanya Mahaprabhu came, He preached to Muslims, Hindus, Christians — to whoever is human — and preached human dharma and made humans into Vaishnavas. And at this time when Bhagwan comes, or Kalki Bhagwan has already come by the method of the shastras, He too has come for the upliftment of all human civilization. He does not come for any specified religion or caste, because Bhagwan belongs to all and Bhagwan does the welfare of all people. For upliftment in the time ahead, for human civilization, there is only one stream. In Kali Yuga all streams have been propagated, all rules have been propagated, but for Satya Yuga only one tradition remains, which we call the Trikaal Sandhya dhara. And without Trikaal Sandhya it is not possible to preserve human civilization. Any human being, any caste, people of any religion — if they follow Trikaal Sandhya, those people will go to Satya Yuga. Bhagwan is in every human being. All humans are children of Bhagwan. To do the welfare of all humans is the root intent of Sanatan. We too wish the welfare of all human beings. But spiritual development, the development of the spiritual path should happen, so that under its influence the protection of maths and temples and of dharma centres is made, and then Dharma is taken forward. So for all humans of India and of the world, this time gives a message of freedom. Human freedom, compassion toward living beings, and the bhajan of Bhagwan's name are going to become the greatest wealth for human beings. My request to all humans is: become that. And not only sattvic — along with being sattvic, go to the shelter of Bhagwan Kalki, because apart from Bhagwan Kalki who will protect? It is written in the Bhavishya Malika that starting from the Hindu, all religions will merge and there will be one single Dharma in the whole world. Whatever is written in the Bhavishya Malika shastra — not one word, not one utterance of it has ever proved wrong, nor will it. So I say with firmness: ahead there will be a synthesis of all religions and all religions will join the great tradition of Sanatan. From Sanatan all sampradayas came; this earth, these seven islands and nine divisions of the earth were created, the sun, moon, planets and constellations were created. In every soul there is the seed of Sanatan. So this time is coming when all will join Sanatan Dharma and all human beings will follow Sanatan Dharma. There is still time for us. Time has not slipped away from today. Even now, if people come toward Dharma, do Trikaal Sandhya, do Bhagavat reading, wish the welfare of all human civilization, and there remains no discrimination in the mind, then people will become fit to go to Satya Yuga. We cannot go to Satya Yuga by opposing human civilization. We must think of human civilization as one tradition, as one single family. With such

thought, with such ideas, Sanatan will be established in the whole world. And this is absolutely written in the shastra: the whole world will become Sanatan, Sanatan Dharma will be established in the whole world, and all human beings will adopt Sanatan Dharma as their own religion. People should become restrained — that is, a human being must take recourse to self-restraint in thought. How will Satya Yuga come? The thought of discrimination that is inside human beings today will change. The day the tradition of tamasic ideology converts into the tradition of sattvic ideology, that very day Satya Yuga will come. And when such a time comes, the gods and goddesses will also awaken, and gods and goddesses will also work together with human beings. So we wish to give one message to all human civilization of the world: till today, however many traditions, principles and ideas are in the Bhavishya Malika shastra, they came true — that truth was already composed in the shastra, and what I am saying today will happen the same way ahead too. So to all Sanatanis of India and the world, all gentlefolk, all castes, religions, varnas without exception, I want to give one message: do not abandon truth. Truthfulness will protect us. And compassion to living beings — starting from the ant, starting from small creatures, starting from Gau Mata, up to the large creatures. If human civilization adopts these two principles, then in coming calamities the great welfare of human civilization will happen. And the Trikaal Sandhya principle is a great tradition which will become a protective armour for human civilization. Such a time is coming when medicines will not work. Whoever eats medicine, their treatment will not happen, and in some places medicines will also cause reactions. That time — after 2028 you will see the reflection of it, and it will grow gradually, not all at once, and growing and growing, by 2032 completely the spiritual thought, and then people will stop at Ayurveda. Such a time will come. You have seen many predictions, you have seen many podcasts — but did they come true? They do not come true. Because Achyutananda has written that people will read the Bhavishya Malika Purana and will forecast about the future, but will say, "This is our own utterance," will say, "This is the utterance of planetary combinations." But look today, how many podcasts, how many forecasters' words have proved wrong. Only the Bhavishya Malika Purana will come true. That is Bhagwan's utterance; it is not the utterance of Pandit Kashinath Mishra. That utterance is the utterance of the grace of the Mahapurushas, the Nitya Pancha Sakha and Jagannath Mahaprabhu. Who can separate that? So we have been propagating this for about 40 years, because we already had this experience that such a time would come. And today, the paradigm of time that we see moves toward change: change happens at the level of governance, change happens at the spiritual level, change happens at the social level, change happens at the level of paths. Achyutananda has written: when the essential principles of the Bhavishya Malika Purana are published in Hindi, English and many languages, then after reading that very granth many traditions and many persons will call it their own prophecy, will not take the name of Bhavishya Malika, will declare it as their own prophecy — at that very time that utterance will be futile and no fruit will come in it. And we are seeing the proof of that. Arre, it is the Bhavishya Malika that gave guidance to the whole world about the time to come, and today people have made it into personal utterance. Propagate the Bhavishya Malika — there is great bliss. You will get the grace of Kalki Bhagwan, you will get the blessing of Kalki Bhagwan. And without Kalki Bhagwan, who will protect us? At this time there is great grace of Bhagwan Jagannath. The Bhavishya shastra was composed by the Nitya Pancha Sakha of Jagannath Mahaprabhu at the time of the descent of Bhagwan Chaitanya Mahaprabhu; this granth is composed for the upliftment of human civilization and every human has the right to propagate it. But do not propagate it calling it your own utterance; to not give respect to this utterance, to this shastra, and to speak of it as one's own utterance is against the shastra. And so for some time, in the principles of the Bhavishya Malika, whatever dates and times are given, changes also come in them. I see on many channels people give dates: "On this date this will happen." Have you ever seen anything happen on that date? And they say it with such firmness as though they were brahma-jnani, as though they were brahma-darshi, as though of a tradition of great siddha rishis. Such thought brings no benefit, and no utterance of theirs has come true till today — those who gave dates. It is written in the Bhavishya Malika that people will propagate it with their own ideas, with their own arrogance, and will make it out to be their own utterance, and Bhagwan will make it fruitless. That is why Bhagwan composed a granth whose name is the Bhavishya Malika Purana; in that Purana is the utterance of Bhagwan,

and giving respect to Bhagwan that utterance should be propagated. So, people of India, every citizen of India — ahead we have to move toward the spiritual. And in time, in India, one government, one rule, one path in every state; in our country there will be a strong governance and the country's progress will also happen and the protection of humans will happen, so that the governance and constitution of our country can be used very well for the welfare of human civilization. The time is coming when in all of India, in the world, in every state, in every region, a Jagannath temple will be built. When Kalki Bhagwan comes, He will establish the work of a Jagannath temple in every region in all of India and the world, and Jagannath Mahaprabhu will be the worshipful deity of all — the time is moving toward this. So my request to all: do not believe in caste, religion or varna. One belief only — humanity; one belief only — compassion to living beings; one belief only — faith toward Bhagwan. So forgetting all religions and castes, we will work for the welfare of human civilization. We are one. Our world is one. 'Vasudhaiva Kutumbakam' — that ideology we will re-establish, and every citizen of India has the right to this; every human has this quality in him. The time has come to bring out the light of that quality. So once again today — the unity and integrity of our country, our gravity and responsibility toward the Constitution of India, along with the welfare of human civilization and the establishment of Sanatan — because without the establishment of Sanatan the earth will not remain, the earth will break into pieces. If Sanatan Dharma is not established, if in the whole world Sanatan Dharma is not again followed with self-respect, then the time is coming for the great destruction of the world in the deluge of the panchabhutas. So the protection of Dharma is necessary, and bringing Dharma is also necessary. We shall all do this work. May the grace of Bhagwan Kalki remain upon all. Tarana in Ahmedabad and Sambhal in Uttar Pradesh — in one of these regions, in Tarana, the Kalki Dham has already been consecrated. I had gone there. Good devotees of Bhagwan Kalki, who by the grace of their Gurudev are still waiting for Kalki Bhagwan, are there. And in the Sambhal region, where the shastra says is the birthplace of Bhagwan Kalki — (Bhagavat verse quoted): 'Sambhala-grame mukhyasya brahmanasya mahatmanah bhavane Vishnuyashasah Kalki pradurbhavishyati' — Bhagwan Kalki's birthplace is at Sambhal; there in Sambhal, in Moradabad district of Uttar Pradesh today, the work has begun with devotion by Jagatguru Pramod Krishnam ji. Bhagwan's grace, Kalki Bhagwan's grace, is upon it — our respected Prime Minister has laid its foundation stone. Because the time is moving toward the time of Kalki's arrival, or the time of His manifestation. The time is coming ahead, and at this time only Kalki Bhagwan can protect all human beings. Kalki Bhagwan's name is Madhava, and if you do bhajan of the name Madhava, your upliftment can happen. Any great calamity, any great problem coming to you, any problem whose solution never happened, will be solved; and Trikaal Sandhya will protect you from the coming calamities, disasters and problems and from the coming deluge of nature and of the panchabhutas, and will make you a human of Satya Yuga. And how will everyone do Trikaal Sandhya in Satya Yuga? Start from now, from today. So I offer salutations to all devotees once again, and may a good government be formed in Bengal, may the welfare of the people remain, may the protection of all human beings remain — we pray to Bhagwan for the welfare of all humans. There is great grace of Bhagwan upon the leadership of our country too. Today the leadership of the country has made India's policy, tradition and ideals honoured in the world, and it is a matter of praise. And at this time all of us Indians, becoming united, will walk toward Sanatan and will again build Sanatan Dharma. No ideological difference will remain, no difference of opinion will remain. This is what the Bhavishya Malika Purana says, which I have told you — and this is my view. Thanks to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:03 · 07 May 2026

Q_3246 Rahul Kumar from Jamshedpur: Pandit ji, pranam. For the last three years my mother has been troubled by gas and stomach problems. Despite many doctors, medicines and even an endoscopy, there is no relief. When she goes to the bathroom it takes 12 to 15 hours, so she goes only every other day, and on that day her Trikaal Sandhya is also missed. We feel this trouble started three years ago from a medicine for high fever. After investigation no big problem was found in the stomach, but gas grips the whole body and does not come out. Please give some guidance for its solution.

Answer: See, our greatest tradition — it is written in the shastra: 'japa, dana... sarva nishphalam... are, nama-kirtananu bina' — that is, all is fruitless when there is no name of Bhagwan; and according to the yuga also there is the Name. Even so, your mother should do Trikaal Sandhya regularly. And I say, for this calamity, this reaction that has occurred from taking medicine — there is a stotra called the Narayana Kavacha, which is in the Bhagavat Mahapurana; recite it to your mother three times a day, or tell her to read it herself. A change will come in it; it will not come suddenly, it will come gradually. So do it with that outlook. And whenever my Bhagavat Katha takes place — at this time I am in Bhopal, the capital of Madhya Pradesh, for Bhagavat Katha — at the time of the Bhagavat Katha, when I read the katha, you can ask me then.

► Watch this answer · 00:41:05 · 07 May 2026

Q_3247 Pandit ji, pranam. My question is: has the gathering of the 64,000 devotees already taken place? Many groups are being formed to connect with you — will all groups join in a mandal? Also, which mandal do people from Kanpur belong to?

Answer: See, the Kanpur mandal comes under the Ayodhya Mandal. At this time, in India and in the world, the propagation of the Bhavishya Malika Purana is happening. Our main channel is 'Kalki Avatar Official', and many channels propagate it. I have no ashram of my own, nor any fixed abode. We roam about and preach Dharma. So, for you people to adopt Dharma — adopt Trikaal Sandhya, adopt the reading of the Bhagavat, do bhajan of the name Madhava. And sometimes, whatever message goes through the channel or through the group, follow that. We have no such specific group, no specific programme. Till today, however many people have joined me, I do not see everyone and do not know everyone — because unlike other ideologies where they seat people together in a meeting and strengthen their organization, this organization is one of spiritual propagation, and you can join this spiritual propagation yourself, on your own. And sometimes, through the groups that devotees have made, you can also learn about the work through that medium. We have no specified place where I sit and deliberate with people. In such a way, through the online medium, through Bhagavat propagation, through Bhagavat Katha, through Jagannath Pancharatra, through Kalki Katha, I preach Dharma, and I propagate the Bhavishya Malika Purana shastra which was composed by the grace of Bhagwan, by the grace of the Nitya Pancha Sakha. So you are in the Ayodhya Mandal — because it is written in the Bhavishya Malika that 16 mandals will be formed, and in one of those 16 mandals, the Ayodhya Mandal, you can come by the rules of the present and the future. Jai Jai Shri Ram.

► Watch this answer · 00:43:21 · 07 May 2026

Q 3248 Tiwari ji: What is the Brahma ekakshar mantra? I do Trikaal Sandhya, but in my house onion and garlic are cooked. Even after I forbid it they do not care, and I want to give it up but eat it out of compulsion. Please guide me.

Answer: See, no human being becomes a rishi in one day. No human being becomes a saint in one day. So time is needed. That is why, in the Trikaal Sandhya dhara that I have propagated, I have told people that they may do Trikaal Sandhya even without a bath, by doing a Ganga-snan in the mind — because first let people do it, and with time they too will become cultured, they too will become like sadhus and saints. So we do not oppose onion and garlic right now. Onion and garlic are rajasic food, stimulating food, but they are not non-veg. That which arises from the killing of living beings we call non-veg; we call it amish food. But onion and garlic are rajasic and stimulating food. And in garlic there are also many medicinal qualities which are necessary for the human being of Kali Yuga. So do not oppose onion and garlic in the house, and do Trikaal Sandhya on time. Do bhajan of the name Madhava. Respect your father and mother. In respecting father and mother we can attain Bhagwan and attain Satya Yuga. And wait for your own time — then the time will come when people will give up onion and garlic. That time is not now; so one should not brood over this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:46:06 · 07 May 2026

Q 3249 Bharat Mali ji from Rajasthan: Jai Shri Madhava, Pandit ji. I am walking on the path shown by you, but there is no peace in my life. In the family there is constant dispute about earning. Three of my shops have already closed. The business does not run; every time there is loss. Even now goods are lying at home, and there is a likelihood of dispute again. Please tell me what I should do now.

Answer: Your business is not running because of Mangal Dosha (affliction of Mars) — due to this the business is not able to progress. Do one thing: do Trikaal Sandhya six times instead of three times. And do continuous bhajan of the name Madhava. Peace will come in this. And also make an effort somewhere for employment and a job — you can be successful in that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:47:51 · 07 May 2026

Q_3250 Hemant Lichade from Maharashtra: I follow the dhara, but I continuously keep hearing the sound of anklets (payal). Sometimes it feels as if someone is dancing loudly. I wake at night and check all the rooms but everything looks normal. What is this a sign of? That sound is heard only by me, not by the other members of the house. And when will the seven-day katha be held in Nagpur? I have an intense desire to hear the Bhagavat Katha.

Answer: Absolutely — a katha will be held in Nagpur ahead. Katha is held in every state of India. Right now the katha will be in Bhopal; then there are two kathas in Bhopal, and after the two kathas we will go to Korba, which comes in Chhattisgarh — the katha there will be from the 1st of May; and from Korba, from the 1st of June; then after Korba there is a katha in Kanpur. So kathas will be held ahead too. But this sound of dancing that comes — that sound will stop. Come to a katha sometime and we will resolve it. But for that there is no reason to worry or be sad. According to its own nature it does not exert any effect upon you. Just do one thing: before sleeping, do bhajan of Madhava 108 times with devotion, and following the name Madhava, Trikaal Sandhya and all the rules, tell Madhava: 'Prabhu, keep me away from this sound.'

► Watch this answer · 00:48:54 · 07 May 2026

Q_3251 Mahi Maa ji: How will Mata (the Divine Mother) test the devotees? What will She ask the devotees?

Answer: See, one form of the devotees' test — Devi Mata will test devotees in dreams also. And in the dream, those human beings who cannot recite Trikaal Sandhya in the dream — illness will come to those people. To many such people Devi Mata will come suddenly at night in a dream and will ask: 'Recite the Trikaal Sandhya.' Before that this too will happen — those people will have got information about Trikaal Sandhya from somewhere beforehand, and if they do not follow that information, or do not do it and much time passes, then Devi Mata will come in the dream and ask them. Such a time will come when every day such an intention of Devi Mata will come toward every human being; She will ask in the dream, and if you cannot recite it in the dream, then it is not a good time for us. So adopt Trikaal Sandhya now — it is for everyone, because everyone's test will happen. One test will be in dreams; second, they will go house to house and test; third, at the bank of the Chitrotpala river in Odisha, near the Bhagavati temple, Mata Biraja Devi and the Ashta Durga will also take the test of Trikaal Sandhya. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:51:00 · 07 May 2026

SESSION 187 · QUESTIONS 3252–3260

L203: भविष्य मालिका का जो गलत प्रचार हो रहा है, उस पर स्पष्टीकरण | Pt. Dr. Kashinath Mishra

Date: 07 May 2026 · Watch the full session ↗

Q_3252 Ravi Shankar Prasad, a teacher from Rourkela: I am a Physics and Maths teacher and I teach students. But in the Malika's views it is said that from 2032 the whole education system, internal banking, everything will change. So will the modern education being given to children now have any use in the future?

Answer: Look, your thinking is absolutely true. If we consider it logically, philosophically, you have made a very accurate point. But the matter is this: today if we have to eat, what is our physical condition? What is our health condition? And today we are travelling, or we are at home, or we have to go to some programme — according to that situation we should take our food accordingly. So for that reason, today's education system, today's constitution, today's elements run according to today's time. And at that later time, whatever system there will be — call it the education method, call it people's living system, whatever it is — everything will run according to that time. When time changes, the world changes, and thinking changes; then man's actions and behaviour also change. When Satya (Truth/Satya Yuga) comes, all thinking will change, man's karma will change, man's conduct and practical condition and social condition will also change.

► Watch this answer · 00:05:27 · 07 May 2026

Q_3253 Some people are showing your book (Bhavishya Malika) on their channel — for example the followers of Sant Rampal ji — and making claims from it. Please guide everyone on this.

Answer: Param Pujya Sant Rampal ji is respectable for us. We respect all saints. Without saints, dharma is not found. India is a country of saints, a country of gods. Therefore I have heartfelt respect for all saints. I respect all saints. And it is because of saints that Sanatana Dharma has survived in the world today. The place where we stand today — call it the sacrifice of the saints of our country, or their contribution, or their blessing. The point is this: I saw in a video today that some gentlemen hold up the Bhavishya Malika Purana and say that something is written in this scripture about the Lord's Kalki avatar — that he comes first and then takes avatar again, and so on. I do not take names. But I want to clarify: in the Bhavishya Purana it is written about Sambhal. We have considered the five Sambhals. But the main Sambhal — at the Sambhal of Moradabad the avatar of Bhagavan Kalki will occur. And those who propagate this should look at Bhavishya Malika clearly: what they propagate is not written in the scripture; this should not happen. A scripture is a composition for deliverance; it is the path of deliverance for lakhs and crores of devotees. And the Lord's vani should not be twisted and distorted. It is clearly written that the Lord will come in Sambhal, and in the second volume (Dwitiya Khand) of my book I have also written the Sambhal Mahatmya and described the five. Apart from Sambhal there is no mention of any other place. So the views they express are not the truth; it is not written in the scripture. Do not propagate it — do not make false propaganda. Propagate whatever is the truth.

► Watch this answer · 00:07:18 · 07 May 2026

Q_3254 Manish: Nowadays we receive calls — the propagation of Bhagavan Kalki is happening worldwide through you. There is one Vijay Kumar Naidu ji in Chennai in the South, born 7 March 1949, and even in Wikipedia it is written that he is Bhagavan Kalki — his followers made that page — and full propaganda runs there that he is Bhagavan Kalki, and he himself says so. Please throw some light on this.

Answer: See, in the Bhavishya Malika Purana nothing at all is written about him, about that saint — nothing at all is written. And about the Kalki avatar it is written that nobody will be able to recognise him. Only Sambhal is written about, where Sambhal is. If that person were from Moradabad Sambhal, then I would have considered it. But nothing of this sort is written. This is in complete opposition to the Bhavishya Malika view, and it is contrary (paripanthi) to the Bhavishya Malika thought — that is, in this line of thought there is no truth in it. Bhavishya Malika scripture only writes about Sambhal. If there is any consideration about Sambhal, then discuss it with me.

► Watch this answer · 00:10:31 · 07 May 2026

Q_3255 Sanjay: Those who are now declaring themselves to be Kalki — what was the form (svarupa) of Bhagavan Krishna when He came? Because commentators like Rupa Goswami ji said about Him 'kishoram param vayah' — that the Lord's final age is the adolescent (kishora) state, after which His age does not increase, nor does He grow a beard, etc. So what is the Lord's form? Is Kalki's form the same, since He is Bhagavan Krishna Himself? What will His form be?

Answer: First let me say: there is no calculation of the Lord's age. The Lord remains in one single form until He returns to His Paramdham. There is no change in His form. Old age does not come upon Him. If in Rama Rajya, in the rule of Krishna Bhagavan, and in the rule of Kalki Bhagavan it is written in the scriptures that people's old age will depart, then how will old age come upon the Lord? Those who were in Rama Rajya — their old age went away. Those who were in the rule of Krishna Bhagavan — their old age went away. And those who will be in the rule of Kalki Bhagavan — all those humans will become of the age of 16–17 years; everyone's old age will depart. Then how will old age come to the Lord? Therefore the Lord never ages; no one can estimate His age. He always appears divine and of kishora (adolescent) age, until He goes to Paramdham. His hair does not grey, no weakness comes to His body, old age never comes to His body. He is Brahman, He is Sacchidananda, He is always beautiful, He always appears like a fresh youth.

► Watch this answer · 00:12:13 · 07 May 2026

Q_3256 Baba, in the stream (dhara) you are giving, we get certain experiences. But many people say that by taking some other name, or from people who declare themselves to be God, they too have had such experiences. How shall we understand that the stream we are in and the experience we get is truly of the Lord Himself?

Answer: Look, I have not compelled anyone. I have not forced anyone. I have not given a mantra to anyone. I have not become anyone's guru. I propagate dharma. Those who call people and make them disciples — for those people there may be some such consideration. I have not made anyone a disciple, nor am I anyone's guru. Whatever is written in the scriptures, I have composed their meaning (bhavartha) in Hindi and am propagating it for the welfare of mankind. Whether anybody stays with me or not is not my concern. I never tell anybody, 'You must accept my view.' If someone's mind agrees, accept it; if not, don't. I have no concern in this, nothing to do with it. So whether someone accepts or not is not my concern. But we will certainly propagate this, because it is written in the scriptures. It should be propagated, and those who are devotees will certainly understand it. Those who are not devotees will contradict it, will create conflict, will create controversy. With those people I have no argument, no conflict; nor do I oppose their line of thought — I have never opposed their thinking.

► Watch this answer · 00:14:26 · 07 May 2026

Q_3257 A devotee asks: Just as devotees chant the Lord's name day and night, weep and yearn in love for Him, shed tears of bhava to meet Him — do the eyes of Madhava ji ever become moist to meet His simple-hearted devotees? Does He too become restless to meet them?

Answer: See, the Lord has even become a servant (das) for His devotees, and a messenger (doot) too. For devotees — today I was saying in the katha — the Lord became a goldsmith/craftsman and fulfilled the devotee's wish, He made the kankan (bracelet) for Narayan Mudali in the Jagannath kshetra. So the Lord is always eager for the devotee, and the Lord always searches for devotees. But this contact between devotee and Lord — how can I explain it in human terms, in an online discussion? This much I can say: if we have complete faith and yearning towards Him, then through our own experience (anubhuti) we will get the answer ourselves. If we are in complete devotion at the Lord's shelter, then the kind of doubt you have will not even be needed, because the Lord is with devotees every moment, every time, in every particle. He delivers devotees and blesses devotees, shows devotees the right direction, and even takes devotees by the hand up to Vaikuntha. This I have seen, I have heard, I have also read in the scriptures. So this contact of the Lord and His devotion, of devotees — how can I describe it in outer terms? Only the soul and the Supreme Soul know that contact; even if I try to describe it, one will not reach the full essence through that description. Therefore keep faith and devotion towards the Lord. Somewhere, in some form, the Lord will come and give darshan and will also give proof.

► Watch this answer · 00:16:14 · 07 May 2026

Q_3258 A devotee asks: Just as we meditate on Bhagavan Shiva in Shiva's form and Bhagavan Krishna in Krishna's form, in which form should we meditate on Bhagavan Kalki — in the Jagannath form or some other form?

Answer: By meditating on Bhagavan Kalki in the Jagannath form, you will get darshan very easily. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:20:48 · 07 May 2026

Q_3259 You just said that it is written in Bhavishya Malika that people will declare themselves to be the Kalki avatar. What is written about them — what will happen to them afterwards?

Answer: See, it is written that there will be many such persons — 'dvadasha', thirteen persons among the devotee-folk — that is, in India they will self-declare themselves, they will go and sit in assemblies, they will prove themselves or get themselves proved by others, saying 'I am Kalki.' Those people are not God. The Kalki who will come will remain in a hidden form. No one will recognise Him, nor will anyone be able to converse with Him. He will manifest only when the establishment of dharma comes to its point — He will manifest at the end. At that time perhaps in India, in the world, there will hardly be anyone left. So many people will do this self-declared propaganda; it has no meaning. Achyutananda has clarified this: the Lord who will come will remain in secret, He will not give darshan to anyone. And if He will not give darshan to anyone, then where did their claim come from? Where is their proof?

► Watch this answer · 00:21:08 · 07 May 2026

Q_3260 (Closing message) Pandit ji's final clarification and instruction to devotees

Answer: So we conclude today's discussion here. I thank all the devotees joined here. Understand Bhavishya Malika clearly, and if you want to know about the Lord, read the Bhavishya Malika Pratham Khand (first volume) and Dwitiya Khand (second volume) books. In them, the pure stream written by the eternal Pancha Sakha about the Lord is clear proof. And when some people take Bhavishya Malika and say that it is written in Bhavishya Malika that this one is the Kalki avatar — nowhere is there any proof, any writing about the Kalki avatar like that. Only this much is written: in Sambhal. If the matter is of Sambhal, then let those people consider — it must be the Sambhal region, that is, the revenue village Sambhal, it must be the Sambhal of Moradabad; only then should it be considered, and then you may believe it. If leaving aside the Sambhal region people speak about some other region saying 'we are the Kalki avatar,' or propagate such things, stay away from that propaganda. Jai Jagannath. This is what I place in today's discussion. My sacred pranam to the Sanatana Dharmis, gentlemen and saints of India and the world. Infinite crores of pranams from this lowly servant at the holy feet of Bhagavan Vishnu, the Lord of infinite crores of universes. Thanks once again to everybody. See, till 2034 Kalki will not give darshan to anyone. From birth till '34 — at that time He will be 28 years or 30 years old — till then He will not give darshan to anyone. Then how have people become Kalki? And how can we make somebody Kalki? Such wrong thinking should not happen. You all perform Trisandhya (the three-times daily worship). Chant the name of Madhava. See the Lord in devotion. Read the Bhagavat. Take sattvic food, and practise Satya (truth), Shanti (peace), Daya (compassion) and Kshama (forgiveness). You will attain God. You will be able to go to Satya Yuga. If any people say anything about me here and there, do not listen to anyone's talk, do not consider it. And those who do false propaganda of Bhavishya Malika about the avatar — if it is not in that region (Sambhal), their view is completely false. He who will be Kalki will also remain hidden — this is written — and when the Lord manifests, it will be at the last phase of the Third World War, that is, in the remaining time. So at this time, those who self-declare themselves, or who take the Bhavishya Malika book and talk this way and that — do not believe those talks at all. Just do what I say: Trisandhya, reading of the Bhagavat, the name of Madhava, and practise Satya, Shanti, Daya, Kshama; you will reach Satya Yuga, and in Satya Yuga you will meet the Lord Himself.

► Watch this answer · 00:22:34 · 07 May 2026

SESSION 188 · QUESTIONS 3261–3264

L204: गौ माता और अन्य जीवों की रक्षा अभी क्यों ज़रूरी है? Pt. Dr. Kashinath Mishra

Date: 18 May 2026 · Watch the full session ↗

Q_3261 Why is it necessary right now to stop jeev hatya (killing of living beings) and gau hatya (cow slaughter)? (Session topic taken up by Pandit ji)

Answer: We read in the shastras that because of the killing of Gau Mata (mother cow) and the seizing/encroachment of the cow's grazing land, the lifespan of Kali Yuga was cut short by fourteen lakh years, and because of jeev hatya (killing of living creatures) the age of Kali Yuga was cut by about another 2000 years. That is why earthquakes occur again and again on the earth at this time, and we see many kinds of calamities of the panch bhutas (five elements) on the earth — the cause is that man is committing the sin of jeev hatya. This instruction is for all castes, varnas and religions of Bharat without distinction, because the dharma-sansthapana (re-establishment of dharma) that is going to happen will be for all human beings. Bhagwan Kalki's judgement will be a judgement of sin and merit — whoever has sin, his account will be considered; whoever has punya, his account will also be considered. The time in our hands is slowly getting less. In 2032–34 the Satya Yuga will arrive, and before Satya Yuga arrives its tradition has to be established first; day and night we are engaged in this work and we propagate it for the welfare of mankind. I have no personal tradition of my own — I have made no one a disciple, nor am I anyone's guru; but for the protection of dharma, for Sanatan, for the welfare of the earth and of humanity, everyone has the right to propagate dharma. If we do not stop jeev hatya, there will be great earthquakes on the earth. And the greatest thing is that a shloka is written in the Kalki Purana — 'Vedantu dvapara Vyasa karo anta... marga sapa ati durta Kalki rupas bhupa' — it is written in the Kalki Purana that Bhagwan Kalki will redeem even those people who until today eat meat and fish, who commit sin, who commit jeev hatya; He will uplift even such wicked ones, even the shudras. Therefore, whatever has been done, we should forget it; our preparation should be for the time ahead. In the consideration of the shastras this is a time of welfare for all. If all of us stay away from jeev hatya — whether it is a bird, whether it is an insect or animal, whether it is Gau Mata — then our welfare will happen and at this time God will be able to redeem us. So to all who listen to this line of thought and will listen ahead, I want to say: forget whatever you have done; from now onwards do not commit jeev hatya, do not eat the flesh of creatures, do not use creatures in a wrong way. There is still time to be redeemed. I want everyone to be redeemed. A man's karma can be bad — the man is not bad. Differences are seen in a man's gunas (qualities), but a human being is never bad; human beings are very pure. We do not condemn human beings, we condemn actions. So, irrespective of caste, varna and religion, for those who till today in their thinking and in their deeds have committed jeev hatya and sin, this is the time of correction, this is the time of royal pardon (raj kshama). According to the Kalki Purana, Bhagwan Kalki will make both the good and the bad good. But if at this time we do not stay away from jeev hatya and gau hatya, then in 2032–34, which is the time of dharma-sansthapana and the arrival of Satya Yuga — and dharma-sansthapana is going on even now — our path to move forward will be closed. So my request to all the gentle people connected here is: never kill any creature, never kill Gau Mata. When the blood of creatures falls on the earth, for this reason earthquakes occur and the pralaya (dissolution) of the panch bhutas occurs. Dharti Mata (Mother Earth), in great agony and grief, petitions the Lord. Dharma-sansthapana is going on, in 2032–34 Satya Yuga will come, a world war will also happen, but the protection of human civilization is also necessary — if there is no human civilization, what is the meaning of the world? So may all humanity be blessed; the shastras have given equal treatment and equal worth to all human beings. Therefore follow the greatly beneficial Bhavishya Malika Purana. Whatever was written in the shastras

is coming true one by one, and today even the honourable Prime Minister of our country is describing the coming 10 years as a time of disaster. Because the time is such, at this time only sankirtan, nam, bhajan, katha, daan (charity), purity of thought and daya (compassion) should be done. Agni yagya in every home, Trisandhya (three-times daily sandhya) in every home, Bhagavat-pathan in every home, and the Madhava naam in every home will redeem people. In the Bhavishya Malika it is written that when the adhik maas (extra/intercalary month) runs, then a great change will occur on the earth. Many scholars of scripture say an adhik maas comes once in three years and keeps coming like that; but the Bhavishya Malika Purana says that at the time when Shani (Saturn) is in transit and Shani Dev resides in Meen rashi (Pisces), if at that same time an adhik maas comes, then what all will happen? About this the saint Mahapurush Achyutananda of the Nitya Panch Sakha has written. He has written clearly: when Shani is transiting Meen rashi, at that same time a 13-day paksha or an adhik maas — a great change will come in the world. Achyutananda said many calamities will come. Nobody's pride, arrogance and dambha (vanity) will remain. In the world, however great a rich man, however great a learned man, however great a capable man one may be, God will not let anyone's arrogance stand at this time. He wrote a line — 'mano mano tejo dambha' — from your own mind give up dambha, ahankar, garv (pride), lobh (greed), moh, maya, and subdue the senses. And those who get trapped in these — 64 kinds of diseases, the 64 Yoginis, the coming virus-born diseases — in those they will die. So give up pride, arrogance, moh, lobh, maya, coveting of others' wealth, falsehood and jeev hatya at this very time, because it is clearly written that at the time when the adhik maas comes, nobody's pride and arrogance will remain. See, America was boasting — it brought away the ruling head of a country like Venezuela and said it would take away the rulers of Iran too, and that its victory in Iran would come in just a few days. But what happened? Could victory be achieved? For the first time a country like America is doing mutual agreement, is making a treaty; both countries are implementing the ceasefire through a mediator. So today the pride of even a country like America has been lifted away. Many countries in the world who were thinking they would become the masters of the world — Russia alone is fighting, about 21–22 countries are fighting against it; Russia is still fighting today and has conquered several territories. At this very time, along with the extra month, amavasya and sankranti will also fall together. When amavasya and sankranti fall together, the adhik maas falls, and a 13-day paksha falls, then there will be a great harvest of human civilization. It is written in the shastra: 'yada ja tridashatmakam bhave ghora loka munda mam' — this year too a thirteen-day paksha has fallen, in 2022 it had fallen, and it will fall ahead too. What happens from a 13-day paksha? At the time when there is a trayodasha paksha, i.e. a thirteen-day fortnight, at that very time untimely deaths spread over the earth in great numbers and the earth is filled with garlands of skulls (munda mala); at that time garlands of skulls are seen all around the earth and human beings die in huge numbers. Secondly it is written in the shastra: when Brihaspati (Jupiter), in one year, due to its atichari (accelerated) motion touches three rashis — Gurudev touching three signs — then 'tadatu subhat koti bhi preta purna vasundhara': crores of highly capable, very handsome, very powerful soldiers in the world will die, and the earth will be filled with ghosts. This year too, because of atichari gati, Brihaspati has touched three rashis. Soldiers are dying in Ukraine and Russia, soldiers are dying in Iran, American soldiers are dying. This is written in the shastra. So the time is very precious and we must understand this time. Surdas ji wrote: 'Re man dheeraj kyon na dhare — Sambhavat (Samvat) 2000 ke upar aisa yog pade re, man dheeraj kyon na dhare. Purab, paschim, uttar, dakshin, chatur dag kaal pade re, man dheeraj kyon na dhare. Akaal mrityu jag mah vyapi, praja bahut mare re, man dheeraj kyon na dhare. Dusht dusht ko aise kaate jaise kaath jare re, man dheeraj kyon na dhare. Sahasra varsh tak Satya Yug beete, dharma ki bel (phaile) re, man dheeraj kyon na dhare. Swarn phool prithvi par phoole, puni Jagdisha re, man dheeraj kyon na dhare. Surdas kahe ye Hari ki leela, taare na tare re, man dheeraj kyon na dhare.' One day Surdas ji's disciple said to him — because 600 years ago great sin was going on, great adharma; katha was not happening, people did not go to places of dharma, people had become liars, great sin had occurred — then the devotees asked Surdas ji, who was a great devotee of the Lord, of Krishna, of Jagannath ji: 'When will this sin end?' Then Surdas ji said, 'Man, why do you not keep patience — after Samvat 2000 such a yoga will fall.' Surdas ji made it clear that after the year 2000 such a yoga will befall the earth, so keep patience and wait for what will happen. East, west, north,

south — in all the countries that exist in the world, famine/calamity (kaal) will fall and people will become miserable; a great time of disaster will come. When will it come? After the year 2000. And in it he told: 'akaal mrityu jag mah vyapi, praja bahut mare' — untimely death; calamity will come upon young people, upon people of tender age, throughout the world. He did not say it for Bharat only — he said 'chatur dag', the whole world, the whole universe. And 'dusht dusht ko aise kaate jaise kaath jare' — as wood is burnt, so men will keep cutting down men; man will become the cause of the death of man. When? After Samvat 2000 — and that very time is running now. And 'sahasra varsh tak Satya Yug' — the very thought that we have told you from the Bhavishya Malika, Surdas ji said the same: he said Satya Yuga will come for 1000 years, and we say 1009 years human beings will survive; and with this there is complete agreement and light. Satya Yuga will run for a thousand years and the good yuga will arrive on the earth, and Jagdisha — Bhagwan Vishnu — will incarnate on earth: 'swarn phool prithvi par phoole, puni Jagdisha' — here the Kalki avatar of the Lord is clearly indicated. And at the end Surdas ji says, 'Surdas kahe Hari ki leela, taare na tare' — this utterance will not go in vain, there will be no change in this utterance, this utterance will be fulfilled completely. After 2000 there will be a great war in the world, Bhagwan Kalki will incarnate, and this is what is written in the shastras regarding human civilization — the Bhavishya Malika Purana, Surdas ji, the Kalki Purana, the Bhavishya Purana and many other shastras; complete clarity and proof is being found. Therefore at this time do not commit jeev hatya. Whatever the creature — do not kill even an ant. Increase your punya, increase your purusharth (effort). And I consider that if you all follow this, your welfare will happen, auspiciousness will happen. We work night and day for the welfare of humanity; I have not made anyone a disciple; I have no personal interest at all. But I have one interest: that the light of dharma and Sanatan spreads in the world and that humanity is blessed. About the disaster coming upon humanity I have been preaching for about 40 years, and the time I preached about is running today, and you are seeing every sign, every event, every change; the whole world is accepting it. Today the Bhavishya Malika is propagated by a thousand mouths. But I request: when I, after 40 years of study of the shastra of the future, wrote it down for the complete understanding of humanity — by the great grace and blessing of the Nitya Panch Sakhas — let no one misuse the Bhavishya Malika in a wrong way. If you cannot understand its meaning, discuss that meaning with me, because this shastra has by God's grace been translated by us into Hindi and several languages, so at least God has given some knowledge about it. Twisting and distorting the shastra, not knowing it, not understanding the whole faith, and propagating it here and there makes people frightened. But truly, why was the Bhavishya Malika composed? Not for fear. It was composed so that if there is some machinery trouble in our vehicle we may repair it; so that the mistakes in our karma, the errors we have made knowingly or unknowingly, may be changed. Through an independent warning, through a caution, this shastra was composed to bring the spoiled human civilization, the sinning people of human civilization, into a satvik, pure stream and to make them human beings of the Satya Yuga. Therefore this shastra will redeem man; it is composed for the welfare of man — there is nothing frightening in it. It is only this much: do the 15-minute work of Trisandhya, Bhagavat-pathan, the Madhava naam; do not commit jeev hatya; speak the truth. Your welfare will happen, you will go to Satya Yuga, and in the 1000-year Satya Yuga you will not die; you will attain infinite happiness, the satsang and darshan and company of Bhagwan Maha Vishnu, and you will have darshan of all the deities — Shankar Bhagwan, Hanuman ji, Brahmadev, the Ashta Durga, Satya Sati Mata — all of them. A time of great bliss is coming. The time is not bad at all; it is a time of change. Even today, if human civilization turns towards dharma, speaks the truth, follows purity of thought and compassion, does Trisandhya, does not commit jeev hatya, and wishes for the welfare of all human beings — 'paropakaraya punyaya papaya para peedanam', doing good to others is merit, harming others is sin — then dharma-sansthapana will not be needed by force, all human beings will go to Satya Yuga, the pralaya of the elements will stop, the world war too will stop. God's wish is always that people change and that there be no war, bloodshed and destruction; but if man does not change, what will God do? So I pray to Bhagwan Vishnu, I pray to Jagannath: may all be blessed; may all castes and religions — Hindu, Muslim, Jain, Christian — all be blessed; may change come in all human beings; may all of human civilization be blessed. But if you do not do the karma — the karma of

welfare, Trisandhya, Bhagavat-pathan, Madhava naam — and if you do not give up jeev hatya, then how? Stay in God's refuge, do not commit jeev hatya, do not do harm to others, respect everyone; all human beings of every caste, religion and varna should unite for the integrity and sovereignty of Bharat; in the fight that will come with foreigners we shall all work together, all will become Sanatani, all will hold to dharma, God's grace will remain, and the honour of our Bharat, our peace and a firm future will be built — this is my belief.

► Watch this answer · 00:00:22 · 18 May 2026

Q_3262 Neha Pandey ji: Jai Shri Madhava, Pandit ji. We follow Trisandhya and the dhara (practice), but for the last six-seven months the spirit of a girl is seen in our house. She even calls me by my name. We have already had the Narayana Kavacha and havan performed, yet this negative energy is not going away. Now you are our last hope — please guide us.

Answer: See, daughter, you do Trisandhya — that is a great joy, and may God bless you. The girl's soul that comes to your house is calling you for this reason: because by doing Trisandhya, along with our pitrus (ancestors), other unsatisfied (atript) souls also move on. And it is written in the shastra about Trisandhya that by repeatedly hearing the Trisandhya those souls too attain liberation. So I give you one piece of advice: for that unsatisfied soul, that girl, have the shraddha kriya performed through some male member of your household — because any person can do pind-daan for anyone and can perform the shraddha kriya. Her dashah kriya — the dashah samskara and all the kriya-karma together — is performed in Ujjain, and it is also done at other sacred places in Bharat: in the Gaya kshetra, in Pushkar, in Prayag, and in Haridwar. God's grace will be great. Have her pind-daan done by some member of the house. And in my view, tell that daughter who comes and calls you: 'We will do your pind-daan and perform your last rites — tell us your name.' By doing such work she will probably go away. If she still does not go, then for that I will tell you a counter-remedy, and it will also be successful.

► Watch this answer · 00:27:29 · 18 May 2026

Q_3263 Radha Rani Maa: Jai Shri Madhava, Pandit ji, koti-koti pranam at your feet. How can a simple (saral) devotee live with goodwill (sadbhav)? How do we become simple and remain more and more in silence?

Answer: See, we will become simple devotees when our complete conviction in God comes, and when we realise that all the actions of the world are happening by God's will and that we are human beings living on His grace — then our simplicity will grow. As long as we ourselves remain involved in the thinking of the material, physical elements and keep thinking 'I am doing this, he is doing that, someone is acting against me, someone is advancing my work, someone is helping me, someone is opposing me, this one is my enemy, this one is my friend' — until then simplicity will not come. When the thought comes into our mind that whatever happens in the world happens only by the Lord's will, that I should just set my own karma right and surrender my punya to God, then no discrimination will remain in the world, all will appear as one, and by giving respect to God's way of thinking a man becomes gentle, simple and saint-like.

► Watch this answer · 00:29:37 · 18 May 2026

Q 3264 Pandit ji, koti-koti pranam at your feet. I do Trisandhya and Bhagavat-pathan, but for the last 5 years an ordinary illness has been going on and I am not able to get well. Please tell me some remedy.

Answer: See, whatever the illness may be, the remedy for that illness is Trisandhya. If you do Trisandhya, do it at the correct time. Do Bhagavat-pathan, and for your illness read the Fourth Skandha of the Shrimad Bhagavat Mahapurana again and again every day — before going to sleep at night, and in the morning complete it, reading it repeatedly. Also read the Bhagavat that is in the Trisandhya. And before sleeping, chant the Madhava naam 108 times. Whatever medicine you get from the government or the medicine you buy — at the time of taking the medicine, chant the sixteen names (Madhava naam) and then take the medicine. By this a change will come in you.

► Watch this answer · 00:31:01 · 18 May 2026

Session 189 · Questions 3265–3274

L205: 2026-27 Important Prediction: कितना हुआ सच? अब आगे क्या होगा | Pt. Dr. Kashinath Mishra

Date: 24 May 2026 · Watch the full session ↗

Q 3265 (Opening discourse on the session topic) What does Bhavishya Malika (the book of prophecy of the Pancha Sakhas) predict for 2026 and 2027 — how much has come true and what will happen next?

Answer: I offer respectful pranam to all the gentle folk and saints of India, of the world, of Sanatana Dharma. Let us consider the future of 2026-27. We see many kinds of opinions about Bhavishya Malika which are not good for human civilisation; we refute those. The shastra was composed for the welfare of man — such is its purity that it does not merely uplift man, it will carry him into Satya Yuga (the age of truth), it will give him paramartha (supreme good), and in the 1000-year Satya Yuga that is coming men will live up to 1000 years. There is nothing in it harmful to man; there is only the protection of man, the upliftment of man — it is an independent warning (a 'warning') written to bring change in human civilisation. There is no fear-mongering ideology in it. A good time is coming for all humanity; only for those who do wrong, who are against the Vedas and the shastras, is there a problem — for everybody else there is no problem. WAR: In 2026 war can break out in an Arab country and at one particular place — the greatest holy place of the Muslim religion, that dharma-kshetra. There is a possibility of an attack in that region in 2026. In 2026 the 13 Muslim countries — or the 57 Muslim countries, which were originally 13 and split into small nations — will undergo unification. The Iran-America war may also happen again. So the war situation of the whole world will not come to a halt; that situation will spread ahead to every country of the world. It is written in the shastra that when this war happens, the sea will also come up to the 22 steps (Baisi Pahacha) at Shri Jagannath: 'Baisi pahacha khere Varuna, Makka Madina re ghora yuddha' — it is written about Mecca and Madina that when the sea comes up to the 22 steps in the Jagannath kshetra, at that same time at the holy dharma-kshetra of Mecca-Madina there can be war between two groups, between Muslims and Christians. And if the war at Mecca-Madina does not happen, then the America-Iran war may happen — the Iran-America war can flare up again and then stop; that too is a possibility. So in the world the war situation will increase, it will not decrease. It is written in the shastra that at the time all this occurs, nobody will be able to pre-forecast it, nobody will be able to make the calculation. UNIFICATION: Meetings for the unification of 2026 are going on even now, but my view is that until war takes place at Mecca-Madina, the unification will not be able to take its complete form. INDIA: Along with this, the time is coming for war between India and Pakistan again in 2026-27. This is a grave time; in the world the small countries and the big countries want to keep everything in their own control. In 2026-27 the modern machinery — the modern instruments used in war — will develop a great deal of malfunction, they will fail, the net will fail many times, and it may happen that weapons do not meet their targets. Because of war a great effect will fall on the economic condition of the whole world. India has God's grace, yet even now the effect is being felt in India and it will be felt further. Because of the brotherhood between China and Pakistan, it is written in the shastra that an India-Pakistan-China war will occur in 2026-27. In this time inflation will rise, there will be cuts in jobs; those who are in service will be harassed in their jobs, some will even have to leave their jobs. So this is not a very good time for the whole world; the time will move ahead gradually. But the idea that in 2026 there will be seven days and seven nights of darkness — that will not happen, absolutely not; and in 2027 too, in my view, that idea of seven days and seven nights is not coming. In our country a firm, strong government will remain — the government that is running today will remain, and in the election that comes the ruling party will (win). COUNTRY

BY COUNTRY: In America there will be destruction through nature, through the panchabhuta (five elements), and because of that destruction of the elements a great effect will fall on America's economy and on inflation. In Europe too there will be pralaya of nature and the five elements, and in Europe there will be a great disaster in the technical sector. In the country of Pakistan there will be more earthquakes and along with that great loss in agriculture — excessive rain, deficient rain — and in many regions of China and Pakistan there will be no farming. The inflation of this year will rise even higher next year, with a great effect on the economic condition; in China and Pakistan there will also be sickness and disease. In Indonesia, Thailand, Hong Kong and Japan there will be earthquakes again and again, farming will not even be half, and the economy will fall. HEAT AND STORMS: At this same time, in India and in the world, the rudra-heat of Surya Deva will increase greatly — in the months of Chaitra, Vaishakh, Jyeshtha, Ashadh, Shravan, Bhadra, i.e. June, July, August, September, October — sunshine will increase, heat will increase. More than the heat we saw in May and June, the temperature will rise all over the world even in September-October. Great cyclones, the Kal-Baisakhi storms of the hot season, will occur in every country of the world; we will see their effect in every state of our country too. In all countries of the world we will see great disasters like cyclones and typhoons; it will happen in India too. In the coastal regions of India — Gujarat, Tamil Nadu, Kerala, Odisha, Bengal, Bihar — the effect of sea-storms will be great. At this time people will turn more toward dharma, people will join in religious work, there will be greater crowds in maths and temples, crowds in the dhams, and people will come toward bhakti. THIRD WORLD WAR: The Third World War is already going on in bits and pieces; war is going on at world level, whether direct or indirect, and the big countries are participating in it, whether fully or partially. The effect of this war is falling on all countries, just as in a world war — on the economic condition, on exports and imports, on foreign exchange. Therefore it affects the economic condition at world level, because many countries of the world, the main countries, are all in it. So as far as a complete world war is concerned, according to the shastra it is written to happen in 2026-27 — and if it is God's will the war can also be averted. The whole world's war can be averted. It is written somewhere in Bhavishya Malika that when God wills, war cannot be stopped. The Lord stopped the Mahabharata war for many years; at the last moment God asked on behalf of the Pandavas, 'Give five villages' — still they did not agree. Then He said, 'Lord, at least give five houses, we will stop it there' — because the Lord is the Supreme Father. God always desires that there be no bloodshed in the world. Mother Earth wants the same, the devatas also want it, because man is the creation of the devatas and of God. Therefore if people come toward dharma, toward punya and purity, if people do Trikala Sandhya (thrice-daily sandhya worship), read the Bhagavat, give in charity, then in whichever region dharma increases, in that region God will also give relaxation. THEFT AND CYBER CRIME: There will be much theft and dacoity — in the day, in the night, at all times. There will be cyber cheating, money taken away from accounts; every human being in India and the world should be a little careful, because it is written in the shastra for this time, 'chora prabala huiba' — thieves will become powerful and there will be no remedy for it; good people will sit quietly and be able to do nothing. Cyber crime, cyber cheating, cyber money-withdrawal will increase greatly. Therefore in this time you should not pick up unknown calls, should not give the OTP to an unknown caller, and should not tell anything about your account. Not only that — in the house, in the city, in the shops, in the town, everywhere, and in the villages too, theft will increase and thieves will be very many. FIRE: In the city, in machinery, in the industrial sector, in small shops and markets, the effect of Agni Deva that we are seeing now is likely to double, possibly in 2026. Therefore for Agni Deva, before cooking food in the house, light a dhoop and a deep for Agni Deva, do aarti, do puja of Bhagavan Vishnu, and in the kitchen put a little jaggery or sugar into the flame of your stove and bow with pranam, so that the whole family is protected from that calamity. A fire extinguisher should be kept in every house, and one for gas in every vehicle too — especially battery vehicles and gas vehicles; people do keep it in vehicles, but it must be kept in the house too, because nowadays we see AC in most houses. In future it is necessary for you to keep an extinguisher; if everybody keeps one, that is good. But the greatest thing is our punya karma — if we remain in God, God will protect us from calamity. EARTHQUAKE AND PRALAYA: All over the world earthquakes will increase, fire-pralaya will increase, forests will

burn, great industries will catch fire, armouries and military weapon depots will catch fire at those very places — in India too. Earthquakes will increase in the world, mostly in China, Pakistan, Indonesia, Thailand, Hong Kong, Europe and mostly America and the Mid-East; in those countries the effect of earthquake, of water-pralaya and fire-pralaya will fall. There will be heavy rain; in India mostly Uttarakhand, Bihar, Odisha will have more rain, and Gujarat and Kerala also come in it. It will rain for a day or two and then there will be drought; the crop will be destroyed, then they will raise the crop again, and it will be destroyed again. So fire-pralaya, water-pralaya and earthquake will occur in India and abroad, but more in China, Pakistan, the Mid-East and Europe. And in Indonesia, Thailand, Hong Kong and Japan there will be a bigger earthquake than the one of last year, in 2026-27, whatever may happen. This year there will be about eight months of hot season and four months of relief, and in the cold season too 2027 will break the record of 2024 — it will break it in heat, it will break it in rain. I call it destructive rain; it will not be good rain. DHARMA: So this time is going toward change. There will be change in the world. Whoever has dharma will progress, they will go forward. Those who do not have dharma, if they make dharma they too will rise; if people abandon dharma it is not good for them, as is happening at this time. In India too there is killing of creatures, killing of cows; it is there in other countries and in the world too, but in India the influence of dharma is greater, and for this reason India is moving toward relief. And many kinds of disease will come at this time — in the African countries, Thailand, Indonesia, Japan, China, Pakistan, the Mid-East, Europe, America the effect of disease will be there, and in India it will come later. First it will grow in those countries whose names I took, after that it will come to India; Russia also comes into that disease. We will see many kinds of new diseases too. YUGA CHANGE: This is the time of yuga-change. From a Kali Yuga samvatsara we are moving toward a Satya Yuga samvatsara. At this time the Purushottama Samvatsara is running — Shri Jagannath ji is Purushottama and His samvatsara is running; now the samvatsara of Vishnu, of Mahavishnu, is running, and Devi Mata and all are now active. Therefore whether you travel by train, bus, flight, motorcycle or car, my request to you is: travel chanting the name of Madhava. The greatest of dangers will pass you by. Every day we see accidents on the road, fires in trains, train accidents — in flights there is relief for now; but at such a time if you chant the name of Madhava you can be saved. Those who know Trikala Sandhya will also be protected by God, because there is only one tradition for going from Kali Yuga to Satya Yuga, and that is Trikala Sandhya. Whoever performs this Trikala Sandhya, Bhagavan Vishnu will protect that man. ASTROLOGY: At this time much of the future forecasting that is done will be proved wrong in 2026-27. The condition of the grahas and nakshatras is disturbed at this time — where the planets will sit, where they will stay, where they will do good for the world; perhaps they are moving by God's will. So at this time the calculations that are made will be affected. In Satya Yuga jyotish shastra and the Vedas will have great importance; in Satya Yuga people will study jyotish shastra every day and move according to it. But when it is an interval time, the time of yuga-change, the full fruit is not obtained according to planetary position; the punya-phala of a planetary position is not obtained — somewhere more is obtained, somewhere less, somewhere nothing at all, because the condition of the grahas and nakshatras is not right just now. But in our country and in the world the influence of jyotish shastra will be great in Satya Yuga; jyotish shastra is the knowledge, the stream, of our shastras. So ahead there will be great demand for jyotish too. What we say today from our own thinking is written in jyotish shastra. Achyutananda, who wrote the Bhavishya Malika shastra, was a great jyotishi, he was a seer of the future, a brahma-jnani, and a sakha (friend) of God. The whole Bhavishya Malika shastra has been written according to the position of grahas and nakshatras, and here and there Jagannath has been taken in hint; here and there they have also done future-forecasting about the world, about India, about ruler and ruled and the political situation in India. So ahead in our country japa, tapa, karma, puja-vidhi, dharma, nyaya, the reading of the Bhagavat shastra, samskaras, swaha-swadha, agnihotra and yajna — all this will run. PINDA-DANA: Giving pinda-dana to the pitrs perhaps does not have a great position in the world, but I say this much: from 2026-27 onward, at least twice a year perform pinda-dana — in the Krishna paksha, the Mahalaya paksha, and on the shraddha day of your ancestors, at least do pinda-dana. At this time we need the grace of the pitrs and also the grace of Bhagavan Vishnu, because the devatas too have become weak at this time; the panchabhuta of nature are not behaving

according to their own order, they are out of control. At this time only Bhagavan Vishnu can uplift us, and the pitrs too can uplift us; the pitrs will bless, the giver is Bhagavan Vishnu. So all of us who believe in dharma should do pinda-dana, and decide the correct date through jyotish shastra and do the pinda-dana on that date, at the particular time at which the pitrs will be satisfied. Because we need purushartha and we need dharma; purushartha is obtained in this, and dharma too is obtained in pinda-dana. And in every house there should be worship of Bhagavan Vishnu. At this time only Bhagavan Vishnu can uplift the whole world. Bhagavan Vishnu will not look at caste or religion; He will not look at whether this is a Hindu, this a Muslim, this a Jain, this a Christian. He will only see who has dharma — let those very people be uplifted. It is written in the shastra, 'vijati purvaka tato kalantare yasmin puno vidhi' — that is, Bhagavan Kalki, Bhagavan Vishnu, will then make all humanity of the whole world one family. There will be no discrimination, no religion or caste, no 'me and mine'. He will establish peace in the whole world. 'Vijati purvaka' — as it will be in Satya Yuga, so it will come at this time. Bhagavan Kalki will take all human beings; we say that irrespective of caste, religion or varna any human being can do Trikala Sandhya, can read the Bhagavat, can worship Bhagavan Vishnu — because ahead there will be a mingling of all castes and Bhagavan Vishnu will make everyone a Vaishnava. He will nourish everyone like His own children; He will run Ram Rajya in the whole world. Today in the world war is going on, people are not getting food and drink, untimely deaths are happening, people have become miserable — the Lord Bhagavan Vishnu will establish peace on earth. He will wipe out all the stain of Kali Yuga and form a strong, capable and prosperous society, and make everyone a Vaishnava. When God comes He sees no caste distinction. In the Jagannath kshetra there is no caste distinction at all; all castes, all religions of the world, chandala and vipra brahmana, all religious traditions of the world pull the chariot of Jagannath Mahaprabhu. That is why on Ashadha Shukla Dwitiya every year Jagannath Mahaprabhu performs the Rath Yatra, and by performing the Rath Yatra He re-establishes the whole dharma and uplifts the humanity of the whole world. So if Satya Yuga is to come in 2032-34, then all the dharmas and varnas of India must join together and at this time work for the welfare of human civilisation. Everyone will get fruit according to karma. If at this time we come to dharma, then because of dharma God will uplift us and our future too will be full of happiness. At this time, in all of India and in the world, man himself is calling this destructive time. If Satya Yuga is to come in 2032-34, what is the need of this? Everyone will get fruit according to karma: if war does not happen, disease will come; if disease does not come, then in some way dharma will be protected and adharma destroyed. This is clear; there will be no change in it. In 2032-34 Satya Yuga will come — there will be no deviation in this. The deviation is only this: if the world moves toward great change and all people become one family, then all of you should try to see how to increase dharma. Fighting among ourselves is not necessary; will we not do the work of the welfare of the humanity of the world? Because the one ideology is that of Sanatan, in which, when we do havan or satsang, we say: may all humans of the world be blessed; may nature be blessed, may the devatas be blessed, may all creatures be blessed, may the 14 brahmandas of nature be auspicious. That is what we say. So convert this time into dharma, forgetting discrimination among ourselves. This time is absolutely coming; one should come toward dharma. The decision will come from above; by our own thinking we will not be able to do anything — 'daiva balam anya balam', there is no greater power in the world than divine power. And in 2026-27 ahead, when war is imposed on India from the side of Pakistan and China, at that time all Indians should gather together, stand with the country's government in the country's fight, stay with the sovereignty and integrity of the nation and with the federal constitution — if we work like that, there will be peace in India. The fight will be at the border, and staying as a peaceful, prosperous society in the country, we can fight the coming challenge; we can face it. So the time is going toward change, and it is necessary that we too change. Just as a yuga is built from conduct, thought and action, so Satya Yuga will be built from conduct, thought and action. The ideology we had — to destroy another, to give sorrow to another, to rise by trampling another, to kill some creature and eat it, to work against the panchabhuta of nature, to work against dharma, to be trapped in 'me and mine' in civility and samskara — leaving this tradition, we shall have to go toward Vasudhaiva Kutumbakam. 'Sarva dharman parityajya mam ekam sharanam vraja' — we shall have to go toward that too; we shall have to go to the refuge of the one Bhagavan Vishnu.

Forgetting dharma and tradition at times, one should go to the refuge of God; at this time He will uplift. And all the ideology of Kali Yuga that was ours — 'I and mine' is our greatest enemy — that must be given up, and in our conduct, thought and character we should go toward brahma-karma, which is Trikala Sandhya and Bhagavat. And it is necessary also to follow the four-footed dharma of satya (truth), saucha (purity), daya (compassion) and dana (charity). Speak the truth — in the beginning there will be a little difficulty, but with time you will become truthful. Those who speak the truth, their lifespan increases, they do not suffer untimely death, they get the grace of the devatas and the grace of God, and Mahalakshmi is constantly with the truthful one — he never has want or scarcity, there is no essential deficit; those who speak lies get trapped in it. So become truthful; and satya-saucha — saucha means our brahma-karma and purity, the body kept away from desire and lust; compassion toward all, compassion toward all creatures, toward all human beings, and forgiveness — if this is with us, then we can become fit to go to Satya Yuga. The Bhavishya shastra was not written to frighten man. People say — it will break, there will be war, there will be destruction, there will be a great earthquake, people will die. It is not like that; it is written in the shastra and it will happen, but it is also written that before that, this shastra will be propagated, and it is also written that hearing the propagation of this shastra a change will come in human civilisation, and that many people in human civilisation will come toward dharma who will build Satya Yuga ahead. So in my view the path of upliftment is written in Bhavishya Malika; rescue is written there, protection is written there. Why is that not spoken of? The worship of Bhagavan Vishnu is the greatest protection. One day at Naimisharanya the Shaunakadi rishis asked Bhagavan Vyasa Deva: 'Bhagavan, you have composed the Bhagavat, but who in Kali Yuga will understand so many stotras and shlokas and the meaning of the Sanskrit? It should have been very simple. Very well, you have composed it, but we wish to say one thing: tell us its meaning in two words, which the men of Kali Yuga can follow and uplift themselves.' Because this Bhagavat which Vedavyasa ji wrote is for the upliftment of the men of Kali Yuga; in Satya Yuga a different Bhagavat will run, it will be elaborate, entirely in Sanskrit and much bigger. So Vedavyasa ji said, 'If you wish, I will tell the Bhagavat in two words — I will tell the 18,000 shlokas in two words.' Then all the munis and rishis became delighted. Vedavyasa ji said, 'I will tell the Bhagavat in two words; whoever follows those two words will also obtain the punya-phala of the Bhagavat.' What are those words? Vedavyasa ji said: 'Ashtadasha puranaanam vyasasya vachanam dvayam — paropakaraya punyaya, papaya parapidanam.' In this he made it clear: 'paropakaraya' — in it he did not say, help one caste and do not help another caste. He said, whoever helps human civilisation without regard to caste, religion or varna will attain heaven, his human life will be purified and he will have a happy and prosperous life; and those who give sorrow to others, who get trapped in discrimination, trapped in 'me and mine', trapped in religion, caste and varna, those people will not attain liberation — for them there will be the torment of Yama in Sanjivani-pura. So in two words: do good to others, do not give sorrow to others — then this human life will become meaningful. So if this time is going toward Satya Yuga, my ideology too is 'Sarve bhavantu sukhinah, sarve santu niramayah, sarve bhadrani pashyantu, ma kashchit dukhabhag bhavet'. If all people live in happiness and all are of one mind, where will sorrow come from? Neither sorrow is wanted nor happiness; just do one action — in the world, keeping away from 'me and mine', wish for the welfare of the whole world: may your world, the universe, the country, all be blessed. There was such a time when this world was like one country, when King Yudhishthira was king of the seven great continents; at that time Russia too, America, the whole world, the seven mahadeshas, were under King Yudhishthira and Ram Rajya was running in all of them. And such a time is coming again — the whole world will be ruled under God, all will become Ram Rajya. And this time is very valuable. We have propagated and studied these shastras for about 40 years; I have read them in every shastra. And God says: whoever does inauspiciousness to another, who thinks inauspicious thoughts about another, incurs sin; and whoever, irrespective of caste, religion or varna, becomes absorbed in my bhakti, who surrenders himself to me, who understands the world as maya and understands me as his own — I make him my own. Every year when the puja of Achyutananda ji himself is done on the Shukla Ekadashi tithi, the prasad comes from the house of a Muslim devotee named Khan; the first prasad goes to his house. It is Kali Yuga that made a partition of dharma; division came among men, many religions were formed, many

traditions were formed, and people got busy dividing among themselves. Once India was the country of the golden bird. Today great change is happening in India — because of the position of our government, the strength of the government and the firm foreign policy of the government, today our country's honour and respect stand established in the court of the world, and this absolutely proves that India is going toward progress, India is going toward change, and India is going to become the foremost country in the world. We feel it and you feel it too. Why? Because dharma is the cause of victory and adharma is the cause of destruction. As we increase dharma in our country, the more the whole world at world level will respect our country. Such a time will come when India's constitution will be current in the whole world, and the whole world will accept India's governance. That time will also come. So for 2026-27, come toward dharma. There is no frightening element in Bhavishya Malika; it is a warning, a caution, meant to teach you, to change you — and along with talking of change it also says how the change will happen and in which stream one should go. That is what is written in the Bhavishya shastra. People asked me why war did not happen. I said, once war did happen — it was written in Bhavishya Malika that war would happen, and even if it was for six or seven days, it happened. And what should I pray to God — 'Lord, let there be war'? In war how many women will become widows, how many families' sons and daughters will die, what destruction will come in war! Some people will get happiness but 70% of people will get sorrow; the whole economy will break, people will not get food, will not get medicine, will not get anything. Therefore we always pray to God: Lord, change the earth without war; change the earth without bloodshed, and let there be welfare of human civilisation. Because we say, 'Lord, you are auspicious, may the world be blessed' — we will not desire inauspiciousness. There is nothing except God's will; whatever God wishes, that alone will happen. Achyutananda had written, 'achyuta vachanita ho kapa mari hatha' — such a time will come when many elements of Bhavishya Malika will not be exactly right, and at that very time great devotees will put their hands on their foreheads and say, 'What happened? Why not?' God, our Supreme Father Vishnu Bhagavan, always wants the welfare of the world, the welfare of man. This world is moving toward great bliss; only dharma is less — dharma should increase. But if people do not turn toward dharma, if people do not follow satya, saucha, daya and dana, if people do not do Trikala Sandhya, do not read the Bhagavat, then all the words of Bhavishya Malika will become true — because as a brahmin I will never say, 'Lord, do destruction.' Yes, I will say exactly this: may the world be blessed, may dharma be protected, may Gau Mata be protected, may creatures be protected, may man be protected. So the time is in our hands. If we employ this time properly, our welfare will come of it; if we cannot employ it, then every single word of Bhavishya Malika will come down on the touchstone of truth — there is no doubt in it. We are moving toward such a time. Thanks to all. In every house let there be Trikala Sandhya, reading of the Bhagavat, chanting of the name of Madhava, and while travelling, coming and going, chant the name of Madhava so that no calamity comes to you. (Closing remarks:) I offer respectful pranam to all the devotees of India and the world. My request to all: yuga-parivartan will happen. We will not pray to God, 'Lord, make war'; we will pray that the light of dharma may spread and the earth be protected — if the earth survives, we survive. What is written in Bhavishya Malika will happen, because in my view people will not come to dharma, people will not change, people will not give up killing creatures, will not give up destroying others, will not give up 'me and mine', will not give up pride and arrogance — so dharma-sansthapana (the re-establishment of dharma) will happen. But we always pray to God that the Lord is the doer of good; therefore we are moving toward the establishment of dharma. Trikala Sandhya, Bhagavat reading, the name of Madhava — do these wherever you are, in any problem. Keep a fire extinguisher in every house, for gas protection, because nowadays there is gas, AC, and short circuits happen for no reason. And in great earthquakes, water-pralaya, fire-pralaya, and while people fly in the sky, at that time Madhava nama and Trikala Sandhya will protect you — do them, and read one chapter of the Bhagavat. And at this time shorten your food and your way of living, because ahead it will not be available; if you keep something now it will be of use later. And this year in India the effect on agriculture will be about 50% loss, and it will be so in the world; in Odisha too there will be loss in agriculture. In many places in India and in the world, in small holdings and big holdings, because of excessive and deficient rain a famine-like situation will come. There will be more heat in

Shravan, Bhadra and Ashwin — August, September, October — and there will be heat and then suddenly the weather will change and cold will start. Such times are coming. Disease God has for the present stopped in India; it will spread first in other countries — in the country where more sin is done, where killing and killing of creatures happens, there it will be more; in our country it will come later, our time will come. But India-Pakistan war can happen at any time; complete world war too can come at any time; and in Saudi Arabia a great war may grow — a new war front may open — and there is also the possibility of America's war with Iran happening again. With that thought, thanks to all. May all be protected and may all humanity be blessed. Let all religions, all castes, all varnas together maintain the unity and integrity of India; against whatever comes upon India we will all fight together. Yes — who is to remain and who is not to remain, everything will be decided within seven or eight years, at the most within ten years. Thanks to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:23 · 24 May 2026

Q 3266 (From the Arab Emirates) Namaskar Pandit ji — according to Bhavishya Malika, how will the formation/unification of the 13 Islamic countries take place? And what prediction is there in Bhavishya Malika about the future of Saudi Arabia?

Answer: See, first of all — the desert that exists in Saudi Arabia today will not remain a desert. Ahead it will become a green, fertile region. There itself, through great earthquakes, tsunami and the change of nature, greenery will be created in that land, and the desert that is there today will not remain a desert. Sweet water will also be found there ahead. On the day the attack takes place at Mecca-Madina, some time after that the unification of all the Muslim countries will happen — this is written in the shastra. And in that same process a great change will come in all the countries of the Mid-East, and some countries will even be abolished into the sea; some countries, 70-80%, will remain, 20% will be abolished — the small countries and the regions adjoining the sea will be greatly affected. And there will be a terrible war at Mecca-Madina. At that same time there will be water-pralaya in the Jagannath kshetra — this is written; the Pancha Sakhas have written both of these in Bhavishya Malika. So ahead the time will move toward a beautiful change, but for some time there will be a big interval, a very destructive situation will also come ahead.

► Watch this answer · 00:47:42 · 24 May 2026

Q 3267 (Gopi Rathore ji) Pandit ji, by when will the gathering together of all the devotees take place?

Answer: See, it will happen when people's ideology changes. At this time God does 'cold hammering' in the world — He causes small earthquakes, small water-pralayas, small fire-pralayas. Such a time will come when there will be a rain of fire from the sky and villages, cities and forests will burn, and we will not be able to stop it. But the Lord has not yet brought such a calamity; He does small ones. Such a time will come when one planet will have an accident with another planet and great change will come from it. Such a time will come when the Everest peak of the Himalaya will be broken into pieces by earthquake. But the Lord has not yet done these; He is giving everyone a little opportunity so that change may come. In my view, after 2028 the gathering together of all devotees will take place, up to 2031-32, and all people will come toward dharma — because after 2028, as I have told, disease will come, the effect of disease will increase in the whole world, and along with disease, with the pralaya of the panchabhuta and the conditions of world war, people will turn toward dharma and the gathering of the devotees will happen.

► Watch this answer · 00:49:31 · 24 May 2026

Q_3268 (Adhyaksh ji) In this terrible heat, how shall we face it? We are already doing Trisandhya and reading the Bhagavat Mahapurana — what else must we do to get some relief from this terrible heat?

Answer: See, as for the hot season — ahead we shall see eight months of heat and four months of cold. Rain will happen all through the year; there will be excessive rain and deficient rain. Three seasons will run. So for relief from heat I say this: if you want to conquer heat and even death, chant the name of Madhava. From heat, from cold, from water, from the sky — anywhere, in water, on land, in the sky — God will give protection. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:51:16 · 24 May 2026

Q_3269 (A devotee from abroad) What is written in Bhavishya Malika about the rising rates of diesel and petrol?

Answer: In Bhavishya Malika it was written that all the machines of Kali Yuga will stop running; all Kali-yugi machinery will shut down — whether it is technology, the cyber system, or vehicles. So ahead such a time will come when diesel and petrol will not be available; as for all the oil fields in the world, men will fight among themselves and destroy them all. Therefore in my view after 2028 there will be a great problem with diesel and petrol and it will not be available. And this too has been shown: big vehicles and machinery will all stand still and rust like junk and be of no use. At present it is running a little, it is available, but as we move toward 2032, ahead petrol and diesel will not be available — only for the army, for what is necessary for the defence of the country, the government will (control) its consumption.

► Watch this answer · 00:52:17 · 24 May 2026

Q_3270 (Bhavika Merwani ji) Koti-koti pranam, Guru ji. I see in you the form of Devarshi Narada ji, who has been propagating the name of Bhagavan Vishnu through the ages. My question is: some people gave me great pain and suffering earlier. I want to forgive them, but I am unable to do it. Please tell me some remedy.

Answer: Jai Jagannath. I respect your thought greatly, but the matter is this: see, if we think about it, we are not fit to forgive anyone. The one who forgives is God. We are only working out our own karma, enjoying the fruits of our own karma. If there is a matter of forgiveness, it is a matter of compassion. If we show compassion to someone, it is God dwelling in our heart who gives that compassion to him. If we forgive someone, it is God dwelling in our heart who gives him that forgiveness. So about the people who have done this, our greatest thought remains this: in our Sanatana Dharma we say 'Sarve bhavantu sukhinah'. God said in the Bhagavat — give one and the same status to your enemy, your friend, the chandala, the sinner, the murderer, the robber; if you give everyone one status, then all are human and all are our friends, and forgiveness will happen by itself. Therefore the conduct of enmity and friendship in the world is not in our ideology; it is neither in Sanatan nor should it remain in our ideology. Offer every karma, every sorrow, every problem, every splendour, every property at the feet of Bhagavan Vishnu. From that very day everything is forgiven. And say: 'Lord, all this is yours; my sorrow is yours, my joy is yours, my property is yours, and everything is you alone; without you I have nobody; you alone are my protector; and I wish the welfare of the whole world and of everyone; give me a place at your feet.' Just by saying this much, God will Himself forgive everyone — because we are not fit to forgive. Even if we tell someone, 'I have forgiven you', the karma that was done will be judged in the court of Yama; the fruit of the wrong karma he did he will have to bear in his next birth, because of prarabdha. Whichever man has tormented another, given sorrow, given

punishment — whether we say it or not, whether we grant forgiveness or not — he will still have to suffer the punishment. Just as the wind carries fragrance and foul smell along with it, so this soul, after death, discarding the body of five elements, will go with the karma it performed all its life, and in the next body that karma will manifest. So even if I have given forgiveness, karma will not leave anyone; everyone must experience the fruit of karma. But we say only this much: 'Lord, in this world we take refuge in you; joy and sorrow are yours; I have no friend or kinsman, you are my friend and kinsman; please uplift me, and may the world be blessed.' Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:53:21 · 24 May 2026

Q 3271 (Kanishka Goyal ji) Pandit ji, koti dandavat pranam. The remedy you told me for my marriage succeeded by the Lord's grace and my marriage has taken place. Now please tell me if there is any remedy for obtaining a child.

Answer: Good — as for a child, you will certainly get a child. Since the marriage has happened, the obtaining of a child can also happen. For obtaining a child I will certainly tell you. At a separate time, on the number on which Mohan speaks, or the number that is in the description, Mohan's — after discussing with him I will tell you. If you want a child ahead — such a time will come when there will be great problems of food, ration and water for people. Even so, if that is your wish, we will tell you the remedy; make a phone call and talk, and I will tell you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:57:16 · 24 May 2026

Q 3272 (Two questioners, no names given) According to Bhavishya Malika, will investing in gold be safe in the future?

Answer: In both cases the name has not been given. Such a time will come when in India, in the world, in every country, gold will be declared national property. Neither will anyone be able to sell it, nor will anyone be able to buy it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:58:22 · 24 May 2026

Q 3273 (No name given) The India-Pakistan war that is to happen — will it happen within 2026-27? Can it happen or not?

Answer: They also did not give a name. In May 2025 the war happened; its composition was there in Bhavishya Malika — that there would be war with Pakistan through military action. And it is written that in 2026-27 the war will happen again. That is why I have also said that in 2026-27 there will be war between India, Pakistan and China, and the Third World War will take a terrible form. In my view, if people come toward dharma it may be delayed a little; if they do not come toward dharma then it will come absolutely on time.

► Watch this answer · 00:58:42 · 24 May 2026

Q_3274 (Apoorva Sharma ji) Can women also do pitru tarpan, the way sons do pitru tarpan? My husband does not get up early and gets irritated; sometimes he does sandhya, sometimes he does not.

Answer: Apoorva Sharma ji, that is fine. Pitru tarpanam — daughters too are doing it nowadays, because it was written in the shastra that at the time of yuga-parivartan the mothers too will have to come forward and do religious work. Therefore you can do pinda-dana; mothers should do it. If we do not do pinda-dana for the pitrs, then there will be no auspiciousness in our home. Today, separation between husband and wife, conflict in the house, anger in speech, non-birth of children, losing one's job, cracks appearing in one's livelihood, losses in business — all are caused by pitru dosha. And for deliverance from pitru dosha — to be uplifted from pitru dosha, Trikala Sandhya is the greatest mantra. In whose house Trikala Sandhya is performed, in that house pitru dosha is destroyed. So you can absolutely do it.

► Watch this answer · 00:59:44 · 24 May 2026

SESSION 190 · QUESTIONS 3275–3280

L206: 2026–32 में छात्र और नौजवानों का जीवन कैसे रहेगा सुरक्षित और शांतिमय? | Pt. Kashinath Mishra

Date: 27 May 2026 · Watch the full session ↗

Q_3275 (Opening discourse) How will the life of students and young people remain safe and peaceful during 2026–32?

Answer: Jai Jagannath. My respectful pranam to all Sanatan Dharmi gentlemen, saints and pure humans of India and of the world. Today's theme is very valuable for us, because the future and the present of the country are the young people — they are the protectors of our country and they can take our country forward. The scripture called Bhavishya Malika contains writings about the whole world — about the future of the entire world, about the future of Bharat, and about the changes that are going to occur in the whole Brahmanda (universe). What is written in this text is greatly beneficial for us, because if we can come to know it, we can take precaution from it. For this reason this scripture is very important and a scripture that brings welfare. Many people propagate many things which are simply not in the scripture at all. In the scripture there is only human welfare, the upliftment of humanity, and how we shall get deliverance from the coming problems. That is why this scripture is so important for the youth and for all human beings. At this very time the change of Yuga is taking place. The Yuga change of the entire world is about to happen — it is the time of Yuga change in the seven Brahmandas. Therefore, at the time of Yuga change, a change must take place in the human being also. Along with the change in humanity, the change of youth, of young people, and of small children is also necessary — because just as the season is, so should one's living be. At this time we are moving from a terrible Kali Yuga towards Satya Yuga, and a great change comes in human civilization, in the human being; hence change is necessary in us also, and a change in the youth and students must happen. Nowadays we see that in many places road accidents happen to young people. Somewhere young people become unhappy due to depression. Somewhere, due to great depression, due to failure in their career, they even commit suicide. Somewhere they become cruel, and somewhere, taking up their own problems, they even fight among themselves. The reason for this is that, due to this time of Yuga change, small problems and even very big problems come upon young people. We need deliverance from these problems, and there is only one path of deliverance — Sanskar (values, spiritual culture). I have seen that at picnics young people drown in water bodies; somewhere a boat sinks, somewhere in the sea. In this time young people have adopted many traditions which are far from the root tradition of our Sanatan Parampara — many individual traditions, many man-made traditions; young people go and take shelter at their feet and live there and do their work. But in truth, does their protection happen there? It does not. That is not in our line of thought. Yet we see in today's society that many incidents, many calamities come upon young people. If young people go, or will go, to the shelter of Bhagwan Vishnu, great welfare will come to them, because in this world, apart from Bhagwan Vishnu, there is no protector for us. So first of all, my request to all youth and small boys and girls is: at least go to the shelter of Bhagwan Vishnu. Do the puja of Bhagwan Vishnu. By chanting names such as Shri Vishnu, Shri Shri Jagannath, the grace of Bhagwan Vishnu will come upon them. That is why Sanskar is needed. At this time every father and mother is worried about their children; they want our child to become good, his career to be good, his future to be good. In my view everyone's future will be good — but only if we give him Sanskar. If from childhood, from birth, we give Sanskar to children and youth, then in their life they will never face such difficulties. I take one line of thought from Dwapar Yuga. One day Raja Dharmaraj Yudhishthir asked Bhagwan Shri Krishna, 'Prabhu, what will be the outline of Kali Yuga?' Bhagwan said to Yudhishthir, 'The influence of Kali Yuga is now coming; you go and travel about, and come

and tell me what scenes you see.' So Dharmaraj Yudhishthir went travelling, and on the way he saw a cow licking her calf so much, licking and licking, that blood began to flow from the calf's body and mouth, everywhere. Raja Yudhishthir became sorrowful and said, 'O mother cow, why do you lick your own child so much that from the licking there is harm to him, and his life is endangered?' Seeing this, sorrow came into his mind — the cow is the deity of Dharma, and she whom we worship in the form of Mother, why does she do this to her own offspring? Then Raja Yudhishthir came and asked Bhagwan Krishna, 'I saw a scene on the way.' Krishna Bhagwan said, 'What scene did you see?' 'I saw a mother cow licking her calf until blood flowed continuously, and sometimes even his death occurs.' Then Bhagwan Krishna said: 'In Kali Yuga, parents will not give Sanskar to their children. Because they do not receive Sanskar from birth, the children will not be able to advance their future with Dharma and Sanskar. Every father and mother will think about their child's education and career, but will not give Sanskar. So what will happen because of this? Because there is no Sanskar in the children, there will be the downfall of that lineage (kula). In their old age, children will not do service and care of their parents, and in some cases such a problem will arise that they will even oppose their parents. Thus in Kali Yuga the Kula Dharma will be destroyed, and the very future — the parents themselves will destroy that future.' If a son makes a mistake, if he is far from Sanskar, if he does not accept the spiritual way, if he does not read the Bhagwat, if he does not do Trisandhya (the three-times daily prayer), if he does not chant the name of Bhagwan Vishnu — even then the parents encourage him, saying, 'He is a small child, he does not do it now, he will do it later.' But in truth this affects our children's future, their Sanskar, their lifespan, their safety. We have learned this tradition from Sanatan Dharma: if all boys, girls and youth do Trisandhya every day, then the lifespan of all of them will increase. The grace of Mata Saraswati and Ganesh Dev will remain. Education will be good, memory will increase, and being punctual with time, from Brahma Muhurta until evening, they will be able to carry out their duties and studies smoothly. Because nowadays we see many young people and children go to bed late, sleep late. Because of this habit, children suffer memory loss and their education system is also affected. If children wake at Brahma Muhurta and do Trisandhya, and after that study, and after that take food; if they take lunch at the right time and dinner at the right time — they will get plenty of time for education and study, and along with that their memory, strength, and through the grace of Bhagwan Vishnu, our children will become protected. And we have read this in the scripture: those who do the puja of Bhagwan Vishnu — their strength, intellect, discrimination, soul-power, their enterprise (purushartha) and lifespan, all increase. In Trisandhya there are the shlokas of Bhagwan Vishnu only — the 16 names of Bhagwan Vishnu, the ten avatars of Bhagwan Vishnu, the name Madhava of Bhagwan Vishnu, the supremely sacred text Bhagwat Mahapuran — all these are the worship and meditation of Bhagwan Vishnu. And if children read the Bhagwat, lifespan increases. They travel on the road, they go out for outings, they go to play, they go for picnics — untimely death (apamrityu) happens. In my view, no one who does Trisandhya will suffer untimely death. At this time our young people who are the future of our country, our defence, our protection — they will be able to make our future firm and certain. Their Sanskar, and Trisandhya for them, is necessary — because at this time the Yuga change is happening; Satya Yuga will come. If children do not do Trisandhya, they will not know the karma of Satya Yuga; then how will they survive in Satya Yuga, how will they work there? Therefore for all boys and girls to do Trisandhya at this time — my complete conviction, my truthful conviction, is that untimely death will not occur, they will serve and protect their parents, and sons, daughters-in-law and children will care for their parents till the end — because Trisandhya is a principle which teaches us service, truth, peace, compassion, forgiveness and friendship. Therefore at this time the protection of our youth is Trisandhya. By doing Trisandhya, education will be good, soul power will increase, and in my view untoward incidents will not happen. Accidental death, accidental calamity — that too will not come. Our children will be safe from great disasters. Therefore the safety of children is essential, and my request to every father and mother: I told you that story of Dwapar Yuga — do not do like that. If you do not give them Sanskar, then with our own hands we farm our own child's ruin, and we ourselves will later suffer the blame for it. Today in Bharat there are so many old-age homes. The cause is that we did not give Sanskar to our children; we did not take our children to the shelter of Bhagwan Vishnu; we did not teach

our children Trisandhya. For that reason, after our children get married, they have no knowledge of their duty, no correct understanding of it, and so they are unable to perform it. It is not their fault — I want to place the fault on the parents. And what benefit is there in blaming? Now in 2032–34 Satya Yuga will come. We too will go. Our small children too will go to Satya Yuga. They will survive up to 1000 years and attain supreme happiness in their life; and in the time that runs from now also they will obtain happiness and live a protected life. Therefore my request to all parents: first give the lesson of Sanskar — make your small children listen to Trisandhya, make them do Trisandhya, make them read the Bhagwat; in that lies their protection. We send children out of the house at an age when they have not attained the maturity to take decisions. If they do Trisandhya, their completeness and full responsibility comes from the grace of Bhagwan Vishnu. Then in today's times, parents sitting at home will have such confidence — 'my son does Trisandhya, chants Madhava, is in the shelter of Vishnu, reads the Bhagwat, he will have no problem' — and in the end, reaching the highest level in his career, he will make his life beautiful, prosperous and peaceful. Nowadays we see that in many places there is separation between husband and wife; divorce cases happen, and they cannot get along and live apart. Many cases go on. If from this very age we teach them Trisandhya and have them read the Bhagwat, then later in their married life too they will obtain happiness and peace and remain in bliss. What is happening in the world today — families are breaking. Families will not break. Good offspring will be born in the home. Nowadays many people have no offspring. The solution to all these problems — the future of children, the future protection of children, the protection of young youth, and the conducting of their future along a well-considered path — for this, Trisandhya is most truth-bestowing for them, the greatest in the Brahmanda. We have to move ahead to Satya. Everything is changing. We will change our children too and leave the protection of our children in the shelter of Bhagwan Vishnu, because nothing happens by human agency; whatever happens is by God's grace and by previously earned karma. So to all young people I request: do Trisandhya. It takes five minutes. And if you begin your work from Brahma Muhurta, hurdles will never come in your life, and you can reach the very best career in life; and in any challenge in the world — be it education, be it sports, be it any academic career — in all of it you will get God's grace. And those who wake in Brahma Muhurta, success comes by itself in their life. Trisandhya is a medium through which, by itself, in Brahma Muhurta at 3:45 to 4:30 at night, sleep breaks; and if our children begin their work from that very time, they will get the whole day's time — they will do education and at the same time protect Dharma, protect themselves, take their own protection, and will themselves be able to take decisions for their education, their memory. Because when God's grace comes — Dhruv was nine years old, Prahlad was eleven years old; they took their own decisions, and by their decision Dhruv became a king at the level of Moksha-pada, and Prahlad became Indra in heaven and also became a king on earth at the age of eleven. That is the future — and they came to that level through the medium of Trisandhya. Why should our children not go there? So let children take their own protection; let them do Trisandhya themselves. In my view, any child, any senior person, any elderly/old-age person who does Trisandhya will never suffer untimely death; there will be no accidental death. In their life God's protection and the co-operation of the whole world will be with them. So along with all our boys and girls, our family too has to go to Satya Yuga. The Bhavishya Malika Puran gives us the tidings of Satya Yuga, and it also tells how we go to Satya Yuga through the medium of Trisandhya. And it also gives proof of how in Satya Yuga our life will be prosperous, happy, free from disease and old-age ailments — how a healthy and prosperous human civilization was formed. Therefore education, food, clothing, medicine — this tradition exists in every Yuga and exists in this Yuga also. Hence with the Yuga change, this education system will continue. Let the children who are studying today continue it. Study well — because education has never ended in any Yuga. In every Yuga education goes on. In Satya, Treta, Dwapar — Kalki Bhagwan himself did study, and the Pandavas also did; Dhruv and Prahlad also did study. We too must study. Along with the Yuga change, education is the greatest necessity. And for you who are studying now — whether your career is academic, or a traditional career, or some personal career — to build that career, strengthen Dharma: Dharma will be got in Trisandhya. Strengthen your lifespan: you will get it in Trisandhya. And the decisions necessary in your life at this young age — in Trisandhya you will get independent positivity, so that you

yourselves will say, 'After doing Trisandhya our memory stays good, the mind stays free, studies go well, and the things in education we could not grasp and used to forget have now become easy for us.' So strengthen your education, study. Eat on time. Wear well-considered clothing, and wear dress according to our Sanatani tradition; and by evacuating at the proper time and sleeping at the proper time, we will reach a safe, prosperous and progressive civilization in our life. Therefore to all the children and youth of India and of the world I say: just do Trisandhya and see what benefit you get from it. I guarantee — no untimely death, no sorrow, no calamity, no anxiety, no problem. Trisandhya is the one formula for the solution of all problems. See, the greatest tradition, the cheapest, the greatest creator, the father of all the devatas, the father of Shankar Bhagwan and Brahma Dev, the protector of all — is Bhagwan Vishnu. Without Bhagwan Vishnu there is no other protector in the world. Man does not understand this. When a man dies, when his pinda-dan is performed, the puja of Bhagwan Vishnu is done. Even though in your life you made many men into God, even though in your life you adopted many traditions and spent your whole life running after them — after death we have to go to the shelter of Bhagwan Vishnu, because it is Bhagwan Vishnu who protects us after death; He protects us in human life before death also; and in creation, sustenance and dissolution it is only Bhagwan Vishnu who uplifts and protects our life. So if the puja of Bhagwan Vishnu is done for a person after death, then people should from childhood, like Prahlad, like Dhruv, like the Pandavas who renounced everything and went to the shelter of God — in the end they became sovereign emperors, became kings of the whole world, attained heaven, and became friends of the Lord, making their lives very happy and prosperous. So, among the great traditions, the greatest tradition is that of Bhagwan Vishnu. From any human-made tradition, in my view, you will get nothing. Whenever you go to the shelter of Bhagwan Vishnu, from that very day, that very moment, that very time, your mind and your body get an independent positivity, independent power, independent spiritual power — the spiritual power is the largest will-power of the Brahmanda, of the world. There is no such will-power in the universe as that which is obtained from the name of Bhagwan Vishnu. So to all young people, to the whole young generation, to all boys and girls, my request: Trisandhya takes 15 minutes, and in 15 minutes your career is secured for 100 years. Your life is secured, your enterprise is raised to an independent level, and in this you will receive the grace of all the devatas. All the devatas of the entire Brahmanda will bless you. The planets and constellations — those grahas and nakshatras that trouble you — will also become beautiful and full of blessing for you, and life will become happy and peaceful, family life will become peaceful. There will never be separation between husband and wife, and no discord between husband and wife. The best happiness and peace in the world will be got in this. So my request to all young people: Trisandhya, reading of Bhagwat, the name Madhava — it is a matter of 15–20 minutes. If you cannot read the full Bhagwat, one chapter; read even one page of the Bhagwat, it will take two minutes. Just do that much and do the Sandhya. And my request to all children, boys, girls and the young generation: morning and evening catch the feet of your father and mother and do sashtanga pranam (prostration with eight limbs). By this you will get peace in life, your future will be secured, you will get the grace of all the devatas, and greatest of all, the grace of Bhagwan Mahalakshmi-Vishnu-Narayan. And by this you will get all happiness and peace in your life. So offer pranam to your father and mother twice a day, morning and evening. Offer pranam to Surya Dev morning and evening. Trisandhya will take 15 minutes — do that. I say this to you absolutely: do it. Those who listen — tell your children, your students, the little ones who study in school: say, 'We do Trisandhya and we feel very good about it.' And greatest of all, there will never be fear in the world, no delusion, no anxiety, and above all you will never feel any weakness in yourself, that 'I am less' — because Dhruv and Prahlad said, 'We too can become the greatest saints in the world, we can become a king, we can become Indra too.' So do all this, follow it; in this lies your welfare. Along with the building of the new Yuga, we too shall grow. Strengthen further the education you are studying now. Study, make a good career, give happiness and peace to your parents, give them mental peace also, and give them economic peace in future by earning a livelihood. And along with that, to all the guardians, all the fathers and mothers of the world — make your children do Trisandhya. Without giving Sanskar... we will go ourselves as we do it; our child too should go to Satya Yuga by doing Trisandhya, and their future too should be auspicious. So teach Trisandhya to your small children

also. And education is a continuum; it never stops and never will stop. Some people, some children think that the world will change ahead — education will never stop. Education will go on. Keep doing your studies. Build your future, and simply obtain the Sanskar of God and the grace of God, so that in your life the grace of the Lord, who takes you by the hand to your destination, becomes yours. Thanks to all. Jai Jagannath, and by the grace of Madhava may there be welfare of the world, may there be welfare of all human beings, welfare of all the beings, the nature-world and devatas of the whole Brahmanda. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:00 · 27 May 2026

Q_3276 In every session you speak about Agnihotra yajna and inspire us. We wanted to know what Agnihotra is, how it can be done, what all its rules are — please explain in full detail. What benefit comes from doing yajna, so that we can tell those who argue against it? And you had said you would write a book on this — when will that book come before everyone?

Answer: Very good suggestion. Wherever I do katha, there itself I also perform havan — the Vaishnav Yajna. And till today I have not made anyone a disciple, because I do Dharma-prachar (propagation of Dharma). Doing Dharma-prachar is God's grace, because one day our death too will come, on which day our karma will also be considered; so by doing Dharma-prachar and doing welfare in the world one gets God's grace. I myself have not become a guru; I have not created any big tradition. This is a great grace of God upon me. Because of my control over my senses, my restraint over greed, attachment and maya, today I have not gone into the disciple-and-guru tradition and am engaged only in the work of Dharma-prachar. This is God's grace. And it is written in the scripture: 'Ashesha graha-peedanam shanti... yajna dana homya kalyana dhi ate dhruvam.' Its meaning: those human beings who perform Agnihotra yajna — 'ashesha graha' means not just the nine planets, but whatever defect of the planets there is in the Brahmanda — be it the influence of Shani Dev, the influence of Shukra Dev, the influence of Rahu-Ketu, the influence of Mangal Dev, the effect of the Budh dasha, whatever the influence — all the graha-peeda (planetary affliction) is pacified, all graha-peeda is destroyed, if someone performs Agnihotra yajna. 'Yajna dana homya' — yajna, dana, and 'homya': Agnihotra is called 'homya'; yajna refers to the Vaishnav yajna, Indra yajna, Jala yajna, Panchabhuta yajna. So 'homya' means the Agnihotri yajna. Every day in the morning at Brahma-muhurta, at the time of sunrise and at the time of sunset, this havan is to be done. I have made a PDF of this, and as per your suggestion to write a book on this yajna, I will certainly write it. And it is written in the scripture: if anyone in this world performs yajna — 'Yajno devate, yajne sarvam pratishthitam' — this world that we see: man, nature, the devatas, and all the elements of the world and the Brahmanda that we see, exist by the grace of God's yajna. 'Yajne deva tapate' — all the devatas become delighted; 'yajne sarvam pratishthitam' — the earth is established through yajna; from yajna the earth came into being. And the first yajna was performed by Brahma Dev at the Bija Kshetra in Odisha, for the welfare of creation, for the establishment of creation and for the construction of creation. Brahma Dev first performed that havan, that yajna-anushthan, in the Bija Kshetra of Odisha. So yajna is very important. Also it is written in a shloka: 'maha-utpada prashamati prasuyate prasuta praja' — the great calamities: the dissolution of the five elements upon creation, the effect of grahas and nakshatras upon creation, great defects, the defects of the great planets that are coming towards us — they are uprooted in the air. Those who perform havan — their lifespan increases; those people live more than 100 years, and disease and old-age ailments never come to them. So I will certainly write this; we have the PDF, we will send it — talk to Moun (the coordinator) and I will send it. You people perform yajna; do the yajna in the morning, because it is written in the scripture: 'Swaha, Swadha' — just 'Om' — when it comes upon the earth, man will attain the greatest happiness. A

very good idea — do follow it. I also have four programmes: one programme in Hyderabad, one in Bhor, one in Karnataka, and one at Pampa Sarovar, within two-three months. So if you wish, Baba can come to these programmes as well. These programmes are ahead, so we will consider it further. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:29:30 · 27 May 2026

Q_3277 Pandit Kashinath Mishra ji, koti-koti pranam at your feet. When there will be no electricity and no internet, how will the people who are connected through the mandal know where to go — because no one will even be visible far and wide? Such a condition will be there that if everyone survives, people will run, and wherever people are, they will keep running in that direction. In my village a big temple of Kali is being built. Will that temple remain? Will people go into that temple to survive when pralaya comes?

Answer: See, it is written in the scripture — look, at this time pralaya (total dissolution) will not happen. Many big traditions say pralaya will happen. Just a correction to this word — it is not a total disaster. At this time pralaya will not happen. Who said pralaya will happen? At this time there will be small khanda-pralayas (partial dissolutions). They will occur over small land-regions. There will not be one great pralaya all together in the whole world in which there is calamity for the whole of human civilization. That will not happen. There will be khanda-pralaya. See — on the day we have no cooked food, we take a snack, or else we eat fruits. On the day we have no vehicle of our own, we go in a hired vehicle. On the day we do not have the dress of our liking to wear, we wear another dress. God has made the world in this way: when there is change in the world, God will also set up another substitute, will raise another power. We do not have to think about this — Bhagwan Vishnu has to think about it. How He will keep us, how He will maintain us, is His will. Just make your karma good, make your Dharma good; and the time will come when all will go to the temples of the gods and goddesses and perform their worship. They will go to the temple every day. A temple of Maa Kali is being built in the village — very good; and Maa Kali too gives protection to her devotees. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:35:16 · 27 May 2026

Q 3278 (From someone in the corporate world, Bhor) You say that Kali resides in four places, and one of those places is where falsehood is spoken. We work in the corporate world and have to speak untruth all the time; there are very few such places where falsehood is not spoken. We work with the thought that karma is supreme, but sometimes it is very difficult. How should we fulfil our work and duty in this? Please give some guidance.

Answer: Absolutely, it is a good question. A very good question. This question will serve human welfare. In this question there is 'professional truth'. In a profession a professional truth comes. I found the definition of that truth in the scripture. Someone is in government service, someone is in the defence of the country, someone is in the job or profession of some company. To work according to that profession — that tradition is called Raja Dharma by the scripture. So under the observance of Raja Dharma, speaking untruth or speaking truth — this comes under Raja Dharma. Whether this practice is in the corporate sector, or government, or in some company, it is called Raja Dharma. In Raja Dharma, whether falsehood or truth, whatever is in the interest of the company should be done — there is no sin in it. But in our social life, in our family life, do not speak untruth. But professional truth, according to Raja Dharma, is no sin. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:37:26 · 27 May 2026

Q 3279 What has been told in the Bhavishya Malika about the future of the dollar and the global economy?

Answer: See, whether you say dollar, or rouble, or French money, or Indian rupees, or taka — whatever you say, all the foreign exchange of India and the world: in my view, in time the gold coin (swarna mudra) will come into circulation. And for all these currency systems there is much time; I am not giving that assessment right now. So what will we get by thinking about it? Whoever has power at whichever time — at this time, increase Dharma. Dharma is the greatest wealth, and by Dharma deliverance can also happen. And such a time will come that the gods and goddesses will feed us food, will rescue us, will uplift us, will become our guides. The gods and goddesses will directly come in their bodies upon this earth and rescue us. So we are not to think about that. At this time, look at what our Dharma is, what our karma is, what our needs are — what is tomorrow's need, look at that; the day after tomorrow's need, look at that; what will happen further, leave it upon God. But let me say one thing: hold on to Dharma, do Trisandhya — because our life needs protection, needs God's grace — and do the worship of Bhagwan Vishnu. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:39:16 · 27 May 2026

Q 3280 (From a devotee) The Iran and America war has started again. Some days ago you had said this while everybody was saying there would be no war. So how do you come to know that there will again be a war between Iran and America? Please give some information about this, because apart from you no one else gave such accurate guidance on this.

Answer: See, all this is God's grace; nothing is ours. We are engaged in nishkam karma (desireless action). It is the work of the Bhavishya Malika Puran. In the whole world many big traditions oppose me. Till today no one has the will-power to tell about Kalki Bhagwan; nobody tells about it. There is no discussion by anyone about the arrival of Bhagwan Vishnu. Even so, it is 40 years that we have been engaged in Dharma-prachar, and it is not merely our belief — it is truth. Certainly, in the world the arrival of a Satya Yuga is happening. We all, together with pure people like you, will make this Satya Yuga. And when the mind is pure, then speech becomes pure. If there is filth in the mind, if there is greed in the mind, if there is

deceit in the mind, if selfishness has entered the mind, then purity does not come into speech. Likewise, if you remain in a pure mind and pure thought, your speech too will become truthful. And speech (that comes true) comes when the mind is purified. And with a purified mind, in the shelter of God, whoever does this work — such a human being will be able to tell the truth in advance. And I tell you this: in Satya Yuga all human beings will become divinely knowledgeable. Sitting here, what is happening in America, what the future will be, what the present is, what is needed, what is not needed — all this will be known to every human being. This is only the beginning. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:40:43 · 27 May 2026

SESSION 191 · QUESTIONS 3281–3286

L207: क्या सभी मनुष्य त्रिकाल संध्या करके जा सकते हैं सत्ययुग ? Pt. Kashinath Mishra

Date: 29 May 2026 · Watch the full session ↗

Q 3281 (Opening discourse) Can all human beings, regardless of caste, creed or religion, perform Trikal Sandhya and go to Satya Yuga?

Answer: I offer my respectful greetings to all Sanatan Dharmi gentlefolk, faithful and pure human beings. Today's line of thought is the greatest tradition for the construction of a new Yuga — Trikal Sandhya, the three-time Sandhya. Three times a day the bhajan of Bhagwan Vishnu is done, the stuti (praise) of Bhagwan Vishnu is done, the worship is done, the aradhana is done — the scriptural method has prescribed three-time Sandhya, or Trikal Sandhya. The three Sandhya times are: the first Sandhya time is before Surya Bhagwan rises; the second Sandhya time is when Surya Bhagwan is approaching the midday zenith — the time from 11:30 to 12:30 is the second Sandhya; the third Sandhya is when Bhagwan Surya Dev sets — fifteen minutes before it and fifteen minutes after it. These are called the three-time Sandhya. At those times, in Swarga Loka, in Kailash, in Pitru Loka, in Patala, in all the Vaikunthas, in Goloka Vaikuntha, in Brahma Loka, in Kailash — at that very time the Trikal Sandhya of Bhagwan Vishnu goes on. All rishis and munis, all sadhus and saints, all who are the retinue in Brahma Loka, and all the devotees residing in Goloka Vaikuntha have to observe this three-time Sandhya, because at these three times the worship of Bhagwan Vishnu takes place. The worship of other gods and goddesses is not done at these times. Worship of other gods and goddesses is done according to tithi, vaar and nakshatra, whenever the festival falls, at its own time. Any day, between sunrise and sunset, we may worship any deity at any moment, and after sunset, at midnight or through the night, we may also worship any deity — but the three Sandhya times belong to the worship of Bhagwan Vishnu. Therefore at these times it is necessary for human beings also to perform Trikal Sandhya. I place my view on today's subject: Trikal Sandhya can be performed by all human beings in the world, irrespective of jati (caste), varna or dharma. There is no prohibition whatsoever on anyone performing Trikal Sandhya. Why? Look — at this very time Kali Yuga has ended and the arrival of Satya Yuga is taking place. So at this time, in order for all of us to go to Satya Yuga, we should perform the Brahma-karma of Satya Yuga, and that very karma is understood as the three-time Sandhya. Therefore Brahma-karma. 'Vishwa utpatti hetave, tapatraya vinashaya, Shri Krishnaya vayam namah' — the Sachchidananda Bhagwan who delivers us from the three kinds of tapa (three-fold suffering), that Sachchidananda Bhagwan Vishnu, Maha Vishnu. Because of Maha Vishnu's three-time Sandhya, a human being is delivered from the cycle of the three tapas; the soul which wanders and is deluded in the bondage of the cycle of births moves towards Paramartha, towards the Param Pada — Param Pada meaning, among all the beings on earth, in heaven, in the middle region and in Patala, one attains the highest station of all. Through what? Through the medium of Trikal Sandhya. Therefore the three-time Sandhya is very necessary for our people and for all people. When Satya Yuga began, at that time there was one jati, one dharma, one tradition, one Lord — Maha Vishnu alone; Mata Mahalakshmi alone. 'Krita' — that is, in Krita Yuga all became servants of Bhagwan Vishnu, all performed aradhana, all sang his bhajan. So in Satya Yuga everyone was doing bhajan of Bhagwan Vishnu. One deity, one dharma, one tradition, one constitution and one Param Tattva — that is what existed in Satya Yuga. Then from Satya came Treta, from Treta came Dvapara, from Dvapara came Kali. Then in the bondage of the Yuga-cycle we are moving again towards Satya Yuga, and before going to Satya Yuga we have to enter Adi Satya Yuga — Adya Satya Yuga, which is called the time of Yuga Sangam (the junction of ages) or the beginning of Satya Yuga. Adi Satya Yuga runs for about a hundred years, and after that human beings go on towards full Satya Yuga and

become absorbed in japa, tapa, tapasya and jnana, in complete surrender to Bhagwan Vishnu. So in Satya Yuga, when there was one dharma, how many castes were there then, how many traditions? Nothing of that sort is written. At that time there was one jati and no other jati. All, being with Bhagwan Vishnu and in his shelter, had become Vaishnavas or Brahmins. The proof of this is found in the scriptures. What is written in the scriptures? 'Sarvan gan brahmani parivartayet' — when Bhagwan Kalki establishes truth on earth, what will he do? He will convert all the dharmas and traditions on earth into one tradition and make them Brahmins or Vaishnavas. And exactly this proof is found in Satya Yuga too, as I have just placed the scriptural evidence. If Bhagwan Kalki is going to make all the people of the whole world Brahmins or Vaishnavas, then why should we not begin that work now? Why create divisions now? Why make divisions now? What is the need? It is written in the scriptures that when Bhagwan comes upon the whole world, he establishes dharma over the whole world. For sinners it becomes impossible to remain on earth. Yes — those people who change, them too Bhagwan takes to Satya Yuga. There is proof of this too in the scriptures: 'Vedo dvapare Vyasa kale, ante punar Hari' — that is, the Vedas and Puranas were composed by Vedavyasa in Dvapara Yuga; in the Adi Yuga Bhagwan Vishnu composed them through Brahmadev; and 'kalau ante punar Hari' — at the end of Kali Yuga, Hari will come. Hari means Maha Vishnu, the 64-kala-complete Maha Avatar, the supreme avatar, the unprecedented avatar of creation, an avatar that never happened before — in the form of Bhagwan Kalki. 'Prabhu marga sthapayati Hari' — Kalki Bhagwan will place even those wicked people who did wrong deeds on the right path by making them do good deeds, and he keeps even great sinners by making them pure and meritorious. For this, dharma prachar (propagation of dharma) takes place — for about one hundred years dharma prachar goes on. And when through dharma prachar the dharma of Bhagwan Vishnu spreads on earth, then people move towards Satya Yuga, towards Brahma-karma; people come to understand the definition of sin and merit. So when Bhagwan comes, or is about to come, or — by the method of the scriptures — has already come, when in 2032–34 Satya Yuga begins, then Sanatan will not be established in Bharat alone. Prabhu will not be king of Bharat alone. Bhagwan will become the king of the whole world, and in the whole world he will also make one lakh devotees kings. So in this tradition, in Satya Yuga no petty dharma, no separate dharma will remain. Merging all dharmas, Bhagwan will make Vaishnava dharma. In the whole world, those human beings who wish to change, those human beings who come to good dharma and Trikal Sandhya and to the shelter of Bhagwan Vishnu — only those will Bhagwan Vishnu establish on earth and create a new Yuga. That is why it is written, 'sarve gat brahmana parivartayet' — all will become Brahmins, will become Vaishnavas; and the Vaishnava karma, which I call Brahma-karma, is Trikal Sandhya. All the people of the whole world will at that time observe Trikal Sandhya. If we are to observe it, then according to the responsibility of Sanatan Dharma and according to scriptural method, this tradition of Sanatan Dharma and the tradition of Bhagwan Vishnu is for all human beings and we should propagate it, and in this no discrimination should be kept. Because if Bhagwan, the treasure-house of grace, wishes to bestow grace on all the human beings of the whole world, then why should we be narrow-minded? Therefore I call upon the whole world. I call upon all human civilization. I wish to explain to all human civilization, well and with the purest feeling, so that as time changes ahead we too may change. We do not have to go to Satya Yuga alone — all of us together have to go to Satya Yuga, and all have to come into the shelter of Bhagwan Vishnu. When Satya Yuga was there, by doing aradhana of the name of Bhagwan Vishnu human beings became chiranjeevi (immortal). Human beings did not die. Their lifespan increased. Not only that — they got death at will, food at will, the right to dwell where they wished, and happiness at will was attained. Why? Because in that Yuga, due to the boundless compassion of Bhagwan Vishnu, human beings became supremely happy. If we consider: in which Yuga — Satya, Treta, Dvapara or Kali — were human beings the happiest? The consideration is found in the scriptures. Satya Yuga: the Yuga in which there was no fear of death; the Yuga in which there were no medicines, no old age and disease; the Yuga in which giving and taking of life between husband and wife was a tradition — one wife would sacrifice her life for her husband, and the husband likewise for his wife. In the family there was respect for the father, respect for the mother, respect for elders. For everyone there was provision at all times of food, nourishing, pure, wholesome food. Human beings, merely by wish,

would go from one country to another, from one loka to another — from the human world, the mrityu loka, from the middle region to Chandra Loka, Swarga Loka, Surya Loka, Brahma Loka — they would come and go, right down to Patala Loka, through the fourteen brahmandas, touching the sixty-one Goloka Vaikunthas; they went to all places. And for going there, there was the power of mantra. No yantra-power was reserved for a limited group of people; such a time existed for all people. Therefore — satya, shanti, daya, kshama, maitri (truth, peace, compassion, forgiveness, friendship) — where there was never any thought of human sorrow, no discrimination of sorrow. Such a Yuga, Satya Yuga, is described in the scriptures as the most happiness-filled Yuga. When Satya Yuga was there, there was one dharma. Then Treta Yuga came and two dharmas came — in that, one dharma remained of the asuras, and the devatas and humans also were there, but the devatas and humans had one dharma and the asuras a separate dharma. Then in Dvapara Yuga humans, asuras and devatas remained. And in Kali Yuga human beings remained, and in human form asuras too remained, but dharma became of many kinds. And at this time Kali Yuga has ended; and when Kali Yuga has ended, then dharma too will become one, karma too will become one, the constitution too will become one, the Lord too will be one, and in the whole world all will have equal rights and equal consideration towards one another. So it is written. Such a time will come when all people will become equal. The rich, the learned, all people will attain one tradition, one happiness. Whoever today has a hundred crore — whatever worthiness he attains, the one who does not have even a single paisa will also get that much worthiness. That time is coming, and such a time will come when rich and poor will become one, and in human civilization there will be a mighty light of compassion. All human beings will forget discrimination. By the grace of Bhagwan Vishnu and by his influence, the wars taking place today in the world on account of jati, dharma and varna, the destruction that is happening, the great calamity against human civilization — that calamity will be averted, and all will treat themselves as one family and live in one family. Then again we go to the scriptures. In the Kalki Purana it is written: Bhagwan Kalki will come as Yuga-pravartaka, the one who turns the age — 'sa chakravarti raja bhavishyati, sakala loka prasada' — Bhagwan Kalki will become the chakravarti (universal emperor) of the whole world. If Thakur ji is to become the king of the world, then in the world this Trikal Sandhya should be done by everybody. If we keep it confined within Bharat out of discrimination, then how will the deliverance of humanity in the whole world take place? For it is written in the Bhavishya Malika Purana that in England, America, China, Japan, France, Pakistan and Russia, Europe, in all the countries, in Africa, in all countries, Bhagwan Maha Vishnu will re-establish Sanatan Dharma. So from now on we propagate this tradition, so that in the whole world everyone should perform Trikal Sandhya. And if all, rising above religion and sect, perform Trikal Sandhya, then attaining Bhagwan Vishnu and gaining the benefit of the nearness and grace of Bhagwan Vishnu, human beings will go to Satya Yuga, and entering that coming new Satya Yuga they can become immortal and ever happy. Therefore time is short. Time is short, meaning in our hands is the period between 2025 and 2032–34; the time of arrival of Satya Yuga is between '32 and '34. I have said this before and I say it today too — Prabhu may make an interval of two years this way or that. We should not deliberate on this; we should deliberate on karma and on dharma. Dharma will give us protection, karma will give us protection; protection of lifespan will be obtained, of the future, of the present and of the time to come. Therefore Trikal Sandhya, in my view and in the view of the scriptures, is for the whole world, for all human beings; there is no prohibition on people of any caste, creed or class observing this Trikal Sandhya, no restriction in it, no rules. The only rule is dharma and karma. So, from what I have read in the scriptures, the three-time Sandhya will protect us from the three tapas. Human beings should give the greatest weight to shama and dama — shama and dama meaning equality towards all and patience. Those humans who observe this will be able to reach Satya. Patience and equality will make us fit to move forward. Therefore Bhavishya Malika Purana is a scripture, a scripture which through Satya, Treta, Dvapara and Kali, and thereafter in Kali Yuga, was given full form by the Nitya Pancha Sakha, who were born from the portion of Bhagwan Vishnu or from the limbs of his body — from the mouth, the chest, the waist and the arms. They wrote this scripture; Bhagwan himself told this scripture. Sometimes it is a dialogue between Bhagwan Krishna and Garuda, between Bhagwan Vishnu and Garuda. Sometimes Shankar Bhagwan Shiva told it in a kalpa; sometimes Krishna Bhagwan told it to

Rukmini in the Rukmini Gita; sometimes in the Uddhava Chausa there was the discourse of Krishna and Uddhava; sometimes in the Hari-Arjuna Samvad the discussion took place between Arjuna and Bhagwan Krishna. This is Bhavishya Malika Purana — the daru-murti (wooden image) that was moving became a human body; in such form Bhagwan Jagannath will take the Kalki avatar. And the Kalki avatar is coming for the whole world. At this time, in the whole world, those human beings who wish to change, who will do Brahma-karma, who will observe Trikal Sandhya and come into the shelter of Bhagwan Vishnu — Many times I have seen: Vibhishana too was an asura; he too, coming into the shelter of Bhagwan, became immortal. Prahlada too was born in an asura family; coming into the shelter of Bhagwan Vishnu he obtained the position of Indra. Likewise Gayasura came into the shelter of Bhagwan and became immortal. So coming into the shelter of Bhagwan is no matter of caste, creed or varna. In the Bhagavat it is clearly said: 'I have no caste, no creed, no varna. I look at karma. Whoever performs karma, whoever becomes completely surrendered to me in life and understands the world as maya, and accepts me as the highest wealth — him I take into my shelter.' Therefore this stream of life, this propagation of Bhavishya Malika, is the great grace of Bhagwan. We should not raise questions upon it. Many people raise questions — 'in Bhavishya Malika this happened, that did not happen.' Look, it is not our right to deliberate on this. We are human beings. To argue and debate over Bhagwan's thought, over Bhagwan's scripture, is not in the duty of a human being. Man's duty is good karma and good intellect — cultivate good intellect to subdue all the senses; do good karma to make your soul happier and purer. Therefore it is necessary for us to make this human life fruitful. So those who argue over Bhavishya Malika, who raise questions — 'will it happen or not, is it true or false' — this is not even a matter of deliberation for the devatas. I have never read it anywhere in scripture. When Bhagwan Krishna closed the eighteen-day Mahabharata war by ending it at seventeen and a half days — I have not found deliberation upon that in any scripture. That is a matter of sanga (association); it is not our line of thought. What is written in the scriptures — in one place Bhagwan says in the Bhagavat: if you sit thinking about everything that is written in the scripture, there will be no welfare for you in it; understand what your welfare is and do that. Therefore in Bhavishya Malika Purana, whatever is for your welfare, whatever is happiness-giving for you, whatever is instructive for you — do that, learn it, observe it. Do not run after some other principle; running after water in a desert, one does not get water. To revile the scripture and to consider the scripture false is not within man's right. For any man to judge the principles of scripture as right or wrong leads to the state of hell, because revilers of scripture attain hell. Never deliberate on that — on what happened or did not happen in scripture. We have not seen the whole brahmanda, and we do not get news of everything happening in the brahmanda. Therefore, just be a humble, steady and firm human being, and pray to Bhagwan for your own deliverance as one prays; pray like that, and never try to understand the scripture fully. Just do this much — follow the karma of the stream of scripture. To understand the whole scripture is not in the power of man, not in the power of the devatas; apart from Bhagwan Vishnu, Brahmadev and Shankar Bhagwan there is no consideration of it. So ahead, Satya Yuga will be made, and the people of the whole world will come into Satya Yuga. It is written in the scriptures that in the whole world — America, England, Germany, China, Pakistan, Thailand, however many countries there are in the world, Russia, all countries — Sanatan will be established; in all countries devotees will be delivered, and Bhagwan Kalki will travel to every country and establish Sanatan in that country. Therefore my view is: observe Trikal Sandhya at the proper times. By observing Trikal Sandhya your three sins will be cut; if the three sins are cut, there will be no apamrityu (untimely death), no accidental death. Your family life and worldly life will become full of happiness. You will not become a pauper. And along with this, it will also serve the most beneficial principle in the world, the welfare of human civilization. And even up to Pitru Loka, through the medium of Trikal Sandhya, they will bless you. Therefore at this time the purushartha (effort) of our people should increase, lifespan should increase. Because Surdas ji wrote, 'akal mrityu jag mahi vyapi, praja bahut mare' — and 'yada ja paksha tridasha dinatmakam bhavet' — when the diminished fortnight comes on earth, many human beings die, untimely death occurs. So protection from untimely death will be given to you by Trikal Sandhya; no other tradition will do it, no other principle will do it, no other name will do it. Yes, by the Name there will be deliverance, by the

Name there will be mukti; but from death, untimely death, accidental death, and from the shortening of human lifespan, only Trikal Sandhya can protect us. Taking this tradition we shall go to Satya Yuga. Beyond this we shall do havan — there will be havan in every home, in every home Brahma-karma and Trikal Sandhya, in every home worship of Bhagwan Vishnu; every human being will observe satya, shanti, daya, kshama, and the whole world will become one family — Vasudhaiva Kutumbakam. Our thought for the whole world is: 'Sarve bhavantu sukhinah, sarve santu niramayah, sarve bhadrani pashyantu, ma kashchit dukhabhag bhavet.' Sorrow will never come into the world if, for the welfare of the whole world, with folded hands and raised hands we pray to Bhagwan: 'O Prabhu, do good to all, deliver all.' Manav dharma (the dharma of humanity) is the one dharma, and nothing is higher or lower than manav dharma. The welfare of all, one's own welfare, the welfare of the whole world, the welfare of creation — this is the greatest means of obtaining divine grace. Without Trikal Sandhya we will not be able to go forward. This is a clear matter. Yes, many thoughts also come — 'what is Trikal Sandhya?' Trikal Sandhya is this very Brahma-karma; these three Sandhyas will deliver mankind; apart from this there is no path of deliverance whatsoever. To observe it is our greatest karma. All castes, creeds, varnas — we are not in any caste-discrimination. Yes, certainly we are concerned with sin and merit: those who commit sin, we oppose; those who kill living beings, we oppose; those who slaughter cows, we oppose; those who oppose dharma, we oppose; those who revile the scriptures, we oppose them. But we do not oppose any human being, any religion, any caste, because this is Sanatan. And Sanatan Dharma — the dharma which the earth bore, the dharma out of which the earth was created, the dharma out of which mankind was created — that was Sanatan. In Satya Yuga all were human beings; in Satya Yuga all human beings were Sanatan and were in the Brahmin lineage. Then in Treta man came, in Dvapara man came, in Kali Yuga man came, and in Kali Yuga man created many kinds of dharma, and in those dharmas mankind's deliverance took place in Kali Yuga. But at this time it is not Kali Yuga; Satya Yuga is coming. We will have to accept one dharma, the tradition of Bhagwan Vishnu; we will have to follow it. That very principle is Trikal Sandhya; before or after it there is no other principle. The time will come when people will certainly deliberate on this and speak of it, but there will be no time left in hand. If you deliberate on it at this time, you will become strong in future. This is what I place as today's thought. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:00 · 29 May 2026

Q 3282 I am a very sinful, greatly sinful soul. I have committed many sins and great sins in my life. Now those very deeds are inciting me to commit suicide, to hang myself. Please save me from this great sin. Nothing is going well in my life — neither a good job nor peace of mind. I am very troubled by this life. (Name not given)

Answer: Jai Jagannath. Look, no one in the world is a sinner, and man has no right to deliberate on sin and merit. Man has the right to do karma, and he should do good karma. If some sin has been committed by us, or if we feel that sin has been committed, then there is one simple remedy by which all sin will be destroyed — that which we speak of: Trikal Sandhya. It is written in the scriptures that whoever performs the three-time Sandhya, the sins of crores of lifetimes — not just of this Kali Yuga, but the sins from crores of yugas of births that are with us — those sins are washed away and the human being becomes pure. So all your sins will be broken. By a very easy and simple remedy: do the three-time Trikal Sandhya, and read one chapter of the Bhagavat. Every day give some small vegetables or something to Gau Mata and ask for forgiveness. Through this, by the grace of Bhagwan and by scriptural method, all your atonement for your sins can be done. And along with performing Trikal Sandhya, the mind will become strong; becoming strong the mind will become steady; becoming steady the mind will become powerful, and you can do any work and take forward your livelihood and your failed life. And thirdly I say this categorically: those people who commit suicide — for them all the sins of all the previous births they have taken get multiplied many crores of times over. The sin incurred by brahma-hatya (killing a brahmin), bhruna-hatya

(foeticide), killing a woman, killing a child, killing one's father, killing one's mother — far greater than all that sin is the sin of one who commits suicide. Because of that sin, that human being has to wander for many lakhs of births in the yoni of ghosts, which is called an unsatisfied (atripta) soul. He gets no water to drink, gets no place to sit; even the bhoot-prets do not keep his company — they say, 'you committed suicide, so you cannot stay with us either.' All drive him away, all beat him, all abuse him. So after death, apart from weeping and weeping, that soul gets nothing; and then he never again gets a human life. So let no human being commit suicide; there is no sin in the world greater than suicide. Do not do it. In Trikal Sandhya all sins are washed away, and your life will become a beautiful life — livelihood will also come, happiness and peace will also come, Bhagwan will also come, and prosperity will also come. Do just that much; in my view there will be great welfare for you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:32:34 · 29 May 2026

Q_3283 Parmveer Singh Sahi bhaiya: Has the Kalki avatar already come or not? Please remove this doubt a little.

Answer: Look, this question — has the Kalki avatar come? I am a Brahmin. In Bharat today the big traditions, the big people, hesitate to speak about the Kalki avatar. They do not even speak about it. And I see in some astrology podcasts, some gentlemen also say the Kalki avatar has come. Is there any proof in scripture for this? Yes, there is proof of it in scripture. I am a Brahmin; I will place scriptural proof. When will Kalki incarnate — in which scripture is it written? I go to the Bhavishya Malika Purana. In the Bhavishya Malika Purana it is written: 'Nilachakra Prabhu ranga' — when the flag falls from the Nila Chakra of the Jagannath temple, then Bhagwan Kalki, in the Chambal region of Moradabad in Uttar Pradesh, in a Brahmin family, of a father named Krishna Yash and mother named Sumati, on the Shukla Dwadashi tithi — the avatar of Bhagwan Kalki took place. [At this point Panditji was interrupted by an open microphone and said:] Someone please mute that; noise is coming. If you people interrupt in the middle like this, it becomes difficult for me to speak. I am not speaking scripture after thinking it over — when the feeling comes into my mind, then I speak. If you interrupt in the middle, how shall I speak? I have forgotten everything. Do not do this. All right — by the method of the scriptures, this avatar appears to have already taken place. What I was going to say, I have forgotten, because in the middle someone unmuted their phone, so I could not speak. All right, next question.

► Watch this answer · 00:36:29 · 29 May 2026

Q_3284 With the America–Iran war, so much effect has come upon Bharat; after the Third World War, what will be the effect on Bharat?

Answer: Look, the complete Third World War has not yet begun. Even from its effect, the economic condition all over the world has already fallen by 10 to 40 percent at the world level. So after the Third World War — not Bharat alone, I speak of the world — in the whole world an independent (free) time will come. First, an auspicious (mangal) time will come in Bharat and people in Bharat will become happy. The sorrow and pain of many days of the people will be wiped away and people will become joyful. The diseases and illnesses of the people of Bharat will be removed. Old age will go. No one will have untimely death. In agriculture, good crops will begin to grow. A gentle, fragrant breeze will begin to blow. And all will become joyful. After the Third World War — this is written in the Bhagavat Mahapurana: when Bhagwan Ram destroyed Ravana, destroyed the asuras, then on the earth auspicious words and auspicious sounds were heard in the whole world, in all the kingdoms, and human beings became happy. Pavan Dev began to come as a gentle, fragrant, cool breeze. The light of Surya Dev became pleasantly cool. The light of the moon became luminous. The four directions became

steady. The Dik-palas began to protect the earth, and Dharti Mata produced so much grain that human beings went on harvesting. After the world war such an auspicious time is coming in Bharat. In that auspicious time no one will die and no one will have illness. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:39:22 · 29 May 2026

Q 3285 Om Prakash bhaiya from Pakistan: I have been doing Trikal Sandhya for three years. Are there any other devotees here in Pakistan, or will there be in the coming time, to whom I can convey the vani of Bhavishya Malika? Because whomever I tell, those people call me mad and make fun of me. Also, while doing Trikal Sandhya tears come to my eyes.

Answer: Look, at the time of doing Trikal Sandhya, repeated yawning and tears coming from the eyes — this is because the negativity within us, the bad qualities, the evil deeds (dushkrit) in our body, go out. For this reason yawning comes again and again and water comes from the eyes. There is no mantra on this earth, on this planet, by uttering which repeated yawning and tears from the eyes will come by themselves. These are not tears — it expels water from the eyes, that is, it expels the negativity, the wrongness. Tears come from weeping; this is not on account of weeping. In Trikal Sandhya there is no word for weeping; it is simply the praise of the name of Bhagwan. Therefore this is a highly effective mantra, an effective bhajan. Because of this, tears come, yawning comes. Your Trikal Sandhya is becoming successful. Yes, in Pakistan very many people will be saved, irrespective of caste, creed or varna — those who will go to Satya Yuga. So, if today people do not accept it, tomorrow they will accept. Should we not do its propagation today? I too say: if telling someone, nobody accepts — never mind, let it be. But the time will come when people will search and search and do Trikal Sandhya, will beg and beg and do Trikal Sandhya. To be saved, Trikal Sandhya alone is the greatest medicine; it is the Brahma-tattva, it is amrit (nectar); there is nothing greater than this. So do Trikal Sandhya, make your family do it, and with time people will change. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:42:06 · 29 May 2026

Q 3286 (Closing announcements) What further practices and programmes should we take up now?

Answer: I place today's thought here. Infinite crores of obeisances at the holy feet of the Lord of infinite crores of brahmandas, Bhagwan Maha Vishnu, from this lowly servant. Infinite crores of obeisances at the holy feet of Dev Dev Brahmadev, Mata Bhavani and Prabhu Shankar Bhagwan. And I offer respectful pranam to all Sanatan Dharmi gentlefolk, saints and pure human beings of Bharat and of the world. Again and again I bow at the holy feet of Bhagwan Vishnu and at the holy feet of Maha Mahalakshmi. To all who have joined, my request is: perform Trikal Sandhya, read the Bhagavat, chant the name of Madhava. In every home the havan has to be started going forward — Swaha, Swadha, Vashat and Omkara; when Omkara, Swaha, Swadha and Vashat begin to function, then Satya Yuga will come. These four elements will purify the four quarters of the world and construct Satya Yuga. We are moving step by step towards Satya Yuga. First I spoke of Trikal Sandhya; now I have also spoken of havan — all of Bharat, our people who are connected with me, and you too can perform havan. For the havan we shall compose a book: how to perform the havan, what the method is, what the rules are, how you should do it — all of it is written there and you will get it. And for satisfying the Pitru-loka, whatever karmas are needed, I give place to those also — because until worship of Bhagwan Vishnu takes place in Pitru Loka and on the earth, Satya Yuga will not come. Therefore in every home worship Bhagwan Vishnu, in every home perform Trikal Sandhya, in every home do the bhajan of the name of Madhava, and observe satya, shanti, daya, kshama; give small

charities. This is the greatest road for us for the arrival of Satya Yuga; we have to follow it, and propagate it too, because no mantra will protect except Trikal Sandhya. One who performs Trikal Sandhya never has an untimely death, nor will have. This is not my own idea — I have not made anyone my disciple, I am nobody's guru; but the principle that is in the scriptures I place with force, because many traditions have destroyed and distorted the scriptures on the earth, destroyed the scriptures. Now we will not let them destroy. We will awaken the scriptures. We will distribute the principles of the scriptures to mankind in the world. We are making people read the Bhagavat, so that they themselves become knowledgeable and give a fitting reply to the ignorant people who create ignorance. So I place my thought for today's time. Jai Jagannath, Jai Shri Balabhadra, Jai Mata Subhadra, Jai Shri Sudarshan, Jai Shri Madhava, Jai Bhagwan Kalki. At Sambhal-kshetra, Moradabad, Uttar Pradesh, decoration is going on; our Kalki Dham is to be built, so you can travel to that region and go for the arrival of Bhagwan Kalki. And secondly, you can also visit the Kalki Dham at Pirana in Ahmedabad. In our Navratri fortnight there is a seven-day Kalki Katha there, at Pirana in Ahmedabad, Gujarat; a very fine Kalki Dham has been built there and you can also visit that Kalki Dham. May Bhagwan Kalki protect all devotees. Jai.

► Watch this answer · 00:45:13 · 29 May 2026

SESSION 192 · QUESTIONS 3287–3300

L208: अमावस्या-संक्रांति योग बना खतरा? 15 जून के योग के बाद सूखा और तबाही | Pt. Kashinath Mishra

Date: 19 June 2026 · Watch the full session ↗

Q_3287 In the last meet, a mother named Neha Pandey asked about spirit/soul-related problems in her home. You had advised doing Pind-daan, but she could not understand whose Pind-daan to do, what to do and how. The problem is increasing; at night she also sees things and feels as if she is being called. Please guide.

Answer: Go to any Gaya kshetra, or Nabhi-Gaya kshetra, or Jagannath Puri kshetra (Mahodadhi kshetra), or Pushkar or Haridwar — take a good Brahmin with you. For the one who is coming in her dream, whose name is not known, it is stated like this: say, "The one who comes in my dream, the one who appears to me, the soul which has not attained sadgati — I perform their Pind-daan." In their name invoke Brahma, Vishnu, Maheshwara too, and address it thus: "the one who comes in my dream or who becomes visible to me" — do the Pind-daan for that one, and also for all the unsatisfied (atripta) souls, speaking it out at the time of Pind-daan. Probably their liberation has not happened, for which reason they repeatedly appear in the dream. If Pind-daan is not possible, then do one thing: read the Garuda Purana in the home for them — read the Garuda Purana for seven days, and do Trikala Sandhya at the three Sandhyas. Then tell me what effect comes from it.

► Watch this answer · 00:20:09 · 19 June 2026

Q_3288 Shivani ji asks: I have been doing Trisandhya for a year, but so far I have had no experience (anubhuti). I also do Bhagavat reading daily. I have a small child and cannot get up early in the morning — what should I do?

Answer: Very good that you do Trikala Sandhya, very good. As for experience — look, when a calamity is to come, experience comes. Another kind of experience is if the Lord comes in a dream and says something. Definitely, if you wish: every day before sleeping, sing the Madhava name / the name of Kalki 108 times and then sleep, and tell the Lord, "Lord, give me some experience so that my mind becomes firm and I can move forward in this dhaara (stream/path)." Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:21:54 · 19 June 2026

Q_3289 Libra Girl: I have been connected with this dhaara for three years. Earlier there was devotional feeling, but now my mind is wandering, there is much suffering in life, though I have faith in God, and there is a financial downfall. Please guide.

Answer: Very good that you are in the dhaara; we thank you. Those who observe Trikala Sandhya are divine humans (divya manav), and you are doing the karma of a divine human — that is wonderful. For protection from the financial crisis that is happening, recite the Mahalakshmi Ashtakam three times every day — the Indra-krita Mahalakshmi Ashtakam; you can contact the number given below to obtain that mantra. While reciting it, also chant the Madhava naam 108 times. And whatever decisions you take, take them with patience, so that you do not incur further financial loss.

► Watch this answer · 00:22:58 · 19 June 2026

Q_3290 Ranjul Mehta from America asks: I want to go on a pilgrimage with my mother from 21 July to 14 August — Ahmedabad, Vrindavan, Shukratal, Prayagraj, Ayodhya, Kashi. Is this time safe for pilgrimage? What guidance would you give?

Answer: Yes, you can do the pilgrimage at this time. But in the Garhwal region the weather changes somewhat from time to time. At that time, doing the Madhava naam and Trikala Sandhya — even if a calamity comes, there will be no problem, and you can do the pilgrimage in this period. Go forward doing Trikala Sandhya and Madhava naam bhajan. And the most important thing: in the Garhwal region, Uttarakhand/Uttaranchal region, at this time a calamity can come at any moment, because at that time there is excessive rain, sometimes landslides — all these small problems keep occurring. But going with Madhava naam and Trikala Sandhya, there will be no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:24:03 · 19 June 2026

Q_3291 Ashish Kumar ji: In the Trikala Sandhya, at the end there is a jaikara that there should be a gathering/assembling (ekatrikaran) of all devotees — when will this happen?

Answer: Look, the assembling of devotees will happen when a great calamity comes upon human civilization in the whole world. When calamity comes in the whole world, devotees will assemble by themselves. That time is still ahead. After 2028, people, out of fear or dread, will adopt dharma; they will adopt Trikala Sandhya. Then when the Lord seats the Sudharma Sabha, the assembling of all devotees will take place. Right now this dharma-prachar work is going on for the transformation and upliftment of devotees. When the Sudharma Sabha is seated, then this assembling of devotees will happen. People will already be doing Trikala Sandhya, and the Lord's call will come; Kalki Bhagavan will manifest. That time is still ahead, so instead of thinking about it, this is the time to follow the dhaara that exists, and by following it good will come to us. Ahead there is great change and you will get its effect and inspiration — the world is changing, and change will come in humanity, and devotees will gradually come towards their dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:25:27 · 19 June 2026

Q 3292 Harshita Anand ji: I received Shaligram Bhagavan and I worship Him, but many people say that girls should not do the puja. What should I do? At home it is I who do the seva.

Answer: In my view there is no difference between mothers (women) and men in bhakti. In our country, in the shastras we have read of Karmabai, who was a great devotee of Krishna and used to worship the Lord, and she also attained God. Therefore, in bhakti there is no distinction of woman and man. All women and men can do bhakti, can do puja. Only your faith should be great, because to attain God there is no discrimination of man or woman. The discrimination is of karma; the discrimination is of sin and merit; and the discrimination is of a person's faith or lack of faith. For this reason you can do the puja. There is no objection to your doing puja. If you have devotion, then worship the Lord — there is no problem. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:27:12 · 19 June 2026

Q 3293 Bharat Mali ji, a businessman, had asked earlier — his business was not running and you said he has Mangal dosha, which he accepts. But his shop has closed down and his goods are lying at home, and he is not able to do anything. He seeks guidance.

Answer: See, effort (prayatna) and endeavour (pracheshta) are both principles in this world. For the material lying with you — do coordination with those who can purchase it. And do the Madhava naam, do Trikala Sandhya, do Bhagavat reading, follow the method of Trikala Sandhya, and pray to Madhava that this material may be sold somewhere. In my view, coordinate and make effort — wherever your sale is likely, or the buyers, the agencies that exist, talk with them and dispose of it. It will take time, but in time it will be done.

► Watch this answer · 00:28:43 · 19 June 2026

Q 3294 Om Prakash ji writes from Pakistan: We received your Kalki book — Bhavishya Malika Part One and Part Two. When will the third part come, and will we be able to propagate it in Pakistan as well?

Answer: Look, the principle contained in the Bhavishya Malika shastra is a principle to be spread across the whole world. In it the Nitya Pancha Sakhas kept no discrimination, kept no caste or religion. This shastra is written for propagation and spreading for everyone, and the work on the third book is going on. If the grace of Bhagavan Jagannath is received, that book will surely be made available to human civilization. Yes, in my view, by January of this year the book can be available to humanity. I am making the effort. Until the Thakur ji's will is there, until the grace and blessing of the Nitya Pancha Sakhas is there, we will not be able to give it to human civilization; still we are striving and endeavouring to provide it. And I thank you for your endeavour, your devotion and your faith — that even being so far away you have obtained the Bhavishya Malika shastra. This is a great grace of Jagannath ji. May the grace of Madhava remain, so that you can carry this work forward. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:29:46 · 19 June 2026

Q 3295 Romit ji asks: In the evening, is bathing necessary at the time of offering arghya to

the Sun and to the pitras (ancestors)?

Answer: Look, there are three kinds of bathing: purity of the body (sharir shuddhi), purity of the mind (man shuddhi), and purity of the inner being (antahkaran shuddhi). Those who do not have that much physical capacity can sprinkle Gangajal on their body, and then they too can offer water to Surya Dev and can also do pitru-tarpan. Many people keep small bottles with them — one of Gangajal and one of water — in their car. And with time, stopping the car, sprinkling Gangajal with the mind, having bathed in that way — not a complete bath, but such a spiritual bath — they offer water to the Sun and do tarpan for the pitras. Offering water to the pitras is called pitru-tarpan; offering water to the Sun is called arghya-arpan. So you can do it. Yes, those who have the capacity, the age, no illness in the body — if they have the facility and arrangement at that time and can do it, they may do it. Otherwise, by bathing in the Ganga mentally and sprinkling Gangajal, we can do both these acts. Because due to Kali Yuga there are many kinds of problems for man: some work is restless, some people are travelling, some are at their workplace occupied with work. So what will they do at that time? If it is not possible, it is not possible. If you have the capacity, keep water with you, and standing anywhere with a small vessel you can offer it. Because for following dharma there is no restriction of place, time or person — you can do it. And if it is not possible, then at least definitely do the Trikala Sandhya at that time. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:31:37 · 19 June 2026

Q3296 Harsh Chauhan ji: You have given very good guidance. We take the Lord's name and also pray, but our senses and our mind do not come under control, and our mind tells us to go towards wrong thoughts and wrong actions. How can we be saved from this? Forgive me if anything is wrong, Pita Shri, but do guide.

Answer: Look, maya and the indriyas (senses) are both overpowering; especially in Kali Yuga they are very powerful. There is no sorrow in this. Man will make small mistakes; we should not be unhappy because of those mistakes. We should endeavour so that those mistakes do not happen again. Therefore, to bring your maya and senses under yourself, constantly sing the Madhava naam. Whenever you get time, do the bhajan in the heart, upon the heart — not aloud — and whenever you get time read the Bhagavata Mahapurana. Especially by reading the Bhagavat, the maya and senses of the mind and body are destroyed, in which bhakti, jnana and vairagya arise. It is the only Purana in which a human gets these four things: bhakti, jnana, vairagya and mukti. So because of the coming of vairagya, the senses of man are destroyed. And those who recite Trikala Sandhya — their sense-power is completely finished. Yes, at first they will exert some influence; later, beginning from the bondage of birth and death, all the senses, and all the imagined sorrows of the human mind — those imagined sorrows, imagined problems and imagined hopes — will be finished through Trikala Sandhya, with time. If mistakes happen initially, it does not matter; change from now on. Whenever you get time, read the Bhagavat and sing the Madhava naam. First a mistake will happen, then you will correct the mistake, then again a mistake will happen, then you will correct it — then it will become good. No one became a saint in one day; the earth was not created in one day; no one became a devotee in one day. Bhajan and karma make a man a devotee. So at that time, why wait? Do the karma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:33:46 · 19 June 2026

Q_3297 Ruby Singh ji asks: Some of our friends eat non-vegetarian food. If we go to their house, can we eat food there or not?

Answer: Look, in food we should not see difference. It is written in the shastra — someone eats fish, meat, liquor; someone may be a thief, may be a dacoit; someone may be a saint, someone may be a sadhu; someone is full of bad qualities, someone full of good qualities; one can be productive, one useless; one can be a liar, one truthful. But as human beings we should not bring discrimination into this. Non-veg is cooked in their house — right, they eat it; we will not condemn their food. We will condemn their karma. Food is a substance given by God. So let them eat what they eat. There is no problem in your going there and eating. Eat separately — tell them that their non-veg should not be mixed with it, or that it should not come into contact with it. In that way you can eat. Condemnation is not done of a human being — it is done of karma; but who are we to condemn? We can bring about change in people; but if people still do not change, it is not right to condemn them. You can eat the food, but it should not be mixed — non-veg involvement, i.e. contact with non-veg. If it comes into contact, then very calmly, steadily and lovingly say: "We are vegetarian, so we could not eat this food; if you cook food for me being clean and pure, I will eat — no problem." Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:36:38 · 19 June 2026

Q_3298 Mohit Singh ji writes: When offering water-tarpan to the pitras, should it be given towards the left side or the right side?

Answer: Face the south direction — with the face towards the south — and it is not towards the left but towards the right. This water is to be released through the fingers: keep the water on the palm, and with the finger, holding the water like this, raising the hand like this, pour it this way. And by doing tarpan for the pitras in the south direction, peace will come in the home. The pitras will be pleased. And in your kitchen, in the south direction of your cooking place, you can also offer dhoop (incense). For the pitras you can also light small lamps morning and evening. Because of this, no ghost-spirit, no evil power will be able to enter the food cooked in your kitchen. Due to the great grace of the pitras upon it, the food can become amrita (nectar).

► Watch this answer · 00:38:48 · 19 June 2026

Q_3299 Pushparaj Kumar from Ranchi, Jharkhand: How to get out of kaam, krodh, lobh, moh (lust, anger, greed, attachment)? I am trying to live in truth, love, compassion, forgiveness and peace; I do Trikala Sandhya and Bhagavat reading, but it feels like I am just fulfilling a formality. Hearing your words, perhaps that is why the experience of the Lord that should come is not coming. Please guide.

Answer: It is a great joy that you do Trikala Sandhya. Look, saints, sadhus, rishis and munis had to do a thousand years of penance; only then were their sense-powers, their bad qualities destroyed. But at this time you have just begun Trikala Sandhya. Even doing it as a formality, by continuing to do it, with time you will attain siddhi — as happens in sadhana-attainment, the perfection in it — that is, you will also obtain spiritual power. And whenever you get time, do the Madhava naam bhajan upon the heart, and before sleeping, chant the Madhava naam 108 times to Bhagavan Vishnu and meditate upon His form before your eyes — His Virat form, His Ananta-shayana form, His form served by Mahalakshmi — meditate on that form. In my view, through Trikala Sandhya all the senses, all maya, all bad qualities are destroyed; it takes some days, and even the fear of death and any fear does not remain. So with time it will happen to you too. Keep

doing it for some days, and do this every day before sleeping — chant the Madhava naam and meditate on Bhagavan Vishnu; it will be good, you will get great bliss. And the biggest thing: any human who does Trikala Sandhya and bhajan of Bhagavan Vishnu will never accept defeat. He will never feel that he is alone, that he will fail, that he will not become successful. Such feelings will never come, because in this there is great grace of Bhagavan Vishnu. Whoever worships Him definitely attains success — there is no doubt in it. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:40:16 · 19 June 2026

Q 3300 Nage Kaveri from Aurangabad, Maharashtra: In this month of June, while doing the midday Trisandhya in the home temple, from the photo of Bhagavan Vishnu I felt as if the Lord Himself, with the lotus, was raising His hand towards us. Such a feeling came.

Answer: Very good, and it is a very auspicious day. Look, if anyone wants to be close to God, sing the name of Vishnu; and the supremely holy name of Vishnu is Madhava, and Madhava's name is Kalki, and Kalki is Madhava. And for going from Kali Yuga to Satya Yuga, the deliverance-giving name is Madhava. So if any human in the world wants attainment of God in a short time — through Trikala Sandhya and the worship of Bhagavan Vishnu, in very little time one can subdue the senses, subdue maya, understand the truth and untruth of the world, understand one's own condition, what the goal of a human is and the fundamental aim of man; and man becomes fit to understand the connection between God and a human, his own position and God's position. Therefore this is a very auspicious day for you — I too am delighted by this day. May the grace of Madhava remain. Live thus with faith and devotion to the Lord. Worship Bhagavan Vishnu. At this time, without doing the worship of Bhagavan Vishnu, we will not be able to be saved, we will not be able to move forward. All the gods and goddesses have already taken birth. Only Bhagavan Vishnu will do the welfare. What will they do when He comes in a human body? Therefore at this time Bhagavan Vishnu is taking the supreme, most powerful avatar. Sing the Ram bhajan of Bhagavan Vishnu, sing the Madhava naam, sing the Kalki-Madhava naam, sing the Kalki-Ram naam. And the most effective name is Madhava — so sing it. Through it you will attain the Lord all the more, and change will come in life. To all those who are now connected with me in this dhaara, my request: do Trikala Sandhya, Bhagavat reading and the Madhava naam. Satya Yuga will definitely come; there will be no change in that. The vaani (word) may shift here and there by two or three years — two years or one year or three years; that is God's will. But all of you go ahead a year or two in advance. Not only you — crores of people in the whole world will accept and follow this holy dhaara, because apart from this there is nothing before or after. It was written in the shastra that this would be propagated, which we propagate for the welfare and protection of humanity — this dhaara exists to deliver humanity from calamity and to build a new yuga. Thanks to all. Jai Jagannath, Jai Shri Madhava. We keep today's discussion here; if there is time ahead, I will again share thoughts with you. Thanks to all. May Mahadev do good to all, may Jagannath ji's grace remain, so that for the upliftment of humanity in the whole world, all — irrespective of caste, religion and varna — take refuge in Bhagavan Vishnu and adopt Sanatan. Time is changeful; we too will have to change. If we do not change, it is difficult to move forward. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:42:25 · 19 June 2026

SESSION 193 · QUESTIONS 3301–3308

L209: VENEZUELA में भूकंप का तांडव , क्या अब भारत की बारी? | Pt. Kashinath Mishra

Date: 27 June 2026 · Watch the full session ↗

Q_3301 (Opening discourse) The earthquake devastation in Venezuela — is India next? Why these calamities are happening and what protects us.

Answer: Jai Jagannath. I offer my respectful pranam to all Sanatan Dharma gentlefolk, saints and pure human beings of India and of the whole world. At the holy feet of Lord Vishnu, Lord of infinite crores of universes, this lowly servant offers infinite crores of pranams. At the holy feet of Dev-dev Brahma, Mata Bhavani and Prabhu Shankar Bhagwan, this lowly servant offers infinite crores of pranams. Today we shall consider a matter of public concern. Two days ago you saw that in Venezuela an earthquake occurred, of around 7.5 magnitude. After that there was one in Japan, one in Pulwama, one in Nepal too, and small ones in many places in the world. And this consideration is not of today — about ten or fifteen years ago this was already discussed. It was already foretold that such a situation would come, this matter of earthquakes was already spoken of. What has happened in Venezuela is an instance (example) for the whole world; what happened in Japan the other day was also a big instance. But ahead we shall see countless more such instances in the world. Time is moving towards a transformation, a time when a great change will occur in the world. Therefore the whole world, all the people of the world, take this seriously — we too should take it seriously. In every country of the world such a situation will come — not only earthquakes, but along with it the pralaya (dissolution) of the five elements (pancha-tattva) will also occur. What is the cause of this? The cause is that people have gone far from Sanatan Dharma. People have separated themselves from the stream of the Vedas. Today people act according to their own mind and opinion. No human being thinks about whether this act will be good or bad for the world. Therefore in many countries of the Americas such a situation will come — it may be North America, it may be South America; Japan, China, Pakistan, Indonesia, Thailand, European countries will also come into it, the Middle East will also come into it. Because of this we are seeing a change in time. What was said many years ago — that there will be no farming in the world, famine will fall, there will be no rain, there will be excessive rain (ativrishti-anavrishti) — this situation is today being publicised by the scientists themselves. From this we get proof of how true and how holy the thought-stream of the Bhavishya Malika scripture is. Through an independent warning, to bring the fallen human civilisation onto a spiritual path, for the welfare of human civilisation, this Bhavishya scripture was composed; and its propagation throughout the world, its composition for the deliverance of mankind in the whole world — today one by one it is giving proof of its truth. Therefore many regions of India too are moving towards such a time — from Delhi to Nepal, from Kashmir to Uttarakhand and Himachal; Bihar, Bengal, Odisha may also come into it, UP may also come into it. But one question always arises — question and answer: why is this happening? The cause is just this: adharma has increased, dharma has decreased. If dharma increases, then the play of destruction in the whole world can be stopped. If in our country too all people remain vegetarian, spiritual, abstaining from cow slaughter, abstaining from the harm of living beings, if they give up intoxicants and gutkha and do not kill creatures, then no destruction will occur in our country. But if human beings act arbitrarily in this, do not follow this, and do not heed the voice and warning of dharma, then its effect on human civilisation will be 100 percent. There will be no change in this. As the thought-stream of the scripture was propagated, every single word of it will move towards truth. So the citizens of the country where the earthquake has happened today — the sorrow and pain they suffer is the greatest example for the whole world. A great loss of human civilisation occurs. How many families were shattered, how many people were lost in how many families —

merely estimating and reflecting on that will not solve their sorrow. We cannot wipe away their pain. But if we reflect, then in India and in all the remaining countries of the world we can stop the problems that are yet to come. That principle is: spread dharma. That principle is: perform Agnihotra yajna in every home, Trikal Sandhya (thrice-daily worship) in every home, Bhagwat reading in every home, the name of Madhava in every home — that alone can protect man in the coming time. There is only one path. Apart from this path, before or after, no other path will be decided, no other path will be framed. I do not say this — this is the will of God. So see the change in the whole world — war is going on in the Middle East. How many people are grieved in it, how many become homeless, how many lose their family, father, mother, children and progeny. What profit is there in such war? But people should understand the time. This is happening because of the time. People should come towards dharma, and dharma alone is the one path that can protect us. My request to all people: read the Bhagwat. Definitely read one chapter of the Bhagwat. Do Trikal Sandhya. Adopt Trikal Sandhya. At every moment chant the name of Madhava. Then nothing will happen to you. The name of Madhava is a greatly powerful name; it alone can stop even a great destruction. So my request to all devotees: follow Trikal Sandhya, read the Bhagwat, chant the name of Madhava. And we shall have to face many kinds of challenges that are coming — not one challenge, many kinds of challenges we shall have to see. The one formula to protect us from those challenges and calamities is Trikal Sandhya — at Brahma Muhurta, at midday sandhya, at evening sandhya; at all three sandhyas one must do worship. It takes five or six minutes. One chapter of Bhagwat reading, any time between 3:45 (in the afternoon) and midnight; and vegetarian food — these will make us the human beings of Satya Yuga. Let us see: when fishermen cast their net in a pond, some fish come inside it; some of those fish, by trying and striving, escape out of it — they win life. Those that remain inside become baddha jiva (bound souls). And some fish stay at the very bottom of the water, who never come into any net. These are called baddha jiva (bound soul), mukta jiva (liberated soul) and karaka jiva. So do not become a baddha jiva. By becoming a baddha jiva you will not do your own welfare. Do your own welfare at least. You did welfare for the whole world your whole life — once, do your own welfare; and for your own welfare the greatest tradition is Trikal Sandhya, Bhagwat reading, the name of Madhava — do the welfare of your own soul. Become a karaka jiva, become a mukta jiva, do not become a baddha jiva. Human life too is like this — 'sansar jaal roop, meen roop manava' — this world is a net of maya; we should not fall into it like the fish. By understanding the spiritual principle we can do our own welfare and also our own deliverance. Therefore what is written in the Bhavishya Malika scripture will certainly happen. There will be jal pralaya (deluge), there will be earthquakes, there will be drought, disease will come, and great problems like accidental death, road accidents will come. In these days we are seeing the net failing again and again; the machine that was working in the net system is not working. And a day will come when you will also get news of a complete shutdown — but that time is not yet; there is still some time. So this is proof that this world is moving towards a transformation, in which spiritual power can protect us. So my request to the devotees and gentlefolk: do Trikal Sandhya. This time is not good. Read the Bhagwat. Do not deliberate too much with anyone, do not argue too much with anyone. However much time you spend in your own family and your own home, that is good. And follow the sandhya at all three times. In this lies the welfare of human civilisation. There is one scripture in which welfare is written, deliverance is written, and along with it the coming calamities of man are also written. So ahead this destructive pralaya of the five elements will happen in the whole world, in every country, and for this we should take precaution — and the precaution is Trikal Sandhya, Bhagwat reading, and continuous chanting of the name of Madhava. Thanks to all. Jai Jagannath, Jai Shri Madhava. I shall keep my thoughts at this and can answer four or five questions. Right now I am in Rajasthan for a Bhagwat Katha — there are two kathas — and today too I came from the katha, so it got a little late.

► Watch this answer · 00:00:00 · 27 June 2026

Q 3302 Rathore ji from the USA: Many ups and downs have come in my life, but your path of Trisandhya, Bhagwat Mahapuran and the name of Madhava showed me the right road. I am 65 years old, a devotee on the path of meditation and name-chanting, but I am not able to do it at the proper time. I am troubled by the sound/affliction of the five elements and have been unhappy for a year and a half; my husband has had some mantra-tantra done for the sake of money. Is there any remedy?

Answer: See, try to do Trikal Sandhya at the proper time. And as for mantra-jantra — in my view, by doing Trikal Sandhya, mantra-jantra elements do not work at all. It can destroy all tantra and all negativity. Still, if such a thought comes to you: you do Trikal Sandhya three times daily — do one more at bedtime, that is, besides the three times in the day do an extra one, and chant the name of Madhava 108 times extra, and say directly to Madhava, 'Prabhu, whatever I say must be done; Prabhu, remove the negativity directed at me and take me in your refuge.' Do that much. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:14:37 · 27 June 2026

Q 3303 I am 19 years old and my college is about to start. I do Sandhya, yet I cannot remember my studies. Please bless me so that I may do well in the examination — my self-confidence is weak.

Answer: All right, that is very good. Do Trikal Sandhya at the proper time. Whenever you get time, chant the name of Madhava inwardly, and your welfare will happen and your examination will also go well.

► Watch this answer · 00:16:23 · 27 June 2026

Q 3304 Richa Madhavi: Pranam at your feet. Will devotees come into this world through the Bhagwat? Please tell us.

Answer: Her question is whether through devotees more devotees will come into that holy stream. Trisandhya, Bhagwat Mahapuran and the Bhavishya scripture — this scripture was composed for the gathering together of devotees; it was composed to show direction to devotees. And this very time will come when there will be Bhagwat in every home, Trikal Sandhya in every home, the name of Madhava in every home. And today's devotees, these very devotees, will propagate this and carry it forward. The Bhagwat Puran is a great principle, which is another name of God — Shrimad Bhagwat — and in it one obtains bhakti (devotion), jnana (knowledge) and vairagya (detachment). However wrong a man may be, by reading this very scripture he becomes a saint. The deliverance of devotees happens. This is the medium. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:17:07 · 27 June 2026

Q 3305 Yash Kumar (a student): Last year in a podcast you said you were doing a Hindi translation of the Odia Bhagwat. Is that work going on? We have been waiting — when will it come?

Answer: See, we are working on that Bhagwat Mahapuran. It is quite extensive, so it will take a little time. We are trying to complete it by next January. When Jagannath ji's grace is received, then it may happen. This Bhagwat's name will be Shri Jagannath Bhagwat Maha(puran). Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:18:32 · 27 June 2026

Q 3306 Yash Kumar ji: I have been doing Trikal Sandhya since 2026. I am a student — sometimes my Trikal Sandhya, especially the Brahma Muhurta one, gets missed in between. Will I still be able to go to Satya Yuga? Please guide me.

Answer: In my view, whoever does Trikal Sandhya — whether the time is missed or the time is late — with time it will become fixed and settled; it will become right. And every devotee who does Trikal Sandhya will go to Satya Yuga. But one should not abandon it, and one should stay in the refuge of Bhagwan Kalki with complete faith. And the tradition that exists — Trikal Sandhya and Bhagwat reading — should not be stopped. With this you can go to Satya Yuga. You absolutely can. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:19:19 · 27 June 2026

Q 3307 Bharat Mali, from Sirohi: I attend your katha. I want to join the Sudharma Mahasangh. I have a great wish to have a Bhagwat Katha performed — please guide me about the arrangements. Also, no work gets done at home; no task gets set properly, no work is accomplished correctly. We want to have the Bhagwat Mahapuran katha performed.

Answer: Very good, you wish it. Those people who do Trikal Sandhya and read the Bhagwat automatically become joined to the Sudharma Mahasangh — nobody has to join them. Yes, we do have our devotee circle, but those who do Trikal Sandhya and Bhagwat reading automatically get joined to the Sudharma Mahasangh. As is written in the Bhavishya Malika, the organisation of God's devotees will be named Sudharma Mahasangh. And in my view, if you do Trikal Sandhya and read the Bhagwat, you have already joined that institution, so you need not worry about it. Right now I am doing katha in Sirohi; after Sirohi I will do katha in Sumerpur. If you wish to meet me, you can come and meet me at the katha. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:20:04 · 27 June 2026

Q 3308 (Last question) Sometimes I think we are stuck in this cycle of birth and death because of our sins, vasanas (latent desires) and desires. But when creation was made, from which vasana did everyone's first birth take place? Because at that time neither we nor our vasana existed. Why the first birth?

Answer: See — even the devatas (gods) are under the influence of the senses; maya affects them. Even in Brahmaloka maya and the influence of the senses exist. Therefore maya both created this world and was also contained within man. There is a Bhagavat-maya too — those people who surrender to God, that too is a maya, that too is an attachment, that too is a human being's power of desire, which we may also call the 'Indra of bhakti' (devotional attachment). So maya is in every human being and in the devatas. And maya is broken only by those people who read the Bhagwat Mahapuran; they obtain bhakti, jnana and vairagya. Because of detachment, worldly maya, moha and bondage do not devour that person, and such persons become pure, clean and sattva-guna based human beings; those people turn towards paramartha (the highest good). Therefore, to break maya, and for Bhagavat-maya, read the book of Madhava, the book of God, the Bhagwat Mahapuran. It will take you from worldly maya towards Bhagavat-maya, by which great welfare of life will happen. Thanks to all. Jai Jagannath, Jai Shri Madhava. At the holy feet of the Lord of infinite crores of universes, Mahavishnu, this lowly servant offers infinite crores of pranams; at the holy feet of Shri Mahalakshmi, infinite crores of pranams; at the holy feet of Dev-dev Brahmadev, Mata Bhavani and Prabhu Shankar Bhagwan, infinite crores of pranams. We keep today's discussion at this: ahead, in many places in the world and in various countries there will be earthquakes, there will be jal pralaya, drought will also fall. But we shall take a resolve (sankalpa) to go to Satya Yuga by doing Trikal Sandhya — taking which resolve we shall obtain God's grace to become human beings of Satya Yuga ahead. I wish that all of you go to Satya Yuga, that your family's welfare happens, that you be blessed. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:21:54 · 27 June 2026

SESSION 194 · QUESTIONS 3309–3314

L210: पवित्र स्नान पूर्णिमा महोत्सव | Special Google Meet | Pt. Kashinath Mishra

Date: 30 June 2026 · Watch the full session ↗

Q_3309 (Opening discourse) The significance of Snana Purnima (the holy Bathing Full-Moon festival) of Lord Jagannath, its three chief yatras, and the omen witnessed this year

Answer: Jai Shri Madhav, Jai Jagannath. My respectful pranam to all Sanatan Dharmi gentlefolk and saints of Bharat and of the world. At the feet of Lord Vishnu, Lord of infinite crores of universes, this Dharma Das offers pranam infinite crores of times; at the feet of Dev-dev Brahmadev, Mata Bhavani and Prabhu Shankar Bhagwan, pranam infinite crores of times. Today is the greatest, most sacred day for our Sanatan Dharma. Today is Jyeshtha Purnima, the day on which Lord Jagannath — known throughout the whole universe — has his bathing festival. Jagannath has three principal yatras (processional festivals). On the Mancha (Dola) mandap the Lord is worshipped as Lord Krishna in the form of Dhuli Govinda; on the Snana Mandap the Snana Utsav (bathing festival) of Shri Jagannath Mahaprabhu takes place; and the third is on Ashadha Shukla Dwitiya, the Ratha Yatra, adored by all the worlds. These three are Jagannath Mahaprabhu's main yatras. Besides these, Jagannath ji has twelve festivals in twelve months — Mancha, Snana, Rathabara, Shayana, Parshva-parivartana, Utthapana, Parana, Puja, Damanaka-vidhi, and so on, the twelve yatras. At the time of the temple's founding, Lord Brahmadev came from Brahmaloka along with King Indradyumna and performed the prana-pratishtha (consecration) of Shri Jagannath Mahaprabhu and the consecration of the temple. At that time, when Brahmadev had completed all the Lord's rites, closed the door and was coming out, Jagannath Mahaprabhu himself said to Brahmadev: 'Brahmadev, you have come all the way from Brahmaloka and performed such a great task — what do you desire?' Brahmadev said, 'Prabhu, what do I need? You are the Lord. By your grace I am Brahma, by your grace Shankar is Shankar, by your grace Indra is Indra; you are the Thakur of all fourteen worlds, of the entire universe.' Then the Lord said: 'In twelve months there will be twelve yatras, and among them three will be principal — on two mandaps, Dhuli Govinda at the Mancha, the Snana at the Snana Mandap (where the Lord assumes the Gajanana Vesha, the elephant-headed form, and the bathing festival is held), and the Ratha Yatra.' So today is a greatly sacred day. This Ratha Yatra and Snana Yatra are the most sacred days for the whole universe. Jagannath Mahaprabhu bathes first; after that, upon the earth, the farming of the whole world, the creation of Indra Dev (rain), and all the produce for human beings and all living creatures is made ready. First Jagannath Mahaprabhu bathes; that holy water falls upon the earth, and Mother Earth, becoming joyful and purified by it, produces food and grain for the whole universe. Thus Jagannath Mahaprabhu's Ratha Yatra and Snana Yatra are greatly meritorious and holy. After this the Lord's Ratha Yatra will also take place. For us, for Sanatan Dharma, this is the greatest day. Lord Jagannath in his gross body remains on the Ratna Vedi, on the Ratna Simhasana, as the Chaturdha Vigraha (the four deities). Twice a year Jagannath ji comes out in procession to give darshan to devotees of the whole universe — from Nilachal, from the Nilaadri cave, Jagannath Mahaprabhu comes out twice: once at Snana Purnima and once at Ratha Yatra. On today's day, people of all castes, religions and varnas, without distinction, take darshan of Jagannath Mahaprabhu, and at Ratha Yatra too people of all castes, faiths and classes both touch and behold Shri Jagannath Mahaprabhu. So these two are the chief yatras for the whole universe. Today the Chaturdha Vigraha is bathed with 108 pitchers of water from the golden well, in which sandalwood, kasturi (musk) and various divine fragrances are mixed, and which is consecrated with mantras and with the invoked waters of all the tirthas — thus the Snana Yatra of Shri Jagannath Mahaprabhu is performed. After this the Lord goes into Anavasara (the period of seclusion) — Parshva-

parivartana, Shayana, Utthapana. In the Anavasara ghar the Lord performs his human-like lila (pastime) and proves to the universe: 'I too am human; because of bathing so much I have developed a fever.' Through this human lila he shows mankind: if I come as a human, if I perform human lila upon the earth — even though I am the divine Brahma-murti, Sachchidananda, Nirakar, Niranjan, Nirvikalpa, Adi Vishnu Jagannath, the Thakur of universe upon universe — yet even he gets fever, and he too takes medicine. Various Ayurvedic medicines the Lord takes; this is the tradition of Jagannath, that the Lord stays some days in the shayana (resting) chamber. After that the Ratha Yatra takes place. So Jagannath Mahaprabhu shows the whole universe and human civilisation that joy and sorrow and the practice of human dharma are everyone's entitlement, and that everyone has the rule of experiencing them; on the basis of that same rule, the Lord too follows all the rules. Now, regarding today's Snana Purnima of Jagannath Mahaprabhu — today a small untoward incident occurred, which in my view is not good for human civilisation and for the world. On this day the Lord comes in the morning to the Snana Mandap; that procession is called 'Dhadi Pahandi'. Jagannath and Balabhadra come in Dhadi Pahandi, and Subhadra Maiya and Sudarshan Mahaprabhu come in Shunya Pahandi; and at the time of returning the Lord goes in Goti Pahandi. So today when Jagannath Mahaprabhu came to the Snana Mandap — first the arati is performed, after that the shodasha-upachara puja (sixteen-fold worship), and after that the Lord's great bathing festival is performed by scriptural method. But today, when the arati was being performed before Jagannath, Balabhadra and Subhadra on the bathing throne, after some time the arati (lamp) went out. The arati going out — for the Lord of the universe, the Thakur of crores of universes — the extinguishing of his arati does not suggest anything good for the world. Therefore today is a memorable day. Perhaps the Lord is giving a sign of dharma-sansthapana (the re-establishment of dharma); perhaps the Lord is giving human civilisation the news of a change; perhaps the Lord wishes to tell all human civilisation: 'You people too, reform yourselves, and come towards dharma. By coming towards dharma there will be welfare for you in the world.' Because our Lord is our father, the father of the universe, the father of the gods, the Thakur of crores of universes, the Thakur of all the universes. So the sign given in his domain is for human civilisation to make a little correction, to think about this, to consider the time ahead and then act. Come towards dharma, come towards punya (merit), do not commit jiva-hatya (killing of living beings). Every day Trikaal Sandhya (the three-times-daily sandhya worship), Bhagavat reading, the name of Madhav in every home, the name of Jagannath in every home, Bhagavat katha in every home, Trikaal Sandhya in every home — this can protect human civilisation in the greatest time of calamity; this is my view. So to all the devotees, all the saints, all the gentlefolk present today, this is my thought: God gives signs again and again, and we must understand these signs. If we understand them, our welfare will happen. The Lord gives signs for the welfare of human civilisation, and for human civilisation to understand these signs they are also propagated. This has been written long ago in the Bhavishya Malika Purana: that when there is disruption/irregularity in the Niti-kanta (daily rituals), seva, puja and bhoga, then Satya Yuga will come into the world, and there will be a great change in the world — the pralaya (destruction) of the Panchaka and a great spiritual transformation in the whole world. So today I place this thought before you. The time has also grown late; I got tired coming here. I will take four questions and then place my thoughts. Thanks to all. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:00:21 · 30 June 2026

Q 3310 Reshma ji from Odisha asks: In Dwapara Yuga, in what form is the avatar of Mahalakshmi ji considered to have appeared along with Lord Shri Krishna?

Answer: In Dwapara Yuga, if we consider the scriptural view of the form of Mata Mahalakshmi — Rukmini ji, Radha ji — I quote a shloka: 'Ya cha Brahma-ja mula-prakriti-ishwari, Narayani iti vikhyata, Vishnu-maya sanatani, Mahalakshmi swarupa cha, Veda-mata Gayatri, Radha, Vasundhara, Ganga — tasam swami Madhava.' This composition comes in the Gita Govinda. Its meaning is that Radha Rani was Mahalakshmi-swarupa (the very form of Mahalakshmi), and Mother Radha Rani is also Prakriti-swarupa, Yogamaya. So according to your question, Radha Rani is Mahalakshmi herself who descended along with Lord Krishna, and it is she whom, according to the scriptures, we accept as the form of Mahalakshmi. Jai Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:12:24 · 30 June 2026

Q 3311 Richa ji asks: We are connected with Sanatan Dharma, but my mother-in-law neither performs puja nor believes in any deity — moreover, she closes the room and reads namaz. My father-in-law and husband do no puja-path either. Please give us guidance in this matter.

Answer: See, one thing is written in the scriptures — 'Mahajano yena gatah' — if the elders of our house, or the senior people, or the guardians, say something, we should not sit in judgement over their words. Whatever they do, according to our Sanatan Dharma we must give respect to our elders and seniors; that is what Sanatan Dharma says. Let them do whatever they wish by their own will; you do your own karma. By creating obstruction in their karma you will gain no benefit. Therefore one must do one's own karma oneself. Whatever they think, do not place your opinion against their opinion — then there will be peace in the home, and dharma says this too: whatever path people go on, they go according to their prarabdha (past accumulated) karma; even with lakhs of attempts we will not be able to change them. Therefore 'silence is the best policy' — stay away from that, do not debate their views; in matters of household living, go along with them cordially and do your own work and your own dharma. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:14:13 · 30 June 2026

Q 3312 Pravesh Kant Srivastava ji asks: Is any dialogue between Kaka Bhushundi ji and Lord Kalki described in the Malika? If yes, kindly give guidance on it.

Answer: See, Kaka Bhushundi ji is immortal; he is still on Mount Sumeru even now, and he sings the Ramcharitmanas too. By the Lord's grace and the blessing of Shankar Bhagwan he became immortal. But a dialogue or discussion between Lord Kalki and Bhushundi ji — I have never read any such thing in the Bhavishya Malika to this day. But when Satya Yuga comes and Lord Kalki appears, then in my view Kaka Bhushundi ji — he is a great devotee — he may come; but by scriptural method I have not read that. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:16:00 · 30 June 2026

Q 3313 Hemant Lichade from Maharashtra asks: I am very troubled by pain in my legs. I have had operations on both legs; for three years I have been taking Patanjali treatment, but there is no relief from the pain — while walking, while climbing stairs, in the office there is unbearable pain. I follow Sandhya (Trikaal Sandhya) but the leg problem does not go away.

Answer: See, we too are sorry for your physical suffering. But see, you have had operations as well; before that no consultation was taken with me. Still, no matter. You also do Trikaal Sandhya — keep doing it. For the treatment of your leg ailment I give you one piece of advice: take your medicine, and follow the guidance of the doctor with whom you are in contact, the one who performed the operation. But at all times, the mantra of the thousand names — 'Aushadham Jahnavi toyam, Vaidyo Narayano Harih' (the Vishnu Sahasranama verse, 'the medicine is the Ganga water, the physician is Vishnu') — recite that mantra regularly in your mind for a long period. See whether a cure happens from this or not, then tell me what happened; if it does not happen, then we will think of another approach.

► Watch this answer · 00:17:03 · 30 June 2026

Q 3314 (Closing message) Pandit ji's concluding appeal to all

Answer: We thank everyone. At the feet of Lord Maha Vishnu, Lord of infinite crores of universes, this lowly servant offers pranam; at the feet of Dev-dev Brahmadev, Mata Bhavani and Prabhu Shankar Bhagwan, infinite pranams. I offer salutations to all the gentle, pure human beings present in today's satsang, and pray to God that everyone's welfare may be done. And I request everyone: do Trikaal Sandhya. Whatever anyone says or does not say, do not mind it. The time is not good. Ahead, illness, problems, disease — along with sickness, all kinds of problems will break upon us. If from now we hold on to dharma, nothing will happen to us. If we do not hold on to dharma, it will be difficult to go forward. I have been saying this for 40 years; I am saying it today too. Today too you are all seeing in the world — great calamities are coming all over the world; people are seeing it, it is happening before our eyes. Even so, God has still given time to the people of Bharat, to the devotees of Bharat. Time is in our hands for change. Win over this time and do Trikaal Sandhya. Trikaal Sandhya can free you from all problems — all those coming, existing, or from earlier times; whatever the problem, from court matters to social, to spiritual, to financial — just do Trikaal Sandhya, three times, fifteen minutes, and make your life full of happiness and prosperity. A disciplined human tradition and spiritual tradition can give us happiness — Trikaal Sandhya is that very principle. If we do not do it today, a time will come when we will have to do it; perhaps at that time this mantra will not work for you, because the scriptures say to do it beforehand. Do it from beforehand, and in this your welfare will be. Thanks to all. Jai Jai Jagannath, pranam to all.

► Watch this answer · 00:18:33 · 30 June 2026

SESSION 195 · QUESTIONS 3315–3319

L211: क्या होगा भारत का भविष्य ? Bhavishya Malika Puran | Pt. Kashinath Mishra

Date: 26 July 2026 · Watch the full session ↗

Q 3315 Jai Shri Madhav Pandit ji. I am Pradeep from Haridwar, working in a bank. For one year I have been living a life of Trisandhya in truth, I read the Bhagavat daily, I am surrendered to the Lord — yet I remain restless. There is some tantric's kriya upon me, because of which my relations with my parents are also not good — what you said today in the Google Meet, that the relation between parents and son will not be good, is true. My age is 34 and my marriage has not yet happened; because of this too my mind stays restless. This is my second time asking this question in the Google Meet — please take it up today.

Answer: Thank you very much, Pradeep. You do Trikal Sandhya, you read the Bhagavat and you chant the Madhava name — that is a great joy. But see, son, at this time in every family, for one reason or another, a problem arises between father and son. But never mind. If you wish your marriage to take place, then speak on this number (the WhatsApp number that is shared); they will have you speak with me. The marriage will happen. For that I will show you a small path of God — follow it, and the marriage will take place, and the matters of employment, family problems and the restlessness of mind too. From today, every day before going to sleep, go on studying the Eleventh Skandha (of the Bhagavat), and whenever you get time, chant Madhava in your mind. Then the world will seem small to you, your work will become very expansive, your mind will not remain agitated, and peace will come. Then tell me what happens next. Just follow this much. Jai Jagannath.

▶ Watch this answer · 00:41:10 · 26 July 2026

Q 3316 Jai Jagannath, I am Neha Pandey, I offer you my pranam. My question is for me and for all the school and college children who are with me: we have been doing Trisandhya for more than a year, but when college starts, we manage the morning and evening sandhya, and at midday, being in college, we do the japa mentally but cannot do the jaighosh (loud proclamation). So will we get the spiritual progress and benefit of that sandhya or not?

Answer: Very good, daughter. Your effort and your karma are very pure. See, daughter — do the Trikal Sandhya as japa in the mind, do it while travelling, do it while coming and going, do it while walking about. In all of these you will get the complete fruit, the full fruit; there is no deficiency in it. And as for the jaikar — do not raise your hands up, but do the jaikar in your mind. In my view you will get the full fruit of Trikal Sandhya, and I give this guarantee: whenever any calamity comes, Madhava will protect you. You will feel it yourself — that Trikal Sandhya was with me and today I have received its fruit. In every trouble, in every challenge, in every problem, on the path one walks in life, this Trikal Sandhya is sanjivani and walks with you with great power, and one obtains the fruit of punya in it. Do it sitting, do it while walking about. Just keep an eye on the time — during school hours, if the time gets delayed or shifted here and there, that is all right; do it at a separate time when you are free. Be in bliss; may Jagannath bless you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:43:20 · 26 July 2026

Q 3317 Pandit ji, I am Abhishek Dubey. In Trisandhya there are certain mantras, such as those beginning with Om, and the Gayatri mantra. Many sadhus, saints and those who hold the title of Jagadguru forbid these — they say without taking diksha and without making a guru one should not recite or do these. You are showing all of us the right path, and we all have families — so please give us guidance.

Answer: See — Prahlad made no one his guru. Dhruv made no one his guru. Shabari made no one her guru. Yet they attained God. Prahlad attained the post of Indra; Dhruv became the king in the Dhruva-chakra; Shabari — the Lord ate the fruits she had already tasted, and He took her to Vaikuntha. In this world God is the guru, and the mantras that have been given — these mantras are for all of us. If we make Bhagavan Vishnu our guru, or Bhagavan Krishna, or Shankar Bhagwan, or Jagannath ji, or Hanuman ji — at one place the Lord said to Uddhava, 'Man tohar nija guru, Uddhav' — your own mind is your guru; if the mind has accepted that God is my guru, then God has become the guru. It is written in the Bhagavat shastra: he who renounces 'I and mine', who understands the world to be like a dream, who in complete surrender to Me accepts Me as guru — I become his guru. So what is the difference in this? Therefore: 'Vande bhagavati devi, Shri Ram jagat guru; Vasudeva-suta deva Krishna, vande jagat guru' — Jagannath is guru, Krishna is guru, Shankar Bhagwan is guru, Bhavani-Shankar; 'vande shraddha-vishwas-rupena... gurur Shankara-rupinam' — the shastra says the guru is Shankar Bhagwan. So if we make God our guru, is that wrong? 'Guruh Shankara-rupinam' — Shankar Bhagwan is the guru. I tell only what is written in the shastra. If the mind has accepted that God is my guru — then just make God your guru and utter the mantra. Ahead, Bhagavan Vishnu will become everyone's guru; no parampara (sectarian lineage) will remain in the world; all gods and goddesses will worship Bhagavan Vishnu; Satya Yuga will arrive; all people will do brahma-karma, all will become virtuous, all will study the Vedas and shastras. See what a great change is coming — this is only a small step we are putting forward; much more is yet to happen. So I tell what is written with the sanction of the shastra; beyond that I do not speculate. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:45:31 · 26 July 2026

Q 3318 Jai Jagannath, I am from South India. Natural disasters are going to happen — the pralaya of the panchabhoot and natural disasters are gradually increasing and everyone can see it; whether others accept it or not, we accept it. But in the time after 2029, how will we get food and water — how will we survive?

Answer: Very good point. See, all over the world natural disasters and many kinds of problems are being created. There will be a problem for food and water too. For water there will definitely be a problem — a single drop of water will become a big problem. Therefore those devotees who do Trikal Sandhya, Bhagavat reading and the Madhava name — those very devotees will have the grace of God, and through Trikal Sandhya people will also obtain divine grace. Where there is a problem for agriculture, where there is no rain for the crops — there, if all the people of that village together do Trikal Sandhya every day at all three times, then rain will come in that region. Trikal Sandhya has such mantras by which we can even hold back nature and the panchabhoot, we can hold back technology, we can hold back coming disease, we can hold back hunger and thirst. Understand it like a tapasya. As I said — at the time when there is no rain, when drought falls, when people are suffering and many big problems come, if all the people of that village sit and perform havan and do Trikal Sandhya, rain will come. I tell the remedy beforehand too. But one must be vegetarian (sakahari), one must have faith in Bhagavan Vishnu, and there must be full surrender to the Madhava name. By such means we will overcome the problems ahead and also remain in peace. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:48:54 · 26 July 2026

Q 3319 Jai Jagannath, I am Kamal Samal from Odisha. Many people give many different interpretations of the Malika and we listen to all of them, but we have complete faith in you, so we place this question before you: it is written in the Malika that 'Hira and Para will come together' (Hira-Para ek atra). Please be merciful and tell us the correct meaning of this and guide us all.

Answer: This is written in the Bhavishya Malika: 'Hira Para moro Dhyan-kud thare.' Dhyankud is a place in Jagatsinghpur — the place of meditation of the Panchasakha, where the ashram of Ardha Baba is. 'Hirapara' means Hirakud, and 'Para' means Paradip — Paradip port, where the sea is. Hirakud is the world's largest water reservoir, a reservoir of water conservation. Such a time will come when the enemies will attack the Hirakud dam with missiles; that dam will be struck, and at that very time the Mahanadi will breach and the tri-kona bhumi (the triangular land) will be submerged. From Hirakud to Paradip you will see the sea and a deluge of water — dam water from one side, dam water pushing from the other side, entering the sea; and the sea water will have no place to stay, so the sea water will go in reverse. Such a time will come, and the meeting together of Hirakud and Paradip will take place. This will happen at the time of the world war — in the middle of the world war, or some days afterwards, such a full-war condition can arise. 'Odisha neta nija Jagannath' — in that land, in that state where Jagannath is, where Balabhadra is, Subhadra Maiya, Sudarshan, Maa Mangala, Maa Sharada Devi, Maa Biraja Devi, Maa Bhagavati are — in that land the devotees will also be protected, and with time the change will also come, and the coming together of Hirakud and Paradip will also happen. That time is coming. Yes, it will happen by the will of God, but it will come in the middle of the world war. So it is a very good question; I thank you. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:51:22 · 26 July 2026

SESSION 196 · QUESTIONS 3320–3322

L212: 13 देशों का मिलन, NATO का विभाजन शुरू ! Bhavishya Malika Puran | Pt. Kashinath Mishra

Date: 24 August 2026 · Watch the full session ↗

Q_3320 (Alekh from South India) The end of Kali Yuga and the start of the new yuga seem very near, and all your words are coming true. In what manner will God test His devotees? Please guide us. And where will we be able to hear your Bhagwat katha in the coming time, since it is by hearing your words that we look towards God and towards you?

Answer: First of all I want to say that it is the grace of Bhagwan Vishnu. Today Bhagwan Maha-Vishnu is moving for the welfare of humanity. Kali Yuga has already ended; the beginning of Satya Yuga will be in 2032–34. And at this time the one formula for the protection of humanity is Trikal Sandhya. Whoever, irrespective of caste, creed or varna, observes Trikal Sandhya will become a bhakta and will go through into Satya Yuga, into Ram Rajya. At this time, leaving aside 'mine' and 'yours', being truthful and social and doing your own professional work too, do Trikal Sandhya — your welfare will happen. The main medium of the protection of devotees is Trikal Sandhya, which is the mantra of Bhagwan Vishnu: the Prata Sandhya, which is called the Brahma-muhurta Sandhya, the Madhyahna Sandhya, and the Sayam Sandhya. At one time the Agnihotra yajna; at another time offering water to Surya Dev, offering tarpan to the Pitru-devas; and for the deliverance of human life, always chanting the name of Madhava. At this time there is a great grace for the making of devotees — so those who wish to become devotees should follow this. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:30:50 · 24 August 2026

Q_3321 (Rohit) Pranam at your feet. I am a student; for the last 10 years I was in depression. I wandered to many places, took much treatment, my parents tried every remedy. But since I began Trikal Sandhya my life has improved and I have received something like a boon. Please guide me on what path my life should follow further.

Answer: First of all I say it is the grace of God for those who do Trikal Sandhya. Son, you do Trikal Sandhya — in Trikal Sandhya you have obtained the grace of Bhagwan Vishnu. Today in Bharat many young people, many youths, are in anxiety, in depression, in great problems. They adopt many methods, they take many medicines; but in my view, do Trikal Sandhya once and see how much of God's grace is received in it. I give thanks to you, son, that you do Trikal Sandhya. Become an ideal for the youth, and I tell the youths who are watching to follow you too. Not only that, son — Trikal Sandhya has removed the conflict and turmoil of your mind and its ideas; more than that, it will also make your life secure, and God will carry you up to Satya Yuga. For the attainment of infinite happiness in life, Trikal Sandhya is the only medium. No material element, no human element, no sponsored element can transform a human being; until the grace of Bhagwan Vishnu is received, a person gets nothing in this life. He who has once fixed his attention on Bhagwan Vishnu — his life has become meaningful, and your life has become meaningful. Son, there is great joy. Keep doing Trikal Sandhya. At any time from Brahma Muhurta up to 12 at night, read one page, one shloka of the Bhagavat, and along with that chant the name of Madhava within your mind at all times. And I wish that God may bestow His grace upon the humans of Satya Yuga. Jai Jai Shri Madhav.

► Watch this answer · 00:32:59 · 24 August 2026

Q_3322 Pandit ji, I had strayed — I read and heard things written against you in various places and started walking that path. But today, seeing that every word of yours is coming true, the faith that had broken is fully restored and I look entirely towards you. Meanwhile my mind remains very restless and I also get very angry. Please guide me and give me a solution.

Answer: Jai Jagannath. This is a very joyful thought. See — 'Muni mati-bhrama... mam dosh nahin' — even munis and rishis make mistakes; we are ordinary humans, so such mistakes and wrong ideas come to us from sanga-dosha (fault of company). I want to say one thing: with those who are kusangi (bad company), kubuddhi (evil-minded), of bad conduct and without good character — never keep contact with such people. By keeping contact with such people, even pinda-daan does not reach the pitru-lok. By keeping contact with such people, poison enters into nectar. And from such company — 'bidhi bas sujan kusangat pari' — even a good person, like you, sometimes gets wrong ideas because of bad company; but the purity and the samskara of birth and karma that he has — as you have — that samskara again becomes alive in him and he becomes a divine human. I pray to God that those people who today understand wrongly, who through bad company have abandoned Dharma, niti, purity and truth, may come to truth and understand truth. See — I have no disciple. I am nobody's guru. I have no ashram. I have nothing at all. I wander here and there. Even so I have not abandoned dharma-prachar. The asuras have tried again and again even to kill me. Even then I did not abandon Dharma, because birth happened through Dharma, death too will happen — even then I will seek Dharma, and I am not far from Dharma. And I wish that the anger that comes into your mind at this time, the thoughts that come, the conflict that comes, will go away. Do Trikal Sandhya once at night before sleeping. In this your welfare will happen. And in this way you become history. Those people who are abandoning Dharma, those who even after understanding the truth oppose truth with wrong ideas — may they too understand the truth. Truth never burns in fire. Truth is never erased. Truth is never destroyed. This is absolutely true, son. Dharma is Dharma and karma is karma, and in this world even great munis suffer delusion of intellect; but there is no fault in you — you are always good, remain good. Follow this Trikal Sandhya, Bhagwat pathan and the name of Madhava, and once before sleeping at night do Trikal Sandhya — your welfare will happen. Jai Jagannath.

► Watch this answer · 00:35:27 · 24 August 2026